ISBN 978-93-340-9728-3 (Book)
ISSN 2229-547X (online)



विदेह ४०० म अंक १५ अगस्त २०२४

(वर्ष १७ मास २०० अंक ४००)

"अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्" पर केंद्रित

[विदेह (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) www.videha.co.in]



विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम्



विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर।



Videha eJournal (link www.videha.co.in) is a multidisciplinary online journal dedicated to the promotion and preservation of the Maithili language, literature and culture. It is a platform for scholars, researchers, writers and poets to publish their works and share their knowledge about Maithili language, literature, and culture. The journal is published online to promote and preserve Maithili language and culture. The journal publishes articles, research papers, book reviews, and poetry in Maithili and English languages. It also features translations of literary works from other languages into Maithili. It is a peer-reviewed journal, which means that articles and papers are reviewed by experts in the field before they are accepted for publication.

Font/ Keyboard Source: https://fonts.google.com/ , https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts , https://keyman.com/

These are print-on-demand books, send your queries to editorial.staff.videha@gmail.com. The eBooks of some of these are available for sale on Google Play [(c) Preeti Thakur, sales.videha@gmail.com], send your queries to sales.videha@gmail.com. The contents and documents e-published by Videha (since 2000) ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004) are periodically being checked for accessibility issues. People with disabilities should not have difficulty accessing these contents/ documents.

Cover designed by AUM GAJENDRA THAKUR

Videha e-Journal: Issue No. 400 at www.videha.co.in

समानान्तर परम्पराक विद्यापति- *चित्र विदेह सम्मानसँ सम्मानित श्री पनकलाल मण्डल द्वारा*

मैथिली भाषा जगज्जननी सीतायाः भाषा आसीत्। हनुमन्तः उक्तवान- मानुषीमिह संस्कृताम्।

अनुक्रम

ऐ अंकमे अछि:-



१.०.गजेन्द्र ठाकुर- नूतन अंक सम्पादकीय

विदेहक ४०० म अंक १५ अगस्त २०२४ "अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्" पर केंद्रित अछि। ऐ लेल निम्न विषयपर लेखक सभसँ आलेख आमंत्रित कएल गेल छल।

१) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् केर गठनक प्रमाणिक इतिहास।

२) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् केर जिला, राज्य आ ओकर कार्यकर्ता केर विवरण।

३) अन्तर्राष्ट्रीय बनाम अन्तरराष्ट्रीय केर संदर्भमे संस्था एवं अन्य देशमे एकर उपस्थिति।

४) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आ मिथिला केर नव चेतना।

५) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आ विभिन्न जाति केर समन्वय।

६) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् द्वारा भेल विभिन्न आंदोलन आ तकर लेखा-जोखा एवम् ओकर प्रभाव।

७) मैथिलीकेँ अष्टम अनुसूचीमे स्थान आ अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् केर प्रयास।

८) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् केर राजनैतिक दृष्टिकोण।

९) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्: राष्ट्रवाद आ धर्म निरपेक्षता केर संदर्भमे।

१०) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आ साहित्य।

११) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आ पत्र-पत्रिका।

१२) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आ विज्ञान।

१३) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आ कला।

१४) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आ समाज।

१५) अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आ ओकर भविष्य।

१६) आरो कोनो विषय।

"विदेह द्वारा एक बेरमे कोनो एकटा जीवित संस्था, पत्रिका बा संस्था-पोथी-पत्रिकासँ जुड़ल स्वयंसेवीक समग्र मूल्यांकंन श्रृंखला"

निअम:

१) संस्था कैटेगरी- संस्थाक काज माला आदि पहिरेनाइ, पत्रिका-स्मारिका आदि छपेनाइ, जे मात्र रेकॉर्ड बनेबाले हुअय, नै हुअय। संस्था द्वारा जातिवादी कट्टरता नै बढ़ाओल जेबाक शर्त रहत, संस्था पॉकेट संस्था नै हेबाक चाही आ जीवित हेबाक चाही।

२) संस्था-पोथी-पत्रिकासँ जुड़ल स्वयंसेवी कैटेगरी- लेखक-प्रकाशकसँ इतर आन जे लोक पोथी-पत्रिका केर बिक्री कऽ अपन जीवय-यापनक संग मैथिलीक प्रचारमे सहायक छथि, संगमे संस्था (रंगमंच संस्था सहित) सभसँ सम्बन्धित स्वयंसेवी, तिनको मूल्यांकन विदेह विशेषांक निकालि कऽ करत।

३) पत्रिका कैटेगरी- मैथिलीक कोनो पत्रिकाक ऊपर विदेह विशेषांक प्रकाशित करत। मुदा ऐलेल ओइ पत्रिकाक सभ अंक विदेहपर डाउनलोड लेल ओइ पत्रिकाक संपादक बा कॉपीराइट

धारक देता, से शर्त अछि।

चयन प्रक्रियाक निअम "विदेहक जीवित लेखक-सम्पादक, आन्दोलनी, सार्वजनिक जीवन जीनिहार, कला-संगीत-रंगमंचकर्मी आ रंगमंच-निर्देशक पर विशेषांक श्रृंखला"क चयन प्रक्रियाक निअम सन अछि।

निअम:

१) लगभग पाँच-छह मास पहिनेसँ विदेह अपन पाठककेँ सुझाव देबा लेल लेल सूचना दैत अछि।

२) आएल सुझावमेसँ विदेह मात्र जीवित लोकक चयन करैत अछि।

३) ऐ सभ लोकक लेखन/ काज एवं आचरणक साम्यता देखल जाइत अछि। जिनकर लेखन/ काज ओ आचरणमे बेसी साम्यता (कम फाँक) भेटैए तेहन छह टा नाम चयनित होइत अछि।

४) छह नाम एलापर ई तुलना कएल जाइत छै जे ई छहो गोटेकेँ लेखन/ काजक एवजमे समाजसँ की भेटलनि।

५) जिनका सभसँ कम भेटल बुझाइत अछि तइ तीन लोककेँ अगिला चरण लेल राखि लेल जाइत अछि।

६) ऐ तीन चयनित जीवित लोकक रचना, काज आ उद्देश्य आदिक बीचमे परस्पर तुलना कएल जाइत अछि।

७) अंतिम रूपसँ विदेह द्वारा एकटा नाम चुनि सालक अंतमे घोषणा कएल जाइत अछि आ नियत समयपर ई विशेषांक

निकालबाक प्रयास कएल जाइत अछि।

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.१. प्रस्तुत विशेषांकक संदर्भमे

1

विदेहक ई 400म अंक अछि।

2008 सँ एखन धरि विदेह http://videha.co.in/ द्वारा जे विशेषांक सभ आएल अछि तकरा तीन चरणमे बाँटि सकैत छी।

पहिल चरण 2008सँ जनवरी 2015 धरि जाहिमे विषय आधारित विषेषांक सभ प्रकाशित भेल आ मधुपजीपर सेहो विषेषांक प्रकाशित भेल। एकदम प्रारंभिक विषेषांक सभमे "विशेषांक" नाम नहि लीखल गेल छै मुदा ओहिमे ओहन रचनाक बेसी स्थान देल गेल छै सायास रूपें (क्रम-1 सँ 12)।

दोसर चरण भेल 2015 सँ लऽ कऽ एखन धरि जाहिमे मात्र जीवित लेखकपर विशेषांक प्रकाशित करबाक निर्णय लेल गेल आ इम्हर पछिला बर्ख एहिमे संस्था आ पत्र-पत्रिकापर विशेषांक प्रकाशित करबाक सेहो निर्णय लेल गेल क्रम- 13 एवं 14, 20 सँ 32)।

तेसर चरण भेल पछिला सालमे विदेहक संपादक द्वारा "नित नवल सिरीज" प्रकाशित करबाक (एकर विवरण अलगसँ देल गेल अछि)।

विदेह द्वारा 'जीवैत लेखकपर विशेषांक शुरू कएल गेल छल

2015 सँ जे विभिन्न नामसँ होइत आब "विदेहक जीवित मैथिलकर्मी, संगीतकर्मी, साहित्यकार-सम्पादक आ रंगमंचकर्मी-रंगमंच-निर्देशकपर विशेषांक श्रृंखला" नामसँ जानल जाइत अछि। मैथिलकर्मीसँ हमर सभहक आशय जिनकर काज मिथिला-मैथिली-मैथिली लेल कोनो माध्यमसँ भेल हो। ओ संगठनकर्ता सेहो भऽ सकै छथि, आन भाषाक लेखक सेहो। तहिना संगीतकर्मी मने गीत-संगीतसँ जुड़ल लोक। निच्चा एहि सभ चरण केर विस्तृत सूचना क्रमबद्ध रूपें देल जाएत।

विदेहक विशेषांक सभ लेल हम ओहनो लोक सभ लग आलेख लेल जाइत छी, हुनका सूचना दैत छी जे कि हमर, विदेह या गजेन्द्र ठाकुरक धुर विरोधी छथि। दू-चारि लोक कहि सकै छथि जे हमरा सूचना नहि भेटल, तऽ हुनकासँ हमर आग्रह जे कमसँ कम ओ अपन ह्वाटसएप आ फेसबुक केर मैसेज बॉक्स (इनबॉक्स) देखथि। हमर एहि प्रयासक प्रतिफल विदेहक आन विशेषांक संगे एहूमे देखाइ पड़त से उम्मेद अछि।

फरवरी 2024 मे विदेह "अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद् विशेषांक" प्रकाशित करबाक सार्वजनिक घोषणा केलक आ प्रस्तुत अछि ई विशेषांक। एहि सूचनाकेँ एहि लिंकपर देखि सकैत छी-घोषणा।

पोथीक रूपमे तँ संस्थाक उपर काज भेल छै। पत्रिका सभमे सेहो छिटपुट रिपोर्ट वा संस्था सभहक सूची बला आलेख सभ छपैत रहलैए। मुदा एखन धरि कोनो पत्रिका कोनो संस्थापर विशेषांक प्रकाशित करबाक ई दोसर प्रयास अछि। पहिल प्रयास सेहो

विदेहे द्वारा भेल छल "मिथिला स्टूडेंट यूनियन (MSU) विशेषांक 1 जून 2023 अंक 371" केर रूपमे।

अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्पर प्रस्तुत विशेषांकमे आलेख कम आ संस्थाक सदस्य (विशेषतः धनाकर ठाकुर) सभ द्वारा प्रदत इतिहास, एकर क्रियाकलाप आदि बेसी भेटत। एकर माने ई भेल जे ई विशेषांक अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद् केर काजक कच्चा चिट्ठा भेल एहि विशेषांक आधारपर भविष्यमे एहि संस्थाक मूल्यांकन कएल जेतै। माने ई शुद्ध रूपसँ इतिहास भेल। ओना एहि इतिहासकेँ क्रमबद्ध रखबाक प्रयास कएल गेल अछि मुदा किछु इतिहासक विवरणक प्रतीक्षामे छी आ भविष्यमे एकरा जोड़ल जाएत। संगहि जेना कि संस्था आधारित ई दोसरे विशेषांक अछि तँइ हमरा लग एकर कोनो निजगुत स्वरूप नै अछि मुदा उम्मेद अछि जे संस्थापर कोनो पत्रिका विशेषांक प्रकाशित करऽ तकर स्वरूपक बानगी एहि विशेषांकमे भेटत।

एहि विशेषांकसँ पहिने विदेह 32 टा विशेषांक प्रकाशित कऽ चुकल अछि आ एहिठाम आब हम कहि सकैत छी जे ई एकटा चुनौतीपूर्ण काज छै। अनेक संकट केर सामना करए पड़ैत अछि लेख एकट्ठा करएमे। मुदा संगहि ईहो हम कहब जे संकटसँ बेसी हमरा लग समर्थन अछि। हँ, ई मानएमे हमरा कोनो दिक्कत नहि जे जतेक लेख केर उम्मेद केने रहैत छी हम ततेक नै आबैए, जतेक लोक लिखबाक लेल गछैत छथि से सभ अंत- अंत धरि

आबि चुप्प भऽ जाइत छथि। आ एकर कारणो छै, किनको ई लागै छनि जे आनपर लिखब से हम अपने रचना किए ने लीखि लेब, किनको लग पोथिए नै रहै छनि, जखन कि हम सभ यथासंभव पाठककेँ विकल्प रूपमे पोथीक पी.डी.एफ फाइल सेहो देबाक लेल तैयार रहैत छी। कियो विदेहक समावेशी रूपसँ दुखी छथि, तँ किनको मित्रकेँ विदेहसँ दिक्कत छनि तँइ ओ नहि देता। एकरो हम संकटे बुझै छियै जे सभ फेसबुकपर लंबा-लंबा लेख वा कमेंट टाइप कऽ लै छथि सेहो सभ विदेह लेल हाथसँ लिखल पठाबैत छथि। जे सभ कहियो काल फेसबुकपर टाइप कऽ लीखै छथि तिनकर आलेख हम सभ टाइप करिते छी। खएर पहिने कहलहुँ जे संकटसँ बेसी समर्थन अछि तँइ आइ पहिलसँ लऽ कऽ 33म (संस्था सहित) विशेषांक धरि पहुँचलहुँ हम। आन विशेषांक लेल इएह बात मानू। 2008 सँ लऽ कऽ 2024 क एखन धरि 33 टा विशेषांक प्रकाशित भेल मने बर्खमे दू टासँ कनी बेसी। निश्चिते समर्थन बेसी भेटल हमरा। जखन कि विदेहक ई तैंतीसो विशेषांक केर अलावे आन अंक हरेक पंद्रह दिनपर (मासमे दू बेर) लगातार प्रकाशित भइए रहल अछि। एकर अतिरिक्त ईहो बात संतोषदायक अछि जे विदेहक हरेक व्यक्तिपरक विशेषांक अभिनंदनग्रंथ हेबासँ बाँचि गेल अछि। मुख्यधारा जकाँ विदेहकेँ अभिनंदनग्रंथ नहि चाही। अभिनंदनग्रंथ अहू दुआरे नै चाही जे ओहिसँ लेखक वा जिनकापर निकालल गेल छनि तिनकामे सुधारक गुंजाइश खत्म भऽ जाइत छै। तँइ

विदेहक विशेषांकमे आलोचना-प्रसंशा सभ भेटत।

पहिने विदेहक सभ अंक नागरी, तिरहुता आ ब्रेल लिपिमे प्रकाशित होइत छल आब एहिमे कैथी, नेवाड़ी, आइ.पी.ए., नेवारी, रंजना (नेवारी केर एक आर रूप), ब्राह्मी, खरोष्ठी, उर्दू, तिब्बती एवं तिब्बती-उमे लिपि सेहो जोड़ल गेल अछि। कुल मिला कऽ देखी तँ विदेह बारह लिपि अपना लेल रखने अछि जाहिमेसँ देवनागरी आ मिथिलाक्षर (तिरहुता) लिपिमे विदेह लगातार प्रकाशित भऽ रहल अछि।

2

पाठक जखन एहि विशेषांककेँ पढ़ताह तँ हुनका वर्तनी ओ मानकताक अभाव लगतनि। वर्तनीक गलती जे थिक से सोझे-सोझ हमर सभहक गलती थिक जे हम सभ संशोधन नै कऽ सकलहुँ मुदा ई धेआन रखबाक बात जे विदेह शुरुएसँ हरेक वर्तनी बला लेखककेँ स्वीकार करैत एलैए। तँइ मानकता अभाव स्वाभाविक। एकर बादो बहुत वर्तनीक गलती रहल गेल अछि जे कि हमरे सभहक गलती अछि। मैथिलीमे किछुए एहन पत्रिका अछि जकर वर्तनी एकरंगक रहैत अछि आ ई हुनक खूबी छनि मुदा जखन ओहो सभ कोनो विशेषांक निकालै छथि तखन वर्तनी तँ ठीक रहैत छनि मुदा सामग्री अधिकांशतः बसिये रहैत छनि। ऐतिहासिकताक दृष्टिसँ कोनो पुरान सामग्रीक उपयोग वर्जित नै छै मुदा सोचियौ जे 72-80 पन्नाक कोनो प्रिंट पत्रिका होइत छै

ताहिमे लगभग आधा सामग्री साभार रहैत छनि, तेसर भागमे लेखक केर किछु रचना रहैत छनि आ चारिम भागमे किछु नव सामग्री रहैत छनि। मुदा हमरा लोकनि नव सामग्रीपर बेसी जोर दैत छियै। एकर मतलब ई नहि जे वर्तनीमे गलती होइत रहै। हमर कहबाक मतलब ई जे संपादक-संयोजककेँ कोनो ने कोनो स्तरपर समझौता करहे पड़ैत छै से चाहे वर्तनीक हो कि, मुद्राक हो कि विचारधारक हो कि सामग्रीक हो। हमरा लोकनि वर्तनीक स्तरपर समझौता कऽ रहल छी मुदा कारण सहित। प्रिंट पत्रिका एक बेर प्रकाशित भऽ गेलाक बाद दोबारा नै भऽ सकैए (भऽ तँ सकैए मुदा फेर पाइ लागि जेतै) तँइ ओकर वर्तनी यथाशक्ति सही रहैत छै। इंटरनेटपर सुविधा छै जे बीचमे (इंटरनेटसँ प्रिंट हेबाक अवधि) ओकरा सही कऽ सकैत छी मुदा सामग्रिए बसिया रहत तँ सही वर्तनी रहितो नव अध्याय नै खुजि सकत तँइ हमरा लोकनि वर्तनी बला मुद्दापर समझौता केलहुँ। हमरा लोकनि कएलनि, कयलनि ओ केलनि तीनू शुद्ध मानैत छी, एतेक शुद्ध मानैत छी एकै रचनामे तीनू रूप भेटि जाएत। आन शब्दक लेल एहने बूझू।

उम्मेद अछि जे पाठक विदेहक आने विशेषांक जकाँ एकरा पढ़ताह आ पढ़ि एकर नीक-बेजाएपर अपन सुझाव देताह। जँ अहाँ अइ विशेषांक केर PDF पढ़ि रहल छी तँ कोनो शब्द वा पाँति अंडरलाइनमे वा बिना अंडरलाइनकेँ नीला वा कोनो रंगक देखाए तँ बुझि लिअ जे ओहिमे लिंक देल गेल छै रेफरेंस लेल आ

तकरा क्लिक करबै तँ ओ लिंक खुजि जाएत। कोनो-कोनो फोटोमे सेहो लिंक देल गेल छै। पाठक एहि माध्यमसँ कम समयमे रेफरेंस सभहक अध्ययन कऽ सकै छथि। मुदा प्रिंटमे प्रकाशित पोथीमे ई सुविधा नै रहत। अइ कारणसँ भऽ सकैए जे पाठककेँ एहि पोथीक किछु पाँति प्रचलित नै बुझेतनि। जाहि ठाम लिंक देल गेल छै ताहि ठामक पाँतिक किछु शब्दक बीच बेसी स्थान छूटल छै। ओकरा एक पाँति बना पढ़ी से आग्रह। हम चाहितहुँ तँ सभ लिंक वा चित्रकेँ एकठाम दऽ सकै छलहुँ मुदा हमर सोच अछि जे पाठककेँ एकै ठाम तर्क आ सबूत भेटनि।

विदेहक द्वारा जीवैत लेखक ओ संस्थाक विशेषांक शृखंलामे प्रकाशित भेल आन विशेषांक सभहक लिस्ट एना अछि (एहिठाम जे अंकक लिस्ट देल गेल अछि ताहि अंकपर क्लिक करबै तँ ओ अंक खुजि जाएत)। जे विशेषांक केर विदेहक लिंक छै ठीक तकर निच्चा एहि किछु विशेषांकक पोथी.कॅम केर प्रिंट ऑन डिमांड लिंक अछि जाहि ठाम पाठक एकरा ऑनलाइन कीनि सकै छथि [लिंक- http://www.videha.co.in/videha.htm आ http://www.videha.co.in/pothi.htm]-

1) हाइकू विशेषांक 12 म अंक, 15 जून 2008

2) गजल विशेषांक 21 म अंक, 1 नवम्बर 2008

3) विहनि कथा विशेषांक 67 म अंक, 1 अक्टूबर 2010

4) बाल साहित्य विशेषांक 70 म अंक, 15 नवम्बर 2010

5) नाटक विशेषांक 72 म अंक 15 दिसम्बर2010

6) समीक्षा विशेषांक

7) नारी विशेषांक 77म अंक 01 मार्च 2011

8) अनुवाद विशेषांक (गद्य-पद्य भारती) 97म अंक

9) बाल गजल विशेषांक विदेहक अंक 111 म अंक, 1 अगस्त 2012

10) भक्ति गजल विशेषांक 126 म अंक, 15 मार्च 2013

11) गजल आलोचना-समालोचना-समीक्षा विशेषांक 142 म, अंक 15 नवम्बर 2013

12) काशीकांत मिश्र मधुप विशेषांक 169 म अंक 1 जनवरी 2015

13) अरविन्द ठाकुर विशेषांक 01 नवम्बर 2015 अंक 189 https://store.pothi.com/book/गजेन्द्र-ठाकुर-सम्पादक-विदेह-अरविन्द-ठाकुर-विशेषांक/

विदेहक अरविन्द ठाकुर विशेषांक केर पोथी रूप "स्वतंत्रचेता-अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व" केर नामसँ प्रकाशित भेल।

14) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक 01 दिसम्बर 2015 अंक 191

https://store.pothi.com/search/?q=गजेन्द्र%20ठाकुर

15) विदेह सम्मान विशेषाक- 200म, भाग-1, 15 अप्रैल

2016

16) विदेह सम्मान विशेषाक- 205म, भाग-2, 1 जुलाई 2016

17) मैथिली सी.डी./ अल्बम गीत संगीत विशेषांक- 217 म अंक 01 जनवरी 2017

18) मैथिली वेब पत्रकारिता विशेषांक-313म अंक 1 जनवरी 2021

19) मैथिली बीहनि कथा विशेषांक-2, 317 म अंक 1 मार्च 2021

20) रामलोचन ठाकुर विशेषांक 01 अप्रैल 2021 अंक 319 https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-रामलोचन-ठाकुर-विशेषांक/

21) राजनन्दन लाल दास विशेषांक 01 नवम्बर 2021 अंक 333 https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-विदेह-राजनन्दन-लाल-दास-विशेषांक/

22) रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक 15 जून 2022 अंक 348 https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-विदेह-रवीन्द्रनाथ-ठाकुर-विशेषांक/

23) केदारनाथ चौधरी विशेषांक 15 अगस्त 2022 अंक 352 https://store.pothi.com/book/gajendra-

thakur-editor-विदेह-केदार-नाथ-चौधरी-विशेषांक/

24) प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' विशेषांक 01 नवम्बर 2022 अंक 357
https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-प्रेमलता-मिश्र-प्रेम-विशेषांक/

25) शरदिन्दु चौधरी विशेषांक 15 नवम्बर 2022 अंक 358
https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-शरदिन्दु-चौधरी-विशेषांक/

26) “कला-विमर्श विशेषांक (सन्दर्भ- संजू दास, कृष्ण कुमार कश्यप, शशिबाला, एस.सी.सुमन आ श्वेता झा चौधरी)” 15 अप्रैल 2023 अंक 368
https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-कला-विमर्श-विशेषांक-सन्दर्भ-संजू-दास-कृष्ण-कुमार-कश्यप-शशिबाला-एस-/

27) अशोक विशेषांक 1 मइ 2023 अंक 369
https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-रचनाकार-अशोक-विशेषांक/

28) रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर' विशेषांक 15 मइ 2023 अंक 370
https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-राम-भरोस-कापड़ि-भ्रमर-विशेषांक/

29) मिथिला स्टूडेंट यूनियन (MSU) विशेषांक 1 जून 2023

अंक 371
https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-मिथिला-स्टूडेण्ट-यूनियन-एम-एस-यू-विशेषांक/
30) लक्ष्मण झा सागर विशेषांक (15 नवम्बर 2023 अंक 382)
https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-३८२-म-अंक-१५-नवम्बर-२०२३-लक्ष्मण-झा-सागर-विशेषांक/
31) नरेन्द्र झा विशेषांक (1 जून 2024 अंक 395)
https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-३९५-म-अंक-०१-जून-२०२४-नरेन्द्र-झा-विशेषांक/
32) भाषाविद् रामावतार यादव विशेषांक
https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-editor-विदेह-३९६-म-अंक-१५-जून-२०२४-भाषाविद्-रामावातार-यादव-विशेषांक/

3

विदेहक जीवित विशेषांक श्रृंखलामे किनकर चयन हो ताहि लेल मोटा-मोटी निच्चाक किछु बिंदुक पालन कएल जाइत अछि-

1) लगभग पाँच-छह मास पहिनेसँ विदेह अपन पाठककेँ सुझाव

देबा लेल लेल सूचना दैत अछि।

2) आएल सुझावमेसँ विदेह मात्र जीवित लेखककेँ चयन करैत अछि। संस्था सेहो वर्तामनमे जीवंत हेबाक चाही।

3) सभ जीवित मैथिलकर्मी, संगीतकर्मी, साहित्यकार-सम्पादक आ रंगमंचकर्मी-रंगमंच-निर्देशकक बीचमे हुनकर लेखन/ काज एवं आचरणक साम्यता देखल जाइत अछि। जाहि लेखकक लेखन/ काज ओ आचरणमे बेसी साम्यता (कम फाँक) भेटैए तेहन छह टा नाम चयनित होइत अछि।

4) छह नाम एलापर ई तुलना कएल जाइत छै जे ई छहो मैथिलकर्मी, संगीतकर्मी, साहित्यकार-सम्पादक आ रंगमंचकर्मी-रंगमंच-निर्देशक अथवा संस्थाकेँ रचना लिखबाक वा समाजिक काज केलाक एवजमे समाजसँ की भेटलनि।

5) जिनका सभसँ कम भेटल बुझाइत अछि ताहि तीन मैथिलकर्मी, संगीतकर्मी, साहित्यकार-सम्पादक आ रंगमंचकर्मी-रंगमंच-निर्देशक,-संस्थाकेँ अगिला चरण लेल राखि लैत छी।

6) एहि तीन चयनित जीबित मैथिलकर्मी, संगीतकर्मी, साहित्यकार-सम्पादक आ रंगमंचकर्मी-रंगमंच-निर्देशकक वा संस्थाक रचना, काज, हुनक उद्येश्य आदिक बीचमे परस्पर तुलना कएल जाइत अछि आ,

7) अंतिम रूपसँ विदेह द्वारा नाम चुनि सालक अंतमे घोषणा कएल जाइत अछि आ नियत समयपर ई विशेषांक निकालबाक प्रयास करैत छी। एकर मतलब ई भेल जे पाठककेँ सुझाव देबाक

सूचना हरेक बर्खक अप्रैल-मइ धरिमे चलि जाइत छनि।

प्रश्न उठि सकैए जे कि उपरक नियम एहन छै जाहिमे अंतिम रूपसँ सभ सुयोग्य जीवित लेखक केर चयन समयपर भ़ऽ जेतनि? तऽ एकर उत्तर छै- नै। विदेहक पाठक लग सेहो अपन सीमा छनि। मुदा अही सीमाक संगे हमरा सभकेँ अपन यथासाध्य श्रेष्ठ देबाक छै आ मैथिली लेल एकटा एहन रस्ता बना देबाक छै जाहिसँ आबए बला 500-600 बर्खक साहित्य विदेहक लीकसँ प्रेरणा पाबए। अही विचारक संग विदेह ओहन जीवित लेखकपर अपन धेआन सेहो केंद्रित कऽ रहल अछि जे कि सुयोग्य छथि मुदा जिनकापर विदेहक विशेषांक कोनो कारणवश नहि प्रकाशित भऽ सकल। एकर नाम भेल विदेहक "नित नवल सिरीज"। एहि नव विचारक मुख्य बिंदु एना अछि-

1) विदेहक संपादक गजेन्द्र ठाकुर एकटा कोनो जीवित लेखक वा कलाकारपर एकाग्र आलोचना करता मने ओहि लेखक केर उपलब्ध सभ साहित्यपर। एहि पोथीक भाषा मैथिली अथवा अंग्रेजी कोनो एक भाषामे रहत। एहि पोथीक पहिल रूप ई-बुक केर रूपमे आएत आ प्रयास रहत जे एकर प्रिंट सेहो आबए जे कि परिस्थितिपर निर्भर करतै।

2) लेखक वा कलाकार केर चुनाव संपादक अपन रुचि वा विदेह टीमक रुचि केर हिसाबें करता।

3) एहिमे ओहने लेखक वा कलाकार केर चयन संभव हएत

जिनकर उपलब्ध हरेक पोथीक PDF रूपमे विदेहक माध्यमसँ सार्वजनिक भेल छनि। कलाकार लेल यूट्यूब एवं आन साइट सेहो मान्य हेतै।

4) एहि परियोजनाक लेल चयनित लेखक वा कलाकारपर काज संपादक केर समय केर अनुसारे हेतै। तँइ एकर समय सीमा कहब संभव नहि।

नित नवल सिरीजमे एखन धरि प्रकाशित पोथीक सूची एना अछि (पहिनेक विशेषांक सभमे ई क्रम नहि छल, एहिठाम संशोधित आ पूर्ण सूची अछि)-

[लिंक- http://www.videha.co.in/investigation.htm , http://www.videha.co.in/videha.htm आ http://www.videha.co.in/pothi.htm]-

1. Rajdeo Mandal- Maithili Writer (2022)

2. JAGDISH PRASAD MANDAL- Maithili Writer (2023)

3) नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (2023)(ई प्रिंट ऑॅन डिमांड रूपमे सेहो अछि)

https://store.pothi.com/book/गजेन्द्र-ठाकुर-नित-नवल-सुभाष-चन्द्र-यादव/

4) नित नवल सुशील (2023, संशोधित 2024)

एकर अतिरिक्त विदेहक वर्तमान अंक सभमे धारावाहिक रूपें

"नित नवल दिनेश मिश्र" सेहो प्रकाशित भऽ रहल अछि जकर पोथी रूप जल्दिये आएत।

4

ऊपर भेल जे काज हम सभ कऽ सकलहुँ तकर विवरण मुदा किछु एहनो घोषणा छै जे कि हम सभ नै कऽ सकलहुँ जेना 2016 मे हम सभ परमेश्वर कापड़ि, कमला चौधरी आ वीरेन्द्र मल्लिक विशेषांक केर घोषणा कइयो कऽ नहि प्रकाशित कऽ सकलहुँ। पाठक एहि घोषणाकेँ एहि लिंकपर देखि सकै छथि- सूचना बादमे विदेहक "वीरेन्द्र मल्लिक विशेषांक" (जे कि प्रकाशित नै भऽ सकल) लेल वीरेन्द्र मल्लिक जीक साक्षात्कार जे नबोनारायण मिश्रजी से विदेहक 337म अंकमे प्रकाशित भेल पाठक एकरा एहि लिंकपर पढ़ि सकै छथि- 1 जनवरी 2022 अंक 337

2017 मे विदेह "नेपालक वर्तमान मैथिली साहित्य" विषयक विशेषांक निकालबाक नेयार केने छल जे एखन धरि पूरा नहि भऽ सकल अछि।

तेनाहिते विदेहक "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक" हमरा लोकनि एखन धरि नै प्रकाशित कऽ सकलहुँ अछि। एकर घोषणा हम 2019 मे केने रही। एहि घोषणाक फेसबुक लिंक देखू।

तेनाहिते विदेहक 'मिथिला विकास परिषद्" विशेषांक केर घोषणा कइयो कऽ नहि प्रकाशित कऽ सकलहुँ अछि। एकर

घोषणा हम जुलाई 2023 मे केने रही। एहि घोषणाक फेसबुक लिंक देखू।

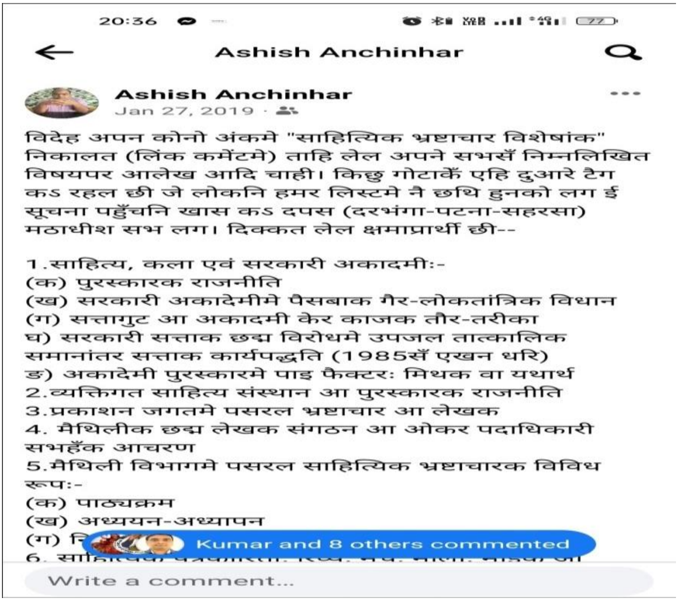
परिशिष्ट-१



विदेहक परमेश्वर कापड़ि , कमला चौधरी आ वीरेन्द्र मल्लिक विशेषांक केर घोषणा

जेना की सभ गोटा जनै छी जे विदेह 2015 मे तीन टा विशेषांक तीन साहित्यकारपर प्रकाशित केलक जकर मापदंड छल सालमे दूटा विशेषांक जीवित साहित्यकारक उपर रहत जइमे एकटा 60-70 वा ओइसँ बेसी सालक साहित्यकार रहता तँ दोसर 40-50 सालक (मैथिली साहित्यकार मने भारत आ नेपाल दूनूक)। ऐ क्रममे अरविन्द ठाकुर ओ जगदीश चंद्र ठाकुर "अनिल"जीपर विशेषांक निकलि चुकल अछि। आगूक विशेषांक किनकापर हुअए तइ लेल एक मास पहिनेसँ पाठकक सुझाव माँगल गेल छल। पाठकक सुझाव आएल आ ओइ सुझाव अंतर्गत विदेहक दू टा अगिला विशेषांक परमेश्वर कापड़ि आ वीरेन्द्र मल्लिकजीक उपर रहत संगे-संग भोटिंगमे दोसर नं पर आएल कमला चौधरीजीपर हमरा सभ सेहो निकालब । हमर सबहक प्रयास रहत जे ई सभ विशेषांक जनवरी ओ फरवरी 2017 मे प्रकाशित हुअए मुदा ई रचनाक उपलब्धतापर निर्भर करत। मने रचनाक उपलब्धताक हिसाबसँ समए ऊपर-निच्चा भऽ सकैए। सभ गोटासँ आग्रह जे ओ अपन-अपन रचना (आलोचना, समीक्षा, समालोचना, संसमरण आदि) 31 दिसम्बर 1016 धरि ggajendra@videha.com पर पठा दी।

परिशिष्ट-२


20:36

Ashish Anchinhar

Ashish Anchinhar
Jan 27, 2019 ·

विदेह अपन कोनो अंकमे "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक" निकालत (लिंक कमेंटमे) ताहि लेल अपने सभसँ निम्नलिखित विषयपर आलेख आदि चाही। किछु गोटाकें एहि दुआरे टैग कऽ रहल छी जे लोकनि हमर लिस्टमे नै छथि हुनको लग ई सूचना पहुँचनि खास कऽ दपस (दरभंगा-पटना-सहरसा) मठाधीश सभ लग। दिक्कत लेल क्षमाप्रार्थी छी--

1.साहित्य, कला एवं सरकारी अकादमी:-
(क) पुरस्कारक राजनीति
(ख) सरकारी अकादेमीमे पैसबाक गैर-लोकतांत्रिक विधान
(ग) सत्तागुट आ अकादमी केर काजक तौर-तरीका
घ) सरकारी सत्ताक छद्म विरोधमे उपजल तात्कालिक समानांतर सत्ताक कार्यपद्धति (1985सँ एखन धरि)
ङ) अकादेमी पुरस्कारमे पाइ फैक्टर: मिथक वा यथार्थ
2.व्यक्तिगत साहित्य संस्थान आ पुरस्कारक राजनीति
3.प्रकाशन जगतमे पसरल भ्रष्टाचार आ लेखक
4. मैथिलीक छद्म लेखक संगठन आ ओकर पदाधिकारी सभहँक आचरण
5.मैथिली विभागमे पसरल साहित्यिक भ्रष्टाचारक विविध रूप:-
(क) पाठ्यक्रम
(ख) अध्ययन-अध्यापन
(ग)

Kumar and 8 others commented

Write a comment...

परिशिष्ट-३

विदेह अपन कोनो अंकमे "साहित्यिक भ्रष्टाचार विशेषांक" निकालत (लिंक कमेंटमे) ताहि लेल अपने सभसँ निम्नलिखित विषयपर आलेख आदि चाही।

1.साहित्य, कला एवं सरकारी अकादमी:-

(क) पुरस्कारक राजनीति

(ख) सरकारी अकादेमीमे पैसबाक गैर-लोकतांत्रिक विधान

(ग) सत्तागुट आ अकादमी केर काजक तौर-तरीका

घ) सरकारी सत्ताक छद्म विरोधमे उपजल तात्कालिक समानांतर

सत्ताक कार्यपद्धति (1985सँ एखन धरि)

ङ) अकादेमी पुरस्कारमे पाइ फैक्टरः मिथक वा यथार्थ

2.व्यक्तिगत साहित्य संस्थान आ पुरस्कारक राजनीति

3.प्रकाशन जगतमे पसरल भ्रष्टाचार आ लेखक

4. मैथिलीक छद्म लेखक संगठन आ ओकर पदाधिकारी सभहँक आचरण

5.मैथिली विभागमे पसरल साहित्यिक भ्रष्टाचारक विविध रूपः-

(क) पाठ्यक्रम

(ख) अध्ययन-अध्यापन

(ग) नियुक्ति

6. साहित्यिक पत्रकारिता, रिव्यू, मंच, माला, माइक आ लोकार्पणक खेल-तमाशा

7.लेखक सभहँक जन्म-मरण शताब्दी केर चुनाव, कैलेंडरवाद आ तकरा पाछूक राजनीति

8.दलित एवं लेखिका सभहँक संगे भेद-भाव आ ओकर शोषणक विविध तरीका

उपरक विषयक अतिरिक्त जँ कियो साहित्यिक भ्रष्टाचारक कोनो नव विषयपर लिखए चाहथि तँ ओकरो स्वागत रहत।

परिशिष्ट- ४



Ashish Anchinhar
Jul 12 ·

जँ कलकत्ता केर विद्वान सभ सहयोग करथि तँ निश्चित तौरपर हम 'मिथिला विकास परिषद्' केर काजक उपर विशेषांक प्रकाशित करब विदेहक माध्यमसँ।

विदेह अपन परिपाटीक अनुसार एहि संस्थाक गुण-दोष-कमी-प्रसंशा-आलोचना सभ लेख प्रकाशित करत।

संस्थाक जे सदस्य सभ एवं विद्वान सभ जँ एकर काजक डाटा बना टाइप कएल लेख देथि तँ ई एकटा नीक काज हेतै।

ओना हम मात्र इच्छा कऽ सकैत छी.......... पूरा करबाक भार कलकत्तापर सेहो टाइप कएल लेखपर निर्भरता रहतै।
Lakshman Jha Sagar Vijay Kr Issar Ashok Jha Anjay Chaudhary भोली बाबा Amar Nath Jha Nabo Narayan Mishra

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.२.परिचय

एहिठाम प्रस्तुत अछि " अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्" केर संक्षिप्त परिचय। एहि परिचयक अधिकांश तथ्य सार्वजनिक अछि जकरा एहिठाम अपना अनुरूप प्रस्तुत केलहुँ अछि। एहि संस्थाकेँ "AMP” केर नामसँ सेहो जानल जाइए। एहि पोस्टरमे अंतरराष्ट्रिय बदला सही शब्द "अंतराष्ट्रीय" पढ़ल जाए से आग्रह।



चित्र- 1

स्थापना- 19-20 जून 1993

संस्थापक- डॉ.धनाकर ठाकुर

वृति- लाभरहित आ गैर राजनीतिक संगठन

उद्येश्य- मिथिला-मैथिलीक सर्वांगीण विकास

उपस्थिति- संपूर्ण देश एवं किछु विदेशमे।

एहि संस्थासँ जुड़ल व्यक्तित्व डा. कमलकांत झा एवं भुवनेश्वर प्रसाद गुरमैता दूनू गोटक निधन अही बर्ख (2024)मे भेल अछि। ई अंक दूनू गोटाकेँ नमन करैत अछि।

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.३. अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद् केर गठनक प्रमाणिक इतिहास

अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषदक स्थापना दिवस आषाढ़ी अमावस्या 20.6.1993क मध्याह्न काल अछि। संभावना तखन अभिजीत मुहूर्त छल 11:55 पूर्वाह्नसँ 12:51 अपराह्न तक (उदय तिथिक अनुसार ओना ताबत आषाढ़ शुक्ल पक्षक प्रतिपदा भय गेल छल), 19-20 जून 1993क डा धनाकर ठाकुर परामर्शी चिकित्सक, इस्पात अस्पताल द्वारा श्यामली, रांचीक प्रेक्षागृहमे प्रथम अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन आहूत छल मेकन-सेलक मैथिली संगठन भारती- -द्वारा जकर पृष्ठभूमि अप्रैल 1992सँ बनैत अछि।

डॉ धनाकर ठाकुरक डायरीक पन्नासँ मालूम होयत जे 37 वर्षक अवस्थामे मेडिकल क्षेत्रमे 1977मे अपन बनाओल नेशनल मेडिकोस आर्गेनाईजेशनक काजमे ओ अति व्यस्त रहैत छलथि देश भरि सांगठनिक कार्यमे अपन छुट्टी लय घुमैत आओर नौकरीमे सेहो ई 3 मे मेडिसिन सन प्रमुख विभागमे सीनियर कंसलटेंट छलथि, भारत सरकारक उपक्रम मेकन लिमिटेड, रांचीक इस्पात अस्पतालमे. दरभंगा मेडिकल कॉलेजसँ MBBS 1978, MD,1985, DCH 1987 बालरोगमे केने जिनक पैतृक घर समौल मधुबनी जिलामे छल किन्तु फारबिसगंज (अररिया जिला)क जन्म आओर मैट्रिक तक पढ़ाइ

- जाहि कारणसँ पूरा मिथिलाक रेल भ्रमण बच्चहिसँ।

29.2.1992- बिहार लोकसेवा आयोग द्वारा मैथिलीकें ऐच्छिक विषयसँ हंटेनाइ रांची एक्सप्रेस दैनिकमे विरोधमे हुनक पोस्टकार्ड लिखनाइ - उपसंपादक रामएकबाल सिंह 'विनीत'क पेपर कटिंगक संग आबि भेंट ओ हूनक शुरू कएल 'मैथिली विकास परिषद' क मीटिंग लेल आमंत्रण। एकाध मीटिंगक बाद सक्रियता। एहि बीचमे हम (डा धनाकर ठाकुर) रांची वा बाहर कतहु किछु केलहूँ हमर मोनमे मैथिली सवार भेल रहलीह। 29.2.1992-20.6.1993क हमर डायरीक टाईम लाइन संकेत देत जे कोना की भेल जकर बाद अनेक फोटो। विश्लेषणात्मक अध्ययन कियो कय सकैत छथि।

29.2.1992 मैथिली बिहार लोकसेवा आयोग परीक्षासं लालू प्रसाद मुख्यमंत्री बिहार द्वारा हँटाओल गेलमार्च 1992 -रांची एक्सप्रेस दैनिकमे एकर विरोधमे डा धनाकर ठाकुरक एक पोस्टकार्डमे मैथिलीकें बिहारक दोसर राजभाषा बनेबाक मांग सेहो(तखन झारखंड सेहो बिहारहि छल)जे अप्रैल शुरूमे प्रकाशित भेल लोकवाणी स्तम्भमे।

6-7.4.1992 अमृतसर- एनएमओ

8.4.1992 जम्मू - एनएमओ

9.4.1992 वैष्णोदेवी

10.4.1992 पटियाला - एनएमओ

11.4.1992 लुधियाना- एनएमओ

12.4.1992 पटियाला- एनएमओ

13.4.1992 चंडीगढ़- एनएमओ

14-15.4.1992 शिमला- एनएमओ

15.4.1992 सहारनपुर- आर.एस.एस

16.4.1992 देहरादून - एनएमओ

17.4.1992 हरिद्वार

18.4.1992 आगरा - एनएमओ

18.4.1992 ग्वालियर - एनएमओ

19.4.1992 झाँसी- एनएमओ

20.4.1992 रीवा - एनएमओ

20.4.1992 सतना - पारिवारिक

21.4.1992 भागलपुर - एनएमओ

24/25.4.1992 रांची- हमर डेरा के-164 श्यामलीमे रांची एक्सप्रेसक उपसंपादक रामएकबाल सिंह 'विनीत,(पीताम्बर चौधरी एवं लक्ष्मण झा संगपीता) भेंट कर पेपर कटिंग लय अयलाह । हुनका द्वारा बनाओल मैथिली विकास परिषदमे सम्मिलित होब कहलाह जे हम असमंजसक संग स्वीकार केलहूं । हमरा 1974 ई मे दरभंगा मेडिकल कॉलेजक मैथिल मेससं एहि लेल निकालि देल गेल छल जे हम कहने छलियैक जे मेसमे सभ जातिक मैथिल खाइथि। हुनक रवि 29 अप्रिल 1992क घृत भंडार, रांची विश्वविद्यालय सामने बैसारक आमन्त्रण

स्वीकार कएल। 29.4.1992 जीवनमे पहिले बेर कोनहूँ मैथिली बैसारमे 3.5.1992 रांची घृत भंडारमे जानकी नवमी 10 मई 1992क मनेबाक प्रस्ताव देल।



(रविदिन हालांकि एनएमओक बैसारक लेल पटनामे रहय के छल) | विनीतजी सीतामाता पर एकटा लेख लिखय लेल कहलखिन्ह जे हम लिखने रही आओर ओहि दिन 10.5.1992क रांची एक्सप्रेसक रविक कॉलममे छपल छल. जानकी नवमी सेहो रांचीमे पहिल बेर विनीतजी आदि द्वारा मनाओल गेल छल |

9-10.5.1992 पटना - एनएमओ बैसार

11-12.5.1992- समौल (मिथिला)क हमर कक्का मधुकर ठाकुर कल्याणी

कांग्रेस (1954 जनवरीक)मिथिला राज्यक मांगक लेल अपन आसनसोल जेलक अनुभवक बखान केलनि

6.7.1992 राँची,जगरनाथपुर,कोढ़ी कालोनी -मेडिकल कैम्प-मेकोन

12.7.1992 राँची- नामकोम - एच.के. झाक डेरा, मैथिली विकास परिषद् बैठक- 'यदि

`हमर वक्तृत्वशक्ति आ तार्किकताक जरुरत तँ (दिल्ली) जायब अपन कर्तित्व बुझि' (प्रधानमंत्री , गृहमंत्रीसँ समय लेला पर विनीतजी आदि फोन करताह।)

26.7.1992 राँची- श्यामली विनीतजी आदिक अष्टम अनुसूची-1992 लेल दिल्ली यात्रा

पर रिपोर्ट। ललित उरांव, वनमंत्रीकेँ ओतय ठहरबाक सुविधा,चतुरानन मिश्रक कथन "20 टाका नोट पर आओर संविधानमे आबि की हैत जाऊ संस्कृत पढ़ू,आदि।”

2.8.1992 रांची, धुर्वा, सेक्टर II, हनुमान मंदिर - पीताम्बरजीक विचार समस्त मैथिल

संगठन सम्मेलन रांचीमे नवम्बरमे हो

8-11.8.1992 कोलकाता

8-11.8.1992 कोलकाता- भेंट बाबू साहेब चौधरीसँ

8-11.8.1992 कोलकाता

15.8.1992 रांची - कमलु झा डेरा

20.8.1992 राँची बैसार

21.8.1992 बोकारो- मैथिली छोड़ि संविधानमे नेपाली,कोंकणी,मणिपुरीकेँ शामिल

करय पर विनीतजी कहलनि जे आब मैथिली लेल राजनीतिक गतिविधि साहित्यिकसँ बेसी आवश्यकता अछि;

मिथिला राज्यक मांग कएल

जाय; मिथिला मुक्ति मोर्चा सन राजनीतिक संगठन बनाओल जाय

22.8.1992 बोकारो - तुला बाबूक संग सेक्टर XII स्कूलमे चर्चा |

23.8.1992 बोकारो - मिथिला सांस्कृतिक परिषद परिसरमे बैसार

26.8.1992 रांची जैन मंदिर -शाकाहारपर बैठक -डॉ.डीसी जैन , सफदरजंग

अस्पताल, दिल्लीक

26.8.1992 राँची,जगरनाथपुर - कोढ़ी कालोनी,

2.9.1992- राँची - मॉंक टिप्पणी-"आब केवल विनीतजीसँ बात होइत छौ।"

6.9.1992 रांची- आरोग्य भवन; आर एम सीएच- भेंट मा.भास्कर राव, अखिल भारतीय

संगठन मंत्री, भारतीय वनवासी कल्याण केंद्र ।

9.9.1992 रांची- शंकरराव चव्हाण, गृह मंत्री कहलाह जे झारखंड बनत

13.9.1992 रांची आर एम सीएच

20.9.1992 रांची- विनीतजी आबि गेलाह मुदा पीताम्बर,मदन, विनोदानन्द नहि ;

मैथिल छात्र संघक बैसार लेल जिला स्कूल नहि जा सकलाह किएक त मदनजी नहि आयल छलाह |

20.9.1992 रांची एक्सप्रेसमे छपल हमर लेख विकास लेल छोट राज्यक गठन वांछनीय (मिथिला राज्य) - नीचामे कलम सँ नामसभ लिखल जे आसनसोलमे 1954 मे गिरफ्तार भेल छलाह जिनक नाम बादमे 2010 मे हमरा 80 वर्षीय नारायण मिश्र , लालबाग़, दरभंगा कहलाह यथा महावीर सिंह,,भीठ भगवानपुर, चंद्रकांत झा, बरसाम,पत्रकार कनकजी, मनीगाछी, हेरम्बनाथ ठाकुर, रामनगर, रहिका लगक जिनकास हम बादमे भेंट केलियैन्हि। “,

नारायण मिश्र कहलाह कि मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह कहलखिन्ह “इस डब्बे को कटवा दीजिये आसनसोल प्लेटफार्म नंबर 1 पर पुलिस घेरामे ओसभ रहलाह। . प्रस्तावक प्रस्ताव समयक ख़तम भेलाक उपरान्त हुनकासभकेँ छोड़ल गेल।”



राँची एक्सप्रेस 20.9.1992

विकासक लेल छोट राज्यक गठन वांछनीय

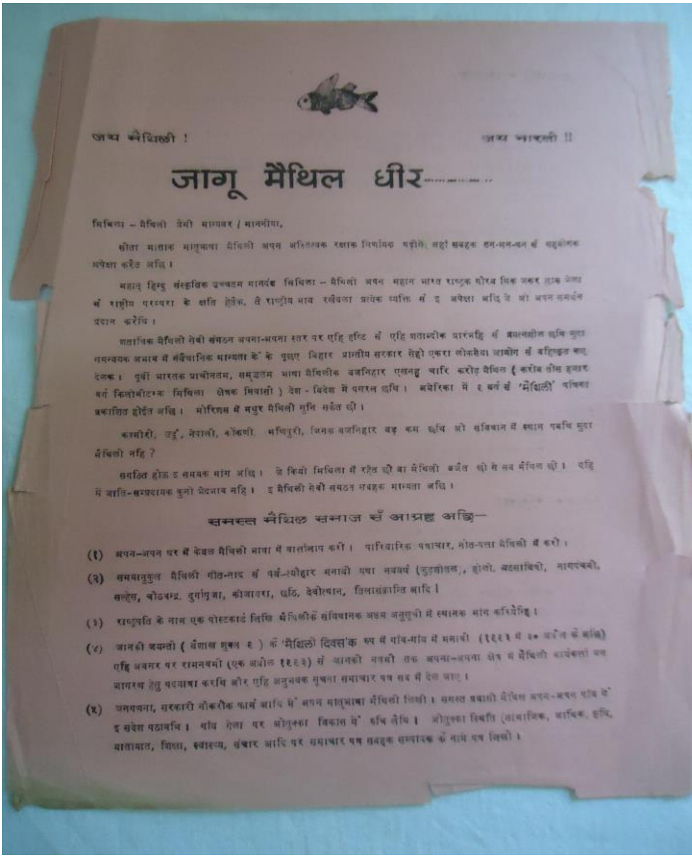
मैथिली

24.9.1992 राँची - जिला विद्यालयमे बैसार

27.9.1992 राँची, के-164 विनीतजी, सुरेन्द्र पाठक, लेखानन्द झा, बिन्देसर झा

अयलाह -जनगणना विभाग पर केस करी - ए के झा बोकारो राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनक लेल तैयार भेलाह ; नवरात्र आइ शुरू भेल-सुरेन्द्र पाठक जनगणनाक आंकड़ाक सूचना फोन पर देलाह ; रामनवमीसँ जानकी नवमी धरि मिथिलामे पदयात्रा लेल विनोबाजीक उत्तराधिकारी बालविजयजीक शुभकामना ';

30.9.1992 यात्रा - राँचीमे छपाओल 'जागू मैथिल धीर' पम्पलेट बरौनीसँ बँटनाई प्रारम्भ (बोकारोमे केओ पम्पलेट लेब लेल नहि अयलाह)



जय मैथिली ! जय भारती !!

जागू मैथिल धीर.........

मिथिला – मैथिली प्रेमी मान्यवर / माननीया,

सीता माताक मातृभाषा मैथिली अपन अस्तित्वक रक्षाक निर्णायक घड़ीमे, अहाँ सबहक तन-मन-धन सँ सहयोगक अपेक्षा करैत अछि।

महान् हिन्दू संस्कृतिक उच्चतम मानदंड मिथिला – मैथिली अपन महान भारत राष्ट्रक गौरव थिक जकर [illegible] सँ राष्ट्रीय परम्परा के क्षति होइछ, तैं राष्ट्रीय भाव रखैवला प्रत्येक व्यक्ति सँ इ अपेक्षा अछि जे ओ अपन समर्थन प्रदान करैथि।

शताधिक मैथिली सेवी संगठन अपना-अपना स्तर पर एहि दृष्टि सँ एहि शताब्दीक प्रारंभहि सँ प्रयत्नशील छथि मुदा समन्वयक अभाव में संवैधानिक मान्यता कें के पूछए बिहार प्रान्तीय सरकार सेहो एकरा लोकसेवा आयोग सँ बहिष्कृत कए देलक। पूर्वी भारतक प्राचीनतम, समृद्धतम भाषा मैथिलीक बजनिहार एखनहु चारि करोड़ मैथिल (करीब तीस हजार वर्ग किलोमीटरक मिथिला क्षेत्रक निवासी) देश - विदेश में पसरल छथि। अमेरिका में ६ वर्ष सँ 'मैथिली' पत्रिका प्रकाशित होइत अछि। मोरिशस में मधुर मैथिली सुनि सकैत छी।

कश्मीरी, उर्दू, नेपाली, कोंकणी, मणिपुरी, जिनक बजनिहार बड़ कम छथि ओ संविधान में स्थान पबथि मुदा मैथिली नहि ?

संगठित होउ इ समयक मांग अछि। जे कियो मिथिला में रहैत छी वा मैथिली बजैत छी से सब मैथिल छी। एहि में जाति-सम्प्रदायक कुनो भेदभाव नहि। इ मैथिली सेवी संगठन सबहक मान्यता अछि।

समस्त मैथिल समाज सँ आग्रह अछि–

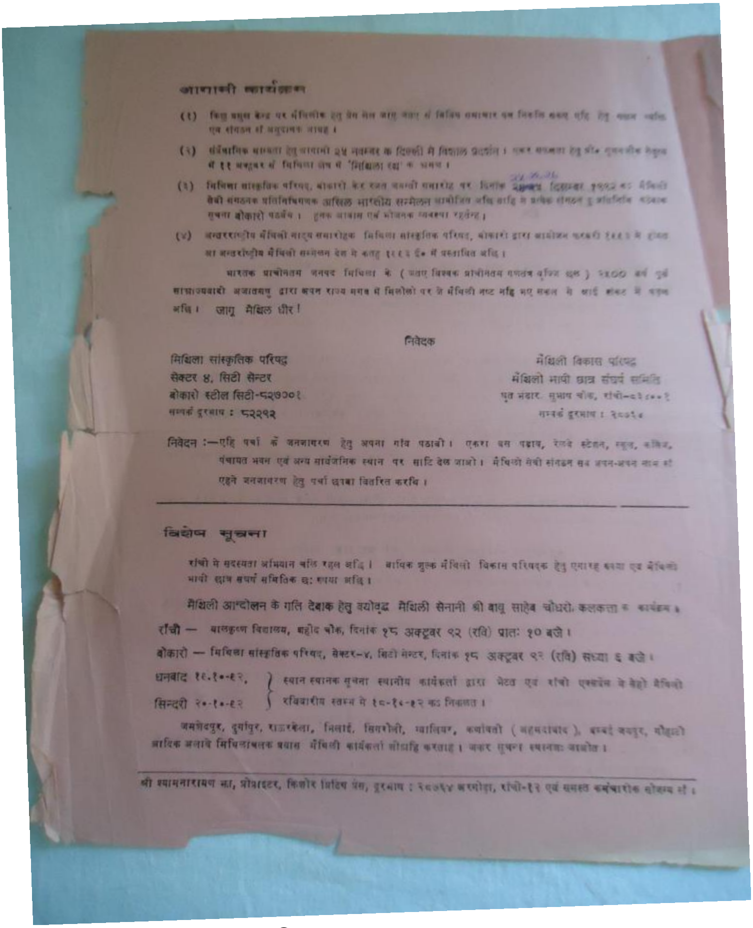
(१) अपन-अपन घर में केवल मैथिली भाषा में वार्तालाप करी। पारिवारिक पत्राचार, [illegible] मैथिली में करी।

(२) समयानुकुल मैथिली गीत-नाद सँ पर्व-त्योहार मनावी यथा नववर्ष (जुड़शीतल), होली, वटसावित्री, नागपंचमी, सल्हेस, चौठचन्द्र, दुर्गापूजा, कोजागरा, छठि, देवोत्थान, तिलासंक्रान्ति आदि।

(३) राष्ट्रपति के नाम एक पोस्टकार्ड लिखि मैथिलीकें संविधानक अष्टम अनुसूची में स्थानक मांग करियेथि।

(४) जानकी जयन्ती (वैशाख शुक्ल ९) कें 'मैथिली दिवस'क रूप में गाँव-गाँव में मनावी (१९९३ में ३० अप्रैल के अछि) एहि अवसर पर रामनवमी (एक अप्रील १९९३) सँ जानकी नवमी तक अपना-अपना क्षेत्र में मैथिली कार्यकर्ता जन जागरण हेतु पदयात्रा करथि और एहि अनुभवक सूचना समाचार पत्र सब में देल जाए।

(५) जनगणना, सरकारी नोकरीक फार्म आदि में अपन मातृभाषा मैथिली लिखी। समस्त प्रवासी मैथिल अपन-अपन गाँव में इ संदेश पठावथि। गाँव टोला पर ओतुक्का विकास में रुचि लैथि। ओतुक्का स्थिति (सामाजिक, आर्थिक, कृषि, यातायात, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार आदि पर समाचार पत्र सबहक सम्पादक कें नामे पत्र लिखी।



आगामी कार्यक्रम

(२) संवैधानिक मान्यता हेतु आगामी २५ नवम्बर क दिल्ली मे विशाल प्रदर्शन।

भारतक प्राचीनतम जनपद मिथिला के ... जागू मैथिल धीर!

निवेदक

मिथिला सांस्कृतिक परिषद्
सेक्टर ४, सिटी सेन्टर
बोकारो स्टील सिटी-८२७००१
सम्पर्क दूरभाष : ८२२९२

मैथिली विकास परिषद्
मैथिली भाषी छात्र संघर्ष समिति

निवेदन :—एहि पर्चा के जनजागरण हेतु अपना गाँव पठाबी। एकरा बस पड़ाव, रेलवे स्टेशन, स्कूल, कॉलेज, पंचायत भवन एवं अन्य सार्वजनिक स्थान पर साटि देल जाओ। मैथिली सेवी संगठन सब अपन-अपन नाम सँ एहने जनजागरण हेतु पर्चा छपबा वितरित करथि।

विशेष सूचना

मैथिली आन्दोलन के गति देबाक हेतु वयोवृद्ध मैथिली सेनानी श्री बाबू साहेब चौधरी, कलकत्ता क कार्यक्रम।

राँची — बालकृष्ण विद्यालय, शहीद चौक, दिनांक १८ अक्टूबर ९२ (रवि) प्रातः १० बजे।

बोकारो — मिथिला सांस्कृतिक परिषद, सेक्टर-४, सिटी सेन्टर, दिनांक १८ अक्टूबर ९२ (रवि) सध्या ६ बजे।

1-4/10/1992 फारबिसगंज

5.10.1992 ट्रेन

6.10.1992 कन्हौली-समौल - दुर्गा विसर्जन

7.10.1992 दरभंगा – 'जागू मैथिल धीर' पम्पलेट

8.10.1992 राँची - खिचड़ी बना-खा मिथिला राज्यक विश्वामित्रिय (कौशिकिय)

निर्माणक स्वप्न

11.10.1992 रांची ,गांधीनगर - पीताम्बरजीकेँ घर बैसार; राज्यपुस्तकालय बैसार

नहि गेलहूँ . आई मुंबईमे, अनुज सुमनक कोजागरा छोड़ि, बाबू साहेब चौधरी केँ 18 अक्टूबरक बैसारक लेल।

12.10.1992 राँची -मिथिला क्षेत्रमे 1934/1883/1988 क भूकम्पमे समानता रातिमे

सोचा गेल

17.10.1992 रांची, श्यामली- स्वनिवास,-खादी भंडार, गांधीनगर बाबूसाहेब चौधरीसंग

18.10.1992 राँची – HEC, विश्वम्भरजी डेरा ; बालकृष्ण स्कूलक बैठक,डॉ यूसी झाकेँ

अध्यक्षतामे बाबूसाहेब चौधरी संग सभा/बैसार ।

18.10.1992 बोकारो- बाबू साहेब चौधरी के एमएसपी, एके झा आवासमे बैठक

१८.१०.१९९२ बोकारो- बाबू साहेब चौधरी संग सभा Mithila sanskritik

parishad me ।

१९.१०.१९९२ धनबाद- बाबू साहेब चौधरी संग बैसार ।

२०.१०.१९९२ बोकारो -बाबू साहेब चौधरी ।

24.10.1992 संबलपुर- संबलेश्वरी दर्शन

24.10.1992 संबलपुर

25.10.1992 बुर्ला

26.10.1992 सुनाबेड़ा- भौजीक दर्शन

27.10.1992 विशाखापतनम

28.10.1992 काकीनाडा

29.10.1992 विजयवाड़ा

29.10.1992 गुंटूर

30.10.1992 गुंटूर

31.10.1992 ब्रह्मपुर

1.11.1992 भुवनेश्वर

2.11.1992 कटक- बीजेपी राष्ट्रीय कार्यसमिति बैसार- कैलाशपति मिश्र -भारतक

राज्य पुनर्गठन पर बात, बंशीधर सोनी सँ भेंट

4.11.1992 गुट्टीगरा , पश्चिम सिंहभूमि शिविर _मेकोन

5.11.1992 राँची श्यामलीक एकटा घर -एकटा लड़का कैँ कार्टिरेज स थप्पड़ मारल जे एकटा लड़की कैँ

अभद्रतास तंग करैत छल

6.11.1992 ट्रेन

7.11.1992 दिल्ली -गब्बू,तिमारपुर

8.11.1992 दिल्ली –विजय झा फार्मेसी कॉलेजमे पहिल बेर प्रवास

9.11.1992 दिल्ली - विजय झाकैँ डेरा

10.11.1992 दिल्ली फोन पर गप्प Baijujeesan , "बूढ़ा (बाबू साहेब चौधरी) कैँ दुःख

हेतैन्हि यदि अहाँ आ विजय झा झगड़ब - राति रुकब तिमारपुर

11.11.1992 दिल्ली रात्रि प्रवास विजय झाकैँ डेरा

8-12/11/1992 दिल्ली द्वितीय विश्व एड्स सम्मेलन_होटल अशोक_10/11/1992 महिलाओं को हिन्दू जीवन

पद्धति अपनाना चाहिए"- आधुनिका सभमे खलबली

13.11.1992 अजमेर

13-15/111992 जयपुर 13म- अनीता कॉलोनी ;14म झोटवाड़ा; 15म अशोक डेरा

14-15/11/1992 जयपुर भारती भवनमे 14म क बैठक

14-15/11/1992 जयपुर 15म त्रिपोलिया- बीएन झा(जीएसआई) क विदाई; ‘मैथिल

हितसाधन ‘फेर निकालू

16.11.1992 आगरा सीनियर बॉयज हॉस्टल _राजकुमार गुप्ता विश्व एड्स दिवस दिसंबर 1 पर एनएमओ कैँ

काज शुरू करकैँ आश्वासन देलक

16.11.1992 ग्वालियर

16-17/11.1992 ग्वालियर

17.11.1992 ट्रेन

18.11.1992 बोकारो कनि काल बहिन डेरा अमरेन्द्रजीक संग

18.11.1992 बोकारो अमरेन्द्रजी

22.11.1992 रांची घृत भण्डार

29.11.1992 रांची जिला पुस्तकालय - विद्यापति स्मारक समिति सँ बात करय –

एक समिति banaol Subodh chaoudhary, Shardanaand Jha, lekhanand Jha, Surendra Pathak, Madan Jha k - मैथिली विकास परिषद मैथिली हेतु कार्य करय आ विद्यापति स्मारक समिति सांस्कृतिक कार्य; राजकुमार मिश्र बैंकरक 1001 ,दान मुदा स्वीकृत मात्र 101 रुपैया केलियैन्हि। विनीतजी,बिन्देश्वरजी ,खण्डूरी- राज्य पुनर्गठन पर 37 राज्यक संग मिथिला (बरौनी राजधानी) ड यरीमे नोट;

5.12.1992 रायपुर मेडिकल कॉलेजमे एड्स रोकथाम पर व्याख्यान

५.१२.१९९२ चरौ दा

6.12.1992 जीएमसी छात्रावास नागपुरमे बैसार- अयोध्यामे नव इतिहास -रुद्र अवतार

7-9.12.1992 औरंगाबाद

10.12.1992 बस - ट्रेन

11.12.1992 हुबली

12.12.1992 गोवा बोम जीसस चर्च गेट पर एएसआई पलके

तकल प्लाक जाहिमे

गोवाक बसनाइ मैथिलसँ लिखल छल सह्याद्रि खंड स्कंद पुराणक अनुसार

किंतु हंटा लेल गेल छल जे हम 1982मे देखने छलहूँ

13.12.1992 मिरज

13.12.1992 सांगली नीक बैसार

14.12.1992 नागपुर डॉ.केलकर भोजनक संग स्टेशन पर

15.12.1992 जमशेदपुर फुलदाई डेरा आदित्यपुर-बस-रांची

20.12.1992 रांची राज्य पुस्तकालय बैसार

20.12.1992 रांची आर एम सीएच

25.12.1992 बोकारो

27.12.1992 बोकारो क बैसार 27th के Mithila Sanskritik parishad एमएसपी मे

3.1.1993 राँची राज्य पुस्तकालय महासंघक संविधान पढ़ैत मैथिलीक शिखर निकायक

संविधानक प्रारूप;

3.1.1993 रांची मुराबादी भेटल सी.एस.झा-मिथिलाक ज्ञान anhd ईमानदारी पर जोर-

मिथिला अमीर भय जाय वा संस्कृति बचाबय ? पुछल्ह ओ ahank locus satndi kee? Ahan ke sangthan banbaybalaa? Kahliyainhi je

mithila sangh k padadhikaree chhthi hunka sn sampark me chhee je o aabthi nahi t Bhartk saat nagrik ke adhikar chhai je o sangthan banabay se banayab.।

3.1.1993 रांची आरएमसीएच

7.1.1993 ट्रेन

8.1.1993 ट्रेन

9-10.1.1992 सोलापुर

11.1.1993 लातुर

१२.१.१९९३ अम्बेजोगाई

12.1.1993 लातुर

13.1.1993 मेडिकल कॉलेजमे हमर लंबा यात्रा क लेल पुणे क छात्र द्वारा सम्मानित कायल गेल

13-14.1.1993 मुम्बई

15.1.1993 ट्रेन

16.1.1993 जामनगर

16-17.1.1993 राजकोट

17.1.1993 अहमदाबाद

18.1.1993 उदयपुर

१९.१.१९९३ जोधपुर

२०.१.१९९३ बीकानेर

21.1.1993 दिल्ली विजय झा कें

22.1.1993 दिल्ली गणेश कैँ

23.1.1993 दिल्ली गब्बू कैँ

24.1.1993 आगरा

24.1.1993 ग्वालियर

25.1.1993 झांसी

26.1.1993 सतना

30-31.3.1993 बोकारो

2.2.1993 ट्रेन

3.2.1993 ब्रह्मपुर

४.२.१९९३ काकीनाडा

5-6.2.1993 विशाखापटनम् एआईएसटील चिकित्सा सम्मेलन

५-६.२.१९९३ विशाखापटनम्

७-८.२.१९९३ सुनाबेड़ा

6.2.1993 विशाखापटनम् चौधरीजी डेरा पर बैकुण्ठस भेंट , मैथिल संघ कैँ पुनर्जीवित

करबाक लेल गप्प केलनि

9.2.1993 विशाखापटनम्

१०.२.१९९३ गुंटूर

११.२.१९९३ कुर्नूल

12.2.1993 हैदराबाद

13.2.1993 वारंगल

14.2.1993 राजमुण्ड्री दत्तात्रे होसबोले कैँ संग, हुनका गप्प करबाक टिप्स आदि सुझाव

देलनि।

15.2.1993 ब्रह्मपुर

16.2.1993 कटक

17.2.1993 जमशेदपुर

21.2.1993 राँची अमरेन्द्रजिक बोकारोमे 27.28 Feb,k अखिल भारतीय कार्यकर्ता

सम्मेलनक स्थगन जनेऊ चलते नहीं mani Ranchime Antarrashtriya सम्मेलन क विचार आयल CCL me kintu Bindeshwar Jha kahlanhi apanhi MECONme Bhartik dwara karoo. Sambhavtah Yelugu wa panjabi k antarrashtriy maithili sammelan k samachar Doordarshan par dekhi mon bhel je kiyaik nahi antarrashtriy ho. Nela s lok abiye hetah antarrashtriy bhay jayat

28.2.1993 रांची राज्य pusyalkalay me baisar

1.3.1993 रांची बैंक डकैटी ,बीओआई

7.3.1993 राँची सुमनजि देरा श्यामली होलि मिलनमे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनक बत

sweekrit

14.3.1993 राँची गामीजी डेरा भारती बैसरविनित्जी, सुमनजी,बिन्देश्वरजी, रातिमे

एचईसी विश्वम्भरजी कैँ नीक बत

21.3.1993 रांची -सुरेश झा 'अजीत' डेरा- विनीतजी,आईएन झा,शंकरझा,मदन,पीताम्बर

ठाकुर ,मुरलीधरजी,पी पाठक,सुमन,गिरीशजी,बिंदेश्वरजी

25.3.1993 बोकारो

26.3.1993 बोकारो

26.3.1993 बोकारो

27.3.1993 सिन्दरी

28.3.1993 धनबाद बी झा बी.आई.टी

4.4.1993 Ranchi Ispat libraray baisar IN झा,बीके झा,सुमनजी

8.4.1993 ट्रेन

9-10.4.1993 पटना डॉ. जग्गन्नाथ मिश्र क पत्र पीएम कोइराला नाम

१०.४.१९९३ समौल

11.4.1993 दरभंगा ?अभ्यास वर्ग

11.4.1993 दरभंगा

१२.४.१९९३ जनकपुरधाम नेपाल

१३.४.१९९३ काठमाण्डौ नेपाल

१५.४.१९९३ काठमाण्डौ नेपाल

१६.४.१९९३ काठमाण्डौ नेपाल

16.4.1993 काठमाडौँ TUTH भ्रमण

17.4.1993 काठमांडू नेपाल-संस्कृतिक कर्मकाराम नेपाल मैथिल समाजक

१८.४.१९९३ वीरगंज-रक्सौल–पटna - नेपाल

24.4.1993 रांची राजेन्द्र भवन,HEC विद्यापति पर्व गामीजी,सुमन,बिंदेश्वर गाया

25.4.1993 Ranchi I.N.jha dera- विद्यापति स्मर्क मीटिंग RIADA lag-डॉ गुणेश्वर झा,

परमानद मिश्र एके झा,जेके मिश्राएटसी.;

29.4.1993 ट्रेन

30.4.1993 ट्रेन

१.५.१९९३ मुम्बई

२.५.१९९३ मुम्बई सहद

3.5.1993 ट्रेन

4.5.1993 मेडिकल कॉलेजमे औरंगाबाद बैसार

५.५.१९९३ भिलाई

५.५.१९९३ भिलाई

6.5.1993 रायपुर अनिल कर्णवत लेलक

6.5.1993 रायपुर शोभकांत झाक डेरा पर बैसार

७.५.१९९३ बिलासपुर

७.५.१९९३ बिलासपुर

8.5.1993 जमशेदपुर

9.5.1993 जमशेदपुर सुरेश झा संगे

16.5.1993 राँची रियाडा, लैग विद्यापति स्मरक बैसार

20.5.1993 रांची बैसरमे विनीत,सुरेन्द्र पाठक,पीताम्बर पाठक,शंकर झा, लेखानंद

झा,मदन

22.5.1993 रांची अशोकनगर-निर्मला झा

23.5.1993 राँची गमिजिदेरा भारती बैसर-सीसीएलमे डॉ. जगन्नाथ मिश्र bhent;

आरोग्य भवनमे जगदाननद झा' क भेंट;अशोकनगर

27.5.1993 राँची ? ? विनीत,आईएन झा,लक्ष्मण रौतजी,,पीताम्बर ठाकुर, पी पाठक,

सुमन,कमलनारायण

30.5.1993 राँची नामकोम केझा डेरा विनीतजी

2.6.1993 राँची हरमू सुरेन्द्र पाठकदेरा-के.एन.झा, महाकांत मिश्र, लेखानंद, 1993।

3.6.1993 राँची विनीत, रेमू, कमलू, एमडी झा, प्पथक,झाजी(सुरक्षा)

5.6.1993 बोकारो रानी झा संगे

6.6.1993 बोकारो

10.6.1993 राँची बैसरमे पथक,रेमू,गिरीशजी,बिन्देश्वर,बी झाक,पीएन झा आ बहारस

केवल IN झा

11.6.1993 रांची सर्किट हाउस गमीजी संगे रामचन्द्र पुरबे,मंत्री s bhent,

12.6.1993 रांची सीसीएल,सीएमपीडीआईएल सीसीएल(एसके चुधरी नहि भेटलाह),

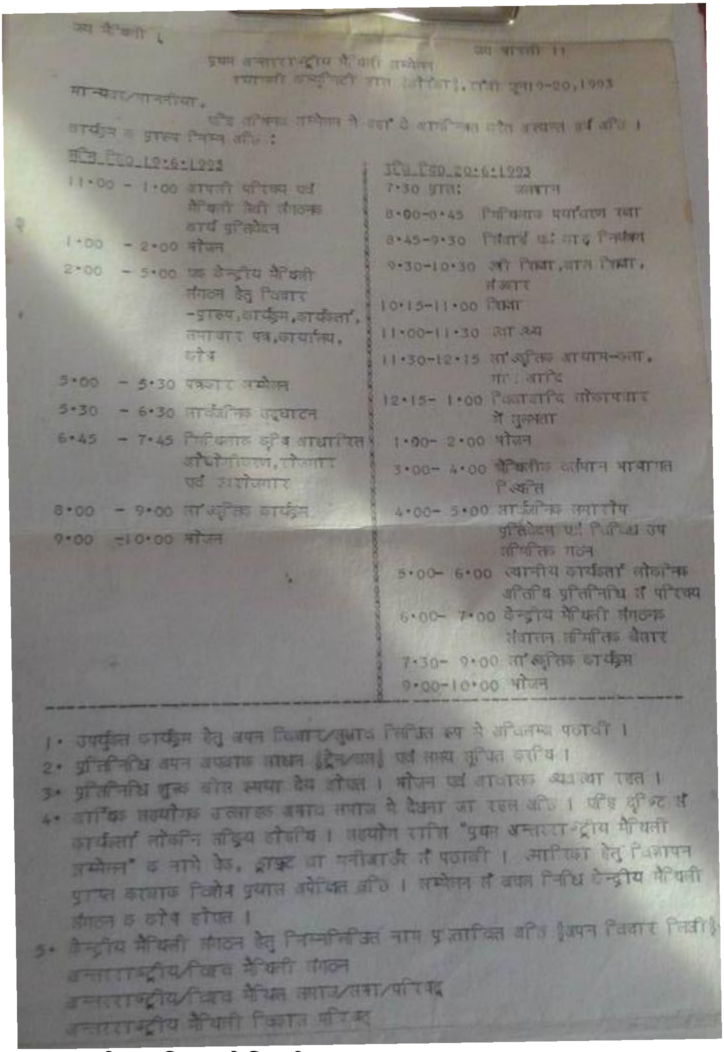
सुबंश बबौ, सीएमपीडीआईमे महानद बाबू

13.6.1993 रांची निर्मलजी डेरा साधना, महिला बैसार-IN झा ,चौधरी रविन्द्र राय,

विश्वम्भ्रजी सपटनीक-अर्गोरा आदि।

19-20.6.1993 राँची मेकॉन श्यामली सभागार प्रथम आन्तराष्ट्रीय

मैथिली सम्मेलन , उपस्थित 27 संगठन द्वारा पहिले पठाओल 9 नाम (अंतरराष्ट्रीय/ विश्व मैथिली संगठन; अंतरराष्ट्रीय/ विश्व मैथिल संगठन /सभा/ परिषद अंतरराष्ट्रीय मैथिली विकास परिषद)मे अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद् क स्वीकृति ओ गठन 20.6.1993 करीब मध्याह्न काल। Pahil din 19.6.1993 k saanjhk satra bhel kintu 11-1 bala 20.6.1993 k bhel.



प्रथम अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन

मान्यवर/मान्यवरा,

कार्यक्रमक प्रारूप निम्न अछि :

प्रथम दिन 19:6:1993

समय	कार्यक्रम
11·00 - 1·00	आपसी परिचय एवं मैथिली सेवी संगठनक कार्य प्रतिवेदन
1·00 - 2·00	भोजन
2·00 - 5·00	एक केन्द्रीय मैथिली संगठन हेतु विचार -प्रारूप, कार्यक्रम, कार्यकर्ता, समाचार पत्र, कार्यालय, कोष
5·00 - 5·30	पत्रकार सम्मेलन
5·30 - 6·30	सार्वजनिक उद्घाटन
6·45 - 7·45	[illegible] कृषि आधारित औद्योगिकरण, रोजगार एवं बेरोजगार
8·00 - 9·00	सांस्कृतिक कार्यक्रम
9·00 - 10·00	भोजन

द्वितीय दिन 20:6:1993

समय	कार्यक्रम
7·30 प्रातः	[illegible]
8·00-8·45	[illegible] पर्यावरण [illegible]
8·45-9·30	[illegible]
9·30-10·30	[illegible]
10·15-11·00	शिक्षा
11·00-11·30	[illegible]
11·30-12·15	सांस्कृतिक आयाम-कला, गान आदि
12·15- 1·00	[illegible]
1·00- 2·00	भोजन
3·00- 4·00	मैथिलीक वर्तमान [illegible] स्थिति
4·00- 5·00	सार्वजनिक समारोप प्रतिवेदन एवं [illegible] समितिक गठन
5·00- 6·00	स्थानीय कार्यकर्ता लोकनिक अतिथि प्रतिनिधि सँ परिचय
6·00- 7·00	केन्द्रीय मैथिली संगठनक संचालन समितिक बैसार
7·30- 9·00	सांस्कृतिक कार्यक्रम
9·00-10·00	भोजन

1· उपर्युक्त कार्यक्रम हेतु अपन विचार/सुझाव लिखित रूप से अविलम्ब पठाबी ।
2· प्रतिनिधि अपन [illegible] एवं समय सूचित करथि ।
3· प्रतिनिधि शुल्क [illegible] रुपया देय होयत । भोजन एवं आवासक व्यवस्था रहत ।
4· [illegible] सहयोग राशि "प्रथम अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन" क नामे [illegible] सँ पठाबी । [illegible] सम्मेलन सँ बचल निधि केन्द्रीय मैथिली संगठन क कोष होयत ।
5· केन्द्रीय मैथिली संगठन हेतु निम्नलिखित नाम प्रस्तावित अछि (अपन विचार लिखी)
अन्तरराष्ट्रीय/विश्व मैथिली संगठन
अन्तरराष्ट्रीय/विश्व मैथिल समाज/सभा/परिषद
अन्तरराष्ट्रीय मैथिली विकास परिषद

अंतरराष्ट्रीय/विश्व मैथिली संगठन

अंतरराष्ट्रीय/ विश्व मैथिल संगठन /सभा/ परिषद,

अंतरराष्ट्रीय मैथिली विकास परिषद

= 2 =

6. सम्प्रति एकर सदस्य कोनो मैथिली भाषी/ प्रेमी व्यक्ति व्यक्तिगत रूपे वा कोनो मैथिली संगठन अपन सदस्य संख्याक अनुरूप प्रति सदस्य पचीस रुपया दय बनि सकैत छथि से प्रत्येक सदस्य के न्यूनतम वार्षिक एकटा मासिक पत्रिका पठाओल जैतैन्हि । भारतक बाहर डाकखर्च देय हेतैन्हि ।

7. केन्द्रीय संगठन मे प्रत्येक संगठन सँ प्रत्येक सौ सदस्य संख्या पर एक प्रतिनिधि (न्यूनतम एक) सामान्य सभा मे रहैत छथि सँ एगारह सदस्यीय संचालन समिति चुनल जायत जिनक संयोजक एक संगठन एक वर्ष लेल हेताह ।

8. संगठनक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन वार्षिक रूपे विभिन्न संगठन द्वारा क्रमशः आयोजित होयत ।

9. प्रथम अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनक समाचार विश्व स्तर पर प्रेस प्रकाशित करय चाहैत छथि हेतु प्रत्येक संगठन सँ आग्रह जे एहि मे भाग लेबाक सूचना प्रेस रिलीज द्वारा स्थानीय स्तर सँ प्रसारित करी । भारतक संगठन एहि मे मैथिली के संविधानक अष्टम अनुसूची मे समावेश हेतु माँग सेहो जोड़थि ।

<u>प्रायोजक संगठन</u>

भारती (मिथिला-सेल, राँची), विद्यापति स्मारक समिति (राँची), मैथिली विकास परिषद (राँची), विदेह (सी०सी०एल०, राँची), मिथिला सांस्कृतिक परिषद (बोकारो), विद्यापति परिषद (तिनसुकिया), मिथिला संघ (कलकत्ता एवं दिल्ली), प्रवासक भेंट (कलकत्ता), मिथिलायतन (रायपुर), विद्यापति परिषद (राउरकेला), भाषा प्रकाशन (पटना), नवचेतन समिति (हजारीबाग), ...(बेगूसराय), विद्यापति सेवा संस्थान (दरभंगा), मिथिलांचल विकास परिषद (दरभंगा), मिथिला छात्र संघ (दरभंगा), मिथिला संघर्ष समिति (दरभंगा), सेवा मिथिला (मधुबनी), मैथिली संघर्ष समिति (पटना), मिथिला सेवा समिति (कानपुर) एवं नेपाल मैथिल समाज (काठमाण्डू), मैथिली (कैलिफोर्निया, अमेरिका) आदि ।

आन संगठन सभ सँ उत्तर अपेक्षित अछि । व्यक्तिगत रूपे अनेक मूर्धन्य लोकनिक सहयोग एवं सहभागिताक स्वीकृति भेटल अछि ।

मिथिलाक इतिहास मे प्रथम अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन (राँची 19-20 जून 9.. क अभिनव विहान क प्रयास अछि जाहि मे अहाँ सभ हक सहयोग एवं सहभागिता अपेक्षित अछि ।

पत्रोत्तर क पता- डा० धनाकर ठाकुर (संयोजक)
के-164, श्यामली, राँची-834002

संपर्क दूरभाष - 300871 (डा० धनाकर ठाकुर, संयो...
300814 (डा० सुरेश झा "अजीत", अध्यक्ष केन्द्रीय समिति),
300774 (श्री एन०के० गामी, अ...ध्यक्ष)।





मेकन सामुदायिक भवनमें प्रथम अंतरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमें उपस्थित दर्शक (बांये), सम्मेलनका दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए श्री जयकांत मिश्र। छाया-ओज

प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन

प्रस्ताव :— १)

विश्व के चार करोड़ मैथिली भाषियों की यह प्रतिनिधि सभा "प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन के अवसर पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति महोदय से आग्रह करती है कि भारतीय संविधान की धारा ३४७ के अन्तर्गत प्रदत्त अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए मैथिली भाषा को बिहार प्रान्त के अधोलिखित तेईस (२३) मैथिली भाषी जिलों में राजकीय कार्यों के लिये मान्यता प्रदान करें :—

सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, मुंगेर, जमुई, देवघर, गोड्डा, बांका, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, दरभंगा और मधुबनी।

ज्ञातव्य हो कि उपर्युक्त जिलों में मैथिली भाषी होने का अधिकारिक प्रमाण सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के द्वारा किया भारतीय भाषाओं का सर्वेक्षण से मिलता है। १९०२ ई० में तत्कालीन ब्रिटिश भारतीय सरकार के द्वारा नियुक्त किया गया था। इसके बाद कोई भी सर्वेक्षण नहीं हुआ है।

महामहिम को ज्ञातव्य हो कि उपर्युक्त जिलों में मैथिली भाषियों की शतप्रतिशत संख्या है। जिन्हें उर्दू भाषी माना जाता है वे भी मैथिली भाषी ही हैं जो कि सर ग्रियर्सन के अनुसार मैथिली भाषा की बोली जोलहा मैथिली बोलते हैं।

ज्ञातव्य हो कि जनगणना १९९१ के अनुसार उक्त जिलों की जनसंख्या ४,३३,५०,६८९ है जो पूरे बिहार की जनसंख्या का एक तिहाई से ज्यादा है।

इस आधार पर यह भी हमारी मांग है कि पूरे बिहार प्रान्त में मैथिली को राज्यभाषा का स्थान दिया जाय क्योंकि अन्य भाषा-भाषी यथा भोजपुरी, संथाली आदि की अपेक्षा यह संख्या काफी अधिक है और मैथिली भाषी बिहार के पठारी भाग में काफी बड़ी संख्या में हैं जिसका यह पारिस्थिक प्रमाण है रांची में प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन का आयोजित होना।

प्रस्ताव—२

यह प्रतिनिधि भारत के महामहिम राष्ट्रपति से मांग करती है कि भारतीय संविधान के अष्टम अनुसूची में मैथिली, राजस्थानी एवं डोगरी भाषाओं को सम्मिलित किया जाए क्योंकि इन तीनों भाषाओं के साथ जो अनावश्यक दृष्टिकोण अपनाया गया है और इन्हें बिना किसी तार्किक आधार के अष्टम अनुसूची में सम्मिलित नहीं किया गया है।

अष्टम अनुसूची में ऐसी भाषाएं भी हैं जो कि किसी राज्य की राजभाषा नहीं है (जैसे सिन्धी, संस्कृत) और ७१वें संविधान संशोधन विधेयक में एक गलत तर्क को आधार बना कर इन भाषाओं को छोड़ दिया गया है।

मैथिली बोलने वाले ४ करोड़ से अधिक हैं। डोगरी १३ लाख [illegible] भग है और राजस्थानी भी ४ करोड़ के लगभग है जबकि मान्यता प्राप्त कई भाषाओं के बोलने वाले भारत में काफी कम हैं (जैसे कोंकणी १० लाख, नेपाली ४ लाख, मणिपुरी १८ लाख) इसके चलते सम्बन्धित भाषा-भाषी जनता में काफी असन्तोष है। अतः इसलिए एक सरकारी विधेयक शीघ्र प्रस्तुत करने का आप अपने मंत्री परिषद को आवश्यक निर्देश जारी करें।

प्रस्ताव—३

मिथिला के पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थल यथा सीतामढ़ी, विक्रम-

सम्पादक :—कुटन ठाकुर १३, पोस्ट ऑ

[illegible] भेंट [illegible] मातृभूमि

[illegible]

मिथिला चूंकि भारत की सांस्कृतिक केन्द्र है अतः यहाँ पूरी [illegible] की जाय।

प्रस्ताव—४

मिथिला के कृषि आधारित औद्योगिकरण हेतु [illegible] बिहार सरकार से यह माँग करती है कि [illegible]

हम यह भी प्रस्ताव करते हैं कि—

(१) विभिन्न नदियों के ऊपर [illegible] एवं कार्य [illegible] हेतु किया जाय। इस हेतु उत्तरी बिहार की नदियों को दक्षिणी बिहार की नदियों से जोड़ा जाय।

(२) [illegible] के लिए बाँध को तोड़ा जाय क्योंकि इससे [illegible] जल जमाव होता है और बाढ़ आती है। कोशी पर भारत-नेपाल सीमा पर अनेक डैम बनाये जाँय और कार्य [illegible] किया जाय।

(३) कटिहार [illegible] को अविलम्ब चालू किया जाय जिससे मिथिलांचल के लोगों को गरीबी रेखा से दूर किया जा सके।

(४) पूरे मिथिला क्षेत्र में [illegible] के [illegible] एवं नयी रेल लाईनों को पूरा किया जाय। [illegible] को रेलवे लाइन से जोड़ा जाय।

(५) भागलपुर में सड़क-सह रेलवे पुल बनाया जाय। पटना में गाँधी सेतु के समानान्तर रेल पुल बनाया जाय।

(६) [illegible] को रेल-सड़क पुल से जोड़ा जाय।

(७) मिथिला समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए कुटीर-उद्योग का जाल बिछाया जाय और इसे केन्द्रीय संस्थाओं द्वारा [illegible] किया जाय।

(८) एक ग्रामीण कुटीर-उद्योग विश्वविद्यालय की स्थापना की जाय।

प्रस्ताव—५

विदेश में रह रहे नन-रेसिडेन्ट [illegible] को मिथिलांचल में उद्योग लगाने हेतु विशेष सुविधा भारत सरकार द्वारा प्रदान किया जाय। ताकि मिथिलांचल के गरीब लोगों का आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षिक स्थिति में सुधार लाया जा सके।

प्रस्ताव—६

भारत सरकार से अनुरोध है कि समस्तीपुर से बड़ी लाईन की सुविधा [illegible] जयनगर से जनकपुर तक बढ़ाया जाय एवं नेपाल सरकार इसे विराट नगर तक बढ़ाये जिससे सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) तक आवागमन की सुविधा होगी एवं व्यापार में भी बढ़ावा मिल सकेगा।

प्रस्ताव—७

इच्छुक विद्यार्थी हेतु नेपाल में मैथिली माध्यम से परीक्षा देने-लेने की

(शेष पृष्ठ ३ पर)

[illegible] रोड, [illegible] कलकत्ता-२८

अन्तर राष्ट्रीय मैथिली परिषदक स्मृति-पत्र

(मूल हिन्दीक अनुवाद)

१. संस्थाक नाम — अन्तर राष्ट्रीय मैथिली परिषद्, जयनगर रहत।

२. निबन्धित कार्यालय—संस्थाक निबन्धित कार्यालय, सुभाष चोक जयनगर, पो० - जयनगर, थाना - जयनगर, जिला-मधुबनी (बिहार) में रहत। आवश्यकतानुसार कार्यालय स्थान परिवर्त्तन कयला पर एकर सूचना निबन्धन विभाग कें १५ दिन पूर्व दऽ देल जायत।

३. कार्यक्षेत्र — एहि संस्थाक कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण बिहार रहत। [किन्तु नामक अनुरूप एकर कार्य क्षेत्र अन्तर राष्ट्रीय रहत।]

४. उद्देश्य — एहि संस्थाक निम्नलिखित उद्देश्य रहत :—

क) मिथिला एवं मैथिली भाषाक सर्वांगीण बिकास।

ख) प्रबुध समुदाय एवं समाजक अन्य कमजोर वर्गक ज्ञान वृद्धिक हेतु पुस्तकालय तथा वाचनालयक प्रबन्ध करब।

ग) लोक कल्याणक भावना सँ समाज, जाति, धर्म वा सम्प्रदायक भेदभावकें बिसरि समाजिक, पारिवारिक सांस्कृतिक, नैतिक कल्याण एवं जनकल्याणक लेल विकास करब।

घ) विभिन्न मैथिली संस्था (भारत नेपाल) सँ सम्पर्क कयनाइ तथा भाषा ओ संस्कृतिक सुरक्षा तथा विकास लेल समान कार्यक्रम बनौनाइ।

ङ) मैथिली साहित्यक लेखन, प्रकाशन तथा प्रचार-प्रसारक संगहि पड़ोसी भाषाक संग सामन्जस्य, सामरस्य एवं तुलनात्मक अध्ययन तथा अनुशीलनकें बढ़ावा देनाइ।

च) समाजमे व्याप्त कुरीति सबकें दूर करबाक हेतु भावनात्मक रूपसँ समाजकें तैयार करब तथा समाजिक समरसता एवं सद्भावना स्थापित करब।

छ) संस्था (अ० मै० परिषद्) प्रौढ़ शिक्षा, जनशिक्षा बालबाड़ी एवं आंगनबाड़ीक निःशुल्क व्यवस्था करयबाक प्रयास करत।

ज) संस्था भारतीय संस्कृति, धर्म आचार पद्धतिक अनुरुप समाजिक तथा साहित्यिक क्षेत्र मे राज्य एवं केन्द्र सरकारक तमाम प्रगतिशील लक्ष्य एवं निर्णयक प्रचार-प्रसार एवं क्रियान्वयन मे सहयोग करत।

झ) संस्था द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालयक स्थापना कयल जायत। गरीब हरिजन, आदिवासी एवं निःसहाय परिवारक बच्चा सभक पठन - पाठन हेतु पुस्तक, पत्र-पत्रिका, मैगजीन आदिक निःशुल्क व्यवस्था करत।

—: नियमावली :—

१. परिभाषा :–क) परिषदक अर्थ हैत–अन्तर राष्ट्रीय मैथिली परिषद् जयनगर।

ख) समितिक अर्थ हैत–परिषदक कार्यकारिणी समिति।

ग) पदाधिकारीक अर्थ हैत–अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महा-सचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं प्रवक्ता।

घ) वर्ष सँ अभिप्राय रहत–१ जनवरी सँ ३१ दिसम्बर

ङ) एक्ट सँ अभिप्राय रहत – सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट १८६०.

२. सदस्यता :— प्रत्येक व्यक्ति, जनिक आयु १८ वर्ष सँ अधिक होइन. जे संस्थाक उद्देश्य एवं नियमक पालन करैत होथि, परिषदक सदस्य बनि सकैत छथि। सदस्यता हेतु विहित प्रपत्र मे आवेदन देमय पड़तनि, जकर स्वीकृति वा अस्वीकृति कार्यकारिणी समिति द्वारा प्रदान कयल जायत। प्रत्येक सदस्य कें ११/- एगारह टाका प्रवेश शुल्क तथा ५/- पाँच टाका मसिक सदस्यता शुल्क लागत। आजीवन सदस्यता शुल्क १०००/- एक हजार टाका तथा हितैषी सदस्यता शुल्क १०/- दस टाका प्रतिमास लागत। संस्था सभक सम्बर्द्धता शुल्क १००/- एक सय टाका प्रतिवर्ष देवय पड़त।

३. सदस्यता सँ बिमुक्ति :- क) स्वयं त्यागपत्र देला पर।

ख) वताह वा मृत्यु भऽ गेला पर।

ग) समिति द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पारित भऽ गेला पर।

घ) न्यायालय द्वारा दण्डित भेला पर।

ङ) विना कोनो सूचनाक समितिक तीन बैसकमे लगातार अनुपस्थित रहला पर।

४. कार्यकारिणी समितिक गठन :—

क) कार्यकारिणी समिति २१ सदस्यक हैत। आवश्यकता पड़ला पर सदस्य संख्या बढ़ौल जा सकैछ।

ख) समितिक पदाधिकारी एवं सदस्य लोकनिक चुनाव आमसभा द्वारा कयल जायत। निवृत्त सदस्य पुनः चुनल जा सकैत छथि

ग) समितिक कार्यकाल तीन वर्षक रहत।

घ) यदि समिति मे कोनो पद रिक्त भऽ जायत तँ शेष अवधिक हेतु उक्त पद पर कोनहु सदस्य कें अध्यक्ष मनोनीत कऽ सकताह।

५. कार्यकारिणो समितिक अधिकार एवं कर्त्तव्य :—

क) पारिषदक चल एवं अचल सम्पत्तिक उत्तरदायी सब सदस्य रहताह।

ख) परिषदक सब कार्यक सम्पादन विधिवत कयनाइ तथा प्रस्ताव पारित कयनाइ।

ग) उद्देश्यक पूर्तिक हेतु अन्य वैधानिक कार्य कयनाइ। [यथा अन्तर राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रशिक्षण शिबिर, सत्याग्रह एवं अन्य गति विधि।

घ) शाखा उपशाखाक गठन विभिन्न स्थानमे कयनाइ।

ङ) विभिन्न मैथिली संस्थाकें शुल्क लय सम्बद्धता देनाइ।

६. पदाधिकारीक अधिकार एवं कर्त्तव्य :—

अध्यक्ष—क) परिषदक बैसकक अध्यक्षता कयनाइ।

ख) आवश्यकता पड़ला पर अपन निर्णायक मत द्वारा कोनो विवादमे निर्णय देनाइ।

ग) कार्यवाही पंजीमे अपन हस्ताक्षर कयनाइ।

उपाध्यक्ष–क) अध्यक्षक अनुपस्थिति मे हुनक सब कार्य सम्पादित कयनाइ।

ख) अध्यक्ष द्वारा प्रदत्त अन्य कार्य सम्पादित कयनाइ।

महासचिव—क) बैसकक आयोजन कयनाइ।

ख) प्रत्येक पंजी एवं कागजपत्र कें सुरक्षित रखनाइ।

ग) संस्थाक दिस सँ पत्राचार कयनाइ।

घ) आय-व्ययक अंकेक्षण करौनाइ।

ङ) आवश्यकता पड़ला पर समितिक बिना पूर्वानुमतिक २५०/- दूसय पचास टाका तक खर्च कयनाइ।

सचिव — क) महासचिवक अनुपस्थिति मे हुनक सब कार्यक सम्पादन कयनाइ।

ख) महासचिव द्वारा समय - समय पर निर्देशित कार्यक सम्पादन कयनाइ।

कोषाध्यक्ष—क) परिषदक आय - व्ययक हिसाब रखनाइ तथा ओकरा प्रतिवर्ष कार्य समिति सँ पारित करौनाइ।

ख) सदस्यता शुल्क इत्यादि प्राप्त कय रसीद देनाइ।

ग) संस्थाक कोष कोनहु निर्धारित बैंक वा डाकघरमे संस्थाक नाम सँ जमा कयनाइ तथा आवश्यकता पड़लापर अध्यक्ष सचिव एवं कोषाध्यक्ष मे सँ कोनहु दू केर संयुक्त हस्ताक्षर सँ राशिक निकासी कयनाइ।

प्रवक्ता— परिषदक नीतिक प्रचार - प्रसार एवं वक्तव्य देनाइ।

७. आम सभाक अधिकार एवं कार्य : –

क) समितिक पदाधिकारी एवं सदस्यक निर्वाचन कयनाइ।

ख) संस्थाक आय - व्ययक लेखा पर विचार कय स्वीकृति देनाइ।

ग) अध्यक्षक अनुमति सँ अन्य विषय पर विचार कयनाइ।

८. बैसक — क) कार्य कारिणी समितिक बैसक वर्ष मे दू बेर भेल करत।

ख) आम सभाक बैसक सालमे एक बेर हैत।

ग) आवश्यकता पड़लापर आपात बैसक वा सामान्य बैसक बीचहुमें बजौल जा सकत।

९. अभियाचित बैसक – एक तिहाइ सदस्यक लिखित माँग पर आवेदन प्राप्तिक एक मासक अन्दर महासचिवकें बैसक बजबय पड़तनि। आवेदन पत्र मे विचारणीय विषयक स्पष्ट उल्लेख रहब आवश्यक यदि महासचिव उक्त अवधिमे बैसक नहि बजबैत छथि तँ आवेदक लोकनि कें अधिकार हेतनि जे आवेदनमे उल्लिखित विषय पर विचार करबाक हेतु उक्त अवधिक उपरान्त अध्यक्षक आज्ञा लय बैसक आयोजन कऽ सकताह।

१०. बैसकक सूचना — कार्यकारिणी समितिक बैसकक सूचना सात दिन पूर्व, आम सभाक सूचना पन्द्रह दिन पूर्व तथा अत्यावश्यक बैसकक सूचना ४८ घण्टा पूर्व देल जायत।

११. कोरम — प्रत्येक बैसकक कोरम कुल सदस्यक एक तिहाइ रहत।

१२. आयक स्रोत — क) प्रवेश शुल्क, सदस्यता शुल्क तथा सम्बद्धता शुल्क।
ख) सरकारी अनुदान एवं ऋण।
ग) विभिन्न आयोजन सँ आय।
घ) साहित्य प्रकाशन तथा बिक्री सँ आय।
ङ) विशेष चन्दा सँ आय।

१३. निधिक अंकेक्षण :—
क) परिषदक आय - व्ययक हिसाब नियमित राखल जायत तथा आम सभा द्वारा नियुक्त अंकेक्षक सँ प्रति वर्ष अंकेक्षित करौल जायत।
ख) निबन्धन महानिरीक्षक स्वविवेक सँ जखन चाहथि, संस्थाक अंकेक्षण कोनो मान्यता प्राप्त अंकेक्षक सँ अंकेक्षित करा सकैत छथि। जकर शुल्क परिषद स्वयं वहन करत।

१४. पंजीक निरीक्षण — परिषदक सबटा पंजी प्रधान कार्यालय मे रहत, जतय कोनो सदस्य महा सचिवक अनुमति सँ पंजीक निरीक्षण कऽ सकैत छथि।

१५. नियमावली मे संशोधन –
नियमावली मे कोनो संशोधन आम सभाक साठि प्रतिशत उपस्थित सदस्य द्वारा प्रस्ताव पारित कयला पर कयल जा सकत।

१६. कानूनी कारबाई :—
कानूनी कारवाई महासचिवक नामसँ हैत।

१७. विघटन :— यदि कोनहु कारण वश परिषदक विघटन करऽ पड़यतँ आम सभाक दूतिहाइ बहुमत सँ प्रस्ताव पारित कम कयल जा सकत।

आई आषाढी अमावस्या यानी अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक स्थापना दिवस अछि - १९९३ में आजुक दिन ...कतेक व्यस्त हमसब छलन्हू- रांचीमे प्रथम अंतरराष्ट्रिय मैथिली सम्मलेनक आयोजन छल- डॉ. जयकांत मिश्र, बाबु साहेब चौधरी , काठ मांडू स अमरेश नारायण झा, गंगा प्रसाद आदि आबि चुक्ल छलाह हमरा सन नव मैथिली कार्यकर्त्ता क बुलाबा पर- मुदा भारती क टीम लाग्ल छ ल दिन राति आइ तक की नहि भेल- गाम-गम अ मै प पहुचल २४ एहेन मैथिली सम्मलेन , सैकड़ों बैसार, मैथिली केँ आ ठ म अनुसूची मे स्थान.. मुदा मिथिला नहि बनल अच्हि, इम्हर वा उम्हर एतहु भारती शिथिल अछि - एहोइ बेर पिक्निक सेहो ह्नहि भेल हम्हु आब ओतेक नहि कय सक्ब ओना आईओ मुज़फ़्फ़र्पुर अनेक स शनि दिन मीतिन्ग लेल बात केलन्हू आ दरभंगा सांझ आ रवि सौराठ लेल परसू मीतिन्ग भेल छल मधुपुरमे ८ सिस्तम्बर क प्रांतीय सम्मेलन हयत काज बढल अछि - कोनो कोनो कर्यकर्ता छू टलो छथि छू टलो कियैक सोचक चाही- हम सब ककरो नहि छोडल अछि- मुदा संगठन क हिसब-किताब आ , अनुशाशन रखैत काज कर्ब्बाला युवा आगान आबथि मिथिलामे एकरे कमी छहैक , बुद्धि एत ५ साल्क बच्चाकेँ सेहो छाई क मुदा बिन कदम ताल केँ माथ सन्ग नहि चल्तैक आ आन्दोलन नहि होयत' क्कियो ककरो नेता मानाथि एकतर आवश्य्कता नहि मुदा कार्य कर्त्ता जरूर बनाती आ कार्य कर्त्ता

कोनो मज़्दूर नहि छाई क - अ मै प मे सब अधिकारी पैघ कर्यकरता छ थि- सन्ग भेंट करब, अपन विचार रखब, निर्णय केँ मान्ब. आव्स्श्यक अछि नहि त एहिना स्थपना दिवस होतिओ रहत आ काज कतहू थामल रह्त. नब -नब जगह लोक चाही समय देब्बला लोक चा ही, गप्प देइबला नहि जे घटा भरि समय नहि दय सकथि.. समय मुल्य्वान छाई क .. मुदा चाही मिथिलाक सीमा छोट भेल जारहल चि अमै प सीमा बन्धक काज केलक जे कहियो नहि भेल ५० साल स मैथिलीमे ओझरयल आन्दोलन केँ मिथिला आन्दोलन मे बद्लबाक प्रयस केलक पहिले मिथिला तखन अओर र किछु- एकर उलटा भेलक कारण मैथिली केँ प्रतिष्ठामे एतेक झ्हन्झत भेल गाम गाम लोक चाही - मिथिलक सब जिला मे चा ही- जहि जिलामे अधिक छथि, ओतयस जा हि जिलमे कम ओत लोक केँ जेबा क चाही समय दयक एहेन लोक संपर्क करथि

(19.6.2012)

19-20 जून 1993 क दूनू दिन छल आषाढ़ी अमावस्या जकरा अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद् अपन स्थापना दिवस मनैत अछि (जे 27 जून 2014 मे आयत) तथापि आइ 19 जून (1993 क 19 जून के याद दियाबैत अछी जखन रांचीमे प्रथम अंतरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे पं. जयकांत मिश्र, बाबूसाहेब चौधरी सन

महारथी हमरा सन एक अज्ञात युवक क कॉल पर आयल छलाह- 27 संगठन, नेपाल क बहुत रास प्रतिनिधि.. साँझक उद्घाटन हिनका दूनू वयोवृद्ध द्वारा आ फेर मिथिलाक कृषि-उद्योगीकरण पर पूर्व सीएमडी, बीसीसीएल, सीएस झाक अध्यक्षतामे वकतामे आ श्रोतामे अनेक इंजीनियर क ओएचपी प्रस्तुति; फेर दोसर सत्र मिथिलामे रोजगर पूर्व सीएमडी, एन सीसीएल, , एम एन झाक अध्यक्षतामे----आ 20.6 k भोजन पूर्व अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद्क स्थापना जाहिमे नेपाल क सी ए अमरेश झा क तर्क जयकांतबाबूके चुप्प कय देलक- के कहैत अछि मैथिल अंतरराष्ट्रीय नहि?)----------- सुखद अंत भेल परमानन्द मिश्र, पूर्व प्रधान वन संरक्षक , बिहार मिथिला क पर्यावरण पर बजलाह, एके झा, बोकारो वैवाहिक सुलबहता पर आ याद नहि कतेक सत्र - जकर रिपोर्टिंग जे 3 इंजीनियर केलाह ओहीमे एक जीएम भय रिटायर केलाह(केके ठाकुर, कटिहारर वासी), 2 आन एजीएम/डीजीएम छथी मेकॉन मे.. की उत्साह छल स्वगताध्याक्ष एनके गामी क (जिनक बेटा अमित आ पुतोहु वर्षा बिहारमे डीआईजी अछी) कियाइक नहि बनत मिथिलामे माध्यमिक इस्पात संयंत्र...-----अध्यक्ष सुरेश झा 'अजीत(आब Patliputra colony, पटना me) ex GM,SAIL, ex DIRECTOR, NIFFT आ हिनक क पत्नी रानी भौजी(श्रीनगर ड्यो ढ़ी क बेटी) क उत्साह- कियो मैथिलानी ओहेन

आइ धरी नहि भेटलीह 21 साल मे.. बेस एलएन सिंह सुमन (मझियाम), बीके झा) गोई मिश्रा लगमा आब लक्ष्मीनगर, दरभंगामे)..बिन्देश्वर झा, सब MECON SAIL क भारतीक सदस्य लेल एक उत्सव छल - न भुतो ना भविष्यती...रांची शहर क मिथिला पुरोधा राम एकबाल सिंह 'विनीत' (जे हमरा मिथिला काज s जोडलाह अप्रैल 1992 मे)। .इन्द्रनारायण झा, लेखक मिथिला दिगदर्शन आ ही जानी कतेक लोक लागल छलाह -- घनघोर लग्न मे ई महालग्न भेल छल _ शायद ओ गरिमा 26 अंतर्राष्ट्रीय मैथिल मे फेर दोहरोल नहि जा सकल...-- --------- -हम वैज्ञानिक स्तर स ग्रामीण स्तर मे उतरी गेलहुन(जिनका लेल मिथिला पहिने ओ बुझथि)....... स्थापित संगठनक असह्योग एएमपी के रहलैक.. एएमपी ग्राउंड वर्क केलक आ आई सब पैघ मैथिल संगठन अछि _ एकर हजारों करिकरत्ता काटैत जाति आ क्षेत्र सब भागमे छथि ..

लक्ष्य दूर अछि लेकिन .. धीरज धय रहू, भेटह मुरारी...

नब-लोक नब संगठन क दौर हम 1994 स देखी रहल छी _ जिनका एएमपी क मदद करक छलैन्ही ओ एक अल्पजीवी संगठन बनौलाह ...

यैह गति निरंतर चली रहल अछि..ई एक संगठन त नहि भेल स्वयमपि अनेक संगठनक संगठन जरूर भय गेल अछि आ जतय कहियो कियो मैथिल 200 साल मे नहि पनहुचलह

AMP ओतहु गेल संगठन लेल...

किछु लोक छुटलाह..(अलग अलग करन स्- कियो बेइमान के संग देलखिन, कियो स्वयम बेइमान भेलाह त कियो हमरा आरएसएस के बुझि भगलाह कोनो वामपंथी गुरु द्वारा जहखन की हम कहियो भेद नहि कयल – एहेन लोक जनरल सेक्रेटरी तक भेलाह टी भेद के केलक?

व्यक्तिगत हमर हानि भेल जरूर २ प्रमोशन गेल..अपन अपरीवारिक जीवन लेकिन लोक स्नेह देलह _ किछु गारियो देकिन भगवान गीता मेंकहैत छठी निस्त्रैगुनो: भवर्जुन: (जकह न की ओ समसमें द्वन्द्व अपनाके कहैत छथि आ भरि गीता में 'समान और विपरीत' s ऊपर उठक बात करी छठी)..

आंदोलित YUVA लक्ष्य स भटकी नहि।

(१९.६.२०१४)

हम 1993 में मिथिला महासंघ के पुनर्जीवित करक प्रयास पहिले केलन्हु_लेकिन ओकरपदाधिकारी ओकर सामने नहीं अयलाह_तखन नब संगठन (अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्) सम्मेलन; बजा बनायल गेल_ जखन कोनो पुरान पत्रिका (प्रवास भेंटक संपादक लूटन ठाकुर स्वीकृति दय 600 रुपये लय हँटि तखन मैथिली संदेश निकालक कोशिश केलहुं _ लेकिन आब सब लोक नब संगठन चाहैत छथि एएमपी के इच्छुक असंतुष्ट मैथिल परिषद बना प्रयोग कय चूकल कल छथि असफल_हमरा नेतागिरीक शौक कहियो नहि रहल लेकिन किछू लोक इम्हर

हमरा पाछाँ बदनाम करय लेल पड़ल छथि (हुनके ओहिसँ फजीहत हेतैन्हि अंततः)।काल्हि हमरा कहल गेल_ हम असगरे पड़ि जायब- एकःचन्द्रः तमः हन्ति न च तारा शतै रपि (एक चन्द्रमा अन्धकार दूर करैत अछि, नहि कि सैकड़ों तारा)।(one moon removes darkness not 100s of stras). (9.7.2016)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.४. राँचीक पहिल अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन केर विवरण हितनाथ झा द्वारा



हितनाथ झा-संपर्क-09430743070

राँचीक पहिल अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक तत्वावधानमे पहिल द्वि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन राँचीक श्यामली हॉल, में मैथिली आ मिथिलाक सम्पूर्ण विकास हेतु देश-विदेशक करीब सत्ताइससँ अधिके मैथिली संस्था आ संगठनक प्रतिनिधिक सक्रिय सहभागिताक संग प्रस्ताव जे पारित भेल से मिथिलाक प्रशस्त इतिहासक एक मीलक पाथर साबित भेल आ अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक दूरदर्शिताक सर्वत्र प्रशंसा कयल गेल ।

एहि आहूत सम्मेलनमे जे प्रस्ताव पारित कैल गेल,ओहिमे प्रमुख अछि-

01.महामहिम राष्ट्रपतिसँ आग्रह कयल गेल जे संविधानक धारा 347क आलोकमे तेइस मैथिली भाषी जिलामे शासकीय कार्यक

मान्यता देल जाय।

02.महामहिम राष्ट्रपतिसँ माँग कयल गेल जे मैथिली सहित राजस्थानी , डोगरी भाषाकेँ संविधानक अष्टम अनुसूचीमे शामिल कैल जाय ।

03.मिथिलाक पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थल(स्थलक नाम प्रस्तावमे अंकित अछि)पर पूर्णतः नशाबन्दी कयल जाय , नेपाल सीमाक सटल होयबाक कारण ।

04 मिथिलाक कृषि आधारित औद्योगिकीकरण हेतु विश्व बैंक , विश्व स्वास्थ्य संगठन,यू.एन. डी. पी.आदि विश्व संगठनक सहायतामे निर्धनतम भागक विकास हेतु पूरा ध्यान देल जाय एवं मिथिला क्षेत्रीय विकास प्राधिकार गठित हो । एवं अनेक समस्याक समाधान हेतु नामोल्लेख ओहि प्रस्तावमे कयल गेल ।

05 विदेशमे रहनिहार नन-रेजिडेंट मैथिलकेँ मिथिलामे उद्योग लगायबाक हेतु विशेष सुविधा प्रदान कयल जाय।

06 भारत सरकारसँ अनुरोध कयल गेल जे समस्तीपुरसँ बड़ी लाइनक सुविधा भाया जयनगर जनकपुर तक प्रदान कयल जाय ।

07 इच्छुक विद्यार्थी हेतु नेपालमे मैथिली माध्यमसँ परीक्षा देबा/लेबाक सुविधा प्रदान कयल जाय।

08.केन्द्र सरकार द्वारा मधुबनी एवं फारबिसगंजमे आधुनिक संयंत्र सहित नेपालक नागरिकक हेतु हॉस्पिटल खोलल जाय

,जाहिसँ भारत-नेपाल मैत्रीकैं आर सुदृढ कयल जा सकैछ ।

मिथिला राज्यक गठनसँ लय , संविधानमे मैथिलीक स्थान , दहेज प्रथाक उन्मूलनसँ लय आर्थिक विकासक अत्यन्त महत्वपूर्ण पहलूपर विचार -विमर्श भेल छल ।

उपर्युक्त कार्य लेल अनेक उपसमितिक गठन भेल ,जे तन्मयतापूर्वक मिथिला एवं मैथिलीक विकासमे लागि गेलाह।

मात्र एक गतिविधिक हम एतय उल्लेख करय चाहब 'मैथिली जागरण पदयात्रा'क ।

बिंदेश्वर झा कार्यालय प्रभारी अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदकक एहि निमित्त पत्र जे निर्गत भेल ।

मैथिली जागरण पदयात्रा (16.10.1993 - 26.10.93)

बंधुवर,

अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक गठन मैथिली आ मिथिलाक सर्वांगीण विकास लेल भेल अछि। एहि हेतु जखन प्रवासी मैथिल जुटल छथि तखन मिथिलाक माँटिपर हलचल कियैक नहि ।

एहि हेतु जागरण यात्राक आयोजन अछि जाहिमे डा. धनाकर ठाकुर संयोजक प्रथम अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन,राँची एवं श्री श्रृंगेश मिश्र कानपुर निम्नलिखित कार्यक्रमसँ पदयात्रा करताह जाहिमे अधिकाधिक संख्यामे सम्मिलित होइ ।

16.10.1993 कोइलखमे भगवती पूजन एवं सांध्यमे मीटिंग होयत।

17 .10.93 सँ 27 .10.93 धरिक पदयात्राक गाम अछि - रामपट्टी, रांटी, सौराठ, सतलखा,अरेर, परसौनी, बरहा, बेनीपट्टी, त्योंथ, खिरहर, हसुआर, उमगाँव, बासोपट्टी, कमलपुर,मलमल,कलुआही, करमौली,उजौली, राजनगर, मंगरौनी आ अंतिम दिन मधुबनीमे एक दिवसीय मैथिली कार्यकर्ता-सम्मेलनक स्थान गंगासागर पोखरि समय 12 बजे दिन ।

प्रथम अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनक सम्पूर्ण गतिविधिक जनतब तत्कालीन मैथिली पत्रिका बागमती दामोदर टाइम्स (सम्पादक पंचानन मिश्र)मे छपल छल ,तैं हम एतय पुनरावृत्ति नहि करय चाहैत छी आ वैह अविकल एतय प्रस्तुत कय रहल छी । वर्ष 01.अंक 02 जुलाइ 1993 ।

राँचीक पहिल अंतरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन

राँचीक श्यामली कम्युनिटी हॉलमे आयोजित दू दिवसीय पहिल अंतरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे सर्वसम्मतिसँ संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक स्थान मिथिलांचलमे दितीय राजभाषा पदपर मैथिलीक स्वीकृति, माध्यमिक परीक्षामे मैथिलीक अनिवार्य शिक्षण आओर ऐतिहासिक स्थल रूपमे सीतामढ़ी , विक्रमशिला ,देवघर, मुंगेर,विस्फी ,उच्चैठ ,महिषी , अहल्यास्थान

,गौतमकुण्ड,वाणगंगा ,गांडेश्वरस्थान ,कपिलेश्वर ,ठाढ़ी-समौल ,फारबिसगंज,सिकलीगढ़ आदिकें पर्यटन स्थल घोषित कय तदनकूल विकासक पुरजोर माँग कयल गेल ।

एहि प्रतिनिधि सम्मेलनमे नेपाल ,अमेरिका ,पश्चिम बंगाल ,उड़ीसा ,उत्तरप्रदेशक अतिरिक्त बोकारो , पटना ,जमशेदपुर ,मुंगेर,सीतामढी ,मधुबनी ,दरभंगा ,समस्तीपुर, हज़ारीबाग ,घाटो, झुमरीतिलैया, गिरीडीह,सहरसा ,भागलपुर आदि स्थानक मैथिली संस्था ओ मैथिली प्रेमी शामिल भेल छलाह जाहिमे प्रमुख छथि डॉ जयकान्त मिश्र ,बाबू साहेब चौधरी ,जटाशंकर दास ,शेफालिका वर्मा ,अमरेश नारायण झा ,अमरेन्द्र कुमार झा ,भोलानाथ झा, हितनाथ झा आदि ।

मिथिलांचलक आर्थिक ओ सामाजिक पुनर्निर्माण लेल मिथिलामे कृषि आधारित औद्योगिकरण ,रोजगार ,पर्यावरण ,पटौनी ओ बाढ़ि नियंत्रण ,कल कारखाना, रेल सुविधा विस्तार , प्रवासी मैथिलक सहभगिता सड़क पथ विकास ,भूकंप आदि आर्थिक संरचनात्मक विषयपर सारगर्भित शोधपूर्ण विचार व्यक्त कयल गेल जाहिमे प्रमुख वक्ता रूपमे श्री चन्द्रशेखर झा पूर्व अध्यक्ष ओ प्रबंध निदेशक ,बिहार खनिज निगम ,BCCL निर्मल कुमार गामी ,वरीय उपनिदेशक ,परमानन्द मिश्र पूर्व अध्यक्ष पर्यावरण परिषद,डॉ गुणेश्वर झा ,विनय कुमार खान ,ब्रज किशोर झा आदि।

समाजकेँ आधुनिक विचारधारा ओ सुविधा उपलब्ध करयबाक

लेल स्त्री शिक्षा ,नारी समस्या,मिथिलाक लोकोपचार, वैज्ञानिक विवेचन ,कला ,दहेज उन्मूलन ,स्वास्थ्य आदि विषयपर अभिमत देनिहारमे प्रमुख छलाह जटाशंकर दास ,डॉ वाइ झा,शेफालिका वर्मा , गौरी मिश्र ,साधना खां ,निर्मला झा ,अमरेन्द्र कुमार झा आदि ।

मैथिलीक वर्तमान भाषागत स्थितिक चिंतन मननमे डॉ जयकान्त मिश्र ,बाबू साहब चौधरी, राम इकबाल सिंह, डॉ इन्द्र कुमार चौधरी लूटन ठाकुर आदि ।

एहि समारोहक स्वागत अध्यक्ष निर्मल कुमार गामी ,ओ संयोजक डॉ धनाकर ठाकुर छलाह। सम्मेलनमे पारित प्रस्तावकेँ क्रियान्वित करवाक लेल कतेको उप समितिक गठन कयल गेल जे राँची स्थित मुख्यालयमे सहयोग लैत वांछित काज दिस अग्रसर होइत रहत।

सम्मेलनक अध्यक्ष डॉ सुरेश झा अजीत ओ रानी झाक क्रियाशीलता सँग लक्ष्मी नारायण सिंह सुमन ,पूर्णानंद पाठक आदिक सहभगिता विलग परिशिष्ट अछि।

प्रवासक भैँट(कलकत्ता)क संपादक लूटन ठाकुर ,मिथिला परिक्रमा (दरभंगा) अनिल कुमार झा, बागमती दामोदर टाइम्स (हजारीबाग) क संपादक मनोज कुमार झा मैथिली पत्र पस्त्रिक दिससँ प्रतिनिधित्व कयने छलाह ।

एहि अवसरपर सेवा मिथिला द्वारा प्रदर्शनी लगाओल गेल छल

,मिथिला सांस्कृतिक परिषद बोकारो अपन उल्लेखनीय उपलब्धि सचित्र प्रस्तुत कयने छल ।

मैथिल समाज ,कठमांडुक प्रतिनिधि अमरेश नारायण झा बतौलनि जे एहि बरखक अंत धरि नेपालमे एहि कोटिक सम्मेलन आयोजित कयल जाओत ।

(साभार : बागमती दामोदर टाइम्स)

(ओहि समय राँची बिहारेक अंग छल ।)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.५. अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् केर जिला, राज्य आओर ओकर कार्यकर्ता केर विवरण

अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् सदस्यता प्रपत्र

नाम---
----------------- मोबाइल नम्बर- ---------------------

ईमेल ---

फोटो -------------------

व्यवसाय --

शैक्षणिक योग्यता ---

पिता/ पति का नाम --

जन्मतिथि -- जन्मस्थान ----

इ मेल यदि हो ---

पता- स्थानीय –

पता स्थाई ------------

सुझाव –

एकरा भरि फोटो खींचि व्हाटसप या इमेल करी

सदस्यता शुल्क- वार्षिक १००/ आजीवन १००० रूपए

Union Bank of India, Shyamali, Ranchi "Antarrashtriy Maithili Parishad " S/B A/C no. 480102010871415

And inform-
Dr. Dhanakar Thakur on Mo. 9430141788 (whatsap/Telegram), 9843376861
or email dhanakar@gmail.com
Bharatiya Mithila:
Madubani Jila
Jaynagar, office secretary –Ramesh Jha s/o Late Dr. Kamalkant Jha 9934098844
Kapildev Kunwar, 9709522795
Narayan Yadav , -9939041116, Mithila Bal Parishad (AMPk ekai)
Madhubani - Pramod K Jha 7294926351, Mithila Rajya Sangharsh Samiti (AMPk ekai)
¬Dr. Gaya Prasad Chaudhary 9431287158
Jhanjharpur -A.K.Jha, advocate -

9631882130

Ananad K.Jha-9939041881,Katha Kumbh, (AMPk ekai)

Rampur-Sarisaopahi-Kalpkavi Umesh N Karn 8298055586- Mithilakshar Pracharini Sabha (AMPk ekai)

Benipatti- Kamal K Jha-9431628775

Karuna Bisaul-Via – Harlakhi- Madan Jha “Ghutnu babu” 7739795105

Akaur-Benipatti -Kameshwar Yadav-9199965475 , AMiP

Vill. Manharpur, Via- Harlakhai - Umesh K Mandal 9572027820-

Bagmatipur (Darbhanga) Jila

Rajiv Karn 9122308865

Prabhat Pratihast 9431474362

Rambhadra Jha, 8579956015

Mithileshwar Jha-9431858367

Dr. Mamta Jha 9431329992,Mithila Vidyarthi Parishad(AMPk ekai)

Dr. Dilip K Jha, Mithila Rajy Nirman

Samiti(AMPk ekai)943121930, Amlendu Shekhar Pathk, MRNS(AMPk ekai),
Narmadeshwar Tiwary-Udyog Mithila 933453992
Punyanand Jha, Mithila vyavsayee Manch-9431414087
Ashwini Chaudhary, Mithila Patrakar Manch, 8271581858
Mukesh Jyotishi-7909077982

Akhilesh, Mithila Patrakar Manch (AMPk ekai),9955704969
Anil Mishra,Mithila Adhivakta Manch, (AMPk ekai) 9471498394
Shobha Thakur, Mithila Mahila Manch, (AMPk ekai) 7050040846
Punyanad Jha, Mithila Vyavsayee Manch, (AMPk ekai)
Dr. Shravanji Shastri Mithila Sanskrit parishad Manch, (AMPk ekai)9431471653
Sunil Thakur 9122335645, AMIP
Vill- Keoti, Balaji-9006485697,AMIP

Gandakipur(Samastipur) Jila
Vill- Dhurlakh(Kishanpur), Dr. Parmanand Labh 8292203799 (Mithila Shiksha Manch,AMP k ekaae)
Dalsing Sarai -
PK Jha Prem 7903675756, (Mithila Shiksha Manch . MithilaManthan,Alapur -AMPk apt sangthan)
Ujiarpur- Md.Rahat hussain- 843461334, Mithila Muslim Manch (AMPk ekai)
Besandidih, Singia/Madhepura -Upedra Pd. Yadav-9771292868
Thahra Gopalpur(Vaini),Via- Pusa Rd.- Ramkumar Jha, AMiP- 9430514809

Khudirampur(Muzaffarpur)Jila

Ramesh Thakur 7654348141
Dr.Madan Mishra 9661886405

Shardanad Jha, 9430555852,AMiP

Indranath Jha, Mithila Sanskrit Parishad(AMPk ekai)

Amarnath Jha, Maithili Shikshak Manch (AMPk ekai) 7903121450

Vishnukant Jha 9334909576

Praveen Mishra - 9430439020

Indranath Jha, Mithila Sanskrit Parishad Parishad(AMPk ekai)

9835048753

Sitamarhi Jila

Dr. Basant K Mishra-9006012634

Manechowk -Devkant Jha

Vaishali Jila-

Jandaha -Pawan Kumar Jha 9931627966

Mahnar ,Vill. Thanpur,Manoj Kumar Yadav,AMIP-9939172149

Begusarai Jila

Sushant s/o Prof.Gaurinath Jha ‘Bhaskar -, 9905219391

Vill.P.o. Gaura – s/o Ashok Kr. Pathak-8298879628

Simariaghat ,Sarvmangala Peeth, Kalisthan, -Dinesh Kumar Singh ,AMIP 9430418898

Teghra- Randhir-9771825413

Khagaria Jila

Prabhakar Jha -9934685055

Dharmendra Yadav -9431418151

Munger Jila

Anmol Jha 9431267985

Jamalpur- Dr. Martand Mishra 7870007858

Vill. Dashrathpur - DNJha 9504905672

Vill. Kuangarhi,Via- Tarapur- Brahmannad Jha

Shekhpura Jila- Satyanarayan Singh 9931413079

Bhagalpur Jila –

Mihir K Jha ‘Suman’-9199807493

Jayprakash Jha 9431498171

Mahesh Jha 9934779819

Alok Yadav 9234828161

Sabour –Ramashankar dutt Jha, Manit Mishra-99318874132

Jhandapur(Bihpur) -Awadhesh Paswan-9934651532

Thana Bihpur- Dr. Subodh Paswan-9955902144 ,AMIP

Banka Jila

Manoj Jha 9576209178, 7488676014

Saharsa Jila

Dr.Lalpari Devi-9431627473

Arvind Kumar 'Neeraj'-9304851913

Dr. Ranjit-9471408611

Dr.Vinay Chaudhary-9835878200

Vivekanand Jha-9939123309,AMIP,

Bangaon - Suman Samaj 9122300063, MRSS(AMPk ekai)

Bibhuti 9507842832-Yuva Mithila(AMPk ekai)

Supaul Jila

Hemkant Yadav, MRSS (AMPk ekai) 9471214880

S. N. Yadav 9431091486

Balram Thakur 9472497388, AMIP,

Vill. Hulas-Kailash Yadav 9431244415

Hulas- Munnaji- 06471-250647, 244475

Madhepura Jila

Dr.Arun Yadav 8544377101

Dr Ashok K Yadav 9431084535-MRSS(AMPk ekai)

Sigheshwar Yadav 8969754895-, AMIP

Katihar Jila

Narayanji Jha-9431260030,

Randhir Mihra 94312297

Purnea Jila

BM Thakur 9431625223

Pravin Jha -9430005803

Dr. Rameshwar Mishra--9430969181

Kishanganj Jila

Gopalji Mishra-9431232333

Arariya Jila

Sitaganj(Forbesganj)-Mangan Mishra 9973269906

Vill. Ramai -Sudhir Nath Mishra-9471176875,AMIP,

Dr. Kapileshwar Pd. Sinha-9304269788

K N. Yadav 9955999170

Meryganj(Raniganj)-Abhay Shankar Jha 9334842306

Maithili speaking Jharkhand

Godda Jila

Sarvjeet Jha,9430187728

Deoghar Jila

O.P.Mishra-9835174005

Dr. Vijay Shankar -9431943949

Babhangam-Radhakant Tiwary -9931155287

Dumka Jila

Dr.B. K.Mishra- 9431547719

Gauirkant Jha 9431150184

Pakur jila

Dr. Seetaram Singh-9431367869

Jamtara Jila

Mahendra Choudhary-9431518727

JHARKHAND

Ranchi jila-

Sushil K Mishra 9835351268

Ajay Jha 7004780580

Sanat Kr Jha 9934344018

Suresh Mallik 9431358478

Pushpa jha 9304797318

Chandraprakash Jha,0651-2240698

Dr. Guneshwar Jha-9430115978,

D.Mishra,IAS(retd.), 9431180424,

KK Thakur 9431396932

Maheshwar Sah-9835111528

Ganga Pd. Yadav 9431073279

Bishwambhar Jha-9431109737

Dr. Madan Jha 9431597175

S.K.Jha 9031272003

K.K.Thakur 9431354640

Dr. Radhakant Mishra-9431371538,
Dr. R.K. Jha 9431187262,
Chandradev Jha 0651-2482032
Mahidhar Jha- 9939505223
Radhakant Jha,0651- 2290031
Sripati Yadav(Pahlwanji) -9608397141 Fulhasan PP
Ganganath Jha-9470944772
Satish Chandra Mishra-9470522414, 0651-2461831
Rudrakant/Abhay-9835334045,/ 9431350465
Sanjesh Mohan Thakur-9431577530,0651,Mithikla Seva Manch (AMPk ekai)
Sanjay-8051670111
Hemkant- 9934205532
Vineetji-8102344372
R C Jha, -9431747551
Bindeshwar Jha, 9709128672
MK Mishra, Morhabadi 9431585015
Kamal Kishore Thakur 9955158246

MURI
Shyamanand Jha- 9234444019,
K.D.Sahu-06522-222845

Saraikela-Kharsawan Jila
Ganga Sharma, 9431111645
Amarnath Jha-9470126679
Shankar Jha ‘Shastri’- 9431067121
SK Jha ‘Bhagwanji’-9430735907
Gopiraman Chaudhary-9334804564

Jamshedpur jila
Ashok ‘Abichal’ 9006056324
Rabindra Chaudhary 8986813982
Laxman Jha 9431302272
Pramod Jha- 9334612826
Amlesh Jha-
Krishnmurari Jha- 9199296606
M.C. Madhukar-9431183951
Pavan Jha- 8051067660

Jatashankar Jha- 9431330577

Amarjeetnath Mishra -9334207606

Rajiv Jha9431183708

Kailsh Jha, AMIP-9431345366

Rajesh Jha,AMIP-8409200807

Bokaro Jila

Amirinath Jha ‘Amar’-9431586643

B.N. Jha -9304741698

K.K.jha- 8986872662

Dhanbad Jila

D.Jha 9431121936

NK das 9234718522

Sibes K. Jha 9525174683

Pravin Jha- 8877251821

S.K.Jha ‘Netaji-9431119008

Ashish Jha, S.K.Jha ‘Netaji-9431119008

Prsamod K Jha 9430766379

SINDRI

Mintu 9308092985

NIRSA-Khagesh Thakur-9386326429

MEDININAGAR Jila-S. N. Jha

Khunti jila -R. Mishra- 9431546629

BIHAR

Patna- Narendra Kr. Jha 9835067866
Umanath Mishra-9939099036
Amlendu Mishra-9507917247
Nabendu Jha- 9431881763,

W.B.-Asansol -AN jha 832750098
Poonam Jha

Arunachal Pradesh-Dr.Ashok Kr.Jha

CHHATTISGARH
Bhilai- S.N.Mahto,9934914944
Raipur-S.N.Pathak,
Ugresh Jha- 8251030001
U.P.
P.C.Thakur- 9415419421

KK Mishra -8318409641
Lucknow-R. C. Mishra-9450359853
Varanasi -A.K.Mishra-9415393600
Prayagraj-Bidhukant Mishra 9935048865
UP_NCR
Greater NOIDA -Santosh Jha 7678305262
Gatinath Jha- 9899644565
Khora -Pt. Basukinath Jha-9350112184
NOIDA- BK Jha-9650250274

DELHI_NCR
TN jha Mandavali 9899239807
Jatashankar Mishra- Dwarka -9717996280
KK Mishra Dwarka -9868963743
Kislay-Mithila Kala Manch (AMPk ekai) 8051662207
Keshav jha -9818574662
Pt. Ranjit jha 9999887118
V K Jha, Yuva Mithila (Ampk ekai)-9971219520
Anil Sah—9958085330
Ghanshyam Thakur_9313581106

Suman Thakur,Kirari8750655008,

RAJASTHAN—Jaipur

Ashok Thakur,-8107209740

MAHARASHTRA -Mumbai

Amit Jha 9930767440

Shailendra K Jha 9820858184

PUNE-

Arjun Mandal, 9324287814

Dhirendra jha, 9422035017, 020-26691296

Sunil Kumar jha, e-mail:jhasunil@gmail.com

Harshwardhan Mishra-9970255688

GOA

SC Thakur-9823019733

Umesh Kr.Karn- 9423835004

Baby d/o LNS Suman 7875240717

Karnatak

Bangalore

Amaranth Jha, 9845202215

Vicky- Secy AMP, BNg8884514433

Anil Mishra-9470960731, 8861640746

Sanjay - 9886944791

Telangana-
Hyderabad
Vinod Mishra-9912058009
Jyotiprakash lal-9885909461
Andhra Pradesh
Visakhapattanam
Vikashchandra J 8309425351
Tamil Nadu
Manoj J- 9600176471
Shankar Jha 044- 24793280(

NEPAL
Nepaliya Mithila
Janakpurdham-
Gram-Marari,Jilla-Sirha -Prof.Umesh Kr.Jha'Lalan',
Kathmandu/Biratnagar-RamrijhanYadav, 9430558266
Rajbiraj -Karuna Jha
Yahoogroups-

Mithilapremi@ yahoo.co.in
Mithila_vasi@yahoo.co.in

USA
California, CA 92633(USA)- Dr.Manikant Thakur
manithakur@sbcglobal.net
Phoenix,AZ 85048(USA)- A.Jha'Bakshi'- jha_amar@yahoo.com

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.६. अन्तर्राष्ट्रीय बनाम अन्तरराष्ट्रीय केर संदर्भमे संस्था एवं अन्य देशमे एकर उपस्थिति

NEPAL
Nepaliya Mithila
Janakpurdham-Rajeshwar Sah Maithil(Nepali),-00977-041-521083, 523083, 9744020604
Gram-Marari,Jilla-Sirha -Prof.Umesh Kr.Jha'Lalan',
Kathmandu/Biratnagar-RamrijhanYadav, 9430558266
Rajbiraj -Karuna Jha
Yahoogroups-
Mithilapremi@ yahoo.co.in
Mithila_vasi@yahoo.co.in
USA
California, CA 92633(USA)- Dr.Manikant Thakur
manithakur@sbcglobal.net
Phoenix,AZ 85048(USA)- A.Jha'Bakshi'-jha_amar@yahoo.com

UK

1. Antarrashtriy Maithili Parishad_Ranchi 20.6.1993 and its affiliates viz.(Bold running)

2. Mithila Rajya Sangharsh Samiti (21-23/12/1994 MRSS Niyamavali banawl, Chunchun Mishra visited Ranchi residence. At Chetna Samiti building_Patna, Paush Shukl 7,2051(8.1.1995) (Mithila Rajya sangharsh Samiti founded with Jaikant babu as its president(though could not be declared by me when Vivekand GSecy Chetana samiti had hot words with me when he asked all to go work for Yugeshwar Jha, candidate from Benipatti and I could declare his name only on 8.1.1996 at Madhubani in II Antarrashtriy Sammelan)_ Sammelan Madhubani _I_8-9.6.2014, Rajnagar_II 20.4.2016

3. Maithili Sandesh_ 13.10.1994_first

copy released__40 issues published

4. Mithila Patrakar Manch_conceived in 1995, first function Darbhanga 22.6.2017

5. Mithila Vanijya Chhatra Parishad_ Rajendra Chhatravas, Kolkata_26.1.2001

6. Mithila Vidyarthi Parishad_ Saharsha_Falgun Shukl 2,2061(12.3.2005)_ adhiveshan Jalan College, DBG_26-27.8.2015

7. Mithila Sewa Manch (Ranchi_ 2008)

8. Mithila Party banak chahee(31.3.1996),_1.4.1996 12 vidhansabha , 3 loksabhak sambhav ummedvar(Jhanjharpur-Dr.Jaykant Mishra, Madhubani-Dr. Dhanakar Thakur,Darbhanga- Udayshankar Mishra)- Abhash Chatterjee, retd IAS k vicharneek lagal je bahut purv pratyashee k ghoshna ho. 16.2.1996 s hamar divorce case Madhubani me open bhay gel aa yojna chaupt_ 3.4.1996_Bhartiya Mithila Janta congress/Dal/Party/Parishad- BMJ

Parishad neek raht . 8.6.1997_ Abhash Chatterjee k sahmati Mithila Hindu Democratic Party banbay lel_ antatahy ghoshit bhel _ Mithila Vikas Party (Muzaffarpur Vishnukantji s vichar_4.10.2008, Kajubabu dera,Lalit MohanThakur s Arariya me vichar_18.12.2007, Patna Pustak mela me banal 13.12.2008), je antatah Akhil Bhartiy Mithila Party (17.9.2010 regd)_(since 23.6.2013, Bihat cut off from AMP) tahi lel fer,

9. Aadarsh Mithila Party(26.3.2014 regd. 56/2014/PPS-II), Begusarai_II adhiveshan_24-25.3.2017

10. Mithila Kala Manch_Devghar_24.11.2013

11. Mithila Rajya Nirman Samiti, Jhanjharpur,Bhadav Krishan 5,2070(25.8.2013)I, madhepur_28.9.2013, Madhepura_II_15.12.2013,

Darbhanga_III_22-23.12.2015

12. Mithila Bal Parishad, Chakia, Begusarai_14.12.2013

13. Mithilakshar Pracharini Sabha_Darbhanga_23.12.2013

14. Yuva Mithila_ Bangao, Saharsa_Baishakh Shukl 9,2072(24.4.2015), Delhi_24.4.2016

15. Katha Kumbh _ 1.3.2015, Rahua(Madhubani)

16. Mithila Sanskrit Parishad_ Chaitr Shukl 11,,2073(17.4.2016), Udghatan Yajynavalkya Chhtravas, KSSDU, Darbhanga

17. Udyog Mithila_ Simariaghat_25.11.2015 sweekriti , Udghatan ,Darbhanga_ Chaitr Shukl 11,,2073(17.4.2016)

18. Mithila Adhwakta Manch_2.10.1994, Chadraprakashji,Ranchi, kintu udghatan Laheriasarai court, Darbhnaga_16.10.2016

19. Mithila Shiksha

Manch_Simariaghat_25.11.2015 sweekriti. 16.10.2016, Misartola Darbhanga. Pratham karyakram,

20. Mithila Mahila Parishad_Darbhanga_20.10.2016 pratham karyakram
21. Mithila Vyavsayee Manch_ Darbhanga_20.10.2016 pratham karyakram
22. Mithila Muslim Manch_ Patepur(Samastipur)_20.11.2016, First conference 20.7.2017
23. Mithila Dalit Manch(under process)
24. Maithili Shikshak Sangh_Muzaffarpur_ 26.3.2017 k vichar
25. Vachaspati Pustakalay_Ranchi _8.3.2012
26. Mithila Sahityakar Parishad_31.3.2017 k Ghoshana Buddhinath Jha, Bokaro,9471158641, Abhay Shankar Jha, Raniganj(Araria)

7259612553, Dilip J Madhubani 9430989449

27. Santhal Pargana Mitra Mandal¬¬_(at Ranchi level)-Bisua(New Year 14 April held once)

28. Purnea Mitra Mandal_(at Ranchi level)-Holi Milan held once in Vandana's house

29. Saharsa Mitra Mandal_(at Ranchi level)- 28.1.2006_Nageshwar Jha dera, Holi Milan held once in Bariatu and Laxminath Gosai n jayanti in my house

30. Tirhut Mitra Mandal_(at Ranchi level)- Holi Milan held once(8..2.2011?) in Harmu in Trivediji's house

31. Samastipur Mitra Mandal_(at Ranchi level)- Holi Milan held once in Madhukam

32. Mithila Adhivakta Lipik Manch- Madhubani 26.4.2018

Founded/ Revived other organizations (than AMP units) by Dhanakar Thakur

1. Maithili Manch,

Harmu_Founded_21.12.199 7(jahi me bad me Jharkhand hamra dwara 2000 me jodal gel)

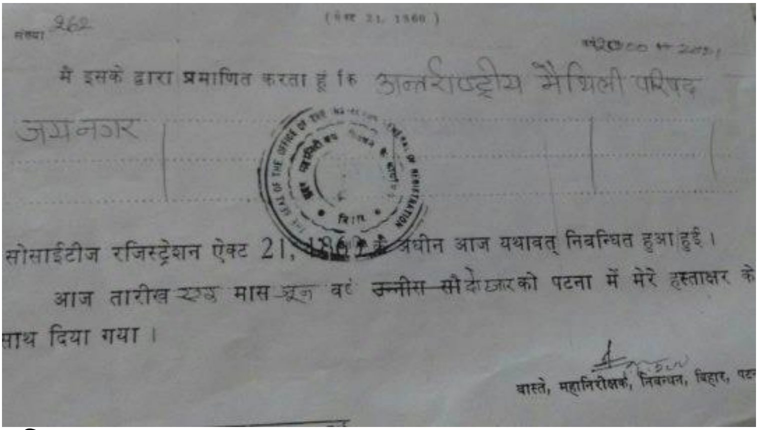
2. Vidyapati Smarak Samiti, Rranchi _Revived_by sending 217 postcards on 31.12.1993 and calling a meeting at the residence of IN Jha in Jawaharnagar colony, Ranchi on 16.1.1994

3. Maithil Sangh, Chennai_Founded_ _ 21.1.1996 at Hotel Annapurna, Nr.Chennai Egmore station (had visited door to door during 18-21,1995 at Velankini etc. staying at the IIT, Chennai as a guest of Shrish Choudhary for it)

4. Mithila Sanskritik Parishad, Visakhapattanam _revived_6.2.1993, 15.6.2002

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.७. अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आओर मिथिला केर नव चेतना


संख्या 262
(ऐक्ट 21, 1860)
मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूं कि अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद
जयनगर
सोसाईटीज रजिस्ट्रेशन ऐक्ट 21, 1860 के अधीन आज यथावत् निबन्धित हुआ हुई।
आज तारीख मास वर्ष ~~उन्नीस सौ~~ दो हजार को पटना में मेरे हस्ताक्षर के साथ दिया गया।
वास्ते, महानिरीक्षक, निबन्धन, बिहार, पटना

प्रतिज्ञा-

सर्वशक्तिमान परमेश्वर एवम अपन पूर्वजसभक स्मरण कए हम प्रतिज्ञा करैत छी कि हम अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद् क कार्यकर्ता छी आओर अपन मिथिलाक पवित्र धर्म, संस्कृति तथा भाषाक संग अपन राष्ट्रक सर्वांगीण उन्नतिक लेल सभ कार्य हम प्रामाणिकतासं नि:स्वार्थ अपन बुद्धिमत्तासं तथा तन मन धन पूर्वक आजन्म करैत रहब।

जय मिथिला। जय मैथिली।

A) AMP Conferences: & MWTC Summary of the Antararshtriya Maithili Sammealanas (International Maithili Conferences)

and Mithila/Maithili Workers' Training Cams (MWTC) by the Antarrashtriy Maithili Parishad(AMP)

Summary of the Antarrashtriya Maithili Sammelanas by the Anatrarrashtriya Maithili Parishad

No. Date/s Place/s Theme/s Chief Guest/s CONVENOR/s

I June 19-20, 1993 (Ashadi Amavasya, 2050 Vikram Samvat) Ranchi

Mithila's Industrialisation; Flood control and irrigation;

Environment

protection, Small-scale industries;

Dowry prohibition, Status of Maithili, etc.Antarrashtriy Maithili Parishad, founded on 20.6 Dr. Jaikant Mishra

Babusaheb Choudhary

CS Jha

MN Jha

Parmanad Mishra

Amresh N Jha Bharati

Dr .Dhanak

r Thakur,

Dr.Suresh Jha 'Ajit', NK

No.Dates

Gami, LN Singh'Suman'

II Jan. 07-08,1996 Madhubani

Mithila's Industrialisation; Flood control and irrigation; Earthquake protection, Small-scale industries; Mithila Rajya Sangharsh Samiti President Dr J K Mishra was declared (by AMP president Dr Dhanakar Thakur) Pradeep Maitiliputra (Bhogendra Jha in the audience, did not call him as the election was eminent and had not called any political leader) Dr..Dhanakar Thakur ,Shringesh Mishra.Chunchun Mishra

III Apr. 13-16, 1997 Nepali Mithil (Marar ,Sirha, Lahan, Janakpurdham) Kavi Goshthi-Marari ,

Vidaypati Parv, Lahan

Raja Salhesh Mahotsav- Sirha was made State festival Ramlakhan Ram ,Rambilas Yadav, Dy. Speaker, Parliament, Nepal, Pt.Sundar Jha 'Shshtri' , Indranand Jha,USA Umeshchandra Jha 'Lalan;

IV Dec. 27-28, 1997Rourkela Floods in Mithila Dinesh K Mishra, Pt.Sundar Jha 'Shshtri, Janakpur

Indranand Jha,USA Prafull Chandra Jha

V Apr. 14-15, 1998 Katihar

Tarique Anwar,MP Narayan Jha

VI Dec. 26-27, 1998Chennai Agni shapath for Maithili in VIII Schedule, Good number from Nepal Sahaji, ONGC, Indranand Jha,USA

Dinesh Ch Thakur, Patna Chandrakumar Thakur

VII Jan. 08-09, 2000 Jamshedpur

Flood control and industrialization in Mithila Bhogendra Jha, Radhananadan Jha,Dinesh K Mishra,

Arvind K Sinha(Film director),.Dr.B.P.Singh. Dr Kamlakant Bhandari, Dr.Devendra Jha,etc Pashupati Jha,Arun K Jha

VIII Dec. 23-24, 2000 Biratnagar (Nepali Mithila) Tourism in Mithila region(Nepal and Bharat),I Demanded of Mithila state in Nepal before great leaders rural ladies in despite curfew-like situation Jhalanath Khanal(later PM,Nepal); .Teekaram Panthi Bhanubhakt PokhrelRamnarayna Yadav, Mahesh Regmi, Rameshchandra PaudelIRamrijhan Yadav

IX Nov. 10-11, 2001 Saharsa Roadmap of Mithila State in India Amrendra Mishra Dr.Shrishtidhar Jha,
Dr. Mayanad Mishra, Rameshchandra singh Mohan Yadav

X Feb. 01-02, 2003 Dhanbad Maithili in JPSC ,

Mithila State in India demanded
Pashupatinath Singh, Baccha Thakur, Chhotelal marandi Dr.Vidyanath Jha'Vidit'
Yaduvir Jha

XI Nov. 22-23,2003 Dalsingsarai
Maithili in VIII Schedule
Ramlakhan Ram 'Raman' Satyanarayan mahto

XII Oct.02-03,2004 Muzaffarpur
Leaders of many parties supported Mithila State, Muzaffarpur be renamed Khudirampur Tarakant Jha,
Dr C P Thakur,
Devesh Shukla, Bijendra Choudhary, Suresh Sharma Jaunarayn Nishad, Harendra Kumar Vishnuknt Jha

XIII Sept.24-25,2005 Jaipur 100 years of Maithili Journalism Girdhari Lal Bhargava Klicharan Sarraf Dr.Jaikant ishra Dr.Mahendra Narayan Ram,Suman Sharma Ashok Kumar

Thakur,Gandhwari

XIV May 27-28,2006 Simariaghat Clean Ganga Movement, Kumbh there in 2012 demanded Swami Chidatmanji Dr.C.P. Thakur, Rajendra Singh Ashok Kumar Thakur,Gaura

XV Jan.6-8, 2007 Bangalore Mothertongue protection Dr.U R. Ananathamurthy Prof.Krishna Kumar, UK Dr.Dhankar Thakur, Ghanshyam Mishra, Radheshyam Mishra, BN Jha

XVI Nov.4-5,2007 Goa Maithili & Konkani,Goa's establishment by Maithils BK Jha,Ujjawal Mishra Umesh Narayan Karn

XVII April 27-28,2008 Purnea Seminar -Harimohan Jha,Mithila's flag decided Dr.Birendra Mohan Thakur

XVIII Dec.21-22,2008 DelhiKoshi floods, For Mithila State dharna Gaurishankar

Rajhans, Prabhat Jha, Sanjay Jha, Anil Mishra Kripananad Jha (left unceremoniously)

Bhavesh Nandan

XIX April 12-13,2009 Kathmandu

Mithila state in Nepal, Historic procession for it ,PM,Nepal announced states on language and ethnicity; PM, Prachanda

Jayprakash Gupta Mahendra Paswan Dr.Ramavtar Yadav, Parmeshwar Kapadi Dhirendra Premarshi Ramrijhan Yadav

XX Dec..20-21,2009 Kanpur Seminar on Surendra Jha 'Suman' Shriprakash Jayswal Premkant Jha

XXI Apr 24-25, 2010 Araria

Seemanchal nai Purvi Mithila Md. Israil Rain,MLC LN Mehta,MLA

Sudhirnath Mishra

XXII Jan. 29-30, 2011 Mumbai

Seminar on Yatriji, Mahila Sammelan

Raj K. Purohit, President, BJP, Mumbai Chakradhar Jha(left later on)

XXIII June 25-26, 2011 Jaynagar Mithila State Baleshwear Bharti, MLC, Ramlakhan Ram 'Raman' MLA,

Binod N Jha, MLA, Umashakar Gupta, MLA, Arun

Shankar Pd. MLA Dr.Kamalkant Jha

Satish Chandra Mishra

XXIV June.26-27, 2012 Seetaganj (Forbesganj)

Mithila State Action Committee formed; A big delegation from Nepal _Karuna Jha, Dr SN Jha etc. LN Mehta Sudhirnath Mishra

XXV December 22-23, 2012

Madhepura Mithila State

Dr.Ashok K Yadav Yogi Janak Kushwaha

XXVI Nov. 23-24,2013 Deoghar Mithila state Krishnanand Jha OP Mishra

XXVII Dec. 22-23, 2014 Darbhanga

Mithila state in India and Nepal Ramchandra Jha. ex- Minister, Nepal PC Thakur,Jalwad

XXVIII April 15-16,2017 Mumbai Several seminars Amit Mishra

XXIX Nov. 25-26, 2017 Janakpurdham Rajeshwar Sahu Nepali

XXX Aug.11-12,2018 Ranchi Silver Jubilee Kamal Kishor Jha

XXXI Dec .16-17,2018 Bhagalpur Mithila demanded with Ang which remained always with Mithila. Dr.Leelachand Saha,VC Mihirmohan Jha 'Suman'

XXXII Dec.25-26,2019 Bisfi Vidyapati Mithila state Haribhushan Thakur 'Bachaul' Rajiv Karn

XXXIII April 24-25,2022 Mahishi Mithila state Dr. Shrishtidhar Jha Krishnakumar Jha

Jharkhand State AMP conferences

I Deoghar	24.8.2003
II Bokaro	4 .4.2004
III Jamshedpur	5.3.2006
IV Bokaro	4.4.2010
V Jamshedpur	19.9.2010
VI Sindri	14.9.2013
VII Bokaro	21.8.2016

Mithila Mahotsav, Jamshedpur- Jan 27-28, 2008, March 30-31, 2013

Summary of Maithili Workers Training Camps (MWTCs) of Antarrashtriy Maithili Parishad

Mithila/ Maithili Workers Training Camps (MWTCs) of Antarrashtriy Maithili Parishad

Summary of Mithila/ Maithili Workers Training Camps

No. Dates Place District
Trained No. Convenor

1 April 01-04, 2001 Jaynagar
Madhubani 31 Dr.Kamalkant
Jha

2 May 04-06, 2002
.Ajnaul,Dalsingsarai Samastipur
24 Satyanarayn Mahto

3 May 08-11, 2002 Sukhsena
Purnea 26 Lalit Rang

4 June 27-30, 2003 Ugna
(Bhawanipur) Madhubani 15 Dr.
Jishnudutt Mishra

5 Sept. 12-15, 2003 Narayanpatti
Madhubani 35 Mohan jha

6 May 07-10, 2004 Ranchi
Ranchi 12 Dr.Dhanakar Thakur

7 Sept. 24-27, 2004 Manechowk
Sitamarhi 25 Umakant Jha

8 Oct. 22-25, 2004 Kuangarhi
Munger 72 Brahmanand Jha

9 Oct. 24-27, 2004 Dumaria- Motia
Godda 91 Keshav Mohan
Thakur

10 April 22-24 , 2005 Ranchi
Ranchi 32 Dr.Dhanakar Thakur

11 Dec. 22-24, 2005 Hulas (mother
Expired
at Ranchi on 24.12.2005) Supaul 31
Krishna Jha 'Munna'

12 May 25-28, 2006 Simariaghat
Begusarai 23 Sarvamangala Ashram

13 Oct. 9-12, 2006 Parsa
Madhubani 9 Dr. PKP Pandit

14 Dec. 6-9, 2008 Ranchi Ranchi
9 Dr.Dhanakar Thakur

15 May 23-26, 2009 Jhandapur
Bhagalpur 10 Vinay Tarun

16 Aug 30-Sept.2, 2009 Nanaur
Madhubani 4 Akhilesh Jha

17 Sept. 17 -20, 2009 Bhairabsthan
Madhubani 22 Anand K Jha

18 Nov. 1- 4, 2009 Dhamiapatti

Madhubani 32 Dr.Kamalkant Jha
19 Dec. 23-26, 2009 Burari Delhi 20 Ghanshyam Thakur
20 Apr. 1 -4, 2010 Khora NOIDA 29 Rambhadra Jha
21 May 8-11, 2010 Akaur Madhubani 34 Kameshwar Yadav
22 Feb.26-27, Mar.15-16 ’11 Dalsing Sarai Samastipur 24 P K Jha 'Prem
23 Dec. 24-27, 2011 Vidyapatinagar Samastipur 8 Ganesh Giri
24 Jan 17-20, 2012 Sarisabpahi Madhubani 19 Umesh N Karn Kalpkavi
25 March 6-13, 2012 Ranchi Ranchi 17 Dr. Dhanakar Thakur
26 March 23-26, 2012 Raniganj Araria 36 Abhayshankar Jha

27 April 5-8,2012 Munger Munger 26 Mithila Parishad

28 April 28-30, 2012 Padma Madhubani 26 Baidyanath Thakur

29 May12-15,2012 Gandveeshwar Madhubani 27 Ashok K Jha

30 June 22,24-26,2012 Saurath Madhubani 18 Shambhunath Panda

31 Aug 10-13, 2012 Tarauni Darbhanga 17 Vijay K Jha

32 Oct. 25-28,2012 Jhanjharpur Madhubani 13 Anand K Jha

33 Oct. 25-28, 2012 Madhepur Madhubani 18 Dr. Umesh Thakur

34 Nov.10-13, 2012 Pupari Seetamadhi 8 Vijay Kumar Thakur

35 Nov.11-14, 2012 Benipatti Madhubani 4 Kamal Kishor

Jha

36 Nov.11-14, 2012 Dhakjari Madhubani 13 Ugreshchandra Jha

37 Nov.11-14, 2012 Madhubani Madhubani 5 Pramod K Jha

38 Nov.11-14, 2012 Rahika Madhubani 11 Nilambar Jha

39 Jan 26-29, 2013 Gauda Begusarai 26 Ashok K Thakur

40 Jan 26-29, 2013 Teghra Begusarai 10 Randhir

41 Jan 26-29, 2013 Rani Begusarai 26 Ashok Pathak

42 April12-14,2013 Pindaruch Darbhanga 13 Shivshankar Choudhary,Ex Militry School,WB

43 Oct 26-28,2013 Barbetta Samastipur 12 Dr.Sudishtha Choudhari

44 Jan22-25,2014 Rajbiraj(Nepal)

Saptari 31 Karuna Jha

45 Feb 8-11,2014 Roopnagar

Darbhanga 30 Gandhiji

46 Apr12-17,2014 Bande

Samastipur 14 Pandeji

47 April 13-18,2014 Patori

Samastipur 20 Keshav

48 May 10-13,2014 Akha Samastipur

21 Shivshankar Choudhary

49 June 9-12,2014 Singhwada

Darbhanga 36 Rajeev Karn

50 June 12-15,2014 Ojhoul Darbhanga

7 Amlendu Mishra

51 July 12-15,2014 Fulhar

Madhubani 19 Umesh K. Mandal

52 Aug21-24,2014 Bhramarpur

Bhagalpur 19 Deepak Mishra

53 Aug24-27,2014 Bangaon Saharsa

21 Suman samaj

54 Aug 27-30, 2014 Kothia

Madhubani 41 Anand K Jha

55 Aug 30-Sept2,2014 Nabada Darbhanga 19 Dr.Mamta Jha

56 Sept 6-9,2014 Manoharpur Madhubani 8 Umesh K Mandal

57 Sept.6-9,2014 Saharghat Madhubani 6 Umesh K. mandal

58 Sept.7-10,2014 Gangour Madhubani 21 Umesh K. Mandal

59 Sept.9-12,2014 Kamlapatwadi Madhubani 29 Ghutanu Jha

60 Sept. 12-15,2014 Mahinathpur Madhubani 20 Swtalambaar Jha

61 Sept. 15-18,2014 Kalapatti-Sisbair Madhubani 21 Bhola Mishra

62 Sept. 18-21,2014 Ramai Araria 26 Sudhirnath Jha

63 Sept.21-24,2014 Kewati Darbhanga 14 Balaji

64 Oct.2-6,2014 Darbhanga Darbhanga 8 Rajeev Karn

65 Dec. 13-16, 2014Alapur Begusarai 29 Acharya Sudheer

66 Dec. 28-31, 2014Jamalpur Munger 12 Dr.Martand Mishra

67 Jan.16-19, 2015 Mahanpur, Harlakhi Madhubani 16 Umesh K Mandal

68 Feb 26-March 1, 2015 Rahua Madhubani 9 SS Jha' Rahi'

69 Apr 28- May 1, 2016 Shambhuad Madhubani 11 Dr. Dhanakar Thakur

70 Sept 17-20,2016 Patsa Samastipur 41 Manoranjan Mishra

71 Nov. 19-22, 2016 Thanpur Vaishali 15 Manoj K Yadav

72 Nov.22-25, 2016 Bhatgama

Samastipur 31 Sushant Mishra
73 Dec.28-31, 2016 Hariharpur
Darbhanga 22 Dr. Manikant Thakur
74 Nov 26-27,’16 & Feb.17-18,17
Vidyapati Colony G. NOIDA 9
Santosh Jha
75 June 22-26, 2017 Chahuta
Darbhanga 9 Rajeev Karn
76 July 22-26, 2017 Simri Darbhanga
4(1613) Sanjay pathak
77 Jan 21-24, 2019 Singhwada
Darbhanga 6 Rajeev karn
78 19.7-22.11.2020 E-Google meet
5
Dhanakar Thakur
79 29.11.20-14.2.21 E-Google meet
2 Dhanakar Thakur
80 22-25.3.2021 Pindaruch Darbhanga
7 Sitesh Choudhary
81 25-28.3.2021 Kasraur Darbhanga

3 Dr..Mamta Jha

82 21.2.-23.5.2021 E-Google meet

2 Dhanakar Thakur

83 30.5.-12.9.2021 E-Google meet

2 Dhanakar Thakur

84 19.9-19.12.2021 E-Google meet

1 Dhanakar Thakur

85 26.12.21-20.3.22 E-Google meet

1+(1 II) Dhanakar Thakur

86 26.3-30.5.2022 E-Google meet

1(III) Dhanakar Thakur

87 24-27.6.2022 Delhi Univ.Campus

6 Ripunjay Thakur

88 17-20.11.2022 Dhanga

Madhubani 19 Awadhkishior

Jha

89 20-24.11.2022 Bakarpur,Kudhani

Muzaffarpur 8 SanjayThakur

90 16-19.1.2023 Sijhua Araria

6 Dineshlal Deo

91 23-26.1.2023 Narhi

Madhubani 6 Kapil Jha

92 27-30.1.2023 Dalsingsarai Samastipur 10 Dr.U.K.Choudhary

93 5.6.2022-1.1.2023 E-Google meet 1(II) Dhanakar Thakur
94 8.1.23.-15.1.2023 E-Google meet 1(III)Dhanakar Thakur
95 16.1.23.-19.1.2023 Sembhuad Madhubani 4 Gulab Thakur
96 19.1.23.-23.1.2023 Ladari Darbhanga 9 Prakashchandra Jha
97 24.1.23.-26.1.2023 Godda Godda 4 Sarvjit Jha
98 22-.23,27-28.1.2023 Jhajha Jamui 11 Rajendra Kumar
99 28.-31.1.2023 Barauni Begusarai 1 Shreedham
100 17.-20.2.2023 Kalikapur Madhubani 10 Bipin Jha

101 25.-28.2..2023 Taralahi Darbhanga 3 Rampukar Rai

102 21-24.3.2023 Samaul Madhubani 5 Rajkumar Choudhary

103 27-30.3.2023 Birsaiar Madhubani 6+1(II), Praveenshekhar Jha

104 23-26.8.2023 Bisfi Madhubani 12 Shivshankar Yadav

105 28-31.8.2023 Dalsingsarai Samastipur 5

Total 1758 PK Jha'Prem'

Dharna

For Mithila Rajy

Patna- 27.3.1995, 22.5.2010

Darbhanga- 3.2.1997, 3.8.2009,21.3.2023 (by MRSS)

Delhi -22.12.2008, 22.12. 2009, 10.12.2010, 10.12.2012(by MRSS), 23.11.2015

Madhubani- 10.7.2009,21.4.2023

Dalsingsarai- 27.11.2011

Kusheshwardham- 13.10.2012

Benipur, DBG 30.1.18,Chakka Jam by AMiP

Bokaro- 30.1.2018,

Dharna at Ranchi for the Second language (Dwitiy Rajbhasha) Maithili in Jharkhand state

1. Birsa Chowk, Ranchi 11.3.2011
2. Rajbhavan Ranchi 11.9.2011

Distributed - Maithil Sandesh magazine 40 issues till Feb 2018(213000 copies)

Lakhs of pamphlets and posters for Mithila state and Maithili in Census etc

AMP Executive Meetings(Apart From AMSs): An Update

Date/s	Place	Guest	Remarks
9.8.1996	Darbhanga		
23.7.1999	Kathmandu		
13.3.2005	Begusarai	Tarakant Jha	
13-14.6.2009	Jaynagar		
9.9.2012	Dalsing Sarai		

22.7.2017 Jaynagar

17.11.2022 Jaynagar

(B) List Presidents and Secretaries of AMP

List of Presidents & Secretaries of the AMP

President From To Secretary From To

Convenor- BHARATI

Represented by Dr.Dhanakar Thakur 20.6.1993 7.1.1996

(of seven organisations, 1.Chetana Samiti, 2.AB Mihtila Sangh,Kolkata, 3. Mithila Sanskritik Parishad, Bokaro

4. Mithila Samiti, Kanpur, 5. Vidyapati Seva Sansthan, Darbhanga, 6. Nepal Maithili Samaj, Kathmandu, 7. Maithili, USA but none took it seriously

Dr.Dhanakar Thakur12.4.1997 8.1.1996 12.4.1997 ------ --- ---

Dr. Bhubaneshwar Prasad Gurumaita 13.4.1997 12.4.2009 Umesh Jha 'Lalan' 13.4.1997 Dr.Satyanarayan Mahto

Kripanand Jha(but left AMP unceremoniously after 26.6.2011) 12.4.2009

Dr. Kamalkant Jha 13.4.2009 30.5.2024 Ramrijhan Yadav 13.4.2009 ---- Premkant Jha 26.6.2011 31.3.2016 Umesh Mandal 1.4.2017 31.3.2020 Naryan Yadav 1.4.2020

Dr.Ashokn 'Avichal' 2.6.2024

----- Names announced but not worked at all have not been mentioned. Some who started work but left midway are also marked as ----

(C) The Prime-movers of the AMP (who initiated /helped and established different units - State-wise / District wise in Mithila alphabetically)

The Prime-movers of the AMP

(Who initiated and/ or worked or helped substantially to establish different units by organizing any program (alphabetically different States & UTs and district-wise in Mithila)

BIHAR

MAGADH, Patna — N K Jha, Purushottam Jha, Gaya — Dr. Gopalkrishan Jha

MITHILA

Araria— Lalit Mohan Thakur

Forbesganj— Dr.Niytananad Lal Das,.Mangan Mishra,Sudhirnath Mishra

Raniganj— Abhayshankar Jha

Begusarai— Swamni Chidatmananadji , Gaurinath 'Bhaskar', Dineshanand Singh

Bhagalpur — Vinay Tarun, Mihir Mohan Jha 'Suman', Subodh Paswan

Darbhanga — Mithileshwar Jha, Rajiv Karn, Dr. Mamta Jha, R K Jha, Kasraur, Amlendu

Shekhar Pathak, Dr.Dilip Kumar Jha, Anil Mishra, N Tiwary, Shobha Thakur, Sunil Thakur, Majhaura, Gandhiji, Mahinam, Balaji, Keoti

Katihar— Narayan Jha

Khagaria —Prabhakar Jha

Madhepura—Yogi Janak, Dr. Ashok Kumar, Ashok Mehta,

Madhubani— Chunchun Mishra, Rahika, Pramod Kumar Jha,Chakdah, Umesh

Narayn Karn 'Kalpkavi', Rampur

Jaynagar — DR. Kamalkant Jha, Kapildeo Kunwar,Narayan Yadav, Satishchandra Mishra,

Narar,

Jhanjharpur— Anand Kumar Jha, Arun Kumar Jha,

Benipatti— Kamal Kumar Jha,

Madanchnadra Jha, Karuna -Bisaul, Umesh

Mandal, Manaharpur, Ratneshwar Jha, Champa Parjuari

Munger— Dr Martand Mishra, Jamalpur

Muzaffarpur — Vishnukant Jha, Dr. Madan Mishra, Suresh Kumar Rai

Purnea—BM Thakur.Pravin

Saharsa— Krishananad Jha,Suman Samaj, LN Jha

Samastipur—Shardindu Jha, , Dr Parmanad Labh, Dhurlakh, Ram Kumar

Jha, Thahra Gopalpur, Premjeet Jha, Harirpur Eloth

Dalsingsarai— Satyanarayn Mahto, Ajnaul, P.K. Jha, 'Prem', Dr. Rahat

Hussain,Dr.U.K.Chpodhary

Patori — Rajkumar Pandey

Rosera-— Umesh N Choudhary

Supaul— Kailsh Yadav, Hulas

Vaishali – Manoj Kumar Rai, Mahnar

CHHATTISGARH — Raipur —

Surendranath Pathak, Ugresh Jha

DELHI— Premchand Jha, Kripanand Jha

GOA — Umesh Narayan karn

HARYANA — Bhimsingh Maithil,Hassanpur, Ballabhgarh-Chandrabhan Sharma

JHARKHAND—

CHHOTANAGPUR

Bokaro-— Tulanand Mishra, Nagina Prasad Mahto Amirinath jha 'Amar'

Dhanbad — Dhirendra Jha, Pravin Jha, Pramod Kumar Jha, SK Jha 'Netaji'

Sindri —Mintu Mishra, Ajanta Jha,

Jamshedpur — Dr Ashok 'Avichal', Dr Rabindra K Chaudhary, Pashupati Jha, Arun K Jha,

Pawan K Jha, Pankaj K Jha, Rajiv Jha, MC Madhukar, Gopiraman Choudhary, Laxman Jha, Pramod Kumar Jha, Krishnamurari Jha

Ranchi — Ramekbal singh'Vineet', Subodh

Chaudhary, Dr Suresh Jha ‘Ajit’, Rani Jha , N K

Gami, Bindeswar Jha, L,N, Singh ’Suman’, BK Jha(Lagma) BK Jha(Manpaur), Dr. Guneshwar Jha, Indranarayn Jha, Dr Radhakant Mishra, Ajay Jha, Kamalkishor Jha, Dharmeshwar Jha, Chandrapraksh Jha,Sushil k Mishra, Pushpa Jha, Dhirendra Mishra, Maheshwar Sah, Srripat Yadav, Sanjesh Mohan Thakur, Abhay Jha,Hemkant J, Sanat Kumar Jha, Anil Mishra (Muri),

Saraikela Kharsawan— Shankar Jha Shstri, S K Jha Bhagwanji ,Gopiraman

Choudhary, Ganga Sharma, Amaranth Jha,

SANTHAL PARGANA/ MITHILA

Godda—Sarvjeet Jha

Deoghar—Omprakash Mishra, Usha Jha, Dr. Vijay Shankar

Dumka- Gaurkant Jha

KARNATAKA—Bangalore — Radheshyam Jha, Ghanshyam Jha, BK Jha, Amrendra

Jha,

Dr.P.P. Jha, Harshwardhan Mishra

MAHARASHTRA — Mumbai — Amit Mishra, Shailendra Jha,

Pune — Arjun Mandal

RAJASTHAN— Jaipur — Ashok Kumar Thakur

TAMIL NADU — Chennai— Chandra Kishor Thakur

U.P— Greater NOIDA-Santosh Jha

Kanpur — Shringesh Mishra, Premkant Jha, P. C. Thakur

Prayagraj — Dr.Jaikant Mishra, Vidhukant Mishra

W.B. —Kolkata— Dayanath Jha, Pravin Choudhary, Ramakant Jha.

USA—Amarnath Jha‘Bakshi; Dr.Maniknt Thakur Indranand Jha, M.D. Jha,

NEPAL— MITHILA

Jankpurdham— Rajeshwar Sahu Maithil (Nepali)

Marri— Umesh K Jha'Lalan;
Rajbiraj— Karuna Jha
Non-Mithila— Kathmandu/Biratnagar-Ramrijan Yadav

(D) LIST OF THE AMP AFFILIATED ORGANISATIONS (UNITS)
Mithila related Organisations founded by Dr. Dhanakar Thakur

Sl. Organization Conceived idea Est. Remarks
1 Antarrashtriy Maithili Parishad As Rashtriya in 1992 Ranchi,20.6.1993 33 sammelans by 2022
2 Mithila Rajya Sangharsh Samiti (21-23/12/1994 MRSS Niyamavali wrote when Chunchun Mishra visited my Ranchi residence.* Dr. Jaikant Mishra as its president(though could not be declared by me when Vivekand Jha, GSecy Chetana samiti had hot words with me when he

asked all to go work for Yugeshwar Jha, candidate from Benipatti and I could declare his name only on 8.1.1996 at Madhubani in II Antarrashtriy Sammelan)

Patna, Chetna samiti 8.1.1995,Paush Shukl 7,2051 I_8-9.6.2014, Rajnagar_II_ 20.4.2016

3 Mithila Adhwakta Manch 2.10.1994, Chadraprakashji,Ranchi Laheriasarai court, Darbhnaga_16.10.2016

4 Maithili Sandesh 13.10.1994_first copy released 41 issues by 2023

5 Mithila Patrakar Manch 1995/21.6.2017 XI Vinay Tarun Puraskar given by 2022

6 Mithila Vanijya Chhatra Parishad changed to Mithila Vaniya Parishad on 26.1.2021

26.1.2001 Rajendra Chhatravas, Kolkata E meeting 26.1.2021

7 Mithila Vidyarthi Parishad

Saharsha_Falgun Shukl 2,2061(12.3.2005)
(Second Saturday of March)
adhiveshan Jalan College, Darbhanga_26-27.8.2015
8 Akhil Bhartiya Mithila Party
Mithila Party _should be formed I wrote (31.3.1996),_1.4.1996_ 12 Vidhan Sabha , 3 loksabhak probable candidates (Jhanjharpur-Dr.Jaykant Mishra, Madhubani-Dr. Dhanakar Thakur, Darbhanga- Udayshankar Mishra)- The idea of Abhash Chatterjee, retd IAS seemed good that much ealy the names of candidates be announced . On 16.2.1996 my divorce case was opened at Madhubani and the planning was gone_ 3.4.1996_Bhartiya Mithila Janta Congress/Dal/Party/ Parishad- BMJ Parishad will be better . 8.6.1997_ Consent of Abhash Chatterjee for the formation of Mithila Hindu Democratic Party _

Mithila Vikas Party (Muzaffarpur Vishnukantji _4.10.2008, Kajubabu residence,Lalit MohanThakur Arariya consented_ 18.12.2007,

lastly was formed as Mithila Vikas party on 13.12.2008 (the Second Saturday of December)at Patna Pustak Mela, a chapter in the political a chapter in the political history of Mithila. but could not be registered which was finally registered as Akhil Bhartiya Mithila party (Registered with ECI 17.9.2010 6 candidates in 2010 general elections Since 23.6.2013, Bihat cut off from AMP)and so Aadarsh Mithila party formed

9 Mithila Sewa Manch Ranchi_2008

10 Vachaspati Pustakalay Ranchi 8.3.2012 will be transferred anywhere I stay permanently in the end Books

given to Ripunjay Thakur for starting at Delhi, Magazines given to Rajasthan Mithila Parishad, Jaipur for MAITHIL HITSADHAN PATRIKALAYA

11 Aadarsh Mithila party 26.3.2014 (Regd. 56/2014/PPS-II), Begusarai_II adhiveshan_24-25.3.2017

12 Mithilakshar Pracharini Sabha Jamshedpur,31.3.2013 Sammelan,Darbhanga_23.12.2013

13 Mithila Rajya Nirman Samiti Jhanjharpur,Bhadav Krishan 5,2070(25.8.2013, Fourth Sunday of August) I_, Madhepur_28.9.2013, Madhepura_II_15.12.2013, Darbhanga_III_22-23.12.2015

14 Mhila Kala Manch Devghar_24.11.2013, Fourth Sunday of November

15 Mithila Sishu Parishad Chakia, Begusarai_14.12.2013 (Second Saturday of D)

16 Mithila Bal Parishad Nanaur_31.8.2009 (5th/last Monday of August)

17 Katha Kumbh Rahua(Madhubani)1.3.2015(First Sunday of March), XVI Dalsigsarai 31.7.2023

18 Yuva Mithila Delhi_14.1.2007(as Youth of Mithila)-Guests BP Singh, AC Jha, AN Jha, Chaturanana Mishra. Mahabal Mishra, Bangao, Saharsa_Baishakh Shukla 9,2072(24.4.2015) (Fourth Sunday of April) Delhi_14.1.2007,24.4.2016

19 Udyog Mithila Simariaghat_25.11.2015 sweekriti Inauguration ,Darbhanga_ Chaitr Shukl 11,,2073 (17.4.2016) ,Third Sunday of April

20 Mithila Sanskrit Parishad Inauguration Yajynavalkya

Chhtravas, KSSDU, Chaitr Shukl 11,,2073 (Estd.17.4.2016), , Third Sunday of April

21 Mithila Adhivakta Manch

Laheriasarai Court 16.10.2016, Third Sunday of October

22 Mithila Shiksha Manch

Simariaghat_25.11.2015 decision

Misartola Darbhanga. First Programme,

16.10.2016,Third Sunday of October

23 Mithila Mahila Parishad

Darbhanga,20.10.2016First programm

Darhar,10.1.2019

24 Mithila Vyavsayee Manch

Darbhanga, 20.10.2016, First meeting

25 Mithila Muslim Manch

Patepur(Vaishali). 20.11.2016, Third Sunday of November At the Janta Minority College, Ujiarpur(Samastipur)

I conference_20.7.2017

II Conference_3.9.2009

26 Maithili Shikshak Sangh Muzaffarpur 26.3.2017

27 Mithila Sahityakar Parishad 31.3.2017

28 Mithila Adhivakta Lipik Manch-Madhubani 26.4.2018

29 Mithila Dalit Manch
Mehdauli,Bhagwanpur, Barauni, 2,10.2019

30 Saharsa Mitra Mandal 28.1.2006_Nageshwar Jha residence, Ashok Vihar,Ranchi Holi Milan held once in Bariatu and Laxminath Gosain jayanti in my house
E meeting in 28.1.2022

31 Purnea Mitra Mandal Holi Milan was held once in Vandana Jha's house,Ranchi

32 Santhal Pargana Mitra Mandal Bisua(New Year 14 April held once, Shivdurga Mandir, Nr AG Office,Ranchi

E meetings on 14.4.2022,14.4.2023

33 Samastipur Mitra Mandal Holi Milan held once in Madhukam,Ranchi

34 Tirhut Mitra Mandal Holi milan at Manoranjan Trivedi's house in Harmu

E meetings on 8.2.2022, 8.2.2023

35 Mithila Adhyatm Parisha Mahishi 25.4.2022

36 Mithila Arthik Manch Dalsingsarai,31.12.2022

Founded/ Revived other organizations (than AMP units)

1. Mithila Sanskritik Parishad, Visakhapatanam, revived_6.2.1993, 15.6.2002

2. Vidyapati Smarak Samiti, Ranchi by sending 217 postcards on 31.12.1993 revived by calling a meeting at the residence of IN Jha in Jawaharnagar

colony,

Ranchi on 16.1.1994

3. Maithil Sangh, Chennai- Had visited door to door during 18-21,1995 at Velankini etc. staying at the IIT, Chennai as a guest of Shrish Choudhary

Founded_ 21.1.1996 at Hotel Annapurna, Nr.Chennai Egmore station

4. Jharkhand Maithili Manch, Harmu,Ranchi- Founded_21.12.1997 (in which word Jharkhand was added by me suggesting to Subodh Choudhary in 2001)

Mithila Jagaran Yatras 1-265 by Dr Dhanakar Thakur

मिथिला जागरण यात्रा

प्रस्तावना - रमानन्द झा 'रमण '

जागरण यात्रा: अध्याय

1. मैथिली जागरण पदयात्राक उद्देश्य कुम्भकर्णी नीनमे मातल मैथिलकेँजगाएब

2. जे जतए छी, उपलब्ध संसाधनसँ विकासमे योगदान करू

3. मिथिलाक अविकासक लेल सबसँ बेसी दोषी क्षेत्रक नेता

4. आइ इतिहास पढ़एबाक नहि, बनएबाक आवश्यकता अछि

5. मैथिलीक विकास मार्गक बाधा अछि उच्चवर्गीय मानसिकता

6. आब स्वतंत्रता संग्रामक अर्थ अछि निरक्षरतासँ संग्राम

7. केसा-केसीसँ तबाह अछि गाम

8. नेता, पुलिस एवं अपराधीक बीच की अन्योन्याश्रय सम्बन्ध अछि

श्री ठाकुर जी

नमस्कार।

किछु मन्तव्य एहि प्रकारेँ अछि-

ग्रियर्सनक उपेक्षाक कोनो औचित्य नहि। रमानन्द कुमर चेतना समितिक अध्यक्ष 1993.95 अवधिमे छलाह। जखन अहाँक बैसार भेल छल। ओहि समयमे भारती मण्डन पुस्तकालय स्थापित नहि भेल छलैक। ग्रिअर्सनक दू टा कृतिक सम्पादन/प्रकाशन हम कएलहुँ अछि। हमर प्रयासे ँ प्रकाशित भेल अछि। 'गीत दीनाभद्री ओ गीत नेबारक(1885) एवं

मैथिली व्याकरण(दोसर संस्करण 1909)। पहिलक प्रकाशक हम स्वयं छी, व्याकरण चेतना समिति प्रकाशित कएलक अछि। दूनूक अनुवादक प.ं श्री गोविन्द झा छथि।

कलकत्ता विश्वविद्यालयमे ‘मैथिली चेयर’ स्थापनाक पृष्ठभूमि अनावश्यक विस्तारमे अछि। ब्रजमोहन ठाकुरक डायरी प्रायः प्रकाशित नहि छनि।

संविधानमे मैथिली ।

भवदीय,

रमानन्द झा ‘रमण‘

पटना, 14.02.2012

जागरण यात्रा: अध्याय १

मैथिली जागरण पदयात्राक उद्देश्य कुम्भकर्णी नीनमे मातल मैथिलकेँजगाएब

अनेकहु प्रकारक वाहनक उपयोग दिन-राति करितहुँ मनुष्य सन द्विपाद प्राणी यदि अथबल नहि होअए तँ सामान्यतः दैनन्दिन कार्यमे पएरहिं चलैत अछि। मुदा, यात्राक अर्थहिं कोनो विशेष अन्तर्निहित उद्देश्यसँ गन्तव्यधरि पहुँंचब होइत अछि आ पदयात्राक सामान्य तत्पुरुषीय अर्थ पएरसँ कोनो विशेष गन्तव्यक भाव मात्र अबैत अछि।

मुदा 'अन्यपद प्रधानो बहुब्रीहि' जकाँ वस्तुतः एकर भाव, एक 'देवत्व' जकाँ अदृश्य रूपसँ प्रस्तुत भए जाइत अछि आ तैँ कोनो तीर्थयात्राक बोध 'पदयात्रा'सँ ध्वनित होइत अछि।

एहि देवभूमि भारतक तँ कण-कण पवित्र अछि ताहूमे मिथिला जतऽ कि पार्वती आ फेर हुनकहि रूप जगज्जननी सीता स्वयं अवतीर्ण भए मैथिली कहौलन्हि, ओतुक्का पदयात्राकेँ ँ मैथिली जागरण पदयात्राक नामसँ अभिहित कए, विशेषतः यात्रा (दशमी-विजयदशमी)क बीच कएल गेल एहि पदयात्राक महत्त्व सहजहिं विशेष भए जाइत अछि।जँ ई ध्यानकरी जे एकर उद्देश्य 'जागरण' अछि - 'मैथिलीभाषीक, जे कुम्भकर्णी नीनमे सुतल छथि आहुनका लेल जे कि 'मैथिलीक' नामसँ नानाविध सामाजिक, सांस्कृतिक वा राजनीतिक कार्य परमार्थ वा स्वार्थवशहुँ करैत अएलाह अछि। ओना जे सुतल छथि ओ तँ उठि जएताह, आजे कुम्भकर्ण जकाँ होथि, डाक देलहँ ुपर ओहो उठि जएताह,तकर प्रयत्न हो मुदा जे अन्ठाके ँ घसमोड़ि पड़ल छथि, सुतक नाटक कएने छथि ,ओ किन्न्हु नहि जगताह, भलहि एहन दर्जनाधिक पदयात्रा किएक ने भए जाओ।

दीपावलीक सुखरात्रि बिना विजयकेँ नहि मनाओल जाइत अछि।आ विजयक लेल युद्ध आवश्यक एवं युद्धक लेल अस्त्र-शस्त्र चाही आएहि लेल भगवतीक वन्दना आहुनक सामाजिक अवतार हेतु जागरण चाही।

आजुक युगमे युद्ध वा संघर्षक अनेक रूप छैक, खेतक उपज

बढ़ौनाइसँ अपन अस्मिताक रक्षाक हेतु संघर्षक लेल साहित्य, पत्र-पत्रिकासँ प्रचारसँ लएकँ जनतांत्रिक पद्धतिसँ अपन न्यायसंगत अधिकार प्राप्त करबा धरि। विकासक सन्दर्भमे मिथिला विश्वक निर्धनतम भाग अछि, जतए विश्वक सर्वाधिक कुशाग्र बुद्धिक व्यक्ति रहैत अएलाह अछि। औपनिषदिक याज्ञवल्क्य-मैत्रेयी-गार्गी वा ऐतिहासिक वाचस्पति-अयाची-शंकरक बात छोड़िओ देल जाए तँ एहि शताब्दीमे सेहो पितासँ पुत्र कुलपतिक पद मिथिलहिंक लोक ग्रहण कए लेने छथि।
मिथिलाक साठि हजार वर्ग किलोमीटरमे करीब छह कोटि लोक बसैत छथि अर्थात् प्रति वर्ग किलोमीटर हजार लोक जतेक कि विश्वक कोनहु ग्रामीण क्षेत्रक आबादी घनत्व नहि अछि। एतए सएमे तीस मात्र हस्ताक्षर करबामे सक्षम छथि।'(१९९१जे २०११मे बढ़िकँए करीब पैंतालीस प्रतिशत भेल) महिला साक्षरता तँ ताहूसँ कम (२०११मे अनुमानतः ४०प्रतिशत अछि।),भनहि हुनका लोकनिक 'अरिपन' विश्वस्तरीय कला प्रतियोगितामेे बाजी मारि लेअए। विद्युत आपूर्ति एतेक दयनीय जे कतबो बिजली जराएब, औसत बान्हल मासिक शुल्कसँ बहुत कमेक जरत। सबटा चीनी मिल बन्न भेल, पंडौलक कपड़ा मिल नहि चलल, बरौनीक खाद कारखाना सेहो बन्द भए गेल, कटिहारक जूट मिल एवं दरभंगाक पेपर मिलक कथा पुरान भेल। मुदा उद्योगक नाम पर 'बेकारी उद्योग' आ 'वोट उद्योग' उठानपर

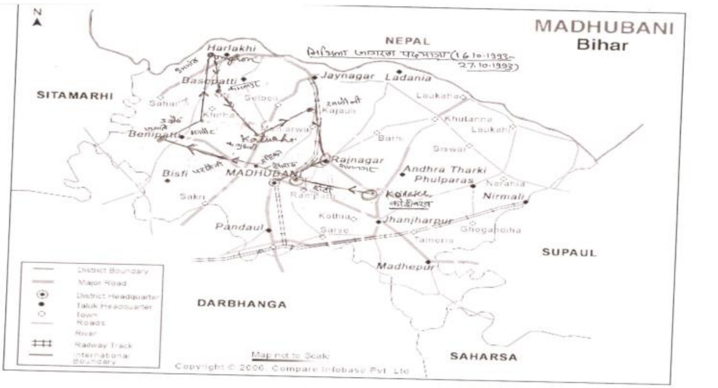
अछि।गाम धरि फोन-एस.टी.डी. अवश्य पहुँ ँ ंचि गेल अछि, कारण ‘माइक्रोवेव’ लेल पुल-सड़क-रेल नहि बनबए पड़ैत छैक। स्कूल-अस्पताल आब गामहुँमे अछि, भनहि ओहिमे ब्लैकबोर्ड-किताब नहि, छात्र छथि तँ शिक्षक नहि, शिक्षक छथि तँ छात्र नहि, दूनू छथि तँ छप्पर नहि, स्वास्थ्य केन्द्रमे कर्मचारी चिकित्सक भेटियो जाथि तँ दवाई नहि, जनसंख्याक घनत्वके ँ देखैत बीमारक संख्याक सहजहिं अनुमान कए सकैत छी।एतबा दुर्गतिक बादहु कतहुसँ आन्दोलनक सुगबुगी देखए-सुनएमे नहि अबैत अछि, जेना कि सम्पूर्ण क्षेत्रपर मरछौर छीटि देल गेल हो। मुर्दा भए गेल हो। वस्तुतः एहेन लोकक भाषाके ँ बहुत दशकधरि संवैधानिक मान्यता नहि भेटल तँ कोन आश्चर्य?(जे ८.१.२००४क भारतक राजपत्रमे अधिसूचित भेल।)जे मैथिली कार्यकर्ता ,नेता, पटना-दिल्लीमे अनशन-धरना दैत रहैत छथि, ओहो सुतलहि जकाँ छथि। हुनका ई नहि बूझल छैन्हि जे एकर निर्णय दिल्लीक ‘बोट क्लब’ पर नहि, मिथिलाक ‘वोटरशक्ति’ पर होएतैक।

एहि देवभूमि भारतक तँ कण-कण पवित्र अछि ताहूमे मिथिला जतऽ कि पार्वती आ फेर हुनकहि रूप जगज्जननी सीता स्वयं अवतीर्ण भए मैथिली कहौलन्हि, ओतुक्का पदयात्राकेँ ँ मैथिली जागरण पदयात्राक नामसँ अभिहित कए, विशेषतः यात्रा (दशमी-विजयदशमी)क बीच कएल गेल एहि पदयात्राक महत्त्व सहजहिं विशेष भए जाइत अछि।जँ ई ध्यानकरी जे एकर उद्देश्य

‘जागरण’ अछि - ‘मैथिलीभाषीक, जे कुम्भकर्णी नीनमे सुतल छथि आहुनका लेल जे कि ‘मैथिलीक’ नामसँ नानाविध सामाजिक, सांस्कृतिक वा राजनीतिक कार्य परमार्थ वा स्वार्थवशहुँ करैत अएलाह अछि। ओना जे सुतल छथि ओ तँ उठि जएताह, आजे कुम्भकर्ण जकाँ होथि, डाक देलहँुपर ओहो उठि जएताह,तकर प्रयत्न हो मुदा जे अन्ठाके ँघसमोड़ि पड़ल छथि, सुतक नाटक कएने छथि ,ओ किन्न्हु नहि जगताह, भलहि एहन दर्जनाधिक पदयात्रा किएक ने भए जाओ।
दीपावलीक सुखरात्रि बिना विजयकेँ नहि मनाओल जाइत अछि।आ विजयक लेल युद्ध आवश्यक एवं युद्धक लेल अस्त्र-शस्त्र चाही आएहि लेल भगवतीक वन्दना आहुनक सामाजिक अवतार हेतु जागरण चाही।
आजुक युगमे युद्ध वा संघर्षक अनेक रूप छैक, खेतक उपज बढ़ौनाइसँ अपन अस्मिताक रक्षाक हेतु संघर्षक लेल साहित्य, पत्र-पत्रिकासँ प्रचारसँ लएकँ जनतांत्रिक पद्धतिसँ अपन न्यायसंगत अधिकार प्राप्त करबा धरि। विकासक सन्दर्भमे मिथिला विश्वक निर्धनतम भाग अछि, जतए विश्वक सर्वाधिक कुशाग्र बुद्धिक व्यक्ति रहैत अएलाह अछि। औपनिषदिक याज्ञवल्क्य-मैत्रेयी-गार्गी वा ऐतिहासिक वाचस्पति-अयाची-शंकरक बात छोड़िओ देल जाए तँ एहि शताब्दीमे सेहो पितासँ पुत्र कुलपतिक पद मिथिलहिंक लोक ग्रहण कए लेने छथि।

मिथिलाक साठि हजार वर्ग किलोमीटरमे करीब छह कोटि लोक बसैत छथि अर्थात् प्रति वर्ग किलोमीटर हजार लोक जतेक कि विश्वक कोनहु ग्रामीण क्षेत्रक आबादी घनत्व नहि अछि। एतए सएमे तीस मात्र हस्ताक्षर करबामे सक्षम छथि।' (१९९१जे २०११मे बढ़िकँए करीब पैंतालीस प्रतिशत भेल) महिला साक्षरता तँ ताहूसँ कम (२०११मे अनुमानतः ४०प्रतिशत अछि।),भनहि हुनका लोकनिक 'अरिपन' विश्वस्तरीय कला प्रतियोगितामे बाजी मारि लेअए। विद्युत आपूर्ति एतेक दयनीय जे कतबो बिजली जराएब, औसत बान्हल मासिक शुल्कसँ बहुत कमेक जरत। सबटा चीनी मिल बन्न भेल, पंडौलक कपड़ा मिल नहि चलल, बरौनीक खाद कारखाना सेहो बन्द भए गेल, कटिहारक जूट मिल एवं दरभंगाक पेपर मिलक कथा पुरान भेल। मुदा उद्योगक नाम पर 'बेकारी उद्योग' आ 'वोट उद्योग' उठानपर अछि।गाम धरि फोन-एस.टी.डी. अवश्य पहुँचि गेल अछि, कारण 'माइक्रोवेव' लेल पुल-सड़क-रेल नहि बनबए पड़ैत छैक। स्कूल-अस्पताल आब गामहुँमे अछि, भनहि ओहिमे ब्लैकबोर्ड-किताब नहि, छात्र छथि तँ शिक्षक नहि, शिक्षक छथि तँ छात्र नहि, दूनू छथि तँ छप्पर नहि, स्वास्थ्य केन्द्रमे कर्मचारी चिकित्सक भेटियो जाथि तँ दवाई नहि, जनसंख्याक घनत्वकेँ देखैत बीमारक संख्याक सहजहिं अनुमान कए सकैत छी। एतबा दुर्गतिक बादहु कतहुसँ आन्दोलनक सुगबुगी देखए-सुनएमे नहि अबैत अछि, जेना कि सम्पूर्ण क्षेत्रपर मरछौर छीटि देल गेल हो।

मुर्दा भए गेल हो। वस्तुतः एहेन लोकक भाषाके ँ बहुत



दशकधरि संवैधानिक मान्यता नहि भेटल तँ कोन आश्चर्य?(जे ८.१.२००४क भारतक राजपत्रमे अधिसूचित भेल।)जे मैथिली कार्यकर्ता ,नेता, पटना-दिल्लीमे अनशन-धरना दैत रहैत छथि, ओहो सुतलहि जकाँ छथि। हुनका ई नहि बूझल छैन्हि जे एकर निर्णय दिल्लीक ‘बोट क्लब’ पर नहि, मिथिलाक ‘वोटरशक्ति’ पर होएतैक।

1992क दुर्गा पूजाक समय वितरित ‘जागू मैथिल धीर’ पर्चामे

आह्वान कएल गेल छल जे मैथिली कार्यकर्ता अपन-अपन क्षेत्रमे-रामनवमीसँ जानकी नवमीक बीचक अवधिमे जनजागरण हेतु पदयात्रा करथि। सम्भवतः ओहि बीच बहुत लोक धिया-पुताक परीक्षा, परिजनक विवाह-जनउ आदिमे अथवा अपन नोकरीमे व्यस्त रहैत छथि तेँ एहन मानल गेल जे दुर्गापूजा आ फगुआक समय पदयात्राक हेतु समीचीन रहत। एहन कोनहु आह्वानक महत्त्व ता' सैद्धान्तिक भाषणहि जकाँ रहतैक जाधरि केओ उदाहरण नहि प्रस्तुत करए। प्रारम्भहिमे जखन पदयात्राक तैआरी चलैत छल, पत्राचार-सूचनादि निर्गत करबाक समय शंकाशील छलहुँँं, विनीतजी बजलाह 'जखन प्रयोगहिं अछि, तखन की शंका?' प्रयोगक बादहि कोनो निष्कर्ष पर पहुँँंचब सम्भव होएत। इस्पात पुस्तकालयाध्यक्ष आ अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषदक कार्यालय मंत्री बिन्देश्वर झा बजलाह- 'बुझू जे गाम-घर घुमए-फिरए जाइत छी।'

तावत मैथिली आन्दोलनक अनुभवी कार्यकर्ता श्रृंगेश मिश्र कोनो कार्यवश कानपुरसँ रांचीआएल रहथि, वार्ताक क्रममे कहलन्हि -'हम संग देबै।' एक आएक एगारह भेलहुँँं। विशेषरूपेँ ई जानि जे ओ वृद्ध आ अनुभवी छथि, हमरा तँ पदयात्राक लेल चयनित क्षेत्रक (मधुबनी जिलाक उत्तरी भाग) जनतब नगण्यहि अछि। जन्म फारबिसगंज, शिक्षा राँची-दरभंगा, प्रशिक्षण बम्बई, नोकरी राँची। ई बात दोसर भेल जे एकर अतिरिक्त देशक प्रायः सब नगर-उपनगरक कइएक खेप यात्रा

कए आएल छी। मुदा, ई विडम्बनहि थिक जे समयाभाव आ यातायातक समुचित सुविधाक अभावक कारण अपन गाम मधुबनी जिलाक समौल एवं मातृक कोइलख छोड़ि सम्भवतः कोनो आन गामक नीक जकाँ बाटहु बूझल हो, यद्यपि क्षेत्रक अनेकहु गाममे अनेक सम्बन्ध सेहो अछि।

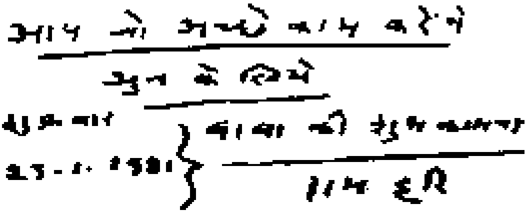
2. जे जतए छी, उपलब्ध संसाधनसँ विकासमे योगदान करू

अपन दू दशक(१९७०-१९९२)क डायरीक उन्टौला पर ज्ञात भेल जे सम्भवतः दुर्गापाठ एकहि स्थान पर स्थिर भए करी, तेँ हमरहु सन भ्रमणशील व्यक्ति राँची वा दरभंगाक अतिरिक्त मात्र एक-एक बेर जगन्नाथपुरी (१९७३मे) आ असमक गोलाघाट, डिब्रूगढ़मे(१९८९ मे) दुर्गापूजा देखने छी। लोहरदगा एवं लगपासक गाममे कहक चाही ‘वनदुर्गा’ एक बेर (१९८०मे)देखबाक अवसर भेटल छल, वनवासी बन्धुक हेतु मेडिकल कैम्पमे गेल आ तहिना कटिहारमे बाढ़ि सहायताक हेतु १९८७मे गेल छलहुँ ँ ं त देखने छलहुँ ँ ं।ओतयसँ फारबिसगंज धरि रेलवे स्टेशन सब पर बैसाओल गेल मूर्ति। जन्मस्थली फारबिसगंज आ गाम समौलहुँमे विगत साल(१९९२ मे) हम पूजा देखबाक विचारसँ गेल छलहुँ ँ ं आ एहिना मधेपुरा-सहरसा जिलाक पूजा देखक विचारसँ रेलमार्गसँगेल छलहुँ ँ ं । एहि रेलमार्गमे विशेषतः मधेपुरा-सहरसा जिलाक पूजा आ मेला एक उत्सव-त्योहार होइतहुँ फिल्मी नाच-गानसँ क्रमशः प्रभावित

होइत गणिकाक नृत्यक कारणसँ मोन खिन्न भए गेल छल। अपन गामहुँ ँमे विसर्जन मेलामे ‘बाइजी’के ँ नचैत देखि प्रबन्धक (अपन पितिऔत)कैँ कहलियैन्हि-‘व्यक्तिगत रूपसँ जे चन्दा देबाक बात जे हम कहने छलहुँ ँ से आब किन्नहु नहि देब। कहिओ कोनो नीक काज वा कोनो छात्रकैँ फार्म भरबाक लेल वा किताबक लेल सहायताक जरूरति होइक तँ लिखी। वाचस्पतिक डीहपर सेहो इएह सब होअए तँ भनहि हम पूजाक समय बाहरहिं रहैत छी।’ लगैत अछि जे जीवन भरिक मिथिलाक दुर्गापूजा देखबाक कोटा एकहि पदयात्रामे पूरा भए गेल। भगवतीक कृपामात्र कहक चाही जे १३८किलोमीटरक पदयात्रा १० दिनमे हमरा सन व्यक्तिक द्वारा जे राँचीमे डेरासँ अस्पताल-पुस्तकालय धरि एक कि.मी. प्रति दिन मोश्किलसँ चलैत अछि,पूरा भए गेल। ट्रेनसँ एतेक दिनमे दस प्रान्तक मेडिकल कालेजक प्रवास कए घूरि आएल रहितहुँ ँ। अनेक व्यक्तिक लेल ई दूरी नगण्य होहतहुँ ँ हमरा लेल बहुत बेसी छल। विनोबाजी अपना जीवनमे ६० हजार किलोमीटर पदयात्रा कएलनि आ एक जर्मन ९० हजार किलोमीटर चलि चुकल छथि। ई बात हमरा कोइलख निवासी मोहन भूदानी कहलन्हि जे स्वयं ४ नवम्बर १९९३सँ रामेश्वरम् धरिक ‘गोरक्षा विचार पदयात्रा’ पर निकलल छलाह। ओ दिसम्बर १९९३क दोसर सप्ताहमे राँची बाटे गेल छलाह।

२३जनवरी १९८१ कऽ विनोबा जीसँ पवनारमे हमरा प्रत्यक्षतः

आशीर्वाद भेटल छल।



आचार्य बिनोबा भावे (११.९.१८८५-१५.११.१९८२)

हुनक उत्तराधिकारी बाल विजय राँची शिक्षा प्रसार हेतु पदयात्रामे (१९९२)मे आएल छलाह आ दुखित पड़ला पर हुनक चिकित्सा लेल हमरा बजाओल गेल छल। गत वर्ष हम हुनका अपन पदयात्राक विचारसँ अवगत करओने छलहुँ। उत्तरमे ओ लिखने छलाह-'मिथिलामे पदयात्रा की कल्पना बहुत ही अच्छी है। हार्दिक जनसम्पर्क के लिए पदयात्रा के अलावा दूसरा उत्तम साधन नहीं।'

कोइलखमे पठाओल पत्रक पर बालविजयजीक शुभकामना देखि श्रीमोहन भूदानी कलशस्थापनक दिन(१६.१०.१९९३ क)हमर आगमनक प्रतीक्षा कउ रहल छलथि।

'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'केँ जनितहुँ हम अपन जननीकेँ सदस कष्टहिं देल एहि लेल जे जन्मभूमि भारतमाताक

सेवामे लागि सकी। दरभंगा १९७३-८५क बीच रहैत गाम सालमे एकाध दिन आ ओहो रातिभरिक लेल जाइत छलहुँ। ’एक व्यक्तिक बलिदानसँ परिवार, एक परिवारक बलिदानसँ एक गाामष् एक गाामक बलिदानसँ एक समाज आ एक समाजक बलिदानसँ जँ राष्ट्रक उत्थान हो’- ज एहन काज नीतिसंगत कहल गेल अछि।

अपन माए लग, अपन गाममे दुर्गापूजाक त्योहार अभीष्ट होऐबाक चाही मुदा आब बाहर रहनिहारकैँ इहो क्रमशः छूटिए रहल छैक,विशेषकए मिथिलामे। बंगभाषी विजयादशमीमे आ नववर्ष (जुड़शीतल)मे जँ गुरुजन लग नहि जाए सकताह तँ पत्रहँु अवश्य लिखैत छथि। एहिना पश्चिम भारतीय दीपावलीमे। मानल भाड़ा बढ़ि गेल अछि मुदा की नोकरिहारा मैथिल पोस्टकार्ड गाम नहि लिखि सकैत छथि? वस्तुतः आधुनिक (कु)शिक्षाक प्रभावसँ हमरालोकनि क्रमशः भावनाशून्य भेल जाए रहल छी।

जनजागरणक उद्देश्यसँ पदयात्राक आरम्भक लेल हम कोइलख गामकैँ ँ चयन कएलहुँ।तकर कारण छल जे एतुक्का भद्रकाली मन्दिर (भगवतीस्थान)मिथिलामे सर्वाधिक जाग्रत मानल जाइत छथि। दोसर आकर्षण मातृक भेलाक कारण अपन शैशवकालक प्रथम अनुभूति आ विशेषतः एहि भगवतीस्थानक

पाछाँ एकटा शरीफा गाछक फूल।



मातृभूमिक रूपमे आसेतु हिमाचल एहि पुण्यभूमिक कल्पना अशिक्षितहुँक मोनमे रामेश्वरम्-बदरीनाथ-पुरी-द्वारकाधामक रूपमे प्रतिष्ठित अछि। एहि पर यथाशक्ति विचार करितहुँ ‘जे जतए छी, जाहि ठामक छी, से ओहिठामक नवनिर्माण, उपलब्ध संसाधन आ जनबलसँ करी।’ एहि बीजमंत्रक जागरण-जाप आब करबाक अछि। मिथिला मात्र भारतक नहि अपितु विश्वक निर्धनतम भाग भए गेल अछि। ताहि लेल सेहो एकर विकासमे अपन किछु योगदानक लेल हम अपनहि जिलाक उत्तरी भागक पदयात्रा प्रतीक रूपमे कएल। दोसर बात जे ई देशक सीमावर्ती क्षेत्र अछि

तेँ एकर (पदयात्राक) प्रभाव नेपालक मिथिला पर सेहो पड़तैक, एहन विश्वास कएल जाइत अछि।

कलशस्थापनाक दिन (१६.१०.१९९३) भगवती वन्दन-स्मरणसँ ओतहि संध्यामे प्रथम बैसार गामक गणमान्य लोकनिक उपस्थितिमे भेल। पूर्व प्रधानाध्यापक चन्द्रशेखर झाजीक सभापतित्वमे अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषदक ग्राम समिति बनल। कोइलखमे स्वीकृत कन्या विद्यालय दू महारथीक उठा-पटकमे राजनगर चलि गेल छल। आब ओतय दोसर विद्यालय बनए ताहि लेल सामूहिक प्रयास करबाक प्रस्ताव स्वीकृत भेल।(जे आब पुबारि टोलमे बनि गेल अछि)

दोसर दिन (१७.१०.१९९३)प्रातःकाल ग्रामीण द्वारा भगवतीक फूल आशीर्वादक रूपमे ग्रहणकँए पदयात्रा प्रारम्भ कएलहुँ। मोहन भूदानीजी पैरमे घाव अछैत भरि दिन संग देलन्हि। ई दोसर बात जे पूर्व निर्धारित चारि जन, जे संग देबा लए छलाह, नहि पहुँँँचि सकलाह। एक युवा संजीव ठाकुर अनेक वर्ष बाद राजनगरमे एक बैसारमे भेटलाह से कहलाह कि ओ रांटी तक संग छलाह।

राँचीक कंपकंपीक प्रतिकूल हाड़ाहाड़ी रौदमे पहिल संक्षिप्त पड़ाओ परसामे सार्थक गप्प भेल। सूचनाक अभावमे रामपट्टीमे बैसार नहि भेल, यद्यपि मैथिलीक एक थाकल सिपाहीसँ वार्ताक

सुयोग अवश्य भेटल।

3. मिथिलाक अविकासक लेल सबसँ बेसी दोषी क्षेत्रक नेता

रामपट्टीसँ राँटीक पदयात्राक क्रममे गाछक छाहरि नीक लागल कारण रौद तीक्ख छल। अधिकतर गाछ सम्भवतः बबूरक छलैक किएक तँ ओकरामे पैघ-पैघ कांट छलैक। भूदानीजीसँ पुछलियैन्हि-‘की कोनो दोसर उपयोगी गाछ रोपब ठीक नहि रहितैक?’ ओ बजलाह ‘छल तँ सीसो, मुदा ओकरा लोक काटि लेलक आ बाँचल ई कांट।‘ एहि मनोवृत्तिक कोन उपाय अछि?

कोनो गाममे प्रवेश करबाक संग नाकपर रूमाल लए लेब आवश्यक भए जाइत छल। ई मिथिलाक गरीबी, पिछड़ापन एवं व्यावहारिक बुद्धिक अभाव द्योतक लागल।

भूदानीजी बजलाह जे स्वयं विनोबा जी एहि दुर्गन्ध पर कहैत छलाह- ‘मिथिलाक गाम आबि रहल अछि।’ भूदानी कहलन्हि जे मिथिलहिंमे दक्षिण दिशि समस्तीपुर लऽग सरैसा आदि गाम चलि जाऊ, किएक दुर्गन्ध भेटत। महात्मा गाँधीक प्रभावसँ कहिओ भूदानीजी सेहो ‘खुरपी आन्दोलन’ गाम-घरमे चलौने छलाह। भोर-साँझ शौचादि लेल बाध-बोन दिशि जाएबाक काल

हाथमे लोटाक संग खुरपी लएकेँ सेहो चलैत छलाह। मानल जे सुलभ शौचालयक युगमे सेहो सब गाममे सबहक लेल ई (शौचालय) कठिन अछि। मुदा खुरपी तँ संगमे राखिए सकैत छी। स्वास्थ्य रक्षाक लेल ई ततबे आवश्यक अछि जतेक कि पर्यावरण रक्षाक लेल गाछ। जं ँ फलदार नहियो भेल तँ सीसोकँे पांगिकेँ जारनि तँ बनि सकैत अछि। मिथिलामे घरे-घर गैसक उपलब्धिमे कइएक युग लागि जाएत। ओना ई एक भूगर्भ वैज्ञानिक तथ्य उद्घाटित भए रहल अछि जे मिथिलाक उर्वर भूमिक नीचाँ पेट्रोलियम पदार्थक भंडार छैक। ई बात दोसर जे मिथिलाक नेता लोकनिक राजनीतिक दुर्बलता एवं इच्छाशक्तिक अभावक कारणसँ सघन उत्खनन कतहु नहि भेल। ई तथ्य अछि कि मिथिला,मैथिली आइ जँ अविकसित अछि तँ एकरा लेल सबसँ बेसी दोषी एहि क्षेत्रक नेता लोकनि छथि, जे एहि क्षेत्रक शोषण तँ करैत रहलाह, मुदा एकर विकासक लेल कहिओ निष्ठापूर्वक आवाज नहि उठौलन्हि।

भूदानीजीक एक पुरान मित्र साइकिलसँ मधुबनी जाए रहल छलाह। किछु काल संग चललाह आ जीवनक अपन उपलब्धि सुनेबाक क्रममे कहलन्हि जे खादी आन्दोलनक युगमे हुनका अनेक पुरस्कार भेटल छलन्हि।

भूदानक क्रममे राजनगर दिशिक एक जमीन्दारक ओतय जबर्दस्ती आतिथ्यक लेल अन्ततोगतत्वा पाँच एकड़ जमीन

दानमे लेलथि। आइ तँ तँ विनोबाक व्यक्तित्वबाला ने केओ व्यक्ति अछि, ने खादी भंडारक ओ बाबतहिं रहल। साम्यवाद आ नक्सलवादक नाम पर हिंसाक माहौल अछि। अनेक पैघ भूस्वामी अपन जमीन बचबय लेल कम्युनिष्ट पार्टीक नेता भए गेलाह। परिणामतः रूस जकाँ कम्युनिज्मक टायर बम बाजि गेल। सरकारीकरणसँ प्रायः समस्त खादी भंडार क्रमशः बन्द होइत गेल। मिथिलाक अबलाक जीवन आधार खादी छल, छीना गेलन्हि। ई बिसरि जाइत गेलाह जे खादी वस्त्र नहि, विचार थिक, आ से विचार आब समाप्तप्राय अछि।

भूदानीजी बतौलाह जे विनोबाजी लग कहिओ एक विदेशी पत्रकार आएल छलाह। ओ पुछने छलथिन्ह, भारतक सबसँ पैघ जमीन्दार के? हंसैत विनोबा उत्तर देने छलथिन्ह -'विनोबा।' आ सबसँ गरीब? फेर उत्तर छलैन्हि 'विनोबा।' ५८ लाख एकड़ भूदान लए विनोबा देशक सबसँ पैघ जमीन्दार भेलथि मुदा सब जमीन बांटि देबाक कारणसँ सबसँ गरीब।

भूदानीजी बतौलथि जे विनोबाजीकेँ कहिओ नेहरुजी कहलथिन्ह जे अहाँ कपड़ाक जूता पहिरी वा चप्पल जाहिमे फीतासँ पैर बान्हि सकी। विनोबाक एक शिष्यकेँ किछु देरक लेल सहयात्रीक रूपमे पाबि उत्साह बढ़ल मुदा हुनका पैरमे घाओ

छलन्हि तैँ हम आग्रह कएलियैन्हि जे अहाँ आगाँ टेम्पोसँबढ़ि राँटीक निकट हमर प्रतीक्षा करी।

किछु दूर आगू हमर पितिऔत ज्येष्ठ भाए डा. उमेश ठाकुर मोटर साइकिलसँ भेंट करए अएलाह। कहलन्हि जे हम तँ कोइलखसँ आबि रहल छी। एकसरे देखि ओ उत्साहवर्द्धन करओलन्हि। कहिओ रबीन्द्रनाथ गाँधीजीकेँ कहने छलथिन्ह- ‘जदि तोर डाक सुने केउ ना आसे, तबे एकला चलो, एकला चलो रे।’ रबीन्द्रनाथक अभिप्राय छलन्हि यदि अहाँक बात केओ नहि मानय, तथापि अहाँ एकसरे चलू, कहिओ सम्पूर्ण देश अहाँक पाछू-पाछू चलत।

ने तँ हम गाँधी छी ने विनोबा जे ई कल्पना करी जे मिथिला हमर पाछाँ चलए आ ने हम एहि पर विश्वासहिं करैत छी जे केओ ककरो पाछांँ चलथि। एतबा अवश्य अपेक्षा अछि कि अपन उद्देश्यक प्राप्तिक लेल अपन आँखि, कान खोलि लोक चलैत रहए। उद्देश्य चाहे विकासक हो अथवा मोक्षक वा परमार्थक।

राँटीक मार्गमे चबहच्चासँ बाहर सिंघार देखल। मिथिलाक अथाह जलसम्पदामे सिंघार, माछ, मखानक फसलिक अनन्त सम्भावना अछि। एहि पर आधारित गृह आ लघु उद्योगक सेहो। मुदा एहि पर ध्यान देनिहार केओ नहि छथि।

’सेवा मिथिला’क कुटी राँटी लग देखल आ पहिनहु मोतीपुरमे देखने छलहुँ। सेवा वस्तुतः ‘सेल्फ इम्पलायड वीमेन एसोसिएशन’क संक्षिप्त रूप प्रथम अक्षर सबहक अछि। देखल जाए तँ वस्तुतः सेवा इएह अछि, ककरो आत्मनिर्भर बनाएब। गाँधीक चरखा महिला लोकनिकेँआत्मनिर्भर बनौलक, आइओ सीकीं-मौनी, अरिपन, कोहबरक चित्रकला वा मखानक स्वीटडिसक आवश्यकता कोनो दान अनुदान वा चन्दासँ अधिकहिं अछि।

राँटीमे १७ अक्टूबर १९९३क संध्याकाल दुर्गास्थानमे एक नीक बैसार भेल जाहिमे गामक प्रबुद्ध लोकनि अपन क्षेत्र आ भाषाक विकासक लेल कइएक विचार रखलन्हि। ओतए मैथिली कलाक विकासक लेल एक गोट नींक संस्थान बनए, तकर प्रस्ताव भेल। लगपासक अनेक गाममे मैथिली कलाक केन्द्र अछि, ‘मधुबनी पेंटिंग्स’क नामसँ जे विश्वविख्यात भए चुकल अछि। मुदा एखनहु कलाकारकेँ प्रोत्साहन आ आजीविकाक हेतु बहुत कम काज कएल गेल छै।

डा. सच्चनजी अपन संस्थान सब देखौलथि-रात्रिमे शयनकालमे योग संस्थानक छोट-छोट छात्रा सबहक वेदपाठ सुनि गद्गद् भए गेलहुँ। हुनक सुझाओ छलन्हि जे एकगोट नीक

संस्थान बनाओल जाए जाहिमे मिथिलाक विविध पक्षक संग्रह हो, जकर प्रकाशन विभाग सब तरहेँ सक्षम हो, आ मिथिलाक तीर्थस्थली, लोकगीत, कला, संस्कार आदिक विषयमे त्रिभाषी (मैथिली, हिन्दी आ अङरेजीमे) प्रकाशन हो।

१८ अक्टूबर १९९३क पदयात्राक क्रममे मधुबनी शहरक उत्तरी छोर पार कए सौराठक लेल बढ़ैत काल सभागाछी जएबा काल अपन २० वर्ष पहिलुका बातक स्मरण भए आएल। सभागाछीक महत्त्व कहिओ वर-सन्धानक लेल उत्कृष्ट छलैक, एकहिठाम सब केओ भेटि जएताह, बर-बरियाती संग। बर ताकएमे लोक परेशान नहि होइत छल। ओहि समय वरक योग्यता ओकर कुलशील आ वाक् प्रगभल्लता छलैक। ब्राह्मण लग भूमि वा धन रहितहिं नहि छलन्हि, त्याग आ अपरिग्रहक प्रतिमूर्ति छलाह, अयाची मिश्र सन विद्वान। जे ब्राह्मण भूमिपति भए गेलाह, सएह भूमिहार भेलाह, ई हमर व्यक्तिगत मान्यता अछि।

मैथिलक विवाह पद्धति एतेक सुरुचिपूर्ण आ न्यूनतम व्ययसँ होमएबाला छल जे संध्यामे तय कएल वरक रातिमे विवाह बिना कोनो झंझटिक होइत छलैक। आइ ओहि सभागाछीक प्रासंगिकता पर प्रश्नचिह्न लागि गेल। ई ‘बरक नहि बड़दक हाट अछि’सँ लएकेँ विनोद दुआक खोजी ‘परख’ कार्यक्रमक मसाला

बनि भेल अछि।

जाहि हिन्दी पत्र-पत्रिकामे सभागाछी उपहासक स्तम्भ रहैत अछि हुनका सबकेँ ई किएक नहि सुझैत छैन्हि जे आब अनेकानेक समाज 'वर-वधू मिलन समारोह' देशभरिमे आयोजित कए रहल छथि। मानल जे सभागाछीमे आब योग्यताक स्थान पर व्यवस्थापक गप्प होइत अछि, मुदा मैथिलहिं नहि, आन कोन समाजमे तिलकक बात प्राथमिकता पर नहि रहैत अछि?

सौराठमे बाबा सोमनाथक दर्शन कएलहुँ। मन्दिरक जीर्ण-शीर्ण अवस्था पर दुःख भेल। मुखिया नीलाम्बरजीक प्रयाससँ गामक एक छोट मुदा नींक गोष्ठी भेल। हम कहलिऐन्हि जे हमरहि गाम(समौल)क धारे झा कहिओ सभाक परम्परा प्रारम्भ कएने छलाह। ओ तँ सौराठहिमे रहि गेल छलाह, मुदा हम एतेक दूरसँ मात्र एक बात कहवाक लेल अएलहुँ अछि, जे 'कतहुँ ककरो विकास अपन शक्ति आ उपलब्ध साधनक बल पर होइत छैक' तँ 'अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्'क ग्राम समितिक 'विकास कोष'मे अगऊँक धान, गहूँम जमा करू आ जतेक पाइ संग्रह होएत, कमसँ कम ओतेक अहींक ग्रामक प्रवासीसँ हमरालोकनि जमा करबाएब। गोष्ठीमे प्रस्ताव भेल जे एक 'स्लुइस गेट' हो ताकि अनेकानेक गामक आर्थिक उत्थान हो आआवागमनक

व्यवस्था होइत।

नीलाम्बर झा अपन एक ग्रामीणक संग अगिला पड़ाओ रहिका धरि संग देलन्हि। बतौलथि जे कहिओ ललितबाबू आएल छलाह। बहुत आवेदन भेटलन्हि जे ओ अपन सचिवकेँ राखए लेल देलथिन्ह। सचिवकेँ कहलथिन्ह जे आवेदन अपना संगमे राखि बैसथि। बादमे भाषणक क्रममे हिनका देखाए बजलथिन्ह जे ई सौराठ सन पवित्र स्थलीक विकासक मांग कएलन्हि अछि। हम स्वयं चन्दाक हेतु डिब्बा लए देशभरिमे घूमब। किछु दिन बाद किछु इंजीनियर अएलाह। कोनो उद्योगपतिक सौजन्यसँ पोखरिक जीर्णोद्धार भेल। धर्मशाला बनल। हमरा नीक लगैत जँ ललित बाबू सभाक समय आबि स्वयं अपन चन्दा दए सब आगन्तुकसँ जमा करबा आ स्वयं कोदारि लए जमालोकक संग श्रमदानसँ ई कार्य करबौने रहितथि।

4. आइ इतिहास पढ़एबाक नहि, बनएबाक आवश्यकता अछि

रहिकामे मैथिलीसेवी चुनचुन मिश्र अएलाह। जयनगरसँ दिल्ली धरि 'मिथिला रथ' निकालने छलाह आ दिल्लीमे १९९२मे अनिश्चितकालीन अनशन कएलन्हि। सरकारक संग भेल समझौताक आधार पर दरभंगा आकाशवाणीसँ सप्ताहमे तीन दिन मैथिलीमे समाचार प्रसारण आरम्भ भेल - मंगल, वृहस्पति,

शनि दिन (संध्या ६ बजे)। हमरासँ भेंटक एक दिन पूर्व चुनचुनबाबूक श्वसुर स्वर्गीय भए गेल छलथिन्ह। मुदा ओ लोकसभकेँ कहलथिन्ह-'मरए बाला तँ मरि गेलाह, जँ आइ हुकहुकहँु करैत रहितथि तँ मैथिलीक मीटिंगकेँ छोड़ि हम नहि जइतहुँ।' आवश्यकता अछि एहि प्रकारक दृढ़निश्चयी कार्यकर्ताक।

रहिकाक चैक पर नुक्कड़ सभा भेल। माध्यमिक विद्यालयक प्राधानाचार्य देवेन्द्र अध्यक्ष छलथि। क्षोभ व्यक्त करैत ओ बजलाह जे विद्यालयसँ मातृभाषा पत्रसँ मैथिली हटा देल गेल आ मिथिलामे कोनो प्रतिक्रिया नहि भेल। किछु व्यक्तिसँ आरंभ भेल सभामे लोक क्रमशः अबैत रहलाह फलतः सभाक रुप पैघ भए गेल। सभाक पश्चात ज्ञात भेल जे सभामे जमा भेल युवक लोकनि खूब उत्तेजित छलथि किन्तु समाजमे हिनका लोकनिकेँ कियो दिशा-निर्देश देनिहार नहि छथि।

रातिमे स्वतंत्रता सेनानी राजेन्द्र मिश्रजीसँ गप्प भेल। मैथिलीकेँ अष्टम् अनुसूचीमे सम्मिलित नहि कएलासँ ओ बहुत क्षुब्ध छलाह। मैथिलीसँ सौतिन जकाँ व्यवहार सरकारक छैक, सामान्य भाषा सबकेँ मान्यता भेटलैक मुदा अपन लिपि, व्याकरण रहैत मैथिली उपेक्षित रहि गेल।(जे वाजपेयी सरकार द्वारा ८.१.२००४केँ भारतक राजपत्रमे अधिसूचित भेल।)

ओ बतौलथि जे १९३४मे कलकत्ताक 'होली डे पार्क'मे अरबसँ आएल एक मुस्लिम नेता कहने छल जे अरबमे गोकशी नहि होइत अछि जखन कि भारतमे एखन धरि ई अपकर्म चलि रहल अछि।

अपन बाल्यावस्थामे ओ पिताजीक सन्दूकसँ सात रुपैया चोरा मधुबनीमे अपन मामासँ धोती-कुर्ता-तौनी बनबौने छलाह आ करचीमे झंडा लगा सौंसे गाम घूमल छलाह जाहिसँ लोक हुनका वाॅलन्टीयर बुझन्हि। दादा ५-७ घरमेचा दए कहने छलथिन्ह जे किछु कर, अङ्गरेज नहि जएतौक। मधुबनीमे हफीमक दोकान पर पिकेटिंग केला पर पुलिस थापड़ देने छलैन्हि। ११ अगस्त १९४२क ककरौड़क अनिरुद्ध मिश्र रहिकामे मीटिंगक अध्यक्षता केलथि। गामक चैकीदार रिपोर्ट केलक।

रहिकासँ बेनीपट्टी ध्रि तार तोड़ल गेल। एहि काजमे तेजनारायण झा, वैद्यनाथ झा, नागेश्वर मिश्र (अकौड़) सब छलाह। वारन्ट भेल-कलकत्ता भागि गेलाह तऽ उन्नावक देवव्रत मिश्र कहथिन्ह जे बड़ाबाजारमे मैथिलक बीच कांग्रेसक काज करू। डेढ़ वर्षक बाद गाम अएलाह। (वेल्हवारक) हरिवंशझा, दामोदर झा, लखन झा आदि कार्यकर्ता छलाह।

पुनः क्षोभक संग बजलाह-'वर्तमानमे शासन नामक चीज नहि अछि, नेता भ्रष्ट भए गेल छथि। आजादीक बाद हम

समाजवादी भेलहुँ, सूरज बाबू सबहक संग, मुदा आब नहि छी। गयामे पितृपक्षक समय मुस्लिम तुष्टीकरण लेल हुनका लोकनिक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन पर करोड़ों रुपया ई सरकार फूकलक आ हिन्दूक गाड़ी पर २५० रुपया टैक्स लगाओल गेल। जगन्नाथजीक राजनीति पाइक बल पर चलैत छैन्हि। पहिने जकाँ लोक भूखसँ नहि मरैत अछि मुदा मिथिला आन प्रांतक अपेक्षा एखनहुँ दरिद्र अछि।'

रहिकासँ सतलखा होइत अरेड़ लेल पदयात्राक क्रममे १९ अक्तूबर १९९३क सतलखाक विजयनाथ झा संग देलथि। इच्छा छल जे डा. सुभद्र झासँ भेंट करी मुदा विजयबाबू हुनक गाम नागदहसँ घूरिकए बतौलथि जे ओ प्रयाग गेल छथि।

अरेड़क माध्यमिक विद्यालयमे शिक्षक लोकनि भेटलाह। प्रधानाचार्यक अध्यक्षतामे बैसार भेल। मैथिलीक इतिहास-विकास पर गोष्ठी नीक रहल। हम कहलिअन्हि जे आब इतिहास पढ़ेबाक नहि, बनेबाक आवश्यकता अछि आ चन्द्रगुप्त बिनु चाणक्यक कोना बनताह? एहिमे शिक्षक वर्गक भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण अछि।

अरेड़क बरही टोलमे सतलखामे देल पूड़ी-तरकारी खएबाक लेल एक घरक आगाँ राखल चैकी पर बैसलहुँ। श्रृंगेशजी घरक

महिलासँ पानि देबय लेल कहलथिन तँ ओ बजलीह मात्र पानिए कियैक? हम कहलियैन्हि जे भोजन तऽ संगमे अछिए। मिथिलामे अतिथि-सत्कारक परम्परा अति गरीब घरहुँमे एखनहुँ विद्यमान अछि। बढ़ई टोलक बहुत रास व्यक्ति श्रृंगेशजीक साइकिलक आगाँ टांगल पोस्टर 'मिथिला रथ' देखि जमा भेलाह (साइकिल सामान ढ़ोएबा लेल श्रृंगेशजी संगमे लए लेने छलाह) आ ओहिमेसँ केओ बजलाह- 'लालूजी जे करैत छथि से ठीक नहि, हमरा सबहक भाषा थिक मैथिली जकर विकास आ मान्यता अवश्य भेटबाक चाही।'

अरेड़सँ परसौनीक धूर बहुत पैघ (लम्बा) अछि। सोहास गामक पहिले एक मुसलमान भेटलथि। हुनकासँ पुछलियैन्हि- परसौनी कतेक दूर? ओ किछु विस्मित होइत बजलाह- 'एहेन शरीर कपड़ा,जूता आ अहां पैदल! नहि किछु तँ साइकिल लए लितहुँ। दूर अछि, मुदा राति धरि पहुँचि जाएब, सोझे बढ़ैत जाऊ।' ओ की जानए गेलाह जे हम पैदल किएक छी? आ फेर जाहि रास्तासँ हमर कतेको बन्धु-बान्धब पैरे चलब अपन नियति मानि लेने छथि, ओहि मार्गसँ जँ हम एक दिन पैरे चललहुँ तँ कोन अनर्थ?

ओतहि भेटलाह परसौनीक महारुद्र झा। श्रृंगेशजीक साइकिलक साइन बोर्ड बहुत ध्यानसँ ओ पढ़ने छलथि आ हमर

देल पर्चा पढ़ि ओ बड़ी काल धरि कइएक सुझाओ देलन्हि। ओ स्वयं मैथिली अकादमी,पटनामे कार्यरत छथि। किछुए दिन पूर्व हमरा ज्ञात भेल छल जे मैथिली अकादमीक अनुदान राज्य सरकार बन्द कए देलक अछि आ तं ँ किछु उत्कंठा छल, एकर कारण जनबाक।

जे सरकार 'भोजपुरी भवन'क लेल आरा शहरमे जमीन अनुदान देलक अछि आ जकर मुख्यमंत्री सबसँ अपन मातृभाषा भोजपुरीमे बजैत छथि, ओ यदि मैथिलीकेँ प्रान्तीय लोक सेवा आयोगसँ हटेबाक कुचेष्टा करैत छथि तँ एकर अर्थ भेल जे सरकार जातीय अगड़ाहिक बाद भाषायी विवाद ठाढ़कँए अपन राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करबामे लागल अछि। सत्ताक लेल जनतामे भिनाउज पहिने अङरेज करैत छल मुदा ओ क्रम चलि रहल अछि।

(मैथिली सम्बन्धी बिहार सरकारक आदेशकेँजखन पटना उच्च न्यायालय २००४ मे निरस्त कए देलक तँ राबड़ी देवीक नेतृत्वक राष्ट्रिय जनता दलक सरकार सर्वोच्च न्यायालयमे अपील कए देलक। मुदा नीतिश सरकार ओहि अपीलके ँ २००७ मे आपस कए लेलक आ मैथिली बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षामे फेरसँ आबि गेल।)

6. मैथिलीक विकास मार्गक बाधा अछि उच्चवर्गीय मानसिकता

सोहास गामक युवा नजबुल होदा कहलन्हि जे विगत चुनाओमे १२०० वोट भोगेन्द्र बाबूकेँ भेटल छलन्हिमुदा आगाँ नहि भेटतन्हि। ओ कहैत छथि ‘देशक बहुत समस्या छैक आ अहाँ लोकनिकेँ मात्र अपन सड़क सुझैत अछि।’ भोगेन्द्र बाबू तँ दिल्ली-पटना रहैत छथि, ओ की बुझताह जे सालमे पाँच मास हुनक गाम समेत अनेक गाम टापू बनल रहैत अछि आ गर्मीक दिनमे एहि लम्बा रास्तासँ बटोही कोना चलैत होएताह?

नजबुल पुनः कहलथि जे पछिला साल कहल गेल जे कर्ज माफ कए देल गेल। मुदा आब फेर वसूली आरम्भ भेल अछि। ओ सातम कक्षाक छात्र छल। मुदा पढ़ाइ छोड़ए पड़लैक आ आब कहुना खेती-पथारीसँ निर्वाह करैत अछि।

परसौनी पहुँचैत राति भए गेल। दुर्गापूजाक पण्डालमे पैघ मीटिंग भेल। हम प्रश्न उठाओल जे विश्वबैंकक अनुदानसँ बिहारमे तीन पाॅलीटेकनीक काॅलेज खुजत। मुदा ओ सीवान, गोपालगंज आ पलामूमेे। की मिथिलाक नजबुल होदाकेँ एहन व्यावसायिक शिक्षाक जरूरति नहि छन्हि?

हमर स्पष्ट कहब छल जे मैथिली वस्तुतः सामाजिक आ

शैक्षिक दृष्टिसँ पिछड़ल सामान्यजनक भाषा थिक। तथाकथित बड़का लोक तँ हिन्दी, अङरेजी सब पढ़ि लेताह। मुदा ओ सब की करत? आ तँ एहि आन्दोलनक नेतृत्व ओही वर्गक हाथमे जएबाक चाही। हमरा तँ इहो कखनहु लगैत अछि जे समाजक उच्चवर्गीय लोक अंतःकरणसँे मैथिलीक प्रगतिक आकांक्षी नहि छथि। कारण, तखन सीमित नोकरीक लेल होबयबाला प्रतियोगितामे हुनक धिया-पुताक चयनकेँ तथाकथित छोटका घरक धियापुता किछु बेसी कठिन कए देतन्हि। घरमे मैथिलीक स्थान पर हिन्दी बजबाक दोसर अभिप्राय की भए सकैत अछि? वस्तुतः उच्चवर्गीय मानसिकता मैथिलीक विकासक मार्गक बाधक अछि।

हमर समर्थन सभाक अध्यक्ष सेवानिवृत प्रधानाचार्य रामकृष्ण झा सेहो कएलन्हि। हुनक कहब छलन्हि जे मैथिली सबहक भाषा थिक, मिथिलाक मुसलमानहुँ मैथिलीयहिं बजैत अछि। रात्रिविश्राम हम हुनकहि ओहिठाम कएल। अपन अनेकहु अनुभव सुनबैत बजलाह जे वस्तुतः नेता लोकनि चाहैत छथि जे सड़क नहि बनए, क्षेत्रक विकास नहि हो अन्यथा हुनक वोट बैंक समाप्त भए जएतन्हि। ओ एक कम्युनिस्ट नेताक कथन उद्धृत कएलन्हि जिनक कथन छलन्हि, ‘स्लुइस गेट’ बनला पर परजुआरि गामक लोक सम्पन्न भए गेलाह आ हम हारि गेलहुँ।’

रामकृष्ण बाबू रातिमे मिथिलाक प्रसिद्ध क्रान्तिकारी योगेन्द्र शुक्लक कइएक कथा सुनौलन्हि। ओ एक बेर हुनक मुक्तापुरक स्कूलमे आएल छलाह। शुक्लजीकेँ स्नान करबाक छलन्हि। ओ एक छात्रकेँ चापाकल चलेबाक लेल कहलथिन्ह, मुदा योगेन्द्र बाबू मना करैत कहलथिन्ह, 'अपन काज ओ स्वयं एखन कए सकैत छथि। पराश्रयी व्यक्तिकेँ रहैत देश स्वतन्त्र कदापि नहि होएत।' छात्र लोकनि अपनामे चन्दाकए किछु टाका हुनका देलथिन्ह तँ ओ ओकरा राखि लेलन्हि कहैत,'जे ई देशक काज आओत।'

१९.१०.१९९३क भोरे जखन बरहा लेल विदा भेलहुँँं तँ गामक दू स्त्रीगण हमरा लोकनिकेँ देखि बात करैत छलीह। 'रातिमे हिनका लोकिन नीक बात पूजा मण्डपमे कहलथिन्ह। घरमे आब हमरो बच्चा,अपन भाषाकेँ छोडि, पता नहि कोन भाषामे बजैत अछि।' गामक निपट अशिक्षित माता लोकनिक मुहसँ ई बात सुनि आत्मविश्वास बढ़ल आ लागल जे ई पदयात्रा व्यर्थ नहि जाएत।

बरहा गाममे प्रवेशक पहिले जुता खोलए पड़त। एक मजदूर बाजल जे एहि गाममे सब किछु छैक आ किछुओ नहि तात्पर्य जे पैघ-पैघ व्यक्ति छथि। सांसद भोगेन्द्र झा आ कोल इन्डियाक चेयरमैन एस. के. चैधरी एही गामक छथि। पूर्व राजदूत सी. एस.

झाक मातृक छन्हि। मुदा विकासक नाम पर उक्त मजदूरक व्यथा केओ बुझनाहर नहि। एकटा विद्यार्थी कहने छल जे सड़क निर्माणक मार्गमे किछु मुसलमानक घर बाधक अछि। हिनका लोकनिक घर सड़कक कातमे छन्हि आ जँ सड़क बनाओल गेल तँ हिनका लोकनिक घर उजड़ि जएतन्हि। तैँ सड़क नहि बनाओल जाइत अछि। मुदा भोगेन्द्रबाबू कहैत छथि जे अपन गामक विकास करब तँ लोक बाहरमे बाजत जे अपना गामक लेल काज करैत छथि। हमरा लगैत अछि एहेन स्थितिमे हुनका सन व्यक्तित्वबाला नेता अपन निर्वाचन क्षेत्र कतहुँ दोसरे प्रान्तमे बनबितथि तँ नीक रहितन्हि। एखन तँ हुनकहि पार्टीक समर्थन पर बिहारक सरकार टिकल अछि। सड़क निर्माणसँ आनो गामक हमरा सन बटोहीकेँ बाट सुगम भए सकैत छैक।

पता चलल जे कोल इंडिया चेयरमैन एस. के. चैधरीजीक पिताजी (जे दरभंगामे एक सामान्य पदाधिकारी छलथि)क प्रयाससँ अरेड़-परसौनीक कच्ची सड़क कहिओ बनल छल। हुनक पुत्र आइ भारतक शीर्ष कार्यपालक पदाधिकारी लोकनिमे छथि मुदा ओहि कच्ची सड़ककेँ पक्की नहि करबा सकलाह। शिवमन्दिर पर भेल मीटिंगमे खसैत कन्या विद्यालयकेँ देखि हम सुझाओ देलिअन्हि जे जानकी जयन्ती (वैशाख शुक्ल नवमी)क अवसर पर श्रमदानसँ एकर जीर्णोद्धार कराए एकर उद्घाटनक

लेल चैधरीजीकेँ बजाओल जाए। एहि पर केओ बजलाह जे ओ पहिल बेर गाम आएल छलाह तँ एहि विद्यालयक पुनर्निर्माणक आश्वासन देने छलाह।

ओ बिसरि गेलाह ताहिमे हुनक दोष नहि पीढ़ीक दोष अछि। वस्तुतः आइ देशमे जँ किछु नीक बांचल अछि तँ ओ चैधरीजीक पिताजीक पीढ़ीक देन थिक आ जे किछु विकृति देखैत छी, ओ हुनकहिं पीढ़ीक अछि, ओना ई बात दोसर भेल जे जखन कखनो गत शताब्दीक छठम-सातम दशकक व्यक्ति बैसताह तँ वर्तमान युवा पीढ़ीकेँ अकर्मण्यताक लेल कोसैत रहताह। हमरा दृष्टिएं स्वाधीनताक बाद जे पीढ़ी देशक शासन-सूत्र संभारलक, दोषी मूलतः ओकरे मानक चाही।

मिथिलाक विषयमे ई ओतबहि सत्य आ मैथिलीक विषयमे सेहो। एक युवक जिज्ञासा कएलन्हि, जे १९७१ आ १९८१मे मैथिलीभाषीक संख्या जखन शून्य बताओल गेल तखन मैथिली संगठन कतए छल? हम कहलिअन्हि 'एकर जवाब ओएह सब दैत जएताह जे ओहि समय मैथिलीक पाग पहिरने छलाह।' हमर संगठन (मैथिली विकास परिषद् जे १९९३मे अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद बनि गेल) वा हम १९९२सँ एहि क्षेत्रमे सक्रिय छी। भारत सरकारक जनगणना महारजिस्ट्रार लिखलन्हि अछि जकर जबाब जे१९९१क भाषायी आंकड़ा एखन तैआर नहि भेल अछि।

(जे । मैथिलीभाषी◌ेक १९९१मे ७७,६६,९२१ आ २00१मे १,२१,७९,१२२ रहल आ २0११क १,३५ ,८३ ,४६४ अछि ।)

7. आब स्वतंत्रता संग्रामक अर्थ अछि निरक्षरतासँ संग्राम

२०.१०.१९९३क बरहासँ कटैया गाममे जनसम्पर्क करैत बेनीपट्टी पहंचलहुँ। पूर्व मंत्री डा. वैद्यनाथ झाजीकेँ हमर पत्र भेटल छलन्हि। मुदा ओ थाकल-निराश मोनसँ बजलाह,जिनका लेल ई पैघ अभियान अछि ओ तँ सुतल छथि। चुनाओक समय जातिक नाम पर बंटि जाइत छथि।

बेहटामे अपन एक सहपाठीक बरहाबाली भाउजसँ १५ सालक बाद भेंट भेल जे अपन गेरूआतरसँ हमर पठाएल कहियोके एक पोस्टकार्ड निकालि कहलीह, ’बौआ, यैह बेर-बेर पढ़ैत छी।’ रांची लौटलाक बाद ओहि भौजीक नाम पठाओल पांती प्रस्तुत अछि -

भौजी! हम घुरी अएलहुँ

पदयात्रा पूरा कए, चालीस कोसक-

कोइलख-सौराठ-उच्चैठ-फुलहर

कलना-डोकहर-गंगा सागर

पैरक घाओ नहि, गँहीर अछि मोनक सन

अहाँक एक युगक बाद भेल दर्शनहुँ,

अधिक सुविधादायक डेªसिंगसँ

घाव तँ भरि जाएत मुदा मोनक...

राखि लेब एहि पत्रकेँ

गेरुआ तर

फेर कहिओ भेटला पर कहब

पढ़ैत छी एकरहिं बेरि-बेरि

नीक होइत कहितहुँ अहाँ

लिखब नहि यावत्

केओ रहत वा रहती

मिथिलामे निरक्षर।

मुदा की होएत पढ़ि-पढ़ाकेँ

यदि मिथिलहँुक बेटी हेतीह

विलोम-सीता..

‘अस्ति कः वाक् विशेषः?’

कोनो भगवतीक सुनि

भगवतीक कृपासँ

कहिओ ककरो कालिदास भेनाइ सम्भव

मुदा आइ सब विलोम अछि...

कारण अहाँ सन प्रोफेसरहुँ

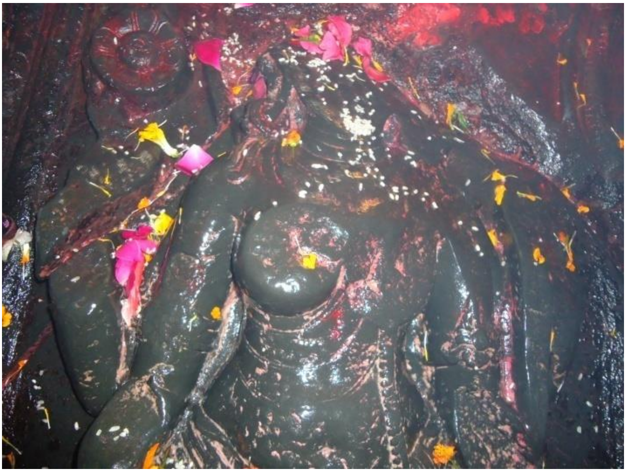
दिओरहुँकँ नहि

छथि डाकखानहँक दुश्मन...

आ एकर बाद जगतिमे अपन एक पितियौत बहिनिक घर २० सालक बाद देखलहुँ। उच्चैठ दुर्गास्थान रातिमे पहुँ◌ँ◌ंचि भगवतीक दर्शन कएल।

कवि शंकप्रिया अपन कविता सुनौलन्हि। कहलन्हि हम तँ पढ़ल-लिखल नहि छी। हम कहलिअन्हि जे भनहि नहि पढ़लहुँ◌ँ, आधुनिक शिक्षा लए की करितहुँ, कमसँ कम वैचारिक

मौलिकता तँ अछि; रबीन्द्रनाथ कोन विद्यालय वा कालेजमे पढ़लथि? (आ महाकवि कालिदास जिनक ज्ञानार्जनक डीह उच्चैठ कहल जाइत अछि?) ओ कहलथि जे 'एखन किछु दिन पूर्व विदेशसँ एक पत्र आएल छल, लिखल छल जे उच्चैठक माटिक एकटा ढ़ेप आ एकटा रुद्राक्ष पठाबी, अपन बच्चाक शिक्षारम्भ ओहि माटिसँ कराबए चाहैत छी।'



ई बात जरूर जे मात्र ओहि माटिक प्रयोगसँ केओ कालिदास नहि बनि जएताह मुदा शंकप्रियाजीक ई बात जे 'पढ़ल-लिखल कवि तँ चारण-भाँट भए गेलाह' किछु चिन्तनक लेल बाध्य करैत अछि। की वस्तुतः आजुक शिक्षा लोककेँ चारण व भाँट बना रहल अछि? जँ एहन अछि तँ कियैक ने सोचल जाए रहल अछि एकर विकल्प? एतबा निश्चित अछि कि ई काज आजुक नेतृत्व

नहि करत किएक तँ ओकर स्वयंकेर निष्ठा संदिग्ध छैक अपितु जँ ई कही कि भाँटहिं (चारण) पैदा करएमे ओकर रुचि छैक तँ अनुचित नहि होएत। तेँ मौलिक प्रतिभाक विकासक लेल हमरहि-अहाँकेँ आगाँ अएबाक होएत आ एहि काजक लेल सरकारकेँ बाध्य करए पड़त।

रात्रिविश्राम जगतिमे भेल।

२१.१०.१९९३क प्रातः त्यौथा लेल विदा भेलहुँ। त्यौथा हमर हमर सबसँ जेठ भौजीक नैहर छन्हि। ओतए १५ साल पहिले गेल छलहुँँं।भौजीक नामहि पर बहुत लोक भावुक भए जाइत छथि। त्यौथाबाली भौजी जे हमर गाम छोड़ि भिलाइ जाए बसलीह, हुनका प्रति सेहो दू शब्द-

भौजी,

पदयात्रासँ घूरि अएलहुँ

अहुँक गामसँ।

अहाँक नहि रहितहुँ

हमर बहुत स्वागत भेल।

खम्हाऊरक तरुआ, झींगुनी, परोड़

सबसँ भरल थारीसँ

पेट भारी भेल।

बीस वर्षक अन्तरालमे

मात्र अहींक नहि

अहाँक गामहुँमे

बहुत परिवर्तन भेल।

लाल धूरिसँ भरल धूर

कारी पिच भेल।

भौजी, अहाँक गामक केओ भौजी

ननदिक संग बड़क दातमनि रोपल

से वटवृक्ष भेल, सुखाएल

फेर केओ रोपि स्मृति हरियर कएल

ननदि 'नन्दी' भए गेलीह

तेँ हमर भौजी 'भाभी' भेलीह

'मैथिली'क ई दुर्दशा भेल

एहि बीस वर्षमे।

अहाँक भाए बताह भेलाह

अहाँक भौजी कनैत-पूजैत

आखिर भारी भेलीह..

अहाँक बालारुण सन

गामक धूर लाल छल

पिच भले कारी हो

सीसोक छाहरिसँ

दिनमे अन्हार हो

घरमे इजोत अछि

लाल दूनू बाल अछि।

हमरहँु घर एहने अछि

भाए-भौजी एहनहि छथि

बालहुकेँ लाल अछि

मुदा भौजी दूर गेलीह

पिच नहि, स्टील भेलीह

ओ दातमनि नहि करतीह

बड़ गाछ केना होएत

कोनो शहर बसि जाओ

हमर गाम उजड़ि गेल

हमर गाम उजड़ि गेल।

त्यौथामे दशमुखी कालीक दर्शन भेल आ मैथिलीक लेल बैसार। दुगर्©लीमे किछु व्यक्तिसँ सम्पर्क भेल। बेलनौतीक कारणेँ लोक सब गामसँ बाहर गेल छलथि। संध्याकाल मनपौर पहुँचलहुँ।

२२.१०.१९९३क प्रातः ओतए बैसार भेल। जीर्ण पुस्तकालयक उद्धार करबा लेल ग्रामीण लोकनिसँ कहलिअन्हि।

खिरहरमे मुखिया मुन्नूबाबूक ओतए बैसार भेल। झिटुकीमे सम्पर्ककए हरसुआर दिशि बढ़लहुँ। भगवती स्थानमे नीक बैसार

भेल। ओतए केओ कहलन्हि भोगेन्द्रबाबू मैथिलीमे शपथ लेलन्हि। हम पूछलिअन्हि दिबहादुर भण्डारी तँ नेपालीमे शपथ नहि लेने छल आ महिला भए अपन भाषाकेँ मान्यता दिऔलन्हि, की हमर सांसद सब हुनकहुसँ गेल-गुजरल छथि? हिसारमे स्व. चक्रपाणि बाबू (स्वतंत्रता सेनानी) द्वारा बनाओल मोडेल विद्यालय देखल। आइ स्वतंत्रता संग्रामक अर्थहिं छैक निरक्षरता-गरीबीसँ संग्राम।

8. नेता, पुलिस एवं अपराधीक बीच की अन्योन्याश्रय सम्बन्ध अछि

बाइस अक्तूबर १९९३केँ संध्याकाल उमगाँव दिशि बढ़ैत काल एकगोट चैबटिया भेटल जतए, एक ग्रामीण हाट लागल छल। चैक पर एक बेँच पर गरम कचड़ी खएबा लेल बैसलहुँ। लोक सबसँ ओतुक्का स्थितिक सम्बन्धमे जिज्ञासा कएला पर एक अनपढ़ गृहस्थ बजलाह, ‘हमरा लोकनिकेँ कोनो दिक्कत नहि अछि, ने एहि क्षेत्रमे चोर-डाकू अछि, ने कोनो नेता।’ मोनहि-मोन हम ओहि ग्रामीणक निष्छल उक्तिक विश्लेषण करए लगलहुँँँ। चोर-डकैत आ नेतामे केहन समानता वा कोन सम्बन्ध? की दूनू एक-दोसरक पर्यायवाची अछि?

राज्यक सम्बन्धमे चाणक्य आदर्श निरूपित कएने छथि-

जतए कि ने केओ दंडित हो, ने केओ दण्ड देनहार, ने केओ शासित हो आ ने कियो शासक। कलकत्तामे भाजपा नेता तपन सिकदर कहियो बंगालक आई.जी.केँ कहने छलथिन्ह- 'अहाँ जाहि कुर्सी पर बैसल छी ओकर पाछाँ लिखल अछि, राज्य ओ अछि जतए अर्द्धरात्रिमे आभूषण पहिरने कोनो युवा महिला निःशंक भावसँ राजमार्ग पर विचरण कए सकथि।' किछु वर्ष पूर्व हमरा जयपुरमे एक रिक्शाबाला कहने छल, 'हजूर, ई जयपुर छैक, एतेए चोरी-चपाटी नहि, रातिओमे कोनो महिला निर्भय घूमि सकैत छथि।'

चाणक्यकक उक्तिकेँ आई.जी.नहि बुझलथि। मुदा रिक्शाबाला बुझलक आ उक्त अनपढ़ गृहस्थ एकर कारणहुँ कदाचित् कहलथि, 'यदि नेता नहि तँ चोर-डाकू नहि।' नेता-पुलिस-अपराधीक अन्योन्याश्रय सम्बन्धक बीच जनता लूटल जाए रहल अछि। एखनहुँआईसलैंड नामक देश(इंगलैंडसँ उत्तर अटलांटिक समुद्रमे एक पैघ टापू)मे सेना नहि छैक। ओ एक देश थिक वेटिकन जकाँ चर्च मात्र नहि जकरा देश एहि लेल मानि लेल गेल ताकि पोपकेँ राज्याध्यक्षक सम्मान भेटैत रहन्हि (राँची अएला पर सेहो ई सम्मान कहिओ हुनका देल गेल छलन्हि)।

उक्त गृहस्थ बजलाह, 'धान नीक भेल अछि।' ओहि चैकक नाम किछु नहि पड़ल छैक एखन धरि। पहिले हाट किछु दूर

दक्षिण ओहि सड़क पर लगैत छलैक। लोक अपन उपयोगक चीज खरीद-बिक्री कए रहल छलाह। वस्तुतः एहि लेल कोनो शासनहुक आवश्यकता नहि छैक। नोट तक नहि चाही, चीजक बदलेन कए लिअए।

एक यात्री बस सामने ठाढ़ भए बढ़ि गेल। हमरा उमगांवक लेल बस पर नहि चढ़ैत देखि ओहि गृहस्थकेँ किछु छगुन्ता लगलन्हि। किएक तँ आब मुनहारि सांझ भेल जाइत छलैक आ हमरा जएबाक छल पैदलहिं। हम जे किछु हुनका कहने छलिअन्हि से बूझएमे नहि अएलन्हि। दुखक बात ई कि ओ हमर मैथिलीमे कहल बात वा प्रश्नहुँक उत्तर टूटल-फूटल हिन्दीमे प्रारम्भहिसँ दए रहल छलाह।

हमरा जानइत एकर दू टा कारण भए सकैत अछि-प्रथमतः हिन्दी बजलासँ उच्चताक भ्रान्ति होइत छन्हि, एहि प्रकारक भ्रम शहरी मैथिलमे सेहो देखल जाए सकैत अछि अथवा समस्त भारतमे अङरेजीक प्रति जे ललक आभिजात्यबोधक कारण देखल जाइत अछि तकरहिं ई ग्रामीणबोध भए सकैत अछि। दोसर जे सीतामढ़ी ओहि चैकसँ सोझे पश्चिम पड़ैत अछि जतए कि माता सीताक जन्म भेलहुँ सन्ता लोक क्रमशः मैथिली छोड़ि रहल छथि। चम्पारण धरि एहि क्षेत्रक लोकक भाषा शुद्ध भोजपुरी नहि छन्हि (हिनका लोकनि मैथिलीप्रभावी भोजपुरी वा

भोजपुरी प्रभावित मैथिली घर-परिवारमे बजैत छथि) तँ ओ सब की बाजथु? चम्पारणक लोक मैथिली प्रभावित टूटल भोजपुरी बजैत छथि तँ सीतामढ़ीमे हिन्दीअहिं बाजब लोक प्रारम्भ कए लेलन्हि अछि।

गरमागरम कचड़ी खाइत खराब नहि लागल। एकर डाक्टरी कारण सेहो छैक। गर्म चीजमे पेट खराब करएबाला कीड़ाक प्रकोपहुँ नहि होइत छैक।

आगाँ बढ़लहुँँं तँ सड़कक दूनू कात सीसोक पाँतर भेटल जाहिमे डरहु लगैत छल। यद्यपि एखनहि ओ गृहस्थ कहने छलाह जे एहि क्षेत्रमे डाकू नहि छैक। मुदा हुनक बात अपन गामक छलन्हि, एहि सड़कक नहि। दोसर बात ई ज्ञात भेल छल जे हाट एहि ठाम लगबाक कारण छलैक दक्षिण दिशि पुरान स्थान पर भेल लूटि। किएक नहि हो उपद्रव, लूटि एहि सड़क पर? ई सड़क अछि आ एहि पर कैक टा बस चलैत अछि। अनेक प्रकारक लोक, नेता लोकनिक आन-जान होइत रहैत अछि।

आगाँ सोठिगामा लग दूरहिसँ प्रकाश ककरो माथ पर दीपमाला जकाँ देखएमे आएल। पता लागल जे ई झिझरी कहाइत अछि आ तथाकथित छोटका जातिक लोक भगवतीक वन्दना लेल जाइत छथि मूर्ति लग। मोनमे प्रश्न उठल कि केना ओ छथि छोट जिनका हृदयमे भक्तिक एतेक उच्च भाव छन्हि।

समाजकेँ अपन मानदण्ड बदलक चाहिऐक। भक्त वाल्मीकि वा रविदास तुलसीदास वा सूरदाससँ किन्नहु कम नहि छथि।

उमगाँवक सीमान पर स्वागतमे उपमुखिया जे मुस्लिम छलथि, भेटलाह। कहलन्हि जे चलि जाउ प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रामहित यादव लग। हुनका ओतए पहुँचला पर हुनक भाए स्वागत कएलन्हि। संगमे कांग्रेसी नेता पीपरौन गाम निवासी कृष्णकांत मिश्र सेहो भोजन कएलनि। मोछक लड़ाइमे अनेक नेताक संग-संग प्रधानमंत्री लग नहि गेलाह, ई बात ओतुक्का किछु प्रमुख नेता लोकनिसँ ज्ञात भेल। संगमे श्रृंगेशजी सेहो छलथि

9. मिथिलामे खेतीक परम्परागत पद्धतिमे परिवर्तन आवश्यक

उमगाँवसँ प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रामहित यादवजीक संग २३अक्तूबर १९९३क फुलहर गिरिजास्थान दर्शनक लेल गेलहुँँं। पदयात्राक निर्धारित मार्गसँ बाहर भेलाक कारण मोटर साइकिलक सहारा लेल जाहिसँ अगिला पदयात्राक क्रम बाधित नहि हो।

मार्गमे रामहितजी भारत-नेपाल सीमाक ‘पिलर’ देखौलन्हि।

ई सीमान अप्राकृतिक अछि जे मिथिलाकेँ दू भागमे बाँटैत अछि। मनुख भलहिं एकरा मानैत हो, माल-जालक लेल ई कोनो अर्थ नहि रखैत अछि-ओकरा तँ बन-बाधक हरियरी चाहिऐक। तहिना इन्द्रदेवक कृपा वा कुदृष्टि सेहो मिथिलाक लेल समानरूपेँ होइत छैक।

फुलहरक गिरिजास्थानक सम्बन्धमे दरभंगा गजेटियरमे हम कहिओ पढ़ने छलहुँँं। ग्रामीण सुरम्य परिवेशमे श्रद्धालु स्त्री-पुरुषक भारी भीड़ छल, चढ़ौनामे बेलपात-फूलक ढ़ेर। एकटा पोखरि कातमे अछि। पता लागल जे पहिले कहिओ ई सुनसान, जंगलाह छलैक, कहिओ किनको दृष्टि मूत्र्ति पर पड़लैन्हि।



एकहि शिलामे कइएक छोट-छोट मूत्र्ति बनाओल अत्यन्त दिव्य लागल। जगदम्बा सीता एतए फूल लोढ़ैत हेतीह, गिरिजा (पार्वती) पूजाक लेल, तेँ ई फुलहर कहाओल। हमरा जानैत फूल लोढ़नाइ तोड़नाइसँ बेसी नीक होइत अछि, एहिमे अहिंसाक सूक्ष्मतम भाव सन्निहित अछि, संगहि एहिसँ ध्वनित होइत अछि

जे नैसर्गिकता आ पर्यावरण रक्षाक लेल मिथिलामे लोक कतेक सचेष्ट रहैत अएलाह अछि।

सीतामढ़ी-जनक-फुलहर एक त्रिभुज बनबैत अछि जकर विकास अन्तराष्ट्रिय पर्यटन मानचित्रक लेल अपेक्षित अछि। खेदक बात कि सत्ता-शीर्ष पर पहुँँँचल कोनो व्यक्तिक ध्यान एखन धरि एहि दिशि नहि गेल अछि। तैँ विकासक वर्तमान युगमे एहेन महत्त्वपूर्ण स्थान प्रचार एवं सुगम मार्गक अभावमे आइओ जंगलहिं जकाँ सुनसान पड़ अछि। एतबहि नहि, पर्यटनक दृष्टिसँ महत्त्वपूर्ण भेलाक बादहुँ मिथिलाक पौराणिक स्थल- गांडवीश्वरस्थान, वाणगंगा, विस्फी, जगवन, अहिल्यास्थान, उच्चैठ, सीतामढ़ीमे माता सीताक जन्मस्थल, महाकवि चन्दा झा, वाचस्पति एवं अयाचीक डीह एखनहुँँ उपेक्षित अछि।

राँचीमे भेटल एक युवक सुमनजीक गाम पिपरौनमे घुरैत काल भेंट करक इच्छा भेल तँ रामहितजी अपन परिचित कृष्णकुमार मिश्रक दरबज्जा पर लए गेलाह। हमर नाम-गाम जनला पर ओ हमर सम्बन्धी कोना होएताह, से बतौलथि- मैथिलक सम्बन्ध कर्मीक लत्ती।

कृष्णकुमार बाबूक दलान सेहो भारत-नेपालक राजनेता लोकनिक चित्रसँ समान रूपसँ शोभित। हुनक जेठ भाए डा. एन.

के. मिश्र नेपाल सरकारक सेवामे वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक आ पदाधिकारी छलथि। हम कहलियैन्हि मिथिलाक खेतीमे वैज्ञानिक परिवत्र्तनक आवश्यकता छैक जाहिमे ओ सब मददि कए सकैत छथि।

बंगलादेशकेँ जाई तरहेँ खाद्य एवं कृषि संघ (एफ.ए.ओ.) द्वारा चेतावनी अपन फसिलक परम्परागत पद्धति बदलबाक देल गेल छैक, ताहि तरहक चेतावनीक आवश्यकता मिथिलाकेँ सेहो छैक। हमर एहि विचार पर अपन प्रतिक्रिया सुरक्षित रखैत ओ बजलाह जे मिथिलाक विभिन्न जिलामे विभिन्न प्रकारक माटि छैक। तेँ एहि विषयमे पूसा कृषि विश्वविद्यालयकेँ अनुसन्धान करक चाहिऐक।

पुर्णिया आ नेपाल तराइमे सेहो कतहु एक-एकटा कृषि संस्थान बनबाक चाहिऐक आ तकरा सबहक समन्वय काठमाण्डू, पटना, राँची आदि संस्थानसँ होइक जाहिसँ कृषिप्रधान मिथिला भारत आ नेपालक धनसर वा बखारी बनि सकए। पंजाब-हरियाणा सन छोट क्षेत्र वा श्रीगंगानगर (राजस्थान) सन जिला जखन सम्पूर्ण भारतक लेल गहूमक उत्पादन कए सकैत अछि वा तटीय आंध्रमे एहने धान भए सकैत अछि तँ मिथिलाक पछवारि भाग (मुजफ्फरपुर-चम्पारण क्षेत्र)मे गहूम, समस्तीपुरमे मिरचाइ-तम्बाकू (नासिकक पियाउज आ कर्नुलक तमाकू जकाँ) आ दरभंगा-सहरसा क्षेत्रमे धान देश भरि

लेल सम्भव किएक नहि भए सकैत अछि? मिथिलाक प्रत्येक जिला खेड़ाक आनन्द जकाँ दुग्धक श्वेत क्रांति आनि सकैत अछि। पूर्णियाक जूटक बलपर भारतक निर्यात लाभमे आजादीक दू दशक बाद धरि रहल छल।

एहन उर्वर माटि-पानिक बादहँु मिथिला आइ कोन स्थितिमे अछि? अतीतमे छपल हमर एक लेख पर प्रतिक्रिया व्यक्त करैत निर्मला झा बाजल छलीह जे गाम दिशि२० वर्षक युवा बूढ़ जकाँ लगैत अछि। पैघ-छोट बच्चा तककेँ कपड़ा नहि छैक, नंगटे एखनहु घुमैत अछि। पुरुष-स्त्रीगणक स्थिति ई छैक कि ओ एक दिशिझाँपैत अछि तँ दोसर दिशि उघाड़ भए जाइत छैक। हमरा अहाँ सब सन प्रबुद्ध व्यक्तिक अनेको निकट सम्बन्धी धरि एहि विपन्नावस्थामे छथि। एक बेरि गाम एहि दृष्टिसँ घूमि आउ।

पदयात्रा हेतु जाइत काल ट्रेनमे मिथिलांचल एक्सप्रेसमे हमर पुरान गंजी जखन केओ उठा लेलन्हि तँ हमरा इएह ध्यान आएल छल जे आइ वस्तुतः हमर देश-कोशक लोग एतेक असहाय-विपन्न भए गेल छथि जे ओ पुरानहुँ गंजी उठा लेबामे संकोच नहि करैत छथि। एहि अवस्थामे परिवत्र्तनक लेल सामाजिक चेतनाक विकास चाही। नेता कोनो समाजकेँ ओहने भेटैत छैक जेहन ओकर लोक होइत छैक। संगहि, बिनु सहकार भावनाकेँ आनन्दक दुग्ध वा कोनो क्रान्ति सम्भव नहि। नेता हमर

केहन छथि? निर्मला झा बजलीह जे कमला-बलान सोहरा गाम लग २२ जुलाइ, १९९३ केँ टूटल। ओहि बान्हकेँ हुनक पति दिन-राति लागि २० नवम्बर १९९३ केँ पूरा कएलन्हि। मुदा 'ओ पूरा नहि भेल अछि' कहिकेँ अनावश्यक प्रदर्शन भोगेन्द्रजीक अनुयायी कएलथि। मुदा, जे करक चाही से नहि करताह।

डा. एन. के. मिश्र बजलाह जे नेपालहुँमे मैथिलीक विरोध दोसर तँ करिते अछि, मैथिल समाज सेहो सुतल अछि। काठमाण्डूसँ रेक्टर (कुलाधिपति) कीर्तिपुर कैम्पस, काठमाण्डूमे मैथिली भाषा विभाग खोलबाक उद्देश्यसँ अनुशंसा पठएबा लेल जनकरपुर कैम्पसक मैथिली विभागाध्यक्षकेँ पत्र पठौने छलथिन्ह। मुदा पत्र हुनकहि जेबीमे कइएक मास धरि पड़ल रहि गेलन्हि।

विद्यापतिक मूर्ति जनकरपुरधाममे प्रस्थापित कएनिहार डा. लक्ष्मीनारायण झा (देवडीहावासी) लापता छथि। सम्भवतः हुनक हत्या कए देल गेल छन्हि। कतए अछि अमनेस्टी इन्टरनेशन वा मानवाधिकार संगठन?

जँ मातृभाषा शिक्षा आ प्रशासनक माध्यम भए गेल तँ अशिक्षाक संग भ्रष्टाचार सेहो समाप्त नहि तँ बहुत कम जरूर भए जाएत

उमगाँव चैक पर तइस अक्तूबर १९९३क आयोजित बैसारमे विस्फीसँ निर्वाचित कांग्रेस विधायक डा. शकील अहमदक विचार छलन्हि जे उर्दूक भविष्य सेहो अन्धकारमय भए गेल छैक। किऐक तँ एकरा मुसलमानसँ ओहिना जोड़ि देल गेल अछि जेना कि मैथिलीकेँ ब्राह्मण वा उच्च वर्गसँ जोड़िकेँ राजकीय मान्यताक मार्गमे व्यवधान ठाढ़ करबा लेल भ्रम पसारल जाए रहल अछि। डा. अहमद बैसारक अध्यक्षता कएने छलथि।

वस्तुतः कोनो भाषाकेँ जाति वा सम्प्रदायसँ जोड़नाइ एकदम हास्यास्पद एवं प्रपंचपूर्ण बात अछि। उर्दू साहित्यकेँ समृद्ध करबामे कृष्ण चन्दर वा मुंशी प्रेमचन्दक योगदानकेँ केओ एहि लेल बिसरए चाहए जे ओ हिन्दू छलाह की सम्भव अछि? मैथिली साहित्यमे विलट पासवान 'विहंगम'क अवदानक उपेक्षा की जातीय आधार पर करब सम्भव अछि? संस्कृत ब्राह्मणक भाषा मानल जाइत रहल अछि मुदा आदिकवि वाल्मीकि वा वेदव्यासकेँ की कहबैन्हि? आदि शंकराचार्य जखन मंडन मिश्रसँ शास्त्रार्थक लेल हुनक गाम आएल छलाह तँ गाममे प्रवेशक संगहि हुनक पहिल वार्तालाप एक पनिभरनीसँ भेल छलन्हि। निःसन्देह हुनक वार्तालापक माध्यम संस्कृतहिं छल होएतन्हि। ओहि महिलाक जाति की छलैक? मैथिलीक सन्दर्भमे ई बात प्रायः बिसरि देल जाइत अछि जे मिथिलामे साक्षरता जनसंख्याक मात्र एक तेहाइ

अछि(२०११मे करीब आधा भेल होएत।)

सुपौल सन जिला देशक किछु न्यूनतम साक्षरताबाला जिला अछि! एहनमे यदि ककरो विद्वेषसँ भड़कएला पर ओतए मैथिलीक विरोध भए जाइत अछि तँ कोन आश्चर्य? उमगाँवमे तँ स्वयं रामहित यादवजीक नेतृत्वमे प्रखण्ड मुख्यालयक समक्ष मैथिलीकेँ बिहार लोक सेवा आयोगसँ हटौलाक पश्चात विरोधमे धरना-अनशन भेल छल।

डा.शकील अहमद बजलाह जे ओ ओहि शिष्टमण्डलक सदस्य छलाह जे प्रधानमंत्री नरसिंहा रावसँ १९९२मे मैथिलीक मान्यताक लेल भेंट कएने छल। ओ ओतहु कहने छलथिन्ह जे ओ महाकवि विद्यापतिक जन्मस्थान विस्फी क्षेत्रक प्रतिनिधित्व करैत गौरवान्वित अनुभव करैत छथि, संगहि मैथिलीक संवैधानिक मान्यताक लेल संघर्षरत जनताक प्रतिनिधि सेहो छथि। नरसिंहा रावक चिन्ता छलैनिह जे ‘राष्ट्रभाषा हिन्दीक की होएतैक, यदि अहूँ लोकनि छोड़ि देलिऐक तँ दक्षिणमे तँ एकर विरोध भइए रहल छैक।’ दुर्भाग्य जे प्रतिनिधिमण्डलक नेतृत्व कएनिहार एहि मूल बातकेँ स्पष्टतः नहि राखि सकलाह जे प्रथमतः हिन्दी एहि महान राष्ट्रक राजभाषा थिक, राष्ट्रभाषा तँ देशक सब भाषा अछि।

दोसर बात ई कि मैथिली एक पृथक आ स्वतंत्र भाषा थिक

एवं हिन्दीसँ गुजराती वा पंजाबीक जतेक दूरी छैक ताहिसँ बेसी दूरी मैथिलीक अछि। मैथिली तँ बंगला, असमी, उड़िया, नेपालकी ज्येष्ठ बहिनि थिकीह आ जँ हिनका सबकैँ मान्यता देलासँ राजभाषा हिन्दीकैँ क्षति नहि तँ मैथिलीक नाम पर आपत्तिक अभिप्राय मैथिल समाजकैँ धोखा देब छोड़ि दोसर की भए सकैत अछि? जँ कोनो भाषाकैँ मान्यता देलासँ हिन्दीकैँ क्षति होइत होइक तँ अष्टम् अनुसूचीकैँ राष्ट्रहितमे समाप्त कए देल जाओ, ई हमर स्पष्ट अभिमत अछि।

कोनो भाषाक मान्यताक लेल कोनो क्षेत्र वा प्रान्त विशेषक राजभाषा होएब यदि आवश्यक छल तँ ७१म संविधान संशोधनक समय जे संसदीय समिति एहि विषय पर विचार कएलक, ओकरा पहिले सिन्धी आ संस्कृतकैँ हटेबाक संशोधन आनक छलैक अथवा राष्ट्रपति महोदयकैँ मैथिली समेत अनेकानेक एहन प्रमुख भाषा सबकैँ ओहि क्षेत्रक राजभाषा घोषित करक छलन्हि।

दुर्भाग्यक बात जे ७१म संविधान संशोधनक लेल उक्त समितिक एक सदस्य मैथिल सांसद चतुरानन मिश्र सन व्यक्ति सेहो छलथि। अपन नामक सामान्य अर्थक अनुरूप अपनाकैँ ओ चतुर सिद्ध कएलथि वा नहि, एकर निर्णय मैथिल जनता करए?

१९९२मे मैथिली आन्दोलनक समय जखन राँचीसँ अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषदक मातृसंस्था मैथिली विकास परिषदक प्रतिनिधिक रूपमे राम इकबाल सिंह 'विनीत', विन्देश्वर झा आदि हुनका लग गेल छलथिन्ह तँ ओ एकटा बीस टाकाक नोट जेबीसँ निकालबा देखोलथिन्ह -'मान्यता भेटलासँ केवल एहिमे छपत एकटा नाम' और संगहि भारतक संविधान निकालि बतेलथिन्ह 'एकर अष्टम् अनुसूचीमे एक नाम आर जुटत। भ्रममे नहि रही, एहिंसँ बेसी आर किछु नहि भेटत। अहाँ लोकनि घुरि जाऊ आ संस्कृत पढ़ू जे नोकरी भेटए।'

ज्ञातव्य जे ओहि प्रतिनिधिमण्डलक सब सदस्य नोकरिहारा छलाह। विन्देश्वर झा कहलथिन्ह- 'जेना नेपाली-कोंकणीवला मूर्ख बनए चाहैत अछि, हमरो सबहक नाम मूर्खहिमे जोड़ि लेल जाओ।'

कोनो भाषाक विकासक लेल कोनो क्षेत्र वा प्रान्त विशेषक राजभाषा होएब आवश्यक अछि तँ राष्ट्रपति महोदयकेँ मैथिली समेत अनेकानेक प्रमुख भाषा सबकेँ ओहि क्षेत्रक राजभाषा घोषित करक चाहियैन्हि।

पदयात्रा क्रममे हम ई प्रश्न अनेक ठाम उठाओल जे भारतीय भाषामे आई.ए.एस. प्रभृति परीक्षा (लिखित आ

मौखिक)देबाक प्रावधान शीघहिं होमए जाए रहल अछि तखन मैथिलीभाषी छात्रकेँ की होएतैक? एक अमैथिलीभाषी अधिकारीक स्थान पर की जनता नहि चाहत जे ओकर दुःख-दर्द सुनबा- बुझबा लेल ओकर भाषा-भाषी अधिकारी हो चाहे ओ कोनो जातिक किएक नहि हो।(केन्द्र लोक सोवा आयोगमे सन सँ लिखित आ मौखिक पूरामे कियो मैथिली कियो मैथिली राखि सफल नहि भेलाह अछि मुदा मैथिली विषय राखि सफल उम्मीदवारक संख्या अछि।)

सर जार्ज अब्राहन ग्रियर्सन जाहि मधुबनी कचहरीमे मैथिलीमे गवाही लए गौरवान्वित होइत छलाह, आइ ओतए जिला मुख्यालयमे बोर्ड टाँगल अछि 'यहाँ उर्दू के आवेदन स्वीकार किए जाते हं‍ै' मुदा मैथिलीमे अहाँ आवेदन नहि दए सकैत छी? एहि विडम्बनाक जड़ि अछि नेता, ई लोकनि चाहैत छथि जे जनता पिछड़ल रहए जाहिसँ हुनका सब सन मन्द वा मद्धिम बुद्धिक व्यक्तिक नेतृत्व स्वीकार्य बनल रहए आ जँ मातृभाषा शिक्षा आ प्रशासनक माध्यम भए गेल तँ अशिक्षाक संग भ्रष्टाचार सेहो समाप्त नहि तँ बहुत कम जरूर भए जाएत, एहन हमर विश्वास अछि।

10. सामान्य जन तककेँ मैथिलीक प्रति अनुरागसँ मन सन्तुष्ट भेल

उमगाँवसँ वासोपट्टी लेल २३.१०.१९९३क दुपहरमे विदा भेलहुँ ँ ं। किछु दूर बढ़ला पर श्रृंगेशजी कहलथि बैनर कतहुँ ँ खसि गेल तेँ वापस जाईत छी ताकए, अहाँ आगाँ बढ़ू। किछु देर बाद ओ साईकलसँ लौटलाह। बैनर ककरो चैक पर भेटल छलैक आ ओ अगिला बसवालाकँे देबऽ लेल प्रतीक्षारत छलथि ताकि वासोपट्टीमे हमरा सबकेँ भेटि जाए। संक्षिप्त प्रवासमे सामान्य जन तककेँ मैथिलीक प्रति एहि अनुरागसँ मन संतुष्ट भेल। श्रृंगेशजी बजलाह सौ रुपयाक नोट खसि जाईत तऽ एतेक दुःख नहि होईत कारण कतहुँ ँ बैनर टँगलासँ तुरंत बैसारक माहौल बनि जाईत छैक।

श्रृंगेशजीकेँ लौटए तक हम कलना महादेव निकट पहुंँच चुकल छलहुँ ँ ं। एकपेड़ियासँ सड़कक वामा भाग उतरलहुँ ँ ं आ किछु देरमे महादेवस्थान पर छलहुँ। कल्याणक पिछला कोनो अंकमे एहि देवस्थानक नींक विवरण छपल छलैक से श्रृंगेशजी बाजल छलाह। किछु देर मंदिरक पोखरि पर विश्राम भेल। ओत दान अभिलेख आ मंदिरक दीवार पर हिन्दीमे निर्देशादि देखि पुजारीकेँ बजौलियैन्हि आ कहलियैन्हि कि मैथिलीकेँ अहुँ ँ ं सब छोड़ए छी? ओ बजलनि अज्ञानवश इ भेल आब आगाँसँ चाहे केहनो दानी दाता कियैक नहीं होथि यदि मैथिलीमे नहि लिखबेताह तँ नामपट नहि लगतैन्हि एवं अधिक निर्देश मैथिलीमे होएत। पालन कैलथि वा नहि इ त आगाँ कहियो मालूम होएत

मुदा एक बात ध्यानमे आएल जे कई एक बेर मैथिलीक प्रबल समर्थक सेहो अज्ञानवश एहि पर ध्यान नहि दैत छथि आ कियो मैथलीविरोधी एकर फोटो खींच छपवा देत जे सूदूर ग्रामीण मिथिलामे सेहो मैथिली नहि व्यवहृत अछि।

नेपाल दिसक एक पुजारी भक्त भेटलथि जे कहलथि, एक बेर उम्हरहुँ आबी। कलनाबाबाक स्मारक आ मंदिर देखल। पीबाक शुद्ध जल हेतु चापाकल ताबत नहि छलैक आ पुजारीगणं पोखिरकेँ पानि कलनाबाबा जकाँ पीबैत छलथि जे अस्वास्थ्यक प्रमुख कारण अछि। शुद्धतम जलक अभावमे मेला-ठेला,पूजा-त्यौहारक समय जे ग्रामीण सब दूर-दराजसँ अबैत हेताह ओ अपना संगे बीमारी लए जाईत हेताह जाहिमे अनेक भगवान शिव लग सेहो पहुँ◌ँ◌ंचैत हेताह समयसँ पूर्व। जखन कि स्वयं देवाधिदेव महादेव अपन माथा पर शुद्धतम जल गंगाजल धारण करैत छथि हमरा लगैत अछि इ केवल पौराणिक विवरण नहि शुद्ध जलक महत्व सेहो प्रदर्शित करैत अछि। जटा-जूटक बीच रहि गंगाजलमे 'बैक्टिरीयोफेज' नामक वायरस रहैत छैक जे रोगक प्रदूषणक कारण बैक्टिरीयाकेँ मारि दैत छैक आ तेँ गंगाजल सालो-साल शुद्ध रहैत अछि। आ शिवजीक केश एतेक घन केना छलैन्हि से पता नहि कहिं हिमालयक शुद्धतम पर्यावरणक चलते हो। ओ जँ एहि शताब्दीमे धरती पर रहितथि तँ

हुनका केश बढ़ेबाक, बचेबाक दवाई ताकए धन्वन्तरि लग जाए पड़ितैन्हि वा सुश्रुतसँ अपन माथ पर पार्वतीकेँ केश प्रत्यारोपित करवबितथि। जल शुद्धिकरण लेल आन्दोलन चलक चाही।

विश्वामित्रक आश्रम विसौल लगहिमे आधा कोस पर छलैक मुदा राति तक कमलपुर पहुँॅंचक छल तेँ मन मसोसि कए आगाँ बढ़लहुँॅं।(जे हम ६.१०.२००८क देखि पएलहुँ।)

वासोपट्टी एक छोटा कसबा अछि। नानाविध दूकान सजल छल पूजा मेला हेतु। दर्शन कए आगाँ बढ़लहुँॅं। एक दूकान लग बैनर टाँगल गेल। कपिलेश्वर पांडे, मुखिया, धोरबँकीक अध्यक्षतामे बैसार भेल। मुखियाजीकेँ कियो जानसँ मारक धमकी दू दिन पूर्व देने छलैन्हि मुदा एहु स्थितिमे ओ हमर सबहक कार्यक्रमक महत्व बुझैत अपन सहयोगक आश्वासन देलथि। फेंट ग्रामवासी गौरीशंकर झा पत्रकार कहलथि जे ओ पदयात्राक समाचार अखबारमे पढ़ने छलथि आ ओ सहर्ष स्वयंकेँ संयोजक हेतु प्रस्तुत कएलथि।(ने हम ओ समाचार देखल ने हमरा लग ओहि समाचारक कटिंग अछि।)

गोधूलि वेलामे कमलपुर दिस बढ़लहुँ तँ आश्चर्य भेल जे एक अबोध बच्चा सड़क पर गीत गबैत छल- 'चोली के पीछे क्या है, चुनरी के पीछे क्या है।' उमगांवक पहिले आ वासोपट्टीक पहिले सेहो ई दू बच्चाक मुँहसँ सुनल छल। जाहि मिथिलामे किछुए सौ

साल पहिले बालक शंकर ‘बालोऽहम, जगदानन्दः नमे बाला सरस्वती, अपूर्णे पंचमे वर्षे वर्णयामि जगत्रयम्’ बाजल छलाह (आ इएह श्लोक हमरहुँ बच्चामे बाबूजी सबसे पहिले याद करौने छलथि) ओतय ‘चोली-चुनरी’क गीत यदि सुनलहुँ◌ँ◌ं निपट दूरस्थ देहाती सड़क पर बच्चाक मुँहसँ तँ बिनाका गीतमालाक १९९३क सर्वाधिक लोकप्रियताक एहि गीतक सत्यताक इ प्रमाण छल।

हमर चिकित्सकीय ज्ञानक अनुसार जँ कोनो पैघ संक्रामक बीमारी बच्चामे देखना आवए (जेना कुष्ठरोग जँ बच्चामे होए) तँ ओहि क्षेत्रकेँ ओहि रोगसँ अत्यन्त ग्रसित मानक चाही। अर्थात् सांस्कृतिकरूपेँ मिथिलाक भयंकर क्षय वर्तमान उपभोगवादी संस्कृतिमे भए रहल छैक आ जँ मिथिला सन रूढ़िवादी परम्परावादी क्षेत्रक इ स्थिति तँ एकर अर्थ जे सम्पूर्ण महाद्वीप वा देशक स्थिति काफी गम्भीर अछि।

कमलपुरसँ किछु पहिले एक वैष्णव भेटलथि आ ओ हमरा शम्भुबाबूक ओतय लए गेलथि। रमानाथ दत्त उर्फ शम्भुबाबू जिला किसान कांग्रेसक अध्यक्षक आ एक नीक सामाजिक कार्यकर्ता छलथि। डंकल ड्राफ्ट समेत अनेक विषय पर नीक चर्चाक बाद रात्रिविश्राम भेल। (हिनक पौत्र गिरीडीहक विद्यापति

पर्वमे २३.४.२०११क हुनक याद दियौलन्हि।)

11. केसा-केसीसँ तबाह अछि गाम

जनसम्पर्कक क्रममे चैबीस अक्तूबर १९९३क प्रातःकाल कमलपुरमे एक गोट नींक बैसार भेल। ननका नामक एक गरीब किसान (आजुक परिस्थितिमे, विशेषरूपसँ मिथिलामे सिचाइ सुविधा एवं बाढ़िसँ रक्षाक अभाव कारण रौदी एवं दाहीक जे समस्या अछि ताहिमे किसानक लेल सम्पन्नता स्वप्नक बात भए गेल अछि) कहलथि कि प्रत्येक तीन साल पर रौदी भए जाइत अछि आ माल-जालक लेल गौंत (पलार-पोआर) सेहो घटि जाइत अछि। खेत सुखलाक कारणसँ धान मछाइन महँकऽ लगैत अछि। बाँसक पातक कुट्टी-भूसाक संग माल (गाय-बड़द-महीस) खाय नहि चाहैत अछि-हरियरी भेटला पर खइतैक। गप-शपक क्रममे ज्ञात भेल कि हिनका दरबज्जा पर मात्र एकटा बड़द छैन्हि।

ओ पुनः बजलाह जे मोकदमाक चलते पूंजीनाश भेल। पूछला पर कहलथि जे ५ कट्ठा ९ धूर जमीनक झगड़ा अछि, पांच वर्षमे ५५ हजार रूपा (टाका)खर्च भए चुकल अछि। ओना तऽ ५०-६० हजार रुपा कट्ठा रोडक कातमे घराड़ीक जमीनक दाम छैक। एक दोसर व्यक्ति शंभुबाबू बजलाह जे हुनक पिता अरघवा पंचायतमे केसा-केसी पहिने कहिओ नहि होमए देलथिन्ह। आब

एक यादवजी मुखिया छथि तऽ विगत १५ सालमे १५ लाख रुपया गामसँ बाहर चलि गेल अछि।

आपसी झगड़ाक कारणसँ शहरमे विशाल एवं भव्य मकान बनैत अछि-दरोगा, वकील आ डाक्टर लोकनिक सेहो प्रैक्टिस चलैत छैक। ग्रामीण अर्थव्यवस्थाक एहि सामाजिक पहलूकेँ विवाह-श्राद्ध उपनयनक (जनऊक) अनावश्यक खर्च जकाँ बुझब अत्यन्त आवश्यक अछि। तखनहि बांचत गाम। पं.शशिनाथ ठाकुर ग्राम संयोजक नियुक्त भेलाह।

दुपहरमे मलमल गामक सूर्यकांत झाजीक ओतए पहुँँचलहुँँ। मुदा पूर्व सूचनाक बादहुँँ ओ मैथिलीक हारल-थाकल सिपाही जकाँ उदासीन बनल रहलाह। तेँ युगलकिशोर ठाकुरक संयोजकत्वमे दोसर ठाम बैसार कएल गेल। मुदा चैक बाजारमे रामप्रसाद ठाकुरक दोकानक समक्ष नींक भीड़ शीघ्रहिं जुटि गेल। दिगम्बर झाजीक भाषणसँ लोक प्रभावित छलथि। एक व्यक्ति बजलाह २०-३० साल पहिले भोगेन्द्रजी आएल छलथि तँ एहिना बिनु माइकक मीटिंग भेल छलैक। लगैत अछि, जे कल्याणकारी काज नहि भए सकल से आब होएत। रामविलास साह संयोजक नियुक्त भेलाह।

संध्याकाल कलुआही चैक पर पहुँँचलहुँँ। चैक छोट-

मोट कसबा सन लागल। गाम पैघ अछि जाहिमे कइएक टोल छैक। किछु देर धरि चैक पर बैनर टांगल रहल आ तखन हम श्रृंगेशजी एवं दिगम्बरजीक संग पूजा स्थली (ढंगा पुबारि टोल) गेलहुँ। वयोवृद्ध डा.युगेश्वर झा भेटलथि। मेलाक दृश्य छल-चुट्टी ससरए जोग जगह नहि, लोक पर लोक चढ़ल। पता लागल जे ई दुर्गास्थान बहुत पुरान अछि।

जल्दी मे जेना-तेना मीटिंगक माहौल बनि गेल। पूजाक व्यवस्थापकगण मैथिली मीटिंगकँ पर्याप्त महत्व देलथि। धीरे-धीरे करीब पाँच सैसँ ऊपर लोक जमा भए गेलथि। मैथिली आन्दोलनक विविध पक्ष प्रस्तुत कएल गेल। जनसभाक अध्यक्षता स्वयं डा. युगेश्वर झा कएलथि जे कि एक अवकाशप्राप्त शिक्षक एवं साहित्यकार छथि। युवा कार्यकर्ता मेधाकान्त झा संयोजक नियुक्त भेलाह।

एकर बाद माल टोल गेलहंँ, ओतहु पूजाक माहौल छल मुदा भिन्न। एक टोल में दू-दू ठाम पूजा आपसी सौमनस्यक अभावमे। हम अशोक कुमारझा नामक एक युवकसँ कहलियैन्हि जे वैमनस्यकेँ दूर करू बल्कि नींक होएत जे एक व्यक्ति पुस्तकालय चलाउ। ओ हमरा विचारसँ सहमत छलाह व्यक्तिगत रूपेँ, मुदा सामूहिक निर्णय समितिकेँ करवाक छलैक। दोसर पूजा गामक मुखिया जी ओतए छलैन्हि-ओ संयोगवश हमर बहिनोइक मामा छलथि। गामक एकता एवं विकासक लेल

हुनको यथायोग्य सुझाव देलियैन्हि।

वस्तुतः एहनहि विवादक कारण आइ पूजाक रूप अनेक ठाम विद्रूप भए गेल अछि। घर-घरमे होमएबला सरस्वती पूजा एकर उदाहरण थिक। कियो अपना घरमे व्यक्तिगत स्तर पर दुर्गापाठ वा सरस्वती पूजा नवरात्र किंवा बंसत पंचमी कऽ अथवा सब दिन श्रद्धापूर्वक करए से प्रशंसनीय मुदा यदि सार्वजनिकरूपेँ आनहुँ ँसँ चन्दा लए करैत छी तऽ गाम वा टोल वा मुहल्लामे एकाधिक मूर्तिक प्रतिष्ठापन ईश्वर भक्तिक अपेक्षा अपन अहमन्यता वा दंभक प्रदर्शन अछि। एहिसँ पूजा वा त्योहारक भावहिं खत्म भए जाइत अछि, मात्र प्रदर्शन बाँचल रहत आ फेर पूजाक रूप विद्रूप होइत जाएत-मिथिलहिं नहि देशभरिक ई व्यथा-कथा अछि। महाराष्ट्रक गणेशोत्सव आइ फिल्मी गीत आ विकृत अंग-संचालनक संग होइत अछिए आ अपनहुँ ओतए नचारी वा भक्तिगीतक स्थान पर फिल्मी रिकार्ड सुनल जाइत अछि।

मालटोलमे हम अशोक झाक ओतए ठहरनाइ पसन्द केलहुँ ँ ं, अपन सुभ्यस्त संबंधीक अपेक्षा आ राति भरि पूजा स्थलसँ आबएबाला ‘आल्हा-उदल’ नाटकक ध्वनि भोर धरि गूंजैत रहल। पता चलल जे समाजक निम्नवर्गीय महिलामे ई खूब लोकप्रिय अछि।यद्यपि अल्हा-उदल भोजपुरक छलथि लगैत

अछि जे मिथिलामे सल्हेस-लोरिकक कथा-नाटकक जाहिरूपेँ प्रचार हेबाक चाही से किछु अज्ञात कारणवश नहि भए पाओल। एहि अज्ञात कारणकेँ जानबाक एवं तदुपरान्त ओकरा दूर करबाक चेष्टा हेबाक चाही।

संगहि कलाकार लोकनिकेँ प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षित कलाकारक पारिश्रमिक सेहो बढ़क चाहियैन्हि। हिसाब लगौला पर ध्यान आएल जे प्रति राति प्रति कलाकार बीस-पच्चीस टाका मात्र पओताह। जँ पूजा कम स्थान पर हेतैक तऽ पारिश्रमिक सेहो बढ़तैक आ प्रदर्शन सेहो स्तरीय होएत। दुर्गापूजा तँ अपन कला प्रदर्शनकेँ निखारबाक अवसर होइत अछि। हमर गाम समौल आ बाटहिमे मातृक कोईलखमे, बुझल छल जे नाटक बड़ नींक होइत छैक यद्यपि कहियो नें तँ हमरा ई देखबाक अवसर भेल आ नहिए दुर्भाग्यवश कहिओ हम एहिमे भाग लए पएलहुँँं आ एहि प्रकारसँ जीवनक एक प्रमुख विधाक ज्ञानसँ वंचित रहि गेलहुँँं। खेल-कूदक संबंधमे सेहो अपन यैह हाल अछि। विजयदशमी तँ शस्त्र पूजनक बाद सीमोल्लंघन त्योहारक रूपमे मनाओल जाइत रहल अछि भारतक अनेक भागमे (मिथिलामे जुड़ि-शीतलमे नढ़ियाक शिकार हेतु बच्चामे अपना गामसँ बाहर लागो पोखरि-चैरी लग जेबाक परम्परा पता नहि आब जीवित अछि वा बन्द भेल)।

मुदा दोसर दिन २५.१०.१९९३क विजयदशमीक प्रातः

डोकहरक प्रसिद्ध भगवती मंदिरमे दर्शन करमौलीक यात्रा मार्गमे भेल।



ग्रामीण सुरम्य क्षेत्रमे डोकहरक अर्द्धनारीश्वर मूर्ति अत्यन्त भव्य अछि। मंदिरक गर्भगृहक प्रवेशद्वार पर एक शिलालेख लागल अछि जकर लिपि एखन धरि पढ़ल नहि गेल अछि- तिरहुताक पहिलेक अर्थात् आठम शताब्दीसँ पहिलेक ई अछि।

मधुबनी जिलाक कलुआही प्रखंडमे मधेपुर पंचायतके बहरवन बेलाहीमे पौराणिक नदी चंद्रभागाक कछेरमे विराजमान छथि राजराजेश्वरी जे दु:खहर वा डोकहरकेँ नामसँ प्रसिद्ध अछि। मिथिलाक तीर्थ राजक उपाधिसँ प्रतिष्ठित एहि स्थलकेँ आदिशक्ति आओर देवाधिदेव महादेवक क्रीड़ा स्थलकेँ नामसँ

जानल जाइत अछि। एतऽ शिव एवम् गौरी विराजमान छथि। हिनक नीचा एक दिस मार्कण्डेय तँ दोसर दिस हनुमानजी छथि। सम्मुख गहींर कुंडमे शिवलिंग स्थापित अछि। एहि स्थलक महत्ता प्रागैतिहासिक कालसँ अछि । भव्य मंदिरक निर्माण दरभंगा पति महेश ठाकुरकेँ समय कालमे कराओल गेल अछि। स्थलक प्राचीनता एहि बातसँ पता चलैत अछि जे मंदिरक मुख्य द्वारिपर लागल शिलालेखकेँ आइ धरि कोनो विद्वानसँ पढ़ब संभव नहि भऽ सकल अछि। एहि गुप्त ओ अति महत्वपूर्ण स्थलक प्राकट्य नओम शताब्दी मानल जाइत अछि।

मानल जाइत अछि जे मंगरौनी निवासी प्रसिद्ध तंत्रसिद्ध मदन उपाध्याय के सहोदर भारतीजी द्वारा चन्द्रभागा नदीमे असंख्य कमल फूलक मध्य एक कमलक नीचासँ एहि देव दुर्लभ शिवशक्तिक युगल प्रतिमाकेँ बाहर निकाल गेल छल। ईहो मानल जाइत अछि कि मंदिरकेँ सामने बाम दिस जे पीपड़क गाछ अछि ओ हुनके भतीजीक जीवित समाधि अछि।

ओना तँ एहि शक्तिपीठमे प्रतिदिन भक्तक भीड़ देखल जा सकैछ,मुदा शिवरात्रि एवम् शारदीय नवरात्रिमे एतऽ भक्तक भीषण भीड़ होइत अछि। विजया दशमीकेँ होमऽ वला विशेष पूजाक आयोजनमे बेसी संख्यामे श्रद्धालु एकत्र भऽ राजराजेश्वरीक पूजा कऽ गाजा-बाजक संग भजन कीर्तन करैत घंटा,घड़ियाल, ढ़ोल, नगाड़ाक संग नीलकंठ पक्षीक दर्शन लेल

निकलैत छथि आ जतऽ ओ पवित्र पक्षी देखा जाइत छनि ओतहि पूजन कऽ मंदिर आपस भऽ जाइ जाइत छथि। मंदिर आबि पुन: आदि शक्ति एवम् देवाधिदेवक विधिविधानसँ पूजा कएल जाइत अछि। अस्तु।

जय माँ राजराजेश्वरी!

विनय दरिहरे

२२-१०-२०२०

य दुखहर

सामनेक पोखरि कोनो पुरान धारक अवशेष बुझाइत अछि। एहि पर शोध आ पर्यटन दृष्टिसँ एकर विकास अपेक्षित अछि। दूरसँ तँ लोक प्रचार भेला पर औताह मुदा आसपासक गामक भक्त-भक्तिनक झुण्ड फुलडाली लए पूजा हेतु तऽ अबिते रहताह। हमरहंँु सौभाग्य भेल जे पवित्रतम यात्राक दिन एहि प्राचीन भगवतीमूर्तिक दर्शन भेल आ ‘मैथिली जागरण पदयात्रा’ क टांगल बैनरसँ एकर सूचना : सेहो भेटि गेलन्हि।

12. कोनो आन देशसँ नहि आएल छथि आर्य

डोकहरसँ करमौली हरियर बाधक बीचसँ बनल रास्तासँ

जाइत काल एकटा विशाल पीपरक गाछतर ठहरला पर अपन गामक ब्रह्मस्थान स्मरण भऽ आएल। सितम्बर १९९३मे राँचीमे रामकृष्ण मिशन द्वारा स्वामी विवेकानन्दक शिकागो व्याख्यान शताब्दी समारोहक क्रममे एक गोट सर्वधर्म सभा आयोजित कएल गेल छल जे सही अर्थमे सर्वसंप्रदाय सभा छल कारण धर्म तऽ प्राणिमात्रक एकहि अछि। आश्चर्यक बात जे सभामे 'आदिवासी विश्वास'क पृथक प्रतिनिधि बजाओल गेल छलाह- जैन, सिख, बौद्ध समेत।

आर्य भारतमे कोनो आन देशसँ नहि अएलाह अछि जेना कि अंग्रेज इतिहासकार लिखने छथि आ पुराऐतिहासिक शिवालिक आ सरस्वती नदीक बदलैत प्रवाहजन्य लोकक प्रवजन नदीक काते-कात भेलैक जकर उदाहरण विदेह माधवक अग्नि (वैश्वानर) लए सदानीरा (गंडकसँ पश्चिम)क पूब आएब आ जंगलकेँ जराकँए कृषियोग्य भूमि बना रहबाक प्रक्रियामे मिथिला बनल (तेँ सारण अर्थात 'स'$अरण्य, चम्पारण अर्थात चम्पा$अरण्य, पूर्णिया अर्थात पूर्ण$अरण्य अर्थात पूरा अरण्य बुझक चाही।)

डोकहर वा हमर गाम (समौल)क ब्रह्मस्थानसँ छोटानागपुर वा कतहुँ ँ आन ठामक सरनास्थल वा करमापूजा केना अलग भए सकैत अछि-नागपंचमी, गोपाष्टमी वा अक्षय नवमीकऽ

धात्रीवृक्षक नींचा खेबाक परम्परा केना भिन्न अछि? लगैत अछि रामकृष्ण मतावलम्बी विशाल हिन्दू वा सनातन धर्मसँ अपनाकेँ अलग कहेबाक अल्पसंख्यकी मानसिकताक कारणसँ एहि प्रकारक विश्वासक पृष्ठपोषण करैत छथि जखन कि स्वयं सन्त रामकृष्णक विश्वासक देवी काली डोकहर-कोइलख वा कामाख्यासँ भिन्न नहि छथि। जैन-सिख-बौद्ध समेत ई सब ओहि सनातन धर्मक अंग अछि जकर यज्ञस्थली याज्ञवल्क्य-जनकक भूमि मिथिला अछि।

दुपहरमे करमौली पहुँचला पर पूजा समितिक दिससँ स्वागत भेल आ ओतहि भोजन कएल यद्यपि हमर भैयाक एक अभिन्न मित्र के.के.झा नाम सुनितहि अएलाह। समयाभावक कारण हुनक घर हम नहि जाए सकलहुँ। आमोद झाक अध्यक्षतामे भेल बैसारमे जयचन्द्र झाकेँ ग्राम समितिक संयोजक नियुक्त कएल गेलन्हि।

खजौली जेबाक मार्गमे बाबूपाली ग्राममे सुरेन्द्र झाक अध्यक्षतामे बैसार भेल आ शुकदेव ठाकुर संयोजक नियुक्त भेलाह।

खजौली पहुँचैत राति भए गेल। पूर्वनिर्धारित कार्यक्रमक अनुसार खजौलीमे रात्रिविश्राम करवाक छल तेँ दिगम्बरजीक

संग हरदेव मुंशीक घर विश्रामक लेल पहुँँचलहुँँ। ओ बाल्यकालसँ एतहि रहैत छलथि यद्यपि हुनक पुरखा मगधक वासी छलथिन्ह। 'मगही तऽ मैथिलीक बेटी वा बोली अछि'-डा. सुनीति कुमार चटर्जीक एहि मन्तव्यसँ हम हुनका सविस्तार अवगत कराओल।

हरदेवबाबूक दरबज्जा समस्त सामाजिक कार्यकर्ता क लेल खुजल रहैत छलैन्हि। ओ खजौलीमे रहैत-रहैत मैथिल भए गेल छलथि। वस्तुतः 'मिथिलायां भवतु मैथिलः।' हमर व्यक्तिगत मान्यता अछि कि मिथिलामे चारियो-पांच वर्षसँ रहनिहार मिथिलासँ बाहरक व्यक्तिकेँ मैथिल मानक चाही। हरदेवबाबू मिथिलाक विकाससँ संबंधित हमर स्वाबलम्बी योजना पर दोसर दिन श्रृंगेशजीसँ कहलथिन्ह जे डाक्टर साहेबक बात तँ ठीक छैन्हि मुदा एहि लेल एतुक्का लोककेँ कार्यशील होमए पड़तैन्हि।

खजौलीमे विजयादशमीक भसानक लेल दुर्गा प्रतिमा देखलहुँँ तऽ अपन गामक आ फारबिसगंजक भसान स्मरण भए आएल। अपन सोचबाक परिधि बढ़ा दी तऽ समाजहिं अपन घर भए जाइत छैक तेँ एहेन लागल जे अपन गाम-घरसँ नींक दुर्गा देखलहुँँ। चूंकि जिला बैसार लेल दशमी दिन मधुबनीमे लोक अपन गाम छोडि जमा नहि होइतथि, तेँ हम अपन गामक

भसानकेँ बिसारि दू दिन आगाँ धरिक पदयात्राक कार्यक्रम बनौने छलहुँ◌ँ◌ं।

डोकहरमे दैनिक दुर्गापाठक करक निश्चयकेँ छोड़ि देने छलहुँ◌ँ◌ं जे आब मात्र नवरात्रमे पाठ करब। एहि कारणसँ दैनन्दिन कार्यमे सेहो कहियोकाल विलम्ब भए जाइत छल। ई निर्णय कठिन छल मुदा अपन व्यावसायिक (चिकित्सकीय कार्य) वा सामाजिक कार्य सेहो भगवतीक कार्य छैन्हि आ तेँ आध्यात्मिक वृत्ति जे ब्रह्ममुहुर्तमे उठि जाइ, मध्यरात्रिक बाद धरि लिखा-पढ़ी केनिहारक लेल संभव नहि तेँ २६.१०.१९९३ कऽ अन्हरौखे उठि दिगम्बरजीक संग पदयात्रा पर निकललहुँ◌ँ◌ं-राजनगर होइत मंगरौनी धरिक नमहर रास्ता पदयात्राक अन्तिम पड़ाव छल।

13. रोजगारक अभावमे पलायनक लेल विवश छथि ग्रामीण

खजौलीसँ लाइनक कातेकात चलैत लक्ष्मीपुर हाल्ट पर आबि हाथ धोलाक पश्चात् राजनगरक प्रसिद्ध मन्दिर हेतु वाम दिस उतरलहुँ। किछु देर बाद दिगम्बरजी एक गाममे चाह पीबय लेल बैसलाह। ई सहसपुरक अम्बेदकर कालोनी छल। जीविकाक लेल आन गाम जकाँ एतहुसँ लोकक पलायन भए रहल अछि।

पीताम्बर पासवान कहलथि जे एहि टोलसँ गामक बाहर ५५ पासवान, १६ढांगर, ६ रविदास एवं धुनियाँ काज करैत अछि।

रूपनारायण दास बैसारक अध्यक्षता करैत बजलाह- ‘भोजनमे चूड़ा-दही-चीनी सबमे की समान मधुरता अछि? तहिना सब गोटेक बीच की समानरूपैँ अछि मैथिलीक मधुरता?’ ई सुनि हम दंग रहि गेलहुँ आ जखन हुनका सबकैँ श्रमदानसँ सार्वजनिक कार्य करबा लेल कहलियैन्हि तऽ दासजी बजलाह ‘सामनेक डेढ़ किलोमीटर सड़क निर्माणक लेल हम स्वयं पहिले कोदारि उठेलहुँ तऽ देखैत-देखैत सड़क बनि गेल।’ रूपनारायण दास कहियो सूरज नारायण सिंहक आह्वान पर पैरे पटना चलि गेल छलथि।

एकर बाद केवान गाम पहुँचलहुँ जतए रामनारायण साहु बैसारमे संयोजक बनलाह। चिचरी कानूनगो टोलमे सुशील लाल दास एवं नागेन्द्र लाल दाससँ भेंट नहि भए सकल आ बैसारहुँ नहि भेल।

पुनः पश्चिम दिस मुड़लहुँ आ राजनगर ड्योढ़ीमे उत्तरी फाटकसँ प्रवेश कएल। विशाल मुदा उपेक्षित एक मंदिरक दर्शन कएल जतए कि आब पक्षीगणक परिवार निवास करैत अछि। फेर प्रसिद्ध नौलखा मंदिरक परिसरमे पहुँचलहुँ। पोखरिक जलक संदेहास्पद शुद्धताक विचारकँए चापाकल पर स्नान

कएल।

स्वास्थ्य स्वच्छता पर निर्भर करैत अछि मुदा सम्भवतः शिक्षाक अभाव एवं गरीबीक कारण मिथिलामे एहि पर उचित ध्यान नहि देल गेल अछि। प्रायः सब ठाम पैखाना लेल शौचालय उपलब्ध नहि भेलाक कारण बाहरहिं जाए पड़ल। प्रत्येक प्राणीक लेल भोजनक संग मलत्याग सेहो अनिवार्य होइत अछि मुदा अपन घरमे पैखाना केना बनाएब? एहि प्रवृत्तिकेँ वैज्ञानिक आलोकमे दूर केनाई आवश्यक अछि।

नौलखा मंदिर लग मैदानमे एक विवाहिता नवयुवतीकेँ माल-जाल चरबैत देखि कहलियैन्हि-'सासुरक लोक एतेक जल्दी अहाँसँ बाहरक काज करबैत छथि?' ओ बजलीह हम नैहर आएल छी। ओना हुनक सासुर सिंगियौन ओतऽसँ लगे छलैन्हि। कोनो बच्चा वा नवयुवतीकेँ माल-जाल चरेबामे कोनो आपत्ति नहि मुदा विद्यालय जेबाक उमिरमे कियो घास कियैक चरबैत छथि? उत्तर स्पष्ट अछि-आर्थिक विवशता। मिथ्या लोकप्रियताक लेल चरवाहा विद्यालय, पहलवान विद्यालय खोलनहारक कन्या रांचीक कान्वेन्टमे पढ़ैत छैन्हि, आब तऽ मेडिकल कालेजमे सेहो सत्ताक प्रभावसँ प्रविष्ट भेल छैन्हि।

गामसँ जँ लोकक पलायन अम्बेदकर कालोनी जकाँ हेतैक

तँ बाँचल बच्चा वा महिलाकेँ माल-जाल चराबहिं पड़तन्हि। जाहि राजनगर ड्योढ़ीमे कहियो प्रवेश केनाइ दुरुह रहल होएत ओतऽ पक्षीगण रहैत अछि आ माल-जाल द्वारा घासकेँ सद्गति भेटैत छैक। जे स्थान एक विशिष्ट पर्यटन स्थल भए सकैत छल ओतऽ नौलखा मंदिरमे आई कियो भूलल-भटकल भक्त आ विशाल हनुमानक मंदिरमे वृद्ध बाबा लग आशीर्वादक लेल एकाध व्यक्ति अबैत छथि। हनुमान अमर छथि-महाकाली सर्वव्यापी-कोन आवश्यक अछि हिनक मंदिरक विकासक?

राजनगर शहर दिस बढ़वाक क्रममे ड्योढ़ी परिसरमे महाविद्यालयमे किछु शिक्षक सबकेँ बैसल देखि ओत बातचीत करए गेलहुँ। एक गोष्ठी तुरन्त भए गेल। प्रो. विजयानंद झाजीक अध्यक्षतामे भेल एहि विशिष्ट गोष्ठीमे मैथिली आन्दोलनक लेल कइएक मूलभूत प्रश्न उठाओल गेल। प्रो. विजयशंकर झा संयोजक भेलथि।

हमर स्पष्ट अभिमत छल जे मैथिली संस्कृति महान सनातन हिन्दू संस्कृतिक अभिन्न अंग अछि तेँ मैथिली वा बंगला संस्कृति बाजब उचित नहि फेर एक प्राध्यापकक कथन छलन्हि जे अहाँ लोकनिक वा आन मैथिली आन्दोलनकत्र्ताक कथन जे बिना जाति भेदकँे समस्त मिथिलावासी मैथिली बजैत छथि वा मैथिल छथि संभवतः बहुसंख्यक जुटेबाक उद्योग अछि-कारण मैथिलक अर्थ अछि मैथिल रीति-रिवाज, त्योहार-सामा- चकेवा,

चैरचन्द्र, अरिपन, आदि।

हमर कथन छल जे एहि प्रश्नक उत्तर हमर पहिल कथनमे सन्निहित अछि। बहुसंख्या जुटबए लेल नहि, वास्तविक स्थितिक स्थापनाक हेतु मिथिलाक समस्त जातिक लोक मैथिल छथि, मैथिलीभाषी छथि आ नेपाली-बंगाली-तमिल-तेलगू प्रभृति समस्त भारतीय भाषा-भाषी एकहि अविच्छिन्न परिवार संस्कृतिक छथि।

एहि गंभीर वार्ताक्रमक बीच सहयात्री दिगम्बरजीकेँ सभाक सामान्य औपचारिकतासँ हटि दोसर-तेसर प्रश्नोत्तर पर मना केलियैन्हि। अंततोगत्वा हमरा एकसरे छोड़बाक आग्रह करए पड़ल आ फेर हम राजनगर शहर होइत खोढ़ि गाम पहुँचलहुँ जतए भोगेन्द्र झा संयोजक भेलथि।

मंगरौनी संध्याकाल पहुँचलहुँ तऽ पं आद्याचरण झासँ विचार-विमर्श भेल। फेर पंचायत भवनक बैसारमे रामदेव राउत संयोजक नियुक्त भेलाह। ओतऽ श्रृंगेश मिश्र हमरा खजौलीसँ तकैत पहुँचलाह आ एकादश रुद्रक दर्शन भेल-जे कि सम्पूर्ण देशमे मंगरौनीटामे अछि- एक दोसर महान तीर्थस्थली जकर पर्यटन दष्टिसँ विकास संभव अछि।

14. मिथिलाक उद्धारक लेल गामकेँ जगाएब आवश्यक

छब्बीस अक्तूबर १९९३ कऽ मधुबनी स्थित जे. एन.कालेज लग श्रृंगेशजीक घर पर रात्रि विश्रामक पश्चात सत्ताइस अक्तूबर १९९३कऽ दुपहरमे गंगासागर पोखरि पर बैसार पदयात्राक अन्तिम आ लघुतम चरण छल। एक सै सैंतीस किलोमीटरमे सैंतीस गाममे सम्पर्क भेल।

गंगासागर पोखरि पर जमा होमय लेल सब ठाम कार्यकर्ता लोकनिकेँ कहल गेल छलैन्हि आ बहुतोसँ अयबाक भरोस सेहो भेटल छल मुदा उपस्थिति कम छल यद्यपि मैथिल समाजक जे मानसिकता अछि ताकि आलोकमे एकरा अनपेक्षित नहि कहल जा सकैत अछि।

हर्षक बात ई कि बैसारमे किछु प्रमुख व्यक्ति आएल छलथि।

हमर पूज्य पिताजी एवं दू पितिऔत ज्येष्ठ भाई उदयकर ठाकुर एवं डा. उमेश ठाकुर आशीर्वाद देबऽ लेल उपस्थित छलाह। सामाजिक काज करैत हमर पिताजी ३० वर्षक अवस्थामे करीब डेढ़ वर्ष धरि कारावासमे रहल छथि जखन कि हमर पू. माताजीक कोरामे किछु मासक हमर ज्येष्ठ भाई छलथि। राज्यक पांच मेडिकल कालेज (मुजफ्फरपुर, नालन्दा, गया, धनबाद, टाटा)सँ डोनेशन बंद करएबाक मांग क्रममे १९७७मे जखन हम दरभंगा जेलमे ९ दिन छलहुँ तऽ हमर पू. भैया आबिकँए

उत्साहवर्धन केने छलथि।

उपस्थित दोसर प्रमुख व्यक्ति परसौनीक सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक रामकृष्ण झा छलथि जिनक समधि स्वतंत्रता सेनानी स्व.चक्रपाणि झा कहियो हमरा कहने छलथि जे सामाजिक कार्य देशमे अन्यत्र करैत छी तऽ अपन गाम दिशि कियैक ध्यान नहि दैत छी? चक्रपाणिझा हमर ननिया श्वसुर छलथि आ तेँ रामकृष्णबाबूक उपस्थितमे हुनक झलक भेटल।

कोइलखसँ मोहनझा 'भूदानी'क उपस्थिति स्वयं स्व. विनोबाजीक प्रतिनिधित्व सदृश्य छल जिनकासँ पदयात्रा देश भरिमे प्रसिद्ध भेल अछि।

गंगासागर पोखरिक बैसारमे ढंगाक डा.युगेश्वर झा, कमलपुर-अरघवाक पं. शशिनाथ ठाकुर, परसौनीक सरपंच शत्रुघ्न झा, दरभंगासँ 'मिथिला परिक्रमा'क प्रबंध सम्पादक अनिलजी एवं मैथिली साहित्यकार रमानाथ मिश्र 'मिहिर', किसान संघक रामपुनीत राय, दिवाकर यादव, दुर्गानन्द यादव आदि उपस्थित छलथि। गंगासागर काली मंदिरक युवा पुजारी सर्वविध सहयोग करैत कार्यकर्ता जकाँ उपस्थित छलथि।

पदयात्राक प्रतिवेदन श्रृंगेशजी प्रस्तुत कएलथि। हम अपन

सामान्य अनुभव आ भावी कार्यक्रमक रूपरेखा राखल। तीन दिनक सहयात्री दिगम्बर झा भावुकता वा उत्साहारिकमे किछु उत्तेजित छलथि। हुनक विचार छलैन्हि जे अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्क मुख्यालय मधुबनीमे हेबाक चाही संगहि कोषक सेहो समुचित व्यवस्था हेबाक चाही। ओ परिषद्क संविधानक मांग सेहो केलथि।

सभामे ई सामूहिक विचार आएल जे पहिले जिला स्तरक काज मधुबनीक गाम-गाममे संगठन बना कए हो। ग्रामीण सदस्यतासँ कोष सेहो क्रमशः गठित होएत। परिषदक संविधान तत्काल उपलब्ध नहि छल तेँ आश्वासन देल गेल कि ओ समयानुसार उपलब्ध होएत जे आब उपलब्ध अछि। ओना हमर मान्यता अछि जे काज हेबाक चाही, नियम तऽ बादहुँँँमे समयानुसार बनैत आ बदलैत अछि।

हमरा प्रति हुनक व्यक्तिगत आक्षेपक उत्तर दैत बैसारक अध्यक्ष आ जिला संयोजक रूपनारायण दास, अम्बेडकर का‍ॅलोनी, राजनगर बजलाह जे संभव अछि कियो कोनो कार्य स्वार्थवश करैत हो मुदा यदि ओहिमे कोनो परमार्थक वा सामाजिक स्वार्थक भाव सेहो हो तऽ ओकरे पर ध्यान राखब समाजक व्यापक हितमे होएत। ओ इहो बजलथि जे मैथिली आन्दोलनक प्रतिरूप 'अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्'क चिह्न माता

जानकीकेँ राखब सर्वाधिक उपयुक्त होएत।

मुख्य अतिथि अवकाशप्राप्त न्यायाधीश सच्चिदानन्द झाजीक मन्तव्य छलैन्हि जे मिथिलाक, मैथिलीक विकास हेतु पदयात्रा एक नींक कार्यक्रम अछि। एहिसँ जनसम्पर्क होएत जाहिसँ कि आंदोलनक आधार बनत।

कोनो दू ग्रामीण व्यक्ति सभाकेँ देखि आएल छलथि मुदा ई बजैत चलि गेलाह जे ई सब पढ़ल-लिखल बड़का जाति वा नोकरी वला लोक की बुझतैक आ करतैक मैथिलीक लेल। हिनका लोकनिक कथनमे कटुता आ कदाचित खेदक भाव छलैन्हि मुदा ओ बहुत किछु सत्य पर आधारित छल। वस्तुतः ओ अर्थात अनपढ़ ग्रामीण जाधरि नहि चाहताह-संगठित नहि हेताह ताधरि मिथिला-मैथिली उपेक्षितहिं रहत।

एक अप्रतिम आनन्दक अनुभूतिक संग सभासँ घुरलहुँ, किछु पत्रकार बंधु भेटलथि। अपन गामक बसमे बसैठ-चानपुराक एक सहयात्री बजलाह- ‘हमरो गाम दिशि अबितहुँ।’ गाम पर हमर कक्का ९० वर्षक वृद्ध स्वतंत्रता सेनानी मधुकर ठाकुर अति प्रसन्न भए आशीर्वाद देलथि आ पूज्या माए सेहो। दोसर दिन दरभंगामे महाकवि सुरेन्द्र झा ‘सुमनजी’सँ विमर्श भेल। काज बहुत महान अछि -मुदा ई प्रारंभ अछि। हम नेता नहि छी जे

हजारकझार लोक हमरा पांछाँ सोहरि जाएत-लोक स्वयं ठाढ़ होथि यैह इच्छा अछि।

हम अहाँक संग देबऽ लेल पैर आगाँ बढ़ा चुकल छी, अहूँ आगाँ बढ़ू। समाजक ॠण चुकायब तखनहि सफल, सार्थक होएत मिथिलाक नवनिर्माणक महान यज्ञ। कोनो समाजक उत्थानक प्रयास अंततः राष्ट्र निर्माणमे सहायक होइत अछि।

अध्याय २

चिन्ता करू, सौराठक नव प्रासंगिकता केना बनत

अस्पतालमे छुट्टीक दिन कएल काजक बदला किछु छुट्टी बाँकी छल जे समाप्त भए जाइत तैँ २१.५.१९९४क गर्मी रहितहुँ रांचीसँ बस बस पकड़ि २२.५.१९९४क दरभंगा जा अपन बहिनक गाम सकरी स्टेशनक दक्षिण कन्हौली गाम गेलहुँ। एहि बेर साइकल यात्राक मोन बनेने छलहुँ कारण पदयात्रामे एक गोटाक संग आवश्यक-कपड़ा आदि न्यूनतम सामग्री लेल। एक कार्यकर्ता कैँ दोसर पर आश्रित नहि हेबाक चाही आ देखल जाए तँ साइकल यात्रा सेहो पदयात्राक एक रूपहिं अछि आ एहिमे सम्पर्क ओतबहि समयमे अधिक स्थानक सम्भव।

भागिनक साइकिल लए चिरपरिपचित सकरीक हाटगाछी चैकसँ बह्मोŸारा चैक आ फेर दहिन सड़कसँ बाध टपि, रेलवे

लाइन टपि भवानीपुर गामक प्रसिद्ध उगना महादेव मन्दिरसँ मिथिला राज्य निर्माण लेल अपन साइकल यात्रा विधिवत् प्रारम्भ केलहुँ। ओहि ठाहाठाही रौदमे असगरे छलहुँ मुदा मनोबल ऊँच छल। 1१९९३क पद यात्राक अनुभूति संग छल आ हमरा मोनमे इ बैसल छल जे बिना मिथिला राज्य बनने मैथिलीक भविष्य सुरक्षित नहि छैक। हमर २०.९.१९९२क रांची एक्सप्रेसमे लेख छल ‘छोट राज्य विकासक लेल आवश्यक‘ मुदा प्रथम अंतराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे एहि विषयकेँ जानि-बूझिकेँ नहि उठौने छलहुँ जे पहिने एक केन्द्रीय संगठन बनए दी। एहि साइकल यात्रामे मिथिला राज्यक विषय स्पष्टतासँ ँ राखल।

भवानीपुरमे हमर बहिनक ननदि कर्पूरादाइसँ एक जमानाक बाद भेंट भेल जे हमर समवयस्क छलीह।ओतयसँ पंडौल स्टेशन जे हमर गामक निकटतम स्टेशन अछि जतएसँ होइत गंगापुर गेलहुं जत हमर पीसी रहैत छलीह। फेर ओतयसँ सरहद गाम होइत बटलोहिया आ लोहट मिल होइत रामपट््टी जेल लग एहि यात्रामे निकललहुँ या कोनो आनमे से एखन २०१२ मे सहसा याद नहि पड़ैत अछि। एक बेर कहियो अमेरिकाक इन्द्रानन्द झासँ भेंट करए हुनक जमसम गाम सेहो गेल छी जतए कवि महेन्द्र सेहो भेंटल छलाह।

सम्भव बटलोहियासँ गंगापुर वापिस आबि बाड़ागाम पारकँए

वीरसायर जामुन गाछ लग सड़क पारकँए वीरसायरककृष्णमन्दिर होइत घुसकीपट्टीक बाद बाध पारकँए अपन गाम समौलमे २२ मई १९९४कऽ रात्रिविश्राम केने होइ मुदा एकर बादक डायरी उपलब्ध अछि।

२३मई १९९४ कऽमधुबनी अएलहुँ। भोरसँ बरखा होमय लागल जे खेती लेल नींक मुदा यात्रामे भीषण गर्मीसँ त्राण भेटलाक बादहुँँं बेजाय एहि लेल लागल जे लोक बैसारमे जमा नहि भए सकताह। सैह भेल आ मधुबनी

गंगासागर काली मन्दिर पर मैथिलीकभक्त मात्र पुजारी भेटलाह।



ओतएसँ सौराठ जे मैथिल समाजमे सभागाछीक नामसँ विख्यात अछि, यथासमय पहुँचलहुँ। मुखिया नीलाम्बरजी प्रतीक्षारत छलथि। हुनक परिवारमे रातिए जनऊक बादक भोज भेल छलैन्हि।सौराठ सभामे वरक क्रमशः घटैत संख्या पर

मुखियाजी चिन्तित छलथि जे एक एहन प्रशस्त संस्था समाप्त भेल जा रहल अछि।

नींक वर तऽ अबिते नहि छथि। नींक वरक आब अर्थ होइत अछि-शिक्षित, सुन्दर आ नियोजित, सेहो एहेन पदपर जतए ऊपरी अर्थागमनक जोगाड़ हो। हुनक घर नींक होइन्हि, पिता सेहो नींक पद पर होथिन्ह। आ एहेन वर आ हुनक अभिभावककेँ खोज रहैत छैन्हि सुन्दरी, सुशिक्षिता, नियोजिता वा नियोजित हेबाक सामथ्र्यवाली कन्या संगहि हुनक पिता धनवान एवं एन-केन-प्रकारेण पाई कमौनिहार उच्च पदाधिकारी होइनिह। कन्याक बहिन एक-दूसँ बेसी नहि होइन्हि।

वरक पिता बंसी पथने रहताह आ तखनहि छिपताह जखन मोट माँछ पकड़ाइन्हि। जाहि कन्यागत पर अनुमान हेतैन्हि जे ओ नीक व्यवस्था नहि गनताह हुनका भगवइ लेल विभिन्न प्रकारक उपक्रम करताह मुदा नहि, नहि कहताह।

एहि संदर्भमे हमरा स्मरण अबैत अछि १९८६-८७मे रांचीक एक वरक पिता। हुनक बालक कोनो आन प्रान्तमे नियोजित छलथिन्ह। कन्यागत बेर-बेर जाइथि, जिज्ञासा करथि वर कहिया अओताह। वर अएलाह तऽ सूट-बूट पहिरि कन्यागतकेँ दर्शन

देलथिन्ह। कन्यागतमे एक वरक सहपाठीक पिता सेहो छलथि जिनका समक्ष ओ कहियो खाली पैर आ हाफ पैन्टमे स्कूल जाइत छलथि। फेर हुनक पिताजी बजलथि-हमर तऽ इच्छा अछि जे काज हो मुदा बालक कहैत छथि जे हुनक सर्टिफिकेट उमिर २५ वर्ष यावत नहि हैतैन्हि, बियाह नहि करताह। ओना हुनक वास्तविक उमिर २५ वर्ष जरूर भए चुकल छैन्हि। कन्यागतमे एक बजलथिन्ह कम-सँ-कम बियाह तऽ वास्तविक उमिरक आधार पर होमय दियौन्हि।

किछु दिन बाद वरक बहिनोइ कन्यागतकेँ कहलथिन्ह-“हमर ससुरकेँ अनुमान छैन्हि जे अहाँ लोकनि तिलक बेसी नहि देबैन्हि मुदा जतेक (५०-६० हजार) लेल अहाँ तैयार छी आ जे कन्याक शिक्षा (सदैव प्रथम श्रेणी करैत बी.ए. परीक्षार्थी) तेहेन योग्य कथा तऽ हुनका लग नहि छैन्हि। हमर ससुर हमरा तऽ किछु नहि देलथि मुदा बेटा लेल एखन रहुक आशामे बंसी पथने छथि। आफिससँ ‘इंडिया टूडे’ आदि किछु पत्रिका आनि घरमे टेबुल पर रखैत छथि आ जखन दोसर कन्यागतकेँ देल समय हैतैन्हि तऽ कहताह-‘एक रिसेप्शनमे जेबाक छल, अहाँ फेर कहियो आएब।“ किछु दिन बाद ओहि वरक बियाह कोनो प्रथमा वा मध्यमा उत्तीर्ण कन्यासँ कमे पाई पर भेलैन्हि। कहबिते छैक बेसी बुधियार तीन ठाम मखैत अछि।

एहेन वरागत कियैक जेताह सभागाछी आ प्रथम श्रेणीक कथा तऽ ओहिना कम होइत अछि। वर्तमान परिस्थितिमे नोकरी भेटनाइ बन्द अछि विशेषरूपेँ सरकारी। तेँ जे कहुना किरानियहुँ भए गेलथि ओ छथि बाबूसाहेब। जे नोकरी नहि करैत छथि ओ शिक्षाक सम्बन्धमे कतेक बात साँच आ कतेक फूसि बजैत छथि, के जानए। आ फेर कदाचारक नाम पर जखन गोली चलि रहल अछि, जाली डिग्री देनिहार मिथिलाक एक फर्जी विश्वविद्यालय संसदमे चर्चाक विषय बनि चुकल अछि, ओतए डिग्रीक कोन महत्व?

तकनीकी छात्र मेडिकल, इंजीनियर वा एम.बी.ए.,सी.ए.बला नोकरी यावत नहि भेटतन्हि, बियाह नहि करताह तखन कन्यागत की करथि? ओ मांग-आपूर्तिक अर्थशास्त्रीय नियममे फांसीक सजा पाओल कोनो कैदीजकाँ विधाताक घड़ी गिनैत रहैत छथि।

कन्याक पिता चाहे जेना हो, तिलक, दान-दहेज देबऽ लेल तैयार रहैत छथि, मूल झंझटि होइत अछि विवाह तय करबमे। ‘बालक एखन तैआर नहि छथि,’ हिनक वास्तविक अभिभावक पिता होइतहुँ हम नहि, बालकक भाई, पित्ती, मामा वा नाना। ताहूमे आब गाम पर नोकरीक कारणे कियो रहैत नहि अछि तेँ देशक एक कोनसँ दोसर-रेलगाड़ीक सब दिन बढ़ैत भीड़मे धक्का

खाइत रहू। ‘जूताक एड़ी खिएबाक’ कहवी बड़ पुरान भए चुकल अछि।

बेटाक बापक आसमान चढ़ल मोन आ अपराधी जकाँ कन्यागतक स्थिति मिथिला आ ब्राह्मणहिटामे नहि, दोसर समाजमे सेहो देखऽमे अबैत अछि। तेँ मैथिल समेत समस्त हिन्दू समाजकेँ आब एहि सम्बन्धमे चिन्ता करऽ पड़तैन्हि। वैवाहिक संस्थाक सरलीकरण आवश्यक, सब कियो एहि सम्बन्धमे चिन्तन करू कि सौराठ सभाक नव प्रासंगिकता केना बनत। हम मुखियाजीकेँ कहलियैन्हि जे नींक होइतय जँ वर-कन्या दूनू एतय अबितथि। आब अनेक समाज वर-वधू मिलन समारोह करैत छथि।

कहियो कन्या निरीक्षणक प्रथा नहि छलैक। मुगल शासनमे बलात् सुन्दर हिन्दू कन्यासँ निकाहक डरसँ बाल-विवाह प्रारम्भ भेल। यज्ञोपवीतक किछुए साल बाद विवाह उच्च जातिमे प्रारंभ भेलैक। 25 वर्षक ब्रह्मचर्याश्रमक बात ओहि कारी युगमे अप्रासंगिक छलैक।

निम्न जातिक लोक तऽ किछु बेसीए तबाह छलाह लुटेरा शासक वर्गसँ- निकाहक संग बलात धर्मपरिवर्तन। हिनका लोकनिमे जे बाल-विवाह प्रारंभ भेल से वस्तुतः ‘शिशु विवाह’ छल। बच्चामे हमरा सुनल अछि जे लड़िकाकेँ खरहीसँ नापि

वधूक खोजमे लोक जाइत छल, एहि क्रममे ध्यान राखल जाइत छल कि लड़िकी, लड़िकासँ किछु छोट हो। वस्तुतः जातिप्रथा सेहो एहि कारी युगमे जकड़ि गेल- पेशाक अनुसार जाति, जन्मक अनुसार हुनक सन्तानक जाति। ‘जन्मना जायते शूद्रः कर्मणा जायते द्विजः’ वला नीति वाक्य व्यवहारमे ‘जन्मना जायते जातिः’ आ ‘जन्मना जायते कर्मः’ भए गेल। ओहि समय हमर समौल ग्रामवासी धारे झा अपन खन्ती सौराठ जा हरिजन टोलमे गाड़लथि। हरिजनसब आदरसँ गाम खाली कए दूर बसलथि जे धारे झा सन महाप्रतापी, महापंडित हमर गाममे रहताह आ सभा लगौताह।

ज्ञातव्य जे महामहोमपाध्याय परमेश्वर झा रचित ‘मिथिला तत्त्वविमर्श‘क अनुसार सभा पहिने हमर ग्राम समौलमे लगैत छल आ किम्बदन्तीक अनुसार हमरहिं पैतृक गाछीमे।

विवाह पद्धतिक सरलीकरण आवश्यक

दधीचि आ अयाचीक सन्तान मैथिलकेँ ब्राह्म विवाह लेल पाइक कोन प्रयोजन? एखनहुँ ँ जनेऊक विधि-विधान क्लिष्ट अछि, मैथिल विवाहक अपेक्षा। तथापि जनेऊ तऽ बाबाधाममे

होमए लागल अछि मुदा विवाह देवमंदिरमे प्रचलित नहि भेल अछि। यदि कियो सुशिक्षित लड़िका (वर) अपन आदर्शवादितामे कहि देलक जे विवाह विंध्याचलमे हो तऽ कन्यागत संदेहमे पड़ि जएताह कि लड़िकामे कोनो ऐब तऽ नहि छैक।

फेर जनेऊक वास्तविक शिक्षा चरित्र निर्माणक बिसरल जा सकैत अछि मुदा विवाहकेँ केना बिसरल जाए? ककरो जीवनक सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्कार-विवाह क्रमशः भए गेल आ सिनेमाक नकल पर जेना गामे-गाम भरदुतियाक (भ्रातृ द्वितीया) स्थान पर राखी आबि गेल तहिना विवाह संस्कारक पूर्व जयमाल संगहि गाजा-बाजा, डांस शराब सेहो।

एहि सबहक सरलीकरणमे सौराठ सन प्रशस्त सभा महत्वपूर्ण काज कए सकैत अछि। विधि-व्यवस्थाक स्थिति खराब अवश्य अछि मुदा आब मुगलिया डर नहि। बाल-विवाह समाप्त नहि तऽ कम अवश्य भेल अछि। राजस्थानमे मुगलिया शासन किछु अधिक क्रूररूपमँे छल तेँ एखनहुँँं लाख वैधानिक बाधा आ शासनक कठोर नियंत्रणबादहुँँ अक्षय तृतीया कऽ सैकड़ो अबोध बालकक बियाह भए जाइत छैक।

कन्याक निरीक्षण आब प्राथमिकता भेल। तेँ जँ सभा वर-वधूक मिलनकेन्द्र हो, जँ कोनो संगठन लड़िकाक मूल प्रमाणपत्र वा वेतनपर्चीकेँ देखि घोषणा करए आ लड़कीक सेहो तहिना आ

फेर दूनू पक्षक लोक अपना स्तरसँ बातचीत करथि तऽ बड़ पैघ समस्याक समाधान भए जाएत। ओतए तऽ कोनो बहाना नहि- वर विवाह लेल तैयार छथि आ हुनक अभिभावक सेहो। रेलक धक्कासँ बांचब। वर-बरियाती तऽ एखनहुँँं सभामे रहैत छथि। सट्टेबाजी वा जुआ खेलक जकाँ शंका नहि रहत।

एक बात आओर अत्यन्त आवश्यक। सभा शुद्धक अन्तिम पक्षमे नहि लागए- अन्तिम पक्षसँ एक मास पूर्व लागए ताकि कियो अपना स्तरसँ वर वा कन्याक सम्बन्धमे जाँच कए सकथि। अभिप्राय ई कि ‘हड़बड़ी बियाह कनपट्टी सेनुर’ कहबी चरितार्थ नहि हो।

सुकन्याकेँ सम्मुख देखि अनेक भावी धनलोलूप श्वसुर सेहो संभवतः रीझि जाथि आ व्यवस्थाक अकड़कँे ढ़ील कए देथि। यद्यपि अहाँ जँ सम्पत्तिवान छी आ पुत्रीकेँ अपन सम्पत्तिमे विधानप्रदत्त अधिकार नहि दैत छियैक तखन हम तिलक प्रथाक विरोधी नहि एहनमे तिलक विरोधी वस्तुतः महिलाक वैध अधिकारक विरोधी छथि। बेटाकेँ नींक जकाँ पढ़ौताह आ ओकरहिं लेल अपन पेंशन, भविष्यनिधि संचित कए मरलाक बाद छोड़ताह। एक टा बेटा हेबाक आशमे बेटीक चैका-छक्का पुरौनिहार बाप, हमरा दृष्टिमे दया वा सहानुभूतिक पात्र नहि, प्रबोधनक पात्र छथि।

हम मानैत छी जे साम्प्रदायिक दृष्टिसँ जे कोनो समाज वा वर्ग जनसंख्या वृद्धिमे लागल अछि, ओकर मानसिकतामे राष्ट्रवादी परिवर्तन बिनु अनने, ओकर जनसंख्या वृद्धिकेँ बिनु नियंत्रित केने देशमे जनसंख्या विस्फोटक समाधान नहि भए सकैत अछि।

दोसर बात ई कि जँ अहाँ गाजा-बाजामे अनावश्यक पाइ खर्च करैत छी तऽ ओहिसँ नींक जे तिलक दिओक जे बेटी-जमाय अपन घर बसयबामे समर्थ होथि, कोनो व्यवसाय ठाढ़ कए सकथि। वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितिमे व्यवसाय दिस उन्मुख भेनाइ आवश्यक अछि। कियो नोकरकेँ जतेक दैत छैक ताहिसँ बेसीक काज करबैत छैक। तेँ अपनहि नोकरी व्यवसायी भए करू। तखन नोकरी करबा लेल पंजाब-बंगाल नहि जाएब गामहिंमे रहि पाएब। कृषि आधारित उद्योग आ व्यवसायक मिथिलामे अपरिमित संभावना अछि। गाममे पढ़ल-लिखल लोक रहताह तऽ गामक वातावरणमे गुणात्मक परिवर्तन होयत, ओकरा रचनात्मक दिशा भेटतैक संगहि वर वा हुनक अभिभावककेँ ताकए लेल सुदूर प्रान्त नहि जाए पड़त आ एहि प्रकारें सभागाछीकेँ फेरसँ नवजीवन भेटतैक।

सभागाछी मात्र एक जातिक नहि, सब जातिक अलग-अलग ठाम हो। सभा सौराठक अतिरिक्त सीतामढ़ीक नरहा लग आ आनहुँ ठाम पहिलहुँँं लगैत छलैक। प्रवासी मैथिल संगठन

प्रान्तशः एकर व्यवस्था कए सकैत छथि।

इहो महत्वपूर्ण अछि जे जँ कतहुँ कथा नापसन्द हो तऽ कन्यागतकेँ दौड़बिऔक नहि कन्यागतक पत्रकेँ उत्तरमे पोस्टकार्ड लिखि देलासँ ने तऽ अहाँ गरीब भए जाएब नहिए बहुत समय लागत(ओना आब मोबाइलक जमानामे पत्र के लिखत एक इ-मेल वा कॉल काफी)। कालि अहूँक बेटीक बियाह होएत से स्मरण राखी। जँ जबाब दए देबैन्हि तऽ कन्यागतकेँ बोझ किछु घटि जेतैन्हि, अहूँक जलखई-मिठाई बाँचत। स्वीकृति-अस्वीकृति अहाँक ऊपर निर्भर अछि मुदा जे उत्तर दी से साफ दू टूक हो, अस्वीकार भेलाक स्थितिमे कन्यागत दोसर ठाम शक्ति लगौताह। के जानए काल्हि वैह अहाँक संबंधी भए जाइथि कोनो दोसरसूत्रसँ।

अनेक वर्ष पूर्व हमरा लग एक मैथिल हृदयक टेªड मिल टेस्टक लेल अएलथि जे ओहि समय रांचीमे मात्र हमरहिं अस्पतालमे उपलब्ध अछि। ओ बजलाह जे अहाँसँ भेंट पहिलहुँ (प्रायः १९९१ मे) अहाँक अनुजक विवाहक क्रममे भेल छल। प्रथम भेंटमे अहांक ‘नहि’ कहब हमरा नींक लागल छल। तेँ जाहि कथामे ‘हं-नहि’ अछि ओतए भले समय लियऽ मुदा जतए ‘नहिए’ लगैत अछि चाहे कोनो बातक लेल, ओतए

'नहि' कियैक नहि कहैत छी?

तहिना लेन-देन। नहि करी-ब्राह्मण जकाँ ब्राह्म विवाह करी से आदर्श यदि दधीचि वा अयाचीक अहाँक जीवन हो। मुदा जँ लेबाक हो तऽ स्पष्टरूपेँ अपन मांग राखि दी, पूरा भेला पर-विवाह करू। मुदा नव-नव मांग नहि बढ़ौने जाऊ-सुरसाक मुँह जकाँ आ विवाहक बाद वधूकेँ प्रताड़ित कोनो स्थितिमे नहि करू।

तहिना कन्या पक्षकेँ जाहि बात पर सहमति भेलैन्हि ओहिसँ पाछांँ नहि हटथि- 'भेल बियाह मोर करबह की, धीया छोड़ि कए लेबह की' कहवीकेँ चरितार्थ करैत।

मुखिया नीलाम्बर बाबू वर-वधू मिलन केन्द्रक सम्बन्धमे सहमति देलथि। सौराठ जतए कि कहल जाइत छैक- यवन आक्रमणक समय सौराष्ट्रसँ सोमनाथक लिंग बचा कए एतए लाओल गेल, संभव जे अपन पुण्य प्रतापसँ फेर मैथिल समाजकेँ एक आदर्श बना दियै।

मुखियाजी अपन स्कूटर छोड़ि साइकिल कइएक वर्ष बाद पकड़लथि। रहिकाक रास्तामे कहलथि-'आब ने स्कूटर, फ्रिज, कलर टी.वी. छैक पहिले तऽ लड़िकाकेँ मांग रहैत छलैक साइकिल, औंठी, घड़ी, रेडियो।' साइकिल एहिमे संभवतः अधिक जरूरी साधन छलैक विशेषरूपेँ नवविवाहित लेल।

बाड़ागामसँ वीरसायरक रास्तामे फारबिसगंजमे कार्यरत एक युवक भेटल छलथि मुनहारि सांझमे अपन सासुर साइकिल पर जाइत।

दुनिया साइकिल पर आबि रहल अछि प्रदूषण कम करबाक लेल। एथेन्स शहरमे कार पर प्रतिबंध लागि चुकल अछि, ऐतिहासिक नगरीकेँ बचैबाक लेल। अमेरिकामे चोरकेँ पकड़ए लेल पुलिस चैड़ा टायरवला साइकिलक प्रयोग करैत अछि जाहिसँ सड़क जामक बीच कार पर भागैत अपराधीकेँ गलीकूचीसँ जा कतहुँ ँ पकड़नाइ संभव हो।

जखन नींक कमाएब वा प्रोमोशन भेटत तऽ अपन पाइसँ यामहा कीनि लेब। ससुर महोदयक जान जँ साइकिल पर छोड़ि दियैन्हि तऽ ई अहुँक लेल नींक। जँ साइकिल चला कए सासुर जाए तऽ ओतए भेटल गरिष्ठ भोजन बिनु कोनो उपक्रमकेँ स्वतः पचि जाएत अन्यथा अपच लए घूरए पड़त।

दमगर औंठी-घड़ी लेब तऽ विधि व्यवस्थाक वर्तमान स्थितिमे सांझक बाद कतहुँ ँ छिना सकैत अछि। टी.वी.देखएमे नींक मुदा रेडिया सुनैत अहाँ दोसरो काज कए सकैत छी। समयसँ मूल्यवान और किछु नहि।

विदाई अहाँकेँ वा अहाँक पत्नीकेँ भेटक अवश्य चाही, मुदा

अहाँ एहि लेल व्यग्र नहि होइ। मौहकमे खीर खाइक पूर्व अपन पितासँ बाँचल वस्तुक सूची कियैक सासुकेँ देबैन्हि? सासुरक क्षीरसागरमे 'अमृतं क्षीर भोजनम्' भेटिए रहल अछि ताहूमे एहेन चीज लक्ष्मी जिनका रेडियो-औंठी जकाँ ंकियो चोराओत नहि की, अपन सासुकेँ अपना हाथेँ एक चम्मच खीर खुएबाक बात कहि पुलकित नहि कए सकैत छियैन्हि?

हुनक जे सामथ्र्य होतन्हि वा अहाँक जे आवश्यकता होएत, से पूरा करबे करतीह, मांगिकेँ अपनाकेँ छोट किऐक करैत छी?

ओना तँ जहिआ वर स्वयं विवाहक बात करताह, वर-कन्या आपसमे अपन जीवनक दिशा वा लक्ष्य पर सहमत होएताह आ विवाह करताह, तखनहि दहेजक विषम स्थिति समाप्त होएत। एहि लेल वरमे आत्मविश्वास चाही आ कन्याकेँ उचित शिक्षा एवं संस्कार। माता सीता स्वयंवर कएने छलथि। ऋग्वेदमे कहल गेल अछि जे २४ वर्षक कन्या अपनासँ द्विगुण सामथ्र्य, शिक्षा आ वयबालाक स्वयंवर करथि। आब ४४ वा ४८ वर्षमे विवाह हो से विवादास्पद। मुदा २४ वर्षक कन्या स्वयंवरा भए सकैत छथि, कम उमिरक नहि आश्चर्य जे अपना देशमे मतदाताक उमिर १८ वर्ष अछि आ वर-कन्याक विवाहक २१ एवं १८ वर्ष।

सार्वजनिक, प्रजातांत्रिक व्यवस्थाकमे समाजक वातावरण एहन अछि जे १८ वर्षमे केओ जनप्रतिनिधि चुनि सकैत अछि तँ

वर वा कन्याक चुनाव किएक नहि? एहि लेल सेहो आवश्यक जे वर-कन्याकेँ एहि सम्बन्धमे प्रशिक्षण देल जाए, जीवन जीबए लेल व्यक्ति (लड़िका-लड़िकी)मे प्रारम्भिक अवस्थामे न्यूनतम कोन-कोन गुण अपेक्षित अछि। सामाजिक परिवेशसँ सेहो आदमीकेँ बहुत किछु शिक्षा भेटैत छैक तेँ परिवेशकेँ स्वस्थ एवं शिक्षाप्रद बनएबाक चाही।

रहिकामे चुनुचन बाबूक घरसँ कोइलखक बरियाती भोरे विदा भए गेल छल। पता चलल जे कोइलख ग्रामवासी एक प्रशंसनीय निर्णय कएलथि जे बरियातीमे ओ रातिए भरि कतहु रहताह आ अपनहु गाममे रातिए भरि बरियाती रखताह। इहो भेल वैवाहिक संस्थाक सरलीकरणक एक प्रयास। मिथिलाक सोति समाजमे विवाहक बाद तत्काल बरिआती प्रस्थान कए जाइत छथि। बरिआतीकेँ अनोन तरकारी परसल जाइत अछि। खएनिहार स्वयं नोन मिला खाइत छथि। एहि कारणेँ बरिआतीक लेल माछ वा मांसक पटल नहि होइछ। सरलीकरणक ई आदर्श व्यवस्था भेल।

ब्राह्मण समाजमे कहिओ बरियातीमे ७, ९, ११, २१, ३१ क संख्या मर्यादित मानल जाइत छल। मुदा आब एहि लेल एक बसक सवारी सेहो कम भए जाइत अछि। पुरान घर खसए, एहिमे हमरा आपत्ति नहि, मुदा पुरानक नाम पर सबहक त्याग

उचित नहि। हमरा जनैत बरियातीक दृष्टिसँ पुरानहि पद्धतिक अनुसरण नीक। तखनहि बरियातीकेँ प्रतिष्ठा भेटतन्हि अन्यथा 'वरयात्री' वस्तुतः 'बसयात्री' भए जाइत छथि आ मिथिलाक बस तँ बुझले अछि उपर-नीचाँ लदल मनुख, वस्तुक बोरा जकाँ। गर्मी लागल तँ 'बालकोनी'मे बस वा रेल पर। तेँ बरियाती सीमित हो। ध्यान राखी जे कन्यागत अहाँक सम्बन्धी भेलथि तेँ हुनक अप्रतिष्ठा अहाँक अप्रतिष्ठा भेल। विवाहक विधान अवश्य पूरा होएबाक चाही। मैथिलक विवाह देखक लालसा अन्य प्रान्तक लोककेँ रहैत छन्हि। जतए धरि सम्भव हो, वैवाहिक कार्य अपन गामहिमे करबाक चेष्टा करी। सम्भव अछि जे एहिमे किछु असुविधा हा,े मुदा अपन समाजक संग मिललासँ जे आनन्द भेटत, से अन्यत्र दुर्लभ रहत।

विवाहक कार्ड अङरेजी-हिन्दीमे छपाएब फैशन भए गेल अछि। मैथिलीमे लिखलासँ जेना कि छोट भए जाएब। विवाह कार्ड आदिमे मातृभाषाकेँ छोड़ब वा अपन परम्परागत विधान संस्कारकेँ छोड़ब स्पष्टतः कृतघ्नता कृतघ्नता अछि, क्लीवता सेहो। घोर मुगल-ब्रिटिश शासन कालमे हमर पुरखा अपन धरोहरिक रूपमे जाहि संस्कृतिकेँ बचाकँए हमरा सबकेँ देलथि, तकरा हम पश्चिमी उपभोक्तावादी संस्कृतिक मृगतृष्णामे जँ बिसारि दी तऽ ई कालान्तरमे हमरा लोकनिक स्वयंकर विनाशक कारण बनत। मैथिल सन्तान अपनाकेँ चीन्हथि, ओ के छथि?

ओएह छथि सीता, याज्ञवल्क्य आ अहिल्या।

सामाजिक ऋण चुकेबाक चिन्ता आवश्यक

सतलखामे विजयनाथ झा भेटलाह। ओ आब दिल्लीमे नोकरीक लेल जएबाक इच्छुक छथि। ग्राममे रहनिहार युवक एहि बातसँ खिन्न छथि जे जँ ओ कृषिकार्य कएलथि तखनहु संयुक्त परिवारमे बाहर नोकरी कएनिहार दिआदकेँ हुनका फसिलमे हिस्सा बाँटिकेँ देबए पड़ैत छन्हि, भनहि पूरहुँसँ हुनक चूल्हि सब दिन नहि जरैन्हि। सम्भवतः इएह कारण अछि जे लोकक मोन क्रमशः टूटि जाइत छैक पुश्तैनी खेतीसँ। खेतमे लाल झंडी गड़ि जाओ, से मंजूर मुदा लोक अपन संम्बन्धीकेँ जमीन निश्चिन्ततासँ जोतए नहि देताह।

अरेड़ विद्यालय पहुँचलहुँ तँ कर्मचारी झाजी चिन्हि गेलाह, हम अक्टूबर १९९३ मे पदयात्रा क्रममे ओतए गेल छलहुँ। विद्यालय बन्द छल, आगाँ बढ़ि गेलहुँ। धकजरी चैकपर संक्षिप्त बैसार भेल। नरेन्द्र कुमार झा संयोजक बनलाह। हनुमानगढ़ी चैक पर सम्पर्क करबाक विचार देलन्हि। समयाभाव छल, तथापि आमतए पर्चा दैत जरैल ग्राम पहुँचलहुँ।

जरैलमे हमर पितिऔत बहिनि बसैत छथि। करीब २०-२५ वर्ष बाद भेंट भेल। हुनक दिओर हमरा संगे बेनीपट्टी अएलाह।

एतहु अरेड़ जकाँ विद्यालय पर केओ नहि छलाह। यद्यपि लगपासक ग्राम संयोजककेँ पत्र गेल छलन्हि।

मुनहारि साँझ भए गेल छल। तखनहि शिक्षक सरयुग झा अएलाह। हुनका एवं प्रधानाचार्य गंगानाथ झाकेँ पत्रक भेटल छलन्हि। हमर आगमनपर ओ सब प्रसन्नता व्यक्त कएलाह। किछुए कालमे लोक सभ जमा होअए लगलाह। मिथिला आ मैथिलीक चर्चा भेल। प्रधानाचार्य महोदयक कथन छलन्हि, आक्रान्ता राजनीतिक हो वा सांस्कृतिक अपन प्रभुत्व जमाबए लेल, सर्वप्रथम भाषा छीनैत अछि, अपन भाषा लादि दैत अछि। ते ँ एहि षड्यन्त्रकेँ बूझब आवश्यक छैक।

२३मई १९९४ कऽबेनीपट्टीमे भेल बैसारमे शिक्षक सरयुगबाबू बेनीपट्टी प्रखण्डक संयोजक भेलथि आ आश्वासन देलन्हि जे अगिला बेर अएला पर सब ठामक प्रतिनिधि उपस्थित रहताह। हुनका लोकनिक प्रबल आग्रह पर हमरा रात्रिविश्राम ओतहि करए पड़ल। वस्तुतःजखन हम ओतए छात्रावासमे किछु बाल छात्र लोकनिकेँ देखलिअन्हि तँ हमरा भेल जे भारतमाताक बौद्धिक दृष्टिसँ एहि उर्वर क्षेत्रमे ई भविष्य सभ जतए रहि रहल छथि, ओतए अवश्य ठहरी। देशक बहुतहँ ु मेडिकल छात्रावासमे विश्रामक आ किछु जनतब प्राप्त करबाक हमरा अनुभव अवश्य छल, मुदा विद्यालयक छात्रावासमे हम कहिओ विश्राम नहि कएने छलहुँ ँ ं। तेँ हम अपन बहिनिक सासुर (जगति) जाएब छोड़ि

शिक्षक-छात्र लोकनिक अतिथि बनब उचित बुझलहुँ ँ।

गर्मीक रातिमे इजोरिया आ विद्यालयक पैघ प्रांगण खूब नीक लागल। जिज्ञासा कएला पर ज्ञात भेल जे ओहि विद्यालयक अनेक छात्र आइ देशक अनेक प्रतिष्ठित संस्थानमे उच्च पद पर आसीन छथि। भाभा परमाणु केन्द्र, दिल्ली कार्यशालाक शीर्ष वैज्ञानिक दिनेशचन्द्र झा, शिवानन्द झा, काशीनाथ झा, मुक्तिनाथ झाक अतिरिक्त अनेक नाम कहल गेल। ओहि सत्रक युगेश्वर झा ओहि समय(१९९४मे) एहि क्षेत्रक विधायक सेहो छलाह।

हम पुछलिअन्हि जे गरीब छात्रक लेल की व्यवस्था अछि? सरयुग बाबू कहलन्हि जे जखन छात्रावासमे बेसी छात्र रहैत छथि तखन तँ हमरा लोकनि एक-टूटा छात्रकेँ बिना शुल्कक ‘एडजस्ट’ कए लैत छिअन्हि। कहिओ गेस्ट चार्जमे अनेक एहन गरीब छात्र पढ़ल-बढ़ल छथि। ओहि समय सेहो एक विकलांग, मुदा मेधावी छात्रकेँ छात्रावासमे ओहिना राखल गेल छलन्हि।

वस्तुतः एहि प्रकारक उदार व्यवस्था ग्रामीण अंचलमे विशेषरूपेँ अत्यावश्यक। संगहि जे छात्र समाजक एहि प्रकारक उदार व्यवस्थाक बलसँ जीवनमे आगाँ पढ़ैत किछु बनि जाइत छथि, हुनकरहँु दायित्व बनैत छन्हि जे ओ अपन सामाजिक

ऋणसँ उत्रऋण होथि।

हम जहिआ दरभंगा मेडिकल कालेजमे स्नातकोत्तरक छात्र छलहुँॅॅं, स्वयं हमरा ओतुक्का शिक्षक खर्च दए पढ़ौने छथि। अपन शिक्षकसँ मंगवामे जतेक संकोच भेल छल ताहिसँ अधिक घुरैबाक विचारसँ संकोच भेल। तैँ हम एहि सामाजिक ऋणकेँ उतारबाक लेल मणिपुरक एक छात्रक एम.डी. प्रवेश धरिक पूरा खर्च वर्ष भरि एवं दू अन्य (मिथिला एवं झारखंडक) छात्रक मासिक रूपैँ किछु मददि अपन नोकरी भेटला पर केलिअन्हि। एखनहुँॅॅं हमरा लगैत अछि जे ओहि ऋणसँ हम उत्रऋण नहि भए सकैत छी आ तैँ सामाजिक कार्य एकर एक स्वरूप थिक।

हम बुझैत छी जे हमरा सन अनेक व्यक्ति एहन होएताह। कोनो विद्यालयक पूर्ववर्ती छात्र लोकनिक ई कत्र्तव्य छन्हि जे ओ कहिओ काल समय निकालि अपन विद्यालयमे जाथि आ छात्र लोकनिसँ बात करथि, किछु आर्थिक मददि वा छात्रवृत्ति प्रारम्भ करथि। कोनो विद्यालयक पूंजी ओकर पूर्ववर्ती छात्र आ लगपासक समाज होइत छथि।

हम आचार्यजीकेँ विचार देलिअन्हि जे ओ एक पूर्ववत्र्ती छात्र समारोह करथि, ओतए एहन प्रस्ताव स्वतः आबि जाएत।

ज्ञात भेल जे पुरान छात्रावास सरकारी अनुदानसँ नव बनि गेल आ प्रांगणमे एकटा मंच सेहो बनल जाहिमे किछु व्यक्ति

मददि कएलथिन्ह। मुदा एखनहुँ नीक प्रयोगशाला आ पुस्तकालयक अभाव अछि। ई कार्यक्रम (पूर्ववर्ती छात्र समारोह) मात्रा बेनीपट्टीक लेल नहि, समस्त विद्यालयक लेल अपेक्षित अछि।

२४मई १९९४ कँ भोरे अपन सहपाठीक परिजनसँ बेहटामे भेंट करैत जगति पहुँचलहुँ। बहिनिसँ भेंट नहि भए सकल, ओ उच्चैठ भगवती पूजनक लेल गेल छलीह आ हमरा बसैठ आठ बजे ध्रि पहुँँँचबाक छल। मुदा मुम्बइमे कार्यरत एक मैथिलीसेवी भेटलाह आ कोटामे कार्यरत एक दोसर व्यक्ति, जे हमरा चीन्हि गेलाह। शुद्धक समय बाहरसँ लोक गाम अनायास अबैत छथि। मुदा ओ सब गाम पर किछु जागरणक काज करथि, एहि लेल सम्भवतः हुनका सेहो प्रशिक्षण भेटब आवश्यक अछि। ओना अपन काज आ जमीन आदिक झगड़ा मात्रमे बाझल रहि जाइत छथि।

शिक्षित शहरी लोकक प्रपंच अछि जातिवाद

भागलपुरमे कार्यरत चानपुरा निवासी एक शिक्षक अप्रैलमे राँचीमे भेटल छलथि। ओ कहने छलाह जे बसैठ चैक पर २४मई १९९४ के ँ ओ प्रातः ८ बजे भेटताह आ आगाँक कार्यक्रम बनत। मुदा, जखन हम पालीक एक चैक पर सम्पर्क करैत बसैठ

चैक पहुँँँचलहुँँँ तँ हुनक कतहु अतापता नहि छल। सम्पर्क कएला पर चानपुरा जएबाक परामर्श लोक देलन्हि। चानपुरा गेला पर ज्ञात भेल जे ने ओ गाम अएलाह अछि, ने कोनो सूचना देलन्हि अछि। अन्ततोगत्वा हम सोचलहुँँँँ जे किछुओ तँ सम्पर्क करी आ एहि क्रममे अवकाशप्राप्त शिक्षकभवनाथ चैधरीसँ भेंट भेल।

बसैठ-चानपुरा क्षेत्रक प्रशस्त गाम अछि। एहि गामक अनेक व्यक्ति उच्च पद पर देशभरिमे छथि। अक्तूबर १९९३मे पदयात्रा समाप्तिक बाद घुरैत काल दिल्लीमे कार्यरत एहि गामक एक व्यक्ति बसमे भेटल छलाह। हुनक आग्रह छलन्हि जे हुनक गाम हम कहिओ जनसम्पर्कक लेल आबी। गाम जएबाक दोसर कारण छल ओतुक्का विवादास्पद रिंग बान्हक सम्बन्धमे प्राथमिक जानकारी प्राप्त करब।

चैधरीजी बजलाह जे स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारीजीक कारण बनल एहि बान्हसँ गामक रक्षा अवश्य भेल अछि मुदा ई यत्रतत्र क्षतिग्रस्त भए गेल अछि जकर मरम्मति एहि गामक प्रथम सामाजिक कार्य थिकैक। एहि कार्यक लेल ओ प्रयत्नशील सेहो छथि। हम कहलिअन्हि जे इएह कार्य पूरा करी, एकरे एखन मैथिलीक कार्यक्रम बुझी, कारण क्षतिग्रस्त बान्हक कारणेँ नेपालसँ आएल बाढ़िक पानिक पलाड़ आगाँक कतेको गामकेँ सेहो तबाह करैत होएत।

जखन हम कहलिअन्हि जे धीरेन्द्र ब्रह्मचारी हमर मामा लगताह (हमर बड़का कक्काक विवाह हुनकहिं परिवारमे) तँ चैधरीजी बजलाह जे ‘हँ, हमरहि परिवारमे।’ एकर पश्चात ओ घर-परिवारक कुशल-क्षेम पूछय लगलाह। हमरा ई एकगोट विचित्र संयोग लागल। मुदा, आगाँक बैसारमे विलम्ब भए रहल छल, तेँ बिनु भोजन कएनहि आगाँ बढ़ि गेलहुँ◌ँ◌ँ◌ं।

धीरेन्द्र ब्रह्मचारी आब नहि छथि। भनहि हुनक जीवन विवादास्पद रहल हो मुदा सत्ताशीर्ष धरि हुनक पहुँ◌ँ◌ंच हुनक आन्तरिक योग्यताक निदर्शन करैत अछि। संन्यासीकेँ अपन माता-पिता, गाम-घरसँ कोनो मतलब नहि रहि जाइत छैक तथापि शैशव कालमे देखल अपन गामक बाढ़ि आ लोकक दुर्दशा गामसँ दूर रहितहुँ हुनका स्मरण छलन्हि, सम्भवतः तेँ रिंग बान्हक बात मोनमे उठलन्हि।

हमर पूज्या काकीक भाए धीर आ वीर जिनका उपनयनक भीखमे ओ पाँच टाका देने छलथिन्ह, ओ धीर औपचारिक शिक्षा नहिओ प्राप्त करैत देश-विदेशमे चर्चित भेलथि; अरबहुँक सम्पत्ति अर्जित कएलथि आ मरलाक बाद राष्ट्रिय समाचारपत्रक मुख्य पंक्ति बनि गेलाह। मुदा, प्रश्न अछि जे ओ गामक कइएक व्यक्तिकेँ जन्म दए, हुनका पढ़ा-लिखा आगाँ बढ़ाकेँविशिष्ट व्यक्तिक पंक्तिमे अनलन्हि मुदा आधुनिक सुविधाक दृष्टिसँ गाम

विकसित किएक नहि भेल? ब्रह्मचारीजी तँ संन्यासक नियम तोड़िअहुँकँए गामक लेल किछु तँ कएलन्हि, मुदा जे सालमे कइएक बेर गाम जाइत छथि, ओतुक्का अन्न-जल ग्रहण करैत छथि, ओ किएक नहि किछु-सोचैत छथि?

बसैठ होइत पाली-रजौन चैक पर डा. वैद्यनाथ झाक लग पहुँँँचलहुँँँ। हुनका 'मैथिली संज्ञा' नामक कलकत्तासँ नवप्रकाशित पत्रिका पढ़ैत देखि लागल जे ओ मैथिलीरक्षक चेतनाक व्यक्ति छथि। बहुत देर धरि हुनकासँ विविध प्रसंगमे गप्प होइत रहल। ओ रामशिला पूजनक समयपूर्ण उत्साहक संग सक्रिय छलाह। जखन मेघौन गामक एक सम्प्रदायक लोक निर्धारित मुख्यमार्गसँ शिलाकेँ घुमयसँ रोकलथिन्ह तँ आन सब गामक शिला घुरलाक बाद रास्ताजामक अभूतपूर्व दृश्य उपस्थित भए गेल छल। अन्ततोगत्वा पुलिस फोर्स आएल। तखनहि ओ शिला घुरि सकल आ सड़कक जाम समाप्त भेल।

डा.झाक तर्क छलन्हि जे जखन सड़क पर चलक हमर मौलिक अधिकारक हत्याक केओ प्रयास करत तँ हमहूँ ककरो किएक अपन गामक सड़क पर चलए देबैक? वस्तुतः जावत ई समझदारी विविध सम्प्रदायक बीच नहि आओत तावत दंगा-फसाद होइत रहत। स्वयं पं. नेहरू अपन रामकहानीमे आश्चर्य व्यक्त कएने छथि जे कोनो मस्जिदक सामनेसँ गाजा-बाजाक

संग भगवानक प्रतिमा जँ जाइत छन्हि तँ मुस्लिम समाजकेँ आपत्ति होइत छैक आ एहि क्रममे तनाव उत्पन्न भेला पर दंगा भए जाइत अछि।

जुलूस मुहर्रमक हो, ताजियाक संग हो वा रामनवमीक झंडा। कोनो सार्वजनिक सड़क पर कोनो जुलूस निर्बाध किएक नहि जाएत? हिन्दू वा मुसलमान-कोनो पक्षकेँ कोनो सम्प्रदायक धार्मिक जुलूस पर आपत्ति होन्हि तँ ओ अपन मंदिर वा मस्जिदकेँ सड़कसँ दूर हटा लेथि आ ओकर आगाँ-पाछाँ अपन व्यक्तिगत जमीनमे दानक रूपमे पैघ राखथि ताकि हुनक पूजा वा अजानमे विघ्न नहि होन्हि। प्रशासन चाहए तँ ओ सेहो निष्पक्ष भए समस्याक समाधान कए सकैत अछि। मुदा खेदजनक स्थिति ई अछि कि अनेक बेर पक्षपातकँए दू सम्प्रदायक बीच झगड़ा लगा दैत अछि आ एहि प्रकारेँजनताकँन बीच वैमनस्य उत्पन्नकँए किछु लोक खासकँए राजनीतिक तŸव अपन स्वार्थ साधैत अछि।

डा. झा बजलाह जे ओ लगपासक क्षेत्रमे मैथिलकी कार्यक संयोजन करताह।

रजौन चैकसँ आगाँ एकटा छोट हरिजन टोलीमे चापाकल देखि प्रसन्नता भेल। गामक बीमारीक आधा कारण होइत अछि

अशुद्ध पेयजल। रौद प्रचण्ड छल। तरियानी गामक भीतर शिवमन्दिर लग लीची गाछक नीचंाँ विनीतजीक पितिऔत भेटलाह।

लीचीक रक्षाक सग रौदसँ बचाओ आवश्यक छल, मुदा जतेकक लीची होइतए ओहिसँ अधिक रखबारीक खर्च जँ जोड़ल जाए। मुदा गाममे आदमी बेरोजगार अछि, ओकर समय किछु एहिना कटैत अछि।

किछु काल ओतहि रहलहुँँं। फेर विनीतजीक बालक अखिलेश अएलाह तँ हुनक घर पर गेलहुँँं। माताजी भोजन करौलन्हि। ककरो खैक देबाक छलैन्हि। ई परम्परा नववधूक आगमन पर गाम-परिवारक हर घरक दिससँ स्वागतमे देल भोजक परम्परा एक अर्थमे नीक जे बेराबेरी होएबाक कारणेँ एक-एक दिनक प्रीतिभोजक आनन्द बहुत दिन चलैत रहैत अछि। खैकक चलते भोजन तैआर छल।

२४ मई १९९४ केँ संध्यामे जगवन आ रात्रिविश्राम ढ़रिया निश्चित छल। मुदा विगत तीन दिनमे जे नियत बैसारक अभाव देखना गेल तँ रौदसँ थाकल अवस्थामे विनीतजीक घरहिं पर रात्रिविश्रामक निश्चय कएलहुँ।

मुदा सन्ध्यामे रहल नहि गेल आ समयक सदुपयोगक लेल अखिलेशजी एवं हुनक युवा पित्ती मनोजजीक संग बगलक गाम

मस्सा-मिर्जापुर टहलैत चलि गेलहुँ। ओतुक्का मुखिया जयनन्दन महतो एक कर्मठ एवं इमनदार व्यक्तिक रूपमे प्रसिद्ध छथि। हुनक दरबज्जा पर नीक बैसार भेल। ओ अपन गामक संयोजक बनलाह।

जयनन्दन महतोसँ बात करैत हमरा इहो अनुभव भेल जे जातिवाद वस्तुतः शहरी पढ़ल-लिखल लोकक प्रपंच अछि आ तथाकथित पिछड़ल वर्गक हृदयमे उच्च जातिक लोकक लेल स्नेहपूर्ण सम्मान छैक।

पुस्तकालय आन्दोलन: आजुक आवश्यकता

मस्सा-मिर्जापुरसँ घुरलाक बाद संध्यामे जखन विनीतजीक ओहिठाम अएलहुँ आ हमरा देखितहि हुनक पूज्य माताजी हमरासँ क्षमा मांगैत प्रणाम करबाक लेल निहुरलीह तँ हम हतप्रभ भए पाछांँ हटि गेलहुँँं। पुछलिअन्हि, अहाँ एतेक वृद्ध भए एना किऐक करैत छी? ओ कहलन्हि, अहाँ ‘तिरहुतिया’ छी, से नहि बुझल छल।

हमरा लगैत अछि जे आजुक अधिकंाश मैथिल ब्राह्मण एहि सम्मानक अधिकारी नहि छथि। कहिओ ‘तिरहुतिया’ अर्थात त्रिहोत्र यज्ञ करौनिहार हमरा सबहक पुरखा रहल होएताह आ

हुनका ई सम्मान अन्तःस्फूर्त प्रेरणासँ समाजक आन वर्ग तहिना दैत छलन्हि जेना कोनो संन्यासीकेँ हुनक बिनु वयस वा जन्मक कुलकेँ देखने।

एहने अनुभूति भेल मस्साक मुखिया जयनन्दन महतोजीक गप्पसँ। ओ स्वयं स्नातक आ विचारवान छथि। मिथिला-मैथिलीक समस्त कार्यकर्ताकेँ अपन जाति-भेद वा अहंकारकेँ छोड़ि गामक स्तर पर काज करवामे स्वयंकेँ लगेबाक चाहिअन्हि। बेर-विपत्तिमे गामहिं-घरक आदमी, जातीय भिन्नताक बादहँु एक दोसरक सहयोग कए सकैत छथि, करबाक चाहिअन्हि।

जिनकर एहन धारणा छन्हि जे कोनो समिति वा संगठनक पदधारीमे कतेक कोन जातिक लोक छथि आ ताहि आधार पर निष्कर्ष निकालथि जे ओ संगठन जातिवाद करैत अछि, भ्रामक धारणा अछि। कोनो संगठनक प्रति धारणा ओकर सिद्धान्त वा नीतिक आधार पर बनाएब उचित होएत।

समस्त मैथिलीसेवी संगठनकंॅ एहि बात पर सहमत होएबाक चाहिअन्हि जे भनहि हुनक संगठनमे शत प्रतिशत पदधारी वा अधिकांश सदस्य कोनो जाति विशेषक होथि, मुदा संगठनक बैसार वा व्यवहारमे ककरो प्रति मात्र एहि लेल दुर्भाव नहि राखल जाए जे ओ अमुक जातिक छथि। लालू प्रसाद यादवक विरोध हुनक दुर्नीतिक लेल होन्हि, एहि लेल नहि जे ओ

यादव छथि। बिहार मंत्रिमंडलमे महावीर प्रसाद यादव मैथिलीक समर्थक छथि आ माता मैथिलीक सम्मान संवर्द्धनमे स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुरक योगदान डा.जगन्नाथ मिश्रक अपेक्षा लाख गुणा अधिक अछि। दोसर बात ई कि कृषि सम्बन्धी पद्यात्मक नीति निर्धारक 'डाक'क सम्बन्धमे कहल जाइत अछि कि ओ जातिसँ गुवार छलाह। हुनक नीति सम्बन्धी काव्य पंक्ति मैथिली साहित्यक अमूल्य निधि अछि।

मस्सा-मिर्जापुर एक पैघ पंचायत अछि जकर एक गामक नाम अछि मस्सा मिर्जापुर मुदा ओतए मुसलमानक संख्या नगण्य अछि विशेषरूपेँ मिर्जापुरमे एको घर मुसलमानक नहि अछि। हम सुझाओ देलिअन्हि जे जखन अहमदाबादक नाम कर्णावती भए सकैत अछि तँ अहुँ लोकनि विचारिकँए गामक नाम बदलि लिअ। 'जय माता दी' क कैसेट बाजि रहल छल जे सुनि हम कहलिअन्हि नामकरण मातापुर कए लिअ। मिर्जापुरमे भगवतीस्थान सेहो अछि ताहू दृष्टिसँ ई नाम उपयुक्त रहत।

दलानसँ बहार निकलहुँँं तँ पैघ गनगुआरि साप गाछक नीचाँ ससरैत देखयमे आएल। हमरा सबहक बैसारक लेल एकरा शुभ मानल गेल। एक पंडितजी सामनेक पोखरिमे हाथ मुँह धोइत रहथि, कहलन्हि जे ई नेपाली सांप अछि, बाढ़िमे आबि

गेल अछि। भारतीय वा नेपाली मिथिलाक कृत्रिम पायासँ बनाओल सीमारेखा सांप वा मालजाल थोड़े बुझैत अछि?

रात्रिविश्राम तरियानीमे भेल। झमाझम वर्षा राति भरि होइत रहल।

२५ मई १९९४कैं प्रातः कादोसँ भरल एकपरियासँ ढ़रियाक रास्ता पकड़लहुँ। बीच बीचमे खरओ छल। ढ़रिया पहुँचतहिं स्वागत भेल। ओतए रातिमे पैघ बैसारक आयोजन छल। कहल गेल जे करीब दू-अढ़ाइ सए व्यक्ति जमा छलाह। ओ सब जगवन जाकैं सेहो हमर बाट देखने छलाह। निराश भए लोक अपन-अपन घर घुरि जाइत गेलाह।

हमरा अत्यन्त क्षोभ अपन निर्णय पर भेल। पछिला सब ठाम कतहु लोक जमा नहि भेल छलथि आ जतए जमा छलथि ओतए हमहीं समय पर नहि पहुँचि पओलहुँ। मुदा एकर विषेश कारण छल जे जिनका नामसँ पत्रक पठाओल गेल छलन्हि, संयोगवश हुनक नाम हमरा अपन समस्त कागजातमे कइएक बेर तकलहुँ पर नहि भेटल छल। मात्र एतबा बूझल छल जे ढ़रिया जएबाक अछि। मुदा रात्रिविश्राम अनिश्चित छल आ तेँ एहि अनिश्चयक स्थितिमे तरियानीमे रात्रिविश्राम कएने छलहुँ।

लोक सबसँ हम क्षमा मांगल। संगहि इहो कहल जे ढ़रियाक

बदला बिनु पूर्वनिर्धारित कार्यक्रमक बादहुँ मस्सा मिर्जापुर गेनाइ सांगठनिक दृष्टिसँ एक गोट उपलब्धि रहल। कहलिअन्हि अहाँ लोकनि एतेक पैघ संख्यामे हमरा सन सामान्य व्यक्तिक लेल जमा भेल छलहुँ◌ँ◌ं, एकर अर्थ भेल जे अहाँक गाम पर्याप्त सजग अछि आ तेँ हमरा लोकनिकँ◌े दोसरहुँ ठाम अपन शक्ति लगेबाक चाही जतए कि लोक सजग, संगठित नहि छथि आ जिनका बीच जातिवादक दुर्भाव पसारक चेष्टा चलि रहल अछि।

तथापि तुरन्त एक नीक बैसार आयोजित भेल जकर अध्यक्षता रामकृपाल झा, अधिवक्ता कएलन्हि। कइएक विचार आएल विशेषरूपे श्यामदेव झा शिक्षक, सैनिक स्कूल, पुरुलियाक विद्वत्तापूर्ण समालोचना। हुनक आश्वासन भेटल जे पुरुलियामे सेहो मैथिल समाजकेँ ओ संगठित करताह। ढ़रिया गामक लेल पशुपति झा संयोजक भेलथि।

भोजन करबा लेल पूरा गामक परिदर्शन करैत जाहि घरमे पहुँ◌ँ◌ंचलहुँ◌ँ◌ं हुनक बालक एखन बाबूबरही (मधुबनी)मे प्राध्यापक छथिन्ह। १९७३-७५क बीच लहेरियासरायक ‘माधव निवास’मे रहैत काल हिनकासँ हमरा परिचय भेल छल। मिथिला सांस्कृतिक परिषद, कलकत्ताक विमलकान्त मिश्र दिल्ली प्रदर्शनक अपन अनुभव सुनेबाक क्रममे भोगेन्द्र झाक(सांसद) प्रतिक्रिया सुनौलन्हि-‘हमरा के मैथिल वोट दैत अछि, हमरा लग

एहि लेल समय नहि अछि।’

हम कहलिअन्हि जे प्रवासी लोकनिकेँ कहल जाइन्हि जे ओ गाम आबथि तँ नेना भुटकाक लेल, चाकलेट-टाॅफीक बदला किताब आ बूढ़-पुरान व्यक्तिक लेल पुरान पत्र-पत्रिका जे रद्दीक भाव शहरमे बिका जाइत अछि, आनथि।

किछु वर्ष पूर्व हम समस्तीपुरक एक अवकाश प्राप्त प्राध्यापककेँ कहने छलिअन्हि, जे शिक्षाक जे वातावरण विश्वविद्यालय सबमे अछि ताहिसँ नीक जे सब महाविद्यालयकेँ बन्द कए पुस्तकालय आ प्रयोगशालाक अभियान चलाओल जाए जकर सदस्यता स्वैच्छिक होअए आ विश्वविद्यालय मात्र परीक्षा आयोजित करए जे कि एखनहँु ओ व्यवस्थित रूपेँ नहि लए पबैत अछि। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय सबहक अध्ययनक निदर्शन करय से तँ आब कागजी बात भेल। बादमे प्राध्यापक महोदय हमरा विचारसँ सहमति व्यक्त कएलन्हि।

एहन पुस्तकालय प्रयोगशालामे कैन्टिन आ परिचर्चा कक्षा, दृष्य-श्रव्य (टी.वी., कैसेट),क अलावे कम्प्युटर, इन्टरनेट आदि रहबाक चाही। बढ़ैत जनसंख्या आ सम्पूर्ण साक्षरताक अभियानक आलोकमे स्कूली (10$2) शिक्षाक बाद कालेजी पढ़ाइ क्रमशः अप्रासंगिक भए रहल अछि।

गृहपति बजलथि जे दुनिया गोल छैक। वस्तुतः ओ हमर दूरक सम्बन्धी भेलाह, दुनिया गोलसँ हुनक अभिप्राय इएह छलन्हि।

वैशाखी पूर्णिमाक दिन ढ़रिया ग्राममे भेल बैसारकेँ हम अपन एहि प्रवासक सफलतम, एहि लेल मानैत छी जे अत्यल्प सूचना पर लोक जमा भेलथि आ विगत रातिमे सेहो पत्रकक आधार पर लोक जमा भेल छलाह, संगहि रामकृपाल बाबू आ श्यामदेव बाबूक पांडित्यपूर्ण व्याख्यान आ आगाँ काज करक निश्चयसँ कष्टप्रद साइकिल यात्राक सफलता बुझना गेल। सभा भवनक सामने पुस्तकालय एखनहुँ अछि जकरा देखि लागल जे एहि गामक लोक राजनीतिक दृष्टिसँ विशेषरूपेँ भाषाक प्रश्न पर पर्याप्त सजग छथि।

आशा अछि ई पुस्तकालय आओर समृद्ध बनत। स्वाधीनताक किछु साल बाद गाम-गाम पुस्तकालय आन्दोलन चलल छल जे सरकारक उपेक्षा आ जनताक भौतिकवादी दृष्टिकोण एवं निराशाजन्य मानसिकताक कारणसँ आब मृतप्राय अछि। हमरा जनैत निरक्षरता उन्मूलनक लेल गाम-गाममे एहि आन्दोलनकेँ फेरसँ ठाढ़ करबाक आवष्यकता अछि।

सम्बन्धित समाजकेँ पंगु बनबैत अछि आरक्षण

जगवन जाइत काल रास्तामे भेटल एक पोखरि पर अनुभव भेल जे मनीषी याज्ञवल्क्य एतहि कहिओ घुमैत रहल होएताह। गामक बीचमे हुनक प्रतिमा दूनू पत्नी मैत्रेयी एवं कात्यायनीक संग देखि मोन मुदित भेल। पता चलल जे रघुनाथ सिंह पहाड़पुरी जखन मधुबनीमे अनुमंडलाधिकारी छलाह तँ ओ प्रतिमा स्थापित कएलन्हि।

जटाधर मिश्रक दलान पर एक छोट बालिकाकेँ देखि हम पुछलिअन्हि,‘ अहाँक नाम मैत्रेयी अछि?’ जटाधर बाबू बजलाह,‘ई बड़काटा बात पुछलहुँ। मुदा प्रश्न अछि की हमरा गाममे कोनो बालिकाक नाम मैत्रेयी आ कात्यायनी किएक नहि?’ हमरा मोन पड़ैत अछि, किछु वर्ष पूर्व हमरा लग एक बंगाली छात्रा आएल छलथि, जिनक नाम छलन्हि मैत्रेयी।

बंगाली, तेलुगु, मराठी तँ अपन पुत्रीक नाम मैत्रेयी, कात्यायनी राखथि, मुदा हम मैथिल जतए ई दूनू विदुषी भेल छथि, ओतय हुनक नाम पर बाल-बच्चाक नाम नहि राखब तँ हुनक स्मृतिकेँ केना जोगाकेँ राखब आ जखन स्मृति निःशेष भए गेल तखन हुनक आदर्श चरित्रक अनुरूप अपन वा बाल-बच्चाक चरित्र बनाएब केना सम्भव होएत?

जगवन ग्राम समितिक संयोजक विजय कुमार श्रीवास्तव एवं सह-संयोजक मुसाफिर यादव हमरा याज्ञवल्क्य मुनिक आश्रम लए गेलाह, जे गामसँ दू किलोमीटर दूर अछि। एखनहु करीब पाँच बीघा जमीनमे गिनतीमे ३९टा बड़क गाछ चतरल भरल अछि। ज्ञात भेल जे पहिने सब एकहिमे मिलल छलैक मुदा बीच-बीचमे जड़ि काटि देलाक कारणसँ एकर सुन्दरता आ विशष्टिता समाप्त भए गेल अछि। जँ सब एकहि संग रहितय तँ ई सम्भवतः विश्वक सबसँ पैघ गाछ मानल जाइत। कलकत्ताक बोटानिकल गार्डेनक विशाल वट वृक्ष एतेकटा कहाँसँ होएत?

याज्ञवल्क्य स्वयं भारतीय इतिहास आ उपनिषदक महानतम वटवृक्ष जकाँ छथि। हुनक आश्रम (जे दरभंगासँ मात्र २५ किलोमीटर दूर अछि)केँ एक पर्यटन स्थलक रूपमे विकसित कएल जाए सकैत अछि। एतय कहिओ पैघ-पैघ घैल आ सामने नदीक कातसँ बड़का-बड़का जाँत-सिलौट सब भेटल छलैक जे पुरातात्विक अन्वेषणक मांग करैत अछि। एक नीक पुस्तकालय आ शोधकेन्द्र ओतए होएबाक चाही।

सरकार एकर विकास पर ध्यान दिअए, एहि लेल गामक लोककेँ जागरूक भेनाइ आवश्यक अछि। एहि लेल गामक लोककेँ हम सलाह देलियैन्हि जे प्रत्येक वर्ष याज्ञवल्क्य महोत्सव छोटहि स्तर पर भलहिं हो, मनाओल जाए आ एहि अवसर पर

पढ़बा-लिखबामे नीक बच्चीकेँ मैत्रेयी, कात्यायनी पुरस्कार देल जाए। गामक रास्ताकेँ सुन्दर बनाओल जाए एवं स्वस्थ रहबाक लेल स्वच्छता अभियान चलैत रहए।

कमतौल हाई स्कूल संध्यामे पहुँ ँ ंचलहुँ ँ ं। १९२६ ई.मे ई विद्यालय बनल, एकर जानकारी ओतुक्का माध्यमिक छात्रकेँ नहि छलन्हि। छात्रावाससँ एक छात्रकेँ हम नव ब्लाकमे लिखल नामपट पढ़ए लेल पठाओल। दुनिया भरिक सामान्य ज्ञानक बात तँ ओ कहलन्हि मुदा अपन विद्यालयक स्थापना सम्बन्धी जनतब नहि होइक, ई हमर असावधान मनःस्थितिक परिचायक थिक आ असावधान मनःस्थितिक व्यक्ति जीवनमे कहओ किछु नहि कए सकैत अछि। मिथिला-मैथिलीक दुर्गति एहि असावधन मनःस्थितिक परिणाम थिक।

पुपरी-चानपुराक संजय राय आ खजूरबाड़ाक ललित कुमार मिश्रसँ छात्रावासक स्थिति ज्ञात भेल। मेसक व्यवस्था नहि छन्हि तेँ स्वयं भोजन बनबैत छथि। दोसर दिस हरिजन होस्टलमे २ सालसँ भोजन बनबए लेल सुमिरण पासवान पदस्थापित छथि मुदा ओतए २४ छात्रक सीट रहितहुँ रातिमे शायदे केओ रहैत छथि। दिनमे १७-१८ छात्र अवश्य रहैत छथि। जे जातीयता समाप्त करबाक बात करैत अछि, ओ विद्यालय परिसरमे हरिजन छात्रक लेल अलग छात्रावासक व्यवस्था कए समाजकेँ की संदेश देबए चाहैत अछि? की हिन्दू समाजसँ ई हरिजनकेँ तोड़बाक

प्रयास नहि अछि? की ई छुआछुतक प्रचारहिंक प्रयास नहि अछि?

फारबिसगंजमे एक हरिजन विद्यालय एहिना छल आ सामान्य साक्षरताक अतिरिक्त ओकर आओर कोनोक उपलब्धि हमरा ध्यानमे नहि अछि। मैट्रिक परीक्षाक समय हमरा वर्गमे समस्तीपुरक के.ई.एच. विद्यालयसँ एक मेधावी छात्र श्याम किशोर प्रसाद बदली लएकेँ आएल छल, जकरा सर्वाधिक अंक (७२०/९००) बोर्ड परीक्षामे भेटल छलैक। ओकर पिताजी कस्टम विभागक पदाधिकारी छलाह। एकर अर्थ ई भेल जे हरिजनहुँमे मात्र पढ़ल-लिखल अपन बालककेँ सामान्य विद्यालयमे पढ़बैत छथि आ ओ ककरोसँ स्पद्र्धाक स्थितिमे रहैत अछि।

कोनो प्रकारक आरक्षण समाजकेँ पंगु बना दैत छैक। ग्वालियरमे १९८९मे एक पत्रकार सम्मेलनमे मेडिकल शिक्षामे आरक्षणक विषयमे हमरासँ मत पूछल गेल छल। पहिने तँ हम एक नेता जकाँ प्रश्न टारय चाहलहुँ जे ई संवैधानिक प्रश्न थिक। मुदा तखन ओ पत्रकार कहलथि, एखनहि अहाँ संविधानक धारा 30 (अ) क आधार पर खोलल जाए रहल अल्पसंख्यक मेडिकल-डेन्टल कालेजक विरोध कएलहुँ जे ओतए ‘डोनेशन’ लेल जाए रहल अछि आ ई धारा देशक हितमे नहि, तखन हमरा

अपन अभिमत देबए पड़ल। हम कहलिअन्हि जे देशमे जहिआ आरक्षण नहि छलैक, बाबा साहेब सन विद्वान आ मेघनाद साहा सन वैज्ञानिक भेलाह। स्वतंत्रताक बाद आरक्षणक आधार पर शिक्षा प्राप्त कएलाक बादहुँ हिनका मेघाक पासंगक बराबर केओ, कोनो क्षेत्रमे नहि भेलाह। तैँ जँ ब्राह्मणक वा कोनो उच्चवर्गक वा कोनो वर्गक मेधा समाप्त करक हो तँ हुनका लेल आरक्षणक प्रावधान कए देल जाए, ओ स्वतः विनष्ट भए जएताह।

संस्कृत शिक्षक दयाकान्त झा तखनहि अएलाह। ओ महरैल गाम (झंझारपुर लग) क छथि। ओ स्वयं संयोजक बनलथि आ कहलन्हि जे हुनक इच्छा होइत छैन्ह जे मिथिला- मैथिलीक पुनरुत्थान यज्ञमे ओ अपन आहुति दए देथि। हम कहलिअन्हि, समय आओत, एखन तँ संगठन करू। आइ देश वा समाजक लेल भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद जकाँ मरबाक नहि, देशक लेल जीबाक आवश्यकता अछि। केओ अपन परिवारक कार्य करैत, नोकरी करैत, व्यवसाय वा खेती करैत सेहो समाज आ राष्ट्र लेल त्याग कए सकैत छथि, यदि हुनका अपन गंतव्य बुझल हो जे मनीषी लोकनि कहि गेल छथि, ‘आत्मनो मोक्षार्थं जगतानाम् च हिताय वैः।’

दयाकान्त बाबू एक शिक्षा पदाधिकारी लग लए गेलाह। ओ

स्वयं बहुत रुचि नहि देखौलथिन्ह, मुदा ओतहि हरिश्चन्द्र झा नामक एक व्यक्ति भेटलाह, जे हमरा अपन गाम धमदाहा (पूर्णिया जिला) अएबाक लेल निमंत्रण देलन्हि।

संध्यामे चहुटा गाम पहुँचलहुँ। कोनो परिचय नहि छल। भगवतीक इच्छा जे पाछासँ एक सज्जन व्यक्तिक पैघ टीक देखि हम साइकिल रोकलहुँ आ हुनका अपन आगमनक उद्देश्य बतौलिअन्हि। ओ तुरन्त संगोग देबाक इच्छा प्रकट कएलन्हि आ दोसर दिन प्रातःकाल धरि संग रहलथि। हुनका सम्बन्धमे रातिमे ज्ञात भेल जे राधेजी (महेशझा) स्नातक परीक्षा पास कए आध्यात्मिक वृत्तिक भए गेलथि। अविवाहित छथि, शाकाहारी आ सर्वप्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता ।

सर्वप्रथम एक वृद्ध नेतासँ भेंट करौलन्हि। ओ कांग्रेसक विधायक रहि चुकल छथि, मैथिलीक समर्थनमे बहुत किछु बजलाह। मुदा, वृद्ध अवस्थाक कारणसँ रातिमे दुर्गास्थान पर आएबासँ असमर्थता प्रकट कएलथि।

दुर्गास्थानमे संक्षिप्त मुदा नीक बैसार भेल। एक ग्रामीणक सहज प्रश्न छलन्हि, तिलक-दहेजक विरुद्ध की कए रहल छी? हम कहिलिअन्हि जे मिथिला-मैथिलीक उत्थानक प्राथमिकता लग ई प्रश्न नहि, गरीब वा अत्यन्त अमीर लग ई समस्या नहि

छन्हि। मध्यम वर्गीय जरूर त्रस्त छथि। कन्याक उचित शिक्षा-दीक्षा, बेटाक बराबर सम्पत्तिमे हिस्सा, जेना-जेना समाज मानतैक तिलक प्रथा समाप्त भए जाएत।

लक्ष्मण मिश्र संयोजक बनलथि आ महेशझा सह-संयोजक। रात्रिविश्राम डा. बैजनाथ जीक परिवारमे भेल, अपरिचित मुदा आतिथ्य नीक। जतए ठहरल छलहुँ ओहि दरबज्जा पर युवक संघक एक बोर्ड लागल छलैक। वस्तुतः एहन अनेक ग्रामीण संगठन अछि, ओ यदि सक्रिय भए जाए तँ विकास आ संस्कारक कार्य बहुत सहज भए जाएत।

गौतमकुंडक विकास पर्यटन स्थलक रूपमे किएक नहि भेल?

२६ मई १९९४कें प्रातः राधेजीकें 'जय-जय राधे' कहैत अहियारी दिस बढ़लहुँ। आइ समाजमे लोक बच्चाकें विदाकाल 'टा-टा'बाजब सिखबैत छथि, एहेनमे ओकर दृष्टिकोण भौतिकवादी किएक नहि होएतैक? किनको मुहसँ बच्चाकें 'जय-जय' सिखबैत सेहो सुनलहुँ अछि। नीक रहैत जँ दू मैथिल कार्यकर्ता एहन अवसर पर 'जय मिथिलाक' उत्तर 'जय मैथिली' देथि आ ई हमरा सबहक प्रयाणक संदेश सेहो होअए।

पौराणिक अहिल्यास्थानसँ सम्बन्धित गामक नाम अपभ्रंशमे

अहियारी भए गेल अछि। पति गौतमक श्रापसँ पाथर भेल अहिल्या रामक चरणस्पर्शसँ पुनः एतहि मानुषी भेल छलीह। आइओ एतय एक विशाल मुदा जीर्ण-शीर्ण मन्दिर अछि।

गाममे सामाजिक कार्यकर्ता दीपक ठाकुर बतौलन्हि जे एहि तीर्थक महत्त्व लोक बूझथि एहि दृष्टिसँ एक पैघ उत्सव भेल छल। सरकारी पदाधिकारी एकर विकासक अनेक प्रकारक बात कहलन्हि, मुदा मूलस्थान पर हमरा किछु देखएमे नहि आएल।

किछु संन्यासी-पुजारी ओतय अवश्य छलथि। रामायण पाठ चलि रहल छल। सामने एक दक्षिण भारतीय संतक द्वारा बनाओल स्तम्भ छल जकर जड़ि राम-नामसँ लिखल-भरल कागजसँ भरल गेल छल। सम्मुख ओ स्थान छल जतए पाथरसँ अहिल्या रामक चरणस्पर्शसँ पुनः नारी बनलीह। अपन श्रद्धा निवेदित कए हम गौतमकुण्ड देखए बढ़लहुँ जे ओतएसँ करीब २ किलोमीटर दूर अछि।

गौतमकुण्डक रास्तामे पुल सब टूटल छलैक, पूरान बाढ़िक चिह्न लागल। दूधमती नामक एक धार पार करए पड़ल। एकर अर्थ बुझाइत अछि जे कहिओ ई क्षेत्र दूधसँ भरल-पुरल रहल होएतैक। प्राथमिक कक्षामे पढ़ने छलहुँ ँ ं डेनमार्कक सम्बन्धमे 'देश जहाँ दूध-दही की नदियाँ बहती हैं।', कहिओ हमर मिथिला

एहन रहल होएत आ तेँ ने एखन धरि धार 'दूधमती' कहाइत अछि।

गौतमकुण्डक पुजेगरीसँ ज्ञात भेल जे राज दरभंगा द्वारा बनाओल गेल बान्ह १९३४क भूकम्पमे टूटि गेल आ ओकर मरम्मति एखन धरि नहि भेल अछि। गौतमस्थान द्वारा प्रसारित पर्चाक अनुसार एकर मरम्मतिकँे मात्र २५ हजार टाका व्यय अनुमानित अछि। सम्भव जे अवमूल्यनक कारणसँ आब राशि किछु अधिक लागय। मुदा दुःखक बात जे एहन महान तीर्थक उद्धारक दिस एखन धरि ने तँ सरकार, ने सामाजिक लोकक ध्यान गेलन्हि अछि।

न्याय शास्त्रक प्रणेता छथि ऋषि गौतम। स्कन्दपुराणमे कहल गेल अछि जे गौतमकुण्डमे स्नान-अभिषेक कएलासँ वाजिमेध(अश्वमेघ)क फल भेटैत छैक। गौतम आश्रमक परिचयक क्रममे लिखल अछि-

'अस्ति ब्रह्मपुरी नाम्ना मिथिलायां विराजित।

तस्यां विराजते नित्यं गौतमो नाम तापस।।

अहल्या नाम तत्पत्नी पतिव्रता, प्रियम्वदा।

सर्वलक्षण सम्पूर्णा आसीत्सर्वांग सुन्दरी।।'

(मिथिलामे ब्रह्मपुरी अछि जतए गौतम ऋषि रहैत छथि जिनक पतिव्रता, प्रियम्बदा, सर्वलक्षण, सम्पूर्ण, सर्वांगसुन्दरी पत्नी अहल्या छथि।)

रामायणमे अछि जे गौतम आश्रम देवता लोकनि द्वारा सेहो पूजित अछि। हरिवंशमे एकर चर्च प्रयाग, नैमिषारण्य, पुष्कर, गंगासागर, कुरुक्षेत्रक संग कएल गेल अछि। यामलसागर मिथिला खण्डमे एतए स्नान आ भक्तिक लाभ यजुर्वेदक पाठकेँ कहल गेल अछि।

मुदा आइ कुंड एतेक दूषित अछि जे स्नानक इच्छा नहि भेल। ओना स्नानक लेल दूर-दूरसँ आएल बहुत छात्र लोकनिकेँ देखलिअन्हि। प्रत्येक पूर्णिमा विशेष रूपेँ पूष आ माधक पूर्णिमामे एतय मेला लगैत अछि।

पंचकन्यामे अहिल्या एक छथि-सीता, कुन्ती, तारा एवं मन्दोदरीक संग। एहि पौराणिक स्थल विकास पर्यटन स्थलक रूपमे एखन धरि नहि भेल, ई मिथिलाक प्रति उपेक्षापूर्ण दृष्टिक परिचायक अछि।

स्कन्दपुराणक ब्रह्मपुरीक नाम पर सम्भवतः बगलक गामक नाम अछि ब्रह्मपुर। गामक कदमचैक होइत उच्च विद्यालय दिस बढ़लहुँँँ। रास्तामे साइकिलक धूरा टूटि गेलाक कारण पैदल

चलए पड़ल। विद्यालयक प्रभारी शिक्षक राजनारायण ठाकुर खूब ध्यानसँ मिथिलाक विकासमे विद्यालयक भूमिका पर हमर विचार सुनलन्हि आ शिक्षक हरिश्चन्द्र झाक मुहसँ सुनला पर जे कलिगांवमे बैसार ११ बजेसँ अछि, हुनका हमर संग जाए कहलथिन्ह।

कदमचैक आबि साइकिल ठीक करौलहुँ। रास्ताक रतनपुर गाममे राणा प्रताप शिवा समितिक बोर्ड देखि सम्पर्क कएल। युवा संगठक मैथिली विरोधमे पता नहि कोन कारणसँ उत्तेजित छलथि, अपनाकेँ एक राष्ट्रवादी संगठनक कार्यकर्ता बतबैत। मुदा आपसमे आ अपन घरबइयाक संग बात मैथिलीमे करैत। हम पुछलिअन्हि, अहाँ जाहि संगठनसँ जुड़ल छी ताहि संगठनक शीर्ष नेता लोकनिक आपसी वार्तालाप सुनलहुँँँ अछि की? अथवा कहिओ बंगाल, केरल वा कर्नाटक गेलहुँँँ अछि? सब ठाम ओतुक्कहिं भाषामे सबटा कार्य होइत छैक। स्वयं राणा प्रताप आ शिवाजी मेवाड़ी आ मराठी बजैत छलाह। मुदा ओ दूनू युवा अपना भरि हमरा अपमानित करैत रहलाह।

ताबत पाछांँसँ शिक्षक हरिश्चन्द्र झा अएलाह आ कहलन्हि, हिनका लोकनिसँ बेकार गप्प करैत छी, आगाँ चलू।

हमरा दृष्टिमे केओ राष्ट्रवादी मैथिलीक विरोधी नहि भए सकैत छथि कारण मैथिलीमे राष्ट्रिय अस्मिताक भाव अछि।

संगहि, जाबत कोनो काज मिथिलाक सुदूर गाममे मैथिलीमे नहि होएतैक, ओ जनमानससँ नहि जुड़त आ तेँ ई सांगठनिक हितमे सेहो हेतन्हि जे ओ अपन कार्यपद्धतिक भाषा संस्कृतक आज्ञा-प्रार्थनाक अतिरिक्त मिथिलामे मैथिली, भोजपुरमे भोजपुरी, मगधमे मगही, छोटानागपुरमे नागपुरी, मुण्डारी, हो, संथालपरगनामे संथाली बनाबथि। ज्ञातव्य, जे ईसाई मिशनरी एहिमे कइएक भाषामे बाइबल छापि चुकल अछि, मैथिलीमे सेहो। नेपाली मिथिलाक अतिरिक्त नेपालक पहाड़ी भागमे मिशनक गतिविधि, पर्चेबाजी जोर-शोरसँ अछि। तेँ कोनो राष्ट्रवादी कार्यकर्ताकेँ बूझय पड़तन्हि जे मैथिलीक की महत्व साहित्यक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आ राष्ट्रिय अछि। मात्र असहिष्णुताक प्रदर्शनसँ अपनहि क्षति होएतन्हि आ एक पैघ समुदायसँ ओ कटि जएताह जकर लाभ हुनक विरोधी उठाओत।

जकरा लेल कानी तकरा आँखिमे नोरे नहि

ब्रह्मपुरसँ प्रस्थानक बाद कटकामे किछु मिनट रूकैत कलिगांव पहुँॅॅंचलहुँॅॅं। किछु व्यक्तिक भरोस छल, मुदा १ बजे पहुँॅॅंचला पर आदमी पठौलाक बादहु नहि टघरलाह। ज्ञात भेल जे लोक कतहु उपनयनक भोजमे बाझल छलथि। ई हुनका सबहक समयपालनक प्रति दृढ़ता छलन्हि वा भोज-भातक चिन्ता वा प्रचण्ड रौदमे घरसँ बाहर नहि होएबाक इच्छा वा मोनक टेढ़ी,

कि मुखियाजीक संदेश पर किएक जाएब, से तँ नहि जानि सकलहुँ मुदा हमरा लागल जे मधुबनी परिसरक गाममे जागरूकता अधिक अछि। मैथिलीक नाम पर वा कोनो आनहि नाम पर केओ आएल होथि तँ जावत हुनका देखबन्हि-सुनबन्हि नहि, तावत अपनहुँ विचार कोना देबन्हि?

गामसँ बहाराइत काल लागल जे ब्रह्मपुरसँ एतेक दूर आएल अकारथ भेल। गुरूदेव रबीन्द्रक एहि कथनकेँ कि सए द्वार पर पहुँच बनयलाक बाद कतहु एक द्वार उपयुक्त आ अनुकूल भेटैत अछि, स्मरण कए संतोष कएल। भड़बाड़ाक मोड़ पर रास्ता जनितहुँ एक व्यक्तिसँ गामक रास्ता पुछलिअन्हि आ कहलिअन्हि- ‘हम मैथिलीक काजे आएल छलहुँ, अहाँक गाममे कोनो प्रतिक्रिया नहि।’ पाकड़ि गाछ तर आदर्श टोलक शशिकान्त झा बैसलाह, आ सब बात सुनि स्वयं संयोजक बनलाह।

भड़बाड़ाक रास्तामे गोनू-ग्राम भेटल जतए गोनू झा सन वाक्पटु, कुशाग्र बुद्धिक लोक भेल छलाह, जिनक बुद्धिक समक्ष बीरबल वा तेनाली राम हल्लुक पड़ैत छथि। गोनूझाक एक मूर्ति नवयुवक संघ ओतए स्थापित कएने छथि, देखि प्रसन्नता भेल। ई नहि पता कए सकलहुँँं जे गोनूझाक खिस्सा सबहक संग्रह ओतएसँ वा आनहु कतहुसँ प्रकाशित भेल अछि वा नहि,

प्रकाशित नहि भेल हो तँ केओ एहि दिशामे सचेष्ट छथि वा नहि? मूर्ति एक दिन जीर्ण भए जाएत वा कोन ठेकान कोनो दानवी वृत्तिक आदमी महात्मा गाँधीक मूर्ति जकाँ एकरो खण्डित कए देत। मुदा जँ पुस्तक छपल रहत, तँ गोनू झा मिथिलाक बाहरहुँ बीरबल जकाँ प्रसिद्ध रहितथि।

भड़बाड़ा एक कसबा जकाँ अछि। १९७३-७५मे ओतुक्का छात्र अरविन्द, माधव निवास, लहेरियासरायमे हमरा संग रहैत छल। हम मेडिकल छात्र आ ओ एम.एल.एकेडमीक। बादमे ओकरा सम्बन्धमे पता नहि चलल। मुदा जखन परसौनी गामक शिक्षक वामदेव बाबू ओतए पहुँचलहुँ तँ हुनक एक छात्र कहलन्हि जे कनिके दूर पाछांँ ओकर दवाइक दोकान छैक।

ओहि दोकानक सम्बन्धमे पुछैत छलहुँ कि एहि बीच बिजलीक तार पर बैसल एक चिड़ै चट कए देलक। चट ओकर दोकानपर गेलहुँँं आ दोकान पर बैसल युवाकेँ पुछलिऐक, ’अहाँक नाम अरविन्द थिक?’ ओ स्तब्ध भए गेल। ओकर पैघ-पैघ आँखि बीस साल पहिने जकाँ छलैक, मुदा ओ हमरा सम्बन्धमे जिज्ञासा कएलन्हि। हम अपन परिचय देलियैक तँ ओ बाजल जे हुनकासँ भेंट नहि होएत। हम कहलिअन्हि कतए छथि? हुनक पिता कहलन्हि, ’ओ जतए छथि ओतएसँ घूरि नहि सकैत छथि।’ हुनक पिताक आकृतिपर दुखक रेखा स्पष्ट छल।

फेर ओ बजलाह जे अरविन्द जुलाइ १९८५मे स्वर्गीय भए गेलाह आ मरैत काल ओ डा.बी.एन.दासगुप्तक असिस्टेन्ट कोनो धनाकरजीकेँ स्मरण करैत छल। हम कहलिअन्हि जे हम ओएह धनाकर छी। जून १९८५मे राँची न्यूरोला ॅजीक किताबक सम्पादकीय कार्यमे जे गेलहुँ से ओतहि रहि गेलहुँ।

कहल जाइत छैक जे माथ पर चट खसलासँ अशुभ होइत छैक। हम अन्धविश्वासी नहि छी; दरभंगा मेडिकल कालेज छात्रावासमे १३ नम्बर रूममे रहैत छलहुँ आ पूर्ववर्ती छात्र जकाँ कहिओ १२-ए नहि लिखने छलहुँ। लोककेँ कहैत छलिऐक, हमर जन्म त्रयोदशी कैँ भेल अछि तैँ १३ सँ परहेज किएक? तहिना बिलाड़िकेँ रास्ता कटैत देखि कहिओ यात्रा स्थगित नहि कएलहुँ। वृहस्पति दिन नियारिकेँ गामसँ दरभंगा आबि राँचीक बस पकड़ैत रहलहुँ जे दिशाशूलक विचार कए, लोक दक्षिण यात्रा नहि करताह आ बसमे सीट पर बैसक जगह सुति कए कइएक बेर अएलहुँ।

अरविन्दक पिता कपिलेश्वर ठाकुर कहलन्हि, ई चटखक प्रभाव। हम कहलिअन्हि सम्भव। मुदा तथ्य ई अछि जे अरविन्दकेँ स्वर्गीय भेला ९ वर्ष भेलन्हि। हम ओतए जइतहुँँ ं वा नहि, एहिसँ कोनो अन्तर नहि पडितैक। एहेन अन्धविश्वासकेँ दूर करबाक चाही नहि तँ दिकशूल, भदवाक चक्करमे कतहु निकलनाइ कठिन भए जाएत।

फेर मैथिलीक लेल कपिलेश्वरजीसँ बात भेल। ओ ब्रह्मपुरक युवकक हमरा प्रति व्यवहार पर दुःख प्रगट करैत बजलाह- ‘मैथिली हमरा सबहक भाषा अछि। हम सोनार छी, केओ भूमिहार वा ब्राह्मण होएताह, मुदा तँ की हम अपन भाषा छोड़ि देब?’

वामदेव बाबूसँ मैथिली जागरण पदयात्राक क्रममे अक्तूबर १९९३ मे भेंट भेल छल। ओ अस्थुआ विद्यालयमे प्रधानाध्यापक छलथि आ भड़बाड़ामे रहैत छलथि। ओ बजलाह जे मैथिलीक नव प्रकाशनक सम्बन्धमे बताबी तँ विद्यालयक लेल मंगाएब आ यथशक्ति मैथिलीक सेवा करब। हुनकासँ विदा लैत सनहपुरक लेल बढ़लहुँ ँं।

सनहपुर चैक पर किछु व्यक्ति भेटलाह। ओहिमे एक गामक आधा रास्तामे दोसरकेँं बैसार करबए लेल कहि घुरि गेलाह आ दोसर, तेसरकेँ कहि। तेसरो जखन एहिना चलि गेलाह तँ हम लोकक निष्क्रियता पर खिसिया गेलहुँ ँं। एहनमे एक गोट कहवी स्मरण भए आएल- ‘जकरा लेल कानी तकरा आँखिमे नोरे नहि।’ मैथिलीकेँ जँ राजकीय मान्यता भेटलैक तँ वास्तविक लाभ तँ हिनके लोकनिकेँ भेटतन्हि, हमरा लोकनि तँ हिन्दी-अङरेजीक माध्यमसँ जीवन-यापन करिते छी। अन्तमे मणिकान्त झा नामक एक युवक भेटलाह, जे हरिदेव मिश्रक संग किछु

गोटेकेँ जमा कएलाह आ आगाँ कार्य करक भार उठौलन्हि।

नीक काजक खिधांस नहि करू, सहयोगी बनू

भड़बारासँ प्रस्थानक बाद बगलक गाम लखनपुर पहुँचलहुँ तँ ओतए पर्याप्त संख्यामे लोक जमा छलाह, यज्ञोपवीत संस्कारक क्रममे। एतए लोक मैथिलीक नाम पर किछु बेसी जागरूक बुझएलाह। मुदा ओहिमे एक श्रेष्ठ कार्यकर्ता आवश्यकतासँ अधिक जागरूक छलथि। हमर परिचय सुनितहि पतरातूमे कार्यरत एक मैथिली कार्यकर्ता बजलाह जे राँचीक प्रथम अंतराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे अहाँ सब गुड़-गोबर कए देलहुँं। ओतए एकहि व्यक्ति बजैत रहलाह। तखन हम उपस्थित समाजकेँ ओहि सम्मेलनक सम्पूर्ण वृŸाान्त, आय-व्यय एवं वक्ता लोकनिक सूची सहित बतौलिअन्हि। हम इहो कहलिअन्हि जे वक्ता लोकनिक वक्तव्यक टेप, वीडियो आ आॅडियो सेहो उपलब्ध अछि, से जे केओ देखए चाहथि, देखि निर्णय कए सकैत छथि जे हिनक आरोप कतेक साधार छन्हि।

तखन दिल्लीक मैथिली संगठनक एक वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रश्न कएलन्हि जे किनका कहलासँ सम्मेलन बजाओल गेल। कोना संचालित होइत अछि, के अध्यक्ष, के मंत्री छथि, खाता ककरा नामे छैक, अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद रजिस्टर्ड अछि वा नहि आदि, आदि।

हम एहि सम्बन्धमे सेहो आदिसँ अन्त धरि सबटा बात बता देलिअन्हि। एहि तरहेँ कि तकर बाद कोनो प्रश्न नहि उठबाक चाहैत छल। मुदा जँ केओ विरोधक लेल विरोधक मानसिकता बना लेने होथि तँ एहन व्यक्तिकेँ सन्तुष्ट करब कोनो व्यक्तिक लेल सम्भव नहि भए सकैत अछि। अभिप्राय ई कि सन्तुष्ट करबाक योग्य हमर समस्त उत्तर वा स्पष्टीकरणक बादहुँँं ओ श्रेष्ठ कार्यकर्ता असन्तुष्ट रहलथि। लगैत अछि मैथिली संगठनक पुरान कार्यकर्ता सबमे किछुकेँ नीक नहि लगलन्हि जे हुनका लोकनिक अछैत केओ किऐक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन बजौलक।

माता मैथिली पर हुनक समस्त सन्तानक अधिकार छन्हि आ कत्तव्य हुनक सेवा करक छन्हि, कोनो जाति, वर्ग वा संगठनक एकाधिकार नहि, के रोकने छलन्हि किनको अंतराष्ट्रीय सम्मेलन बजएबासँ वा एखनहु केओ चाहथि तँ अग्रसर भए सकैत छथि, आगाँक कार्यक्रमक लेल। पूर्वमे मात्र अंतराष्ट्रीय नाट्य सम्मेलन होइत रहल जे प्रशंसनीय, मुदा मिथिलाक विकासक लेल समाजकेँ संगठित करब एवं हुनकामे नव चेतना जगाएब सम्भवतः अधिक आवश्यक अछि। नाटककार लोकनि सेहो विकासमूलक प्रदर्शन करथि, एहि लेल नाटकक लेखकवृन्द ध्यान देथि, से विचार अप्रैल १९९४मे कलकत्ताक कला प्रधान संगठन ‘मिथि यात्रिक’ वरिष्ठ मैथिलीसेवी दयानाथ झा देने

छलाह। ओ मात्र ई सूचना देबए लेल राँची आएल छलथि जे विशेष परिस्थितिवश ओ अंतराष्ट्रीय सम्मेलनमे भाग नहि लए सकलाह।

मिथिला-मैथिलीक हितमे एक दिन केओ कलकत्तासँ राँची आबथि, अमेरिकाक मैथिल कार्यक प्रगति जानए लेल प्रत्येक मास सम्पर्क करथि, हैदराबादक मैथिल समाज अद्यतन जानकारीक इच्छुक होथि आ दोसर दिस सुदूर गाममे किनको दरबज्जा पर केओ जागरण अभियानक क्रममे पहुँँँचए तँ कोनो अतिवरिष्ठ व्यक्ति श्राप देथि 'अहाँक काज सफल नहि होएत'। ई मानसिकता मिथिलाक विश्वप्रसिद्ध संस्कृतिक सर्वथा विरूद्ध अछि।

किछु एहने सन अनुभव कलिगांवक एक प्रबुद्ध राँचीवासी व्यक्तिसँ किछु दिन पहिने भेटल छल। हुनक कथन छलन्हि 'अहाँ एतेक क्वालिफाइड भए साइकिल यात्रा कएलहुँँँ ताहिसँ की?' हम कहलिअन्हि- "हम अहाँक गाम गेलहुँ मुदा नीक लगितए जँ अहाँसँ ई सुनबामे अबैत जे 'हम अहाँक गाम समौल मैथिलीक कार्यसँ गेल छलहुँ।" अभिप्राय ई जे पाश्चात्य भाषा, संस्कृति एवं विकृत शिक्षा पद्धतिक प्रभावसँ मिथिलामे सेहो मिथिला विरोधी आत्मघाती संस्कृतिक विकास होमय लागल अछि।

१९९३मे एक व्यक्ति हिन्दुस्तानमे लिखने छलाह जे मैथिल दोसरकेँ नीक काज करैत देखि, ओ हुनक काजमे सहयोगी बनबाक स्वस्थ मानसिकता नहि रखताह। जँ केओ सए आमक गाछ लगाओत तँ दोसर-दू सए गाछ लगाबक बात नहि सोचि ओहिमे किछुकेँ काटि देबक चेष्टा करताह। एहि प्रकारक मानसिकता मिथिलहिंटा नहि, सम्पूर्ण देश वा कही कि सम्पूर्ण मानव समाजक लेल घातक अछि।

लखनपुरमे घरबैया बहुत आग्रह कएलथि जे ‘कुमरम’ अछि, एतहि रहि विश्राम करी, मुदा हम क्षमा मांगि लेलहुँ॑ं। ई सोचि जे कछुआमे निर्धारित रात्रिविश्राममे महत्वपूर्ण ओतुक्का बैसार अछि। ढ़रिया जकाँ लोक प्रतीक्षामे ने होथि। लखनपुरक संयोजक भागीरथ झा बनलथि।

अन्हरिया छल। एक ग्रामीण हमरा गांगेश्वर स्थानक सड़क पकड़ाबए लेल गामसँ बाहर धरि संग देलन्हि। ओ कहलथि जे अहाँ व्यर्थ विवादमे पड़लहुँ॑ं, ई तँ एक पैघ पैरवीक स्थान छल अहाँक लेल। हमरा हँसी आबि गेल, ओहि ग्रामीणक सहजता पर। हमर एक बात पर ओ पुनः कहलथि जे अहाँ जँ गाड़ीसँ अबितहुँ॑ं तँ अहाँकेँ विशेष महत्व भेटितए।

मुदा मूल्यांकनक ई मापदण्ड सर्वथा भ्रामक अछि। समाजमे

एक कार्यकर्ता कैँ समाजक सामान्य आदमी जकाँ काज करक चाहिऐक आ तखनहि, कोनो सामाजिक उद्देश्यक सिद्धि सम्भव भए सकैत अछि। आडम्बरक रास्ता बहुत दिन धरि काज नहि दैत अछि आ ओ लक्ष्य धरि नहि पहुँँँचा पाओत।

सामाजिक पुनरुत्थान प्रति कतेक असावधान छी हम!

कछुआ-चकौती पहुँँँचलहुँँँ तँ राँचीक मैथिली कार्यकर्ता गणेशझाक घर बन्द भेटल। हुनक पिताजी राँचीमे भेटल छलथि, मुदा ई नहि बतौने छलथि जे एखन ओ राँचीए रहताह। गणेशझा हमर पूरा कार्यक्रमक पत्रक पूर्ण मनोयोग एवं परिश्रमसँ तैआर कएने छलथि मुदा ई जानि किंचित क्लेश भेल जे ओ अपना गाममे किनको लग एकटा पत्रक नहि पठौलथिन्ह। ई सांगठनिक अपरिपक्वताक संग एहि बातक संकेत सेहो दैत अछि कि हमरा लोकनि सामाजिक पुनरुत्थान वा पुनर्जागरणक प्रति कतेक असावधान छी।

हम बगलक दरबज्जा पर किछु व्यक्तिकेँ देखि ओतए गेलहुँ। ओ हमर मातृक कोइलखक प्रो.शंकर झाक सासुर छल। हुनक सार ठाकुर लक्ष्मीकान्त सिंह स्वागत कएलथि।

हमर पूज्या माय कहियो कहने छलि जे शंकरबाबूक विवाहमे बहुत अधिक तिलक भेटल छलन्हि। उत्सुकतावश रातिमे पुछला पर लक्ष्मी बाबूसँ ज्ञात भेल जे १९५९मे २५ हजार टाका तिलक

भेटल छलन्हि। एकरा जँ पाँच साल पर बैंकक सूदिक रेट पर दोबर कए देल जाए तँ १९९४ई. मे ३२ लाख टका होइत अछि। दोसर दिन खरकामे केओ बजलथि जे बरियातीमे आएल समस्त व्यक्तिकेँ स्टीलक नव वर्तनमे भोजन भेटल छलन्हि जे विदाइक धोतीमे जाइत काल बान्हि देल गेलन्हि। एहि हिसाबेँ तिलक-दहेजक तत्कालीन स्थिति आजुक अपेक्षा बेसी विकट छल अथवा कही कि लोकक वर्तमान आर्थिक स्थिति पूर्वापेक्षा बेसी खराब भेल छैक।

बाबू लक्ष्मीकान्तजीक असममे लकड़ीक व्यापार छलैन्हि। १९९४ई. मे गाममे छलथि, हृदय गति ठीक करए लेल पेसमेकर लागल छलन्हि। मैथिलीक नाम पर बजलाह-’बैसार तँ जरूर होएबाक चाही मुदा गाममे आदमी आब कहाँ छथि, जिनका एतए देखैत छिअन्हि से सएह बुझू।’ हुनक बात पर किछु आओर व्यक्ति जमा भेलथि आ एक गोष्ठी भेल। स्वयं लक्ष्मीकान्त बाबू अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्‌क ग्राम संयोजक बनलथि। हमर एहि कथन पर एक व्यक्ति सहमत नहि छलथि जे भाषावार प्रान्त सर्वप्रथम उड़ीसा १९३६ मे बनल छल। तहिना सिन्धीकेँ १९६७मे अष्टम अनुसूचीमे स्थान किछु लोकक व्यक्तिगत प्रभाव आ सत्ताक सामीप्यसँ भेटलैक।

ग्राम विकासक लेल रचनात्मक कार्य करए पड़त, एहिसँ

बहुत लोक सहमत नहि छलथि। एक व्यक्तिक लोकतन्त्रसँ असहमति प्रत्येक व्यक्तिक अधिकार होइत छैक मुदा काज तँ करहि पड़तन्हि चाहे हुनक विचार आ दिशा जे होन्हि। मात्र तर्कसँ की लाभ? इहो अनुभव भेल जे एहन पैघ गाममे पुस्तकालय वा वाचनालय नहि जतए कि सामान्य ज्ञानक एक पुस्तक मनोरमा उपलब्ध हो, जाहिसँ कि हमर उड़ीसा एवं सिन्धी सम्बन्धी विचार तत्क्षण प्रमाणित भए पबितय।

मनोरमाक बात उठला पर ध्यान जाइत अछि जे १९९४क अङरेजीक पुस्तकमे वर्ल्ड एलमनक १९९३क आधार पर देल गेल जानकारीक अनुसार भारतक प्रमुख भाषामे मैथिलीक उल्लेख नहि अछि जखन कि विगत सालक संस्करणमे छल। तात्पर्य ई जे मैथिलीक अस्तित्व समाप्त करवाक षड़यंत्र चलि रहल अछि आ हम व्यक्तिगत मतभेद एवं छोट-छीन स्वार्थक कारणसँ आपसमे खण्ड खण्ड विभाजित भए पैघ काजकेँ तिलांजलि देबापर आरूढ़।

२७मई १९९४ कऽ प्रातः कछुआसँ जजुआड़ लेल चललहुँँं। जजुआड़क नाम दरभंगा गजेटियरमे पढ़ने छलहुँ जे ई गाम यजुर्वेदसँ संबंधित अछि। एहि गामक सम्बन्धमे कछुआमे किछु लोक कहने छलथि-ओ गाम नहि, महानगर थिक, दू पंचायत छैक ओहि गाममे जाहिसँ जनसंख्याक अनुमान लगा सकैत छी। वृक्षहीन नग्न मार्गसँ चलैत-चलैत जजुआड़ हाई स्कूल

पहुँचलहुँ आ शिक्षक सबसँ बात कएल। एक सेवानिवृत वयोवृद्ध समाजसेवी शिक्षक अलिकलालजीक डेरा पर संक्षिप्त मुदा नीक चर्चा भेल। ओ कहलन्हि, जे आइ धरि हम जीवनमे अनेक काज कएलहुँ , आब अपन अर्थात् मैथिलीक कार्य करब आ स्वयं संयोजक बनलथि। अलिकलालजीक डेरा पर के. एन. ठाकुर भेटलाह जे जोधपुरमे कार्यरत छथि। ओ ई सूचना देलन्हि जे मिथिला सभा जोधपुरमे सक्रिय अछि।

मुजफ्फरपुर जिलाक जजुआड़सँ धार टपि कए सीतामढ़ी जिलाक सामरि अएलहुँँं। सामरि हमर बहिनोइ मैथिलीक प्राध्यापक डा. अमरेश पाठकक गाम छैन्हि। हुनक गाममे भेल बैसारमे हम कहलिअन्हि जे पाठकजीकेँ मैथिलीक संवैधानिक मान्यताक लेल दिल्लीक बोट क्लब पर धरना देबाक बदला जजुआड़ सन गाममे चुनावक समय जाकेँ बैसक चाहिअन्हि। मिथिलाक एहन कइएक गाममे एतेक शक्ति छैक जे ओ कोनो उम्मीदवारकेँ जीता वा हरा सकैत अछि। मैथिली, मिथिलाक विकासकेँ चुनावी मुद्दा बनेबाक सेहो सुझाओ हम देल। बीरेन्द्र पाठक सामरि ग्राम समितिक संयोजक भेलाह।

कहल गेल जे सामरिसँ खरका एक कोस अछि। मुदा कोसहु भरि गेला पर लोक रास्तामे ’कोस भरि, कोस भरि’ कहैत रहलाह। दूरीक सम्बन्धमे लोकक एहि प्रकारक कथनक

अभिप्राय बटोहीकेँ ई आशा दिअएबाक रहैत छैक जे आब अहाँ पहुँ ँ ँचि गेलहुँ ँ ँ।

खरका गाममे एक बैंक देखि लागल जे ई विकसित अछि। वयोवृद्ध पुरन्दर वैद्यजीक घर गेलहुँ। ओ गणेश मन्दिर दिस गेल छलाह। मिथिलामे भगवती आ महादेवक मन्दिर तँ गामे-गाम अछि मुदा गणेशजीक मन्दिर इहो बैंकहि जकाँ अपवाद। ओना गणेशजीक सर्वाधिक मन्दिर महाराष्ट्र आ कर्नाटकमे अछि। मुंबई आ बंगलोरकेँ भारतक आर्थिक आ तकनीकी राजधानी कहल जाए सकैत अछि। गणेशजीक सम्बन्ध जँ भौतिक विकास वा बुद्धिक विलक्षणतासँ हो तँ एहि आधार पर ग्रामीण अर्थरचनाक पुनर्रचना आवश्यक।

ई जानि सुखद आश्चर्य भेल जे पुरन्दरबाबू राँची कृषि विश्वविद्यालय परिसरक संस्था ‘वैदेही समिति’क सक्रिय सदस्य डा. राधाकान्त मिश्रक कक्का छथिन्ह। ‘वैदेही समिति १९९३मे ‘मिथिलाक कृषि-आधारित औद्योगीकरण’ पर एक नीक गोष्ठी कएने छल। राधाकान्तबाबू लग पर्याप्त तकनीकी सामग्री छन्हि जकर ओ मैथिली अनुवाद कए रहल छथि।

अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषदक तत्त्वावधानमे एकदिवसीय शिविर प्रत्येक एहन गाम वा गामक समूहमे करवाक योजना अछि जतए वयस्क जनसंख्या पाँच हजारसँ अधिक हो।

एहन शिविरमे कृषि-औद्योगीकरण पर तकनीकी जानकारी विशेषतः रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु, जनस्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारीक संग-संग मिथिला राज्य, मिथिला-मैथिलीक विकासक लेल कार्यकर्ता प्रशिक्षण होएत। मैथिली परिषद, मुजफ्फरपुरक कार्यकर्ता विश्वनाथ झा अनायासहिं ओतहि भेटलथि। ईश्वरचन्द्र झा खरकाक संयोजक नियुक्त भेलाह।

आन्हर छथि मैथिल समाजकेँ कोढ़ि कहनिहार

राढ़ी जाइत काल सड़क पर खसल एक गोट पर्चा भेटल, ओ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालयक विवरण पत्रिकाक मुखपृष्ठ छलैक। कहिओ लोक मिथिला पढ़ए लेल अबैत छल दूर-दूरसँ ं, आब लोक मिथिला छोड़ि बाहर जाइत छथि। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय केन्द्रीय सरकारक अछि कोनो सम्प्रदायक विशेषक नहि, मुदा मुस्लिम नाममे अछि सम्भवतः ताहि कारणसँ मुस्लिम समाजक लोक ओहिना आकर्षित होइत छथि जेना वाराणसीमे काशी हिन्दू विश्वविद्यालयक 'हिन्दू' शब्दसँ। शिक्षाक साम्प्रदायिक विभाजन कथमपि उचित नहि। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय पहिले बनल,तकरहि प्रतिक्रियामे वाराणसीमे हिन्दू विश्वविद्यालय बनल, से कहब कठिन। कहिओ अलीगढ़ गेल छलहुँ तँ आश्चर्य भेल छल ओतए पाकिस्तानी रेलवे स्टेशन सबहक रेल भाड़ा दर्शयबाक लेल एक पृथक बोर्ड लटकल

छलैक। देशमे एहि प्रकारक व्यवस्था मात्र ओतहि छल, एकर अभिप्राय बूझब कठिन नहि छल; स्वभावतः हमर माथ ठनकल छल।

ओतए, मेडिकल कालेजक भवन मुस्लिम कलाकृतिक अनुरूप अछि। केओ कहलक, एतुक्का कइएक शिक्षक पयजामा-कुर्तामे क्लास लैत छथि, दाढ़ी आदि रखने। हम अपन संगीकेँ कहलिअन्हि, अहाँकेँ धोती-कुर्ता पहिरय वा टीक राखएमे लाज किएक होइत अछि? स्कर्ट-नाइटी तक चलि सकैत अछि, मुदा नूआ पहिरलासँ स्त्रीगण स्वयंकेँ पिछड़ल बुझैत छथि, जखन कि एहन कोनो बात नहि अछि, ई हमरा अहाँक चिन्तनक दोष अछि। फुलपैंट वा पयजामा लुंगीमे कोन अन्तर। जे हमर वस्त्र, आभूषणक मर्यादा अछि, तकर आइ पश्चिममे प्रचलन भए रहल अछि। नूआ पहिरेबाक लेल कइएक देशमे भारतीय महिलाक बहाली होइत छन्हि।

राढ़ीक एक दलान पर पहुँचलहुँ। हुनका सबकेँ ओहि दिन प्रातः जालेमे हमर यात्राक जानकारी भेटल छलन्हि। तुरन्त बैसार भेल। शिवानन्द ठाकुर ग्राम संयोजक भेलाह। बम्बइक एक मैथिल कार्यकर्ता भेटलथि, जे भाभा परमाणु केन्द्रमे वैज्ञानिक हमर अनुजक परिचित छलाह। राँचीक मैथिली कार्यकर्ता विनोदजीक घर समयाभावेँ नहि जाए सकलहुँँं।

राढ़ीसँ नरौछ-बिहारीक छोट रास्ता पैघ बाध होइत जाइत अछि, बीचमे मुशहर टोल पड़ैत छैक। मुशहर समाजक लोक बहुत मेहनती होइत छथि; जरैत खेतकेँ तामि कए पैघ-पैघ चेप उन्टा दैत छथि। बिहारी गामक पूर्व पोखरिमे ककरो खेत तमैत देखि सहसा मोनमे विचार आएल जे मिथिलाक लोककेँ आलसी वा कोढ़ि कहब एहि मेहनती समाजक अपमान अछि, जकर कि कोनो व्यक्तिकेँ अधिकार नहि छैक।

एहि प्रकारक मेहनती समाज अहाँकेँ मिथिलाक प्रत्येक गाममे भेटताह। मुदा मेहनतिकेँ महत्त्व वा मूल्य नहि भेटैक तँ स्वभावतः वितृष्णा होइत छैक, लोक पलायनक लेल विवश होइत छथि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली दिस जतए कि मेहनतिक मूल्य भेटैत छैक। उक्त क्षेत्रमे उपजक प्रचुरता हिनकहि मेहनतिक प्रतापसँ होइत अछि। कहल जाइत अछि कि उक्त क्षेत्रमे हिनका लोकनिकेँ प्राथमिकताक आधार पर काज भेटैत छन्हि।

रास्तामे एक गोट पीपरक गाछ भेटल जे अपन छाहरिसँ लोककेँ विश्राम दैत दैक। आगाँ एक भरिआकेँ जाइत देखि समाजक पुरान व्यवस्था स्मरण भए आएल।

भरिया आ कहरिया पर्याप्त मेहनती होइत छथि। हुनका संग

ककरो लेल चलब सम्भव नहि। मशीनी युगमे जीप-मोटरकेँ अएलासँ पालकी आब कहाँ? पालकी उठौनाइकेँ अमानवीय कहल गेल। मुदा प. बंगालक राजधानी कलकत्तामे जतए कि वामपंथी सरकार अनेक दशाब्दीसँ छल (जे२०११ मे उखड़ि गेल) आदमी रिक्शा खींचैत अछि, कोन दृष्टिसँ मानवीय अछि? कहारक द्वारा गामक सीमानमे पालकी पर कनियाँकेँ उठाकेँ अनलासँ कहार समाजक किछु व्यक्तिकेँ रोजगार तँ भेटैत छलैक, संग-संग सहयोगक वातावरण सेहो बनैत छल, शोभा-सुन्दर होइत छल से फराक। वस्तुतः हिन्दू समाजक समस्त जातीय आचार-विचार आ संस्कारमे सम्पूर्ण गामक श्रम नियोजनक सिद्धान्त निहित अछि, वैमनस्य नहि, सौमनस्यक रूपमे।

बिहारी गाममे एक चैक पर किछु ग्रामीणसँ गप्प भेल। हमरा ई कहला पर कि कृषि-प्रधान मिथिलामे पर्यावरणक दृष्टिसँ वृक्षारोपण बेसी आवश्यक अछि, एक व्यक्ति एक वृद्धसँ परिचय करौलन्हि, जे रास्ता कातक एहि विशाल पीपर गाछ रोपने छलाह।

कुलाकान्त मिश्रजीक दरबज्जा पर वयोवृद्ध मुखिया सुखदेव साहुजीसँ परिचय भेल। मुखियाजी अत्यन्त सामाजिक व्यक्ति छथि। बिहारी-नरौछधाम, ई टोल जकाँ अछि। ओ नरौछ धामक छथि। एक-दू पैघ मंदिर ओतए देखबामे आएल, सम्भवत इएह

कारण अछि कि गामक नामक संग धाम लागल अछि। मुखियाजी स्वयं ग्राम संयोजक बनलथि। ओ अपन गामक दू-तीन युवकसँ भेंट करौलन्हि जे जातीय दृष्टिसँ ब्राह्मण छलाह। मुखिया जीक सबसँ पैघ उपलब्धि जे हमरा देखयमे आएल ओ अछि जे ओ अपना गामकेँ जातीय तनाओसँ मुक्त रखने छथि।

साँझ भए गेल छल आ रात्रिविश्रामक गाम सिंगिया १३ किलोमीटर दूर छल, जतए जेबाक रास्ता गौतमकुण्ड, अहियारी, चहुटा होइत अधवाराक एक धार पार करैत छल। गौतमकुण्ड धरि रास्ता बहुत कष्टकर छल। अस्ताचलगामी सूर्यक प्रकाशमे हम तेजीसँ साइकिल चलबैत गेलहूँं। बाट तेहन उभर-खाभर छल साइकिलक बाॅल-बियरिंग एवं अगिला चक्काक धूरी टूटि गेल। एहि बातक जानकारी दोसर दिन टेकटारि स्टेशन लग साइकिल भंगठीबाला मिस्त्री बतौलक। मुदा हाथक दशो आँगुरक जोड़क बियरिंग सेहो थकुचा गेल जकर भान रांँची घुरला पर कइएक सप्ताह धरि होइत दर्दसँ भेल। मुदा शारीरिक जोड़क दर्द तँ एहन नहि जे ओकरा कोनो दोकान पर झट दए बदलि ली।

तखन यात्राक ई कष्ट एवं जनसम्पर्कमे भेटल सुखानुभूति सम्भवत: जीवनभरि स्मरण रहत। गौतमकुण्ड सामने दृष्टिमे छल आ ओकरा लक्ष्य मानि अन्हार होएबासँ पूर्व पहुँँंचबाक छल,

तँ हम ओतए एक धावक जकाँ पहुँँँचलहुँँँ तँ एक महिला बजलीह, ‘एखनहि सिंगिया जाएबाला एक साइकिल दल आगाँँ बढ़ल अछि।’ दूधमती धार टपि अहियारी पहुँँँचलहुँँँ तँ ओहि बरियाती दलक एक युवक जे साइकिल भंगैठ गेलाक कारणसँ पाछांँ छुटि गेल छलाह, हमर संगी भेलथि। बिहारी गामक ओ विद्यार्थी वरक छोट भाए छलाह आ दिल्लीमे किछु काज करैत आगाँक अध्ययनमे लागल छथि। हुनकर लगन देखि प्रसन्नता भेल आ हम अपन पता हुनका देलिअन्हि। एहि मार्गमे चोरबत्तीक उपयोगिता बुझना गेल।

काज कतहु करी, गामक सुधि लैत रही

अपन छोट बहिनिक गाम (सासुर) सिंगिया पहिल बेर जएबाक अवसर भेटल छल। बहिनि दरभंगा डेरा पर छलीह आ अन्य अनेक गाम जकाँ एहि गामक लोक सेहो जमीन खरीद-बिक्रीक प्रश्न पर उठल विवादक कारण आपसमे विभाजित छलाह, तँ बैसार नहि भेल।

दोसर दिन (२७ मई १९९४) भोरे धार पार कए, टेकटारि स्टेशन पहुँँँचलहुँँँ। साइकिल मरम्मतमे किछु समय लागल। दरभंगा दिशिक एक ट्रेनकेँ समय पर जाइत देखि किछु आश्चर्य जकाँ भेल। ट्रेनमे अत्यधिक भीड़ छल, तकर कारण अछि जनसंख्या वृद्धिक अनुपातमे ट्रेनक संख्या नहि बढ़ाओल

गेल।

निकासीमे गामक मंदिर लग नवनिर्मित मड़वा पर डा. कालीकान्त झाक अध्यक्षतामे बैसार भेल। गामक युवक जिनका पर कि समाजक भविष्य निर्भर अछि, मैथिलीक प्रश्न पर खूब उत्साहित छलथि। हुनका लोकनि डा. झाक संयोजकत्वमे मिथिला-मैथिलीक सेवाक संकल्प लेलन्हि। गुआहाटीसँ सेवानिवृत शिक्षक डा. श्यामाकान्त झा सेहो बैसारमे उपस्थित छलथि। ओ स्वयं गुआहाटीमे पर्याप्त सक्रिय मैथिली कार्यकर्ता रहल छथि। ओहि ठामक मैथिलीसेवी संस्था करीब बीस वर्ष धरि सक्रिय रहलाक बाद आपसी गुटबाजीक कारणसँ निष्क्रिय भए गेल छल। हुनक पुरान स्मारिका देखि मोन प्रसन्न आ दुःखी सेहो भेल। प्रसन्नता एहि लेल जे शंकरदेवक प्रान्तमे मैथिल अपन पहिचान बनौने छथि आ दुःख एहि लेल जे आपसी विग्रहक कारण सांस्कृतिक कार्य ठप्प भए गेल अछि। मात्र गुआहाटीमे दस हजारसँ बेसी मैथिल छथि। कइएक साल धरि 'मिथिला मयंक' नामक पत्रिका 'मिथिला परिषद्' द्वारा प्रकाशित होइत रहल, मुदा आपसी विग्रहक कारण संगठन विभाजित भए गेल। पुनः 'विद्यापति गोष्ठी' नामक संस्था बनल जे 'मिथिला दर्पण' निकालब आरम्भ कएलक। ओहि समय ओहि क्षेत्रक मैथिल समाजकेँ संगठित करबाक लेल असमक कइएक जिलामे

संस्थाक शाखा खोलल गेल छल।

हम स्वयं १९८६मे नागालैंड गेल छलहुँ ँ ं तँ दीमापुरमे मजदूरी करैत लोकमे अधिकतर लोक मैथिल बुझेलथि। १९८९मे डिबूरगढ़(असम) गेल छलहुँ ँ ं तँ बाजब-भूकबसँ अधिकतर रिक्शा चलौनिहार मैथिल लगलाह। पहिने लोक रोजगारक चक्करमे पूर्व दिस कलकत्ता, सिलीगुड़ी, जलपाइगुड़ी वा पूर्वा ेत्तर जाइत (मैथिलहि नहि राजस्थानी े सेहो) छल। मुदा आब स्थिति बदलि गेल अछि। चुट्टी गुड़ वा चीनी पर लगैत अछि तेँ लोक आब बम्बई, दिल्ली, पंजाब भगैत छथि जतय कि ब्लैक मनीक प्रभुत्व छैक। एहि पलायनकेँ निरूत्साहित करवाक लेल मिथिलाकेँ आर्थिक दृष्टिसँ सुदृ्ढ़ बनाएब आवश्यक अछि। ई एक-दू व्यक्ति काज नहि, एहि दिशामे सहयोगक रूपमे समस्त समाजक सक्रियता अपेक्षित अछि। संगहि, जतय जे मैथिल छथि, अपन सांस्कृतिक पहिचान बना कैँ राखब एवं मातृभाषा एवं मातभूमिक प्रति ममत्व राखब, सेहो अपेक्षित अछि।

बैसारक बाद हाबड़ा जिला जेलमे कार्यरत सुधीरचन्द्र झासँ परिचय भेल, हुनक मैथिली भक्तिसँ हम भाव-विभोर भए गेलहुँ ँ ं। ओ संगठनमे सहयोगक लेल किछु अर्थदान करए चाहलथि, मुदा हम कार्यालयक पतासँ पठा देबाक सुझाब दए स्वयं लेबएसँ अस्वीकार कए देलहुँ। मैथिलीक प्रति निकासी ग्रामवासी विशेषरूपेँ युवावर्गक उत्साह प्रशंसनीय कहल जाएत।

हरिहरपुर धरि संग देबए बाला युवक विपिन कुमार झा अपन गामक सएसँ बेसी व्यक्तिक संग मध्य प्रदेशक रीवा शहरक लग नगमामे रहैत छथि। रीवाक राजा कहिओ ई गाम विपिनजीक पुरखाकेँ दानमे देने छलथिन्ह जे स्थानीय लोकक द्वारा दबाओल गेल। पुनः न्यायालयक डिग्रीसँ हिनका ओ सब भेटलन्हि।

नगमा गाम निकासी गामक सेटेलाइट कालोनी जकाँ अछि, कारण सब केओ समाजिक कार्य गामहि आबि कए करैत छथि आ ओतहु सब किछु मैथिलीमे। एहि गामक सम्बन्धमे हमर अनुज शुभाकर ठाकुर, जे सतना रेलवे स्टेशनक लोकोमे केमिस्ट छलथि, कहिओ बतौने छलाह। विपिनजी बतौलथि जे मिर्जापुर (वाराणसीक आगाँ◌ं) लग सेहो एक गाम एहने मैथिलक अछि। मुदा ओ सब किछु सम्बन्ध ओम्हरो करए लगलाहअछि।

हरिहरपुर गामक कार्यक्रम राखक कारण छल जे ओ अमेरिकाक मैथिलीसेवी मणिकान्त ठाकुरजीक गाम अछि। मणिकान्तजीक'मैथिली' पत्रिकामे कइएक लेख पढ़ल छल। हुनक गामक प्रति प्रेम स्तुत्य छन्हि। ओ बेटा-बेटीक विवाह गामहि आबि करैत छथि आ गामक बूढ़-पुरानक खिस्सा-गप्पकेँ वीडीओमे संग्रहीत करैत ओहि धरोहरकँ◌े◌ँ बचाकेँ रखलासँ प्रसन्न होइत छथि। गाममे वृक्षारोपण आदि सेहो करैत छथि। एकटा उल्लेखनीय बात और जे मैथिलीक साहित्यकार स्व.

रूपकान्त ठाकुर, मणिकान्तजीक ज्येष्ठ भ्राता छलथिन्ह। तेँ एहन गाममे किछु बतेबाक नहि छल, किछु सीखक इच्छा छल। अपन यात्राक सम्बन्धमे इस्पात अस्पतालमे अपन सहकर्मी डा. संतोष कुमार मिश्रक पिताजीकेँ पहुँँँचक समय-तिथि लिखने छलिअन्हि।

तेँ हमर हरिहरपुर आगमनक सूचना भेटितहिं सब केओ जमा भेलथि, घन्टाभरि विविध विषय पर विचार-विमर्श भेल। प्रमोद नारायण झा एहि गामक संयोजक बनलथि। संतोषजीक पिताजीेकेँ देखि तुरंत ध्यान आएल जे ई जमशेदपुरसँ सेवानिवृŸा भए गाम आएल छथि। कतहु कमाइ मुदा सेवानिवृतिक बाद गाम घुरि जाइ, ई एक आदर्श स्थिति अछि।

आइ-काल्हि एक फैशन भए गेल अछि जे कोनो शहरमे एक छोट मकान वा फ्लैट बना लेब जतए कि वृद्धावस्थामे ने बात कएनिहार केओ भेटताह, ने संगी वा नाति-पौत्र कारण बेटा-बेटी सेहो कतए काज करतन्हि, के जानए? ओहुना आजुक पुतोहु सासुसँ यथाशीघ्र मुक्ति पाबए चाहैत छथि। बम्बई वा दिल्ली सन शहरमे तँ मरलाक बाद कान्ह देनिहार भेटब कठिन।

कतेक विरोधाभासमे जीबै छी हम!

आगाँ कारजक ग्रामीण लोकनिसँ भेंटक पहिने महाकवि चन्दा झाक गाम पिंडारूछ गेल छलहुँँँ। गामक वयोवृद्ध वकील

एवं संस्कृतक विद्वान गोविन्द चैधरीजीक आशीर्वाद लेलहुँ। एहि गाममे नाट्य परिषद् कइएक दशकसँ कार्यशील अछि। चैधरीजीक सलाह पर नदी पार कए सहरसाक एक कालेजमे कार्यरत प्रो. विनय कुमार चैधरीजीसँ भेंट कएल। १९७३-८५ बीच ओ दरभंगामे सामाजिक कार्यमे हमर सहकर्मी छलाह। मैथिलीक लेल काज करवामे सहयोगक आश्वासन देलन्हि।

हैदराबादक मिथिला सांस्कृतिक परिषद्क उत्कृष्ट स्मारिका 'प्रवासी' देखि प्रसन्नता व्यक्त करैत विनयजी कहलन्हि जे एहिमे हुनक सम्बन्धी मैथिली ठाकुरक फोटो छपल छन्हि। किछु दिन पूर्व परिषद्क अध्यक्ष सतीशचन्द्र झाकेँ लिखल गेल पत्रमे हम सम्बन्धित संगठनक कोनो पदाधिकारीक फोटो छापय पर आपत्ति करैत लिखने छलिअन्हि जे एहिसँ किछु व्यक्तिकेँ अतिरिक्त प्रचार भेटैत छन्हि जाहिसँ संगठनक दोसर कार्यकर्ताक उत्साह कुंठित होइत अछि आ एहिसँ अन्ततःसंगठन कमजोर होइत अछि। कोनो संगठनक मुखपत्र वा स्मारिकामे जखन संगठनक समस्त कार्यकर्ता फोटो छापब सम्भव नहि, तखन किछु व्यक्तिक फोटो छापब एक अस्वस्थ एवं संगठन विरोधी परम्परा अछि, एहन हमर व्यक्तिगत विचार अछि।

पिंडारूछमे गोविन्द चैधरी, प्रो. विनय कुमार चैधरीसँ विचार-विमर्श कए प्रसन्नता भेल। मुदा महाकवि चन्दा झाक डीहकेँ

उपेक्षित देखि अतिशय क्लेश भेल। वस्तुतः ई हमरा समाजक दुर्भाग्य अछि कि गौरवगाथा प्रस्तुत करवाक क्रममे हम जाहि साहित्यिक, सांस्कृतिक विभूतिक उल्लेख कए गौरवान्वित होइत छी, ओहि विभूतिक स्मृतिशेषकेँ धरोहरिक रूपमे सम्मानक संग रखबाक चेष्टा नहिकँए अपन भौतिक समृद्धिमे लागि ओकरा भगवान भरोसे विनष्ट होएबाक लेल छोड़ि दैत छी। एकर उदाहरण थिक पिंडारूछ स्थित महाकवि चन्दा झाक डीह, विद्यापतिक जन्मभूमि विस्फी, याज्ञवल्क्यक तपस्थली जगवन, मंडन मिश्र, अयाची मिश्रक जन्मभूमि। दुर्भाग्यक बात अछि जे इ मनःस्थिति मात्र मिथिलहिमे नहि, सम्पूर्ण देशमे देखल जाए रहल अछि जकर प्रमाण थिक निराला, पे्रमचन्द, मैथिलीशरण गुप्त, शिवपूजन सहायजीक उपेक्षित जन्मभूमि।

महात्मा गाँधी चम्पारणमे जाहि स्थानसँ आन्दोलन आरम्भ कएने छलाह, ओ स्थान सेहो उपेक्षित अछि जखन कि गाँधीजीक नाम लए लोक देशपर राज कए रहलाह अछि। वस्तुतः इएह थिक हमरा लोकनिक जीवनक विरोधाभास कि अतीतक गौरवज्ञानकेँ हम अपन अभाव वा कुरूपताकेँ झाँपक चेष्टा तँ करैत छी, मुदा ओहिसँ प्रेरणा लए ओकरा आओर समृद्ध बनेबाक प्रति एकदम उदासीन बनल छी।

महम्मदपुरमे डा.उदयशंकर सहायसँ भेँट भेल। दरभंगा मेडिकल कालेजमे ओ हमर सहपाठी छलाह। ओ मुंगेरक निवासी

छथि मुदा आब दरभंगहिमे बसि गेल छथि। मैथिलीक काजक लेल पूर्ण सहयोगक आश्वासन देलथि।

की विद्यापति साम्प्रदायिक छलाह?

हमर यात्रा विषयक पत्रक सम्बन्धित व्यक्तिकेँ कारजमे भेटल छलन्हि तेँ किछु लोक प्रतीक्षारत छलथि। गामक मन्दिर पर रमणजीक संयोजकत्वमे एक गोट छोट-छीन बैसार भेल। तत्पश्चात आगाँ बढ़लहुँँं तेँ बरिऔलसँ आगाँ एक चैक पर ‘विद्यापति चैक’ लिखल देखि मोन हर्षित भेल, ओहि ठाम किछु देर ठहरलहुँँं। ओतुक्का निवासी हरिनारायण मिश्र संयोजक बनलथि। ओ मैथिलीक उपेक्षासँ अतिशय क्षुब्ध छलाह। पुबारि टोलक कामोद नारायण मिश्रक विचार तँ अति उत्तम छलन्हि। मुदा हुनक पतामे जखन हम ‘विद्यापति चैक’ लिखलहुँँं तँ पता नहि कोन कारणसँँ ओ आपत्ति कएलथि। हम पुछलिअन्हि- ’एना किएक? जखन एक दोकानक फाटक पर ‘विद्यापति चैक’ लिखल अछि, तखन अहाँक आपत्ति किएक होइत अछि? की विद्यापतिकेँ सेहो केओ साम्प्रदायिक वा जातिवादी कहैत अछि? वस्तुतः ई अपन मोनक हीन भावनाक द्योतक अछि। हम समस्त पत्राचारमे ‘विद्यापति चैक’ लिखब। अहाँ लोकनि जनसहयोगसँ एहि ठाम जनकविक मूर्ति स्थापनाक संकल्प करू। जँ

विद्यापतिकेँ केओ साम्प्रदायिक वा जातिवादी मानैत कहैत अछि तँ ओकरा सम्पूर्ण समाजक समक्ष नाङ्ट कएल जाए।'

महाकवि विद्यापति सम्पूर्ण पूर्वांचलमे अपन लोकयान (लोकगीत) क आधार पर जनमानसमे प्रतिष्ठित छथि आ अनन्तकाल धरि प्रतिष्ठित रहताह। डा. सुनीति कुमार चटर्जी देवेन्द्र सत्यार्थीकेँ सलाह देने छलथिन्ह- हीनयान, महायान जकाँ लोकगीतकँे 'लोकयान' कहल जाए आ देवेन्द्रजी अपन जीवनक अन्तिम अभिलाषा लोकगीतकेँ 'लोकयान'क रूपमे प्रतिष्ठित करब बुझैत छथि। लोकयानक संग्रहमे हुनका विद्यापतिक कतेक गीत भेटलन्हि से नहि जानि, मुदा एहिमे संदेह नहि जे विद्यापतिक अनेक गीत एखनहु संग्रह होएबासँ वंचित अछि। समयाभावक कारणसँ हम एहि यात्रामे महाकविक जन्मभूमि विस्फी जाए हुनका श्रद्धांजलि अर्पित नहि कए सकलहुँँं मुदा चैक पर उठल विवादसँ किछु संदेश अवश्य भेटल। संगहि, समाजक दोषपूर्ण चिन्तन ज्ञात भेल एवं एकरा दूर करवा लेल सांस्कृतिक चेतना जगेबाक आवश्यकता बुझना गेल।

कर्नाटक, राजस्थान आदि जकाँ पृथक मिथिला राज्यक गठन हो मब्बी होइत दरभंगा राज परिसर स्थित माधवेश्वर साइकिल यात्राक अन्तिम चरण छल। यात्राक समाप्ति संतोषप्रद रहल।

दरभंगा मेडिकल कालेजमे पढ़ैत काल माधवेश्वर कइएक बेर गेल छलहुँँं- श्यामा माता एवं अन्यान्य भगवतीक दर्शन आ विभिन्न मनौतीक लेल। माता अन्नपूर्णा आ गंगामाताक मन्दिर,

श्यामा मन्दिर, फेर तीन काली मन्दिर जाहिमे तेसर अपेक्षाकृत नव कामेश्वर सिंहक चिता पर छन्हि आ फेर पुरातन शिव मन्दिर

- ई सब मन्दिर एक पैघ पोखरिक चारू कात स्थित अछि आ संध्याकाल लोक सबसँ भरल एक अप्रतिम मनोहारी दृश्य उपस्थित करैत अछि।

हम ई कहिओ नहि बुझि पएलहुँँं जे भीड़ मात्र श्यामा मन्दिर पर किएक रहैत छल। सम्भवतः एकर कारण मन्दिरक सफाइ, नीक व्यवस्थाक संग-संग सविधि पूजा-पाठक अनुष्ठान एवं मनौतीक सिद्धि सेहो भए सकैत अछि। हमहूँ कहिओ एहि लेल गेल होएब। मुदा एहि बेरक दर्शन तँ साक्षात् माँ श्यामाक कार्यक लेल छल। मैथिली, भारती आखिर भगवतीकंहि दोसर नाम छन्हि।

स्वागत लेल मिथिला मैथिलीप्रेमी श्रेष्ठजन होएताह, एकर तँ कल्पनहुँ नहि छल तथापि मन्दिर पर किछु युवा कार्यकर्ता उपस्थित छलाह। निगम झा, राजीव नन्दन, अमरनाथ, ललन,

संजीव आ उदयशंकर।

उदयशंकर मिश्र मैथिली आन्दोलनक एक संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत कएलन्हि आ अगिला कार्यक्रममे मैथिलीक दधीचि बाबू भोलालाल दासक जयन्ती (गंगा दशहरा) मनेबाक योजना बतौलन्हि। बिहारमे उर्दूकेँ दोसर राजभाषा बनेबाक तीव्र विरोध कएलन्हि, संगहि मिथिलाक प्रति व्यक्ति आमदनी (दिल्लीमे 4000 रूपया- बिहारक 1091 रूपया) बहुत कम भेला पर चिन्ता व्यक्त कएलन्हि। विचार विमर्शक बाद निगमजीक संग महाकवि सुरेन्द्रझा 'सुमन' जीक डेरा पर गेलहुँ। ओ 'साइकिल यात्राक' विवरण सुनि गद्गद भए उद्देश्य-सिद्धिक आशीर्वाद देलन्हि।

मिथिला-मैथिलीक हितमे काज केनिहार कोनो व्यक्ति दरभंगा पहुँचि जँ डा. लक्ष्मण झासँ भेंट नहि करितथि तँ ओ स्वयंमे एक प्रकारक अपराध होइत। मिथिला विश्वविद्यालयक पूर्वकुलपति डा. झा कइएक भाषाक विद्वान आ प्रख्यात समाजवादी चिन्तक छलथि। हुनक समस्त विचारसँ हम वा आन केओ सहमत होथि, ई आवश्यक नहि, मुदा हुनक अनुभवसँ दिशा-निर्देश प्राप्त कएल जाए सकैत छल किएक तँ पृथक मिथिला राज्यक मांगक झंडा लए कहिओ ओ आन्दोलन सेहो कएने छलाह।

अस्तु २९ मई १९९४कैं प्रातःकाल डा. झासँ भेंट करबाक लेल सारामोहनपुर गेलहुँ। मुदा संयोग एहन जे ओ गाम गेल छलाह तथापि हुनक सहयोगी भेटलाह जे कमरा देखौलन्हि। दू कोठली पुस्तकालय अर्थात किताबसँ भरल एवं कइएक बाकस (पेटी) पांडुलिपिसँ भरल छन्हि जाहिमे 1600 पृष्ठक मिथिलाक इतिहास सेहो अछि।

अङरेजीमे लिखल एक पुरान पुस्तक 'मिथिला' देलथि जकरा हम बादमे पढ़लहुँ। पुस्तक पढ़लाक बाद एहन लागल जे समाजवादी भेलाक करण यू.एस.एस.आर. जकाँ भारतक सेहो 'यूनियन रिपब्लिक' क हुनक कल्पना पाँचम दशकमे छलन्हि मुदा सोवियत संघक विघटनसँ ई सिद्धान्त ढ़हि चुकल अछि। वस्तुतः एहि प्रकारक चिन्तन हमरा दृष्टिमे एकदम अव्यावहारिक अछि, व्यावहारिक होएत जे केरल, कर्नाटक, राजस्थान आदि प्रान्त जकाँ पृथक मिथिला राज्यक गठन कएल जाए; अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्क इएह मांग अछि।

डा. लक्ष्मण झाक डेरासँ घुरलाक बाद लहेरियासराय स्थित मिथिलांचल विकास परिषद्क कार्यालय गेलहुँ। उदयचन्द्र चैधरीक अथक परिश्रमसँ ई संस्था मिथिला-मैथिलीक विकास आ सेवामे लागल अछि। बादमे डा. शंभुनाथ चैधरीक डेरा पर

गेलहुँ◌ँ◌ं जतए साहित्यकार रमानन्द ‘रेणु’ जे अपन पत्नीक पेटक दर्दक दवाइ लेबए आएल छलथि, हमरा देखि बहुत देर धरि बैसल रहलाह। हुनकासँ बहुत देर धरि मिथिला-मैथिलीक उत्थानक सम्बन्धमे गप्प भेल।

अपराह्नमे समस्तीपुर पहुँ◌ँ◌ंचला पर विद्यापति परिषद्, समस्तीपुरक वयोवृद्ध अध्यक्ष नचारीलाल झाक अध्यक्षतामे बैसार भेल आ तय भेल जे कर्पूरीग्रामसँ मैथिलीक रक्षा हेतु आन्दोलन आरम्भ कएल जाए। वस्तुतः कर्पूरीजी मैथिलीकेँ अष्टम अनुसूचीमे सम्मिलित करेवाक लेल जतेक प्रयास कएने छलाह, तकर शतांशहँ◌ु दोसर केओ कएने रहितथि तँ मैथिलीक दुःस्थिति नहि रहितैक।

अध्याय ३

मात्र मिथिला राज्यक संघर्ष श्रेयस्कर होएत

सितम्बर १९९४मे मधुबनी जिलाक उत्तरी भागक ‘मिथिला जागरण यात्रा’क विचार भेल; एहि क्षेत्रमे सम्पर्क नहि भेल छल; क्षेत्रक ठेकनगर जानकारी सेहो नहि छल। तेँ राँचीक अनेक मैथिल बंधुसँ सम्पर्ककँए जानकारी प्राप्तिक चेष्टा कएल मुदा कोनो ठेकनगर जानकारी नहि भेटल। संयोगसँ हिन्दुस्तान खाद

निगममे कार्यरत एक मैथिल बंधु महेन्द्र चैधरीजीक सम्बन्धमे कियो जानकारी देलथि। संवाद देला पर भेंट करबा लेल ओ स्वयं अयलथि। ओ कमलाबाड़ीक छलथि आ हिनकासँ कलुआही-जयनगर-गजहारा मार्गक अत्यन्त उपयोगी जानकारी भेटल। एहिसँ आगाँक मार्गनिर्देशक मानचित्र 'भारती' राँचीक पूर्व महासचिव शिवनारायण झाजीसँ भेटल जे अत्यन्त उपयोगी सिद्ध भेल, विशेषरूपेँ मानचित्र किछु गाम जेबाक प्रेरणा देलक, यथा कमला-बलान दूनू नदीक बीच बसल श्याम सिद्धब।

प्रत्येक नवरात्रमे दुर्गापाठ करैत छी मुदा अवकाश-सुविधा आ कार्यक्रमक बीच समन्वय बैसेबा लेल नवमी संध्यामे मौर्य एक्सप्रेस पकड़ल। पंचांगक अनुसार दुपहर तीन सतरहक बाद दशमी छल तेँ ताबत एकभुक्त रहि जयन्ती काटल आ अवशेष बालु आदि दोसर दिन भोरे सिमरिया राजेन्द्र पुलपरसँ गंगामे प्रवाहित कएल। उद्देश्य जँ नींक हो आ अन्तःकरण निर्मल तऽ एहि प्रकारक कार्यक्रम स्वयंमे एक पूजा थिक। मैथिली अर्थात सीता जे स्वयं भगवती थिकीह, हुनका निमित्त बनाओल कार्यक्रम स्वयंमे पूजा थिक एहिमे कोनो संदेह नहि। जयन्ती कटैत काल विनोदजी 'मैथिली संदेश'क प्रवेशांक दए गेल छलाह, ई सेहो एक अö ुत संयोग छल।

राँचीमे डेरासँ निकलैत काल पत्र भेटल जे साइकिलक इन्तजाम कन्हौलीसँ नहि भए सकत। सोचलहुँ◌ँ◌ँ◌ं जे गाममे नहि भेटला पर नब खरीद लेब। मधुबनीमे श्रृंगेशजीक बालक संजय अपन साइकिल सहर्ष देलथि जे रास्तामे कतहु भंगठल नहि आ यात्रा सहज रहल। ई सब मात्र दैवी संयोग अछि। हम मानैत छी जे कोनो नींक काज लेल निकलि जाउ, भगवती संग देतीह। एहिमे होमयवला व्यक्तिगत वा पारिवारिक कष्ट वा क्षतिक पूर्ति सेहो अन्ततः भए जाइत छैक अन्यथा सामाजिक जीवनक ऋषि परम्परा कहिआ ने समाप्त भए गेल रहैत।

बरौनीमे मिथिलांचल एक्सप्रेस पकड़ने छलहुँ आ ओतहिसँ ‘मैथिली संदेश’क वितरण यात्री लोकनिक बीच ट्रेन आ प्लेटफार्म पर करैत रहलहुँ। मधुबनी स्टेशन एवं बस स्टैण्ड पर सेहो वितरित कएल। एहि क्रममे किछु नींक व्यक्ति सम्पर्कमे अएलथि जेना भागलपुरक प्राध्यापक हेमकान्त झा, बेगुसरायक प्राध्यापक डा. सुनील ठाकुर, मिथिला युवा मंच, मधुबनीक संगठन सहसचिव दिलीप कुमार भगत।

मधुबनी स्टेशन पर एक टेªन गेलाक बाद हम घुरि कए देखल ‘मैथिली संदेश’ फेकल नहि छल यद्यपि रांचीक एक प्रतिष्ठित मैथिलक डेरा पर हमरा एहनो देखक अवसर भेटल छल। एकरा कोनो सामान्य ग्रामीण व्यक्ति वा अल्पशिक्षित छात्र

किएक सुरक्षित रखलक, एहि मानसिकताकेँ बुझब आवश्यक अछि। निश्चितरूपेँ हुनका हृदयमे एखनहु मिथिला-मैथिलीक प्रति ममत्व जीवित छन्हि आ एकरा परिपुष्ट करब हमरा लोकनिक दायित्व अछि। एक प्रति 'मैथिली संदेशक' मुद्रण मूल्य तीस-पैंतीस पाइ छलैक(१९९४ मे जे आब २०१२ मे ण्क रूपा भए गेलैक अछि) जखन कि ओकरा छापए आ वितरणमे लागल अनेक कार्यकर्ताक श्रम अमूल्य अछि।

स्टेशन, बस स्टैण्ड पर एहेन जागरण पत्रक बंटलासँ ई गाम-गाम पहुँँँचि जाइत अछि आ जँ लोग एकरा पढ़ि कए गाममे दोसरहु लोककेँ पढ़ाबथि आ फेर कतहु प्रमुख स्थान पर साटि देथि तँ सीमित साधन रहितहुँ प्रकाशनक बहुत किछु उद्देश्य पूरा भए सकैत अछि। यात्रा क्रममे लोहा गामक एक छात्र अपन मनीबैगसँ 'मैथिली सन्देश' निकालि दिखौलथि आ डीहटोल हरिपुरमे अवकाशप्राप्त शिक्षक हरदेव लाल दास कहलन्हि जे टेनमे हुनको 'मैथिली संदेश' भेटन्हि। तहिना कवि चन्द्रमोहनकेँ अपन गाम पड़वामे चाह दोकान पर प्रति देखि लगलन्हि जे 'मैथिली संदेश' गामे-गाम जरूर पहुँचल अछि।

१४ अक्तूबर १९९४क रातिमे मधुबनीमे अपन भागिनक डेरा पर रहलहुँ आ १५.१०.१९९४ कऽ साइकिल यात्रा प्रारम्भ भेल।

रामकृष्ण महाविद्यालय, मधुबनी पहिल बेर देखबा लेल उत्सुकतावश गेलहुँ। पर्याप्त सुरम्य वातावरण लागल। छुट्टी छलैक तथापि सूचनापट पर ‘मैथिली संदेश’ साटि आगाँ बढ़लहुँ। दू बटोही भेटलाह जाहिमे एक मुम्बइक मैथिली कार्यकर्ता छलथि। कोजाग्राक तैआरीमे मखान कीनि घुरल छलाह। ज्ञात भेल जे एतुक्का ६०-७० रुपया किलोक दानाक परतरि मुम्बइक २०० रुपैयाबाला कि फैँटल की करत? मखान उद्योगक मिथिलामे अपरिमित संभावना अछि। अनुमान अछि जे मखान देशक एक विशेषभागमे होइत अछि जे मिथिलाक उत्तरी भाग मधुबनीसँ अररिया जिला धरि अछि। एकर विकास एक कृषि-उद्योगक रूपमे अपेक्षित अछि। संगहि एक मखान शोध संस्थान स्थापित होएबाक चाही।

रहिका कालेजमे ‘मैथिली सन्देश’ दैत गाम पहुँचलहुँ जतए चुनचुन बाबू प्रतीक्षारत छलथि। राँचीक मैथिली कार्यकर्ता गिरीशजीक(जिनक पिताजीक देहावसान भेल छलैन्हि), सुझाव छलैन्हि जे आब एकमात्र पृथक मिथिला राज्यक संघर्ष होएबाक चाही, पृथक राज्यक अतिरिक्त मिथिलाक उद्धारक आन कोनो उपाय नहि भए सकैत अछि। ओतहि मैथिलीक प्रख्यात कवि उदयचन्द्र झा ‘विनोद’ (जे सासुर रहिकामे बसि गेलाह अछि) भेटलाह। चुनचुनबाबू भरि दिन संग देलथि। लोहामे घूरन झा आ कपसियामे शिक्षक महावीर झाक द्वारा किछु व्यक्तिसँ सम्पर्क

भेल।

कलुआहीमे मुखिया रमेशजीक घर पहुँचलहुँ। ओ दुर्गा भसानक कारणसँ अत्यन्त थाकल छलथि तेँ फेर चैक पर अएलहुँ आ प्रबुद्ध लोक सबकेँ देखि 'मैथिली सन्देश' देलिअन्हि। ओहिमे एक बजलाह जे मेधाकान्तजी अहाँ सबहक प्रतीक्षा कए रहल छथि आ दुर्गास्थान ढंगामे रातिमे बैसार पूर्वनियोजित अछि। एतहि भालपट्टी गामक युवा मैथिली कार्यकर्ता प्रेमचन्द्र ठाकुर भेटलाह जे भरि यात्रा संग देलथि।

विद्यापतिक नामसँ फसादक भए किएक?

ढंॎगा हरिपुरमे डाॅ. युगेश्वर झाक अध्यक्षता एवं मेधानन्दजीक संयोजकत्वमे एक नीक बैसार भेल। बैसारमे मैॆथिली आन्दोलनक प्रगतिक सम्बन्धमे उपस्थित बन्धुलोकनिकेँ जानकारी देबऽमे नींक लागल। निष्कर्ष रूपमे हम कहिलिअन्हि जे जावत मिथिला राज्य नहि बनत, मैथिलीकेँ मान्यता नहि भेटत, ने मिथिलाक विकास होएत।(यद्यपि कालान्तरमे मैथिलीक संवैधानिक मान्यता भेटल जाहि समय वाजपेयी तारा बाबूकेँ कहलखिन्ह 'अब राज्य की मांग नहीॆं ना कीजियेगा?' हुनक एहि वाक्यकेँ द्विअर्थीय बुझक चाहीकारण तुरन्त बाद १.२.२००४क वाजपेयी रांचीक वनवासी सम्मेलनमे बजलाह-

’हमने तीन नये राज्य बनाए, जनता चाहेगी तो और राज्य बनेंगे।’ करीब एक दशक उपरान्तहुँ ने तँ मैथिलीबिहार-झारखंडमे द्वितीय राजभाषा बनि सकल ने प्राथमिक शिक्षाक माध्यम आ हमर मिथिला-मैथिलीक विकास सम्बन्धित मान्यता लेल मिथिला राज्यक अनिवार्यताक सिद्धान्त मैथिलीक संवैधानिक मान्यता अछैत अविछिन्न अछि।)

कृष्णकान्त मिश्रक अभिमत छलन्हि जे अपन परिवारमे मम्मी, पापा आदिक स्थान पर माए, बाबूजी आदि सम्बोधनक प्रयोग करी। हमरा स्मरण भए अएलथि लहेरियासरायक डाॅ.बी.एन.दासगुप्ता जे एहेन शब्द सुनि कहैत छलथिन्ह - ’बाहरमे कहब अंग्रेजी हटाऊ आ घरमे ममी-डैडी।’ एहिमे गौरवान्वित अनुभव करब, एहिसँ बढ़िकेँ विरोधाभास आओर किछु नहि भए सकैत अछि। एक बच्चाक नाम अप्पू छलैक तँ ओ डंटने छलथिन्ह जे हाथीक बच्चाक नाम पर एसियाडक अप्पू नाम पड़ल छलैक, ई तँ मनुखक बच्चा अछि। डाॅ.दासगुप्ताकेँ घरमे हुनक बेटा-बेटी हुनका ‘बाबा’ कहि सम्बोधित करैत छलन्हि जे बंगाली परिवारमे पिताकेँ कहल जाइत छैक। हुनक तीनू बच्चा इंग्लैंड, अमेरिका, कनाडामे छन्हि आ स्वयं ओ इंगलैंडसँ उपाधि प्राप्त कएने छलथि आ दरभंगाक एस.डी.ओ.क बालक छलाह। समाजमे जँ केओ ‘मम्मी-डैडी’ कहि-सुनि अपनाकेँ उन्नत एवं

अत्याधुनिक बुझक भ्रम पालैत छथि, हमरा जनैत ओहिमे कियो व्यक्ति डाॅ.दासगुप्ताक परिवारक शिक्षा एवं प्रतिष्ठाक समकक्ष प्रायः नहि होयताह।

जानकी नवमी (बैशाख शुक्ल ९जे रामनवमीक ठीक एक मास बाद होइत अछि) मनेबाक गप्प उठौला पर अध्यक्ष डाॅ. युगेश्वर झा सूचना देलथि जे मजरही टोलमे ओ सब प्रतिवर्ष मनबैत छथि। मुदा मिथिलाक प्रत्येक ग्राम जानकीमय होअए तकर आवश्यकता अछि। डाॅ. झा बजलथि जे कल्याणक मनोरथ भेलहि पर सफलता भेटत। नवभावनाक जागरण होएबाक चाही। संगहि 'मैथिली संदेश' पत्रिकाकेँ जागरण संदेशक वाहक बनक चाहिऐक।

बैसारक बाद एक गोटे बात उठौलथि जे महाकवि विद्यापतिक मूत्र्ति बनल छन्हि मुदा कलुआही चैक पर लगेबासँ स्थानीय प्रशासन मना करैत अछि जे एहिसँ दंगा-फसाद होएत, तेँ विद्यालयमे े स्थापित करक बात अछि। हमरा आश्चर्य भेल प्रेमक गीत गौनिहार महाकवि विद्यापतिक चलते दंगा? हिन्दीक प्रसिद्ध कहबी अछि 'सावन के अंधे को सर्वत्र हरा ही हरा दिखाई देता है!' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल श्रृंगारिक चश्मासँ विद्यापतिकेँ देखलथि तँ विद्यापति हुनका घोर श्रृंगारिक देखयमे अएलथिन्ह। चैतन्य महाप्रभु हुनक गीत गबैत काल भावाभिभूत भए नाँचय

लगैत छलाह। तुष्टीकरणक राजनीतिमे बहकल आजुक नेता आ हुनक अन्धभक्तिमे लागल स्थानीय प्रशासन विद्यापतिकेँ साम्प्रदायिक बनएबामे लागल अछि। मुदा, प्रश्न अछि जे चैक पर प्रतिमा प्रतिष्ठापनमे जे विद्यापति प्रशासनक दृष्टिमे साम्प्रदायिक छथि, ओ विद्यालयक लेल 'सेकुलर' केना भए जएताह?

जँ विद्यापतिक मूत्ति कलुआही चैक पर लगौलासँ ट्राफिकहुँ बाधित होइत होइक तँ दिल्लीसँ दरभंगा-मधुबनीधरि प्रमुख चैक पर किएक अतेक मूत्ति लागल अछि? उत्तर भारतसँ बेसी दक्षिण भारतमे मूर्ति भेटत। ओहिठामक ट्राफिक आ सड़क, बस कमसँ कम बिहारसँ नीक तँ अवश्य छैक। यदि कलुआही चैक संकीर्ण होइक तँ प्रशासनक दायित्व छैक कि ओ सड़क चैड़ा करबाक लेल अतिक्रमण दूर करए। विद्यापतिक मूत्ति रहिका चैक पर अछि, कलुआही चैक ओहिसँ पैघ हमरा बुझना गेल। रहिकामे विद्यापति सेकुलर आ कलुआही-बरिऔलमे साम्प्रदायिक? ई समाजमे विभेद उत्पन्न करबाक कुचक्र अछि, हमरा लोकनिकेँ एहि कुचक्रसँ सदा सतर्क रहबाक आवश्यकता अछि।

रात्रिविश्राम मेधानन्दजीक घर पर भेल। ओतहि ज्ञात भेल जे ओ राँचीक प्रतिष्ठित मैथिलीसेवी शारदानन्द झाक भातिज छथि। अति प्रसन्नता भेल मेधाजीक अस्सी वर्षीय पिताजीसँ गप्प कए।

मेधाजीक एक भागिन गोपालगंज जिलाक छलथिन्ह। ओतहु किछु गाम मैथिलीभाषी अछि, ई जानि आश्चर्य मश्रित प्रसन्नता भेल। हम तँ ओहि क्षेत्रकेँ पूर्णतः भोजपुरीभाषी बुझैत छलहुँ आ चम्पारणकेँ मिश्रित।

एकर अर्थ भेल जे पुरान चम्पारण तँ निर्विवादरूपेँ मिथिलाक अंग भेल, पुरान सारण मिथिलाक सीमा भेल आ पुरान सारण सीमाक कारणसँ गोटा-गोटी गाम वा घर मैथिल ओतहु भए सकैत छथि। हम एक लेखमे पढ़ने छलहुँ जे मिथिलाक पछबरिया सीमा गोरखपुर पार छल। पौराणिक कालमे विदेह माधव हाथमे वैश्वानर यानी आगिलँए सदानीरा नदी (जे घाघरा आ सरयू नदीक बीच छल) पारकँए विदेह यानी मिथिला बसौलाह। सारणसँ ’स अरण्य’ यानी ’जंगलसँ भरल’क बोध होइत अछि आ चम्पारणसँ ’चम्पाक जंगलक’ आ अखनहुँ सारणक भोजपुरी गंगापार आराक भोजपुरीक अपेक्षा जँ मधुर मानल जाइत अछि तँ एकर कारण नि:संदेह सीमावर्ती मैथिलीक प्रभावसँ।

केन्द्रकेँ कमजोर भेलासँ सीमा सिकुड़ैत छैक। कैकेयी, गांधारीक समयक भारतक सीमामे छल मलयेसिया, बर्मा, स्याम, लंका, पाकिस्तान, बंगलादेश आदि। आब एहि क्षेत्रक बात के कहए, कश्मीर तक पर आफत आएल अछि। नेपाल

अलगो रहि अपन हिन्दू संस्कृतिकेँ बचैने अछि। तहिना मिथिलाक केन्द्रीय भागकेँ कमजोर भेने चम्पारणक बाद बज्जिका, गंगाक दक्षिण अंगिका आदिक बात मिथिला-मैथिलकेँ विरोधी द्वारा राजनीतिक दृष्टिकोणसँ उठाओल जाए रहल अछि।

तेँ आवश्यक अछि जे केन्द्रीय मिथिलाकेँ सर्वप्रथम संगठित करी अपन भाषा-भूमि पर गौरवक लेल, तखन फेर पूरा मिथिला चम्पारणसँ देवघर तक एक नीक विचार आ सांस्कृतिक अधिस्थापनक हेतु बनत आ भारत आ नेपाल, दूनू देशक आन भागकेँ जीवनक उच्च आदर्शक संदेश देत, दूनूूक राष्ट्रिय अखण्डताकेँ सुरक्षित करैत।

युवा लोकनिक संग १६.१०.१९९४केँ बड़देपुर ग्राममे हर्षनारायण झाक द्वारा एक छोट बैसार भेल। नरार ग्रामक सुरेन्द्र प्रसाद सिंह एवं योगेन्द्र पंजियारसँ सम्पर्क करैत अजीत कुमार सिंहक दरबज्जा पर पहुँँँचला उत्तर ध्यान आएल जे नरार पैघ गाम अछि, एकरा लेल भरि दिनक समय चाही। समयाभावक बादहुँ गामक प्रमुख टोलमे तेरह ठाम सम्पर्क भेल। एहिमे परमेश्वर कुमर (सरपंच), रामप्रकाश सिंह (भूतपूर्व मुखिया)क संग शिलांगमे कार्यरत रामनारायण झा सेहो छलथि। झाजी कहलन्हि जे अगिला बेर जहिआ कहिओ शिलांग हम जाइ, ओ बैसार करताह, ओतहु बहुत मैथिल मजदूरसँ उच्चपद तक कार्यरत छथि।

चचराहा पहुँचलहुँ तँ रामनारायण सिंह एवं हरिवंशनारायण सिंहसँ भेंट भेल। हुनका ओतए केवलपट्टीक चन्देश्वर सिंह, प्रयागमे कार्यरत राकेश कुमार सिंह, बहेड़ी थानाक जगन्नाथ सिंह, रौतहट, नेपालक श्यामनन्दन कुंवर, रहुआ-संग्रामक गंगा प्र. सिंह भेट भए गेलिथि जे मैथिली जागृति संदेशकेँ अपन गाममे प्रसारित करक भार लेलन्हि। मैथिलीक प्राध्यापक रामचन्द्र झासँ सम्पर्क भेल जे उत्साहित भए जयनगरमे रात्रिबैसारक संदेश प्रो. कमलकान्तजीकेँ पठौलथिन्ह।

सेलीबेलीमे रामविनोद सिंह, अर्जुन सिंहसँ भेँटकए महंथ कृष्णानन्द गिरिजीक स्थान पर गेलहुँ मुदा ओ नहि छलाह। दुलीपट्टीमे सड़क कात मकान वैद्यजीक छन्हि। बातचीतसँ ज्ञात भेल जे ओ कलकत्तामे मैथिलीसेवी शारदानन्द झाक पिता छथिन्ह। महेन्द्र झासँ भेंट भेल तँ ओ राँचीक मैथिलीसेवी एवं राँची का ॅलेजमे राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डा ॅ. राजकुमार झाक सम्बन्धी निकलि गेलाह। डा ॅ.सत्यनारायण झासँ भेँट भेल जिनक बालक राँची सी.एम.पी.डी.आइ.मे छथिन्ह। अन्तमे भेटलाह चन्द्रमोहन सिंह जे जयनगरक ग्राम पंचायतक मुखिया प्रमुख छथि। हिनका लोकनिक हृदयमे मिथिला-मैथिलीक लेल सम्प्रति भाव उमड़ल अछि, एहन बात-व्यवहारसँ स्पष्ट भेल।

मिथिला-मैथिलीक लेल संघर्ष अपरिहार्य

भारत-नेपाल पर स्थित जयनगर आधा शहर, आधा गाम जकाँ अछि, अनुमान अछि एकर नामकरण सम्भवतः कहिओ कोनो विजयक उपलक्ष्यमे भेल होएत। राति भरि कमलकान्तजीसँ मैथिली आ मिथिला सम्बन्धित विविध विषय पर गप्प भेल। हुनका लग पहुँचल छलाह युवा मैथिल सुभाष मिश्र। ओ हमरा मिथिलांचल एक्सप्रेसमे भेटल छलाह।

सतरह अक्तुबर १९९४ कैं गामक प्रमुख व्यक्ति सबसँ हमरा परिचित कराओल गेल जाहिमे उग्रनारायण झाक विशिष्ट भूमिका रहल। ब्राह्मण टोलमे एक घरमे कइएक गाय देखि हमरा नीक लागल आ प्रशंसा करैत हम कहर्लिअिन्ह, एहने पशुपालन आ कृषि-आधारित उद्योग भेला पर मिथिला फेर उन्नत होएत। सहायक अभियन्ता ललित नारायण मिश्रसँ मिथिलाक बाढ़ि आ पटौनीक समस्या पर एवं पवित्रनारायण झा, अधिवक्तासँ अष्टम अनुसूची सहित गाम-घरक न्यायिक प्रश्न पर बहुत किछु गप्प भेल।

कस्मा मरार गामक मिश्री दासजी जे कि क्षेत्रक एक लब्धप्रतिष्ठ हरिजन नेता छथि, अग्रिम मार्गनिर्देशक भेलाह। बेला बनरैत टोलमे जगदेव बनरैत समय अएला पर सहायता करबाक आश्वासन देलथि। बेतौन्हा जेबाक सड़क देखि अति दुःखी भेलहुँँं। सीमा पर स्थित एहन महत्त्वपूर्ण गाममे बर्षामे गेनाइ कठिन रहैत होएत। ओतए योगेन्द्र महतो आदि बन्धु इएह

समस्या उठौलन्हि।

कमलाबाड़ीमे कइएक टोलमे सम्पर्क भेल। रघुनाथ यादव, रामाशीष यादव आदिक चिन्ता छलन्हि जे मिथिला राज्य बिनु खनिजकँे कोना चलत? हरियाणा, पंजाब आदिक उदाहरण पर आश्वस्त भेलाह। एहि गाममे सेहो नीक सड़क स्वप्नहि जकाँ बुझना गेल। गामक प्राथमिक विद्यालयमे अनेक शिक्षकसँ भेट भेल। उपयुक्त भवनक अभावमे बाहर गाछक तर किछु वर्ग चलैत देखि सोचमे पड़ि गेलहुँँं कि एहनमे देश-समाजक नीक भविष्यक निर्माण कोना सम्भव होएत?

छोट प्रान्तक विरोधी एक गणित शिक्षककँे हम कहलिअन्हि जे महत्तम वा लघुत्तम (एच.सी.एफ.वा एल.सी.एम.) जकाँ की तँ १०-१५करोड़क आबादी पर ६-१० प्रान्त बनय वा किछु लाखक आबादी पर किछु सए प्रान्त बनय, ओना हम तीन-चारि करोड़क आबादी पर २५-३०प्रान्त गठनक पक्षधर छी, जाहिमे एक मिथिला सेहो अछि।

बेलहीमे रघुवीर यादव आ उपेन्द्र गिरि मिथिला राज्यक लेल किछु बेसी उत्साहित छलथि। तहिना उत्साहित छलाह परबाक मुखिया पंचलाल सिंह। मिश्री दास भरि दिन संग रहि एतएसँ अपन गाम प्रस्थान कएलन्हि।

जोगियामे कैलू नारायण सिंह भावविभोर भए स्वागत कएलथि। जेँ पù ा गाममे रातिमे बैसार निर्धारित छल, तेँ जाए पड़ल। मार्गमे एक महाविद्यालयक संगीतमय नाम देखल- ’कबीर महात्मा यदुनन्दन कैलू जीबछी विलट विहंगम।’ विद्यार्थीकेँ एतेक पैघ नाम लिखए-बाजएमे निश्चितरूपसँ दिक्कत होइत होएतन्हि। हमरा एहन लागल जे जँ कैलूजी चाहितथि तँ मात्र अपनहि नाम पर कालेजक नाम राखि सकैत छलाह, मुदा हुनक उदारता आ दानशीलताक कारण जतए हुनक नाम उचित अछि, आन नाम सब सम्भवतः धार्मिक वा राजनैतिक कारणसँ जुटि गेल हो।

पù ा गामक इतिहास प्रसिद्ध अछि। ई नाम राजा पùसिंहक नाम पर पड़ल अछि आ महाकवि विद्यापति अपन जीवनक किछु कष्टमय भाग एतहि बिताय काव्यसाधना कएने छल होएताह।

युगलकिशोर झाक अध्यक्षतामे भेल गोष्ठीमे लक्ष्मेश्वर मिश्रमैथिलीक उपेक्षा एवं अष्टम अनुसूचीमे सम्मिलित नहि कएला पर आक्रोश व्यक्त करैत बजलाह जे मैथिली भाषाक बहुत रास शब्द जेना ‘बलु’क प्रयोग माटिसँ जुड़ल अछि आ तेँ शुद्ध अछि, से मैथिलीक विद्वान लोकनिकँे सोचक चाहिअन्हि। ओ आह्वान कएलथि जे गोष्ठीक विचारसँ मिथिला-मैथिलीक लेल संघर्ष अपरिहार्य अछि। सहयात्री प्रेमचन्द ठाकुर जागरण गीत

गौलथि आ हम अपन विचार राखल जे मैथिलीक मान्यता मिथिलाक अस्मितासँ जुड़ल अछि।

रात्रिमे भोजनकाल केओ मिथिलामे प्रचलित वाचस्पतिसँ सम्बन्धित एक लोककथा सुनलन्हि जे वाचस्पतिक बहिनक मोन कोनो परपुरुष पर गेलाक कारण स्वर्गमे दण्डक समय हुनका आग्रह पर वाचस्पतिकँे सशरीर बजाओल गेलन्हि जे ओ अपन निर्णय देथि। हुनक निर्णय भेलन्हि जे मात्र विचार कएलासँ केओ पुण्यक भागी भए सकैत छथि मुदा पापकर्म कएलहिं पर केओ पापी होइत अछि। एहि निर्णयक बाद हुनक बहिनि दण्डसँ मुक्त भए गेलीह।

१८अक्तूबर१९९४ केँ तेनुआही होइत छपकी गेलहुँ। ओतुक्का कालीन उद्योग देखि मोन प्रसन्न भेल। ज्ञात भेल जे मिर्जापुर, पथराही, गीदरगंज, बरहारा, लौकहा आदि गाममे सेहो कालीन बनैत अछि आ ओ बनारस होइत विदेश तक जाइत अछि। गरमू चैधरीजीसँ बहुत किछु गप्प भेल जाहिमे हम उद्योगमे कार्यरत बालक सबहक शिक्षा पर ध्यान देबय कहलिअन्हि। एहन कुटीर उद्योगक विकासक संग इहो अपेक्षित जे विदेश माल सोझे जाए, वाया बनारस वा दिल्ली गेने मिथिलाकेँ अर्थहानि होइत छैक।

महथा गाममे रामावतार चैधरीक संग मैथिली आन्दोलन पर विचार-विमर्श करैत लदनियाँ आबि नेपालक देउरीपट्टी गाम गेलहुँँं। सीमा पर एक दिस 'स्टाॅप' आ दोसर दिस 'रूकनुस' लिखल देखि भाषाइ कृत्रिमता लागल। दूनू दिसक आदमीक मातृभाषा मैथिली छैक, ओ नीक जकाँ मैथिली बजैत-बुझैत छथि, तखन 'ठहरू' वा 'रूकू' दूनू दिस किएक नहि? बंगलादेश आ प.बंगालक सीमा पर दूनू दिस बंगला लिखल छैक। एकर सोझ अर्थ ई भेल जे की तँ भारत आ नेपाल-दूनू दिशि मैथिलीकेँ निर्मूल करबाक षड्यन्त्र रचल जाए रहल अछि किंवा मैथिल समाजक पुरूषार्थकँे ललकारल जाए रहल अछि। दूनू स्थितिमे मैथिल समाजकेँ अपन अधिकारक लेल सजग, सतर्क एवं तत्पर होएब आवश्यक अछि।

नेपालमे चुनावक सरगर्मी छल तथापि गेनाइ नीक रहल। एहि गामक प्रतिष्ठित व्यक्ति वेदानन्द झा भारतमे राजदूत रहल छलथि। हुनकासँ भेंट भेल आ बहुत काल धरि गप्प भेल जकर निचोड़ छल जे अंतराष्ट्रीय सीमा-रेखाक सम्मानक संग-संग इहो स्पष्ट बुझबाक चाही जे लोकक प्रगाढ़ सम्बन्ध भाषाजन्य मात्र नहि, अपितु सामाजिक-आर्थिक सेहो छैक आ तेँ कोनो कठोर रूख वा प्रतिबन्ध दूनू देशक लेल आत्मघाती होएत।

वेदानन्द बाबूक कथन छलन्हि जे नेपालक रेडिओ, टी.वी.

पर जेना भोजपुरी कार्यक्रम लोकप्रिय रूपमे प्रस्तुत कएल जाए रहल अछि, मैथिलीकेँ सेहो एहि प्रकारक अवसर भेटैक, एहि लेल दूनू देशक रचनाकार आ कलाकारकेँ शीघ्र ध्यान देबाक चाहिअन्हि। मैथिलीक सम्मान आ विकाससँ दूनू देशक पारस्परिक सम्बन्ध निश्चितरूपेण मधुर होएत।

ओ नेपालक एक उच्चस्तरीय गोष्ठीमे कहने छलथिन्ह जे राष्ट्रभाषा नेपाली मात्र काठमाण्डूक आसपासक भाषा नहि अपितु ओहिमे सम्पूर्ण बोलीसभक समाबेश हा,े तखने ओ प्रतिष्ठित होएत। भारतक राजभाषा हिन्दी सेहो एहनहि विभिन्न भाषा आ बोलीक वाहिका भेला पर भारतक राष्ट्रभाषा बनि पओतीह।

बादमे बाबा उदयचन्द्र झाक संयोजकत्वमे गामक युवा लोकनिक एक नीक बैसार भेल। मैथिली लेल खूब उत्साहित आ मिथिलाक भेलाक गौरवसँ भरल ओहिमे प्रत्येक युवक छलथि। खाएब पिअब, बोली बानी, खेत पथार सब किछु देखि हमरा कोनो अन्तर नहि लागल। हुनक निकटतम बजार छन्हि लदनियाँ आ मधुबनी।

लछमिनियामे सम्पर्क स्थान पर एक २० वर्षीय युवकसँ भेंट भेल जे वैराग्य लए चुकल छलाह। तथाकथित निम्नवर्गीय हिन्दू

समाजमे ज्ञानक स्थान पर भक्तिभावक प्रधानता छैक आ तेँ एहेन वैरागीक संख्या अधिक। ई वैरागी युवक अयोध्यामे रहैत छथि आ राममन्दिरक प्रबल पक्षधर। अपन गाम अबैत-जाइत छथि। ओ मैथिलीक प्रचार सेहो करताह, से आश्वासन देलन्हि।

उपेक्षित अछि बलिराजगढ़क पुरातात्विक अवशेष

पीपराही चैक पर किछु देर रहि ललमिनियाँ पहुँचलहुँ जतए शिक्षक अनूठा चैधरी प्रतीक्षारत छलाह। संस्कृत शिक्षक सत्यदेव पंडित, तोरियाहीक शिक्षक शुभकान्त यादव, ललमिमियाँक जीतेन्द्र पासवान, इन्द्रानन्द कुमर, गुणेश्वर साहु आदि मिथिला प्रान्तक प्रबल समर्थक लगलाह। हाट लागल छलैक जे ग्रामीण जीवनक धुरी होइत छैक। माइक लए एहन हाट सबमे स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार कल्याणक संग-संग मिथिला-मैथिली आ अन्य राष्ट्रिय एवं सामाजिक मुद्दा पर प्रचार प्रभावी भए सकैत अछि।

रात्रिविश्राम लेल गजहारा गामक चयन डा.जयकान्त मिश्र (प्रयाग)क गाम भेलाक कारणसँ कएने छलहुँ। ललमिनियाँसँ नहर-छहर, गाछी-बिरछी, खेत-पथारक बालुसँ भरल रास्तामे साइकिल चलाएब मैथिली जागरण अभियानक कठिनतम चरण छल। कोजागराक इजोरिया छल तथापि कइएक बेर हाक देलाक बादहुँ केओ सुननिहार आ रास्ता बतौनिहार नहि आ तेँ कखनो इहो लागल जे रात्रि कोनो गाछीमे बीतए वा रास्तामे जँ कोनो

टोल वा गाम भेटि जाए।

कहल गेल छैक जे अमावास्याक रातिमे चोर चलैत अछि। मुदा, पूर्णिमाक रात्रिमे सज्जन चलैत होएताह, एहन कोनो कहाबत नहि, ताहूमे कोजागराक रातिमे चलनिहार, बटोहीसभमे पहुनाइ कएनिहार मैथिलक सम्भावना अधिक। जेँकि हमरा अपन कोजागराक अनुभव नहि छल, आने हम मिथिलाक कोनो गाममे कहिओ कोजागरामे रहलहुँ अन्यथा अपन छुट्टीक दू महत्त्वपूर्ण दिन एहेन कष्टकर अभियानमे नहि लगबितहुँ। मैथिल समुदाय अपन खेती-बाड़ीसँ निवृत्त भेलाक बादक किछु कालखण्ड जाहिमे रास्ता चिक्कन-चुनमुन हो, पहुनाइक लेल चुनने छथि, तकरे उदाहरण अछि कोजागरा। ई अनुभव अगिला दू दिनमे भोज-भात, गाजा-बाजासँ भरल दरबज्जा सब देखि भेल।

कहुना रातिमे गजहारा पहुँचलहुँ कविवर प्रवासीजीक घर। जयकान्तबाबूक घरमे केओ नहि रहैत छथिन्ह, से ज्ञात भेल। चर्चाक्रममे प्रवासीजी चिन्ता व्यक्त कएलन्हि जे मैथिलीक पोथी बिकाइत नहि अछि। हमर एहि विचारसँ ओ सहमत भेलाह जे जीवनोपयोगी साहित्यक अभाव अछि। हुनक आक्रोश छल जे मैथिलीमे केओ शरत, बंकिम वा प्रेमचन्द किएक नहि, जखन कि मैथिल-मस्तिष्क अधिक उर्वर अछि।

हमर सहयात्री प्रेमचन्दजीकँे भगवतीक प्रसाद काँच मखान खायमे कष्ट भेलन्हि मुदा हमरा सन व्यक्तिक जे सासुरहुँमे ऐँठ नहि छोड़ने हो, बात मानि पूरा खाए गेलाह।

प्रवासीजी बजलाह जे गजहारामे मैथिलीक हृदय धड़कैत छैक। ओ महामहोपाध्याय डा. उमेश मिश्रसँ लए अनेक नाम गनौलन्हि।

दोसर दिन अर्थात् १९ अक्तूबर १९९४ कँे भोरे कवि मायाकान्तजी एक छोट बैसार कएलन्हि आ नाथपट्टी धरि संग दए देलन्हि। नाथपट्टीमे वीरेन्द्रनारायण सिंह संयोजक भेलथि।

बेला रौआहीमे एक बैसार भेल। ध्रुवकुमार झा संयोजक भेलथि। आगाँ खड़कबनीमे दानी झा, श्यामानन्द झा आदि मैथिली कार्यकर्ता जानि भोजनक लेल प्रबल आग्रह कए रोकि लेलथि। मुदा ओतहु हमर युवा सहयात्री बहुत रास चूड़ा-दही, मधुर लए पातपर छोड़ि देलथिन्ह। हमरा अतिशय कष्ट भेल, जाहि देशमे लोक भूखेँ आँट होइत रहए, ततए केओ अन्न छूताबथि, एहिसँ पैघ मानवीय अपराध आर किछु नहि भए सकैत अछि। वस्तुतः ई सामन्तवादी संस्कृतिक देन थिक जाहिमे पुरुषक छोड़ल ऐँठ पत्नी वा बहिकिरनी खाइत छलीह। मुदा, हमरा जनैत ई अस्वास्थ्यकर परम्परा आब समाजसँ उठबापर अछि। आब जँ ऐँठ छोड़ब तँ ओ राष्ट्रिय क्षति होएत। जँ

सर्वात्मवादी दृष्टिसँ विचारी तँ जीव-जन्तुक आहार होएत। मुदा जँ सर्वात्मवादी छी तँ जीवहु-जन्तुकेँ सेहो उच्छिष्ट किएक देब?

जटही होइत खोजपुर डोहटा चैक पहुँचि बान्हक काते-कात राँचीक शिवनारायण झाक घर पहुँचलहुँ। आश्चर्य जे स्वयं ओ अपन क्षेत्रक नक्शा बनाकेँ हमरा देने छलाहमुदा अपन गाम पर ओ सूचना नहि देलथिन्ह। कहुना छोट-छीन गोष्ठी भेल। कोजागराक पहुनाइमे आएल कांटी (मुजफ्फरपुर)क प्राध्यापक डा.डी.एन. झा युवक लोकनिसँ कहलथिन्ह जे जँ बिजली गाममे आएल हो, आ चोर तार काटि लए गेल तँ ओकर सूचना पुलिस स्टेशनमे देनाइ वा तारक रक्षा केनाइ अहाँक अपन सामाजिक कत्र्तव्य अछि। कोनो सरकार सामाजिक विकासक कार्य जनसहयोगक बिना नहि कए सकैत अछि।

मौआही गाममे एक गोष्ठी भेल जाहिमे शिक्षक अनन्तनारायण झा उपस्थित छलाह। जागरण सम्बन्धी सामान्य चर्चा भेल। एहि ठामक बाद बलिराजगढ़क प्रसिद्ध पुरातात्त्विक क्षेत्र गेलहुँँं। १७५ एकड़मे पसरल एहि क्षेत्रक उत्खनन १९१६ ई.मे प्रारम्भ भेल आ एहिमे पालवंश (७५०-८५० ई.), सुंगवंश (१८७-३२ ईसा पूर्व) एवं मौर्यवंश (३२४-२३२ ईसा पूर्व) समेत एहूसँ पूर्व छठम शताब्दी ईसा पूर्वक अवशेष भेटलैक अछि। १९७२-७३ एवं १९७४-७५मे गौरीशंकर मेहता एवं रामलाल झाक

प्रयत्नसँ फेर किछु उत्खनन भेलैक मुदा ओ शीघ्रहि बन्द कए देल गेल।

मिथिलाक आ भारतक इतिहासक ई महत्वपूर्ण पृष्ठ एखन धरि माटिमे तोपले अछि। पहिले जंगलसँ भरल-पूरल छल एहन ओतए गाय-चरबयवाली महिला सब कहलन्हि। आब तँ जंगलक नाम नहि, साफ मैदान अछि, जकर चारू कात देवाल जकाँ लगैत अछि, कहिओ एकरो केओ जोतिकेँ खेत बना लेत आ मिथिलाक इतिहास दबलहिं रहि जाएत।

यात्राक क्रममे एक ठाम एक पैघ मन्दिर देखल, जकर भीतरक पैघ-पैघ घण्टा पर तिरहुतामे किछु लिखल छलैक। ओ स्थान रामनामी सम्प्रदायक एक महंथक छन्हि। सालमे एक-दू-बेर मेला सेहो लगैत छैक। युवा महंथ हमरा संग खोजपुर धरि आएल छलथि। प्रश्न उठैत अछि जे की ई सरकार मन्दिर एवं बलिराजढ़क पुरातात्त्विक स्थल आदिक ऐतिहासिक महत्ताकेँ बूझि पर्यटन स्थलक रूपमे अपन पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करत अथवा कुर्सीक लेल लोककँे नेता आपसमे लड़बैत रहताह?



बेइमानीकेँ झाँपक आधार गरीबी नहि भए सकैछ

लगभग चारि बजे गोनौली पहुँचलहुँ। एहि गामक निवासी

आ राँचीमे कार्यरत कमलनारायण झा एवं हुनक भ्राता श्यामनारायण झा उत्साही मैथिलीसेवी छथि। कोजागराक उपक्रममे सपरिवार गामहि पर छलाह। मना कएलहुँ अपन समधि प्रो.टी.एन.झाक संग भोजन पर बैसा देलन्हि। भोजनक संग-संग स्त्रीगणक गारिक गीतक भागी सेहो बनलहुँ। दानापुर कालेजक प्रो.टी.एन.झासँ मैथिली सम्बन्धी चर्चा भेल।

संध्याकाल पैघ बैसारक आयोजन छल। हमर सहयात्री अपन आदतिसँ विवश भए पुनः पर्याप्त ऐँठ छोड़ि देलन्हि। हुनका बिनु किछु कहने हम कमलजीसँ छुट्टी लेल जे कोजागराक हूलिमालिमे जागरणक बात सम्भव नहि, तँ कहिओ फेर आएब। एहि ठामसँ आगाँ बढ़ि मुक्तेश्वरनाथ देवहार पहुँचलहुँ। मुक्तेश्वरनाथक प्रसिद्ध मन्दिर पर रात्रिविश्रामक निआर छल। ज्ञात भेल जे कहिओ ओतहि सतीक परीक्षा भेल परीक्षाक उपरान्त पंजीप्रथा प्रारम्भ भेल।

मन्दिर पर सतघाड़ाक प्रो. गंगाराम झा. महरैलक हरिनारायण झा, समौलक प्रो.सहदेव झा आदिसँ सार्थक चर्चा भेल। रातिमे देवहारक छात्र रत्नमोहन झासँ चर्चा भेल। ओ आग्रह कएलन्हि जे हम दूनू गाम चलि विश्राम करी। मुदा हम क्षमा मांगि लेलिअन्हि कारण ओहि देवस्थान पर हम आत्मचिन्तनक लेल रूकय चाहैत छलहुँ।

रातिमे देवस्थानक बगलमे विद्यालयमे बैनर बिछा सुतलहुँ। युवा सहयात्रीकेँ रहल नहि गेलन्हि आ ओ पुछिए देलन्हि, जखन गोनौलीमे नीक बैसार तय छल, अहाँ किएक छोड़ि आबि गेलहुँ ॅँ ? हम कहलिअन्हि जे महात्मा गाँधी कहिओ चैरा-चैरी सन सामान्य काण्ड पर असहयोग आन्दोलन रोकि देने छलथि। अहाँ एक पुरान मैथिली कार्यकर्ता   छीआ हमरा सन अनुशासित व्यक्तिक संग जँ नहि चलि सकैत छी तँ हमरा एकसरे चलबाक मौलिक अधिकारक रक्षा तँ करए दिअ। ऐँठ छोड़बाक संग-संग हुनक ई बात हमरा बेसी आघात पहुँचेने छल जे एकटा रसीद पठा देब आ कनी आँखि मुनि लेब आ दोसर मिथिला जागरणक पोस्टर पर अहूँक नाम रहए आ छोटहि अक्षरमे हमरहुँ।

आत्मानुशासित जीवनक संग-संग सामाजिक धनक दुरुपयोग आ अपन व्यक्तिगत नामक प्रचारसँ जाबत धरि कोनो संगठनक कार्यकर्ता ऊपर नहि उठताह, ओ संगठन अपन लक्ष्यधरि नहि पहुँॅँचि सकत। गरीबी, बेइमानीकँे झाँपक तर्क नहि भए सकैत अछि।

चुनाव अहाँ जरूर लड़ी प्रजातन्त्रमे मुदा लड़ेबाक निर्णय स्थानीय जनसमुदायक भावनाक आधार पर केन्द्रीय नेतृत्व लिअए। आ तेँ अपन नाम, पद, फोटो, माला अनावश्यक अछि। जँ अहाँक भीतर नेतृत्व क्षमता होएत आ अहाँक चरित्र विश्वस्त

होएत तँ जनता अहाँकेँ जर्नादन बना देत।

जाड़मे राति कटैत बीस अक्तूबर १९९४केँ भोरमे बाबाक दर्शनक बाद देवहार ग्राममे गोष्ठी लेल गेलहुँ। राकेश कुमार राम संयोजक भेलाह। मिथिला चैक पर हुनक दोकान छन्हि। ओना मिथिलामे मिथिला चैक वा टोल नाम राखक पाछांँ कतबहुँ नीक भावना हो, ई एहि बातक द्योतक जे मिथिलाक व्यापकेँ छोट करबाक चालि मिथिला प्रान्त बिनु बनौने समाप्त नहि होएत।

सतघाड़ा ग्राममे भुवनेश्वर मिश्रजीक संयोजकत्वमे एक लघु गोष्ठी भेल। मुखियाजी ओतए पूर्ण मिथिलामक संग भोजन-भात। पिपराघाट पार करैत अनुभव भेल जे इएह हमर मिथिला थिक जकरा सम्बन्धमे कोनो ज्ञान नहि छल। भटगामासँ श्यामसिद्धव गेलहुँ जतए प्रकाश झा संयोजक भेलाह।

कमला-बलानक बीच बसल श्यामसिद्धव अपन नैसर्गिक सुन्दरताक संग-संग अपन विद्वत्ताक लेल ख्यात अछि। महामहोपाध्याय पं. मुरलीधर झाक गाम इएह अछि। एतुक्का कइएक व्यक्ति आई.जी.सँ लए अनेक उच्च पद पर छथि। दू नदीक बीच बसल व्यक्ति संगीतप्रेमी, ललित व्यक्तित्वक भए जाइत छथि, जकर प्रमाण शीघ्रहि भेटल। एक वृद्धक स्वरचित कविता पाठसँ ‘कमला बलानक बीच बसए हमर गाम श्यामसिद्धव’आ श्रीमतीजी पर एक व्यंग्य। पता नहि मिथिलामे

कतेक एहन प्रतिभा अनावृत अछि।

घुरैत काल भटगामा चैक पर पूर्व मुखिया बेचन यादव कहलन्हि, मैथिली हमरा सबहक मधुर भाषा अछि जकरा मान्यता अवश्य भेटक चाही। घोंघौर गामक अर्जुन कुमार राम एकर समर्थन कएलन्हि। बेचन यादवक कथन छलन्हि-‘जे भाषा हमरा लोकनि बाजी, बूझि ओकरा सरकार हटाबए आ मद्रासी, मराठी आदि पता नहि कोन-कोन भाषाकेँ मानए।’ हुनक कथनक अन्तर्वेदनामे निहित अछि भारतक अखण्डताक शत्रत। एहि महान देशमे अनेक भाषा जँ अछि तँ सबकँे मान्यता भेटबाक चाही, ककरो ऊपर कोनो भाषाकँ थोपब तँ विद्रोह अवश्यम्भावी अछि।

नारायणपट्टी गाममे युवा निखिलेश कुमार झा संयोजक भेलथि आ पासवान टोलमे बैसार भेल जाहिमे बृजनन्दन, असर्फी, पुलकित आदि मैथिलीक पक्षमे बजलाह।

सुगौना गाममे एकपेरियासँ प्रवेश कएल। गामक मुख्य कार्यकर्ता वासुदेव झा एवं भूपदेव मिश्र बाबाधाम गेल छलथि। दुर्गापूजाक बाद बाबाक दर्शन मिथिला दर्शनक सेहो एक उपक्रम अछि, छोट-मोट चारूधामक भारत दर्शन जकाँ। जनकपुरसँ बाबाधाम मोटा-मोटी मिथिलाक क्षेत्र अछि।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, कलकत्ताक कार्यकर्ता विष्णुदेव मिश्र तुरन्त एक गोष्ठी बजौलन्हि जाहिमे मिथिला-मैथिलीक सम्बन्धमे विशद चर्चा भेल। रात्रिविश्राम ओतहि कएल।

एक नेतृत्व, एक मार्गसँ होइत अछि कोनो राष्ट्रक निर्माण

सुगौना कहिओ मिथिलाक राजधानी छलैक, ड्योढ़ीक देबाल एखनहुँ अछि। हमर मामी एहि परिवारक छथि। २१ अक्तूबर १९९४कें प्रातःकाल एहि गाम पहुँचि विभिन्न टोलमे सम्पर्क कएलहुँ। मामीक भातिज सुशील झा, अधिवक्ता, पटना उच्च न्यायालयकेँ मैथिली विषयक अधिवक्ता मंचक कार्य करक लेल कहलिअन्हि। मुखिया विघ्नेशबाबूसँ भेंट भेल। हुनक बालक प्राध्यापक नरेन्द्रनारायण सिंहकेँ मैथिलीक प्राध्यापक मंचक कार्य करए लेल कहलिअन्हि।

चपाहीमे मुखिया राजेन्द्र प्रसाद सिंह मैथिली आन्दोलनमे अपन रूचि देखौलन्हि। गंगद्वारमे शिक्षक अनन्तनारायण झा अपन सर्वविध सहयोगक वचन देलथि। भट्टसिमरिमे सरपंच दिव्यानन्द मिश्र हमरा समौल ग्रामवासी जानि आह्लादित भेलथि, कारण ओ सब पलिवारे समौल मूलक छथि। एक नीक बैसार भेल। कोइलखक रास्तामे हैंठीवालीक श्रीमोहन झा एवं सहरियाक असर्फी झा भेटलथि। मैलाम चैक पर वामेसर मंडल

मिथिला आन्दोलनमे अपनाकेँ सहभागी मानक लेल कहलन्हि।

कोइलख अत्यन्त प्रशस्त ग्राम अछि जतए विद्वानक एक श्रृंृंखला रहल अछि। पहिले एकर नाम वासुदेवपुर छलैक। एतुक्का भगवती जाग्रत मानल जाइत छथि। भगवतीस्थानक पाछाँ शरीफाक गाछ हमर बाल्यावस्थाक प्रथम स्मृति अछि आ तेँ सम्भवतः हम भगवतीक उपासक छी। हमर मातृक एतहि अछि आ एक बहिनिक सासुर सेहो।

गाममे प्रवेश करैत काल देखल जे एक घर धू-धू जरि रहल छल। तमसगिर बहुत लोक छलथि मुदा दुःखद बात ई जे कमेक हाथमे बाल्टी वा घैल छलन्हि। पोखरि बगलमे छल जकर दोसर कात किछु व्यक्ति तास खेलाइत छलथि। स्मरण आएल नीरोक जरैत रोमक कथा वा शतरंजक खेलाड़ी मुगल वादशाहक कथा। जँ अहाँक अपन घर नहि जरत तँ की अहाँ आगाँ नहि आएब? सामाजिक सहयोगक अभाव आ अन्यमनस्कताक ई स्थिति देखि विचलित मन होइत हम भगवतीस्थान पहुँचलहुँ।

संध्यामे ओतुक्का पुस्तकालय ‘ज्ञानकुंज’मे एक बैसार भेल जाहिमे चन्द्रशेखर झा, डा. स्वर्णशेखर झा एवं भगवान चैधरीक संग, कइएक युवक उपस्थित छलथि। साल भरि पहिले कोइलखसँ पदयात्रा प्रारम्भ कएने छलहुँँं आ एहि बीचमे एक

साइकिल यात्रा आओर भए चुकल छल। अपन अनुभवक निचोड़ हम कहलिअन्हि जे सामाजिक भावनाकेँ आन्दोलनक रूप दिअ।

जेँकि हमर मामा ग्राम समितिक अध्यक्ष रहितहुँ बैसारमे नहि आएल छलथि तेँ मातृक जएबाक स्थान पर हम ज्ञानकुंजक यज्ञमण्डपमे राति बिताओल। युवा लोकनि नहि मानलथि आ ओतहि होटलमे भोजनक व्यवस्था भेल। ग्राममे होटल शहरी संस्कृतिक घुसपैठ लागल। जतए जरैत घरकँे तमसगीर बनि लोक देखैत होथि ओतए होटल नहि खुजए तँ बहुत लोक भूखलहि रहि जएताह। मुदा ज्ञानकुंजक कार्यकर्ता गाँधीजी आ हुनक मित्र सब अपन सब कार्यकलापसँ वस्तुतः गाँधीजी जकाँ लगलाह।

२२ अक्तुबर १९९४केँ भगवतीक दर्शनकँए पूजन करैत छलहुँँं कि भागलपुरक अध्यापक हेमकान्तजी जिनक सासुर कोइलख छन्हि, अएलाह। ओ कहलन्हि जे चैक पर विभिन्न प्रकारक गप्प अहाँक सम्बन्धमे होइत छल। केओ कहैत छलाह जे हिनक अभियानमे संग देबैन्हि तँ दोसर दिस केओ बजैत छलाह जे ई पाखण्डी छथि, रातिमे तिलकक विरोधमे बजलाह मुदा अपन बेटहुँक विवाहमे पाँच लाख टाका लेलन्हि। दोसर भगवतीक पूजक बजलाह जे भगवतीक सप्तशती पढ़ताह से नहि तँ हनुमान चालीसा पढ़ैत छलाह।

बहुत कौतुक भेल कारण विवाहित तँ हम छी मुदा हमरा कोनो सन्तान नहि अछि। अपनो विवाह आदर्श कएने छलहुँ। पूजामे सप्तशतीक किछु भागक संग हनुमान चालीसा अवश्य पढ़ैत छी। कोइलखक वेदानन्द झाक दुर्गासप्तशतीक मैथिली अनुवाद छपल नहि अछि आ जँ मैथिलीमे हनुमान चालीसाक केओ नीक अनुवाद करथि तँ उत्तम होइत।(जे ंं१८.३.२०१२क हमरा द्वारा कए देल गेल।)

मुखिया शोभाकान्त झा अएलाह आ 'मैथिली संदेश'कैँ तिरहुतामे नहि देखि बिगड़ि गेलाह। हुनक आक्रोश शत-प्रतिशत उचित, मुदा तिरहुता त्यागक लेल दोषी हुनकहि पीढ़ी अछि। आब युवा पीढ़ी की करत, घड़ीक सूइकँे पाछाँ घुमेनाइ असम्भव नहि तँ कठिन अवश्य अछि। पूरा परिचय-पात बिनु लेने कोनो अतिथिक एकहि बात पर बिगड़ब विचित्र लागल। दुनिया भरिक ठीका लेनाइ सम्भव मुदा मिथिलाक कठिन, कारण दुनिया भरिक ज्ञान एतुक्का उर्वर मस्तिष्कमे अछि। सम्भवतः तेँ ई मैथिल समाज संगठित नहि भए पबैत अछि। संगठनमे अपन काबिलियत बिसारए पड़ैत छैक। एक नेतृत्व, एक मार्गसँ होइत अछि, कोनो राष्ट्रक निर्माण।

रामपट्टी चैक पर हमर सहपाठी डाॅ. प्रभाकर मिश्र भेटलथि। बहुत किछु गप्प भेल आ अपन जमायक सम्बन्धमे

कहलन्हि। तखन कोइलखक किनकहँु बेटा बियाहक तिलक सुनि लागल हुनक कोन दोष। आजुक समाजसेवी तँ एहनहि छथि जे बजताह किछु, करताह किछु।

रांटीचैक पर युवा संजयमोहन दत्त भेटलथि। ओ अपन घर लए गेलाह। रास्तामे महासुन्दरी देवी आ गोदावरी दत्तक घरक अगाँ एक सरकारी गाड़ी पश्चिम बंगालक ठाढ छल। मिथिला कलाक लेल प्रसिद्ध एहि गामक घर-घरमे कला एक व्यवसायक रूप लए चुकल अछि। मुदा, की ई कला किछु व्यक्तिक ऐश्वर्य आ भव्यताक कारण नहि बनि सामाजिकरूपेँ विकेन्द्रित भए सामान्य मैथिलक जीविकाक साधन बनि पाओत?

राजविराज(नेपाल)क प्रो. विजयेन्द्र झा आदिक पता संजयजीक पिता मोहन दत्तजी देलन्हि। मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, हैदराबाद (भाग्यनगर)क कार्यकर्ता सतीशचन्द्र झाजीक घर गेलहुँ तँ हुनक भावहु हमर पड़ोसी गाम चैरीक कन्या निकललीह। कोटाक मैथिलीसेवी कर्नल आई.एन.झाजीक घर देखल। सच्चजनजीक घर भोजन भेल आ बहुत रास गप्प। पदयात्रामे एक वर्ष पूर्व ओतए रात्रिविश्राम भेल छल।

मधुबनी गंगासागर कालीमन्दिर पहुँंचि साइकिल यात्राक अभियान पूरा भेल। जिला बैसार कमलपुर ग्रामवासी किसान नेता रमानाथ दत्तजीक अध्यक्षतामे भेल। मुख्य अतिथि प्रो.

शत्रुध्न पंजियार मिथिलाक विकास पर ध्यान दिऔलन्हि। जिला शिक्षक मंच प्रभारी परसौनी ग्रामवासी रामकृष्ण झा गाम-गाममे अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्‌क शाखा गठनक लेल कहलन्हि। जिला संयोजक चुनचुन मिश्र सरकारक गाछ चढ़ा छह मारक प्रक्रिया पर रोष प्रकट कएलन्हि। दोसर संयोजक श्यामानन्द यादव समस्त मैथिलक एकजुटताक नारा देलन्हि। सुमन कुमार मिश्र, मिथिला युवा मंचकँे पुनर्गठित करबाक बात कहलन्हि। प्रो.रामचंद्र झा महाविद्यालय शिक्षककेँ संगठित करबाक भार लेलन्हि। गायक प्रेमचंद ठाकुर 'जाति खण्डहर होइत जाइत छौ- मिथिला-मैथिलीक नव परिचय तैआर करए' गाबि वातावरणकँे जाग्रत कएलन्हि।

अध्यक्षीय भाषण दैत रमानाथ दत्त बजलाह जे मिथिलाक केओ कोनो जातिक होथि, ओ मैथिल छथि, मैथिलीभाषी छथि। मुरैठक हारुन रसीद छपरामे एस.पी.छलाह, जिनका प्रो.जगदीश बाबू विद्यापति समारोहमे मुख्य अतिथिक रूपमे बजौने छलथिन्ह, ओ सर्वविधि सहयोग देने छलथिन्ह।

यात्रक उपसंहारकरूपमेँ रात्रिमे अपन गाम समौल रहि २३ अक्तूबर १९९४ केँ माधवेश्वर, श्यामामन्दिरमे दुपहरमे दर्शनक बाद अनेक लोकसँ सम्पर्क बैसारक रूपमेँ भेल। एहिमे कानपुरक संजय कुमार 'भ्रमर,' समधपुरक अरुण कुमार सिंह, रहिकाक

डाॅ. अमरनाथ झा, दिल्लीमे विद्यार्थी संजय एवं साधु, दिल्लीमे विश्वविद्यालय समाचारपत्रक सम्पादक डाॅ. उमाशंकर झा, लहेरियासरायक रामबहादुर प्रसाद, मदारपुरक योगेन्द्र प्रसाद मंडल, गठिया(सहरसा)क दिलीप कुमार मिश्र, गन्धवारिक तारानन्द ठाकुर, भनसाराक विनोद कुमार यादव, तारालाहीक विनोद प्रसाद चैरसिया, मुकसुदपुरक मिथिलेश कुमार सिंह, डुमरीक हरिश्चन्द्र चैधरी, कालिकापुरक शैलेश कुमार, परबतिया टोलक अशोक कुमार, शुभंकरपुरक अमिताभ कुमार सिन्हाक संग दरभंगा चिकित्सा महाविद्यालयक हमर पुरान परिचित बड़ा बाबू दिलावरपुरक शिवेश्वर प्रसाद सिन्हा छलथि (जे हमरा ओहि दिन अभिभूत भए ‘मिथिलाक गाँधी’ धरि कहि देलन्हि)।



मिथिला राज्य की मांग के लिए साइकिल यात्रा पूरी

मधुबनी, २४ अक्तूबर (नि.सं.)। मिथिला राज्य एवं मैथिली भाषा के संवैधानिक मान्यता के साथ ही मिथिला के सर्वांगीण विकास हेतु अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद के संयोजक डा. धनाकर ठाकुर ने रांची से चलकर मधुबनी सदर, जयनगर और झंझारपुर अनुमंडल के १८१ किलोमीटर का साइकिल यात्रा अभियान आज पूरा किया।

साइकिल यात्रा अभियान के अंतिम दिन मधुबनी में उन्होंने बताया कि १५-१०-९४ से २२-१०-९४ के बीच उन्होंने तकरीबन २५० बड़ी जनसंख्या वाले गांवों से सम्पर्क किया है, जहां लोगों ने एक स्वर से अब मैथिली को अष्टम सूची में दर्ज करने पर बल देने के बदले मिथिला राज्य की स्थापना का संकल्प लेने जैसा निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि यात्रा क्रम में नेपाल के डेउरीपट्टी निवासी भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत वेदानन्द झा ने भी मैथिली भाषा के आधार पर भारत-नेपाल के प्रगाढ़ सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंध बढ़ाने पर बल देते हुए कहा है कि मैथिली भाषा की अहम भूमिका है।

उल्लेखनीय है कि डा. ठाकुर ने अक्तूबर १९९३ में १३८ किलोमीटर की पदयात्रा की थी। इस दौरान दरभंगा एवं मधुबनी जिले के ११२ गांवों के करीब ५ लाख मैथिली-भाषा-भाषियों से प्रत्यक्ष भेंट के आधार पर मैथिली एवं मिथिला की मान्यता नहीं मिलने के कारण क्षेत्र में प्रबल जनाक्रोश का अनुभव किया।

डा. ठाकुर ने कहा है कि अब मैथिली भाषियों की मुख्य मांग झारखंड, उत्तराखंड, विदर्भ की तरह बिहार के २४ जिलों को मिलाकर मिथिला प्रांत के गठन की है।

साइकिल यात्रा के अंतिम दिन स्थानीय गंगासागर काली मंदिर परिसर में एक समारोह का आयोजन भी किया गया। समारोह में महिला कॉलेज के प्राध्यापक प्रो. शत्रुघ्न पंजियार ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभायी, जबकि रमानाथ दत्त ने समारोह की अध्यक्षता की।

डा. ठाकुर ने बताया कि १० दिसम्बर को डा. कमलकान्त झा जिला सम्मेलन आयोजित करेंगे। मधुबनी जिला के लिए चुनचुन मिश्र, प्रो. शत्रुघ्न पंजियार एवं श्री श्यामानन्द यादव संयोजक मंडल के सदस्य नियुक्त किये गये। प्रेमचन्द्र ठाकुर को युवक मंच का भार सौंपा गया।

हिन्दुस्तान पटना २५-१०-९४



(जन्म -12जनवरी -1939,मृत्य -26जनवरी 2022)

चेहरासं सैह लागल तखन बात १९९४क।हम मिथिला राज्य लेल साइकल यात्रा पूराकय प्रगति नगरमे ठहराल छलहूंं। भौरागढी काली मन्दिर जे पता नहि हमरा सदैवसं आकर्षित करैत रहल अछि दर्शन लेल जाइत छलहूंं । कियो कहलाह दवाई दोकान पर बैसल पत्रकार रामानंद सिंह छथि। हम जाक कहलियन्हि त पूछपरख केलाह।हम बससं पटना जाइत

हिन्दूस्तानमे २५.१०.१९९४ क बड़का समाचार देखलहू "मिथिला राज्य की मांग के लिए साइकिल यात्रा पूरी"।

हमरा जानकारीमे १९५६ तक जे भेल हो मिथिला राज्य निर्माण लेल २०.९.१९९२क रामएकबाल सिंह 'विनीत' रांची एक्सप्रेसमे हमर आलेख 'छोटे राज्य विकास के लिए आवश्यक ' छपने छलथि।तकर बाद मिथिला राज्य निर्माण लेल कयल काजा रिपोर्टर यैह रामानंद सिंह जी छथि। मैथिली भाषाइ काज मिथिला राज्य निर्माण लेल प्रतिबद्धता नहि बतबैत अछि ओ साहित्यकार, रंगकर्मी कार्य अछि।

हमरा त जगजियार रामानंद सिंह जी के लाभ नहि त हम सड़क पर साइकिल गुडकबयबलामे एक छलहूं। हिना एहि फोटो संग आत्मकथामे श्रद्धांजलि जोड़ि रहल छी।

हम बादमें कहियो फेर भेंट करय गेल छलहूं तो नहि भेटलाह। मिथिला राज्य निर्माण जसिया हैती नींव में हमर जानकारी देबवला रामानंद सिंह जी के याद कमल जाइन्हि । शाब्दिक तिलांजलि। 27.1.2022

हम अपन संस्कृतिकँे, मन्दिरकँे, विद्यालयकँे आन्दोलनक केन्द्र बनाबी तँ उपरक पैघ सूची जकाँ मैथिली कार्यकर्ता क जे सूची बनत से मिथिलाक समाजक समस्त

अंगक प्रतिनिधित्व करत। राँचीक बसमे कलकत्तामे कार्यरत कनुआहीक मदन झा गप्पक क्रममे परिचित भेलाह, आगाँ मैथिली आन्दोलनमे सहयोग करवाक आश्वासन देलन्हि।

अध्याय ४

लक्ष्यसिद्धिक लेल कार्यकर्तमे आत्मालोचनक प्रवृति आवश्यक

२० नवम्बर, १९९४कैँ प्रयागमे श्रद्धेय डा. जयकान्त मिश्र विचार-विमर्शक क्रममे अपन किछु मूल्यवान समय मिथिला जागरण लेल देबए लेल तैआर भेलथि। हमर जागरण यात्रा अक्तूबरहिंमे भेल छल तथापि हुनका सन विशिष्ट व्यक्तिक संग भेटत तैँ हड़बड़ीमे अगिला जागरण यात्राक योजना बनाओल। सतीशजी, भाग्यनगर (हैदराबाद) एवं श्रृंगेशजी (कानपुर)क सुझाव आएल छल जे मधुबनी-दरभंगाक संग-संग सहरसा-पूर्णिया-भागलपुरमे े सेहो जागरण अभियान चलक चाही। पटनामे बहुत मैथिल छथि, हुनको लोकनिक सक्रिय सहयोग भेटए, एहि हेतु जयकान्तबाबू उत्सुक छलथि।

जयनगरक मैथिलबन्धु कार्यकर्ता सम्मेलन लेल हमरा १० एवं ११ दिसम्बर १९९४ कैँ आमंत्रित कएने छलाह। एकरा उपसर्गवत् रखैत १२सँ १५ दिसम्बर १९९४ धरिक कार्यक्रम सहरसा, वनगाँव, सुपौल, जोगबनी, फारबिसगंज, पूर्णिया,

कटिहार एवं भागलपुरक राखल। जयकान्तबाबूसँ आग्रह केलिअन्हि जे हम यावत जयनगर रही, ओ पटनामे लोककेँ एकजुट करथि। सहरसासँ भागलपुर धरि हम दूनू गोटा संग रहब। फेर सब ठामक प्रमुख कार्यकर्ता केँ ८जनवरी १९९५केँ पटनामे आमंत्रित करबाक बात तय भेल। ओतए (७ जनवरी १९९५केँ सर जार्ज ग्रियर्सनक जयन्ती मधुबनी एवं दरभंगामे मना) हमरहुँ पहुँंचबाक छल।

मोटामोटी ई जागरण यात्रा निर्धारित कार्यक्रमानुसार भेबहुँ कएल। अपवादस्वरूप रेल दुर्घटनाक कारण जयकान्तबाबू सहरसा विलम्बसँ पहुँंचलाह आ वनगाँवक प्रबुद्धजन हुनक दर्शनसँ वंचित रहि गेलाह। पूर्णियामे विलम्बक कारण कटिहार हमरा लोकनि नहि जाए सकलहुँं। यद्यपि पूर्णियामे बैसार एतेक प्रभावी रहल जे कटिहार नहि पहुँंचलाक अवसादहुँ समाप्त भए गेल।

इ मिथिला जागरण यात्रा रेल-बस आदिक द्वारा नियत छल। हम सम्पूर्ण मिथिला पदयात्रा वा साइकिलयात्रा करी, ई उपलब्ध छुट्टीकेँ देखैत सम्भव नहि, नहिए आवश्यक। जिनकर जतए गाम होइन्हि, ओम्हर ओ पैदल वा साइकिलसँ घूमथि, हमर एहन तीनू यात्राक उद्देश्य एक उदाहरण प्रस्तुत करक छल। ओना हम भविष्यमे सेहो अपन क्षेत्रमे फेर साइकिलसँ घूमबाक आनन्द

उठबैत रहब। कारण ओकर तुलना कहिओ तीव्रवाहनक यात्रासँ सम्भव नहि। सांगठनिक दृष्टिसँ सेहो साइकिलयात्रा सर्वाधिक उपयोगी अछि यद्यपि पदयात्रा आध्यात्मिक दृष्टिसँ सर्वश्रेष्ठएवं सर्वाधिक प्रभावी होइत अछि। मैथिली कार्यकर्ताक लेल साइकिल सर्वश्रेष्ठ साधन अगिला एक-दू दशक धरि रहतन्हि आ तखनहि प्रभावी जनसमर्थनसँ मिथिला राज्य बनत जे मिथिलाक सामाजिक-आर्थिक पुनरुत्थानक लक्ष्यसाधक होएत। मिथिला राज्य बनत तँ मैथिलीकेँ राजभाषाक मान्यता भेटत।

मुदा, एहि सब लेल चाही कार्यकर्ता। कार्यकर्ता समाज एवं नेताक बीचक सेतु होइत छथि। लक्ष्यसिद्धिक लेल कार्यकर्ता मे आत्मालोचनक प्रवृत्ति आवश्यक आ लक्ष्यसिद्धिक मार्गसँ भटकथि नहि, एहि लेल तत्सम्बन्धी प्रशिक्षण सेहो हुनका लोकनिकेँ भेटक चाहिअन्हि। एहि हेतु आयोजित छल जयनगरमे प्रथम मैथिली कार्यकर्ता सम्मेलन।

जयनगरमे मैथिली कार्यकर्ताक पहिल सम्मेलन छल तेँ हमरा लेल ई महत्त्वपूर्ण छल। ओकर आयोजक प्रो.कमलकान्तजीक योजना नीक छलन्हि, गामे-गाम पोस्टकार्ड आ समाद द्वारा दू माससँ सूचना देल जाए रहल छल तेँ उपस्थिति जयनगर अनुमण्डलक विविध प्रखण्डसँ छल आ निकटस्थ नेपालसँ सेहो मैथिलीसेवी उपस्थित छलथि जे अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्क नामक अनुरूप सेहो छल।

भारत-नेपाल सीमा पर स्थित मैथिल समाज द्वारा अपना इच्छा एवं योजना द्वारा आयोजित एहि सम्मेलनक सफलतासँ १९-२० जून १९९३ केँ रांचीमे गठित अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्केँ मिथिलाक सहरजमीन पर प्रतिस्थापित होएबाक प्रमाण सेहो भेटल।

हमरा लेल आत्मतुष्टिक भाव छल। अक्तुबर १९९४केँ साइकिल यात्राक जे कार्यक्रम छल ताहिमे संध्या दुलीपट्टीमे बैसार कए रात्रिविश्राम बेलामे नियत कएने छलहुँ, ई सोचि जे जयनगर शहर थिक, ओतए मिथिला-मैथिली अभियानक लेल बिनु जान-पहचानकेँ ने तँ बैसार भए पाओत, आने ठहरबाक सुविधा रहत। चचराहाक प्रो.रामचन्द्र झा द्वारा निर्देशित भए प्रो. कमलकान्तजी ओतए गेल छलहुँ आ भरि राति एहि आन्दोलनक सम्बन्धमे विशद चर्चा भेल छल आ प्रातमे ग्रामीण सबहक बीच सामान्य परिचयात्मक बैसार भेल छल। जतए दू मास पूर्व ठहरए लेल स्थानक पता नहि हो, ओतहि एक एहेन विशिष्ट सम्मेलनमे मैथिलीक गोष्ठीकेँ सम्बोधित करबाक अवसर भेटए,आ फुलपैंट-कमीज पहिरएबाला हमरा सन व्यक्तिकेँ दयाराम पाँडव, ज्योतिरीश्वर-विद्यापतिक पाग-डोपटा भेँट कए सम्मानित करथि, ई सुखद मुदा विस्मयकारी छल।

एकर अर्थ ई भेल जे जँ निष्ठाक संग काज कएल जाए तँ

मिथिलाक जनता अपन सर्वशक्ति सम्पन्नताकेँ बिसरल हनुमान जकाँ स्मरण करौला पर उठि अपन अधिकारक लेल संघर्ष कए ओकरा प्राप्त कए सकैत अछि।

साहित्यकार डा.कमलकान्तजीक अध्यक्षतामे भेल सम्मेलनक उद्घाटन समाजसेवी महावीर प्रसाद 'मस्करा' कएलन्हि आ संचालन पत्रकार विष्णुकान्त झा। वक्ता लोकनिमे नेपालक प्रो. ललनजीक अतिरिक्त पूर्व विधायक रामलखन राम, राम सुरेश यादव, महावीर पंजियार,शहाबुद्दीन अंसारी, अधिवक्ता पी.एन. झा, राम कुमार यादव, अयोधी पासवान एवं जिला संयोजक चुनचुन मिश्र छलथि।

कार्यकर्ता सम्मेलनमे प्रस्ताव पारित कए मैथिलीकेँ संवैधानिक मान्यता, मिथिलामे ब्राडगेज रेलवे लाइन (बड़ी लाइन), सकरी-हसनपुर रेलवे लाइनक निर्माण, भेजाघाटसँे कोशीपुल, दरभंगा-फारबिसगंज सड़कक राष्ट्रिय राजमार्ग जकाँ निर्माण, आम-मखान, लीची आदि पर आधारित कृषि उद्योग, मत्स्यपालन, गोपालनकेँ प्रोत्साहन, ग्रामीण युवक-युवतीकेँ प्रशिक्षण हेतु ग्रामीण कुटीर उद्योग विश्वविद्यालय खोलबाक मांग कएल गेल। बिहार लोक सेवा आयोग, इंटर, मैट्रिक आदिमे मैथिलीकेँ पूर्ववत् सम्मिलित करक मांग सेहो कएल गेल।

सम्मेलनमे मैथिल समाजसँ आग्रह कएल गेल जे ओ गाम

आ मोहल्लामे 'रामायण समिति' बना मैथिली रामायण एवं मैथिली गीताक पाठ करथि, मैथिली भजन-कीर्तन आ गीतक प्रसार हो। 'जानकी मंडली'मे मैथिल महिला संस्कारगीत, आन गीत, ललित कलाक संबर्द्धन कएल जाए, संगहि सीतायनक पाठ एवं जानकी नवमी (वैशाख शुक्ल नवमी) हर्षोल्लासक संग घर-घर मनाओल जाए। तहिना जूड़ि शीतलकेँ एक दिन पूर्व मेष संक्रान्तिकेँ (प्रायः १४ अप्रैल) मिथिला नववर्षकस्वागत पर्वक रूपमे मनाओल जाए आ एहि अवसर पर एक-दोसरकेँ शुभकामना देल जाए, वृक्षारोपण कएल जाए।

न्यायोचित अधिकार प्राप्तिक लेल युवक गाम-गाम संघर्ष समिति बनाबथि आ आवश्यकतानुसार प्रखंडसँ जिला स्तर पर धरना, प्रदर्शन, सत्याग्रह आयोजित करथि। युवा संयोजक रामकुमार यादवक प्रस्तावकेँ सम्मेलनमे पूर्ण समर्थन भेटलन्हि। रातिक सांस्कृतिक कार्यक्रममे गायिका रत्ना झा, मुन्नी कुमारी, मीनाक्षी, कमलाक्षी, संगीता, प्रो. कृष्णानन्द मिश्र, बबुआजी झा, हेमन्तजी, सीतारामजी, प्रेमचन्द ठाकुर आदि कलाकारकेँ राति एक बजे धरि लोक सुनैत रहलाह।

हमरा जेँकि १२ दिसम्बर १९९४ केँ भोरे सहरसा पहुँंचबाक छल तेँ भरल गोष्ठीकेँ संध्या ५ बजे छोड़ि मधुबनी जिला संयोजक

चुनचुनजीक संग मधुबनीक लेल बस पकड़लहुँ। मधुबनीसँ गाम लेल कोनो रिक्शा-ट्रेकर नहि भेटल तँ बीमार माताजीकेँ देखए लेल साइकिलक सहारा लेल। मात्र दू घंटा समय छल, सकरीमे 'जानकी' पकड़बाक लेल। चुनचुनजी हमर ब्रीफकेश लए पाछांँ अबैत कोनो टेम्पकर वा ट्रेनसँ सकरी स्टेशन पहुँचि प्रतीक्षा करक बात कहने छलथि। भिट्ठीसँ अपन गाम (समौल) पहुँचलहुँ आ किछु मिनट गाम पर रहि वीरसायर होइत सुनसान जाड़क रातिक सड़क पर किछु डेराइत आ किछु 'एडवेंचर' जकाँ पण्डौल दिस बढलहुंं। बच्चामे सुनल छल जे सतीस्थान लग छीन-झपट होइत छैक। लागल जे ओहि तीर्थक नाम पसरला पर किछु दोकानहुँ नब खुजल अछि आ छीन-झपट कएनिहार की तँ सभ्य भए गेलथि वा ओहो जड़ा गेल छलथि। सकुशल ओहि बाटसँ निकललाक भावनासँ अधिक करभावसँ सती स्थानक सामने राखल दानपात्रमे दस टाका खसाओल। भगवतीकेँ स्मरण करैत पण्डौल-ब्रह्मोत्तरा होइत सकरी रेलवे स्टेशन पहुँचलक लक्ष्य पूरा भेल। चुनचुनजी ओतए पहुंंचल छलाह आ गाड़ी सेहो ठाढ़। पूज्या माएक देल पूड़ी ओतहि दूनू गोटे खएलहुँ आ फेर ट्रेन यात्रा प्रारम्भ भेल। कबिलपुरक एक सहयात्री लहेरियासराय धरि छलाह जे मैथिलीक कार्यमे रुचि देखौलन्हि।

मिथिलाक अधिकांश भागकेँ जोड़ए बाली जानकी-कोशी एक्सप्रेसक गति आब बढ़ि गेल छल, एहन अनुभव सुतैत काल

लागल धक्कासँ कइएक बेर भेल। बादमे अखबारमे पढ़ल जे कहिओ गाड़ी पटरीसँ उतरि गेल छलैक। छोटी लाइन पर जँ टेनक गति बड़ी लाइन बाला हो तँ परिणाम इएह ने होएत?

रसायन, भूगोलसँ अधिक महत्त्वपूर्ण अछि स्वावलम्बनक शिक्षा १२ दिसम्बर १९९४ कैँ अन्हरोखहिं सहरसा पहुँचलहुँ। जागरण यात्राक विवरण 'मैथिली संदेश'मे छपल छल, जकर कइएक प्रति ओतहि जनसमुदायमे बांटल। एकरा देखि दरभंगामे हमर सीनियर डाॅ. रुचि लग अएलाह। हमरा स्मरण अछि १९८४ मे हमरा मद्रासमे एक तमिल चिकित्सक परिवारमे ठहरक छल तेँ हुनकासँ 'जय-जय भैरवी' लिखबौने छलहुँ, ई सोचि जे ओहि चिकित्सक पुतोहु (जे स्वयं चिकित्सका छथि आ पेन-फ्रेंडशिपक दृष्टिसँ हमर भौजी) कतहु कहलीह जे मैथिलीक नीक गीत सुनाउ तँ इएह सुना देबन्हि।

मिथिलाक शहर फारबिसंगलमे जनमल आ पढ़ल छी मुदा ई दुर्भाग्यक बात जे ओतुक्का विद्यालयमे मैथिली अध्ययनक व्यवस्था नहि छलैक तेँ हिन्दी पाठ्य-पुस्तकमे पढ़ल विद्यापतिक मात्र तीन गीतसँ हमरा परिचय भेल छल। -'माधव कत तोर करब बड़ाइ','तातल सैकत वारि बिन्दु सम' आ 'सरस वसंत समय भल पाओल दखिन पवन बहु धीरे।'

दामोदपुर (मधुबनी जिला)कएक युवा छात्र भेटलथि जे पत्रिका मनोयोगसँ बँटलन्हि। ओ कहलन्हि जे हमर गाम एतेक पैघ अछि, मुदा हाईस्कूल एवं बिजली नहि। ओना पढ़ल-लिखल बहुत गोटे छथि। स्त्री शिक्षा, सामाजिक विकासक सुदृढ़ मापदंड होइत अछि, एहि विषयमे े पुछला पर कहलथि जे हुनका गामक सबसँ आगाँ पढ़एबाली एक इंजीनियरिंग छात्रा छथिन्ह। मुदा हुनक पिता बाहर कतहु नोकरी करैत छथिन्ह। (सम्भवतः हुनक अभिप्राय हमर पूर्वपत्नीसँ रहल होइन्हि जे एम.बी.बी.एस.क छात्रा असममे छलथि मुदा हम अपन परिचय नहि देलिअन्हि।)

लगभग ८ बजे रिक्शा लए प्रोफेसर का ॅलोनी दिस बढ़लहुँ। सहरसा शहर, शहर जकाँ नहि लागल। स्टेशनक बाहर सब्जी मंडीमे गंदगी भरल। कहिओ ’शहर सन’ छल तेँ भेल एकर नाम ’सहर सा’ वा ’हर्षक संग’ पता नहि।

फारबिसगंजमे विद्यालयक छात्र छलहुँ तँ सहरसा पहिल बेर १९६८-७० क बीच कहिओ गेल छलहुँ। गुरु गोलवलकरजीक भाषण सुनबाक लेल। हुनक घंटा भरिक भाषण मात्र एक शब्द पर केन्द्रित छलन्हि ‘आत्मविस्मरणशील हिन्दू समाज।’ मैथिल समाजक सम्बन्धमे ई आइओ सर्वाधिक सटीक अछि। एक तँ अपना के हीन बूझब आ दोसर एकर अभिव्यक्ति करबहुँ करब तँ अहंकारसँ।

सहरसा महाविद्यालय परिसरमे पहुँचलहुँ तँ लागल, जेना कोनो खण्डहर लग पहुँंचि गेल छी। भवन छोट हो वा पैघ, यदि ओकर मरम्मति, चून आदि नियमित नहि होइक तँ ओ खण्डहरहिं लगैल अछि आ एहन महाविद्यालय की प्रेरणा देत दूरस्थ ग्रामीण अंचलसँ आएल विद्यार्थीकेँ? सरकार अपन करनीसँ दिवालिया भेल अछि। जे नेता आइ छथि, काल्हि नहि रहताक मुदा विद्यालय तँ अहाँक अर्थात् स्थानीय समाज आ शिक्षक-छात्रक छन्हि। जँ चाॅक डस्टरक स्थान कहिओ केओ शिक्षक पोचाराक लेल कुची लए क्लासमे आबथि तँ विद्यार्थी अधिक सिखताह। स्वावलम्बन आ आत्मविश्वासक पाठक महत्त्व रसायन वा भूगोलक प्रायोगिक अथवा दर्शनक सूक्ष्मता आ कविताक गहनतासँ अधिक अछि, प्राथमिकताक संग इएह सीखक चाहिऐक मिथिला आ भारतक समस्त नागरिककेँ।

साहित्यकार प्रो. सुभाषचन्द्र यादवजीक डेरा दूर छलन्हि, तेँ मायानन्द मिश्रजीक डेरा गेलहुँ जिनक मैथिली सेवाक सम्बन्धमे बहुत सुनल छल। ओहो हमरा सम्बन्धमे सुनने छलथि तेँ ई भेंट बहुत नीक रहल। सुभाषजी ओतहि अएलथि आ फेर हम सब निर्धारित बैसार लेल सहरसा महाविद्यालय गेलहुँ।

प्रोफेसर-इंचार्ज प्रो. सुशील मोहन प्रसादजीक अध्यक्षतामे गोष्ठी भेल। डाॅ. मायानन्द मिश्र बजलथि जे ओ तँ निराश भए

चुकल छलथि। मुदा, आब फेर यथाशक्ति काज करताह। मगहीभाषी होइतहुँ प्रो. प्रसाद अपन उद्गार मैथिलीमे व्यक्त कएलन्हि। ई निर्णय भेल जे प्रो. सुभाषचन्द्र यादव, प्रो. रामनरेश सिंह एवं प्रो. विनय चैधरी सहरसा प्रमंडलक संयोजन करताह।

गोष्ठी एहि बातसँ क्षुब्ध छल जे मिथिलाक विकासक कोनो ठोस कार्यक्रम देखबामे नहि आएल आ नेतृत्व मात्र अपन स्वार्थसाधन करैत रहल। मैथिलीक अवनतिक दिनानुदिन प्रयास कएल जा रहल अछि।

तखनहि सुरक्षित रहत भविष्य

१२ दिसम्बर १९९४ क दुपहरमे वनगाँव पहुँंचबाक छल। महावीर चैक पर टेम्पोमे प्रतीक्षा कए रहल छलहुँं कि एक वरिष्ठ व्यक्ति आबि चालककेँ कहलथिन्ह- 'जल्दी चल, हमरा दू बजेसँ मीटिंग अछि।' हम पुछलिअन्हि- 'कथिक मीटिंग?' ओ बजलाह- 'मैथिलीक।' 'हम एहि लेल आएल छी' हमरा मुहसँ सुनि ओ अत्यन्त प्रसन्न भेलाह आ हमहूँ जे बैसार पूर्वनियोजित अछि, मैथिल समाजमे एहन सांगठनिक चेतना अपवादस्वरूपहिं देखल जाइत अछि।

ई व्यक्ति स्वयं मुखिया रामानन्द खां छलाह जे सेनामे कैप्टन रहल छथि। वनगाँव मे 'खां' पदवी मुगलिया समयसँ चलि

आबि रहल अछि जाहि कारणसँ बेटा-बेटीक सम्बन्ध धरिमे दिक्कत होइत छैक। मुदा एहि पदवीसँ ककरो परिचय भेटैत छैक। संगहि एहि पदवीसँ संशय उत्पन्न होइत अछि। बादमे पता चलल जे आब अनेक व्यक्ति अपन गोत्रक नाम कात्यायनसँ पदवी राखि रहल छथि जे एक नीक प्रयास अछि। की इ सिद्धिकुंजिका स्तोत्रक ’खां,खीं...’सँ लेल अछि से शोधक विषय।

वनगाँव हमर माएक मातृक छन्हि तेँ सेहो हमरा उत्सुकता छल अपन सम्बन्धीसँ भेंट करक। मुखियाजी समधिए छलथिन्ह हमर माएक ममिऔतक। गाम पहुँचि सबसँ पहिले ओतुक्का विद्यालयक शिक्षक लोकनिसँ जागरण विषयक चर्चा भेल आ फेर बीच गाम अपन सम्बन्धीक ओतए गेलहुँ। ओहो सब हमर नाम सुनि अनुमान करैत छलाह जे हो न हो हम हुनक सम्बन्धी होइअन्हि। बहुत प्रसन्नता भेल सबसँ भेँट-घाँट कए।

वनगाँवमे ने तँ वन छैक ने ई गाम लगैत अछि। पक्की सड़क आ घर पर घर। सभ्मव जे कहिओ जंगलाह रहल हो। आइ तँ ओतुक्का जनसंख्या एतेक अछि जे गाममे दू टा पंचायत अछि। दोसर पंचायतक मुखिया सेहो भेटलाह आ कार्यक लेल सहयोगक आश्वासन देलन्हि।

जेँकि गाम पैघ अछि तेँ भोरसँ लाउडस्पीकर सभाक लेल घुमौल गेल छल। संयोजक कृष्णानन्द मिश्र प्राणपणसँ जुटल छलथि। महेश्वर खाँक अध्यक्षतामे भेल बैसार पर्याप्त प्रभावी रहल। हुनका लोकनिक स्नेहसँ मन भरि गेल। पाग-दोपटाक पारम्परिक भेँट, लागल मिथिलाक संस्कृति गामहिंमे बाँचल अछि। प्रो. रमेशचन्द्र खाँ मैथिलीक पुस्तक कीनबाक लोकसँ अपील कएलथिन्ह। नवल-नन्दक विख्यात जोड़ीक मैथिली जागरण गीत सुनल। मिथिला-मैथिलीक उद्धारक लेल लोक कटिबद्ध छथि, एकर आभास भेटल।

बैसारक बाद विदाइमे जनेऊ-सुपारीक संग एक सए एक टाका हमरा सामने प्रस्तुत कएल गेल। जनेऊ स्वीकार कए हम कहलिअन्हि जे दक्षिणा लेबयबाला हम नहि छी, मातृभूमि आ मातृभाषाक लेल कार्य स्वप्रेरणासँ करैत छी। एहि पर कृष्णानन्द बाबू बजलाह-‘अहाँक ब्रीफकेसमे े हम एक रसीद देखल अछि। तर्कक समक्ष हारि गेलाक बाद हमरा अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्क लेल एहि राशिक रसीद काटए पड़ल। यद्यपि हम ई नियम बनौने छी जे संगठन वा कार्यकर्ता कँ े रसीद देबैन्हि आ स्वयं कतहु पाइ नहि लेब। संगठन एवं कार्यकर्ता प्राप्त रसीदक संग्रह राशि कोषाध्यक्षकेँ पठाबथु।

वनगाँव, ओ पहिल गाम छल जकरासँ पहिल बैसारमे संगठनकेँ आर्थिक सहयोग सेहो भेटलैक। यद्यपि जयनगर सेहो

अपन समस्त कार्यक्रमक खर्च स्वयं कएने छल। मुदा जयनगर तँ आधा बजार अछि, आधा गाम। यावत् तन-मन-धन अर्पणक प्रक्रियासँ एक-एक मैथिल नहि जुड़त, तावत लक्ष्य प्राप्ति नहि होएतैक। एहि दृष्टिसँ वनगाँवक सभा एक उदाहरण आ मैथिली आन्दोलनक एक मीलक पाथर साबित भेल।

दूनू मुखियाजी अनेक कार्यकर्ताक संग सुपौल लेल बसमे छोड़ए अएलथि। समयाभावमे महिषीक भगवतीक दर्शन नहि भए सकल।

सुपौलमे संध्या ६ बजे बैसारक लेल लिखने छलिअन्हि। ७ बजे धरि कोनो बस नहि आएल तेँ एक ट्रेकरमे एहि आश्वासन पर लटकि गेलहुँं जे किछुए दूरमे सीट देल जाएत। मुदा घंटा भरि झूकिकेँ वा लटकिकेँ जएबाक जोखिम भरल जीवनक सर्वाधिक कष्टमय यात्रा कएलाक बादहि सीट खाली भेल। ओना मैथिल समाजक तँ इएह नियति छैक जे ओ बोरा जकाँ यात्रा करए।

लगैत छल जे ई तपस्या किएक? हमर कोनो व्यक्तिगत कार्य तँ नहि छल। मुदा बैसल यात्री चाहिओ कए हमरा कतए बैसबितथि, कतहु चुट्टी ससरक जगह नहि। बादमे हमरा केओ कहलथि जे सुपौल जाए लेल बसक दोसर रास्तासँ सहरसा होइत अएबाक छल, छोड़निहारोक किछु गलती छलन्हि आ

हमरहुँ देल समयमे विलम्ब होइत तेँ जल्दीसँ जल्दी पहुँ◌ंचबाक आकुलता छल। एतेक कष्टसँ पहुँ◌ंचलहुँ पर सुपौलमे◌े बैसार नहि आयोजित छल। तेँ वनगाँव-सुपौलक कष्टकर यात्रा किछु बेसीए कष्टकर लागल।

सुपौलसँ केदार काननक पत्र हमरा राँचीमे भेटल छल जे ओ निर्धारित तिथि पर नहि रहताह तथापि ओ अएबाक स्वागत कएने छलथि। हम तुरन्त जवाब देने छलिअन्हि जे अहाँ नहि रही, तथापि किनकहुँ बैसारक भार दए दैबन्हि। एहनहि परिस्थितिमे मारि खा गेल अछि मैथिल समाज। उत्कृष्ट लेखक-विचारक, मुदा संगठनक महत्त्वसँ अनभिज्ञ। व्यक्ति महत्त्वपूर्ण मुदा ‘हम नहि तँ की कोना होएत, एकर जँ विचार कए सकी, तखनहि काज होएत आ भविष्य सुरक्षित रहत।

सुपौलमे वनगाँवक मैथिलीक दू युवा कार्यकर्ता अपन दवाइक दोकान चला रहल छथि जाहिमे श्रीईश्वर भेटलथि आ अत्यन्त आदरक संग अपना घर लए गेलथि। फेर प्रो.धीरजीक ओतए गेलहुँ◌ं। हुनक धर्मपत्नी पहिने किछु बात पुछए लगलीह- महिला समाज मात्र परिछनहिक लेल नहि, परीक्षाक लेल सेहो आब अपनाकेँ बदलैत परिस्थितिमे तैआर कएने अछि। बादमे बजलीह जे हुनका लगलन्हि जे हम सब कोनो चोर डाकू तँ नहि छी। एहिसँ ओहि क्षेत्रमे बढ़ैत अपराधक संकेत सेहो भेटल।

प्रो. धीरजी निकललाह आ बहुत देर धरि मैथिली विषयक चर्चा चलैत रहल। तखनहि दरबज्जासँ अबाज आएल श्रद्धेय जयकान्तबाबूक। पटनासँ कार्यकर्ता सबसँ कइएक दिन बात कए जयकान्तबाबू नियत ट्रेनसँ सहरसाक लेल प्रस्थान कएने छलाह मुदा सिमरियाघाट लग आगाँ जाएबला कोनो टे्नसँ सहरसा देरसँ पहुँंचल छलाह आ बिनु रुकनहि सुपौल पहुँंचलाह।

किछु देर धरि गप्पसप्प भेल। ईश्वरजीक ओतए रात्रिविश्राम भेल। १३ दिसम्बर १९९४ भोरमे फारबिसगंजक लेल टे्न पकड़ाबए ओ अएलथि। हुनकर मैथिलीभक्ति देखि लागल जे साक्षात् हनुमान जकाँ कार्य करए लेल सन्नद्ध छथि। कार्य हुनका लोकनिकेँ देल जाइन्हि इएह मात्र आग्रह छलन्हि।

प्लेटफार्म पर आ फेर टेनमे सहयात्री सबहक बीच किछु मिथिला-मैथिलीक चर्चा करैत आगाँ बढ़लहुँं। रास्ताक ललितग्राम, प्रतापगंज आदिमेे सेहो किछु-किछु सम्पर्क भेल। करीब एगारह बजे फारबिसगंज पहुँंचलहुँं।

फारबिसगंजक सुलतानी माता या सतीमाताक स्थान-मुदा मिथिला एतहु उपेक्षित रहि गेल।

फारबिसगंजमे जयकान्तबाबूकेँ प्रो. भैरव बाबूक डेरा पर पहुँचा हम स्वयं प्रो. दासजीक डेरा पर गेलहुँ। साँझक बैसारक व्यवस्था हुनकहि आवास पर छल। एहि बीच जयकान्तबाबूक संग सीमावर्ती शहर जोगबनी गेलहुँ। डा.रोशन जहानकेँ पत्र गेल छलन्हि कारण ओ पहिने विद्यापति समारोहमे सक्रिय रहैत छलाह। मुदा ओ नहि भेटलाह तखन शिक्षक शशिकांत झाक विद्यालय जाए हुनका आगाँक काज लेल कहि फारबिसगंज घुरि अएलहुँ।

अपन घरपर (जे हमर जन्मस्थली सेहो अछि) गेलहुँ। पू. माए आ बाबूजी गाम गेल छलाह। घर बन्द छल तेँ जयकान्तबाबू सन विशिष्ट अतिथिक स्वागत मात्र जलसँ भए सकल आ फेर मोनमे अतीतक बहुत किछुकँे स्मरण करैत हुनका देखबए लेल सुलतानी माताक मन्दिर गेलहुँ।

एकरा हिन्दू सतीमाताक स्थान कहैत छथि आ हिन्दू-मुसलमान दूनू एतए मनौतीक संग अबैत छथि, विशेषरूपेंँ बेटाक कामनाक संग लोक अबैत छथि। एहि क्रममे कमसँ कम एक डाक्टर देवरंजनकेँ हम जनैत छी जे सीवान जिलाक छथि आ ओ अपन माता-पिताक मनौतीक रूपमे भेल छथि।



किम्बदन्ती अछि जे कोनो मुस्लिम सुलतान आततायी छल जकर दृष्टि कोनो ब्राह्मण कन्या पर पड़लैक आ ओ हुनकासँ विवाहक लेल व्यग्र भए गेल। सुलतान कन्याक माता-पिताकेँ अपना संग बेटीक विवाहक लेल बाध्य कए देलक। कन्याक शर्त भेलैक जे पहिने एक पोखरि खुना ओ यज्ञ करतीह तखन मुस्लिम बनतीह। पोखरि खुनाओल गेल आ यज्ञकुण्डसँ आगिक धधरा निकलए लागल। अकस्मात् ओहि यज्ञकुण्डमे ब्राह्मण कन्या कूदि गेलीह अपन धर्म बचबए लेल। सुलतान बाजि उठल, 'तोँ तँ हमर माए छलीह, माफ कर।' सतीक मजार बनाओल गेल जे एखनहु अछि, अहाँकेँ ओहि पर सतीस्थानक पूजा जकाँ रोलीक द्वारा कएल पूजाक लाल रेख कहिओ जाउ, भेटत।

ओहि स्थान पर पुजारी पण्डित आ मुल्ला दूनू छथि। सैयद नकवीक एहन कइएक स्थलक विवरणिका दूरदर्शन पर देखल। मुदा मिथिला एतहु उपेक्षित रहि गेल।

हम नेना छलहुँ ं तँ सुलतानी पोखरिक चारू कात जंगल-झाड़ छलैक जाहिमे पीपरि सेहो भेटि जाइत छल। कइएक वनौषधि ओतए छल आ संगहि छल नीलहा खेतीक अवशेष बड़का-बड़का हौज। पहिने पूर्व-पश्चिम आ किछु पैघ भेला पर उत्तर-दक्षिण हेलि कैँ ँ पोखरि पार करैत छलहुँ।

क्रमशः एहि पोखरिक भीड़क सब जमीन बिका गेल अछि आ बनल सैकड़हँु मकानसँ मल-मूत्र उत्सर्जन पोखरिमे होइत अछि। एक सुरम्यतम स्थल दूषित पर्यावरणक परिचायक भए गेल अछि। आबो छठि एहि विशाल पोखिरिमे होइत अछि मुदा खेदक बात कि ओकर जल दूषित अछि जाहिमे स्नानसँ अनेक प्रकारक रोगक संक्रमणक आशंका रहैत अछि।

१३ दिसम्बर १९९४ संध्याकाल प्रो.दासजीक डेरा पर बैसारमे किछु प्रबुद्ध मैथिल जमा छलथि। कार्ययोजना लेल सब केओ सहमत छलथि। स्थानीय ग्रामीण जनताकेँ आ छात्रकँे आन्दोलनसँ जोड़ल जाए एकर भार प्रो. भैरव झाकेँ देल गेलैन्हि। प्रो. दासजी बजलाह जे ओ अङरेजीक शिक्षक छथि मुदा फारबिसगंज महाविद्यालयमे मैथिलीक पढ़ौनी प्रारम्भ भेला पर ओ बिना कोनो मानदेयक वर्ग लैत छलाह। बादमे बात खुजल जे हुनक श्रीमती महाकवि लालदासक पौत्री छथिन्ह आ एखनहु हुनका मैथिलीसँ असीम अनुराग छन्हि। हुनक भाए जे सिन्दरीमे इंजीनियर छथि, महाकविक किछु रचना हालहिंमे प्रकाशित

कएलन्हि अछि। मैथिली रामायणक रचयिता लालदासक अनेक कृति एखनहु अप्रकाशित अछि से जानि मोनमे क्षोभ भेल। जयकान्त बाबू आशीर्वादरूपेँ श्रीमती दासकेँ अपन पत्नी श्रीअपराजिता मिश्रक कृति 'बर्बाद हुअएसँ पहिले फरियाद लएकेँ आएल छी' भेंट कएलथिन्ह आ हुनका मैथिल महिलाकेँ संगठित करबाक भार देल।

दोसर दिन (१४ दिसम्बर १९९४ केँ) बससँ पूर्णिया जाइत काल हम जयकान्तबाबूसँ पुछलिअन्हि जे किताबमे श्रीअपराजिता देवी लिखल देखल, श्रीमती अपराजिता किएक नहि? ओ कहलनि जे श्रीमती लिखनाइ अङरेजीक देखौंस अछि जे भारतीय दृष्टिसँ उचित नहि। वस्तुतः श्री लिखबाक अर्थ जे व्यक्ति जीवित छथि- पुरुष वा स्त्री दूनू। बंगलामे पहिने स्वर्गीय व्यक्तिक नामक पहिने चन्द्रबिन्दु जोड़ि देल जाइत छलैक।

हमरा ई ध्यान अछि जे हमर पिताजी अपन हस्ताक्षरमे सदैव 'श्रीदिनकर' लिखैत छथि। हम कहिओ हुनका टोकने छलिअन्हि जे 'श्री' जोड़ि दोसर सम्बोधित करए तँ नीक, अपना नाममे अपनहि 'श्री' जोड़नाइ उचित नहि। मुदा आब लगैत अछि जे हुनका वा जयकान्तबाबू द्वारा विशुद्ध मैथिल परम्पराक निर्वाह भेल।

वस्तुतः यदि देखल जाए तँ ‘श्री’ शब्द स्त्रीलिंगक अछि आ तेँ एकरा कोनो पुरुषक नामक अपेक्षा óीगणकहिं नामक पहिने लगाएब बेसी उचित। तहिना जँ ‘श्रीमती’ लगा दैत छी तँ ओहि स्त्रीक अपन नामक लोप भए जाइत छन्हि। एहि प्रकार ककरो नाम वा अस्तित्वकेँ विलोप करबाक मैथिल वा हिन्दू परम्परा नहि भए सकैत अछि।

वस्तुतः श्रीमतीक बाद मात्र पतिक नाम लिखल उचित होएत, यदि पत्नीक नाम लिखक हो तृँ ओकरा स्वतंत्र रूपेँ लिखल जाए सकैत अछि। यथा, श्रीमती जयकान्त मिश्र वा अपराजिता देवी। जँ श्रीमती अपराजिता देवी लिखैल छी तँ शाब्दिकरूपेँ कोनो अपराजिताक पत्नी होएबाक भ्रम उत्पन्न होइत अछि। तेँ श्रद्धेय जयकान्तबाबूक बात सटीक लागल। यद्यपि आब श्रीमतीक व्यवहार एतेक प्रचलित भए गेल अछि जे एक वर्तमान व्यवहार पद्धतिकेँ बदलब कठिन होएत, एहिसँ जयकान्तबाबू सेहो सहमत छलाह।

एहेन अनेक शब्दक विन्यास, हुनक चित्रकुट ग्रामोदय विश्वविद्यालयक अनुभव मैथिली आन्दोलन पर चर्चा करैत पूर्णिया दुपहरमे पहुँचलहुँ।

यातायात सम्बन्धी दुर्गमता मिथिलाक गरीबीक कारण

पुरैनिया पहिने पूर्णियाक नाम छलैक, पुरान जगह भेलाक

कारणसँ किम्वा अरण्य (जंगल)सँ पूर्ण भेलाक कारणसँ पूर्णिया भेल वा कमलक जातिक फूलक नाम सेहो पुरैन छैक, जकर फूल मिथिलामे े प्रसिद्ध अछि आ ताहूसँ अधिक पुरैनक पात भोज-भातमे प्रयुक्त होइत अछि। पोखरि-पानिक अधिकता तँ सहजहिं मिथिलामे े अछि। मुदा पूर्णिया प्रमण्डल प्रसिद्ध अछि पटुआक खेतीक लेल। एहि पटुआक कारण कटिहारमे जूट मिल अछि जे कि आब बन्द अछि।

जयकान्तबाबू कहलन्हि जे मिथिलामे े जतए कतहु घूमी, मैथिलीमे बात करी। हमरा सबकेँ मैथिलटोल जएबाक रास्ता पूछक छल। सड़क पर जाइत तीन युवा वकीलकेँ देखि हम पुछलिअन्हि जे शान्ति झा शिक्षिकाक घर कोम्हर छन्हि? ओहिमे े एक दिशा-निर्देश मैथिलीमे कएलन्हि। तँ हम कहि देलिअन्हि जे रिक्शा पर प्रयागसँ आएल मैथिली विद्वान जयकान्त मिश्र छथि आ हमरा लोकनि मैथिलीक बैसार लेल आएल छी।

ओ युवक जयकान्तबाबूक चरणस्पर्श कए बजलाह जे बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षामे ओ हुनक परीक्षक छलथिन्ह। अपन नाम भालचन्द्र झा कहि, बजलाह जे आब ई हुनका सबहक दायित्व छन्हि जे बैसार कतए, कखन आ कोना आयोजित हो। तथापि हम दूनू गोटे शान्ति झाक डेरा पर गेलहुँ ं।

मुदा ओ नहि छलीह तँ हुनकासँ भेँटक लेल हुनक महाविद्यालय गेलहुँ। हुनका हमरा लोकनिक आगमनक सूचना पत्र भेटल छलन्हि आ किछु गोटेकेँ ओ बैसारक लेल कहने छलथिन्ह। हम दूनू गोटे मध्य विद्यालय पहुँंचलहुँं, जतए जयकान्तबाबू किछ दशक पूर्व मैथिलीमे पढ़ौनीक आन्दोलनक क्रममेे बैसार लेल आएल छलथि। शिक्षक लोकनिसँ पुनः सम्पर्क भेलन्हि।

पूर्णिया कालेज गेलहुँं। ओतए कोनो राजनीतिक दलक प्रचार गाड़ी लागल छलैक।

मैथिलीक प्राध्यापक गौरीकान्त झाक डेरा गेलहुँं। ओ हमरा सबहक सत्कारक व्यवस्था कए बैसारक सूचना देबए लेल तुरन्त निकलि गेलाह। संध्यामेे विधि महाविद्यालय पहुँंचलहुँं तँ सूचना भेटल जे कला भवनमे पैघ बैसारक व्यवस्था कएल गेल अछि।

कला भवन पूर्णियाक सांस्कृतिक कार्यक्रमक हृदय अछि, जकर जीर्ण-शीर्ण अवस्था देखि मोनमे दुःख भेल। सभामे बताओल गेल जे विद्यापति समारोह आदिक वृहद् आयोजन एतहि होइत अछि। अधिवक्ता वीरेन्द्रमोहन ठाकुरक अध्यक्षतामे भेल गोष्ठीमे शहरक विभिन्न भागक २६ प्रतिनिधि उपस्थिति छलाह। प्राथमिक शिक्षाक माध्यम मैथिली हो, आ मिथिला राज्यक गठन हो, एहि पर सब केओ एकमत छलथि। उपस्थित

कार्यकर्ता मे एक अपन हस्ताक्षर तिरहुतामे कएलन्हि।

दोसर युवक बजलाह जे ओ मैथिलीमे एक उपन्यास लिखने छथि, मुदा छपत कतए? बादमे जयकान्त मिश्र कहलथिन्ह जे एहन युवा, उद्यमीक पाण्डुलिपिकेँ छापक हेतु अ.भा. मैथिली साहित्य समिति, १,सर पी.सी. बनर्जी रोड, एलनगंज, प्रयाग-२११००२ प्रसन्नतासँ विचार करत।

सुरेन्द्र झा ‘सुबोध’, उप-प्राचार्य, ब्रजमोहन ठाकुर विधि महाविद्यालय एवं कोषाध्यक्ष, विद्यापति गोष्ठीक कथन छलन्हि जे मिथिला राज्यक घोषणा पटनामे नहि मिथिलाक भूमि पूर्णियामे े हो। शिक्षिका शान्ति झाक अभिमत छलन्हि जे सामाजिक कार्यमे सबकेँ रुचि लेबाक चाहिअन्हि।

गोष्ठीक अध्यक्ष वीरेन्द्रमोहन ठाकुर, जयकान्त बाबू एवं अन्य लोकनिकँ े धन्यवाद दैत कहलथिन्ह जे मात्र पूर्णिया शहरमे करीब २८ हजार व्यक्ति मिथिला-मैथिलीक प्रबल समर्थक छथि आ पूर्णिया ओ सब किछु करत जकर अपेक्षा मैथिली आन्दोलनकेँ होएतैक।

एहि यात्रामे हमरा अनुभव भेल जे एक रेल वा सड़क पुल कोशी पर आओर भए जाए तँ मिथिलाक ई दू भाग एक भए

जाएत। भेजाघाटक सड़क पुल अथवा भपटियाही-निर्मलीक रेलमार्ग जकर मात्र १० किलोमीटर दूरी लेल एखन २९९ किलोमीटर द्राविड़ प्राणायाम जकाँ यात्रा मैथिली समाजकेँ करए पड़ैत छैक।



(महामना वाजपेयीक कृपासँ बनल इ १.८ किलोमीटरक पुल ८ फरबरी २०११ क उद्घाटित भेल जकर शिलान्यास ओ स्वयं६जून २००३क करैत काल ओ मैथिलीकेँ सेविधानक आठम अनुसूचीमे आनक सेहो घोषणा केने छलथि।)

ई रेल वा सड़क मार्ग देशक सुरक्षाक दृष्टिसँ सेहोओतबहि आवश्यक अछि।

लखनऊ, गोरखपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सकरी, सुपौल, फारबिसगंज, किशनगंज, सिलीगुड़ी होइत असम आ पूर्वोत्तर भारतकेँ जोड़एबला ई मार्ग कतेक प्रभावी आर्थिक आ सुरक्षाक सड़क होएत, एखन एकर कल्पना मात्र कएल जाए सकैत

अछि।

संगहि, एहन तँ नहि जे मिथिलाक दूनू भागक बीच आपसमे सामंजस्य, सौहार्द, संगठन नहि हो, एहि लेल दूनूकँे अलग-थलग रखबाक ई एक कुचक्र छल? एतए धरि जे पहिले मिथिला विश्वविद्यालयक बागमती आ कोशी छात्रावासक छात्र धरि आपसमे दरभंगा सहरसाक नाम पर लड़ैत छलाह आ आन लोक एहिमे आनन्द लैत छल।

ओहि समय हम सोचैत छलहुँ‍ँ चाहे कोनो दलक सरकार हो, ओ यदि एहि यातायात सम्बन्धी दुर्गमताकँे सहज बना सकत तँ ओ प्रशंसित होएत। इंगलैंड आ फ्रांस इंगलिस चैनल अछैत समुद्रक नीचा सड़क मार्गसँ जुड़ि सकैत अछि, दुर्गम क्षेत्रमे कोँकण रेलवे बनि सकैत अछि तँ निर्मल-भपटियाही रेलमार्ग किएक नहि बनत आ से बनि गेल महामना वाजपेयीक आदेश पर!

पन्द्रह दिसम्बर १९९४ कैँ अति प्रातः पहिल बस पकड़ि नौगछिया अएलहुँं आ ओतएसँ टेªकर द्वारा ‘हाइ लेवल’ जतए वस्तुतः गंगामे पानिक ‘लो लेवल’ छलैक तैँ घाटक बहुत लऽग धरि टेªकर जाइत छल। रास्ताक अनेक गामकेँ देखैत लागल जे

'दियारा संस्कृति' स्वयंमे एक अजूबा अछि। लोककेँ धूरिमे चलक-खेलक, जीवन बितेबाक अभ्यास छन्हि आ पानि भेला पर फेर बाढ़िमे जीवनक अभ्यास सेहो छन्हि।

कथा कहानीक आधार पर नदी कातक स्वभावमे सहज लालित्य होएबाक चाहिअन्हि। मुदा पता नहि किएक इमहर एहने इलाकामे चोर-डकैतक साम्राज्य अछि। रंगदारी टैक्सबाला हाल एतहु एकठाम देखएमे आएल।

स्टीमर छूटि गेल तँ नाओसँ यात्रा करए पड़ल। गंगा पार उतरए लेल नाओसँ ई पहिल यात्रा छल। जहिआ-तहिआ नाव डूबक समाचार अखबारमे पढ़ैत रहलहुँ अछि तेँ मोन किछु डेराएल छल, कारण नाओ पर आवश्यकतासँ अधिक यात्री आ समान लादल छल।

भागलपुरसँ उत्तर मिथिलासँ जोड़ए बाला सड़क पुलक प्रगति देखि मोन प्रसन्न भेल। (जे २३ जुलाइ २००१क ४.७ किलोमीटरक गंगा परहक एहि विक्रमशिला सेतुक उद्घाटन दूनू भागकेँ जोड़ि देलक)।

देखल जाए तँ एतहु मैथिल समाजक बीचक दूरी निर्मली-भपटियाही जकाँ यातायात सम्बन्धी दुरूहता छल। नाओक यात्री आपसमे जे गप्प करैत छलथि ओहिमे मैथिलीक उक्ति, व्यंग्य,

दोहा आदि पर कोनो मैथिल छात्र शोध ग्रन्थ लिखि सकैत छथि जे मैथिली साहित्यक लेल मूल्यवान धरोहर भए सकैत अछि। अपन ई विचार हम किछु घंटाक बाद भागलपुर विश्वविद्यालयक मैथिली विभागक छात्रक बीच राखल।

विभागाध्यक्ष डा. प्रेमशंकर सिंह बहुत देर धरि हमरा सबहक प्रतीक्षा कए घर चलि गेल छलाह। मुदा प्रो. प्रमोद कुमार पाण्डेयक अध्यक्षतामे युवा-छात्र लोकनिक नीक बैसार भेल।

उपस्थित युवामे राघवेन्द्र कुमार यादव, काशीनाथ स्वर्णकार, रवीन्द्र कुमार चैधरी, ब्रजभूषण कुमार, ध्रुवज्योति सिंह, मनोज कुमार, अरुण कुमार सिंह, गंगा प्रसाद प्रमुख छलाह जे कि आगाँ मिथिला मैथिलीक कार्य बढ़ेबाक निश्चय व्यक्त कएलन्हि।

जयकान्तबाबूक गम्भीर विद्वŸाापूर्ण भाषणक मूल छलन्हि जे मैथिलीक अस्तित्व पर संकट अछि तेँ दृढ़ निश्चयक संग कार्यकर्ताकेँ जुटक चाहिअन्हि।

ग्रियर्सनक उपेक्षाक कोनो औचित्य नहि

एहि मिथिला जागरण यात्राक विस्तारित उपसंहार छल मधुबनी एवं दरभंगाक ७ जनबरी १९९५क ग्रियर्सन जयन्ती एवं ८ जनबरीक पटनाक मैथिल समुदायक संग विचार-विमर्श।

मैथिलीकेँ भाषा जगतमे प्रतिष्ठित करौनिहार सर जार्ज अब्राहम ग्रिअर्सन (७.१.१८५१-८.३.१९४१) एक आयरिस छलथि जे १८० भाषा एवं ४८० बोलीमे पारंगत छलाह । १८७४ मे ६ मास तिरहुतमे रहलथि एवं कैथी लिपि सिखलथि आ मैथिली व्याकरण आ शब्दकोश तैआर कएलन्हि। हिनक किताब आ शोधपत्रमे १८८१क 'एन इनट्रोडक्शन टू द मैथिली', १८८२क 'इन सेल्फ डिफेन्स' एवं १९०२क भारतीय भाषाक सर्वेक्षणक रिर्पोर्टक नाते खण्ड ५ भाग २क मैथिली भाग उल्लेखनीय अछि। ग्रियर्सनक स्पष्ट मान्यता छलन्हि जे हिन्दी दुइयो सए सालमे बिहारक लोक नहि बाजि सकैत छथि तेँ कोनो बिहारी भाषा (मैथिली, मगधी, भोजपुरी) न्यायालय आ शिक्षालयक भाषा हो। मधुबनीक 'गीलेसन बाजार' हिनक मैथिली प्रेमक जनसम्मान थिक।

मुदा, मैथिलीक लेल आन्दोलन कएनिहार आ अनेक महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयमे मैथिली विभाग चलौनिहार कहिओ ग्रियर्सनक जन्मतिथि वा पुण्यतिथि मनौने होथि, एहन जानकारी नहि भेटल। एतेक धरि जे चेतना समिति, पटनाक कार्यालयमे जे अनेक मैथिली विद्वानक जन्म एवं पुण्यतिथिक सूची ओहि स्थानक प्रथम यात्रामे ८ जनबरी १९९५क देखल ताहूमे ग्रियर्सनक उल्लेख नहि। (एमहर ज्ञात भेल अछि जे

पण्डित श्री गोविन्द झा द्वारा अनूदित एवं डा. रमानन्द झा ‘रमण’ द्वारा सम्पादित भए डा.ग्रिअर्सनकृत मैथिलीक पहिल व्याकरण,१९०९ संस्करण, चेतना समिति प्रकाशित कएलक अछि।)

एहि यात्रा क्रममे श्रद्धेय जयकान्त बाबू कहने छलाह जे मैथिली पोथीक जाहि प्रदर्शनीकेँ देखए पण्डित जवाहरलाल नेहरू आएल छलाह, ओतए मैथिली साहित्यकारक चित्रमे ग्रियर्सनक चित्र देखि पूछने छलथिन्ह-‘की ई मैथिल छलथि?’ उत्तरमे मैथिलीक लेल ग्रिअर्सनक योगदान सुनि ओ विस्मित भए गेल छलथि।

कोनो भाषाक विद्वान होएबाक लेल ओहि भाषाक्षेत्रमे जनमल होएब आवश्यक नहि। बेल्जियममे जनमल फादर कामिल बुल्के हिन्दीक विद्वान छलाह, डा. जाॅर्ज अब्राहम ग्रिअर्सनक कर्मभूमि किछु वर्ष मिथिला रहलन्हि। ओतए ओ कचहरीमे लोककँे मैथिलीमे गवाही देबाक लेल प्रोत्साहित करथि आ मैथिलीक शब्द नोट करथि। एतबे नहि, मैथिल पण्डितकँे निमंत्रित करथि। हुनकासँ मैथिली सुनथि आ जजिमान जकाँ ब्राह्मण दक्षिणा सेहो देल करथि। मगहिया डोमक भाषा धरि पर ग्रिअर्सनक एक पोथी छन्हि।

ओहि ग्रिअर्सनक पहिल बेर जयन्ती समारोह ७ जनबरी १९९५क मधुबनीमे मनाओल गेल। हम सोझे गीलेसन बाजार गेलहुँ ं। तरकारीक ई बाजार गाम-गमैतसँ लोककेँ अनैत अछि आ ग्रियर्सनकेँ ‘गीलेसन’क रूपमे स्मरण केने छथि।

अङरेजीकेँ निष्प्रभावी बनाएब समस्त भारतीय भाषाक दायित्व

मधुबनीक बाद दरभंगामे सेहो ग्रिअर्सन जयन्ती मनेलाक बाद आठ जनवरी १९९५ कैँ भोरे बससँ पटना पहुँ ंचलहुँ ं। चेतना समितिक विद्यापति भवनमे पहुँचक पहिल बेर सुअवसर भेटल। जाड़मे वर्षाक चलते समय विकट छल। भवनक सामने तोरणद्वार सजल देखि लागल मिथिलाक भाग्य आब करौट लए रहल अछि। मुदा प्रवेश करितहिं एक निर्देश पोस्टर हिन्दीमे सटल देखि छगुन्ता भेल। पोस्टरमे लिखल छलैक,‘अपना पता यहाँ लिखेँ।’ ई चेतना समितिक पोस्टर छल वा ओतए एक दिन पूर्व भेल सहजानन्द सरस्वती समारोहक, पता नहि, मुदा हमर मैथिली बैसारक आयोजककेँ एकरा हटेबाक चाहैत छलन्हि।

तहिना उपर कक्षमे गेलहुँ ं तँ मैथिलीक अनेक विद्वानक जन्म आ पुण्यतिथि अङरेजी (रोमन) अंकमे लिखल छल। जतए हिन्दी नहि चाही, मैथिली चाही ओतए हिन्दी आ जतए देवनागरी अंक चाही ओतए अङरेजी अंक लिखब, ई कोन प्रकारक

मानसिकताक द्योतक अछि?

हमरा लगैत अछि जे ई मात्र अज्ञानताक द्योतक अछि वा हीन मानसिकताक। मराठी, नेपाली आदि भाषामे अंक देवनागरीमे लिखल जाइत अछि। मात्र साहित्य नहि, साइन बोर्ड, समाचार पत्र आदिमे सेहो एहि बातक ध्यान राखल जाइत अछि। किएक नहि, लिखैत छथि अङरेजी अंक?

मानल जे अंकक अंतराष्ट्रीय स्वरूप 1,2,3,4,5,6,7,8,9,0 भारतक राजभाषा अधिनियममे संवैधानिक प्रावधान धारा ३४३ (प)क अन्तर्गत स्वीकृत अछि। मुदा एतहि ३४३ (२)मे इहो लिखल अछि जे संविधानक प्रारम्भसँ मात्र १५ वर्ष धरि अङरेजी राजभाषाक रूपमे चलत संगहि राष्ट्रपति एहि अवधिमे सेहो अङरेजीक संग हिन्दी भाषाक एवं अंकक अंतराष्ट्रीय रूपक संग देवनागरी रूपकेँ प्राधिकृत कए सकैत छथि। धारा ३४३ (३) कहैत अछि जे संसद विधि द्वारा उक्त १५ सालक बाद चाहय तँ अङरेजी भाषा किम्वा अंकक देवनागरी रूपकेँ विधिवत प्रयोजनक लेल उपबन्धित कए सकैत अछि।

ज्ञातव्य अछि जे उक्त १५ सालक अवधि समाप्त भेल १९६५ मे आ अङरेजीकेँ अनिश्चितकालक लेल भारत पर थोपि

देल गेल जकरा हटाएब मात्र हिन्दीक नहि, समस्त भारतीय भाषाक अस्मिताक प्रश्न अछि आ प्रत्येक नागरिकक कत्र्तव्य सेहो। ई राजभाषा हिन्दी जँ देवनागरीमे लिखल जाइत अछि तँ अंक देवनागरीक किएक नहि? एहि दृष्टिसँ मराठी, नेपाली आदि निश्चितरूपेण प्रशंसाक पात्र छथि। हिन्दी आ मैथिलीभाषीकेँ एहिसँ प्रेरणा लेबक चाहिअन्हि।

हमरा लगैत अछि जतए हिन्दी संवैधानिक प्रावधानक आधार पर अपनाकेँ प्रतिष्ठित करेबाक चक्करमे अंकक अंतराष्ट्रीय स्वरूपकेँ आँखि मुनिकेँ मानए लेल तैआर भए गेल अछि, ओतए मैथिली हिन्दीमे अपनाकेँ समाहित करक षड्यंत्रक प्रतिरोधक रूपमे वा दूनू अज्ञानतामे जे ई अंतराष्ट्रीय अंक थिक।

ध्यातव्य जे एकरा अरबी अंक कहल जाइत छैक, ओना ई मूलतः भारतीय अंक अछि। शून्यक खोज हिन्दू मस्तिष्क कएने छल। ई खोज हमर थिक, एकरा हिन्दू अंक कहल जाए एहि लेल आवश्यक अछि जे सब भारतीय भाषा एकरा नागरी स्वरूपमे लिखथि। एहि लेल हिन्दी, मैथिली आदि उत्तर भारतीय भाषाकेँ पहिने आगाँ अएबाक चाहिएक पुनः दक्षिणक लोक सेहो संग देताह, जहिआ ओ बूझि जएताह जे आर्य-द्राविड़क भेद जानि बूझि कए पढ़ाओल गेल अछि, वस्तुतः एहन किछु अछि नहि।

जयकान्तबाबू चारि दिनसँ पटनामे छलाह, बैसारक

आयोजनक लेल अनेक मैथिल सक्रिय छलथि आ तेँ ओहि विकालमे सेहो सन्तोषप्रद उपस्थिति देखबाएमे आएल। मधुबनीसँ चुनचुन मिश्र, सहरसासँ प्रो. विनय चैधरी, बनगामसँ जयराम झा, पूर्णियासँ अधिवक्ता सुबोधजी एवं भालचन्द्रजी, भागलपुरसँ सुनील चैधरीक उपस्थिति उल्लेखनीय छल।

रमानन्द कुमर, अध्यक्ष, चेतना समिति अपन संस्थाक नियमक सीमा-रेखा सांस्कृतिक कार्यक्रम धरि कहलन्हि। आ तेँ आन्दोलनमे सहभागितासँ एहि संस्थाकेँ परहेज छैक।

लोककवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर रोमक कथानक सुनबैत कहलाह जे ओतए कियो कहलथिन्ह जे एकहुँ गोटा जँ रहताह तऽ रोम बाँचत तहिना आइ मिथिलामे की एकहुँ गोटे पूर्ण सन्नद्ध आ कटिबद्ध छी? श्रद्धेय जयकान्तबाबू बजलाह- ‘जाबत मिथिला राज नहि बनत, मैथिलीकेँ सम्मान नहि भेटतैक।’

हम जार्ज ग्रियर्सनकेँ स्मरण करैत चेतना समितिकेँ अपन सूचीमे हुनका स्थान देबाक माँग कएल, कहलिअन्हि जे अद्यावधि मैथिल नेतृत्व सांगठनिक क्षमतासँ विरत रहल अछि आ व्यक्ति मात्र व्यक्तिरूपमे जागल रहलाह। विभिन्न संगठनक एक केन्द्रीय संगठन कारगर नहि भए सकल।

मैथिलीक मांगसँ पहिने मिथिला राज्यक मांग करए पड़त, तखनहि मैथिली सेहो बाँचि पाओत। उड़ीसा १९३६ ई.मे पहिल भाषायी प्रान्त भेल। मिथिलाकेँ सेहो भाषायी आधार पर राज्य बनाओल जाए।

ओहि समय मिथिलाक प्रति व्यक्ति आय प्रति वर्ष १००० रूपैयासँ अधिक नहि होएत जखनकि बिहारक ३२८०रूपैया एवं भारतक औसत ६२४९ रूपैया १९९२-९३मे छल।(२०११मे बिहारक प्रति व्यक्ति आय प्रति वर्ष २४६८१ रूपैया भेल भारतक औसत ५३३३१ रूपैया भेल, मिथिलाक अलग आंकड़ा नहि अछि मुदा कोनो हालतमे शेष बिहारक तिहाइ होएत।)

१९९१क जनगणनाक अनुसार मिथिलाक प्रति वर्ग किलोमीटरमे करीब ८५०आदमी रहैत हेताह जखन कि सम्पूर्ण बिहारमे ६८५ आ सम्पूर्ण भारतमे २६७ मात्र अछि। (२०११मे सम्पूर्ण भारतमे ३८२ आ बिहारके ११०२ भए गेल जे मिथिलामे बिहारक क्षेत्रक जिलामे आबादी /५७०६२ वर्ग किलोमीटर=११३५वर्ग किलोमीटर होइत अछि।)

मिथिला विकासक दृष्टिसँ देशक सबसँ पछुआएल क्षेत्र अछि। एकर उन्नतिक एक मात्र उपाय अछि अलग प्रान्तक रूपमे गठन। जनसंख्या, क्षेत्रफल आ अन्य आधार पर मिथिला एक राज्य बनबाक समस्त वांछनीय आधार रखैत अछि आ तेँ

भारतक पुनः प्रान्तीय संरचना ठाढ़ करए पड़त। भाषायी प्रश्न पर हम कहलिअन्हि जे अङरेजीक स्थान भारतमे हिन्दी लेअए आ मिथिलामे मैथिलीकेँ अपन राजकीय स्थान भेटैक (जे मैथिलीकेँ अष्टम अनुसूचीमे २००४ मे प्रवेश भेलहुँ पर बिहार वा झारखंडमे राजभाषा नहि बनि सकल अछि जेबनाएब आवश्यक। जँ कि आब मिथिला राज्य बनलहिं पर सम्भव होएत एहेन लगैत अछि।) ओना अष्टम अनुसूची जँ समाप्त कए देल जाए तँ नीक, कारण जे भारतक छोट-पैघ सब भाषाक अपन अस्मिताक रक्षा भारतक संस्कृतिक रक्षाक लेल आवश्यक अछि।

अध्याय ५

कलकत्ता विश्वविद्यालयमे ‘मैथिली चेयर’ स्थापनाक पृष्ठभूमि

अक्तूबर १९९५ मे यायावरीक अप्रतिम अनुभव भेल। ९ अक्तूबरकेँ कन्याकुमारी लग भारतक दक्षिण भूभाग नागरकोविलमे तँ ३१ अक्तूबरकेँ मिथिलामे स्थित भारतक उत्तरी सीमा जयनगरमे।

दक्षिण भारतक यात्राक बाद २१ अक्तूबर १९९५ क अपन अगिला मिथिला जागरण यात्राक लेल विदा भेलहुँं।

दीयाबातीक कारणसँ बसमे बहुत अधिक भीड़ चल, तेँ पूर्णियाक सीधा बस नहि भेटल। एक बससँ जीरो माइल गेलहुँ फेर दोसर बससँ बेगूसराय होइत पूर्णियाक यात्रा कएल। सहरसा प्रमंडलक दू युवक जे दिल्ली पुलिसमे दरोगा छथि, गामसँ घूमैत छलाह। चर्चाक क्रममे किरण वेदी आबि गेलीह। एक गोटेकेँ गर्व छलन्हि जे अमेरिकाक राष्ट्रपति क्लिंटन हुनका जलपान पर आमन्त्रित कएलथिन्ह तँ दोसर हमरासँ सहमत छलथि जे एकर अपेक्षहुँ करब पाश्चात्य मानसिक गुलामीक प्रतीक भेल। समाजमे एखन दोसरेक बोलबाला छैक आ खुशवन्त सिंह सन लोक सेहो एहिसँ पीड़ित भए किछु दिन पूर्व लिखलन्हि जे दिल्ली सरकार किरण वेदीक एहि विदेश यात्रा पर किएक आपत्ति उठौलक जखन कि आपत्ति उठबएबाला मंत्री आदिमे किनको कहिओ अमेरिकी राष्ट्रपति आमन्त्रित तक नहि करतथिन्ह।

सम्भवतः खुशवन्त सिंहकेँ ई ध्यान नहि छन्हि जे दिल्लीक एहि मंत्री सबमे किछुकेँ दीक्षित कएनिहारक प्रेरणा-स्रोत स्व. गुरुजी गोलवलकर कहिओ विदेश नहि गेल छलाह। हुनक कहब छलन्हि जे मातृभूमि भारत (सांस्कृतिक भारत-अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बंगलादेश, वर्मा, नेपाल समेत) हमर कार्यक्षेत्र अछि। ई बात अलग भेल जे ओहू समय हुनक अनेक शिष्य आ आइ-काल्हि हुनक पीठ पर आसीन कार्यकर्ता विदेश गेलाह। मुदा अपना लोकसँ भेँट करबाक लेल नहि कि कोनो विदेशीकेँ

पैघ बूझि चाटुकारिताक लेल।

राँचीमे रहैत भारतक विविध भागक हमर यात्रा आ ताहूमे मिथिलाक छोट-पैघ शहर एवं गाम-गमैतक यात्रा सेवाक लेल हा, े वा जागरणक लेल, उद्देश्य एकहि अछि जे लोक जगताह, तखनहि उत्थान मिथिलाक आ तेँ भारतक सेहो होएतैक।

बाढ़िमे टूटल टेढ़ भेल सीसोक गाछ सड़कक दून् कात पूर्णिया धरि देखि मोनमे दुःख भेल। सरकारक अदूरदर्शितापूर्ण नीतिसँ बनल पैघ-पैघ बान्ह आ सब प्रकारक उपेक्षासँ मिथिला बाढ़िक प्रकोप तँ प्रत्येक साल सहत। मिथिलाकेँ आवश्यकता छैक इमानदार स्थानीय नेतृत्वक जाहिसँ ओकर क्षेत्रीय अस्मिताक रक्षा होइक आ तपल-तपाएल नेतृत्व राष्ट्रिय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर एहि बाढ़िक विभीषिकासँ मिथिलाकेँ मुक्त करेबाक लेल तकनीकी, वैज्ञानिक आ सामाजिक आन्दोलन ठाढ़ कए सकए।

अपन समस्याक समाधान अपन सूझ-बूझसँ करए पड़त। पैघ वा छोट बान्ह तँ तकनीकी विषय भेल। मुदा जुड़िशीतलमे कादोमाटि खेलक आ गाछक जड़िमे पानि-कादो देबक की अर्थ भेल? पोखरिमे जलस्तर एहि समय कम रहैत छैक। कादो कछेर उपछि भीड़क गाछ तर देबाक परम्परा एकदम वैज्ञानिक अछि।

मिथिलामे गामे-गाम एतेक पोखरि अछि जे तिब्बत एवं उत्तरी नेपालसँ आबएबाला अथाह जलराशिकेँ संचयित कए सकैत अछि आ जँ पैघ बान्ह नहि रहए तँ कमहि पानि बाढ़िक समय बचत आ लोककेँ कष्ट ओतेक नहि होएतैक, अपितु जमीन ओहि पानिक उर्बर कछेरसँ अधिक उर्बर होएत एवं जुड़िशीतलक पोखरिक कादोसँ भीड़क गाछक जड़िमे माटि एतेक रहतैक जे ओ वर्षाक समय धरि भीड़केँ सुरक्षित रखबे करत, गर्मीमे सेहो ओहि गाछकेँ नहि सूखए देत। जुड़िशीतलक पूर्व दिन मेष संक्रान्तिक होअएबाला नववर्ष मिथिला-बंगालक लेल इएह सन्देश दैत अछि।

हम सब ठंढा देशक नहि छी जे दिसम्बरक बाद सूर्यक ताप बढ़ैत अछि तेँ एक जनबरीकेँ नववर्ष मनाबी। हमर तँ जीवनहि पानि अछि, पोखरिक मखान-माछ अछि, धान-पटुआ आदिक संग-संग अकाल लेल भेंटक चाउर तक सेहो पानिमे होइत अछि।

पूर्णियाक लोकसँ सुनल नाम पुरैनिया अछि, भोजबाला पुरैनक पात जे होइत अछि पानिएमे। पुरैन वा कमल तँ होएत पानिएमे आ जँ इहो मानल जाए जे ओतय कहिओ पूर्ण अरण्य छल तँ जंगल की बिना पानिक होइत अछि अथवा जतए जंगल रहतैक ओतए ने पानि हेतैक?

हमर पुरखा पर्यावरणप्रेमी छलथि आ आइयो आवश्यकता

अछि अपन रीति रिवाजकेँ एहि वैज्ञानिक पक्षक आलोकमे देखिकेँ अपन जटिल समस्याक निराकरण करी।

पूर्णियामे वीरेन्द्र मोहन ठाकुरजीक डेरा पर २२ अक्तूबर दुपहरमे बैसार भेल। समागत अनुभवी एवं युवा कार्यकर्तामे मुख्य छलाह एडवोकेट सुबोधजी, एडवोकेट दिलीप झा एवं प्रो. पालन झा। बादमे युवा कार्यकर्ता संजय कुमार मिश्र आ पालनजीक संग अपन सहपाठी डा. अमरेन्द्र झासँ भेँट करबा लेल गेलहुँं। रास्तामे संजय कुमार मिश्र युवापीढ़ीकेँ पुरान पीढ़ीसँ रचनात्मक सहयोग नहि भेटक उपराग दैत दुःख प्रकट कएलन्हि।

डा. पालन झाक सोच छलन्हि जे विधायक, सांसद आदि राजनेता मैथिलीक संवैधानिक मान्यताक लेल प्रयास करथि तखनहि बड़ी पाकत, आम आदमीक प्रयाससँ लाभ नहि, एहिसँ असहमत होइत हमर अभिमत छल आ अछि जे जनआन्दोलन प्राथमिक आवश्यकता थिक।

मैथिलीक इतिहासमे पूर्णियाक विशिष्ट स्थान रहल अछि। विद्यापति गोष्ठी १९७१-७२क प्रकाशन ‘कौशिकी’मे पढ़लहुँ, कोना स्व. पं. ब्रजमोहन ठाकुर (वीरेन्द्रमोहन ठाकुरजीक पिता)क प्रयाससँ१९१७-१८ ई.मे कलकता विश्वविद्यालयमे मैथिलीकेँ स्थान भेटलैक।

कलकत्ता विश्वविद्यालयक तत्कालीन कुलपति सर आशुतोष मुखर्जीक विचार छलन्हि जे भारतक विविध क्षेत्रीय भाषाक विकासक लेल स्नातकोत्तर (एम.ए.) कक्षा धरि पठन-पाठनक व्यवस्था आवश्यक अछि। तेँ हिन्दी, बंगला, तमिल, तेलगु, मलयालम, मराठी, उड़िया, उर्दू आदि चैदह भाषाक पाठ्यक्रम व्यवस्थाक लेल तत्कालीन गवर्नर (जे कुलाधिपति छलाह)सँ वित्तीय स्वीकृति एवं आवंटन करौलथि।

कोइलख ग्रामवासी स्व. बौआजी मिश्र (कलकत्ता विश्वविद्यालयमे ज्योतिषशास्त्रक प्राध्यापक) स्व. ब्रजमोहन ठाकुरजी (जे स्वयं हिन्दीक स्नातकोत्तर कक्षाक शिक्षक छलथि) लग आबि कहलथिन्ह जे बड़ दुःखक विषय जे विश्वविद्यालयमे चैदह भाषाक स्नातकोत्तर कक्षा धरि अध्ययन-अध्यापनक व्यवस्था भेल मुदा मैथिलीकेँ स्थान नहि भेटलैक।

दूनू गोटे आशुतोष मुखर्जी लग गेलाह। ठाकुरजी बंगलामे कहलथिन्ह ‘श्रीमान् ई की कएलहुँं? मैथिली-बंगलाक बीच तँ एतेक सानिध्य आ सामंजस्य छैक जे विद्यापति मैथिलीक कवि छलथि वा बंगलाक, एहि पर भारी विवाद भेल छल। जस्टिस शारदाचरण मित्र दरभंगा जाकँए विस्फी ग्रामक अवलोकनकँए पंजिकार एवं तटस्थ विशिष्ट लोकसँ वार्तालाप कएलाक बाद विद्यापतिकेँ मैथिलीक कवि स्वीकार कएलन्हि, एखन पर्यन्त विद्यापति बंगलाक कविक रूपमे बंगालमे विख्यात छलथि आ ई

बूझल जाए जे एतेक समता आ सादृश्य अछि। संगहि, तड़ितपत्र पर लिखित प्राचीन बंगला अक्षर आ आधुनिक मिथिलाक्षरमे कोनो भेद नहि, किन्तु एम.ए. कक्षाक पठन-पाठनक परिकल्पनामे अपने मैथिलीकेँ कोनो स्थान नहि देल, एकरा छोड़ि देल गेल, ई अति दुःखक विषय भेल।'

सर आशुतोष मुखर्जीकेँ हुनक तर्क युक्तिपूर्ण लगलन्हि। ओ कहलथिन्ह जे एखन तँ स्वीकृत समस्त टाका आवंटित भए गेल अछि, तँ एहि वर्ष मैथिलीकेँ होएबाक कोनो सम्भावना नहि, किन्तु अहाँ यदि तीन दिनक भीतर अढ़ाइ हजार टाकाक व्यवस्था कए सकी, तँ हम आगामी कौन्सिल मीटिंगमे मैथिलीकेँ कहुना स्थान दिआ देब। ई छोड़ि आन कोनो उपाय नहि।

ई सुनि एतेक शीघ्र, एतेक टाकाक व्यवस्था कोना होएत खिन्न मोनसँ दूनू गोटे घर लौटलाह। किन्तु साहस कए स्व. ठाकुरजी रजौड़ाधीश राजा टंकनाथ चैधरीसँ(जे कालीघाटमे ओहि समय छलथि) भेँट कए दान देबए लेल कहलथिन्ह। सम्भवतः ओ अविश्वास कए कहलथिन्ह, जे पाछाँ बूझिकेँ कहब।

समय कम छलैक तँ तत्क्षण श्रीनगराधीश राजा कालिकानन्द सिंहकेँ तार देलथिन्ह जे पूर्णिया जंक्शन पर सवारी पठाबी। संध्यामे दार्जिलिंग मेल पकड़ि ओ दोसर दिन प्रातः

पूर्णिया जंक्शन पहुँचलाह जतए ओ स्वयं मोटर लए उपस्थित छलथिन्ह। हुनका संग श्रीनगर होइत चम्पानगर राजाबहादुर कीर्त्यानन्द सिंहकँे सब किछु कहलथिन्ह। ओ अतिप्रसन्न भए कहलथिन्ह 'अढ़ाइ हजार टाका की देबैक। देबे करबैक तँ साढ़े सात हजार टाका दिऔक।' आ चेक ठाकुरजीक नामेँ काटि, आशुतोष मुखर्जीकेँ तार देलथिन्ह जे मैथिली चेयर लेल पाइ पठा रहल छी जकर नाम 'बनैली मैथिली चेयर' राखल जाए। कलकत्ता विश्वविद्यालय काउसिन्लक एहि सन्दर्भमे अन्तिम मीटिंगमे तार आशुतोष बाबूकेँ भेटलन्हि आ मैथिली पाठ्यक्रम स्वीकृत भेल।

स्व. ब्रजमोहन बाबू कलकत्ता पहुँचलाह तँ ज्ञात भेलन्हि जे राजा टंकनाथ चैधरी सेहो उदारतापूर्वक साढ़े तीन हजार टाका देलथिन्ह। सर मुखर्जी पुछलथिन्ह, 'एतेक जोगाड़ कोना कएलहुँ,?' तँ ठाकुरजी कहलथिन्ह 'अपनेक नाम बेचि।' मुखर्जी कहलथिन्ह, 'आब किताबक जोगाड़ करू आ दू मैथिली प्रोफेसर-एक संस्कृत ज्ञाता आ दोसर अङरेजीक ज्ञाताक नियुक्तिक व्यवस्था करू। एहि हेतु दरभंगा आदि जएबाक खर्च विश्वविद्यालयसँ देबाक निर्देशदए, एक पत्र महाराजाधिराज सर रामेश्वर सिंहक नामेँ देलथिन्ह। महाराजाधिराजसँ कलकत्तहिमे भंेट भए गेलन्हि आ ओ खूब प्रसन्न भेलथिन्ह। विद्यापतिक एक गीतहु पढ़ि बजलाह जे ई केहन ललित अछि आ राज लाइब्रेरीसँ

मुद्रित एवं हस्तलिखित पुस्तकादिसँ सहायताक लेल आश्वासन देलथिन्ह। दरभंगा पहुँंचला पर हुनक अन्यमनस्कता देखि ठाकुरजीकेँ अनुमान भेलन्हि जे मैथिली चेयर बनैलीक नाम भेलाक कारणेँ सम्भवतः ओ अन्यमनस्क छथि।

मैथिलीक विकास सम्बन्धी अधिकारक विरोध किएक?

तरौनी निवासी महामहोपाध्याय पं. परमेश्वर झा दरभंगा राज पुस्तकालयक अध्यक्ष (लाइब्रेररियन) सह द्वारपडिण्त छलाह जिनक 'मिथिला तत्त्वविमर्श' धारावाहिक रूपमे मैथिलीमे प्रकाशित होइत छलन्हि। कलकत्ता विश्वविद्यालयमे संस्कृतनिष्ठ मैथिली प्राध्यापक पद पर तत्काल १४० टाका एवं ६मासक बाद २०० टाका मासिक आ फेर सरकारी वेतनमान पर नियुक्तिक लेल झाजी सहर्ष तैआर भए गेलथि। राजमे हुनका मासिक मात्र २५ टाका एवं उपाति (भोजनार्थ असिद्ध अन्न) भेटैत छलन्हि।

कलकत्ता वि.वि.मे पण्डितजीक नियुक्ति उपक्रम सम्बन्धी जानकारी भेटला पर पहिनहिसँ असन्तुष्ट महाराजाधिराज क्रुद्ध भए उठलाह आ पण्डितजीकँे कहलथिन्ह जे कलकत्तामे खाइत-पिबैत आ घरक भाड़ा काटिकेँ साठि टाकासँ बेसी नहि बाँचत, आइसँ अहाँकेँ साठि टाका वेतन एतहि भेटत। एकर अतिरिक्त महाराजाधिराज आवेशमे आबि कलकत्ता

विश्वविद्यालयक तत्कालीन कुलपति सर आशुतोष मुखर्जीकँे स्व. ब्रजमोहन ठाकुरजीक विरूद्ध तार दए हुनक खिधांस कएलथिन्ह।

दरभंगामे पं. परमेश्वर झाक किंकत्र्तव्यविमूढ़ स्थिति देखि ठाकुर जी ३० टाका मासिक पर एक लेखक नियुक्त कयलथि जे राज पुस्तकालयमे पुस्तकादिक नकल उतारि कलकत्ता पठबैत रहलथिन्ह आ एहि काजमे पुस्तकालयाध्यक्ष रूपमे पण्डितजी पूर्ण सहयोग देलथिन्ह। स्व. ब्रजमोहन ठाकुर मधुबनी जाए मिथिला प्रेसमे ठहरलाह। मिथिला प्रेस राजबनैलीक छलैक आ ओहिमे हमर दादा युगल ठाकुर बहुत वर्ष धरि मैनेजर छलथि। एहि प्रेसक भूमिका मैथिलीक विकासक प्रारम्भिक दिनमे विशेषरूपसँ उल्लेखनीय रहल अछि।

स्व. ब्रजमोहन ठाकुर 'मिथिला मिहिर' पत्रमे विज्ञापनक माध्यमसँ मैथिली साहित्यक मुद्रित-अमुद्रित, हस्तलिखित पुस्तक, गीत आदि पठेबाक वा नकल करबाक सुविधा हेतु अपील देलथिन्ह आ अनेक गाममे घुमलथि। स्व. लालदासजीसँ मैथिलीमे 'उत्तर रामचरित' आ लोहना कालेजक प्राचार्य तेजनारायण ठाकुर जे हुनक पित्ती छलथिन्हसँ 'गणेशजन्म' भेटलैन्हि। विद्यापतिक एकटा पदावली, कवीश्वर चन्दा झा कृत 'मिथिलाभाषा रामायण' ग्रियर्सनक 'मैथिली ग्रामर' ओ

उमापतिक ‘पारिजात हरण’ आदिक अलावा अनेको हस्तलिखित पुस्तक, गीत आदि भेटलैन्हि।

स्व. ब्रजमोहन ठाकुर फेर काशी जाए श्याम सिद्धब (मधुबनी जिला) ग्रामक महामहोपाध्याय पं. मुरलीधर झा, सम्पादक ‘मिथिला मोद’सँ भेँट कएलथि। ओ अतिप्रसन्न भए ताधरि प्रकाशित मोदक सब अंक देलथिन्ह जाहिसँ मैथिली पाठ्यक्रम प्रस्तुत करबामे बहुत सहायता भेलन्हि। फेर गजहरा(मधुबनी जिला) गामक म. म. पं.जयदेव मिश्र एवं धनकौल (मुजफ्फरपुर जिला) गामक स्वर्णपदक विभूषित पं. मुक्तिनाथ झासँ भेंट कए अनेक हस्तलिखित लेख सम्बन्धी सूचना एकत्र कएलन्हि। पं. मुक्तिनाथ झाक संग काशी नरेशक ड्योढ़ी रामनगर जाए पं.जीवन झासँ ‘सुन्दर संयोग’ मैथिली नाटक प्राप्त कएलन्हि। फेर प्रयाग जाए म. म. डा.गंगानाथ झासँ भेंट कए हुनक गाम पाही (मधुबनी जिला)जाए हुनक भ्राता स्व.गणनाथ झासँ भेंट कए हुनक पारिवारिक हस्तलिखित अमुद्रित मैथिली गीत सभक संग्रह कएल।

फेर पचही ड्योढ़ीक मिथिला राजकुलभूषण स्व. तुलापति सिंहक भातिज गंगापति सिंहकेँ अङरेजीनिष्ठ प्राध्यापकक नियुक्ति हेतु चयन कए संग लए कलकत्ता आबि आशुतोष

मुखर्जीसँ परिचय कराओल आ अपन संगृहीत मुद्रित हस्तलिखित पुस्तक-लेख आदि देखौलन्हि।

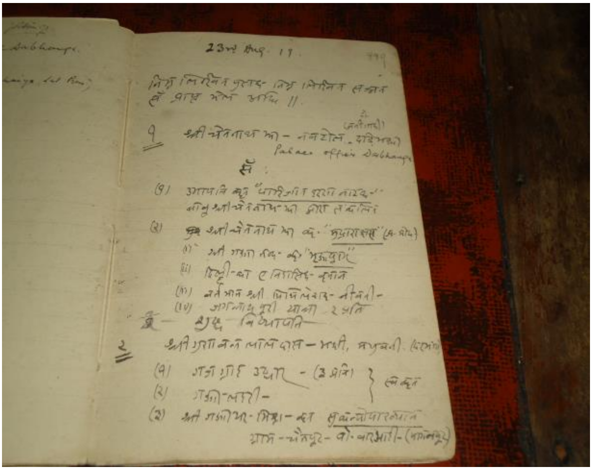
सर आशुतोष मुखर्जी एहि सबसँ बहुत प्रसन्न भेलथिन्ह एवं मैथिली पाठ्यक्रम हेतु नियमावली (सिलेबस) प्रस्तुत करबाक भार ठाकुरजीकेँ देलथिन्ह।

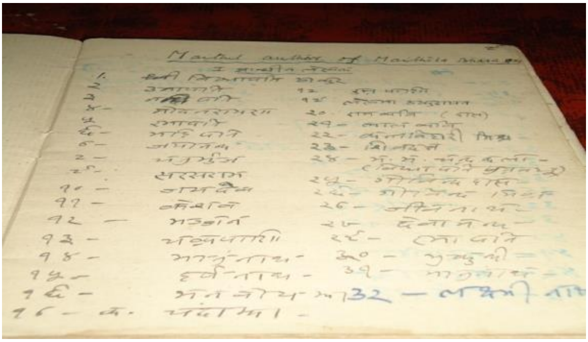
बादमे कोइलख (मधुबनी) गामक प्रकाण्ड पण्डित खुद्दी झा संस्कृतनिष्ठ मैथिली प्राध्यापक पद पर नियुक्त कएल गेलाह।

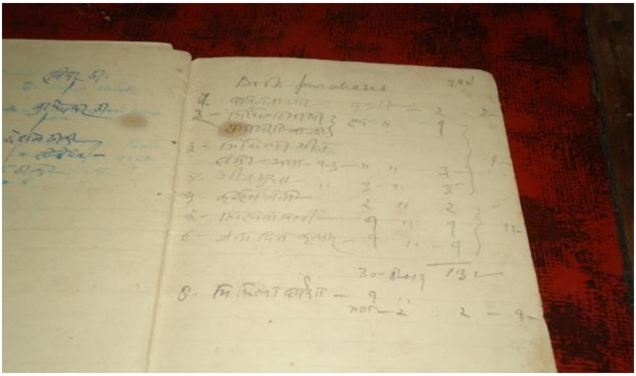
कलकत्ता विश्वविद्यालयमे प्राथमिक (प्राइमरी) कक्षासँ स्नातकोत्तर (एम.ए.) कक्षा धरि

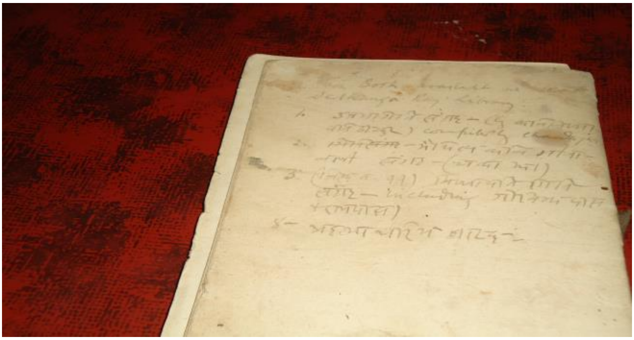
मैथिली पठन-पाठनक व्यवस्थाक ई प्रेरणास्पद इतिहास अछि जकर साक्षी स्व. ब्रजमोहन ठाकुरक हस्तलिखित डायरी हम स्वयं एहि यात्रामे पूर्णियामे हुनक बालक वीरेन्द्रमोहन ठाकुर लग पढ़लहुँ ंजकर फोटो हमरा लग उपलब्ध अछि।

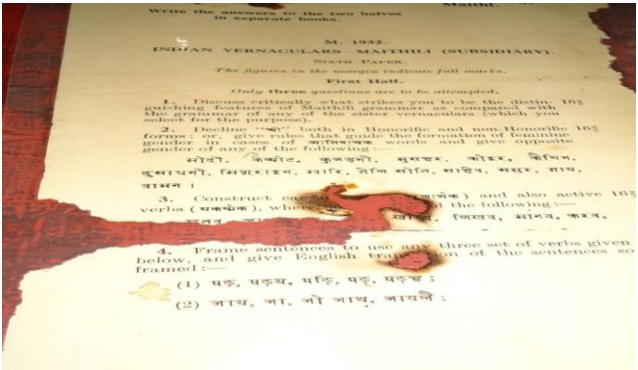
डायरीक अनेक पृष्ठ साहित्यक विविध विषयसँसम्बन्धित अछि यथा नाटक व्याकरण आदि-आदि।










Write the answers to the two halves in separate books.

M. 1932.

INDIAN VERNACULARS—MAITHILI (SUBSIDIARY).

SIXTH PAPER.

The figures in the margin indicate full marks.

First Half.

Only **three** *questions are to be attempted.*

1. Discuss critically what strikes you to be the distinguishing features of Maithili grammar as compared with the grammar of any of the sister vernaculars (which you select for the purpose). 16⅔

2. Decline "[illegible]" both in Honorific and non-Honorific forms; or, give rules that guide the formation of feminine gender in cases of [illegible] words and give opposite gender of any of the following:— 16⅔

[illegible]

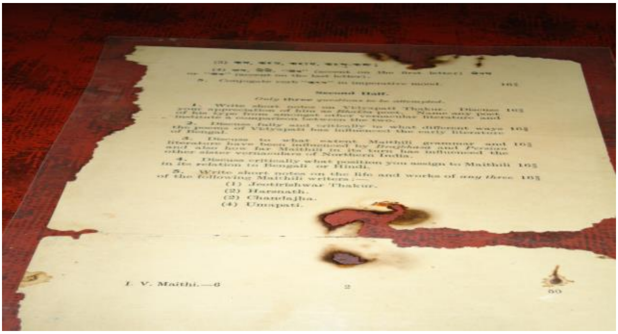
3. Construct [illegible] and also active verbs ([illegible]), where [illegible] of the following:— 16⅔

[illegible]

4. Frame sentences to use any three set of verbs given below, and give English tran[illegible]on of the sentences so framed:—

(1) पढ़, पढ़य, पढ़ि, पढ़ू, पढ़ब ;

(2) जाय, जा, जो जाय, जायबै ;



Second Half.

Only three questions to be attempted.

1. Write short notes on Vidyapati Thakur. Discuss your appreciation of him as *Bhakta* poet. Name any poet of his type from amongst other vernacular literature and institute a comparison between the two. 16⅔

2. Discuss fully and critically in what different ways the poems of Vidyapati has influenced the early literature of Bengal. 16⅔

3. Discuss to what extent Maithili grammar and literature have been influenced by *Brajbhasa* and *Persian* and also how far Maithili in its turn has influenced the other sister vernaculars of Northern India. 16⅔

4. Discuss critically what position you assign to Maithili in its relation to Bengali or Hindi. 16⅔

5. Write short notes on the life and works of *any three* of the following Maithili writers:— 16⅔
(1) Jyotirishwar Thakur.
(2) Harsnath.
(2) Chandajha.
(4) Umapati.

I. V. Maithi.—6 2 50

१९३२ क प्रश्नपत्र आ अंक तालिका बतबैत अछि ताबत ओत मैथिलीक परीक्षा होइत छल।



UNIVERSITY

29
35
20
33

बंगाल प्रेसिडेन्सीसँ बिहार-उड़ीसा १९११ ई. मे अलग भेल छल। मुदा कलकत्ता विश्वविद्यालयक क्षेत्र सम्भवतः नहि घटल छल। तेँ मैथिलीक समावेशओतए भेल। मुदा जहिआ बिहार विश्वविद्यालय बनल, ओहिमे स्वतः मैथिली विषयक रूपमे किएक नहि आएल? किएक करए पड़ल एहि लेल संघर्ष?

ज्ञातव्य जे असम मुसलमानक कहिओ अधीन नहि रहल। असमकेँ वर्मी आधिपत्यसँ १८२६ ई.मे ब्रिटिश मुक्त करौलन्हि आ गवर्नर जनरल एजेण्टक शासनमे ई आएल जाहिमे १८३२ ई.मे कछार आ १८३४ ई.मे जयन्तिया पहाड़ीकँे जोड़ि देल गेल आ १८३९ ई.मे उपरी असमकँे बंगालमे मिलाओल गेल मुदा १८७४ ई. मे असम प्रान्त पृथक कए देल गेल। १९०५ ई.मे असमकेँ पूर्वी बंगालमे मिलाओल गेल। मुदा, फेर १९१२मे असम पृथक प्रान्त बनि गेल आ ओकर भाषा स्वतः असमी भए गेलैक।

१९३६ई. मे उड़ीसा सेहो बिहारसँ अलग प्रान्त बनि गेल आ डेढ़ सालमे उड़िआक करीब डेढ़ सए पत्र-पत्रिकाक प्रकाशन होमय लागल। मात्र भाषायी आधार पर बनय बला उड़ीसा प्रथम प्रान्त छल।

आइ उड़िया भाषाक विकासक लेल कोनो असहमति, कोनो स्तर पर नहि छैक। एहनमे प्रश्न उठैछ जे मैथिलीक विकास सम्बन्धी अधिकारक विरोध किएक? एकर जड़ि काटए लेल

विभिन्न प्रकारक षड्यंत्र किएक? उत्तर अछि मिथिला राज्यक गठन नहि होएब। आ विभिन्न राज्य एवं ओकर भाषायी समृद्धिक आलोकमे हमर बद्धमूल विश्वास अछि जे जहिआ मिथिला प्रान्त बनि जएतैक, मैथिलीकेँ ओकर अभिवृद्धिक समस्त अधिकार स्वत: भेटि जएतैक।

केना मिथिला पर शासनक कारणे ँअङरेज भारत भरि पर शासन कएलक: चम्पारण आन्दोलनसँ आजादी भेटल मुदा(पूंजी हँटलासँ) मिथिला पिछड़ि गेल

पूर्णियासँ कटिहार अपन मौसाक डेरा पर पहुँंचलहुँं। मसिऔत भाए प्रो.दिलीपक संग एक प्राध्यापक शैलेन्द्र झाजीसँ परिचय करैत रेलवे कालोनी नारायण झा लग पहुँंचलहुँं। कटिहारक विद्यापति समारोहक सम्बन्धमे कहिओ अखबारमे पढ़ने छलहुँं तँ अनुमान छल जे ओतए कोनो ने कोनो मैथिली संस्था अवश्य होएबाक चाही। नारायणजीक घर जाइत काल चैक पर एक अमैथिल बजलाह जे विद्यापति पर्व पहिले रेलवे कालोनीमे होइत छल तँ ओहो सब सांस्कृतिक कार्यक्रमसँ आनन्द उठबैत छलथि मुदा आब शहरमे होइत अछि तँ ओ सब नहि जाइत छथि। हमर भाए दिलीप बादमे कहलथिन्ह जे १५-२०

साल पूर्व हुनक विद्यालयमे खूब धूम-धामसँ समारोह होइत छलन्हि आ मैदान खचाखच भरल रहैत छलैक, कटिहारक लोक उनटि पड़ैत छल। क्रमशः आब उपस्थिति कम भेल अछि आ शहरक आकर्षण विद्यापति पर्व नहि रहि गेल अछि। ई सुनि अत्यन्त दुःख भेल। नारायणजी कहलथिन्ह जे स्थानीय मैथिलकेँ जोड़ए लेल विद्यापति पर्वकेँ ओ सब रेलवे कालोनीसँ बाहर लए गेलाह, मुदा बहुत सफलता नहि भेटि रहल छन्हि।

हम कहलिअन्हि जे अन्य मैथिलकेँ समारोहसँ जोड़क विचारसँ शहरमे पर्व करक विचार सराहनीय अछि, किएक तँ विद्यापति समस्त मैथिलक छथि। मुदा रेलवे कालोनीमे सेहो कहिओ काल कोनो उत्सव जेना नववर्ष (जुड़िशीतल) एवं जानकी नवमी (वैशाखशुक्ल नवमी) मनाबी।

दोसर दिन दीपावली रहितहुँ प्रमुख मैथिली कार्यकर्ता क संग एक महत्त्वपूर्ण बैसार भेल। प्रो. शैलेन्द्र कुमार झा 'मिथिलाक आर्थिक धरोहर' पर एक अतिशोधपरक किताब लिखलन्हि अछि। कहलथि केना मिथिला पर शासनक कारणसँ अङरेज सम्पूर्ण भारतपर शासन मिथिलाक नील, जूट आदिक बिक्रीसँ जमा कएल पाइक स्थायी स्रोतक चलते कएलक।

हुनक दोसर आक्षेप छलन्हि जे गाँधीजीक चम्पारण आन्दोलनक चलते मिथिला आइ दरिद्र अछि। हुनक ई विचार

पहिने तँ विचित्र, मुदा बादमे तर्कसंगत लागल। चम्पारण आन्दोलनक बाद ब्रिटिश उद्योगपति मजदूर अशान्तिक डरसँ अपन पूंजी मिथिलासँ हटाए दोसर ठाम लगौलन्हि, आ क्रमशः जतए आन ठाम औद्योगिक विकास भेल, मिथिला पिछड़ि गेल। चम्पारण आन्दोलनसँ गाँधीजी तँ देशक नेता बनि गेलथि आ स्वतंत्रता संग्राम अपन गाँधीवादी रास्ता धएलक मुदा मिथिलाक ध्यान गाँधी समेत किनको नहि भेलन्हि।

‘सीमांचल’ प्रान्तक मांग: मिथिलाकेँ विखण्डित करबाक षड्यन्त्र

कटिहारसँ फारबिसगंजक रेलखण्डसँ अपन बाल्यकालसँ परिचित छी। एहि रेलयात्रामे मात्र ई अनुभव भेल जे किछु नब-नब हाल्ट बनि गेल अछि आ सम्भवतः ई सब बंगलादेशसँ आएल घुसपैठीक प्रभावसँ। फारबिसगंजक लगपासक ग्राम प्रतीक पुरुषकेँ जखन हम कहिओ स्मरण करैत छी, तँ स्मरण अबैत छथि, पिपराघाट लगहक कदमलाल यादव- ठेहुँना तक धोती, गंजी पहिरने आ किछु दाढ़ी-केश बढ़ल, जिनका ओतए हमर पिताजी अपन गाय पठा दैत छलथिन्ह जखन कि ओ बिसुखि जाइत छलि। दोसर चेहरा स्मरण अबैत अछि पछिमक अचरा लगक गामक सामाजिक कार्यकर्ता पुण्यानन्द मंडल, साफ धोती-बण्डी खादीक पहिरने। आ तेसर अररिया-फारबिसगंज

मार्गक ढोलबज्जा ग्रामक योगेन्द्र झा, पुरान मुदा साफ धोती कुर्त्तामे। पुरान साइकिल पर गामसँ अबैत-जाइत जाहि साइकिलक पाटपुर्जाकेँ देखि चोरहु नहि लोभ करैत छल आ तेँ तालाक कोनो जरूरति नहि; ओ एक पोस्टकार्ड पर स्पष्ट, सुलेखमे एक लेखक सामग्री ढंगसँ लिखि सकैत छलथि आ हुनक बौद्धिक विकासक स्तर कोनो स्नातकोत्तर शिक्षकसँ ऊपर छलन्हि यद्यपि हमरा हुनक शैक्षणिक योग्यता बुझबाक वा जानबाक कहिओ जिज्ञासा नहि भेल।

हुनक ढोलबज्जा स्टेशन तँ बन्द भए गेलन्हि (जे बादमे फेर खुजलैक अछि) मुदा हल्दिया, पोठिया आ आनहु किछु-किछु नब हाल्ट स्टेशनक रूप क्रमशः लए रहल अछि जे कि स्पष्टतः विदेशसँ नब-नब आएल लोकक (घुसपैठियाक) बढ़ैत जनसंख्याक प्रमाण अछि। एकर दोसर प्रमाण थिक निकटस्थ किशनगंजसँ देशक दोसर प्रान्तसँ चुनाव लड़ए लेल किनको आगमन।

कल्याणमंत्री सीताराम केशरी २६ मई १९९४ केँ राज्यसभामे बाजल छलाह जे अल्पसंख्यक बहुल जिलाक सूची कार्रवाइ योजनाक सन्दर्भमे अन्य बातक संग-संग राष्ट्रिय शिक्षा नीति १९८६क अन्तर्गत शैक्षणिक रूपसँ पिछड़ल अल्पसंख्यक जिलाक पता लगेबाक लेल प्रयास कएल गेल छल। बादमे जकरा अल्पसंख्यक कल्याण लेल १५ सूत्री कार्यक्रमक क्रियान्वयनक

उद्देश्यसँ प्रयोगमे आनल गेल। केशरी देशक अल्पसंख्यक बहुल कश्मीर घाटीक अलावा जाहि ४१ जिलाक सूची प्रस्तुत कएलथिन्ह ओहिमे बिहारक दरभंगा, पूर्णिया, आओर कटिहार सम्मिलित अछि (सम्भवतः एहि पूर्णियासँ बादमे अररिया एवं किशनगंज जिला सेहो बनल अछि) आ एहिमे पड़ोसी पं. बंगालक कूचबिहार, पश्चिमी दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया, हावड़ा, बीरभूम, उत्तर चैबीस परगना एवं दक्षिण चैबीस परगना सेहो अछि।

कोनो विधायक द्वारा सीतामढ़ी, मोतिहारी, दरभंगा, कोशी, पूर्णिया प्रमंडलक अलावा प. बंगालक सात विधानसभा क्षेत्र (दिनाजपुर आदि)केँ मिलाकेँ सीमांचल प्रान्तक मांग करब संगहि एहि लेल गोरखालैंड आन्दोलनक प्रमुख सुभाष घीसिंगसँ समर्थन लेब, मिथिलाकेँ विखण्डित करबाक षड्यन्त्र अछि। सीमांचल शब्द पूर्णतया भ्रामक अछि जकर निहितार्थ बुझक चाही।

मिथिलामे राष्ट्रवादी आन्दोलनक आवश्यकता

कटिहारमे पता लागल जे केओ ’मैथिलसेना’क गठन कए रहल छथि। पता नहि ओ के छथि आ हुनक की मन्तव्य छन्हि।

अमरनाथ झाजी (अमेरिका)क एक पत्रक जवाबमे सैयद शहाबुद्दीन जे किछु उत्तर देने छलथिन्ह तकर अभिप्राय ई छल जे ओ मिथिला प्रान्तक मांगक तँ समर्थन करैत छथि, मुदा संस्कृति वा इतिहासक आधार पर नहि।

हमर ई स्पष्ट मान्यता अछि जे भारतमे मिथिला प्रान्तक मांगक समर्थनमे समस्त राष्ट्रवादी शक्तिकँे एकजुट होएब आवश्यक, अन्यथा विघटनकारी, पंचमांगी तत्त्व एहि अंतराष्ट्रीय सीमा पर पूर्वोत्तर प्रान्त सभक सदृश स्थिति उत्पन्न कए सकैत अछि। समस्त राष्ट्रवादी लोक, संगठन, पार्टी उठैत-बैसेत, लिखैत-पढ़ैत मिथिलाक प्रयोग करथि ताकि एहि क्षेत्रक लोकक राष्ट्रिय भावना जागृत होइक। बिहार वा उत्तर बिहार शब्दमे ओ शक्ति एहि क्षेत्रक लेल प्रासंगिकता नहि रखैत अछि। केवल मिथिला मंत्रक जाप राष्ट्रघातीक काट अछि- मिथिला शब्द महामृत्युंजयकजाप, अमोघ अस्त्र एहि लेल बुझी।

मानल जे देशक कोनो नागरिक कतहुसँ चुनाओ लड़ि सकैत अछि। मुदा तखन भारतीय विदेश सेवाक अनुभवी व्यक्ति कोनो साक्षर क्षेत्रक जागरुक मतदाता लग नहि जाए, देशक सर्वाधिक निरक्षर जिला किशनगंजकेँ किएक चुनलथिन्ह? ज्ञातव्य जे ओतुक्का साक्षरताक प्रतिशत चैदहसँ कम आ अररियाक अठारह प्रतिशतसँ कम अछि (१९९१ जनगणना)।

निश्चितरूपँे ई चयन आबादीक साम्प्रदायिक जनसंख्याक आधार पर अछि। यदि घुसपैठक यैह क्रम चलैत रहल तऽ पूर्णिया प्रमंडलक स्थिति अगिला किछु दशकमे कश्मीर घाटी जकाँ विस्फोटक भऽ जाएत।

ज्ञातव्य जे एहि क्षेत्रक भाषा मैथिली अनामतिसँ रहल अछि जे कि आब घुसपैठसँ धकिआओल जाए रहल अछि। प्रत्येक प्रबुद्ध मैथिलकेँ ई बूझि लेबाक चाही। समस्त मिथिला क्षेत्रक राजभाषा मैथिली घोषित करब राष्ट्रिय एकता, अस्मिताक रक्षाक संग-संग आपसी लेन-देन, कोर्ट-कचहरी आदिक काजक सुगमताक लेल आवश्यक अछि। बच्चाक पूर्ण मानसिक आ बौद्धिक विकासक लेल शिक्षाक एकमात्र माध्यमकरूपमे सेहो मिथिलामे मैथिलीक अनिवार्यता बूझक चाही आ मिथिलाक बाहर सेहो जतए कतहु सम्भव हो, मैथिल बच्चाकँे भाषायी अल्पसंख्यक बूझि ओकरा मैथिलीमे पढ़क सुविधाक मांग करक चाही।

मिथिलाक लेल मैथिली भाषा टा नहि भारतक राष्ट्रियताक प्रतीक थिक। पड़ोसी राष्ट्र नेपालकँे सेहो बुझक चाही जे नेपाली भूभागक मिथिलामे मैथिलीकँे प्रोत्साहन देब हुनक संवैधानिक आ राष्ट्रिय दायित्व छन्हि।

सीमांचल वा संस्कृति-इतिहास रहित भौगोलिक मिथिलाक हमर मांग नहि अछि, भारतमे ओ मिथिला चाही जे ग्रिअर्सनक समय (१९०२ ई.) तक मैथिलीभाषी छल - मुजफ्फरपुर, दरभंगा, कोशी, पूर्णिया, भागलपुर प्रमंडलक संग-संग संथाल परगनाक उत्तरी आ पश्चिमी भाग (साहेबगंज, देवघर, गोड्डा जिलाक किछु भाग), मुंगेर प्रमंडलक पूर्वी आ उत्तरी भाग एवं सम्भवतः चम्पारण प्रमंडलक पूरबक किछु भाग।

एहि समस्त प्रकरण पर समस्त मैथिलीभाषीकेँ गम्भीरतासँ सोचए पड़तन्हि। मिथिलामे सशक्त राष्ट्रवादी आन्दोलनक आवश्यकता अछि आ समस्त राष्ट्रवादी शक्तिकँे एहि क्षेत्रमे मैथिलीक मधुर आ राष्ट्रिय माध्यमसँ आबद्ध सशक्त संगठनक कार्य करक चाहिअन्हि। मिथिलामे राष्ट्रियताक प्रतीक मैथिली अछि।

मिथिलाक स्थिति एकदम असम जकाँ अछि यद्यपि पूरा बिहारक गणनाक आंकड़ा परिलक्षित नहि होइत अछि। गंडकसँ ब्रह्मपुत्रक हरिअर मैदान अराजक तत्त्वक गढ़ बनि रहल अछि। यद्यपि एखन ओ कतहु-कतहु लाल झंडा अपन निहित उद्देश्यक लेल उठौने छथि आ एहि सबहक बीच असम, बंगाल, मिथिला दोसर कश्मीरक घाटी बनक तैआरीमे अछि। गरीबीसँ पीड़ित सामान्य निरक्षर मैथिल जनताक नेतृत्व मुट्ठी भरि स्वार्थी वोटलोलुप राजनीतिज्ञ कए रहल छथि।

अपन घर फारबिसगंजमे दीवाली पर अनेक वर्षक बाद छलहुँं। प्रो. नित्यानन्द लाल दास, प्रो. भैरव मिश्र एवं मल्लिकजीसँ किछु चर्चा मिथिलाक विषयमे भेल। बाजारमे दीवालीमे कोनो धूमधाम नहि देखल। बच्चा छलहुँं तँ केराक थम्भ पर सजाओल दीप आ फटाकासँ फारबिसगंजक परिचय छल। महँगाइक कारण सम्भवतः धूमधाम नहि हो, मुदा किछु परिचित कहलथिन्ह जे बजार आब टूटि गेलैक अछि, पुरान बात नहि रहल। फारबिसगंज पटुआक बजारक रूपमे विख्यात छल। प्लास्टिक युग अएला पर पटुआक माँग घटि गेलैक तँ उत्पादनहुँ घटलैक आ बजार चैपट भेल। फेर भारत-नेपाल सीमा पर होएबाक कारण तस्करीक धन्धा जोर पर छल। आब ई शहर एक अनुमंडल अछि। मुदा एकर ओ पुरान महत्त्व नहि, नाम तक एकर बदलक चाही। अङरेज फारबिस साहेबक नाम ई शहर किएक लदने रहत? ओतए बहयबाला सीताधारक नाम पर सीतागंज कए देल जाओ जे सम्भवतः सर्वाधिक उपयुक्त होएत।

मिथिलाक अनेक नगरक नाम परिवत्र्तन आवश्यक अछि। जाहिमे मिथिलाकेँ बारहम शताब्दीमे लुटनिहार हाजी इलियास आ शमशुद्दीन इलियासक नाम पर हाजीपुर आ समस्तीपुर सर्वप्रमुख अछि। जँ अहमदाबाद कर्णावती भए सकैत अछि, आ बम्बई मुम्बई तँ हाजीपुरक नाम प्रसिद्ध हरिहरक्षेत्रक नाम पर

हरिहरपुर आ समस्तीपुरक नाम ओतए बहएबाला नदीक नाम पर गंडकीपुर होएबाक चाही। मुजफ्फरपुरक नाम अमर शहीद खुदीराम बोसक नाम पर खुदीरामपुर होएबाक चाही। तहिना मिथिलाक राजधानीक दावा ठोकएबाला दरभंगा (दड़िभंगा)क नाम दड़िभंगी खांक नाम पर नहि, अपितु द्वारबंगक कारणेँ अछि। तथापि दरभंगाक नव नामकरण बागमतीपुर होएब समीचीन रहत। नाममे इतिहास नुकाएल रहैत छैक, तेँ मिथिला राज्य भेला पर पुरान अस्मिताकेँ प्रतिविम्बित करएबाला नाम राखल जाएत। कोनो प्रभावशाली राजा वा लुटेराक डरसँ राखल नाम नहि, मुदा एखनहिसँ पत्र-व्यवहार आ बातचीतमे ई नाम अएबाक चाही। आइ भाग्यनगर हैदराबादक लेल, प्रयाग इलाहाबादक लेल, हरिगढ़ अलीगढ़क लेल लोक प्रयोग करैत छथि, काल्हि एकरा सरकारी मान्यता सेहो भेटतैक। पत्र-व्यवहारमे मिथिलाक प्रत्येक डाक पतामे पिन कोडक संग मिथिला लिखल जाएब, मिथिलाक अस्मिता रक्षाक लेल परमावश्यक अछि।

दोसर ललित बाबू केओ किऐक नहि बनि सकलाह?

चैबीस अक्तूबर १९९५केँ पूर्ण सूर्यग्रहण छल, जकर मीडिया द्वारा खूब प्रचार भेल छलैक। घोषणा कएल गेल छल जे राँचीकलगपास विशेषरूपेँ रामगढ़ एवं ओकर निकटवर्ती क्षेत्रमे पूर्ण सूर्यग्रहण अवलोकन सम्भव होएतैक, तेँ राँचीमे रहि

सूर्यग्रहण देखबाक उत्कंठा छल। मुदा लगपास दियाबाती, छठिक छुट्टी छल, एकर सदुपयोगक विचारसँ 'मिथिला जागरण यात्रा' पर निकलि गेलहुँ।

सोलह फरवरी १९८०कैँ सेहो पूर्ण सूर्यग्रहण छल। ओहि दिन हम बागमतीपुर (दरभंगा)मे छलहुँ। दुपहरमे रूममे बिजली जराकेँ दोसर दिन खुदीरामपुर (मुजफ्ुफरपुर)मे होअएबाला नेशनल मेडिकोज आगेनाइजेशनक सार्वजनिक कार्यक्रमक तैआरी कए रहल छलहुँं। हमरा संग एक साल कनिष्ठ छात्र अरविन्द कुमार सिन्हा रहथि जे खढ़िआक आँखिमे सूर्यग्रहणक प्रभावक अध्ययन कएने छलथि। हुनक ओ आलेख विज्ञान प्रगतिमे प्रकाशित भेल छल।

हमरा मोनमे आएल जे सूर्यकेँ तँ राहु-केतु कइएक वर्षक बाद ओहो कोनो अमावस्याकेँ ग्रहणमे अनैत अछि आ हिन्दू समाजक धार्मिक व्यक्ति एहि अवसर पर सूर्यदेवकेँ ग्रहणसँ मुक्तिक लेल ईश्वरसँ प्रार्थना अनुष्ठान करैत छथि मुदा मिथिलाकेँ सत-सहस्र राहु-केतु प्रत्येक दिन ग्रहण लगबैत छथि मुदा कहू हमरा-अहाँमे सँ कतेक आदमी छी जे एहि स्थितिमे उबरबाक चिन्ता करैत छी? सत्य तँ ई अछि जे सम्पूर्ण मैथिल समाज सम्भवतः पूर्ण ग्रहणक प्रतीक्षामे कुम्भकर्णी निद्रामे सुतल अछि।

एकर उद्धार कोना होएत, एहि बिन्दु पर सोचैत ट्रेनमे बैसल मिथिलाक दृश्य देखैत आगाँ बढ़ल जाए रहल छलहुँ। नरपतगंज, प्रतापगंज आदि टीसन पुरान परिचित छल। यात्री किछु कम छलथि। एक गरीब सहयात्री मण्डल पंचगछिया लगक छलथि जे धरान (नेपाल)मे राजमिस्त्रीक काज करैत छलथि। मेहनत-मजदूरीसँ पेट तँ भरि जाइत छन्हि मुदा आस्था-पात किछु नहि छलन्हि। परिवारक एक सदस्य सीतागंज (फारबिसगंज)मे डाकघरमे किरानी छन्हि। बात चलला पर किछु पढ़ल-लिखल लगलाह। कहलन्हि जे पंचगछियाक लक्ष्मण लाल दास मैथिलीक कार्यमे सहयोगी भए सकैत छथि।

एहि बीच एक अन्य यात्री जनिक ध्यान सूर्यग्रहण पर लागल छलन्हि, बजलाह जे सूर्यक किरिन आब मद्धिम भए गेलैक। हुनक ई बात कहला पर हम अनुभव कएल जे तापमान किछु कम भए गेल अछि। चिड़ै-चुनमुन साँझ भेल बूझि खाँ◌ेता दिस लौटए लागल। ग्रहण समाप्तिक बाद ओ यात्री बजलाह जे ओ हाथक गफ्फासँ ग्रहणकेँ देखलथि। मिथिलामे ग्रहण आंशिक छल तेँ ई पता नहि लागल जे यात्रीक आँखि पर ग्रहणक किछु प्रतिकूल प्रभाव पड़लन्हि वा नहि।

ललित ग्राममे टे◌्न बहुत देर धरि ठाढ़ रहल। अकस्मात मोनमे आएल जे ललित बाबू रहितथि तँ मिथिलामे एखन धरि

रेलमार्ग आ उद्योग-धन्धाक कतेक ने विकास भेल रहैत।

ई बात सब केओ मानैत छथि। मुदा प्रश्न उठैत अछि जे दोसर ललित बाबू केओ नेता किएक नहि बनि सकलाह? मैथिल समाज की एहि सम्बन्धमे कहिओ चिन्ता कएलक? कहिओ ककरो पर दबाव देलकक, जे ओ ओकर उद्धारक बात सोचय? सरकार देशक भाग्यविधाता अछि आ सरकारक भाग्य निर्भर अछि वोट पर आ वोट देबक अधिकार जखन मैथिल समाजकेँ भेटल छैक तँ ओ ओहि अमोघ अस्त्रक प्रयोगक द्वारा अपन उद्धारककेँ आगाँ किएक नहि बढ़ौलक? स्पष्ट अछि जे एहि समाजकेँ सेहो अपन उद्धारक चिन्ता नहि छैक। से जँ रहितैक तँ ओ जातीय भेद-भावमे किएक ओझराएल रहैत? गरीबक बात लोक बहुत करैत छथि, मुदा विश्वमे सर्वाधिक पिछड़ल एवं उपेक्षित क्षेत्र मिथिलाक गरीबकेँ हुनकासँ की भेटलन्हि? भाषा जाहिमे सरकारक एको पाइ खर्च नहि छलैक, सेहो छिना गेलन्हि तकर बादहुँं मिथिला ओहि दलहिक पक्षमे मतदान कएलक। एकर अर्थ ई भेल जे मिथिलावासीकेँ अपन उद्धारक चिन्ता स्वयं नहि छैक, तखन दोसर कोनो ललित बाबू केना होएताह?

सुपौल पहुँंचलहुँं तँ केदार कानन भेटलाह। युवा छथि आ अपन पिता स्व. किसुनजी जकाँ मैथिलीक लेल पूर्ण समर्पित छथि। ओतहि सुखपुर गामक युवा साहित्यसेवी सच्चिदानन्द

सौरभ भेटलाह, साँझ धरि हमरा संग रहलाह। विविध विषय पर विचार-विमर्श भेल। हम हिनका लोकनिकँे मिथिलाक ग्रहण-निवारण लेल किछु सांगठनिक कार्य करबाक आग्रह कएलिअन्हि।

सुपौल स्टेशन पर एक वृद्ध गढ़बरुआरी गामक तीर्थानन्द झा भेटलथि, ओ हमर गाम (समौल)सँ परिचित छलथि। हुनकहुसँ किछु पता भेटल।

पसिन्जर टेªनसँ रातिमे सहरसा पहुँचलहुँं आ सोझे मैथिलीक लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार मायानन्द मिश्रजी लग पहुँंचलहुँं। हुनका 'मैथिली संदेश'क प्रति ओही दिन भेँटल छलन्हि। ओ कहलन्हि जे विद्यापति समारोह तँ सांस्कृतिक कार्यक्रमक रूपमे होअए, मुदा जानकी नवमी निश्चितरूपेँ 'मैथिली दिवस'क नामसँ आन्दोलनात्मक रूपमे मनाओल जाए।

आन्दोलनक अनेक रूप होइछ। एहिमे संगठन कार्य सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण अछि। तेँ संगठनात्मक दृष्टिसँ माँ मैथिलीक प्रति श्रद्धावनत समाजकेँ तैआर करब एहि दिवसक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उपयोग होएत। आधा रातिमे जानकी एक्सप्रेस पकड़लहुँं,। भीड़ बेसी छल। मुदा खगड़ियामे सूतए लेल जगह भेटि गेल। भोरे दरभंगा उतरलहुँं। ओतए टीसन पर 'मैथिली

संदेश’क प्रति बाँटल। सकरी लग कन्हौलीमे अपन बहिन ओतए पहिल बेर भरदुतियाक नोत पूरल। पुनः टीसन पर अएलहुँ तँ घोघरडीहाक गाड़ी बहुत लेट छल, साँझमे गाड़ी आएल।

मंडन मिश्र हाल्ट पर बहुत गरीब महिला टे'नमे चढ़लीह। पुछला पर कहलन्हि जे रातिमे ओ सब निर्मली रहतीह आ भोरे डेढ़ कोस आगाँ कोशीमे जाकेँ भेँट तोड़तीह आ दोसर दिन साँझ धरि गाम घुरतीह। भेँटक बीआसँ करीब डेढ़ सेर चाउर निकलतन्हि। गरीबीक ई स्थिति देखि बहुत कष्टक अनुभव भेल। मुदा सम्पूर्ण मिथिलाक स्थिति इएह अछि।

एहि स्थितिसँ एकरा कहिआ मुक्ति भेटतैक, कहिओ मुक्ति भेटतैक वा नहि? जकरा लेल दू रोटीक जोगार कठिन छैक, से जँ बिना टिकट यात्रा करैत अछि तँ कोन अनुचित? इएह प्रश्न मोनकँे व्यथित करए लागल। पता लागल जे लगपासक गाममे पेयजलक सेहो सुविधा नहि छैक। सरकारी चापाकल गड़लो छैक तँ बड़के लोकक टोलमे। ं

मनिआर्डर एकाॅनोमी पर कहिआधरि चलैत रहत देशक गाम

घोघरडीहा (मधुबनी जिलामे) टीसन पर साँझ भए गेल

छल। राति टीसनहि पर बिताबक विचार मोनमे आएल। मुदा तखनहि बगलमे आबि एक युवक बैसलाह जे ड्योढ़ गामक निवासी कवि जीवकान्तजीक पौत्र निकललाह। हिनकहि संग रातिमे ड्योढ जे घोघरडीहासँ आधा कोस दूर बताओल गेल, पहुँ ंचलहुँ। जीवकान्तजी सूति रहल छलाह। मुदा हमर आगमनक सूचना भेटला पर जगलाह। अतिथिकेँ पाबि मैथिल अतिप्रसन्न होइत छथि आ हुनक चाहे जे कोनो परिस्थिति होन्हि, पूर्ण हार्दिकताक संग अतिथिक सत्कार करैत छथि। इएह अछि मिथिलाक शाश्वत संस्कृति, जकर दर्शन अहाँकेँ कतहु भेटि सकैत अछि। जीवकान्तजी स्वभावतः हमरा आगमनसँ अतिप्रसन्न भेलाह।

जीवनकान्तजीक कवितासँ हुनक उमेर आ शारीरिक स्थितिक सम्बन्धमे हमर जे अनुमान छल, ताहिसँ अपन गामक नामक सार्थकता सिद्ध करैत ओ किछु ड्योढ़ निकललाह आ जखन रातिसँ दोसर दिनधरि गप्प होइत रहल तखन सहजहि अनुभव भेल जे साहित्यक क्षेत्रमे सेहो ओ हमर आकलनसँ ड्योढ़ वा ताहूसँ किछु बेसी छथि। एक सुदूर गाममे रहि विद्यालयमे विज्ञान एवं हिन्दीक अध्यापन करैत मैथिली साहित्यकेँ श्रीसम्पन्न करबामे हुनक योगदान अभिनन्दनीय अछि। बांस, पोखरि, चिड़ै-चुनमुनक माध्यमसँ जीवनक संदेश देबयमे ओ माहिर छथि। दोसर दिन भिनसरमे ठेहुँनमे दर्द अछैतो

ओ घोघरडीहा टीसन धरि हमर संग देलथि। रस्तामे हमर पूर्व परिचित मित्र डाॅ.गोपालजी झा भेटलाह, दस वर्षक बाद हुनकासँ भेंट भेल छल।

छब्बीस अक्तूबर १९९५ कैँ टीसन पर चिकित्सा शिविर लगा कैँ २७ मरीजकैँे देखलहुँं। मैथिलीसेवी अजित कुमार आजाद पूर्ण तन्मयतासँ संग देलन्हि। चिकित्सासेवामे हिनक स्वयं रुचि छन्हि, तैँ मरीजलोकनिकैँ निःशुल्क चिकित्सा शिविरक पूर्वहिमे सूचना देने छलथिन्ह। एक रोगीक स्थिति अत्यन्त खराब छलैक, अस्पतालमे भर्ती करबाक आवश्यकता छलैक। मुदा से दरभंगाक लेल गाड़ीकैँ अएलहि पर सम्भव होइत। हमरा लागल जे सकरी-निर्मलीक बीच एक नीक अस्पतालक स्थापना भेलासँ एहि क्षेत्रक जनताकैँ चिकित्सा सुविधा सहजतासँ उपलब्ध भए पबितैक।

टीसन पर विभिन्न स्थानक भाड़ा-पट्ट टाँगल छल जाहिमे पंजाबक सरहिन्द, राजपुरा आदि सन छोट-मोट जगहक नाम सेहो छल। एहिसँ मिथिलासँ मजदूर लोकनिक पलायन सम्बन्धी अनुपातक पता लागल। ओतहि कवि नारायणजी, साक्षरता अभियानमे लागल मैथिलीप्रेमी युवक केवटना गामक बालेश्वर पासवान भारती, तिलाठी नेपालक निवासी मैथिलीप्रेमी हिन्दी प्राध्यापक दयानन्द मिश्रजीसँ मिथिला-मैथिलीक उत्थानक

सम्बन्धमे चर्चा भेल। मधेपुर दिस जायबाली गाड़ीकेँ आबएमे बहुत विलम्ब छल तेँ अजीतजीक संग हुनक गाम हटनी विदा भए गेलहुँ ं।

हटनी गाम कोशिकन्हा क्षेत्रमे अछि। रस्ता ठीक छल। मुदा चारूकात खेत आ बीचमे मात्र एक ठाम चैक। बान्ह पर देखि सहजहि अनुमान लागल जे बरखा-बाढ़िक समय लोकक जीवन कतेक कठिन होइत होएतन्हि। ओहि चैक पर एक मन्दिर आ किछु दोकान छल। बान्हसँ सोझे मधेपुर पैदल गेल जाए सकैछ। सूर्यास्तक अप्रतिम दृश्य देखैत मुनहारि साँझमे हटनी पहुँ ंचलहुँ ं। अजीतजीक घर गामक प्रारम्भहिमे छन्हि तेँ गाम घूमि नहि सकलहुँ ं।

हुनक पिताजी मिलिट्रीसँ सेवानिवृत्त भए चुकल छथि। ओ कहलन्हि, ‘अजीत मैथिली सेवाक नीक काज करैत छथि, प्रतिष्ठा सेहो छन्हि। ओ विवाह करथि वा नहि, हमरा हुनकासँ केवल अपेक्षा इएह जे अपन छोट बहिनिक लेल वर खोजबामे सहायता करथि, बाकी खर्च-बर्च करबामे हम स्वयं सक्षम छी। हुनक बात हम चुपचाप सुनल। हमर अपन अनुभव एहि सम्बन्धमे ई अछि जे कोनो सामाजिक कार्यकर्ताकेँ देखि वैवाहिक कथावात्र्तामे वरपक्षक लोक अनुमान लगबैत छथि जे ई तिलक-दहेजक विरोधी होएताह, किछु देताह नहि तेँ वरपक्षक लोक एहन व्यक्तिकेँ टारक चेष्टा बेसी करैत छथि। यद्यपि, कइएक बेर

ई धारणा पूर्णतया निराधार रहैत अछि। हमर व्यक्तिगत मान्यता अछि जे पैतृक सम्पत्तिमे बेटीक सेहो हिस्सा होइत छैक आ कोनो भाएकेँ ई हिस्सा अपन बहिनिकेँ देबयमे हिचकिचयबाक नहि चाहिऐक।

सत्ताईस अक्तूबर १९९५क भोरमे े भ्रमणक आनन्द उठबैत घोघरडीहा टीसन पहुँ ंचलहुँ ं। नारायणजी टेªन पर छोड़ऽ लेल आयल छलथि। कहलथि जे जीवकान्तजी साँझमे हमरा सबकेँ निर्धारित टेªनमे तकैत बहुत देर धरि प्रतीक्षा कयने छलथि जाहि समय हम आ अजीतजी टीसनक दोसर छोर पर विविध चर्चामे व्यस्त छलहुँ ं। जीवकान्तजीक अनुरागसँ मन अनुप्राणित छल। टेªनमे भरल भीड़मे हुनका संग गप्प करैत तमोड़िया पहुँ ंचलहुँ ं।

ध्यानमे सदिखन रहल दू राति पूर्व कोशी कात भेँट (कुमुदनीक फल) लेल जाइत गरीब मलाहिनक बात जे बाढ़िक बाद जँ रौदी भेल तऽ घोँघा तक पर आफत। चालीस घर गोड़िहारीमे आ एकहिटा चापाकल। भरि दिनक बीस रुपया वा तीन किलो अन्न तक मजूरी नहि भेटैछ। वृद्धावस्था पेन्शनमे गरीबक नाम नहि, चूल्हा बन्द भेल। अपन भानस, नैहर, भौजी, माछ, जोलाहिन आदिक सम्बन्धमे मैथिलीमे बजैत आ ताहू पर

हुनका लोकनिक बजबाक हाव-भाव की कोनो नींक फिल्मी हीरोइनक हेतैक? हमरा लागल जे एहनहि महिला चुनाव लड़थि तखने विकास संभव होयत। मुदा दुर्भाग्यजनक स्थिति ई अछि जे कियो चुना कऽ संसद, विधानसभामे जाइत छथि ओ सदनमे जाइत देरी पंूजीपतिक हाथे बिका जाइत छथि आ बिसरि जाइत छथि अपन अतीतक दु:ख-दर्द आ सामाजिक दायित्व।

लक्ष्मीपुर चैक पर बाबू जानकीनन्दन सिंहक नाम पर द्वार बनल देखल। मिथिला राज्य निर्माणक लेल हुनक १९५४ ई.क आन्दोलनक कारण ओ 'मिथिला केशरी' कहोलथि। आइ जँ मिथिला राज्य रहैत तँ चिड़ैक अभ्यारण्य सेहो समाप्त नहि भेल रहैत। बगलहिमे प्रसाद गाम छल जे राँचीक मैथिली कार्यकर्ता एवं हमर अभिन्न मित्र आ सहयोगी विन्देश्वर झाक गाम छन्हि। समयाभाव छल तँ प्रसाद नहि जाए सकलहुँ।

तमोड़ियासँ टेªेकर द्वारा मधेपुर-लक्ष्मीपुर चैक पहुँंचलहुँं। देवानन्द झाजी ओतए गेलहुँं तँ ओ तुरन्त सब व्यवस्था कलन्हि। पहिने पचही गाम गेलहुँं। जाइत काल बाम दिस दूर-दूर तक जमा पानि देखि लागल जे एतए वा एहने ठाम चिड़ैसभक अभयारण्य होएबाक चाही। देवआनन्दजी कहलन्हि जे पहिने कहिओ अभयारण्य छलैक आ सम्भवत: साइबेरियासँ सारस पक्षी एहि सब क्षेत्रमे अबैत छल।

पचही गाममे ९ रोगीकेँ देखि मधेपुर जाए फेर रहुआ-संग्राम गेलहुँं। बहुत प्रसन्नता भेल ओतुक्का युवक मण्डलीकेँ देखि- अशोक कुमार, मोहन, भगवान अंशकालीन मैथिली कार्यकर्ताक रूपमेँ काज करबाक लेल नाम लिखौलन्हि आ किछु सेवानिवृत्त लोक सेहो मिथिलाक सेवा लेल उत्सुक भेलाह। किछु रोगीकेँ सेहो देखल। कोनो एक आङनमे घरक पुत्रबधूकेँ देखबाक लेल गेलहुँं तँ सहसा ध्यान आएल जे एहि गाममे हमर पटनावासी एक बहनोइ समेत अनेक डाक्टर छथि। मुदा गामक लेल केओ नहि। एहि दुःखद स्थितिसँ मिथिला समेत देश भरिक अधिकतर गाम व्यथित अछि। गामसँ शहर दिस प्रतिभाक पलायन आ 'मनिआर्डर एकाॅनोमी' पर देशक गाम कहिआ धरि आ कोना केँ चलैत रहत। गामकेँ आर्थिक स्वतन्त्रता कोना आ कहिआ भेटतैक? चुनावी नारा वा दूरदर्शनी प्रचारसँ गामकेँ आर्थिक दृष्टिएँ सम्पन्न बनाएब सम्भव नहि। कृषिकेँ उद्योगक रूप देनाइ आ बाढ़ि पर नियन्त्रण एवं सिंचाई परियोजनाक उचित व्यवस्था परमावश्यक अछि। मुदा गामक सम्बन्धमे के सोचत? सोचनिहार शहरमे जाए केँ बसयमे आ स्वयंकेँ सम्पन्न बनाबयमे लागल छथि।

अपन अस्मिता रक्षाक लेल मैथिल 'मिथिला' नामक जाप करथि

अनेक भाषाक विद्वान एवं कहिओ पृथक मिथिला राज्य आन्दोलनक नेता रहि चुकल डा. लक्ष्मण झाक गाम रसियारीक लग आएल छलहुँ तेँ हुनकासँ भेँटक इच्छा रोकि नहि सकलहुँ। तुरन्त तीन साइकिलक व्यवस्थाकए अशोकजी एवं अजीतजीक संग रसियारी जएबाक कठिनतम मार्ग पर यात्रा प्रारम्भ कएल।

कोशीक बान्ह, राति अन्हरिआ, बालु पर साइकिल चलबैत-उतरैत- बलथी, टेँगराहा। डाक्टर साहेब(लक्ष्मण झा)क नाम सुनि एक गोटे बहुत दूर धरि रास्ता देखौलन्हि। खेतक आड़ि पर कहुना आगाँ बढ़ैत अन्तमे एक ठाम नावसँ पार उतरबाक छल। नाव छल मुदा मलाह नहि। अजीत चप्पू पकड़लथि। मुदा अनभुआर जकाँ चप्पू मारैत देरी नाओ मोनिमेँ चलि गेल। सहायताक लेल अबाज देला पर भीड़परसँ एक व्यक्ति सलाह देलन्हि जे उपरे-उपर चप्पू मारू। कोनहुना दोसर कात पहुँचलहुँ आ फेर थोड़ेक दूर आगाँ बढ़ला पर कहुनाकेँ रसियारी पहुँचलहुँ। डाक्टर साहेबक भाजित स्वागत कएलन्हि आ हुनक पुत्रसँ, जिनक शोधप्रबन्ध अपन दादा 'डा. लक्ष्मण झा आ हुनक मिथिला' पर छलन्हि, विविध चर्चा भेल। दर्जनहुँ अलमारीमे भरल किताबक बीच राति बिताओल।

दोसर दिन (अट्ठाइस अक्तूबर १९९५) भोरमे पूज्य

डा.लक्ष्मण झाजीसँ साक्षात्कार भेल। मधुबनीक दोसर अंतराष्ट्रीय सम्मेलनक हकार हुनका भेटल छलन्हि ‘मैथिली संदेशक’ माध्यमसँ। हमरा सबकेँ देखि भाव-विभोर भए गेलाह, वार्ताक क्रममे कखनो काल आँखिमे नोर सेहो भरि जाइत छलन्हि।

हम पुछलिअन्हि जे १९५० ई.मे संविधान लागू भेलाक बाद १९५२ ई.मे अहाँक किताब ‘मिथिला-एक संघीय राज्य’ कोना प्रकाशित भेल आ ताहिमे मिथिलाक विधानमे विघटनकारी तीन अनुच्छेद-’मिथिलाकेँ भारतसँ अलग होएबाक अधिकार रहतैक, मिथिलाक सीमानमे कोनो परिवत्र्तन भारत सरकार नहि कए सकैछ आ मिथिलाक अपन सेना आ तहिना ध्वज एवं गीत ‘जय जय भैरवि असुर भयाउनि’ रहतैक।’

हमर अनुमान अछि जे संघीय राज्यक परिकल्पना रूसक उदाहरणक आलोकमे हुनक समाजवादी चिन्तनक देन छल। डाक्टर साहेबक एहि चिन्तनसँ हुनक पौत्र सहमत छलथिन्ह।

डा. लक्ष्मण झा बजलाह जे प्रत्येक आन्दोलनक प्रेरक पृष्ठभूमि होइत छैक। एकर प्रेरक पृष्ठभूमि हुनक बच्चामे मिथिलाक देखल आ अनुभव कएल गरीबी अछि। हुनक गाममे

‘बाबूसाहेब’क पदवी केवल ड्योढ़ीक लोक राखि सकैत छलाह। कातिक मास तेरहम मास मानल जाइत छल। कइएक घरमे चूल्हि तक नहि जरैत छलैक। लक्ष्मण झाक घरमे तँ चूल्हि जरि जाइत छलन्हि मुदा एक गरीबकेँ पाँच बच्चा छलैक। जखन ओ घूमिकेँ घर अबैत छल तँ घरबाली कहैत छलैक जे ‘नहि बुत्ता छलौक तँ पाँचटा किएक जनमौले? तहिना कहिओ ओ व्यक्ति घर आबय तँ भुखायल तामसमे बच्चहुकेँ डेंगाए बहुकेँ सेहो पीटैत कहय- ‘नहि सक छलौक तँ किएक पाँचटा जनमौले?’

बच्चा लखनझाकेँ बूझयमे नहि अबैन्हि जे ई दूनू एक दोसरकेँ किएक कहैत छैक बच्चा जनमाबय लेल। जखन ओ पटना का◌ॅलेजमे पढ़बा लेल गेलाह तँ ओतए लोक हँसिकेँ कहलकैन्हि- ‘अहाँकेँ पन्द्रह साल इएह बूझयमे लागि गेल जे स्त्री-पुरुष सम्मिलनहिसँ सन्तान होइत छैक।’ खैर, ओ समय सिनेमा, टी.वी. आ यौन शिक्षाक नहि छल, तेँ लखन झाक विशेष दोष नहि।

गामक हुनक नाम छलन्हि चन्द्रनारायण आ पैघ भाएक नाम सूर्यनारायण। पैघ भाए नीक स्वभावक आ ई उकठ◌ी। भाए मरि गेलथिन्ह तँ लोक कहए लगलन्हि-’मरक छलैक एकरा तँ मरि गेलैक निकहा।’ ई भाएक सारा लग जाएकेँ, एक गाछक ठाढ़ि पर चढ़ि भगवानसँ प्रार्थना करथि जँ हुनका ओ जिऔलथिन्ह तँ

भाएबाला गुण देथु। किछु दिन बाद लोक कहए लगलन्हि-'हौ! एकर तँ गुण बदलि गेलैक, एकरामे सुरजा चढ़ि गेल छैक।'

नाम हिनक लखन, जे बी.ए. धरि रहलन्हि। एम.ए.मे जहल गेलाह। जाहिसँ परीक्षा नहि दए सकलाह। लन्दनमे पी.एच.डी. करैत काल अपन नाम ई सुधारिकेँ 'लक्ष्मण' कए लेलन्हि। मुदा जखन गाम अएलाह तखन एक बंगाली डाक्टरक पोस्टिंग ओतय भेल छलैक जे हुनका बंगला जकाँ 'लक्खन' कहथि। तखन लगलन्हि जे नाम तँ हमर ठीकहिं छल। हम कहलिअन्हि जे अहाँ क्रोधी लक्ष्मणहि जकाँ छलहुँं तेँ दरभंगामे अहाँक लऽग हम कहिओ नहि अएलहुँं यद्यपि स्वर्गीय रामनन्दन मिश्रजीक बहुत नजदीक हम छलहुँं।

लोक कहलथि जे डाॅक्टर साहेब गाम अबैत छथि से सुनितहि मधेपुर विद्यालयमे सफाइ होमय लागय। हेडमास्टर स्वयं चरिकाँटी उखाड़थि। कागतक एक-एक टुकड़ा मैदानसँ साफ करथि जे कतहु डाक्टर साहेब अएलथि तँ स्वयं ने मैदान साफ करय लागथि। मधेपुर हिनक कार्यक्षेत्र रहलन्हि। मुदा पहिल चुनावक समय आन ठामक लोक वोट देलकन्हि, मधेपुरमे कम वोट भेटलन्हि, तेँ हारि गेलाह।

हमर मूल प्रश्नक उत्तर दैत डाक्टर साहेब बजलथि जे हुनक

पुस्तक ‘मिथिला-एक संघ राज्य’ ओ १९५०मे लिखलथि मुदा प्रकाशित भेलन्हि १९५२ ई.मे। जखन संविधान लागू भेल तँ दोसर पुस्तिका लिखलथि ‘भारतमे मिथिला’ मुदा जखन हुनक माँग पर सरकार कान नहि देलक तखन ओ तमसा कँ ‘मिथिला एक सार्वभौम राज्य’ लिखलन्हि।

उल्लेखनीय जे ओहि बीच डा. लक्ष्मण झा ३५-४०क बीचक युवा छलाह आ भारतक स्वतन्त्रता संग्रामक एक सिपाही सेहो। स्वतंत्रताक अर्थ केवल दिल्लीक लन्दनसँ स्वतन्त्रता नहि, अपितु देशक प्रत्येक क्षेत्रकेँ अपन-अपन अस्मिताक रक्षाक, अपन-अपन विकासक अधिकार छैक आ तेँ हुनक युवा मोनमे उठल उफान आ एहि दृष्टिसँ अनेक विधलेखकेँ राष्ट्रद्रोही बुझबाक कोनो औचित्य नहि।

आइ पचास वर्षक बाद मिथिलाक स्थिति पूर्वसँ सेहो खराब अछि, तेँ एकर प्रतिकार रूपमे मिथिला राज्यक भारतमे गठन एक आवश्यक विधा अछि। हमरा इहो लगैत अछि जे विगत पचास वर्षसँ चलि रहल मैथिलीक मान्यता सम्बन्धी आन्दोलन जँ मिथिला राज्यक मान्यता लेल चलैत रहैत तँ कहिआ ने मैथिली संविधानमे आबि गेल रहैत। जतए डा. लक्ष्मण झाक मिथिला आन्दोलनक पृष्ठभूमि मिथिलाक दारिद्य छल, मैथिली आन्दोलन किछु कवि-साहित्यकार, शिक्षकक पुरस्कार, रोजी-रोटीसँ जुड़ल

रहल आ तेँ ई कहिओ जनसामान्यक आन्दोलन नहि भेल, ने होएत। आइओ आवश्यकता अछि ‘मिथिला’ नामक जापक जे प्रत्येक मैथिल अपन अस्मिताक रक्षार्थ करथि-‘एकहि साधे सब सधै...।’

१९५४ ई. मे बाबू जानकीनन्दन सिहंक आन्दोलन आ कल्याणी कांग्रेसक समय मैथिल प्रतिनिधिकँे जेल जएबाक कोनो सम्बन्ध प्रत्यक्ष रूपँे डा.लक्ष्मण झाक संग छलन्हि वा नहि, से हम पूछि नहि सकलिअन्हि मुदा हिनका सबहक आन्दोलन किएक बिला गेल? हमरा लगैत अछि जे ओ सब ‘कैडर’ ठाढ़ नहि कए सकलाह आ तेँ अपनहि संग आन्दोलन सेहो सठिया गेलन्हि।

एकर एहिसँ पैघ प्रमाण की भए सकैछ जे डा. लक्ष्मण झा सन विद्वान, आजीवन ब्रह्मचारी रहल व्यक्तिकेँ जीवनक अन्तकालमे अपना डीह पर अपना परिजनक बीच समय बितबय लेल आबय पड़लन्हि। ओ कोनो एहन संगठन ठाढ़ नहि कए सकलाह जतय कमसँ कम हुनक अमूल्य पुस्तकालय रहितन्हि। हुनक पुस्तकालयमे की नहि छन्हि-वेद, पुराण, साहित्य, राजनीतिक हजारहुँ पोथी।

हुनक अपन थीसिस 'मिथिला एवं मगध' देखलहुँ। पुछलिअन्हि जे हुनक पोथी 'मिथिलाक इतिहास' हम सब प्रकाशित कराबी? कहलन्हि-'एखन नहि, मरलाक बाद जे किछु करी।' कतेक आत्मविलोपी छथि.. हुनक पौत्र एक पाण्डुलिपि राजनीति विज्ञानक मौलिक तत्त्व पर देखौलथि, जकरा ओ प्रकाशककेँ दएकेँ वापस मंगा लेने छलथिन्ह। ओहिमे नेता, चुनाव, मत, समिति सन शब्द पर अध्याय छैक। कइएक बक्शामे हुनक पाण्डुलिपि पड़ल छन्हि।

ओ बजलथि- 'हम नहि सोचने छलहुँ जे ८०-८१ वर्ष जीयब।' पता नहि एहि वाक्यमे वार्द्धक्य कारणसँ परिवारक आवश्यकताक भान छल वा अपन कोनो परिजनक उपर अपन न्यूनतम आवश्यकताक लेल आश्रयक चिन्ता। ओना हुनक भाजित, पौत्रादि हुनक आवश्यकताकेँ नीक जकाँ देखैत छथिन्ह मुदा ओ तँ केवल हुनके नहि समस्त मैथिल समाज लेल जीलथि।

एक चिकित्सक भेलाक नाते हम बहुत पहिनहि एहि निष्कर्ष पर आबि गेल छलहुँ जे सामाजिक कार्यकर्ता क परिवार होएब आवश्यक मुदा हमर सहयात्री अजीत कहलथि जे ओ तँ पहिनहिसँ सोचने छलथि, स्वतन्त्र रहब तेँ 'आजाद' उपनाम आ हमरासँ भेँट भेलाक बाद (जे हमरा सन्तान नहि अछि) मोनक ई विचार मजबूत भेलन्हि आ डा.लक्ष्मण झासँ भेँटक बाद पुख्ता

भए गेलन्हि। हम कहलिअन्हि- ”अहाँ ‘कोसिकन्हाक वीर’ छी, डा. लक्ष्मण झाक चरणचिन्ह पर तँ चलबे करब।“(ओना अजीत बादमे विवाह केलाह आ मैथिली सेवा - प्रकाशन एवं नौकरी यापनक माध्यम जाहिमे हुनक पत्नी सेहो सहयोगिनी यद्यनि हमर भेंट हुनकासँ कहियो नहि भए सकल।)

डा. लक्ष्मण झा लग केओ चारिखानाबाला लुँगी पहिरिकेँ नहि जाए सकैत अछि। लौटैत काल हम संघक स्वयंसेवक अशोकजीकेँ कहलिअन्हि जे ‘समाजवादी आ हिन्दुत्व’-केहन विलक्षण मिश्रण अछि। वस्तुतः कोनो वादक काँच रंग किछु दिन ककरो उपर चढ़ि जाइक मुदा सनातन हिन्दूक रंग तेहन पक्का अछि, जे ओ स्थायी अछि।

डा. लक्ष्मण झाक ऋषितुल्य प्रेरणास्पद जीवन छन्हि। सब किछु नियमसँ चलैत छन्हि। जागब ब्रह्म मुहूर्तमे, जाप करब, फेर रेडिओसँ विश्वक विविध केन्द्रसँ समाचार सुनि, अनेक समाचारपत्र पढ़ि अपनाकेँ अद्यतन राखब, आगन्तुकसँ बात करब, गाम घुमब, हुनक समस्याक निराकरण करब, आदि-आदि।

एहि महापुरुषकेँ प्रणाम करैत आगाँ नियत कार्यक्रम पर जएबासँ पूर्व तिरहुता पर एक प्रश्न कयलिअन्हि। ओ कहलथि ई

कठिन कहाँ? तुरन्त हमरा तीनूक नाम तिरहुतामे लिखि देलथि। अपना ढंगसँ ओ तिरहुताकेँ किछु आसान बना देने छथिन्ह तहिना जयकान्तबाबू सेहो। प्रत्येक मैथिल एकरा सीखथु एहिमे दू मत नहि खासकेँ बालवर्ग जे एकरा आनन-फाननमे सीखि लेत। हम पुछलिअन्हि अहाँ कतैक भाषाक विद्वान छी तँ ओ बजलाह, जे युवा छलहुँ तँ यूरोपमे जतए जाइ ओतुक्का भाषा किछु दिनमे सीखि ली।

मिथिलामे सशक्त राजनीतिक नेतृत्वक आवश्यकता

परमपूज्य डा. लक्ष्मण झासँ आशीर्वाद लेलाक बाद रातिमे पुनः रहुआक लेल विदा भेलहुँ। दिनमे रस्ता उकठू नहि लागल छल। किछु दूर आगाँ बढ़ला पर मधेपुरक ट्रेकर भेटल, बाढ़िक टूटल रस्ता पर टेªकरमे बेस दुर्दशा भोगए पड़ल। टेªकरमे इस्पात पुस्तकालय, राँचीमे कार्यरत इन्द्रकान्तजीक सासुर (भखराइन)क एक उद्धत बाबाजी भेटलाह। जँ एक चाउरसँ भातक पता लगयबाक लोकोक्ति सही अछि तँ कहक चाही जे हुनक व्यवहारसँ ओहि गामक परिचय भेटल। ओतुक्का कलकत्ता बसल एक महिला वकील आ हुनक भाएक दहेज प्रथा पर लेख कहिओ पढ़ने छलहुँ।(२००७ मे ओ विवेकानन्द झा हमर बहिनोइ बनि गेलथि) ओहि गामक एक मैथिलीसेवी द्वारा बाबाजीक सम्बन्धमे बताओल गेल जे ‘क्षणे रुष्टा, क्षणे तुष्टा,

तुष्टा रुष्टा क्षणैः क्षणैः' जकाँ छथि तेँ हुनक व्यवहारक आधार पर गामक सम्बन्धमे कोनो धारणा बनायब उचित नहि।

टेªेकरमे ओङघा गेलहुँ। नीन्द टूटल तँ मधेपुर पहुँंचल छलहुँं। मधेपुर बजारमे एक मन्दिर पर जमा किछु रोगीकँे देखल आ चिकित्सकीय परामर्श देल। हमर विशेषज्ञतासँ ओहि युवा संघक एक गरीब स्वयंसेवककँे अवश्य लाभ भेलैक। हुनक हृदयक माइट्रल वाल्व संकुचित छलन्हि। चिकित्साक लेल हुनका सत्यसाईं बाबाक पुट्टपुर्ति (आन्ध्र प्रदेश)ेक निःशुल्क आधुनिक अस्पताल लेल पत्र देलिअन्हि।

झंझारपुरअएलहुँं तँ ज्ञात भेल जे आबएमे विलम्ब भेलाक कारण दूर-दूरसँ आएल किछु रोगी घूरि गेलाह। डैनीटोलक कार्यकर्ता शंभु झा अएलाह तँ अजीतकेँ छठिक लेल गामक बस पर छोड़ि

हम दूनू मनीगाछीक बस पकड़लहुँं। रस्ता कात विदेसरस्थानक महादेवकेँ प्रणाम करैत



मनीगाछी आ ओतएसँ टहलैत मुनहारि साँझमे शंभुजीक घर पहुँ ंचि हुनक आतिथ्य ग्रहण कएल।

रातिमे हुनका दरबज्जा पर आएल एक अतिथिसँ सकरीसँ दक्षिण कुशेश्वरस्थान धरिक आ पुनः ओतएसँ विदेसरस्थानक साइकिल यात्रामे पड़यबाला गाम सबहक ज्ञान प्राप्त कएल। एक अतिथि भालपट्टीक छलथि। हम हुनकासँ ओतुक्का एक मैथिली कार्यकर्ता प्रेमचन्द ठाकुरक प्रसंग पुछलिअन्हि। ओ कहलन्हि जे किछु दिन पूर्व घरक गरीबी (पत्नी आ तीन टा छोट-छोट बेटी)सँ तंग आबिकेँ कनैरक बीआ आ पेड़ा खाकेँ आत्महत्या कए लेलन्हि। बड्ड दुःख भेल। अक्तूबर १९९४ ई.मे ओ हमरा संग साइकिल यात्रामे भाग लेने छलाह।

एहि यात्रामे किछु ग्रामीण उक्ति स्मरण रहल- डैनीटोलमे

केओ कहलथि किछु गामक नाम भोरमे नहि ली जेना, नेहरा जतय चूल्हि दक्षिण दिस छैक, वा बड़कागाम उजान (कहिओ मारि-पीट हत्या भेल छलैक), तहिना नीक गाममे कोइलख, राँटी, मँगरौनी, पिलखबाड़।

एक गामक लोक दोसर गामकेँ कोना दुसैत अछि, तकर बानगी देखू-

‘चल गोड़िहारी पेटे पर, चून तमाकुल खेते पर।’

मुदा आब गोड़िहारीमे अनेक कोठा छैक आ डाॅक्टर-इंजीनियर सेहो।

दोसर सुनु -

‘पांच कोस पचही परगना, उत्तम गाम ननौर

तेली-सूड़ी बसए मधेपुर, लंठ गाम लखनौर।’

मुदा हमर स्वागत तँ पचहीसँ बेसी मधेपुरमे भेल छल। समयाभावक कारण लखनौर नहि रुकलहुँं। सम्भव जे ननौर उत्तम गाम होअए।(युवा कार्यकर्ता अखिलेशक आमन्त्रण पर ३०-३१ अगस्त २००९ क गेलहुँ मुदा गाममे प्रशिक्षण लेल सबसँकम लोक अएलाह, केवल ४, ओना बीच गाममे सभा नीक

भेल आ विद्यालयमे बच्चासब बीच चर्चा जाहीमे बगले गाम रुद्रपुरक एक लड़की प्रियंका कहलक ओ प्रशासनिक सेवामे जाए चाहैत अछिए बादमे ज्ञात भेल हुनक पिताजी अल्पायुमे स्वर्गवासी भेलथि; यद्यपि हम रांचीमे अपन डेरा पर राखि महाविद्यालयमे पढ़बए लेल प्रस्ताव देल मुदा हुनक मामाकेँ स्वीकृति नहि भेटल)। राँचीमे एक मैथिलीसेवी निर्भयनारायणजी ओही ननौर गामक छथि। मुदा कोन गाम एहन अछि जतय नीक वा बेजाय लोक नहि छथि?

आ हमरा गाम समौलमे एक फकड़ा प्रचलित अछि-

‘बड़ बुड़िवान गाम एक चैरी, भोज-भातमे आगाँ दौड़ी।’

ओहि चैरीमे आब डाॅक्टर-इंजीनियर सब छथि आ हम तँ देखैत छी जे हमर गामकेँ केँकहय, कोनो गामक मैथिल भोज-भातक नाम पर कतहु दौड़ल जएताह आ मैथिलीक लेल बैसार राखू तँ समयक अभाव भए जएतन्हि।

उनतीस अक्तूबर १९९५केँ छठि छल तथापि भोरमे मनीगाछीक एक आवासीय विद्यालयमे किछु बीमार बच्चाकेँ देखल-बत्तीसमे सोलह छात्रक आँखि खराब छलैक। एक बच्चाक हृदय कपाटमे छेद छलैक, हुनका सेहो चिकित्साक लेल सांई बाबा संस्थानक लेल पत्र देल। शिक्षक लोकनिकेँ बच्चाक स्वास्थ्यक रक्षा एवं मैथिली-मिथिलाक लेल किछु काज करक

परामर्श देलअन्हि।

एक पत्रकार प्रीतम मिश्रसँ भेँट कएलाक बाद ट्रेनसँ (जे खाली छल) सकरी आबि खेलाड़ी बाबूकेँ दोसर दिन मरीज राखय लेल कहि बहिनक गाम कन्हौली गेलहुँं। दरभंगा मेडिकल कालेजक फार्मासिस्ट नरेन्द्रजीसँ बहुत काल धरि गप्प भेल। गप्पक क्रममे पुरान स्मृति हरिआ गेल। बेहटा पोखरि पर जाएकेँ भगवान सूर्यकेँ सायंकालीन अघ्र्य दैत श्रद्धालु समाजकेँ देखल। दोसर दिन प्रातःकालीन अघ्र्य दैत देखल। लाल कमलकसँ पोखरि भरल छल।(१९९६सँ हम स्वयं छठिव्रत करए लगलहुँ)

दूपहरमे सकरी महावीर स्थान दिस जाइत काल केराक विशाल भंडार देखने छलहुँं। ज्ञात भेल जे तीन रुपैए घौर तक दाम खसि पड़ल छलैक। ध्यानमे आएल जे तीन सप्ताह पूर्व केरलक एर्नाकुलम जंक्शन पर एक छीमीक दाम तीन रुपैया छलैक। यातायातक तीव्रतर साधनसँ देशक दोसर क्षेत्रमे माल पहुँंचाएब महग होएतैक। मुदा संगहि गरीब किसानकेँ हुनक उपजक किछुओ तँ उचित मूल्य भेटतन्हि।

यातायातक दुर्गमता पर फेर ध्यान गेल निर्मली-भपटियाहीक 10 किलोमीटर रेल-पुल पटरीक अभावमे

लोककेँ 299 किलोमीटर रेलक यात्रा करए पड़ैत छलैक। सरकारकेँ तँ लाभे छलैेक, भनहि लोक तबाह होथु। कहल जाइत छल जे कोशीमे पुल बनाएब कठिन .... टूटि जएतैक तँ..। केओ एहि बीचमे टीपलन्हि, भीमनगर बराज तँ नहि टुटलैक। वस्तुतः आवश्यकता अछि मिथिलामे मिथिलाक विकासक प्रति समर्पित, निष्ठावान एक सशक्त राजनैतिक नेतृत्वक।

महावीरस्थान सकरीमे किछु गरीब मरीजकँ ँ ँे देखि बाढ़ि सेवा शिविर हेतु अपन बाँचल समयक योगदान पूरा कएल। आ फेर निकललहुँं संक्षिप्त संगठनात्मक प्रवास पर। जयनगर टेªनसँ रातिमे पहुँंचलहुँं डाॅ. कमलकान्तजीक घर पर। ३१ अक्तूबर १९९५केँ ँ दूपहरमे गामक दुर्गास्थानमे बैसार भेल। १५ कार्यकर्ता उपस्थित छलथि। मिथिलाप्रेमी नारायणजी संयोजक मनोनीत कएल गेलाह। तन्त्रशास्त्र पर हुनक ज्ञान अगाध छन्हि। पत्रकार बैद्यनाथ भारती एवं दुर्गेशजीक संग वकील विजयकान्तजी एवं पवित्रनारायणजी सेहो छलथि। उग्रनाथजी, पीड़ित पासवान, राजानन्दजी, कपिलदेवजी, सुनीलजी, कमलेशजी, धीरेन्द्रजी, समीरजी, मनोजजी आदि निर्णय लेलन्हि जे मैथिलीक कार्य नीक जकाँ जयनगरमे होएत।

संध्यामे कलुआही चैक पहुँंचलहुँं तँ मेधानन्दजीकेँ हमर कार्यक्रमक पत्रक भेटलहि नहि छलन्हि। डाॅ.युगेश्वर झाजीसँ आशीर्वाद लेल आ दोसर बससँ पोखरौनी चैक उतरि संध्यामे

रहिका चुनचुनजीक घर गेलहुँ। ओतएसँ हेरम्बनाथ ठाकुर आदि घूमि गेल छलाह तैँ साइकिल लए तुरन्त हुनक गाम रामनगर पहुँचलहुँ।

१९५४क कल्याणी कांग्रेसक समय मिथिला राज्य लेल जेल गेनिहार वयोवृद्ध हेरम्बनाथ ठाकुर हमरा देखि पुलकित भेलाह एवं देर राति धरि हुनकासँ गप्प होइत रहल। ओ एक डाॅक्टरक पुस्तिका देखौलन्हि जे निजामक १४ हजार करोड़ रुपैयाक जेवरात नीदरलैंडक कोनो बैंकसँ आनय लेल आ ताहि पाइसँ मिथिलाक कल्याणक लेल चुनाव लड़य चाहैत छथि। हम कहलिअन्हि जे ई कानूनी लड़ाइक वस्तु थिक, चुनावी नहि आ मिथिला वा कोनो क्षेत्रक कल्याण ओतुक्का संसाधनसँ नहि होएत तँ विदेशी पूंजी कतेक दिन काज करत?

एक नवम्बर १९९५कैँ भोरमे सांख्यशास्त्र प्रवर्तक आचार्य कपिल द्वारा स्थापित कपिलेश्वरस्थानक यात्रा कएलासँ आत्मिक संतुष्टि भेल।



एकर प्श्चात रहिका लौटि मधुबनी सम्मेलनक लेल विचार-विमर्श कएल।अपन पितिऔत बहिनि लग गामसँ आएल दू भौजी आ एक भाएसँ सेहो भेंट भेल। बेनीपट्टी लेल मैक्सी छूटि गेल। सौराठक मुखिया आ हमर भाएक समधि नीलाम्बरजी स्कूटरसँ रेवाडिकेँ मैक्सी पकड़ौलन्हि।

बेनीपट्टीमे प्रधानाचार्यसँ भेँट केलिअन्हि। ओतहि परसौनीक रामकृष्णबाबू भेटलथि। ओ कहलन्हि कोना प्राथमिक शिक्षक संघ मधुबनीसँ प्रारम्भ भेल जे आब अखिल भारतीय संगठन भए गेलैक अछि। राजकिशोरजीक दुखिताहि माएकँे देखए लेल मोटर साइकिलसँ मनपौर गेलहुँं आ त्यौैंथामे किछु मिनट रुकैत बेनीपट्टी आबि मधुबनीक बस पकड़लहुँं।

मधुबनीक रस्तामे धकजरीक लग एक गाममे मेला जकाँ

लागल छलैक। अधिकांशतः यादव वर्गक लोक छलथि। हुनक भगवद्भक्तिपूर्ण गीतनाद देखिसुनि मोन प्रसन्न भेल। देर रातिमे अपन भागिन अरुणक ओतए पहुँ◌ंचि विश्राम कएल।

दू नवम्बर १९९५कैँ◌ँ प्रातः साइकिल लए अपन गाम समौल जाइत काल भौआड़ा गढ़क भगवतीक दर्शन कएल।



बच्चासँ देखैत छलहुँ मुदा कहिओ ओतए गेल नहि छलहुँ।

फेर भिट्ठीक भगवतीस्थान आ शिवमन्दिर जकर निर्माण सेहो एक तथाकथित अन्य पिछड़ा वर्गक भक्त कएने छथि। के कहैत अछि जे तात्कालिक लाभ लेल बनल राजनैतिक समीकरण चिरस्थायी रहत? आवश्यकता अछि अपन मोनकैँ साफकँए समाजक पुनर्निर्माणमे सबहक सहभागिता प्राप्त करक।

अपन गाम समौल जाए तुरन्त वापस भए मधुबनीक कालीमन्दिर, गंगासागर गेलहुँ◌ं जतए हेरम्बनाथजी एवं

कालिकापुरक युवा नमोनाथजीसँ संक्षिप्त चर्चा भेल आ फेर दरभंगा आबि, राँचीक बस पकड़लअर अपन एहि मिथिला जागरण यात्राकेँ समाप्त कएल।

हम श्वन मैन आर्मी श् नही ची. मिथिलाक आई धरिक सबस पैघ संगठन क निर्माण जरूर हमरा द्वारा भेल . .हमर कका स्वर्गीय मधुकर ठाकुर सेहो ओही १५० आसनसोल में गिरफ्तार में छलथि . एखनहु ओही ग्रुप में एक दिल्ली में में हेरम्ब नाथ ठाकुर ; हुनक नबर नही अछिद्ध . एक दरभंगा में श्री नारायण मिश्र ९३०४१०८५०० आ कनक जी मनीगाछी जीबित छथि . हम १९९२ अप्रैल में रामेक्बाल सिंह श्विनीतश् द्वारा मैथिली विकास परिषद् में अनल गेलहुँ . लिखने शुरू ओ कर्बेलाह. गम माय या जून गेल छलहूँ कक्का आसनसोल क किस्सा सुनेलाह जाही पर लिखल लेख २०ण्९ण्१९९२ क रांची एक्सप्रेस में छपल अछि ;अलग स पोस्ट के दैत छी आ अहंक गम कल फोटो ओही दिन नहीं भय सकल छलद्ध ई .20ण्9ण्1992 क लेख अधुना युग में ;चवेज.1956द्ध पहिल अछि आ हम लगातार तकन स काज के रहल छी ण्णपलव दमजं इंदल बीं ीपज छथि से जरूर बनथि.लेकिन हुनक चेला चमचा इतिहास नही बदली सकैत छथि . इतिहास ओ बनबथी . आगाँ बढथि. अधिक काज करथी से चाहब ण्ण्ओहा ओहेन लोक के प्रकृति चीन्हय बला सब ठाम छथि जे की करताह ण्ण्ण्हमरा कोनो संगठन स विरोध नही अछि

. आ सबके बडाई करैत छी . सैह दरभंगामे यात्री मूर्ति पर सेहो जनि बुझी के रखल प्रश्न पर उत्तर देने छलहूँ आ युवा वर्ग के बढही जे ओ सब किछु के रहल छथि ; लेकिन जे नही कहल से ई जे ओ नेतृत्व विहीन भय निर्माण नहि क सकैत छथिद्धण्ण्रांची एक्सप्रेस क लेख २०ण्९ण्१९९२ क हमर मिथिलाप्रांत निर्माण यात्रा क आधार . आ फोटो पिछला दरभंगा यात्राके मनकौली गम क मंदिर ए गौन्साघाटए मंकौली में किरारी दिल्लीवासी सुन्म्जी क पिताजी संग कल्प्कवि .31ण्12ण्2013

हमर द्वारा मिथिलाकायै लेल मिथिलामे 1992क बादक july 2024 तक कयल गेल 265 यात्रा (1275 दिनक)जे सब मिथिला जागरण यात्रा मानल जा सकैत अछि अछि. तकर सूची

मिथिला जागरण यात्राक संक्षिप्त विवरण

MJY- I 30.9.1992 Journey to Forbesganj Jagu Maithil Dhir pamphlet

1-4/10/1992 Forbesganj

6.10.1992 Kanhauli-Samaul 6th- Durga Visarjan at samaul

7.10.1992 Darbhanga Jagu

Maithil Dhir pamphlet

10.4.1993 Samaul (Madhubani)

11.4.1993 Darbhanga ?Abhyas Varg

2 11.4.1993 Darbhanga

12.4.1993 Janakpur Nepal

1-2.7.1993 Samaul (Madhubani)

3 3.7.1993 Madhubani SEWA MITHILA,IB me Ptrakar sammelan Dr.nagendra Jhak sammukh

4.7.1993 Darbhanga NK Gami consented Gami Dharmashala for Kuter Vishwavidyalaya;Krishnakant Mishra, Vaidehi meeting-hansraj, Dr.Shivshankar,Chandresh,Ramesh etc.

4.7.1993 Darbhanga meeting at 38,West Hostel

4 16.10.1993 Sakri-Kanhauli-Madhubani-Koilakh Padyatra

17.10.1993 Rampatti-Ranti Padyatra

18.10.1993 Saurath-Rahika Padyatra

19.10.1993 Satlakha-Arer-Parsauni Padyatra

20.10.1993 Barha-Benipatti-Jagati-Ucchaith-Jagati Padyatra

21.10.1993 Tyotha-Durgauli-Manpaur Padyatra

22.10.1993 Manpaur-Khirhar-Jhituki-Harsuar-Outer Hissar-Karrahi chowk-Umgaon Padyatra

24.10.1993 Malimali-Kaluahi-Dhanga-Maltol(Haripur) Padyatra

25.10.1993 Dokhar-Karmauli-Pali-Khajauli Padyatra

26.10.1993 Laxmipur halt-Ambedkar colony-Kewan-Chichari-RannagarKhorhi-Mangrauni-Madhubani Padyatra

27.10.1993 Madhubani Padyatra

27.10.1993 Samaul (Madhubani)

28.10.1993 Sakri-Kanhauli

28.10.1993 Darbhanga-bus

5 21.5.1994 Bus

22.5.1994 Madhubani-Saurath-Rahika Cycle Yatra

23.5.1994 Satlakha-Arer-jarail-Benipatti Cycle Yatra

24.5.1994 Behta-jagati-Basith-Chapura-basaith-Pali-Rajaun--tariani-Massa-Mirjapur-Tariani Cycle Yatra

25.5.1994 Dharia-jagban-Kamtaul-Chahuta Cycle Yatra

26.5.1994 Ahiari-Gautamkund-Ratanpur-brahmpur-Katka-Kaligaon-Bharwada-Sanahpur-Lakhanpur-Kachhua-Chakauti Cycle Yatra

27.5.1994 Jajuar-Samari-Kharka-Rarhi-Narauch-Bihari-Singia Cycle Yatra

28.5.1994 Nikasi-Hariharpur-Pindaruch-Mahmadpur-Karaj-Baraul-Darbhanga Cycle Yatra

29.5.1994 Saramohanpur-

Lajeriasarai-Samastipur

6 14 .10.1994 Madhubani

15 .10.1994. RKC-Rahika-Kauahi-Dhanga cycle yatra

16 .10.1994 Bardepur-Narar-Chavhraha-Selibeli-Dullipatti-Jaynagar cycle yatra-Kamlakntjis pahil bhent

17 .10.1994 Jaynagar-Belabanrait-Betaunha-Kamlabadi-Belhi-Jogia-Padma cycle yatra

18 .10.1994. Tenuahi-Chhapki-Mahtha-Ladnia-Deuripatti-Lachhiminia-Piparahi-Lalminia-Gajhara cycle yatra

19 .10.1994 Gajhara-Khadgbani-Jathi-Khojpur Dohta-Mauahi-Balirajgarh-Gonouli-Devhar cycle yatra

20.10.1994 Satghara-Bhatgama-Shyamsiddhab-Bhatgama-Naraynpatti-Sugauna cycle yatra

21.10.1994 Sugauna-Chapahi-

Bhattsimmari-Mailam-Koilakh cycle yatra

22.10.1994 Rampatti-Ranti-Madhubani- Samaul cycle yatra

23 .10.1994 Samaul-Bus

23.10.1994 Darbhanga

Shiveshwar babu Shyama mandir me-Mithila prant banat t' Mithilak Gandhi kahayab;

7 9.12.1994 Bus

10.12.1994 Darbhanga Bus stand par parchbaji

10-11/12/1994 Jaynagar

11.12.1994 Madhubani

11.12.1994 Samaul (Madhubani)

11.12.1994 Sakri s train

12.12.1994 Saharsa Collegeme baisar

12.12.1994 Bangaon

12.12.1994 Supaul Jaikantbabu Dheerji dera par bhentalh-Ishwark dera

vishram

13-14/12/1994 Forbesganj

13-14/12/1994 Forbesganj

Jaikantbabu sang Bhirabbabu dera baisar

13.12.1994 Jogbani Jaikantbabu sang

14-15/12.1994 Purnea Law collegeme baisar-ShantiJha dera bhojan-DYSP Manju Jha dera vishram

15.12.1994 Bhagalpur TNB Collegeme baisar

8 6.1.1995 Train

7.1.1995 Samaul (Madhubani)

7.1.1995 Madhubani

7.1.1995 Darbhanga

9 9.6.1995 Darbhanga

9.6.1995 Samaul (Madhubani)

10.6.1995 Madhubani

10.6.1995 Rahika

10.6.1995 Benipatti

10.6.1995 Jagati

11.6.1995 Parsauni

11.6.1995 Ramnagar

12.6.1995 Madhubani

13.6.1995 Banmankhi Prahlad janmsthan darshan

13.6.1995 Purnea

13.6.1995 Saharsa Swatantraji's dera

14.6.1995 Mahishi Darshan

14.6.1995 Bangaon Mithila rajyak ghoshnapatra Jaykantbabudwara jari

14.6.1995 Saharsa-Janki

15.6.1995 Darbhanga

Jaikantbabu there

15.6.1995 Kanhauli

16.6.1995 Samaul (Madhubani)

17.6.1995 Darbhanga Sumanji dera, Shyama Mandir

10	22.10.1995	Purnea
	22-23/10/1995	Katihar
	23.10.1995	Forbesganj
	23.10.1995	Forbesganj
	24.10.1995	Supaul
	24.10.1995	Saharsa
	25.10.1995	Kanhauli
	25-26/10/1995	Dyorh
	26.10.1995	Ghogardiha
	26-27/101995	Hatni
	27.10.1995	Madhepur
	27-28/10/1995	Rasiari
	28.10.1995	Madhepur
	28.10.1995	Jhanjharpur
	28-29/10/1995	Dainitol
	29.10.1995	Manigachhi
	29-30/10/1995	Kanhauli
	30-31/10/1995	Jaynagar
	31.10.1995	Kaluahi
	31.10-1.11/1995	Rahika
	31.10-1.11/1995	Ramnagar

1.11.1995 Kapileshwar

1.11.1995 Benipatti

1-2/11/1995 Madhubani

2.11.1995 Samaul-Madhubani

2.11.1995 Darbhanga-bus

11 25.12.1995 Darbhanga

25-27/12/1995 Madhubani

26.12.1995 Madhubani Ashok Abichal(Rahua) met at Madhubani Daffodil School-sent message to Dr.Laxman Jha for coming to Madhubani IMC

26-27/12/1995 Samaul (Madhubani)

12 6-9/1/1996 Madhubani II IMC 7-8/1/1996

9.1.1996 Samaul (Madhubani)

9.1.1996 Darbhanga-Bus

13 16-19/2/1996 Madhubani

Shringeshji in court on 16/2

16.2.1996 Madhubani divorce

case opened

17.2.1996 Rahika Chunchunji

17.2.1996 Dhakjari Banshujha chah dokan

17.2.1996 Benipatti Rajkishor Jha cycle dokan

17.2.1996 Damodarpur First time saw the village from where false cases were launched by Dolly on me

17.2.1996 Hissar

17.2.1996 Madhubani

Jaykantbabusan bhent

18.2.1996 Madhubani Manoj, Dr.Indranarayan,sarhad,Jaykantbabu,Amarnath,'Bakshi',Rudranath

18.2.1996 Sibipatti Stasyed at night Amarnathji's house

18.2.1996 Dokhar Maithil Karyakarta Pratijna samaroh-Namonath, Chunchun,Medhanand, Udayshankar

19.2.1996 Jaynagar

Jaykantbabusang Lalanji, Narayanji, Kathmandu me III IMC k prastav;Rahikame Jaikantbabuke chhodiMadhubani

19.2.1996 Madhubani

19.2.1996 Kanhauli stayed at night

20.2.1996 Jhanjharpur Kanhiya Jha panwalas sampark,Satish Jha,BJP,Vivekanad Mishra talked of Sangharsh kranti;Tarnand Misri,Naruar

20.2.1996 MadhepurVijay desirous of MLA but no organisational skill

20.2.1996 Ghogardiha Jibkantji, narayanji,Ranjit pathak,Pijurgarh

21.2.1996 Darbhanga

7.3.1996 Madhubani Court

8.3.1996 Madhubani Court

14 8.3.1996 Madhubani Maithili Sandesh distributed in Court

8.3.1996 Borhar chowk Laxmi sahu did not agree for space; Sarpanch talked well

8.3.1996 Manpaur BK Jha ghar

9.3.1996 Borhar chowk Kiyo nahi chhal

9.3.1996 Madhubani

10.3.1996 Kanhauli

10.3.1996 Darbhanga

15 13-14.4.196 Darbhanga Shivir sthagan

15.4.1996 Madhubani Namonath kutcherime

15.4.1996 Madhubani kutcherime

27.5.1996 Forbesganj

28.5.1996 ?

29.5.1996 ?

30.5.1996 ?

31.5.1996 ?

6-10/7/1996 ?Madhubani Case related ?

31.8.1996 Kanhauli

1.9.1996 Kanhauli

2.9.1996 Madhubani

3-5/9/1996 ?Kanhauli

Namonath,Girish Choudhary on 3rd in madhubani court; Chunchunji and Neelambarji,saurath met at Rahika

6.9.1996 Madhubani

7-9/9/1996 ?Kanhauli

10-12/9/1996 Madhubani

13-14/9/1996 ?

21.9-2.10/1996 Madhubani

16 21.9-2.10/1996 Madhubani

Kichhu Maithil s bhent

5-13/10/1996 Madhubani

17 5-13/10/1996 Madhubani

Kichhu Maithil s bhent

18 21.2.1997 Jaynagar

22.2.1997 Janakpur Ayojan samiti gathit

23.2.1997 Darbhanga

19 3.4.1997 Katihar Ready for IMC

4.4.1997

5.4.1997 Nirmali Barhi sammelan

Dinesh K Mishra dwara-BK Jha sange gelanhu

6-12/4/1997 Gramin sampark

13-16/4/1997 Tarai,Nepal III IMC

13.4.1997 Marari

14.4.1997 Sirha Salhesh mahotsava-Chief guest Ramvilas Yadav,Dy Speaker,Nepali parliament; left presidency of AMP in favour of Dr.BP Gurumaita

15.4.1997 Lahan Vidyapati Parva

16.4.1997 Janakpurdham Janki Mahotsav

20.4.1997 Katihar Seva samiti

20 11-12/4/1998 Jaynagar

13/4/1998 Journey

14-15/4/1998 Katihar IMC

18-20/4/1998 Aalamnagar

17.4.1998 Puraini NIGHT STAY AT UNKNOWN Singhji's house

18.4.1998 Alamnagar Hirababu suggested for Madvanandnagar for Aalamnagar

17.5.1998 Khagaria

17.5.1998 Alamnagar

18.5.1994 Madhepura

19.5.1998 Saharsa

19-20/5/1998 Mathai

20.5.1998 Purnea

20.5.1998 Forbesganj

21.5.1998 Samastipur

21.5.1998 Kanhauli

20.6.1998 Deoghar

21-22/6/1998

21 24.11.1998 Deoghar met Yogkar Jha; Usha Jha ,parmeshwar Jha at castor town

24.11.1998 Deoghar

11.6.1999 Deoghar

11.6.1999 Bhagalpur

12.6.1999 Forbesganj

13-14.6.1999 Saharsa

18.7.1999 Samatipur-Rebari

18.7.1999 Narhan
19.7.1999 Saharsa
9.10.1999 Katihar
9.10.1999 Forbesganj Lalu lost election
10.10.1999 Samastipur-Rewadi
22 30.4.2000 Saharsa Maithili Vikash Parishad;night stay Ramnarteshji
1.5.2000 Forbesganj
2.5.2000 Katihar
21.7.2000 ? Khagaria Case related
23 22.7.2000 Jaynagar
23.7.2000 Rahika
23.7.2000 Benipatti
23.7.2000 Mahmadpur Suggested name change to Mithilapur
23.7.2000 Jaynagar
8.8.2000 Kanhauli
24 8.8.2000 Jaynagar
9.8.2000 Madhubani

9-10/./.2000 Darbhanga Kamleshs bhent

12.8.2000 Benipatti

25 28.8.2000 Madhubani Tarababuk meeting Madhubani central cooperativfge me Mithila rajya lel-Rajku,ar Mahaseth arthik labh s shankit

26 21.10.2000 Darbhanga

21-22/10/2000 Madhubani JN Co;;egem,e Manthan Shivir=-asgare chhalanhu 1993 s aab ek samuday sang achhi lagal

22.12.2000 Forbesganj

27 21.12.2000 Purnea

22.12.2000 Forbesganj

22.12.2000 Biratnagar-Nepal

23-24/12/2000 Biratnagar-Nepal VI IMC

25.12.2000 Biratnagar Press confrerence

25.12.2000 Forbesganj Via

25.12.2000 Saharsa

26.12.2000 Bangaon

26.12.2000 Mahishi

26.12.2000 Saharsa Saharsa sammelan nischit

27.12.2000 Katihar

28 4.2.2001 Barauni census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000

29 10.2.2001 Barauni census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000

10.2.2001 Samastipur census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000

10.2.2001 Darbhanga census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000

11.2.2001 Samastipur census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000

11.2.2001 Barauni census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000

30 1-4/4/2001 Jaynagar MWTC-1

5.4.2001 Barauni Kirtinarayan Mishras bhent
31 26.5.2001 Saharsa Mithila Rajya Abhiyan Tara babu
26.5.2001 Forbesganj
27.5.2001 Katihar
32 10.11.2001 Saharsa Sammelan
11.11.2001 Saharsa Sammelan
11.11.2001 Saharsa
12.11.2001 Samastipur
33 17.12.2001 Begusarai Bihar Jan parishad Parmhansji Omar balika me meeting
17.12.2001 Saharsa Vijay Kr.Singh dera
18.12.2001 Saharsa Law collegeme baisar-
18.12.2001 Forbesganj
34 5.5.2002 Dalsing Sarai MWTC-2
5-6/5/2002 Ajnaul MWTC-2
6.5.2002 Chhabilapur MWTC-2
7.5.2002 Dalsing Sarai MWTC-2

7.5.2002 Begusarai Meeting

8-9/5/2002 Sukhsena MWTC-3

5.9.2002 Sukhsena MWYC-3

10.5.2002 Forbesganj

11.5.2002 Bhagalpur MC

11.5.2002 Bhagalpur Keshkar's dera

24.8.2002 Bhagalpur MC

24.8.2002 Bhagalpur Sabour Mausis bhent

35 24-25/8/2002 Bhagalpur Sagar rati katha goshthi

25.8.2002 Bhagalpur Keshkar's dera

6.10.2002 Muzaffarpur SKMC

6.10.2002 Darbhanga

6.10.2002 Darbhanga DMC

6.10.2002 Kanhauli

7-8/10/2002 Madhubani bail-Do;;y appearred

13.12.2002 Madhubani

22.12.2002 Samastipur

22.12.2002 Darbhanga

23.12.2002 Madhubani
23.12.2002 Darbhanga
36 24.12.2002 Saharsa
24.12.2002 Forbesganj
25.12.2002 Purnea
25.12.2002 Bhagalpur
37 23.2.2003 Dalsing Sarai
24.2.2003 Darbhanga
24.2.2003 Sakri-Kanhauli SBI a/c father's closure 45,000 to Bhaiya by draft,6994 father's name draft
25.2.2003 Madhubani Father got bail in court in false case by Dolly
26.2.2003 Darbhanga DMC
25.5.2003 Darbhanga in waiting room whole day-Indu came; with Shubhji for dentist son of Vijaykant Thakur(age less)
26.5.2003 Madhubani motyher and Bindu's bail;charge framed on me
38 28.6.2003 Deoghar meeting
29.6.2003 Samastipur-Kanhauli

29.6.2003 Bhabanipur MWTC
30.6.2003 Madhubani
30.6.2003 Darbhanga-Bus
39 2.10.2003 Dalsing Sarai
2.10.2003 Begampur(Vaishnavi)
went for name change of village
3.10.2003 Singiaghat
3.10.2003 Samastipur
3.10.2003 Darbhanga Hasnchak Durgadarshan-instead of classmate Satrish Das went to other Dr.Satish Das's house
4.10.2003 Darbhanga
Madhveshwar darshan
4.10.2003 Muzaffarpur
Vishnukantjis bhent
40 22-23/11/2003 Dalsing sarai XI IMC
41 28.2.2004 Darbhanga
Mithilanchal Vikas Parishad sammelan

28.2.2004 Darbhanga

29.2.2004 Darbhanga

Laxmishwar Pustakalaya; with Premkantji Patna

13.3.2004 Darbhanga DMC's Platinum Jubilee

42 26.6.2004 Dalsing Sarai

26.6.2004 Darbhanga Tunia's marriage's 4th day

27.6.2004 Darbhanga

Laheriasarai-meeting

43 12.9.2004 Dalsing Sarai Shambhuji station par

12.9.2004 Darbhanga karyakarta station par

12.9.2004 Darbhanga waiting room me

13.9.2004 Madhubani train Bhav Jha trainme -gamk nam Mithilapur badalbak sujhab

13.9.2004 Madhubani absolved from case- tea with magistate Sanyay

Kumar,after with Dr.Shrinivas(1980), Commissioner Radha Singh(1987),Dolly(Dibrugarh 1989), Bhura Mandir pujarin's offer 1996

20.10.2004 Jasidih-bus

20.10.2004 Bhagalpur

44 20.10.2004 Bhramarpur

21.10.2004 Forbesganj

22.10.2004 Hulas Mukhiya Bijendra Yadav-Gurumaitaji ayalah-Kamalkantji nahi

23.10.2004 Bhagalpur

23.10.2004 Tarapur

23.10.2004 Kuangarhi Mukhia Pramod Singh- Dayanath Jha, SN Pathak

24.10.2004 Banka Prof. Maheshchandra Jha-Dr.Sunil Shil dera

24.10.2004 Dumaria-Motia

24.10.2004 Motia

25.10.2004 Dumaria

25.10.2004 Godda Met Prof.

Manimohan Mishra

25.10.2004 Deoghar Pradosh Shringar of Baba seen

21.12.2004 Darbhanga

45 21.12.2004 Darbhanga Sureshwar Jha; stayed Laxmisagar BK Jha 'Lagma' dera

22.12.2004 Darbhanga

22.12.2004 Darbhanga Dr. Mohan Mishra deara Maithili VIII Schedule aaniversary

23.12.2004 Begusarai

23.12.2004 Khagaria

23.12.2004 Saharsa Mayababu dera stayed

24.12.2004 Saharsa meeting

25.12.2004 Forbesganj

25.12.2004 Purnea Prakash Jha dera meeting and stayed

26.12.2004 Bhagalpur Vidyapati parva

12.3.2005 Saharsa

46 25.2.2005 Journey

26.2.2005 Bideshwarsthan

26.2.2005 Mahinathpur

26.2.2005 Mehath

26.2.2005 Kothia

26.2.2005 Jhanjharpur

27.2.2005 Darbhanga

47 11.3.2005 Journey

12.3.2005 Saharsa Mithila Vidyarthi parishad founded

13.3.2005 Begusarai

47 9.4.2005 Kishanganj

10.4.2005 Araria RRChoudhary,Ashok Mishra

10.4.2005 Forbesganj Sahara TV 's Saravgi

10.4.2005 Forbesganj

11.4.2005 Dholbajja Narendra Pandey;Khawasspur's Mishraji

11.4.2005 Forbesganj Sahara TV 's interview; Manoj Jha,ASM of Jonki while

searching Manikant Jha

11.4.2005 Biratnagar SN Mishra MithilaSeva samitik dera;Tintolia Meena Dev's;Dr.Saha of Purnea there met

11.4.2005 Dharan Seen DR.BPKIMS; Lalchand's whereabouts in matrimonial rift;

11.4.2005 Dharan askked DR.Rakesh Pandit for Maithil Nepali Chikitsak Sangh

12.4.2005 Dharan Lachand's

12.4.2005 Biratnagar National Academy; Er. GN Thajkur etc.

12.4.2005 Forbesganj ASM Manoj was discouraged by Manikant Jha for Maithili meeting; forms for saharsa to Guard Baitha

12.4.2005 Katihar Dilip's dera

13.4.2005 Katihar Chandana-Pawanjh's dera narayanji came

13.4.2005 Katihar seen Katihar Medical College with Narayanji; Dr.Sunita

Mishra' Dr. S Vivekanand; Ranjana's husband Dr.AK Jha

13.4.2005 Katihar Rajkumar R5ai in DRM office

13.4.2005 Sabour

13.4.2005 Bhagalpur

48 1.5.2005 Darbhanga MRAk Tarababuk anupasthis radd meeting Khadi bhandarme Mohan Mishra, Sureshwarbabu,Udyashankar,Kamalkantji , Chunchunji,Satish, Pawan Thakur aadi..

15.5.2005 Bhagalpur Vishwambhaji bhai dera

49 15.5.2005 Purnea Sudhakar Jha SM s bhent-Maithili Sammealn tay 26-27 Nov.k

16.5.2005 Forbesganj-Katihar-Baarauni-Maurya ohi rickshaw s Babujike lay station

50 13.8.2005 Kishanganj couldn't stay for meeting at 5 pm

13.8.2005 Araria Ashok didn't come to receive- no meeting held

13.8.2005 Forbesganj

14.8.2005 Katihar Interview at Medical College, agreed for Asst.Prof, but no pay protection

14.8.2005 Katihar met MLA Tarkishor

14.8.2005 Purnea-train GL no meeting by Indranarayan Jha

14.8.2005 Saharsa Dr.LN Jha dera

15.8.2005 Saharsa Vinayji came

15.8.2005 Khagaria-train good meeting

51 8.10.2005 Begusarai Bhaaskarji dera

8.10.2005 Khagaria Dharmendra came in meeting

8.10.2005 Saharsa LNJHa's dera

9.10.2005 Chainpur with LN Jha

9.10.2005 Bangaon Abhimanyu Khan at Bhagwatyisthan

9.10.2005 Saharsa Met Amol,

RajaraM-lALPARISwatantraji's dera

10.10.2005 Supaul Met Kedar Kanan, Dhirji,

10.10.2005 Ganpatganj with dayashankar

10.10.2005 Hulas

Bhagwatisthanme Mukhia kailash yadav, Munnaji etc. neek meeting

10.10.2005 Dumari Ravindra choudhary's sasur

11.10.2005 Ganpatganj Ravindra choudhary's ghar

11.10.2005 Forbesganj Met Dasji

11.10.2005 Forbesganj Familial

12.10.2005 Kasba missed Amit Keshab and 5-7 journalist

12.10.2005 Purnea Nomeeting; Prabhatji dera

13.10.2005 Shrinagar good meeting by Rani Jha; Naerayanji came with other 3 from katihar

13.10.2005 Purnea Dr. I.P.Bhagat did not meet

13.10.2005 Kishanganj meeting and press conference -Mayababu residence;Vinodji saw off in train

24.12.2005 Forbesganj

52 24.12.2005 Hulas Maithili Wokers' camp (MOTHER EXPIRED at RANCHI)

24.12.2005 Forbesganj Mother died at Ranchi- could knew at Dasji's dera

53 8.1.2006 Narar Maithilime shapath lel Vidhayakk samman

54 5.2.2006 Deoghar Meeting OPMishra dera

5.2.2006 Deoghar Satyendrababuk shraddhabhoj

55 17.10.2006 Begusarai Bhaskarji's son

17.10.2006 Khagaria baisar neek

17.10.2006 Saharsa LNJ dera baisar

18.10.2006 Darbhanga Ashish, manish fer sureshwarbabu dera par

18.10.2006 Darbhanga

18.10.2006 Jaynagar Aryakumar Pustakalay-Mahakant Thakur

19.10.2006 Madhubani Maninath Chaudhary-sukhi, RNSahu SBI mePramodji, Madan Mishra-sugauna,Surendra rai-Chapahi JDU leader

19.10.2006 Muzaffarpur Savita Bhavanme baisar

27.1.2007 Katihar

28.1.2007 Katihar XXX NC

56 28.1.2007 Katihar Nandan Mohan met

28.1.2007 Forbesganj

29.1.2007 Kishanganj

57 22.3.2007 Muzaffarpur Press conference- Rastriya Sahara office with Rajneesh

22.3.2007 Kanhauli

23.3.2007 Madhubani

23.3.2007 Madhubani met

Govindacharya in his Alakh yatra

23.3.2007 Darbhanga Sureshwar Jha dera- made CKJhaAMP,DBG president, Tuntun Jha-? Mithila maps

24.3.2007 Saharsa LN Jha dera; Lalpariji dera baisar

24.3.2007 Forbesganj

25.3.2007 Katihar Randhirji dera baisar, Gaurikantji came from Purnea

25.3.2007 Khagaria-bus

Vivekanand's hospital visited

30.4.2007 Madhubani

58 30.4.2007 Samastipur

Ramkrishna Niwas-Devji? Purneak Jaynath Mishra trainme

11.5.200 Madhubani

59 12.5.2007 Darbhanga-Train

Ayodhyanath Jha; Hareramji busy

60 15.12.2007 Simariaghat Janardan Yadav, Vivekanand, Kamalkantji

15.12.2007 Begusarai

15.12.2007 Khagaria

16.12.2007 Saharsa Rajaramji dera baisar

16.12.2007 Katihar Press conference

17.12.2007 Kishanganj Mayakant babu dera Press conference

17.12.2007 Purnea Law college me baisar

18.12.2007 Kasba Amit Keshab's shop programme

18.12.2007 Forbesganj dasji dera-Laxminarayan dharmshala baisar Vidyanand Thakur, Yamunaji adi; Mithila Public School me press conference

18.12.2007 Forbesganj

18.12.2007 Araria Kajubabu dera baisar, shayan-Lalit Mohan Thakur dera bhojan-Mithila party gathan par charcha

19.12.2007 Simariaghat

61 16.2.2008 Khagaria

62 25.4.2008 Saharsa Merit exam.in

Premlata Mishra College

26.4.2008 Forbesganj

26-26/4/2008 Purnea XVII IMC

63 11.9.2008 Saharsa-Jagran camp Baijnathpur

12.9.2008 Jirba bandh

13.9.2008 Supaul-BSR College

14.9.2008 Supaul-Bharkhurba-Satyadev Vidyalaya

15.9.2008 Saharsa Lalparidevi,Vinayji etc.

2.10.2008 Dalsing Sarai

3.10.2008 Barauni

4.10.2008 Muzaffarpur

4.10.2008 Darbhanga

5.10.2008 Jaynagar

6.10.2008 Umgaon

7.10.2008 Jarail

8.10.2008 Koilakh

9-10/10/2008 Parsa

11.10.2008 Kaluahi-Madhubani-Samaul-Birsair- Balain

12.10.2008 Jaynagar
64 1.10.2011 Journey
2.10.2008 Dalsing Sarai
3.10.2008 Barauni
4.10.2008 Muzaffarpur
4.10.2008 Darbhanga
5.10.2008 Jaynagar
6.10.2008 Umgaon
7.10.2008 Jarail
8.10.2008 Koilakh
9-11/10/2008 Baira- Parsa MWTC_XIII
11.10.2008 Kaluahi-Madhubani-Samaul-Birsair- Balain
12.10.2008 Jaynagar
65 26.12.2008 Simariaghat Ratneshji ashramme
26.12.2008 Begusarai Ratneshji sange
26.12.2008 Khagaria Ratneshji sange;Pramodji joined
26.12.2008 Bhramarpur Pramodji

sange

26.12.2008 Katihar Pramodji sange Narayanji dera

26.12.2008 Purnea Pramodji sange- Press conference-Pinki organised; her residence-saw Vinay tarun first

27.12.2008 Kishanganj Pramodji sange- Press conference-

27.12.2008 Araria Pramodji sange- stay Lalitji dera -journey in dense fog

27.12.2008 Forbesganj Pramodji- Lalitji-met Dasji- Mayanand Thakur

27.12.2008 Forbesganj

28.12.2008 Bhagalpur Pramodji sange Budhanath Mandirme sabha

66 7.1.2009 Journey-Maurya

Parmodji sang bhelah Dhanbads

8.1.2009 Muzaffarpur Satishji dera- Savita Bhavanme Press conference-Punj prakashji dera

9.1.2009 Darbhanga Sureshwar Jha dera-CKJha; Trilokinath Mandirme

Mathuranandbabuk shraddhakarmme Baijuji adi

9.1.2009 Benipatti Ratri vishram Mithilachal Vikas officeme

10.1.2009 Benipatti Meeting

10.1.2009 Madhubani Meeting Gokulwadime-Vidyapati parvame sammani

10.1.2009 Darbhanga Indu/ Vinay Choudhary dera vishram

11.1.2009 Darbhanga Medical college guest lecture on MCI's Platiunum Jubulee

11.1.2009 Darbhanga Press conference

24.1.2009 Forbesganj Babujik Varshi- Teju dera ratime

67 25.1.2009 Bhagalpur Burhanath Mandirme Baisar

25.1.2009 Bhagalpur Mausi dera-

25.1.2009 Bhagalpur Sadhna Jha dera

26.1.2009 Bhagalpur

28.3.2009 Sultanganj gangasana a Ajagaibinath darshan

68 28.3.2009 Jhandapur(Bihpur)

28.3.2009 Purnea Vinay Tarun dera

29.3.2009 Araria

29.3.2009 Jamua

29.3.2009 Pategna

30.3.2009 Bhagalpur

10.4.2009 Muzaffarpur

10.4.2009 Raxaul

13.4.2009 Darbhanga

69 14.4.2009 Darbhanga-Train

Sureshwarbabu dera

14.4.2009 Darbhanga-Train

70 23-24/2009 Bhaglpur's Jhandapur(Bihpur) MWTC

24.5.2009 Bhagalpur

71 13-14/6/2009 Jaynagar

Karyasamiti baisar

14.6.2009 Darbhanga-Bus Merit exam. JYG- MLSM College,DBG

72 25.7.2009 Samastipur Munnuji school baisar

25.7.2009 Dalsing Sarai Anil Jhak chhat par baisar

26.7.2009 Khagaria-Bus Maithili Seva sansthank

73 22.8.2009 Muzaffarpur Mithila Rajya par goshthi

23.8.2009 Muzaffarpur-train Train lel pratiksha-samay prayah barbad

74 30.8.2009 Darbhanga
Seetavatarn Mahakavya vimochan

30-31.8.2009 Nanaur MWTC

1.9.2009 Thadhi

1.9.2009 Darbhanga-Bus

75 6.9.2009 Madhupur-Bamangam
Schoolme baisar

6.9.2009 Deoghar D Jha dera baisar

76 20.9.2009 Bideshwarsthan

20.9.2009 Bhairabsthan MWTC

20.9.2009 Ujan

20.9.2009 Shaktpur

20.9.2009 Kathwar

20.9.2009 Bisunpur

20.9.2009 Ujan

20-21/9/2009 Jhanjharpur

21.9.2009 Lakhnaur

21.9.2009 Madhepur

21.9.2009 Rahua

21.9.2009 Jhanjharpur

21.9.2009 Sakri

21.9.2009 Godihari

21.9.2009 Sakri

21.9.2009 Jhanjharpur

21-22/.9/2009 Nanaur

22.9.2009 Thadhi

22.9.2009 Aradia

22.9.2009 Garatol

22-23/9.2009 Sijhulia

23.9.2009 Fulparas

23.9.2009 Khutauna

23.9.2009 Laukha

23-24/9/2009 Jhanjharpur

24.9.2009 Madhubani

24.9.2009 Rajnagar

24.9.2009 Madhubani

24.9.2009 Benipatti

24.9.2009

Shardapuri(Mahammadpur)

24-25/.9/2009 Akaur

25.9.2009 Rahika

25.9.2009 Madhubani

25.9.2009 Samul

25.9.2009 Darbhanga-Train

26.9.2009 Bhagalpur

26.9.2009 Purnea

26-27/9/2009 Forbesganj

27.9.2009 Bhatabari

27.9.2009 Forbesganj

27.9.2009 Jogbani-Seemanchal Exp.

10.10.2009 Simariaghat Mas Mela

77 10.10.2009 Begusarai Bhaskarji dera

11.10.2009 Begusarai

78 1.11.2009 Darbhanga Protest for discontinuing JYG Spl.

1.11.2009 Jaynagar Protest for discontinuing JYG Spl.

1-2/11/2009 Dhamiapatti

2.11.2009 Jaynagar

79 14.11.2009 Simariaghat MRP

14.11.2009 Bhagalpur

15.11.2009 Sultanganj

Gangasnan-Ajgabinath darshan with Vbinay Tarun

15.11.2009 Munger Chandisthan darshan with Vbinay Tarun

15.11.2009 Munger Madhopur-Dalhatta Indu d/o LKMishra-Lallu Pokharime Vidayapati Parishadk meeting

15.11.2009 Jamalpur- train

80 3-4/12/2009 Bhagalpur Vinay Tarun dera stay

3.12.2009 Sabour

4-5/12/2009 Katihar meeting Railway colony; stay Narayanji dera

5.12.2009 Forbesganj

5.12.2009 Purnea Law Collegeme meeting; stay Lalit rang dera Saraswatinagar

6.12.2009 Araria Meeting Lalitji dera

6.12.2009 Purnea

6-7/12/2009 Madhepura meeting kamlesh Thakur dera

7.12.2009 Madhepura Madhepuriji dera

7.12.2009 Singheshwarsthan sanjesh dera-meeting in the way-

7.12.2009 Singheshwarsthan

7.12.2009 Saharsa Dr.LN Jha dera baisar

7.12.2009 Bhagalpur Night stay

8.12.2009 Nathnagar Meeting

with Angika Yva Chetna group

8.12.2009 Bhagalpur

81 23.1.2010 Deoghar

23.1.2010 Deoghar

23.1.2010 Godda

23.1.2010 Bhagalpur

24.1.2010 Forbesganj

24.1.2010 Araria

25.1.2010 Purnea

25-26.1.2010 Bhagalpur

82 21.2.2010 Bhagalpur Bycotted Mithila parishad

21.2.2010 Bhagalpur

83 27.3.2010 Banka

27-28.3.2010 Bhagalpur

28.3.2010 Godda

84 24-25.4.2010 Araria XXI IMC

85 8.5.10 Benipatti

8-9.5.2010 Akaur-Benipatti

86 22.5.2010 Dalsing Sarai

22.5.2010 Darbhanga

23.5.2010 Gohi-Kishanpur Manish's

home Yajna
23.5.2010 Samastipur no meeting

87 14-15.8.2010 Simariaghat
14-15.8.2010 Simariaghat
88 28.8.2010 Bhagalpur
28.8.2010 Purnea
28.8.2010 Forbesganj
29.8.2010 Araria
89 5.9.2010 Dalsing sarai
90 24.9.2010 Darbhanga
24.9.2010 Madhubani
24-25.9.2010 Muzaffarpur
91 2.10.2010 Jhanjharpur
2.10.2010 Berma
3.10.2010 Samastipur
9.10.2010 Darbhanga
9.10.2010 Khajauli
9.10.2010 Thahar
9.10.2010 Lalit Laxmipur
9.10.2010 Dullipatti

9.10.2010 Narar

9.10.2010 Barhi

10.10.2010 Dullipatti

10.10.2010 Jaynagar

10.10.2010 Parsa

10.10.2010 Mahinathpur

10.10.2010 Joki

10.10.2010 Chhatauni

10.10.2010 Darbhanga

11.10.2010 Jhanjharpur

11.10.2010 Madhepur

11.10.2010 Kaithinia

11.10.2010 Jhanjharpur

12.10.2010 Adaria

12.10.2010 Kharaua

12.10.2010 Nabani

12.10.2010 Tamuria

12.10.2010 Belaucha

12.10.2010 Madhura

12.10.2010 Lakhnaur

12.10.2010 Laufa

12.10.2010 Jhanjharpur

13.10.2010 Kaithinia
13.10.2010 Jhanjharpur
13.10.2010 Hainthilwali
13.10.2010 Bhairabsthan
13.10.2010 Kothia
13.10.2010 Mehath
13.10.2010 Bharam
13.10.2010 Pattitol
13.10.2010 Mahinathpur
13.10.2010 Raiyam
13.10.2010 Rupauli
13.10.2010 Jamuthari
13.10.2010 Lohna
13.10.2010 Kharrakh
13.10.2010 Sarbbseema
13.10.2010 Naruar
13.10.2010 Kaithinia
13.10.2010 Jhanjharpur
14.10.2010 Lakhnaur
14.10.2010 Pachhi
14.10.2010 Madhepur

	14.10.2010	Prasad
	14.10.2010	Baki
	14.10.2010	Bheeth Bhagwanpur
	14.10.2010	Fetaki
	14.10.2010	Jhanjharpur
	15.10.2010	Madhubani
	15.10.2010	Kaluahi-Dhanga
	15.10.2010	Jaynagar
	16.10.2010	Kaluahi-Dhanga
	16.10.2010	Kaluahi(Pachhbaritol)
	16.10.2010	Bakshitol
	16.10.2010	Kapasia
	16.10.2010	Nagdah
	16.10.2010	Balain
	16.10.2010	Madhubani
	17.10.2010	Simariaghat
	13.11.2010	Simariaghat
92	8.10.2010	Journey-Maurya
	9.10.2010	Darbhanga
	9.10.2010	Khajauli
	9.10.2010	Thahar

9.10.2010 Lalit Laxmipur
9.10.2010 Dullipatti
9.10.2010 Narar
9.10.2010 Barhi
10.10.2010 Dullipatti
10.10.2010 Jaynagar
10.10.2010 Parsa
10.10.2010 Mahinathpur
10.10.2010 Joki
10.10.2010 Chhatauni
10.10.2010 Darbhanga
11.10.2010 Jhanjharpur
11.10.2010 Madhepur
11.10.2010 Kaithinia
11.10.2010 Jhanjharpur
12.10.2010 Adaria
12.10.2010 Kharaua
12.10.2010 Nabani
12.10.2010 Tamuria
12.10.2010 Belaucha
12.10.2010 Madhura

12.10.2010 Lakhnaur

12.10.2010 Laufa

12.10.2010 Jhanjharpur

13.10.2010 Kaithinia

13.10.2010 Jhanjharpur

13.10.2010 Hainthilwali

13.10.2010 Bhairabsthan

13.10.2010 Kothia

13.10.2010 Mehath

13.10.2010 Bharam

13.10.2010 Pattitol

13.10.2010 Mahinathpur

13.10.2010 Raiyam

13.10.2010 Rupauli

13.10.2010 Jamuthari

13.10.2010 Lohna

13.10.2010 Kharrakh

13.10.2010 Sarbbseema

13.10.2010 Naruar

13.10.2010 Kaithinia

13.10.2010 Jhanjharpur

14.10.2010 Lakhnaur

14.10.2010 Pachhi
14.10.2010 Madhepur
14.10.2010 Prasad
14.10.2010 Baki
14.10.2010 Bheeth Bhagwanpur
14.10.2010 Fetaki
14.10.2010 Jhanjharpur
15.10.2010 Madhubani
15.10.2010 Kaluahi-Dhanga
15.10.2010 Jaynagar
16.10.2010 Kaluahi-Dhanga
16.10.2010 Kaluahi(Pachhbaritol)

16.10.2010 Bakshitol
16.10.2010 Kapasia
16.10.2010 Nagdah
16.10.2010 Balain
16.10.2010 Madhubani
17.10.2010 Simariaghat
93 16.12.2010 Darbhanga
16.12.2010 Madhubani

17.12.2010 Rahika

17.12.2010 Dhakjari

17.12.2010 Dhanauja

17.12.2010 Ucchith

17.12.2010 Jagati

17.12.2010 Benipatti

17.12.2010 Jarail

17.12.2010 Rahika

17.12.2010 Madhubani

18.12.2010 Gangasagar

18.12.2010 Samaul

18.12.2010 Bideshwarsthan

18.12.2010 Jhanjharpur

18.12.2010 Kaithinia

18.12.2010 Nirmali

19.12.2010 Nirmali

19.12.2010 Kanhauli

24.12.2010 Darbhanga

94 24.12.2010 Darbhanga Manokamna Chabootra

25.12.2010 Khudiram Pusa Rd

25.12.2010 Thahra-Gopalpur

26.12.2010 Thahra-Gopalpur
26.12.2010 Vaini
26.12.2010 Khudiram Pusa Rd
26.12.2010 Samastipur
26.12.2010 Musarigharadi
26.12.2010 Hathidah-train
95 22.1.2011 Supaul
22.1.2011 Patori_Pachgacchia
22.1.2011 Saharsa
23.1.2011 Samastipur
96 26.1.2011 Hathidah-bridge
26.1.2011 Barauni
97 13.2.2011 Bhagalpur-Pustakmela

98 26-27.2.2011 Dalsing sarai
27.2.2011 Vidyapatinagar
27.2.2011 Vidyapatinagar
12.3.2011 Deoghar
12.3.2011 Deoghar RL sarraf-Health talk
99 12.3.2011 Deoghar

100	9.4.2011	Jamtara	
	9-10.4.2011	Dumka	
	10.4.2011	Godda	
	10.4.2011	Deoghar	
101	23.4.2011	Madhupur-Giridih	
	24.4.2011	Madhupur	
	13.5.2011	Bus	
102	14.5.2011	Seetamarhi	
	14.5.2011	Punaurodham	
	14.5.2011	Pudriksthan	
	14.5.2011	Haleshwarstahn	
	15.5.2011	Seetamarhi	
	15.5.2011	Darbhanga	
	15.5.2011	Bariaul	
103	5.6.2011	Darbhanga	
104	25-26.6.2011	Jaynagar	XXIII IMC
105	24.7.2011	Narepur-Bachhwara	
	24.7.2011	Rani Bachhwada	
	24.7.2011	Barauni-Shokhara	
	24.7.2011	Kiuli-Gajhara	
106	31.8.2011	Madhubani	
	31.8.2011	Sarisab	

	31.8.-1.9.2011	Rampur
	1.9.2011	Isahpur
	1.9.2011	Jhanjharpur
	1.9.2011	Darbhanga
	2.9.2011	Darbhanga
	2.9.2011	Muzaffarpur
107	6.9.2011	Darbhanga
	6-7.9.2011	Madubani-Samaul
108	24-25/9/2011	Begusarai
109	6.10.2011	Jaynagar
	6.10.2011	Mahulia
	6.10.2011	Padma
	6.10.2011	Mahinam
	7.10.2011	Mahinam
	7.10.2011	Roopnagar
	7.10.2011	Biraul
	7.10.2011	Kanhauli
	8.10.2011	Jhanjharpur
	8.10.2011	Saisab
	8.10.2011	Brahmottara
	9.10.2011	Pandaul

	9.10.2011	Benipatti
	9.10.2011	Madhubani
110	22.10.2011	Simariaghat
	23.10.2011	Simariaghat
111	6.11.2011	Simariaghat
	7.11.2011	Simariaghat
112	10.11.2011	Munger
	10.11.2011	Bhagalpur
	11.11.2011	Forbesganj
	11.11.2011	Forbesganj
	12.11.2011	Purnea
	13.11.2011	Bhagalpur
113	23.11.2011	Darbhanga
114	27.11.2011	Dalsing sarai
	27.11.2011	Samastipur
115	4.12.2011	Khagaria
	4.12.2011	Bangaon
	5.12.2011	Saharsa
	5.12.2011	Madhepur
	5.12.2011	Purnea
	6.12.2011	Godda
116	9.12.2011	Biratnagar

9.12.2011 Forbesganj

117 23.12.2011 Journey-Maurya

24.12.2011 Dalsing sarai

24-27.12.2011 Vidyapatinagar MWTC_XXIII

118 7.1.2012 Journey-

8.1.2012 Darbhanga Grierson Jayanti Maithili Divas -Rajnath Mishra's house Kabirchak

119 12.2.2012 Deoghar with Praving Jha(Dhanbad)

12.2.2012 Godda with OP Mishra, Arun K Jha, Praving Jha(Dhanbad)

12.2.2012 Deoghar With Krishnakar, Pravin

120 22.3.2012 Journey-jaynagar express

23.3.2012 Bhagalpur Geeta del

23-25.3.2012 Raniganj XXVI Maithili karyakarta prasikshan Shivir

25.3.2012 Basithi Piligrimage

25.3.2012 Forbesganj Baisar

121 5-6.4.2012 Munger EC meeting, XXVII MWTC

6.4.2012 Munger Kastharni, Yogashram, Chandisthan

6.4.2012 Train-Dhuriyan

7.4.2012 Darbhanga Asha Mishra, Mithila Mahotsav

7.4.2012 Darbhanga Dr. N.P.Mishra, Narendra Nr. Mishra, Dr.GN Lal's house

8.4.2012 Jamalpur XXVII MWTC

122 28.4.2012 Jaynagar-Padma

29.4.2012 Padma

29.4.2012 Sibipatti

29.4.2012 Balha Sanjay's son's janeu

29.4.2012 Pariharpur meeting

123 11.5.2012 Madhupur

12.5.2012 Benipatti

12-13.5.2012 Gandeeveshwar-Shibnagar XXIX MWTC

124 25.5.2012-27.5.2012 Forbesganj

25.5.2012 Forbesganj XXIV IMC

27.5.2012 Sakriseen Vajpayee Koshi mahasetu, bahin, bahinoi, bhagins from kanhauli

125 8.6.2012 Journey-Train

9.6.2012 Samasitpur-train

9.6.2012 Rosera

9.6.2012 Dalsing sarai

10.6.2012 Dalsing sarai

10.6.2012 Samastipur

10.6.2012 Darbhanga

Manokamnan Mandir,meetimg Adity, Rajeev

126 23.6.2012 Muzaffarpur

23.6.2012 Muzaffarpur Khudiram Bose Smarak

23.6.2012 Muzaffarpur Vinay Tarun's III anniversary-Sattaa, media, Janapekshayen

23.6.2012 Darbhanga AMP karykaras bhent

23.6.2012 Darbhanga Meetings KSDU & LNMU Hostels, Manokamna Chabootara, meet Shyama mandir

23.6.2012 Darbhanga

Manokamnan Mandir, Shyama Mandir

24.6.2012 Saurath XXX MWTC

127 10-12.8.2012 Tarauni XXXI MWTC

12.8.2012 Kanhauli

128 8-9.9.2012 Dalsing sarai AMP sheersh saniti aa karysamiti Baisar

129 13.10.2012 Rosera Prabhat tara, Prabhuthakur mohalla

13.10.2012 Kusheshwarstahn

Dharmshala_MRSS dharna

14.10.2012 Samastipur Marwari Thakurwadee-AMP, A.Mparty

130 23-28.10.2012

23.10.2012 Journey-Maurya

24.10.2012 Samastipur- train

24.10.2012 Kurso

25.10.2012 Kurso

25.10.2012 Lagma

25.10.2012 Bideshwarsthan

25.10.2012 Jhanjharpur

25.10.2012 Madhepur

26.10.2012 Mahisham

26.10.2012 Madhepur

26.10.2012 Jhanjharpur

26.10.2012 Phulparas

27.10.2012 Deodh

27.10.2012 Ghoghardiha

27.10.2012 Jhanjharpur

27.10.2012 Madhepur

27.10.2012 Rahua

28.10.2012 Rahua

28.10.2012 Madhepur

28.10.2012 Jhanjharpur

28.10.2012 Darbhanga- RNC Train

131 9-14.11.2011

9.11.2012 Journey_Maurya
10.11.2012 Darbhanga
10.11.2012 Pupari
10.11.2012 Bhetua
11.11.2012 Puapri
11.11.2012 Benipatti
11.11.2012 Dhakjari
11.11.2012 Madhubani
11.11.2012 Rahika
12.11.2012 Rahika
12.11.2012 Madhubani
12.11.2012 Dhakjari
12.11.2012 Benipatti
12.11.2012 Pupari
12.11.2012 Bhetua
13.11.2012 Pupari
13.11.2012 Benipatti
13.11.2012 Dhakjari
13.11.2012 Dhakjari
13.11.2012 Madhubani
13.11.2012 Samaul

14.11.2012 Madhubani
14.11.2012 Dhakjari
14.11.2012 Benipatti
14.11.2012 Rahika
14.11.2012 Madhubani-RNC Train

132 28.11.2012 Darbhanga
133 1.12.2012 Deoghar
2.12.2012 Shekhpura
2.12.2012 Lakhisarai
2.12.2012 Jamui
134 20.12.2012 Journey-Bhagalpur
21.12.2012 Madhepura
22-23.12.2012 Madhepura XXV Antarrashtriy MaithiliSsammealan
24.13.2012 Madhepura Dr.Ashok Kumar yadavdera, Jogi Janak Ashram
24.12.2012 Singheshwarsthan Bachha Jha dera
24.12.2012 Singheshwarsthan Darshan

24.12.2012 Forbesganj Home
24.12.2012 Forbesganj Manganji dera
25.12.2012 Purnea Pravin dera. Korthbadi
25.12.2012 Bhramarpur Durgasthan, Deepakji dera
26.12.2012 Thana Bihpur Subodh Paswan dera
26.12.2012 Bhagalpur Adampur_Sumanji dera
135 11.1.2013 Journey- Maurya
12.1.2013 Dalsing sarai Gyanoday Vidyalaya 150th Swami Vivekanand Jayanti
12.1.2013 Darbhanga Durga Public School, naka 8 150th Swami Vivekanand Jayanti
12.1.2013 Darbhanga Manokamna Chabutara 150th Swami Vivekanand Jayanti
12.1.2013 Darbhanga Bagmati

Hostel 150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga Koshi Hostel 150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga

Yagyavlkya Hostel 150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Dhanga(Benipatti)

Dhanga (Pachhbari tol) 150th Swami Vivekanand Jayanti

136 19.1.2013 Journey-Maurya

20.1.2013 Samastipur

137 25.1.2013 Journey-Patli

26.1.2013 Zero Mile

26.1.2013 Gauda

26.1.2013 Teghra

26-27.1.2013 Rani

27.1.2013 Teghra

27.1.2013 Gauda

27.1.2013 Shokhara-Barauni

138 9.2.2013 Journey-Patli
10.2.2013 Deoghar
Darshan_Krishankardera
10.2.2013 Deoghar Rani KothiAMS XXVII tay Nov 23-24 k
139 24.3.2013 Duleepattee Pax Office
Mithila Jagruiti Manch-Mithila Bibhuti Parv
140 11-14.4.2013
11.4.2013 Journey-18605
12.4.2013 Darbhanga Jalan College Air Marshal VM Tiwary _Mithila Sanskritik Yatra
12-14.4.2013 Pindarch Durga Mandir-Bilasibabudera 42 MWTC
141 18-19.4.2013 Jouney-18605
19.4.2013 Dhakjari Kushti Vivakanad Sardh
19.4.2013 Sakri Chini Mill
142 19.4.2013 Kanhauli
26.4.2013 Journey-Maurya
27.4.2013 Narpatinagar

Soorajbabuk ghar

27.4.2013 SakriHanuman Mandirme baisar

27.4.2013 Kanhauli Familial

28.4.2013 Darbhnaga Mithila Awazme seminar

143 23.5.2013 Journey_18605

24.5.2013 Pupari-Bhetua-Sibipatti

Meeting- Social

25.5.2013 Darbhanga Karysamiti meeting AMP

26.5.2013 Belsandi-Dalsingsarai

AMP_Karykarta's father's death

144 23.6.2013 BihatAMP_AMP Good bye to Ratneshwar and under his hostage....

145 13.7.2013 Journey_18605

14.7.2013 Madhubani Station

14.7.2013 SakriStation

15.7.2013 Devghar Mandir

Rohini's Mumdan

146 24.8.2013 Journey_1803/13185

25.8.2013 Jhanjharpur Nagar Panchayat

26.8.2013 Darbhanga Mithila Awaz

147 28.9.2013 Madhepur

28.9.2013 Pachhi

29.9.2013 Pachahi

29.9.2013 KSSDU_Yagyavalky

29.9.2013 Survey Office

29.9.2013 Mithila Awaz

148 10.10.2013 Journey_18605

11.10.2005 Jaynagar Shikshak NIWas, AMP Office Press conf-Lalanjee, Premjee, Kalpkavi

12.10.2013 Madhubani BN Jha Colony, Jagran Office

12.10.2013 Madhubani Apan Jameen

12.10.2013 Koilakh Bhagwateesthan

12.10.2013 Koilakh Bhagwateesthan Ramlakhan Ram MLA

12.10.2013 Dokhar Rajeshwarsthan Bhawna Jha, Cong(I)

12.10.2013 Dokhar Rajeshwarsthan

12.10.2013 Sinipatti Rudranath Jha, Durgasthan Dr Chandrabhushan Jha

12.10.2013 Karmauli Bhawatisthan

12.10.2013 Karmauli Bhawatisthan

12.10.2013 Kharra Driver's daughter advice

12-13.10.2013 Samaul with premji

13.10.2013 Bhitthi Shankar Thakur Charcha on Mithila Rajya

13.10.2013 Madhubani Station Pramodji came and discussed AMP, MDB dist

13-14.10.2013 Dalsingsarai Gyanoday Stayed with Arun Jha

16.10.2013 Bhitthi-Samaul Satyanarayan Pujan aa Bhoj

16.10.2013 Sakri

149 25.10.2013 Journey_15028

26.10.2013 Samastipur Junction

750 maithili Sandesh 34 & 35 distributed

26.10.2013 Samastipur Madwadee Thakurwaree Meeting

26-27.10.2013 Barbetta Mandir

43_MWTC

150 14.11.2013 Samstipur RMS

14.11.2013 Dalsingsarai

14-15.11.2013 Dalsing sarai _Pagda

Premji ghar Sanjay shashtri spahl bhent _Mithila Peeth

15.11.2013 Simariaghat

Sarvmangla

15.11.2013 Mahnar Rd_Khanpur

Manojji dera

16.11.2013 Khanpur Manojji dera

151 22.11.2013-24.11.2013 Deoghar

Mithila Bhavan XXVI AMS

152 14.12.2013 Chakia Nehru shiksha

sansthan

14.12.2013 Chakia Nehru shiksha sansthan

14.12.2013 Khagaria Dharmendra & SD School

15.12.2013 Madhepura Hans Ashram, Madhepura College MRN Samiti Sammelan

15.12.2013 Purnea Praveen's house

16.12.2013 Purnea Ugna Mahadev Mandir

16.12.2013 Katihar Nr. Manihari Mor_ Marriage Hall

153 23.12.2013 Darbhanga Durgashiksha Sansthan Mithilakshar Pracharini Sabha Sthapana_ Dr. Sureshwar Jha k samman

23.12.2013 Darbhanga Laxmisagar Dr. Ganpati Mishra awas vichar vimarsh_ Maithilime Medical

seminar ho

24.12.2013 Badiya School

24.12.2013 Gaunsaghat Pool

24.12.2013 Darbhanga

Yagyavalky chhatravas Sampark

24.12.2013 Darbahnga Mithila Awaz

24.12.2013 Darbhanga

Laxmisagar Dinesh Jha awas, Bank Colony

25.12.2013 Mankauli Mandir Meeting

25.12.2013 Darbhanga Yatri statue_LNMU Press Conferebce

25.12.2013 Darbhanga Mithila Awaz

154 19.1.2014 Alapur_Barauni

155 22.1.2014 Madhubani

22.1.2014 Samaul

22.1.2014 Nahar Bhagwatipur

23.1.2014 Bharam

23.1.2014 Sakhara Bhagawati

23.1.2014 Rajbiraj MWTC XXXXIV
24.1.2014 Rajbiraj
24.1.2014 Biratnagar
25.1.2014 Bhatabari
25.1.2014 Forbesganj
25.1.2014 Forbesganj
25.1.2014 Khopa
25.1.2014 Madhubani
25.1.2014 Journey_Dhuriyan
26.1.2014 Bhagalpur
156 8-9.2.2014 Rupnagar MWTC XXXXV
9.2.2014 Sakri
157 8-9.3.2014 Begusarai
158 22.3.2014 Alapur_Barauni
22-23.3.2014 Deoghar
159 2.4.2014 Dalsingsarai
160 6.4.2014 Madhubani
161 8.4.2014 Simariaghat
162 12-13.4.2014 Dharmpur Bande

14.4.2014 Patori
163 17.4.2014 Dharmpur Bande
17-18.4.2014 Patori
18.4.2014 Journey_18623
19.4.2014 Journey_18605
164 20.4.2014 Samstipur
165 27.4.2014 Darbhanga
166 9-11.5.2014 Akha(Samastipur)
MWTC XXXXVIIII
167 23-25.5.2014 Begusarai AMIP I Adhiweshan
168 1.6.2014 Barauni AMP
169 7-16.6.2014 Journey_18605
8-9.6.2014 Madhubani MRSS I adhiveshn; Neeraj's vivah
9-12.6.2014 Singhwada
49th MWTC
12.6.2014 Nimaithi
12-15.6.2014 Ojhoul 50th MWTC
15.6.2014 Journey_15234

170 22.6.2014 Barauni

171 27-29.6.2014 Lohna Rd

29.62014 Bidesar

172 11-13.7.14 Fulhar-Jagban-Bisfi

173 21-24.8.2014 Naugachia_Bhramarpur

24.8.2014 Saharsa

24-27.8.2014 Bangaon

26.8.2014 Mahishi

27.8.2014 Kandaraha

27.8.2014 Saharsa

27-30.8.2014 Kothiya

30.8-31.8.2014 Nabada

31.8.2014 Journey_15234/18604

174 4.9.2014 Journey_18605

5.9.2014 Jaynagar- Bisaul-Umgaon-Manoharpur

6.9.2014 Umgaon- Sonai- Saharghat-Manoharpur

7.9.2014 Saharghat-Gangour
8.9.2014 Saharghat- Gangour
9.9.2014 gangour- Kamlapatwadi

9-12.9.2014 Kamlapatwadi
12-15.92014 Mahinathpur
14.9.2014 Jankpurdham_ithar-Jonki

15.-18.9.2014 Kalapatti-Sisbair

18.9.2014 Fulpras
18.9.2014 Simrahi
18.-20.9.2014 Rami
20-21.9.2014 Forbesganj
21-24.9.2014 Kewati
24.9-5.10.2014 Darbhnaga
175 15.10.2014 Journey_18622
16.10.2014 Simariaghat Vedvigyan seminar
176 31.10,2014 Journey_18622
1.11.2014 Simariaghat AMIP
177 5.12.2014 Journey_13104

Journey_ASN_ Gagasagar

6.12.2014 Akaur

6.12.2014 Manharpur

7.12.2014 Umgaon

7.12.2014 Mahanpur

7.12.2014 Uchhal

7.12.2014 Narar Kothi

7.12.2014 Rajnagar

7.12.2014 Jaynagar

7/ 8.12.2014 Journey_18606

178 20-22.12.2014 Darbhanga XXVII AMS

179 28-30/12.2014 Jamalpur 66 MWTC

180 15.1.2015 Journey_18605

16-18.1.2015 Madhubani-Mohanpur 67 MwTc

181 7.2.2015 Journey_18605

8.2.2015 Mahmadpur Khadi Bhandar

Ranipur Durga mandir

182 24.2.2015 Journey_Rajendranagar SF

25.2.2015 Journey

26.2-1.3 2015 Rahua 68 MWTC, kathakumbh 1

1.3.2015 Raua

2.3.2015 Journey_Bus_patna

2.3.2015 Journey-train

183 22.4.2015 Journey_18622

23.4.2015 Jasidih_18605

23.4.2015 Darbhanga AMP_Rajiv

23.4.2015 Basopatti AMP_Umesh Mandal's marrige

24-25.4.2015 Bangaon Yuva Mithila_AMP_ Stay A Khan's house

25.4.2015 Rajnagar MRSS_AMP_Umesh Paswan house

25.4.2015 Sakri_Kanhauli Familia

26.4.2015 Rajnagar MRSS_AMP

26.4.2015 Darbhangha MRNS_AMP

26.4.2015 Sakri_Kanhauli Familial

27.4.2015 Darbhanaga MRNS_AMP
27.4.2015 Rosera Mithila Manthan_AMP
28.4.2015 Simariaghat AMIP
28.4.2015 Journey_18621 from Hathida 762days in Mithila during MECON SERVICE
184 26.5.2015 Journey_Bus_13352
27.5.2015 Journey
28.5.2015 Ranchi
28.5.2015 Journey_18622 4 DAYS JOURNEY
29.5.2015 Simariaght AMIP
29.5.2015 Ramdihi Dineshji's daughter's marrige_Vimla Das met
30.5.2015 Sitamarhi
31.5.2015 Darbhanga Rajiv
31.5.2015 Dalsingsari Mahtoji premji
185 15.7.15 Darbhanga- kaidrabad

AMIP
15.7.15 Ujiarpur stayed Shivshankarjivillage Akha
186 22.8.2015 Journey_ Villupuram

22.8.2015 Chennai_Pondy
22.8.2015 Chennai_ 13352
23.8.2015 Journey
24.8.2016`Ranchi_18622
25.8.2015 Hathida
25.8.2015 Simariaghat shram, Ganga
25.8.2015 Doryya_Tiyya Village
25.8.2015 Akhavillage
26.8.20115 Darbhanga Jalan College
26.8.2015 Pandaul Mahamaya Mandir
26.8.2015 Samaul Home
27.8.2015 Samaul Home
27.8.2015 Pandaul RN College
27.8.2015 Darbhanga Jalan

College

27.8.2015 Darbhanga
Laxmisagar Durgamandir
27.8.2015 Kanhauli Bahin ghar
28.8.2015 Journey_ Gangsagar
28.8. 2015 Rajnagar
28.8. 2015 Nakti
28.8. 2015 Rajnagar library
28.8. 2015 Pariharpur
28.8. 2015 Belhwad
28.8. 2015 Madhubani Gokulwali
28.8. 2015 Journey_18606
29.8.2015 Ranchi
29.8.2015 Ranchi
29.8.2015 Journey_ YPR exp
30.8.2015 Journey
187 25.9.2015 Journey_17006
26.9.2015 Darbhanga Rajiv came

26.9.2015 Shivnagar ghat
26.9.2015 Kasraur

26.9.2015 Kasraur Mata Jwalamukhi darshan

26.9.2015 Rupnagar Lakshaman Jha urf Gandhiji ghar tesar ber

27.9.2015 Rupnagar bachha ke mantra , prarthana adi

27.9.2015 Pokhram

27.9.2015 Sahasram

27.9.2015 Mahinam

27.9.2015 Rupnagar

28.9.2015 Lakshmipur_Madhepur Meeting,Press conference

28.9.2015 Bhakhrain

28.9.2015 Dwalakh

28.9.2015 Rahuwa

28.9.2015 Bhakhrain Bindusasur bahar s dekhal

28.9.2015 Bhakhrain Meeting bad Ghanshyam Thakur dera shayan

29.9.2015 Journey_Bus via Simrahi_pratapganj

29.9.2015 Chhatapur_Rajeshwari

Meeting AMIP ticket Rajaram ji aa Jitendra Ram

30.9.2015 Rajeshwari Bhagwati Darshan Mata Rajeshwari

30.9.2015 Journey via_Charne_Jainagar

30.9.2015 Forbesganj Home after a long gap

30.9.2015 Forbesganj bachha ke mantra , prarthana adi at school of home

30.9.2015 Forbesganj Sudhirji,Teju Manganbabauotay

30.9.2015 Bus

30.9.2015 SakriMd. Shamshul

30.9.2015 Bhitthi AMIP ticket to Navin Tiwary

30.9.2015 Khajauli Night halt

1.10.2015 Khajauli Meetingfor medicla college, sight visit

1.10.2015 Rajnagar Umesh Paswan, Kalibabu

1.10.2015 Singiyaun

1.10.2015 Koilakh Darshan

1.10.2015 Koilakh

1.10.2015 Bhatsmmair

1.10.2015 Khajauli Night halt

2.10.2015 Journey_Intercity

2.10.2015 Journey_Bus_tempo

2.10.2015 Dhakjari Rebel BJP workers' meeting

2.10.2015 Bhachhi Mohnji Damodarpur sang

2.10.2015 Journey_18606

188 22.10.2015 Journey_18605

23.10.2015 Samastipur

23.10.2015 Bachwada station Dr. Upendra Yadav met

23.10.2015 Mahnar Rd_Thanpur Manojdera

23.10.2015 Jagdishpur Brahmsthan Candidate Harischandra Paswan mer, reluctant, wanted money, gave Rs 500 only

23.10.2015 Jandaha

24.10.2015 Thanpur Brahmsthan

Harischandra Paswan candidate Patepur came

25.10.2015 Bus_Musarigharri

25.10.2015 Samastipur_train

25.10.2015 Darbhanga

Laxmisagar Homage to Late Dr. Ganapati Mishra_ met Panchanana Mishra, chanrdakant babu

25.10.2015 Train_garibrath_sakari

25.10.2015 Benipur

25.10.2015 Dherukh meeting with workers

25.10.2015 Antor Mahadev

Darshn from road

25.10.2015 Ramauli Sasur of Sunil Thakur_ Paran without Pradosh Puja

25.10.2015 Makarampur

speech without mike

25.10.2015 Nabada speech without mike

25.10.2015 Darbhanga Donar Industrial stay

26.10.2015 Majhaura Met Pawan Thakur-his anti-BJP attitude did not appeal me

26.10.2015 Mokrampur Muslim mohalla

26.10.2015 Mokrampur meeting in field

26.10.2015 Sajhuwad then met in village a senior person

26.10.2015 Darbhanga Donar Industrial stay

27.10.2015 Bengra chowk Harlakhi constituency

27.10.2015 Dhanauja

27.10.2015 Uchhith Darshn

27.10.2015 Sonai

27.10.2015 Bamrathha

27.10.2015 ....

27.10.2015 Hisar chowk

27.10.2015 Hisar Durgasthan Jibeshwarjik ghar- fer meeting

27.10.2015 Darbhanga Donar Industrial stay

28.10.2015 Ashapur camp

28.10.2015 Haripur Kojagra bhoj_Sunilji's pisiyaut bhaik

28.10.2015 Mahinam Kali Mandir Darshan

28.10.2015 Mahinam Kali Mandir met Mukhiya

28.10.2015 Mahinam met Mahendra Jha Azad, ex MLA, door to door

28.10.2015 Mahinam Hanuman Manir

28.10.2015 Dakhram

28.10.2015 Dharaura chpwk without mike

28.10.2015 Benipur chowk without mike,presided a socialist

28.10.2015 Darbhanga Donar Industrial stay

29.10.2015 Tarauni Dusadhtol, Brahman Tol, Bhagwab Ghar 3 meetings

29.10.2015 Kanthudeeh Dusadhtol

29.10.2015 Majhauda chowk

30.10.2015 Habibhowad

Lakshminarayan Mandir door to door

30.10.2015 Baheda bazar

30.10.2015 Dherukh

30.10.2015 Darbhanga Donar Industrial stay

31.10.2015 Ashapur camp

31.10.2015 Balha

31.10.2015 Belaun chowk

31.10.2015 Belaun Siddheshwar

Darshan from road

31.10.2015 Belaun Gam Sanjay Rikth ghar

31.10.2015 Belaun Dusadhtoli

31.10.2015 Ramauli chowk

31.10.2015 Nabada chowk

31.10.2015 Darbhanga Donar Industrial stay

1.11..2015 Saharghat Netaji chowk

KN jha, Dr.AN Jha, Ramjanki Mandir, meeting

1.11..2015 Balha

1.11..2015 Basuki More

1.11..2015 Bihari Bazar

1.11..2015 Bihari Bazar Durga Mandir

1.11..2015 Madhwapur Hat

1.11..2015 Madhwapur Bazar

saw Indo-Nepal on both sides of road(Madhwapur(madhubani) and Maihani of Mahottari Jilla)

1.11..2015 Madhwapur Gam

1.11..2015 Gangaur Bazar

1.11..2015 Gangaur Hat

1.11..2015 Phulhar Darshan

1.11..2015 Phulhar

1.11..2015 Pipraun -1

1.11..2015 Pipraun -2

1.11..2015 Durgapatti

Durgmandir samne

1.11..2015 Umgaon Ambedkar Chowk met Rajkishor mastar, Shysundar jwelar Thakur ws not in shop

1.11..2015 Umgaon bus stand

1.11..2015 Kalna Mandir chowk

lastmeeting at 755 pm

1.11..2015 Journey_ via Loha

Maithili c Nachari by Kripanand Jha attracted attention

1.11..2015 Darbhanga Donar Industrial stay

2.11..2015 Ashapur camp

2.11..2015 Benipur chowk

Sunilji's shop- time wsted

2.11..2015 Darbhanga Donar Industrial stay

3.11.2015 Journey_17008

3.11.2015 Ranchi

189 24.11.2015 Simariaghat Ganga Arati,

25.11.2015 Simariaghat meeting

25.11.2015 Simariaghat

Gangasnana,

25.11.2015 Simariaghat Executive meeting- Mithila shiksha manch avam Udyog Mithila k sweekriti

190 18.12.2015 Journey_Jasidih_Godda Bus

18.12.2015 Dumariya Sanjeshmohan's father's varshee

19.12.2015 Godda for AMP_Mithila coference on 21.2.2016(could not be done)

19.12.2015 Journey_Mithilanchal Exp

19.12.2015 Darbhanaga stayed at waiting room

20.12.2015 Sakristayed at waiting room till morning

20.12.2015 Journey_Bus

20.12.2015 Nabtol Kathakumbh-2 , DN Jha's V Varshee

20.12.2015 Darbhanga stayed at Vidyapati ders

21.12.2015 Darbhanga stayed at Vidyapati ders

22-23.12.2015 Darbhanga III Sammelan_ Sureshwar Jha inaugurted, Bhimnath Jha chaired second dy

191 26.1.2016 Journey_Train _13024Jamlpur_HWH Exp Transit visit Mithila South

192 8.2.2016 Journey_17008 from DHN

8.2.2016 Darbhanga_Intercity AMIP

8.2.2016 Jaynagar_Bus AMIP

8.2.2016 Pipraun AMIP

9.2.2016 Umgain AMIP

9.2.2016 Harlakhi AMIP

9.2.2016 Bisaul AMIP

9.2.2016 Karuna chowk AMIP

9.2.2016 Kalyaneshwar AMIP
9.2.2016 Kalyaneshwar chowk AMIP
9.2.2016 MahanpurAMIP
9.2.2016 MahanpurAMIP
9.2.2016 Potgah AMIP
9.2.2016 kasera AMIP
9.2.2016 Hurrahi AMIP
9.2.2016 Hisar AMIP
9.2.2016 Jhitaki AMIP
9.2.2016 Khirhar AMIP
9.2.2016 Borhar AMIP
9.2.2016 Sonai AMIP
9.2.2016 Gangaur AMIP
10.2.2016 Fulhar AMIP
10.2.2016 Madhwapur AMIP
10.2.2016 Bihari AMIP
10.2.2016 Charaut AMIP
10.2.2016 Piraokhar AMIP
10.2.2016 Sujatpur AMIP
10.2.2016 Awari AMIP

10.2.2016 Bangra chowk AMIP

10.2.2016 Mela Pokhrauni AMIP

10.2.2016 Dhanauja AMIP

10.2.2016 Uchhaith AMIP

10.2.2016 Uchhaith bazar AMIP

10.2.2016 Madhubani AMIP

193 26.3.2016 Journey_Awadh Assam

27.3.2016 Naugachhiya_Tempo

27.3.2016 Bhagalpur AMP Meeting at Sumanji house

28.3.2016 Journey_Bus

28.3.2016 Purnea AMP Meeting

28.3.2016 Journey_bus

28.3.2016 Forbesganj AMP rest

29.3.2016 Forbesganj Familial

29.3.2016 Journey_Bus

29.3.2016 Singheshwarsthan AMP Meeting

30.3.2016 Singheshwarsthan Personal Darshan

30.3.2016 Journey_Bus

30.3.2016 Kakraul AMP Katha Kumbh-3

30.3.2016 Darbhanga Religious Janki Navah Yagya

30.3.2016 Darbhanga Maithili Sureshwar bauk dwadasha

30.3.2016 Journey_18606

194 17.4.2016 Journey_Tempo_Hajipur

17.4.2016 Journey_Bus

17.4.2016 Muzaffarpur rrannged by Prabinji_uresh roi became District president,AMIP

17.4.2016 Muzaffarpur With chidren

17.4.2016 Journey_Bus

17.4.2016 Darbhanga Mithila Sanskrit Parishad founded

17.4.2016 Darbhanga Udyog Mithia founded

17,4,2016 Journey_Bus

17.4.2016 SakriSuresh Jha of Sohrai_ tension for daughter's marriage

17.4.2016 Kanhauli Bahink ekadashi Udyapan yajnya

18.4.12016 Journey_ShahidEr Adnan of DBG near Pataore, XI std boy Goldy of Dholi

195 28.4.2016-1.5.2016 Shambhuad AMP 69 MWTC

196 16.7.16-17.7.2016 Saharsa_Bus_FBJ

16.7.16 Ramai Sudhirjeek patnee k dwadasha

17.7.16 Train_Purnea

17.7.16 Bus_begusarai

17.7.16 Simariaghat AMP_Ec meeting, Seminar on Kumbh and Nirmal Ganga

197 18.8.2016 Jpurney_Bagh Express

19.8.2016 Ujirapur_Akha JMD

College, MRJanta college, JMD+2 school

20.8.2016 Simariaghat with Sschoudhary

from hathidah with Naginaji, kalpkavi to Bokaro

198 16.9.2016 Journey_Akaltakht

17.9.2016 Mokameh_intercity

17.9.2016 Samastipur_ hasanpur Road

17.9.2016 Patsa 70 MWTC

18.9.2016 Patsa Religious

18.9.2016 Hasnpur Road_Begusarai

18.9.2016 Barauni Premnath Thakur ke bhar

18.9.2016 Barauni Ranjit Miswhra, Khagaria k kashipur k yuva

18.9.2016 Journey_18606

199 14.10.2016 Journey_AkalTakht

15.10.2016

Mokameh_Simaria_Samastuipur_bus

15.10.2016 Samastipur meetig
15.10.2016 Dhurlakh
16.10.2016 Kishanpur meeting
16.10.2016 Darbhanga Mithila Adhvakta Manch founded (arranged by Rajiv karn)
16.10.2016 Darbhanga Mithila Shiksha Manch founded (arranged by Rajiv karn)
16.10.2016 Darbhanga Udyuog Mithila meeting (arranged by Rajiv karn)
200 18.10.2016 Journey_18605
19.10.2016 Darbhanga_bus
19.10.2016 Benipur_Nandapatti Chowk Arranged by Sanjay Rikht
19.10.2016 Nabada Mithilak Vedant_Geeta_Swasthya_Mithila Rajya(arranged by sanjay Rikht)
19.10.2016 Beloun
19.10.2016 Antour Meeting

postponed for morning

20.10.2016 Antour Meeting held (arranged by Sanjay Rikht)

20.10.2016 Darbhanga Mithila Mahila Parishad founded(arranged by Rajiv karn)

Darbhanga Bahin Iondu dera

20.10.2016 Darbhanga Mithila Vyavsayik manch founded(arranged by Rajiv karn)

20.10.2016 Darbhanga Dr NPM k dosar varshee me sammilit

20.10.2016 Darbhnaga Prof Anand k detra _Premji sang

21..10.2016 Bus_ jathi_ Jankpur

21..10.2016 Jankpurdham

21..10.2016 Jankpurdham

22.10.2016 Jankpurdham Meeting

22.10.2016 Jankpurdham Maithil

Sahityakar sabha me mukhy atithio

22.10.2016 Bus_jathi

22.10.2016 Maxi_Umgaon

22.10.2016 Tempo_ Benipatrti

22.10.2016 Benipatti School me Mithila Bal parishad_ fer Mithilak vedant(Mohanji dwaRA AYOJIT)

22.10.2016 Damodarpur Mithila me vedant(Mohanji dwara ayojit)

201 17.11.2016 Journey_Sharmjeevee

18.11.2016 Journey_Bus from Patna

18.11.2016 Jale_Basant address to class IX students

19.11.2016 Darbhanga Release of souvenir(was late)

19.11.2016 Thanpur

20.11.2016 Thanpur MWTC LXXI started

20.11.2016 Patepur Mithila Muslim Manch founded

21.11.2016 Thanpur MWTC 2nd day

22.11.2016 Thanpur MWTC 3rd day (certificates given presuming 19thinformal talks as fi4rst day but is to0 be repeated for a day)

22.11.2016 Journey_Mahnar Rd_ Vidyapatidham

22.11.2016 Bhatgama(Dalsig sarai) Satyanarayan_sameeksha released, MWTC LXXII inaugurated

202 27.12.2016 Journey Returned from Khajauli in Kamla Intercity

28-30.12.2016 Darbhanga_Hariharpur MWTC_LXXIII(Kalpkavi concluded on 31.12_22 certificates)

30.12.2016 Darbhanga baisar for AMP, Darbhanaga with Pratihastji

30.12.2016 Darbhanaga confusion with Antarrashtriy Maithil Parishad by Sanjay Rikth_ strong objection chnged to

Aadarsh maihtil Sammelan

30.12.2016 Darbhanaga met Vijanyjee, Vidyapati family, Adv Sanjay Jha, Indu etc

31.12.2016 Darbhanaga Sudhirjee, Pramodjee, Premjee, Arbind from Kolkata_JJP_ Mithila party be unified to be ratified by each executive before 22nd Jan.

31.12.2016 Journey

203 17.3.2017 late Shaheed Exp at 5 pm on 203rd Mithila Jagran yatra

18.3.2017 SakriSakri

18.3.2017 Jhanjharpur

19.3.2017 Jhanjharpur Katha Kumbh 6_Arhul fool khasi gel padhal

20.3.2017 Madhubani baisar

20.3.2017 Benipatti Press statement, Benipatti sansdeey kshetra bane-sudheerji

20.3.2017 Damodarpur Charcha

20.3.2017 Benipattee Vishram

21.3.2017 Bisfi meeting by Balji ,

bahut safal Shivnarayn Yadv dwara

21.3.2017 Mabbi 75th MWTC started

22.3.2017 Mabbi Mithila Bal Parishad bhor sanjh(MWTC aborted)

23.3.2017 Mabbi Mithila Bal Parishad bhor sanjh(MWTC aborted)

23.3.2017 Mabbi national Engineers' organisation founded

23.3.2017 Darbhanga Office udghatan Dr Kamlkant Jha dwara

23.3.2017 Banauli Nukkad sabha

23.3.2017 Jalwar Vishram

24.3.2017 Jalwar baisar

24.3.2017 Jalwar Deepak infrormed class on Glomerulonephritis on 28th 9am_ asked Deepak, Shweni and Mohan for preparing slides

24.3.2017 Panchibh baisar

24.3.2017 bus for Begusarai

24-25.3.2017 Begusarai II

Adhiveshan_new committees elected

24.3.2017 Simariyaghat Gangasnan Mahavaruni yog me

25.3.2017 Train_Vaishali

25.3.2017 Muzaffarpur BAISAR RAMESH Thakur adhyksh

25.3.2017 Train_BJU_LJN

26.3.2017 Train _ Janta from LKO

204 24.4.2017 journey 15027_Maury

25.4.2017 Samstipur platform

25.4.2017 Darbhanga platform with premji Distributed Maithili Sandesh, pamplet for AMIP

25.4.2017 Sakriplatform with Premji Distributed Maithili Sandesh, pamplet for AMIP

25.4.2017 Majhaura Ma Janki mahayagya Distributed Maithili Sandesh, pamplet for AAMP

26.4.2017 Darbhanga

Distributed Maithili Sandesh, pamplet for AAMP

26.4.2017 jouney_14673

205 17.6.2017 Samasipur Premjit State Gsey, Salim SPJ dist adhyksh

17.6.2017 Haripur Elot

Haripur Elot, Premjit ghar

18.6.2-17 Bideshawr Sthan

Kalpkavi Sarsab s sang Bideshawr Sthan

18.6.2017 Ujan Kathakumbh _7 _ Double Halala padhal Ujan- Kiranji ghar

18.8.2017 Journey_Patna by bus-18623

206 21.6.2017 Journey_15027 NL Dasjik tesar Varshee

22.6.2017 Darbhanga Mithila Patrakar Manch sthapana_ III,IV Vinay tarun Puraskar del gel

22.6.2017 Chahuta 75th MWTC

started, PK Prem upasthit

23.6.2017 Chahuta-Kamtaul-Chahuta 75th MWTC

24,6.2017 Chahuta-Kamtaul-Ahiyari-Chahuta 75th MWTC, lectures and Mithilkshar in both schools(with Kalpkavi),Narendra Thakur, Dr Kavishwar s bhent Ahiyari, Umesh Mand came

25.6.2017 Chahuta 75th MWTC concluded_9 certificates chief guest, ex Principal Kumarkant Choudhary, Pratihastji present

25.6.2017 Ahiyari- Gautamkund

25.6.2017 Benipatti statement

25.6.2017 Saurath Spoke few minutes, Gaurav, Keshav, sudarshan me,Shantiji, BK jha too

25.6.2017 Madhubani Place not on highway but ..

25,6.2017 Ranti_madhubani

26.6.2017 Journey_ Shahid

pramodji, Dr Shantiji(upto Samastipur)

207 19.7.2017 Journey_15027

20.7.2017 Samasipur AP despatched

20.7.2017 Samasipur

20.7.2017 Ujiarpur Mithila Muslim Manch I conference

20.7.2017 Dalsingsarai

20.7.2017 Journey Premji k sang

21.7.2017 Naugachhia

Rudrabhishek aa prawachan del

22.7.2017 Jaynagar CEC meeting

22.7.2017 Dalsingsarai Sudhirji sang_ varsha ratime

23.7.2017 Samastipur Mithila Manthan, Ratneshwar, Bharti, Renu jha, Premjit participated_inconclusive

23.7.2017 Simri MWTC_76

24.7.2017 Simri MWTC_76, Geeta prawachan

25.7.2017 Simri MWTC_76.

Kathopanishad prawachan

26.7.2017 Simri MWTC_76

26.7.2017 Muzaffarpur Baisar

26.7.2017 Journey_Shaheed

208 13.9.2017 Train_jasidih AMIP_ at station

209 8.12.2017 Journey_12318

9-10.12.2017 Simariaghat AMIP Baisar

210 25.10.2017 Mokamen_Simariaghat Chhathi Arghya Tulark Kumbh me

26.10.2017 Simariagjhat Chhathi Arghya Tulark Kumbh me

211 22.12.2017 Journy_12392_BE_PNBE

23.12.2017 Bus_DBG

23.12.2017 Darbhanga MRNS_V Sammelan

23.12.2017 Kanhauli_ train Sakri

24.12.2017 Darbhanga MRNS_V Sammelan

24.12.2017 Darbhanga Prabhakar Jha inducted as secretary,AMIP

24.12.2017 Darbhanga Religious

24.12.2017 Darbhanga Talk with MRNS President Dr. Dilip Jha, introduced with Dr Ram Shankar Jha for National Verinary Orgnisation(NVO)

24.12.2017 Darbhanga Vinay, Vidyapati, Indu dera, rest at Vidyapati's

212 8.1.2018 Journey_18619

9.1.2018 Banka by car With R pandey,President,SwP

9.1.2017

9.1.2017 Banka Kisan Dharna

9.1.2017 Banka meeting

9.1.2017 Bhagalpur meeting

213 27.2.2018 Muzaffarpur

27.2.2018 Journey_Bus_Bithouli

27.2.2018 Bharwada Unsuccessful MWTC 77_ general session-Rajiv &

Kalpkavi

28.2.2018 Bharwada Katha Kumbh-9, Kamalkantji, Sadre Gauhar, Narayn Yadav read

214 12.3.2018 Journey_Kiul_07007

12.3.2018 Laheiasarai

13.3.2018 Darbhanga

13.3.2018 Simri_Madhopur

13.3.2018 Muzaffarpur

14.3.2018 Journey_Vaishali_LKO

215 25.3.2018 Saharsa Panchvati_Bathara

25.3.2018 Sardiha Ananatk gaon

26.3.2018 Madhepura Madhepura College

26.3.2018 Madhepura Singheshwar Hos

216 26.4.2018 Samstipur_janki Premji came at SPJ

26.4.2018 Madhubani complained for Maithili announcement first, Maithili upper in station name and in MDB paintings 2 night journey

26.4.2018 Madhubani Mithila adhivakta Manch meeting, Mithila Adhiwakta Lipik Manch founded

26.4.2018 Samaul Deepu's marriage, did not go barati as high level indirect dowry marriage

217 29.5.2018 Simariadham Afiter Raggir Malmas camp 2 night journey

218 22.6.2018 Darbhanga 6th Vinay Tarun Puraskar

23.6.2018 Phulhar With Rajiv2 night journey

24.6.2018 Bisaul Ghutnu babu Jiladhyaksh AMIP

25.6.2018 Samastipur premjit Secy,AMIP appointed. Sudhirjee sang2

night journey

219 1.9.2018 Simariaghat_Bus_BGS_tain KGH_

1.9.2018 Madhepura

1.9.2018 Saharsa Late LN Jha's condolence with Premji

1.9.2018 Saharsa Ranvijay Raj, Balaji

1.9.2018 Journey_Janhit

Kamlamohan Chunnu ohi coachme

220 9.10.2018 Journey_Awadh Assam

10.10.2018 Muzaffarpur_bus

10.10.2018 Madhubani

10.10.2018 Koilakh Bhadrakali Natya Parishad 83rd anniversary

10.10.2018 Koilakh

10.10.2018 Koilakh

11.10.2018 Koilkh

11.10.2018 Arer

12.10.2018 Akaur- Manpaur- Kesuli- Akaur

13.10.2018 Arer-Nagdah-Balain-Bishnupur-Arer

14.10.2018 Umgaon-Bisaul

15.10.2018 Kalna-Potgah-Harlakhi-Bisaul

15.10.2018 Harlakhi- Dhakjari-atrauli-Navkarhi- Bhudhgan-Karhi-Nagwas-Atrauli

16.10.2018 Madhubani

Malangiyajis bhent

16.10.2018 Bhitthi

16.10.2018 Samaul

17.10.2018 Hariharpur Manikantjis 25 varshk samprk par pahil bhent

18.10.2018 Pindaruchh

18.10.2018 Muzaffarpur Suresh Raik ghar

18.10.2018 Journey-Awadh Assam

221 19.11.2018 Journey_12392

20.11.2018 Journey_BKP-Hathida

20.11.20118 Simariaghat gangasnan

20.11.20118 Simariaghat Seminar_Kumbh etc, AMIP,AMP meetings

21.11.20118 Simariaghat Jaikant Mishra Jayanti_buddhinath Mishrak adhykshata me

21.11.2018 Begusari_ Inspector saahbe k gam

21.11.2018 Jaimangalagarh

21.11.2018 Trin_BGD_KiR Bablujee snag

22,11,2018 Train_KIR_FBJ

22.11.2018 Forbesganj

22.11.2018 Forbesganj Home after a lonhgtime, met Raju Jain in the way

22.11.2018 Bus_Jogbani

22.11.2018 Bus_nepal

22.11.2018 Biratnagar

22.11.2018 BUS_

23-24.11.2018 Kathmandu Role of translation in the development of world literature

23-24.11.2018 Kathmandu

Rajeshwar Nepaliji,Dr Ramchandra Rai, Poonam, Anshu Jha,

24.11.2018 Kathmandu

24.11.2018 Kathmandu Amresh n jha, Gopal J

24.11.2018 Bukathmandu s

25.11.2018 Birganj Sammelan k sambhavana

222 15-17.12.2018 Bhagalpur XXXI AMS

15.12.2018 Journey_12526

16.12.2018 Journey_Kiul_HWH

16.12.2018 Bhaglpur

17.12.2018 Jourey_Farakka

17.12.201 Jaunpur

223 5.1.2019 Journey_12392 Balaji no reply, Sudhirji informed Gadhpura meeting cancelled , hectic efforts to use time anywhere in Mithila

6.1.2019 Khagaria seen some pts in camp, taught students in a night class, Shyama Mausi died yesrday night,could not go Deoghar for creamation

7.1.2019 Katihar Meeting could not be held for Varshee of someone & Brahmin Sabha meeting, stayed with Vivekanada

8.1.2019 Khagaria Bhartiji came, MAITHILI SAMMAN DIVAS & MRSS FOUNDATION DAY

8.1.2019 Saharsa MAITHILI SAMMAN DIVAS & MRSS FOUNDATION DAY

8.1.2019 Journey_13205

224 22.1.2019 Journey_Intercity Darbhanga_Tempo

22.1.2019 Singhwada MWTC_77

23.1.2019 Singhwada talk on health, career & Mithila

24.1.2019 Singhwada talk on health, career & Mithila

24.1.2019 Singhwada MWTC_77 concluded _6 prashikshit

24.1.2019 Darbhanga_Tempo

25.1.2019 Journey_13044

25.1.2019 Deoghar

25.1.2019 Deoghar

25.1.2019 Deoghar Lecture on'Sanskritik Rashtravad"

25.1.2019 Deoghar

26.1.2019 Deoghar

26.1.2019 Deoghar

26.1.2019 Jouney_12303

225 15.3.2019 Journey_Awadh Assam

16.3.2019 Khagria Ratneshwar rejoined,(JJP candidate),Umesh Bharti too candidate Khagaria, Yogi Jank convenor,

Election campaign committee. Premji also present,Pravinji also present

16.3.2019 Journey_pass

16.3.2019 Samstipur with Ratneshwar Jha,

16.3.2019 Samstipur HR Sonia sent flight ticket to return for MCI Inspection

17.3.2019 Journey_Purvanchal exp

17.3.2019 Muzaffarpur Stayed almost awoke on plat-1, moring came Suresh Rai in Durga Mandir

17.3.2019 Jouney_Pass 755am

17.3.2019 Hajipur route blocked, late, refunhd zero in Saptkranti other tickets of 22 & 25 March cancelled

226 8.4.2019 Journey_Intercity

8.4.2019 Bhagalpur Meeting

9.4.2019 Bus_araria Contacts

9.4.2019 Bus_Forbesganj Home visit

10.4.2019 Forbesganj Sudhirji

10.4.2019 Forbesganj Teju master came

10.4.2019 Bus_Jhnajharpur rested

11.4.2019 Bus_Samaul Lalkakaa's third Varshee

12.4.2019 Madhubani ticket cancelled MTJ-BDTS, Ratnesh came to take up

12.4.2019 Jhanjharpur

12.4.2019 Kaithinia Bhojan

12.4.2019 Madhubani Dilip Jha, Kedra Jha, Shyamsundarjee etc.

12.4.2019 Madhubani Proof

12.4.2019 Parjuari First visit to Parjuari

13.4.2019 Hanumannagar

13.4.2019 Bharam

13.4.2019 Jhanjharpur

13.4.2019 Laxmipur Chowk

13.4.2019 Rahua Bhojan

13.4.2019 Laxmipur Chowk

13.4.2019 Pachahi

13.4.2019 Khairi

13.4.2019 Jhanjharpur

13.4.2019 Naruar Swaym, elder brother

13.4.2019 Pokhrauniu

13.4.2019 Parjuari

14.4.2019 Belhwad

14.4.2019 Balha

14.4.2019 Rajnagar

14.4.2019 Thahar

14.4.2019 Jaynagar

15.4.2019 Duleepatty

15.4.2019 Jaynagar

15.4.2019 Usarahee

15.4.2019 Dhamiapattee

15.4.2019 Simrahee

15.4.2019 Joki

15.4.2019 Mahinathpur

15.4.2019 Chhatauni

15.4.2019 Mahthaur

15.4.2019 Kataiya

15.4.2019 Kauaha

15.4.2019 Basopatee

15.4.2019 Fent

15.4.2019 Kamalpur

15.4.2019 Parjuari

16.4.2019 Hatbaria

16.4.2019 Koriapattee

16.4.2019 Bhaiyapattee

16.4.2019 Belauna

16.4.2019 Bhagwanpur

16.4.2019 Raidhi

16.4.2019 Madhubani Tickets for BSP_Bhandara Rd- CSTM

16.4.2019 Rantee

16.4.2019 Rampattee

16.4.2019 Raghopur-Balat

16.4.2019 Ramkhetaru

16.4.2019 Kaithahee

16.4.2019 Sugauna

16.4.2019 Pachdahee

16.4.2019 Bhagwanpur

16.4.2019 Bhattsimari

16.4.2019 Ghanghaur

16.4.2019 Piparaghat

16.4.2019 Shatghara Nosquit-bitwsevere

17.4.2019 Shatghara

17.4.2019 Dewhar

17.4.2019 Gonouli

17.4.2019 Pastan

17.4.2019 Andhara

17.4.2019 Thadhi

17.4.2019 Bus_Madhubani

17.4.2019 Jouney_Ranchi Exp

17.4.2019 Barauni_Intercity

227 12.7.2019 Journey_18622

13-15.7.2019 Simariaghat Ved seminar

15.7.2019 Jounney_Kol_Sitamadhi-Kamal

16.7.2019 Madhubani without ticket sleeping advanced from Darbhanga

16.7.2019 Kanhauli

16.7.2019 Darbhanga

17.7.2019 Muzaffarpur Dec me rajneta sammelan, Suresh Rai AMIP ayalah

228 Train_Malda_RJPB

25.8.2019 Bhagalpur Condolence meeting of Sr.Jagannath Mishra by Brahman Mahasabha_ I had to speak there.

26.8.2019 Bus

26.8.2019 Purnea Slept at Praveen's house

27.8.2019 Purnea House of Birendramohan Thakur_ could not get father's diary, then Bus

27.8.2019 Bus

27.8.2019 Katihar

AgainCondolence meeting of Sr.Jagannath Mishra by Brahman Mahasabha_ I had to speak there.

27.8.2019 Katihar Stayed Dr Indunath Mishra dera

27.8.2019 Katihar Met Dr.Ajay Bettah of 1973 batvh

27.8.2019 Katihar met Prof. Dileep (masiuat)

27.8.2019 Katihar met Naryan J

28.8.2019 Train

28.8.2019 Kishanganj meeting

29.8.2019 Bus

29.8.2019 Forbesganj

30.8.2019 Forbesganj

30.8.2019 Raniganj meeting

30.8.2019 Raniganj Got call of Shuklajee areound 2 pm to reach Bareilly by morning of MCI inspection which was not possible I told and then again by 6 pm Sonia HR and Rishabh Bansak COAA, RMRI to come anyhow but told it was not humanly possible

31.8.2019 Bus

31.8.2019 Supaul Meeting of staff

by Incharge Prof Bhupendra Yadav though Prof Henkant Yadav couldnot help though attended

31.8.2019 Supaul Seaearching Kedar Kanan's house Incidently reached Ashich Chaman's house abd stayed there ;he had seen me in one katha goshthi, evening Arvind Thakur's house long talks,

1.9.2019 Bus

1.9.2019 Madhepura For the first time was humiliated sternly by some Bamsafe persons in the meeting simply because I was a Brahmin yet meeting was held.

1.9..2019 Train

2.9.2019 Saharsa Eamanji couldn't arrange meeting, asked Vivekanand for Khagria he asked to come

2.9.2019 Train Hatey Bazare_Mansi_ tempo

2.9.2019 Khagaria

2.9.2019 Khagaria throgh lecture msg , one floor of the building under flood water

3.9.2019 Train_SPJ_Maxi

3.9.2019 Ujiarpur II Conference of Mithila Muslim Manch

3.9.2019 Akhaagain field defecation otherwise very co-operative and respectful

4.9.2019 Train_BaghExp

4.9.2019 Muzaffarpur Sharda babu dera, had plaster , was uncomfortable with me as a guest at noon came out and sat at Pani Tanki garden till 4 pm inberween a young buy tried to snatch my new Ashush phone but was not successful due to my luck and could know about that at meeting when his father called me about hin from Hazipur.

4.9.2019 Muzaffarpur Rameshji dera meting, Amarnath Jha and

4.9.2019 Muzaffarpur Vijayendra Jhaji k sang_dormitry me rati bitebak partham anubhav

5.9.2019 Train

5.9.2019 Dalsingsarai Shikshak Divas me atithi

5.9.2019 Car

5.9.2019 Bhagwanpur Mithila Shiksha Manch k sang_ sanskrit me Shikshk divas par bhashan

5.9.2019 Car_SPI_ Gangasagar

229 1.10.2019 Train_Mansi_Tempo

1.10.2019 Khagria

2.10.2019 Khagaria

2.10.2019 Train

2.10.2019 Barauni_Alapur Premji, sudhirji

2.10.2019 Bhagwanpur Mithila salit Manch k sthapana_

2.10.2019 Car _Salsingsarai

2.10.2019 Train_Gwalior Ratnesh ke

2000 Rs del Janganana parcha lel

2.10.2019 Train _Gwalior

2.10.2019 Muzaffarpir_15202

230 5.10.2019Journey_

6.10.2019 Train_MFP

6.10.2019 Bus-Mabbi_Basitha

6.-7.10.2019 Sarmodarpur

8.10.2019 Bus_Darbhanga

9.10.2019 Darhar Kahunak kichhu lok_Rajivk bahut mehnat

9.10.2019Train_sakri

9.10.2019 Kanhaull

10.10,2019 Train_LSI

10.10.2019 Darhar Mahila parishad k meeting bhel

10.10..2019 Darbhanga

231 22.11.2019 Barauni Meeting

22.11.2019 Gwalior Mail

22.11.2019 Samstipur Rajeev_ Bisfi dates 25-26 Dec

232 20.12.2019 Katihar_Pass

20.12.2019 Forbesganj Mother's

XIV Varshee, night stay Sudheerjee's house

21.12.2019 Forbesganj
Mangalchandji, Nikmalji
22.12.2019 Dholbajja meeting
23.12.2019 Forbesganj mer Rajkumar Jain also
23.12.2019 Bus_Sakari
23.12.2019 Kanhauli
24.12.2019 Train_Gangasagar
24.12.2019 Darbhanga Rajeev Karn came to meet
25.12.2019 Tempo_Bisfi
25.12.2019 Bisfi XXXII AMS_ Udghatan Bachaulji dwara
26.12.2019 Bhairba
26.12.2019 Bisfi XXXII AMS_
26.12.2019 Temp_MDB
26.12.2019 Chakdah Pramodji mataka ekadasha _ Premji, Kishnmurari sang

27.12.2019 Rajnagar Madhubani Literature Festival

27.12.2019 Chakdah Pramodji mataka dwadasha _ Premji, Kishnmurari sang

28.12.2019 Train_pass

28.12.2019 Samastipur I Karyakarta Prashikhan Shivir

28.12.2019 Train

28.12.2019 Rosera Night stay, Dr. Gopal came to receive

29.12.2019 Rosera addressed students and seniors_PREMJI, kmj

29.12.2019 Bus-_DSS Night stay, Dr. Gopal came to receive

30.12.2019 Dalsingsarai Puraskar vitaran_MSM

233 21.1.2020 Jourmey_Capital Exp

22.1.2020 Katihar_Pass

22.1.2020 Dholbaja Taranad J nahi ayalah station

22.1.2020 Forbesganj

23.1.2020 Forbesganj Babujik Ekoddesisht

23.1.2020 Raniganj

24.1.2020 Bus_Madhepura

Karpoori Jaynati me Mithila Rajya par Dr.Ashok Yadavk hunkar

25.1.2020 Bus_Sdaharsa Yogi jank sang Bangaon tak

25.1.2020 Bangaon Shashidhjarji Sanmyojkak_Vishram Parasji(f/o Neelmani) ghar

26.1.2020 Bus_Jhankharpur

26.1.2020 Paitghat Ghoortar meeting_Ganpati J candidate

26.1.2020 Jhjanjharpur

27.1.2020 Bus_Madhubnani

Anand sang, Ek votek lel k chhapai

27.1.2020 Tempo_Kaluahi

27.1.2020 Bus_Bishaul Ghoortra meetinmg, Ghutnu bnabu candidate

28.1.2020 Bus_Patna

234 23.2.2020 Journey_Capital

23.2.2020 Journey_Gangasagar

23.2.2020 Darbhanga College Foundation Day

23.2.2020 Darbhanga College Foundation Day_addressed and met NMO workers, Dr RKDAs, Dr Sushil K, Ritu etc.

235 25.2.2020 Darbhanga met Kiti, Ajay jha, tarun palit etc.

25.2.2020 Train_Sakri

26.2.2020 train_DBG

26.2.2020 Darbhnga Executive committee, Mithileshji dera

26.2.2020 Darbhanga

27.2.2020 Train_DSS

27.2.2020 Ajanaul Prashikshan Varg

28.2.2020 Train_pass

28.2.2020 Samastipur Ratneshwar, Bhartiji, Sudhirjee

29.2.2020 Train_Gondia

Train_Gondia

236 3.3.2020 Train_Katihar

4.3.2020 Pass_FBG

4.3.2020 Forbesganj met Yamunaji, Teju

4.3.2020 Bus_Rajie

4.3.2020 Hanumannagardarshan

4.3.2020 Raje Banlujik pitajik dwadasha

5.3.2020 Jhnjharpur

Kathakumbh-11; Maliksabhk driver kath padhal

6.3,2020 Madhubani Proof

6.3.2020 Train_Jaynagar

6.3.2020 Jaynagar IB interrogation

7.3.2020 Jaynagar IB interrogation for Mithila Rajya

7.3.2020 Bishaul Pjankpur parikrama darshan

7.3.2020 Bishaul Ghutanu babu

sang charcha

7.3.2020 Jaynagar charcha

8.3.2020 Jaynagar Narayan Yadav ji sang charcha

8.3.2020 Train_Kolkata_DBG

8.3.2020 Train_Jannatayk

9.3.2010 Sagauli

9.3.2020 Sugano Pahil Champaran sampark

10.3.2020 Train_Satyagrah_BE

237 20-29.3.2021

20.3.2021 Train

21.3.2021 Muzaffarpur Sudhirjee seho,Ajayji

22.3.2021 Muzaffarpur Dr P labh adhyaksh, Bhati Bihar Adhyksh, Yogi Jank naraj

22.3.2021 D_Pindaruch MWTC-80 prarambh

23.3.2021 Pindaruch MWTC-80

24.3.2021 Darbhanga DEC _Dr Achintya_ PPt presentation Mithila

Sustainable development

24.3.2021 D-Pindaruch

25.3.2021 Pindaruch MWTC-80 concluded

25.3.2021 Bus

25.3.2021 D_Kasraur MWTC-81 prarambh

25.3.2021 D_Kasraur

26.3.2021 D_Kasraur MWTC 81

27.3.2021 D_Kasraur MWTC 81

27.3.2021 Korthu Undue anger by son of Madhupji

28.3.2021 D_kasraur concluded 41 children = 3 adults

28.3.2021 Tempo Bahin ghar

29.3.2021 Train _Shahid

30.3.2021 BE

238 31.10.2021 Simaria_Saharsa AMIP

1.11..2021 Mahisi_Bangaon

Maithili Sammelaan 2 night journey

239 23-25.4.2022 Saharsa-Mahisi 33 AMS

240 23.5.2022 Journey_Koshi

Umeshchandra Bharti joined Simri Bakhtiyarpur

24.5.2022 Madhepura

24.5.2022 Madhepura night stay KK marriage Hall

25.5.2022 Journey_DMU

25.5.2022 Purnea

25.5.2022 Purnea

26.5.2022 Journey_Pass

26.5.2022 Forbesganj

Gopalbabu's, Rajesh' Yamunaji dera

26.5.2022 Jourmney_Seemanchal

27.5.2022 Khagaria

27.5.2022 Khagaria addressed students

27.5.2022 Khagaria addressed students

27.5.2022 Khagaria

28.5.2022 Journey_Koshi

28-30.2022 Simariaghat

30.5.2022 Barauni Ashok pathak's Varshee

31.5.2022 Journey_Janhit

31.5.2022 Patna

31.5.2022 Journey_Shramjeevi

15.7.2022 Forbesganj House was demolished by Rakku Singh

241 20-28.7.2022

20.7.2022 12488

21-27.7.2022 Forbesganj

Familial,PS,SDO office 107

27.7.2022 12487

Patna

28.7.2022 12369

19.8.2022 Varanasi Joined HIMS

242 9.9.2022 12488_DDU_FBJ

10.9.2022 FBJ PS Janadalat

10.9.2022 12487_FBJ_DDU

243 19-25.9.2022

19.9.2022 13484

20.9.2022 MaldaTown(MLDT)

20.9.2022 Adaidanga Adaidanga

21.9.2022 15658

21.9.2022 Bhagalpur Dr.Kiran Ravindra

21.9.2022 Bhagalpur Ananda gareen,Tulsipur

21.9.2022 13483_Kiul

22.9.2022 13019_MFP

22.9.2022 Muzaffarpur Bihar University,Maithili dept

22.9.2022 Bus_Darbhanga

23.9.2022 Darbhanga AB MSS_Dighi

23.9.2022 Madhubani RK College,M Punarjagran_Ranti

23.9.2022 Kapileshwarsthan Mandir Pradosh darshan

23.9.2022 Darbhanga Indu dera
24.9.2022 Bus
24.9.2022 Benipatti Sansari Pokhari lag
24.9.2022 Bus
24.9.2022 Seetamadhi Basant Mishra dera
25.9.2022 Train_Dbg_SPJ
244 16.10.2022 Barauni
16.10.2022 Simariaghat
245 15.11.2022 Gondia exp_SPJ
16.11.2022 Dalsingsarai addressed students
16.11.2022 Dalsingsarai Rastriya patrakarita Divas
16.11.2022 Kamla_Ganga Exp
17.11.2022 Jaynagar Dr Dayakant Jeebeshwar Prartihast
17.11.2022 Jaynagar
17.11.2022 Bus_Kaluahi
17.11.2022 Kaluahi

18.11.2022 Kaluahi

19.11.2022 Kaluahi

19.11.2022 Madhubani

19.11.2022 Kaluahi addressed students

20.11.2022 Kaluahi samapan 19 certificates KKJ, Narayn Yadav

20.11.2022 Bus_Kudhani

20.11.2022 Bakarpur

21.11.2022 Bakarpur

21.11.2022 Bakarpur interview chhanels

22.11.2022 Kudhani interview chhanels

22.11.2022 Bakarpur

22.11.2022 Turki addressed medicos

22.11.2022 Turki prepared slides for MRSS_jaykantbabau

23.11.2022 Bakarpur

24.11.2022 Bakarpur samapan 9 certificates

24.11.2022 Bakarpur interview chhanels

24.11.2022 Bus_Patna

246 15.12.2022 DDU_Seemachal

16.12.2022 Forbesganj

16-19.12.2022 Sijhua 90 MWTC

17.12.2022 Sijhua Father's varshee

19.12.2022 Forbesganj

19.12.2022 Bus_Bhaptiahi

19.12.2022 car_Saharsa

19.12.2022 Saharsa

20.12.2022 Saharsa Narayan Medical College

20.12.2022 Saharsa Met Dr Swatantraji

21.12.2022 Bus_Supaul Via Baluaha first time

21.12.2022 Darbhanga

22.12.2022 Darbhanga Vi MRSS sammelan

22.12.2022 Scorpio_Chkdah

22.12.2022 Chakdah

23.12.2022 Chakdah Talked with children

23.12.2022 Tempo_Loha

23.12.2022 Loha_Narhi 91 MWTC

23-26.12.2022 Narhi 91 MWTC

26.12.2022 Madhubani proofs

26.12.2022 Madhubani Maithili Punarjagran Prakahsh

26.12.2022 Gangasagar EXP_DSS

27-30.12.2022 Dalsinghsarai 92 MWTC

30.12.2022 Dalsinghsarai Vimochan, ULAHNE

31.12.2022 Dalsinghsarai Mithila Arthik Manch founded

31.12.2022 Dalsinghsarai Condolence for Arun K Jha

31.12.2022 Dalsinghsarai Kannauj Utkarsh Parishad IV Foundation day

31.12.2022 Samastipur Jila samiti

formed

31.12.2022 Train_Swatantrata Senani exp

1.1.2023 Varanasi

247 15.1.2023 Journey_Valsad MFP

16.1.2023 Journey_Bus_MFP_DBG_Bhitthi

16.1.2023 Sembhuad 95 MWTC slept in office

16.1.2023 Sembhuad addressed teachers and students

16.1.2023 Kaitola

16.1.2023 Samaul Slept Mohan Bhaiya's home

17.1.2023 Samaul

18.1.2023 Sembhuad

18.1.2023 Kaitola Lecture to 2019 batch CNS slept Shankar Thakur's home

19.1.2023 Sembhuad 95 MWTC concluded_4 cerificates

19.1.2023 Bus_Dilli More

19.1.2023 Tempo_ladari 96 MWTC started Shardchandra jah f/o late Swami Aseemanand's home

20.1.2023 Ladari Ekoddisht Babujeek

21.1.2023 ladari addressed students

21.1.2023 ladari MWTC

22.1.2023 Ladari 96 MWTC concluded _9 certificates

22.1.2023 Train_Jyg_Kol

22.1.2023 Jhajha MWTC started

23.1.2023 Jhajha addressed students

24.1.2023 Train_Jasidhih

24.1.2023 Tempo_Deoghar

24.1.2023 Bus_Godda 97 MWTC started

25.1.2023 Godda addressed students

25.1.2023 Godda 97 MWTC

26.1.2023 Godda Republic Day

26.1.2023 Godda

26.1.2023 Godda Priest rol for 2 Dom's sarswati Pujan

26.1.2023 Godda 97 MWTC Concluded_4 certificates

26.1.2023 Godda Harshit Ananad s/o Chennai's Pradeep Jha's janeu then Bhoj

26.1.2023 Godda Mela_Gantantra Diwas sapatah

27.1.2023 Godda Priest rol for 2 Dom's sarswati Pujan Visarjan

27.1.2023 Bus_Devghar

27.1.2023 Devghar Darshan exit route Pappu Panda only Rs 50 gave tight pocket

27.1.2023 Devghar Met students of Bihar & Jharkhand_2022 batch_Dr.Anoop Physio

27.1.2023 Train_Jasi_Jhajha

27.1.2023 Jhajha No session of

MWTC

28.1.2023 Jhajha 98 MWTC concluded_11 certificates

28.1.2023 Train_Hathidah

28-31.1.2023 Tempo_Barauni

Shishir Navratra

28-31.1.2023 Barauni 99 MWTC_nameshake_ 1 certificate only

30.1..2023 Alapur addressed students

30.1.2023 Alapur Met Sanjay Shastriji

31.1.2023 Train_Samastipur

31.1.2023 Train_Swatantrata Senani exp

248 15.2.2023 Seemanchal

16.2.2023 Forbesganj Adhar correction

16.2.2023 Bus_Kanhauli Saraswat Coaching

17.2.2023 BUS_Tempo Saraswat Coaching

18.2.2023

18.2.2023 Mahashivratri Sarveshwardham

19.2.2023 JankiEXP

20.2.2023 MWTC 100 concluded

20.2.2023 Kauahi_Basopatti

20.2.2023 Basopatti addressed students_HM disrespectful

20.2.2023 Kalna

20.2.2023 Bisaul addressed schools_teachesrs happy

20.2.2023 Bisaul

21.2.2023 Bisaul Katha kumbh 13

21.2.2023 Car_JYG_SS EXP

21.2.2023 Darbhanga

22.2.2023 BUS_Madhubani

Visited land , met Vivek(reena's nephew)

22.2.2023 Madhubani taken class

22.2.2023 Bus_Darbhanga

23.2.2023 Darbhanga CFD,NMO

24.2.2023 Tarin_Hyd exp

24.2.2023 Jasidih_Deoghar Rush _No darshan

24.2.2023 Deoghar NO Principal_VP was manipulated y clerks ,no class was given

24.2.2023 Deoghar talked clerks Incidenatally KK Thakur met as Registrar

24.2.2023 Deoghar adressed students, incidentally met Pathkji's nephe from Bharhara

24.2.2023 Deoghar addressed students

24.2.2023 Deoghar attanded marriage of the granddaughet of Mithilesh mishra,RNC,Survey of India

25.2.2023 Maurya Exp

25.2.2023 Samastipur Premji met

25.2.2023 Dhurian_LSI_tempo

25.2.2023 Tarlahi

25.2.2023 Tarlahi addressed Class IX,boys and girls separately HM cooperative

25.2.2023 Ojhoul Dwadasha riverside,Gabbu etc.

25.2.2023 Tarlahi 101 MWTC started

26.2.2023 Tarlahi 101 MWTC Many came in moring_ stay shifted to Rappukar rai's residence

27.2.2023 Tarlahi 101 MWTC_Cool response no effort by Ganesh Chy,nor he came,poor response,gripped flue

28.2.2023 Tarlahi 101 MWTC concuded formally

28.2.2023 Tarlahi addressed one class-teachers coperative

28.2.2023 Tempo_SPJ Flue gripped

28.2.2023 BJU_ADI
1.3.2023 DDU_Tengra_bhadwar

249 19.3.2023 J_Valsad-MFP
20.3.2021 Bus_DBG
20.3.2021 Car_Sonki With UK Jha,BE
21.3.2023 Darbhanga dharna led by Rammohan Jha
21.3.2023 J-LSI_MBI
21-24.3.2023 Samaul 102 MWTC

23.3.2023 Foundation Day
21-30.3.2023 Samaul
Kalashsthapan, first time 10 days in village after MBBS in1980
25.3.2023 Sijhaul lecture on ,"Agriculture & devp of Mithila"
25.3.2023 Sahuria Nabtoli Sagar rati deep jaray, Cyber crime story wrote & read
26.3.2023 Samaul
26.3.2023 Kharra good meeting

with Muslims

27-30.3.2023 Birsair 103 MWTC

31.3.2023 SarisopahiFoundation Day with Kalpkavi, leat attandance

31.3.2023 SarisopahiHealth talk with teachers

31.3.2023 SarisopahiMaithili sahitykar Parishad Foundation day_mention only

31.3.2023 SakriGuddu came

31.3.2023 J_12561

1.4.2023 Varanasi

250 15.4.2023 30.4.2023 Seemanchal

16.4.2012 26.4.2023 Ramai

21.4.2023 Forbesganj

Beena Medical

22.4.

23.4

24.4

25.4

26.4

27.4

28.4

29.4.2023 Bus-Sakri_MBI

29.4.2023 Madhubani Thana

29.4.2023 Madhubani Town Hall-Janki Navmi

29.4.2023 Samaul

30.4.2023 Madhubani

251 15.5.2023 31.5.2023 Seemanchal

27.5.2023 Madhubani Thana

Madhubani Neetu jha mayor CAMPAIGN

28-5.2023 Nanaur Katha Kumbh 15

28.5.2023 Gonauli Kamnluji gam

28-31.5.2023 Madhubani

Neetu jha mayor CAMPAIGN

252 15-30.6.2023 15.6.2023

Seemanchal

16-17.6.2023 Forbesganj

17.6.2023 Journey_Janki

18.6.2023 Mehath

Kashinathji Katha kumbh

19.6.2023 Forbesganj

20.6.2023 Forbesganj

21.6.2023 Forbesganj

22.6.2023 Forbesganj

23.6.2023 Forbesganj

24.6.2023 Forbesganj

25.6.2023 Forbesganj

24.6.2023 Forbesganj

25.6.2023 Forbesganj

26.6.2023 Forbesganj

27.6.2023 Forbesganj

28.6.2023 Forbesganj

29.6.2023 Forbesganj

30.6.2023 Madhubani

253 15-31.7.2023 15.7.2023

16.7.2023 Navgachhia

Rudrabhishek, was alte due to Premji's late comimng train

16.7.2023 Bhagalpur meeting, met Dr Kiran 1973 batch

17-29.7.2023 Forbesganj

30.7.2021 Dalsingsarai Katha Kumbh XVI, meeting VIP, Pagda rest

31.7.2023 Ujiarpur

SSC,Amarnath Thakur,Premji

31.7.2023 Samastipur

Waiting room

254 15-31.8.2023 15.8.2023

16-22.8.2023 Forbesganj

20.8.2023 Purnea XIII Vinay Tarun Puraskar-Shreenayak Hotel

22.8.2023 Journey_15283

Purnea Jn

23.8.2023 Darbhanga She with rajkumar,tarini and Bhawani didi went Forbesganj under conspiracy sold

motheland to brokers;severed all relations with them-Indu dera last time in life

23.8.2023 Keoti addressed students, with Rajiv High school

23.-26.8.2023 Bisfi 104_MWTC at Bhagwatisthan- Shivshankar babau dera

24-26.8.2020 Bisfi Shivshankar babu dera

26.8.2023 Bisfi addressed students with Rituraj-Vidyapatii+2 school

27.8.2023 Journey tempo Aunsi zeromilw ,Bus

27.8.2023 Madhubani Kathakumbh-17- Dhanakar's room

27.8.2023 Journey JYG-HWH_SPJ,GWL BJU

27.8.2023 Dalsingsarai Somvari karmaria rush-Parshuramnagar

28-31.8.2023 Dalsingsarai 105 MWTC_5 cerificates-

Parshuramnagar

28.8.2023 KamaraonPratibha samman- Ucch Vidyalaya

30.8.2023 Dalsingsarai

Inauguration-Shantiniketan Digital library

31.8.2023 Journey_12561

255 30.9-4.10.23 28.9.23 J_12392

29.9.2023 Journey_Capital Exp

30.9.2023 KIR-FBG_KIR

Thana,lamd,clinic wIth Shubhji

1.10.2023 KIR_Araiya

Advocate Dukhmochanji with Mathuraji given refential case

2.10.2023 KIR_FBG_Araaria_KIR

2.10.2023 Araria Addressed students

3.10.2013 Journey_KIR_Janki

3.10.2023

Madhubani_Dalsingsarai

4.10.2023 Dalsingsarai addressed students

256 25.10-3.11.23 25.10.2023 J_12392

26.10.2023 Patna

27.10.2023 Simariaghat Kathakumbh-18

27.10.2023 BGS-kir

28.10.23 FBG-KIR Janata darbar

29.10.23 KIR

30.10.23 KIR-FBG_Ramai Sudhirji ghar

1.11.23 Madhubani

2.11.23 Madhubanu SP,SDO

3.11.23 Samaul-Bhitthi

257 26.11-3.12.23 26.11.2023 T_12392 Waiting room

27.11.2023 KIR

28.11.2023 FBG-KIR

29.11.2023 FBG-KIR

30.11.2023 FBG-KIR

1.12.2023 FBG-KIR

2.12.2023 FBG-KIR Met Anil Pankaj near Temple

2.12.2023 T_Janki Janta Darbar.Purnea Janki

3.12.2023 Madhubani Koilalkh

3.12.2023 Kaileshwar d/o Ashok Avichal marraige

3.12.2023 Darbhanga

258 4.1.2023 J-12392

5.1.2024 BKP_Khusroopur

5.1.2024 Simariaghat Mother's 18th Varshee

6.1.2024 Bus_BGS_Demu_KIR

6.1.2924_Capital Exp KIR-FBG_KIR Jan adalat, other's captured home,clinic

7.1.2024 J_ PPTA_ Chandigarh RajendranagarPatna

259 23.1.2024 J_12392

24.1.2024 Patna Bhari din

Shubhji sang cold me

24.1.2024 J_ Capital exp

25.1.2024 KIR_Kol JBN EXP

25.1.2024 FBG_ Ramai

26.1.2024 Ramai

Sudheerjee's fathers'a varshee; Informed to vaccate clinic

27.1.2024 FBG did not bath, Chulbul bhai expired Patana, clinic papersm Thana COdate, clinic vacated ,Journey

27.1.2024 Bus Priya of Niyati Clinc talked first

27.1.2024 Bhithhi objected on loud talks on phone

28.1.2024 Samaul

29.1.2024 Samul

29.1.2024 Madhubani_BUS

Pramodjee and Ghutnu babu,, Shubhjee explained case to pramodjee

29.1.2024 MFP_train BGU_GWL

30.1.2024 Lucknow NMOCON sanketik Prakash pandey satish Singh Baranki doctor

260 3 29.2.2024 J_12392

AIIMs,Patana_Lect.on communication skills and service attitude

1.3.2024 Patna Raj Anand came

1.3.2024 Patna

1.3.2024 J_12346

2.3.2024 Katihar__Kol_FBG

Majhua/Nagar parishad

2.3.2024 Forbesganj

Niyati Clinic first time

2.3.2023 Forbesganj

2.3.2024 J_12487

261 3 18.4.2024 J_13020

18.4.2024 Muzaffarpur

Juranchhapra

19.4.2024 Bus_Madhubani

Chakdah-Pramodji's grandson's

janeu_Sunil Thakur, Vimal Das etc.

20.4.2024 Bus_FBG Thana Clinic

20.4.2024 J_12487_Kanpur

21.4.2024 Bus_Hardoi_SPN_ Banthra

262 6 25.4.2024 J_13020

26.4.2024 HJP_Intercity

26.4.2024 Jaynagar

27.4.2024 Piparatol

27.4.2024 PADMA-Jaynagar-Dulleepattee-barhi-Bbaira Parsa-Pipra tol

28.4.2024 Kamlabadee-Mirjapur chowk-Satghrada-Devhar-Mukteshwarnath-Gonauli-Islampur-Bhupayyee- Rameepattee- balirajgarh-Phulpara- Pipratаol

29.4.2024 Tenuahi-Ladania-Kampattee-Gajhara-Khutauna-Seebipattee-Kahajauli-_Piptatol

30.4.2024 J_Intercity_SPJ

30.4.2024 Samastipur
30.4.2024 J_15203
1.5.2024 Barabanki
1.5.2024 J
263 14.5.2024 J_12392
15.5.2024 J_ BKP_Patna Puri_MKA_Tempo
15.5.2024 Alapur
Ramkatha_janki Navmi 0n16.5
16.5.2024 Alapur_ Barauni-New BJU_Saharasa_train Kirtinaran Mishra,
17.5.2024 Forbesganj
18.5.2024 Forbesganj
Thana again date in janta darbar
19.5.2024 Forbesganj _J_12487
20.5.2024 J_Bus Kanpur to Banthra
264 4 30.5.2024 J_ Gondia BJU Exp_SPJ Dr.Kamalkant Jha expired Delhi,condolence G-meeting 530630PM
31.5.2024 J_SPJ-FBG
31.5.2024 FBG Rested

1.6.2024 FBG Objection to mutation;BDO Shailja Pandey ,IAS Sharrp

2.6.2024 FBG_J_12487

3.6.2024 J_Kanpur_Pass Dr Bhubaneshwar Gurumaita expired Delhi 725 AM, comdolenceG- meeting 430530 on pass train

3.6.2024 Kannauj Kannauj Utkarsh Samiti reconstituted

3.6.2024 Bus_ Jalalanad_tempo_BE More_Bus_Banthra

4.6.2024 Banthra Election results BJP Halted 240/NDA 292.

4 8.6.2024 J_Kashi Vishwanath

9.6.2024 Delhi_Metro NMO CEC at Dr Manish's Hospitalo

9.6.2024 J_Purva

10.6.2024 Danapur_Intercity

10.6.2024 Madhubani_Kaluahi _Deeh tol Dwadasha of Kamalkantji- talk with Binod N J,MLAQ

10.-11.6.2024 Madhubani

Pramodji's home

11.6.2024 Madhubani

Papers for case

11.6.2024 J_12561

28.6.2024 J-12392

29.6.2024

Phulwarisharif_Bachhwara_SPJ_DBG

29-30.6.2024 Darbhanaga

118,Sagar rati-Matreyeek Matritwa-MMTC

30.6.2024 Seetamadhi

Siddhivinayak-Hotel--Ratneshwarji sang -BGS-KGG 2008 Dec k bad pahil ber

1.7.2024 Seetamadhi

Punauradhan_Seeta mata

1.7.2024 Seetamadhi

Siddhivinayaka Hotel-Mithila Democratic Allaince formed_Er Rajkumar paswan convenor

1.7.2024 J- Raxaul-Jogbani

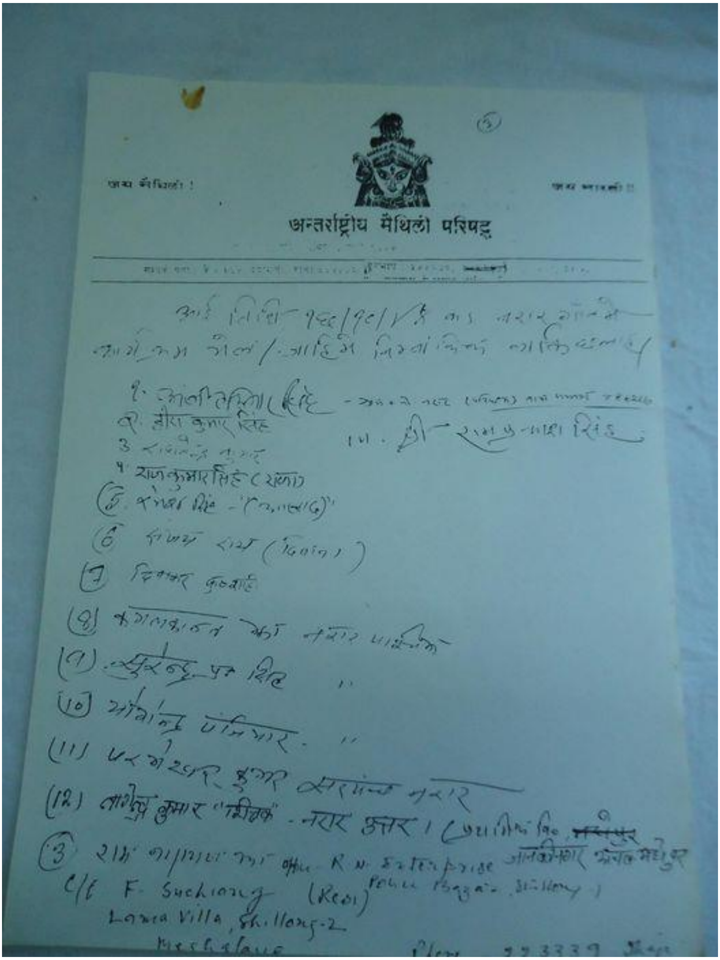
1-3.7.2024 Forbesganj Dr

Prakash Pandey came; retujned from station as ticket was of 3rd July-Niyati Clinic

3.7.2024 J-12387

4.7.2024 J_BUS

Kanpur_SPN_Mini truck_VAMC



जय मैथिली !

जय भारती !!

अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्

सम्पर्क : श्रीकृष्णानन्दझा बनगाम, सहरसा
श्री गुणेश्वरझा महिसी
श्री बबराम मिश्र बनगाम
श्री केदार कानन किसुन कुटीर सुपौल
डा० श्री महेन्द्रझा, सहरसा कालेज
डा० श्री सुभाष चन्द्र यादव
डा० श्री मोतीलाल अकिंचन, निर्मली, पोष्ट कटैया माढ़ै, सुपौल

४. बेगूसराय प्रमण्डल—२५ फरवरी १९९८ सँ १० मार्च १९९८ धरि
सम्पर्क : फजलुर रहमान हाशमी, पानापुर, फातिमा लाइब्रेरी, बाया मझौल
डाक्टर श्री गौरीनाथ झा भास्कर, सरस्वती संस्कृत महाविद्यालय बेगूसराय
श्री कीर्तिनारायण मिश्र बरौनी
श्री प्रदीप बिहारी, बरौनी स्टेटबैंक कालोनी

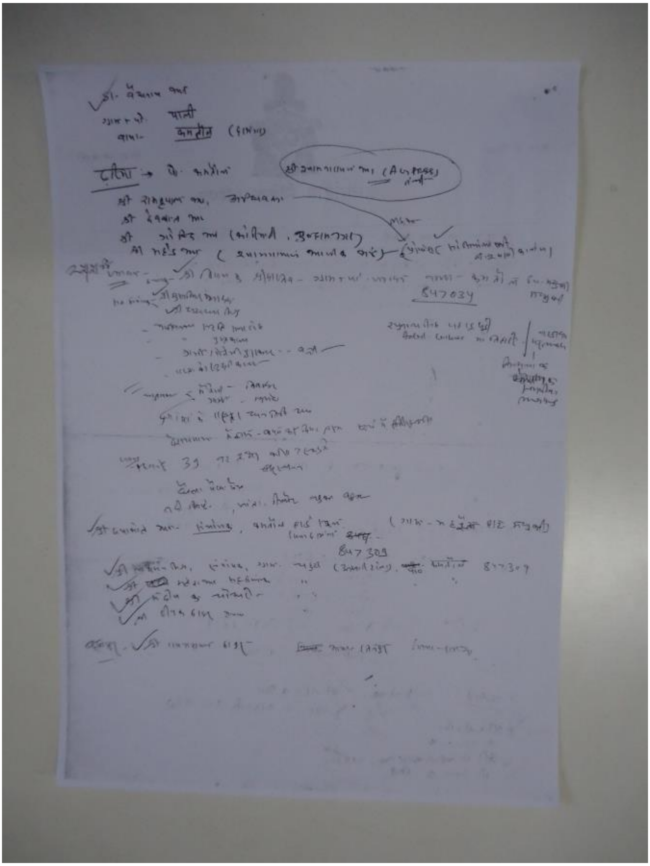
५. मुजफ्फरपुर—११/३/१९९८ सँ २१/३/१९९८ धरि । सीतामढ़ी /३/४/९८
सम्पर्क श्री माहेश्वरलाल कर्ण 'बालेन्दु', कोर्ट,सीतामढ़ी
श्री प्रफुल्लकुमार सिंह मौन, महनार

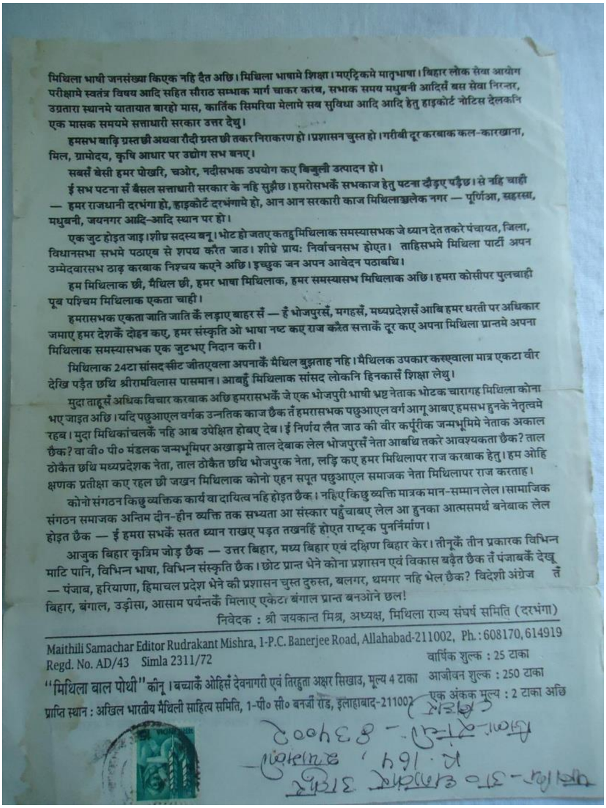
६. दरभंगा—२२/३/९८ सँ ३०/३/९८ धरि एवं १/४९८
सम्पर्क : श्री रामनन्दन राय, लक्ष्मीपुर ककोरवा द्वारा बिरौल, दरभंगा
डा० श्री दिनराज शाण्डिल्य, संकटमोचन, हड़ाही, दरभंगा

७. बरौनी ६/४/९८
८. सुखसेना ११/४/९८
९. खड़हरा १७/४/९८
१०. जमशेदपुर ओ धनबाद तिथि पश्चात् निर्णीत होएत ।
११. रांची मैथिली दिवस ५/५/९८
१२. कटिहार—१४/४/९८ सँ १५/४/९८
१३. दिल्ली—कलकत्ता—हैदराबाद पश्चात् तिथि घोषित होस्त ।
१४. मधुबनी जयनगर—पश्चात् तिथि घोषित होएत ।

सगर राति दीप जरय

ई कार्यक्रम १ दिसम्बर १९८९ कें "किरण" जीक जन्मदिवस पर मैथिली जगतमे क्रांतिकारी दीप जराए लेखनद्वारा ज्योति बारबाक हेतु आरम्भ भेल से आब नियमतः सत्ताइसम ठाम भए मातृभूमिक इजोत निरन्तर कथालेखनसँ पसारि रहल अछि । मुजफ्फरपुर, ड्योढ़, दरभंगा, पटना,





मिथिला भाषी जनसंख्या किएक नहि दैत अछि। मिथिला भाषामे शिक्षा। मएट्रिकमे मातृभाषा। बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षामे स्वतंत्र विषय आदि सहित सौराठ सम्भाक मार्ग चाकर करब, सभाक समय मधुबनी आदिसँ बस सेवा निरन्तर, उग्रतारा स्थानमे यातायात बारहो मास, कार्तिक सिमरिया मेलामे सब सुविधा आदि आदि हेतु हाइकोर्ट नोटिस देलकनि एक मासक समयमे सत्ताधारी सरकार उत्तर देथु।

हमसभ बाढ़ि ग्रस्त छी अथवा रौदी ग्रस्त छी तकर निराकरण हो। प्रशासन चुस्त हो। गरीबी दूर करबाक कल-कारखाना, मिल, ग्रामोदय, कृषि आधार पर उद्योग सभ बनए।

सबसँ बेसी हमर पोखरि, चओर, नदीसभक उपयोग कए बिजुली उत्पादन हो।

ई सभ पटना सँ बैसल सत्ताधारी सरकार के नहि सुझैछ। हमरोसभकेँ सभकाज हेतु पटना दौड़ए पड़ैछ। से नहि चाही — हमर राजधानी दरभंगा हो, हाइकोर्ट दरभंगामे हो, आन आन सरकारी काज मिथिलाञ्चलेक नगर — पूर्णिआ, सहरसा, मधुबनी, जयनगर आदि-आदि स्थान पर हो।

एक जुट होइत जाइ। शीघ्र सदस्य बनू। भोट हो जतए कतहु मिथिलाक समस्यासभक जे ध्यान देत तकरे पंचायत, जिला, विधानसभा सभमे पठाएब से शपथ करैत जाउ। शीघ्रे प्राय: निर्वाचनसभ होएत। ताहिसभमे मिथिला पार्टी अपन उम्मेदवारसभ ठाढ़ करबाक निश्चय कएने अछि। इच्छुक जन अपन आवेदन पठाबथि।

हम मिथिलाक छी, मैथिल छी, हमर भाषा मिथिलाक, हमर समस्यासभ मिथिलाक अछि। हमरा कोसीपर पुलचाही पूब पश्चिम मिथिलाक एकता चाही।

हमरासभक एकता जाति जाति कैं लड़ाए बाहर सँ — हैं भोजपुरसँ, मगहसँ, मध्यप्रदेशसँ आबि हमर धरती पर अधिकार जमाए हमर देशकेँ दोहन कए, हमर संस्कृति ओ भाषा नष्ट कए राज करैत सत्ताकेँ दूर कए अपना मिथिला प्रान्तमे अपना मिथिलाक समस्यासभक एक जुटभए निदान करी।

मिथिलाक 24टा सांसद सीट जीतएवला अपनाकेँ मैथिल बुझताह नहि। मैथिलक उपकार करएवाला मात्र एकटा वीर देखि पड़ैत छथि श्रीरामविलास पासमान। आबहुँ मिथिलाक सांसद लोकनि हिनकासँ शिक्षा लेथु।

मुदा ताहूसँ अधिक विचार करबाक अछि हमरासभकेँ जे एक भोजपुरी भाषी भ्रष्ट नेताक भोटक चारागह मिथिला कोना भए जाइत अछि। यदि पछुआएल वर्गक उन्नतिक काज छैक तँ हमरासभक पछुआएल वर्ग आगू आबए हमसभ हुनके नेतृत्वमे रहब। मुदा मिथिकांचलकेँ नहि आब उपेक्षित होबए देब। ई निर्णय लैत जाउ की वीर कर्पूरीक जन्मभूमिमे नेताक अकाल छैक? वा वी० पी० मंडलक जन्मभूमिपर अखाड़ामे ताल देबाक लेल भोजपुरसँ नेता आबथि तकरे आवश्यकता छैक? ताल ठोकैत छथि मध्यप्रदेशक नेता, ताल ठोकैत छथि भोजपुरक नेता, लड़ि कए हमर मिथिलापर राज करबाक हेतु। हम ओहि क्षणक प्रतीक्षा कए रहल छी जखन मिथिलाक कोनो एहन सपूत पछुआएल समाजक नेता मिथिलापर राज करताह।

कोनो संगठन किछु व्यक्तिक कार्य वा दायित्व नहि होइत छैक। नहिए किछु व्यक्ति मात्रक मान-सम्मान लेल। सामाजिक संगठन समाजक अन्तिम दीन-हीन व्यक्ति तक सभ्यता आ संस्कार पहुँचाबए लेल आ हुनका आत्मसमर्थ बनेबाक लेल होइत छैक — ई हमरा सभकेँ सतत ध्यान राखए पड़त तखनहिं होएत राष्ट्रक पुनर्निर्माण।

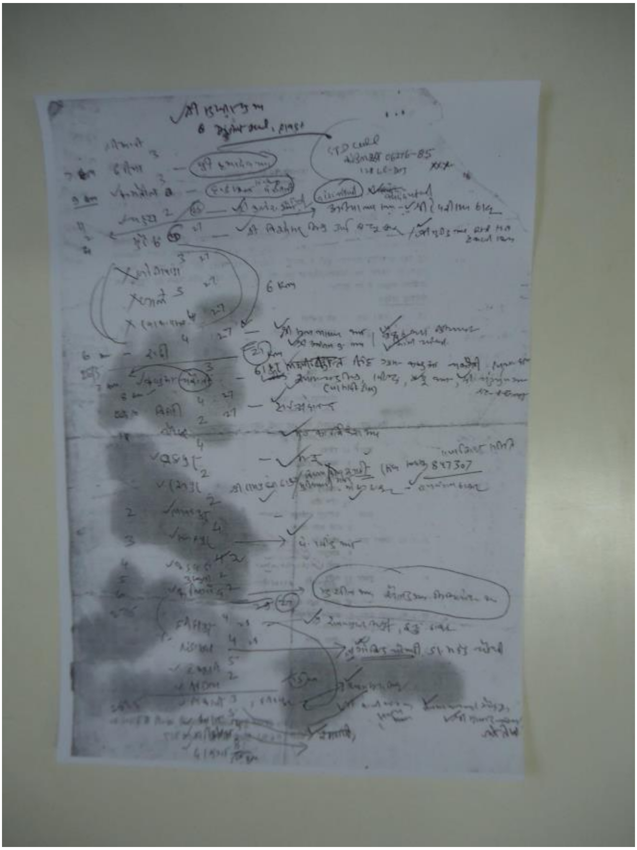
आजुक बिहार कृत्रिम जोड़ छैक — उत्तर बिहार, मध्य बिहार एवं दक्षिण बिहार केर। तीनूकेँ तीन प्रकारक विभिन्न माटि पानि, विभिन्न भाषा, विभिन्न संस्कृति छैक। छोट प्रान्त भेने कोना प्रशासन एवं विकास बढ़ैत छैक तँ पंजाबकेँ देखू — पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश भेने की प्रशासन चुस्त दुरुस्त, बलगर, थमगर नहि भेल छैक? विदेशी अंग्रेज तँ बिहार, बंगाल, उड़ीसा, आसाम पर्यन्तकेँ मिलाए एकटा बंगाल प्रान्त बनओने छल!

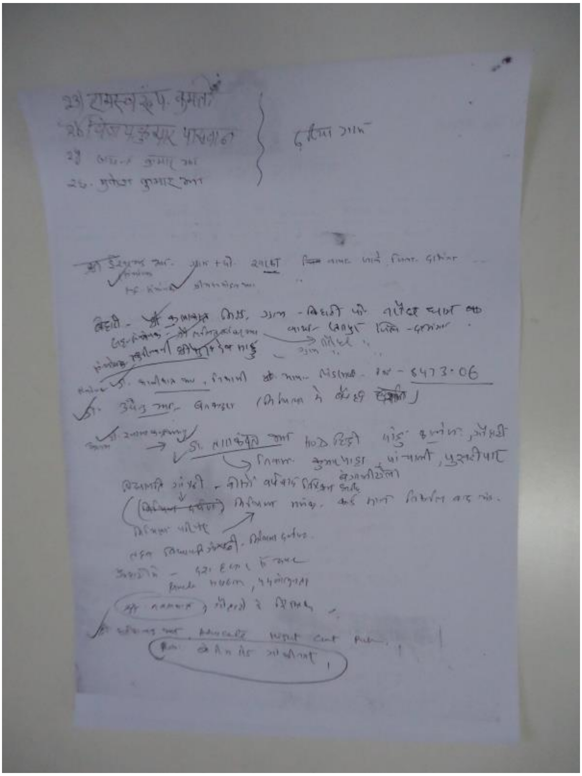
निवेदक : श्री जयकान्त मिश्र, अध्यक्ष, मिथिला राज्य संघर्ष समिति (दरभंगा)

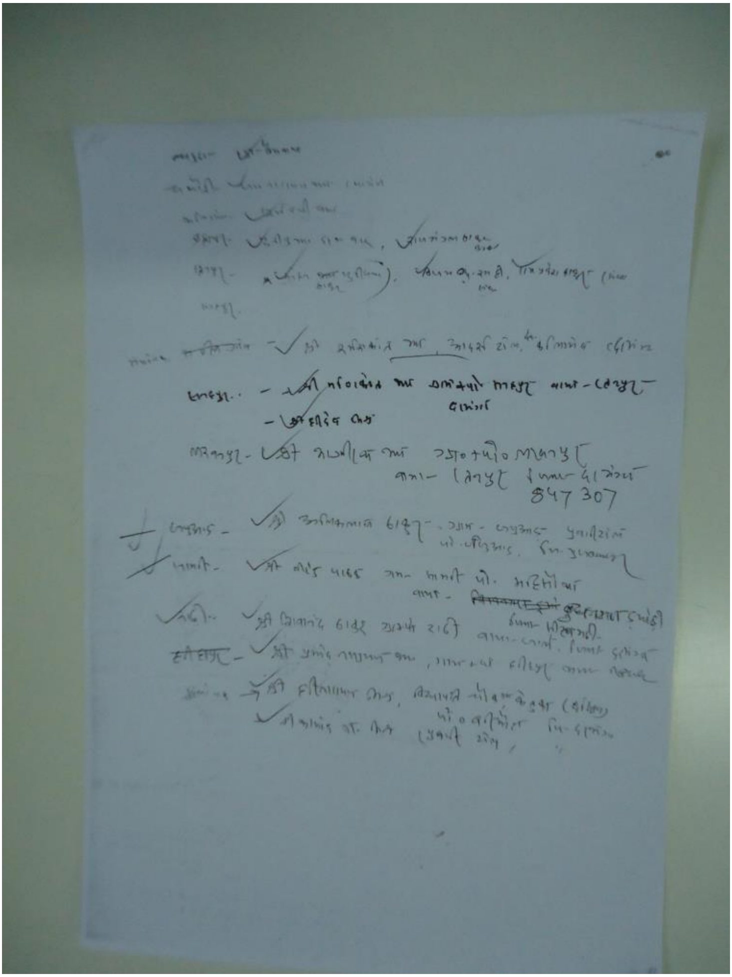
Maithili Samachar Editor Rudrakant Mishra, 1-P.C. Banerjee Road, Allahabad-211002, Ph.: 608170, 614919
Regd. No. AD/43 Simla 2311/72

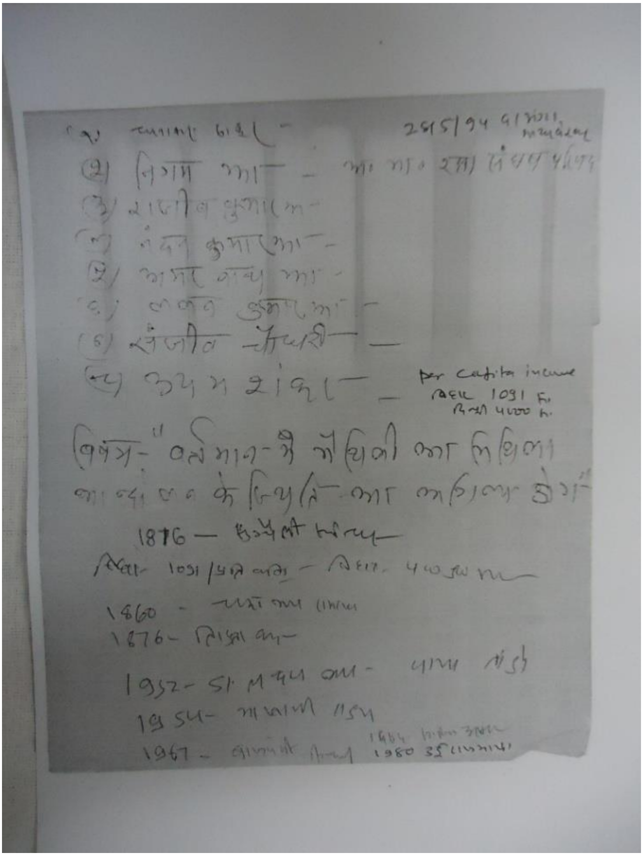
वार्षिक शुल्क : 25 टाका
आजीवन शुल्क : 250 टाका
एक अंकक मूल्य : 2 टाका अछि

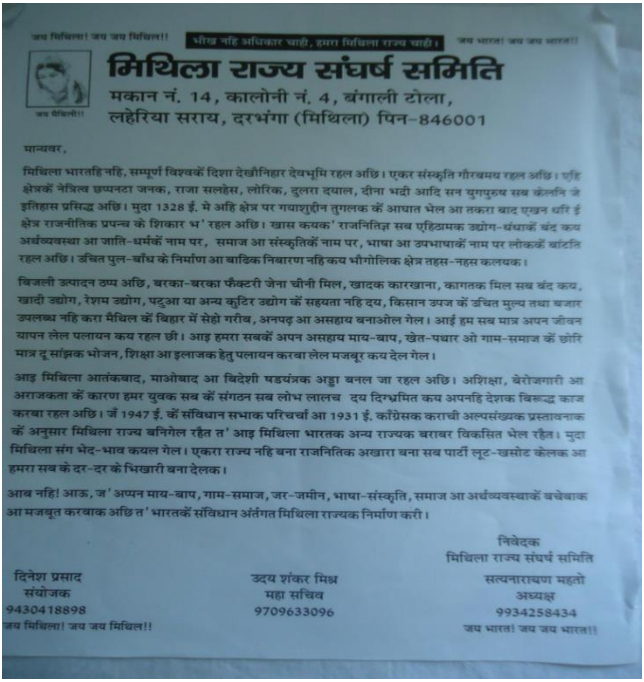
"मिथिला बाल पोथी" कीनू। बच्चाकेँ ओहिसँ देवनागरी एवं तिरहुता अक्षर सिखाउ, मूल्य 4 टाका
प्राप्ति स्थान : अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति, 1-पी० सी० बनर्जी रोड, इलाहाबाद-211002











जय मिथिला! जय जय मिथिल!! भीख नहि अधिकार चाही, हमरा मिथिला राज्य चाही। जय भारत! जय जय भारत!!

मिथिला राज्य संघर्ष समिति

मकान नं. 14, कालोनी नं. 4, बंगाली टोला,
लहेरिया सराय, दरभंगा (मिथिला) पिन-846001

मान्यवर,

मिथिला भारतहि नहि, सम्पूर्ण विश्वकें दिशा देखौनिहार देवभूमि रहल अछि। एकर संस्कृति गौरवमय रहल अछि। एहि क्षेत्रकें नेत्रित्व छप्पनटा जनक, राजा सलहेस, लोरिक, दुलरा दयाल, दीना भद्री आदि सन युगपुरुष सब केलनि जे इतिहास प्रसिद्ध अछि। मुदा 1328 ई. मे अहि क्षेत्र पर गयाशुद्दीन तुगलक कें आघात भेल आ तकरा बाद एखन धरि ई क्षेत्र राजनीतिक प्रपन्च के शिकार भ' रहल अछि। खास कयक' राजनितिज्ञ सब एहिठामक उद्योग-धंधाकें बंद कय अर्थव्यवस्था आ जाति-धर्मकें नाम पर, समाज आ संस्कृतिकें नाम पर, भाषा आ उपभाषाकें नाम पर लोककें बांटति रहल अछि। उचित पुल-बाँध के निर्माण आ बाढिक निबारण नहि कय भौगोलिक क्षेत्र तहस-नहस कलयक।

बिजली उत्पादन ठप्प अछि, बरका-बरका फैक्टरी जेना चीनी मिल, खादक कारखाना, कागतक मिल सब बंद कय, खादी उद्योग, रेशम उद्योग, पटुआ या अन्य कुटिर उद्योग कें सहयता नहि दय, किसान उपज कें उचित मुल्य तथा बजार उपलब्ध नहि करा मैथिल कें बिहार में सेहो गरीब, अनपढ़ आ असहाय बनाओल गेल। आई हम सब मात्र अपन जीवन यापन लेल पलायन कय रहल छी। आइ हमरा सबकें अपन असहाय माय-बाप, खेत-पथार ओ गाम-समाज कें छोरि मात्र दू सांझक भोजन, शिक्षा आ इलाजक हेतु पलायन करबा लेल मजबूर कय देल गेल।

आइ मिथिला आतंकबाद, माओबाद आ बिदेशी षडयंत्रक अड्डा बनल जा रहल अछि। अशिक्षा, बेरोजगारी आ अराजकता कें कारण हमर युवक सब कें संगठन सब लोभ लालच दय दिग्भ्रमित कय अपनहि देशक बिरूद्ध काज करबा रहल अछि। जँ 1947 ई. कें संविधान सभाक परिचर्चा आ 1931 ई. काँग्रेसक कराची अल्पसंख्यक प्रस्तावनाक कें अनुसार मिथिला राज्य बनिगेल रहैत त' आइ मिथिला भारतक अन्य राज्यक बराबर विकसित भेल रहैत। मुदा मिथिला संग भेद-भाव कयल गेल। एकरा राज्य नहि बना राजनितिक अखारा बना सब पार्टी लूट-खसोट केलक आ हमरा सब के दर-दर के भिखारी बना देलक।

आब नहि! आऊ, ज' अप्पन माय-बाप, गाम-समाज, जर-जमीन, भाषा-संस्कृति, समाज आ अर्थव्यवस्थाकें बचेबाक आ मजबूत करबाक अछि त' भारतकें संविधान अंर्तगत मिथिला राज्यक निर्माण करी।

निवेदक
मिथिला राज्य संघर्ष समिति

दिनेश प्रसाद
संयोजक
9430418898
जय मिथिला! जय जय मिथिल!!

उदय शंकर मिश्र
महा सचिव
9709633096

सत्यनारायण महतो
अध्यक्ष
9934258434
जय भारत! जय जय भारत!!



मिथिला राज्यक ओचित्य एवं समाजिक एकता
मिथिला राज्य संघर्ष समिति

जय मिथिला । जय जानकी ॥ जय मिथिली भाषी ॥

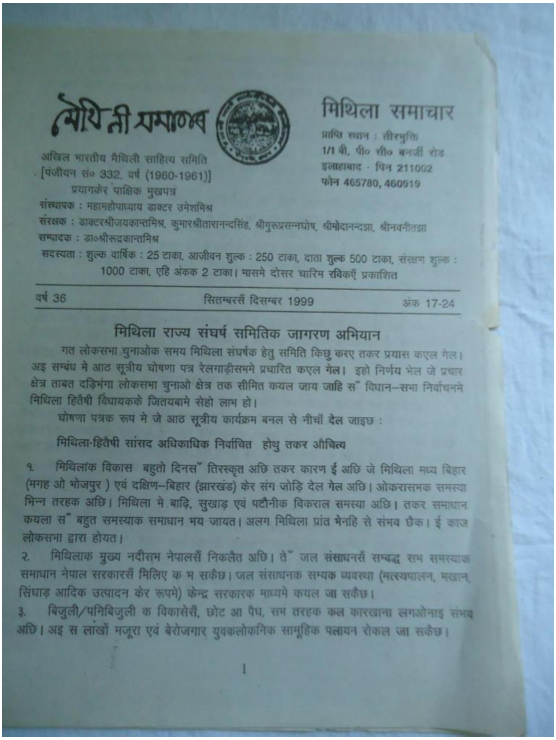
श्रीमान हम सब मिथिलांचलक निवासी अत्यन्त भाग्यशाली छी । जे मिथिलाक भूमि पर हमरा सभक जन्म भेल अछि । जहाँ कि स्वयम् जगत जननि माँ जानकी अवतरित भेल छलीह । प्राचीन काल में मिथिलांचल आर्थिक दृष्टि सँ स्वाव लम्बी छल । समाज में एकता छल, पुराण रामायण आदि अनेक पूर्व कऽ उदाहरण मिथिला नगरी कऽ [illegible] प्रमाणित करेत अछि । महान कवि कोकिल विद्यापति जनकवि से हो स्वयम् समाज बाद क कल्पना ओ [illegible] में कऽ लेने छलाह, 1902 में जार्ज ग्रियर्सन द्वारा देल मिथिलांचलक प्रमाण, आदि मिथिला राज्यक पूर्व सँ ही [illegible] करेत अछि । परंच आई मिथिलांचल कियेक भारत वर्ष आ विश्व स्तर पर अत्यन्त पिछड़ल मानल जायत अछि । कारण अछि जे-किसानक प्रत्येक वर्ष में बाढ़ि, रौदी, आदिक कारण सँ फसल बर्बाद भऽ जायत अछि । जे हो फसल होयत अछि ओकर उचित मूल्य ने भेट पावेत अछि । नदी क चौड़ी करण आ ओकड़ा जोड़ लेल काज ने भऽ पावेत अछि । पटौनी लेल नहर क व्यवस्था ने भऽ रहल जल, विद्युतीकरण आ गण्डकी, कोसी आदि नदी में डेम ने बनि पावेत अछि । धिया पुता वास्ते [illegible] अछि । ताकि किसान अधिक पैदा वार लऽ सकेत । अद्यौगिक विकाश रुकल अछि । रोजगार क अभाव अछि, पलायन जारी अछि । [illegible]धुनिक शिक्षा लेल स्कूल, कॉलेज विश्व विद्यालयक व्यवस्था ने अछि । मिथिलाँचलक सब पोखेर निष्क्रिय पड़ल अछि । ताहि लऽ स्वास्थ्य लाभ लेल आधुनिक अस्पताल कऽ अभाव अछि । माछ-पान-मखान क खेती पर ध्यान ने देल जायत अछि, पर्यटन वास्ते काज ने कऽ अन्य राज्य सँ माछ आवित अछि, माछ-पान-मखान क खेती पर ध्यान ने देल जायत अछि, [illegible] केल जायत अछि । वोटक राज नीतिक कारण सँ लोक सब अनेकों मंच में विभाजित भऽ अनेकता उत्पन्न केने छथि । ताहि लऽ कऽ मिथिला राज्य आ ओकर विकास पर ध्यान ने दऽ पावेत छथि । ताहि हेतु मिथिला राज्य संघर्षसमिति ई पत्र पुष्पक संग रथ यात्रा कऽ माध्यम सँ अपने सभक ध्यान मिथिला राज्यक माँग आ ओकर सर्वांङ्गिण विकाशक लेल आकर्षित कर ऽ चाहेत अछि ताकि जन जन में अहि लेल जागृति सम्भव भऽ पावे । संघर्ष समिति आग्रह पूर्वक निवेदन करेत अछि कि अपने सब सवटा भेद, भाव आदि क भुलाक एक मंच पर आबिक तन, मन, धन से मिथिला राज्यक लेल परम पूज्य गुरुदेव करपात्री अग्नि होत्री परम हंस स्वामी चिदात्मन जी महाराजक संरक्षण में संकल्पीत भऽ काज करी ताकि हमरा सभक मिथिला राज्य आ ओकर सर्वांङ्गिण विकाश सम्भव भऽ पावे । संगहि महात्मा गाँधी जी कऽ सपना-ग्राम स्वराज, डा0 राममनोहर लोहियाक चौखंभा राज, जय प्रकाश, नारायणक ग्राम विकाश से हो सफल भऽ पावे कारण- विश्व में कोन देश आ समाज बिना कर्म केने विकशित भेल अछि ।

ताहि लऽ कऽ हमरा सभक

भीख नहिं अधिकार चाही ।
हमरा मिथिला राज्य चाही ॥

धन्यवाद क संग ----- अपने सभक
अपन मिथिला राज्य संघर्ष समिति

श्री सत्य नारायण महतो	श्री उदय शंकर मिश्र	श्री दिनेश नंद सिंह	श्री केदार नाथ झा	श्री हीरालाल महतो
अध्यक्ष	सचिव	कार्यालय सचिव	सदस्य	सदस्य



मिथिला समाचार

प्राप्ति स्थान : तीरभुक्ति
1/1 बी, पी० सी० बनर्जी रोड
इलाहाबाद - पिन 211002
फोन 465780, 460919

अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति
[पंजीयन सं० 332, वर्ष (1960-1961)]
प्रयागकेर पाक्षिक मुखपत्र
संस्थापक : महामहोपाध्याय डाक्टर उमेशमिश्र
संरक्षक : डाक्टरश्रीजयकान्तमिश्र, कुमारश्रीतारानन्दसिंह, श्रीगुरुप्रसन्नघोष, श्रीमोदानन्दझा, श्रीनवनीतझा
सम्पादक : डा०श्रीरूद्रकान्तमिश्र
सदस्यता : शुल्क वार्षिक : 25 टाका, आजीवन शुल्क : 250 टाका, दाता शुल्क 500 टाका, संरक्षण शुल्क : 1000 टाका, एहि अंकक 2 टाका। मासमे दोसर चारिम रविकएँ प्रकाशित

वर्ष 36 सितम्बरसँ दिसम्बर 1999 अंक 17-24

मिथिला राज्य संघर्ष समितिक जागरण अभियान

गत लोकसभा चुनाओक समय मिथिला संघर्षक हेतु समिति किछु करए तकर प्रयास कएल गेल। अइ सम्बंध मे आठ सूत्रीय घोषणा पत्र रेलगाड़ीसभमे प्रचारित कएल गेल। इहो निर्णय भेल जे प्रचार क्षेत्र ताबत दड़िभंगा लोकसभा चुनाओ क्षेत्र तक सीमित कयल जाय जाहि स॑ विधान–सभा निर्वाचनमे मिथिला हितैषी विधायकके जितयबामे सेहो लाभ हो।

घोषणा पत्रक रूप मे जे आठ सूत्रीय कार्यक्रम बनल से नीचाँ देल जाइछ :

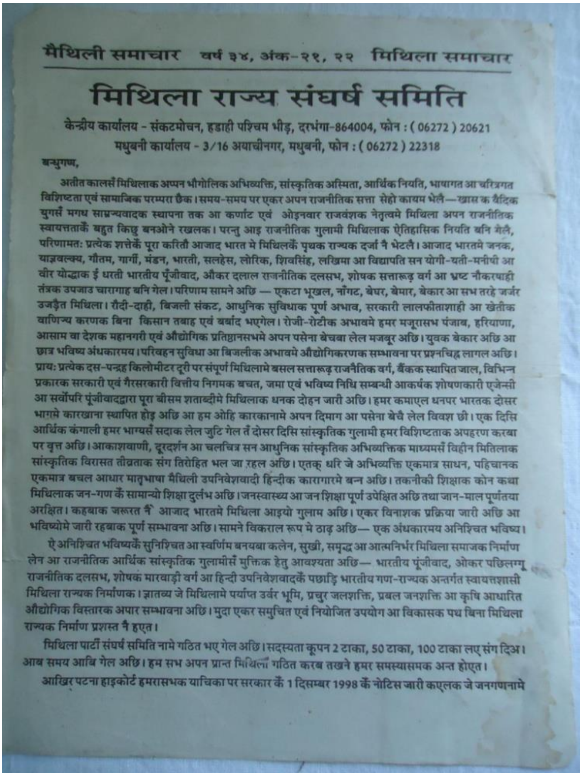
मिथिला-हितैषी सांसद अधिकाधिक निर्वाचित होथु तकर औचित्य

१. मिथिलाक विकास बहुतो दिनस॑ तिरस्कृत अछि तकर कारण ई अछि जे मिथिला मध्य बिहार (मगह ओ भोजपुर) एवं दक्षिण–बिहार (झारखंड) केर संग जोड़ि देल गेल अछि। ओकरासभक समस्या भिन्न तरहक अछि। मिथिला मे बाढ़ि, सुखाड़ एवं पटौनीक विकराल समस्या अछि। तकर समाधान कयला स॑ बहुत समस्याक समाधान भय जायत। अलग मिथिला प्रांत भेनहि से संभव छैक। ई काज लोकसभा द्वारा होयत।

२. मिथिलाक मुख्य नदीसभ नेपालसँ निकलैत अछि। ते॑ जल संसाधनसँ सम्बद्ध सभ समस्याक समाधान नेपाल सरकारसँ मिलिए क भ सकैछ। जल संसाधनक सम्यक व्यवस्था (मत्स्यपालन, मखान, सिंघाड़ आदिक उत्पादन केर रूपमे) केन्द्र सरकारक माध्यमे कयल जा सकैछ।

३. बिजुली/पनिबिजुली क विकासेसँ, छोट आ पैघ, सभ तरहक कल कारखाना लगओनाइ संभव अछि। अइ स लाखों मजूरा एवं बेरोजगार युवकलोकनिक सामूहिक पलायन रोकल जा सकैछ।

1



मैथिली समाचार वर्ष ३४, अंक-२१, २२ मिथिला समाचार

मिथिला राज्य संघर्ष समिति

केन्द्रीय कार्यालय - संकटमोचन, हडाही पश्चिम भीड़, दरभंगा-864004, फोन : (06272) 20621
मधुबनी कार्यालय - 3/16 अयाचीनगर, मधुबनी, फोन : (06272) 22318

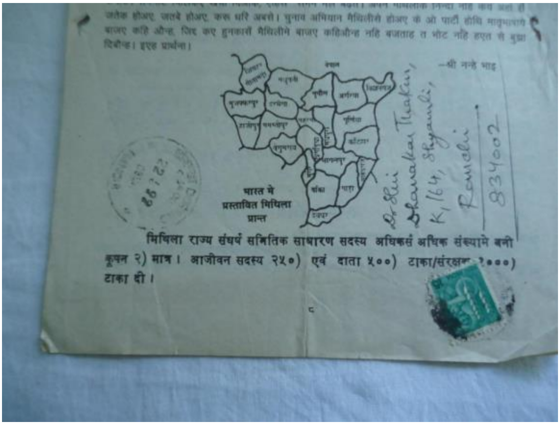
बन्धुगण,

अतीत कालसँ मिथिलाक अप्पन भौगोलिक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक अस्मिता, आर्थिक नियति, भाषागत आ चरित्रगत विशिष्टता एवं सामाजिक परम्परा छैक। समय-समय पर एकर अपन राजनीतिक सत्ता सेहो कायम भेलै—खास क वैदिक युगसँ मगध साम्राज्यवादक स्थापना तक आ कर्णाट एवं ओइनवार राजवंशक नेतृत्वमे मिथिला अपन राजनीतिक स्वायत्तताकेँ बहुत किछु बनओने रखलक। परन्तु आइ राजनीतिक गुलामी मिथिलाक ऐतिहासिक नियति बनि गेलै, परिणामतः प्रत्येक शर्त्तेकेँ पूरा करितौ आजाद भारत मे मिथिलकेँ पृथक राज्यक दर्जा नै भेटलै। आजाद भारतमे जनक, याज्ञवल्क्य, गौतम, गार्गी, मंडन, भारती, सलहेस, लोरिक, शिवसिंह, लखिमा आ विद्यापति सन योगी-यती-मनीषी आ वीर योद्धाक ई धरती भारतीय पूँजीवाद, औकर दलाल राजनीतिक दलसभ, शोषक सत्तारूढ़ वर्ग आ भ्रष्ट नौकरशाही तंत्रक उपजाउ चारागाह बनि गेल। परिणाम सामने अछि — एकटा भूखल, नाँगट, बेघर, बेमार, बेकार आ सभ तरहे जर्जर उजड़ैत मिथिला। रौदी-दाही, बिजली संकट, आधुनिक सुविधाक पूर्ण अभाव, सरकारी लालफीताशाही आ खेतीक वाणिज्य करणक बिना किसान तबाह एवं बर्बाद भएगेल। रोजी-रोटीक अभावमे हमर मजूरासभ पंजाब, हरियाणा, आसाम वा देशक महानगरी एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानसभमे अपन पसेना बेचबा लेल मजबूर अछि। युवक बेकार अछि आ छात्र भविष्य अंधकारमय। परिवहन सुविधा आ बिजलीक अभावमे औद्योगिकरणक सम्भावना पर प्रश्नचिह्न लागल अछि। प्रायः प्रत्येक दस-पन्द्रह किलोमीटर दूरी पर संपूर्ण मिथिलामे बसल सत्तारूढ़ राजनैतिक वर्ग, बैंकक स्थापित जाल, विभिन्न प्रकारक सरकारी एवं गैरसरकारी वित्तीय निगमक बचत, जमा एवं भविष्य निधि सम्बन्धी आकर्षक शोषणकारी एजेन्सी आ सर्वोपरि पूंजीवादद्वारा पूरा बीसम शताब्दीमे मिथिलाक धनक दोहन जारी अछि। हमर कमाएल धनपर भारतक दोसर भागमे कारखाना स्थापित होइ अछि आ हम ओहि कारकानामे अपन दिमाग आ पसेना बेचै लेल विवश छी। एक दिसि आर्थिक कंगाली हमर भाग्यसँ सदाक लेल जुटि गेल तँ दोसर दिसि सांस्कृतिक गुलामी हमर विशिष्टताक अपहरण करबा पर वृत्त अछि। आकाशवाणी, दूरदर्शन आ चलचित्र सन आधुनिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तिक माध्यमसँ विहीन मितिलाक सांस्कृतिक विरासत तीव्रताक संग तिरोहित भल जा रहल अछि। एतक् धरि जे अभिव्यक्ति एकमात्र साधन, पहिचानक एकमात्र बचल आधार मातृभाषा मैथिली उपनिवेशवादी हिन्दीक कारागारमे बन्न अछि। तकनीकी शिक्षाक कोन कथा मिथिलाक जन-गण कें सामान्यो शिक्षा दुर्लभ अछि। जनस्वास्थ्य आ जन शिक्षा पूर्ण उपेक्षित अछि तथा जान-माल पूर्णतया अरक्षित। कहबाक जरूरत नैं आजाद भारतमे मिथिला आइयो गुलाम अछि। एकर विनाशक प्रक्रिया जारी अछि आ भविष्योमे जारी रहबाक पूर्ण सम्भावना अछि। सामने विकराल रूप मे ठाढ़ अछि— एक अंधकारमय अनिश्चित भविष्य।

ऐ अनिश्चित भविष्यकेँ सुनिश्चित आ स्वर्णिम बनयबा कलेन, सुखी, समृद्ध आ आत्मनिर्भर मिथिला समाजक निर्माण लेन आ राजनीतिक आर्थिक सांस्कृतिक गुलामीसँ मुक्तिक हेतु आवश्यता अछि— भारतीय पूंजीवाद, ओकर पछिलग्गू राजनीतिक दलसभ, शोषक मारवाड़ी वर्ग आ हिन्दी उपनिवेशवादकेँ पछाड़ि भारतीय गण-राज्यक अन्तर्गत स्वायत्तशासी मिथिला राज्यक निर्माणक। ज्ञातव्य जे मिथिलामे पर्याप्त उर्वर भूमि, प्रचुर जलशक्ति, प्रबल जनशक्ति आ कृषि आधारित औद्योगिक विस्तारक अपार सम्भावना अछि। मुदा एकर समुचित एवं नियोजित उपयोग आ विकासक पथ बिना मिथिला राज्यक निर्माण प्रशस्त नै हएत।

मिथिला पार्टी संघर्ष समिति नामे गठित भए गेल अछि। सदस्यता कूपन 2 टाका, 50 टाका, 100 टाका लए संग दिअ। आब समय आबि गेल अछि। हम सभ अपन प्रान्त मिथिला गठित करब तखने हमर समस्यासमक अन्त होएत।

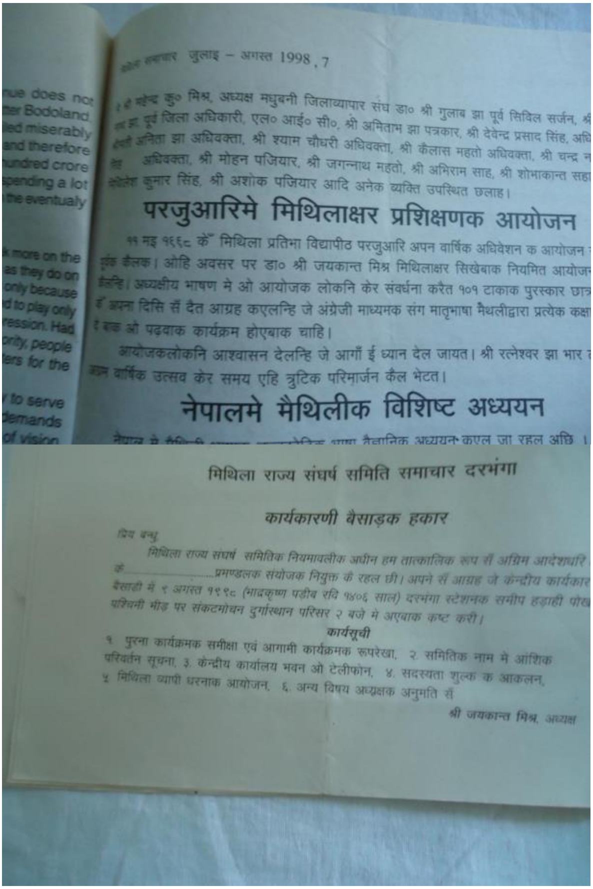
आखिर पटना हाइकोर्ट हमरासभक याचिका पर सरकार कें 1 दिसम्बर 1998 कें नोटिस जारी कएलक जे जनगणनामे



—श्री नन्हे भाइ

मिथिला राज्य संघर्ष समितिक साधारण सदस्य अधिकसं अधिक संख्यामे बनी कूपन २) मात्र। आजीवन सदस्य २५०) एवं दाता ५००) टाका/संरक्षक १०००) टाका दी।

८



समाचार जुलाइ – अगस्त 1998, 7

श्री महेन्द्र कु० मिश्र, अध्यक्ष मधुबनी जिलाव्यापार संघ डा० श्री गुलाब झा पूर्व सिविल सर्जन, श्री ... पूर्व जिला अधिकारी, एल० आई० सी०, श्री अमिताभ झा पत्रकार, श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह, अधि... अनिता झा अधिवक्ता, श्री श्याम चौधरी अधिवक्ता, श्री कैलास महतो अधिवक्ता, श्री चन्द्र ... अधिवक्ता, श्री मोहन पजियार, श्री जगन्नाथ महतो, श्री अभिराम साह, श्री शोभाकान्त सहा... कुमार सिंह, श्री अशोक पजियार आदि अनेक व्यक्ति उपस्थित छलाह।

परजुआरिमे मिथिलाक्षर प्रशिक्षणक आयोजन

११ मइ १९९८ कें मिथिला प्रतिभा विद्यापीठ परजुआरि अपन वार्षिक अधिवेशन क आयोजन ... कैलक। ओहि अवसर पर डा० श्री जयकान्त मिश्र मिथिलाक्षर सिखेबाक नियमित आयोजन ... अध्यक्षीय भाषण मे ओ आयोजक लोकनि केर संवर्धना करैत १०१ टाकाक पुरस्कार छात्र... अपना दिसि सँ दैत आग्रह कएलन्हि जे अंग्रेजी माध्यमक संग मातृभाषा मैथलीद्वारा प्रत्येक कक्षा... औ पढ़वाक कार्यक्रम होएबाक चाहि।

आयोजकलोकनि आश्वासन देलन्हि जे आगाँ ई ध्यान देल जायत। श्री रत्नेश्वर झा भार ... वार्षिक उत्सव केर समय एहि त्रुटिक परिमार्जन कैल भेटत।

नेपालमे मैथिलीक विशिष्ट अध्ययन

मिथिला राज्य संघर्ष समिति समाचार दरभंगा

कार्यकारणी बैसाड़क हकार

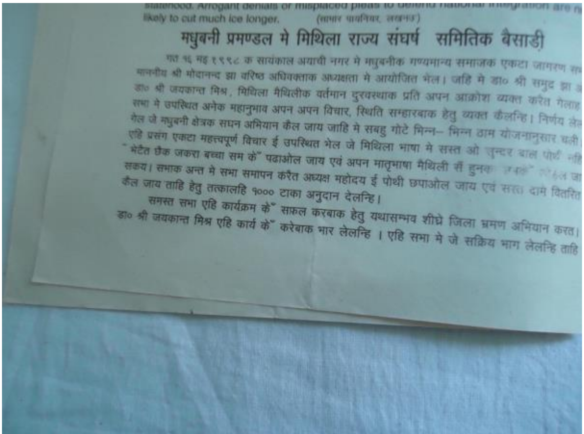
प्रिय बन्धु

मिथिला राज्य संघर्ष समितिक नियमावलीक अधीन हम तात्कालिक रूप सँ अग्रिम आदेशधरि ... के .... प्रमण्डलक संयोजक नियुक्त कै रहल छी। अपने सँ आग्रह जे केन्द्रीय कार्यकार... बैसाड़ी मे ९ अगस्त १९९८ (भाद्रकृष्ण पड़ीव रवि १४०६ साल) दरभंगा स्टेशनक समीप हड़ाही पोख... पश्चिमी भीड़ पर संकटमोचन दुर्गास्थान परिसर २ बजे मे अएबाक कष्ट करी।

कार्यसूची

१. पुरना कार्यक्रमक समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमक रूपरेखा, २. समितिक नाम मे आंशिक परिवर्तन सूचना, ३. केन्द्रीय कार्यालय भवन ओ टेलीफोन, ४. सदस्यता शुल्क क आकलन, ५. मिथिला व्यापी धरनाक आयोजन, ६. अन्य विषय अध्यक्षक अनुमति सँ

श्री जयकान्त मिश्र, अध्यक्ष

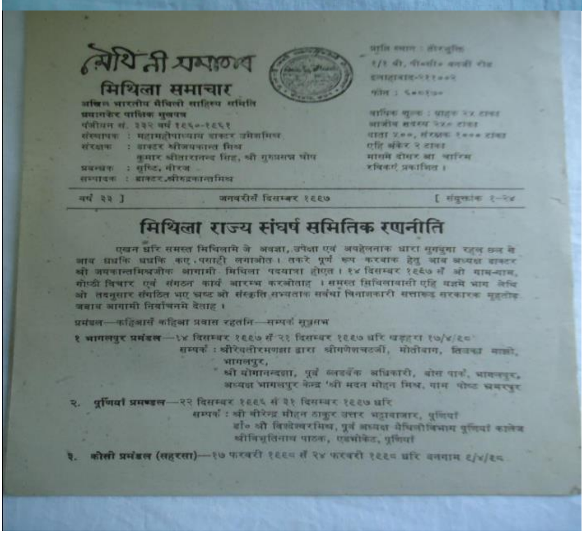


likely to cut much ice longer. (साभार पायनियर, लखनऊ)

मधुबनी प्रमण्डल मे मिथिला राज्य संघर्ष समितिक बैसाडी

गत १६ मइ १९९८ क सायंकाल अयाची नगर मे मधुबनीक गण्यमान्य समाजक एकटा जागरण स
माननीय श्री मोदानन्द झा वरिष्ठ अधिवक्ताक अध्यक्षता मे आयोजित भेल। जहि मे डा० श्री समुद्र झा
डा० श्री जयकान्त मिश्र, मिथिला मैथिलीक वर्तमान दुरवस्थाक प्रति अपन आक्रोश व्यक्त करैत गेलाह
सभा मे उपस्थित अनेक महानुभाव अपन अपन विचार, स्थिति सम्हारबाक हेतु व्यक्त कैलन्हि। निर्णय लेल
गेल जे मधुबनी क्षेत्रक सघन अभियान कैल जाय जाहि मे सबहु गोटे भिन्न– भिन्न ठाम योजनानुसार चली
एहि प्रसंग एकटा महत्त्वपूर्ण विचार ई उपस्थित भेल जे मिथिला भाषा मे सस्त ओ सुन्दर बाल पोथी नहि
भेटैत छैक जकरा बच्चा सम कें पढाओल जाय एवं अपन मातृभाषा मैथिली सँ हुनका
सकय। सभाक अन्त मे सभा समापन करैत अध्यक्ष महोदय ई पोथी छपाओल जाय एवं सस्त दाम वितरित
कैल जाय ताहि हेतु तत्कालहि १००० टाका अनुदान देलन्हि।

समस्त सभा एहि कार्यक्रम कें सफल करबाक हेतु यथासम्भव शीघ्रे जिला भ्रमण अभियान करत।
डा० श्री जयकान्त मिश्र एहि कार्य कें करेबाक भार लेलन्हि । एहि सभा मे जे सक्रिय भाग लेलन्हि ताहि



मैथिली समाचार

मिथिला समाचार

अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति

वर्ष २२] जनवरीसँ दिसम्बर १९९७ [संयुक्तांक १–२४

मिथिला राज्य संघर्ष समितिक रणनीति

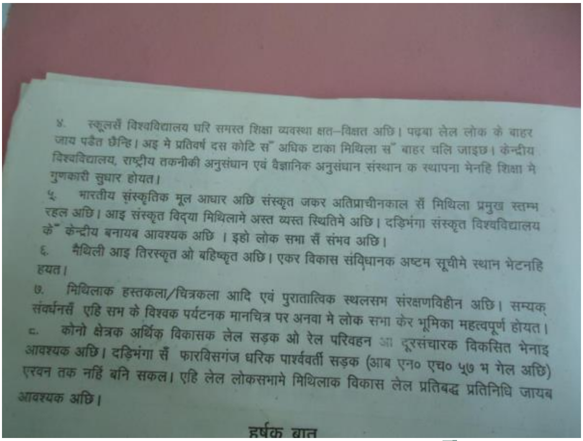
एखन धरि समस्त मिथिलामे जे अवज्ञा, उपेक्षा एवं अवहेलनाक धारा ... लगाओत। तकरे पूर्ण रूप करबाक हेतु आब अध्यक्ष डाक्टर श्री जयकान्तमिश्रजीक आगामी मिथिला पदयात्रा होएत। १४ दिसम्बर १९९७ सँ ओ ग्राम-ग्राम, गोष्ठी विचार एवं संगठन कार्य आरम्भ करबीताह। समस्त मिथिलावासी एहि यज्ञमे भाग लेथि ओ तदनुसार संगठित भए भ्रष्ट ओ संस्कृति सभ्यताक सर्वथा विनाशकारी सत्तारूढ़ सरकारक मुंहतोड़ जबाब आगामी निर्वाचनमे देताह।

प्रमंडल—कहिआसँ कहिआ प्रवास रहतनि—सम्पर्क सूत्र

१ भागलपुर प्रमंडल—१४ दिसम्बर १९९७ सँ २१ दिसम्बर १९९७ धरि
सम्पर्क : श्रीरेवतीरमणझा द्वारा श्रीगणेशचटर्जी, मोतीबाग, भागलपुर,
श्री योगानन्दझा, पूर्व अधिकारी, भागलपुर,
अध्यक्ष भागलपुर केन्द्र 'श्री मदन मोहन मिश्र,

२. पूर्णियाँ प्रमण्डल—२२ दिसम्बर १९९६ सँ ३१ दिसम्बर १९९७ धरि
सम्पर्क : श्री वीरेन्द्र मोहन ठाकुर, पूर्णियाँ
डॉ० श्री विश्वेश्वरमिश्र, पूर्व अध्यक्ष मैथिलीविभाग पूर्णियाँ कालेज
पूर्णियाँ

३. कोसी प्रमंडल (सहरसा)—१७ फरवरी १९९८ सँ २४ फरवरी १९९८ धरि



४. स्कूलसँ विश्वविद्यालय धरि समस्त शिक्षा व्यवस्था क्षत–विक्षत अछि। पढ़बा लेल लोक के बाहर जाय पडैत छैन्हि। अइ मे प्रतिवर्ष दस कोटि सँ अधिक टाका मिथिला सँ बाहर चलि जाइछ। केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान क स्थापना मेनहि शिक्षा मे गुणकारी सुधार होयत।

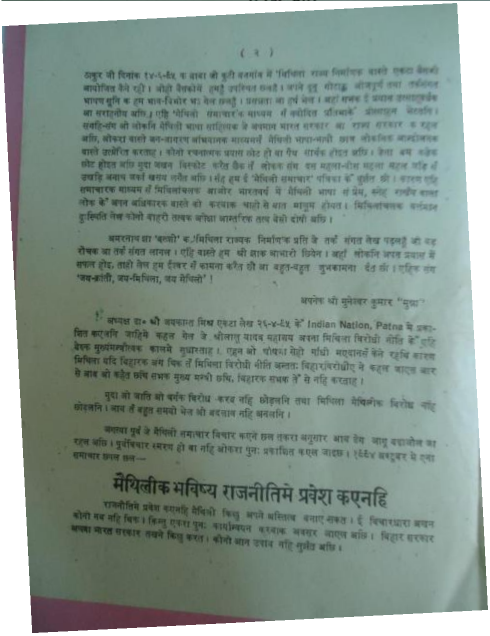
५. भारतीय संस्कृतिक मूल आधार अछि संस्कृत जकर अतिप्राचीनकाल सँ मिथिला प्रमुख स्तम्भ रहल अछि। आइ संस्कृत विद्या मिथिलामे अस्त व्यस्त स्थितिमे अछि। दड़िभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के केन्द्रीय बनायब आवश्यक अछि । इहो लोक सभा सँ संभव अछि।

६. मैथिली आइ तिरस्कृत ओ बहिष्कृत अछि। एकर विकास संविधानक अष्टम सूचीमे स्थान भेटनहि हयत।

७. मिथिलाक हस्तकला/चित्रकला आदि एवं पुरातात्विक स्थलसभ संरक्षणविहीन अछि। सम्यक संवर्धनसँ एहि सभ के विश्वक पर्यटनक मानचित्र पर अनवा मे लोक सभा केर भूमिका महत्वपूर्ण होयत।

८. कोनो क्षेत्रक अर्थिक विकासक लेल सड़क ओ रेल परिवहन आ दूरसंचारक विकसित भेनाइ आवश्यक अछि। दड़िभंगा सँ फारबिसगंज धरिक पार्श्ववर्ती सड़क (आब एन० एच० ५७ भ गेल अछि) एखन तक नहिं बनि सकल। एहि लेल लोकसभामे मिथिलाक विकास लेल प्रतिबद्ध प्रतिनिधि जायब आवश्यक अछि।

हर्षक बात



(२)

[illegible]

अमरनाथ झा 'बल्ली' क 'मिथिला राज्यक निर्माणक प्रति जे तर्क संगत लेख पढ़लहुँ ओ बड़ रोचक आ तर्क संगत लागल। एहि वास्ते हम श्री झाक आभारी छियेन। [illegible] 'जय-क्रांती, जय-मिथिला, जय मैथिली' !

अपनेक श्री मुनेश्वर कुमार "मुन्ना"

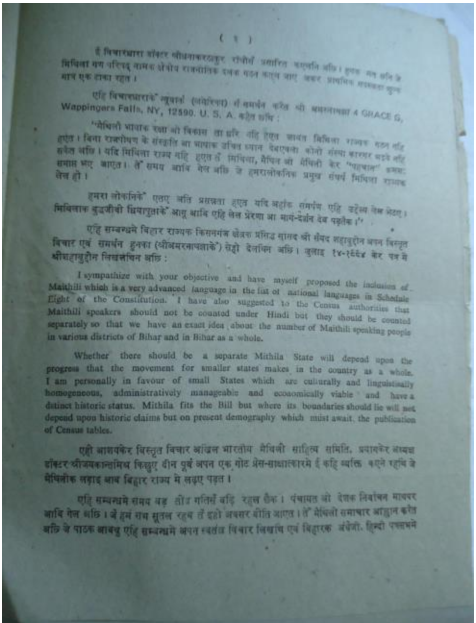
[illegible] श्री जयकान्त मिश्र एकटा लेख २६-४-९५ के Indian Nation, Patna मे प्रकाशित कएलनि [illegible]

[illegible]

[illegible]

मैथिलीक भविष्य राजनीतिमे प्रवेश कएनहि

[illegible]



(१)

हमरा लोकनिकें एतए अति प्रसन्नता हएत यदि अहाँक समर्थन एहि उद्देश्य लेल भेटए। मिथिलाक बुद्धजीवी छियापुताकें आबू आबि एहि लेल प्रेरणा आ मार्ग-दर्शन देब पड़तैक।"

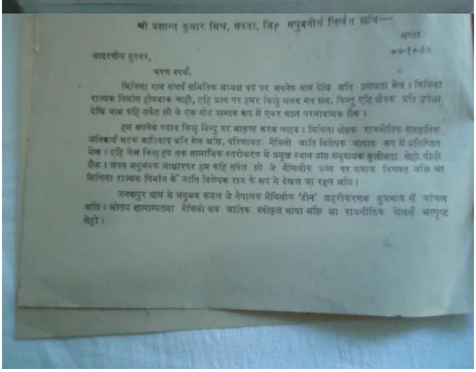
एहि सम्बन्धमे बिहार राज्यक किसनगंज क्षेत्रक प्रसिद्ध सांसद श्री सैयद शहाबुद्दीन अपन विस्तृत विचार एवं समर्थन हुनका (श्रीअमरनाथझाकें) सेहो देलथिन अछि। जुलाइ १४-१९९४ केर पत्र मे श्रीशहाबुद्दीन लिखलथिन अछि :

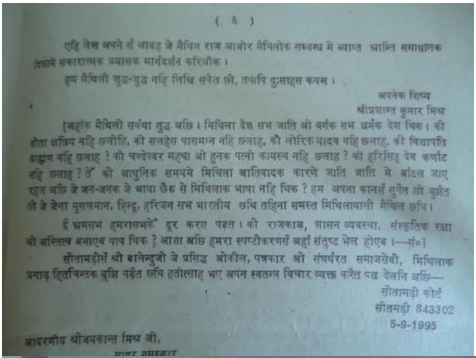
I sympathize with your objective and have myself proposed the inclusion of Maithili which is a very advanced language in the list of national languages in Schedule Eight of the Constitution. I have also suggested to the Census authorities that Maithili speakers should not be counted under Hindi but they should be counted separately so that we have an exact idea about the number of Maithili speaking people in various districts of Bihar and in Bihar as a whole.

Whether there should be a separate Mithila State will depend upon the progress that the movement for smaller states makes in the country as a whole. I am personally in favour of small States which are culturally and linguistically homogeneous, administratively manageable and economically viable and have a distinct historic status. Mithila fits the Bill but where its boundaries should lie will not depend upon historic claims but on present demography which must await the publication of Census tables.

एही आशयकेर विस्तृत विचार अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति, प्रयागकेर अध्यक्ष डॉक्टर श्रीजयकान्तमिश्र किछुए दीन पूर्व अपन एक गोट प्रेस-साक्षात्कारमे ई कहि व्यक्त कएने रहथि जे मैथिलीक लड़ाइ आब बिहार राज्य मे लड़ए पड़त।

एहि सम्बन्धमे समय बड़ तीव्र गतिसँ बढ़ि रहल छैक। पंचायत ओ देशक निर्वाचन मायपर आबि गेल अछि। जँ हमं सब सूतल रहब तँ इहो अवसर बीति जाएत। तेँ मैथिली समाचार आह्वान करैत अछि जे पाठक आबथु एहि सम्बन्धमे अपन स्वतंत्र विचार लिखथि एवं बिहारक अंग्रेजी, हिन्दी पत्रसभमे





(९)

एहि लेख अपने सँ आयल जे मैथिल राज आओर मैथिलीक सम्बन्ध में व्याप्त भ्रान्ति समाधानक दिशामे सकारात्मक प्रयासक मार्गदर्शन करिऔक।

हम मैथिली शुद्ध-शुद्ध नहि लिखि सकैत छी, तथापि दुःसाहस कयल।

अपनेक शिष्य
श्रीप्रशान्त कुमार मिश्र

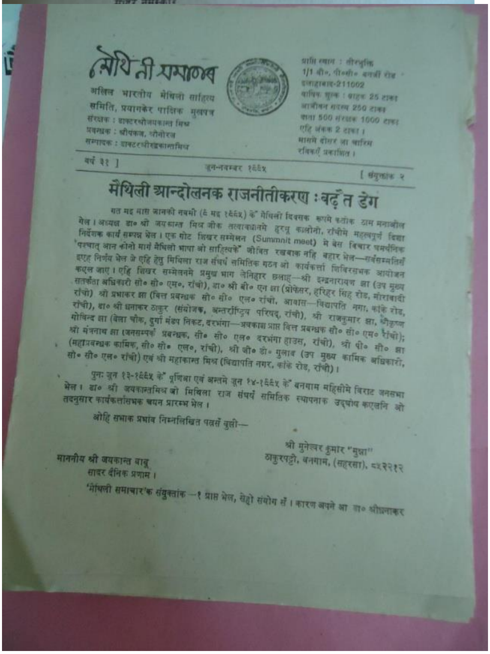
[अहाँक मैथिली सर्वथा शुद्ध अछि। मिथिला देश सभ जाति ओ वर्गक सभ धर्मक देश थिक। की सीता क्षत्रिय नहि छलीह, की सलहेस पासमान नहि छलाह, की लोरिक यादव नहि छलाह, की विद्यापति ब्राह्मण नहि छलाह? की चण्डेश्वर महथा ओ हुनक पत्नी कायस्थ नहि छलाह? की हरिसिंह देव कर्णाट नहि छलाह? तेँ की आधुनिक समयमे मिथिला जातिवादक कारणे जाति जाति मे बाँटल जाए रहल अछि जे जन-जनक जे भाषा छैक से मिथिलाक भाषा नहि थिक? हम अपना कानसँ सुनैत छी बुझैत छी जे केना मुसलमान, हिन्दू, हरिजन सभ भारतीय छथि तहिना समस्त मिथिलावासी मैथिल छथि।

ई भ्रमसभ हमरासभकेँ दूर करए पड़त। की राजकाज, शासन व्यवस्था, संस्कृतिक रक्षा ओ अस्तित्व बनाएब पाप थिक? आशा अछि हमरा स्पष्टीकरणसँ अहाँ संतुष्ट भेल होएब।—सं०]

सीतामढ़ीसँ श्री बालेन्दुजी जे प्रसिद्ध ओकील, पत्रकार ओ संघर्षरत समाजसेवी, मिथिलाक प्रगाढ़ हितचिन्तक बुझि पड़ैत छथि हतोत्साह भए अपन स्वतन्त्र विचार व्यक्त करैत पत्र देलनि अछि—

सीतामढ़ी कोर्ट
सीतमढ़ी 843302
5-9-1995

आदरणीय श्रीजयकान्त मिश्र जी,



मैथिली समाचार

अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समिति, प्रयागकेर पाक्षिक मुखपत्र
संरक्षक : डाक्टरश्रीजयकान्त मिश्र
प्रबन्धक : श्रीपंकज, श्रीनीरज
सम्पादक : डाक्टरश्रीशशिकान्तमिश्र

प्राप्ति स्थान : तीरभुक्ति
1/1 बी०, पी०बी० बनर्जी रोड
इलाहाबाद-211002
वार्षिक शुल्क : ग्राहक 25 टाका
आजीवन सदस्य 250 टाका
दाता 500 संरक्षक 1000 टाका
एहि अंकक 2 टाका।
मासमे दोसर आ चारिम रविकेँ प्रकाशित।

वर्ष ३१] जून-नवम्बर १९९५ [संयुक्तांक २

मैथिली आन्दोलनक राजनीतीकरण : बढ़ैत डेग

गत मइ मास जानकी नवमी (९ मइ १९९५) केँ मैथिली दिवसक रूपमे कतोक ठाम मनाओल गेल। अध्यक्ष डा० श्री जयकान्त मिश्र जीक तत्वावधानमे हुरमू कालोनी, राँचीमे महत्वपूर्ण दिशा निर्देशक कार्य सम्पन्न भेल। एक गोट शिखर सम्मेलन (Summnit meet) मे बेस विचार पमर्शनिक पश्चात् आन कोनो मार्ग मैथिली भाषा ओ साहित्यकेँ जीवित रखबाक नहि बहार भेल—सर्वसम्मतिसँ इएह निर्णय भेल जे एहि हेतु मिथिला राज संघर्ष समितिक गठन ओ कार्यकर्त्ता शिविरसभक आयोजन कएल जाए। एहि शिखर सम्मेलनमे प्रमुख भाग लेनिहार छलाह—श्री इन्द्रनारायण झा (उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सी० सी० एम०, राँची), डा० श्री बी० एन झा (प्रोफेसर, हरिहर सिंह रोड, मोराबादी राँची) श्री प्रभाकर झा (वित्त प्रबन्धक सी० सी० एल० राँची, आवास—विद्यापति नगर, काँके रोड, राँची), डा० श्री धनाकर ठाकुर (संयोजक, अन्तर्राष्ट्रिय परिषद्, राँची), श्री राजकुमार झा, श्रीकृष्ण गोविन्द झा (बेला चौक, दुर्गा मंडप निकट, दरभंगा—अवकाश प्राप्त वित्त प्रबन्धक सी० सी० एम० राँची); श्री मंत्रनाथ झा (जनसम्पर्क प्रबन्धक, सी० सी० एल० दरभंगा हाउस, राँची), श्री पी० सी० झा (महाप्रबन्धक कार्मिक, सी० सी० एल०, राँची), श्री जी० डी० गुलाब (उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, सी० सी० एल० राँची) एवं श्री महाकान्त मिश्र (विद्यापति नगर, काँके रोड, राँची)।

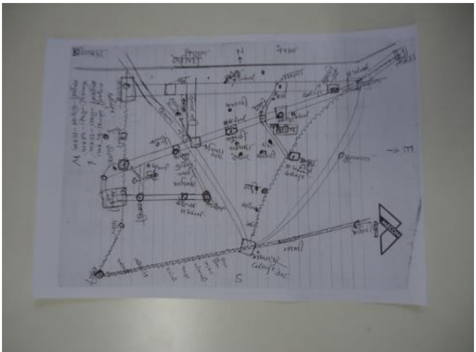
पुनः जून १३-१९९५ केँ पूर्णिआ एवं अन्तमे जून १४-१९९५ केँ बनगाम महिसीमे विराट जनसभा भेल। डा० श्री जयकान्तमिश्र ओ मिथिला राज संघर्ष समितिक स्थापनाक उद्घोष कएलनि ओ तदनुसार कार्यकर्त्तासभक चयन प्रारम्भ भेल।

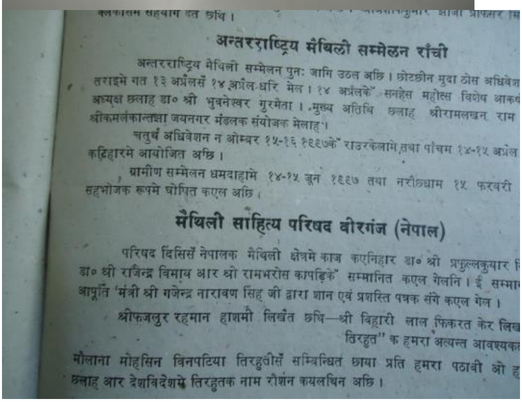
ओहि सभाक प्रभाव निम्नलिखित पत्रसँ बुझी—

श्री मुनेश्वर कुमार "मुन्ना"
ठाकुरपट्टी, बनगाम, (सहरसा), ८५२२१२

माननीय श्री जयकान्त बाबू
सादर दैनिक प्रणाम।

'मैथिली समाचार'क संयुक्तांक—१ प्राप्त भेल, सेहो संयोग सँ। कारण अपने आ डा० श्रीधनाकर





कलकत्तामे सहयोग दैत छथि।

अन्तरराष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन राँची

अन्तरराष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन पुनः जागि उठल अछि। छोटछीन मुदा ठोस अधिवेश
तराइमे गत १३ अप्रैलसँ १४ अप्रैल धरि मेल। १४ अप्रैलकेँ सनहेस महोत्स विशेष आकर्
अध्यक्ष छलाह डा० श्री भुवनेश्वर गुरमेता। मुख्य अतिथि छलाह श्रीरामलखन राम
श्रीकमलकान्तझा जयनगर मंडलक संयोजक मेलाह।

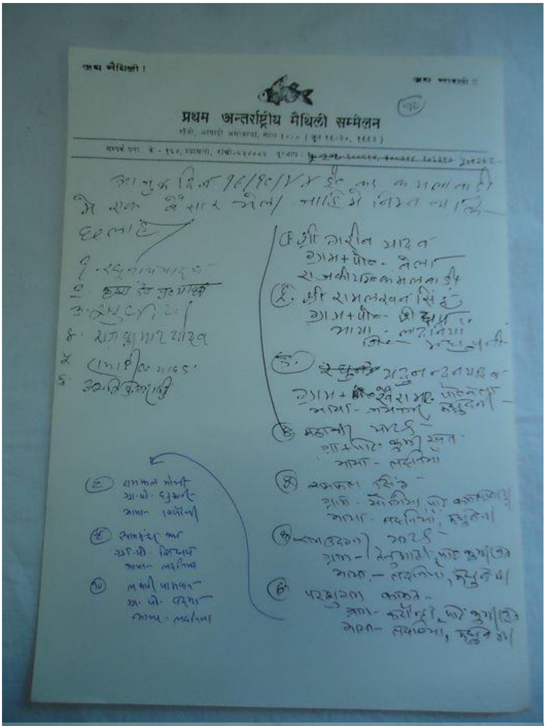
चतुर्थ अधिवेशन न ओम्बर १५-१६ १९९७के राउरकेलामे तथा पाँचम १४-१५ अप्रैल
कटिहारमे आयोजित अछि।

ग्रामीण सम्मेलन धमदाहामे १४-१५ जून १९९७ तथा नरीछधाम १५ फरवरी
सहभोजक रूपमे घोषित कएल अछि।

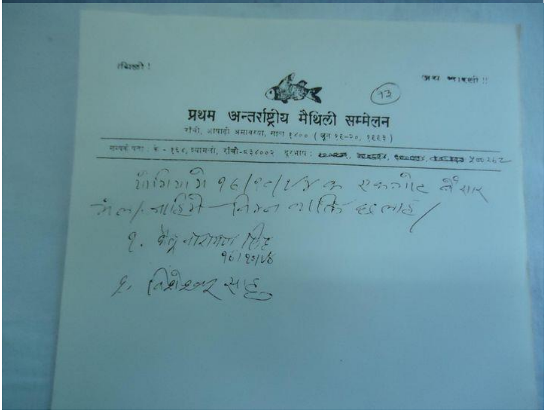
मैथिली साहित्य परिषद वीरगंज (नेपाल)

परिषद दिसिसँ नेपालक मैथिली क्षेत्रमे काज कएनिहार डा० श्री प्रफुल्लकुमार
डा० श्री राजिन्द्र विमाय आर श्री रामभरोस कापड़िकेँ सम्मानित कएल गेलनि। ई सम्मा
आपूर्ति 'मंत्री श्री गजेन्द्र नारायण सिंह जी द्वारा शान एवं प्रशस्ति पत्रक संगे कएल गेल।

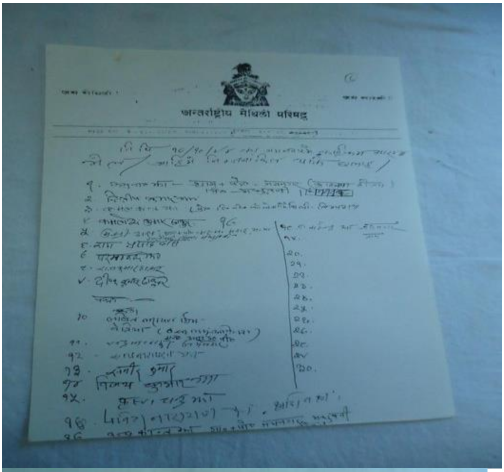
श्रीफजलुर रहमान हाशमी लिखैत छथि—श्री बिहारी लाल फिकरत केर लिख
तिरहुत" क हमरा अत्यन्त आवश्यक
मौलाना मोहसिन विनपटिया तिरहुतीसँ सम्बिन्धित छाया प्रति हमरा पठाबी ओ ह
छलाह आर देशविदेशमे तिरहुतक नाम रौशन कयलथिन अछि।



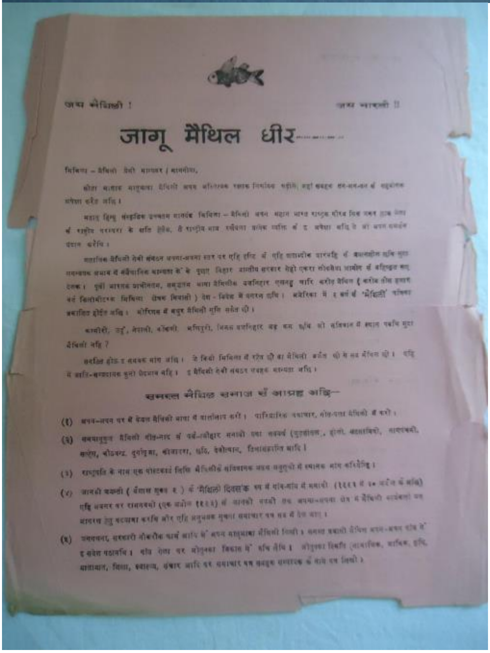
प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन



प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन

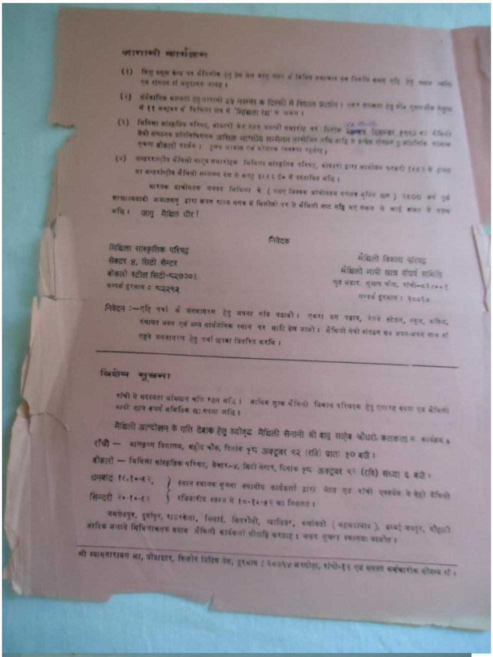


अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्



जागू मैथिल धीर

समस्त मैथिल समाज सँ आग्रह अछि—



आगामी कार्यक्रम

भारतक प्राचीनतम जनपद मिथिला के

जागू मैथिल धीर!

निवेदक

मिथिला सांस्कृतिक परिषद्
सेक्टर ४, सिटी सेन्टर
बोकारो स्टील सिटी-८२७००१
सम्पर्क दूरभाष : ८२२९२

मैथिली विकास परिषद्
मैथिली भाषी छात्र संघर्ष समिति

निवेदन :—एहि पर्चा कें जनजागरण हेतु अपना गाँव पठाबी।

एहने जनजागरण हेतु पर्चा छपबा वितरित करथि।

विशेष सूचना

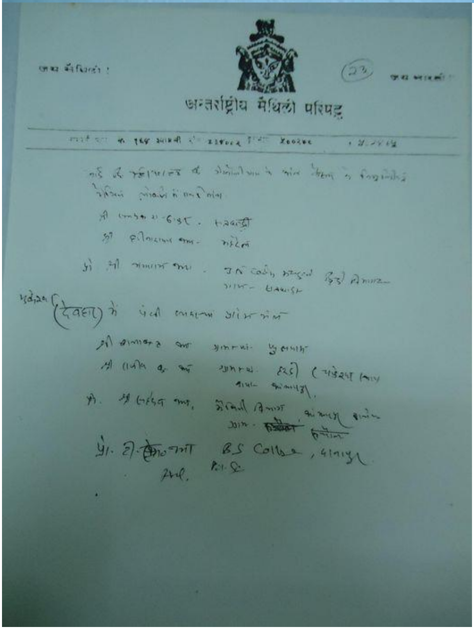
मैथिली आन्दोलन के गति देबाक हेतु वयोवृद्ध मैथिली सेनानी श्री बाबु साहेब चौधरी कलकत्ता क कार्यक्रम।

राँची — बालकृष्ण विद्यालय, शहीद चौक, दिनांक १८ अक्टूबर ९२ (रवि) प्रातः १० बजे।

बोकारो — मिथिला सांस्कृतिक परिषद, सेक्टर-४, सिटी सेन्टर, दिनांक १८ अक्टूबर ९२ (रवि) संध्या ६ बजे।

धनबाद

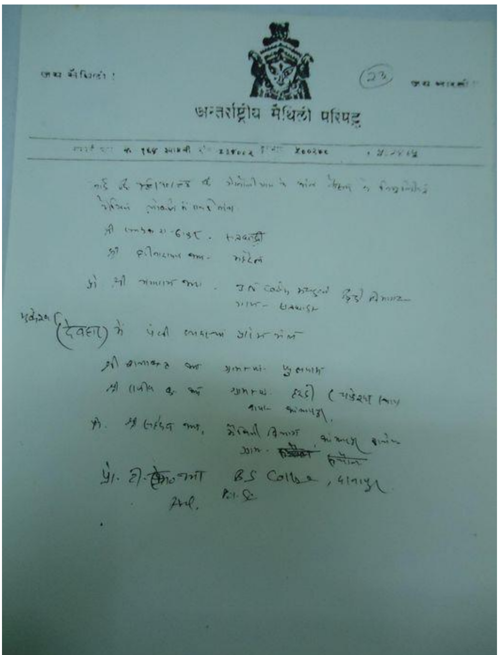
सिन्दरी



जय मैथिली!

अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्

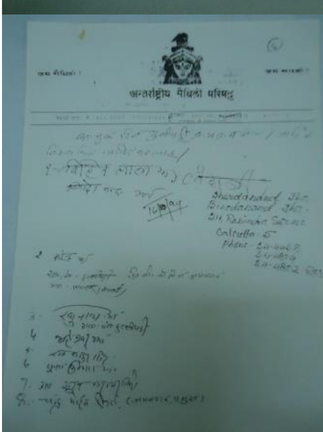
(देवघर)



अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्

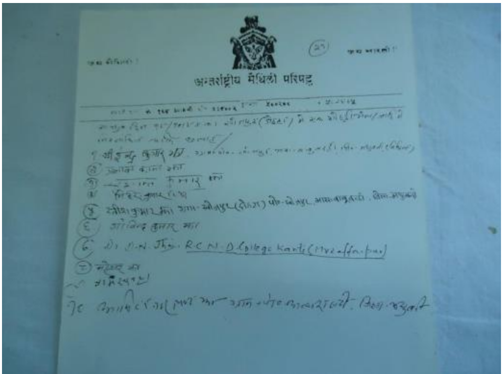
(देवघर)

B.S. College



अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्

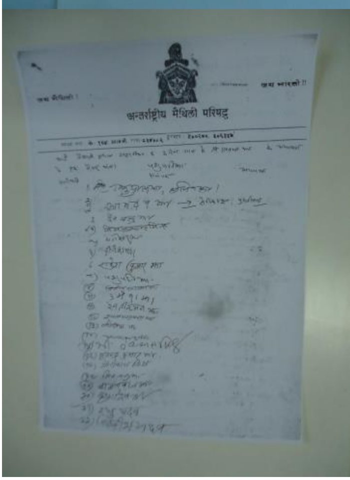
Sharadanand Jha
Calcutta - 5



जय मैथिली !

जय भारती !

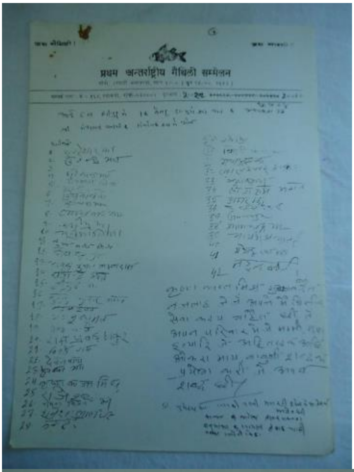
अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्

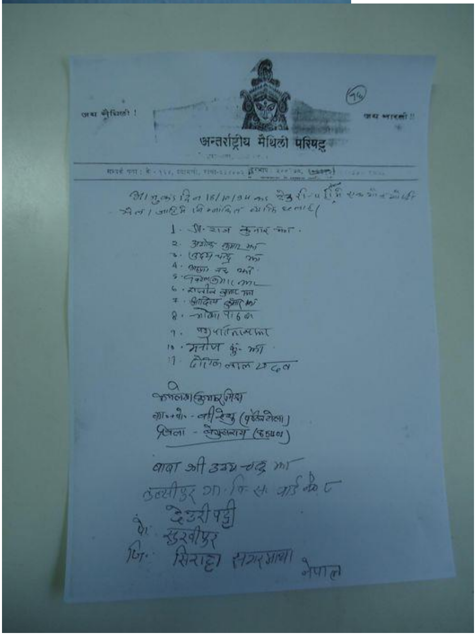


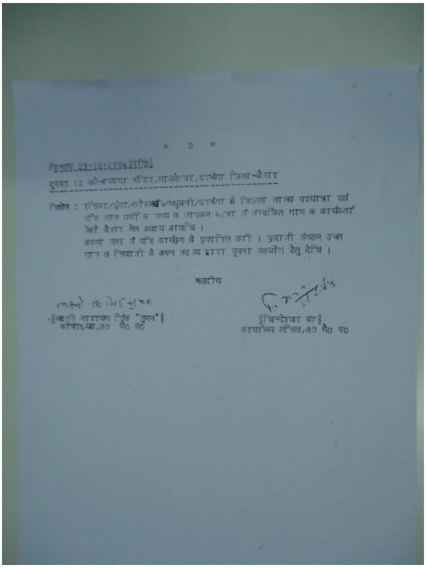
जय मैथिली !

जय भारती !!

अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्


जय मैथिली !
जय भारती !
प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन

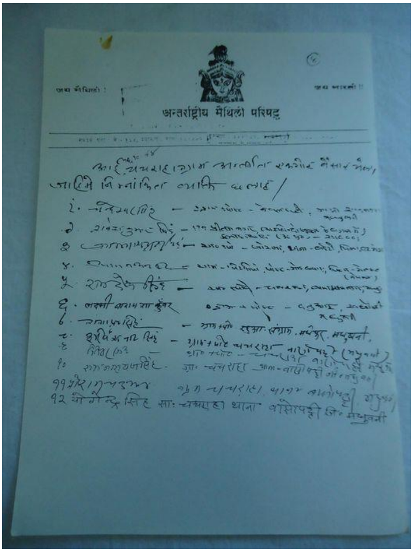

जय मैथिली !
जय भारती !
अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्



= 2 =

भवदीय

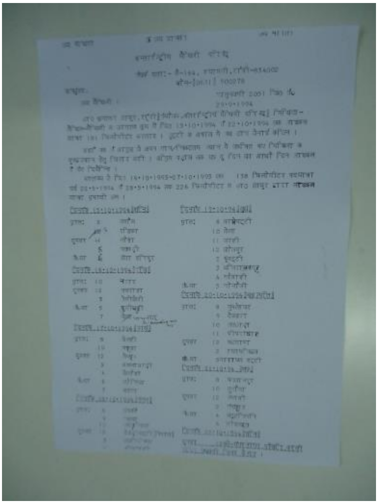
(बिन्देश्वर झा)
कार्यालय सचिव,अ0 मै0 प0



जय मैथिली !

जय भारती !

अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्





जनगणनामे मातृभाषा मैथिली लिखाबी! भारतमे मिथिला राज्य बनाबी!!

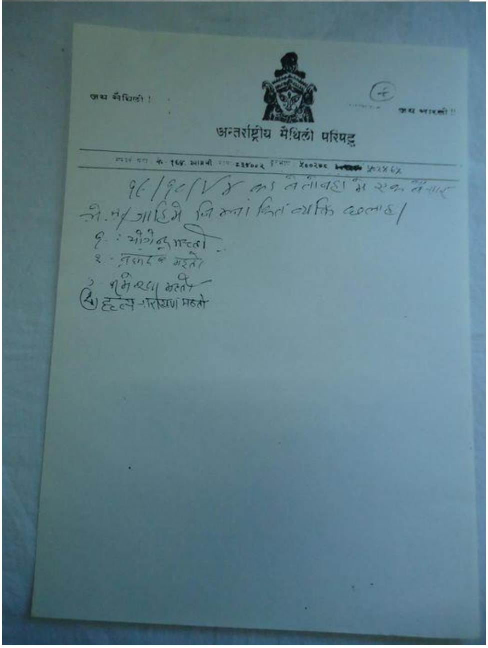
Per capita income remains unchanged and more importantly, the investments that the state government had touted as having come in, according to my information have not actually materialised, except perhaps one or two. That too, that would in no way help the state turn the corner. Most development works are confined to in and around the state capital. Smaller cities and the villages are as they had been in the past. Today's Bihar is a classic case of Patna being showcased as the state's only city even as the state's

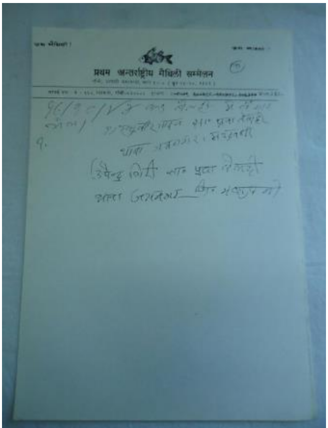


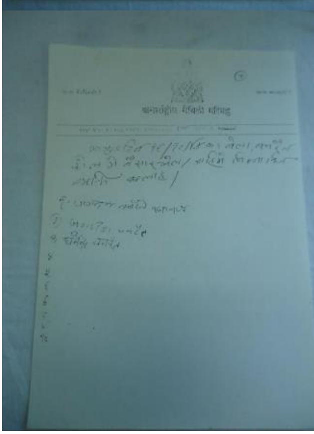
निवेदक – डा. धनाकर ठाकुर Mo. 9430141788

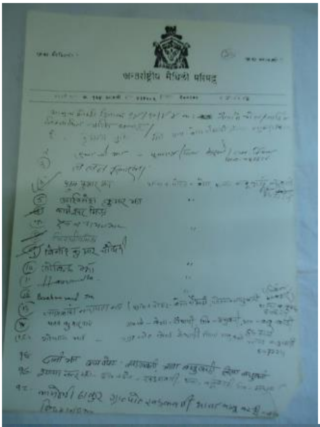
E-Mail- hanakarmithila@rediffmail.com

491010110001633

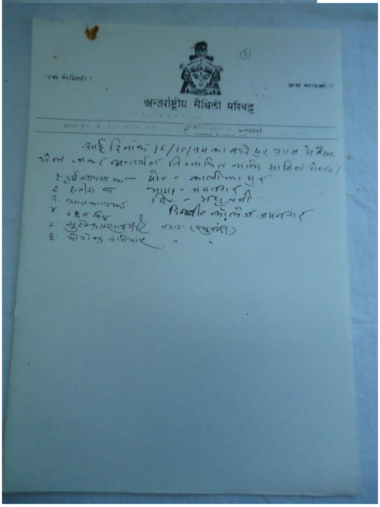



प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन

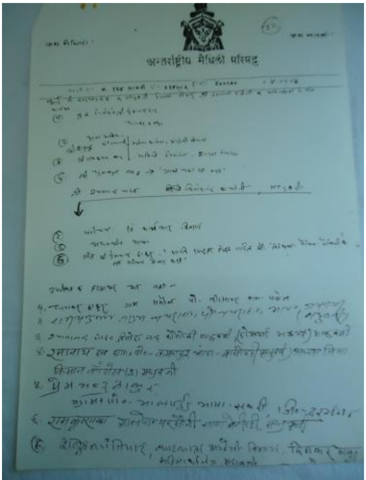

अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्

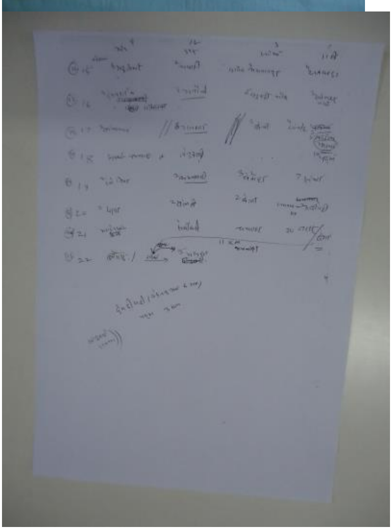


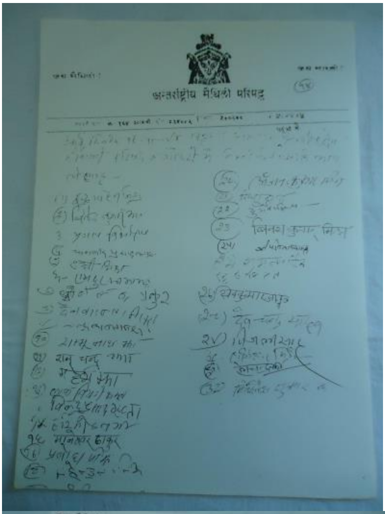
अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्



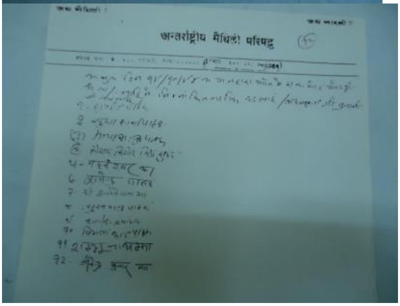
अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्


अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्

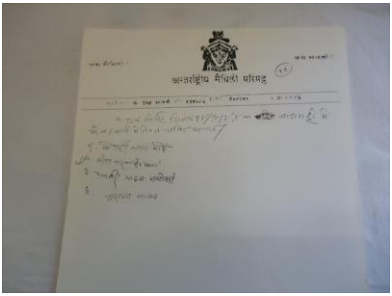




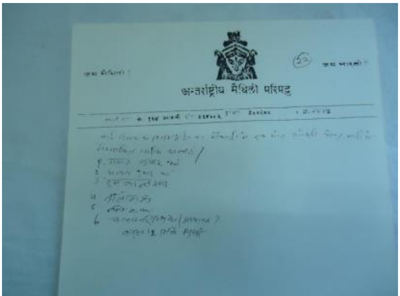
अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्



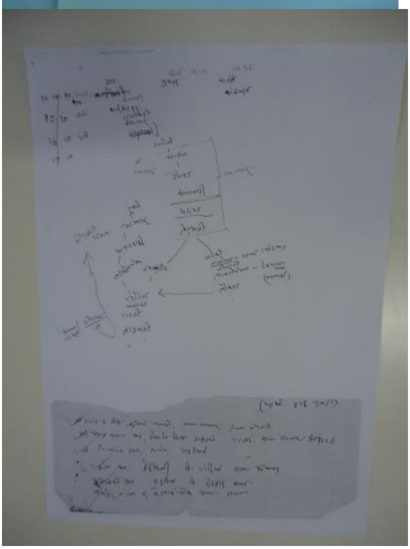
अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्

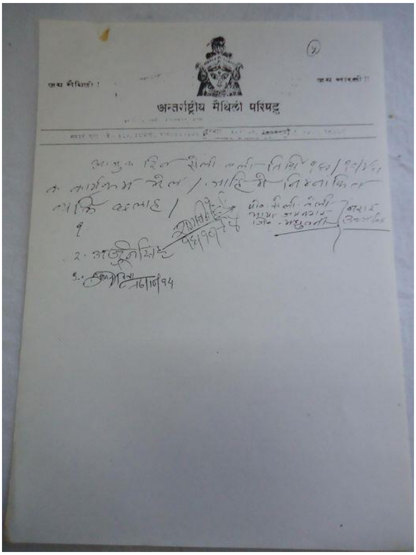


अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्



अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्





अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.८. अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आओर विभिन्न जाति केर समन्वय

सामाजिक समरसता – एक सत्र प्रशिक्षण वर्गमे रहैत अछि। सदस्य सूची देखला पर हर जाति वर्ग स्थानक लोक भेटताह ओना ई सत्य जे ई सामाजिक नम्बरक अनुरूप नहि अछि किन्तू ईमानदार प्रयास जारी रहल अछि। अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् क इकाई मिथिला मुस्लिम मंच क दू सम्मेलन भय चुकल अछि। दलसिंहसराय 20.7.2017 Mithila Muslim manch प्रथम स्थापना दिवस जनता माइनॉरिटी कालेज उजियारपुर समस्तीपुर अध्यक्षता प्रो अमानुल्ला द्वारा भेल।












उद्घाटनकर्ता–



अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.९. अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद एवं साहित्य

अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक निर्माण प्रथम अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे 20.6.1993क भेल। ओहि समय विचार आएल छल कि अपन संगठनक एक पत्रिका आवश्यक अछि। वस्तुत: 20 जूनक संध्या या 21 जून 1993 क प्रातः काल हम (डॉक्टर धनाकर ठाकुर) सम्मेलनमे उपस्थित संपादकसभकें एक बैठकमे आमंत्रित केने छलहूं जाहिमे उपस्थित छलाह मिथिला परिक्रमा,दरभंगा, कर्णामृत, कोलकाताक राजनंदन लाल दास, बागमती-दामोदर टाइम्सक संभवत हितनाथ झा, प्रवासक भेंट, कोलकाताक लूटन ठाकुर । पूछलिएन्हि के अपन पत्रिकाकें अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद् कें देब चाहब।

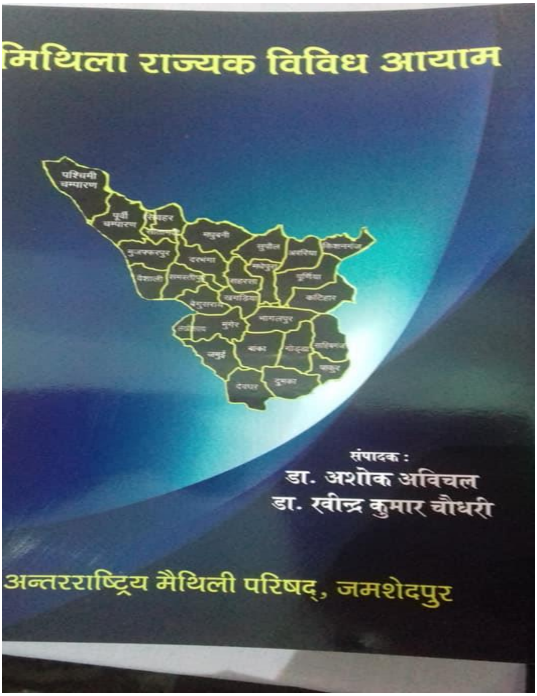
कर्णामृत जातीय पत्रिका छल तें एहिना बाहर। केवल लूटन ठाकुरक सहमति भेटल। हूनकासं पूछलिएन्हि आर्थिक लाभ हानि की? कहलाह ₹700 महीना बचत अछि। अहांक व्यक्तिगत खर्च की अछि? कहलाह 1000 । त कहि देलियन्हि ई ₹600 दू महीनाक खर्च लेल अपने ल लिया आओर ई पत्रिका अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक भेल। एक संपादक मंडल बना देलिएन्हि जाहिमे शेफालिका वर्मा, कांग्रेसी नेता पासवान आओर हमहूं छलहुं। कहलियन्हि एकटा प्रेस खरीद देब मिथिला एक्सप्रेसमे सब दिन सांझमे नव पुरान अंक बेचि देल जाए।

कोलकाता जा अगिला अंक पठेलाह जाहिमे केवल केवल हमर नाम परामर्शदातामे छल। अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद् क पत्रिका नहि लिखल छल। सम्मेलनमे भेल प्रस्ताव जरूर आओर समाचार जरूर छपल छल। कार्यालय मंत्री बिंदेश्वर झा हूनका पत्र देलखिन्ह त लिखलन्हि जे परिषद् क समाचार छापि देने छी। तखन विन्देश्वरजी हूनका फेर लिखलन्हि जे अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद पाई दक समाचार छापक निर्णय नहि लेलक अछि किन्तु देल 600 वापिस सेहो नहि भेल। 1992 मे कोलकाता गेल छलहूं त बाबू साहब चौधरीक की कीमत ओहिमे माऊबेहटक एक कार्यकर्तासं पूछने छलियैन्हि जकर आधा पैसा कोलकातामे जमा करक व्यवस्था हो से मोनमे छल। मोनमे यैह राखि तीन हजार टांका जखन ओ पैंच तीन महीना लेल मंगलाह रांचीमे देलिएन्हि किन्तु ने लौटकर ने मैथिलीक प्रेस भेल। मैथिलक बहुत प्रेस छैक मैथिलीक कोनहूं प्रेस नहि छैक से हो हमर मोनमे छल। मैथिली मासिकसं दैनिक निकलय त मिथिलामे क्रांति आबि जायत किंतु हमर मोनक बात मोनहिमे रहि गेल। किंतु हमर निर्णय छल जे पत्रिका चाही से अक्टूबर 1995सं मैथिली संदेश निकलय लागल। गांव गांव तक मिथिला राज्य ओ मैथिली भाषाक प्रचारमे बहुत कारगर भेल। हमरा ओहि दिन प्रसन्नता भेल जहिया खगड़िया-समस्तीपुर कोई लाइनक गाड़ीमे मैथिली संदेश ककरहूं देला पर एक लड़का साजिश उठल एहिमे स्वास्थ्य

चर्चा सेहो रहैत छै। ओ भिड़हा गामक छल जतय प्रायः: मिथिलाक आठ सौ हाई स्कूलमे एक नि:शुल्क प्रति डाकसं जाइत रहल होयत। जयकांत बाबुक देल सूचीमे हम किछु आओर जिलाके जोड़ने छलहूं। हमरा प्रसन्नता छल कि मैथिली संदेश सभ ठाम पहुंचि रहल अछि। लॉकडाउनक समय आओर बादमे पीडीएफ कर देल गेल। समाजसं खास आर्थिक सहयोग नहि भेटला ओना अररिया जिलामे एक मूल्य पांच टाका देने छलथि जबरदस्ती जे लेबाकहि होएत । अमेरिकासं 15000 रूपा अमरनाथ झा बख्सी किनकहूं दरभंगामे हमरा पठबय कहलखिन्ह। दरभंगामे ड्राफ्ट बनबयमे लागल तीस रूपा काटि 14970क ड्राफ्ट हमरा आएल। रजिस्ट्रीक खर्च ओ स्वयं लगौलाह। हम 530रूपा अपन लगा अकाउंट खोलौलहूं और 15000 रूपा फिक्स्ड डिपॉजिटमे त्रैमासिक सूद पर लगा देल जे अखनहूं अछि।

लोग सुझाव देताह स्तरीय पत्रिका निकालू किंतु अधिक संख्यामे 8000 5000 निकालैत 313000 प्रति द निशुल्क वितरित भेल। लाभ जे मिथिलाक हर हाई स्कूलमे जागरण केलक। प्रारंभमे रांचीक विनोदजी, राजकुमारजी प्रकाशनमे सहयोगी छलाह। बादमे संग नहि रहलाह आओर धीरे-धीरे व्यवस्थामे सेहो कमजोरी आएल । एखन तकक पुरान अंकक स्कैन अलगसं उपलब्ध कराओल जाएत विदेह पेटारमे। यथापुर्व मैथिली संदेश निकालल जाएत। स्मारिकाक रूपमे पत्रिका दू बेर

निकलल। आनहूं स्मारिका अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद निकाललक जाहि मे प्रथम रांची एवं सातम सम्मेलन जमशेदपुरक संग्रहणीय अछि जे उपलब्ध कराओल जाएत। अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद द्वारा प्रकाशित पुस्तक सेहो अछि जकर कभरक फोटो निच्चा देल जा रहल अछि।



संपादकीय टिप्पणी- *एहि लेखमे राजनंदन लाल दास (आब स्व.) एवं हुनका द्वारा संपादित पत्रिका कर्णामृतकेँ जातीय*

पत्रिका कहल गेल अछि। पाठक एहिपर विशेष जनतब विदेहक राजनंदनलाल दास विशेषांक पढ़ि जानि सकै छथि- राजनन्दन लाल दास विशेषांक 333 अंक 2021 नवम्बर 01 https://store.pothi.com/book/gajendra-thakur-विदेह-राजनन्दन-लाल-दास-विशेषांक/

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.१०. अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आओर विज्ञान

अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक संस्थापक एक डॉक्टर तें विज्ञानक विकासमे योगदानकें भाषासं जोड़ि देलाह। वैज्ञानिक विकास साहित्यसं जोड़ि देल गेल ओ प्रथम दोसर सातम अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे सत्र राखल गेल मिथिलामे कृषि-वैज्ञानिक विकास, मिथिलामे भूकम्प , मिथिलामे बाढ़ि नियंत्रण आदि। रांची कृषि विश्वविद्यालयमे चौरचंदमे कृषि विज्ञान पर आधारित चर्चा भेल।

जुड़ शीतलमे कादो फेकनाइ बाढ़ि नियंत्रण करत।
संस्थापक डा धनाकर ठाकुर द्वारा नेशनलिस्ट एग्रीकल्चरल आर्गेनाइजेशन , नेशनलिस्ट इंजीनियरिंग आर्गेनाइजेशनक गठन मिथिलाक भूकंप पर सेमिनार वैज्ञानिक आयाम अछि। भारतक भूकंपीय रेड जॉन 5 मे हमर मिथिलाक अधिकांश उत्तरी भाग अछि यानी यानी मिथिलामे मल्टी स्टोरी बिल्डिंग नहि बनकर चाही बनएत त भूकंपरोधी।

मखान मिथिलाक वैज्ञानिकता अछि फूड इंजीनियरिंग ।
मिथिलामे फूड इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पशु विज्ञान पर आधारित जीवन लेल पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय आओर

महाविद्यालयक आवश्यकता अछि। खेतीक विकासमे पंचाग विज्ञानसं गणित शास्त्र पर आधारित मिथिलामे विकसित भेल। विज्ञान पर आधारित विकास चाही।दरभंगामे आईआईटी, मुजफ्फरपुरमे इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च , नवगछियामे प्लांटेशन मैनेजमेंटक पढ़ाइ हो। मिथिला के पलायन के विज्ञान मिथिलामे अनेक श्रेष्ठ वैज्ञानिक छथि योगेंद्र पाठक वियोगी, भाभा परमाणु केंद्रक, इंस्टिट्यूट ऑफ़ फंडामेंटल रिसर्चक डायरेक्टर जखन बुद्धा स्माइल्ड पोखरणक विस्फोट पर पहिल डा सुधांशु शेखर झाक टिप्पणी छल प्रधानमंत्री वाजपेईक तुरंत बाद। दरभंगा मेडिकल कॉलेजमे शिक्षक डॉ बीरेंद्रनाथ दास गुप्ता, डॉ भवनाथ मिश्र,डा शंभुनाथ चौधरी , डा मोज्ञन मिश्र, डा गणपति मिश्रक मैथिलीक प्रति प्रेम अनन्य छल। अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद मिथिलाक वैज्ञानिक आयाममे विकास चाही मानैत अछि । वैज्ञानिक आओर आध्यात्मिक समन्वय अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक सोच अछि। अंधविश्वाशक समर्थन नहि बेबाक चाही। विकास वैज्ञानिक आलोकमे चाही। तकनीकी आओर वैज्ञानिक शब्द मैथिलीमे चाही। हमर 1973क लेख अछि " विषाणु विस या नवजीवनक निर्माण।," अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक पत्रिका मैथिली संदेशमे स्वास्थ्य चर्चा नियमित प्रकाशित होइत अछि।

संपादकीय टिप्पणी- *एहि लेखमे धनाकर ठाकुरजीक जाहि विषाणु बला आलेखक चर्च अछि से आलेख विदेहक अंक 387,*

1 फरवरी 2024 कैँ पुनर्प्रकाशित कएल गेल छलै। [लिंक: http://www.videha.co.in/videha.htm]

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.११. अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् कला एवं समाज समाज

अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आओर कला

एहि में अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद कम योगदान नहि यद्यपि मूल रूपसं क्षेत्रीय जागरणक कार्य एकर अछि।किंतु मधुबनी पेंटिंग हो या सिकी मौनीक द्वारा कुटीर उद्योग कार्य कें अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषदक सदस्य प्रोत्साहित करैत छथि। मिथिला कला मंचक गठन कयल गेल अछि। हर अंतराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे जन जन में बहुतरास कलाकार द्वारा मनोरंजन आओर जागरण संग- संग होइत अछि।

अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् आओर समाज

हर संगठन समाजक प्रतिबिंब हेबाक चाही । अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद समाजक अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचा ओकरा भाषाक स्वाभिमान भरैत अछि। छात्र या वंचित वर्गक लोक हो अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषदक सशक्त कार्यकर्ता हार्दिक परिवर्तन कए समाजकें तैयार करैत अछि। अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक विविध गांव गांव तक भेल कैंपमे लोक अपन समस्याक अनेकरूपक अनेक निदान जे सामाजिक आओर सरकारी स्तर पर जे संभव फबैत छथि। किनको न्यायालयक स्तर पर संभव छवि चाहिये सहयोग। किंतु एक समाज अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद अपन दृष्टिकोणसं बना रहल अछि

आओर सामान्य तथा आपातकालीन राहत प्रदान करक व्यवस्था करैत अछि।

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.१२. अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्क मिथिला जागरण यात्रा 1-100

अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद् क लेल डॉ धनाकर ठाकुर द्वारा कयल गेल 30.9.1992 सँ 31.7.2024 तक 286 मिथिला जागरण यात्रा

1992 अप्रैल सँ कुल 1420 दिन आ/अथवा राति मिथिलामे डॉ धनाकर ठाकुर द्वारा बिताओल गेल, शायद 1-2 प्रतिशत अपन पारिवारिक काज लेल। एहि मे सँ किछुक डेटिल संबंधित खंडमे नीचाँ देल गेल अछि :

Nos. DATES/S days Place IMP

MJY- I 30.9.1992 9 J_ to Forbesganj

Jagu Maithil Dhir pamphlet

1-4/10/1992 Forbesganj

6.10.1992 Kanhauli-Samaul

6th- Durga Visarjan at Samaul

7.10.1992 Darbhanga Jagu Maithil Dhir pamphlet

2 10.4.1993 4 Samaul (Madhubani)

11.4.1993 Darbhanga

?Abhyas Varg

11.4.1993 Darbhanga

12.4.1993 Janakpur Nepal

3 1-2.7.1993 5 Samaul (Madhubani)

3.7.1993 Madhubani

SEWA MITHILA,IB me Ptrakar sammelan Dr.nagendra Jhak sammukh

4.7.1993 Darbhanga NK Gami consented Gami Dharmashala for Kuter Vishwavidyalaya;Krishnakant Mishra, Vaidehi meeting-hansraj, Dr.Shivshankar,Chandresh,Ramesh etc.

4.7.1993 Darbhanga

meeting at 38,West Hostel

4 16.10.1993 14 Sakri-Kanhauli-Madhubani-Koilakh Padyatra

17.10.1993 Rampatti-Ranti Padyatra

18.10.1993 Saurath-Rahika Padyatra

19.10.1993 Satlakha-Arer-

Parsauni Padyatra

20.10.1993 Barha-Benipatti-Jagati-Ucchaith-Jagati Padyatra

21.10.1993 Tyotha-Durgauli-Manpaur Padyatra

22.10.1993 Manpaur-Khirhar-Jhituki-Harsuar-Outer Hissar-Karrahi chowk-Umgaon Padyatra

24.10.1993 Malimali-Kaluahi-Dhanga-Maltol(Haripur) Padyatra

25.10.1993 Dokhar-Karmauli-Pali-Khajauli Padyatra

26.10.1993 Laxmipur halt-Ambedkar colony-Kewan-Chichari-RannagarKhorhi-Mangrauni-Madhubani Padyatra

27.10.1993 Madhubani Padyatra

27.10.1993 Samaul (Madhubani)

28.10.1993 Sakri-Kanhauli

28.10.1993 Darbhanga-bus

5 21.5.1994 9 Bus
22.5.1994 Madhubani-Saurath-Rahika Cycle Yatra
23.5.1994 Satlakha-Arer-jarail-Benipatti Cycle Yatra
24.5.1994 Behta-jagati-Basith-Chapura-basaith-Pali-Rajaun--tariani-Massa-Mirjapur-Tariani Cycle Yatra
25.5.1994 Dharia-jagban-Kamtaul-Chahuta Cycle Yatra
26.5.1994 Ahiari-Gautamkund-Ratanpur-brahmpur-Katka-Kaligaon-Bharwada-Sanahpur-Lakhanpur-Kachhua-Chakauti Cycle Yatra
27.5.1994 Jajuar-Samari-Kharka-Rarhi-Narauch-Bihari-Singia Cycle Yatra
28.5.1994 Nikasi-Hariharpur-Pindaruch-Mahmadpur-Karaj-Baraul-Darbhanga Cycle Yatra
29.5.1994 Saramohanpur-

Lajeriasarai-Samastipur

6 14 .10.1994 11 Madhubani

15 .10.1994 RKC-Rahika-Kaluahi-Dhanga cycle yatra

16 .10.1994 Bardepur-Narar-Chavhraha-Selibeli-Dullipatti-Jaynagar cycle yatra-Kamlakntjis pahil b hent

17 .10.1994 Jaynagar-Belabanrait-Betaunha-Kamlabadi-Belhi-Jogia-Padma cycle yatra

18 .10.1994. Tenuahi-Chhapki-Mahtha-Ladnia-Deuripatti-Lachhiminia-Piparahi-Lalminia-Gajhara cycle yatra

19 .10.1994 Gajhara-Khadgbani-Jathi-Khojpur Dohta-Mauahi-Balirajgarh-Gonouli-Devhar cycle yatra

20.10.1994 Satghara-Bhatgama-Shyamsiddhab-Bhatgama-Naraynpatti-Sugauna cycle yatra

21.10.1994 Sugauna-Chapahi-

Bhattsimmari-Mailam-Koilakh cycle yatra

22.10.1994 Rampatti-Ranti-Madhubani- Samaul cycle yatra

23 .10.1994 Samaul-Bus

23.10.1994 Darbhanga

Shiveshwar babu Shyama mandir me-Mithila prant banat t' Mithilak Gandhi kahayab;

7 9.12.1994 6 Bus

10.12.1994 Darbhanga Bus stand par parchbaji

10-11/12/1994 Jaynagar

11.12.1994 Madhubani

11.12.1994 Samaul (Madhubani)

11.12.1994 Sakri s train

12.12.1994 Saharsa Collegeme baisar

12.12.1994 Bangaon

12.12.1994 Supaul

Jaikantbabu Dheerji dera par

bhentalh-Ishwark dera vishram

13-14/12/1994 Forbesganj

13-14/12/1994 Forbesganj

Jaikantbabu sang Bhirabbabu dera baisar

13.12.1994 Jogbani

Jaikantbabu sang

14-15/12.1994 Purnea Law collegeme baisar-ShantiJha dera bhojan-DYSP Manju Jha dera vishram

15.12.1994 BhagalpurTNB Collegeme baisar

8 6.1.1995 2 Train

7.1.1995 Samaul (Madhubani)

7.1.1995 Madhubani

7.1.1995 Darbhanga

9 9.6.1995 10 Darbhanga

9.6.1995 Samaul (Madhubani)

10.6.1995 Madhubani

10.6.1995 Rahika

10.6.1995 Benipatti

10.6.1995 Jagati

11.6.1995 Parsauni

11.6.1995 Ramnagar

12.6.1995 Madhubani

13.6.1995 Banmankhi

Prahlad janmsthan darshan

13.6.1995 Purnea

13.6.1995 Saharsa

Swatantraji's dera

14.6.1995 Mahishi Darshan

14.6.1995 Bangaon Mithila rajyak ghoshnapatra Jaykantbabudwara jari

14.6.1995 Saharsa-Janki

15.6.1995 Darbhanga

Jaikantbabu there

15.6.1995 Kanhauli

16.6.1995 Samaul (Madhubani)

17.6.1995 Darbhanga

Sumanji dera, Shyama Mandir

10 22.10.1995 13 Purnea

22-23/10/1995 Katihar

23.10.1995 Forbesganj

23.10.1995 Forbesganj

24.10.1995 Supaul

24.10.1995 Saharsa

25.10.1995 Kanhauli

25-26/10/1995 Dyorh

26.10.1995 Ghogardiha

26-27/101995 Hatni

27.10.1995 Madhepur

27-28/10/1995 Rasiari

28.10.1995 Madhepur

28.10.1995 Jhanjharpur

28-29/10/1995 Dainitol

29.10.1995 Manigachhi

29-30/10/1995 Kanhauli

30-31/10/1995 Jaynagar

31.10.1995 Kaluahi

31.10-1.11/1995 Rahika

31.10-1.11/1995 Ramnagar
1.11.1995 Kapileshwar
1.11.1995 Benipatti
1-2/11/1995 Madhubani
2.11.1995 Samaul-Madhubani
2.11.1995 Darbhanga-bus
11 25.12.19954 Darbhanga
25-27/12/1995 Madhubani
26.12.1995 Madhubani
Ashok Abichal(Rahua)
met at Madhubani Daffodil
School-sent message to
Dr.Laxman Jha for coming
to Madhubani IMC
26-27/12/1995 Samaul
(Madhubani)
12 6-9/1/1996 5 Madhubani
II AMS 7-8/1/1996
9.1.1996 Samaul (Madhubani)

9.1.1996 Darbhanga-Bus

13 16-19/2/1996 5 Madhubani

Shringeshji in court on 16/2

16.2.1996 Madhubani

divorce case opened

17.2.1996 Rahika

Chunchunji

17.2.1996 Dhakjari Banshujha

chah dokan

17.2.1996 Benipatti Rajkishor

Jha cycle dokan

17.2.1996 Damodarpur First

time saw the village

from where false cases were

launched by Dolly on me

17.2.1996 Hissar

17.2.1996 Madhubani

Jaykantbabusan bhent

18.2.1996 Madhubani

Manoj, Dr.Indranarayan,sarhad,

Jaykantbabu,Amarnath,'Bakshi',

Rudranath

18.2.1996 Sibipatti Stasyed at

night Amarnathji's house

18.2.1996 Dokhar Maithil Karyakarta Pratijna samaroh-Namonath, Chunchun,Medhanand, Udayshankar

19.2.1996 Jaynagar

Jaykantbabusang Lalanji, Narayanji, Kathmandu me III IMC k prastav; Rahikame Jaikantbabuke chhodi Madhubani

19.2.1996 Madhubani

19.2.1996 Kanhauli stayed at night

20.2.1996 Jhanjharpur

Kanhiya Jha panwalas sampark, Satish Jha,BJP,Vivekanad Mishra talked of Sangharsh kranti;Tarnand Misri,Naruar

20.2.1996 MadhepurVijay desirous of MLA but no

organisational skill

20.2.1996 Ghogardiha

Jibkantji, narayanji,Ranjit Pathak, Pijurgarh

21.2.1996 Darbhanga

7.3.1996 Madhubani Court

8.3.1996 Madhubani Court

14 8.3.1996 4 Madhubani

Maithili Sandesh distributed in Court

8.3.1996 Borhar chowk

Laxmi sahu did not agree for space; Sarpanch talked well

8.3.1996 Manpaur BK Jha ghar

9.3.1996 Borhar chowk Kiyo nahi chhal

9.3.1996 Madhubani

10.3.1996 Kanhauli

10.3.1996 Darbhanga

15 13-14.4.196 4 Darbhanga

Shivir sthagan

15.4.1996 Madhubani

Namonath kutcherime
15.4.1996 Madhubani
kutcherime
16 27.5.1996 6 Forbesganj
28.5.1996 ?
29.5.1996 ?
30.5.1996 ?
31.5.1996 ?
17 6-10/7/1996 6 ?Madhubani
Case related ?
18 31.8.1996 16 Kanhauli
1.9.1996 Kanhauli
2.9.1996 Madhubani
3-5/9/1996 ?Kanhauli
Namonath,Girish Choudhary
on 3rd in Madhubani court;
Chunchunji and Neelambarji,
saurath met at Rahika
6.9.1996 Madhubani
7-9/9/1996 ?Kanhauli
10-12/9/1996 Madhubani

13-14/9/1996 ?

19 21.9-2.10/1996 13 Madhubani

21.9-2.10/1996 Madhubani

20 5-13/10/1996 10 Madhubani

5-13/10/1996 Madhubani

Kichhu Maithil s bhent

21 21.2.1997 4 Jaynagar

22.2.1997 Janakpur Ayojan samiti gathit

23.2.1997 Darbhanga

22 3.4.1997 19 Katihar Ready for IMC

4.4.1997

5.4.1997 Nirmali Barhi sammelan Dinesh K Mishra dwara-BK Jha sange gelanhu

6-12/4/1997 Gramin sampark

13-16/4/1997 Tarai,Nepal

III AMS

13.4.1997 Marari

14.4.1997 Sirha Salhesh

mahotsava-Chief guest
Ramvilas Yadav,Dy Speaker,
Nepali parliament; left presidency
of AMP in favour of Dr.BP Gurumaita
	15.4.1997	Lahan	Vidyapati
Parva
	16.4.1997	Janakpurdham Janki
Mahotsav
	20.4.1997	Katihar	Seva
samiti
23	11-12/4/1998	9	Jaynagar
	13/4/1998	J_
	14-15/4/1998		Katihar	IV
AMS
	18-20/4/1998		Aalamnagar
	17.4.1998	Puraini	NIGHT
STAY AT UNKNOWN
Singhji's house
	18.4.1998	Alamnagar
	Hirababu suggested for
Madvanandnagar for Aalamnagar

24 17.5.1998 6 Khagaria
17.5.1998 Alamnagar
18.5.1994 Madhepura
19.5.1998 Saharsa
19-20/5/1998 Mathai
20.5.1998 Purnea
20.5.1998 Forbesganj
21.5.1998 Samastipur
21.5.1998 Kanhauli
25 20.6.1998 4 Deoghar
21-22/6/1998
26 24.11.1998 2 Deoghar met
Yogkar Jha; Usha Jha ,
Rarmeshwar Jha at castor town
24.11.1998 Deoghar
27 11.6.1999 5 Deoghar
11.6.1999 Bhagalpur
12.6.1999 Forbesganj
13-14.6.1999 Saharsa
28 18.7.1999 3 Samstipur-Rebari
18.7.1999 Narhan
19.7.1999 Saharsa

29 9.10.1999 3 Katihar

9.10.1999 Forbesganj Lalu lost election

10.10.1999 Samastipur-Rewadi

30 30.4.2000 4 Saharsa Maithili Vikash Parishad;
night stay Ramnarteshji

1.5.2000 Forbesganj

2.5.2000 Katihar

21.7.2000 ? Khagaria Case related

31 22.7.2000 3 Jaynagar

23.7.2000 Rahika

23.7.2000 Benipatti

23.7.2000 Mahmadpur
Suggested name change to Mithilapur

23.7.2000 Jaynagar

32 8.8.2000 5 Kanhauli

8.8.2000 Jaynagar

9.8.2000 Madhubani

9-10.8.2000 Darbhanga

Kamleshs bhen11th Patna

33 12.8.2000 1 Benipatti

34 28.8.2000 2 Madhubani

Tarababuk meeting Madhubani central cooperative me Mithila rajya lel-Rajku,ar Mahaseth arthik labh s shankit

35 21.10.20003 Darbhanga

21-22/10/2000 Madhubani

JN Co;;egem,e Manthan Shivir asgare chhalanhu 1993 s aab ek samuday sang achhi lagal

36 22.12.20007 Forbesganj

21.12.2000 Purnea

22.12.2000 Forbesganj

22.12.2000 Biratnagar-Nepal

23-24/12/2000 Biratnagar-Nepal VI IMC

25.12.2000 Biratnagar Press conference

25.12.2000 Forbesganj Via

25.12.2000 Saharsa
26.12.2000 Bangaon
26.12.2000 Mahishi
26.12.2000 Saharsa Saharsa sammelan nischit
27.12.2000 Katihar
37 4.2.2001 2 Barauni census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000
38 10.2.2001 3 Barauni census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000
10.2.2001 Samastipur census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000
10.2.2001 Darbhanga census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000
11.2.2001 Samastipur census maithili pamphlets 20,000 and posters 3000

11.2.2001 Barauni census maithili pamphlets
20,000 and posters 3000
39 1-4/4/2001 6 Jaynagar
MWTC-1
5.4.2001 Barauni
Kirtinarayan Mishras bhent
40 26.5.2001 3 Saharsa Mithila Rajya Abhiyan Tara babu
26.5.2001 Forbesganj
27.5.2001 Katihar
41 10.11.2001 4 Saharsa Sammelan
11.11.2001 Saharsa Sammelan
11.11.2001 Saharsa
12.11.2001 Samastipur
42 17.12.2001 3 Begusarai Bihar Jan parishad Parmhansji
Omar balika me meeting
17.12.2001 Saharsa Vijay Kr.Singh dera
18.12.2001 Saharsa Law collegeme baisar-

18.12.2001 Forbesganj
43 5.5.2002 9 Dalsing Sarai
MWTC-2
5-6/5/2002 Ajnaul
MWTC-2
6.5.2002 Chhabilapur
MWTC-2
7.5.2002 Dalsing Sarai
MWTC-2
7.5.2002 Begusarai Meeting
8-9/5/2002 Sukhsena
MWTC-3
9.5.2002 Sukhsena MWYC-3
10.5.2002 Forbesganj
11.5.2002 Bhagalpur MC
11.5.2002 Bhagalpur Keshkar's
dera
44 24.8.2002 3 Bhagalpur MC
24.8.2002 Bhagalpur Sabour
Mausis bhent
24-25/8/2002 Bhagalpur Sagar

rati katha goshthi

25.8.2002 Bhagalpur Keshkar's dera

45 6.10.2002 4 Muzaffarpur SKMC

6.10.2002 Darbhanga

6.10.2002 Darbhanga DMC

6.10.2002 Kanhauli

7-8/10/2002 Madhubani bail-Dolly appearred

46 13.12.2002 2 Madhubani

47 22.12.2002 5 Samastipur

22.12.2002 Darbhanga

23.12.2002 Madhubani

23.12.2002 Darbhanga

24.12.2002 Saharsa

24.12.2002 Forbesganj

25.12.2002 Purnea

25.12.2002 Bhagalpur

48 23.2.2003 5 Dalsing Sarai

24.2.2003 Darbhanga

24.2.2003 Sakri-Kanhauli SBI a/c father's closure 45,000

to Bhaiya by draft,6994 father's name draft

25.2.2003 Madhubani

Father got bail in court in false case by Dolly

26.2.2003 Darbhanga DMC

49 25.5.2003 3 Darbhanga in waiting room whole day-Indu came; with Shubhji for dentist son of Vijaykant Thakur(age less)

26.5.2003 Madhubani

motyher and Bindu's bail;charge framed on me

50 28.6.2003 4 Deoghar meeting

29.6.2003 Samastipur-Kanhauli

29.6.2003 Bhabanipur MWTC

30.6.2003 Madhubani

30.6.2003 Darbhanga-Bus

51 2.10.2003 4 Dalsing Sarai

2.10.2003

Begampur(Vaishnavi) went for name change of village

3.10.2003 Singiaghat

3.10.2003 Samastipur

3.10.2003 Darbhanga

Hasnchak Durgadarshan-instead of classmate Satrish Das went to other Dr.Satish Das's house

4.10.2003 Darbhanga

Madhveshwar darshan

4.10.2003 Muzaffarpur

Vishnukantjis bhent

52 22-23/11/2003 3 Dalsing sarai

XI IMC

53 28.2.2004 3 Darbhanga

Mithilanchal Vikas Parishad sammelan

28.2.2004 Darbhanga

29.2.2004 Darbhanga

Laxmishwar Pustakalaya; with Premkantji Patna

54 13.3.2004 2 Darbhanga
DMC's Platinum Jubilee
55 26.6.2004 3 Dalsing Sarai
26.6.2004 Darbhanga
Tunia's marriage's 4th day
27.6.2004 Darbhanga
Laheriasarai-meeting
56 12.9.2004 3 Dalsing Sarai
Shambhuji station par
12.9.2004 Darbhanga
karyakarta station par
12.9.2004 Darbhanga
waiting room me
13.9.2004 Madhubani train
Bhav Jha trainme -gamk
nam Mithilapur badalbak sujhab
13.9.2004 Madhubani
absolved from case- tea
with magistate Sanyay Kumar,
after with Dr.Shrinivas(1980),
Commissioner Radha Singh(1987),

Dolly(Dibrugarh 1989),

Bhura Mandir pujarin's offer 1996

57 20.10.20047 Jasidih-bus

20.10.2004 Bhagalpur

20.10.2004 Bhramarpur

21.10.2004 Forbesganj

22.10.2004 Hulas Mukhiya Bijendra Yadav

-Gurumaitaji ayalah-Kamalkantji nahi

23.10.2004 Bhagalpur

23.10.2004 Tarapur

23.10.2004 Kuangarhi

Mukhia Pramod Singh-Dayanath Jha, SN Pathak

24.10.2004 Banka Prof. Maheshchandra Jha-

Dr.Sunil Shil dera

24.10.2004 Dumaria-Motia

24.10.2004 Motia

25.10.2004 Dumaria

25.10.2004 Godda Met Prof. Manimohan Mishra

25.10.2004 Deoghar Pradosh Shringar of Baba seen

58 21.12.20047 Darbhanga

21.12.2004 Darbhanga Sureshwar Jha; stayed Laxmisagar BK Jha 'Lagma' dera

22.12.2004 Darbhanga

22.12.2004 Darbhanga Dr. Mohan Mishra deara

Maithili VIII Schedule aaniversary

23.12.2004 Begusarai

23.12.2004 Khagaria

23.12.2004 Saharsa Mayababu dera stayed

24.12.2004 Saharsa meeting

25.12.2004 Forbesganj

25.12.2004 Purnea Prakash Jha dera meeting and stayed

26.12.2004 Bhagalpur Vidyapati parva

59 25.2.2005 3 J_

26.2.2005 Bideshwarsthan

26.2.2005 Mahinathpur

26.2.2005 Mehath

26.2.2005 Kothia

26.2.2005 Jhanjharpur

27.2.2005 Darbhanga

60 11.3.2005 3 J_

12.3.2005 Saharsa Mithila Vidyarthi Parishad founded

13.3.2005 Begusarai

61 9.4.2005 6 Kishanganj

10.4.2005 Araria RRChoudhary,Ashok Mishra

10.4.2005 Forbesganj Sahara TV 's Saravgi

10.4.2005 Forbesganj

11.4.2005 Dholbajja Narendra Pandey;Khawasspur's Mishraji

11.4.2005 Forbesganj

Sahara TV 's interview;
Manoj Jha,ASM of Jonki
while searching Manikant Jha
11.4.2005 Biratnagar SN Mishra MithilaSeva
Samitik dera;Tintolia Meena Dev's;
Dr.Saha of Purnea there met
11.4.2005 Dharan Seen DR.BPKIMS; Lalchand's
whereabouts in matrimonial rift;
11.4.2005 Dharan askked DR.Rakesh Pandit for
Maithil Nepali Chikitsak Sangh
12.4.2005 Dharan Lachand's
12.4.2005 Biratnagar
National Academy; Er. GN Thajkur etc.
12.4.2005 Forbesganj ASM Manoj was discouraged
by Manikant Jha for Maithili meeting;
forms for Saharsa to Guard Baitha

12.4.2005 Katihar Dilip's dera

13.4.2005 Katihar Chandana-Pawanjh's dera Narayanji Came

13.4.2005 Katihar seen Katihar Medical College with Narayanji; Dr.Sunita Mishra' Dr. S Vivekanand; Ranjana's husband Dr.AK Jha

13.4.2005 Katihar Rajkumar Rai in DRM office

13.4.2005 Sabour

13.4.2005 Bhagalpur

62 1.5.2005 2 Darbhanga

MRAk Tarababuk anupasthis radd meeting Khadi bhandarme Mohan Mishra, Sureshwarbabu, Udyashankar,Kamalkantji, Chunchunji,Satish, Pawan Thakur aadi..

63 15.5.2005 3 Bhagalpur

Vishwambhaji bhai dera

15.5.2005 Purnea Sudhakar Jha SM s bhent-Maithili Sammealn tay 26-27 Nov.k

16.5.2005 Forbesganj-Katihar-Baarauni-Maurya ohi rickshaw s Babujike lay station

64 13.8.2005 4 Kishanganj

couldn't stay for meeting at 5 pm

13.8.2005 Araria Ashok didn't come to receive-no meeting held

13.8.2005 Forbesganj

14.8.2005 Katihar Interview at Medical College, agreed for Asst.Prof, but no pay protection

14.8.2005 Katihar met MLA Tarkishor

14.8.2005 Purnea-train GL

no meeting by Indranarayan Jha

14.8.2005 Saharsa Dr.LN Jha dera

15.8.2005 Saharsa Vinayji came

15.8.2005 Khagaria-train good meeting

65 8.10.2005 7 Begusarai Bhaaskarji dera

8.10.2005 Khagaria

Dharmendra came in meeting

8.10.2005 Saharsa LNJHa's dera

9.10.2005 Chainpur with LN Jha

9.10.2005 Bangaon

Abhimanyu Khan at Bhagwatyisthan

9.10.2005 Saharsa Met Amol, RajaraM-lALPARIS watantraji's dera

10.10.2005 Supaul Met Kedar Kanan, Dhirji,

10.10.2005 Ganpatganj with dayashankar

10.10.2005 Hulas

Bhagwatisthanme Mukhia kailash Yadav, Munnaji etc. neek meeting

10.10.2005 Dumari Ravindra choudhary's sasur

11.10.2005 Ganpatganj

Ravindra choudhary's ghar

11.10.2005 Forbesganj Met Dasji

11.10.2005 Forbesganj

Familial

12.10.2005 Kasba missed Amit Keshab and 5-7 journalist

12.10.2005 Purnea

Nomeeting; Prabhatji dera

13.10.2005 Shrinagar good meeting by Rani Jha;
Naerayanji came with other
3 from katihar

13.10.2005 Purnea Dr. I.P.Bhagat did not meet

13.10.2005 Kishanganj meeting and press conference – Mayababu residence;Vinodji saw off in train

66 24.12.2005 2 Forbesganj

24.12.2005 Hulas Maithili Wokers' camp

(MOTHER EXPIRED at RANCHI)

24.12.2005 Forbesganj Mother died at Ranchi- could knew at Dasji's dera

67 8.1.2006 2 Narar Maithilime shapath lel

Vidhayakk samman

68 5.2.2006 2 Deoghar Meeting OPMishra dera

5.2.2006 Deoghar Satyendrababuk shraddhabhoj

69 16.10.2006 5 Deoghar-then PATNA Baisar OPMishra dera-

Tata danapur train me
santosh Jha, saharsa recognised

17.10.2006 Begusarai Bhaskarji's son

17.10.2006 Khagaria baisar neek

17.10.2006 Saharsa LNJ dera baisar

18.10.2006 Darbhanga

Ashish, manish fer sureshwarbabu dera par

18.10.2006 Darbhanga

18.10.2006 Jaynagar

Aryakumar Pustakalay-Mahakant Thakur

19.10.2006 Madhubani

Maninath Chaudhary-sukhi, RNSahu SBI mePramodji, Madan Mishra-sugauna, Surendra rai-Chapahi JDU leader

19.10.2006 Muzaffarpur

Savita Bhavanme baisar

70 27.1.2007 4 Katihar

28.1.2007 Katihar XXX NC of NMO

28.1.2007 Katihar Nandan Mohan met

28.1.2007 Forbesganj

29.1.2007 Kishanganj

71 22.3.2007 5 Muzaffarpur Press conference-

Rastriya Sahara office with Rajneesh

22.3.2007 Kanhauli

23.3.2007 Madhubani

23.3.2007 Madhubani met Govindacharya in his Alakh yatra

23.3.2007 Darbhanga

Sureshwar Jha dera- made CKJhAMiP,DBG president,

Tuntun Jha-? Mithila maps

24.3.2007 Saharsa LN Jha dera; Lalpariji dera baisar

24.3.2007 Forbesganj

25.3.2007 Katihar Randhirji dera baisar, Gaurikantji came from Purnea
25.3.2007 Khagaria-bus
Vivekanand's hospital visited
72 30.4.2007 2 Madhubani
30.4.2007 Samastipur
Ramkrishna Niwas-Devji?
Purneak Jaynath Mishra trainme
73 11.5.200 3 Madhubani
12.5.2007 Darbhanga-Train
Ayodhyanath Jha; Hareramji busy
74 15.12.2007 6 Simariaghat
Janardan Yadav, Vivekanand, Kamalkantji
15.12.2007 Begusarai
15.12.2007 Khagaria
16.12.2007 Saharsa Rajaramji dera baisar
16.12.2007 Katihar Press conference

17.12.2007 Kishanganj
Mayakant babu dera
Press conference
17.12.2007 Purnea Law
college me baisar
18.12.2007 Kasba Amit
Keshab's shop programme
18.12.2007 Forbesganj dasji
dera- Laxminarayan
dharmshala baisar
Vidyanand Thakur,
Yamunaji adi; Mithila
Public School me press conference
18.12.2007 Forbesganj
18.12.2007 Araria Kajubabu
dera baisar,
shayan-Lalit Mohan Thakur
dera bhojan-Mithila party
gathan par charcha
19.12.2007 Simariaghat
75 16.2.2008 2 Khagaria
76 25.4.2008 3 Saharsa Merit

exam.in Premlata
Mishra College

26.4.2008 Forbesganj

26-26/4/2008 Purnea XVII
AMS

77 11.9.2008 6 Saharsa-Jagran camp
Baijnathpur

12.9.2008 Jirba bandh

13.9.2008 Supaul-BSR College

14.9.2008 Supaul-Bharkhurba-
Satyadev Vidyalaya

15.9.2008 Saharsa
Lalparidevi,Vinayji etc.

78 2.10.2008 12 Dalsing Sarai

3.10.2008 Barauni

4.10.2008 Muzaffarpur

4.10.2008 Darbhanga

5.10.2008 Jaynagar

6.10.2008 Umgaon

7.10.2008 Jarail

8.10.2008 Koilakh

9-10/10/2008 Baira-Parsa
11.10.2008 Kaluahi-Madhubani-Samaul-Birsair- Balain
12.10.2008 Jaynagar
79 26.12.20084 Simariaghat
Ratneshji ashramme
26.12.2008 Begusarai Ratneshji sange
26.12.2008 Khagaria Ratneshji sange;Pramodji joined
26.12.2008 Bhramarpur
Pramodji sange
26.12.2008 Katihar Pramodji sange Narayanji dera
26.12.2008 Purnea Pramodji sange-
Press conference-Pinki organised;
her residence-saw Vinay tarun first
27.12.2008 Kishanganj
Pramodji sange- Press conference-
27.12.2008 Araria Pramodji sange- stay Lalitji dera –

J_ in dense fog

27.12.2008 Forbesganj

Pramodji-Lalitji-met Dasji-Mayanand Thakur

27.12.2008 Forbesganj

28.12.2008 Bhagalpur Pramodji sange Budhanath Mandirme sabha

80 7.1.2009 5 J_-Maurya Parmodji sang bhelah Dhanbads

8.1.2009 Muzaffarpur

Satishji dera- Savita Bhavanme Press conference-Punj prakashji dera

9.1.2009 Darbhanga

Sureshwar Jha dera-CKJha; Trilokinath Mandirme Mathuranandbabuk shraddhakarmme Baijuji adi

9.1.2009 Benipatti Ratri vishram Mithilachal Vikas officeme

10.1.2009 Benipatti Meeting

10.1.2009 Madhubani

Meeting Gokulwadime-Vidyapati parvame sammani

10.1.2009 Darbhanga Indu/ Vinay Choudhary dera vishram

11.1.2009 Darbhanga

Medical college guest lectur on MCI's Platiunum Jubulee

11.1.2009 Darbhanga Press conference

81 24.1.2009 4 Forbesganj

Babujik Varshi- Teju dera ratime

25.1.2009 Bhagalpur Burhanath Mandirme Baisar

25.1.2009 Bhagalpur Mausi dera-

25.1.2009 Bhagalpur Sadhna Jha dera

26.1.2009 Bhagalpur

82 28.3.2009 4 Sultanganj

gangasana a Ajagaibinath darshan

28.3.2009 Jhandapur(Bihpur)
28.3.2009 Purnea Vinay Tarun dera
29.3.2009 Araria
29.3.2009 Jamua
29.3.2009 Pategna
30.3.2009 Bhagalpur
83 10.4.2009 2 Muzaffarpur
10.4.2009 Raxaul-Kathmandu
84 13.4.2009 Marari _Nepal
13.4.2009 2 Darbhanga
14.4.2009 Darbhanga-Train Sureshwarbabu dera
14.4.2009 Darbhanga-Train
85 23-24/2009 3 Bhaglpur's Jhandapur(Bihpur) MWTC
24.5.2009 Bhagalpur
86 13-14/6/2009 3 Jaynagar Karyasamiti baisar
14.6.2009 Darbhanga-Bus Merit exam. JYG- MLSM College,DBG

87 25.7.2009 3 Samastipur
Munnuji school baisar
25.7.2009 Dalsing Sarai Anil Jhak chhat par baisar
26.7.2009 Khagaria-Bus
Maithili Seva sansthank
88 22.8.2009 3 Muzaffarpur
Mithila Rajya par goshthi
23.8.2009 Muzaffarpur-train
Train lel pratiksha-samay prayah barbad
89 30.8.2009 4 Darbhanga
Seetavatarn Mahakavya vimochan
30-31.8.2009 Nanaur
MWTC
1.9.2009 Thadhi
1.9.2009 Darbhanga-Bus
90 6.9.2009 2 Madhupur-Bamangam Schoolme baisar
6.9.2009 Deoghar D Jha dera baisar
91 20.9.2009 9 Bideshwarsthan

20.9.2009 Bhairabsthan MWTC
20.9.2009 Ujan
20.9.2009 Shaktpur
20.9.2009 Kathwar
20.9.2009 Bisunpur
20.9.2009 Ujan
20-21/9/2009 Jhanjharpur
21.9.2009 Lakhnaur
21.9.2009 Madhepur
21.9.2009 Rahua
21.9.2009 Jhanjharpur
21.9.2009 Sakri
21.9.2009 Godihari
21.9.2009 Sakri
21.9.2009 Jhanjharpur
21-22/.9/2009 Nanaur
22.9.2009 Thadhi
22.9.2009 Aradia
22.9.2009 Garatol
22-23/9.2009 Sijhulia

23.9.2009 Fulparas

23.9.2009 Khutauna

23.9.2009 Laukha

23-24/9/2009 Jhanjharpur

24.9.2009 Madhubani

24.9.2009 Rajnagar

24.9.2009 Madhubani

24.9.2009 Benipatti

24.9.2009 Shardapuri(Mahammadpur)

24-25/.9/2009 Akaur

25.9.2009 Rahika

25.9.2009 Madhubani

25.9.2009 Samul

25.9.2009 Darbhanga-Train

26.9.2009 Bhagalpur

26.9.2009 Purnea

26-27/9/2009 Forbesganj

27.9.2009 Bhatabari

27.9.2009 Forbesganj

27.9.2009 Jogbani-Seemanchal Exp.

92 10.10.2009 3 Simariaghat Mas Mela

10.10.2009 Begusarai Bhaskarji dera

11.10.2009 Begusarai

93 1.11.2009 3 Darbhanga

Protest for discontinuing JYG Spl.

1.11.2009 Jaynagar Protest for discontinuing JYG Spl.

1-2/11/2009 Dhamiapatti

2.11.2009 Jaynagar

94 14.11.2009 3 Simariaghat MRP

14.11.2009 Bhagalpur

15.11.2009 Sultanganj

Gangasnan-Ajgabinath darshan with Vbinay Tarun

15.11.2009 Munger

Chandisthan darshan with Vbinay Tarun

15.11.2009 Munger Madhopur-Dalhatta

Indu d/o LKMishra-Lallu
Pokharime Vidayapati Parishadk
meeting

15.11.2009 Jamalpur- train

95 3-4/12/2009 7 Bhagalpur Vinay
Tarun dera stay

3.12.2009 Sabour

4-5/12/2009 Katihar

meeting Railway colony;
stay Narayanji dera

5.12.2009 Forbesganj

5.12.2009 Purnea Law
Collegeme meeting;
stay Lalit rang dera Saraswatinagar

6.12.2009 Araria Meeting
Lalitji dera

6.12.2009 Purnea

6-7/12/2009 Madhepura

meeting Kamlesh Thakur dera

7.12.2009 Madhepura

Madhepuriji dera

7.12.2009 Singheshwarsthan

Sanjesh dera-meeting in the way-
7.12.2009 Singheshwarsthan
7.12.2009 Saharsa Dr.LN Jha dera baisar
7.12.2009 Bhagalpur Night stay
8.12.2009 Nathnagar
Meeting with Angika Yuva Chetna group
8.12.2009 Bhagalpur
96 23.1.2010 5 Deoghar
23.1.2010 Deoghar
23.1.2010 Godda
23.1.2010 Bhagalpur
24.1.2010 Forbesganj
24.1.2010 Araria
25.1.2010 Purnea
25-26.1.2010 Bhagalpur
97 21.2.2010 2 Bhagalpur Bycotted Mithila parishad
21.2.2010 Bhagalpur
98 27.3.2010 3 Banka

27-28.3.2010 Bhagalpur

28.3.2010 Godda

99 24-25.4.2010 3 Araria XXI AMS

100 8.5.2010 3 Benipatti

8-9.5.2010 Akaur-Benipatti

101 22.5.2010 3 Dalsing Sarai

22.5.2010 Darbhanga

23.5.2010 Gohi-Kishanpur

Manish's home Yajna

23.5.2010 Samastipur no meeting

102 14-15.8.2010 3 Simariaghat

14-15.8.2010 Simariaghat

103 28.8.2010 3 Bhagalpur

28.8.2010 Purnea

28.8.2010 Forbesganj

29.8.2010 Araria

104 5.9.2010 2 Dalsing sarai

105 24.9.2010 3 Darbhanga

24.9.2010 Madhubani

24-25.9.2010 Muzaffarpur

106	2.10.2010	3	Jhanjharpur
	2.10.2010		Berma
	3.10.2010		Samastipur
107	9.10.2010	10	Darbhanga
	9.10.2010		Khajauli
	9.10.2010		Thahar
	9.10.2010		Lalit Laxmipur
	9.10.2010		Dullipatti
	9.10.2010		Narar
	9.10.2010		Barhi
	10.10.2010		Dullipatti
	10.10.2010		Jaynagar
	10.10.2010		Parsa
	10.10.2010		Mahinathpur
	10.10.2010		Joki
	10.10.2010		Chhatauni
	10.10.2010		Darbhanga
	11.10.2010		Jhanjharpur
	11.10.2010		Madhepur
	11.10.2010		Kaithinia
	11.10.2010		Jhanjharpur

12.10.2010	Adaria
12.10.2010	Kharaua
12.10.2010	Nabani
12.10.2010	Tamuria
12.10.2010	Belaucha
12.10.2010	Madhura
12.10.2010	Lakhnaur
12.10.2010	Laufa
12.10.2010	Jhanjharpur
13.10.2010	Kaithinia
13.10.2010	Jhanjharpur
13.10.2010	Hainthilwali
13.10.2010	Bhairabsthan
13.10.2010	Kothia
13.10.2010	Mehath
13.10.2010	Bharam
13.10.2010	Pattitol
13.10.2010	Mahinathpur
13.10.2010	Raiyam
13.10.2010	Rupauli
13.10.2010	Jamuthari
13.10.2010	Lohna

13.10.2010 Kharrakh

13.10.2010 Sarbseema

13.10.2010 Naruar

13.10.2010 Kaithinia

13.10.2010 Jhanjharpur

14.10.2010 Lakhnaur

14.10.2010 Pachhi

14.10.2010 Madhepur

14.10.2010 Prasad

14.10.2010 Baki

14.10.2010 Bheeth Bhagwanpur

14.10.2010 Fetaki

14.10.2010 Jhanjharpur

15.10.2010 Madhubani

15.10.2010 Kaluahi-Dhanga

15.10.2010 Jaynagar

16.10.2010 Kaluahi-Dhanga

16.10.2010
Kaluahi(Pachhbaritol)

16.10.2010 Bakshitol

16.10.2010 Kapasia

	16.10.2010	Nagdah	
	16.10.2010	Balain	
	16.10.2010	Madhubani	
	17.10.2010	Simariaghat	
108	13-14.11.2010	3	Simariaghat
109	16.12.20109	Darbhanga	
	16.12.2010	Madhubani	
	17.12.2010	Rahika	
	17.12.2010	Dhakjari	
	17.12.2010	Dhanauja	
	17.12.2010	Ucchith	
	17.12.2010	Jagati	
	17.12.2010	Benipatti	
	17.12.2010	Jarail	
	17.12.2010	Rahika	
	17.12.2010	Madhubani	
	18.12.2010	Gangasagar	
	18.12.2010	Samaul	
	18.12.2010	Bideshwarsthan	
	18.12.2010	Jhanjharpur	
	18.12.2010	Kaithinia	
	18.12.2010	Nirmali	

	19.12.2010		Nirmali
	19.12.2010		Kanhauli
110	24.12.2010	4	Darbhanga
	24.12.2010		Darbhanga Manokamna Chabootra MEETING
	25.12.2010		Khudiram Pusa Rd
	25.12.2010		Thahra-Gopalpur
	26.12.2010		Thahra-Gopalpur
	26.12.2010		Vaini
	26.12.2010		Khudiram Pusa Rd
	26.12.2010		Samastipur
	26.12.2010		Musarigharadi
	26.12.2010		Hathidah-train
111	22.1.2011	3	Supaul
	22.1.2011		Patori_Pachgacchia
	22.1.2011		Saharsa
	23.1.2011		Samastipur
112	26.1.2011	2	Hathidah-bridge
	26.1.2011		Barauni
113	13.2.2011	2	Bhagalpur-Pustakmela

114 26-27.2.2011 3 Dalsing sarai
27.2.2011 Vidyapatinagar
27.2.2011 Vidyapatinagar
115 12.3.2011 2 Deoghar
12.3.2011 Deoghar RL sarraf-Health talk
12.3.2011 Deoghar
116 9.4.2011 3 Jamtara
9-10.4.2011 Dumka
10.4.2011 Godda
10.4.2011 Deoghar
117 23.4.2011 3 Madhupur-Giridih
24.4.2011 Madhupur
118 13.5.2011 3 Bus
14.5.2011 Seetamarhi
14.5.2011 Punaurodham
14.5.2011 Pudriksthan
14.5.2011 Haleshwarstahn
15.5.2011 Seetamarhi
15.5.2011 Darbhanga
15.5.2011 Bariaul
119 5.6.2011 2 Darbhanga

120 25-26.6.2011 3 Jaynagar XXIII AMS

121 24.7.2011 2 Narepur-Bachhwara
24.7.2011 Rani Bachhwada
24.7.2011 Barauni-Shokhara
24.7.2011 Kiuli-Gajhara

122 31.8.2011 4 Madhubani
31.8.2011 Sarisab
31.8.-1.9.2011 Rampur
1.9.2011 Isahpur
1.9.2011 Jhanjharpur
1.9.2011 Darbhanga
2.9.2011 Darbhanga
2.9.2011 Muzaffarpur

123 6.9.2011 3 Darbhanga
6-7.9.2011 Madubani-Samaul

124 24-25/9/2011 3 Begusarai

125 6.10.2011 5 Jaynagar
6.10.2011 Mahulia
6.10.2011 Padma
6.10.2011 Mahinam

	7.10.2011		Mahinam
	7.10.2011		Roopnagar
	7.10.2011		Biraul
	7.10.2011		Kanhauli
	8.10.2011		Jhanjharpur
	8.10.2011		Saisab
	8.10.2011		Brahmottara
	9.10.2011		Pandaul
	9.10.2011		Benipatti
	9.10.2011		Madhubani
126	22.10.2011	3	Simariaghat
	23.10.2011		Simariaghat
127	6.11.2011	3	Simariaghat
	7.11.2011		Simariaghat
128	10.11.2011	5	Munger
	10.11.2011		Bhagalpur
	11.11.2011		Forbesganj
	11.11.2011		Forbesganj
	12.11.2011		Purnea
	13.11.2011		Bhagalpur
129	23.11.2011	2	Darbhanga
130	27.11.2011	2	Dalsing sarai

27.11.2011 Samastipur
131 4.12.2011 4 Khagaria
4.12.2011 Bangaon
5.12.2011 Saharsa
5.12.2011 Madhepur
5.12.2011 Purnea
6.12.2011 Godda
132 9.12.2011 2 Biratnagar
9.12.2011 Forbesganj
133 23.12.20115 J_-Maurya
24.12.2011 Dalsing sarai
24-27.12.2011 Vidyapatinagar
MWTC_XXIII
134 7.1.2012 2 J_-
8.1.2012 Darbhanga
Grierson Jayanti Maithili Divas – Rajnath Mishra's house Kabirchak
135 12.2.2012 2 Deoghar with Praving Jha(Dhanbad)
12.2.2012 Godda with OP Mishra, Arun K Jha,

Praving Jha(Dhanbad)

12.2.2012 Deoghar With Krishnakar, Pravin

136 22.3.2012 4 J_-jaynagar express

23.3.2012 Bhagalpur Geeta del

23-25.3.2012 Raniganj XXVI Maithili karyakarta prasikshan Shivir

25.3.2012 Basithi

Piligrimage

25.3.2012 Forbesganj

Baisar

137 5-6.4.2012 5 Munger EC meeting, XXVII MWTC

6.4.2012 Munger Kastharni, Yogashram, Chandisthan

6.4.2012 Train-Dhuriyan

7.4.2012 Darbhanga Asha Mishra, Mithila Mahotsav

7.4.2012 Darbhanga Dr. N.P.Mishra, Narendra Nr. Mishra, Dr.GN Lal's house

8.4.2012 Jamalpur XXVII MWTC

138 28.4.2012 3 Jaynagar-Padma

29.4.2012 Padma

29.4.2012 Sibipatti

29.4.2012 Balha Sanjay's son's janeu

29.4.2012 Pariharpur meeting

139 11.5.2012 4 Madhupur

12.5.2012 Benipatti

12-13.5.2012 Gandeeveshwar-Shibnagar XXIX MWTC

140 25.5.2012-27.5.2012 4 Forbesganj

25.5.2012 Forbesganj XXIV AMS

27.5.2012 Sakriseen Vajpayee Koshi mahasetu,

bahin, bahinoi, bhagins from kanhauli

141 8.6.2012 3 J_-Train

9.6.2012 Samasitpur-train

9.6.2012 Rosera

9.6.2012 Dalsing sarai

10.6.2012 Dalsing sarai

10.6.2012 Samastipur

10.6.2012 Darbhanga

Manokamnan Mandir,meetimg Adity, Rajeev

142 23.6.2012 3 Muzaffarpur

23.6.2012 Muzaffarpur

Khudiram Bose Smarak

23.6.2012 Muzaffarpur Vinay Tarun's III anniversary-Sattaa,
media, Janapekshayen

23.6.2012 Darbhanga AMP karykaras bhent

23.6.2012 Darbhanga

Meetings KSDU & LNMU Hostels, Manokamna Chabootara,
meet Shyama mandir

23.6.2012 Darbhanga

Manokamnan Mandir, Shyama Mandir
24.6.2012 Saurath XXX MWTC
143 17.7.2012 2 Deoghar Lalita Hospital
144 10-12.8.2012 4 Tarauni XXXI MWTC
12.8.2012 Kanhauli
145 8-9.9.2012 3 Dalsing sarai AMP sheersh saniti aa karysamiti Baisar
146 13.10.2012 3 Rosera Prabhat tara, Prabhuthakur mohalla
13.10.2012 Kusheshwarstahn Dharmshala_MRSS dharna
14.10.2012 Samastipur Marwari Thakurwadee-AMP, A.Mparty
147 23-28.10.2012 6
23.10.2012 J_-Maurya

	24.10.2012	Samastipur- train
	24.10.2012	Kurso
	25.10.2012	Kurso
	25.10.2012	Lagma
	25.10.2012	Bideshwarsthan
	25.10.2012	Jhanjharpur
	25.10.2012	Madhepur
	26.10.2012	Mahisham
	26.10.2012	Madhepur
	26.10.2012	Jhanjharpur
	26.10.2012	Phulparas
	27.10.2012	Deodh
	27.10.2012	Ghoghardiha
	27.10.2012	Jhanjharpur
	27.10.2012	Madhepur
	27.10.2012	Rahua
	28.10.2012	Rahua
	28.10.2012	Madhepur
	28.10.2012	Jhanjharpur
	28.10.2012	Darbhanga- RNC Train
148	9-14.11.2012	6

9.11.2012	J__Maurya
10.11.2012	Darbhanga
10.11.2012	Pupari
10.11.2012	Bhetua
11.11.2012	Puapri
11.11.2012	Benipatti
11.11.2012	Dhakjari
11.11.2012	Madhubani
11.11.2012	Rahika
12.11.2012	Rahika
12.11.2012	Madhubani
12.11.2012	Dhakjari
12.11.2012	Benipatti
12.11.2012	Pupari
12.11.2012	Bhetua
13.11.2012	Pupari
13.11.2012	Benipatti
13.11.2012	Dhakjari
13.11.2012	Dhakjari
13.11.2012	Madhubani
13.11.2012	Samaul

14.11.2012 Madhubani

14.11.2012 Dhakjari

14.11.2012 Benipatti

14.11.2012 Rahika

14.11.2012 Madhubani-RNC

Train

149 28.11.2012 2 Darbhanga

150 1.12.2012 3 Deoghar

2.12.2012 Shekhpura

2.12.2012 Lakhisarai

2.12.2012 Jamui

151 20.12.2012 7 J_-Bhagalpur

21.12.2012 Madhepura

22-23.12.2012 Madhepura

XXV Antarrashtriy Maithili Sammealan

24.13.2012 Madhepura

Dr.Ashok Kumar yadavdera,

Jogi Janak Ashram

24.12.2012 Singheshwarsthan

Bachha Jha dera

24.12.2012 Singheshwarsthan

Darshan
24.12.2012 Forbesganj
Home
24.12.2012 Forbesganj
Manganji dera
25.12.2012 Purnea Pravin
dera. Korthbadi
25.12.2012 Bhramarpur
Durgasthan, Deepakji dera
26.12.2012 Thana Bihpur
Subodh Paswan dera
26.12.2012 Bhagalpur
Adampur_Sumanji dera
152 11.1.2013 3 J_- Maurya
12.1.2013 Dalsing sarai
Gyanoday Vidyalaya-
150th Swami Vivekanand Jayanti
12.1.2013 Darbhanga
Durga Public School,
naka 8-150th Swami Vivekanand
Jayanti

12.1.2013 Darbhanga

Manokamna Chabutara

150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga

Bagmati Hostel-

150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga Koshi Hostel-

150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga

Yajnavlkya Hostel-

150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Dhanga(Benipatti)

Dhanga (Pachhbari tol)-

150th Swami Vivekanand Jayanti

153 19.1.2013 2 J_-Maurya

20.1.2013 Samastipur

154 25.1.2013 3 J_-Patli

26.1.2013 Zero Mile

26.1.2013 Gauda

26.1.2013 Teghra

26-27.1.2013 Rani

27.1.2013 Teghra
27.1.2013 Gauda
27.1.2013 Shokhara-Barauni
155 9.2.2013 2 J_-Patli
10.2.2013 Deoghar
Darshan_Krishankardera
10.2.2013 Deoghar Rani Kothi
AMS XXVII
tay Nov 23-24 k
156 24.3.2013 2 Duleepattee Pax
office-Mithila Jagruiti
Manch-Mithila Bibhuti Parv
157 11-14.4.2013 4
11.4.2013 J_-18605
12.4.2013 Darbhanga Jalan
College-Air vice
Marshal VM Tiwary _
Mithila Sanskritik Yatra- 42 mwtc
12-14.4.2013 Pindaruch
Durga Mandir-Bilasibabudera
158 18-19.4.2013 2 Jo_18605

19.4.2013 Dhakjari Kushti Vivakanad Sardh

19.4.2013 Sakri Chini Mill

19.4.2013 Kanhauli

159 26.4.2013 3 J_-Maurya

27.4.2013 Narpatinagar Soorajbabuk ghar

27.4.2013 SakriHanuman Mandirme baisar

27.4.2013 Kanhauli Familial

28.4.2013 Darbhnaga Mithila Awazme seminar

160 23.5.2013 4 J__18605

24.5.2013 Pupari-Bhetua-Sibipatti Meeting- Social

25.5.2013 Darbhanga Karysamiti meeting AMP

26.5.2013 Belsandi-Dalsingsarai AMP_Karykarta's father's death

161 23.6.2013 2 BihatAMP_AMP-GOOD BYE TO Ratneshwar J & under his hostage ABMP

162 13.7.2013 3 J__18605
14.7.2013 Madhubani Station
14.7.2013 SakriStation
15.7.2013 Devghar Mandir-Rohini's mundan
163 24.8.2013 3 J__1803/13185
25.8.2013 Jhanjharpur Nagar Panchayat
26.8.2013 Darbhanga Mithila Awaz
164 28.9.2013 3 Madhepur
28.9.2013 Pachhi
29.9.2013 Pachahi
29.9.2013 KSSDU_Yagyavalky
29.9.2013 Survey Office
29.9.2013 Mithila Awaz
165 10.10.2013 5 J__18605
11.10.2005 Jaynagar Press conf-Lalanjee, Premjee, Kalpkavi
12.10.2013 Madhubani BN

Jha Colony, Jagran Office

12.10.2013 Madhubani Apan Jameen

12.10.2013 Koilakh Bhagwateesthan-Ramlakhan Ram MLA

12.10.2013 Koilakh Bhagwateesthan

12.10.2013 Dokhar Rajeshwarsthan-Bhawna Jha, Cong(I)

12.10.2013 Dokhar Rajeshwarsthan

12.10.2013 Sinipatti Rudranath Jha, Durgasthan-
Dr Chandrabhushan Jha

12.10.2013 Karmauli Bhawatisthan

12.10.2013 Karmauli Bhawatisthan

12.10.2013 Kharra Driver's daughter advice

12-13.10.2013 Samaul with

premji

13.10.2013 Bhitthi Shankar Thakur- Mithila Rajy par charcha

13.10.2013 Madhubani Station-Pramodji came and discussed AMP, MDB dist

13-14.10.2013 Dalsingsarai Gyanoday-Stayed with Arun Jha

166 16.10.2013 2 Bhitthi-Samaul Satyanarayan Pujan aa Bhoj

16.10.2013 Sakri

167 25.10.2013 3 J__15028

26.10.2013 Samastipur Junction-750 Maithili Sandesh 34 & 35 distributed

26.10.2013 Samastipur Madwadee Thakurwaree-Meeting

26-27.10.2013 Barbetta Mandir-43 MWTC

168 14.11.2013 4 Samstipur RMS

14.11.2013 Dalsingsarai

14-15.11.2013 Dalsing sarai _Pagda Premji ghar-Sanjay shashtri spahl bhent _Mithila Peeth

15.11.2013 Simariaghat Sarvmangla

15.11.2013 Mahnar Rd_Khanpur Manojji dera

16.11.2013 Khanpur Manojji dera

169 22--24.11.2013 3 Deoghar Mithila Bhavan- XXVI AMS

170 14.12.20134 Chakia Nehru shiksha sansthan

14.12.2013 Chakia Nehru shiksha sansthan

14.12.2013 Khagaria Dharmendra & SD School

15.12.2013 Madhepura Hans Ashram, Madhepura College-MRN Samiti Sammelan

15.12.2013 Purnea Praveen's

house

16.12.2013 Purnea Ugna Mahadev Mandir

16.12.2013 Katihar Nr. Manihari Mor_ Marriage Hall

171 23.12.20134 Darbhanga Durgashiksha Sansthan-Mithilakshar Pracharini Sabha Sthapana_ Dr. Sureshwar Jha k samman

23.12.2013 Darbhanga Laxmisagar-Dr. Ganpati Mishra awas vichar vimarsh_ Maithilime Medical seminar ho

24.12.2013 Badiya School

24.12.2013 Gaunsaghat Pool

24.12.2013 Darbhanga Yagyavalky chhatravas

24.12.2013 Darbahnga Mithila Awaz

24.12.2013 Darbhanga Laxmisagar-Dinesh Jha awas,

Bank Colony
25.12.2013 Mankauli Mandir-Meeting
25.12.2013 Darbhanga Yatri statue_LNMU-Press Conference
25.12.2013 Darbhanga
Mithila Awaz
172 19.1.2014 2 Alapur_Barauni
173 22.1.2014 6 Madhubani
22.1.2014 Samaul
22.1.2014 Nahar Bhagwatipur
23.1.2014 Bharam
23.1.2014 Sakhara Bhagawati
23.1.2014 Rajbiraj MWTC XXXXIV
24.1.2014 Rajbiraj
24.1.2014 Biratnagar
25.1.2014 Bhatabari
25.1.2014 Forbesganj
25.1.2014 Forbesganj
25.1.2014 Khopa
25.1.2014 Madhubani

25.1.2014 J__Dhuriyan
26.1.2014 Bhagalpur
174 8-9.2.2014 3 Rupnagar MWTC XXXXV
9.2.2014 Sakri
175 8-9.3.2014 3 Begusarai
176 22.3.2014 3 Alapur_Barauni
22-23.3.2014 Deoghar
177 2.4.2014 2 Dalsingsarai
178 6.4.2014 2 Madhubani
179 8.4.2014 2 Simariaghat
180 12-13.4.2014 4 Dharmpur Bande
14.4.2014 Patori
181 17.4.2014 3 Dharmpur Bande
17-18.4.2014 Patori
18.4.2014 J__18623
182 19.4.2014 2 J__18605
20.4.2014 Samastipur
183 27.4.2014 2 Darbhanga
184 9-11.5.2014 4

Akha(Samastipur) MWTC XXXXVIIII

185 23-25.5.2014 3 Begusarai AMiP I Adhiweshan

186 1.6.2014 2 Barauni AMP

187 7-15.6.2014 9 J__18605

8-9.6.2014 Madhubani MRSS I adhiveshn; Neeraj's vivah

9-12.6.2014 Singhwada

49th MWTC

12.6.2014 Nimaithi

12-15.6.2014 Ojhoul 50th MWTC

15.6.2014 J__15234

188 21.6.2014 3 J__18605

22.6.2014 Samastipur

22.6.2014 Musarighadadi

22.6.2014 Dalsingsarai

23.6.2014 Barauni

189 27-29.6.2014 3 Lohna Rd

Bidesar

190 12.7.2014 3 J__18622/17005

12-13.7.2014 Madhubani
13.7.2014 Fulhar-
14.7.2014 Jagban-Bisfi
14.7.2014 J__15234/18604
191 21-24.8.2014 12
Naugachia_Bhramarpur
24.8.2014 Saharsa
24-27.8.2014 Bangaon
26.8.2014 Mahishi
27.8.2014 Kandaraha
27.8.2014 Saharsa
27-30.8.2014 Kothiya
30.8-31.8.2014 Nabada
31.8.2014 J__15234/18604
192 4.9.2014 32 J__18605
5.9.2014 Jaynagar- Bisaul-Umgaon-Manoharpur
6.9.2014 Umgaon- Sonai-Saharghat-Manoharpur
7.9.2014 Saharghat-Gangour
8.9.2014 Saharghat- Gangour

9.9.2014 gangour-Kamlapatwadi

9-12.9.2014 Kamlapatwadi

12-15.9.2014 Mahinathpur

14.9.2014 Jankpurdham_ithar-Jonki

15.-18.9.2014 Kalapatti-Sisbair

18.9.2014 Fulpras

18.9.2014 Simrahi

18.-20.9.2014 Rami

20-21.9.2014 Forbesganj

21-24.9.2014 Kewati

24.9-5.10.2014 Darbhnaga

193 15.10.2014 2 J__18622

16.10.2014 Simariaghat

Vedvigyan seminar

194 31.10,2014 2 J__18622

1.11.2014 Simariaghat AMIP

195 5.12.2014 5 J__13104

J__ASN_ Gagasagar

6.12.2014 Akaur

6.12.2014 Manharpur
7.12.2014 Umgaon
7.12.2014 Mahanpur
7.12.2014 Uchhal
7.12.2014 Narar Kothi
7.12.2014 Rajnagar
7.12.2014 Jaynagar
7/-8.12.2014 J__18606
196 12.12.20143 J_18622
13-14.12.2014 Barauni_Alapur
65 MWTC
14.12.2014 J__15028
197 20-22.12.2014 3 Darbhanga
XXVII AMS
198 28-30/12.2014 4 Jamalpur 66
MWTC
199 15.1.2015 4 J__18605
16-18.1.2015 Madhubani-
Mohanpur 67 MwTc
200 7.2.2015 2 J__18605
8.2.2015 Mahmadpur Khadi

Bhandar

8.2.2015 Ranipur Durga mandir

201 24.2.2015 3 J__Rajendranagar SF

25.2.2015 J_

26.2-1.3 2015 Rahua 68 MWTC, Kathakumbh 1

1.3.2015 Raua

2.3.2015 J__Bus_patna

2.3.2015 J_-train

202 22.4.2015 7 J__18622

23.4.2015 Jasidih_18605

23.4.2015 Darbhanga AMP_Rajiv

23.4.2015 Basopatti AMP_Umesh Mandal's marrige

24-25.4.2015 Bangaon Yuva Mithila_AMP_ Stay A Khan's house

25.4.2015 Rajnagar MRSS_AMP_Umesh Paswan house

25.4.2015 Sakri_Kanhauli

Familia
26.4.2015 Rajnagar
MRSS_AMP
26.4.2015 Darbhangha
MRNS_AMP
26.4.2015 Sakri_Kanhauli
Familial
27.4.2015 Darbhanaga
MRNS_AMP
27.4.2015 Rosera Mithila
Manthan_AMP
28.4.2015 Simariaghat AMiP
28.4.2015 J__18621 from
Hathida 865 days in Mithila
during MECON SERVICE
203 26.5.2015 6 J__Bus_13352
27.5.2015 J_
28.5.2015 Ranchi
28.5.2015 J__18622
29.5.2015 Simariaght AMiP
29.5.2015 Ramdihi Dineshji's

daughter's marrige_
Vimla Das met

30.5.2015 Sitamarhi
31.5.2015 Darbhanga Rajiv
31.5.2015 Dalsingsari
Mahtoji premji
204 15.7.15 2 Darbhanga-
KaidrabadAMiP
15.7.15 Ujiarpur stayed
Shivshankarjivillage Akha
205 22.8.2015 10 J__ Villupuram
22.8.2015 Chennai_Pondy
22.8.2015 Chennai_ 13352
23.8.2015 J_
24.8.2016`Ranchi_18622
25.8.2015 Hathida
25.8.2015 Simariaghat
Ashram, Ganga
25.8.2015 Doryya_Tiyya
Village
25.8.2015 Akhavillage
26.8.20115 Darbhanga Jalan

College

26.8.2015 Pandaul Mahamaya Mandir

26.8.2015 Samaul Home

27.8.2015 Samaul Home

27.8.2015 Pandaul RN College

27.8.2015 Darbhanga Jalan College

27.8.2015 Darbhanga Laxmisagar Durgamandir

27.8.2015 Kanhauli Bahin ghar

28.8.2015 J__ Gangsagar

28.8. 2015 Rajnagar

28.8. 2015 Nakti

28.8. 2015 Rajnagar library

28.8. 2015 Pariharpur

28.8. 2015 Belhwad

28.8. 2015 Madhubani Gokulwali-meeting

28.8. 2015 J__18606

29.8.2015 Ranchi

29.8.2015 Ranchi
29.8.2015 J__ YPR exp
30.8.2015 J_
206 25.9.2015 8 J__17006
26.9.2015 Darbhanga Rly station-Rajiv came
26.9.2015 Shivnagar ghat
26.9.2015 Kasraur
26.9.2015 Kasraur Mata Jwalamukhi darshan
26.9.2015 Rupnagar
Lakshaman Jha urf Gandhiji ghar tesar ber
27.9.2015 Rupnagar bachha ke mantra , prarthana adi
27.9.2015 Pokhram
27.9.2015 Sahasram
27.9.2015 Mahinam
27.9.2015 Rupnagar
28.9.2015
Lakshmipur_Madhepur Meeting, Press conference

28.9.2015 Bhakhrain

28.9.2015 Dwalakh

28.9.2015 Rahuwa

28.9.2015 Bhakhrain

Bindusasur bahar s dekhal

28.9.2015 Bhakhrain

Meeting bad Ghanshyam Thakur dera shayan

29.9.2015 J__Bus via Simrahi_pratapganj

29.9.2015

Chhatapur_Rajeshwari Meeting AMiP ticket Rajaram ji aa Jitendra Ram

30.9.2015 Rajeshwari Bhagwati

Darshan Mata Rajeshwari

30.9.2015 J_ via_Charne_Jainagar

30.9.2015 Forbesganj

Home after a long gap

30.9.2015 Forbesganj

bachha ke mantra , prarthana adi at school of home

30.9.2015 Forbesganj Thana chowk-Sudhirji,Teju Mangan babau otay

30.9.2015 Bus

30.9.2015 SakriChowk dbai dokan-Md. Shamshul

30.9.2015 Bhitthi AMiP ticket to Navin Tiwary

30.9.2015 Khajauli

1.10.2015 Khajauli Night halt

1.10.2015 Rajnagar Meetingfor medicla college, sight visit

1.10.2015 Singiyaun Umesh Paswan, Kalibabu

1.10.2015 Koilakh Bhagwatisthan

1.10.2015 Koilakh Bhagwatisthan

1.10.2015 Bhatsmmair Parmeshwar Thakur ghar

1.10.2015 Khajauli Night halt
2.10.2015 J__Intercity
2.10.2015 J__Bus_tempo
2.10.2015 Dhakjari Rebel BJP workers' meeting
2.10.2015 Bhachhi Vinay Karn-Mohanji Damodarpur sang
2.10.2015 J__18606
207 22.10.2015 12 J__18605
23.10.2015 Samastipur
23.10.2015 Bachwada station-Dr. Upendra Yadav met
23.10.2015 Mahnar Rd_Thanpur Manoj dera
23.10.2015 Jagdishpur Brahmsthan-Candidate Harischandra Paswan met, reluctant, wanted money, gave Rs 500
23.10.2015 Jandaha
24.10.2015 Thanpur Brahmsthan-Harischandra Paswan

candidate Patepur came

25.10.2015 Bus_Musarigharri

25.10.2015 Samastipur_train

25.10.2015 Darbhanga

Laxmisagar-Homage to Late Dr. Ganapati Mishra_ met Panchanana Mishra, chanrdakant babu

25.10.2015

Train_garibrath_sakari

25.10.2015 Benipur

25.10.2015 Dherukh meeting with workers

25.10.2015 Antor Mahadev Darshn from road

25.10.2015 Ramauli Sasur of Sunil Thakur_ Paran without Pradosh Puja

25.10.2015 Makarampur speech without mike

25.10.2015 Nabada speech without mike

25.10.2015 Darbhanga

Donar Industrial-stay

26.10.2015 Majhaura Met Pawan Thakur-his anti-BJP attitude did not appeal me

26.10.2015 Mokrampur Muslim mohalla

26.10.2015 Mokrampur meeting in field

26.10.2015 Sajhuwad then met in village a senior person

26.10.2015 Darbhanga Donar Industrial-stay

27.10.2015 Bengra chowk Harlakhi constituency

27.10.2015 Dhanauja

27.10.2015 Uchhith

27.10.2015 Sonai

27.10.2015 Bamrathha

27.10.2015 ....

27.10.2015 Hisar chowk

27.10.2015 Hisar

Durgasthan-Jibeshwarjik ghar-fer meeting

27.10.2015 Darbhanga

Donar Industrial-stay

28.10.2015 Ashapur camp

28.10.2015 Haripur Kojagra bhoj_Sunilji's pisiyaut bhaik

28.10.2015 Mahinam Kali Mandir-darshan

28.10.2015 Mahinam Kali Mandir-met Mukhiya

28.10.2015 Mahinam met Mahendra Jha Azad,
ex MLA, door to door

28.10.2015 Mahinam Hanuman Manir

28.10.2015 Dakhram

28.10.2015 Dharaura chowk without mike

28.10.2015 Benipur chowk without mike,presided a socialist

28.10.2015 Darbhanga

Donar Industrial-stay

29.10.2015 Tarauni Dusadhtol, Brahman Tol, Bhagwab Ghar-3 meetings

29.10.2015 Kanthudeeh Dusadhtol

29.10.2015 Majhauda chowk

30.10.2015 Habibhowad Lakshminarayan Mandir-door to door

30.10.2015 Baheda bazar

30.10.2015 Dherukh

30.10.2015 Darbhanga Donar Industrial-stay

31.10.2015 Ashapur camp

31.10.2015 Balha

31.10.2015 Belaun chowk

31.10.2015 Belaun Siddheshwar- darshan from Road

31.10.2015 Belaun Gam-Sanjay Rikht ghar

31.10.2015 Belaun Dusadhtoli

31.10.2015 Ramauli chowk

31.10.2015 Nabada chowk

31.10.2015 Darbhanga

Donar Industrial-stay

1.11.2015 Saharghat Netaji chowk-KN jha, Dr.AN Jha,

Ramjanki Mandir, meeting

1.11.2015 Balha

1.11.2015 Basuki More

1.11.2015 Bihari Bazar

1.11.2015 Bihari Bazar Durga Mandir

1.11.2015 Madhwapur Hat

1.11.2015 Madhwapur Bazar-saw Indo-Nepal on both sides of road(Madhwapur(madhubani) and Maihani of Mahottari Jilla)

1.11.2015 Madhwapur Gam

1.11.2015 Gangaur Bazar

1.11.2015 Gangaur HAT

1.11.2015 Phulhar Darshan

1.11.2015 Phulhar

1.11.2015 Pipraun -1

1.11.2015 Pipraun -2

1.11.2015 Durgapatti

Durgmandir samne

1.11.2015 Umgaon Ambedkar Chowk-met Rajkishor mastar,
Shysundar jwelar Thakur was not in shop

1.11.2015 Umgaon bus stand

1.11.2015 Kalna Mandir chowk-lastmeeting at 755 pm

1.11.2015 J__ via Loha

Maithili c Nachari by Kripanand Jha attracted attention

1.11.2015 Darbhanga

Donar Industrial-stay

2.11.2015 Ashapur camp

2.11.2015 Benipur chowk

Sunilji's shop- time wsted

2.11..2015 Darbhanga

Donar Industrial-stay

3.11.2015 J__17008

3.11.2015 Ranchi

208 24.11.2015 4 Simariaghat Kalisthan

25.11.2015 Simariaghat Gangatat- Ganga Arati,meeting

25.11.2015 Simariaghat Kalisthan-Gangasnana,

25.11.2015 Simariaghat Ganga-Executive meeting- Mithila shiksha manch avam Udyog Mithilak sweekriti

209 18.12.2015 6 J__Jasidih_Godda Bus

18.12.2015 Dumaria Sanjeshmohan's father's varshee

19.12.2015 Godda Court-for AMP_Mithila coference on 21.2.2016(could not be done)

19.12.2015 J__Mithilanchal Exp

19.12.2015 Darbhanaga stayed at waiting room

20.12.2015 Sakristayed at

waiting room till morning

20.12.2015 J__Bus

20.12.2015 Nabtol

Kathakumbh-2 , DN Jha's V Varshee

20.12.2015 Darbhanga

stayed at Vidyapati ders

21.12.2015 Darbhanga

stayed at Vidyapati ders

22-23.12.2015 Darbhanga

III Sammelan_ Sureshwar Jha inaugurted, Bhimnath Jha chaired second dy

210 26.1.2016 0 J__Train _13024Jamlpur_HWH Exp Transit visit Mithila South

211 8.2.2016 4 J__17008 from DHN

8.2.2016 Darbhanga_Intercity

8.2.2016 Jaynagar_Bus

8.2.2016 Pipraun Mahtoji ghar

9.2.2016 Umgain Ambedkar

chowk, Bajar

9.2.2016 Harlakhi

9.2.2016 Bisaul

9.2.2016 Karuna chowk

9.2.2016 Kalyaneshwar

9.2.2016 Kalyaneshwar chowk

9.2.2016 Mahanpur

9.2.2016 Mahanpur

9.2.2016 Potgah 2 plces-naharlag aa gamme

9.2.2016 kasera

9.2.2016 Hurrahi

9.2.2016 Hisar

9.2.2016 Jhitaki

9.2.2016 Khirhar

9.2.2016 Borhar

9.2.2016 Sonai

9.2.2016 Gangaur

10.2.2016 Fulhar

10.2.2016 Madhwapur

10.2.2016 Bihari

10.2.2016 Charaut
10.2.2016 Piraokhar
10.2.2016 Sujatpur
10.2.2016 Awari
10.2.2016 Bangra chowk
10.2.2016 Mela Pokhrauni
10.2.2016 Dhanauja
10.2.2016 Uchhaith
10.2.2016 Uchhaith bazar
10.2.2016 Madhubani
Mahtoji's daughter Vandana dera
212 26.3.2016 6 J__Awadh Assam
27.3.2016 Naugachhiya_Tempo
27.3.2016 Bhagalpur Meeting at Sumanji house
28.3.2016 J__Bus
28.3.2016 Purnea Meeting
28.3.2016 J__bus
28.3.2016 Forbesganj rest
29.3.2016 Forbesganj
29.3.2016 J__Bus

29.3.2016 Singheshwarsthan Meeting
30.3.2016 Singheshwarsthan Darshan
30.3.2016 J__Bus
30.3.2016 Kakraul Katha Kumbh-3
30.3.2016 Darbhanga Janki Navah Yagya
30.3.2016 Darbhanga Sureshwar bauk dwadasha
30.3.2016 J__18606
213 17.4.2016 3 J__Tempo_Hajipur
17.4.2016 J__Bus
17.4.2016 Muzaffarpur arranged by Prabinji_uresh roi became District president,AMiP
17.4.2016 Muzaffarpur With chidren
17.4.2016 J__Bus
17.4.2016 Darbhanga Mithila Sanskrit Parishad founded

17.4.2016 Darbhanga
Udyog Mithla founded
17.4,2016 J__Bus
17.4.2016 SakriSuresh Jha of Sohrai_ tension for
daughter's marriage
17.4.2016 Kanhauli Bahink
ekadashi Udyapan yajnya
18.4.12016 J__Shahid Er Adnan of DBG near Pataore,
XI std boy Goldy of Dholi
214 28.4.2016-1.5.2016 5
Shambhuad Ankurit Bhagwati Mandir- 69 MWTC
215 16.7.16-17.7.2016 3
Saharsa_Bus_FBJ
16.7.16 Ramai Sudhirjeek patnee k dwadasha
17.7.16 Train_Purnea
17.7.16 Bus_begusarai
17.7.16 Simariaghat

Kalisthan-AMP_Ec meeting,
Seminar on Kumbh and Nirmal Ganga
216 18.8.2016 3 Jpurney_Bagh
Express
19.8.2016 Ujirapur_Akha JMD
College, MRJanta college,
JMD+2 school
20.8.2016 Simariaghat with
S choudhary
from hathidah with
Naginaji,
kalpkavi to Bokaro
217 16.9.2016 3 J__Akaltakht
17.9.2016 Mokameh_intercity
17.9.2016 Samastipur_
hasanpur Road
17.9.2016 Patsa Middle
school-70 MWTC
18.9.2016 Patsa janki
Dwaja
18.9.2016 Hasnpur
Road_Begusarai

18.9.2016 Barauni Mandir station k aga bazar me-Premnath Thakur ke ghar

18.9.2016 Barauni Stataion-Ranjit Miswhra,
Khagaria k kashipur k yuva

18.9.2016 J__18606

218 14.10.20163 J__AkalTakht

15.10.2016

Mokameh_Simaria_Samastuipur_bus

15.10.2016 Samastipur Madwadi Thakurwadi-meeting

15.10.2016 Dhurlakh Dr. Parmanand Labhk Ghar

16.10.2016 KishanpurStation Hanuman mandir-meeting

16.10.2016 Darbhanga Laheriasarai Kuchery-Mithila Adhvakta Manch
founded (arranged by Rajiv karn)

16.10.2016 Darbhanga

Laxmisagar_AK Karna Coaching

16.10.2016 Darbhanga

Donar Industrial Area _

Chura Mill-Udyuog Mithila

meeting (arranged by Rajiv karn)

219 18.10.20166 J__18605

19.10.2016 Darbhanga_bus

19.10.2016 Benipur_Nandapatti

Chowk National School-Arranged

by Sanjay Rikht

19.10.2016 Nabada

Radhakrishn Mandir-

Mithilak Vedant_Geeta_

Swasthya_Mithila Rajya

(arranged by sanjay Rikht)

19.10.2016 Beloun Mamta Jha

Ghar,

Sanjay Rikth Ghar

19.10.2016 Antour Chowk-

Meeting postponed

for morning

20.10.2016 Antour RN Sah ghar-Meeting held
(arranged by Sanjay Rikht)

20.10.2016 Darbhanga Laxmisagar_Shobha Thakur dera-Mithila Mahila Parishad founded(arranged by Rajiv karn)

Darbhanga Professor Colony-Bahin Iondu dera

20.10.2016 Darbhanga GM Road-Mithila Vyavsayik manch founded(arranged by Rajiv karn)

20.10.2016 Darbhanga Laheriasarai_ Dr NPM dera-
Dr NPM k dosar varshee me sammilit

20.10.2016 Darbhnaga Bus stand_ Bela-Prof Anand k detra
_Premji sang

21.10.2016 Bus_ jathi_ Jankpur

21.10.2016 Jankpurdham

Rajeshwar Maithilk press

21.10.2016 Jankpurdham Janki Mandir_ Ganga Arti

22.10.2016 Jankpurdham Janki Mandir-meeting

22.10.2016 Jankpurdham

Multiple School-meeting

22.10.2016 Bus_jathi

22.10.2016 Maxi_Umgaon

22.10.2016 Tempo_ Benipatrti

22.10.2016 Benipatti School me Mithila Bal parishad_
fer Mithilak vedant(Mohanji ra ayojit)

22.10.2016 Damodarpur Kali mandir -Mithila me vedant(M
ohanji dwara ayojit)

220 17.11.20166 J_12392

18.11.2016 J__Bus from Patna

18.11.2016 Jale_Basant

Bhaijee school-address
to class IX students

19.11.2016 Darbhanga

Shyama Mandir-Release of souvenir(was late)

19.11.2016 Thanpur Manoj Yadav's fathers terahi.
Premji sang

20.11.2016 Thanpur MWTC LXXI started

20.11.2016 Patepur Rahat Hussain ghar-
Mithila Muslim Manch founded

21.11.2016 Thanpur MWTC 2nd day

22.11.2016 Thanpur MWTC 3rd day
(certificates given presuming 19th informal talks as fi4rst day but is to be repeated for a day)

22.11.2016 J__Mahnar Rd_ Vidyapatidham

22.11.2016 Bhatgama(Dalsig sarai) Satyanarayan_sameeksha

released, MWTC LXXII inaugurated

221 27.12.20166 J_ Returned from Khajauli

in Kamla Intercity

28-30.12.2016

Darbhanga_Hariharpur Durga Mandir-MWTC_

LXXIII(Kalpkavi conclude

on 31.12_22 certificates)

30.12.2016 Darbhanga

Misartola _ Coaching cent

Darbhanaga with Pratihastji

30.12.2016 Darbhanaga

Donar Industrial Area _

Thakur Industries-confusion

with Antarrashtriy Maithil Parishad

by Sanjay Rikth_ strong objection

chnged to Aadarsh maihtil Sammelan

30.12.2016 Darbhanaga Indu dera-met Vijanyjee,

Vidyapati family, Adv Sanjay Jha,

Indu etc

31.12.2016 Darbhanaga Rly station-Sudhirjee, Pramodjee,
Premjee, Arbind from Kolkata_
JJP_ Mithila party be unified
to be ratified by each executive
before 22nd Jan.

31.12.2016 J_

222 17.3.2017 10 late Shaheed Exp at 5 pm

18.3.2017 SakriStation

18.3.2017 Jhanjharpur

Ananad dera

19.3.2017 Jhanjharpur Katha Kumbh 6_Arhul fool
khasi gel padhal

20.3.2017 Madhubani

Gokulwali-baisar

20.3.2017 Benipatti Kamalji, Madanji, dokan-
Press statement, Benipatti
sansdeey kshetra bane-sudheerji

20.3.2017 Damodarpur

Bhagwatee sthan-charcha

20.3.2017 Benipattee

Mohanji dera-vishram

21.3.2017 Bisfi Chowk-meeting by Balji ,

bahut safal Shivnarayn Yadv dwara

21.3.2017 Mabbi

Shivshankar Kanr dera(Munsheejee)-75th MWTC started

22.3.2017 Mabbi

Shivshankar Kanr dera(Munsheejee)-Mithila Bal Parishad bhor sanjh

(MWTC aborted)

23.3.2017 Mabbi

Shivshankar Kanr dera(Munsheejee0

23.3.2017 Mabbi Engineer Hostel-National

Engineers' organisation founded

23.3.2017 Darbhanga

Misartola, Mishra compound-Office udghatan Dr Kamlkant Jha dwara

23.3.2017 Banauli Chowk-Nukkad sabha

23.3.2017 Jalwar Pramodjee kakka ghar-vishram

24.3.2017 Jalwar Pramodjee kakka ghar-baisar

24.3.2017 Jalwar Deepak infrormed class
on Glomerulonephritis on
28th 9am_ asked
Deepak, Shweni and
Mohan for preparing slides

24.3.2017 Panchobh Saraswati shishu Mandir-baisar

24.3.2017 bus for Begusarai

24-25.3.2017 Begusarai
Ratapur Dharmshala,
Chatti-II Adhiveshan_
new committees elected

24.3.2017 Simariyaghat
Kalisthan-Gangasnan Mahavaruni

yog me

25.3.2017 Train_Vaishali

25.3.2017 Muzaffarpur

Amarnathji dera(LS College campus)

25.3.2017 Train_BJU_LJN

26.3.2017 Train _ Janta from LKO

223 24.4.2017 4 J_ 15027_Maurya

25.4.2017 Samstipur

Distributed Maithili Sandesh, pamplet for AMiP

25.4.2017 Darbhanga

25.4.2017 SakriDistributed Maithili Sandesh,

pamplet for AMiP

25.4.2017 Majhaura

26.4.2017 Darbhanga

Distributed Maithili Sandesh, pamplet for AMiP

26.4.2017 J_14673

224 17.6.2017 4 Samasipur

17.6.2017 Haripur Elot

18.6.2-17 Bideshawr Sthan
18.6.2017 Ujan_Kiranjik Ghar
18.8.2017 J__Patna by bus-18623
225 21.6.2017 6 J__15027 Bariatu Housing
22.6.2017 Darbhanga
22.6.2017 Chahuta 75th MWTC started, PK Prem upasthit
23.6.2017 Chahuta-Kamtaul-Chahuta 75th MWTC
24.6.2017 Chahuta-Kamtaul-Ahiyari-Chahuta 75th MWTC, lectures and Mithilkshar
in both schools(with Kalpkavi),
Narendra Thakur, Dr Kavishwar s
bhent Ahiyari, Umesh Mand came
25.6.2017 Chahuta 75th MWTC concluded_9
certificates chief guest,
ex Principal Kumarkant

Choudhary, Pratihastji present

25.6.2017 Ahiyari- Gautamkund Mandir- kund

25.6.2017 Benipatti Madnji dokan-statement

25.6.2017 Saurath Spoke few minutes, Gaurav, Keshav, sudarshan me, Shantiji, BK jha too

25.6.2017 Madhubani Place not on highway but ..

25.6.2017 Ranti_madhubani

26.6.2017 J__ Shahid pramodji, Dr Shantiji (upto Samastipur)

226 19.7.2017 8 J__15027

20.7.2017 Samastipur AP despatched

20.7.2017 Samastipur

20.7.2017 Ujiarpur Janta Minority College- Mithila Muslim Manch I conference

20.7.2017 Dalsingsarai station

20.7.2017 J_ Premji k sang

21.7.2017 Naugachhia

Badighat Thakurwadi-Rudrabhishek aa prawachan del

22.7.2017 Jaynagar Arya Kumar Pustakalaya-CEC meeting

22.7.2017 Dalsingsarai

Arunjik vidyalaya-Sudhirji sang_ varsha ratime

23.7.2017 Samastipur

Mithila Manthan, Ratneshwar, Bharti, Renu jha, Premjit participated_inconclusive

23.7.2017 Simri New Durga Mandir-MWTC_76

24.7.2017 Simri New Durga Mandir-MWTC_76, Geeta prawachan

25.7.2017 Simri New Durga Mandir-
MWTC_76. Kathopanishad prawachan
26.7.2017 Simri New Durga Mandir-
MWTC_76
26.7.2017 Muzaffarpur St Michel's school.
Ramesh T dera- baisar
26.7.2017 J__Shaheed
227 13.9.2017 1 Train_jasidih
Station-AMiP_ at station
228 8.12.2017 3 J__12318
9-10.12.2017 Simariaghat
Kalisthan-AMiP Baisar
229 25.10.20174
Mokamen_Simariaghat Pagla baba ashram-Chhathi
Arghya Tulark Kumbh me
26.10.2017 Simariagjhat
Chhathi Arghya Tulark Kumbh me
230 22.12.20174 J_12392_BE_PNBE

23.12.2017 Bus_DBG

23.12.2017 Darbhanga Jha Niwas, Mirzapur-MRNS_
V Sammelan

23.12.2017 Kanhauli_ train Sakri Kanhauli

24.12.2017 Darbhanga Jha Niwas, Mirzapur-MRNS_
V Sammelan

24.12.2017 Darbhanga Yatri Murti-Prabhakar Jha
inducted as secretary,AMiP

24.12.2017 Darbhanga Mankamna, Shyama mandir

24.12.2017 Darbhanga Jha Niwas, Mirzapur-Talk
with MRNS President
Dr. Dilip Jha, introduced
with Dr Ram Shankar Jha
for National Verinary Orgnisation(NVO)

24.12.2017 Darbhanga

Professr Colony-Vinay,
Vidyapati, Indu dera, rest at Vidyapati's
231 8.1.2018 3 J__18619
9.1.2018 Banka by car From Jasidih-With R pandey ,President,SwP
9.1.2017
9.1.2017 Banka Collectariat-Kisan Dharna
9.1.2017 Banka Jagatpur-meeting
9.1.2017 Bhagalpur Sumanji dera-meeting
232 27.2.2018 4 Muzaffarpur GRP Shiv Mandir
27.2.2018 J__Bus_Bithouli
27.2.2018 Bharwada Gonu Jha Shiv Mandir_
Vidyadharji dera-Unsuccessful
MWTC 77_ general session-Rajiv & Kalpkavi
28.2.2018 Bharwada Gonu Jha

Shiv Mandir_
Vidyadharji dera-Katha Kumbh-9,
Kamalkantji, Sadre Gauhar,
Narayn Yadav read
233 12.3.2018 4 J__Kiul_07007
12.3.2018 Laheiasarai Dr.
Mamta J dera Teacher's College
13.3.2018 Darbhanga
Professr Colony
13.3.2018 Simri_Madhopur
Durga Mandir, village
13.3.2018 Muzaffarpur
Naresh Thakur dera_
kalmbag chowk
14.3.2018 J__Vaishali_LKO
234 25.3.2018 4 Saharsa
Panchvati_Bathara
25.3.2018 Sardiha Ananatk
ghar
26.3.2018 Madhepura
Madhepura College

26.3.2018 Madhepura
Singheshwar Hostel
235 26.4.2018 3 Samstipur_Janki
Premji came at SPJ
26.4.2018 Madhubani
complained for Maithili
announcement first, Maithili
upper in station name an
in MDB paintings
26.4.2018 Madhubani Bar
Association-
Mithila adhivakta Manch
meeting, Mithila Adhiwakta
Lipik Manch founded
26.4.2018 Samaul Home-
Deepu's marriage,
did not go barati as
high level indirect dowry marriage
236 29.5.2018 3 Simariadham Afiter
Raggir Malmas camp
237 22.6.2018 6 Darbhanga
Donar Coaching-6th Vinay

Tarun Puraskar

23.6.2018 Phulhar Girijasthan-With Rajiv

24.6.2018 Bisaul Ashram-Ghutnu babu Jiladhyaksh AMiP

25.6.2018 Samastipur JD(U) office lagPremjit Secy,AMiP appointed. Sudhirjee sang

238 1.9.2018 3 Simariaghat_Bus_BGS_tain KGH_

1.9.2018 Madhepura Madhepura College

1.9.2018 Saharsa Gangjala Chowk-Late LN Jha's condolence with Premji

1.9.2018 Saharsa station-Ranvijay Raj, Balaji

1.9.2018 J__Janhit Kamlamohan Chunnu ohi coachme

239 9.10.2018 10 J__Awadh Assam

10.10.2018 Muzaffarpur_bus

10.10.2018 Madhubani

Bhauda Mandir

10.10.2018 Koilakh Bhadrakali Natya Parishad

83rd anniversary

10.10.2018 Koilakh Pathakji Ghar

10.10.2018 Koilakh

Bhawatisthan, Bankhandi

11.10.2018 Koilkh Matrik

11.10.2018 Arer Jibkantjik ghar

12.10.2018 Akaur- Manpaur-Kesuli-Akaur Varunjik ghar

13.10.2018 Arer-Nagdah-Balain-Bishnupur-Arer Narayan M k ghar

14.10.2018 Umgaon-Bisaul

Ashram

15.10.2018 Kalna-Potgah-Harlakhi-Bisaul

15.10.2018 Harlakhi- Dhakjari-atrauli-Navkarhi- Bhudhgan-Karhi-

Nagwas-Atrauli Mithileshjik ghar
16.10.2018 Madhubani
Navarambh_Laheriaganj-
Malangiyajis bhent
16.10.2018 Bhitthi Ankurit
Bhagwati Mandir
16.10.2018 Samaul Ghar
17.10.2018 Hariharpur
Manikantji s 25 varshk
samprk par pahil bhent
18.10.2018 Pindaruchh
Shrish choudhary
18.10.2018 Muzaffarpur Jiyala
Chowk,Ahiyapur-
Suresh Raik ghar
18.10.2018 J_-Awadh Assam
240 19.11.20185 J__12392
20.11.2018 J__BKP-Hathida
20.11.2018 Simariaghat
Gangasnan
20.11.20118 Simariaghat

Seminar_Kumbh etc,

AMiP,AMP meetings

21.11.20118 Simariaghat

Jaikant Mishra Jayanti_ buddhinath Mishrak adhykshata me

21.11.2018 Begusari_ Inspector saahbe k gam

21.11.2018 Jaimangalagarh mandir

21.11.2018 Trin_BGD_KiR Bablujee snag

22.11.2018 Train_KIR_FBJ

22.11.2018 Forbesganj Sudhirjee dera

22.11.2018 Forbesganj Home after a lonhgtime, met Raju Jain in the way

22.11.2018 Bus_Jogbani

22.11.2018 Bus_nepal

22.11.2018 Biratnagar AMPPravin N Choudhary dera

22.11.2018

BUS_Kathmandu_Birganj

241 15-17.12.2018 3 Bhagalpur XXXI AMS

15.12.2018 J__12526 8 h late train, Kiul 16.30

16.12.2018 J__Kiul_HWH XXXI AMP, could reach only 730pm

16.12.2018 Bhaglpur

Pushpwatika,Maskamna Mandir

17.12.2018 Jo_Farakka

17.12.201 Jaunpur Chnged late train

242 5.1.2019 4 J__12392

6.1.2019 Khagaria Shyamlal Prabhnarayn Nursing College

7.1.2019 Katihar Katihar Medical College

8.1.2019 Khagaria BS Memorial, Rajendranagar

8.1.2019 Saharsa Ramnji's house, Santnagar

8.1.2019 J__13205

243 22.1.2019 6 J__Intercity

Darbhanga_Tempo

22.1.2019 Singhwada

Bateshwarnath Mandir-MWTC_77

23.1.2019 Singhwada

Ramkrishna &

KL +2 schools-talk on health,

career & Mithila

24.1.2019 Singhwada Ideal

Public School

-talk on health, career & Mithila

24.1.2019 Singhwada

Bateshwarnath Mandir-

MWTC_77 concluded _6 prashikshit

24.1.2019 Darbhanga_Tempo

Indu dera

25.1.2019 J__13044

25.1.2019 Deoghar Nunu dera

25.1.2019 Deoghar Drs.Ranjan

GP Barnwal,Raman,

JKC

25.1.2019 Deoghar Deoghar Pustak Mela-
Lecture on'Sanskritik Rashtravad"

25.1.2019 Deoghar
Parmeshwar Jha s bhent

26.1.2019 Deoghar Baba Baidynath Darshan

26.1.2019 Deoghar Dr Chaudhary s bhent

26.1.2019 J_12303

244 15.3.2019 5 J__Awadh Assam

16.3.2019 Khagria PF2-
Ratneshwar rejoined,
(JJP candidate),Umesh Bharti
too candidate Khagaria,
Yogi Jank convenor,
Election campaign committee.
Premji also present,Pravinji also present

16.3.2019 J__pass

16.3.2019 Samstipur with Ratneshwar Jha,

16.3.2019 Samstipur HR Sonia sent flight ticket to return

for MCI Inspection

17.3.2019 J__Purvanchal exp

17.3.2019 Muzaffarpur

Stayed almost awoke on plat-1, moring came Suresh Rai in Durga Mandir

17.3.2019 J_Pass 755am

17.3.2019 Hajipur route blocked, late, refunhd zero

in Saptkranti other tickets of

22 & 25 March cancelled

245 8.4.2019 9 J__Intercity

8.4.2019 Bhagalpur Sumanji residence-meeting

9.4.2019 Bus_araria Dr Kamleshwari Pd (AAP office)

9.4.2019 Bus_Forbesganj

Home, Rajesh dera

10.4.2019 Forbesganj

Rajesh dera, Canara bank-Sudhirji

10.4.2019 Forbesganj

Rajesh dera-Teju master came

10.4.2019 Bus_Jhnajharpur

Mohna Chowk, tempo_

Krishnakar dera-rested

11.4.2019 Bus_Samaul

Lalkakaa's third Varshee

12.4.2019 Madhubani ticket cancelled MTJ-BDTS,

Ratnesh came to take up

12.4.2019 Jhanjharpur

12.4.2019 Kaithinia Vivekanad Jha home-bhojan

12.4.2019 Madhubani Janki Pustak Kendra-Dilip Jha,

Kedra Jha, Shyamsundarjee etc.

12.4.2019 Madhubani

Navarambh_Laheriaganj-proof

12.4.2019 Parjuari Ratnesh ghar-First visit to Parjuari

13.4.2019 Hanumannagar

13.4.2019 Bharam Mohan Jha

k ghar

13.4.2019 Jhanjharpur

13.4.2019 Laxmipur Chowk Computer dokan

13.4.2019 Rahua Rahiji ghar-bhojan

13.4.2019 Laxmipur Chowk Rajeshji dokan

13.4.2019 Pachahi

13.4.2019 Khairi Tiliya Devi Tol

13.4.2019 Jhanjharpur Election office

13.4.2019 Naruar Vivekanad Mishra hoime-swaym,elder brother

13.4.2019 Pokhrauniu Anand Jha home

13.4.2019 Parjuari ratnesh ghar

14.4.2019 Belhwad

14.4.2019 Balha Capt Jha,

Sanjay Jha ghar

14.4.2019 Rajnagar

14.4.2019 Thahar Ratnesh sasur

14.4.2019 Jaynagar

15.4.2019 Duleepatty

Shardanand J s bhent

15.4.2019 Jaynagar

15.4.2019 Usarahee

15.4.2019 Dhamiapattee

15.4.2019 Simrahee

15.4.2019 Joki

15.4.2019 Mahinathpur

15.4.2019 Chhatauni

15.4.2019 Mahthaur

15.4.2019 Kataiya

15.4.2019 Kauaha

15.4.2019 Basopatee

15.4.2019 Fent

15.4.2019 Kamalpur

15.4.2019 Parjuari

16.4.2019 Hatbaria
16.4.2019 Koriapattee
16.4.2019 Bhaiyapattee
16.4.2019 Belauna
16.4.2019 Bhagwanpur
16.4.2019 Raidhi
16.4.2019 Madhubani
Tickets for BSP_Bhandara Rd- CSTM
16.4.2019 Rantee
16.4.2019 Rampattee
16.4.2019 Raghopur-Balat
16.4.2019 Ramkhetaru
16.4.2019 Kaithahee
16.4.2019 Sugauna
16.4.2019 Pachdahee
16.4.2019 Bhagwanpur
16.4.2019 Bhattsimari
16.4.2019 Ghanghaur
16.4.2019 Piparaghat
16.4.2019 Shatghara Shravanjee ghar rest-
Mosquio bit severe

17.4.2019 Shatghara
17.4.2019 Dewhar
17.4.2019 Gonouli Kamluji ghar
17.4.2019 Pastan
17.4.2019 Andhara
17.4.2019 Thadhi
17.4.2019 Bus_Madhubani
17.4.2019 J_Ranchi Exp
17.4.2019 Barauni_Intercity
246 12.7.2019 7 J__18622
13-15.7.2019 Simariaghat Kalisthan-Ved seminar
15.7.2019 J_Kol_Sitamadhi-Kamal
16.7.2019 Madhubani Station
16.7.2019 Kanhauli
16.7.2019 Darbhanga
17.7.2019 Muzaffarpur Vishnukantji dera-

Dec me rajneta sammelan,
Suresh Rai AMiP ayala
247 25.8.2019 12 Train_Malda_RJPB
25.8.2019 Bhagalpur Away
Tilkamanjhi marriage hall
-Condolence meeting of
Sr.Jagannath Mishra
by Brahman Mahasabha_
I had to speak there.
26.8.2019 Bus
26.8.2019 Purnea
Korathwadi-Slept at Praveen's house
27.8.2019 Purnea Bhattha-
House of Birendramohan
Thakur_ could not get father's diary,
then Bus
27.8.2019 Bus Mirchaibadi
27.8.2019 Katihar
Mirchaibadi-AgainCondolence
meeting of Sr.Jagannath Mishra
by Brahman Mahasabha_
I had to speak there.

27.8.2019 Katihar Rly colony-Stayed Dr Indunath Mishra dera

27.8.2019 Katihar Binodpur-Met Dr.Ajay Bettah of 1973 batvh

27.8.2019 Katihar met Prof. Dileep (masiuat)

27.8.2019 Katihar Kalibadee lag-met Naryan J

28.8.2019 Train

28.8.2019 Kishanganj Gopaljee dera-meeting

29.8.2019 Bus

29.8.2019 Forbesganj Rajesh dera

30.8.2019 Forbesganj Home, Municipality

30.8.2019 Raniganj Saraswati Shishu Mandir-addressed studennts

30.8.2019 Raniganj Got call of Shuklajee
around 2 pm to reach
Bareilly by morning
of MCI inspection which was
not possible I told and then
again by 6 pm Sonia HR
and Rishabh Bansak COAA,
RMRI to come anyhow
but told it was not humanly possible

31.8.2019 Bus

31.8.2019 Supaul Degree College-Meeting of staff
by Incharge Prof Bhupendra Yadav
though Prof Henkant Yadav
couldnot help though attended

31.8.2019 Supaul Nirmali tala-Seaearching
Kedar Kanan's house Incidently
reached Ashich Chaman's house
and stayed there ;he had seen
me in one katha goshthi,

evening Arvind Thakur's house long

1.9.2019 Bus

1.9.2019 Madhepura

Sigheshwar Chhatrawas-

For the first time was humiliated

sternly by some Bamsafe persons

in the meeting simply because

I was a Brahmin yet meeting was held.

1.9.2019 Train

2.9.2019 Saharsa platform-

Ramanji couldn't

arrange meeting,

asked Vivekanand for Khagria

he asked to come

2.9.2019 Train Hatey

Bazare_Mansi_ tempo

2.9.2019 Khagaria

2.9.2019 Khagaria

Chandrashekhar Paramedical

Institure throgh lecture msg ,

one floor of the building

under flood water

3.9.2019 Train_SPJ_Maxi

3.9.2019 Ujiarpur Janta Minirity College-
II Conference of Mithila Muslim Manch

3.9.2019 Akhaagain field defecation otherwise
very co-operative
and respectful_SS C home

4.9.2019 Train_BaghExp

4.9.2019 Muzaffarpur

Sharda babu dera, had plaster ,
was uncomfortable with me as a
guest at noon came out and sat
at Pani Tanki garden till 4 pm
inberween a young buy tried to
snatch my new shush phone
but was not successful due
to my luck and could know
about that at meeting when
his father called me about
hin from Hazipur.

4.9.2019 Muzaffarpur
KALMBAG ROAD- Rameshji dera meting, Amarnath Jha and
4.9.2019 Muzaffarpur
Vijayendra Jhaji k sang_ dormitry me rati bitebak partham anubhav
5.9.2019 Train
5.9.2019 Dalsingsarai
Bhatganma-Shikshak Divas me atithi
5.9.2019 Car
5.9.2019 Bhagwanpur
Sanskrit Vidyalay Muktapur s aga-Mithila Shiksha Manch k sang_ sanskrit me Shikshk divas par bhashan
5.9.2019 Car_SPI_ Gangasagar
248 1.10.2019 2 Train_Mansi_Tempo
1.10.2019 Khagria
Chandrashekhar Hospital
2.10.2019 Khagaria Maidan

2.10.2019 Train
2.10.2019 Barauni_Alapur
Thakurwadee-Premji, Sudhirji
2.10.2019 Bhagwanpur
Panchayat Bhavan
MithilaDalit Manch k sthapana_
2.10.2019 Car _Salsingsarai
2.10.2019 Train_Gwalior
Ratnesh ke 2000 Rs
del Janganana parcha lel
2.10.2019 Train _Gwalior
2.10.2019 Muzaffarpir_15202
249 5.10.2019 6 J__
6.10.2019 Train_MFP
6.10.2019 Bus-Mabbi_Basitha
6.-7.10.2019 Sarmodarpur
8.10.2019 Bus_Darbhanga
9.10.2019 Darhar Kahunak
kichhu lok_Rajivk
bahut mehnat
9.10.2019 Train_Sakri
9.10.2019 Kanhaull

10.10,2019 Train_LSI

10.10.2019 Darhar Mahila parishad k meeting bhel

10.10.2019 Darbhanga

250 22.11.2019 3 Barauni Simariaghat-meeting

22.11.2019 Gwalior Mail

22.11.2019 Samstipur Rajeev_ Bisfi dates 25-26 Dec

251 20.12.2019 13 Katihar_Pass

20.12.2019 Forbesganj Mother's XIV Varshee, night stay Sudheerjee's house

21.12.2019 Forbesganj Mangalchandji, Nikmalji

22.12.2019 Dholbajja Taranandji home-meeting bad

23.12.2019 Forbesganj met Rajkumar Jain also

23.12.2019 Bus_Sakari

23.12.2019 Kanhauli Bahin ghar

24.12.2019 Train_Gangasagar

24.12.2019 Darbhanga Bahin Ghar-Rajeev Karn came to meet

25.12.2019 Tempo_Bisfi

25.12.2019 Bisfi Vidyapati Smarak-XXXII AMS_
Udghatan Bachaulji dwara

26.12.2019 Bhairba Ugna Mandir

26.12.2019 Bisfi Vidyapati Smarak-XXXII AMS

26.12.2019 Temp_MDB

26.12.2019 Chakdah Pramodji mataka ekadasha _
Premji, Kishnmurari sang

27.12.2019 Rajnagar
Madhubani Literature Festival

27.12.2019 Chakdah Pramodji mataka dwadasha _
Premji, Kishnmurari sang

28.12.2019 Train_pass

28.12.2019 Samastipur

Vakaltkhana-AMiP I Karyakarta Prashikhan Shivir

28.12.2019 Train

28.12.2019 Rosera Prabhat Tara English School-
Night stay, Dr. Gopal came to receive

29.12.2019 Rosera Prabhat Tara English School-
addressed students and seniors_
PREMJI, kmj

29.12.2019 Bus-_DSS Sushantji k ghar

30.12.2019 Dalsingsarai
Sushantji k ghar-Puraskar vitaran_ MSM

252 21.1.2020 8 J_Capital Exp

22.1.2020 Katihar_Pass

22.1.2020 Dholbaja Taranad J nahi ayalah station

22.1.2020 Forbesganj

23.1.2020 Forbesganj

Babujik Ekoddesisht

23.1.2020 Raniganj

24.1.2020 Bus_Madhepura

Karpoori Jaynati me Mithila Rajya par Dr.Ashok Yadavk hunkar

25.1.2020 Bus_Sdaharsa Yogi jank sang Bangaon tak

25.1.2020 Bangaon

Shashidhjarji Sanmyojkak_
Vishram Parasji(f/o Neelmani) ghar

26.1.2020 Bus_Jhankharpur

Anand dera

26.1.2020 Paitghat Ghoortar meeting_Ganpati J
candidate

26.1.2020 Jhjanjharpur

Anand dera

27.1.2020 Bus_Madhubnani

Nawarambh-Anand sang,
Ek votek lel k chhapai

27.1.2020 Tempo_Kaluahi

27.1.2020 Bus_Bishaul
Ashram-Ghoortra meetinmg,
Ghutnu bnabu candidate
28.1.2020 Bus_Patna
253 23.2.2020 2 J__Capital New BJU
23.2.2020 J__Gangasagar
23.2.2020 Darbhanga
College Foundation Day
23.2.2020 Darbhanga
College Foundation Day_
addressed and met NMO workers,
Dr RKDAs, Dr Sushil K, Ritu etc.
254 25.2.2020 5 Darbhanga
Shyama Regency-me tKiti, Ajay jha,
tarun palit etc.
25.2.2020 Train_Sakri-Kanhauli

26.2.2020 train_DBG
26.2.2020 Darbhnga Seetayan-
AMP Executive committee,
Mithileshji dera

26.2.2020 Darbhanga Prof colony

27.2.2020 Train_DSS

27.2.2020 Ajanaul School-AMiP Prashikshan Varg

28.2.2020 Train_pass

28.2.2020 Samastipur

Premjeet dera-Ratneshwar, Bhartiji, Sudhirjee

29.2.2020 Train_Gondia

Train_Gondia

255 3.3.2020 8 Train_Katihar

4.3.2020 Pass_FBG

4.3.2020 Forbesganj

Sunita dera,Ghar-met Yamunaji, Teju

4.3.2020 Bus_Rajie

4.3.2020 Hanumannagar

Hanuman Mandir

4.3.2020 Raje Banlujik pitajik dwadasha

5.3.2020 Jhnjharpur

Anandk dera-Kathakumbh-11;
Maliksabhk driver kath padhal
6.3,2020 Madhubani
Navarambh-proof
6.3.2020 Train_Jaynagar
6.3.2020 Jaynagar Staion,
Kamalkantji dera-IB
interrogation for Mithila Rajya
7.3.2020 Jaynagar Kamlkantji
dera-IB interrogation
for Mithila Rajya
7.3.2020 Bishaul Asharam-
Jjankpur
parikrama darshan
7.3.2020 Bishaul Asharam-
Ghutanu
babu sang charcha
7.3.2020 Jaynagar Kamlkantji
dera
8.3.2020 Jaynagar
kamalkantji dera-Narayan

Yadav ji sang charcha

8.3.2020 Train_Kolkata_DBG

8.3.2020 Train_Jannatayk

9.3.2010 Sagauli Waiting room

9.3.2020 Sugano Pahil Champaran sampark-

Pt Balmukundji, Harikantji

10.3.2020 Train_Satyagrah_BE

256 20-29.3.2021 10

20.3.2021 Train

21.3.2021 Muzaffarpur

Ashokji dera-Sudhirjee seho,Ajayji

22.3.2021 Muzaffarpur

Jiyalal chowk-Dr P labh adhyaksh, Bhati Bihar Adhyksh, Yogi Jank naraj

22.3.2021 D_Pindaruch Sitesh ChMWTC-80 prarambh

23.3.2021 Pindaruch Sitesh Chy-MWTC-80

24.3.2021 Darbhanga DEC -

Dr Achintya_
PPt presentation Mithila Sustainable development

24.3.2021 D-Pindaruch Sitesh Chy

25.3.2021 Pindaruch Sitesh Chy-MWTC-80 concluded

25.3.2021 Bus

25.3.2021 D_Kasraur Mamta J-MWTC-81 prarambh

25.3.2021 D_Kasraur Jwalmukhi darshan

26.3.2021 D_Kasraur Coaching centres-MWTC 81

27.3.2021 D_Kasraur Coaching centres-MWTC 81

27.3.2021 Korthu Mamata's relation-Undue anger by son of Madhupji

28.3.2021 D_kasraur Coaching centres-

MWTC concluded 41 children
= 3 adults
28.3.2021 Tempo Kanhauli-Bahin ghar
29.3.2021 Train _Shahid
30.3.2021 BE
257 31.10.2021 4 Simaria_Saharsa
1.11..2021 Mahisi_Bangaon
258 23-25.4.2022 4 Saharsa-Mahisi
33 AMS
259 23.5.2022 10 J__Koshi
Umeshchandra Bharti joined Simri Bakhtiyarpur
24.5.2022 Madhepura Yogiji'ashram
24.5.2022 Madhepura night stay KK marriage Hall
25.5.2022 J__DMU
25.5.2022 Purnea Mahila College lag Randhirjik dera
25.5.2022 Purnea Jalsa, Sipahitola

26.5.2022 J__Pass

26.5.2022 Forbesganj Home-Gopalbabu's, Rajesh' Yamunaji dera

26.5.2022 J_Seemanchal

27.5.2022 Khagaria Rajmata Madhuri TT College

27.5.2022 Khagaria Chadrashekhar Paramedical Inst-

27.5.2022 Khagaria Rajmata Madhuri TT College-addressed students

27.5.2022 Khagaria BS School,Rajendranagar

28.5.2022 J__Koshi

28-30.2022 Simariaghat Sarvmanagala Gangaghat

30.5.2022 Barauni Gaura-AshoPathak'sshraddha-Gaura, Barauni Sarvmangala

31.5.2022 J__Janhit

31.5.2022 Patna

Deepshikha_Deepu quarters

MCPW,PMCH

31.5.2022 J__Shramjeevi

15.7.2022 0 Forbesganj

House was demolished

by Rakku Singh

260 20-28.7.2022 9

20.7.2022 J_12488

21-27.7.2022 Forbesganj

Familial,PS,SDO office 107

27.7.2022 12487

Patna

28.7.2022 12369

261 9.9.2022 2 12488_DDU_FBJ

10.9.2022 FBJ PS Janadalat

10.9.2022 12487_FBJ_DDU

262 19-25.9.2022 7

19.9.2022 13484

20.9.2022 MaldaTown(MLDT)

20.9.2022 Adaidanga

21.9.2022 15658

21.9.2022 Bhagalpur Dr.Kiran Ravindra

21.9.2022 Bhagalpur Ananda garden,Tulsipur

21.9.2022 13483_Kiul

22.9.2022 13019_MFP

22.9.2022 Muzaffarpur Bihar University,Maithili dept

22.9.2022 Bus_Darbhanga

23.9.2022 Darbhanga AB MSS_Dighi

23.9.2022 Madhubani RK College,M Punarjagran_Ranti

23.9.2022 Kapileshwarsthan Mandir-Pradosh darshan

23.9.2022 Darbhanga Indu dera

24.9.2022 Bus

24.9.2022 Benipatti Sansari Pokhari lag

24.9.2022 Bus

24.9.2022 Seetamadhi
Basant Mishra dera
25.9.2022 Train_Dbg_SPJ
263 16.10.2022 3 Barauni
16.10.2022 Simariaghat
15.11.2022 Gondia exp_SPJ
264 16.11.2022 10 Dalsingsarai
Shiksha Vihar-addressed students
16.11.2022 Dalsingsarai
Shiksha Vihar-Rastriya
patrakarita Divas
16.11.2022 Kamla_Ganga Exp
17.11.2022 Jaynagar Dr
Dayakant Jeebeshwar
Prartihast
17.11.2022 Jaynagar
AryaKumar Pustakalaya-
CEC_AMP
17.11.2022 Bus_Kaluahi
17.11.2022 Kaluahi Mukhiyaji
ghar-88 MWTC
18.11.2022 Kaluahi

Kalistahn,Mukhiaji ghar
-88 MWTC
19.11.2022 Kaluahi
Kalistahn,Mukhiaji ghar-88 MWTC
19.11.2022 Madhubani
Navarambh, Dileepjee dera-Proofs,
Dileepjeek geet aadi
19.11.2022 Kaluahi Defence
coaching-addressed students
20.11.2022 Kaluahi
Kalistahn,88MWTC
samapan 19 certificates KKJ,
Narayan Yadav
20.11.2022 Bus_Kudhani
20.11.2022 Bakarpur Santosh
coaching-89 MWTC
21.11.2022 Bakarpur Santosh
coaching-89 MWTC
21.11.2022 Bakarpur Sanjay
Thakur dera-amIp
interview chhanels

22.11.2022 Kudhani Sanjay Thakur dera-interview chhanels

22.11.2022 Bakarpur Santosh coaching-89 MWTC

22.11.2022 Turki RJJMC,Turkey addressed medicos

22.11.2022 Turki prepared slides for MRSS_ jaykantbabau

23.11.2022 Bakarpur 89 MWTC

24.11.2022 Bakarpur 89 MWTC- samapan 9 certificates

24.11.2022 Bakarpur interview chhanels

24.11.2022 Bus_Patna

15.12.2022 DDU_Seemachal

265 16.12.2022 17 Forbesganj

16-19.12.2022 Sijhua 90 MWTC

17.12.2022 Sijhua Father's varshee

19.12.2022 Forbesganj

19.12.2022 Bus_Bhaptiahi

19.12.2022 car_Saharsa

19.12.2022 Saharsa

20.12.2022 Saharsa Narayan Medical College

20.12.2022 Saharsa Met Dr Swatantraji

21.12.2022 Bus_Supaul Via Baluaha first time

21.12.2022 Darbhanga

22.12.2022 Darbhanga Vi MRSS sammelan-ABMSP,Digghi

22.12.2022 Scorpio_Chkdah Pramodji dera

22.12.2022 Chakdah Primary school-
Talked with children

23.12.2022 Chakdah

23.12.2022 Tempo_Loha

23.12.2022 Loha_Narhi

23-26.12.2022 Narhi 91 MWTC

26.12.2022 Madhubani 91 MWTC, Nvarambh -proofs

26.12.2022 Madhubani Shikshak Bhavan-Maithili Punarjagran Prakahsh

26.12.2022 Gangasagar EXP_DSS Pagra

27-30.12.2022 Dalsinghsarai 92 MWTC-UK Campus

30.12.2022 Dalsinghsarai Vimochan, ULAHNE-UK Campus

31.12.2022 Dalsinghsarai Mithila Arthik Manch founded-RB Thakyr house

31.12.2022 Dalsinghsarai Dhepura Condolence for Arun K Jha

31.12.2022 Dalsinghsarai DSS stn-Kannauj Utkarsh Parishad IV Foundation day

31.12.2022 Samastipur Barapathar Jila samiti formed

31.12.2022 Train_Swatantrata Senani exp

1.1.2023 Varanasi HIIMS

266 15.1.2023 17 J__Valsad MFP

16.1.2023 J__Bus_MFP_DBG_Bhitthi

16.1.2023 Sembhuad Durgasathan-95 MWTC-slept in office

16.1.2023 Sembhuad Mahanth Jugal kishre school-addressed teachers and students

16.1.2023 Kaitola Madhubani Medical College

16.1.2023 Samaul Gam-Slept Mohan Bhaiya's home

17.1.2023 Samaul Shivmandir

18.1.2023 Sembhuad

Durgasthan

18.1.2023 Kaitola MMC-Lecture to 2019 batch CNS

19.1.2023 Sembhuad

Durgasthan-

19.1.2023 Bus_Dilli More

19.1.2023 Tempo_ladari

Ladari-Chankyadeeh-

96 MWTC started-

20.1.2023 Ladari Pokhari-Ekoddisht Babujeek

21.1.2023 ladari Bikas Vidyalay,Middle school-

addressed students. Balaji with me

21.1.2023 ladari MWTC 96

22.1.2023 Ladari 96 MWTC concluded _

9 certificates

22.1.2023 Train_Jyg_Kol

22.1.2023 Jhajha JPS school-MWTC started

23.1.2023 Jhajha JPS school-

addressed students
24.1.2023 Train_Jasidhih
24.1.2023 Tempo_Deoghar
24.1.2023 Bus_Godda 97
MWTC started
25.1.2023 Godda addressed
students
25.1.2023 Godda 97 MWTC
26.1.2023 Godda Republic
Day
26.1.2023 Godda
26.1.2023 Godda Priest rol
for 2 Dom's
sarswati Pujan
26.1.2023 Godda 97 MWTC
Concluded_
4 certificates
26.1.2023 Godda Harshit
Ananad s/o Chennai's
Pradeep Jha's janeu then Bhoj
26.1.2023 Godda

Mela_Gantantra Diwas sapatah

27.1.2023 Godda Priest rol for 2 Dom's sarswati Pujan Visarjan

27.1.2023 Bus_Devghar

27.1.2023 Devghar Darshan exit route Pappu Panda only Rs 50 gave tight pocket

27.1.2023 Devghar Met students of Bihar & Jharkhand_2022 batch_ Dr.Anoop Physio

27.1.2023 Train_Jasi_Jhajha

27.1.2023 Jhajha JPS-No session of MWTC

28.1.2023 Jhajha JPS-98 MWTC concluded_ 11 certificates

28.1.2023 Train_Hathidah

28-31.1.2023 Tempo_Barauni Shreedham,Shokhara-Shishir Navratra

28-31.1.2023 Barauni
Shreedham,Shokhara
-99 MWTC_nameshake_
1 certificate only
30.1..2023 Alapur Middle
school-addressed students
30.1.2023 Alapur
Laxminarayan Mandir-
Met Sanjay Shastriji
31.1.2023 Train_Samastipur
31.1.2023 Train_Swatantrata
Senani exp
15.2.2023 Seemanchal
267 16.2.2023 14 Forbesganj
Home-Adhar correction
16.2.2023 Bus_Kanhauli
Saraswat Coaching
17.2.2023 BUS_Tempo
Kaluahi_kalikapur
18.2.2023
Madhubani_Train

18.2.2023 Hasnpur rd_Patsa Mahashivratri Sarveshwardham

19.2.2023 Jaynagar_Kalikapur by Janki Exp

20.2.2023 Kalikapur MWTC 100 concluded

20.2.2023 Kauahi_Basopatti

20.2.2023 Basopatti Basopatti- addressed students_
HM disrespectful

20.2.2023 Kalna Religious

20.2.2023 Bisaul addressed schools_
teachesrs happy

20.2.2023 Bisaul

21.2.2023 Bisaul Katha kumbh 13

21.2.2023 Car_JYG_SS EXP

21.2.2023 Darbhanga

22.2.2023 BUS_Madhubani

22.2.2023 Madhubani

Visited land , met Vivek (Reena's nephew)

madhubani Medical College taken class

22.2.2023 Bus_Darbhanga

23.2.2023 Darbhanga CFD,NMO

24.2.2023 Tarin_Hyd exp

24.2.2023 Jasidih_Deoghar Rush _No darshan

24.2.2023 Deoghar Hindi Vidyapeeth_Bed school-
NO Principal_VP was manipulated
y clerks ,no class was given

24.2.2023 Deoghar Hindi Vidyapeeth-talked
clerks Incidenatally KK Thakur
met as Registrar

24.2.2023 Deoghar Takshshila School- addressed
students, incidentally met

Pathkji's nephe from Bharhara

24.2.2023 Deoghar Middle school-addressed students

24.2.2023 Deoghar Hariali complex-attanded marriage of the granddaughet of Mithilesh Mishra,RNC,Survey of India

25.2.2023 Maurya Exp

25.2.2023 Samastipur Waiting room-Premji met

25.2.2023 Dhurian_LSI_tempo

25.2.2023 Tarlahi Ganesh Chy dera

25.2.2023 Tarlahi High School-addressed Class IX, boys and girls separately HM cooperative

25.2.2023 Ojhoul Bahin's sasur-Dwadasha riverside, Gabbu etc.

25.2.2023 Tarlahi Chitagupta Bhavan

-101 MWTC started

26.2.2023 Tarlahi Chitagupta Bhavan-101 MWTC
Many came in moring_
stay shifted to Rappukar
rai's residence

27.2.2023 Tarlahi Chitagupta Bhavan-101 MWTC_
Cool response no effort by
Ganesh Chy,nor he came,
poor response,gripped flue

28.2.2023 Tarlahi Chitagupta Bhavan-101 MWTC
concuded formally

28.2.2023 Tarlahi Middle school-addressed
one class-teachers coperative

28.2.2023 Tempo_SPJ Flue gripped (H1N1?)

28.2.2023 BJU_ADI

1.3.2023

DDU_Tengra_bhadwar HIMS returned

19.3.2023 J_Valsad-MFP

268 20.3.2021 13 Bus_DBG Dilli Mor

20.3.2021 Car_Sonki Svi Hosp- With UK Jha,BE

21.3.2023 Darbhanga

Commission Office-dharna

led by Rammohan Jha

21.3.2023 J-LSI_MBI

21-24.3.2023 Samaul

Durgasthan-102 MWTC

23.3.2023 G meet- Foundation Day NEO

21-30.3.2023 Samaul

Kalashsthapan, first time

10 days in village after MBBS in1980

25.3.2023 Sijhaul Sandeep University-lecture

on ,"Agriculture & devp of Mithila"

25.3.2023 Sahuria Nabtoli

Abhinav Shiksha Niketan-

Sagar rati deep jaray,

Cyber crime story wrote & read

26.3.2023 Samaul

26.3.2023 Kharra Tirhut Academy-good meeting with Muslims

27-30.3.2023 Birsair

Bhagwank ghar-103 MWTC

31.3.2023 SarisopahiDr. Sir Ganganath Jha Vachanalayawith Kalpkavi,

leat attandance Maithili Sahitykar Parishad Foundation day_mention only

31.3.2023 Sarisopahi

Laxmishwar academy-

Health talk with teachers

31.3.2023 SakriStation-Guddu came

31.3.2023 J_12561

1.4.2023 Varanasi HIIMS

15.4.2023 J_12788

269 16-28.4.2023 16 Ramai-FBG-Ramai

21.4.2023 FBG Beena Medical

29.4.2023 Bus-Sakri_MBI

29.4.2023 Madhubani Thana- nTown Hall-Janki Navmi

29.4.2023 Madhubani

29.4.2023 Samaul

30.4.2023 J_12561

270 15-31.5.2023 17 J_12788

16-27.5.2023 KIR_FBG-KIR

27.5.2023 Madhubani Thana

27-31.5.2023 Madhubani Neetu jha mayor CAMPAIGN

28-5.2023 Nanaur Katha Kumbh-15

28.5.2023 Gonauli Kamluji Ghar

28-31.5.2023 Madhubani Neetu jha mayor CAMPAIGN

271 15-30.6.2023 16 J-12488

16-17.6.2023 Forbesganj
17.6.2023 J__Janki
18.6.2023 Mehath
Kashinathji Katha kumbh
19.6.2023 Forbesganj Bus
20.6.2023 Forbesganj
21.6.2023 Forbesganj
22.6.2023 Forbesganj
23.6.2023 Forbesganj
24.6.2023 Forbesganj
25.6.2023 Forbesganj
24.6.2023 Forbesganj
25.6.2023 Forbesganj
26.6.2023 Forbesganj
27.6.2023 Forbesganj
28.6.2023 Forbesganj
29.6.2023 J_Janki
30.6.2023 J_12561
272 15-31.7.2023 17 15.7.2023
16.7.2023 Navgachhia
HariapattRudrabhishek,

was alte due to Premji's
late comimng train
16.7.2023 Bhagalpur Anand
Lawn, Arvind J dera-
meeting, met Dr Kiran 1973 batch
17-29.7.2023 Forbesganj
30.7.2021 Dalsingsarai
Bhatgama,VIP colony_
Katha Kumbh XVI, meeting VIP,
Pagda rest
31.7.2023 Ujiarpur Station-
SSC,
Amarnath Thakur,Premji
31.7.2023 Samastipur
Waiting room-
273 15-31.8.2023 17 J-12488
16-22.8.2023 Forbesganj
Forbesganj
20.8.2023 Purnea Purnea -
XIII Vinay Tarun Puraskar-
Shreenayak Hotel
22.8.2023 J_15283

23.8.2023 Darbhanga She with rajkumar,tarini and Bhawani didi went Forbesganj under conspiracy sold motheland to brokers;severed all relations with them-Indu dera last time in life

23.8.2023 Keoti addressed students, with Rajiv High school

23.-26.8.2023 Bisfi 104_MWTC at Bhagwatisthan-Shivshankar babau dera

24-26.8.2020 Bisfi Shivshankar babu dera

26.8.2023 Bisfi addressed students with Rituraj-Vidyapati+2 school

27.8.2023 J_ tempo Aunsi zeromilw ,Bus

27.8.2023 Madhubani Dhanakar's room- Kathakumbh-17

27.8.2023 J_Jyg-HWH-SPJ_HWL_BJU

27.8.2023 Dalsingsarai

Somvari karmaria rush-Parshuramnagar

28-31.8.2023 Dalsingsarai

105 MWTC_5 cerificates-Parshuramnagar

28.8.2023 KamaraonPratibha samman- Ucch Vidyalaya

30.8.2023 Dalsingsarai

Inauguration-Shantiniketan Digital library

31.8.2023 J_12561

274 28.9-4.10.23 6 J_12392

29.9.2023 J__Capital Exp

30.9.2023 KIR-FBG_KIR

Thana,lamd,clinic wIth Shubhji

1.10.2023 Araria KIR_Araiya -Advocate Dukhmochanji
with Mathuraji given refential case

2.10.2023
KIR_FBG_Araaria_KIR
2.10.2023 Araria Residential school-Addressed students
3.10.2013 J_Janki
3.10.2023
Madhubani_Gangasagar EXP_DSS
4.10.2023 Dalsingsarai
Siksha Vihar-addressed students
275 25.10-3.11.23 10 25.10.2023
J_12392
26.10.2023 Patna
27.10.2023 Simariaghat
Kathakumbh-18
27.10.2023 BGS-kir
28.10.23 FBG-KIR Thana-Janta Darbar
29.10.23 KIR
30.10.23 KIR-FBG_Ramai
Ramai
1.11.23 Madhubani

2.11.23 Madhubanu SP,SDO

3.11.23 SaMAUL_BHITTHI _PATNA

276 26.11-3.12.23 6 J_12392

27.11.2023 KIR

28.11.2023 FBG-KIR

29.11.2023 FBG-KIR

30.11.2023 FBG-KIR

1.12.2023 FBG-KIR

2.12.2023 FBG-KIR Met Anil Pankaj near Temple

2.12.2023 FBG-J_Janki Thana-Janta Darbar.Purnea Janki

3.12.2023 Madhubani Koilalkh Madhubani Koilalkh

3.12.2023 Kapileshwar Ashram

3.12.2023 Darbhanga d/o Ashok Avichal marraige

277 4.1.2023 4 J_12392

5.1.2024 BKP_Khusroopur

5.1.2024 Simariaghat
Mother's 18th Varshee
6.1.2024 Bus_BGS_Demu_KIR
6.1.2024 J_Capital
Exp_KIR_FBG_KIR Jan adalat, other's captured home,
clinic
7.1.2024 J_ PPTA_ Chandigarh
RajendranagarPatna
278 23-30.1.2024 7 J_12392
24.1.2024 Patna Bhari din
Shubhji sang cold me
24.1.2024 J_ Capital exp
25.1.2024 KIR_Kol JBN EXP
25.1.2024 FBG_ Ramai
26.1.2024 Ramai
Sudheerjee's fathers'a varshee;
Informed to vaccate clinic
27.1.2024 FBG did not bath,
Chulbul bhai expired
Patana, clinic papersm Thana CO,

date, clinic vacated ,J_

27.1.2024 Bus Priya of Niyati Clinc talked first

27.1.2024 Bhithhi objected on loud talks on phone

28.1.2024 Samaul

29.1.2024 Samaul

29.1.2024 Madhubani_BUS

Pramodjee and Ghutnu babu, Shubhjee explained case to Pramodjee

29.1.2024 MFP_train BGU_GWL

30.1.2024 Lucknow NMOCON sanketik Prakash Pandey ,Satish Singh -Barabanki doctor

279 29.2.2024 3 J_12392

AIIMs,Patana_Lect.on communication skills and service attitude

1.3.2024 Patna Raj Anand came

1.3.2024 Patna

1.3.2024 J_12346
2.3.2024 Katihar__Kol_FBG
Majhua/Nagar parishad
2.3.2024 Forbesganj
Niyati Clinic first time
2.3.2023 Forbesganj
2.3.2024 J_12487
280 18.4.2024 3 J_13020
Juranchhapra
18.4.2024 Muzaffarpur
Chakdah-Pramodji's grandson's janeu_Sunil Thakur, Vimal Das etc.
19.4.2024 Bus_Madhubani
Thana- Clinic
20.4.2024 Bus_FBG
20.4.2024 J_12487_Kanpur
21.4.2024 Bus_Hardoi_SPN_
Banthra
281 25.4.2024 6 J_13020
26.4.2024 HJP_Intercity
26.4.2024 Jaynagar

27.4.2024 Piparatol

27.4.2024 PADMA-Jaynagar-Dulleepattee-Barhi-Bbaira Parsa-Pipra tol

28.4.2024 Kamlabadee-Mirjapur chowk-Satghrada-Devhar -Mukteshwarnath-Gonauli-Islampur-Bhupayyee-Rameepattee- balirajgarh-Phulparas-Pipratаol

29.4.2024 Tenuahi-Ladania-Kampattee-Gajhara-Khutauna-Seebipattee-Kahajauli-_Piptatol

30.4.2024 J-Intercity_SPJ

30.4.2024 Samastipur

30.4.2024 J_15203

1.5.2024 Barananki

1.5.2024 J_Bus

282 14.5.2024 7 J_12392

15.5.2024 J_ BKP_Patana Puri_MKA_Tempo

15.5.2024 Alapur Ramjanki

katha

16.5.2024 Alapur_ Barauni-New BJU_Saharasa_train

Kirtinaran Mishra,

17.5.2024 Forbesganj

18.5.2024 Forbesganj Thana

19.5.2024 Forbesganj J_12487_J_12487

20.5.2024 J_Bus Kanpur to Banthra

283 30.5.2024 4 J_ Gondia BJU Exp_SPJ

31.5.2024 J_SPJ-FBG

31.5.2024 FBG Niyati

1.6.2024 FBG Thana,Block

2.6.2024 FBG_J_12487

284 9.6.2024 4 J_Purva

10.6.2024 Danapur_Intercity

10.6.2024 Madhubani_Kaluahi _Deeh tol Dwadasha of Kamalkantji-

talk with Binod N J,MLA

10.-11.6.2024 Madhubani

Pramodji's home

11.6.2024 Madhubani

Papers for case at station

11.6.2024 J_12561

12.6.2024 Kanpur_ Utsarg

285 28.6.2024 7 J_12392

29.6.2024

Phulwarisharif_Bachhwara_SPJ_DBG

29-30.6.2024 Darbhanaga

MMTC-118,Sagar rati-M

atreyeek Matritwa

30.6.2024 Seetamadhi

Siddhivinayak Hotel-

Ratnesjwar sang BGS –KGG

bad pahil ber

1.7.2024

Punauradham_Seetamadhi

Darshan Durganagar shivjee

1.7.2024 Seetamadhi

Siddhivinayak-Mithila Demicratic

Allaince formed_Er Rajkumar paswan
Convener

1.7.2024 J_Raxaul JBN

1-3.7.2024 Forbesganj

NIYATI-Dr Prakash Pandey came, returned from station ticket of tomorrow

3.7.2024 J_12787

286 25.7.2024 7 J_12392

26.7.2024 J-PHULWARISHARIF-BJU-FBG

27.7.2024 FBG P_Thana

28.7.2024 FBG Niyati

29.7.2024 FBG BLOCK-Bindu,Reena

30.7.2024 J-12287

31.7.2024 bus_KANPUR_ vamc

met CO Ranvijay Prasad to rejct mutation moves

1420

मिथिला जागरण यात्रा 4-5-6

MJY 65(3-15.10.20050

71th Mithila Jagran Yatra (22.3.2007-26.3.2007)-

BPL For a Week: A Tour in Mithila

75 म मिथिला जागरण यात्रा- खगड़िया (16.2.2008)

77 म कोसी सेवा यात्रा(11-15.9.2008)

79th Mithila Jagran Yatra: Mithila Vikas Party Expanded (Dec.25-28.,2008)

90th Mithila Jagran Yatra (5-6.9.2009) Bamangama(Sarath,Deoghar):

Mithilameeting stamped Grierson's map:

93rd Mithila Jaran Yatra(1-2.11.2009)-Dhamiyapatti camp 2009

95th Mithila Jagran Yatra -in an inclement weather (3-8.12.2009) (3-8.12.2009)-BHAGALPUR,Katihar,,Singheshwar,Saharsa , ETC.

96th Mithila Jagran Yatra (23-26.1.2010): Cold Mithila:Cold Maithils; I -Deoghar and Godda, II; Bhagalpur, Purnea, Araria, Forbesganj

100th Mithila Jagran Yatra (8-9.5.2010)-Akaur

मिथिला जागरण यात्रा 4.5.6

4 16.10.1993 14 Sakri-Kanhauli-Madhubani-Koilakh Padyatra

17.10.1993 Rampatti-Ranti Padyatra

18.10.1993 Saurath-Rahika Padyatra

19.10.1993 Satlakha-Arer-Parsauni Padyatra

20.10.1993 Barha-Benipatti-Jagati-Ucchaith-Jagati Padyatra

21.10.1993 Tyotha-Durgauli-Manpaur Padyatra

22.10.1993 Manpaur-Khirhar-Jhituki-Harsuar-Outer Hissar-Karrahi chowk-Umgaon Padyatra

24.10.1993 Malimali-Kaluahi-Dhanga-Maltol(Haripur) Padyatra

25.10.1993 Dokhar-Karmauli-

Pali-Khajauli Padyatra

26.10.1993 Laxmipur halt-Ambedkar colony-Kewan-Chichari-RannagarKhorhi-Mangrauni-Madhubani Padyatra

27.10.1993 Madhubani Padyatra

27.10.1993 Samaul (Madhubani)

28.10.1993 Sakri-Kanhauli

28.10.1993 Darbhanga-bus

5 21.5.1994 9 Bus

22.5.1994 Madhubani-Saurath-Rahika Cycle Yatra

23.5.1994 Satlakha-Arer-jarail-Benipatti Cycle Yatra

24.5.1994 Behta-jagati-Basith-Chapura-basaith-Pali-Rajaun--tariani-Massa-Mirjapur-Tariani Cycle Yatra

25.5.1994 Dharia-jagban-Kamtaul-Chahuta Cycle Yatra

26.5.1994 Ahiari-Gautamkund-

Ratanpur-brahmpur-Katka-Kaligaon-Bharwada-Sanahpur-Lakhanpur-Kachhua-Chakauti Cycle Yatra

27.5.1994 Jajuar-Samari-Kharka-Rarhi-Narauch-Bihari-Singia Cycle Yatra

28.5.1994 Nikasi-Hariharpur-Pindaruch-Mahmadpur-Karaj-Baraul-Darbhanga Cycle Yatra

29.5.1994 Saramohanpur-Lajeriasarai-Samastipur

6 14 .10.1994 11 Madhubani

15 .10.1994 RKC-Rahika-Kaluahi-Dhanga cycle yatra

16 .10.1994 Bardepur-Narar-Chavhraha-Selibeli-Dullipatti-Jaynagar cycle yatra-Kamlakntjis pahil b hent

17 .10.1994 Jaynagar-Belabanrait-Betaunha-Kamlabadi-Belhi-Jogia-Padma cycle yatra

18 .10.1994. Tenuahi-Chhapki-Mahtha-Ladnia-Deuripatti-Lachhiminia-Piparahi-Lalminia-Gajhara cycle yatra

19 .10.1994 Gajhara-Khadgbani-Jathi-Khojpur Dohta-Mauahi-Balirajgarh-Gonouli-Devhar cycle yatra

20.10.1994 Satghara-Bhatgama-Shyamsiddhab-Bhatgama-Naraynpatti-Sugauna cycle yatra

21.10.1994 Sugauna-Chapahi-Bhattsimmari-Mailam-Koilakh cycle yatra

22.10.1994 Rampatti-Ranti-Madhubani- Samaul cycle yatra

23 .10.1994 Samaul-Bus

23.10.1994 Darbhanga

Shiveshwar babu Shyama mandir me-Mithila prant banat t' Mithilak Gandhi kahayab;

MJY 65(3-15.10.20050

8.10.2005 7 Begusarai

Bhaaskarji dera

8.10.2005 Khagaria

Dharmendra came in meeting

8.10.2005 Saharsa

LNJHa's dera

9.10.2005 Chainpur with LN Jha

9.10.2005 Bangaon

Abhimanyu Khan at Bhagwatyisthan

9.10.2005 Saharsa Met Amol, RajaraM-lALPARISwatantraji's dera

10.10.2005 Supaul Met Kedar Kanan, Dhirji,

10.10.2005 Ganpatganj

with dayashankar

10.10.2005 Hulas

Bhagwatisthanme Mukhia kailash yadav, Munnaji etc. neek meeting

10.10.2005 Dumari

Ravindra choudhary's sasur

11.10.2005 Ganpatganj

Ravindra choudhary's ghar

11.10.2005 Forbesganj

Met Dasji

11.10.2005 Forbesganj

Familial

12.10.2005 Kasba

missed Amit Keshab and 5-7 journalist

12.10.2005 Purnea

Nomeeting; Prabhatji dera

13.10.2005 Shrinagar good meeting by Rani Jha; Naerayanji came with other 3 from katihar

13.10.2005 Purnea Dr. I.P.Bhagat did not meet

13.10.2005 Kishanganj

meeting and press conference -Mayababu residence;Vinodji saw off in train

Mithilavas Oct.8-13th, 2005

-Dr. Dhanakar Thakur

Spokesman, Antarrashtriya Maithili Parishad
D-5,Shyamali, Ranchi 834002
E-Ml.: dhanakarthakur@rediffmail.com
Tel.: 0651-2411278

Oct.8th-the first day

Usually an organisational tour is called PRAVAS but to me to be in my home Mithila can not be called so and thus I preferred to name it as MITHILAVAS.

Since 1993 Durgapuja, I wish to be in Mithila seeing the Mata in many known and unknown places-villages and mofussils of the Mithila.

It is because there are holidays in the company in which if you add few days it becomes a good enough time to undertake a campaign.

The problem everywhere you will face

that people are busy with Puja/Path. OK. But also people will be assembled at every Durgasathan automatically and many do come their villages from far off places of their service.

It all depends upon the organiser concerned that your time is utilized well or not.

If I recall my 1993 Durgapuja days when I undertook the 132-km padyatra from Koilakh, there were good meetings almost every village I went; in some (Rahika, Parsauni, Kaluahi) to the tune of few thousand villagers listened me and at others some 10-20-50 people which is not a less number from any campaign point of view.

Yes, for it one has to sacrifice the importance of being in your own home, away from your parents and other near and dear and if you are a person doing Chandipath you will need a book with you

to do so in morning wherever you are. It tastes better. I tasted so. I hope some will try to get this taste next time.
This year I started by train on 7th night and
8th Oct- morning entered Mithila's Santhal Paragana & Munger division- I had not pamphlets this time otherwise I could have distributed them.
At Hathida crossed the Ganga (much less water I saw this time compared to last times) to reach Begusarai; had my Path at Bhaskarjee's house. At Begusarai no meeting was arranged though even a small meeting would have been beneficial nor Dr. Ashok Pathak did come but Bhaskarjee accompanied me to Khagaria.
There at Khagaria a small gathering of important workers was- Bhuvanjee. Kinkarjee, Rajkumar Vidyartheejee, Vermajee etc. prominent workers.

Vidyartheeji proposed a big conference of Maithili scholars at Khagaria to which I assured them to shift venue of XIV International Maithili Conference from Simaria to Khagaria on March 26-27,2006,the final decision to which will be taken in November end 2005 at Begusarai in Vidyapati Parva when we all will be there.
(I was reported holding conference at Simaria will be more fruitful during Katrtik Masmela when people from various parts of Mithila do assemble there and so we can have conference there in next Noveber, 2006).
However, I also suggested for a Maithili Workers' Training camp at Khagaria during Christmas vacation this year which they accepted.

An independent candidate for the ensuing

Assembly election Dharmendra, a youth also spoke. We reiterated our support to the candidate who can defeat Lalu's as he is a Maithili-baiter and or who supports our Mithila movement.

I also asked Dharmendra to form a party named Mithila in future than naming Bihar as to cover whole Bihar needs a lot of time too. And Maithils support will come to party named on Mithila for obvious reasons.

(Later in the Yatra I also had a feeling that we should call district-wise independent candidates who are of clean image and could score 5000+ votes and ask them to form a loose political party named on Mithila with the freedom to join any national party if it gives such person a ticket. Our aim is to place Mithila supporter persons in all parties and then only we can get Mithila State.)

On Bhuvanjee's bike I came to Mansi. The train was late. Around 10PM, I reached Saharsa and went to Dr. N. Jha's house at Gangjala Chowk though this time I was willing to stay with some other worker but Prof. Vinay Chowdhary was outstation and Vijay Kr. Singh showed his inability to come to station. I feel touring persons should better stay at different houses to have close company with as many persons possible Mithilavas.

Oct. 9th-the second day

As described though I had to reach Saharsa on 10th morning, I reached earlier 0n 9th night. I had thought to stay again with Vinod Singh jee whom I could recall after 29 years few years back and then had also one night stay with him. I had a night stay way back in 1973 in his sister's in-laws' house when my train was delayed to

Madhubani and when he saw my name in newspapers that I was at Saharsa regarding International Maithili Conference, he had come to meet me and I could recognise him. He invited me to his house to meet his old mother who had met Gandhi and Subhash at Mehisi (Champaran). I could go his house in the next tour only. In the morning when his wife (also a teacher) asked me as to when I would come again, I had jovially told that the turn would come after 29 years. (He even attended one of my meeting there later.). But this time when I tried to meet him earlier I was not reciprocated. It seems people do lose interest once you meet him but for an organiser while it is important to meet new and new persons he should also put track with the old known.

Anyway, an old vanguard of Mithila

Movement Dr. L. N. Jha too made a mistake that he did /could not inform workers of Saharsa, Parari, Chainpur, Mahisi and Karnpur. Further there were motor-bikes available in his house, I was not a rider and he thought to approach Uma Babu, a respectable villager from Parari who lives at Saharsa that he will take his car and by his influence good meeting will be held there. But as he did talk to him only after my arrival there the same day it could not be managed. Yet, I insisted that I would go at least Chainpur and Bangaon. Sanat Kr. Jha, a Maithili worker at Ranchi had talked on phone to his brother Shivanjee there and I had also told Shivanjee that I would be reaching there 3 PM.

I was dozing in the room and for the formalities of food (a custom of Mithila) it was too late. We could start by 2.15 PM, by rickshaw Mahavir Chowk-then tempo to

Bariahi Chowk-then rickshaw to reach Chainpur (though Parari was in the way and I had told Sri Nageshwar Jha to communicate his villagers, for paucity of time and non-conformation of the meeting we did not halt there) around 4 PM. Nobody in the village was informed. We reached Kali Mandir and the people playing cards there listened to us and were sorry that due to on-communication by Shivanjee villagers could not listen to us.

Since in the tempo I had told to a Bangaon fellow to inform Sri Krishnanand Jha, Sri Abhimanyu Jha and Capt. Ramanand Khan (who in fact is no more I could know after going Bangaon. Many years back in 1994 he was Mukhiya and while it was my first trip there as Mithila Jagaran Yatra, when I reached the same Mahavir Chowk and was waiting for tempo to fill up, he had come

and scolded his villager tempo-driver to make haste for a meeting. When I asked which meeting, he said,"Maithili meeting of Dhanakar Thakur". I told that it was I, Dhanakar, with him and we had a good meeting then.in the High school ground near the Supaul road. Capt. Khan was also Samadhi of my mother's maternal uncle's son and I could also visit that original home of my maternal ancestors that time. In the successive visit with Pt. Jaykant Mishra in Feb.1996, there was good meeting at Baba Laxminath Gosain Kuti and we met Maheshwar Khan also. My third visit to Bangaon was in way to Ugratara Bhagwati darshan at Mahishi with Krishna Murari Thakur of Muradpur but then I could have a few minutes stop at Babkuti only for changing vehicle.

Bangaon is one of the important and big village of Mithila and when we reached there this time in the evening people were

dispersing from Babakuti. Nobody was waiting for us. Somebody told others or us to go to Bhagwatisthan for meeting Abhimanyu Khan.
We went there and could meet Abhimanyu khan. He was pleased and asked for my mission- I asked him to devote some time to Mithila cause to which he agreed happily after the Puja. He has some revolutionary ideas for amending the Indian Constitution but my purpose is to take his guidance to that area where he is a highly respected figure and as an ex-teacher of Netarhat school he is a revered one and in fact I could know him during 1980s when my younger brother Suman (now a scientist at BARC, Mumbai) was his student there. He also presided over my meeting on 12.12.2004 at Patna Book Fair (this year too on 11th December I will be there to speak on Mithila State).

It was dark evening and we walked out of the temple where Kumari young girls were doing Chandipath. Around 2 km we walked and near the Supaul Road we could get a bus which left us at refugee colony of Saharsa.

I still thought to utilize my time. By rickshaw we came to station. From the other side by other rickshaw we proceeded to Dr. Lal Pari Devi. President AMP, Saharsa's house in the Saharsa College campus in the way if which we could talk two other professors who had attended earlier my meetings.

Prof. Rajaram Prasad (husband of Prof. Lalparijee) talked us and from the vrata-puja Lalparijee also joined later.

Dr. L. N. Jha had some urgent work at his house and hence we separated. I on rickshaw went to meet legendary Maithili poet Dr. Mayanand Mishra. He was sore that workers are not devoting time even at

Saharsa.

He asked me whether I would meet Dr. Swatantra Singh, MD (my senior at DMC and through whom I came into contact of the great freedom fighter and a socialist thinker Late Pt. Ram Nandan Mishra). When I phoned him he was skeptical whether I could reach his Koshi Colony house in that dark (no electricity is common in Mithila). But I could reach there by a rickshaw paying him 15 Rs.- a bit more, on the Saharsa's scale. Bhabhi (Swatratrjee's wife) was happy. Once I had gone to meet her in her naihar Mathai too, some 15 km away. I had a good meal and easy night stay.

Lessons: Though my post-noon day was hectic, I was late in start, the Chainpur villager who was informed on phone did behave irresponsibly and so earlier

intimation to some of the workers by old Dr. L. N. Jha could have given us better results in all scheduled villages (Parai, Chainpur, Bangaon and Mahishi- we could not stop at Parai, nor could go Mahishi and hence the next day scheduled Karnpur in bus-route, if halted at Mahishi). A bike is a must to save time was also felt. And, probably young/just-retired whole-timers in commissionaries of Mithila to utilize our time.

Oct.10th-the third day
In the night I had talks with Munnaji of Hulas that I would be there by 4 PM. Mirdaul and Phattepur for 11th could not be contacted. Informed Kedar Kanan's house that I would be at Supaul around 11 AM.

Few meter gauge trains running in one of the highly dense populated area of the

world, Mithila, are always over-packed with the passengers and I was given a sixth seat by the fellow passengers when I got on at Saharsa Kutchery station. There people were opposed of holding reelection in Bihar and were blaming Supreme Court that it has given laddus to both the RJD and NDA by its verdict that though the dissolution of Bihar Assembly was unconstitutional, polls would go on. One fellow passenger Shivchandra Prasad Singh (06476-287374) of villager Arraha promised me to help organising AMP meeting in Madhepura district where so far we did not have any meeting not because it was a field of Lalu Prasad but as we did not go there with proper communications.

At Supaul around 11, I got down and phoned Dayashankar Chaudhary (brother

of Ravindra Kumar Chaudhary, Lectuere,Maithili at LBSM College, Jamshedpur whom I first met long back in 1994 while on tour to Bhagalpur University where Ravindra was doing his MA.) whose mobile could pick up my voice and he told me that he would be at Kedar kanan's house by 1 PM. When I phoned Kedar Kanan he was waiting with Maithili professor Dheerji at his house in Gudari mohalla.

Kedar Kanan is a Maithili writer, editor, journalist who is also a son of legendary Maithili writer Kishunjee. Kedar's wife, Sushmita, too is a writer in Maithili. in Dec.1994 , I had visited Kedar's that house and Dhirji's house, east of Railway station with Dr. Jay Kant Mishra. In the intervening years, I crossed several times through Supaul but never could stop there. We had discussion on several points

related to Mithila and Maithili. Dhirji went his house to return again Jagaran press, near station, where I reached with Kedarji for a press interview.

I stressed for carving out Mithila State out of Bihar for national security (which was published in next day's paper) as well as early completion of Koshi Mahasetu to bridge two areas of Mithila. Now a Maithil of Nirmali has to undertake 299-km rail-route for going just 10 km east to Bhaptiahi in way to his district headquarters, Supaul. I also asked for a Makhana Research Centre there but those news could not find place in the paper for which arresting a criminal like news have become more important and the election coverage. Further now newspapers have been turned to district pamphlets. The same news published under Koshi page was not seen in nearby Forbesganj's same edition

coming from Bhagalpur. District/City pages may be ok but a news of regional /state/
national importance should be placed for such space but this is not usually seen and thus the impact is lost.
Dayashankar came a bit late and we started around 230PM for Hulas village some 30-km away crossing Nirmalihat and Pipra bazar where mostly village mothers were with phuldali and thari to offer Maa Durga. At Pipara some announcements to control rush were in Maithili but also sometimes in Hindi which was not essential there.
The road was like a pothole and we could have our journey away. Somebody had told me why motor spares are sold highest in Mithila. I think the pain related to spines must also be highest in country in Mithila.
Ganpatganj, Dayashankar’s home was in

way but we could not stop there more than 2 minutes for reaching Hulas.

Crossed Raghopur, a village-town and through green paddy field both sides of road (this one much better), reached the house of Munnaji. Prof. Radhakrishna was also there. We reached Bhagwatisthan. It was a nostalgic feel of the last year when Dr. Bhubaneshwar Gurumaita and I were there in the same Puja days on Oct. 22, 2004. The villagers recognised me and soon popular Mukhiya Kailsh Yadav came. He had come there at 10 AM too on the wrong information of my arrival time.

I spoke for few minutes. Kailashji said ,"Man nahi bharait achhi, ahank ghanta-du ghantak karyakram s".

We fixed Dec. 23 evening to 26th, 2005 for MAITHILI WORKERS' TRAINING CAMP in which he said around 100 villagers of all 11 panchayats of Raghopur Prakhand will

take part. (I invite some of you should try to be there and see how AMP has crossed barriers of castes by true working).

It was dark and we had to reach Dumari-some 12-km away for other meeting. In the way some insects, attracted by the light of bike, fell in the eyes of Dayashankar and then mine but we continued ahead. IN the way at Ganpatganj too again we did not stop more than a minute. And crossing through the broken roads we could reach Dumari. It was sasur of Ravindraji and a village dominated by kalwars. Soon many youngsters assembled and I talked to them for Mithila. People were sore at Lalu-Rabri Govt.'s apathy to Maithili by its exclusion from the BPSC.

Young Mukhiya Bipin Chaudhary was also a student of Bhagalpur University. He had a murderous attempt by some selfish criminal elements and was desirous to leave village for some other town. I

encouraged him to fight them with a will though only the sufferer can understand the agony. Next day Dayashankar narrated me the story that how he could be saved by incidental passing of SP on that road where he was attacked and he could disappear in the nearby paddy fields.
It was night and we were well treated at Ravindraji's sasur. I joked at Dayashankarji that he as a good businessman could save two persons food being in brother's sasur! I also appointed him as secretary of the AMP, Supaul.

Oct.11th-the fourth day

The train from Raghopur was around 7 AM and hence after getting up early at Dumari we started immediately. In the way we saw the brick-bhatthas where Bengali contractors have carried Bengali

labourers too who came there with their wives and children and they used to purchase vegetables at any cost making them costlier for local people as was said by the father-in-law of Ravindraji during night meeting. I had early childhood experience that such Bhattas make land banjar (infertile) and I recall at my sister's Sasur around Kanhaukli (Sakri) such bhattas lead to the drying up of their big mango trees where in amgachhi I used to go during am-season. Though Ravindraji's father-in-law said the chimneys there were high-up,I still feel such industries will ruin Mithila and pucca buildings though safe from theft are mostly made are not quake-resistant.

At Dumari a child had told me that they go for high school to Ganpatganj ,mostly on cycles while girls go on foot. That boy used to go on foot to Dharhara Mahadev during

holidays, which we crossed in the way to Ganpatganj but did not visit for want of time. Only at Raghopur station, I realized after reading the plaque that it was Bhimashankar ,one of the Dwadash Jyotirlinga. I had read that previously also but usually Bhimashankar near Pune is famous for this. What is the reference, I could not search but in any case if it one of the Dwadash Jyotirlinga it should be publicized. It is no wonder that Baidyanathdham in Deoghar has also simuli at Parali-Parlyam Baidyanathasya(Osmanabad district near Parbhani in Maharashtra) where once I had visited long back- the temple was big but devotees were much less there in that desert like place. In fact, the same is for Saurath Mahadev of Sabhagachhi near Madubani with SOMNATH of Saurashtra in Gujarat—which one is original maybe

debatable. Bhakt Prahlad was born near Banmankhi in Purnea district at Sikligarh Dharhara. I got this information at Porbandar’s Bharat mata temple while on a visit there. Such all pilgrim centres of Mithila need adequate infrastructure for piligrimage-cum-tourism development.

Anyway, I went Ravindraji’s home at Ganpatganj but just after toilet we started for Raghopur, as without Durgapath I would not take anything and the Path requires one hour. In his house seeing me coming out from the tube-well, a lady out of shy and haste was slipped in the semi-cemented courtyard with some injuries. The ill-cemented, water-soaked,maybe with algae(kai) are accident-prone and so better is not cementing the courtyard (and also bathroom etc.). These should be coarsely cementede if at all. If one sustains fracture it would be difficult for treatment in those remote places.

In the way to Raghopur, I exclaimed to see a plaque, Varadraj Perumal Devsthanam, a south Indian temple in remote noerthern Mithila. Dayashankar later at Raghopur railway station told me that a Maithil Kayastha Mallikji's all sons are well-settled all over the country and probably his any son has got money from any south Indian Trust for it.

The train was almost in time. The Hindi newspapers- the Hindustan and the Jagaran were available in that small station coming by the same train from Saharsa and purchased a copy of the Jagaran in which my statement on Mithila was also published. Why there is no Maithili newspaper when the readers and subscribers of Hindi newspapers are? Probably after being a State language of

Mithila, Maithili newspapers will be viable getting advertisements, etc. From the newspaper could recall that the day was Jay Prakash Narayan's birthday (born 11.10.1902- died 8.10.1979). His death day too was very close to birthday..I also think to die on my birthday the 1st Aug.(my horoscope says 78 years and 14 days is my life. I want to die 14 days before..). In the same Koshi range once in 1987 when I had gone for flood relief work leading the CCL's team from Ranchi

I knew J.P.'s birthday through the fellow-passenger's newspaper near Purnea.

In the Hindustan's supplement I read about J. Jayalalithaa's (born 24.2.1948) accession from a heroine to tough chief minister; when M. G. Ramchandran died on 24.12.1987,she was overlooked and humiliated but soon she proved her as his political heir. It recalls me Vajpayee's

trouble with her or Mamta or Uma-all bachelors. Once I joked at the Lady Hardinge Medical College these tantrums are due to their bachelorehood and if J.J, agrees I am ready to marry her..The host Lal Chandra retorted,"why you, even Vajpayee will agree." Then I told them whenever she came to Delhi and met Vajpayee there was patch-up but the last time she voted against (to fall his Government) Subramanyam Swami had fool-proof arrangement that she do not see Vajpayee.

After sometime there was Lalitgram station. There was a idol of late L.N. Mishra(Basantpanchami 2.2.1922-3.1.1975) who died in a bomb blast at samastipur railway station while I was a student of DMC. The DMCH doctors were on strike but had he been treated by Dr. S.

M. Nawab in the Janata Clinic he would have survived like other DIG with him but LN Mishra was sent to distant Danapur Railway station(probably as a plot to make sure he was dead).

Before reaching Forbesganj crossed Sitadhar, a tributary of any river and was nostalgic as I was born there. Reached my home, which is dilapidated and has no maintenance. Yet, after bath did Durgapath there. Went to meet many persons- first to the son of my early tutor dening him for providing for any room for the store of his hotel. I do not want any hotel type thing as with difficulty one other such Maithil renter left my place where now a book-shop and private tutorial classes do run.

Then went to Sultani mai mandir(a brahmin girl was asked by the sultan to marry. She demanded first digging off a

pond and then yajna-in the pyres of which she jumped to die. Sultan said,"You were my mother." It is like a kabra but Hindu priest is also there and one will see sindurs put like any Hindu Mandir. It is said ladies do get sons after manuti there and then they come for Mundan sanskar of that son. I knew one such child who grew as a doctor Devranjan Singh, an MBBS from darbhanga, now practicing somewhere in Chhapra.
There I saw Durga Ma's idol. Then went to Teju master's house who accompanis me throghout whenever I go there. We took bicycles- cycling in own town is a fun now for me- at Ranchi, I drive car or prefer to go on foot. (I do not know scooter driving and when at Bhopal, I had to sit on the back of a bike run by a young lady doctor, I did feel somewhat indescribable.), First we met nearby family of Yamuna Rai

(Yadav) who asked me the progress in the movement of Mithila State. In the last visit Sahara TV has taken snippet of his typical Maithili culture in house to append it with my interview which was televised (but I could not see that being in continuos tour). I also asked Teju to come to Hulas camp and organise such in his village, some 10-15 km from Forbesganj.

Next we went to Prof. Nityanand Lal Das's house. He though a professor of English started taking Maithili classes honorary when it was started in the Forbesganj College. Prof. Das's wife is the great grand daughter of the great Maithili poet Lal Das whose Maithili Ramayan is famous. Dr. N.L.Das has translated President Kalam's biography Wings of Fire in Maithili but still he could not get a publisher for it. Prof. Das is the President, AMP, Bihar and on my worry of whole-time Maithili

workers he said that at Hulas camp in December we would try to find such.

Then around 6 km from his house further, we cycled to Dholbajja village to meet Yogendra Jha; an old man (born 1930) who was a role model for us in RSS shakhas. He narrated many old things – He joined the Lee Academy in 1944(I joined the same school in class VI in 1964) and joined the RSS shakhas in 1945/46. After Matriculation he joined Barsoi (around 100 km from Forbesganj, near Katihar) circle office as a Karmachari in 1953; did job for 4 years only; went to RSS's Officers' training Camp at Gaya in 1956- where on the basis of his knowledge of RSS's procedures etc. he enrolled for 2nd year course directly; late M. S. Golwalkar (Guruji) asked from where he did first year was not mentioned but he did not

object; he was given permission for third year OTC at Nagpur but he said he would not go there because though he would work giving maximum time he cannot be a Pracharak(full-timer). In Purnea district came from Maharshtra pracharaks Krishna Vasudev Bapat (I met him at Nagpur many years back), Anant Paturkar and then Bihari Kailashpati Mishra (later a Jansangh/BJP leader. ex-Minister, Bihar and ex-Governor, Gujarat who recently could recognise me too when we met at a marriage function of a Maithil, Prof. Vidya Nath Jha 'Vidit', political advisor to the CM, Jharkhand.Arjun Munda) and then Radhakant Jha…

Yogendraji was asked to go to meet Kailashji during last assembly election for ticket to Laxmi Mehta who as an independent had successively got good votes but could not win. He and Narendra

Pandey (his villager swayamsevak) went to Patna. Kailashji exclaimed,"Mahatmaji aye hain,mere kamre me baithen." After listening him, he said,"he will look into." Yogendraji returned with sorrow that Kailashji was not positive and he had not gone for any of his relative or caste-man(Yogendraji is a Bhumihar like Kailashji and Laxmi Mehta is a backward Hindu) but for the sake that he could defeat a Muslim and give a seat to the BJP. After few days, when Laxmi Mehta's name was announced, he was happy that this time Kailashji took his words (once in back he had gone for someone for MP seat but Kailshji had said that it would be decided by Delhi not by him).

I informed him about the progress in Mithila movement. It was going dark and I enquired whether I could meet Narendra

Pandey. He said,"UNKO AJKAL BAZAR-FORBESGANJ- JANE KI 'BIMARI' HO GAYEE HAI". Good remark on unnecessarily town visiting habit.. I recall way back,when Kailshaji was Finance Minister of Bihar during Janata regimen(1978-79), I went to his meeting with Yogendraji. He was sorry and said,"For the first time in my life, I did not went to RSS Shakha,after coming Forbesganj." Yogendraji, (his villager could not tell me his house by name but said there is a YOGI JHA, are you searching him?). Yogendrajee's matrik is Dholbajja where he settled down but his home is near Muraliganj in some village (near Prahladstahn, described earlier.). A saintly soul, persons like him are Rashtranirmata..not the political heroes on the dais..

Yes, it was dark, we crossed the railway gate to go to Narendra Pandey's home- in

last visit at his home a nearby villager had assured me for Mithila work. Villagers were on the road for going to or returning from Durga darshan (we had also Darshan there on Chowk). There was no light..On my cycle-bell, a village-girl remarked," Hnat, mot admi chauk, khasatau ta..", I was amused..Though I am not fat as per village scale of lean and thin I may be regarded so. And in the Purnea commissionary the average height of men and even animals and so carts are smaller than of Darbhanga's—a matter for investigation whether racial or nutrition related?

Anyway, Narendra Pandey was not in his home(gone bazar) and we returned town.

The first stop was Durga Darshan at Kali Mandir in Bengalitola (the Kalimandir establishment plaque is of 1905, renovated

by a town don much later, Gayaprasad Udaychand Lal.

Went nearby to meet my class friend Sadanand Sah(now a clerk at Purnea) who was a very good student. He had just gone out with his family for Durga darshan. Though we too followed sharply to nearby Shivmandir DurgaPuja but could not find him. Taken khichari there as prasad.

Then in way to third Durgajee at Godhanath dharmashala,enquired for Shivshankar and Pradeep-uncle-cousin studing with me. Father of Pradeep Gaurishankarji came and had a detailed talk with me as to why Mithila State? He became convinced. He told me that law and order was worse-extorsion, etc. Only few days a Marwari was killed which I too had read in newspaper as headline in the way. I told him Rangdars were also earlier (like Gaya prasad Udaychand whom everybody of town used to address as

MALIK! Yes, I have so listened even from my father. He used to arbitrate all Panchaitis.)

Then I told him that my proposition is that Forbesganj(named on a NILHA PLANTER Forbes) be changed to Sitaganj on Sitadhar and LEE ACADEMY (Named on Education officer or SDO LEE) to the longest-lived,highly respected our time's headmaster GANGA PRASAD SAH ACADEMY. He approved these and had admiration with exclamation that I being too far still think for the things of town.

After darshan from outside of Thakurwadi, I halted for a few minutes to talk to mother of Harihar (my class friend, now having garment shop at Bangalore). Harihar's father Harekrishnaji had come to Forbesganj from east UP for jaggery

business. He was karyavah (Secretary) of the town RSS and my father President. He was at Patna with his younger son Rajendra (who worked for ABVP and fought unsuccessfully election for Parliament from Purnea, as Forbesganj coming under Arariya has been a SC reserved constituency).

Crossing through my school, seeing other Durgaji, we went to meet my other friend Ajit Singh, taken an early retirement from Air Force and is in LIC/AMWAY etc. business. We talked for sometime but did not find his much interest in me this time and we proceeded to Gorihare where we met Pt. Rudranand Jha, a friend of my father and a local resident of Araiya district from Rahatmeena village. He is old but interested in my family matters and Mithila too. We saw Durgjee there but could not go to meet Yatindranath Jha, my class-fellow son of my Sanskrit teacher,

hailing from nearby village Ramai; he is now postmaster there and has settled permanently.
The last Durga darshan was at Sarvajanik Pustakalaya(now renamed as Sarvajanik Renu Pustakalaya,after Phanishwarnath Renu who was a librarian there- His book Maila Anchal is a milestone in the Hindi literature on which Tisari Kasam film was made). The decoration there was the best made with simple and cheap bamboo-battis used for making cases for transporting any light thing like biris). There near the cycle-stand, I searched for Raj Narayan, my other friend who has been writing books –comics and stories for children. Never he was brilliant but was studious of the same library’s books and magazines I used. Still his house is of monumental poverty a kutchha, tin-made,sandwitched in the pucca buldings .

He too had gone to see Puja in Pustakalya but I could not see him or recognise him. The other known face on the Pan-shop, the friend of my younger brother said that still Raj Narayan is engaged in writing such books. People do take him and ask him to write (and probably pay minimal—a tragedy for the writers in our country!).
We came to my home- took my dried clothes from the old widow, Panditani, living on the veranda of my house. She told me that Pathak running coaching class there came thrice with some rent-money to give me. I went to Teju Master's house to sleep..but there too his wife pressed for food despite prasads many places,I had to take that and slept ..

Oct.12th-the fifth day

On the 11th night I had phoned to remind Shri Indrakant Jha, Purnea for 12 noon

meeting, Dr. Suresh Jha ‘Ajit’, Shrinagar (near Purnea) for 13th 11 AM meeting and Dr. Mayakant Jha for evening meeting. I also talked to Amit Keshav, a young journalist at Kasba, if he could come to railway station on 12th October around 11 AM and could gather few persons and journalists where I can inform them about Mithila Movement. He became very happy to talk to me. He has been in my contact around a decade as a journalist he had asked me by letter the materials on Mithila State and my photo but we had not seen each other.

In the morning of 12th I went my home. Teju Master brought some rent-money from Pathakji. I also talked to the bookshop tenant and categorically told him that I do not want hotel-like thing in my premises, however, coaching class,

printing press or bookshop was welcome.
I got into the morning train and viewing the scenarios crossed Dholbajja, Simraha (the birth-place of Phanishwarnath ‘Renu’, Aurahi Hingna is close to it), Araria R.S. (Railway Station), Arariya Court, Kusiargaon, Jalalgarh (probably named after Jalaluddin Akbar), Garh Banaili (named on Banilli Estate) to reach Kasba.

For crossing there was already up train platform 1. I crossed that train through a compartment and reached to exit but Amit was not there. I called his name and thought being late train, he might have returned or did not come. It was 12.30PM and my meeting was scheduled at Purnea at 12 noon. Even from Purnea junction it will take time to reach Purnea College Chowk. Purnea is a commissionary town and I must not loose opportunity to be there to strengthen Mithila Movement

which was weak there with no reporting of any programme for long many years despite my several visits.

Hastily, I took a decision to catch again the train I had just left and without a ticket for next station Purnea, I again crossed the train on rail no.1 and got into the slipping train.

I reached Purnea Junction. The Station Manager, Sudhakar Jha, was on Puja in nearby house/pandal but I had no time so jumped in an auto got down near Giraja (Church) Chowk. I enquired there about vehicles for Shrinagar, 21 km from there. Autos are playing every time and a bus at 6 AM would be available was informed to me. I took a rickshaw and reached Jayprakash Nagar near Purnea College Chowk.

When I entered the house of Prakash Kr. Jha working in SAIL (Steel Authority of India), Ranchi who had been a good Maithili worker at Durgapur and later at Ranchi as the Secretary of the local Maithili organisation, Bharati, his parents were thrilled with joy to see me unexpectedly on the day of Dashmi, a Brahmin in his house. They were not informed by Indrakant that I was coming nor there was any meeting scheduled.

I had gone to Prakashji's house once, on 25th Dec.2004, when I was returning from Guwahati to Ranchi via Forbesganj with my father and had phoned to his brother Prabhatji from the Purnea Bus Stand. Then I was about to catch a bus for Bhagalpur but seeing his request that a small gathering would be arranged I had gone there. In fact, then in a small gathering I was assured of a big meeting/training

camp/conference in May 2005 and later a Vidyapati Parva. There a senior person, Prof. Gaurishankar Jha, was present with whom I had met while came to Purnea in 1994 with Dr. Jay Kant Mishra. Then a big meeting was held in the Law College. After that I had gone many times Purnea, even after due information but the organisational work could not proceed despite good possibilities.

Even Indrakant did not come to see me – whole day and night I was there. I recalled on 14th August too despite pre-information, he could not arrange a meeting and I had to reach Saharsa earlier than scheduled. In that journey, at Araria, other young Maithil, Ashok Mishra, did not come to even receive me at Araria Bus Stand though he told me on mobile that he was coming within minutes and he was pre-informed from Ranchi and reminded

from Kishanganj also. In fact that time too I had proceeded for Array leaving a meeting at Kishanganj in the evening (despite my information for a noon meeting they could not think, I have a meeting at Araria too the same evening). Ajay was very enthusiastic when first he saw me at Prof. R. R. Chaudhary's house in Dec. 2004 while returning from Guwahati.

Probably this type of irresponsible, unaccountable behaviour of youth is the most important cause of failure in any front, including Maithili.

But all are not so. When in the evening phoned Kasba, Amit's father said that he had gone to station to receive me. I gave my number to talk whenever he returned from Durga Bhasan. Amit phoned me in night and informed me that he had gone to platform no.2 and was there with my

photo to recognise me. He had also gathered 5-6 persons and press for my talk on Mithila. I told him he should have followed my instruction to be on exit (this mistake many people do in receiving... the golden rule is to be on the exit.

I recall once at Jammu Tawi railway station, Dr. Satya Dev, a senior worker of the NMO (National Medicos Organisation (which too I had founded in 1977) had gone to the bridge of Platform No.2 but in the same way I reached to Platform No.1 through train standing and make out through exit. Receiving person should always be on Main Exit unless specifically already instructed. Keshav was sorry but more I was. I was befooled, as my precious day was lost with no meeting. I gave my press statement on phone--or early completion of gauge conversion, Jute

Research Centre etc. as well as to defeat anti-Maithili/Mithila politician Lalu (though the AMP is non-political it is because Lalu-Rabri regimen has been opposing Maithili tooth and nail, even defeated and censored heavily by the Patna High Court on the issue of removal of Maithili from the BPSC and primary education, Bihar Govt. had shamelessly gone for appeal in the Supreme Court, where case is yet to be listed.).

I promised Keshav that in my next visit I would mark half day for Kasba and try to meet as many persons there and also see the place, which I have so far crossed only umpteen times. There are homes of my class-friends Leela Chand Saha (now Prof. Botany, Bhagalpur University), Ranjit Kumar Arya, an orthopedician, I last met at PMC, Dhanbad and my uncle-like ex-teacher of the DMC, Dr. Arun Kumar Rai who now lives at Ranchi after retiring as

HOD, Ophthamology, RMCH. I also asked Amit to go in the depth of naming Jalalgarh and possible new name on some of the important tributary or thing of the locality.

But my whole day was not lost. Not because I had good food and rest but I had long interaction with Prabhatji's daughter Pragya. She was a DPS +2 student at Ranchi and narrated me her bunking stories and how she and her two other friends could befool her hostel Superintendent (her aunt Abha) and physics tutor, Nabendu Mishra; her stories of matargashti while tution-time, roaming in the MECON colony and town; eating egg-rolls in nearby Manjushree Sweets and so on.

She gave me to read Kamayani of

Jayshankar Prasad, few pages of that epical writing, I could read but more I listened to her talks and tantrums. And also read her diary with poems written in Hindi. Lovable they were. One I reacall,"Ek Sach aur char jhut.. kitna aachha hai niyam todna, samy bitana… She had many stager presentation and reciting. She has acquired some poetic qualities from his father.
She and her friends had decided not to join any engineering college and so even if good students did not labour but had masti. Now she is a student of Chemistry (Hons.) at the Khalsa College, New Delhi.

In the evening there were mosquitoes in the house and outside on the chhat, we sat for long talking Chemistry- the just received Nobel Laureates' work on Optics then Raman-effect, then Chandrashekhar's Blackholes (dead stars); Entropy; I asked

her to name the lady Nobel Laureate other than Curies (hinted but she could not recollect Dorothy Reed famous for discovering the molecular structure of Vit. B12, isomers and isotopes, allotropes, Periodic Table, Different solutions and so on many things after 32 years of my competing in medical (In PMT, I had probably 49.33 marks questions correct out of 50, the wrong colours of Bromine and Iodine was was for 0.66 marks though Chorine's greenish-yellow was correctly I had written). Pragya too was not fully correct naming the colours of Halogens. She asked me on Molecular interventions in Medicine (she has been asked in college) though I conjectured some, I had forgotten to search on web; writing this memoir reminds me for that.

I told her the chandni on the chhat

reminds me a Raja Radhika Raman's Hindi story where a King used to watch in such chandani from the attic of his palace..

I told her to meet my niece at NOIDA who is also Pragya (and called Gungun like the little sister of the Chemist Pragya.from his second mother.the little girl behaves like super-mature girl, I was reported and is a matter of fun with grandparents.).

When I asked Pragya to join YOM (Youth of Mithila), she happily agreed and told me that her friend Arpita Rai has great self-pride in being Maithil and not only that Arpita has an innate quality to ask for the things she deserves or get her due rights with conviction. When they see their Bengali friends talking in Bangal they do not feel good. I told her to talk among you in Maithili. Now in many elite Maithils home-atmosphere is such that they are not

talking in Maithili but I feel that soon Arpita like Gen-Next would discover their roots with pride..

Oct.13th-the sixth and final day

On 12th night I talked on phone Shri Narayan Jha of Katihar who in 1998 had organised V International conference where Tarique Anwar, then newly elected M.P. had addresses any first meeting in his constituency after his win and had assured that he would help Maithili cause anywhere. When I had phoned Narayanji from Ranchi he had told me to reach Katihar and he would accompany me to Shrinagar. By the time I reached Purnea, I had known that Shrinagar is nearer to Purnea and hence, I had phone Narayanji that I would not be reaching Katihar that evening of Dussera (where in fact I was in

mood to see Durga idols which should be well-decorated in that Bangla-dominat town and in fact all through N. F. Raliway there is good Durga Puja due to Bengalies in Railway. It is just like Hanuman Mandirs in almost every Police Station of Bihar ,mostly by Bhojpuri speaking policeman!). I had given Narayanji Shrinagar's contact no. where he had talked earlier also. There are two more Shrinagar named villages around Katihar he told me. Anyway, I told him if he would come Katihar I can go on his bike otherwise I would start by 6 AM bus as I had also a meeting at Kishanganj around 5 PM. I also talked Dr. Suresh Jha 'Ajit' at Shrinagar on phone and took guidelines for reaching there.

Though I had sleep late in night, Arun (also a young Maithil worker residing in Prabhatji's house) awakened me. I did my

daily ritual including puja and could get a rickshaw for reaching Giraja Chowk for catching bus to Shrinagar. The bus came after a some time. It was itself as much dilapidated as was the road almost all through 21 km for which fare of Rs. 20 seemed to be genuine and also any new bus could be torn in some time seeing the road. While I was dozing on the front seat, driver asked me to get down, “Deorhi abi gel.”

I saw that Deorhi on a walking distance – the lone standing house in big campus amidst some houses of village. There was a health centre in way but seemed to be closed for long-time and so dilapidated school named after Rani Chandrawati.

Daughter of the deorhi, Mrs. Rani Jha, saw me and was pleased and so her husband Dr. Suresh Jha ‘Ajit’, ex-GM, SAIL and ex-Director, NIIFT, Ranchi under whose

presidentship the First International Maithili Conference I could convene and found the Antarrashtriya Maithili Parishad way back in 1993 and I had a nostalgic reverence for them how they both had worked not only at Ranchi but also and Jamshedpur moving from house to house in unknown houses, saying'"I am GM in SAIL and have come for your contribution/advertisement for our conference" and so Mrs. Jha in her friend circle at Bokaro and calling a cultural party from there. In fact, then I was completely ignorant of those cultural aspects of such conferences and probably she has an admiration for me, as I was one among her lifesavers while she was admitted in our hospital critically ill.

I could meet her sons long after there. Nicky, then just passed from IIT, Mumbai has grown up elderly (married to a Punjabi school-friend while they was

talking to his son and daughter in English, I did not appreciate it. Now Nicky is in Infosys, Bagalore and while he opposed for long the concept of separate state his youngest brother said but he was in favour of Mithila State. I could see his middle brother Giridhar, an engineer, working at Kolkata. Bhauji (A Kanyadani, who use to be settled in the same village by giving land etc.) of Rani Jha told me Giridhar's marriage has been fixed with one of her relative girl. Rani Jha's only daughter, married to a Maithil engineer is in US. Rani Jha's sasur is in Araiya district and now she lives with Dr. Jha at Patna. However, when she was at Ranchi she had expressed the desire to of Dr. Jha to settle finally at Varanasi like a devout Hindu.

I had phone to them for inviting them to Jaipur's Maithili conference but they expressed inability for having this year

their turn for organising Puja at Shrinagar. Then I had asked them to organise a 72-h Maithili Workers Training Camp there but she expressed her inability but invited me for a meeting just after Puja. I was hesitant for sparing a C.L. for a village meeting but did accept it as a mark of reverence to them they had done to the Maithili cause (and also for personally to me- once some Maithilani was criticizing me in US that I left my wife, she could listen a few words and chided that lady."It was she who left not my Dhanakar."

And soon came Kumar Saheb, uncle (or father, I did not ask) of Rani Jha, Kumar Divyanand Singh (b.2.3.1923) who was the lone survivor among 15 brothers of his pedigree of the Estate and was healthy and agile.

When I asked him whether his Deorhi had donated money for establishing a Maithili Chair at Calcutta University in 1917?

In fact, Sir Ashutosh Mukherjee, the then V.C, of C.U. said to Babuajee Mishra (who could procure and compile Jyotirishwar's Varnaratnakar, the first prose available in any north Indian language, written in 14th century is an encyclopedia and is one of only three available historical books of that period with Kalhan's Raj Tarangini, and Babarnama; he was father of Harinath Mishra ex-Speaker, Bihar Legislative assembly and grandfather of Dr. Mohan Mishra, Darbhanga, President Mithila Rajya Abhiyan and my guide to MD) that while he was finalizing the list of Indian Languages for Post-graduate studies he missed the name of Maithili which deserved one department but the university had no more fund for the Chair which if you can arrange from somewhere happily Maithili could be introduced. Bauajee contacted Darbhanga Maharaja

but could not get money and then he contacted Bainili Estate .It was assured and he came to Purnea for it. Mainly Raja Kalikanand Singh (father of Rajabahadur Krityanand Singh) provided that fund assisted by and Rajaur Estate's Raja Tanklal Chaudhary and Chhatranath of Durgaganj, nearby in Katihar district.

I had an impression that they the scion of Darbhanga Maharaja but no to my utmost dismay, they had completely different ancestry. Their forefathers came from Bahera of Darbhaga (and hence, they are pure Maithils while Darbhanga Maharaja's ancestors came from Cenral India- near Khandwa).
Jokingly, he said yes we had a relation. Maharaja Darbhanga filed a suit for a lone of Rs. One lakh they had taken- Maharaja got a decree of 28 lakhs!

Kumar Sahib narrating the history of estate said that during 17th-18th century from Baigani-Nawada village near Bahera (Darbhanga) came Hazari Chaudhary who got title of Raja Bahadur Kaisr-I-Hind and was took a title ‘ Singh ‘ being a Raja and was renamed as Raja Dular Singh. It was then called Sauria Estate. Araria was called Farakia whose last Raja was Vijay Narayan Singh, Kaisare-I-Hind. Then the Agent of the east India Company was GM Palmer (still there is a bundh on Parman river from Gulabbagh to the bridge west of Purnea Junction. Then there was a draconian Sunset Law under the Bengal Tenancy Act under which if the land rent was not paid by a certain date Red Flag was unfurled in the Kutchery and if by the time its shadow in sunlight is gone and rent was not deposited, the property was auctioned in any price- property of Lakhs

used to be auctioned in thousands. Raja had no money to pay the installment of June and hence he went to the house of a Modiain near Purnea city and said,”Today I have come to take loan of 4 lakh rupees. “ She agreed. Raja’s Minister said since the money is to be deposited in Purnea and hence why to take it to Araria and take back. Raja said he would send his person with a stamped letter whom she should give money, which she agreed.

But there were many Nilha planters in the locality who were waiting for auction and they connived with the Vaidya of Modiain and poisoned her to death. The Collector,Civil Surgeon and S P used to be British. Modian had no apparent heir and her house with cash box was sealed till the Court would have declared her hair.

The Estate was auctioned. Dharmchand (Raja P. C. Lal) got it in auction.

Forbes was the most intelligent planter on

whose name Forbesganj is. Still Bible is recited there.
Garh Banaili was Ghudaur Maidan. Indian pony then used to lead.
Shrinagar was initially Khutti Dhunait. Champanagar was Kohba.

Jalalgarh- in 18th century there was a collector. Son-in-law of the Nawab of Murshidabad who wanted to make it the headquarters of the district. There is Parman River. Boat has been found which is 25-30 feet and is inclined. It is encased with copper. Jalalgarh is named after Jalaluddin Akbar (I suggested for calling it Parman Garh on the Parman River).
Devanand Jha was Deewan of Sauria Estate. He won a case of revenue for his Raja in the court of the Nawab of Murshidabad. He was awarded by his Raja three Parganas- Tira, Khardat and Asia.

Thirdanand Singh converted to Muslim to marry Nawab's daughter who got Asia Pargana. Araria is derived from Khariya where some peculiar dialect is spoken as wife is called Derawali.

Narrating the history of Shreenagar estate he said that Hazari Chaudhary, Parmanand Chaudhary and Rajabahadur Kairse-I- Hind Dular Singh was the same person who founded Banaili Estate. With one wife he had a son Vedanand and with other wife had Rudranand who was helped by Forbes planter during Permanent Settlement for partition of the property, Rudranand was poisoned –his abdomen was diseased and he was saved by giving KHOBHI's LAWA (khovi is a grass like weed which grows in water). Shreenand Singh did settlement of Shreenagar. Rudranand Singh had (probably, I do not remember what was said) three sisters-Hasandai, Badandai,

Khelandai on whose names there are temples at Navgarha and other places.

Shreenand Singh had three sons (Nityanand who dies without any issue, Raja Kamlanand and Kalikanand who had all 15 sons among which the narrator Divyanand Singh was only alive.

Vedanand's son Leelanand (Ramnagar Estate) had son Padmanand Rajabahadur kaisre_I-Hind whose son was Chandranand Singh who used to spend more than earning. His wife from Koilakh, Rani Chandrawati, when had son filed a suit for his extravaganza and he could be negotiated with an allowance of Rs. 2000 per month.

Raja Leelanand Singh went to Champanagar and had second marriage who had sons- Raja Kalanand Singh (Garh Banaili) whose son was Ramanand Singh whose son was Krishnanad Singh

(Sultanganj Estate, the manger of him was Parmeshwar Jha of Bangaon my mother's maternal uncle and I had visited Sultanganj during my childhood and still remember that kothi by the side of Ganga and a temple Ajgaibinath in the middle of the Ganga River where was a tree of Darim (Bedana).

Leelanand Singh's other son was Raja Krityanand Singh (Champanagar) whose son Taranand Singh was one among first 5 MAs in Maithili from Calcutta University and he became later Education Minister of Bihar.

Rajaur estate, which also donated money for Maithili Chair in CU, was a part of Ramganj of Dinajpur (now in Bangladesh) and Durgaganj is near Sonali in Katihar, which also assisted in the funding.

Kumar Sahib narrated other interesting story of Swadeshi-Vilaiti. In those days

whosoever used to visit abroad (England) was declared outcaste. In 1916 Ugramohan Thakur of Barari went Vilayat first he died without any issue and had not much problem. In 1926 Kumar Abhayanand Singh went Vilayat and then in 1930 Kumar Ganganand Singh went there with Maharaja Rameshwar Singh of Darbhanga for the Second Round Table Conference. On return they were boycotted by Brahmins so much so that one who would have been in the Bhoj (feast party) of them and if then someone in the bhoj /home of such taken food, he too was boycotted. Many Brahmins left the village and went far off to save themselves. Some mothers remained with son/s but their husband became self-cooker (Swapaki), not to talk of any husband-wife relationship!

Some cases come up in the kutchery-“Bhoj me jabardasti rasgulla khualak..” The

English Officer once instructed court not to entertain any defamation case against Rajbahadur’s brothers for it…

The times have changed..Whether I lost my caste eating there? Yes, these are the talks of only 60-70 years back, not of the epical days..

When I asked Kumar Sahib that in the Banaili Estate’s Mithia Printing Works my grandfather Yugal Thakur used to be assistant manager, he said the Press (which was the first Maithili Press) worked from 1904/5 to the earthquake of 1934 at Madhubani, near present Thana Chowk on the back of Rahika Central Co-operative bank where Dr. (Major) Krishanand Singh lived.

Usually that press had income from the printing of receipts etc. of Darbhanga Raj as they had not their own Press. Some religious books were published on Sandhya Vandan,Tarpan ,etc. Ramanath

Jha of Koilakh was its manager. Janardan Jha 'Janseedan' (father of Harimahan Jha) was the Personal Secretary to Raja Kamlanand Singh. He translated in Maithili books of Shartchandra, which were published from there.

Then I had the breakfast and soon came Narayanji Jha with three more Maithils from Katihar and the villagers gradually assembled. The meeting under the banner of the AMP was started with the " Jai, Jai Bhairavi Asur Bhayauni."Presided over by Kumar Sahib. I spoke on different aspects of Mithila- Maithili movement and why separate Mithila state was needed. Vikasji assured for all help to the cause. Narayan Jha stressed for spreading Maithili Parishad among all castes and groups. Local leader Mukhtar Alam assured all help for the Mithila cause. Kumar Sahib

stressed for the use of Maithili in home . Dr. Suresh Jha 'Ajit' put vote of thanks. I was in haste to go with Nicky on his Sumo up to Purnea to reach Kishanganj in time and hence hastily concluded the meeting though Narayanji with his friends stayed their for further organisational talks.

With Nicky coming on Sumo, on the dilapidated road was again an experience. He was rightly saying to his young son,"This 21 km road has always repair, from one it is constructed and by the time it reaches the other, the starting point has potholes. and so repair restarts.." Though he was talking to his children in English (which I did not like but also did not say that Aurobindo was sent to England to avoid Bangla and all Hindu culture, he only returned Bharat with deep Hindu conviction) he asked the driver to stop at a temple at Attaghat or something like that. I too went into the Shivmandir. Nicky told

me that it was of their Deorhi and in old time people used to go to Purnea from there on boats. I thought a river-way would have been far better than the backbreaking vechilcles due to pot-holed roads. I do not know whether Nicky's children would turn like Aurbindo being in Indiicon Valley (of Bangalore) but if Nicky stopped for Shivmandir (and his non-Maithil wife touched feet of Nicky's bhauji at Purnea, I may hope so..

I was dropped at Line Bazar where to my knowledge number of the sign-boards of doctors seemed more than anywhere else where I could easily reach the clinic and then house of Dr. I. P. Bhagat, MS with whom I had an incidental introduction at Dr. K. P.Deo's wife's house at Biratnagar in April 2005. Dr.K.P.Deo was a senior friend of me at DMCH and his wife a professor at

Biratnagar who had sent a slip to dais during VIII International Maithili Conference there and then I had gone Tintoliya to meet her and had taken an opportunity to meet her in April 2005 also while in way to Dharan’s Medical College. Dr. I. P. Bhagat met me there and had asked me to meet at Purnea for discussing Mithila movement. On 12th night I had talked him on phone and reached there timely but he had gone somewhere.

But there I saw the board of Dr. V. P. Agrawal and asked pharmacy-man whether he had come from Samastipur. On his affirmation, I went inside. Yes, he was Vishnu, our old worker of the NMO at Patna. I asked Vishnu to contact Dr.Harinandan Rai, a child specialist at Purnea and work for the NMO there but he was reluctant. He did not have phone number of Harinandan and I had to proceed for Kishanganj’s meeting.

On 2.10.2003 also I had suddenly met Vishnu at Russeraghat while returning from a nearby village Begampur where I had a meeting for changing its name to Vaishnavi I had gone there which has an interesting story. At Ranchi once I had gone to meet daughter of Dr. Mayanand Mishra, a legendary Maithili poet and writer. Seeing me, the tutor of her child said,'Achha ab ham jait chhi." I asked his introduction and village, He said,"I belong to Begampur near Russeraghat but in Begusarai district." I asked him whether his village was Muslim dominated. He said,"NO, maybe one or two family only." I said,"I am to go in Dussera Russeraghat on Durgashtami, the 2nd Oct. that year and will like to change the name of your village. I recite 108 names strotra of Durga and you stop me whenever you find a good sounding name starting from Ba. He

stopped me at Vaishnavi. I told him to be in his village on that day or inform his relatives. He did not go there and the informed person had not instructed for meeting but I reached there with 4 other young Maithili workers from Dalsing Sarai on motor-bikes in dark evening and a meeting was still held and I put my views as to why such names showing our mental slavery need change- Begampur on some unknown Begam and not far off from there Sahibpur Kamal on whom? Such names are unnecessarily have been in Mithila, if Bombay can be Mumbai or Madras as Chennai, Ceylone became Shri Lanka why not Darbhanga as Bagamatipur, Samsuddin Illias and Hazi Illias were luteras (dacoits) and Muzaffar was a revenue clerk- why not Gandakipur, Hariharnath and Khudirampur-Khudiram Bose was hanged at Muzaffarpur and famous Hariharnath is since epical days

where Hazi Illias would have come. I similarly proposed Shah Alamnagar to change Madhvanandnagar, the sage of UP who came for literacy and jagaran of the interiors of the then Saharsa. So I suggested Mithilapur for Mohammedpur near Benipatti when I went there - hardly few Muslims are there.

On the Chowk I got immediately a Bengal bus for Dhalkola from where one hour was Kishanganj. The road was better and 4lane road was being made under Golden Quadrilateral plan of Vajpayee, At Baisi, I saw a big political gathering of RJD in this Muslim-dominated area. Reached Dhalkola and took 250 GM packet of paniphal singhara and started eating it for food and water both. Soon a Sumo going to Siliguri came and took me for Kishanganj. It was a nice journey and it took me to

Kishanganj Railway station. My ticket for Ranchi was yet in waiting list and when I tried to cancel it TT said come in night before train when chart will be with me.

I reached Dr. Mayakant Jha's house well in time at 4 PM and took bath and had meal.
The meeting and press conference was slated at 5. Gradually Maithils started assembling.
I was impressed by Mayakantji since he had said in a Chintan Meeting for Mithila Rajya in 2002 that he came from the farthest border of Mithila where Bangladeshi infiltration has made dynamic changes.

Since then visiting Kishanganj was in my mind and in fact my programme there on 9.4.2005 when a new bi-weekly train Ranchi-Alipurdwar was started. By this train I could start after my evening duty

hours to Forbesganj via Kishanganj. When I phoned Mayababu that I am coming with my old father, he happily welcomed me and had arranged a meeting-cum-press conference.

There was an old organisation of Maithils but it was defunct for many years and hence under the auspices of the AMP the work was rejuvenated. In the evening I visited temple constructed by Maithils. The press covered news well (on 12.4.2005, my distantly related Prof. Chandana Jha told me she had read about my tour from Kishanganj dateline and the next day I took the copy of the TOI from her house in which Mithilanchal news was prominently published.

Again on 13.8.2005, I passed through Kishanganj as described earlier for

Arariya I had to leave arranged meeting in the evening there by Mayababu's son Gopalji as Mayababu was outstation.
This time I was particular and Mayababu too had contacted well.

The meeting was attended by many that had not attended my last meeting, particularly Sri Siya Sharan Mandal whom we announced as the District Secretary, AMP with Mayababu as the President.

Press-persons photographed us with the banner of the AMP (now I am carrying a banner always with me since in X Foundation Day at Ranchi the banner could not be ready by the programme and it was a matter of concern.

Every unit should have banner and it should be placed even if meeting is held in a small house. It gives you strength. I recall

at Guwahati where Adhbhutanand, a good humour actor who had also gone there for Vidyapati Parva in Dec. 2004 had asked me to finalize a flag too as it gives you a destination. I had promised but could not discuss worth workers so far.

My meeting and press conference ran together. The District Correspondent of the Hindustan Times, Prof. R. K.Khan 'Rahi" was very specific in his questions—like what will be the area of Mithila? Where the Capital will be? Whether the Movement is the outburst of the discontentment among Maithili speakers?

Shri Ratnesh Jha of the Hindustan's question was as if suggestion to us that we must have one-day conference at all seven commissionary headquarters (Muzaffarpur, Darbhanga, Munger,

Saharsa, Purnea, Bhagalpur and Dumka) of our Mithila State's map.

I feel it should be held annually and organising these require at least one whole-timer in each commissionary. After all organising people to the tune of 4 crore is not a joke- it is around double of the whole population of Nepal.

The training camps can give us workers but how they can be sustained. Few days back I talked to one of my friend practicing in Purnea to give a day's earning (which will be sufficient for a such worker's 2-3 thousand rupees expenditure a month but there was no prompt acceptance).

My this Yatra cost me hardly 700 rupees (645 for tickets, rickshaw and phone I could note.if you minus 136(up to Saharsa II Class ticket+ 266 (Sleeper for return) then it comes to some Rs. 250 for six days.

So it comes to Rs. 1250 for a month.

But I was provided free food and transportation at many places. Will it be provided to our whole-timers too who may not be as much known as I may?

I feel they will be as per the sound tradition of Mithila as my experience of the earlier such Yatras go. I was an unknown pedestrian those days of 1993 but had not an unknown Ramhit Yadav of Umgaon gave me all respect a guest commands or Dr. Kamalkant Jha in 1994 in that night when I had to halt at Parba/Selra village (I had planned not to halt at town but in village where easily one can get shelter but somebody at Nara or Chachraha village told me to go to Jaynagar village to Kamalji.

And only next morning when he took me to villagers, one of the Brahmin had many buffaloes that I remarked,”Mithila can have white revolution (dairies) like Anand of Gujarat and I overheard Kamalji saying someone,”He speaks like Dr. Hedgewar”. Then I asked him whether he was a Swayamsevak. “Yes, Jila Sanghchalak.” “I too am a Swayamsevak” but when I work for Mithila I have no difference for a Hindu or a Muslim.

Not only Govindacharya or Sushil Kumar Modi but also famous Syad Shahabuddin, MP from Kishanganj had also supported my Mithila movement during 1994-97. Shahabuddin’s famous article,”Statistically Muslims should have 62 Seats (MP)”, I said “Statistically Maithils can influence the win or lose in 28(In Mithila’s Bihar’s 25+ Jharkhand’s 3) + 46 seats spread in India + 74 seats”, the journalists have to ponder.

Prof. Rahi pondered and he did not have any feeling that being opposed to Bangladeshi infiltration in Kishanganj area, I am not any anti-Muslim but it is a concern for national security. Mithila State is a must for it and controlling devastating perennial floods of Mahananda and Koshi, he happily agrees.

What remains in Bihar is not Maithils' problem not only their problems not mitigated in Bihar during prolonged Muslim Nawabs' regime or British /Congress/ Lau-Rabri regime rather it is worsening day by day and hence, though non-political we AMP has every right to oppose the Lalu-Rabri regime which made Maithili outcaste from the BPSC and despite most stringent remarks against their Govt. in our appeal to Patna high court ,shamelessly went in appeal to the

Supreme court and did not withdrew it despite Maithili's inclusion in the VIII Schedule of the Indian Constitution.

Not only for our continued neglect from the negative point of view but for the glorious traditions and possible agro-industrialisation converting this most underdeveloped part of the country to a sustainable developmental path is the objective of Mithila State," I said.

I also thanked Prof. Rahi for saying, If ' rice-ball of Bihar' will go what will remain", thanks you acknowledge our fundamental importance but ever Bihar Govt. thought on our problems.even the central assistance fund for flood relief is going to the scammers of Patna. Had Mithila a state an AIIMS like institute would be there not again at Patna where already PMCH is and so many points.

Ratneshji gave mobile to talk Jaysawalji (of Khagaria the administrator of MGM Medical College) there and when I asked whether I can join your college as a teacher to sever Mithila and he joked as if I am a politician, no I am NOT, I am doing my duty to my motherland only and have no political affiliation. Anybody/party supporting the Mithila cause will get Maithils support.

Since Vajpayee overruling Lalu-Rabri regimen gave Maithili a constitutional status, the RJD lamp was put out by Maithil voters in whole Saharsa commissionary and other places.where they defeated we were the cause'when BJP MPs lost it was their own problen\m for bad selection of candidate ot others but we had supported Vajpayee.

But our support is not for good. We also

want our due problems are remedied to which carving Mithila State is no.1.

And I learnt many things in press conference- the area of proposed Mithila I said about 22,000 sq. km was wrong- it is much more and final figure I have yet to compute- but every 29 district we are demanding is roughly some more than 1000 Sq., km.

I suggested our Maithili workers to have a good annual function every year there (and everywhere). I told them we cannot get Purnea division in Mithila without work in Kishanganj as it was the border sate and if Kishanganj is with us-Araria, Purnea, Katihar is bound to be within and hence I am stressing on Kishanganj's strong work.

After the meet, I talked with Gopalji for

long as to how spread AMP in nearby villages and hope their directory enrollment will soon give dividend.

I was skeptical whether I could get wait list 21 ticket but Gopalji's brother came to see off me and there at station Vinod Mishra from Bangaon took me to the train and introduced me to the TT as his elder brother. I was allotted a berth soon.

In the morning I found a Nepali-speaking couple going to Ranchi , She was a coal-officer's daughter (from near the Sayal where my ex-father –in law was the Project Officer." I told her husband, a journalist at Darjeeling, beware of coal-daughters (whom I treat as salis.).
I said him about my proposition of State Reorganisation of India, which he noted for Northeast, Sikkim and north Bengal (as

Udyachal, Brahmputra and Barak states).

He told me from Darjeeling five Nepali dailies do come (catering to the daily need of only about 20 lakh Nepali speaking Indians for Darjeeling and Sikkim, maybe some copies going to nearby Nepal) :

Newspaper	Pages	Printing order of copies
The Himalaya Darpan-	12	18000
The Sunchari	10	15000
The Hamro Pahar	8	15000
The Aajbhali	8	7000
The Hamro Prajashakti	4	6000

The young journalist himself edits a monthly, Sarangi 38-paged, four issues of which he had published.

I thought it is because Nepali is spoken in a district (where demand for autonomy-Gorkhaland is rampant) and is State language of a small State of Sikkim having

about 5-lakh population that their dailies are thriving. We Maithils are in crores but.no daily newspaper. Is not small beautiful. Mithila whatever small it may be it will be beautiful.

And thus my 17th Mithilavas (Mithila jagaran yatras previously I used to say) including some minor ones when at least more than one places for meetings were covered in one journey (though some more minor maybe) was completed.

Just for the reference they were roughly:

No. Time Districts

I (132 km) Oct.1993 Madhubani

II (226km) May 1994 Madhubani,Darbhanga

III (181km) Oct.1994 Madhubani, Darbhanga, (+Nepal)

IV Dec. 1994 Madhubani, Saharsa, Supaul, Araria,

Purnea, Bhagalpur

V June 1995 Madhubani, Purnea, Saharsa

VI Oct. 1995 Purnea, Katihar, Araira, Supaul, Saharsa, Darbhanga, Madhubani

VII Feb.1996 Madhubani, Darbhanga, Samastipur, Begusarai, Saharsa, Purnea, Katihar, Bhagalpur

VIII (incomplete) Oct.2002 Samastipur, Begusarai

IX June 2003 Deoghar, Madhubani

X August 2003 Deoghar, Godda

XI June 2004 Samastipur, Darbhanga, Purnea

XII Oct.2004 Bhagalpur, Supaul, Munger, Godda

XIII Dec.2004 Darbhanga, Begusarai, Khagaria, Saharsa, Araria, Purnea, Bhagalpur

XIV March 2005 Saharsa,

Begusarai

XV April 2005 Kishanganj, Araria, (+Nepal), Katihar

XVI Aug.2005 Kishanganj,Araria, Katihar,

Saharsa, Khagaria

XVII Oct.2005 Begusarai, Khagaria, Saharsa, Supaul.

Araria, Purnea, Kishanganj

71th Mithila Jagran Yatra (22.3.2007-26.3.2007)-

BPL For a week: A Tour in Mithila

22.3.2007 Muzaffarpur

Press conference-

Rastriya Sahara office with Rajneesh

22.3.2007 Kanhauli

23.3.2007 Madhubani

Personal case related?

23.3.2007 Madhubani met Govindacharya in his Alakh yatra

23.3.2007 Darbhanga

Sureshwar Jha dera-

made CKJhAMiP,DBG president,

Tuntun Jha-? Mithila maps

24.3.2007 Saharsa LN Jha dera; Lalpariji dera baisar

24.3.2007 Forbesganj

25.3.2007 Katihar Randhirji dera baisar,
aurikantji came from Purnea
25.3.2007 Khagaria-bus
Vivekanand's hospital visited

It was an interesting stay in Mithila where I could know what is BPL(below Poverty Level) and found myself one among them at l4east for a week on a criteria of having only one cloth for a week. In hast, I missed to put the other set of pant-shirt well-ironed by my sister on 20th March at Ranchi when I had started for a Patna bound train- Dr. Vijayraj , a neurosurgeon was there to discuss the NMO’s affairs and Shri Kaml Narayan Jha was there from already to took me to some place for my familial urgent importance and I had just visited Ashok Jha’s mother at the Ispat

Hospital who had been very affectionate to me and had also checked e-mail where matter for the development of Mithila region was awaiting my attention from Kripanand Jha's mail from Delhi.

It was a longer stay at Ranchi on 19th after noon I had reached there from jamshedpur leaving in an unknown house of a Maithil girl Arundhati whom I had been thinking a mature women from her e-mails on Maithili groups and was not knowing where she lived till she suddenly responded seeing my programme at the Vidyapati Parva of the Mithila Sanskritik Parishad where I am now present almost every year.

When I was transferred to Bangalore exactly one year back I had come via Jamshedpur, inaugurating the second day's function and had promised them

that I would come with some literary writing and every body was satisfied there when I reported them the XV International maithili Conference at Bangalore and my several writings notably the translation of Gita, "Maithili Gita," with reciting its first and the last shloka and announced my desire that any Maithili organization publishes it on no-profit, no-loss basis as the Gita press had not replied for long ,submitted them in October 2006 the last two chapters of the book.(Just today on my return, I find their deep regret that having no Maithilibhashi in their press and more so about 1600 books already published from there many being unavailable thereby were hard pressed and in fact it is a sad story that such a great institution of Sanatan Dharma is languishing for some or other cause). Pashupati Jha with whom I have been so much attached while at

Ranchi had requested me to bring a print out of Gita which I gave him there. President of the MSP, Jibachh Jha announced from the dais that the MSP would make it available to every village of Mithila. The corrected copy of the manyscript by dr. kamalkant Jha was handed over to me on 23.3.07 at Madhubani and the other corrected copy will be given to me on 27th April by Tulanand Mishra of Bokaro as he promised to me on 26th march morning and hopefully it will be in circulation soon after.

Jamshedpur's this function had more attendance than previous years and the chief guest Balmuchu ,President JPCC(I) assured us that he would take up the issues I pointed out,viz. second language status to maithili in Jharkhand; Maithili in the JPSC; Maithili Akademy in Jharkhand and also as demanded by the

representatives of the MSP ,a train to Darbhnaga and a piece of land or a qurter allotted for the office purpose to the MSP .

Madhukarji, the secretary.MSP was overwhelmed and so many other sincere workers Ashok Avichal, Pawan Jha, Rajesh Jha notably among young apart from several senior workers and their wives to see me again.

That morning I was at Kolkata and few young Maithils had assembled to found the AMP there. When I reached hurriedly Howrah station and wished to phone Jamshedpur,I did not find my diaries but luckily I had Excel sheets of the addresses of the places I intended to visit and from Kolkata's sheet I could contact Pradeep who informed me that by courier he would be sending those to Ranchi(though sent by DTCD on 19th,it reached there on 22 when I had left and could get them on

26th when I returned back Ranchi).

As excluding Ranchi's hundreds of phone numbers other parts of the diary was put in computer ,I was a bit relaxed. But still in smaller note-book there were many addresses and notes, including the cell number of father of Arundhati and a co-passenger of the Vrindavan express Selvam who had in his hands an autobiography of a renowned Tamil poet kavighar Kannadhasan(born 24.6.1927- when died was not mentioned) but the 392 paged book entitled 'Vanvasam'' had that 31st edition. The poet in his young age had started a magazine 'Vanathi pathippakan." Meaning a 'Bridge" which was a magazine by someone in his childhood days which could not be continued and hence from the first earned Rs. 2000 from the first song Kannadasan wrote for a film. I hope selvamsm@yahoo.com will also become a worker of the NSWEO(national software

Organisation) as for a soft ware worker it was rare to be interested in poets.

At Chennai 16th march evening Dr. Manish, Neurosurgeon was there with two other medicos(Sushil and Vishal) from the Bihar and they took me to the world famous Merina beach. I had been to the metro several dozen times but never had time or desire to go to the beach. There were huge samadhis of MGRamchandran(17.1.1917-24.12.1987,
the day I recalled for the NMO's X Anniversary celebration at ranchi the plane carrying the Governor of Bihar P. Venkatsubbaiah to attend our function was diverted from the midway to Chennai instead) and Perarignar Anna(15.9.1909-3.2.1969).
I talked Baikunth Jha, Vishakhapatanam from there and Dr. Arvind Ojha Kolkata

and took Howrah Mail. In the morning was introduced to the fellow passagers- Dr(Mrs.)Ratna Sanyal, professor of history at Jalpaiguri(north Bengal) who9 was returning from the Indian History Cogress at Kozhikode. Her husband Mr.P.K.
Sanyal said that at a distant village in Kerala he was identified by Saurav ,dad of Indian Cricket. Himself a cricket lover, Mr. Sanyal had also visited Pakistan when visas were given to9 see the match. A betel shop owner knowing him from India did not take maoney and had said,"it is all political, we are also Indians."
Mrs. Sanyal asked me to contact Prof. Nabonita Devsen ,the emionent writer and ex-wife of the Noble Laureate Amartya Sen for a foreword to my6 autobiography.
They also described Satinath Bhaduri's contribution to bengla who hailed from my birth district Purnea.
About the eminent historian Jadunath

Sarkar and revolutionary Sachindranath Sanyal's Bandi Jivan we talked. I want to read that book since my childhood which was called Gita for the revolutionaries and it would be available at the national Library of the Kolkata , he said.
Mrs. Sanyal also told me the name of a lady doctor Geeta Chatterjee.MRCP whom I had met at Jalpaiguri long back. She was a candidate of the BJP.

In the Hindu she had , Samuel Hutington 's "Civilizations are distinct entities that clash," was quoted with a good other quotation, "Memory is the precondition of sanity, loss of memory is loss of identity(Ben Okri, novelist). There was other good article on Patents available on www.scidev.net
At Kolkata my old colleague Dr. Hridesh and his wife Dr. Gargi were pleased to see

me. With Dr. Saha I went to meet his parents living nearby in their younger son's house.

Dr. Saha measured my BP which was 120/80 mmHg and I was relaxed-sometime back a lady doctor at Bangalore had founf it higher.

Dr.Saha said,"Never you can have high BP as you can adjust anywhere."

At Tatanagar station my sister's son was present and also Rajesh Jha with other workers with a garland of flower. I hurriedly went to see my widowed sister where my niece, a young doctor, had an appealing mouth to attend her marriage on 2nd May at Dhanabad. Changing to Dhoti I proceeded in few minutes to the progrmme venue where I could see Arundhati the frail daughter of the western Mithila(from Champaran) and made up a mind to go to her house as going to Champaran for Mithila work has

been till now not possible. At night I could eat bhat after many days and slept,

In the morning, nearby MGMMC,her father saw me off where I saw Dr. Manibhushan and dr.Suhash Tetarway,the old workers of the NMO and came with them halting near Sun temple in the way.

Suhash's mother provided meals to us and I was at Shyamali where old father was anxiously waiting.

Soon came Abhay, a young dynamic Maithili worker and we went to see a plot but it was distant and in the meantime Amarnathjee, a maithili worker had come to my house with my sister's son-in law Dharmeshwarji and we returned.

We talked about Maithili work at Ranchi. Maithili Manch(practically orgnised/founded by me after several rounds of the meetings at Harmu) was organizing Vidyapati parva on April 14-

15th.

On 20th noon,I was again in the RDCIS of the SAIl where I usedto work on computers ..

When Vijayraj took me off on 20th evening , I went with Kamluji for my familial work and from there took a train to Patna where on 21st I directly went to Ashish Jha's hose who had first informed me for the IIT's diversion from Darbhanga to Patna and we discussed the strategy how we can do, almost helplessly wondered having no contact of Tarakant Jha and Dr. Jagannath Mishra had gone to Delhi. Instructed Kripanankd Jha ,Delhi on phone to forward my mail to the IT Minister of India that if Kharagpur with 134 km from an airport could have an IIT why not Darbhanga with 140 km from patna and more importantly why not air base of Darbhanga is used for a regular flight.

It was a lame excuse my friend Sushil Modi had written me as a rider by the GOI but who can convince Maithils you need a separate state if you want to develop?
Whether Litchi is called in saskrit Modfal is not known to me but if so yes it would bave been MODPHALPUR if you write MODFAL then again someone will say some was Md.Modafal..
I think weshould more devote to the development of area and it was your mention that I talked for IISE,even I was ignorant of before you wrote me,
Dhanakar

On Thu, 05 Apr 2007 RAJKISHORE PRASAD wrote :
>Dear Sirs
> To best of my knowledge
> Muzaffarpur was sometimes called as Modafalpur too. Perhaps to link its identity

for Litchi(may be modafal)

> thanking you

> yours

> Rajkishore

>

>Dr Dhanakar Thakur <dhanakarthakur@rediffmail.com> wrote:

> BPL III: Vajjika is nothing but Western Maithili

>

>But IIT will not be in Mithila by asking alms or for that any matter without fighting and for fighting organizing is important and here fighting is the democratic fighting where head counts do mean much.

>When I reached Muzaffarpur (which AMP had resolved to rename Khudirampur), I got down at Bhagwanpur Bus stand and took a rickshaw to the Purani bazaar and was pleased to see Khudiram Bose’s statue was painted as if

some function was held there which long back I had seen in a dilapidated state.

>There was in fact furor when in the meeting this motion was moved and some tried to push some locals hero's name but someone from the podium said that such great heros were national heroes and were not of any place. Khudiram chowk I have also seen at Bokaro (XII More in front of Maithil Kali Mandir) and at Mango(read MAANAGO) near bridge on Swarnrekha from where road to ranchi and Dimna(MGM goes).

>

>Muzaffar was a revenue clerk as per reports and he did not desrve the name of such an internationally famed place which can be called Lichipur(Litchi is Lichi in English too as it is found mist delicious only here) and once I felt at Muzaffarpur station being bitten by mosquitoes that

whether it was Macchharpur but in this trip Samstipur and Baruni were equally infested with mosquitoes.

>

>Vishnukant Jha is a great leader of the AMP and at his house I always get regards. He is great not only because he commands respect from all but his personal life is so sorrowful due to Alzhiemer's disease of his wife for pretty long years yet he wors and works, an ideal worker.

>He informed me that Govindacharya was there on previous day(I was not knowing next day I was to meet him at Madhubani) and had laughed loudly over a question of him- on his utterance of non-compromise (regarding a disciplinary case of the BJP).

>22.3.2007

We reached soon Man Savita Bhavan where press conference was arranged. Vijayjee a dynamic Maithili worker was

there to arrange everything. Here only last week the Mithila Rajya Abhiyan had convention which was well publicized. I got the news cuttings and the list of members attended which constituted persons from all walks of life and all areas of Mithila(saharsa,samastipur, darbhanga, Muzaffarpur, Sitamarhi, Madhubani, Khagaria,Vaishali etc.).

>The caption of one of the news was ,"Vajjikanchal ke chhati par Khunta gada Mithila rajya abhiyan ne.." and it was the prominent question by the journalists.

>I simply said that the movement of Vajjikanchal is against the Kushashan of Bihar(of a century around) and Vajjika is nothing but western Maithili linguistically and hence,I welcome it..in the long run it will be part and parcel of Mithila as became Kolhan Movement(Singhbhumi) and Paharia State movement(Santhal

Pargna) in the course of the agitation fro Jharkhand.

>A foot March in Vajjika anchal was planned and if I can get time I will do so from Dalsingsarai- Musarigharari-tajpur-Patepur- Mahua- Hazipur- Sarai-Bhagvanpur- Kurhani- Tirki- Muzaffarpur some 121 kilometer.

>If any worker is ready to give me company,I may probably will be stimulated to do so early in the coming winter.

>On my demand of IISE(Indian Institute of Science Education) at Muzaffarpur there were a number of queries. I proposed there as it was basically a demand by Prof.Rajkishore Prasad from Japan-Koria who belonged to this region and I feel with the given good scientific background of the Bihar University there Muzaffarpur was the oprimal place for it either in Bihar or in Mithila.

>Sumit, a repoerter was relative of shri RS Mishra,CA at Bangalore and he requested me to come to the Rastriya Sahara office where Rajneesh(a relative of late Chandrakant Babu,a great Maithili lover and Station Mangaer,Ranchi) took me there.

>

>When I told there that I regard Subroto Raoy Sahara as a Mithila jewel as he was born in my district of Arariya, the incharge of north Bihar became serious and he arranged my interview immediately and also asked to have a phogrph immediately despite it was the peak hour fro the press

>I advised him to start a Maithili daily newspaper which whoever will initiate will get a good market and advertisement after three years as Maithili is in the VIII Schedule and Govt. communiqués are

bound to be released in Maithili.

>

>I took a bus for Darbhanga and seeing the progress in the east-west corridore ,I reached Darbhanga and then in another bus came standing upto Kashibarhiyam,near Sakri sugar Mill as all buses were over packed due to mega block on Darbhanga- Jaynagar route due to guage conversion from meter to braod.

>The way to Kanhauli were known to my feet as it was the sasur of my eldest sister. I reached there and took rest. BPL (Below Poverty Line)V: (Concluded)

Since I want to close the travelogue today let me jump on the title BPL(Below Poverty Line).

In fact, Saharsa-Forbesganj train journey and talking people on train has been my litmus test for the development of Mithila and in every trip I use to find some

persons who give me some knowledge.

No doubt, there is a welcome change in dress and attitude of the persons of this area which I perceived but it was due to the money brought from Punjab and other places which was imminent from the fact that there was a great rush to enter the long distance north bound train Jansewa Express, I had to get down at Saharsa. I had to get down by the opposite gate from the platform.

There was an interesting Netaji-Raghunandan Paswan who though belonged to CPI , Chhatapur region had posters for the INTUC which I reminded him that a Congress-protégé(in fact I forgot that the UPA Govt. is based on the crutches of the Left!). he was a very sincere down to earth worker and in fact

at root level there is hardly any difference in the dedication of the workers of any ideology(and top no leader has ideology and so all are same there too ,shamelessly same!).
A Mahnat of Kumarganj Thakurwadi was against of the Shiv Panth propagated by some and I tried to pacify them that Hindu/Sanatanis all are same despite thousands of Panthas- in Kannada these are called 'mat' or Vad.

There was interesting information that those married couple wishing to cross Koshi should first pranam Koshi Maiya otherwise unmarried Koshi is envy with married women and the couple may be drowned in the river!
Md. Tasleem Hussain from Rampur said "if flood and draught is managed; fertilizers and seeds are provided cheap; farmers get value of their crop then in five

years farmers will be well off." He had points in argument.

Then there was a debate on what was the BP L(Below Poverty Level) in the area of Mithila where compared to other states in fact everybody is BPL but what it was:

Having one time food,

No house

Only one cloth(so I was for a week BPL!)

No watch/Cycle/radio

No mobile/vehicle

No Latrine/bathroom

Son goes to school but no tution

Is not pass Matric/Honours

How many shirts? (if more than one no BPL)

There was scoring system:

Sleeps in hut- one point

Wears Cloth- one point

Bathroom/latrine- one point

Eats food- one point

Has cot to sleep- one point
BPL- if less than 13 points and APL(Above poverty line) if above 13 points.

Why the Govt. is doing these data collection- it should have made one criteria –anyone was sufficient but without doing it how Vote-crop will be(and I read next day in newspaper that there was a lathi charge for this BPL mania too on the protestors and Govt. had come with some clarifications. Shame on the Govt .of Bihar and Govt. of India for such sheer negligence and lathi charge on poor.
I saw the change by labour of the persons- I saw suryamukhi(sunflower) in the area which long back I had seen in the Purnea-Puraini) way and had written that it will grow fast.
I saw wheat's bali everywhere- Sona ugle is desh ki dharti..

I recalled Hulas where I was in the Maithili camp, the day my mother breathed last at Ranchi..

I saw small houses of santhis (sticks of Jute), small houses, small oxen, and also small (for weight) children of some young mothers(early married too).. there was a small girl too whom when I asked she was a small trained nurse working

This is the area of poverty but a crucible of politics- LN Mishra(2.2.1922 Basantpanchami- 3.1.1975) was written on his statue at Lalitgarm station) and BP Mandal (of Mandal Commission) were from the area of Saharsa.

I got down at Laitgram but could not fimd curd- I was willing to eat chura-dahi which if if would have been available must be very tasty..

I came my hometown

Forbesganj(mispronounced in Hindi as FABISGANJ- it should have been FORBSGANJ on the pattern of FORBES magazine.. which gives the list of most rich persons…Forbesganj too had richness among the poverty of Mithila..recently a young seth was killed by Goondas whose suspect was arrested from JD(U) meeting at Patna..at least this change has come in Neetish’s Bihar…

I hoped Dr. Lal Chandra from Dharan would have come but he had niot and I went to my home and then Yamuna Yadav(my brother’s friend)’s house whose daughter was to be married on 26th april-sorry again that I would not be there. She was accepted by a Rajasthani Brahmin..even otherwise paying dowry was impossible for Yamunaji..

Yamunaji informed me of

Govindacharya's visit next day.
I told him that I was more impressed by him than Govindji (as he could remain swayamsevak in the midst of such poverty and did not change to his caste-based Lalu's garoup or gang despite nothing was done by our people for him.).

Teju master was with me-I took food at his house anf again came station to see 10 pm train from saharsa (if Lalchandra would be on station to see me ..but he was not).
I asked Teju master to go his house and was again battling with the mosquitoes unsuccessfully till 220 AM katihar bound train came and I slept there in the train.

In the morning I was at Katihar and reached as per the direction of young AMP worker Nandan Mohan to Randhir Mishra's house at Sahebpara colony.

News of my coming was published in the local papers. Soon eminent Maithili workers assembled- Narayn Jha from Ranti (Madhubani) was one who had organized International Maithili Conference assured me that in few years he would be available as a whole-timer.
Also present were Triloknath Jha(Ranti), Nandan Moohan(Raiyam), Kedar Chaudhary(Havi Bhauar), Prof. Pawan Jha(Rahua Sangram) , all from Madhubani-Darbhanga area except Sukumar Singh Jha of Charaur whose family was at Katihar for near a century. Prof. Gourikant Jha from Purnea too arrived under whose presidentship the meeting was held.

After garlanding Vidyapati's big portrait, I asked them the need of a separate AMP unit everywhere though Maithili Seva

Samiti ,Katihar was all along like a constituent unit of the AMP.

I tried to explain them how my efforts in 1993 to have a coordination committee of the then premier Maithili organizations (Chetana Samiti,Patna, AB Mithila Sangh,Kolkata & Delhi, Vidyapati Seva Sansthan, Darbhanga, Mithila Sanskritik Parishad, Bokaro and Hyderabad, Nepal Maithil Samaj, Kathmandu, Maithili,USA and me as a representative of Bharati,Ranchi,the convenor) could not have even a single meeting possible despite my all efforts and then in 1996 we had to take a decision for the AMP's own executive body(myself as its president and Pt. Jaykant Mishra as the president of the Mithila Rajya Sangharsh Samiti, as an offshoot of the AMP).

Later also we found that Maithili organizations did not contribute financially to the AMP despite their commitments to send all savings of the International Maithili conferences which may amount to some thousand rupees and keeping in mind that the AMP has the sound tradition that its workers would go conferences to attend on their own tickets which is normally provided by the organizers in any Vidyapati Parva. In fact once by a professor at Saharsa was advised at all Maithili organizations should contribute 10 per cent of their revenue to the AMP so that it can become a strong umbrella organization and can have its offices and whole timers everywhere.

If AMP is weak how it can provide a platform to call all on a platform? Despite it , AMP has been doing so since 1993 in its

15 conferences and 16th will be at Purnea on November 24-25,2007.

I gave them analogy that Vajpayee-led coalition was successful because it has a major constituent of the BJP but other non-Congress coalitions did not complete full term.

Hence, AMP is to be strong and also other bodies. Maybe next committee of the Mithila Seva Samiti changes its view though at present all are with the AMP?

In fact, some asked me to give a target of work and contribution which the Mithila Seva Samiti would fulfill.

I politely said them that the decision to have the AMP unit all over is not for a particular place and should be taken in a

sound spirit that it too is necessary for the uplift of Mithila and Maithili to which all agreed happily and Prof. Shailendra Kumar Jha, writer of 'Economic Heritage of Mithila' was elected president and Nandan Mohan as secretary of the Katihar district, AMP.

I also suggested them to spread work in the villages of Katihar as it does not look that there too a pravasi Maithilis in Mithila (Katihar) are only or mostly in the Maithili organization.

As I had a talk with Dr. S.Vivekanand to have a meeting at Katihar, Nandan saw me off and I could get the passenger train.

Passenger trains give you an experience of the locality and I always love that. Ashok Kr. Jha of Purandaha(Purnea), Sanjiv Kumar of Bhavanipur Rajdham(a student

at Khagaria), Niranjan Kumar of Jhandapur(Bihpur) were some who could find interest in Mithila movement.

At Khagaria when I reached Vivekanad's dispensary other Maithils were not informed properly and some who had come on the news of my coming by Awadh-Assam Express had returned as I could not have that train at Katihar. Bhubanji was at madhubani when I contacted him and Rajkumar Vidyathi was in some problems.

I saw a young person busy talking on mobile-later Vivekanad told me that he was Vivek Umaria,an IIT-IIM student who had come to collect contributions from Khagaria district for the Madhuri Seva Nyas for which Vivekanad and his younger brother Dharmendra Yadav are

woking tirelessly. They also took me to the site where a nursing school is being built up, Situates besides the six-way lane it would get due attention in the locality. In fact, Vivekanand is one who exemplifies my vision of the NMO, which he had learnt while as a student of the DMC.

Though I had contacted Bhaskarji for an evening meeting at Begusarai when I contacted he informed me that persons assembled have already left and I took a direct bus for Ranchi.

हमर 75 म मिथिला जागरण यात्रा- खगड़िया (16.2.2008)

खगड़िया सँ भुवनजीक निमंत्रण भेटल रवि 16.2.2008 क मैथिली सेवा संस्थानक चारिम वर्षगांठमे। आनबेरक निमंत्रण या तऽ नहिं भेटल छल वा नहिं जा सकल छलहुँ ओना जहिया कहियो खगड़िया गेलहुँ नींक सभा या संपर्क भेल जकर प्रारम्भ कहियो बेगूसरायक भास्करजीक देल एक पता सँ भेल छल मुदा एहि खेप ओत नहिं रूकलहुँ।
पाटलीमे अनारक्षित जाइ लेल अपन भगिनीक बेटाक वैवाहिक प्रीतिभोजक नोत कहुना पूरैत, केवल लिट्टी-मिठाइ सँ प्रथम खेनिहार भय हटिया स्टेशन समय सँ पूर्व पहुँचि कहुना ऊपर सुतएक जगह भेटल मुदा राँचीमे भीड़ भारी छल-होलीक घरमुहाँ आ ताहि पर झारखंडक बारहमक परीक्षार्थी जाहिमे एक धनबादतक ऊपरहिं हमर पैर लग सुतल गेलाह हमर गरीब छात्र कैँ आनि कँए पढ़ेबाक योजना सुनि प्रसन्न भए। धनबादमे ओ गेलाह तऽ साढ़े तीन बजे उठि बैसए पड़ल। कहुना शौचालय गेलहुँ। एक बहुत कम बयसक लड़कीक मांगमे सिन्दूर देखि दुःख भेल।
किऊल बाद नीचा उतरलहुँ तऽ स्कूल छात्रा बहिन सीता आ गीता ठीके बजलीह जे लड़की कैँ गाँवके अखनहुँ नहिं पढ़ाएल

जाइत छैक। हुनक प्रेम सँ देल मकइक ओढ़हा बिना स्नान-पूजा कैँ खा लेल। अंग्रेजीक रैपिडेक्स पोथी बिकाइत भाषाक वयवसायीकरणक जे अनुभव भेल से खगड़ियाक गोष्टीमे नहिं जतय हम मिथिला-मैथिलक व्यवसायीकरण पर केन्द्रित रहि गेलहुँ।

हाथीदह कहियो गंगाजीमे हाथीक दहाय पर छल वा सीता नवमी बतबए पर हमरा सीता पण्डित मानलीह जम जन्मना हम छीहे शिक्षा वा कर्मणा भनहिं चिकित्सक होइ।

समयक मोल तऽ मैथिल बुझिते नहिं छथि जे व्यावसायीकरण लेल आवश्यक। हाथीदह सँ बेगूसराय लेल चढ़ल 407 मे पहिले भाड़ा जमा करएमे प्रतिरोध जे हुज्जत लागल से पुल पार करैत देरी बस पल्टीक झंझटमे बुझाएल जम एक महिला किएक पहुँचला पर भाड़ा देब पर अड़ल छलीह। बस पल्टीक बाद हुनक कोनठा सीट हमरा हाथ लागल आ ओ ठाढ़े गेलीह। हमरा लेल ओहि छोटका बसमे ठाढ़ रहब मुड़ी मोड़ि कए कठिन छल।

बेगूसराय जाइमे सवा घंटा लागल आ ओतऽ सँ सवा घंटामे खगड़ियाक गारन्टी दोसर छोटकी बसे कन्डक्टर देलक। रस्ताक सेमरिक ललका फूल सँ भरल गाछ, हर चौक पर हनुमान वा शिव मंदिर नीेक लागल मुदा खजुरक गाछ पर माटिक लबनि ताड़ी जमा करए लेल के बदलैत प्लाटिक देखि मोन क्षुब्ध भेल जे कुम्हारो कैँ रोजगार छीनल गेल। अनपढ़ महिलालोकनि कैँ गाम-बाजार जाइत नीक लागल जे भए रहल अछि मिथिलामे

व्यावसायीकरण।

खगड़ियाक ठीक पहिले कोशीक धारमे महिलालोकनि कैँ नहाइत देखि मोन भेल हमहुँ नदीमे स्नान करितहुँ।

खगड़ियाक बस स्टैन्ड पर धोती देखि टिकस रांचीक वापसी लेल केबिन वा पिछला पंचसीट्टा देब पर ओ डांटि सुनि गेल आ रामचन्द्र बाबू तूफान डीलक्सक मालिकक बेटी स्वीटी हमर पेसेन्टक नामपर हूनक बेगूसराय काउन्टरक फोन नम्बर देलक। रामचन्द्र बाबू तऽ साल भरि पहिले मरलाह मुदा परिचय जानि किछु आश्वस्त केलक जे सीट लेल दू घंटा बाद पूछी।

सीट भेटि जाएत वा हाथीदह जा मौर्य पकड़िक चिन्तामे धर्मेन्द्रक संग सभा भवन जा खगड़ियाक मैथिलक सानिध्य पाबि पता नहिं मिथिलामे व्यावसायीकरण पर बजैत रहलहुँ जखन कि आयोजक कैँ अभीष्ट जे छलन्हि से संचालक सहरसाक नीरजजीक रखला पर शरदिन्दू चौधरी समय सालक अपन सम्पादकीय अनुभव पर सटीक रखलन्हि उलहन दैत जे स्तरीय, समय पर प्रकाशन हो मैथिलीक पत्रिकासभ कैँ । वस्तुतः आयोजकक हमर चयने गलत छलैन्हि जे मैथिली े डाक्टरेटक जगह मेडिसिनक होइत हमरा बजौलहि जकरा लेल मिथिला, मैथिल मैथिली ेमे अन्तर केनाइ औी ेतबहि कठिन जतेक मैथिलकत्व, भारतीयत्व वा हिन्दुत्वमे।

कमलकान्तजी सँ किछु बात केलहुँ आ विदा होइत छलहुँ(हुनक

अछैत हमर ओतऽ ओहुना जरूरत नहिं छल) कि भुवनजी लपकि पाँच मिनट बैसएक आग्रह केलन्हि। भाषण तऽ उमाकान्तजी वा श्री रघुवर मोची आ श्री मन्त्रेश्वर झा वा कमलकान्तजी की देलन्हि से तऽ हमहुँ हिलकोरक अगिले अंकमे पढ़ि बुझि पाएब मुदा सम्मानक नाम पर ललका पाग (जे वर पहिरैत अछि मिथिला मे आ हम तऽ लाइनहुँमे छी मुदा आन जरद्गव जे मंचस्थ छलथि? बुरा न मानो होली है।) आ अंगवस्त्रक संग संग लिफाफ जकरा अस्वीकार केला पर जे ‘ हम कतहु पाइ नहिं लैत छी ‘ कियो बजलाह जे एहिमे जनउ-सुपाड़ी छे मुदा ओहिमे रातिमे भेटल 251 रूप्या जकरा बंगूसरायमे रूपा लोक कहैत अछि।

भुवनजी खेबाक आग्रह केलन्हि यद्यपि डा. विवेकानन्दक अनुज धर्मेन्द्र हमर भोजन लेल सूचना दय चुकल छल। बगलक सर्किट हाउसमे गेलहुँ तऽ जावत हमरा लेल शाकाहारी भोजन यानी चूड़ा-दहीक इन्तजाम हो हम स्नान आ संक्षिप्त पूजा कए लेलहुँ। दहीक स्तर खगड़ियाबला नहिं छल। दही आ पेड़ा ओहि इलाकाक कहियो नामी छल। संभव जे विकासक दौड़मे सभसँ पछुआएल चुकटी गुमटी लगहक ग्रामीण जहाँ किछु वर्ष पूर्व जानवर जकाँ लगैत छलाह ओ सभ आब बड़ी लाइन कैँ अएला बाद आधुनिकताक पर्याय बेइमानीक पथ पर आरूढ़ हो।
तावत मंत्रेश्वरजी आबि गेलाह-सामान्य बात भेल। हुनका संगे दू

सवारी पटना केँ छलखिन्ह तेँ हमरा बस पकड़ब जरूरी छल। धर्मेन्द्र संगे एन.एच. पर ओकर नर्सिंग संस्थान गेलहुँ जत विवेकानन्द मरीज देखि रहल छल। हमहँु किछु केँ सलाह देल। काफी गरीब क्षेत्रमे नीक सेवा कार्य भए रहल अछि।

बस स्टैन्ड पर फेर पिछला सीटक बात पर जखन बेगूसराय नीक सीट लेल तऽ छुटैत पैसेन्जर केँ देखि वैह सीट 3 दए देलक। बेगूसराय सँ 8.20 पर ओ बस खुजल, यदि खगड़िया सँ 6.30 मे खुजैत तऽ हमरो कार्यक्रममे भाग लेबाक समय भेटितैऽ। एहेन बर्बादीमे कोना आएत व्यावसायीकरण? सहयात्री 20 वर्षक अजीत डिप्लोमा कए सी.सी.एल.मे कार्यरत छल ओ जरूर हूमरा जकाँ 35 वर्ष तक पढ़क गल्ती नहिं केलक। बंेगूसरायमे दु संतरा आट टाकामे लए बांचल दू टाका एक मकइ ओढाक प्रत्याशामे देल तऽ दू आ दमला पर लागल किसान केँ कतेक कम मूल्य भेटैत छैक अपन उत्पाद केँ वा लोकक क्रयशक्ति कतेक कम अछि मिथिलामे जाहि पर हम बजैत रहि गेल छलहुँ गोष्ठीमे।

रातिमे आओर किछू नहिं खएलहुँ आ भोरे पांचमे राँचीलग छलहुँ जतए झामुमोक रैलीमे बस केँ जाए सँ दू सौ टाका चनदा वा रंगदारी दए व्यवसायी बुद्धिक परिचय देलक कन्डक्टर आ हम सकुशल डेरा समयपर पहुँचि सकलहुँ। (समाप्त)

77 e कोसी सेवा यात्रा(11-15.9.2008)

11.9.2008 Saharsa-Jagran camp Baijnathpur

12.9.2008 Jirba bandh

13.9.2008 Supaul-BSR College

14.9.2008 Supaul-Bharkhurba-Satyadev Vidyalaya

15.9.2008 Saharsa

संख्या कोसी बाढ सेवा /1 दिनांक 17.9.08............

सहरसा, मधेपुरा, सुपौलक लगभग 3000 मरीज के जिंदल स्टील द्वारा उपलब्ध कराओल गेल दवाईक वितरणक बाद कोसी बाढ़ सेवासं वापस आयल डॉ. धनाकर ठाकुर कहलनि जे, ओतय तबाहीक स्थिति अछि।

देश के भीतर आ विदेशसं सहायता आबि रहल अछि मुदा दूरस्थ इलाका तक नहि पहुंच रहल अछि।

नेता सबक यात्राक कारण प्रशासन ओतय शामिल भ जायत अछि, ताहि लेल तीन महीना तक ओ सब ओतय नहि जाइथि।

ओ कहलनि जे, अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् क विचार अछि जे कोसीक दूनू धारांकें जोड़ल जाय आ गाद हंटा नदीकें गहींर

कयल जाय।

ऊँच बांध महग त अछिए संगहि विनाशकारी बाढ़ि सेहो आबि सकैत अछि।

अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली परिषद् दिनांक १५.२.२००९ केँ सहरसामे कोसी बाढ़ि पर केन्द्रित संगोष्ठीक आयोजन करत।

डॉ. धनाकर ठाकुर

प्रवक्ता

अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली परिषद्

79th Mithila Jagran Yatra: Mithila Vikas Party Expanded (Dec.25-28.,2008)

26.12.2008 Simariaghat Ratneshji ashramme

26.12.2008 Begusarai Ratneshji sange

26.12.2008 Khagaria Ratneshji sange;Pramodji joined

26.12.2008 Bhramarpur Pramodji sange

26.12.2008 Katihar Pramodji sange

Narayanji dera

26.12.2008 Purnea Pramodji sange- Press conference-Pinki organised; her residence-saw Vinay tarun first

27.12.2008 Kishanganj Pramodji sange- Press conference-

27.12.2008 Araria Pramodji sange- stay Lalitji dera -journey in dense fog

27.12.2008 Forbesganj Pramodji- Lalitji-met Dasji- Mayanand Thakur

27.12.2008 Forbesganj

28.12.2008 Bhagalpur Pramodji sange Budhanath Mandirme sabha

Let MVP be a joran in Indian polity of milk to make it DAHI: My visit to eastern Mithila

Change Maithils mind set local to universal not the vice versa..

Probably a time has come when collective

efforts can put Mithila on Indian Map though it is not so easy but also not that much difficult if coming few months are used with skill.

We need many more types of support but that can be delegated or taken if somebody is willing to spare.

We toured Simariyaghat-Khagaria-Katihar-Purnea- Kishanganj-Arariya-Forbesganj-Bhagalpur during Dec.25-28.,2008 We(Ratneshwar Jha and I) was added Pramod Kumar Jha on 25th evening and then we were- Pramod and I.

I was more worker concerned , as presidency of Party was given to a person with whom I had barely one meeting merely 20 days back of Dec.13th the D-day for a 42 yeared Pramod Jha.

Ratneshwar Jha too had talked me only twice before only but had a Mithila pang in his heart since 22 years of this 47 yeared paerson when he saw me a printed memorundum of Mithila Lok manch ,printed 22 years back. There were many points and jargons I was using without reading that any time. When I asked what you did for in past decades he could not due to family problems now he can do some thing. At Khagaria Dharmendra arranged the meet meet immediately and then Pramodji also joined. We stayed at a hospital and Nursing College, Dharmendra’s brother Dr. S.Vivekanand my old follower since DMCH days, is evolving gradually.

That night a laxmi was born in a first Ceaser held there by Dr.TWINKLE(yes that is her name!) who very cleverly repliedme that she was a housewife and doctor both!

And that is the essence of Hindu family life for any wife- Alas if so would have been my Dolly!

The providence for Ratneshwar Jha came when President of Mithila Vikas Party could not reach Khagaria at Image center the specified place (though he was standing near since 90 minutes, at front building, “Macchali Ghar,” for almost 90 minutes and his mobile discharged he did not call us till Ratneshwar took over as the organizing secetary of Party and he spoke well and I hope he will work well too as his normal business demands tours to different cities of country and he is rooted to Madhubani the district he wanted to be given to coordinate.

I only said, “one should not decide about any post himself/herself,” let it remain

other's prerogative. If I am a spokesman of the AMP it was because others had nominated me so- I was not even aware of spokespersonsip in AMP's constitution as registered though in future this post may be off the record.

To me every member is spokesman of the organization and he/she should speak the views of all others to outsiders, maybe in his own language in which he should speak to insiders as and when time comes and if mood is affirmative he should be assertive of the points.

And similarly I told to Pramodji also that had he not been to Patna on Dec.13 then too MVP would have come up as it was a conscious decision by a group of workers of the AMP. In fact on his repeated incidental absence(at Delhi and Simariaghat and then at Khagaria) was a

bearing on my mind and surely I am not one who can compromise on any person’s bargain for any post for himself! If I know it from before I will not accept(and I did not accept a present MLA’s support today if he wanted to remain aloof and independent..to me even any independent has to depend on a group and that is the essense of any organization!

When Pramodji asked me my opinion on his working after 3 days,I told him though he might have worked elsewhere for Mithila-Maithili he will have to learn while working and also the Rajas view of work will gradually change to sattwik…
Having tamas and rajas is not altogether bad as only Tamas can do cration and so rajas development but that is a way to find Sat..

It also holds good for me too- when Swami Chidatmananadji at Simariyaghat seeing me asked there the persons, his devotees (from near Barauni Panchyat to Champaran).”will I suit as CM of Mithila?”, my mind repulsed probably .”not a cup of tea,” for me. And I thought even for PM-ship I could have imagined and strive but what I choose to work as a simple worker was most satisfying as I know anything which has a beginning has ends too!

Swamiji had hinted on my full pant that it needed change and so on English script of the tabulated record of the AMP conferences, fourteenth of which was held there in his ashram during 25th to 28th may 2006 which was also a workers’ training camp…Swamiji asked me to come to Prayagraj in a 5-day seminar,” Free India: past, present and future,” and I

accepted for the final Sunday(Sunday Feb.1 when I have to return from APICON Delhi and I can attend that without any further leave and can meet also veteran Pt. Jaikant Mishra whom I could not see on 14th November who must be happy to know the MVP's sunrise on potical horizon of India if that experiment is successful it may be RVP too..

I will not explain RVP as Baba Anandmuthy left for conjecture..”Ra was was killed by Ra, Ka was killed by Ka and Ka will kill Ka..
(Ravan, ram; kans Krishna, and Communist-Congress some Anandmargi told me this night while retuning from unprecedented , jam-packed ordinary coach maybe 200 persons in the coach meant for 80..).. I could not get last minute reservation on account of that Anand mela

at Pundag near Bokaro steel city in west Bengal in way to Ranchi and had a hard time but was fortunate enough to get space for sitting on a corner when five rural women were on my side sitting..They all had a badge of ANGIKA SAMAJ…might be a pass like that of rally to attend without tickets. An old Marwari women sitting on her attaché was commenting like typical Manthra or Sasu to her young daughter in law who was totally opposite in her behaviour taking so sweet with other sweet little girl of class V of saraswati Vidya Mandir of Jharia – I was surprised to know that her Saraswati Vidya Mandir had an English Prayer not Sanskrit .

I took some sips of water from her Pirpainti hills and ate very fine chura-eelaicheedana given three fours fistfuls to me while taking off from swami Sadchitamanji Mahatmaji at simariaghat

(he told me to add Ghat after Simaria which I was not doing) Seeing posters of Mithila he had embarked,"This I was searching.. and knowing for MVP was pleased too much and invited us to join 10 days Mithila Parikrama which can augment Mithila movement and he has infrastructure- vechiles and everything- I saw one ambulance too-if I can work something apart from giving lectures!)..

Maybe that little girl,(DOLLY!) of Saraswati Vidya Mandir of Jharia had an English Prayer not Sanskrit but not only I consented for Pramod Jha's advice Second Language of Mithila State as Sanskrit, I even told it to the press persons at Araiya.. Probably it will be way to revive cultural Mithila as even Hindi is a for of Urdu which had divided country on the name of language and culture-not only in 1947 but

even Pakistani Urdu fanatics had harkiri of Islamic nation made on the slogan of two nations theory!

Pramod Jha is right to that extent that cultural topography of Mithila was changing sharply and chicken neck of Siliguri-Kishanganj is only neck- I always make a point to visit Kishanganj where elderly professor Dr. Mayakant Jha is always in a welcoming mood and this time though he was at gaya, his son Gopalji managed the press which always supports me the best in Mithila and has supported so once again though we were late they came and again came when we reached late! We saw Nursery of Gopalji which has over 1500 varietie4s of plants.

We need to work hard if we want our progeny can have free air we need Mithila, agreed Lait Mohan Thakur, erstwhile BSP district president now General Secretary,

MVP and so many more. Lait Mohan Thakur was overwhelmed as to how I could have belief on him in mere one visit!

I am not a politician and I do not want politicians should work like their other peers are doing. There can be some arithmetical calculation of caste and creed but that is not all. Bihar has now parties made of castes and that was by the disciples of great Lohiya, I said thus to Prof. Aggarwal , a Lohiyite who had come to Purnea to distribute blankets to Koshi flood victims. He had also stayed on 26th night at jounalist Tarun Vinay's residence that night when I accepted Tarun's sister Pinky's invitation after the press conference she had coordinated at Purnea.. We took wrong way and were 20

minutes late than 630 PM fixed by Kripanand Jha, General secretary, AMP with her when my classmate, Dr.Amrendra jha showed his inability to spare time but gave me her name in the 26th morning when I contacted Delhi. And rightly Hindustan had closed the reports with her name as District coordinator of MVP though Pramodji was targeting her as Youth Wing leader of MVP!

It is not that AMP, Purnea has dearth of workers but the main of them Dr. Gaurikant Jha had been to Madhepura for University senate meeting and maybe he could not find any person to delegate the work.

So is the veteran maithili worker Naraynji at Katihar but we need to inculcate LOKSANGRAH effectively at all plces which we need for any democratic move!

Even Press will help only then.

We were amazed to find Pinky’s dutifulness and activeness contrast to her health could indicate anyone! And when she guided our car on her bike, in that cold dark evening, I could only imagine Mithila was changing. Her brother Vinay does not want to take any job, out of Bihar. Love to own earth and root can only change the scenario we are contemplating.

Vinay had a long discussion with me on Gandhism(which I said was nothing but Indianism and any specification to that was aberration not in the help of Indian people), nationalism and many more things which are wrongly inscribed on pure minds on the name of Aryan Colonisation, Brahminical Hinduism, RSS, etc. and the dining table was a discussion

table- being main speaker and 'main' eater, it took Pramodji to take up so that I may finish the dishes Pinky had prepared- not seeing their mother I had queried his father and was stunned to know she died of diabetic kidney well under 50! Mithila needed AIIMS, not Patna I cry in every meeting)

I am not so much press concerned though press gave due attention – Rastriya Sahara's 4 columns to Jagaran's photos, Hindustan's good coverage and yet to see though reported big reporting from Kisangaj's Rastriya Sahara on 28th. Yes sahara was first o flash MVP on 14th December(I have not seen but reported so) and I exclaimed on that at Araiya that Subroto ray sahara himself was born at Araiya. A newspaper hawker offered me Urdu Sahara when I asked for a copy of sahara –might be it too had that news! By

that time Hindi sahara had not reached the town and I could not get that in way at Purnea.

I was born in Purnea district and can write indefinitely but let me close that by adding that Pramodji too was exclaimed by seeing cows going to Bangladesh way for slaughtering which I had seen in my childhood mornings.

After Araiya I could go to my birth place Forbesganj. Shri SM Mishra of Rami was with us. To guide and we met a leader who supported Mithila cause. Visit to my dilapidated house was only for five minutes and we took road to Purnea where Pionki was waiting with her cooked food but fog was competitive of her and fog won the drivring mind of Pramod..I could have loved to reach there even late

but surely a 30 km way took 2 hours and I thought we missed Arariya way which even Arariite Lalit Mohan agreed , “we maybe at Jalagarh,” when I suggested for Garh banaili.. It sparked in my mind and I made on my mobile..it was showing Arariya..Yes, we were only nearing Araiya..while Lait Mohan was happy I was sorry to miss Pinki’s meals and adventure to Purnea journey in midnight fog where even a cycleman ran way when we wwere intending to ask the place we were- some other person had also missed the place!

28th morinig too it was fog till late and we could reach directly Bhagalpur by 1 pm(one hour late for meeting at Baba Burahanath Mahadev)…Again, in short meeting XIX International Maithili Conference was finalized there during April 11-12 with jayprakash jha as Convenor and President, AMP, Bhagalpur. I could get my train but again missed one

lunch appointment with Dr.Rekha Jha I had taken many years back9and had reconfirmed on 25th December) when for the time I had predicted ,"Lalu will loose as he will not get Muslim votes.."
Lalu lost and then gained..Lalu was to come Bhagalpur to announce Yashvantpura express..that evening in a big pandal at railway station..
Leaderes will win and loose but nation and region should not with them. It should rise. Mithila will rise and a risen Mithila can only make India risen. Mithila work has no contradiction with India's work I told Pramodji time and again.
I am not a politician and my uttarance to press, "AMP will support any party or parties who will pledge for Mithila's statehood," made him some thoughtful but that is exactly the stand AND ISSUE WHERE WE ARE.We want Mithila state in

India and let MVP be a joran in Indian polity of milk to make it DAHI, Mithila is known for.

We need to go villages- in this journey we touched Bhramarpur and villagers were overwhelmed. From there I talked to Dr Prajapati jha at Bagalore- the village has scores of high ups including SC Jha, advisor to PM and little Jaya Jhar, the prodigal daughter of Mithila an IIT,IIM.. Our almost all Mithila villages are same and talk of Ang though comes in way but Bhramarpur is alos in Bhagalpur and we regard all as Mithila shown in Grierson's map..

Dr Jha told me of Vidaypati parva at bagalore by one new made title , the AMP I formed there was changed to local..the need is to change Maithil mind set local to universal not the vice versa..

My 90th Mithila Jagran Yatra (5-6.9.2009)

Bamangama(Sarath,Deoghar):
Mithilameeting stamped Grierson's map:

Bamangama(Sarath,Deoghar):
Mithilameeting stamped Grierson's map:
Jouneyfriends can be permanent too : Mithila State AMP Conference at Devghar Sunday, the eb.21, 2009

5.9.2009 Journey-Patali

6.9.2009 Madhupu-Babhangam

6.9.2009 Deoghar

Journeyfriends seldom have permanent relations but I have a few. In January I was returning from my native place Forbesganj(Arariya) after my father's first death anniversary(he had his life time work there and was president for RSS of that 3 decades; I too had my birth and matriculation from there).

In way to Ranchi my sister Bindu and I were in Vananchal Express. One couple boarded at Pirpainti. The lady was worried for her daughter's illness. My sister said that I was doctor and so they were reassured. The gentleman, a young teacher of Sanskrit was a worshipper of books.

Later he came to meet me at Ranchi and his one thong I remembered that he loved books so much that he wantd to die amid good flavour of books.

When Udayshankar Mishra visted Deoghar I had a detailed talks with some Maithils in the group meeting and I gav them the day of 6th September. Accordingly when I followed them, they were reluctant to have a meeting but I insisted that I would go there. Uday said that at least I would have darshan of Baaba Baidyanath but I said that for me work of Mithila/Bharat is important ans darshan if possible.

Then I remembered that journeyfriend

from sarath Vijayshankar Singh. I asked him to arrange a meeting a Devghar. I had also asked my MBBS friend Dr. Gopal Baranwal but he was opposed to Mithila's demands despite being RSS president of that town('There will be Rajya of Brahmins if Mithila becomes a state.)" I was only sorry for his lessons of nationalism at sangh Shakha and said he was nowhere in the business except that he should arrange a few intellectuals of town as my friend. I welcomed his and anybody else's opposition and I wanted to put my vies just in a democratic fervour. Though he gave me some names of local professors, I did not talk him further.

I talked to other my junior doctor Ranjan Sinha who promised for such meet but when I dialled him few days back he himself was ill at Patna.

Then to utilize my time, I asked

Vijayshankar to arrange a meeting at his village and school sarath for which he was very happy that some patients will be benifitted. Being a Sunday, school would be closed and so my desire of addressing school kids was not possible nor to hold an examination of ISc Biology students for selecting candidate for free coaching at Ranchi(under Mithila Vidyarthi parishad scheme sponsored by me).

Vijay advised me to get down at Madhupur instead Jasidih. From madhupur his village Bamagam was 20 km. I had been to madhupur station few times before also in way to Giridin. I got down. He came after few minutes. I had advised him to bring a motor cycle but he had booked a tempo because it was raining since night incessantly probably heaviest of this year.

In the way though he mentioned I did not aked to stop for Pathrola kali mandir for which I repentd latr on.

At his village despite rains came many patients of various diseases and I gave them advices and my phone number to contact further.
Then there was a small meeting at the school in the way to which was a Durgasthan where some years back play in Bengla used to be done. I asked them to have Maithili play(one wrotten by me Yuddhisthirk saanyas will be played this year in some villages of Madhubani district and I plan to write some more to have a complete book).
I told them that Bengla is daughter of Maithili language and they speak southern Maithili.. In school thre was a slogan
"Jan ladki parh jai
Sat Kul Tar jai."
I said that it was Maithili in a way.
The meeting was held peacefully and I put my views that Devghar too may be capital

of Mithila. Santhal paragan's tribal's future will be better in Mithila's more job reservation for them which will be exclusive for them which is now soaked with from Chotanagpuri advanced tribal and many tribal are in Purnea.

I also explained how Santhal pargana was exploited and disfavoured by the Govt. of Jharkhand.

They have more difficulty than going to patna for capital related work and I assured them that they will have anearer capital in anyway where ever it is in Mithila.

I also said that after 50 years oif Mithila would need bifurcation due to heavy population south of Ganga may be one more state from Mithila,if they agree to come now in Mithila.

The people and the journalists were impressed(see attachment Prabhat Khabar- jagarn also published detailed

news which was read to me by Devendra Jha from Devghar. It was the historic meeting stamping positive impression on the southernmost tip of George Grierson's 1902's map of linguistic Mithila.

It was raining still we had to go to devghar and from the same tempo, we went there on the same tempo- In the way we crossed ajay River(in morning we had crossed Patro river)- The river bed was full of silt and so swelling water in one night's rain- the cause of all floods is silt(Bhojpuri, IITian Dinesh Mishra must be at Saharsa where I could not go due to this programme- He has dedicatd his youthful 25 years to Mithila as a national issue of flood which was declared a national tragedy last year).

In the way I stopped for a moment banyan trees many comnnected among

themselves- Dubeymanda as called famous for healing of snake bites. I do not believe on it and feel victims must be sent to hospitals for anti snake venoms. Many are well because most of snakes are non-poisonous.

We entered devghar via naulakha palace in the way but could not stop. Vijay's friend Dr.ranjit was not satisfied for Mithila state and presented me a book Hindiki kali kitab- I read some pages today- it is a cultural pollution's corrective book.

Then I phoned D.Jha, retd. Chief engineer and soon there came Parmeshwar Jha and Pro.Bibhakar. Prof. Bihakar had 80+ books in Hindi,Sanskrit and Maithili and he presentd me a seies of books on 54 Janaks of Mithila and a Sanskrit book Mahtam Prashastayah about the great persons of India . When I asked him to write a series on Mithila's great, Vijay commented same

was in that book- Voijay is a Ph/D in Sanskrit and it was a good meeting of him with old author.
We decided to hold a Mithila State conference on feb.14-15 but next morning corrected it to Feb.21 for obviating rudh of Mahashivratri.
My sister had asked me for Peda from there but I could not have even darshan of Baba. I purchased some chura and ilaychidana at Jasidin and ate waiting for a late train.
Mithila expressed passed from there to Raxaul- in fact had entered in Mithila from there and I saw most of the pilgrim of Baba were poor and illiterate Maithil- men and women. I hope Baba will do correction for Mithila and if I may be an instumet for this it will be my part.
93rd Mithila Jaran Yatra(1-2.11.2009)- Dhamiyapatti camp 2009

1.11.2009 Darbhanga Protest for discontinuing JYG Spl.

1.11.2009 Jaynagar Protest for discontinuing JYG Spl.

Dhamiyapatti camp 2009

Jaynagar train Niyamit karu

Darbhangias need learning much more in the field of social change in Mithila.

Journey as luggage in a luggage van

As informed on phone by Dr. Kamalkant Jha on 4th November 32 trainees were awarded certificate by the chief guest Shrikant Mishra, a retired teacher from Rourkela who had attended IV International Maithili Conference (Dec. 27-28, 1997) there. It was one of the most successful Maithili camps amid 18

such(19th will be at Burari, Delhi, Dec.22 evening to Dec.25th afternoon).

I had to inaugurate Dhamiyapatti camp 2009 on 26th October but because of post-Chhati slugginess of local workers and postponement of Mithila Vidayrthi parishad's meeting at Saharsa (due to same reason) to Jan.23-24, I became free on Nov.1-2 and asked for a change for avoiding weekly travel which they happily agreed as they had no preparation as well.

AMP works on grass root level and I am famous for my visits to villages- on foot or cycle or motor cycle and surely such work has given me true honour and if I quote one of them on November 2, 2009 morning by Naresh Thakur, the Mukhiya of Dhamiyapatti(near Jayanagar) presenting me as a traditional bidai of

jora dhotis, dupatta , janeu-suparis..though despite their several requests I did not take dhotis was not it a bidai from hearts in the heart of Mithila by a Maithil who is a comrade, and follower of Bhogendra Jha despite my clear utterances of non-Marxist ethos in my inaugural speech and at a time when Patna and Darbhanga Maithils were busy as if in tip-toing political leaders in Vidyapati Parvas for which they feel the persons like me as untouchables.

The progress of Mithila will be through the ekpedias of such villages I had said rather big Rajpaths though I never say that work is not necessary there and had even an occasion in return journey to send Maithili Sandesh with a fellow passenger in Patna intercity when a call from Mumbai's Chakradhar Jha came that he could meet Bishwambhar Jha ex-GM,HEC leaving at Ranchi(whom I had phoned just

to inform him that Vidyapati Smriti Divas will be at AMP, Jharkhand office on 31st November and he was at Mumbai. I asked my fellow passenger Umesh Jha of Kaithahi village, of Madhubani working at Bandre(Mumbai) 09833293860 to contact Chakradhar Jha whom I am yet to see (he was referred to me by Dr.A. Jha for AMP work.

It is not that I had this first coincidence even in Mumbai once I had requested a Kurla ticket booking clerk to take up work and other time, a senior Maithil when I was honoured in a Mumbai meeting in 2007,on the third anniversary of Mithila Darpan(though needing good articles, to my knowledge, it is the only economically self-sufficient effort, not related to any Maithili organization, regular publication in successful 5th year, with print order of

3000,managed by a very polite and sincere Maithili worker Sanjay Jha who himself works somewhere.)Long back I had a meeting with all important Maithili organizations at the house of Sitaram Jha, ex-Income Tax Commissioner who was a supporter of Mithila State. I talked him introducing him with Naresh jha and wished 2010 Dec. XXII International Maithili Conference at Mumbai, if he proposes it at Kanpur on Dec.20-21 in XX International conference.

Intention of holding Maithili conferences one outside and other in Mithila is that Maithils are everywhere who need organized but they should also work for their village area in Mithila and should also save some amount for work in Mithila(which is now 75 % saving) while the delegates will go on their own expense.

We are aware of the fact that work in Mithila is more important and hence we regularly conduct such conference ,once preferably in summer in Mithila where many of our Maithils living in Mithila who are poor and for whom going out of Mithila is difficult may also attend.(XXI International Maithili Conference will be in Arariya district on April 11-12,2010).

The journey to Jaynagar from Ranchi in a special train was special. The train on some schedule dates could be started after my talk with ADRM MK Yadav this time which had only II Class coaches, not a single sleeper though on previous occasions it had sleeper ads well as III AC coaches.

The railways informed that it was a trail train and in a lean period they thought

proper to have trial and that too on a sudden information. The railways could have thus even after two, if not after a clear three months advance notice(as per for any reservation). The train itself could start after several petitions-I remember first I had given to Ram Vilas Paswan, the then Union Railway Minister at Ranchi in 1996 in a conference of Journalists and then AMP, Muri gave such application in 2002 to Neetish and then onwards the petitions from AMP, Ranchi, Bokaro and Maithili Manch, Harmu, Ranchi and Vidyapati Smarak Samiti several times. Finally it clicked as a special train in 2008 after AMP delegation met MK Yadava, ADRM with hundreds of signatures in support who in front of us talked various railways to assess feasibility and finally Lok Sabha endorsed thrice a week Ranchi-Jaynagar Railway train in Interim Budget 2008 which was wrongly withdrawn by

Mamta Banerjee after which I had sent her letters and also talked various MPs- Arjuna Munda, Hukumdev Narayan Yadav, Poonam wife of Kirti Azad apart from sending SMS to Babulal Marandi and letters to Yashwant Sinha and through AMP, Pune presendent to Jhanjharpur MP, Mangani Lal Mandal. AMP, Jharkhand President,Dr, Guneshwar Jha submitted memorandum to Jharkhand Governor as well and was assured by his student Subodhkant Sahay that the train had been added again though was withdrawn.

Many young workers like Arun Jha of Maithili Manch, also worked seriously and even they had burnt effigies of the Mamta. I feel trial train concept singularly applied to Mithila bound train was unjustified and it was as if 'agni pariksha of Maithili Seeta herself." The same I told to the reporter of the Rastriya Sahara while educating public

for pressurizing the authorities for continuing the train. (Given in attachment news scan).

When I was about to start my journey, a student, Rishikesh Paswan after talking me on phone to come and study with free boarding and lodging at my house preparing for Pre-medical test reached Ranchi in my hospital library with his father and one more relative but did not go to my residence to (a 'creamy layer effect' probably). Other student in my house on the same scheme Umesh Mandal preferred to fill up suddenly announced examination at Darbhanga and we could find PAK Pandit, an old worker from Baira- Parsa who had organized one of such camps and we went sleeping in general coach which had come with full rush.

From Barauni a family of young joined from Munger, who initially promised to work for Maihtili.I also phoned a doctor Raman there for my meeting on 15th Nov. His wife was from Barauni and her brother was with them. In the end she divulged that they were Christians.

When I said her that I read The New Testament for I had love with a fellow Keralaian girl. She asked me what would have happened after marriage- ‘We both could pursue our religions; for child the matter would have to decide.

She was looking like a Hindu bride with sindoor. I had given her brother some copies of Maithili Sandesh to give it our worker Anil of Dalsing Sarai where he used to teach.

Dalsing Sarai is the place where AMP has good work and all segments of society are well represented- thanks to Satyanarayan Mahto of Ajnaul who worked at Bhalai, I had been to Aajnaul in such a training camp also.

It was its last ride and hence we put slogans- Jaynagar train Niyamit karu at Darbhanga station where many public, including my sister's husband, joined us and the same at Jaynagar. We were distinct with the banner of AMP. Umesh and Pandit took signatures of many while in train for the continuance of train.

While in the way I recalled my sister's village and mine where I could not go like other Mithila Jagaran Yatra(probably it I was 54th such). I saw with reverence Ugna Mahadev temple from where I had my

cycle yatra for Mithila state in 1994 and had attended such a camp in 2003. I saw Madhubani Bhauragarhi's Guheshwari Mandir where I wish some time to offer Durga path all 9 days of a Navaratra combining with meetings around.
I got down from the train and purchased a copy of daily Mithila Samad from Kolkata which was 2 days old though last time I had got same days' copy(in return journey due to rush in train I could not get down for it.).

I had phoned some of students and guardians to join Dhamiyapatti camp. One such student's father Chandrabhushan Choudhary from Biraul joined us at Jayangar(who completed training and was happy as he talked me after returning) and also Subhash Jha, coordinator Laknaur block,AMP(who was present for two days

but could not complete the camp but has become a solid worker as I presume on telephonic talks).

Anand of Jhanjharpur already changed train Dhuriyan to ours at Pandaul, my nearest station,in childhood my trip to Forbesganj was from there.

In the train a postman of Pandaul, Krishnmohan jha said he would work for Mithila.

AMP President, Dr.Kamalkant jha was there to welcome with Prof. Umesh Jha'Lalan' from Marari(Nepal). And Nabonath Jha 'Vivek',Kalikapur.

I could have introduction with Lalit Thakur ,brother of Ashok Thakur, a Maithili writer of Badagaon.
It was a difficult trekker journey to

Dhamiyapatti’s very bad road.The driver was expert and he drove like circus and on reaching safely, we thanked God.

Before entering devasthan, I saw the bricks soiling tube well had mark of Mithila Bhattha which I cited in my speech that love for Mithila is embossed in their hearts,our duty is to ingnite it to come on surface only.

So the temple, very nicely made, spacious and clean ,rarely seen in Mithila had many villagers who had stamped Mithila in their hearts.

Young Manoj Jha was coordinator and Mukhiya Narshji presided.

Because I have to leave next morning, I made a long speech covering all aspects of Maithili and Mithila’s development. Umeshji had informed about devilments in Nepal for a separate Mithila state there

which I have been asking from the beginning. Many Nepali Maithils like Shaheed Dr.LK Jha, Sundar Jha 'Shastri'etc.
He narrated how he as AMP's Gen. Secretary could initiate Maithili as working language of Sirha,Dhanush zilla's official work and risked at life by opposing even Supreme Court's orders.

After meeting reached Bhav Jha from Benipatti's Mahmmadpur(Shardapuri)-he was late because of bike's problem.

At night we had traditional Mithila dinnar(bhoj) in Mukhiyaji's house with Tarua etc.with Bhojan Mantra.

We had long discussions. Umeshji remembered even more than I recall about my initial visit to Mithila and Nepal's, meeting Matrika Pd.Koirala,etc.

We could decide fiture camps 13-16 March 2010-Biraul(Darbhanga); 27-30 March 2010 Madhepur-Lakhnaur; 8-11 May 2010,Benipatti-Mahammadpur. In such camps of sub divisional level, one from every panchyat of the camp holding block and one from other blocks will be targeted to take training.

Morning I preferred to go open field defecation. I did my daily snan-Puja tarpan etc. and soon a journalist came to interview. It was again a mini meeting and then bidai.

Bhav Jha's grandson gave me a lift to Jaynagar. Anand and his brother went on foot and met in the way.

At Jaynagar railway crossing there was a huge crowd and I purchased paniphal singhara from a selling women. One women was crying there- her 12 year old girl was missing. She other smaller girls

were with her. Maybe she was her grandmother and mother might have died. I was very sorry and wanted to give her some money but hesitated. I was suspicious that the girl of Harlakhi might have been abducted for trafficking.

In the meantime Anand reached and said there was such a report in papers. I was sorry that some NGO should have been there.

People have so much faith on Kamla mai..may that girl reaches Harlakhi.

I could charge my mobile in passenger hall, good one but dirty die to many passengers.

I had purchased advance ticket previous day. Anand and one other young Maithili purchased their tickets.

I asked Anand to purchase from the bookstall , Maithili Durgapothi. Previous evening I had purchased Samy Sal, Mithila Darshan(from Kolkata) and Satynaryan

Puja’s Maithilipothi.

Rastriya Sahara had well covered news(in attachment).

There was huge rush. A young boy had come with many family members from Sitamarhi’s Bhutahi village for Kamlasnan-I was sorry that despite having time I could not plan. Other passenger , an owner of petrol pump at Padma was sore that in one of bhoj they were not taken care of because of invitees more than could be managed. Other person in Dhoti was incidentally from Dhamiyaptti. He was going for bhumipujan of a hotel at Bela, Darbhanga. His dhoti had earned a name in Gujarat – His daughter in-law said that the security guard was exclaimed how any person could wear such long cloth(when that had fallen from upper floor).

When he went Mumbai he met Samprada

Babu of Alkem. He was initially hesitant to meet but knowing that from the peon Samprada Babu called him with respect.
I again crossed Sakri but without meeting my sister nearby. At Darbhanga came Nareshji with a heavy bag for Ranchi. I took only few things as I do not want to carry heavy baggage.

When I came out of train for washing my hands and drinking water(I feel supplied water is better than bottled on scientific counts also and also I do not want misusing money for that) suddenly I saw Manjar Suleman, a Maithili writer there and called him for giving company. He was to go to Patna. It was hot and humid in November .He exclaimed,' global warming' and went out for reprieve. He returned with other professor of Urdu at Samastipur College, Md,.Anis. I had talked him last year too and had reminded

Manjar for calling a Maithil Muslim Conference, discussion on Maithili-Urdu similarities and role of Muslims in Mithila Movement will be discussed (likely date Feb.27,2010 at Darbhanga. I recalled my friend Mustaq of Hayaghat Bilaspur.
At Samastipur no one came to take Maithili Sandesh which I gave for Mumbai to fellow Maithil passenger (and as I had talk with CK Jha on 6.11.2009 he would deliver that to him on 7th November-I wish he becomes a worker for AMP also which will be again a leaf in my coincident meets turning to permanent worker).
At Barauni, I got down and went outside but no one trekker was going ahead Simaria because of Gangasnan Mela. I came back and was waiting for Maurya Express but first came late Ballia _Sealdah express and I got into one coach and could find space to sit on upper portion for

luggage but soon was asked by other young person saying,’ Uncle that is my seat.’ I got down saying as to why he was calling me ‘uncle’ (and not accommodating I meant but he replied for my age he called thus.I thanked for giving such respect to age and came standing for 4 hours till Jasidih. I watched the unprecedented rush, people like ants, mostly ladies assembled for Gangasnan at Simayia station. They had no space other than tracks to seat. I recalled my memory that in old days only at Hazipur it was famous where I did not go with my classmates in medical college as I had not much money any time in my pockets. May be every river is filled with persons, I was said thus for Gaunsa Ghat before Darbhanga on river Jibachh and also I saw rush at Luckeesarai and Kiul stations who had come to dip in river Kiul.

At Kiul our train was overtaken by

Guwahati Express and though my desired train for Ranchi, Patliputra Express had just left before at Jamui,I lost hope but soon ballia overtook that and first I thought to standing till Chittarnajan so that Patli might shed its weight at Jasidih but one passenger adviced me to get down at Jasidih itself.
In the meantime at Jhajha many Maithil persons could enter the train- old women were also with them and they were talking in Maihtili which tempted me for introduction. I asked one such Maithil pilgim his village which he replied ,"Benipur." I asked him if he knew Pawan Thakur of Majhaura. He rpled affirmatively.

I opened my bag and took out one copy of Maithili Sandesh and half folding that I asked him to take showing DurgaMata's

Aarati Though he could have read the title and at least seen the photo of Durgamata he refused in a bad manner. I could not keep patience and I said,"yaih tirthyatra jait chee..anha san ekara badle me mangne nahee chhalanhu. Anhak ot jayab t' 500 lok jama bhay jetah hamra snuay, Pawnji kahbainhi Dhanakar Thakur train me chhalathi" He kept mum though was not apologetic.

After some minutes with the same Maithili Sandesh, I touched the other passenger(who had suggested me to get down at Jasidih) sitting on floor of the compartment He was dozing but opened eyes and took that and also read some lines of all pages. Then I asked his home and address – He was Ramvilas sah from Sahebpur Kamal(where my bhauji's father was an agriculture officer in 1970s when as a student I had visited the place before

crossing Ganga to go to Munger to attend one RSS camp for a month)., Ramvilas worked at Kolkata and he gave me his number and I also gave him AMP,Kolkata worker, Pradeep Chaudhary’s number(in the hope of other coincidentally made Maithili worker).

I also felt that this ‘ego’ was the cause that many Maithili Brahmins became obstacle to Maithili’s development though they talked in Maithili and further the sense of reading any pamphlet was more in the public of Begusarai which I had experienced in 1992 itself when I had distributed first Maithili pamphlet,”Jagu Maithil Dhir..”

I know I am a great pamphleteer of that region and the area of Teghra- Baruni I feel is the central to Mithila and I had told Manjar thus while crossing that would be best for Mithila’s Capital which seeing the

sensitivity of two Maithils of the above example also suggest that Darbhangias need learning much more in the field of social change in Mithila.

At Jasidih, I ate what my sister had sent and waited for Patli. Somebody was there with cricket result of Indo_Aussi match. In stead Mithila express was announced to come where some young person was also waiting. I could not decipher from the announcement whether it had been advanced somewhere ahead of Raxaul too-listening to he said 'Upto Raxaul." When I again reminded him for some word,"the young person,maybe a sales representative in some caompany,"Ham bahre nahee hain.."

What amount of tension the man had who was talking someone on mobile sometime back to transfer some amount for tickets if he would accompany him to Shirdi…Probably such agitated persons

need the solace of godly place.

Then Patali came and it has now non-gazetted employees' rally rush going to capital Ranchi.

Every centre want Mithila's capital forgetting Capital is a place of such nonsense rallies. Ranchi remains band often.

Anyway I was about to inform my sister that I was leaving the train to get Maurya after one hour that I saw luggage van was being opened. With many passengers I also entered and took a corner, spread my chaddar to sleep. Fellow passenger was also exclaimed as to why rally in Presidents' rule?

Somebody thought door be opened and at Madhupur many leaders rushed into and I had to fold my legs.

They went in search of better place at Dhanbad but I remained there with many.

Some students entered and they were talking that they were thinking Army recruitments were honest but that was most corrupt- 80 per cent on pairavi and paisa and only 20 per cent might get job on merit. They were saying doctors are making someone unfit and for each clause charging Rs.20,000 for declaring fit. I recalled CRPF personnels' health check up I finally marked in 2007, many were colour blind who must have paid at the entry. They did try to pressurize me but I did not succumb(and had remarked against their boss also! Though he was not color blind, he had advance disease! I did not make him fit but I do not know what doctor controlling my hospital did!).

Finally I reached Ranchi as a luggage himself in a luggage van- not a bad experience.

Anyway, I called Anil Mishra Muri that I wanted to have my XIV Chhati arghya at Muri in Swarnrekha and to have informal talks with some workers there. He happily agreed but despite Chhati being there I could talk only Raiji of Bhirha and no meeting was possible.

However, as I had talked also Amiri Nath Jha ‘Amar’ of Bokaro the evening of morning Chhthi arghya and it was held with some concrete decision to strengthen AMP at Bokaro.

In fact I had booked my ticket and was eager for Chhati this year somewhere in Mithila(Kanhauli, my sister’s village and then coming to Darbhanga for a meeting for Vachaspati statue at Thadhi but from there too many of the expected workers had left for village and even I thought to meet them at Thadhi having arghya there

in the pond of Vachaspati and then changed to meet some at Darbhanga but was asked by Sureshwar Jha who had mooted the idea of statues at Thadhi and Samaul of both Vachaspatis(9th and 15th centuries) asked me to leave Thadhi work on them and concentrate Samaul work on which I had planned to go there but cancelled ticket on final day as I have neither a house there nor any sibling to take care of rather I asked my cousins to have a preliminary talks and form a committee on Chhati night from Muri which they did(but last evening my other cousin whom I phoned at random, asked me to send advance Rs. one lakh..probably one is not fit to advice own villager..What I had said at Thadhi and also to my cousins that every villager should contribute one day salary or shramdan but they guessed some hefty amount has been sanctioned by Govt.?). Anyway, I will talk them later.

What I can do maximum that I may donate my adjoining 5 kathhas of land, my part in Vachaspati II's gharari and my one day salary and also some more amount in lieu of shraddha bhoja of my parents to villagers but till they do not contribute project cannot come on surface though I have asked Ashok Thakur, Jaipur to search some donors there as well and talk to sculptor for which we need an imaginary drawing of the greatest Hindu Karmkandi Vachaspati(I invite you all to write me suggestions which should be incorporated in that drawing).

I smell, probably some persons want not o give credit to Antarrashtriya Maithili Parishad for Vachaspati Statue at Thadhi as well, despite my preliminary talks with Thadhi residents visiting there twice and long calls to the owners of Vachaspati I Deeh.

It is not new as such persons do not even want to give mention not to talk of giving credit to Antarrashtriya Maithili Parishad or its President,Dr. Bhubaneshwar Prasad Gurumaita for including Maithili in VIII Schedule in Indian constitution..

Dr.Gurumaita's 90 minutes talk with the then PM,Vajpayee in presence of Ma.K.S. Sudarshan,the then Sarsanghchalak of RSS paved its path despite petitions and delegations several before by many(including AMP) and after by many. My role maybe in that AMP was formed by me

for which I thought Dr. Gurumaita was a better President than me, feeling which I relinquished the post in 1996.

Vajpayee had told him, a few days before

schedule meeting ,"Apaka tamacha(kabbadi's on his back in Keshav Kunj,Jhandewalan, long back) abhi bhi yad parta hai. Parso mil hi rahe hain."
Dr. Gurumaita long back did not accept to become a Minister in Union Congress Ministry when Lalit Babu had asked him for consent and has said.."jaait chhiyah, tun Jansanghi chhah, muda tohar ghar kee chhal..His uncle devnarayan Gurumaita was president of undivided darbhanga District Cingress President,on which name Watson school has been renamed).

So is the forgotten prime role of Dr.Mayanad Mishra in the technical aspect of VIII Schedule when he had gone Delhi on getting my (one of 63 writing which my hand was tired) postcard that Advani has not said previous day about Maihtili enumerating Bhotia etc, in Sindhu Utasava

at Leh, the news I had listened to in the Urdu Service of BBC in late night. Maya babu and Uma Kant Jha, a former Dy.Commissioner,Sales tax officer had camped for long atin 2002 in Delhi meeting IAS, AK Jha, though Shahnawaz Hussain could meet ID Swamy,the then Minister for Languages and could convince him that Maithili is a distinct language.

AMP did massive jan-jagaran, provided a platform for Maithili workers to meet in 11 various International Maithili Conferences since 1993,(at Ranchi,Madhbani, Nepal terai,Rourkela, katihar, Chennai,Jamshedpur,Biratnagar,Saharsa,Dhanbad,Dalsing sarai apart from Workers training camps at Jayanagar, Ajnaul, Sukhsena, Ugna, Naraynpatti,formation of Mithila Rajya Sangharsh Samiti, paving the path for Mithila rajya abhiyan by Pt. tarakant Jha, again a swayamsevak of RSS

whom Vajpayee had said,"Ab Rajya to nahee mangiyega."

And just after granting recognition to Maithili in Feb.2004,he had said at Morhabadi,Ranchi in Tribal Conference,"Yadi janta chahegi to aaur Rajya banenge."

Tomorrow the same will be for Mithila Rajya- many claimants will come up rather are coming up that they are demanding it long before my joining the movement or the formation of AMP.
We though deserve do not crave for credit as none of the core AMP worker is craving for some hidden ambition for which for us it would have been easier to remain in our systems rather fighting for the same and in many case being sidelined there too at times

My 95th Mithila Jagran Yatra in an inclement weather
(3-8.12.2009)-
BHAGALPUR,Katihar,,Singheshwar,Saharsa , ETC.
3-4/12/2009 Bhagalpur Vinay Tarun dera stay
3.12.2009 Sabour
4-5/12/2009 Katihar meeting Railway colony; stay Narayanji dera
5.12.2009 Forbesganj
5.12.2009 Purnea Law Collegeme meeting; stay Lalit rang dera Saraswatinagar
6.12.2009 Araria Meeting Lalitji dera
6.12.2009 Purnea
6-7/12/2009 Madhepura meeting kamlesh Thakur dera
7.12.2009 Madhepura Madhepuriji dera

7.12.2009 Singheshwarsthan sanjesh dera-meeting in the way-
7.12.2009 Singheshwarsthan
7.12.2009 Saharsa Dr.LN Jha dera baisar
7.12.2009 Bhagalpur Night stay
8.12.2009 Nathnagar Meeting with Angika Yva Chetna group
8.12.2009 Bhagalpur

A Foggy Midnight at Bhagalpur

“This chilly midnight
In your city
From the roof top
Of 4th floor
I saw on the road
A rickshaw puller
Happy he might be
On a lonely road
Like I am
In a bachelor’s house.”
Foggy weather like

Mystic world
People work
For their hunger
Those who have
Sleep under warm
Blankets of sheep wool
Who had it to protect
Them from the cold
Despite street light
Nothing was seen
The rickshaw was
Advancing
On assumed
Road to station
As we all are
Advancing to
The road of
Dead end
Or station of
This universe.”
-(4.12.2009 at 1.05:39,
Completed on 2.2.2010 noon 130)

96th Mithila Jagran Yatra (23-26.1.2010): Cold Mithila:Cold Maithils-I -Deoghar and Godda

23.1.2010 Deoghar
23.1.2010 Deoghar
23.1.2010 Godda
23.1.2010 Bhagalpur
24.1.2010 Forbesganj
24.1.2010 Araria
25.1.2010 Purnea
25-26.1.2010 Bhagalpur

The leaves around 26th January to utilize for home and around had been in my mind for long and hence, I had thought for a Maithili Workers' Training Camp at Pirpainti (Bhagalpur) while talking with Dr.Vijay Shankar Singh of Bamangama (Sarath, Deoghar),a co-traveller in the Vananchal Express in 2009 winter while I

was returning with my sister from Forbesganj after first Varshi of my father) who turned to a Maithili worker and his in laws were at Pirpainti. However, it could not be finalized and I wished to be among students at Saharsa but that too could not be held due to incessant cold since early January.

During January 4-13,the journey to Jaipur - Delhi-Varanasi was in such a cold wave of north India- the cold was piercing one and Kripanand's wife had asked me to wear gloves which I just forgot to purchase thinking for next winter but Mithila was no less in the poverty of sunshine than of wealth and naturally it was one of the coldest moment again.

I read in the Hindustan that the season was coldest in past 32 years and naturally if Saharsa had refused for a

meeting it was not unusual.Still I talked and had some form of meetings here and there.

Before I could reach Jasidih on 23rd Jan., a call from Goadda's Dumaria that one of the relatives came for shraddakarm of mother of the Sanjesh Mohan had a stroke.(They rushed to Godda hospital where I saw the patient but despite referral to Ranchi he died on 24th night).

I remarked somewhere that had not been Ranchi capital for Godda, patient would have been referred to Patna instead- and may be some near capital in Mithila he would have been saved too- though in massive cerebral haemorraghe outcome is always poor and best is prevention of high blood pressure with low salt diets and proper medicine which

the victim had ignored altogether!).

On 23rd morning when I reached Deoghar stand my nephew came to receive me. In fact, I had only called him the previous night just to give him a Sanskrit writing(my views in a Sanskrit book of a scholar, Dr.Ramkishr Jha 'Bibhakar,' who was very eager to get it printed in his other book and I had written that in Sanskrit shlokas which I had preferred to tell on phone but he insisted for courier on 22nd evening as he had no one to collect at bus stand in my way to Godda and I decided to drop at Deoghar and requested him to call some persons for a meeting there. Not only I had good darshan of Baba Baidyanath- it was an experience of bare foot walking also and in the way having darshan of a Maghi Durga on an Astami day- first time I had such darshan in Magh!

The temple had no rush but my nephew

said that only 2-3 days back many pilgrims had come from Saharsa area for Abhishek of Baba during Vasantpanchami and I stressed that in Maithili meeting that Baba had maximum devotees from Mithila and so Deoghar should go to Mithila!

Deoghar has many streets and it is famous for pedas, my sister had asked and I could have some.Pandas as usual were there but were civilized.

The Maithili meeting has small but influential attendance and it was a coincident that a meeting was held. I saw Bibhakarji's room was full of sacred books- a temple in itself.

My eldest cousin (sister)'s son's residence was nearby and I dropped there for 5 minutes.

Bus to Godda was a horrific experience- slow moving one but was

passing through scenic route of southern Mithila.From bus stand to hospital – hospital too was in shambles. Doctor attended the patient in early morning but had few facilities. I was sorrow for Sanjesh's younger brother who had just lost mother and was about to loose father –in-law(who had only daughters and being the eldest and only son-in-law he had higher responsibilities).

The meeting was in other corner of town of Godda where I was taken by an advocate Maithil requested by Binay of Purnea. I saw the house of Dr. Mahanand Jha who was a surgeon in my hometown Forbesganj.

Some Maithils gathered there expressed solidarity with Mithila movement and agreed for a bigger meeting later.

I was taken to the house of Dr.Ajay, a surgeon, my class friend, who was posted there in TBDC? His wife and he were eagerly waited for me since noon 12 but I had only time to eat a special sweet of Godda to take last bus of 530 to Bhagalpur as by then Sanjesh was about to leave for Ranchi with patient and there was no point in going to Dumaria ,his village which was originally planned- to attend 13th day of death of his mother as a mark of condolence.

I could get last but one seat of 3 and could guess from Maithilized tone of Hindi that co-traveller was a Maithil and so he was from near to Benipur and his friend from Madhubani; they were working in fairs, selling electronic toys and had come for a space in ensuing Godda fair. Ananad

Choudahry told me that he was a lucky survivor of Darbhanga firing during military recruitment some years back and had decided to work on shelf than to have service and was better than a clerk ,having a lust for good education to his daughters and son in a Kurseong's public school, near to Bagdogra airport, near Siliguri he was dwelling in his own house and was roaming about many fairs 45-60 days..

He suggested me to go to Bhutan via Jaigaon where scores of Maithils are residing . I gave him Maithili Parishad's form for a unit at Siliguri when we reached Bhagalpur in a cool night around 9 PM.

Cold Mithila:Cold Maithils(23-26.1.2010)-II; Bhagalpur, Purnea, Araria, Forbesganj

The nationalism has inverse relation with the distance from capitals and likewise the poverty has a direct relationship with the distance from capitals

At Bhagalpur bus stand I entered into nearby Sabji Market where in November also I had purchased some vegetables while going to bachelor and young journalist Binay's house-I remembered that that day I had taken old and rotten cabbage as I do not do marketing usually and was still happy that it would have been given some money to the village girl who was waiting for the last cabbages to be sold. This time I was cautious and purchased cauliflower, beans and

tomatoes instead and before reaching the place while in auto, I ate an orange and 2-3 small apples given by my sister at Ranchi. Whole day I was busy and had not taken food and hence, was apprehensive of vitamin deficiency to which I am susceptible and so at Binay's room I ate two tomatoes from which I had purchased. He came after sometimes purchasing cabbage again but cooked cauliflowers and rice which we had purchased.

It was a 23rd January night and I was in the memory lane of my marriage way back in 1989 this night which I do not when it was broken after three months like the death day of Netaji Subas Chandra Bose who was born on this very date; from English timings my marriage finally had cropped into 24th .I went to the top of the room and saw in reeling cold amid fog some vehicles still plied on the road below.

On 24th morning I got up around 7 to take bus to reach Araria by 1 PM. It was fog all over the bus stand and though I got a Purnea bus quickly, it could reach there in 3 hours, not bad from the point of foggy road. I could not ascertain when Koshi bridge passed. There was a call from Araria’s Sudhirnath Mishra when I had passed Gedabadi(a junction for Katihar) and expressed hope that I would be in time but I missed the connecting bus and next bus started around 12 noon which had many college students at zero mile to go to Kasba College.

I saw many labourers who climbed to roof top of bus with their cycles to go to Balua bazaar area, must be for some road construction, devastated by Kushha breach in 2008. It will take any decades to

mitigate the miseries of Koshi victims and in fact Koshi culture is denude and is facing serious threats of poverty. Many poor might have been collapsed this winter when nobody remembers them- even blankets sent by NGOs from Delhi for them would be distributed to other localities' poor! After all one needs serious organizational infrastructure to reach the last men of any tragedy and that never happens as per my experience in such calamities since 1977's Andhra cyclone I worked.

I could work in 1988 Nauhatta breach (towards Kopariaghat) and again in 1987 in and around Katihar and Manihari in other devastating flood, many areas I crossed again in the foggy winter.

By the time I reached Araria around 130 PM, there was broad sunshine, after many days first time as if for my ensuing meeting for Mithila state. I went to

Lalitmohan Thakur's house and had my daily snan-puja and lunch(though it was arranged at other place, if I would have reached in time and would have introduction/initiation of other worker to movement).

When with Lalitji I reached the Mahila College campus, there were some important personalities of area already present. It was my home subdivision, in the sands of which I had my childhood in Forbesganj, even a bigger town than this present district headquarters. I had my middle and secondary examination centre there at Araria in 1965 and 1970 I recalled.

We discussed many organisationl things apart from benefits of Mithila state. I lambasted Md. Taslimuddin's hoardings as SEEMANCHAL GANDHI. "We had listened to SEEMANT GANDHI of Khan

Abdul Gaffar Khan but taking the name of that great person by an ordinary politician is a joke and insult to the great warrior," I said. I was also critical of birthday and other greetings by hoardings and mentioned January greetings by great Hindu leader Dr.Murli Manohar Joshi at Varansi who even if liked so should have waited till Chaitra shukladi to come. Such ideological compromises mislead the followers.

There was a question by ex-BJP president of the area," newer states did not give better results," to which I named all such states(southern, Gujarat, Haryana, etc) and shown them Hindi India Today Dec. 30,2009 issue-"It has been accepted by the National Developmental Council for 11th Plan document that the three newly carved states- Jharkhand, Chhattisgarh and Uttarakhand had achieved higher growth rate than their parent states.

Jharkhand achieved 6.9 per cent growth rate when target was 11.1 per cent Chhattisgarh achieved 9.2 per cent growth rate when target was 6.1 per cent Uttarakhand achieved 8.8 per cent growth rate when target was 6.8 per cent.

There were some youth leaders who promised to work for Mithila movement. After the meeting Sudhirnathji and I took a rickshaw for the Ambedkar Chowk where could get a bus to Forbesganj, my hometown, where I was born and brought up.

It has changed a lot since my childhood days but all changes were not good. I said Shanbhu Mishra whose father was Minister that around Sultani Pond, the ‘jungle’(where even ‘peepul’ I had seen to grow as shrub) with ‘indigo vats’ would have been a tourist attraction with many

cemeteries of British, one of them was probably of a dog also. Shambhu Mishra's father Saryu Mishra was lone opposition for its sell out.

My home has no provisions and I had put my bag to the house of the daughter of my mentor Pt. Ramchandra Jha. I also could meet Teju master, my house care taker and Jamuna Yadavji, bosom friend of my elder brother. I went to Sudhirji's son house who was residing in my teacher Khagendrababu's house on rent. I could take my teacher's blessings too toughing his feet. Once upon a time, my most favourite teacher Agamlal Mandal was also residing in that complex.

Sudhirnathji's son had talked with me while in December I was at Delhi to come and discuss for an organization for the welfare of Koshi victims. I suggested

him to take up those issues under the banner of the Antarrashtriya Maithili Parishad(AMP) itself not only because it will be problematic to have one more organization but also being Koshi an international river, AMP workers can mutually cooperate.

Sudhirnathji's grandson left me on bike to the telecom complex, where I had left my bag. In the way again I saw my school the LEE ACADEMY and the roads of the small but nice town which have still many dogs. It was cold and few movements were around at 930 PM.

I discussed many familial matters with son-in law of my mentor and initial teacher, Pt. Ramchandra Jha (whose son Bibhakar has turned to be an astrologer and surprisingly at Ranchi itself and saw a big photograph with his disciple Dr.C.P.

Thakur, an ex- Cabinet Minister..I cannot understand why a man of his caliber is in the realms of astrology and I recall modern Newton, writer of ,'A Brief History of Time,", Sir Stephen Hawk while he was in India to deliver his talk at the Siri Fort Auditorium, New Delhi (which was a live telecast and I had gone to my residence to listen to that leaving my chamber in the hospital); his reply to a question on validity of Astrology, "I cannot say."

The only two times more I had left my chamber while duty time for listening to TV- once more when Vajapayee was taking oath for the first time as PM and incidentally at Forbesganj itself in 1969 when I was 14 years old I had met him closely while he was on tours and after breakfast denying Chadars as Brahminical bidai, I had quipped," aapne kal moti dakshina le lee hai,"(I made my fingers as

a purse which he had taken previous day in meeting for party fund)." He laughed and took bidai from Rekhchand Samdaria, a close friend of my father and local Jan Sangh worker.

The bath room was very cool and so water was in cold wave but the morning of 25th January was with broad sunshine for the first time in the season. I went to my home in front and did snana-puja there. Though Teju master Sudhirji came, his son and other workers for Koshi did not turn up. I went to meet my friend Saboo's mother in front- took her blessings and went Sunita's house to take my bag. I had some feeling of incomplete evacuation of stool and had to go toilet several times. I took some food and came back to my house which has an open field with some school rooms where children had come. In

the morning I had listened to Prabhat feri of children for the Republic Day next day. In smaller towns such days have more enthusiasm than of metros. The nationalism has inverse relation with the distance from capitals and likewise the poverty has a direct relationship with the distance from capitals and so I use to say ,"In India, we are capitalistic in one sense surely that here every developmental thing emanate from Capitals.',” and probably so I want a capital for my Mithila too(Bihar's capital Patna has higher per capita income than national average though Bihar as a whole is on the near bottom on this scale).

Sudhirnathji and I reached railway station where while enquiring for train to Purnea, one young ASM,Manoj Kr. Jha recognized me. He was from village Jonki Mahinathpur of Madhubani district. I did

not recall where I met him and on my query he told me that some times back when I had come to take a train. (but found in my diary on 1st February 2010 night that I had met him on 11.4. 2005 when I had gone to search one Manikant Jha, Sr. Sectional Engineer hailing from Ujiarpur, Samastipur and had asked Manoj to arrange next day a meeting of Maithils he knew there but Manoj was discouraged by Manikant that it was not possible. I had some confusion as the number I saved with name was again MK and clarified on phone on 2.2.2010 that this time I could met MK was Manoj Kumar and I asked him that now he had experience in the my hometown and should work for Mother Maithili's advancement like Ranchi's station manager late Chadrakant Jha was doing; wearing a dhoti-kurta he was a symbol of

Maithil culture himself!I had also enquired for one other young ASM whose quarters I had gone there but he was transferred probably near to Katihar somewhere.

From Forbesganj station, I had asked Lalit Rang of Sukhsena to arrange a small gathering but he was busy in the Republic day preparations. I had stayed in his village many years back during a Maithili Workers' Training Camp and in November 2009, I could get his number incidentally and was a guest for night after my meeting in the Law College. I wanted this time meeting at a newer place .

Since the Essay contest on Mithila state's need in the Purnea College could not be arranged on 25th for the concerned teacher was busy with college audit, I had requested him to call some persons for an informal meeting there but I could not get

him on mobile and was thinking my one day CL was wasted. I told this to Binay and he suggested me to contact his father. His father was happy that I was coming to his house again. I requested him to assemble some persons.

In the train to Purnea(Katihar) there was rush but since the introduction of broad gauge rush is accommodated. I recalled the horrific travel in meter gauge some years back. The passenger train is cheap and takes less time.

Seeing the ways, familiar to me, Dholbazza of Yogendra Jha, my other mentor in the matter of discipline, Araria RS(Railway Station), and Araria Court etc. intermingled with many new halts in between(which has a large Bangladeshi population settled as well),

Kushiargaon(where hardly any sugarcane is now),Garhbaniali(of hisatorical Maithil rulers)’ Jalalgarh(on the name of Jalaluddin-whether Akbar ,I do not know but want to call it as Jai Lal Garh), Kasba(meaning a small township) where was a crossing and then Purnea-our old district headquarters, named on Purain(lotus) or Purandevi temple(where Pandavads during Ajnyatvas had prayed) or Purna Aranya(full of forest), I do not know but was mesmerized by the fast talk of two ladies-of short height and was eager to know which languages they were talking. Both had equally fast speed. I thought initially they were talking in Assemese or Boro or CoochBehari dialect but when I asked them, one of them replied,” Bengali.”I said ,” Bengali aami jani kintu..eto fast..”

I feel that is the case Maithili also

with many dialects. Angika or Vajjika some claim as languages are faster versions of Maithili with lesser grammatical bindings.
She replied that everybody had different speed of talks. When I asked where they lived, one of them named some mohalla of Purnea. She said that where ever is a Bihari there is a Bengali.

When I came out to take a seat in auto, all were set to go to some Satsang(maybe of Mehibaba or so). After some time, I could get one to go to bus stand who left me at Line Bazar, no wonder the same days newspaper had a news that for three wheelers, Purnea was second in selling only to Gaya and Patna was poor fourth after Muzaffarpur.
There are no comparative data available to me but surely Patna will rank one in for wheelers. Poor need shared commutation and so Mithila’s Purnea and Muzaffarpur

lag behind even in the matters of three wheelers from Magadh's Gaya!

Line Bazar had many medical clinics where many of my friends do practice and get good number of patients but I chose another way despite a medical consultant where I do serve. I took a rickshaw to go ill-known Teachers' Colony near Chhathi Pokhari. Many English schools are opening in every corner of Mithila and Purnea is no exception. There were many Muslim mohallas in between which too probably signify the amount of infiltration from Bangladesh.

After some time on bad road, I reached Teachers' colony where some retired persons assembled quickly. I addressed them about Mithila's culture and demand for statehood. Though number was small they represented

interior villages (Amaur, Vishnupur,etc.) and I entrusted them task of awareness there. With one of them I could make contact with Shri Dhirendra Mishra, ex-IAS and vice-president of the AMP, Jharkhand. It was enchanting to see the faces of his classmate and other an uncle who was presiding my meeting.

Initially two youth were there and I was happy to see them but soon they left. One was apprehensive of money collection as was done by some persons sometimes back in the name of Maithil Brahmin Sammelan. I told them that to me every person of Mithila was a Maihtil not merely this or that caste and I do not preach or practice casteism. Yet they left and there was none even to send release to press-all were old and retired persons there. It give me an opportunity to visit press bureau to

of Hindustan, Aaj and Dainik Jagarn while in way to bus stand.

It was difficult to get a Xerox shop and when I could get one the quality was poor. Though everywhere release was received by correspondents themselves none interrogated me much and were under pressure for 26th January advertisements that release of Araria and Purnea could not get space despite might have been their willingness as I could ascertain from body language. Whether newspapers are for news or otherwise are a matter of concern.

Despite some food at Forbesganj had no desire for not full utilization of the day but when Binay's sister told me that she had cooked for me which will be wasted, I ate that food and then went out hurriedly moving to Purmea press beaureaus could

get last seat in a Bhagalpur bound state Govt. semi-Deluxe but preferred a Cabin seat where too soon overcrowding was because of many persons taken without tickets and most of them were to be dropped where bus had no scheduled stoppage. That is the cause of Bihar's backwardness- corruption at every level. When I reached Bhagaplur Tilaka Manjhi Chowk, I preferred to take note of the first martyr who lead a struggle against British in 1785 when Baba Tilka was a mere 35 year youngman; I had confusion from a mazar near a banyan tree where he was hanged that was it his but Binay clarified in the night that Santhals' dead bodies were buried not burnt. However, I was happy to note that some floral garlands were decorated on the Republic Day eve.

Cold Mithila:Cold Maithils(23-26.1.2010)-III; Bhagalpur- People of Ang (and also

Vajji region are to choose between the tradition of Janki and Jarasandh

When I reached Binay's place opening his gate was a difficult task for three workers of 'Binay Mess' and they initially failed despite asking Binay on mobile who opened and closed that lock many times(more in night being an editorial staff of a daily newspaper, Hindustan). 'Jiski bandariya vahi nachaye,' said the youngest amongst them, the waiter-cum-cook who ultimately could open the lock).

Every time I go there I am amused with the writing of its signboard Binay -it is 'B,' in Hindi and no 'V,' which in fact should have been(and also a 'Murdhanya Sh' rather than a 'dantya S' for Mess in Hindi).

It may seem a 'mesh,' of wordings as Binay is not coming under Mesh Zodiac sign but Vrish as per Hindu astrological divisions but here lies the proof that whatever claims residents of Bhagalpur area may do on the name of 'Ang,' it is linguistically and culturally part of Mithila. I had seen some banners in the Bhagalpur town, 'Ang Deshki Rasham Nagari me ,' in the same visit; of course Bhagalpur's silk was world famous once upon a time and so might have been 'Ang' in the days of Mahabharata but it was more so Munger which was awarded by Suyodhan (or Duryodhan as popularly he is called) to Karna for making him fit as a king but nowadays Mungeris are not so vocal for their Angship than Bhagalpuris are for some reasons not so well understood.

In fact, for long the area was ruled by

Bengali dynasties and no proper historical records are available as to show a continued tradition of Ang rulers, if any, which I had said in my previous visit to the youth of Nathnagar without any disrespect to Ang area and have suggested them to have movement for joining Mithila as any Govt. of Mithila will pay more attention to develop the dialect of that region than Govt. of Bihar could do in almost one complete century.

The people of Ang (and also Vajji region are to choose between the traditions of Janki and Jarasandh- again I am not saying it with disrespect to Magadh but after all Magadh is known for its empires not for wisdom and sacrifice though Chanykaya was there, he probably was a Maithil and so Nalanda was there but again Buddhists made big universities but Buddhistic teachings could not be

continued while Santan Hindus had 'Guru-Shishya parampara' and still that is continued in some form or other and so much so that probably not a single Buddhist family of Buddha days are in present Bihar due to bloodless logical war by Maithil scholars like Mandana and later Udayanacharya; had they sent their pupil to offshore like Buddhist Ashoka sent his son and daughter –Mahendra and Sanghmitra to Sri Lanka and many monks to China, Korea, Japan, etc. probably all would have returned to the shadow Santan Banyan and might be as a consequence the word would have been in a more peaceful state with least conversion to Islam due to weakening of security which could be and recent problems in China's Han province and others would not have taken as more Islamic conversions were in the land

where Buddhists had more propagation).

When I say thus I do not undermine the importance of Bishnupad of Gaya, the most important seat of Lord Vishnu or Patndevi of Patna, one of the 52 Shaktipeetha where right thigh of Mata Sati was fallen but Mithila is Mithila where it is impossible to say where left arm of Mother was fallen and at Baidyanath Deoghar the heart after that Yajna Dhwans of Daksha Parajapati (on which I had written a small play in Maithili,"Vambhru," seeing dearth of such plays based on epical stories)and so they are culturally same, Dakshinmargis unlike of Magadh.

Any place where fell the body part of Mother Sati is a Holy Shakti peeth but where fell parts below naval is worshiped by Vammargis and no wonder area of Magadh is under the arm influence of

leftist Maoist and has been an area of caste inferno to which Mithila is so far immune and any example of recent happenings at Khagaria was in fact result of the company of Bihari rage (Sangat Sanjayte Kamah; Kamat Krodhobhi jayte,Gita 2:62).

Probably segregation of Mithila from Bihar will add to the pristine glory of our Holy Motherland.

The people of south of Ganga(east of Magadh) till Deoghar are speaking Dakshini Maithili which some persons in retaliation (of their insult by early Maithil Brahmin Maithili scholars)have named ‘Angika,’ though the correct word as per linguist Dr. Subhadra Jha would have been, ‘Aangkiya,’ (and likewise ‘Vajjkiya’ for Western Maithili) which George Grierson did term,’ Chhika-Chhiki,’ from

the verb form though ‘Dakshini Maithili’ would have been appropriate as to my wisdom and I love to use it with respect to the dialect and I wish many more literary work and theses in it which should be recognized as the standard form of Maithili. In any case the state language of Mithila will recognize all such dialects to be used for official work whatever literary form may be for scholastic work; Sanskrit has 10 verb form, including one ‘let lakar,’ only used for Vedas.

Coming to ‘Binay Mesh,” in Maithili ‘B,’ is usually used not ‘V,’ and that is why on the railway station of Ang’s most famous historical site, I had read some times back as ‘Bikramshila,’ not ‘Vikramshila’.

On that token even ‘Bihar’ is either wrong (for ‘Vihar’ would have been right)

or Maithilized (and so 'Jharkhand' is misspell which should have been 'Jhadkhand'- nor 'R' of Ram but 'D' of 'Ladka'(for a boy) as Jhad is for forest not for jharna (water fall) which too are abundant in Jhadkhad full of forest and greenery.

Maithili's 'B,' for 'V, is more pronounced in Bangla, eg. Rabindra is name of famous 'Gurudev,' not 'Ravindra' and so is 'Basu,' instead of 'Vasu' and it is so much more in Oriya that there is no alphabet as 'V,' as once Swatika, an Oriya hardware engineer of MECON, Bangalore had told me and hence, I corrected a name as 'Binita Panigrahi,' while editing Souvenir for All India Steel Medical Conference while someone in the programme sheet had entered her as 'Vinita.'

If this ‘B’ for ‘V’ is to be taken in the account, I should have been surprised long before that ‘Binay’ Tarun was my host (and his certificate name ‘Binay,’ was rather correct from Maithili standpoint though he had taken a confusing email id from Vinay and again incidentally he became a tenant where on his name ‘Binay Mess’ was already running on the ground floor and no wonder, the mess workers were very obedient to him.

Further ‘Murdhanya Sha’ is pronounced in Maithili as ‘Kha’ which is as per Panini’s rule(SSHRhr pareshu Sha khakarah) that when ‘Murdhanya Sha’ is followed by,’‘Talavya Sha,’ ‘Murdhanya Sha’‘Dantya S ‘ ref’ and ‘H’ it should be pronounced as ‘Kha’, hence, ‘Varsh,’ is ‘Barkh,’ in Maithili but ‘Manisha’ is not ‘Manikha.’ Proximity to such difficult rules

of Sanskrit adapted so easily in colloquial Maithili is a matter of pride for us and Maithili thus is the closest to Sanskrit and in fact traditions and culture of Mithila are one on which every Indian should be proud of not merely Maithils.

Binay returned late in night and again cooked rice and vegetable cursing his sister as to why she did not send some 'khir-paratha,' with me though his father had given me an electrical coil for repairing eclectic short circuit.

Once I went to roof again and saw to some vehicles plying in cold but could not find any rickshaw, seeing one of them from the same place, I had SMSed a poem to an AIR announcer girl of the town on 4.12.2009 at 1.05:39

A Foggy Midnight at Bhagalpur

"This chilly midnight
In your city
From the roof top
Of 4th floor
I saw on the road
A rickshaw puller
Happy he might be
On a lonely road
Like I am
In a bachelor's house."
Foggy weather like
Mystic world
People work
For their hunger
Those who have
Sleep under warm
Blankets of sheep wool
Who had it to protect
Them from the cold
Despite street light
Nothing was seen

The rickshaw was
Advancing
On assumed
Road to station
As we all are
Advancing to
The road of
Dead end
Or station of
This universe."
-(4.12.2009 at 1.05:39,
Completed on 2.2.2010 noon 130)

Well, cold was there though reducing day by day but in the morning when I woke up late so that water was supplied after repairing electric line but it was not done by that time but from the roof top I saw again National Tricolour unfurling in the opposite Muslim High School and remained in attention till National Anthem

was over.

It was the same place where last year(2009) to I had viewed Republic Day. I could find a difference rather addition to the past year’s parade- the NCC cadets had one batch with different dress like that of ‘jungle,’- whether they were of any Commando training group under the changing atmosphere of militancy?

I was happy more so that it was in a minority institution though many believe that many of them are called fundamentalists. The other face of coin also flashed in my mind that surely Republic Day was of greater moment of joy for them because it was the Constitution of India which had given them more rights as minorities while non-Muslims have been denied so in Islamic countries not only in India’s shelved parts of Pakistan and

Bangladesh but also in the Middle East countries; may be some Far East countries are better in this regards.

Maybe for them this reason the day might have been more joyful than Independence Day though 26th January was in fact celebrated as the Independence day from 1929 to 1947. It was on 26.1.1929 that Jawaharlal Nehru (then called as ‘President’) had declared on the bank of Ravi river at Lahore ,’Purn Swarjya(Full Independence though only for fools Independence may not be full) as goal but even that Lahore could not remain in India when She got Independence.

I remembered in NMO’s XXX Natioanl Conference at Katihar on 28.1. 2007, even Muslim medicos recited Bande Matarm voluntarily(again ‘Vande

Mataram' though seems correct, it is a Bangla song transposed in a Bangla novel, 'Anandmath,' and hence, my logic to write it as Bande Matarm was though not accepted by the editor of The Hindu, he published my letter after many e-mail transactions on the philology and linguistics of eastern Indian languages. 'No body will like to misspell proper noun of its writer Bankim as Vamkim,' like 'Ravindra,' for Rabindranath Thakur(again Tagore is a misspell nobody calls his father Maharshi Devendranath Thakur as Tagore).

Our country has progressed a lot in 60 years of Republic. I had read a lot of data in the Dainik Jagaran, 25th Januray issue some are here:

1950 2010

Population

36 cr. 166 cr.

Per capita income

255 Rs. 37490 Rs.

Life expectancy

32 years 68 years

Infant Mortality Rate/1000 134 53

Doctor/lakh 16 60

Salary of administrative officers on joining

350 Rs. 26000 Rs.

Gold value 10 gram 98 Rs. 16645 Rs.

The data I was reading in the India's poorest zone(a vast zone of Mithila around 60 million population) to which I belonged and hence, for its economic emancipation I wanted to work and being doctor my priority was health sector to which my suggested model has been accepted by GOI (not exactly as Diploma in Medicine or lMP but as MBBS –Rural though by 205 half of Indian will be urbanized and MBBS(Slum) may be required by then? I

am of the opinion of one system only in hospitals and or education.

I asked Binay to accompany me to the Jawaharlal Nehru Medical College to meet some young medicos for the National medicos Organisation (NMO) work.Without taking bath or puja we went out to take his bike from the press premises where editor Nagendra Pratapap was waiting for other 36 editorial staff and their family members for a picnic to Sabour Agriculture College Guest House.

The media persons have few holidays and thus they wanted to enjoy that. They also in competition probably want so many editions and latest news input that they have become nocturnal species(like bats or owls) which is effecting there health. A good research paper can be made if a survey is done and probably will

establish my postulates on ‘shift neurosis,’ in swift shift change workers.

I could get a casual patient in an underweight friend of Binay and suggested some drugs for his hyperacidity syndrome though he needed some investigations like endoscopy and stool examination as well as some blood examinations.

The editor was surprised on Binay’s punctuality- many others were late but Binay quipped that he was also late as Tricolour was already unfurled. The editor asked for snacks to us but I did not because I had no bath till then but it saved me from those fast food and sweets. ‘Fast food kills fast, ’will take time to be understood and priority of fruits over sweets need health education.

I gave a copy of “Aayurvigyan Pragati(a quarterly medical journal of the NMO and the Maithili Sandesh “(a quarterly bulletin of the Aatarrashtriya Maithili Parishad(AMP) and pages from my, unpublished, ”The Autobiography of an Unknown Medico.” regarding reorganization of Indian states based on 2.5 to 5 per cent of Indian population and or area . I said him about Mithila movement in Nepal and in India, He was aware of as he had worked at Patna for long though he belonged to Lucknow. He pointed on one scan of the Hindustan’s report in the Maithili Sandesh.

I told him that one stinger/reporter of the Hindustan, some Singh of Madhubani (who had listened to me at Bhaura Chowk in 1994)had made me a leader of Mithila state movement from an unknown pedestrian. (His 4- column news

when there was only one edition of the paper created awareness all over Bihar,including Jharkhand of modern time.

The Hindustan's editorial team had picnic in 2009 also on the Republic Day at Bikramshila but that day too I had to catch Vananchal Express at 1530 and it had no stoppage at Bikramshila, still seems a deserted place in between Kahalgaon and Pirpainti.

In year 2010 they had already voted for 'the best ideaba'j(might be Binay whom editor might have a perception of Samajvadi because I perceived editor as a Samajvadi seeing his kurta-pyjama in that way); 'best jhuthbaj,' was probably for some Mishra as Binay guessed but I saw a young person asking editor that he would have to play in fancy football or cricket I

could not discern but editor had an excuse that he was without a boot despite which young man was adamant that he would have to play(or a referee he might have been!). A small unit should behave like a close-knit family and it was an example to that.

With Binay I went to the Jawahar Lal Nehru Medical College where I could meet some boys and talked about the NMO. I went there after a lapse of many years. I had probably first organizational tour to that medical college in 1980 which I still remember that I had slept in an electric shop of a market near Ajanta Talkies, of a co traveler due to engine failure of that passenger train from Patna. I had been going there since then when it was merely ,"Bhagalpur Medical College," housed in 'Naulakha building,'; there are many new buildings but that was still unique. I

remembered Mandalkothi Hostel and others;I recall NMO's IV National Conference there in 1988.

I talked medicos to work who were apprehensive that social work might hamper their studies to which I opposed giving my own example of competing post graduation in most difficult subjects of medicine and paediatrics despite remaining busy in the NMO work all through.

I suggested them to have some tree-plantation in the hostel premises and to conduct some medical symposia by medical students. I gave them my own example of my Darbahanga Medical college days when I conducted 13 consecutives symposia ,e.g. on congenital hear disease students can speak on the embryology of heart, physiological

changes at birth, anatomy of heart chambers, signs and symptoms of cyanotic and acynotic congenital heart diseases, management of congenital heart diseases,etc. I told them that in one of such seminar on carcinoma breast former principal and renowned surgeon Dr.S.M.Nawab became so happy that he gave Rs. 300 to give boys as prize which I gradually disbursed them purchasing books of ELBS seires like Julian's Cardiology.

Binay said that had some medicos with his group during Koshi flood of 2008, medicines would have been better utilized. He also asked me as to how malnutrition can be screened in a community which I replied.

The medicos had some reservation on a recent happening with a Hindustan employees' relative about which Binay

told me while we were returning. As medicos said doctors' number is always less than required for proper duties ,I feel empathy should be for a dying patient and also should know that medicine is more an art than science and more so at critical times and at that time art of communication must be learnt by seeing how seniors deal such events; more so in the setup of public undertaking where few doctors like me are serving a closed community and also I feel media should have restraint and pacifying role if such an ugly event take place and the matter should not be personalized but taken as a social disease needing rectification from many angles, law utmost can be a small player in that whatsoever its dimension may be; willful negligence cannot be excused but it cannot also be treated like a motivated crime.

There was as usual many jams on the road as our cities are becoming destinations for poors due to uneven growth of villages and centralized system of governance. After some time, Binay while Binay was returning back to same road,I guessed he had forgotten to purchase curd for my ekadashi at Kalifabagh. And so it was, infrint of Devendra Jalpan Grih from the shape of the shop I guessed that must be a meeting and gossiping place of Bhagalpur where an advertisement on railway stations of Mysore etc. I had seen,'A lot more can happen over a cup of Coffee.." and so it may be like famous Coffee House..Anyway I do not take tea or coffee and so have not been a part of such evolutions.

But Binay said that the curd centre was the best of the town and one can get even quintal of curd on just order and I

got the answer as to what will happen to Mithila’s economy which people say will remain in red as it has only water(and floods) and sands! I use to say that despite’Lauraj’ making Bihar bankrupt Sudha had been in benefit. So, I feel Mithila can replicate many’white revolutions,’even Kurien would not have contemplated and so ‘Green revolutions,’ better than Norman Boroloaugh’s imagination,after all green revolution of Punjab and Haryana was due to the sweats of Maithil labourers who had migrated there for menial work being devasted by ill-conceived flood-making bandhs on Koshi and Kamla and Baghmati and Adhwara..

Kushha flood was due to lack of 10 liters of diesel there at that black night but surely it was the cause that generated

emotions in many Binays heart to work for them whom till then they had not felt that those were the part and parcel of their social fabric. I recall many stories Binay told me while in way to Sultanganj in my previous visit where we saw people fighting for water..

"Water water everywhere not a drop to drink..' could be written by S.T. Coleridge for ,"The Ancient Mariner,' while in the salty sea but Mithila has an abundance of potable water,even bottling of which can make any millionaire if not fish production which can remove the malnutrition among poor, Binay was asking and some years back Sahniji had said in theMadhubani conclave for Mithila that he would make Mithila self-relieant only by selling fishes! I am an exceptional Maithil being a vegetarian but peole say Mithila's fishes are tasty.

As a doctor my duty is to remove

diseases like diabetes where like "Water water everywhere not a drop to drink," glucose is present in every body tissue but body is unable to utilize that. Maybe Mithila's water problem is like that. And if Ang and santhal remains with Mithila they will get it abundantly if some Bhagirath is there, Gangajal will be on the banks of Babadham's Shivalaya, making fertile the hilly soils in between which will work like de-silting agents for purifying water and so I call them to join Mithila;at least the posterity should not blame me that they were not asked/given opportunity to join Mithila and hence, I go to Bhaglapur as many times possible not merely that it is a portal to my entry to Mithila.

Binay went to his group picnic and I spent some time in Binay's room waiting for a call from the young boys of Nathnagar but it did not come. After my

bath and worship, I ate delicious curd(full of fat otherwise harmful for coronaries) with new chura he had purchased in the way for my ekadashi day.

The Vanachal(again it should have been 'Bananchal,') Express was in time and was returning with one more memory. When the train started I saw Sabour passing must be Binay there receiving his award of 'best ideabaj,'

After some time, I saw Mother Ganaga near Kahalgaon and bowed my head in reverence. Seeing which an RPF constable asked me whether I am reverent to Ganga to which I replied in affirmative that She was the mother of all of us.

He said me in very poor and broken English that he repented that he could not enter to a college after his matriculation but he could recall few strings of a very famous poem…" Some flowers are on the

street but some are fortunate to get place on God"' I completed that with my memory from the same Hindi Textbook I read some 10 years before him in 1969-70.
" Chah nahee hai surbala ke gahnome guntha jaun..
Chah nahe Main Premimalame bindh pyari ko lalchaun
… Mujhe tod lena Banmali dena us path par fenk..
Matribhumi par sheesh charhane jis path jaben veer anek.."

He said that his father had not given him any day money in his pocket (Mujhe shauk laga rah gaya ki pitji kabhi mere pocketme paisa dete) and had given property to other brothers but mother before her death had blessed me (tum hamesha khush rahoge)..and he was happy growing his children, educating

them well.

I said my grandfather had also said thus to my father. I said that everybody does not get everything in his/her life. (I too did not ever remember but I do not curse God for that).

When Bikramshila passed, I did not notice but I noticed Pirpainti and I recalled Dr.Vijay Shankar Singh of Bamangama (Sarath, Deoghar) again who had entrained there in 2009 exactly on 26th January in the same train and that RPF constable was there was remarkably helpful to a rural woman at a station that Mirja chauki had a scheduled stoppage of that train.

At Pakur three ladies and a young man entrained. The younger lady much fairer than others had a child and she talked with child in Bengali. The other lady not so old missed to bring packet of puri-

sabji, then the fair young gave few from her bag which too had a modern version from a modern tiffin box and for that all her clothes and materials were modern while the older women had old patterned plastic jholas of rural area . I thought that the older ones might be her maid and her brother and the young man too from their families.

The fair lady asked young man in a very polite tone to take eggs etc. at next next station. The old ladies and the boy were talking in the dialect I thought Bhojpuri and just to clear my confusion I asked the boy from where he belonged. They were from Hirnpur,Pakur and I recalled one school teacher Jhaji who had met me many years back while I was tarvelling from Jasidih to Bhagalpur probably by a bus and could not make a trip to Pakur for Maithili work however,

the Maithili Sandesh was being sent to Bal Vidyapati Sansthan, C/O Shri Bimalkant Jha,R.K.High School,Hiranpur, Pakur(Mithila) 816106.

The boy told me that he himself was a teacher there and knows three Jhajis. I could not recall the name of Bimalkant Jha then which I have written above from address list and gave him four pamphlets for Mithila state to give them one each and asked them to call me so that I might knew whom I had met and plan to visit Pakur which we claim as a district under Mithila.

The boy was going to Dhanbad (where his brother was a guard in the railway) for the treatment of the oldest lady, his mother and the other old lady was his sister. What a surprise, the fair lady was the wife of his brother! When I asked about her Bangla speaking he told me that she speaks Bangla also. Still I have a picture of her in my mind that she was a

Bengali lady however the fact remains that it is akin to Maihtili spoken till Santhal Pargana and a the difference in the standard was due to her husband's job in Government sector.

This difference has cropped up in almost all Maithil families due to large scale migration and we are to patch this by economic regeneration of the Mihtila villages which is but a difficult task and for that Makhan Lal Chaturvedi(about whom today's i.e. 2nd February 2010's Aaj a brief biography of that great nationalist and journalist is published) famous lines
,"Mujhe tod lena Banmali dena us path par fenk..
Matribhumi par sheesh charhane jis path jaben veer anek," will have new dimension of development of nation and that too with equitable distribution and for that we all social workers should strive.

I returned Ranchi almost sleeping in the way passing through Dhanbad, Bokaro and Muri with many questions unanswered as to how these goals can be achieved in short life span probably a flower's life like whatever left is to be utilized and hence, to work and work and work for the goal is only way.

My 97th Mithila Jagran Yatra (21.2.2010)

21.2.2010 Bhagalpur Bycotted Mithila parishad

21.2.2010 Bhagalpur

Bhagalpur 21.2.2010- As a Hanuman not finding Mithila in Mithila parishad meeting I walked out

I had been to Bhagalpur many times. Since 1992 I have records on my Excel sheet and it was my 20th visit on 21.2.2010 and in fact first visit as a properly invited guest

for a Vidayapati Parva by the Secretary, Mithila Parishad, Bhagalpur.

Thursday, the 28th Jan.2010
Dr. Thakur Saheb
I am very much glad to review your efforts and love for Mithila and Maithils. God bless you for this efforts . Certainly it praise worthy. We are going to celebrate 'Vidyapati Smriti Parb' on 21st. of February, 2010 (Sunday) in which Ms. Chief Justice of Jharkhand, Respected Ms. Gyan Sudha Mishra has been consented to be theChief Guest. You are also requested to make yourself free on that day and come here to attend and cooperate with us . Hope, you will join with us and give us opportunity to join with your mission. Rest in next exchange.- with Regards-Yogendra.

(Before this he had mailed this:

Sunday, 27th of December,2009
Respected Dr.Thakur
Thank you for your efforts and press release etc. Today we have resolved in our Mithila Parishad, Bhagalpur to support your mission and further they have requested me to convey you the message in this regard. Now, we are trying to do something more for the sake of separate Mithilanchal and her development. The statement issued by Ms
Shila Dixit is purely political and we should not give weight of her step.Rest is fine.- Yogendra)

And I had some telephonic talks with Yogendra Dasji also. Once he said that some official had cautioned that there should not be talk of Mithila state. I had said him that it may not be a resolution of

your organization but guests should have freedom of expression.

When I reached the venue I sensed some 'uncomfortableness' amongst the organizers and was taken aback not to find my name in the list of speakers or guests. Certainly I had not discussed with them as to my position on dais but it is a common sense that invitation to me was not to have one more head in the audience (which were few in time when function was schedule to start). Out of decency I kept mum.

I had some talks with Prof. U.N. Jha, a very senior teacher and learned man.Soon came Ajit Kr. Ajad near me who was appointed as the General Secretary of the Antarrashtriya Maithili Parishad in 1996 when I became its first President(before that I was convener of a board of 7 Maithili organizations which did not like

to run such an apex organization though had agreed to found one so in 1993). I gave a copy of Maithili Sandesh to Ajit and had just some informal discussion. He went out and after some time Yogenrda Dasji came and asked me not to distribute any Mithila related bulletin or pamphlet which infuriated me as if I had done any sinful act and that too demanded by an organization named on Mithila.

I went out immediately as I was feeling humiliating and also I was under the impression that Dasji might have invited me innocently on which other officials of Mithila Parishad might have objected and he was sent to communicate me.

My views for Mithila state was no secret and hence they should not have invited me. Some persons with badges(of officials) tried to stop me and some had stray remarks too(like . no politics be done

to which I said that what I am doing is not politics-educating people for their rights is not political and is permitted under Society's Act was probably not known to them who include a lawyer also..

Further I said that none of you were ware that Maithili today in VIII Schedule was due to me to which some person objected than I had chance to explain that it was the AMP President Dr. Bhubaneshwar Prasad Gurumaita who in 2000 AD with the then Sarsanghchalak of the RSS, Sri K S Sudarshan had 90 minutes talk with Prime Minister Vajpayee after which he mollified his stand and announced for Maihtili's inclusion in VIII Schedule while inaugurating Nirmali's Koshi bridge's construction.

I advised them to change the name of their organization if they were so much scared of Mithila's statehood. I also said

them that demanding a state is not unconstitutional and or anti –national. Our Constitution has provision for its amendment and we want that by the constitutional process and if that was even if would have been uttered by me before a custodian of Constitution it would not have been inappropriate.

I am not a political man and I know my limits rather their list contained names of political persons to be felicitated be he Krishnanad Jha or Anil Jha, MLA or may be Syed Sahnawaz. MP.

Problem is Maithils are to know what they want to achieve. Cheap popularity, some benefits from some officers or so.

Simply because my life is Spartan one has no right to insult me. Being MD(Gen Med) and DCH and editor of medical and Maithili journal with several writings(including a Maithili translation of Bhagwadgita) I was probably not less

qualified than any other present there that they decided to exclude me.

Yes, given few minutes time I would have delved into the history of down of Ganga that they were also Maithils. For any meeting, I do study and have studied for this meeting also. Mother Seeta, adopted daughter of 24th Sirdhwaj Janka was born at Punauradham near Sitamarhi but before first of 54th Janka the story of Bhagwata says Privrat had encircled all round with his chariot creating seven DWEEPAS(lke Jambudweep of the Bhartkhand we live and recite in every Sankalpa.. and seven ARNAVAS(Oceans); brother of Sirdhwaj Kushdwaj had whole territory of Koshi and down till Anga, and Kalinga. In Skandpurana it is written in Ch.10 describing Baishakh Mahatmya Kushketu's son Hemkant was Bhupal(king) of Bang and so was Vishal

who ruled Vaishali.

Till Orissa’s area was once upon a time part of Brihat Videh(Mithila) and hence, there is a small temple ‘Janakpuri(Mausibari) where Bhagwan stays for 9 days during Rathyatra.(and in way to jJagannath from Baidyanath Maithils are settled like at Bahragora since time immemorial).

Agrasena’s sons- Yadava of Mathura won Ang, bang and also Mithila(and so later Lorik Yadav ruled who had a war with Chuharmal of present Mokama Tall and then onwards Maithils desistd even to have Gangasana on south bank..but they did give daughters to Brahmins who were not the first Maithil migrants..Konkan,Goa, was inhabitayted by them as pewr Skandpuran; recent addition to my article is Lata Mangeshkar ois from a clan of Konkani who had migration from Munger..Lord Magrish is still in Goa..and

so on 20th Feb. while delving the books I could find origin of Charvak, the first materialist or communist who was a Maithil, Son of Suparshwa Janak's Rajguru Shrutdev who had given south parts of Ganga to his son-in law Samba on whose name village Sambho is still dwelling.

From the Jambavant Jamui has been named where we had seen brutal massacre(because of again underdevelopment as a cause of Naxalism) inconsistent with the traditions of communal peace of Mithila like what happened in 2009 at Khagaria in the heart centre of Mithila. Naxalites want 'Red Corridore' from Pashupatinath to Tirupati which can be shelved only by creation of a powerful Mithila state when I say power I mean Power of Energy, electricity generation for agro-industrialization and distribution of Ganga-Koshi-Kamla basin

water till Baidyanathdham as if for His Jalabhishekam..

I also could knew about Kratujanak or Jaimini, the founder of Vaisheshik darshan.

I would have congratulated a daughter of Mithila from where Law started by Gautam on whose reference by Sri Rangnath Mishra as the Chairman of National Human Rightds' commission I had 45 minutes argument for Maithili's case in VIII Shedule when he had visited Ranchi. On 20.9.1994.

I would have complemented her for Maithil women's glory like that of Gargi, Maitreyee or Bharati. When a media person asked me as to why she was not in traditional Maithil Pag I replied under protest(a legal jaggalary) though I was not present at that moment I was unable to say whether she was offered that or not or she did not accept to my opinion being a

lawyer and judge if she could a black coat why not a PAG for giving a message that Mithila's women are no under discrimination.

I might have mentioned my first viewing of a story of female infanticide while I was in the house of a courtesy visit to a Telugu doctor that Maithil sound attracted me- that was a story from Katihar-Sahebganj around on a stone throw distance of Bhagalpur.
Where was the language/dialectical barrier that people crow for 'Angika' or 'Ang' when Vikramshila is written as Bikramshila on Maithili's pattern of least use of V and for that matter of Bihar for Vihar of Jhadkhand for Jhralhjand would have been correct.

I would not have been political rather

a matter for PIL I would have been provided if I would have time to ask as to why Govt. of Bihar had announced only ONE computer centre for BPL students when it had 20 for Nalanda and so 9 for Bhagalpur or only one for Banka Madhubani or 7 for Darbhanga but 69 for Patna? Whether poor lived in Patna or win of Digvijay made Banka richer?

The organizers did not found me fit giving a slot or seat with the legal luminaries though in distant Hyderabad I was called by the Mithila Sanskritik Parishad to preside over such a Vidyapati Parva way back on 28.1.1996 where chief guest was Hon’ble P.S.Mishra,the Chief Justice of A.P.High Court.

Undoubtedly in my 3-5 minutes of time finally, I would have predicted that a Mithila-baiter Govt. too will loose like

Maithili baiter lost in 2004. I had addressed there thus such a function when I was not much known to Maithils there on 26.12.2004 when I had professed on that day (for the first time by any one?) that Lalu would loose (not only because he was an anti-Maithili but also I had said that Muslims would not vote him; then I was returning from Guwahati addressing such a Vidaypati Parva on 19th Dec. and was at Darbhanga on 21st and 22nd, Begusara-Khagaria 23rd,Saharsa 23-24, Forbesganj-Purnea and Bhagalpur 26th Dec. before taking Vananchal Express from there).

Lalu lost in 2004 by a downward slide of 0.22 per cent of votes only(and I may take myself as a sole cause for it because I had entered unexpectedly in the field as a Maithili worker in 1992 when he had removed Maithili from the BPSC for no reasons and my one incidental protest

letter to the local Ranchi Express after which its Deputy editor Ram Ekbal singh 'Vineet' came in person to my residence with that news cutting and insisted me to come in the meeting of Maithili Vikas Parishad of which he was president and was active when local glamorous Vidyapati Smarak Parishad's officials were sleeping.

That Maithili Vikas Parishad was transformed by me as the Antarrashtriya Maithili parishad on 19.6.1993 though basically I was working for the National Medicos Organisation(NMO) which was by the God's grace founded by me on 5.11.1977 at Varanasi by calling a meeting of medicos assembled there in the ABVP Conference.

For that I had toured Bhagalpur sometimes, the exact number of visits I've yet to collect from my old diaries(1980-1992). Yet, Bhagalpur is the commissionary

under which I was born at Forbesganj of Araria district in 1955 and when ganga Bridge of Barari became operative it has been my portal to visit Forbesganj as well. I am related to the district- my first memory of Ajgaibinath dated back to 1960s when as a child I had visited there where with my parents and had stayed on Ganga bank in the house of Parmeshwar Jha of village Bangaon of Saharsa who was maternal uncle of my mother and was theManager of Sultanganj Estate. At Sabour still my Mausi is and my cousins are married there.

21.4.1992 Bhagalpur Mithila NMO
15.12.1994 Bhagalpur Mithila AMP
11.6.1999 Bhagalpur Mithila Familial
11.5.2002 Bhagalpur Mithila NMO, Familial
24-25.8.2002 Bhagalpur Mithila

NMO,Maithili, Familial

25.12.2002 Bhagalpur Mithila Journey

20.10.2004 Bhagalpur Mithila Journey

23.10.2004 Bhagalpur Mithila Journey

26.12.2004 Bhagalpur Mithila Maithili

13.4.2005 Bhagalpur Mithila Journey

15.5.2005 Bhagalpur Mithila Familial

28.12.2008 Bhagalpur Mithila AMP-MVP

25-26.1.2009 Bhagalpur Mithila AMP,Familial,Personal

23-24.5.2009 Jhandapur-Bhagalpur Mithila AMP

26.9.2009 Bhagalpur Mithila AMP

14.11.2009 Bhagalpur Mithila Journey

3-4/12/2009 Bhagalpur Mithila AMP,Familial

7-8.12.2009 Bhagalpur Mithila AMP

Jan.23 & 26,2010 Bhagalpur Mithila AMP

21.2.2010 Bhagalpur Mithila AMP

The glimpses of above visits will

mark that there has been a definite shift of purpose of my visit to the city of Bhagalpur gravitating to Mithila cause and more so to crack the mind of people there that they should join Mithila state when carved out, least nobody should blame that Dhanakar Thakur did not went there to ask people to join the land of Janki leaving them at the mercy of the progeny of Jarsandh of Bihar(Magadh) and for that I tried to utilize every opportunity I can have and under this backdrop when I was invited by the Secretary of Mithila Parishad Sri YNL Das, I had asked him to keep a date in February excepting 21st when I had a Mithila Conference at Devghar's Bamangama but he informed me on phone that as per date of Mrs. Gyansudha Misra (Hon'ble Chief Justice of Jharkhand) the date has been fixed on 21st. Earlier there had been proposals to honour her by the

AMP as she as a Maithil women had gone to that post (and God bless she is elevated to Supreme court under the backdrop of HE President's wish to have a women in the Apex Court) and I had requested for her time through Shri NK Jha of Bokaro Steel Plant and also to her maternal cousin, Mithilesh Kr. Mishra of Sabour. And when I knew that she was coming I was doubly happy and advanced the date of Bamangama conference and also did not accept Jamshedpur's Dr. Rabindra Choudhary's insistent request to go there in youth conference on 20th Feb. and to address the gathering on the World Mother tongue day on 21st February apart from declining a request of my colleague lady doctor's request for a Ramkrishna Mission's medical camp among tribal.

I went out of the venue at Bhagalpur not because it was my insult- I felt as a

Hanuman I should not stay in a surrounding who have no love for Mithila. Not only I had advised them to change their name, I asked Prof.Udayshankar Mishra of Darbhanga (today on dharna at Muzaffarpur for Mithila state) we should not go to any such orgnisation’s invitation if they are opposed to or shy of Mithila.

I know it happened with me because,’Ati parichay je hot hain aruchi anadar hoy..”

Bhagwati bless them. I was honoured at many places where I reached without any invitation be it Chasnala or Madhubani or Faridabad or any village of Mithila. If Bhaglpur had dearth of chair for me it was their problem..Last week I found President of Mithila Sangam, Prayg waiting for me hours for a shot-notoiced meeting(there is also a High court and once some doctors took me to have a hand shake with Justice

jag Mohan lal Sinha who had nullified election of Prime Minister Indira Gandhi) and if our Maithils felt I was unfit it was their problem..I asked Binay to take me to medical hostel there and was pleased to have a talk with Arun, Priyadarshi, Neeraj and Raghunandan the budding doctors to work for the NMO and have a life devoted to people. Other meeting with local Angika youth could not be convened as I had no inkling to go anywhere that day from Mithila meeting and so none was informed. I took my train and had goissips with my bhauji Aruna and asked her to inform my cousin Dr. Keshkar that I went out despite his presence because I did not want that he be felt a party to that in any way. I talked some other workers for other programmes- talked with BBC correspondents of Jharkhand and Bihar for giving place to Mithila news and was busy till Kiul came and I could have some

banana to eat and sleep(ongoing journey I was awoke from 2am from Jamalpur) and when I got up I was approaching Ranchi thinking for other schedules.

My 100th Mithila Jagran Yatra (8-9.5.2010) Akaur

8.5.10 Benipatti
8-9.5.2010 Akaur-Benipatti

Amidst the typical Maithil personality of non-responsibility of postponing XXI Maithili workers' Training camp held successfully by swift shifting the venue to Akaur

21 May 8-11, 2010 Akaur Madhubani 34 Kameshwar Yadav

At Patna,I could get train for Madhubani by chance as intercity was 5 minutes late9and my train was more than 45 minutes late of the margin in two trains).
An oldman, Bihari Mandal ,whom first I thought6 a BRAHMIN was going to Nirmali where his village Narendrapur was, he was very happy to read the pamphlet of Mithila. He was villager of a BJP whole-timer Satish Jha whom I know for many decades.
Sri Mandal's son S . N. Mandal was a doctor in the SGPGI, Lucknow.
Other little girl, Gousia Hashami, impressed me for her memory of 10 digit mobile- a class I student of Rhyne Academy of Jamshedpur, was going to her maternal grand-parents' home Baurar near Mahammadpur..Her paternal place was near Hayaghat where they were related to my school friend Mustaque.

I gave my number to her mother for any help to the bright Gousia whose father had lost his life in a gall bladder operation.

My sister's son, Guddu, joined me at Sakri. At Madhubani came Ramesh Kamat with his friend and we proceeded for Benipatti. At Rahika we changed the minibus the conductor took from me Rs.10 each instead of 5..knowing me an outsider.

When I stepped at Lohia Chowk, I saw the same Bhav Jha who had refused the Maithili workers' training camp at the last moment,barely 48 hours before on the pretext of going to Delhi for his grand-daughter's negation(though I was amazed later as to how negotiation will be done in Bhadwa and that too in malmas?). This is the typical Maithil mentality of postponing that I am fighting for long. I had insisted that the camp should be organized by some other as many persons have planned

for that but he was not ready and on my insistence he told me that he would not work with AMP. I immediately talked with nearby Akaur's kameshwar yadav who happily agreed and when I wanted to inform this to him he did not like to receive my call- other typical maithil habit and I had to SMS him.

I had many files made on the name of Shardapuri(Mahammadpur) and though I had Xeroxes of a piece after correcting them for Akaur,I had kept one uncorrected which I had thought to send him through some person but lo! He was himself present there to receive that and I presented that him hastily.

In fact he and his villagers had lost an opportunity of having a camp there with Dr. Kamalkant Jha like scholar and also on the 8th may 2009 the idos of Sharda, kalika(and Vishnu or Laxmi) were unearthed and hence it was an

anniversary which could have publicized the thing !

Though I had also contacted another person of Lohia Chowk, Anil Jha for a meeting at Bennpatti since 2 days and till Dhakjari few minutes before he was in contact, he also was not present at his shop?- Yet again. A typical Maithil personality of non-responsibility.
The journalist Madan Jha of Hindustan came with other person Kamal Narayan jha who took me to nearby PNB and we had a nukkad sabha- the news and photo appeared today(and seeing that one Maithili worker phoned me as to why he was not informed-not that he would have liked me rather in a tone as to why the AMP was working there when his organisation has intended to work nationwide, again a mentality--If I do not

work or even work why you are working and that too in my area...

All existing Maithili organisations have this mentality ; they want to take up whole Mithila but have hardly worked in the town or district where they are located and if AMP is working with a plan why we are working..

Binod Thaklur of Tyotha recognised me and Pawan of Damodarpur living at Jamshedpur was also incidentally there and I could get a seat in an Akaur-bound magic.

A person was taking long time to give a name of widow for Annpurna/Antyodaya scheme to mukhia/Mukhiapati. I gave a paper and pen to write name immediately and to give rather prolonging talk.

At Akaur already training camp was inaugurated by Dr KK jha, president, AMP and Ratnesh was there. I took sessions till

late night.
Kameshwar Yadav the convener was very active and camp had a successful beginning..
In rainbasera we slept after delicious food.
One youth was very energetic on Mithila Flag and said he was Garam dali and would unfurl it on public places; he later assisted me in file preparations till late night.
In morning, I had my bath and puja in historical temple of Akaur where idols were broken by foreigners in 1326 probably when Mithla was demolished by Giyasuddin Tugalaque.
I could get a bus at petrol pump and then Madhubani and next bus for Darbhanga and then next to Patna I could reach amid Kisan Mahapanmchay's boleros(?) in thousands(?) and went straightway to Maithili teachers' assembled at the

Arvindo college(after a long walk in heat ,also misguided for some time for not proper address; 5 minutes address by me was liked by maany. hey formed Maithili Shikshak Sangh also.

When I came out one teacher from Munger met me on the road when I was waiting fo9r Rana Mukherjee to come. The teacher who had listened to me in the hall took responsibility of organising AMP in Munger.

Rana, a software engineer had loved a girl of same mohalla of Kolkata of same caste and had eloped and married also in the temple but his parents were reluctant to accept him for they were greedy of dowry. He was known to me when he was attached to HCL at ranchi and used to come to check my computer. We were on mails even when he was at Khargpur and I at Bangalore. I had decided to bless the couple when informed me the events..

But first we went to Maithili's only book centre- Shardindu's Shekhar Prakashan, near station's Popular Pharma. Many writers of Maithili were there to listen to Udayshankar Mishra's proposal for helping him in staging a dhana on 22nd May for Mithila state.

Rohini Raman Jha accepted AMP's convenorship for Patna.

At Rana's house, his wife had made so many dishes on Ekadashi day.. without onions. I ate too much. Rana left me at station at 21.39 and I ran to the platform 9 to catch the train departing at 21.45 . The train was entering when I was on foot over bridge and and it started only after 2-3 minutes I was on my berth.

I was awoke almost whole night as costly camera was in my bag but I , a novice had taken all pictures in in MOVIE MODE AND THAT TOO WITHOUT flash in night and

barring DARBHANGA'S name inh Tirhuta or Mithilakshar in the BOTTOM ALL all other were spoiled of benipatti and akaur meetings but RANA AND KOKILA'S photo was good.

(I learnt some photography at a friend’s house on 10th night) I Came to duty directly leaving late train at Namkom and then had a Saubhaggya Mithila's interview in the afternoon.. one eminent writer Amarji had said against Mithila Rajya.. I replied that many old persons liked British Raj but India gained Independence. Mithila movement will go ahead from Ranchi to Akaur to Patna to Delhi and it will make India stronger and more nationist any Maithili than he/she may feel as Bihari.

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.१३. अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्क मिथिला जागरण यात्रा 101-200

128th Mithila Jagaran Yatra(10-13.11.2011)- Munger
132 mjy-9.12.2011 -Mithila workers need accountable on discipline (including finance)

135th Mithila Jagran Yatra (11-12.2.2012)- Deoghar-Godda-Deoghar
136th Mithila Jagran Yatra (22-25.3.2012)- Raniganj etc.

139म मिथिला जागरण यात्रा (11-13.5.2012) Gandeeveshwar-Shibnagar
142 म मिथिला जागरण यात्रा (23-24.6.2012)-
Muzaffarpur Khudiram Bose Smarak

147 म मिथिला जागरण यात्रा(23-28.10.2012)- kurso etc.

148 म मिथिला जागरण यात्रा(10-14.11.1012) Dhakjari

149 म मिथिला जागरण यात्रा(28.11.2012)- Darbhanga

150 म मिथिला जागरण यात्रा (1-2.12.2012)- शेखपुरा-लखीसराय -जमुई

152 म मिथिला जागरण यात्रा(11-12.1.2013)- स्वामी विवेकानन्द्क १५०म जयन्ती समारोह DSS,DBG,Dhanga

153 म मिथिला जागरण य़ात्रा (20.1.2013)- Samastipur

154 म मिथिला जागरण यात्रा(25-27.1.2013)- ‘पिकनिक' छोडि तेघरा अनुमंडलमे

156 म मिथिला जागरण यात्रा दुलीपट्टी –दरभंगाक (24.3.2013)

157 म मिथिला जागरण यात्रा(11-14.4.2013)

एयर वाइस मार्शल वीएम तिवारी जीक संग मिथिला सांस्कृतिक यात्रा

158 म मिथिला जागरण यात्रा -धकजरी- कुश्ती (18-19.4.2013)

159 म मिथिला जागरण यात्रा सूरज नारायण सिंहक घर (26-28.4.2013)

164 म मिथिला जागरण यात्रा - मधेपुर, चामुंडा दर्शन (28-29.9.2013)

165 म मिथिला जागरण यात्रा (10-16.10.2013)- कोइलख-डोकहर-करमौली

167 म मिथिला जागरण यात्रा (25-27.10.2013)- Barbetta

170 म मिथिला जागरण यात्रा(14-16.12.2013)- चकिया (बेगुसराय),खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा- पूर्णिया-कटिहार

173 म मिथिला जागरण यात्रा-(22-26.1.2014,2.2.2014)

छिन्नमस्तास छिन्नमस्ता धरी

174 म मिथिला जागरण यात्रा (9.2.2014)- रूपनगर

183 म मिथिला जागरण यात्रा (25- 27.4.2014)- Darbhanga

186 म मिथिला जागरण यात्रा 1.6.2014-बरौनी मिथिला क केंद्रस्थली

194th Mithila jagran Yatra_ Simariaghat-Adi Kumbh sthali (1.11.2014)

128th Mithila Jagaran Yatra(10-13.11.2011)-Munger

10.11.2011 Munger
10.11.2011 Bhagalpur
11.11.2011 Forbesganj
11.11.2011 Forbesganj
12.11.2011 Purnea
13.11.2011 Bhagalpur

concluded or Mithila jagaran yatra without awakening Mithila was concluded by me is difficult to say at this instance being under heavy turmoil to continue with the same or not on which a comment

may not be apprppriate at this time.

Anyway started under the said circumstances, reached Kiul on 10th morning and had a breath in jamalpur passenger where one sharma from Urain working at Asansol said that Lakhisarai(Munger) had been a part of Mithilanchal for millennia. The way in winter in the area suggested birds could be invited from far if sanctuary was made there. The womenfolk with heavy fodder bags created a scene till jamalpur I reached.

Had a trekker for Mumger the town I had been in 1970 for a month- and exactly at that Model School a teacher Choudhryji was waiting for me. Went to Maithili Parishad office where some neghobouring lady cooked simple roti sabji for me.

Went to dalhatta with Amolji to meet Indu

daughter of late laxmikant Mishra, the doyen of Maithil community there who passed away recently.

Had a glimpse of Yoga sansthan from the outskirts and then to lallupokhar office for maithili meeting which seconded a Mithila state conference soon there.

Though they insisted stating at night –in the morning 5 there was a chance of theft a on raod9though position has improved in this govt.) and hence I decided to take 730 train for Bhagalpur and had a talk with passengers on Mithila state.

Many have wrong notions of ill development on the Jharkhand's happenings.

At bhagalpur though advocate sadhana jha arvibnd Jha;s house I passed and listened kartik Purnima matra chanting thought not to disturb them abnd went to my relativ's house which I had forgotten once

Vinay Tarun was introduced.

The wife of my younger cousin a teacher had made several dishes and sweets.

In the morning of 11th I walked to nearby bus stand and had a bus for Purnea and then crossing River Koshi reached Purnea and immediately I got a slow moving bus to araria(rather having big halts with fast speed) and crossed Araria remembering its many workers, some of whom have left us for no reason.

Reached my native town Forbesganj and then a tempo to M the Mithila Public School I had to speak – the town has changed in decades I left. I tried to catch glimpse and record video on Sony's instrument. The locality was known to me but new building had come up- yet there was a board of JK I had once mentioned to its owner Raghupati sSinghania and so was the Mahavir Mill.

Doctors' clinics are everywhere- people are unhealthy but specialists are available. The funeral ghat I saw besides the Sita dhar.

Reached Mithila Public School and was welcomed by its Principal Putul ishra who provided a heavy lunch, talked many luminaries of the district who had come there. And in the evening boys assembled to listen to me on their career and health and I also tipped for prevention from suicide(seeing rampant news in ranchi papers). A boy's question on Dream? Was fascination- The boy Abdul could say Abdul kalam, Maulana aAbul kalam*(whose burthdayw as eductation day that day) ato which I added Abdul Rahim Khnakhana..the great Rambhakt poet..

132 mjy-9.12.2011

132 9.12.2011 2 Biratnagar

9.12.2011 Forbesganj

Mithila workers need accountable on discipline (including finance)
I am just returned today to go again to Mithila tomorrow (to attend Vidyapati Parva at Biratnagar on 9th December 2011) by almost same route till Purnea because I do not have leaves which almost all have been spent for Mithila's work.
Still many persons are at anguish that I go somewhere without allotting sufficient time and others think they are prevented to work- I feel both may have some points; first out of love to me and the others who though had joined me had lost respect when I asked them to comply with some organizational points be it matte of organizational restructuring or accounts or so.
Any community not abiding its leader will

not go ahead.

I did never wish my supremacy despite the AMP (of its constituent units) were founded by me.

Somebody is to make appointments and review periodically- maybe a person or persons who themselves should not be on those posts or alternatively an elected body by electors for which sufficient membership is needed.

If any worker leaves in finding difficulty compling my directions, he should also think that others whose names were not forwarded to the authorities had also difficult times.

Such persons of are on some AMP related posts should have also thought that they were promoted by me (and I had never removed anybody unless that person had not worked for the minimum demands of that post).

If that is experienced no one would have

grudge against me still they may discuss in meetings any point rather holding organization in their pocket or retiring without any sufficient cause.
Dhanakar

135th Mithila Jagran Yatra (11-12.2.2012)- Deoghar-Godda-Deoghar

12.2.2012 Deoghar with Praving Jha(Dhanbad)
12.2.2012 Godda with OP Mishra, Arun K Jha, Praving Jha(Dhanbad)
12.2.2012 Deoghar With Krishnakar, Pravin

Deoghar-Godda-Deoghar_ Feb 11-12, 2012
For Dhanbad_see 241th Out of Mithila for Mithila(Dhanbad 11.2.2012)

We got train around 1 am and were awoke

for going ahead Jhajha. We had taken a direct ticket to Baidyanathdham and we slept in the 550am train standing there and around 6 am we were there. We enquired about Bangla Vidyapeeth and decided to walk which would save some Rs.30(or Rs.15 by rickshaw) as well as will take some more minutes to awoke Mishrajee and we reached though there was a confusion with Hindi/Bangla Vidyapeeth but I recalled it was RK Mission's school i.e. Bangla Vidyapeeth which had a sprawling campus and though we took a longer route it was a sight seeing of that famous institution.

I asked someone about Mishrajee and retired IG Singhjee and he was well known(and later I listened to his discourse on incarcerations and religion through audio cassette on loudspeaker. So it was easy to reach Mishrejee's house where I had been twice at least.

It took some time to be ready and we were in way to Godda where I first had darshan of Ratneshwar Mahadev before going to Vidaypati Campus where Sarbjeet Jha, advocate and president ,AMP, Godda was waiting and doing all preparations.

I had been many times Godda before I met Sarbjeet Jha but was not successful in holding any meeting. When I knew him and had some visits I became familiar and gradually the local society respect6ed my views. They are already organized as Maithili Brahmins and have a vast campus of 28000 sft on which they are planning a good and spacious Vidyapati Bhavan.

AMP is not a caste based organization yet we believe in the preservation of traditions and cultures. Anti- Hindus call Hindu Dharm ‘Brahminical’ and that is a

wrong notion as any Hindu observing any ritual is a Brahminical or Hindu ritual, I use to explain and hence when a proposal of Brahmin Mahakumbh came I said Sarbjeet Jha to see Netaji Subhas's sticker on his coat.

I was at Godda in the wake of ongoing Brahmin sammelan at Ranchi where many expected my presence and so at Karmauli (Madhubani).

I said at Godda, if a Brahmin does his own ritual everybody would respect him/her and I had said thus after I had in the morning at Deoghar my Samdhy-Vandan and Tarpan, panch devta Puja swiftly at the house of OP Mishra, retd. Chief engineer with whom we (Praveen Jha from Dhanbad and Arun Kumar Jha, Suptd engineer, Deoghar and me with OP Mishraji in his car) had gone to Godda

after a delicious chura-dahee. After meeting again there was a good community feast with rice delicious vegetables and finally curd of the highest quality.

Godda is the Mihtilanchal of Jharkhand. The days of division amongst Maithils of Godda on the name of Angika has gone due to the consistent efforts of the AMP and all demanded ma Godda is the Mihtilanchal of Jharkhand. The days of division amongst Maithils of Godda on the name of Angika has gone due to the consistent efforts of the AMP and all demanded Maithil's second language status in Jharkhand.I said that Maithils down Ganga should enrich literature in their own dialect which I prefer to say 'Dakshini Maithili (Grierson erroneously named it 'Chikha-chikhi)I It was my 7th

visit 5.9.2003

25.10.2004

23.1.2010

28.3.2010

10.4.2011

6.12.2011

12.2.2012

And Dr. Guneshwar Jha, former president, AMP, Jharkhand had also paid a visit there. This time I was accompanied by Pravin Jha from Dhanbad and O P Mishra, retd. Chief Engineer and Arun K Jha, Suptd eng, from Deoghar. Though many promised from Bokaro and Dumka could not come, it was a good meeting and I am thankful to www.jagaran which has made this lead news of the district that I am forwarding.

Godda’s development is a must and the people have been befooled so far. This is probably only district not connected with

rail.

I also explained as to why Santal pargana should go in Mithila for Ganga water availability and reservation to poor sandals which is gobbled up by the developed Chhotangpur tribal also after 50 years there may be a possibility of other state south of Ganga .
The meeting was a successful one and after delicious food we started back and peaveen and me were dropped near the gate of Baba Baidyanath. Soon came my nephew Kerishnakar there and we stayed there for quite sometime and in a stampede like crowd I could have darshan with my ‘kamna,’rather kamanas hardly to be fulfilled..
Iit was my 9th Darshan
1960s
20.6.1998

11.6.1999

24.8..2003

25.10.2004

23.1.2010

12.3.2011

12.4.2011

12.2.2012

Though I had crossed through Deoghar many times more I could not go to Mandir for Darshan. It is one of the XII Jyotirlingas. For Praveen it was the fourth chance of Darshan.

We came to Jasidih and took Patliputra Express and it had a rush for some recruitment in a paramilitary force in which two students whom I recognized 'lovely babies' I advised to refrain from joining.

Till Ranchi I came comfortably seating and I got down through a slow moving train near my residence seeing other to getting

down though it is not good after Tarun's accident but if you follow Newtonian law to run with train for some distance in the moving side of the train you can get down. This is a lesson for the life too- and for any movement too - Do in Roman as Romanians do.

136th Mithila Jagran Yatra (22-25.3.2012)-Raniganj etc.

22.3.2012 Journey-Jayanagar express

23.3.2012 Bhagalpur Geeta del

23-25.3.2012 Raniganj XXVI Maithili karyakarta prasikshan Shivir

25.3.2012 Basithi Piligrimage

25.3.2012 Forbesganj Baisar

A week has passed since I started for Raniganj for the XXVI Maithili Workers' Training Camp which as per my Maihtili

dairy(I write three dairies almost daily one for Maihtili and others for medical and personal) was fixed on March 16th 2012 after a long wait from Delhi Maithils to have a camp there (and incidentally son of Abhayshankar Jha working at Delhi was also trained there).

The banner of the AMP was in demand. Though its proof was ok by 1030 am on email it was delivered by the press at my residence(some 10 km) by 145 pm- they must be under the impression that I had to catch the Vananchal Express at 230 pm in which once they missed to deliver me the bundles of leaflets for Mithila.

I was busy as before and had asked a Maithil worker from Godda to bring a Xerox of the study materials which too was delivered by 630 pm,I reached my residence after hospital duty.

MaihtilaGeeta’s 100 copy for Bhaglapur made my luggage heavy to walk and a

matter for bargain by a rickshaw puller. I reached station and took a ticket but the Jaynagar Express was announced 2 hours late rescheduling and I was worried about which train I would get from Kiul for Bhagalpur. Howrah Express passed and then Patliputra Express for the same line which carried away most of the passengers and comfortably I slept in the train which had fewer stops. It crossed over Patliputra Expressed before Dhanabad.

It was morning near Jasidih and I took a bath in the toilet itself which was almost clean and offered my daily puja as well as Durgasptsahati as it was the first day of Chaitra Navratra.

No sooner I reached Kiul I saw a train coming to platform on Bhagalpur line which was Sahebganj intercity for which the copassanger had said that surely I would get that. In haste I did not wait for

2-3 minutes to drop Aayurvigyan pragati in the RMS (and had to carry that till I reached Forbesgnaj, my home post office 25th night).

The train had a rush and yet I got seat after Jamalpur. I distributed some Mithila pamphlet to judge the view of Munger people whether they would like to go in Mithila or would like to remain in Bihar.

I talked jay Praksash Jha for delivery of Maithiligeeta and he asked me to unload myself near the junction at the Krishna Book Depot. After which I went to the bus stand but was advised to go to Zero Mile for Purnea bus. At zero mile in the depot could get a bus after some minutes and reached Purnea by 240 pm and took a 3 pm bus for Raniganj.

Ajayshankarjee asked me to drop at Thana and when I said this to the conductor he returned Rs. 30 under the impression I was a police staff.

To another conductor also I gave Rs. 50 notes but he too returned listening word THANA and soon he changed my seat himself from the back 6-seater to the mid one in respect or horror of the Thana I could only experience after a lie like from Yudhhisthir..

I had only defense for this lie that I was not on any personal tour but for a social work concerning to that area.

I saw Girija Chowk of Purnea and then the way crossing the villages among which at Champanagar I was amazed to see a MITHILA TALKIES and Bhagwati Sthan of Mihtila cult.

The scene was all green and I was pleased to see some plantation of Surajmukhee.

I got down at Thana of Raniganj and saw a banner on the gate to the Babulal deewan High School for the XXVI Maihtili Workers Training Camp.

Prof. N. L. Das , vice president,AMP had already reached there and were waiting for me though I had told them to start without waiting for me.

Prof. lighted candle(deep would have been better) and we recited 'jai jai Bhairawi Asur Bhayauni..' and then Abhayshankar Jha welcomed us and Dr. NL Das introduced the motto of such camps highlighting the importance of Maithili language and its script as well as Mithiula rajya.

He also spoke on the virtues of an ideal worker for which such camps are meant.

It was getting dark and hence I did speak only few lines for the role of the AMP.

Prof. Das returned to Forbesganj assuring us for his presence on the last day which he did .

I was taken to Ahayshankarjee's house. I had an in growing nail and walking was a bit difficult and hence, on bike.

There I knew that Abhayjee's father Amoghnarayanji was a great Hindi writer.
There came a Hindi litterateure, Sadanand 'Suman' and we had a range of discussion on Renu and others.
I expressed some reservations on Renu's Maila Anchal which has author's socialistic anti-RSS flair in the narration and that was the cause of his promotion by the leftist circle though ironically his son is an MLA from the BJP on the traditional seat of the BJP where the RSS had its first shakha in Bihar.
I had another objection to Renu that though a Maithil he had written in Hindi and tagged the book as Regional(Aanchalik), it was a tool for anti-Maithili, Hindi imperialists to colour Mithila's Aanchal as aanchal of Hindi and that was quite unfair from the linguistic point of view. I recalled what Dr. Jaykant

Mishra had told me when I was with him on the Koshi terrain on 14.12.1994,"Renu had done prostitution of language."

Both are no more to react or counteract but Sadanad 'Suman' and Abhayshankarji both Renu fan admitted by next evening that had Renu written that novel in Maithili that would have been much better though still that is an excellent piece of writing.

It is not that Renu had not written anything in Maithili, in fact he had some of the good pieces.

Next morning I did get up late and still I was late in reading about Amoghji and his anthology and in Bharti Mandan many informative articles including one by Amoghji on Sama Chakeba and by Abhayshankar Jha on nearby Basithi's Shiv Mandir built by famous queen Indravati.

I did pooja in hot sun and after heavy

lunch (like previous night's dinner) went to the BLD School for the training camp and spoke on variety of subjects'
On the geography of Mithila I hypothesized it a distinct geological zone based on earthquake(and on 29th March again an earthquake had occurred in Mithila's eastern zone only). When there is an quake in Mithila it is not in Assam or north east or in north west or Uttarkashi.
We need specific quake resistant houses or as built in ancient days of ghas-foos.
I also spoke on the history of ancient Mithila(rather Independent Mithila till 1326- after that it was subjugated by foreign invaders).
Kalpkavi Umesh Karn did not come and I had to distribute Mithilakshar sheets.
Mangan Mishra from Forbesganj had joined and he addressed the group. It was decided to have a meeting at Forbesganj

on 25th evening for the preparation of the XXIV Antarrashtriy Maithili sammelan before I take Seemanchal Express in the night to address a Mithila meeting at the Gandhi Maidan in the Patna Pustak Mela on 26th evening.

I asked trainees to delineate Mithila's problems – they spoke for illiteracy, poverty etc.

I also gave some tips on health as not to take less salt and avoid tobacco in any form.

In the evening I walked and preferred to walk with Sadanand 'Suman' son of late Nandev Sada who is a writer in Hindi and an avid reader. I preferred to go to his house for intimate talks.

It is my view that every effort should be made to meet a maximum number of people when one is on an organizational tour.

After snacks(biscuits, rosugullas) again we

returned to Abhayjee's house discussing the political ethnography of India which to my opinion was divided in cosmopolitan Congress, radical communists (and their variant socialists to start within the Congress and later separate), Muslim League and it s counter Hindu wings (Mahasabha and later RSS-sprang in BJS/BJP).

We discussed literature, Maithili, Hindi etc. A point came up that while Amoghji portrayed Raniganj as true to the glory of the queen who had made it, Renu portrayed as Meryganj, the name of the post office to differentiate that from Raniganj of WB, on the name of a foreign lady who probably lived there in the Nilaha days. It was the via post office of Aaurahi Hingna the village of Renu and he used to wait his magazines from there where now stood a Western Union Money

Transfer sign board and an ATM showing the teeth of the 'money order economy' on which Mithila was thriving.

Again a heavy dinner.

On 25th morning I got up early and became ready after swift Durgapaath etc. to go to Basithi temple on bike with Bhaskar. An engineering student hailing from Bhawanipur-Baisi(Purnea), brother of Abhayji's daughter in law.

It was ome 20 kiolmeter and I photographed the temple including a plaque in Mihtilakshar, symbolizing that area was apart of(an Anchal of) Mithila only. It may turn to a tourist spot if developed properly.

Sudhirnath Mishra despite his ill health came from Araria and after lunch we had training sessions. He spoke on the role of International Maithili conferences(he was the convener of XXI such conference at Araia, 24-25/4/2010 where Md. Israil Rain

MLC, LN Mehta MLA were chief guests).
He invited all for ensuing XXIV Conference one each to bring one other i.e. 36 trainees x2 there on May 12-13, 2012.
He also spoke on Social Harmony.
Anand Kumar Jha did not turn up and I had to take his subject- Role of Youth in the development of Mithila apart from Maithili's development on which Abhay Sahankar Jha spoke well and also invited students to take up Maithili as a subject and he would provide free books.
Organistion was stressed and he was made president of the local unit with Shibchandra malakar s/o late Jageshwar yadav as general secretary.
I also spoke on Mithila's modern history and necessity of the Mithila state as well as the methodology of the AMP and stressed for full time workers; evolution through such camps.

I had already prepared certificates to 37 participants in the morning and my duty was over.

Later Sudhirjee and I visited local Saraswati Shishu Mandir and gave few health tips to kids there.

With Bhaskar I came to Abhayji's house to take my bag and at bus stand Sudhirnathji came. A seat could be provided to him but I came standing. The distance was not far bust had several big halts. Many villages like Sahbajpur, parwaha crossed I had been listening to them in my childhood but could not see being standing in a mini-bus.

At Forbesganj near Indian Oil depot Prof. NL Das and Mangan Mishra were waiting for us and we took a rickshaw to manganji's house.

Soon we had a small meeting and dinner.

I took a rickshaw to see my birth place(home); Sudhirjee got down at station.

Every street and shop of the Main Road was knowing me. I dropped journals in the letter box in front of my home.

Spent few minutes with caretaker Brahmani, took photograph of the collapsed roof of my house; for a minute went to take aashirvad from my friend Ajit Singh's old mother and was back to station where too I took photographs of the statue of Ramdeni 'Dwijdeni,' a great freedom fighter.

The train was about to come and seeing rush on the platform I was thinking to not to board or get down at Katihar as my meeting at Patna was in the evening but the fellow young man could procure a space on luggage space where apart from luggage I was the third person as luggage and in sitting posture I had journey till Patna. The train was full of labourers going to Delhi and around. Mithila is a

great reservoir of labourers which can be gauzed from any Delhi bound train. Flood ravaged Mithila need proper planning.
I was surprised to see a young man who made an armchair like twist of bed sheet hanging from the top of the iron sheet meeting the roof and the small luggage space and slept there cosily. Other boy too followed!

Till Katihar I was awoke but later I did not remember more after passing Kursela bridge on the Koshi river.
I found a poor lady very actively caring her betel nut bags, surely bringing that from Nepal where it might be cheaper. Strange as Nepal is farther from shores but may be taxed on others.
At Begusarai, the fellow young account got down but I did not notice if the train had crossed Barauni or had bye passed nor the remembrance of the Simariaghat Rajendra

bridge on the Ganga. Surely I was sleeping in a sitting posture!

हमर 139म मिथिला जागरण यात्रा (11-13.5.2012) Gandeeveshwar-Shibnagar

11.5.2012 Madhupur

12.5.2012 Benipatti

12-13.5.2012 Gandeeveshwar-Shibnagar XXIX MWTC

मधुपुर (देवघर जिला) में ११.५ २०१२ क श्री मंगल कुमार ठाकुर ठाहर खजौली क स्थायी आवास में अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् क एक बैसार श्री रामचंद्र झा(घोंघौर गाम) इकाई क अध्यक्ष भेलाह आ विजय कुमार चौधरी नेहरा गामक सचिव अन्य उपस्थित छलाह धनञ्जय क्र झा, अमिथी,सकरी , श्याम्सुन्दर मिश्र, बेनीपट्टी, घनश्याम मिश्र, अरुण कुमार झा

झारखण्ड में द्वितीय राजभाषा स्थान मिथिली के मिथिला प्रांत निर्माण हेतु एक मिथिला प्रांतीय सम्मलेन मधुपुर में होयत

प्रभात खबर में समाचार निकलल

बेनीपट्टी में १२.5 क प्रमोद मिश्र, हिसारक अध्यक्षता में भेल बिसार में जनकपुर बम काण्डक शहीद लेल मौन राखी अपन

समर्थन देल गेल

राष्ट्रिय सहारा १३.५.१२ क ई समचार छापी हमर वक्तव्य के यथावत मैथिली में २ कोलुमं के लीड बनौलक- मिथिलाक सांस्कृतिक पहचान स भारत विश्व में पहचानल जाएत अछि ....मिथिला राज्य आन्दोलन होयबाक चाही

जानकी नवमी २०१२ में मनावल गेल

प्रशिक्षण वर्ग जुलाई में लागत

हर दोसर शनिक बैसार होयत

गांड वेश्वर   शिवधाम में १२ मई अपराह्न स २९म मैथिली कार्यकर्ता शिविर चली रहल अछि ब्करीब ४०-५० प्रबुद्ध मैथिल भाग लय रहल छथि

१२-१३ हम छालन्हू आ १३ सांझ म e आनद कुमार झा, उमेश मंडल, कवि विद्याकर झा वर्ग चलेलाह आ आब अद्यक्ष डॉ कमलकांत झा पहुंचलाह

काल्हि प्रमाणपत्र देल जेतैक

पहिल दिन पूर्व प्रमुख अशोक चौधरी जी मुख्य अतिथि छलाह जे नानाविध जनोपयोगी कार्यक्रम चला रहल छथि

 आ १३ क प्रोफ. श्री अयोध्यानाथ झा जे १९७१ स मैथिली लेल सक्रिय कार्यकर्त्ता रहलाह अछि आ १९८१ स अपन गाम में जानकी महोत्सव मना रहल छथी

हमर 142 म मिथिला जागरण यात्रा (23-24.6.2012)
Muzaffarpur Khudiram Bose Smarak

23.6.2012 Muzaffarpur
23.6.2012 Muzaffarpur Khudiram Bose Smarak
23.6.2012 Muzaffarpur Vinay Tarun's III anniversary-Sattaa, media, Janapekshayen
23.6.2012 Darbhanga AMP karykaras bhent
23.6.2012 Darbhanga Meetings KSDU & LNMU Hostels, Manokamna Chabootara, meet Shyama mandir
23.6.2012 Darbhanga
Manokamnan Mandir, Shyama Mandir
24.6.2012 Saurath XXX MWTC

संक्षिप्त मुदा सार्थक रहल

पटना मिथिलामे नहि छैक मुदा नरेन्द्र कुमार झास पैघ खानदानी

मिथिलाभक्त शायदे किछु लोक होयताह -हुनक पिताजी तारा बाबु पुरनेया स अबी पटनामे नोवेल्टी एंड कंपनी खोल्लैन्ही आ चेतना समिति क मुख्य कार्यकर्ता रहलाह आ मैह्तिल लेल प्रेरणा स्तम्भ.

नरेन्द्रबाबुस हमर भेंट अकस्मात् स्टील ऑथोरिटी ऑफ़ इंडिया मे कशिनाथ्झाजी करौने छलाह आ तकर बाद ओ निरंतर हमरास सम्पर्कमे छथि- पटना पुस्तक मेलक प्रणेता जतय मिथिला लेल हर साल मीटिंग गाँधी मैदानमे होइत अछि एखन धरि मिथिलाक समर्थंक एकमात्र स्थान ओतय छि

हुनक पुत्रक उपनयन आ भातिजक विवाहक प्रीतिभोजमे सम्मिलित भेलन्हू - गोआस हुनक साढू आयल छलथिंह जे अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद्क ओतय संरक्षक छथि. आन किछु मैथिल छलथि मुदा गर्मी मे हम अक्सक छलन्हू आ परिचयक हिम्मत नहि जुटा पय्लान्हू

रात्रि विश्रामक समय वाराणसीक कामर्सक प्रोफ. वी .मिश्रास परिचय भेल जे छथि त सरय्रुपरीन मुदा मिथिला समर्थक

भोरे तैयार भय बस लेल टेम्पोमे एक छोट लडकीके तेम्पुवालाके एकाध रुपया अधिकक लेल डतैत लौंगिया मिरचाई सन देखल - ओना जतेक दूर उलटा वापस अबय पडल ओतेक नीचास पैदल अयला पर पाच टाका सेहो बाँचती आ किछु वाकिंग भय जाइत - बस तुरंत भेटल आ सीधा मुजफ्फरपुर जैबला

गंगा पर होइतान्ही मिथिला मे छलन्हू - बगलमे बैसल एक युवक

राजेश गाडीक शीशाक काज करयबला कम पढ़ल मुदा कहानी, कविता मगही, भोजपुरी, हिन्दीमे लिखाय्बला जकरा उत्साहित कायल.

भगवानपुर चौक उतरि टेम्पूस कचहरी गेलंहु आ पहिले शहीद खुदीराम बोसेक स्मारक पर श्रद्धा सुमन चढ़ावव् ल - सहारा परिवार एकर जीर्णोद्धार केलक अछि - ओतहि प्रेस क्लबमे भेल 'मीडिया सत्ता आ जन अपेक्षाएं



'पर अपन भाषणक्रममे याद दिया वाल जे २.१०.२००४ क भेल १२म अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मलेनमे एहि शहरक नाम बदली खुदीरामपुर करक प्रस्ताव पारित भेल छल जाही सम्मेलनमेमे डॉ सी पी ठाकुर, देवेशचंद्र ठाकुर पार्षद , बिजेंद्र चौधरी विधायक आदि छलाह . कहलियेन्ही नहि त एकर नाम लीचीपुर वा

मच्छडपुर कय दिय

यद्यपि ओतय कार्यक्रम विनय तरुणक तेसर पुण्यतिथिक छल जाहिमे ओकर संगी पत्रकार सब क मंच पर बजावल गेल- हमर नाम कर्दमे छल मुदा नहि बजुल्क- खरब लागा जरूर मुदा सयत रह्लान्हू- बिन बजेने मंच पर जेबाक नहि चाही- कुर्सी २ खाली चलिक पता नहि ककरा लेल वा बजेनाई बिसरी गेल- अस्तु क्रमशः कार्यक्रम भेल आ एक बजल्ला पर हम स्लिप देलियैक जे आब हमरा बजबी जेबक अछि- आ हमारा बजावल गेल- डॉ मदन मिश्र, मैथिलिक प्रोफेस्सर आ किछु आन मैथिल हमरा लेल आबी गेल छलाह, रत्न कृष्ण जी , पुंज प्रकाशजी, शारदानंद झा आदि ६ लोक.. सब हिन्दी में बजैत छलाह मुदा हम मैथिली में बजलन्हू करीब ३०-४० मिनुत लोक क नीक लगलैक,, भाषण तैयार छल मुदा हंट कय्क स्वाभाविक रूपे बजलन्हु आ तकर बाद मैथिल बंडू संगे निकली गेलंहु हमरा जेरो मीलक टेम्पू पर चढ़ा ओ सब अफ़सोस करीत गेलाह भोजन लेल- भोजन कार्यक्रममे सेहो छलैक मुदा हमारा ५ बजे मनोकामना चबूतरा पर मीटिंग दरभंगामे छल- तुरंत एक बस भेटल- किछु देर बाद आदति क अनुसार मिथिला राज्यक परचा बाँटल - दू व्यक्ति ग्रीयरसनक बारेमे बजलाह - हुनका लग सामान ले जा बैसी बात होइत रहल- हरिहरपुरक अवध नारायण झा अपन गाम में कंप लगेबा में रूचि देखौलन्ही बेलौन्चाक सुजीत कुमार मिश्र क़तर व्यवस्था उन्मूलांक आ दूनू क हमर तर्क स अधिक कहने जे हम एकर

खिलाफ बाजी - 'यू जी हम अपन विवाह एहिना केने छलन्हू,' अनुज क बरियाती में एही लेल नहि गेलंहु' मुदा पत्नी बुझलीह फोकटिया वर आ छोडि देलीह , हम नहि बाजी एही पर- सब समस्याक जड़ी अछि गरीबी- मिथिला बनाऊ श्रीसंपन्न ई सब समस्या रहत नहि ,' ओना अन्हा सब दहेज़ मुक्त मिथिलाक सदस्य बनू जे एकर एक्सपर्ट छथि .

करीब तीन बजैत छल - बहिन क ओत जाऊ वा किछु खाउ , नहि संस्कृत विश्वविद्यालयक छात्रावास जाई

पहिल पाणिनि में केवल दू छात्र भेटलाह (रान्चिस पिछला बैसार में आयल कुशवाहा क कोनो नुम्बर करो SMS करय कहने छलियैक मुदा नहि केने छल)- जे एक छलाह अखिलेश ओ रूचि लेलाह आ मधुसुदन मिश्र हमरा संगे बगलक याज्ञवल्क्य छात्रावासमे गेलाह - कामन रूम में २-३ टी वी देखैत- हमारा देखि ओहिना -लागल जे मिथिलास शिष्टाचार चली गेलैक जखन संस्कृतक छात्र एहेन तहन दोसर की? मुदा तुरंत किछु गोटे अयलाह आ सुनलाह - सब मिथिला लेल संग देब - एखन छात्र नहि छथि- छुट्टी बाद आऊ

उपस्थितकें कार्यकर्त्ता बना प्रतिज्ञा दियावल मिथिला-मैथिली लेल.

फेर ओ सब कहलाह ललित नारायण मिश्र विश्वविदयालक गंडक छात्रावास जाई- रौद में रास्ता में जाइत बामा कात एक मिथिला

केंद्र बंद देखल मुदा आगाँ विश्वविद्यालय महाराज लक्ष्मीश्वर सिंहक मुतिक फोटो लेल- सामने पोस्ट ऑफिस लग ददू मैथिल ठाढ़ छलाह एकाएक मैसू र क एक मेडिकल छात्रक ध्यान आयल जकर पिता ठाकुरजी एहि विश्वविदयालयमे छलखिंह- पचाढीक प्राचार्य बजलाह जे ओ विमल नारायण ठाकुर छथि जे सम्प्रति रहुआ संस्कृत महाविद्यालय में छथि - आब हम पता कए लेब.

आखिर एक-एक आदमीक पता कियैक जरूरी. एक मनुष्यता आ दोसर संगठन लेल एक एकक महत्व

समय ४३० भय गेल छल चबुतराक पहिने २ टा बटर बाईट बिस्कुट १० ताका में लेल आ एक कए खेत गंडक छात्रावास दिशी बध्लान्हू (दोसर दोसर दिन ट्रेनमे काज आयल) ,

एक खुजल कमरा में गेलंहु- हमर बात नीक लग्लैन्ही आ तुरंत बाहर हवामे बैसार भेल आ करीब एक दर्ज़न छात्र अयलाह - तेलंगाना जकां आन्दोलन बनत की? एहि लेल हुनका सबके सब कॉलेज में घुमे कहालियेन्ही हर जिलामे खसके कटिहार - पूर्णिया तक . आश्वाशन देलाह मुदा फेर जाय पडत जल्दी

देर भय रहल छल - ५ बजे क चबुतराक समय छल आदित्यक फोने जे राजीव अयलाह अछि रुके कह्लियेन्ही आ गेलंहु किछु युवा छात्र आ क्रमशः एक जुटान ठंढा भेल - भाषण लागल देबाक चाही आ खसके गंगा जलक घेन्त्कात्ती बंगलादेश आ बंगाल द्वारा आ बिहारक धोखा पर केन्द्रित .. एक समिति

बनायल - राजीव पिछला बैसार में चलाह हुनका संयोजक बना डॉ बूच्चू पासवान नहि आबी सकलाह , नहिये अमलेंदु
छपकी क एक युवा संगे श्यामा मंदिर गेलंहु - चौधरी हेमचन्द्र जी कहलाह एखानाही उदयजी गेलाह अछि- एहि बेर सूचना नहि देने छल्येन्ही-(नुक्कड़ सभाक लायक ओ सब श्रेष्ठ व्यक्ति नहि छथि ओना आन्दोलन ओहि नुक्कड़स कहियो उठातैक).. दर्शन श्यामा माँ कए कायल. पुजगिरिक भाई डॉ धर्मानंद झा छलाह मुंडन में आयल मुदा मधुबनी दिशि निकलल.
अनेक याद ओहि स्थान क आयल..
युवा इन्द्रजीत राय कए कहने छलियेन्ही जे कपिलेश्वर्स्थान में हुनका संगे रूकब मुदा फ़ोन दू बेर नो रिप्लाई - बहिनिक डेरा लगमे गेलंहु.. छोट भाईक सार डॉ विनय चौधरी बीमार छलथि हाल चाल लेल फेर स्नान शयन..
रवि प्रात उठि तैयार भय भुखले सौराठ्क सोमनाथक दर्शन क लालसा स निकललान्हू- बस स्टैंड पर अखबार जागरण खरीदल आ रहिका जयनगर बाली बस तुरंत- जागरणमे समाचार नहि देखि लागल जे अमलेंदुक अपन मजबूरी होइंहि जे समाचार नहि छपल- ३-३ बैसार युवक मिथिला लेल भेल मुदा समाचार नहि छपल? अस्तु.. रास्तामे हवाई अड्डा देखल- पता नहि कहिया नियमित उड़ान हेतैक.. केओटी देखल जतय २५ म अंतरराष्ट्रिय मैथिली सम्मलेन १६-१७ दिसम्बरक छैक आशा karait छि

ताबत खस्ताहाल सड़क ठीक भय जाय . फेर कपिलेश्वर बाहर स फोटो लेल - रहिका चौक पर देर तक ठाढ़ बस पोखरौनी रूकल- रिक्शावके २० टका दैके बजाय १.९ किलोमीटर पैरे चली- फूंही प्रारंभ- छाता एक गाछी लग निकलल - कहियो पैदल वा साइकिलस ओहि रास्ता में- आम गाछीमे कलकतिया टुटैत- फ़ोन भोरेस शम्भुनाथजी क कखन अबैत छि तथापि माधवेश्वरक फोटोक लोभ आ ओतहि शम्भुनाथजी –

झोडा पञ्जीकर लग राखी सोमनाथ मंदिर क दर्शन लेल - कल्पकवि आ विदयाकर कवी पहिन्हिस प्रक्षिक्षण शिविर लेल संग भेलाह - बीच गाम में दुगंध पैखानाक मोन टूटी गेल.. पहिने ई ठीक हो.. मदिर क दर्शन फेर ओतहि शम्भुनाथ जे एक डेरा में भोजन - अनेक सचार, मालदह आम सेहो- एक धात्रिक गाछ छोट अंगना में - हिनक ई ससुर आ गंद्वीश्वर घर- सबहक विद्यापति पुस्तकालयमे- शिविर क सत्र प्रारंभ- मिथिलाक भूगोल- मिथिला राज्य कियैक? लोक अबिअत जाइत रहलाह- कार्यक्रम कोना करी- कियैक? कार्यकर्त्ता निर्माण लेल- शंभुनाथ्जी- प्रत्यक्ष उदहारण- एक कए बाद दोसर शिविर लागी गेल- पत्रकार अयलाह- प्रवीन चौधरी अयलाह- गर्मी स हम बेहाल- हमारा लेल(रांची रह्याबला लेल) असाध्य- अस्तु- समय कम छल- बुलावा भेलैन्ही प्रवीण कए -एक वर आदर्श विवाह करीत छथि- आशीर्वाद लेल चली सके छि की? यदि विधवा विवाह मे भाग नहि लेती हमहूँ अस्गारुआ .. तैयो गेलंहु- आश्चर्य

पुरना क बीरेंद्रमोहन ठाकुर, नमी वकील , पंडित ताराकांत झांक सार..जे वर क मामा , वर आ वर क पिता चिन्हलयेन्ही मुदा हर धक्मेकलान्हू- वीरेंद्र बाबुक बेटा आनंद ? कानी देर बाद ध्यान आयल जे काजर, ललका पागमे मिहिर जाई मातृभूमि बाला ब्रह्मोत्ताराक मैथिल कार्यकर्ता जिनका घर ८.१०.२०११ क राती रहि ९.१०.२०११ क पंडौल कालीमंदिर मे हमर मीटिंग करौने छलाह।



हुनका १०.१.२००० क झझारपुर क उमीद्वारी तकैत हमर पुर्व परिचित किरण झा संगे देखने छलियेन्ही आ दोसर बेर अक्तूबर २०१० मे हुनका निर्दलीय नहि मिथिला पार्टीस लड़य लेल बुझेने छलियेन्ही - पार्टीतंत्र स भयभीत ओ फेर भाजपामे चलि गेल छलाह आ अनेक बेर बात भेल . बात होइत रहित छल मुदा एना

एहि परिस्थितिमे सुखद बेलामे भेटताह से हमारा कहाँ बुझल छल- किछु कहक मौक़ा भेल - लागि रहल छल समय अधिक लैत छि - हुनक बधाईमे मिथिलाक आचार विचार मातृभूमि भारत आ जन्मभूमि मिथिलाक फर्क- विवाहक अनिवार्यता मिथिला मे कियैक- मिथिलाक अद्वैत भावाद्वैत आदि बहुत देर बहुत विषय छुवल-मुदा ताबत अध्यक्ष डॉ कमलकांत झा आबि गेलाह आ ओहो दू शब्द बजलाह- फेर सबके जलपान भेलैक - छुट्टी रहितई हुनक बरियाती जैतन्हू - मुदा तुरंत फेर प्रशिक्षण वर्गक आन सत्र- युवाक भूमिका, सामाजिक समरसता, आ मिथिलाक समस्यामे - एहि बीच अमलेंदुजी अपन पिता आ हमर भैयाक संगी शिवाकांतजी क संग किछु देर लेल , स्थानीय सौराठक विकास, महारानीस भेंटक प्रस्ताव, सभाक समय परिवर्तन फागुन वा वैशाखमे , अंतमे जनस्वास्थ्य, फेर प्रार्थना क बाद मधुबनी प्रस्थान रिक्शास प्रवीणजीक संग..नीक बात.. समझौता कियैक करी? ककरा स?

कुजबिहारी गायकक कुटिया पर किछु मिनट ..



भातिजके मधुबनी आबय ताकि २० मिनट लेल ७ किलोमीटर गाम जा १०० वर्ष क अपन कक्का कए देखि मुदा ओ नहि आबि सकल . युवा रौशन क संग बात करैत दरभंगा तक..मिथिला मैथिली पर.. आ फेर रांचीमे बहिनक देल फ्राइड चुड़ा आ फेर बचल एक बटर बाईट बिस्किट , समस्तीपुरमे जसीडीह लेल एक महिला -एक बर्थ पर ४ गोटे संग आ नीचा ४-६ गोटे संग.. चलू हमर मैथिल लोक कए यैह जीवन छैक.. धनबाद बाद भीड़ कम.. यथासमय नामकोमस उतरि टेम्पू बदलैत अपन डेरा आ काज पर.. डाक्टरक हड़ताल्क समर्थन हस्ताक्षर करा पठाऊनाइ ..किछु लिखिक डेरा २ बजे आ स्नान-पूजा-भोजन ३ बजे.. फेर

देखल विजयनगर साम्राज्यक पतनक कहानी - एहिना मिथिला क अंत होम पर छैक.. दुश्मन एक संगे..आ सूतल हमर मैथिल, राज्यक विरोध करैत..मानो हमरे राज्य भेटैबला अछि?

मिथिला कार्य लेल हमर मिथिला जागरण यात्रा दुलीपट्टी – दरभंगाक अकस्मात आ संयोगवश भेल मुदा लाभदायी रहल। हमरा कवि एकांतक 4 दीना अनशन मिथिला राजयक सहनुभूतिमे दिल्ली जेबाक छल मुदा किछू दिन पुर्वस एक पूर्व घनिष्ठ कार्यकर्त्ताक अशालीन व्यवहार स क्षुब्ध छलहू आ हुनक एही बात के कवि एकांत नहि कटलाह जे ओ एतेक दिन स चली आबी रहल एही विषयक संगठनके ढकोसला नहि कहथी जाहिमे हुनक ईशारा हमरा दिशि हमेशा रहईत छलन्ही आ बड़ाई हमरा द्वारा बनायल मिथिला राज्य संघर्ष समितिक नाम मे ‘अखिल भारतीय’ जोड़ी सांगठनिक विभ्रम फैलवानिहारक प्रति रहित छलन्हि जिनक एही कुकृत्यके हम अहमेशा चोरी मनल (जे अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनक विषयमे शब्दस: 12 एहेन सम्मेलन हमरासब द्वारा कयला बाद भेल अछि) आ दोसार हुनक अवधारणा जे मैथिली भाषा क मनयाता साहित्य अकादमी वा आतम अनूसूची वा अन्य मिथिला राज्यक लेल नहि अछि जाही लय ओ हमरा कोनो मान देबाक बजाय लगातार अपमान करैत रहलाह (हमार कथन जे 1956-7 मे राज़्यक मांग डॉ लक्ष्मण झा, जानकी बाबू आदि द्वारा छोडला बाद भगवातीक निर्देशानुसार हमरा द्वारा 1992 स उठावल आ लगातार काज

कयला कारण आई अनेक लोक आ संगठन द्वारा सतह पर अछि)-

ई एक महज संयोग छल जे 22.3.13 क वकील चन्द्र प्रकाश जिंका मूल गोत्र विषयक अनुसंधान मे मोन लगइत छनि 11 बजे करीब आयलाह आ कहलाह जे हाम्रा मूलग्राम बरही जयनगर लग अछि जाही पर हम ओतुक्का प्रोफ। रामचंद्रा सिंघजी के फोन कय बात केलहू जाही क्रम मे ओ कहलाह जे 24 क दुलीपट्टीमे मिथिला बिभूति पर्व छईक – हम कहलियईंही हमरा दिल्ली जेबाक अछि अगिला बेर 1-2 मास पूर्व कहब।

करीब 1 बजे दिल्लीक समाचार लेल फेस बूक खोललहू – देखाइत छी फेर बैनर 'अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति'- मोन क्षुब्ध भय गेल आ एकांतके शुभकामना दैत नहि यबाक सूचना डेल आ विजय तरौनी के फोन ल्गायल जे नहि उठल। रामचंद्रबाबूके फोन केलियाइनहि जे आयोजकके हामर गेनाई खराब नहि लगतइनही(कारण ओहि समय तक ओ अतिथि तय कय लेने हेताह)- मुदा आओ कहलाह आऊ आ फेर आयोजक दिशिस एक पत्रकार फोन केलनहि अबय लेल । संपुष्टि केलियइनहि- डेरा जा एक घंटामे मिथिलाक करीब 1000 उच्च विदयालयक लेल मैथिली संदेश क डाक तैयार करय जे उमहर कतहु आर एएम आस मे खसा देब।

हत्या स्टेसन पर पहुंचल्हू यथा निश्चित पटना ट्रेन पकड़य मुदा

घंटा भरी पहिने जे पटना- दिल्ली-रांचीक टिकट क रद्दीकरण लेल – ओहि सामी विजयजीक फोन आयल लेकिन कहलियईंही आ ब सामी दुलीपट्टी लेल काही देलियाइक आ टिकट रद्द करा 709 टाका वापस लेल (जाहिस काफी कममे हम पटना-दुलीपट्टी-जयनगर होइत आई रांची सकुशल भोरमे अयलहू)-

मोनमे ई जरूर रहल जे युवा वर्ग पहिल बेर अपना दिशिस मिथिला राज्य लेल उभरलाह अछि लेकिन अपन असम्मान कतेक देखी- पिछला बेर सेहो एक अहिना हमरा पर पाइक हेराफेरीक आरोप लगा डेलाह जाहि पर हमरा ‘मिथिला सेवा मंच’ क नामे जमा 80 हजारक फ़िक्स्ड डिपॉजिटक फोटो जारी करी पडल आ एही बेर त हाथ धो नब चाणक्यक भूमिकामे छलाह – गांधीक एक बानरके मानो मौन करा दोसर सब पर चौधराट जमब जे एही अवसर पर हमरास संन्यासक घोषणा चाहैत छलाह मानो हमरही चलते मिथिला राज रूकल अछि।

तइयो पटना उतरि अपन ममियौतक डेरा आनंदीपुर गेलहू – बहुत साल बाद मामी भेटलीह – फेर राजा पूल तक जाकय गांधी मैदान । पटना पुस्तक मेला मे सूचनाक अधिकार लेल संगोष्ठी उमनाथ बाबू संग आ फेर नरेन्द्राबाबू आयलाह आ बच्चा ठाकुर पूर्व आए अ स अयलाह आ छोट राजयक प्रासंगिकता मिथिलाक संदर्भ मे जाहि मे बच्चा ठाकुर हमरा मिथिलाक ‘अघोषित नहि घोषित नेता’ कहलाह (हम सोचाइत छलहू संन्यास चहयबला युवा सब लेल) –रणजीत ठाकूर, मनीष कुमार झा, आनंद कुमार

ठाकुर, शिव कुमार यादवसन युवा अपन नंबर देलाह लेकिन मुजफ्फरपुरक एक युवा जे भाषण डेलक आ कहलक जे संपर्क करत अपन नंबर नहि देलक। अधिवकता राजेंद्र बाबू छलथी- सरकारी स्टैंड स बस नहि भेटल- गांधी मैदान जाइट टेम्पूबला मैथिल लेकिन एक पस्सेंजर भोजपुर पर ग्रियर्सनक उक्ति एक लहेरियासराइ क सहयात्री के कहइत सूनी बिगडल- कहलियइक ‘ फूहड़ होली गाना सन आत्महत्यावत बातस अपना समाजके बचावथी।‘

मीठापुरस जयनगरक बस भेटल जे आठ बजे खुजल आ तीन घंटा गांधी सेतु पर जाममे रहल –मधुबनीमे एक बड़का काच गाड़ीक लय कियो बगलमे आयल जाही पर अपन सुरक्षा लेल आपत्ति करइत ओकरा सीट बदले या हमार सीट बदली या गाड़ीस उतरी कहलियइक- जकहन कंडक्टर कहलकइक ‘उतरी जो’ आ एक आदमी सीट बदललक तखन गाड़ी खुजल आ करमौली दुर्गास्थान होइत कलुआही होइत डाँड तोड़यबला एनएचस दुलीपट्टी सामियाना देखि पईक्स कार्यालय लग उतरलहू (उदघाटन सत्रमे विधायक अरुणशंकरजीक क्षेत्रस बाहर हेबाक चुटकी लेबा पर कहलाह हाइवे केंद्र सरकारक छईक आ कइएक आन तकनीकी मामला)

तीन घंटा सूतलहु – फेर तययार भेलहू- कल्पकवि उमेश नारायण कर्ण आयलाह आ फेर अध्यक्षा कमलकांतजी आ

हमरहुस सीनियर डॉ अंबिका प्रसाद सिंह।

उदघाटनसत्र बेश जमल- हमर उदघाटन भाषण किछू लंबा भेल मिथिला राज्य पर केन्द्रित- बैजु बाबू सेहो आबी गेलाह मुख्य अतिथि मैथिली अकादमी अध्यक्ष कमलाकांत जी संग- कमलकांत आ कमलाकांतक चक्कर अंत धरि रही गेल- ‘ हम अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक अध्यक्ष छि आ कमलाकांतजी मैथिली अकादमीक ’ बजलाह कमलकांतजी – मंच पर कमलाकांत बाजी उठलाह- ‘अहा हमर सभक अध्यक्ष छी।“

ठीक बात कमलकांतजी काफी वरीष्ठ साहित्यकार आ संगठक छथि-

बैजुजीके हमार परिचय ‘ विद्यापति सेवा संस्थानक प्राण’ नीक लगलइनहि- काश! एतबे अपन परिचय रखिटाथि(तखन हम दिल्लीमे रहितहु?)

विधायक अरुणशंकरजी, पूर्व विधायक रामप्रीत पासवान, सीताराम यादव नीक बजलाह आ सीमा सुरक्षा बलक कमनडेंट सेहो (11 वर्षस बल कार्यरत अछि आ हमर सुरक्षा कारण मिथिला राज्यक बात एहीस काफी पुरान अछि)

फेर कवि सम्मेलन भेल चंद्रेशजी क संयोजनमे- हमहू एक कविता “गांधीजीक तीन बानर बिहार दिवस पर’ तुरंत बना पढ़लहु॥

हमरा लेल व्रत छल प्रदोषक – आ तीन घंटा बाद साञ्झक सत्र- बीचमे औपचारिक सत्र गीता पर हम लेलहू जे बहुत लोक के

नीक आ आश्चर्य लगलइनहि (लगाइत अछि मिथिला राज्य काजस संन्यासक बाद गीता प्रवचन करैत रही सकइत छी- चिन्मय मिससक आचार्यके सांझमे एसएमएस केलियइनहि जे रामचरितमानस समापन(करीब तीन सालस मास मे 6 दिनक अंतिम दिन नहि रही पयलहू आ अपन गीता प्रवचनक त ओ प्रसन्नताक एसएमएस पठौलाह)-

सांझमे प्रदोष पूजाक पूर्वहि फलाहार भेल- पूजा लेल शीलानाथ माहादेवक दर्शन एक कार्यकर्ता बाईकस करा अनलाह – फेर संध्या सत्रक उद्घाटन बेनीपट्टी विधायक विनोद नारायण झा आ मुख्य अतिथि रामलखन राम क भाषण सुनि लागल जे मिथिला राजयक उपक्रम क्रमश: विधायक सबके मोनमे बनि रहल छनि- फेर मणिकान्तजी दरभंगाक संयोजनमे कवि सम्मेलन – भोजन/पारण लेल गेलहू त ओतहीस सुनल पूनम मिश्रक गायन- एक बेर नीचा उतरलहु त पवन नारायणक गायन चलि रहल छल –पूनम मिश्रा के देखि नहि पयलहू- करीब एक बजे नींद आयल आ भोर 4.18 मे जागि फेर सूति 523 मे उठ्लहु- पेट खराब करीब 7-8 बेर बेर- बेर हाथ धोनाइ- पैख़ाना केनाइ- लागल शहीद छूटत- दरभंगा मेडिकल कॉलेजमे एक अपराधी नीरनाल सिंह क मूरत्ती हटेबाक लेल 11 बजे स छल- दैवी कृपास एक टेमपू आयल- जे समय पर स्टेसन लग छोडलक- कल्पकविस बात करइत मधुबनी तक- फेर दरभंगा- मैथिली संदेश क झोड़ा

खसा हल्लुक भेलहू- मित्र हर्षनारायण डेरा- फेर अनामिका होटलमे प्रेस वार्त्ता- दरभंगा स्टेशन पर इंटर सिटी ठाढ़- गर्मी कानुभाव- बरौनीमे बाहर जा ट्रेकर आ सिमरियाधामक कालीमैया आ गंगा मैयाके प्रणाम करैत हाथीदह कनि मिनट बाद भारी- भीड़- लेकिन सब होली मे लग गाम पटनास अवनिहार - झाझामे सूतय के जगह भेटल- जसीडीहक सूतल रांचीस पूर्व उठ्लहु आ कठहरकोचा उतरि डेरा – अनुजजक पूरा परिवार आयल आ अनुजाक परिवार संग, सब नौकरनी पूनम आ ओकर बेटा चन्दन समेत 12 गोटे जगननाथपुरी जाई लेल तैयार – आब होलीमे हम असगरे रहब – डेरा आ अस्पतालमे(दूनू आन फिजीसीयन छुट्टी पर, जाहिमे हम बहुत दिनक अखबारक कतरन कय किछू हल्लुक करब घरके)॥

मिथिला कार्य लेल हमर मिथिला जागरण यात्रा दुलीपट्टी – दरभंगाक अकस्मात आ संयोगवश भेल मुदा लाभदायी रहल। हमरा कवि एकांतक 4 दीना अनशन मिथिला राजयक सहनुभूतिमे दिल्ली जेबाक छल मुदा किछू दिन पुर्वस एक पूर्व घनिष्ठ कार्यकर्त्ताक अशालीन व्यवहार स क्षुब्ध छलहू आ हुनक एही बात के कवि एकांत नहि कटलाह जे ओ एतेक दिन स चली आबी रहल एही विषयक संगठनके ढकोसला नहि कहथी जाहिमे हुनक ईशारा हमरा दिशि हमेशा रहईत छलन्ही आ बड़ाई हमरा द्वारा बनायल मिथिला राज्य संघर्ष समितिक नाम मे ‘अखिल भारतीय’ जोड़ी सांगठनिक विभ्रम फैलवानिहारक प्रति रहित

छलन्हि जिनक एही कुकृत्यके हम अहमेशा चोरी मनल (जे अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनक विषयमे शब्दस: 12 एहेन सम्मेलन हमरासब द्वारा कयला बाद भेल अछि) आ दोसार हुनक अवधारणा जे मैथिली भाषा क मनयाता साहित्य अकादमी वा आतम अनूसूची वा अन्य मिथिला राज्यक लेल नहि अछि जाही लय ओ हमरा कोनो मान देबाक बजाय लगातार अपमान करैत रहलाह (हमार कथन जे 1956-7 मे राज़्यक मांग डॉ लक्ष्मण झा, जानकी बाबू आदि द्वारा छोडला बाद भगवातीक निर्देशानुसार हमरा द्वारा 1992 स उठावल आ लगातार काज कयला कारण आई अनेक लोक आ संगठन द्वारा सतह पर अछि)-

ई एक महज संयोग छल जे 22.3.13 क वकील चन्द्र प्रकाश जिंका मूल गोत्र विषयक अनुसंधान मे मोन लगइत छनि 11 बजे करीब आयलाह आ कहलाह जे हाम्रा मूलग्राम बरही जयनगर लग अछि जाही पर हम ओतुक्का प्रोफ। रामचंद्रा सिंघजी के फोन कय बात केलहू जाही क्रम मे ओ कहलाह जे 24 क दुलीपट्टीमे मिथिला बिभूति पर्व छईक – हम कहलियईंही हमरा दिल्ली जेबाक अछि अगिला बेर 1-2 मास पूर्व कहब।

करीब 1 बजे दिल्लीक समाचार लेल फेस बूक खोललहू – देखाइत छी फेर बैनर ’अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति’- मोन क्षुब्ध भय गेल आ एकांतके शुभकामना दैत नहि

यबाक सूचना डेल आ विजय तरौनी के फोन लगायल जे नहि उठल। रामचंद्रबाबूके फोन केलियाइनहि जे आयोजकके हामर गेनाई खराब नहि लगतइनही(कारण ओहि समय तक ओ अतिथि तय कय लेने हेताह)- मुदा आओ कहलाह आऊ आ फेर आयोजक दिशिस एक पत्रकार फोन केलनहि अबय लेल । संपुष्टि केलियइनहि- डेरा जा एक घंटामे मिथिलाक करीब 1000 उच्च विदयालयक लेल मैथिली संदेश क डाक तैयार करय जे उमहर कतहु आर एएम आस मे खसा देब।

हत्या स्टेसन पर पहुंचल्हू यथा निश्चित पटना ट्रेन पकड़य मुदा घंटा भरी पहिने जे पटना- दिल्ली-रांचीक टिकट क रद्दीकरण लेल – ओहि सामी विजयजीक फोन आयल लेकिन कहलियईंही आ ब सामी दुलीपट्टी लेल काही देलियाइक आ टिकट रद्द करा 709 टाका वापस लेल (जाहिस काफी कममे हम पटना-दुलीपट्टी-जयनगर होइत आई रांची सकुशल भोरमे अयलहू)-

मोनमे ई जरूर रहल जे युवा वर्ग पहिल बेर अपना दिशिस मिथिला राज्य लेल उभरलाह अछि लेकिन अपन असम्मान कतेक देखी- पिछला बेर सेहो एक अहिना हमरा पर पाइक हेराफेरीक आरोप लगा डेलाह जाहि पर हमरा ‘मिथिला सेवा मंच’ क नामे जमा 80 हजारक फ़िक्स्ड डिपॉजिटक फोटो जारी करी पडल आ एही बेर त हाथ धो नब चाणक्यक भूमिकामे छलाह – गांधीक एक बानरके मानो मौन करा दोसर सब पर चौधराट जमब जे एही अवसर पर हमरास संन्यासक घोषणा

चाहैत छलाह मानो हमरही चलते मिथिला राज रूकल अछि।
तइयो पटना उतरि अपन ममियौतक डेरा आनंदीपुर गेलहू – बहुत साल बाद मामी भेटलीह – फेर राजा पूल तक जाकय गांधी मैदान । पटना पुस्तक मेला मे सूचनाक अधिकार लेल संगोष्ठी उमनाथ बाबू संग आ फेर नरेन्द्राबाबू आयलाह आ बच्चा ठाकुर पूर्व आए अ स अयलाह आ छोट राजयक प्रासंगिकता मिथिलाक संदर्भ मे जाहि मे बच्चा ठाकुर हमरा मिथिलाक ‘अघोषित नहि घोषित नेता’ कहलाह (हम सोचाइत छलहू संन्यास चहयबला युवा सब लेल) –रणजीत ठाकूर, मनीष कुमार झा, आनंद कुमार ठाकुर, शिव कुमार यादवसन युवा अपन नंबर देलाह लेकिन मुजफ्फरपुरक एक युवा जे भाषण डेलक आ कहलक जे संपर्क करत अपन नंबर नहि देलक। अधिवकता राजेंद्र बाबू छलथी-सरकारी स्टैंड स बस नहि भेटल- गांधी मैदान जाइट टेम्पूबला मैथिल लेकिन एक पस्सेंजर भोजपुर पर ग्रियर्सनक उक्ति एक लहेरियासराइ क सहयात्री के कहइत सूनी बिगडल- कहलियइक ‘ फूहड़ होली गाना सन आत्महत्यावत बातस अपना समाजके बचावथी।‘
मीठापुरस जयनगरक बस भेटल जे आठ बजे खुजल आ तीन घंटा गांधी सेतु पर जाममे रहल –मधुबनीमे एक बड़का काच गाड़ीक लय कियो बगलमे आयल जाही पर अपन सुरक्षा लेल आपत्ति करइत ओकरा सीट बदले या हमार सीट बदली या

गाड़ीस उतरी कहलियइक- जकहन कंडक्टर कहलकइक ‘उतरी जो’ आ एक आदमी सीट बदललक तखन गाड़ी खुजल आ करमौली दुर्गास्थान होइत कलुआही होइत डाँड तोड़यबला एनएचस दुलीपट्टी सामियाना देखि पईक्स कार्यालय लग उतरलहू (उदघाटन सत्रमे विधायक अरुणशंकरजीक क्षेत्रस बाहर हेबाक चुटकी लेबा पर कहलाह हाइवे केंद्र सरकारक छईक आ कइएक आन तकनीकी मामला)

तीन घंटा सूतलहु – फेर तययार भेलहू- कल्पकवि उमेश नारायण कर्ण आयलाह आ फेर अध्यक्षा कमलकांतजी आ हमरहुस सीनियर डॉ अंबिका प्रसाद सिंह।

उदघाटनसत्र बेश जमल- हमर उदघाटन भाषण किछू लंबा भेल मिथिला राज्य पर केन्द्रित- बैजु बाबू सेहो आबी गेलाह मुख्य अतिथि मैथिली अकादमी अध्यक्ष कमलाकांत जी संग- कमलकांत आ कमलाकांतक चक्कर अंत धरि रही गेल- ‘ हम अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक अध्यक्ष छि आ कमलाकांतजी मैथिली अकादमीक ’ बजलाह कमलकांतजी – मंच पर कमलाकांत बाजी उठलाह- ‘अहा हमर सभक अध्यक्ष छी।“

ठीक बात कमलकांतजी काफी वरीष्ठ साहित्यकार आ संगठक छथि-

बैजुजीके हमार परिचय ‘ विद्यापति सेवा संस्थानक प्राण’ नीक लगलइनहि- काश! एतबे अपन परिचय रखिटाथि(तखन हम दिल्लीमे रहितहु?)

विधायक अरुणशंकरजी, पूर्व विधायक रामप्रीत पासवान, सीताराम यादव नीक बजलाह आ सीमा सुरक्षा बलक कमनडेंट सेहो (11 वर्षस बल कार्यरत अछि आ हमर सुरक्षा कारण मिथिला राज्यक बात एहीस काफी पुरान अछि)
फेर कवि सम्मेलन भेल चंद्रेशजी क संयोजनमे- हमहू एक कविता “गांधीजीक तीन बानर बिहार दिवस पर’ तुरंत बना पढ़लहु॥
हमरा लेल व्रत छल प्रदोषक – आ तीन घंटा बाद साञ्झक सत्र- बीचमे औपचारिक सत्र गीता पर हम लेलहू जे बहुत लोक के नीक आ आश्चर्य लगलइनहि (लगाइत अछि मिथिला राज्य काजस संन्यासक बाद गीता प्रवचन करैत रही सकइत छी- चिन्मय मिससक आचार्यके सांझमे एसएमएस केलियइनहि जे रामचरितमानस समापन(करीब तीन सालस मास मे 6 दिनक अंतिम दिन नहि रही पयलहू आ अपन गीता प्रवचनक त ओ प्रसन्नताक एसएमएस पठौलाह)-
सांझमे प्रदोष पूजाक पूर्वहि फलाहार भेल- पूजा लेल शीलानाथ माहादेवक दर्शन एक कार्यकर्ता बाईकस करा अनलाह – फेर संध्या सत्रक उद्घाटन बेनीपट्टी विधायक विनोद नारायण झा आ मुख्य अतिथि रामलखन राम क भाषण सुनि लागल जे मिथिला राजयक उपक्रम क्रमश: विधायक सबके मोनमे बनि रहल छनि- फेर मणिकान्त्जी दरभंगाक संयोजनमे कवि सम्मेलन –

भोजन/पारण लेल गेलहू त ओतहीस सुनल पूनम मिश्रक गायन- एक बेर नीचा उतरलहु त पवन नारायणक गायन चलि रहल छल –पूनम मिश्रा के देखि नहि पयलहू- करीब एक बजे नींद आयल आ भोर 4.18 मे जागि फेर सूति 523 मे उठ्लहु- पेट खराब करीब 7-8 बेर बेर- बेर हाथ धोनाइ- पैख़ाना केनाइ- लागल शहीद छूटत- दरभंगा मेडिकल कॉलेजमे एक अपराधी नीरनाल सिंह क मूरत्ती हटेबाक लेल 11 बजे स छल- दैवी कृपास एक टेमपू आयल- जे समय पर स्टेसन लग छोडलक- कल्पकविस बात करइत मधुबनी तक- फेर दरभंगा- मैथिली संदेश क झोड़ा खसा हल्लुक भेलहू- मित्र हर्षनारायण डेरा- फेर अनामिका होटलमे प्रेस वार्त्ता- दरभंगा स्टेशन पर इंटर सिटी ठाढ़- गर्मी कानुभाव- बरौनीमे बाहर जा ट्रेकर आ सिमरियाधामक कालीमैया आ गंगा मैयाके प्रणाम करैत हाथीदह कनि मिनट बाद भारी- भीड़- लेकिन सब होली मे लग गाम पटनास अवनिहार - झाझामे सूतय के जगह भेटल- जसीडीहक सूतल रांचीस पूर्व उठ्लहु आ कठहरकोचा उतरि डेरा – अनुजजक पूरा परिवार आयल आ अनुजाक परिवार संग, सब नौकरनी पूनम आ ओकर बेटा चन्दन समेत 12 गोटे जगननाथपुरी जाई लेल तैयार – आब होलीमे हम असगरे रहब – डेरा आ अस्पतालमे(दूनू आन फिजीसीयन छुट्टी पर, जाहिमे हम बहुत दिनक अखबारक कतरन कय किछू हल्लुक करब घरके)॥

हमर 147 म मिथिला जागरण यात्रा(23-

28.10.2012)kurso etc.

23-28.10.2012

23.10.2012 Journey-Maurya

24.10.2012 Samastipur- train

24.10.2012 Kurso

25.10.2012 Kurso

25.10.2012 Lagma

25.10.2012 Bideshwarsthan

25.10.2012 Jhanjharpur

25.10.2012 Madhepur

26.10.2012 Mahisham

26.10.2012 Madhepur

26.10.2012 Jhanjharpur

26.10.2012 Phulparas

27.10.2012 Deodh

27.10.2012 Ghoghardiha

27.10.2012 Jhanjharpur

27.10.2012 Madhepur

27.10.2012 Rahua

28.10.2012 Rahua

28.10.2012 Madhepur

28.10.2012 Jhanjharpur

28.10.2012 Darbhanga- RNC Train

आई (31.10.12.) भरी दिन अगिला प्रशिक्षण वर्ग ३४-३७ क तैयारी में लागी गेल तथापि

130म मिथिला जागरण यात्रा क बात किछु आगाँ बढावी नही त बिसरा जायत कलही संगठनात्मक रिपोर्ट आ फोटो पोस्ट भेल छल

एही यात्राक ६ रातिमे २ अबैत जाइत ट्रेनमे आ चारि चारि गाममे - कुर्सों, महिशाम , डेवढ (कवि जीवकान्त जी घर), आ रहुआमे बीतल अछि आ सबहक अपन स्मरणीय प्रभाव अछि

जखन ट्रेन लेल निकललन्हू पहिले रांची स्टेशन पर बनारस क आरक्षण लेल २ दिसंबर क विद्यापति पर्व हेतु जे खिड़की में आगाँ २-३ लोक हमर ट्रेन मौर्य भेटे ताहि हेतु पहिले लेब देलक - आब दिसबर तकह्क सब टिकट अछि से सोचालन्हु (दीपावली में बेनीपट्टी आस पास, १० दिसंबर दिल्ली धरना आ मधेपुरा २५म अन्तरराष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन २२-२३ दिसम्बर लेल भागलपुर तक के) मुदा रास्ता में दुमका २८ नबंबर बढ़ी गेल .

मौर्य एक्सप्रेसमें बैसला पर मोन भेल प्रवीणजीके एस ऍम अस कय दी कारण ओ पूजामे व्यस्त होथि मुदा टाइप करैत छालान्हू की टेलिपाथीस हुनक सूचना गेलैन्ही जे रेडियो तरंग स अधिक तेज(यक्ष युद्दिश्तिर संवादमे वायुस अधिक तेज मोनके कहल

गेल छैक)

शंकित छलन्हू जे कुर्सों १२-१ तक के दशहरी मीटिंग लेल पँहुची पायब वा नहीं आ कंही समस्तीपुर मे भोरे ६५५ क दरभंगा ट्रेन भेटत आ नही मुदा ट्रेन समय्स पहिने ५ मिनट पँहुचल आ ठाढ़ ट्रेनमे मिथिलाक पर्चा बाटी किछु हल्लुक भेलान्हू- किछु देर बाद ओही डिब्बा क एक यात्री स पर्चा पर सहमती भेटल आ कालिया स कालिदासक चर्चा एहेन नीक कहलाह जे विडियो बना लेल - (वैह सहयात्री विजय ठाकुर पुप्रीक अगिला कैंप १०-१४ नवम्बर करेताह ईहो एक संयोग कही)

दरभंगा पहुंची डोनर तेमो स गेलंहु- एक बस कुर्सों क हमर मानो प्रतीक्षा काय रहल छल - प्रवीण जी के कह्लियेन्ही जे आब जरूर समय पर पन्हुचाब- बस मे सेहो पर्चा बाँटल(हर मैथिली कर्य्कर्ताके किछु पर्चा रखक चाही आ एकर लाभ अबैत जाइत जरूर करी)-ठेन्घाक पटना मे कार्यरत एक युवा उत्साह देकहुलाह ओना ओ सांझ मे कुर्सो मे नहीं भेतालाह व भेंटी पोलाह भीड़ चलते..

ई रास्ता हमारा लेल पहिल छल सोनकी होइत आशापुर तक- कहियो १९७७ मे सुमंजे एक चुनाव मे हम किछु मेदिकोस संग चुनव प्रचार लेल ओतय छलन्हू- मझौदा गामक पवन ठाकुर हमर मित्र मुदा फोन नहि लागल छल फेर आयल अलीनगर- अलीनगर मे उतरैत एक संभ्रांत व्यक्ति क परिचय पूचाल ओ

ओतुक्का बी डी ओ छलथि झाजी खुटौना दिसिक वासी हुनका एक मिनट रोकी अपन मैथिलीगीता देल -

बगलक विद्यार्थी कहलक जे कुर्सो आबी गेल - जेना बताओल छल दुर्गास्थान मे उतर्लान्हू- अनके गाम क भगवती स्थान सन मेला लागल - प्रणाम केलान्हू मुदा स्नान दैनिक पूजा बांकी छल से परिसर भीतर जाइयोक स्थान क भीतर नही गेलहुँ

प्रवीणजी फोन पर कहलाह जे आबी जाऊ ड्योढी पूछी ओ पूजा पर छथि - कियो हमरा लेब अबैत अछि- हमर समाजवादी सर्वहारा मोन लागल जे कत जा रह ल छि? प्रवीण क पिताजी समाजवादी छलथि मुदा अपन देश मे सब एहने पिघ आदमी समाजवादी बानित अछि?

तथापि बदलाहूँ- हुनक अनुज रास्तामे हाथ मे झोडा देखि चिन्ह्लाह - ने ओ झोडा मंग्लाह ने मगला पर दितियेन्ही लेकिन लागल जे ड्योधीक लोक..पता नही हमर भाईक ओही घरमे विवाह कोना भेअलिक- संभव ' लव मैरज'रहल हो.दूनू एक संगे पटनामे पढैत छलाह मैथिली मे...

मुदा २-३ मिनट बाद घर आयल से अति सामान्य लागल - प्रवीणजी पंडित जकाँ पाठ करैत

हमहूँ तैयार भेलान्हू - पैखाना आदि ट्रेन मे भय गेल छल केवल स्नान से बाहर एक चाप कल मे भेल आ ओताही बेलपत्र पिघ गाछ स आ छोट बछा तुलसी पात सेहो अनलक- पंचदेवता पूजा संक्षिप्त केलान्हून-

हुनक एक कक्का वा भाई बेर बेर कहैत--ठीक ११ बजे , पंक्ति बध्हा, सिनीओरिटीक अनुसार- हमरा लागल जे द्योढीया फरमान .. कह्लियेन्ही अहाँ जाऊ ..हमरा पूजा मे किछु मिनट लागत अनुशाशनप्रिय संघ प्रभवे हम छे मुदा हमरा बहुत ताम झाम पसंद नहि

प्रवीण जी आदि निकली गेलाह - हुनक घरस हम भगवती लगस हमारा लेल राखल जयन्ती लेल

धोती गंजी पर शर्ट ली (कुर्ता हम रखिते नहि छि प्रायः बहार जाइत काल) -लिय! एकहू पन्त शर्ट नहि! लागल जे एहो एक झंझट भेल - किछु दिन पूर्व अनंत मूर्ती क एक कन्नडा कहानी टाइप करैत एक पात्र के अपन एक धोती कोनो गरीब के दयक केवल कौपीन मे रहक छल से बही गेल- भाग्यस बांकी सब वस्त्र गंजी- उंदर पन्त, मौजा ४-५ क छल , हडबडी मे एकहू शर्ट नहि राखि पयलान्हू- पहिरल पहिरी भगवती लग कोना जायब- तौनी गंजी पय राखि देहाती भय चललहूँ

प्रवीण कहने छलाह बिना चप्पल के आबी से एक परिक्षा अलग भय गेल - ओ बाबाधामक कांवरिया छथि मुदा हम?

पन्हुचलन्हू भगवती स्थान - पंक्ति लंबा मे ठाढ़ भय अपन क्रम अयला पर भीतर पूरण अनेक मूर्ती पाल समय क भगवतीक - कोनो भ्नाजित सेहो लागल विदेशी द्वारा वा टूटल समय स? फोटो लेल

सब कियो अपन घर क जयंती लय चढ्बय अबैत छथि
हमरा लगैत अछि नीक रहैत सामूहिक जयन्ती स्थान स सब अपन घर ले जायक परम्परा रहित- मुदा मैथिल अछि अहमवादी आ व्यक्तिवादी -
काफी भीड़- हमरा लेल कोनो गाममे देखल ई पहिल अवसर छल (अपन गामक एहेने स्थान मुदा मूर्ती नहि) मे हम कहियो नहि गेलंहु
लोक क उत्साह अपूर्व छल मुदा लागल सब भौतिक कामना लेल पूजा करैत छथि की?
फेर नब बनल दुर्गा आ कालीक मूर्तीक दर्शन कायल

२५.१०.२०१२ क दुपहर कुर्सोंक कनिए देर बाद हम लगमामे छलहूँ जाते ब्रह्मचारीजीके २०.९. २००९ क देखने छलहूँ - हुनक समाधिस्थ हेबाक खबरि भेटल छल-



समयाभाव छल मुदा मोटर साइकिल वापस करय कहलियैन्ही - हुनका श्रद्धांजलि देने बिना आगाँ बढ़ब अनुचित लागल- हुनक

सारा पर लागल तुलसी वृक्ष मानो कहैत छल जे ओ विष्णुलोकमे छथि - किछु फोटो आश्रमक खीचल जे हुनक कीर्ति छनि- संस्कृत शिक्षाक केंद्र जाही लेल मिथिला कहियो प्रतिष्ठित छल से ओ स्थापित कय गेलाह अछि (२९.१०.१२ क रांची में सीसबैर गामक एक शिक्षक ओही स्थानस स्नातक भेटलाह परिचय क्रममे)

अनेक छात्र आ किछु शिक्षकके देखल जाहिमे एक उच्च स्वरमे डाँटि रहल छलाह - हुनका सबके शांत रहय कहि मिथिलाक पर्चा देल आ अपन मैथिलीगीता.

छात्र सबस अमरकोशक बारेमे पूछल जे हम अपन ८-९ वर्षक आयु में पढैत छलहूँ - "यस्य ज्ञान दयासिंधो ..." हमर बजिते ओ सब आगाँ बाजय लगलाह, फेर इंद्रक नाम पूछल जाहिमे पहिले त नहि मुदा हमर "इन्द्रौ मरुत्वान मघवा..". कहला पर एक छात्र संग पढ़ैत गेल -- हम बतावल कोना १९६२-६३ क एखन तक याद रखने छि यैह थिक संस्कृतक विशेषता, एक बेर पढू जीवन भरि याद रहत. किछु मिथिला राज्य लेल बता आगाँ बढलहूँ

ई रास्ता देखल छल- रास्तामे कनकपुर गाम पडल याद आयल रांची हाईकोर्टमे कार्यरत मैथिली कार्यकर्त्ता रामचंद्र झाक मुदा ने मोबाइल लागल ने ओ गाममे छलाह - जल्दिये लोहना रोड क्रोसिंग पारकय धर्मपुर आ बिदेश्वरस्थान - देखलहुं पट खुजल

फेर वापस भेलहुँ आ दर्शन आ फेर एक गीता पंडित जी के देल २०.९.२००९ आ १८.१२.२०१० क बाद ई तेसर दर्शन छल मुदा लगैत अछि अओरो एकाध बेर भेल अछि जकर रिकार्ड नहि अछि बिदेश्वर चौक पर कल्पकवि उमेश नारायण कर्ण भेटलाह झंझारपुर प्रशिक्षण वर्गमे जाइत -ओ तिरहुता सीखबयमे अपन विशिष्ट विधा रखने छथि आ इम्हर प्रायः सब वर्गमे अबैत छथि मोटर साईकिलबला संजीव एतयस वापस भेलाह आ हमरा तुरंत एक औटो भेटल झंझारपुर लेल भेटल - रेल आ सडक पूलक अजूबा सायुज्य छैक ओतय कमला पर से देखैत बस स्टैंड आ ओतयस टिबरेवाल स्कूलक वरामदा पर
शीघ्रहिं दिनेश पासवान अयलाह समय स. दरी चदरी लयक आ फेर अरूण बाबु वकील आ वर्ग प्रारंभ भेल - उद्घाटन भेल आ सामान्य बातक बाद हम मधेपुर लेल एक मिनी बस लेलहुँ

२७.१०.२०१२ करीब चारि बजे मधेपुर लक्ष्मीपुर चौक लग पहुंचलहूँ हमेशा जकां भीड भाड़ अगल- बगलक गाँवस लोकक चलते

- सीधा हर्षपति महाविद्यालय गेलहुँ - प्रशिक्षणक बाद महिषाम जेबाक बात छल मुदा हेमकांत नहि पहुंचल छलाह - पूछल के छि बाइकबला? - रहुआक नारायणजी एक दिन पूर्व फोन केने छलाह से आयल छलाह   बाइकस .ओहो कविता लिखैत छथि -

लगैत अछि घोघरडीहाबला नारायणजीक नाम चलैत रहत कह्लियैन्ही अहाँक गाम जायब प्रदोष व्रतक पूजा करब आ ओतहि रहब यदि अहाँ के दिक्कत नहि हो?
ओ सहर्ष तैयार भेलाह आ किछु काज छलन्हि चौक पर जकर बाद अयलाह - लागल प्रदोष समय बीति जायत - प्रदोष कहाईत अछि सूर्यास्तक बाद ६ घड़ी ; २४ घंटामे ६० घड़ी यानी ६ घड़ी भेल १४४ मिनट . सूर्यास्तक समय करीब साढ़े पांच छल- मुदा ओहि समय कोना तीन घड़ी ध्यानमे रहल जे कह्लियैन्ही सीधा जल्दी चलू पारसमणि महादेवक पहिले दर्शन करब जतय महंथ लक्ष्मीनाथ गुसाईं के सिद्धि भेटल छलन्हि
पहिले भखरैन गाम पडल फेर आगाँ गेला पर रहुआ गामक पहिले बामा कात किछु दूर सूनसानमे पारसमणि महादेबक प्रसिद्ध मंदिर - शुक्ल त्रयोदशी चलते चन्द्रमा देखा रहल छलथि सब किछु -मंदिरक ग्रील बंद मुदा दीप जरैत - नारायणजी कहलाह जे एही मंदिरमे रातिमे कियो रहबाक नहि सोचैत अछि - भैरब ओकर हानि करैत छथि- हमरा लगैत अछि एही चलते ओतुक्का असली पारसमणि चोरके चोरबयमे सुविधा भेल हेतैक - बादमे एतय नब शिरास किछु कृत्रिम बनाओल गेल - झोरा राखी ओतहि चापाकलमे स्नान कयलहूँ . भोरमे घोघरडीहामे शिवक विवध स्तोत्र पाठकय लेने छलहूँ जे बिजली भावमे एतय फेर करब संभव नहि छल- महादेवके प्रणाम कायल आ फोटो

लेल - पार्वती मंदिरक सेहो फेर बाहरमे ओ दू पीपर गाछक जतय लक्ष्मीनाथ गुसाईंके सिद्धि भेटल छलन्हि

मोन प्रसन्न भय गेल - १५ दिन पूर्व प्रदोषमे कुशेश्वरधाममे बाबाक दर्शन भेल छल (आ अगिला कपिलेश्वरस्थानमे संभावित अछि ११.११. क)

नारायणजीक घर गेलहूँ आ पारण भेल - अनेक विधि बात

ओ गामहिमे रहि बच्चा सबके पढबैत छथि -

नारायणजीक भाई कांवर लय हर मास बाबाधाम जाइत छथि से २८.१० .१२ क भोरमे निकलि गेलाह दरभंगा ट्रेन पकडय सुल्तानगंज लेल

मैथिली कार्यकर्ता विनय मोहन जगदीश जी अयलाह जे तिरहुता जनैत छथि आ हमरास अनेक बेर फोनस बात केने छथि - विविध बात भेल - अपन घर चलक आग्रह केलाह - कहलियेन्ही तैयार भय भोजनकय अबय छि से गेलियेन्ही - गामक बसक कथा सुनौलाह - कोनो पंडित भगवत झा कुजय्बार सतेल (खजौली लग सतेल गाम क कात्यायन गोत्री) के बेटा नहि छलन्हि- अपन भातिजके चार पर सज्मानी तोडय चढेलखिन्ह - हुनक भाबहू कही उपराग देलखिन्ह अपने त एकटा मुसरी नहि भेलन्हि आ हमर नेना कंही खसी गेल चारस त ? पंडितजी बहुत दुखी भेलाह आ दूनू प्राणी घर छोड़ी निकलि गेलाह दक्षिण दिसि- एही रहुआ गाम क पश्चिम मे बडक गाछक नीचा रुकलाह - एहि गाममे ब्राह्मण नहि छ l - हिनकर स्वागत

भेल आ लोक रूकक आग्रह केलन्ही आ एतय हुनका तीन संतान भेलन्हि ओ कुश अपनहि उखाड़ी आसिनी अपन हाथ बना सूर्य क उपासना केल्खिंह- ब्राह्मण वेश मे सूर्यदेव प्रत्यक्ष भेलाह - "हमरा देह काप लागी गेल - ऐना कुश पर तपस्या कियैक करय छि? ओ बजलाह- हमारा संतान नहि से भावहु कहलीह से काप जकां लगैत अछि? सूर्यदेव वरदान देलखिन्ह तोरा तीन बेटा हेतौ.

सिह भेलाह उमानाथ झा, महिनाथ झा आ रघुनाथ झा आ फेर हुनक जमाय भगिनमानस गाम ब्राह्मणक ४२ गोत्र स भरी गेल -

दरभंगा स ७० किलो मीटर दक्षिण -पूब ई गाम प्रसिद्ध अछि - एही गामक अशोक 'अबिचल' २७ .१० .१९९५ क रसियारी डॉ . लक्ष्मण झा क गाम जय क्रम मे भेटल छलाह , संग ओतय गेलाह अजित आजाद संगे, से दोसर अंतरराष्ट्रिय मैथिली सम्मलेन जनवरी ७-८ ,१९९६ मे अयलाह आ बाद मे जमशेदपुर मे प्राध्यापक भेला पर लगातार अंतर राष्ट्रिय मैथिली पारिषद स जुटल छथि- सगर राति दीप जारी के आयोजनक बाद मैथिली सबस मोट (६७३ पृष्ठक) कथा संग्रह "कथा पारस"क प्रकाशन एहि गामक एक दाता दुखमोचन झा क सहज दानस भय गेलैक जाहीमे करीब एक लाख रूपा लगलैक - १२५ जीवेइत कथाकारमे हमरहूँ एक कथा, 'एक वोट

क लेल' ओहिमे प्रकाशित अछि मुदा गामक बारेमे ई कथा ओहिमे नहि देल गेल अछि - गामक बारेमे एक मोनोग्राफ हेबाक चाही बल्कि हर गाम के अपन बारे मे प्रकाशित करक चाही- हमरा बिदाई में जनेऊ सुपाड़ी संग किछु रूपा लेबाक लेल बढौलाह - जनेऊ लय कहलियेन्ही जे अहाँ परिषदक सदस्य बनी जाई कार्यालय के ई पाई पठा कय .

एम्हर शिवशंकर झा 'राही' अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् जमशेदपुर क महासचिव भेलाह आ आब बंगलौर क अध्यक्ष छथि - हुनक पिताजी भोरे आबि भेंट केने छलाह- ओ पूर्व मुखिया अखनहु गाम लेल सक्रिय छथि- पिछला साल सिमरियाघाटक कुम्भवासमे भेंट भेल छल- हुनक घर सेहो अंतमे गेलहुं आ सोचने छलहूँ भखरैन अपन बहिनिक सासुर देखि ली मुदा अध्यक्ष कमलकांतजीक फोन आयल जे ओ हर्षपति महाविद्यालय पहुंची गेल छथि- सीधा ओतय गेलहुं - नारायणजीक घरमे हुनका लेल रोटी भुजिया बनबा लेने छलहूँ - जाबत कार्यक्रम प्रारंभ भेल हुनक भोजन भय गेल - समापन कार्यक्रममे हमर पितियौत ज्येष्ठ भाई डॉ. उमेश ठाकुर मुख्य अतिथिक रूपमे १७.१०.१९९३ क ओहि दिनक बात दोहरेलाह जे गुरुदेब रबीन्द्र कहने छलखिन्ह-एकला चलो रे.. ओ कहने छलाह- " जे आई तूँ असगरे छह काल्हि मिथिला तोहर पाछाँ रहताह. " हम मोने मन सोचलहूँ अहि २० वर्षमे त ई स्थिति नहि आयल तखन महीन्द्रजी चलते कहुना ओहि मधेपुरमे प्रशिक्षण वर्ग भय

गेल -१८ प्रमाण पत्र बाँटल - जतय चौक पर महामना जानकी नन्दन सिंहक मूर्ति अछि जे मिथिला राज्य लेल १९५४ में कल्याणी कांग्रसमे सैकड़ों प्रतिनिधि लय गेल छलाह जिनका सबके आसनसोल मे नज़रबंद कायल गेलैन्ही..डॉ लक्ष्मण झा बागलक रसियारी गामक ..मुदा ओ सब असफल केवल एहि लेल भेलाह जे कार्यकर्ता निर्माण नहि केलाह आ हम सब यैह प्रयास कय रहल छि

उम्हर झंझारपुर स फोन - कमाल्कान्तजी संगे सामने एक टेम्पू लेलहूँ आ चिर परिचित रास्ताक हरीतिमा देखैत झंझारपुर दिसि -लखनौरक दू युवाके पर्चा देलियेन्ही जे बहार रहित छथि आ मिथिला काजस जुडताह से कहलाह
टिबरेबाल विद्यालयमे कार्यकर्त्ता जमा छलाह- रुंजी, दिनेशजी आदि आ ओतय समापन काय फेर कल्प कवी आ कमलकांत जी संगे दरभंगाक बस देलहुं- कल्पकवि सरिसब मोड़ पर आ कमलकांत जी सकरी उतरलाह आ हम हिघ्वाय्बला रास्ता स पहिल बेर दरभंगा मब्बी लग स घुमैत - स्टैंड स उतारी टेपू स विद्यापति चौक सतसं दिसि देखल कथार्वादी मे मिथिला आवाज़ दैनिक क कार्यालय क बोर्ड- उतरे गेलहुं- मैथिली कार्यकर्ता रोशनके ताकल आ ओतहि भेटलाह अमलेंदु पाठक आ एक पत्रकार जे दिल्ली २१.१२.२००८ क १८म अंतरराष्ट्रिय मैथिली

सम्मेलनमे प्रश्न पूछने छलाह से फेर दोहरा देलाह - मिथिलाक राजधानी कतय आ एकर संसाधन की? सामान उत्तर देलियेन्ही मिथिला मे आ मिथिल्क संसाधन(बांकी बिहारस ओहुना किछु नहि भेटत).

अजित आजाद एही अखबारक   मुख्य प्रशासी अधिकारी - नीक लागल - कहियो ई घोघरडीहा मे १९९५ मे संग भेल छलाह -फेर छुटिकय साहित्य कार्यमे लगलाह(ओहू समय साहित्य अकादेमीक संयोजक के क फोन आबि रहल छलन्हि? नाम हमरो छल ओहि सूचीमे मुदा हम निरपेक्ष भावस नब नाम सुनलहूँ) - अजीतके कहलियैन्ही अहाँक हाथमे नौकरी बदलक चक्कर लिखल अछि -ओ कह्लाह ४१ सालक आयुमे ४४म नौकरी छनि आ ६० साल होम तक १०० नौकरी पुरेबाक छनि मुदा जाबत जतय रहताह ओकर भय रहताह. कह्लियैन्ही तखन ओहू पर एक कथा लिखा जायत....किछु और सामान्य बात कय निकललहूँ नीचां ..बाहर छोड़य अयलाह.. नीचा एक चेहरा देखि थम्कलहूँ - सहरसामे पहिले जागरणमे पत्रकार महापात्र छलथि ओहो चिन्ह्लाह- बाहर अजीत आ अमलेंदुके फोटो खिची बिदा कायल आ पैदल विद्यापतिक आ फेर सुमनजीक मूर्ति लग जा फोटो खीचलहूँ- राजकुमारगंजमे डॉ. सुरेश्वर झाक डेरा गेलहुं - ओ नहि छलाह - फ़ोन कय हुनक आवासक एक बच्चास हुनका ऊपर एक प्रकशित पोथी 'अभियानी'क प्रति लेलहूँ जाहिमे हमर एक लेख सेहो हुनका ऊपर अछि .

बहिनिक डेरा अबैत काल ऍम आर ऍम कोल्लेगेक सामने वामा कात प्रोफ़ेसर कॉलोनीमे मुडैत सीमेंटेड नाला पर पैरक आगाँ तुरंत एक चौड़ा मटमैला चमकीला छालबला २-३ हाथक सांप सामनेस निकलि गेल - घरबसी के हल्ला कय साकांक्ष कायल - डेरामे छोट बहिनि कहलक सांखड़ साप रहल होयत जे आदमी क संग वास करैत अछि - भोजन केलहुं आ भगिनी (जे रांचीमे पढैत अछि) के संग स्टेसन सिंगियाबला एही बहिनोइक संग- स्टेसन पर जमशेदपुर क सिंगियावासी कृष्णमुरारीके फ़ोन मालूम भेल दूनू अपरिचित - कारण ओ छथि माहे -सिंगिया सम्स्तीपुर्क रोसड़ा -कुशेश्वर बीच क आ ई छथि पिंडारुछ लगहक सिंगिया के. संयोग स बहिनोइक कक्का अपन बेटी संगे बोकारो अबैत आ हुनक आरक्षण संगहि एकहि कोच नहि एक बे मे यानी ८ मे ४ हमरही सबके - भीड़ बहुत छल- असीं पूर्णिमाक बरौनी तकके सिमरियाघाट कल्पवासमे जाइत वृद्धा महिलासबके- कोनहुना चढ़लहूँ . स्टेसनक बुक स्टाल पर गौहाटीक पूर्वोत्तर मिथिला समाजक आ मुंबईक मिथिला दर्पणक प्रति खरीदने छलहूँ - दूनूमे एक -एक समाचार अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक छपल देखल - फारबिसगंजमे भेल २४म अंतरराष्ट्रिय मैथिली सम्मलेन आ तरौनीक ३१म कार्यकता प्रशिक्षण शिविरक . आब ई भेल ३२म आ ३३म शिविर क रिपोर्ट जे जागरण, आ काल्हि निकलि जेब ३४म पुपरी ३५म

बेनीपती ३६म धकजरी ३७म मधुबनी आ ३८म रहिकाक कार्यकरता प्रशिक्षण शिविरक लेल..

हमर 148 म मिथिला जागरण यात्रा(10-14.11.1012) Dhakjari

9-14.11.2012

9.11.2012 Journey_Maurya

10.11.2012 Darbhanga

10.11.2012 Pupari

10.11.2012 Bhetua

11.11.2012 Puapri

11.11.2012 Benipatti

11.11.2012 Dhakjari

11.11.2012 Madhubani

11.11.2012 Rahika

12.11.2012 Rahika

12.11.2012 Madhubani

12.11.2012 Dhakjari

12.11.2012 Benipatti

12.11.2012 Pupari

12.11.2012 Bhetua

13.11.2012 Pupari
13.11.2012 Benipatti
13.11.2012 Dhakjari
13.11.2012 Dhakjari
13.11.2012 Madhubani
13.11.2012 Samaul
14.11.2012 Madhubani
14.11.2012 Dhakjari
14.11.2012 Benipatti
14.11.2012 Rahika
14.11.2012 Madhubani-RNC Train

हमर मिथिला जागरण यात्रा(नवम्बर 10-14,2012) स्मरणीय रहल एही लेल केवल नही जे हम पहिल बेर (चलैत कार्यक्रम बीच)अपन गाम समौल जा अपन १००+ वर्षीय काकाके सेहो देखि पयलहूँ अहू लेल जे ई एक प्रयोग छल एक संगे ५-५ मैथिली कार्यकर्ता शिविर आयोजित करक जाहिमे प्रशिक्षण लेबयबलास अधिक अपन परीक्षण भेल- एक दिन प्रदोष त्रयोदशीक व्रत छल मुदा दू दिन खा नहि पयलहूँ दिनमे एकके बाद दोसर ठाम समय पकडक लेल - कुल मिला पूर्ण पूर्व नियोजित शिविरमे अधिकांश अनियोजित भेल आ अकस्मात

उभरल कार्यकर्ता द्वारा सकुशल संपन्न भय गेल
ओना त सोचने छलहूँ जे केवल बेनीपट्टीमे शिविर हो मुदा पिछला बेरक झंझारपुर मधेपुरक एक संगे शिविर क अनुभव चलते एक एक कय पुपरी धकजरी आ मधुबनीक संग अंतमे रहिका सेहो जुडी गेल आ ओना देखल जाय त हमर सब ठामक कार्यकर्ता संयोगवश भेटल छथि मुदा एही बेर संयोग किछु अधिकन्ही प्रबल छल
एहिमे बेनीपट्टीक कमल जीस परिचय कहियो पत्रकार मदनजी करौने छलथि जिनक मोनमे मिथिला कार्य कोना हो लगैत अछि धधकैत रहैत छनि आ कम लोकके हमरा लग आयल देखि हर बेर अफशोश करैत छथि मुदा ओ मानैत छथि जे हमर काज मंच पर भाषण देई बलास अलग जरूर अछि
मई २०११ मे बेनीपट्टीमे लेल निर्णय जे ओतय एक वर्ग हो आखिर भय गेल
मुदा एहिमे अनेक संयोग जुटल - कुर्सो जाइत काल (दशहरा दिन) समस्तीपुरस दरभंगा जैत डिब्बामे भेटल एक सहयात्री विजय कुमार ठाकुर गछि लेलाह जे कैंप करवा देताह आ पटना पुस्तक मेला नवम्बर रद्द भेला अपन १० तारिख खाली छल- आ ओ वर्ग १०-१३ नवम्बर बीच भय गेल- एखन चाणक्य नीति उत्तराखंड ग्रुपमे पढैत छलन्हू- रोटीके कातस खेबाक चाही बीचस नहि- जतय तथाकथित मिथिलासेवी बीच दरभंगामे रोटी वल्कि कहू पपड़ी खा रहल छथि हम अररिया, समस्तीपुर,

बेगुसराय, मुंगेर, गोड्डा, जामतारामे मिथिला- मैथिलीक सीमा बांधयमे लागल छि, सीतामढ़ी सेहो गेलहुं मुदा सफलता नहि भेटल छल आब पुपरीक बाद एक आशा बनल अछि- जे चंपारण सेहो बँधी जायत

पिछला ५० वर्षमे मैथिलीसेवी निराश भय मिथिलाक बात बंद कय देलाह जे आब २० वर्षक हमर प्रयत्नक बाद बहुतन्हू लेल बात करक वास्तु जरूर बनल अछि आ किनको लेल काज करक सेहो- आब हजारों युवक एहि पक्षमे छथि आ अनेक राजनेता

दरभंगास वज्जिकाक शंख नाद होइत अछि मुदा सात टाका टिकटमे पुपरी पहुंची लोक काज नही कयलाह- हमरा एक संपर्क भेटल आ ओकर उपयोगस लागैत अछि जे आन एक सम्मलेन ओतय कय पायब

९.११.१२ क मौर्यसरान्चीस जखन निकललहूँ -अनेक शंका छल कारण एक दिन पूर्व विजयजी अपन घरमे एक बीमारीक बात कहने छलाह मुदा ओ मुस्तैद रहलाह

दरभंगा स्टेशन पर स्नान करक विचार छल- बूचरूजीक सलाह राजनाथजीक घर वा अपन बहिनिक घर लालबाग जेबाक बात छोडि देने छलहूँ कारण संगमे छल काफी भारी प्रचार सामग्री- ५ बैनर , ५० गीता, १०० मैथिली सन्देश आदि- हमर जिन्दगी एहिना ई सब ढ़ोबयमे बीतल आ बीतात - समस्तीपुरमे एक झोरा डाक आर ऍम असमे खसा किछु हल्लुक छलहूँ मुदा भारी

तैयो छल

दरभंगा स्टेशनमे सोचलहूँ स्नान कय ली - समस्तीपुरस दरभंगा आयल गाडी १२ बजे सीतामढ़ी जायबला छलैक - देखल दूध लटका आनयबला बेर बेर पानिक पाइपस पानी लैत छथि (आ दूधमे मिला ओकर वसाके मात्रा कम कय स्वास्थ्यकारक बनबैत छथि, ह्रदय अपघात कम जरूर होयत ,गंदा पानी जरूर छैक मुदा दूध बिना खौलौने लोक नही पिबैत अछि तैं अन्य बीमारीक संभावना घटी जाइत हेतैक) हमहूँ ओही नलमे स्नान कायल आ फेर ट्रेनमे पूजा पाठ
यद्यपि बूचरूजी के कहने छालीयेंह हमरो टिकट लैय आबथि- सोचलहूँ सर्वोदयबला स्टालके किछु गीता दय हल्लुक होई - हुनका २० प्रति राखी देल- ओताही भेटलाह बाजपट्टीक एक मैथिल रेल कर्मचारी जिनक सहयोग दरभंगामे तिरहुता मे नाम लिखबयमे छल जानि हुनक वीडियो पर वार्ता लेल - ओ बाजपट्टी लेल आमंत्रित केलाह- बाहर जा बैगक हत्था भारी वजन चलते टूटल छल से सियावल आ तर्पणक कचकडामे आ प्लास्टिकमे आनल पानि मंदिर लग एक गाछक जड़ीमे देल आ ओतहि एक सेर पनीफल सिंघाड़ा, एक दर्ज़न केरा , रामदान हल्लुक फूलक लाइ खरीदल जे रास्ता भरी खाइत रहलहुं एकादशीमे आ बुचरूजीस शास्त्र चर्चा होइत रहल - हुनका दीनाभद्री सल्हेश पत्रिका ३ सहयात्री खरीद लेल्कैन्ही आ २ गोटे आगाँ मिथिला

काजमे मददिक बात केलक- महमदपुर, टेकटारि , मुरैठ आदि स्टेसन निकलल आ हम अपन चहुटा , कमतौल आदिक १९९४ क साइकल यात्राक कथानक सुनावल- सिंघाड़ा पूरा खैल नही गेल- कारन बूचरू जी किछुओ नहि खेलैन्ही - हाथमे नहक नीच्चा सोहक दबाबस दर्द होम लागल जे कई एक दिन रहल

एक सहयात्री माधोपुरक , हुनका रांचीक अपन अध्यक्ष विश्वम्भर झांक बारेमे आ गांडवीश्वर स्थानमे भेल वर्ग क बारेमे बतावल आ आबी गेल जनकपुर रोड स्टेसन जे पुपरीक नाम छैक -जतय स जनकपुरधाम सोझे लगमे छैक नेपालमे लगमे गोपाल धर्मशाला पहुचल्हूँ आ अज्ञात सहयात्री विजय ठाकुर उपस्थित भेलाह अपन अनेक मित्र क संग आ मिथिला क रथ यात्री भय गेलाह जय जय भैरवी गा आ स्वामी ब्रजेश जी जोरदार शब्दमे मिथिलाक स्वायत्तता प्रान्तक रूपमेके जोरदार बात रखलैन्ही- भगवन हमर मिथिला स खंत्म भेल पहिल दिनक सत्र- हमरा भेटुआ लय जाई लेल हमर फारबिसगंज क बच्चाक गुरू पंडित रामचंद्र झाक पौत्र मृत्युंजय आबि गेल छल बाइक लय आ हुनकास भेंट करक सौभाग्यक चलते विजयजीक अतिथि नही भय पयलहूँ

भेटुआ करीब ६ किलोमाटर- शांडिल्य आश्रममे गुरुजीक द्वारा जोरदार स्वागत आ आशीष भेटल- कहियो राष्ट्रवाद आ संस्कृत शिक्षा देने छालह छठम वर्ग क पूर्व - सारस्वत व्याकरण मंगा

पढने छलहूँ- संस्कृत नहि पढ़ी अर्थकरी हिन्दी माध्यमक सरकारी स्कूल ९ वर्ष क अवस्थामे आबि गेल छलहूँ-
भोजन गुरुवाइन द्वारा जोरदार भेल- हुनक भरल पूरल परिवार छनि- अनेक बात - कोना हुनक बेटीक गामक एक मेडिको पाठक हमरास विवाहक प्रस्ताव वापस लेने छल जे विन्ध्याचलमे मंदिरमे विवाहक हमर आदर्श प्रस्ताव छल आदि घर परिवारक बहुत रास बात- आ फेर सूतलहूँ- ओहि ग्रामीण आश्रमीय परिवेशमे

149 म मिथिला जागरण यात्रा(28.11.2012)- Darbhanga

28.11.2012 Darbhanga betik Chaturthi Udayshankar Mishra

अति संक्षिप्त 132म मिथिला यात्रा के जागरण यात्रा कही वा नहि मुदा मिथिलाक यात्रा अनवधानमे भय गेल जखन कातिक पूर्णिमाक छुट्टी लेल हम एकाएक निर्णय लेलहुं जे मिथिला आन्दोलानी उदयशंकर मिश्र क बेटी क विवाहमे 25.11.2012 क नही जा सकल छलहूँ
9.4.2011 क हम जामताड़ा आ दुमका गेल छलहूँ आ अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् क इकाई बनाउने छलहूँ किछु मॉस पूर्व ओ सब विदय्पति पर्व एक स्थानीय संगठन क नाम पर के

लेलाह आ सूचन

ा नही देलाह दुमका में सेहो किछु एहिना भेल - पहिले11.10 क बात भेल कहलियेन्ही प्रान्तक सब स्थाम स 1-2 प्रतिनिधि बजा प्रांतीय सम्मलेन कही - कलाकारक नाम आदि पूछलाह - फेर ओही क्रममे 15.10.20 12 क तिथि बता देलाह आ कहलाह एक नव संगठन विद्य्पति सांस्कृतिक परिषद् करत- संगही अबय लेल औपचारिक कहला वा आमंत्रित केलाह से कहनाइ कठिन कारण फोन हम केने छालियेन्ही लेकिन स्वीकार केलियेन्ही मुदा (7.11.2012 क देवघर एक कार्यकर्ता के कह्लिईन्ही जे 18.11 संग जायब मुदा हुनका आमंत्रण 27.11 क भेलैन्ही लेकिन हमरा बीझो नही भेल आ हम निर्णय लेल जे दरभंगाक टिकट ले 27.11 क गाडीमे बैसब आ यदि फोन आबि गेल जसीडीहस उतारी चली जायब लेकिन फोन नही आयल आ हम दरभंगा चली गेलहुं - गौरीशरण जी 27.11.2012 क कहने छलाह एक श्लोक जे जतय सम्मान नही भेटे ओतय राती के के पूछे दिन में सेहो नही जेबाक चाही

आखिर हमरासन लोकस कोनो संस्था वा लोक के कियैक डर लगैत छैक- कोनो मंत्री क सामने बेबाक बजबैक मिथिला राज्य आ मैथिली भाषा और की - ने त किनको स अबय जाई लेल पाई मांगे छि ने ठहरय के सुविधा ने कोनो लिफ़ाफ़ तखन यदि हमारा सं लोक के अतिथि नही बनेबाक हो , हमरही कोन मोन

अछि?

हम एहो नही चाहे छि जे कियो विवाहादि में आमंत्रण दी - हमरा समयक अभाव रहैत अछि आ हमर समय जे समाज के लागत ओही में कटी जाओत वा असुविधा होयत - हम कोनो वी आई पी छि नही - कियैक हमरा लेल ...

लेकिन बजाबी आदर नही दी निरादर सेहो नही करी - व्यक्तिगत गीता क विद्यार्थी हम मान -अपमान स उठाल लेकिन जखन हम संगठन क प्रतिनिधि छि हमर उपेक्षा मतलब हमर सबहक संगठनक - हमर नाम संगठन क संग कार्ड पर छपक चाही सूचना में जेबाक चाही आ जतय हम वरीय छी (अपन नौकरी क पद, पेशा वा सांगठनिक अनुभव वा ज्ञानमे तदनुरूप स्थान भेटक चाही)

अस्तु प्रथम बेर अपन देल समय पर हम नही गेलहुं कारण एही में हमरा अपन उपेक्षा बुझायल- नीक होयत जे आगाँ कहियो ओतय जायके मौक़ा भेटत और हमर अनुमान गलत सिद्ध हो

अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् क विरोधी मैथिल कार्यकर्त्ता आ संगठन के बुझक चाही जे 1967 आ 1983 में बनल मैथिल महासंघ नही चलल मुदा अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् चली रहल अछि - हर मंच पर बात उठैत अछि जे संगठन के गोलबंद हेबाक चाही मुदा जे 27 संगठन मिलीके 1993 में अंतर राष्ट्रिय मैथिली परिषद् बनौलाहूँ - ओहीके चलेनाई ककर जिम्मेवारी

जे मोन में हो प्रयोग कय ली अंत में अंतर राष्ट्रिय मैथिली परिषद् सामने आबी जायत एक विकल्प क रूप में

अस्तु ट्रेन पर चधैत कल छोटाई पट्टीक (रैयाम चीनी मिल लग) रेलवे स सेवा निवृत्त छोटेलाल ठाकुर भेटलाह जे आई कहलाह मिथिला काजमे लगताह

दोसर सहयाती इन्द्रकांत झा गढ़वामे शिक्षा विभागमे सरबेटा क विवाह में तिलाठ (नेपाल) जेबाक रास्तामे- भोरे हुनक सार गंगाधरजी पुरान मैथिलीसेवी परिचित - जिद्द केला पर जाय पडल ओतहु आ

तेसर सहरसा जिलाक चीफ इंजीयर धनबाद जाइत जिनका स आई बात भेल जे ओ काजमे सहयोग देताह आ हुनक डेरा धनबाद क पता अपन कार्यकर्त्ता के दय देल अछि - हुनक जेठ भाई मधेपुरा कॉलेजमे प्राध्यापक फोन आई कायल मैथिली सम्मलेनमे सहयोग करताह 22-23 दिसंबर क - चीफ इंजीनियर के कहलियैन्ही जे बेटाक विवाह अपना स नीच आर्थिक घरमे करी आ शर्ट नही बनाबी जे अमुक कमउआस विवाह करब - पहिले कहला जाइत छलैक लडकीक विवाह अपना स उंचमे करी मुदा जब्त लड़का बला मानसिक रूपे एही लेल तैयार नही होयत या त गरीब के बेटीक विवाह नही होयत या फेर लोभी व्यवस्थाक नाम पर अव्यवस्था करताह आ दहेज़मुक्ति बलाके शिकार हेताह

एक सह्यात्रीके खैनी नही खाई लेल सुझाब देलियेन्ही (ओ हमरा नाम सुनने छलाह ताहि हेतु हमर बात सुनि झंझटी नही केलाह ओना तर्क राखिये देलाह हमर फलां कका एतेक वर्ष तक खैनी खेत रहलाह- कहलियेन्ही जा कय कैन्सर अस्पतालमे लोकस बुझी जे ओहिमे कतेक लोक खैनी खाइत छलाह
हुनक जेठ सासू (पत्नी क पहिन बहिन) आ साढू बरौनी में चढलखिंह- दूनू बहिन बहुत खुश भातिजक विवाहक उमंगमे -- (जहिया बेटी क विवाह हेतैन्ही मोन कोना रह्तैन्ही?)

दरभंगा स्टेसन पर झोरा भरल डाक आयुर्विज्ञान प्रागतिक खसा हल्लुक भेलहूँ आ लौटक टिकट लेलहूँ ताबत राजीव कर्ण अयलाह - फेर गंगाधरजी ओतय गेलहुं- दिग्घी पोखरी बहुत साल बाद देखल - दोनारी लग टेम्पू भेटल- मेडिकल कॉलेज में कर्पूरी चौक बनी गेल आ कोनो दक्तर्क नाम नही भेलेही स बुझी ली कतेक महत्व छैक दरभंगाक नाक संस्थानक- एक पोखरि जरूर नब देखल् खुनायल -वेस्ट आ ईस्ट होस्टल बीच से नीक लागल - बंगाली टोलामे अपन गुरु डॉ बी अन दास गुप्ता क उजडल घर (जेन डॉ सरकार क उजडल घर मुख्य सड़क पर) - खटखटेलापर पुरान नौकर शिबजीक पुतोहू निकललीह आ शिवजीक बेटा - बोकदा लेल पूछला पर ले गेल हुनक डेरा 27 वर्ष बाद देखि अति प्रसन्न भेलाह- सहमत भेलाह यदि हम रहितहूँ दरभंगा सरके चैम्बरमे हम प्रक्टिस करैत रहितहूँ- हमर छात्र अवस्थामे बोका

दाक हमर प्रति उपकार - पहिला सूई दिया 2 टा का दिया देनाइ (ओहि समय ओहीमे भोजन भय जाइत छलैक)- बोकदा कहलक हमर ऍम डी में कम्पीट केला पर जे डॉ साहेब एडमि सन का पैसा देंगे आ डॉ दास गुप्ता 350 टाका देलाह , याद पडल डॉ शंकरानन्द वर्मा क हमरा 18 मॉस तक 175 टाका देनाई , डॉ अन पी मिश्र क 100 टाका मासिक देनाई जे हम ऍम दी कय पय्लाहूँ अ ओही गुरु ऋण के चुकबय मणिपुरी वीरेंद्रके खर्च पूरबय मेडिकल संपादकक नौकरी रांचीमे डॉ के के सिन्हा लग 1985-86 में केलहुं आ फेर कोल इंडिया, बिहार सरकार, विवाह भेनाई-टूटनाई- दिल्लिक चक्कर - मुंबईक कथ लैब जे जे अस्पताल क आ फेर रांचीमे नौकरी आ अकस्मात् मैथिली काजमें एनाई

स्नान नहि केने तैयो प्रसाद खेलहूँ आ फेर उदयजी डेरा हूनक समधी आ श्वशुरस भेंट - बेटी-जमायके आशीर्वाद- मिठाई खा फेर लाइट हाउस लग टेम्पू- बहिनक डेरा - जल्दीमे स्नानं संध्या तर्पण भोजन आ स्टेशन - लिय! राजनाथ मिश्र भेटी गेलाह! भोरे बुचरू जीके फोन केने छलियेन्ही जे एही बेर जा सकैत छि हुनक डेरा मुदा नही गेलहु से भेट लाह- ओतय चली रहल छल विद्यापति सेवा संस्थानक पर्व - मुदा अनामंत्रित नही जाई सैह विचारि आ अपन कोनो मीटिंग करब ओकरा ओ सब विरोधी काज बुझताह 4 बजे क ट्रेन कोलकाताक लेलाहूँ आ झाझामे

उतरल हूँ वनाचलमे भीड़मे धनबाद तक एक बजे राति तक कष्ट काटि

एक वृद्ध व्यक्ति एहिना कात मे बैसल- नीक बात बजैत- कहलियेन्ही शिक्षक छलहूँ? से छलाह केन्द्रीय विद्यालयमे सप्लाई इंस्पेक्टर क नौकरी छोडि - संस्मरण सुननाइ नीक लागल कोना समय हैदराबादमें बीतलैन्ही

भोरमे डेरा आबी गेलहुं- पता चलल जे दुमकामे कार्यक्रम भेलैक् मुदा जाहि नेता सभक प्रत्याशामे हमारा नही बीझो देने सोचने हेताह जिनका लेल से नहि अयालाथि)

आब परसू वाराणसी लेल जेब - (ओ सब काल्हियो पुछने छलाह कखन पहुंचब ?)

हमर 150 म मिथिला जागरण यात्रा (1-2.12.2012)- शेखपुरा- लखीसराय -जमुई

1.12.2012 Deoghar
2.12.2012 Shekhpura
2.12.2012 Lakhisarai
2.12.2012 Jamui

ई पहिल अवसर नहि छल जे हम अपना के मैथिल समाज

द्वारा अपमानित बुझी किछुवे घंटा पूर्व कार्यक्रम कठु आन ठाम जेबाक बनौलहूँ।

7.10.2012 क हमरा स एक ठाम स एक मैथिली संगठनक अध्यक्ष 2.12.2012 क लेल समय लेने छलाह विद्यापति पर्वमेजाहिमे मुख्य अतिथि एक परमपूज्य महात्मा अबयबला छलखिंह।

फेर 12.10 2212 क बात भेल, टिकट लेलहुं आ 28.11क हुनक फेर फोन आयल अबे छी ने? कहलियेन्ही जरूर अबय छी देवघरक अपन सहपाठी डॉ गोपाल वर्णवाल/ डॉ मंजू क बेटी डॉ रूचीक डॉ राहुल संग विवाहक स्वागत भोज निमंत्रण 1.12.2012 क रातिमे करैत सीधा आयबसमय पर । - मुदा 30.11.2012 क ओही स्थानक एक युवक ओही विद्यापति पर्वक निमंत्रण पत्र फेसबुक पर पोस्ट के देलक जे अचानक हम देखि अचरजमे पड़ी गेलहूँ मुख्य अतिथि परमपूज्य महात्माक अलावे अध्यक्षता करैत आ एक मुख्य वक्ताक अलावे सम्मानित सात अतिथिमे हमर नाम नहि जखन की ओहिमे शायदहीं कियो शिक्षा, पद वा कार्य में हमारास वरीय होथि आ यदि वरीय छलाह तैयो हमर नाम रहक छल कारण हम एक पैघ संगठनक प्रतिनिधित्व करैत छि आ निर्णय लेल जे ओतय नही जाई जत अपमान होइत हो वा संभावना हो।

आ चूँकि देवघर जेबाक छल अपन कम्पूटर पर आसपास क पता ताकल। शेखपुराक एक नंबर भेटल। फोन केला पर एक महिला उथाउलथि आ कहलीह जे मृत्युंजय हमर भाई अछि आ हुनक पतिस बात भेल। ओहो कहलाह जमुईमे बैसार करा देब आ फेर मृत्युंजयस बात भेल। 2006 मे कतहु ट्रेनमे जाइत भेंट भेल छलाह आ तुरंत चीन्हि लेलाह जे हमर बात हुनकास मिथिला राज्य लेल भेल छल।

फेर जमुइक एक सज्जनस बात भेल जे किछू एक वर्ष पहिने भेंट भेलाह एहिना रेलमे आ कहलाह जे किछु शिक्षकके ओ जमा करताह - लागल जे किछु काज जरूर होयत

हम यथासमय चललहूँ, वापसीक टिकट रद्द करा नब जमुईस वापसीक लेल प्रतीक्षा सूचीक। बाबाधाम लेल समय टिकट लेबमे भीड़ भेटल। गाडी चढ़लहूँ आ खुजल। धनबादमे एक पंडा बगलमे शिवशंकर मिश्र अयलाह। अनेक संपर्क देलाह मालदा तकके मैथिलक। ओ संघकअनेक स्वयंसेवकक बारेमे बतेलाह।

गाडी एक घंटा देर। बिजली कोठी ठंढामे। वर-कन्या उठि चुकल छलाह। अंतिम अतिथि हम। हमर संगी गोड्डास डॉ अजय झा, डॉ कुलानंद चौधरी आ स्थानीय डॉ रमण सुल्तानिया आबीक जा चुकल छलाह।

हम डॉ गोपाल आ डॉ मंजुक विवाहमे पटना गेल छलहूँ कहियो आ फेर एहिना मेडिकल संगठन काज लेल राति मे मेडिकल

छात्रावासमे आबि दोसर दिन।

फेर ओहिना भेल - हुनक घर गेलहुं - किछु देर एक वामसेफक ब्राह्मण विरोधी पत्रिका देखलहुं आ सहसा ध्यान आयल कियैक कहियो गोपाल कहने छल मिथिला राज्य बनलास ब्राह्मणक वर्चस्व बढ़तैक। हम कहने छलियैक जे 'संघचालक भय गेलह मुदा संघक संज्ञान नही चाह जे संघ जातिपातिक आधार पर नही चलैत छैक।' जसीडीह अपन एकमेव संतान बेटी आ जमाईके छोडय गेल आ हमहूँ जसीडीह आबी गेलहूँ।

ओ कहलक शेखपुरा जाई लेल कियैक ने राति विश्राम कय जाई मुदा नहि मानल आ एक टिकट लय लागल गाड़ीमे चढ़ी गेलहुँ।

शेखपुरा क 2-3 यात्री भेटलाह- एक 10मी के छात्रा जे कहलक ओकर गाम घाटे कुसुम्मामे बाजार लागैत छैक आ ओही क्षेत्रक सब राजनीती ओतही स होइत छैक। ओकरा हम अपन बोलीमे बात करय कहलियैक आ हमहूँ अपन बोलीमे।

ओ कहलक जे हम छि जोरी बजैत छि जेना ओकर बगलक 1-2 गाममे लोक बजैत अछि।

एकर अर्थ भेल जे मैथिली भाषाक ओ क्षेत्र सीमा अछि।

जखन हम जखराज स्थानक बात केलियैक जे जेबाक अछि ओ कहलक तांगास जाय पडत

किउल उतरलहूँ एक टी टी इ टिकट मांगे लेल ठाढ़ छल . कहलियैक टिकट अछि,-गेट पर अहाँ नही छि जे बाहर जायब।

कहलक देखाबी आ देखला क बाद कहलक जे इ ट्रेन सुपरफास्ट अछि (जे हर 10 डेग पर रूकैत आयल) अंतमे 100 टाका लय छोडलक। 10 टाका क टिकट पर 250 क फाइन भ्रष्टाचार के बढबैत छैक। लाखों किलोमीटर यात्रा के बाद हमरा ई अनुभव भेल। संगमे जोडल पाई छल - लौटय लेल टिकटक अलावा आ यैह ह मात्र उपाय छल - जखन हम नही बुझी सकलहूँ जे सुपरफास्ट ट्रेन छलैक आन के कोन कथा - वस्तुतः एहेनमे अहाँ यदि बिना टिकट नही छि केवल 10 या 20 टका शुल्कक लेल ओकरा बिना टिकट नही मानक चाही
पहिलहूँ हम रेल मंत्री के लिखने छलियैक आ फेर लिखल अछि किउलमे ठाढ़ पसेंजर गाडीमे सूति गेलहुं। कनी देर बाद मौर्यके अबय के उद्घोषणा भेल। ओहिस आयल रहितहूँ त सुपेरफास्त झंझटी में नहि पडीतहूँ। आगाँ राँचीस शेखपुरा मौर्यस आयब से सोचलहूँ।
450 मे गाडी खुजल आ कनिए देर बाद शेखपुरा उतरलहूँ। सर्वथा नब जगह। छोट स्टेशन। गाडीक पिछला डिब्बामे छलहूँ] बोतलमे पानी लय दूर लाइन पर निकललहूँ। लौटला पर देखलहुं बिहारक प्रथम मुख्यमंत्री डॉ श्रीकृष्ण सिंहक बारे में एक शिलालेख जे हुनक गाम माउरक स्टेशन वैह छल आ ओ टमटम स अबैत जाइत छलाह।
भोरमे ठंढा छलैक। तुरंत स्नान करक हिम्मत नही भेल मुदा पूजा लेल आवश्यक छल। ओही समय हमर मोबाइल काज

केनाई बंद केलक। एक दोसर आदमी के बात करैत पूछलियेन्ही आ अपन उद्देश्य बतौलियेन्ही- मगध क होइतहूँ ओ सज्जन हमर बात पर चौंकलाह जे शेखपुरा क्षेत्रक संस्कृति बिहार प्रांतमे रहला पर ख़त्म भय जेतैक आ ओ एकर कारण बुझला बाद हमर समर्थन केलाह। ओ अपन मोबाइलस शेखखपुराक हमर संपर्क मृत्युंजयके फोन लगावल - ओ जखाराज चौक पर 9 बजे अबयके बात कहलाह।

ओतय सब बात सुनैत दोसर युवा बंटी कहलक जे ओ लखीसरायमे युवा सब के 11 बजे जमा करत आ पण पता आ नंबर देलक।

आब स्नान -पूजा कार्यके सोचलहूँ किन्तु पानी बंद। बगलके टंकी पर गेलहुं। ओ कहलक जे पानी चालत आ पानी चला देलक। ओ समय हावरा- राजगीर के छलैक आ ओही समय ओकरा पानी देबाक छालिक- जे पानी छैक से सम्हारी के चलाबय लेल ओकर सीनियरके कहैत हम सुनाने छलहूँ। आब कल तकबाक बजाय ओताही प्रतीक्षा कयलहूँ आ कनिए देर बाद देखैत छी पानी अयलैक आ हम स्नान केलहुं आ पीपरी गाछ तर संध्या तर्पण पूजा।

राजगीर एक्सप्रेस अयलैक आ गेलैक। पूजा ख़त्म होइत देरी एक भिखमंगनी आयल - पहिले ओकरा हम झिटकि देने छलियैक लेकिन फेर लागल ओकरा ताकि किछु दय दी आ ताहि

स ओ स्टेशन सेहो देखि लेब आ लाइन स ओही युवक बंटीके बतावल छोट रास्ताक बजाय सड़कस जखराज स्थान जायब। बाहर ओ भिखमंगनी भेटल। तांगा अनेक लागल। चौक पर पूछलियैक ककरो। कहलक गिरीहिन्डा जाइबला तांगास चली जाऊ पाच ताका लेत - बैसल्हून आ याद पडल रातिमें ट्रेनमे भेटल ओ लडकी जे कहने छल   तांगास जेबाक होयत।

वतुतः तांगा देखि नीक लागल। ई पुरान लेकिन प्रदूषणहीन वाहन छैक आ भनही घोड़ाके पीटैत   हो ओकरा खोराकी दैबला एक प्राणीक रक्षा करयबला साधन छैक।

ई दुखक बात जे तांगा चलबय ला टेम्पू चलबयबला नही बनल जे अधुना विकासक भानही मापक हो एक निम्नतर वर्गक उन्मूलक छैक।

जखराज चौक क पुर्वहीं सोनालिका शो रूम।

मृत्युन्जयक सूचना पाबी ओ प्रतीक्षारत छलाह। कानी देर बाद स्वयम मृत्युन्जय अयलाह। ओ शोरूम राजो सिंहजीक भातिज क छलनि । किछु वर्ष पूर्व राजो सिंहक ह्त्या भेल छलन्हि। हुनक भातिज प्रोफेसर रणजीत सिंहस भेंट कराय कहलाह आ दोकान पर आयल एक दोसर शिक्षक प्रोफेसर सत्यनारायण बाबु स भेंट करय।

प्रोफेसर रणजीत सिंहक डेरा बगलमे। हुनक मौसा डॉ श्रीकृष्ण सिंह छलखिंह। ओतही एक आओर   प्रोफेसर सुनील कुमार छलथि। हम अपन बात राखल। बिहारक राजनीती पर अनेक

बात भेल। ओ किछु पुरान नेताक नाम लेलाह जिनका हम स्पेंट फ़ोर्स कहलियेन्ही आ नब-नब नेता ठाढ़ हेबाक बात बतावल। कुल मिला ओ प्रसन्ना भेलाह आ ओही क्षेत्र के बिहारके बजाय मिथिलामे रहक बात नीक मानलाह।

मृत्युन्जयक संग प्रो सत्यनारायणजी डेरा दिशि बढलहूँ - हम पूछलियेन्ही ई जखराज स्थान कतय ? ओ पछाँ छोटल देखौलाह जे ओही पीपर गाछमें मदिर छैक। वापस लौटी फोटो लेलहूँ। पिंडीस ओ मैयास्थान लागल। आगाँ गेला पर देखल एक धात्री गाछ में लाल सूत बाँधल। मृत्युन्जयके कहालियेन्ही 'ई अछि अक्षय नवमीक पूजल गाछ। येह चीज अछि अपन संस्कृति जे पूरा मिथिलामे एक अछि।

प्रोफेसर सत्यनारायण बाबुक डेराक रास्तामे एक विद्यालय भेटल जातय बच्चाक ऊचाई आ वजनक चार्ट देखि नीक लागल आ बच्चा सबके जमाकय भारतमाता की जय आ वन्दे मातरम \क नारा लगवावल

प्रोफेसर सत्यनारायण बाबु बतौलाह जे पहिले शेखपुरा विधानसभा बेगुसराय लोकसभा क्षेत्रमे छलैक जे आब नालंदा में चली गेलैक। ओ कहलाह जे बेगुसराय स जे भावनात्मक सामीप्य लागैत छलैक से नालंदास नहि। हम कह्लियेन्ही येह अछि शेखपुराके मिथिलामे रह्क औचित्य। ओ स्वीकार केलाह आ हमरा मोनमे बैसे गेल जे यदि शेखपुरा मिह्तिलामे रत , भागलपुर

के सेहो रहनाइ निश्चित आ मिथिल्क लेल हमर सबहक नक्शा ठीक अछि जेना ग्रियर्सन   देखने छलाह . चम्परणक लोक बोली भोजपुरी भय गेल अछि लेकिन मुंगेर बचौने अछि ओकर कारन छैक जे मगही स्वयम सेहो मैथिलीक बोली मानल जा सकैत अछि। ओठी प्रो सुनील बाबू सेहो आबी गेल छलाह आ अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क गठन भेल . सत्यनारायण बाबु कहलाह जे दोसर दिन एकरा प्रेस में देताह ताकि जानकारी लोक के हो।

लखीसरायक टाइम फेल भय गेल छल। बस स्टैंड जैत श्रीकृष्ण चौक आ गिरिक फोटो लेल जाही पर एक मंदिर - जाही गिरीक नाम पर गिरिहिंडा   कहाईत   अछि। नींद लगैत छल। रास्तामे एक रक्तकमलस शोभित पैघ पोखरी देखलहुं जकर फोटो नहि खीची सकलहूँ।

लखीसराय बाज़ार बस स्टैंड। एक छोट नीक बाज़ार। बन्टीके फोन एक दोसर युवककक मददीस। स्टेशन तक टेम्पूस जा अगाँ बढलहूँ। भीड़ भड़क्का। छोटी दुर्गास्थान लग। फोटो लेलहूँ। फेर फोन जाबत नही लागल छल लगैत छल एक रह्गीर्क झांसा में अपन समय बर्बाद केलहुं मुदा जखन लागल ओ महावीरस्थान बजौलक। ओतय एक बच्युवक कौशिक गोत्रीय श्रोत्रिय भेटल। ओकर नाना मदिरक पुजारी अयलखिंह आ कह्लाह प्रवीण कुमार लग जाऊ जे एहि काजमे मददी करताह।

नियत समय पर युवा बंटी अपन 10-12 मित्र के जमा केने

छलाह जे सब कतहु चली गेल छलाह तैयो एक गोपीकृष्ण आयल। प्रवींजीक सम्बन्ध दरभंगा स छलैन्ही हुनका मोन मे छलन्हि जे एक संगठन होई से अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् बनी गेल। प्रवीणजी सिंघाड़ा . तिलकूट मंगौलाह जे भरी दिनमे आहारक नाम पर भेटल छल -दौगमदौगमे।

जमुई क समय फेल होइत छल -तीन बजे क समय छल- केवल 36 लिकिलोमीटर केवल चारि रूपाक टिकट- 36 किलोमीटर मात्र ।

लेकिन ट्रेन आयल देर स आ ओ लगा देलक चारि घंटा- बात सहयात्री धीरज कुमार अधिवक्ता स होइत रहल - ओ नीतिश क समर्थक - कहलाह विकास आकडामे हो वा नहि हो मानसिकतामे आबी गेल अछि- लूट पाट कम भेल अछि- लडकी सेहो स्कूल जाइत अछि। ओना पहिले जे कहलजाइत छलैक ओ घर नीक जकर महिला घरमे से आब ठीक उलटा भय गेल।

मिथिला राज्य पर कहलाह जे एखन कोनो चर्चा उम्हर जमुईमे एही पर नही छैक लेकिन यदि बनतैक त बिहार नहि मिथिलामे ओ सब रही चाह्ताह। हम कहलियेन्ही बस एतबे हम चाहैत छि।

जे कहियोके सहयात्री कहने छलाह जे किछु शिक्षक के कह्बैन्ही हुनक फोन पर बच्चास गलत सूचना दियौलाथि जे बाहर गेल छथि। हमरो देर भेल छल। सोचलहूँ अगिला बेर।

लेकिन चारि सहपाठी डाक्टर के पांच क समय ददेल छल - डॉ

ठाकुर ओमप्रकाशक डेरा स्टेशन से मलयपुर कहाईत अछि स 5 किलोमीटर जमुई शहरमे- ओतुक्का ओ विख्यात डाक्टर।

कोनो दिक्कत नहि भेल पहुँचयमें। क्लिनिक पर तुरंत आयल। ओ हाजीपुरक लेकिन ओतहि बसी गेल आ जमी गेल प्रक्टिसमें। मरीज देखक तरीका एकदम ठीक मेडिकल कोलेजक दिनके जकाँ। फेर दोसर सहपाठी अनुपम सिंह आयल - 1982क बाद भेंट। वैह रज्जू भैयाक कार्यक्रम दरभंगा मेडिकल में 14.1.1978 क रखने छल जे एन ऍम ओ चली सकल , महान आदमी द्वारा उद्घाटित भय, एतदर्थ ओकर नाम हमर आत्मकथामे। बहुत प्रसन्न भेल। ओओ प्रकाशक डेरा लेल कर पर बैसलहूँ आ ओ अपन बाइक पर ई कहैत जे ओ वैह एफोर्ड के सकैत अछि सुनी दुःख भेल ..हमर सब संगी अपना शहरमें नीक छथि। शायद हम हुनका सबस तेज मुदा जीवन में पाछाँ।. ओमप्रकश कही देलक अपन पत्नीके- 'यैह अछि धनाकर जकरा क्लासक (सबस सुन्दरी) जिसी सबस अधिक मानैत छलीह।" हम कह्लियैन्ही "नीक भेल रहितय यदि ओकरहिस विवाह भेल रहैत त नही टूटल रहैत जे एक मैथिल ब्राह्मण डाक्टरनीस कय भेल। " तेसर संगी अंजनी सेहो सुनि आबि गेल छल ..ओकरा माओवादी ओही दिन भोरमे धमकी देने छलैक पाई पठाबी जे अख़बार में छलैक।

गाड़ीक समय भेल जाइत - ओमक पत्नी भोजन व्युत्पन्न बनौने से खा विदा। ओमप्रकाश छोडय लेल जमुई स्टेशन तक जकर

सामने विशिष्ट प्रकाशमे जगमगाईत काली मंदिरक फोटो खीचलहूँ। गाडी किछु मिनटमे - प्रतीक्षा सूचीक टिकट रही गेल छल- धनबाद तक बैसल फेर सूतलहूँ चारि घंटा। रांची में दोसर गाडी हटिया लेल- कटहरकोचामे उतरला पर डेरा।

जाही बनारसी मैथिल युवाके धन्यवाद देने छलियेन्ही विद्यापति पर्वक हाम्र नाम विहीन कार्ड पोस्ट करय के यो सही में धन्यवादक पात्र नहि छलाह जे हम ई थीं नब ठाम अपन काज में जोडि पयलहूँ।

हमर 152 म मिथिला जागरण यात्रा(11-12.1.2013)- स्वामी विवेकानन्द्क १५०म जयन्ती समारोह DSS,DBG,Dhanga

11.1.2013 Journey- Maurya

12.1.2013 Dalsing sarai Gyanoday Vidyalaya MVP_AMP 150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga Durga Public School, naka 8MVP_AMP 150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga

Manokamna Chabutara MVP_AMP 150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga Bagmati Hostel MVP_AMP 150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga Koshi Hostel MVP_AMP 150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Darbhanga Yagyavlkya Hostel MVP_AMP 150th Swami Vivekanand Jayanti

12.1.2013 Dhanga(Benipatti) Dhanga (Pachhbari tol) RSS_Sardh shatabdi samaroh 150th Swami Vivekanand Jayanti

हमर 152 म मिथिला जागरण यात्रा सन्क्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण रहल जाहिमे स्वामी विवेकानन्द्क १५०म जयन्ती समारोहक भाग हम ६ ठाम बनलहूँ।

मौर्य एक्प्रेसमे ११ क लागल सह्यात्री सामान्य छलथि लेकिन ओहिमे एक क्रिकेटक भारी शौकीन रघुनाथपुर, केसरिया,मोतिहारीक टी के दास निकललाह जे दू राति २ बजे स ३-४ डिग्री ठ्न्डमे नम्बर लगौला पर सेहो १९ जनवरीक रान्चीमे होमबला पहिल अन्तरराष्ट्रिय मैचक टिकट नहि भेटला पर १५००क टिकट २४०० रुपामे खरीदलाह. लागल जे कालाबजारी रोकय ओनलाइन बूकिन्ग हेबाक चाही .

ओ अपन छोट बच्चाक नाम पर गुड्डुलाल ट्रोफ़ी चलबैत छथि. ओ वाडेकर, हेमामालिनी, श्रीदेवी, सन्जय कपूर सबस भेंट केने छथि- मुम्बैक रेश्मीबागमे अजित वाडेकरस भेंट भेलैन्हि जे हर साल लीलावती अस्पतालबला डा. प्रकाश जाधवके जन्मदिन पर ३१ दिसन्बरक ओतय जाइत छलाह. ओ मुम्बइमे ९ साल रह्लाह. वाडेकर, अझीरुद्दीन, कपिलदेवके नीक खेलाडी मानैत छथि. गवास्कर वा धोनिस हुनक भेंट नहि भेल छनि. मोतिहारीक सुशील जे कौन बनेगा करोड्पतिमे जीतल छलस हुनक भेंट भेल छनि.

यथासमय गाडी बरौनी आयल, जगलहु. बछ्वाडामे अनेक युवती चढ्लीह- लागल शिक्षिका छथि मुदा कह्लीह १२वीमे पढय लेल जा रहल छलीह (समस्तीपुर). नीक लागल ई देखि जे भयन्कर ठन्ढ्मे सेहो ओ सब पढय लेल जा रहल छलीह.

दलसिन्गसरायक जानल पहिचानल स्टेसन पर घन्टा भरि बैसि

मुज़फ़्फ़रपुरस वापसी आरक्षण रद्द करा मधुबनीस लेलहु. अनेक दिन बाद सूर्य भगवानक दर्शन. प्रेमजी अयलाह आ ग्यानोदय विद्यालय गेलहु.



दैनिक po जाक बाद स्वामी विवेकानन्द्क १५०म जयन्ती समारोहक कार्यक्रम डा. सत्यनारायण मह्तोक अध्यक्षतामे भेल. छात्र मुहम्मद रशीद नीक बाजल. दरभन्गा इन्टरसिटी लेट छल एकर सूचना भेटला पर किछु देर धरि आओर कार्यक्रम चलल. प्रेमजीक सन्ग दलसिन्गसरायक स्टेसन पर इन्टरसिटीक प्रतीक्षा करैत देखलहु रेल्वे कालोनीक नाम चन्द्रशेखर आज़ाद त याद पड्ल भोरे आगा दिशि कालोनीक नाम भगत सिन्ह देख्ल छल. दूनूक फ़ो्टो खीचलहु.

Swami Vivekananad 150mjayanti s

(Saharsame 12.3.2005k udghatit aab fer sakriy bhay gel achhi)- 12.1.13 k Dalsingsari k Gyankday Vidyalaya, darbhangak Dugrga Publicschool me karkram bachhak beech bhel (DSS me puraskar dait <RSSk Adhyaksh Dr Satynarayan mahto aa MVP k adhyksh Prof. PK Jha prem; dosarme Pradhanachary Arunbabu, tesar Durga Vidayalay, Naka8 lag,darbhanga,e k news report) aa





ट्रेनमे भीड छल. कोहुनाक जगह भेल. परिचय सामनेक यात्रीस मिथिला पर्चा देला पर भेल- डा. छत्रधारी प्रसाद, अर्थशास्त्री,निर्मलीक गढहारामे शिक्षक.

दरभन्गा पहुन्चलहु - सर्वोदय स्टालस मालुम भेल हमर मैथिली गीता १-२ कियो लेने छलथि- करीब १०० टाकाक मैथिली पत्रिका खरीदलहु. एक उद्घोषणा मैथिली मे होइत सुनि नीक लागल आ फ़ेर स्टेशन प्रबन्धक झाजी लग जा अपन मैथिली गीता दाइत अग्रह कयल जे स्टेशनक नाम मिथिलाक्षरमे ऊपर आ हिन्दी अन्ग्रेजी क समान व्यापमे लिखल जाय. एहि लेल हम लिखित आव्दन सेहो पहिने देने छलहुन . २००९ मे प्रेस वार्त्ता मे हम ई बात उथौने च्हल्न्हु आ फ़ेर अमलेन्दु पाठक डी आर अम स पूछने छलाह जाहि पर ई कहियो लिखवल गेल छल.

लाइन पार कय कठहरवाडी ओवेर ब्रिज पार कय नाक आठ लग दुर्गा पब्लिक स्कूल. ओतय राजीव कर्ण अयलाह आ फ़ेर डा. बूचरू पासवान, शिक्षक बच्चन मिश्रक अध्यक्षतामे मिथिला विद्यार्थी परिषदक स्वामी विवेकानन्द्क १५०म जयन्ती समारोहक आयोजन त्वरित मुदा नीक रहल जाही में एक छात्रा आ एक छात्र सेहो बजलाह।

कल्पकवि राज में मनोकामना हनुमान मंदिर लग प्रतीक्षा रत छलथि लेकिन मिथिला आवाज़ जेबाक लोभ संवरण नही कय पयलन्हू - रोशन आ अमलेंदु आ अखिलेश भेताला ह्दोसर दिन कार्यक्रमक फोटो नही छपी सकल जे देबामे समय लागल आ

फेर प्रेमजी संगे मनोकामना हनुमान मंदिर एक टेम्पूस- संक्षिप्त बिसार धीरज संगे भेल फेर चा चरू गोटे बागमती छात्रावास - ओतहु स्वामी विवेकानन्द्क १५०म जयन्ती समारोहक आयोजन भेल आ फेर छात्रावास - ओतहु स्वामी विवेकानन्द्क १५०म जयन्ती समारोहक आयोजन भेल।

विद्यार्थी सबहक मिथिला राज्यक अवधारणा बतावल आ स्वामीजीक जीवन - नीक लागल जे बीच छि- फेर धीरजक संस्कृत विश्वविद्यालयक याज्ञवल्क्य छात्रावासक रास्तामे खानाबदोश सबके ठंढामे खुलामे एक कम्बल मात्र लय सूतल - आपसमे दारू पीबी झगड़ा करैत।

याज्ञवल्क्य छात्रावासक एक कमरामे स्वामी विवेकानन्द्क १५०म जयन्ती समारोहक आयोजन भेल। आ संस्कृत छात्र परिषदक गठन हो सेहो लागल। संस्कृत द्वितीय राजभाषा हो से प्रस्ताव भेल आ अनुदान आन विश्वविद्यालय जकाँ। विद्यार्थी पूजा पाठ द्वारा किछु आमदनी पाछाँ छठी तथापि सब ठाम संपर्कक बात भेल। सारणक त्रिपाठीजीक खिचडीस तृप्ति भेल। दिनमे नही खा सकल छलहूँ आ छोट बहिनी 2 किलोमीटर पर लालबाग जतय गेनाइ संभव नही छल। छात्रावासक एक कमरामे प्रेम आ कल्प्कवि गेलाह आ एकमे धीरज संगे हम सूतलहूँ।

दोसर दिनी भोरमे मिथिलेश जीक फोन कतय छि? - स्नान करय

गेलहुं - उत्तर प्रदेशक एक अभिभावकके जनकपुरधामक मार्ग निर्देशन कयल कमलकांतजी स फोन पर पूछी।

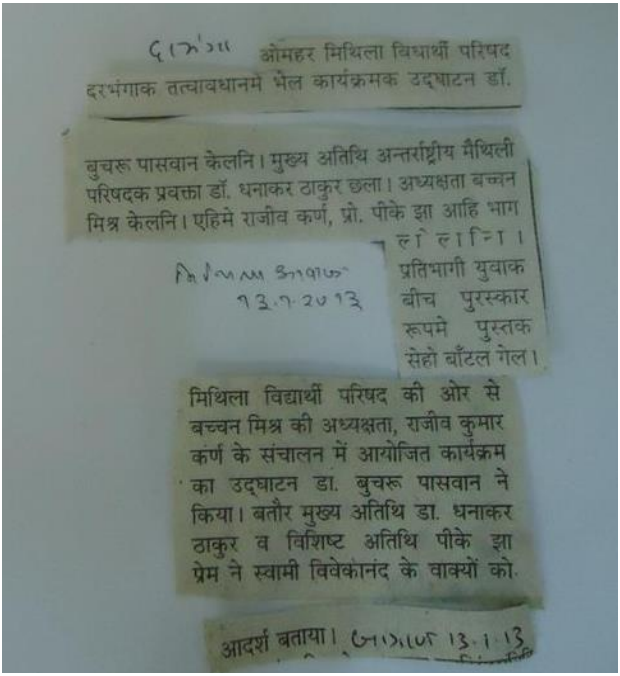


आ दिनक छठम कार्यक्रम याज्ञवल्क्य छात्रावास, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय मे छल। धीरज कुमार झा के संयोजक के रूप में मिथिला विद्यार्थी परिषद के एक इकाई के गठन भेल।(भविष्य में अलग स संस्कृत विद्यार्थी परिषद के गठन के संभावना अछि) आरू फेरू कैंपस मं मनोकामन मंदिर के पास मनोकामना चाबुत्रा पं विवेकानंद जयंती मनाबै के साथ-साथ ३० म शनिवार के बैठक वहाँ राजीव कुमार कर्ण द्वारा नियमित रूप सं आयोजित करलऽ गेलऽ छेलै । कल्पकवि उमेश नारायण कर्ण आ धीरज कुमार झा हमरा संग छलाह आ पुनः स्वामी विवेकानंद के 150म जन्मदिन छल जेना मिथिला विद्यार्थी परिषद(MVP) द्वारा बागमती छात्रावास आ कोशी छात्रावास में मनाओल गेल छल | ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी के लेल मिथिला

विद्यार्थी परिषद(MVP) इकाई क उद्घाटन भेल जाहि में प्रकाश चौधरी संयोजक छलाह |



समाचार रिपोर्ट, ,बच्चन मिश्र, अध्यक्ष, दरभंगा, अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद, उद्घाटनकर्ता डॉ बूचरू पासवान भाषण दैत



ओमहर मिथिला विद्यार्थी परिषद दरभंगाक तत्वावधानमे भेल कार्यक्रमक उद्घाटन डॉ. बुचरू पासवान केलनि। मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक प्रवक्ता डॉ. धनाकर ठाकुर छला। अध्यक्षता बच्चन मिश्र केलनि। एहिमे राजीव कर्ण, प्रो. पीके झा आहि भाग लेलनि। प्रतिभागी युवाक बीच पुरस्कार रूपमे पुस्तक सेहो बाँटल गेल।

13.1.2013

मिथिला विद्यार्थी परिषद की ओर से बच्चन मिश्र की अध्यक्षता, राजीव कुमार कर्ण के संचालन में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन डा. बुचरू पासवान ने किया। बतौर मुख्य अतिथि डा. धनाकर ठाकुर व विशिष्ट अतिथि पीके झा प्रेम ने स्वामी विवेकानंद के वाक्यों को आदर्श बताया। 13.1.13





तैयार भय सामने सडक पर। अखबार संगे 'मिथिलांचल टूडे'क गंदा भेल प्रवेशांक (मार्च-अरैल 2012) क प्रेमजी देखलन्ही आ दू प्रति जे छल से खरीदल।

बस स्टैंड गेलहुं आ कलुआही लेल बस भेटल। प्रेमजी बिस्कुट आ निमकी अन्लन्ही जलखई नाम पर- भुजा कतहु नहि भेटल छल।

सहयात्री हरिहरपुरक महारूद्र मिश्र आठ वर्षस सब रवि कपिलेश्वर बाबा लग भरी दिन बीतबय जाइत- अपन गीता देल आ हरिहरपुरमे कहियो प्रशिक्षण वर्गक बात भेल। कपिलेश्वर बाबाके बसस प्रणाम कयल।

खलुआहीमे मनोज द्वारा कोनो मीटिंग आयोजित नहि छल। भूजाक दोकान भेटल आ लेनेहे छलहूँ की मिथिलेशजी बोलेरो

लय पहुँचलाह।

कमलकांतजी बसस- आब एक पत्रकार खिसीयायल जे समय 11 के देलहुं 1 स ऊपर एतहि भय गेल आ कमुनिस्ट पार्टी जकां जाबत भोगेन्द्रजी नहीं अयताह राती भय जायत मीटिंगमे - कहलियेन्ही नही य़ौ जिनका अयबाक से हमही सब छि- ओ आगाँ आगाँ चललाह -लेकिन रास्ता खराब - हुनका संगे हम मोटरसाइकिल पर संग बैसलहूँ ई जानि जे हुनकहूँ सासुर दामोदरपुर (जे हमर अभूतपूर्व? सासुर रहल अछि)- मालुम भेल जे ई विधायक विरोधी जमावडा अछि ।हम कहलियेन्ही जे ई बेनीपट्टे विधायक मिथिला विरोधी त हम हुनक विरोधी।

ढंगाक पवित्र कालिस्थान। 16.10.2010 क गेल छलहूँ।

हमरही मुख्य अतिथित्वमे ई युवा सम्मलेन भेल- स्वामी विवेकानन्द्क १५०म जयन्ती समारोहक उद्घाटन कमलाकांतजी कयलाह। एही अवसर पर अनेक वक्ता बजलाह - फेर अंतमे सह्भोजन भेल- मधुबनी अपन गाड़ीस अबैत एक कार्यकर्ता मुन्नाजी छोद्लाह- मैथिली पत्रिकादी खरीद्लाहूँ-फेर कल्प्कवि आ प्रेमजी पहुँचलाह - भुजा अन्लाह- ओ दूनू धुरियानस निकललाह दलसिंगसराई आ हम रांची लेल। बरौनीमे खगड़ियाक एक डाक्टरक बेटी चढ़ल आ ओकर कम्पोउन्दर भोरमे कहलक डॉ स्वामी विवेकान्द (यादव) जकर चर्चा हम भाषणमे केने छलहूँ, हमर ओहि परमभक्तक माताजी स्वर्गीया। दुःख भेल, फोन नहि लागल। एक आओर मिथिला जागरण

यात्रा भेल।

Dhanga (Kaluahi, Madhubani lag) gaam me VIvekananad सार शतबदी समारोह 13.1.2013 मुख्य वक्ता।



प्रसिद्ध काली मंदिर











मिथिलेश जी, धनबाद,

हमर 153 म मिथिला जागरण य़ात्रा (20.1.2013)-Samastipur

19.1.2013 Journey-Maurya

20.1.2013 Samastipur

समस्तीपुरक भेल अति संक्षिप्त मिथिला जागरण य़ात्रा 136 क कथा रोचक एहि लेल जे रांचीमे होमबला पहिल अन्तरराष्ट्रिय क्रिकेट मैच चलते हम निर्णय लेल जे जल्दीमे मौर्य पकडी लेकिन ओहुमे भीड छल आ बैसल कहुना किउल तकके समय बीतावल जखन कि खिड्की बगलक सीट पर जा बैसक मौका भेटल आ सुतक बैसलबैसल।- लोक कहैत छल जे रेलमे छठिबला भीड भय गेल अछिबिना पानि पीने जे- कोहुना समय बीतावल . शौचालय नहि जाय पडय।

समस्तीपुरमे स्नानपुजा आदि कय गीता प्रेसक स्टाल- पर गेलहूँ जे किछु डायरी खरीद ली जाहि लेल सुधीरनाथ मिश्र कह्ने छलाह सब कार्यकर्ता के देब लेल बडका साइजक खत्म छल छोट्का भेटल।

दोकानदार हरियाणवी लेकिन टेघरामे बसल शर्माजी। हम कहलियैक जे गीता प्रेस मैथिली विरोधी अछि एहि लेल नहि जे हमर मैथिलीगीता नहि छपलक कोनो मैथिलीमे पोथी ओ नहि छपने अछि। जखन कि उर्दू समेत अनेक भाषामे ओ छपैत अछि। ओ कह्लक जे ओ कहियो दरभगामे गीता प्रेस दोकान खोलक विरोध केने छल जे ओतय लोक हिन्दी नहि मैथिली बजैत छथि लेकिन से बात समस्तीपुरक सेहो छैक मैथिली बजैत छथि ।

ओ कहलक जे गीता प्रेस सब स्तरीय आ ठीक छपैत अछि तखन हम उठायल अनेक शास्त्रभेदक बात जेना दुर्गाजीक कवचमे 'द्वितीयम ब्रह्मवादिनी' शुद्ध छैक 'ब्रह्मचारिणी[नहि आ १९०२ ईस्वी क पंडित भवनाथ मिश्रक हस्तलेखक मुद्रित पाठ देखावल आ आन अनेक पाठभेद।

दुर्गापाठ शुद्ध मिथिलाक वा बाहरक? एहि पर ओ एक प्रश्न रखलक कीलक स 'अकुर्वाणो विनश्यति 'कियैक? हम कहलियैन्हि जे बाधाके दूर नहि करब तखन विनाश होयत। ओना नहि जे सामान्य पाठमे सोचब। लेकिन एकर अनेक आन व्याख्या विद्वान सबस प्राप्त करक चाही।

२ रूपाक छोटकी गीतक अनेक प्रति खरीदलहूँ। देखल जाय त सस्तमे धार्मिक ग्रन्थके गीता प्रेस बहुप्रचारित कय बडका सेवा केलक अछि। ओतय चितोरा गाम शिवाजी नगर प्रखंडक एक मैथिल युवा शिक्षक गोपाल राय मैथिलीगीता मंगलक - दयक संग बैसारमे अनलहूँ जतय ककरो कहलाह बहेडीक सेहो एक युवक चन्दन हथौरीकोठी गामक बैसलाह अकस्मात् अयलाह आ प्रखण्ड संयोजक बनलाह समस्तीपुर अनुमंडल . अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क गठन डॉ परमानन्द लाभक अध्यक्षतामे भेल। मिथिला विद्यार्थी परिषद् क स्वामी विवेकानंद क 150 म जयंती सप्ताह क समापन डॉ परमानन्द लाभक आ कल्पकविक हुनक अनेक

गुणगानस भेल।

फेर बैसार बाद एक वैष्णव होटलमे कोनो एहेन) सडक होटलमेबहुत साल बादकार्यकर्ता संग (मुदा खेलहूँ नून बहुत दालितरकारीमे। -

दरभंगा कोलकता ट्रेन्स झाझा अयलहूँ आ देर पाटलिपुत्र एक्सप्रेस भेटल। परीक्षार्थीक भीड़ लेकिन सीट भेटल आ धनबादस बगलक सीट पर झुकैतसूतैत - समयपूर्व रांची आ कटहरकोचामे रुकैत ट्रेनस उतरि पैदल डेरा तक करीब 3 किलोमीटर आ समय पर ड्यूटी पर।

हमर 154म मिथिला जागरण यात्रा(25-27.1.2013)- 'पिकनिक' छोडि तेघरा अनुमंडलमे

	Journey-
25.1.2013	Patli
26.1.2013	Zero Mile
26.1.2013	Gauda
26.1.2013	Teghra
26-27.1.2013	Rani
27.1.2013	Teghra

27.1.2013	Gauda Shokhara-
27.1.2013	Barauni

हमर मिथिला जागरण यात्रा लेल एक जागरूक युवा ’पिकनिक'क व्यंग्य केलथि जे व्यवहारमे ककरो लागि सकैत छैक लेकिन 154म एहेन कियो केलक से दूर रहयय बला त २७६ रातिक यात्रा सेहो केने होयत आ एहि पर एतेक हज़ारक अपन खर्च सेहो ई सहसा ध्यान अयबाक चाही. जमशेद्पुरक डा. काले(हमरा द्वारा १९७७ मे स्थापित नेशनल मेदिकोस ओर्गेनिजेसक अध्यक्ष १९८०-८६ बीच) कहैत छलथि, 'चेन्ज ओफ़ वर्क इस रेस्ट.’ लेकिन हम त सदैव समाजक काज करैत रहैत छी एतय पिकनिकमे जेबाक फ़ुर्सति कहा? ऑना एहि बेर लगैत छल जे पिकनिकके जोग अछि कारण आसनसोलस बिपिनजीक आमंत्रण छल जे बहुत लोकक बीच अपन बात राखब तखन हम सोचल्हु रान्चीक अपन कम्पनीक मैथिलक पिकनिकमे सेहो एहि बेर भाग लय ली आ रबीन्द्रजीक पुरजोर आग्रह लेकिन आसनसोल स्थगित भय गेल आ हम समयक उपयोग लेल मिथिलाक समस्तीपुरक स्थगित प्रशिक्षण वर्ग चाहलहूँ लेकिन प्रेमजीक महविद्यालयीन व्यस्तता। तखन तेघरा अनुमन्डलक गौडा क डा. अशोक पाठकस सम्पर्क. ओ प्रस्तुत. बछ्वारा राजीवजीस ओ कहियो रानी गाम ले गेल

छलाह - नीक बैसार भेल छल आ संसद भोला शर्माक संबधी घर भोजन भेल छल। मालूम भेल छल जे मोहन भागवत कहियो ओहि गाम भोजन लेल रूकल छलाह। कहने छलियेन्ही जे हम कहियो आयब प्रशिक्षण वर्ग लेल। फेर लागल अनुमंडल तेघरामे किछु काज जरूर हो आ अशोकजी नब संपर्क देलाह।

दू दिनमे अनुभव आयल जे अशोकजीक चलते गौडाक आ नब गौरांग मानव संस्थान क काज नीक आ रानीमे नहि जकाँ कारण राजीवक देल संयोजक सही ढंगस या त प्रचार नहि केलथि वा लोक संग नही देलखिन यद्यपि हमारास बात हुनका आ अरविन्दके बरोबरी होइत रहल कल। गेला पर मालूम भेल बछ्वाराक राजीवजीक माँक अचानक बीमारी कारण बछ्वाराक वर्ग संभव नहि। लेकिन जे भेल से काफी भेल भयंकर ठंढामे। वर्ग आई तेसर दिन चलल। अध्यक्ष महोदयक व्यस्तताक कारण पाचम दिन दीक्षांत रखल गेल अछि। कल्पकवि उमेश नारायण कर्ण एही जद्कालामे बछ्वारा स्टेशन मध्य्राती पहुंची राति भरि एक चच द्दरिमे रहि अपन कर्मठता बतौलह - डॉ सत्यनारायण आ ओ वर्ग चला रहल छथि। मिथिला मैथिलीक इतिहासमे अपन एक अभिनव यादगारी ई छोडत आ हमरा लेल एक पिकनिकस कम आनन्ददायी नहि रहल।
बिदा भेलहुँ ओहि समय फेसबुक पर एक सांगठनिक माफियाक अंधभक्तक भ्रम तोड्य लेल अनेक पुरान कागजात

पोस्ट केलहुं - गाडीमे एही बेरक यात्रा सामान्य क्लासमे लेकिन सुविधादायी रहल। बैंकमे वृहस्पतिक देखल छल तीन दिना छुट्टी लेल लिखल कल- 25 शुक्र(मुसलमानक पावनिक नाम), 26 शनि झंडा, 27 रवि। -26 झंडा, पर लागल लिखितई अंडा, झंडा आ संडा। आ ताहि हेतु भीड़ नहि - लोक सूती के आरामस भोर जसीडीह तक अ यलाह- ओतय अनेक महिला शिक्षिका प्राय: चढलीह विद्यालय जाई लेल झंडा लेल- अनेक स्टेशन पर देखल झंडा आ राष्ट्रगीत होइत आ याद अबैत रहल - 23.1 राति सुभाषचन्द्र बोसक आवाज़ जे दूनियाक कोनो ताकत भारतके गुलाम नहि राखि सकैत अछि- हुनक 5 मिनटक टेप जबलपुर कांग्रेसमे देल लेकिन मोनमे उठैत रहल की सहीमे आई गणतंत्र छैक?

समय पर हाथीदा - ओतय पटना पुस्तक मेला जाई लेल 16 मार्च रातिक आरक्षण लेलहूँ- एक बस स जीओ माईल- महात्मा ट्रांसपोर्टमे गगनजी लग दिनेशजी लेल कागजात आ बैनर देल आ गौडा बसस। पेट्रोल पम्प पर अशोकजी प्रतीक्षारत जिनका लोक ऍम अल अ साहेब कहैत। एक बेर असफल चुनाव लडल छथि। हुनक गाम देखैत घर - फोन तेघरास समय एक के- तैयार भेलहूँ-स्नान, पूजा, ऊपर छत पर रौदमे। भोजन आ फेर मनोकामना दुर्गा मंदिरमे गौडाक वर्गक उदघाटन आ अनेक विषय संक्षेपमे - फेर मोटर साईकिलस हुनक भातिज हमरा

दूनूके तेघरा अनलक- रंधीरजीक कमरा सर्द- बाहर सडक पर उद्घाटन आ भाषण। फेर बस लेलहुं रानी लेल राष्ट्रिय उच्चपथ लेकिन हालत खस्ता- युवा लडकी सब ट्युसनस घुमैत- दोसर छौण्डा एक बुढास सांकेतिक भाषामे लडकी पर कमेन्ट करैत - 'टमाटर' सब कहि?

अस्तु , रानीक हमुमान चौक- संयोजक नहि - फोन केलियन्हि अयलाह- बीचमे एक बीज कंपनीक छोट नौकरीक लेल विज्ञापन देखी ईमेल समेत फोटो खीचल जे मिथिलामे लोकके रोजगार त भेटैत छैक? मनीगाछी -कठराक पंडितजी बीयाबला बुझी नहि टोकलाह लेकिन परिचय आ मिथिला काज जनला पर फुर्तीस दरी निकालालाह- किछु लोक जमा भेलाह आ उदघाटन आ भाषण . बीचमे संयोजक कतहु चली गेलाह। आब हमारा लागल जे आगान दलसिंगसराई जाई वा पान्छा गौडा ? फेर सोचलहूँ जे हो पिकनिक एहि शीतलहरीमे मंदिरमे रही करब आ पंडितजी कहलाह लोटा राखी दैत छि - रोटी खायब वा चुडा - दूध? "रोटी बनबा दी" - दरी मदिरक पाञ्छा परिक्रमाक जगहमे कय लेब ताकि हवा नहि मारय। एक दिशि तै यार होइत जे आई ठंढ-गरमीमे एक भाव गीताक छात्र जनका करब मिथिलाक सियाचिन पर लडयबला सिपाही ? तैयो हम राजीवके फोन केलियैक जे बछ्वारा चली जाई 2 किलोमीटर - ओ बेगुसरायमे छलथि। ताबत संयोजक आबि गेलाह आ अपन घर लय जा वृहत स्वागत केलाह-भोजन- रोटी घी लागल, खीर

आ स्वादु तरकारी। रजाई आ मशहरीक ऊपर चद्दरी जाहिस कुहेस रातिमे भीतर नही घुसल। मोबाइल कल्पकविक बंद जे कोना छथि- ओ रातिमे सब कष्ट भोगलाह से भोरमे अयला पर जानल ।

संयोजक सबदीन खाली पैर जा गंगा स्नानी लेकिन हमरा हिम्मत नही भेल आ हम दूनू घरमे तैयार भेलहूँ आ रौद सेहो हमरा सब पर प्रसन्न भय उगी गेल। भैरब बाबाक मंदिर संयोजक जे बनबा रहल छथि, ओतहि पूजा केलहुं।ओकरे लेल ट्रेक्टर माटि भरी रहल छ ल जाहिमे ओ लागल छलाह सांझमे आ भरी दिन जे वर्ग पर ध्यान नहि दय सकलाह लेकिन जेना स्वागत केलाह ताहिस मोन भरी गेल।

सांझक वर्ग उद्घाटक सूर्यनारायण झा अयलाह आ हम सब हनुमान मंदिर अयलहूँ। कियो नहि देखि नुक्कड़ सभा लगौलहूँ जे सफल भेल आ संपर्क करय कल्पकविके छोडि हम बसस तेघरा जतय व्यवस्थित मिथिलाक इतिहास विषय राखल आ किछु स्वास्थ्य आ गीता प्रवचन। अशोकजी सेहो आबि गेल छलाह। प्रमाणपत्र लेल मार्कर पेन खरीदल आ बसस गौडा-उतरैत काल खस्ताहाल बसक टूटल बल्ब्क टीन्हा कवरक खोपीस अंगूठा छिला गेल - तामसमे अपन पाई पांच रूपा नही देल। जहां दू डेग बढलहूँ की खून निकलल जे स्वत: थक्का भय गेल - मनोकामना दुर्गा मंदिरमे मिथिलाक इतिहास

विषय राखल। आ किछु स्वास्थ्य आ गीता प्रवचन। दलसिंगसरायस प्रो प्रेम सेहो आबि गेल छलाह। अशोकजी क भातिज मोटर साइकिलस बरौनी जंक्शन छोडय अयलाह। बीचमे शोकहरामे राम, जानकीक 11 दिवसीय यज्ञक पूर्णाहुतिमे दर्शन आ फोटो लेलहुं। बरौनी जिलाक सबस पैघ शहर छैक आ जानल -चिन्हल छल। स्टेसन परस ओकरा वापस कय 20 रूपाके भुजा बाउलमे भुझवावल। मिथिलामे प्रति व्यक्ति आमद कम छैक ताहि हेतु ओ 200 ग्राम भुजा नीक जन्का भुजलक।सामने मंदिरक दर्शन आ फोटो लेल। टिकट लेल। सुधा डेरी जे सफल उद्योग मिथिलाक छैक, क काउंटर स 14 रूपामे राबडी लेलहुं। प्लेटफार्म 7-8 बीच फेर विज्ञापन देखलहुं- गुजरातमे छोट नौकरी लेल- के मिथिला मजदूर निर्यातक प्क्षेत्र बनी गेल अछि ? प्लेटफार्म 6 पर दरभंगा कोलकाता गाडीअबय के पहिने 20 रूपा के 40 छीमी केरा लेल। छोट मुदा मिथिलाक माटि-पानिक आ स्वादिष्ट।

झाझा लेल बैसल्हून- बगलमे एक युवा राजु ठाकुरक गाम कालिकापुर लेकिन ओ नबोनाथ 'विवेक' आ हुनक हस्तलिखित मैथिली पत्रिका "जीबछ" स अनभिज्ञ। नबोनाथके फोन नही लागल। फेर मालूम भेल जे ई जयनगर लग बला नहि दोसर कालिकापुर गामक घोघरडीहा लगके। मिथिलामे एकहि नामके अनेक गाममे भ्रम होइत छैक। ओ रायपुरमे पढैत छथि आ बच्चामे स्कूलमे एक घोटाला उजागर केलाह जाहि पर

उलटे हुनका पर पंचैतीमे 10 हज़ार जुर्मानाक देल्कैन्ही. कह्लियेन्ही घबराऊ नहि। एही लेल अभिभावाकक ओहि बात स नहि डरू जे अन्हा कोनो सामाजिक काज नही कय अपनाके किताब तक सीमित राखी, आखिर तखन अपन पिछडल समाज कोना बदलत? रायपुरमे छत्तीसगढ़क अपन अध्यक्ष पाली-रजौन गामक उग्रेश झाक नंबर देलियैन्हि आ हुनक नंबर, मेल आई डी आदि लेल। बांचल साहित्य,एक बैनर देल जे ओतय काज करू, संगठन करू। बादमे जसीडिहमे उग्रेशजीक फोन आयल। आशा अछि ओतय आब परिषद्क काज नीक भय जायत। एक पैघ संगठनक लाभ यैह छैक जे ककरो कतहु काज लेल लगा सकैत छी। पाटलीपुत्र एक्सप्रेस निकलि गेल छल - बैसिकय किछु भुजा खेल्हून आ एक मिठाई करीगरक कथा सूनल्हून जे कोना एक विवाहमे एक कन्यागत कोनो मजदूरके मिठाई खेला पर हाथ छोड़लकैक जाहि पर कोलकाताके ओकर माडवारी ठेकेदार आबिकय मालिकके बहुत फज्जती केलकै जे ओ खेने छल , चोरी नही केने छल, शिकायत ओकरास करक छलैक? भागलपुर रांची एक्सप्रेसमे जगह भेटल। ओतहु तीन दबंगके एक यात्री पर दबाब देखल -हाथ छोडैत जाहि पर हम ओकरा विरोध प्रगट केलहुं। भुजा, राबडी खेल्हून, धनबादमे सोनपपड़ी खेल्हून लेकिन ठीक नही लागल। भोरमे किछु ठंढा जरूर लागल। यथावत कटहरकोचामे गाडी

रूक्ला पर डेरा आबि अपन ड्यूटी पर। एक टिटनेस टॉक्साइड सूई लेलहुं . काल्हि कोयाम्बटूर जेबाक अछि मेडिकल सम्मेलनमे

हमर 156 म मिथिला जागरण यात्रा दुलीपट्टी –दरभंगाक

Pax Mithila Ja
24.3.2013 Duleepattee Office Mithila Bibh

मिथिला कार्य लेल हमर मिथिला जागरण यात्रा दुलीपट्टी –दरभंगाक अकस्मात आ संयोगवश भेल मुदा लाभदायी रहल। हमरा कवि एकांतक 4 दीना अनशन मिथिला राजयक सहनुभूतिमे दिल्ली जेबाक छल मुदा किछू दिन पुर्वस एक पूर्व घनिष्ठ कार्यकर्त्ताक अशालीन व्यवहार स क्षुब्ध छलहू आ हुनक एही बात के कवि एकांत नहि कटलाह जे ओ एतेक दिन स चली आबी रहल एही विषयक संगठनके ढकोसला नहि कहथी जाहिमे हुनक ईशारा हमरा दिशि हमेशा रहईत छलन्ही आ बड़ाई हमरा द्वारा बनायल मिथिला राज्य संघर्ष समितिक नाम मे ‘अखिल भारतीय’ जोड़ी सांगठनिक विभ्रम फैलवानिहारक प्रति रहित छलन्हि जिनक एही कुकृत्यके हम अहमेशा चोरी मनल (जे अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनक विषयमे शब्दस: 12 एहेन सम्मेलन हमरासब द्वारा कयला बाद भेल अछि) आ दोसार हुनक अवधारणा जे मैथिली भाषा क मनयाता साहित्य अकादमी

वा आतम अनूसूची वा अन्य मिथिला राज्यक लेल नहि अछि जाही लय ओ हमरा कोनो मान देबाक बजाय लगातार अपमान करैत रहलाह (हमार कथन जे 1956-7 मे राज़्यक मांग डॉ लक्ष्मण झा, जानकी बाबू आदि द्वारा छोडला बाद भगवातीक निर्देशानुसार हमरा द्वारा 1992 स उठावल आ लगातार काज कयला कारण आई अनेक लोक आ संगठन द्वारा सतह पर अछि)-

ई एक महज संयोग छल जे 22.3.13 क वकील चन्द्र प्रकाश जिंका मूल गोत्र विषयक अनुसंधान मे मोन लगइत छनि 11 बजे करीब आयलाह आ कहलाह जे हाम्रा मूलग्राम बरही जयनगर लग अछि जाही पर हम ओतुक्का प्रोफ। रामचंद्रा सिंघजी के फोन कय बात केलहू जाही क्रम मे ओ कहलाह जे 24 क दुलीपट्टीमे मिथिला बिभूति पर्व छईक – हम कहलियईंही हमरा दिल्ली जेबाक अछि अगिला बेर 1-2 मास पूर्व कहब।

करीब 1 बजे दिल्लीक समाचार लेल फेस बूक खोललहू – देखाइत छी फेर बैनर ’अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति’- मोन क्षुब्ध भय गेल आ एकांतके शुभकामना दैत नहि यबाक सूचना डेल आ विजय तरौनी के फोन ल्गायल जे नहि उठल। रामचंद्रबाबूके फोन केलियाइनहि जे आयोजकके हामर गेनाई खराब नहि लगतइनही(कारण ओहि समय तक ओ अतिथि तय कय लेने हेताह)- मुदा आओ कहलाह आऊ आ फेर

आयोजक दिशिस एक पत्रकार फोन केलनहि अबय लेल । संपुष्टि केलियइनहि- डेरा जा एक घंटामे मिथिलाक करीब 1000 उच्च विदयालयक लेल मैथिली संदेश क डाक तैयार करय जे उमहर कतहु आर एएम आस मे खसा देब।

हत्या स्टेसन पर पहुंचल्हू यथा निश्चित पटना ट्रेन पक्ड़य मुदा घंटा भरी पहिने जे पटना- दिल्ली-रांचीक टिकट क रद्दीकरण लेल – ओहि सामी विजयजीक फोन आयल लेकिन कहलियईंही आ ब सामी दुलीपट्टी लेल काही देलियाइक आ टिकट रद्द करा 709 टाका वापस लेल (जाहिस काफी कममे हम पटना- दुलीपट्टी-जयनगर होइत आई रांची सकुशल भोरमे अयलहू)-

मोनमे ई जरूर रहल जे युवा वर्ग पहिल बेर अपना दिशिस मिथिला राज्य लेल उभरलाह अछि लेकिन अपन असम्मान कतेक देखी- पिछला बेर सेहो एक अहिना हमरा पर पाइक हेराफेरीक आरोप लगा डेलाह जाहि पर हमरा 'मिथिला सेवा मंच' क नामे जमा 80 हजारक फ़िक्स्ड डिपॉजिटक फोटो जारी करी पडल आ एही बेर त हाथ धो नब चाणक्यक भूमिकामे छलाह – गांधीक एक बानरके मानो मौन करा दोसर सब पर चौधराट जमब जे एही अवसर पर हमरास संन्यासक घोषणा चाहैत छलाह मानो हमरही चलते मिथिला राज रूकल अछि।

तइयो पटना उतरि अपन ममियौतक डेरा आनंदीपुर गेलहू – बहुत साल बाद मामी भेटलीह – फेर राजा पूल तक जाकय गांधी मैदान । पटना पुस्तक मेला मे सूचनाक अधिकार लेल संगोष्ठी

उमनाथ बाबू संग आ फेर नरेन्द्राबाबू आयलाह आ बच्चा ठाकुर पूर्व आए अ स अयलाह आ छोट राजयक प्रासंगिकता मिथिलाक संदर्भ मे जाहि मे बच्चा ठाकुर हमरा मिथिलाक ‘अघोषित नहि घोषित नेता’ कहलाह (हम सोचाइत छलहू संन्यास चहयबला युवा सब लेल) –रणजीत ठाकूर, मनीष कुमार झा, आनंद कुमार ठाकुर, शिव कुमार यादवसन युवा अपन नंबर देलाह लेकिन मुजफ्फरपुरक एक युवा जे भाषण डेलक आ कहलक जे संपर्क करत अपन नंबर नहि देलक। अधिवकता राजेंद्र बाबू छलथी- सरकारी स्टैंड स बस नहि भेटल- गांधी मैदान जाइट टेम्पूबला मैथिल लेकिन एक पस्सेंजर भोजपुर पर ग्रियर्सनक उक्ति एक लहेरियासराइ क सहयात्री के कहइत सूनी बिगडल- कहलियइक ‘ फूहड़ होली गाना सन आत्महत्यावत बातस अपना समाजके बचावथी।‘

मीठापुरस जयनगरक बस भेटल जे आठ बजे खुजल आ तीन घंटा गांधी सेतु पर जाममे रहल –मधुबनीमे एक बड़का काच गाड़ीक लय कियो बगलमे आयल जाही पर अपन सुरक्षा लेल आपत्ति करइत ओकरा सीट बदले या हमार सीट बदली या गाड़ीस उतरी कहलियइक- जकहन कंडक्टर कहलकइक ‘उतरी जो’ आ एक आदमी सीट बदललक तखन गाड़ी खुजल आ करमौली दुर्गास्थान होइत कलुआही होइत डाँड तोड़यबला एनएचस दुलीपट्टी सामियाना देखि पईक्स कार्यालय लग

उतरलहू (उदघाटन सत्रमे विधायक अरुणशंकरजीक क्षेत्रस बाहर हेबाक चुटकी लेबा पर कहलाह हाइवे केंद्र सरकारक छईक आ कइएक आन तकनीकी मामला)

तीन घंटा सूतलहु – फेर तययार भेलहू- कल्पकवि उमेश नारायण कर्ण आयलाह आ फेर अध्यक्षा कमलकांतजी आ हमरहुस सीनियर डॉ अंबिका प्रसाद सिंह।

उदघाटनसत्र बेश जमल- हमर उदघाटन भाषण किछू लंबा भेल मिथिला राज्य पर केन्द्रित- बैजु बाबू सेहो आबी गेलाह मुख्य अतिथि मैथिली अकादमी अध्यक्ष कमलाकांत जी संग- कमलकांत आ कमलाकांतक चक्कर अंत धरि रही गेल- ‘ हम अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक अध्यक्ष छि आ कमलाकांतजी मैथिली अकादमीक ’ बजलाह कमलकांतजी – मंच पर कमलाकांत बाजी उठलाह- ‘अहा हमर सभक अध्यक्ष छी।“

ठीक बात कमलकांतजी काफी वरीष्ठ साहित्यकार आ संगठक छथि-

बैजुजीके हमार परिचय ‘ विद्यापति सेवा संस्थानक प्राण’ नीक लगलइनहि- काश! एतबे अपन परिचय रखिटाथि(तखन हम दिल्लीमे रहितहु?)

विधायक अरुणशंकरजी, पूर्व विधायक रामप्रीत पासवान, सीताराम यादव नीक बजलाह आ सीमा सुरक्षा बलक कमनडेंट सेहो (11 वर्षस बल कार्यरत अछि आ हमर सुरक्षा कारण मिथिला राज्यक बात एहीस काफी पुरान अछि)

फेर कवि सम्मेलन भेल चंद्रेशजी क संयोजनमे- हमहू एक कविता “गांधीजीक तीन बानर बिहार दिवस पर’ तुरंत बना पढ़लहु॥

हमरा लेल व्रत छल प्रदोषक – आ तीन घंटा बाद साञ्झक सत्र- बीचमे औपचारिक सत्र गीता पर हम लेलहू जे बहुत लोक के नीक आ आश्चर्य लगलइनहि (लगाइत अछि मिथिला राज्य काजस संन्यासक बाद गीता प्रवचन करैत रही सकइत छी- चिन्मय मिससक आचार्यके सांझमे एसएमएस केलियइनहि जे रामचरितमानस समापन(करीब तीन सालस मास मे 6 दिनक अंतिम दिन नहि रही पयलहू आ अपन गीता प्रवचनक त ओ प्रसन्नताक एसएमएस पठौलाह)-

सांझमे प्रदोष पूजाक पूर्वहि फलाहार भेल- पूजा लेल शीलानाथ माहादेवक दर्शन एक कार्यकर्ता बाईकस करा अनलाह – फेर संध्या सत्रक उद्घाटन बेनीपट्टी विधायक विनोद नारायण झा आ मुख्य अतिथि रामलखन राम क भाषण सुनि लागल जे मिथिला राजयक उपक्रम क्रमश: विधायक सबके मोनमे बनि रहल छनि- फेर मणिकान्त्जी दरभंगाक संयोजनमे कवि सम्मेलन – भोजन/पारण लेल गेलहू त ओतहीस सुनल पूनम मिश्रक गायन- एक बेर नीचा उतरलहु त पवन नारायणक गायन चलि रहल छल –पूनम मिश्रा के देखि नहि पयलहू- करीब एक बजे नींद आयल आ भोर 4.18 मे जागि फेर सूति 523 मे उठ्लहु- पेट खराब

करीब 7-8 बेर बेर- बेर हाथ धोनाइ- पैख़ाना केनाइ- लागल शहीद छूटत- दरभंगा मेडिकल कॉलेजमे एक अपराधी नीरनाल सिंह क मूरत्ती हटेबाक लेल 11 बजे स छल- दैवी कृपास एक टेमपू आयल- जे समय पर स्टेसन लग छोडलक- कल्पकविस बात करइत मधुबनी तक- फेर दरभंगा- मैथिली संदेश क झोड़ा खसा हल्लुक भेलहू- मित्र हर्षनारायण डेरा- फेर अनामिका होटलमे प्रेस वार्त्ता- दरभंगा स्टेशन पर इंटर सिटी ठाढ़- गर्मी कानुभाव- बरौनीमे बाहर जा ट्रेकर आ सिमरियाधामक कालीमैया आ गंगा मैयाके प्रणाम करैत हाथीदह कनि मिनट बाद भारी- भीड़- लेकिन सब होली मे लग गाम पटनास अवनिहार - झाझामे सूतय के जगह भेटल- जसीडीहक सूतल रांचीस पूर्व उठ्लहु आ कठहरकोचा उतरि डेरा – अनुजजक पूरा परिवार आयल आ अनुजाक परिवार संग, सब नौकरनी पूनम आ ओकर बेटा चन्दन समेत 12 गोटे जगननाथपुरी जाई लेल तैयार – आब होलीमे हम असगरे रहब – डेरा आ अस्पतालमे(दूनू आन फिजीसीयन छुट्टी पर, जाहिमे हम बहुत दिनक अखबारक कतरन कय किछू हल्लुक करब घरके)॥

मिथिला कार्य लेल हमर मिथिला जागरण यात्रा दुलीपट्टी –दरभंगाक अकस्मात आ संयोगवश भेल मुदा लाभदायी रहल। हमरा कवि एकांतक 4 दीना अनशन मिथिला राजयक सहनुभूतिमे दिल्ली जेबाक छल मुदा किछू दिन पुर्वस एक पूर्व घनिष्ठ कार्यकर्त्ताक अशालीन व्यवहार स क्षुब्ध छलहू आ हुनक

एही बात के कवि एकांत नहि कटलाह जे ओ एतेक दिन स चली आबी रहल एही विषयक संगठनके ढकोसला नहि कहथी जाहिमे हुनक ईशारा हमरा दिशि हमेशा रहईत छलन्ही आ बड़ाई हमरा द्वारा बनायल मिथिला राज्य संघर्ष समितिक नाम मे ‘अखिल भारतीय’ जोड़ी सांगठनिक विभ्रम फैलवानिहारक प्रति रहित छलन्हि जिनक एही कुकृत्यके हम अहमेशा चोरी मनल (जे अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनक विषयमे शब्दस: 12 एहेन सम्मेलन हमरासब द्वारा कयला बाद भेल अछि) आ दोसार हुनक अवधारणा जे मैथिली भाषा क मनयाता साहित्य अकादमी वा आतम अनूसूची वा अन्य मिथिला राज्यक लेल नहि अछि जाही लय ओ हमरा कोनो मान देबाक बजाय लगातार अपमान करैत रहलाह (हमार कथन जे 1956-7 मे राज़्यक मांग डॉ लक्ष्मण झा, जानकी बाबू आदि द्वारा छोडला बाद भगवातीक निर्देशानुसार हमरा द्वारा 1992 स उठावल आ लगातार काज कयला कारण आई अनेक लोक आ संगठन द्वारा सतह पर अछि)-

ई एक महज संयोग छल जे 22.3.13 क वकील चन्द्र प्रकाश जिंका मूल गोत्र विषयक अनुसंधान मे मोन लगइत छनि 11 बजे करीब आयलाह आ कहलाह जे हाम्रा मूलग्राम बरही जयनगर लग अछि जाही पर हम ओतुक्का प्रोफ। रामचंद्रा सिंघजी के फोन कय बात केलहू जाही क्रम मे ओ कहलाह जे 24 क

दुलीपट्टीमे मिथिला बिभूति पर्व छईक – हम कहलियईंही हमरा दिल्ली जेबाक अछि अगिला बेर 1-2 मास पूर्व कहब।

करीब 1 बजे दिल्लीक समाचार लेल फेस बूक खोललहू – देखाइत छी फेर बैनर ’अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति’- मोन क्षुब्ध भय गेल आ एकांतके शुभकामना दैत नहि यबाक सूचना डेल आ विजय तरौनी के फोन ल्गायल जे नहि उठल। रामचंद्रबाबूके फोन केलियाइनहि जे आयोजकके हामर गेनाई खराब नहि लगतइनही(कारण ओहि समय तक ओ अतिथि तय कय लेने हेताह)- मुदा आओ कहलाह आऊ आ फेर आयोजक दिशिस एक पत्रकार फोन केलनहि अबय लेल । संपुष्टि केलियइनहि- डेरा जा एक घंटामे मिथिलाक करीब 1000 उच्च विदयालयक लेल मैथिली संदेश क डाक तैयार करय जे उमहर कतहु आर एएम आस मे खसा देब।

हत्या स्टेसन पर पहुंचल्हू यथा निश्चित पटना ट्रेन पक्ड़य मुदा घंटा भरी पहिने जे पटना- दिल्ली-रांचीक टिकट क रद्दीकरण लेल – ओहि सामी विजयजीक फोन आयल लेकिन कहलियईंही आ ब सामी दुलीपट्टी लेल काही देलियाइक आ टिकट रद्द करा 709 टाका वापस लेल (जाहिस काफी कममे हम पटना-दुलीपट्टी-जयनगर होइत आई रांची सकुशल भोरमे अयलहू)-

मोनमे ई जरूर रहल जे युवा वर्ग पहिल बेर अपना दिशिस मिथिला राज्य लेल उभरलाह अछि लेकिन अपन असम्मान कतेक देखी- पिछला बेर सेहो एक अहिना हमरा पर पाइक

हेराफेरीक आरोप लगा डेलाह जाहि पर हमरा 'मिथिला सेवा मंच' क नामे जमा 80 हजारक फ़िक्स्ड डिपॉजिटक फोटो जारी करी पडल आ एही बेर त हाथ धो नब चाणक्यक भूमिकामे छलाह – गांधीक एक बानरके मानो मौन करा दोसर सब पर चौधराट जमब जे एही अवसर पर हमरास संन्यासक घोषणा चाहैत छलाह मानो हमरही चलते मिथिला राज रूकल अछि।

तइयो पटना उतरि अपन ममियौतक डेरा आनंदीपुर गेलहू – बहुत साल बाद मामी भेटलीह – फेर राजा पूल तक जाकय गांधी मैदान । पटना पुस्तक मेला मे सूचनाक अधिकार लेल संगोष्ठी उमनाथ बाबू संग आ फेर नरेन्द्राबाबू आयलाह आ बच्चा ठाकुर पूर्व आए अ स अयलाह आ छोट राजयक प्रासंगिकता मिथिलाक संदर्भ मे जाहि मे बच्चा ठाकुर हमरा मिथिलाक 'अघोषित नहि घोषित नेता' कहलाह (हम सोचाइत छलहू संन्यास चहयबला युवा सब लेल) –रणजीत ठाकूर, मनीष कुमार झा, आनंद कुमार ठाकुर, शिव कुमार यादवसन युवा अपन नंबर देलाह लेकिन मुजफ्फरपुरक एक युवा जे भाषण डेलक आ कहलक जे संपर्क करत अपन नंबर नहि देलक। अधिवकता राजेंद्र बाबू छलथी- सरकारी स्टैंड स बस नहि भेटल- गांधी मैदान जाइट टेम्पूबला मैथिल लेकिन एक पस्सेंजर भोजपुर पर ग्रियर्सनक उक्ति एक लहेरियासराइ क सहयात्री के कहइत सूनी बिगडल- कहलियइक ' फूहड़ होली गाना सन आत्महत्यावत बातस अपना समाजके

बचावथी।‘

मीठापुरस जयनगरक बस भेटल जे आठ बजे खुजल आ तीन घंटा गांधी सेतु पर जाममे रहल –मधुबनीमे एक बड़का काच गाड़ीक लय कियो बगलमे आयल जाही पर अपन सुरक्षा लेल आपत्ति करइत ओकरा सीट बदले या हमार सीट बदली या गाड़ीस उतरी कहलियइक- जकहन कंडक्टर कहलकइक ‘उतरी जो’ आ एक आदमी सीट बदललक तखन गाड़ी खुजल आ करमौली दुर्गास्थान होइत कलुआही होइत डाँड तोड़यबला एनएचस दुलीपट्टी सामियाना देखि पईक्स कार्यालय लग उतरलहू (उदघाटन सत्रमे विधायक अरुणशंकरजीक क्षेत्रस बाहर हेबाक चुटकी लेबा पर कहलाह हाइवे केंद्र सरकारक छईक आ कइएक आन तकनीकी मामला)

तीन घंटा सूतलहु – फेर तययार भेलहू- कल्पकवि उमेश नारायण कर्ण आयलाह आ फेर अध्यक्षा कमलकांतजी आ हमरहुस सीनियर डॉ अंबिका प्रसाद सिंह।

उदघाटनसत्र बेश जमल- हमर उदघाटन भाषण किछू लंबा भेल मिथिला राज्य पर केन्द्रित- बैजु बाबू सेहो आबी गेलाह मुख्य अतिथि मैथिली अकादमी अध्यक्ष कमलाकांत जी संग- कमलकांत आ कमलाकांतक चक्कर अंत धरि रही गेल- ‘ हम अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक अध्यक्ष छि आ कमलाकांतजी मैथिली अकादमीक ’ बजलाह कमलकांतजी – मंच पर कमलाकांत बाजी उठलाह- ‘अहा हमर सभक अध्यक्ष छी।“

ठीक बात कमलकांतजी काफी वरीष्ठ साहित्यकार आ संगठक छथि-
बैजुजीके हमार परिचय ‘ विद्यापति सेवा संस्थानक प्राण’ नीक लगलइनहि- काश! एतबे अपन परिचय रखिटाथि(तखन हम दिल्लीमे रहितहु?)
विधायक अरुणशंकरजी, पूर्व विधायक रामप्रीत पासवान, सीताराम यादव नीक बजलाह आ सीमा सुरक्षा बलक कमनडेंट सेहो (11 वर्षस बल कार्यरत अछि आ हमर सुरक्षा कारण मिथिला राज्यक बात एहीस काफी पुरान अछि)
फेर कवि सम्मेलन भेल चंद्रेशजी क संयोजनमे- हमहू एक कविता “गांधीजीक तीन बानर बिहार दिवस पर’ तुरंत बना पढ़लहु॥
हमरा लेल व्रत छल प्रदोषक – आ तीन घंटा बाद साञ्झक सत्र- बीचमे औपचारिक सत्र गीता पर हम लेलहू जे बहुत लोक के नीक आ आश्चर्य लगलइनहि (लगाइत अछि मिथिला राज्य काजस संन्यासक बाद गीता प्रवचन करैत रही सकइत छी- चिन्मय मिससक आचार्यके सांझमे एसएमएस केलियइनहि जे रामचरितमानस समापन(करीब तीन सालस मास मे 6 दिनक अंतिम दिन नहि रही पयलहू आ अपन गीता प्रवचनक त ओ प्रसन्नताक एसएमएस पठौलाह)-
सांझमे प्रदोष पूजाक पूर्वहि फलाहार भेल- पूजा लेल शीलानाथ

माहादेवक दर्शन एक कार्यकर्ता बाईकस करा अनलाह – फेर संध्या सत्रक उद्घाटन बेनीपट्टी विधायक विनोद नारायण झा आ मुख्य अतिथि रामलखन राम क भाषण सुनि लागल जे मिथिला राजयक उपक्रम क्रमश: विधायक सबके मोनमे बनि रहल छनि- फेर मणिकान्त्जी दरभंगाक संयोजनमे कवि सम्मेलन – भोजन/पारण लेल गेलहू त ओतहीस सुनल पूनम मिश्रक गायन- एक बेर नीचा उतरलहु त पवन नारायणक गायन चलि रहल छल –पूनम मिश्रा के देखि नहि पयलहू- करीब एक बजे नींद आयल आ भोर 4.18 मे जागि फेर सूति 523 मे उठ्लहु- पेट खराब करीब 7-8 बेर बेर- बेर हाथ धोनाइ- पैख़ाना केनाइ- लागल शहीद छूटत- दरभंगा मेडिकल कॉलेजमे एक अपराधी नीरनाल सिंह क मूरत्ती हटेबाक लेल 11 बजे स छल- दैवी कृपास एक टेमपू आयल- जे समय पर स्टेसन लग छोडलक- कल्पकविस बात करइत मधुबनी तक- फेर दरभंगा- मैथिली संदेश क झोड़ा खसा हल्लुक भेलहू- मित्र हर्षनारायण डेरा- फेर अनामिका होटलमे प्रेस वार्त्ता- दरभंगा स्टेशन पर इंटर सिटी ठाढ़- गर्मी कानुभाव- बरौनीमे बाहर जा ट्रेकर आ सिमरियाधामक कालीमैया आ गंगा मैयाके प्रणाम करैत हाथीदह कनि मिनट बाद भारी- भीड़- लेकिन सब होली मे लग गाम पटनास अवनिहार - झाझामे सूतय के जगह भेटल- जसीडीहक सूतल रांचीस पूर्व उठ्लहु आ कठहरकोचा उतरि डेरा – अनुजजक पूरा परिवार आयल आ अनुजाक परिवार संग, सब नौकरनी पूनम आ ओकर

बेटा चन्दन समेत 12 गोटे जगननाथपुरी जाई लेल तैयार – आब होलीमे हम असगरे रहब – डेरा आ अस्पतालमे(दूनू आन फिजीसीयन छुट्टी पर, जाहिमे हम बहुत दिनक अखबारक कतरन कय किछू हल्लुक करब घरके)॥

हमर 157 म मिथिला जागरण यात्रा(11-14.4.2013)

एयर वाइस मार्शल वीएम तिवारी जीक संग मिथिला सांस्कृतिक यात्रा

11-14.4.2013	4	
11.4.2013	J_-18605	Jalan College-Air V Marshal VM Tiwa
12.4.2013	Darbhanga	Mithila Sanskritik
12-14.4.2013	Pindaruch	Durga Mandir-Bil

पहिल बेर फोन केलियाइनह जे पिताजीक नमबर दीय आ ओ अपन गामक सरपंचक नंबर देलाह आ ओ दू नंबर जाहिमे एक कन्हाईयाजीस बात भेल जे काल्हि साँझ हम सब आयब –

व्यवस्था एयर मार्शलक अनूरूप चाही। ओ तैयार भय गेलाह आ पिंडारूच ग्राममे हुनक नीक कार्यक्रम आ एक प्रशिक्षण वर्ग मे 13 प्रमाणपत्र सेहो बटल आ अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क मानचित्र पर ओ गाम आबि गेल जे मैथिली युग प्रवर्तक चन्दा झाक गाम अछि । कथाकार प्रभाष चौधरीक़ सेहो।, लगइत अछि गीता प्रवचन शंका निवारण पर मुदा हम त स्वयम विषादयोगक़ मारल भय जाइत छि कखनो काल? हमर शंकाके निवारण करत?, बेनीपुरमे बैसार – सब लेल 9.4 क कागजात तैयार कय प्रिंट लेल मुदा ओ बाहरस कोनो कारणवश स्वयम नहि अयबाक सूचना देलाह – संपर्क सूत्र लेल कहलाह लेकिन नहि आयल- एयर वाइस मार्शल सन उच्चाधिलरी रहल व्यक्तिके बिना आयोजित कार्यक्रममे कोना लय जेबनइनहि- हम अपन सूत्रस बात कबिलपुर, अचानक 11 तारीखक याद आयलाह हरिहरपुरक- किछू लोक कोहूना गछलाह- फेर पिंडारूच ग्राममे सेहो एक वर्ग भय जाय सोचि अपन कनीय सहकर्मी महिला चिकित्सिका संगीता, जे काफी नीक जका जयनगरमे 2 दिनस चली रहल छलन्ही- डॉ कमलकान्त झाजीक सौजन्यस - एयर मार्शल बच्चाके किस्सा द्वारा संस्कारक बीजारोपण करय मे लागल छथि देश भरी घूमिकय बाल विकास भारती नामक संस्था बना ।, चूंकि एतेक पैघ आदमी द्वारा वर्गक उदघाटन भेल छल जे ई रद्द नहि कयल जा सकइत छल- ताहि हेतु पहिल बेर 3 दिनमे प्रमाणपत्र उक्त शर्त्त पर निर्गत भेल, मिथिला दिवसक़ जखन

हम पिंडारूच ग्राममे छलहू- ई भेल संगठन जे बिना हमर भेने काज हो- उमहर दिल्लीमे सेहो युवक किछू निर्णय लेलाह भनहि अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क संग नहि अलग करताह लेकिन 14 अप्रैल नव वर्ष सांगठनिक रूपमे मनेबाक आग्रह ककर? मिथिला राज्य लेल अधुना युगमे आग्रह ककर? हमरास जतेक कम अपेक्षा ओतेक हमरा फाइदा – एक त काजक ज़िम्मेवार आहा सब स्वयम आ दोसर हम किछू आउर करब।, बहुत दिन बाद एक गाममे 40 घंटा लगातार रहि देखल ग्रामीण जीवनके सूनल अनेक बूढ़स हुनक जीवनक़ अनुभव-समय पर सूतलहु- पोखरी, 140 म मिथिला जागरण यात्रा_ एयर वाइस मार्सल विश्वमोहन तिवारीक मिथिला सांस्कृतिक यात्रा क्रममे दरभंगा कार्यक्रम आ पिंडारूच ग्राममे भेल 42म मैथिली कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, ओकर पूर्व दरभंगा मे 12क मिथिला विद्यार्थी परिषद्क सम्मेलन आ फेर रतनेश्वरजीक द्वारा सिमरियामे विचार गोष्ठी 14 अप्रैलक - लेकिन एहिमे कोनो नहि भेल आ जेना मैथिलक आदत अछि नहीये समय पर उद्योग कोनो काज लेल ने नइ संभव भेला पर तुरंत सूचना – लेकिन हमरा लग त दिन गानल अछि काजक – 5 अप्रैलक ई हम अनुमान लगा लेल जे मोतीहारी सम्मेलन नहि भेल आ एक आन कार्यकर्त्ताक द्वारा दरभंगाक लग कबिलपुर, हमर 11.4 क रात्रिक यात्रा सुखद छल- गाड़ी देर चली रहल छल- बरौनीमे नहा गाड़ीमे पूजा केलहू-

दरभंगा अबइत गाड़ी 2 घंटास ऊपर देर- मधुबनीक टिकट छल मुदा ओतहि छोडि देलहू जे मधुबनी एयर मार्शलक कार्यक्रममे सम्मिलित नहि भय पायब, कार्यक्रम 'जय जय भैरवी'स प्रारम्भ भेल- हम विस्तृत भूमिका रखलहू मिथिलाक सांस्कृतिक अवदानक आ वर्तमानमे राज्य कियाक चाही – एयर मार्शलक संगी डॉ केशव रतन्म अपन बाल विकास भारतीक काजक बारेमे कहलाह - एयर मार्शलक विश्वमोहन तिवारी नीक बजलाह जे कोना अङ्ग्रेज़ी हमर सभक संस्कृतिके नष्ट कय रहल अछि- मेकाले गांधीके हरा देलक अछि। अङ्ग्रेज़ी विश्वमे हर दिन एक भाषा खत्म कय रहल अछि- इसराएल किछू लाखक हमरा सबस 10 गुणा विज्ञानमे नोबल जीति चुकल अछि- अंग्रेजीक पढ़ाई 6 वर्गक पहिले नहि हेबाक चाही, साढ़े चारि बाजल- हरिहरपुरक मैथिल नहि अयलाह जिनका संग जेबाक छल मुदा पिंडारूच ग्रामस फोन आयल जे ओ सब प्रतीक्षारत छथि- टेम्पू मंगा विदा भेलहू –



एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) विश्वमोहन तिवारी मिथिलामे एक टेम्पो पर हमरा संगे आकियो दिनमे खेने नहि- हमर जलखईक नाम पर तरबूजा आ पाँच टाकाक केरा मात्र- जेरो माइल पर अंगूर खरीदल जे हम सब खेलहू आ शीघ्रहि पिंडारूच ग्राममे दुर्गास्थान – पिंडारूच नाट्य कला परिषद्क मंच पर - ई संस्था 1923 मे बनल छल आ अखन धरी सक्रिय अछि – लोक जमा अधिकांशत: वृद्ध व्यक्ति – 42म मैथिली कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्गक उदघाटन करैत एयर मार्शल विश्वमोहन तिवारीक भाषणमे दादाके पोता लेल कहानी द्वारा संस्कार देबमे चर्चा विस्तारस छल।, 14 क प्रात डेरा पर किछू लोक जुटलाह- बाँकी सब विषय पर चर्चा कय 13 के प्रमाणपत्र मे उपस्थित 7 के दय प्रतिज्ञा करायल जे एक दिन बाँकी रहल जाहिमे हम फेर कहियो आयब जखन 7 पंचायत क 2-2 आदमी ओहि मीटिंगमे रहताह, दूपहरमे पूल पार मंदिर पार पीच तक एक जन छोडलक- फेर रिकसास महमदपुर आ मकसीस दरभंगा स्टेसन- लिस्टमे शंकर आनंदके नाम जालन कॉलेजमे देखि फोन केने छलियइनही – ओ अयलाह आ विविध चर्चा भेल - गर्मीमे मोन उताहुल – आ ट्रेन 2.45 स किउल- भूख लागल लेकिन लिट्टीवाला विधर्मी जानि नहि लेल- पाटली एक्सप्रेसमे ऊपर सूतक जगह- फेर भूजल चना आ सोन पापड़ी खाईमे दाँतक

मसूढ़ा छिला गेल- राति भरि दर्द भेल- सुतइत जगाइत भोरमे ट्रेन रूकला पर रांचीक आगा अरगोरा ऊतरी मॉर्निंग वॉक करैत डेरा।, हुनक ग्रामीण आ चेन्नईक शिरीश चौधरी जिनक डेरा रही 1997 मे हम चेन्नई मैथिल सङ्घक आधार रखने छलहू, क पिता जिनकास 28.5.1994 क़ साइकिल यात्रामे हमर संक्षिप्त भेंट भेल छल

ह्मर 158 म मिथिला जागरण यात्रा धकजरी- कुश्ती -(18-19.4.2013)

18-19.4.2013 Jouney-18605

19.4.2013 Dhakjari

19.4.2013 Sakri Chini Mill

19.4.2013 Kanhauli

धकजरी- कुश्ती -सकरी बैसार-चीनी मिल बंद - कन्हौली- चैती दुर्गा सकरी स्टेशन)-

मणिकांत झा क सतत तीर्थ कांवर यात्रा-

-मिथिलाक चारि धाम जनकपुरधाम- बनमनखी लग नृसिंह अवतारक जगह- बाबा बैद्यनाथ धाम आ हरिहरक्षेत्रके बनेबाक सुझाव

ह्मर १४१म मिथिला जागरण यात्रा (धकजरी- कन्हौली-सकरी)-

संक्षिप्त किन्तु उपयोगी रहल.

रामनवमीक छुट्टी छल आ हमर कॉल डे सेहो नहि मुदा वृहस्पति राति आ शनि भोर लेल दोसर डाक्टरके कह्य पडल. मिथिलेशजी धकजरी बेनीपपट्टी लगहक छथि आ करीब एक मास पूर्व कहलाह जे रामनवमीक कुश्ती प्रतियोगिता धकजरीमे करताह जाहिमे जेबाक अछि- एकदीन्हा एहेन छुट्टीमे दूर नहि जाय चाहैत छि मुदा नहि मानलाह आ कहलाह १०० मैथिलीगीता लयक आबी – सबके बिदाईमे देल जायत - ताराबाबूक अनुज सेहो याद करा देलथि- अस्तु, ट्रेन लेट भेल – बरौनी लग ट्रेनहि स्नान आ समस्तीपुर तक पूजा पाठ – लेकिन मधुबनी तुरंत बस भेटल आ उद्घाटन समारोहक मध्यमे पंहुची गेलहु आ मंच पर गेलहु- कुश्तीमे देर होइत छलनि



पहिलेस तय छल जे हमर भाषण समापनमे होयत (यद्यपि हम कहने छलियेन्ही जे अंतमे माहौल संघ जकां नहि रहित छैक जे समापन सत्रक सर्वाधिक महत्त्व हो आ सैह भेल – अंतमे हमर भाषणक घोषणा नहि भेल आ हुलीमालिमे कार्यक्रम ख़त्म भेल- लौटैत काल राजीवजी जबरदस्ती पाग दोपटा देलाह जे शुरूमे विधिवत हेबाक छल.

लेकिन ई अर्थ नहि जे कार्यक्रम कमजोर छल – अनेक युवा पहलवान अपन करतब देखऊलाह आ ग्रामीण भीड़ उलटल छल – महिला सबहक भीड़ तहिना – जिनका नियंत्रण करयलेल एक महिला हाथमे छडी लेने – लोक मंच पर, खंभा ऊपर' शमियानाक ऊपर तक- मंचक नीचा सेहो जिनका पर बेर-बेर मंच टूट पर हादसा लेल चेतावनीक कोनो असरि नहि आ तहिना मंच पर लोक नहिये उतरलाह कतबो कहल गेला अपर – आखिर सबके कुश्ती देखक छल –

भाषणक स्तर संघक बौद्धिक जका- मिथिलामे हिन्दीमे देल भाषण बूझू अंगरेजी बरोबरी- मुख्य अतिथि पूसाक सेवानिवृत्त आए अ अस मुदा पहिल बेर मधुबनी जिला आयल छलाह- अफशोश कहलाह जे मैथिली बाजि नहि सकताह आ अपन ठाम क वज्जिका- मैथिलीमे सेहो किछु बजताह लेकिन लंबा हिन्दी भाषणमे से नहि बजलाह आ तहिना क्रीडा भारती आ संघक अधिकारी – जाबत ओ सब मैथिली भाषा नहि अपनौताह समाजस कटल रहताह- (लौटैत काल भोगेन्द्र झा, बनकट्टा जे

हमरा बस लेल ठाढ़ देखि बाईक चलबैत बेटाके रोकलाह, बरहाक साम्यवादी भोगेन्द्र झाक प्रशंशा एहि मामलामे केलाह जे हमेशा ओ अपन सभा मैथिलीमे केलाह कहलाह – वस्तुतः ताहि कारण ओसब अपन आमजनस जुटल आ संघक लोक कटल अछि- मिथिलेशजी उदघोषणा स्वयम मैथिलीमे करैत रहलाह लेकिन विवेकानन्दक बीज मंत्रक अनुवाद मैथिलीमे करौने रहितथि से नहि केलाह).

हमरा मैथिलामे वा मैथिलस कतहु मैथिलीक अलावा आन भाषा अप्राकृतिक लगैत अछि आ खासकयक कुश्ती सन प्राकृतिक खेलक माहौलमे .

अनेकानेक मैथिल बंधू जे ढंगामे भेटल छलाह फेर भेटलाह, पत्रकार मदन बाबु आदि सब बेनीपट्टीक पूर्वपरिचित जागरण, प्रभात खबरक सब कियो- तखन हमर ओतहि एक दर्शकक रोलमे रहब हुनको सबके अखरल हेतैन्ही मुदा हमरगीता सबके हाथमे गेल- सह्भोजन भेल – मधुबनीमे प्रमोदजीके स्टेसन आबय कह्लियेन्ही की शंकर टाकीज लग आकाशवाणी दरभंगाक मणिकान्तजी (पहिल भेंट हालमे दुलीपट्टीमे) कार रोकलाह त दरभंगा विदा भेलहु जे कोनो बस भेटय आ प्रमोदजीके मना कयल)

– मणिकान्तजीक हरिद्वारस बैद्यनाथधामक पैदल यात्रा ३० सालक उम्रमे केलाह - दरभंगास दिल्ली साइकिल यात्रा ३१

सालमे आजादीक ५० सालक अवसर पर ७ मैथिल संग, ३३ वर्षमे सुल्तानगंजस बाबाधामक दंड परनामी यात्रा, ३५ सालमे दरभंगास गौहाटी गणतंत्र दिवसकक ५० सालक अवसर पर अपन ४५ सालमे पहलगामस अमरनाथस यात्रा – एखन २०१३ में ४६ सालक छथि आ एकबेर गोमुखस रामेश्वरमक यात्रा कराय चाहित छथि-हम कहलियेन्ही जे ओ एक बेर मिथिलाक यात्रा करितथि (बजाय रामेश्वरम तकके)- उत्तराखंडक चारि धाम जकाँ मिथिलाक चारि धाम जनकपुरधाम- बनमनखी लग नृसिंह अवतारक जगह- बाबा बैद्यनाथ धाम आ हरिहरक्षेत्रके प्रचारित कायल जाय.. शाक्त लोकनिक लेल उच्चैठ-शाख्रा- महिषी क एक त्रिकोण यात्रा संभव -

मणिकांत झा आई काल्हि बाईजीक फूहड़ डांसक विकल्पमे हास्य काव्य पाठ करा रहल छथि शुभंकरपुर, मझिगामा-शीशो, टेकटारि, नाहस-रुपौली- सिगियौन भेलाक बाद दुबारा मझिगामा- आ चुन्नी-रुपौली (मिथिलाचल कोशी समितिआ अखिल भारतीय मिथिला संघक सहयोगस) करक योजना छनि.

बहुत देर तक मैथिलीक आठम अनुसूचीक लेल केनीहार पर बात भेल – हुनका विचारस डॉ सी पी ठाकुरक सर्वाधिक योगदान आ हमरा विचारे संघ प्रमुख सुदर्शनजीक वाजपेयी लग एहि हेतु पैरवी (अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक अध्यक्ष डॉ भुबनेश्वर प्रसाद गुरुमैताक साग ओ गेल छलाह). तहिना हमर पठाओल ६३

संगठनके सूचनाजे अडवानी डोगरी आदिक नाम लेहमे लेलथि मैथिलीक नहिक जबाबमे सहरसास मायाबाबू आ उमानाथ बाबूकक मंत्री शहनवाज़ हुसैन द्वारा एक आई अ अस झाजीक मददीस तकनीकी पत्रादिमे संशोधन आ राजभाषा मंत्री आइ डी स्वामीके संतुष्ट करब के कहियो दरभंगाक मैथिली माएंजन कोनो बहर्बला क काज के मोजर नहि देल्खिंह आ अप्पन पीठ अपनही ठोकथी रहलाह – १९९२-९३ क मैथिली विकास परिषद्, रांची (अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक पूर्वरूप) क दिल्लीमे प्रतिनिधिमंडल (जाहिमे चतुरानानद मिश्र २०क नोट देखा एहिमे आओत टी की भेटल? दिल्ली में मिथिला संघक धरनामे आर्थिक मददी, न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्रस हमर बहस, १९९३क हमर एही हेतु पहिल ककरो द्वारा कायल गेल पदयात्रा (१९९४ स मिथिला राज्य लेल भेल), ११ अंतरराष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन द्वारा मिथिलाक आ बहार सब भाग में जागरण आ मैथिली कार्यकर्त्ता अलेल एक मंच प्रदान , खास कय राज्यक मांग स भाषा लय लिय महामना वाजपेयीक तारा बाबू के कथन एही सबहक मूल में कोनो आन संगठन स अधिक काज अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् केलक लेकिन ओकरा सब इतिहासकार नकारी देलथि बिना शोध केने मुंह देखी करैत आर त आर बैजूजी अंतरराष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन आ मिथिला राज्य संघर्ष समिति क नाम चोरी कय लेलाह जकर विरुद्ध स्पष्ट मत

देबाक बदले लोक कहताह- दूनूक उद्देश्य एक त की हर्ज़? जाही पर हम कह्लियेन्ही जे ह्मरा अहाक कोनो कविता वा गाडी नीक लागल की ओ हम अपन नाम चोरी कय ली.

हम ईहो कह्लियेन्ही जे अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क काज चलैत रहत आ ई छोट लकीरक सामने पैघ लकीर खीचक काज करत आ शीघ्रही दरभंगामें सेहो एतेक काज बढ़ा लेत जे ओ अपन घरक आसपास सेहो सेहो अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क कार्यकर्त्ता पओताह – करहम केवल हुनका संगे कतहु मंच साझा नहि करब आ पता चलत जे आबी रहल छथि ओतय नहि जायब आ याद राखी अंततः मिथिला राज्य लेल सेहो भारत सरकार स वार्त्ता परिषद् करत आ पाओत ओना दोसर कोनो संगठन पाहिले पाबी लेल त हमारा लेल ई खुशी क बात आखिर १९५७ क बाद १९९२ स ई बंद मिथिला राज्यक खाता हमरा सन अक अज्ञात मैथिल क खोलल अछि जकर संग डॉ जयकांत मिश्र, तारा बाबू सन वरेण्य देलाह आ डॉ लक्षण झा, डॉ सुभद्र झा, बाबु साहेब चौधरी क स्नेह भेटल – जाहि सबहक प्रमाण उपलब्ध अछि .

(साढे पांच बाद दरभंगास रांची बस नहि जानि तखन मोहन बढ़ीयाम उतरि बहिनि- बहिनोईस भेंट करय कन्हौली - ओही रास्तामे आब अनेक मदरसा आ स्कूलक विकास देखि नीक लागल – भोरमे सकरी चीनी मिलक फोटो खीचने छलहु आ

महावीर मंदिरक याद –लगैत अछि हनुमाजी बजा लेलाह आ आरतीमे भाग लेलाक बाद सबके बैसा एक नीक सक्षिप्त बैसारमे मिथिला राज्य कियैक, मैथिलीक प्रचार, मिथिला धामक महत्व, गीताक महात्म्य, रामनवमीक विशेषता, चीनी मिल आदि पर विचार आ आगा ओतय प्रशिक्षण वर्ग लेल बात भेल- संयोगस उपस्थित ११

अरुण कुमार चौधरी, कन्हौली, संजय कुमार यादव नेनाघट, भालपट्टी, रोहित कुमार चौधरी, कन्हौली, दीपक चौधरी, डरहार, कृष्ण कुमार मिश्र, थलवारा, उग्र नारायण चौधरी, मोहन बढीयाम,विनोद कुमार मिश्र, कन्हौली, पंडित शिव कुमार गिरी, दहौडा, देवकांत चौधरी, कन्हौली, अचलेन्द्र मोहन मिश्र, बेहटा, गुड्डू चौधरी, कन्हौली, जिनक सबके मोबाइल नंबर लेल अंतमे भगवान् हमर निथिला गीत क गायन भेल.

हडबडमे बहिनिक घर- फेर भात बनल किछु खा ट्रेन लेल – स्टेसन पर भागिन कहलक – चैती दुर्गा देखी ली – से दर्शन भेल- आ गणेशजीक पेटमे २ टका खसा लड्डू हुनक सूंढ़स प्रसादभेटल.. चन्दा किछु देल – सहायक स्टेसन मास्टरके कहियो सुझाव देने छलहु से ट्रेनक समय सारणी टिकट घर लग टांगने छल मुदा काफी उंच जगह में छोट अक्षरमे ताहि लेल कहलहु- लगैत अछि हमर काज एहिना शिकायत सुझावक देबाक हमेशा बनल रहत. श्री रामचंद्र झा,उपाध्यक्ष,

अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् अपन बीमार माता के लयक रांची अबैत जिनका देखल. गाडीमे सूतक जगह भेटल – भोरमे रांची हेसागक एक मल्लिक अपन तेहेन प्रवचन भाषण देब लगलाह जे मालूम भय गेल जे एही ट्रेनक मांगमे जे लिखैत छलहूँ जे एही स मानसिक बीमारके सुविधा भेटतन्ही से सत्य – एक सामने माताजीक सेहो वैह स्थिति. नामकोम ट्रेन रूकल – टेम्पू स आबी कोहुना अस्पताल पहुचलहू. (photo धकजरीkushti - सकरी baisar- chinee mill band- chaiti durga sakri stesan-)

हमर 159 म मिथिला जागरण यात्रा- सूरज नारायण सिंहक घर (26-28.4.2013)

	Journey-	
26.4.2013	Maurya	
27.4.2013	Narpatinagar	Soorajbabuk ghar
		Hanuman Mandir
27.4.2013	Sakri	baisar
27.4.2013	Kanhauli	Familial
		Mithila Awaz
28.4.2013	Darbhnaga	seminar

असफलता आ सफलता क मिश्र अनुभूति अछि- प्रशिक्षण

वर्ग वर्ग नहि भय पायल लेकिन अमरशहीद सूरज नारायण सिंहक पुत्र आ पौत्रस यादगार भेंट भेल- सकरी महावीर मंदिर में दर्शनार्थी युवा चन्दन कुमार, धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, दुर्गानंद शर्मा क संक्षिप्त प्रशिक्षणक बाद फुलपरास क रामनगर बैरियाहीमे प्रशिक्षण वर्ग तय भेल –मिथिला आवाज़ क एक दिवसीय चिंतन शिविर में म९थिलक विकास (आ ताहि लेल राज्य पर हमर नीक भाषण लोकके लगलेन्ही)-आ लौटैटी काल युवा अमित समस्तीपुरमें सौ पचास के जमा कर्क भरोस दियौलान्ही...
यात्रा कष्टपूर्ण छल – आरक्षण प्रतीक्षा सूची में रहिओ गेल आ युवा शिक्षक परीक्षार्थीस आरक्षणक कोनो मतलब रहिओ नहि गेल- गेट लग जगहमें झी एक बोगीमे टी टी इ क बैसक जगह रहैत अछि प्लास्टिक बिच्चा बैस्लाहू लेकिंकरीब ६०-७० आदमी ओतबे जगहमें- एक सिपाही रक्षा केलक आ कान पकडलहू कहियो एहेनमे यात्रा करब – जसीडीह उतरयबला एक शिक्षक अशिष्ट जका बजलाह हमर ई कहला पर जे कोनो छात्रके अपन आकलन हेबाक चाही आ ओकरा किरानी आ अधिकारी दूनू लेल नहि परीक्षा देबाक चाही, किछु युवा काफी नीक छलथि ..किउल स बरौनी तक १ घंटा सूतलहू – समस्तीपुरमे उतरि स्नान पूजा क पाहिले नेहरा फोन केला पर मालूम भेल जे ओ राज्यपालस भेंट करय पटना जा चुकल छथि (मुदा हमरा से पहिले कियेक नहि कह्लथि?)

ओना कहाक चाही जे अनेकानेक स्थगन भेल छल एही तिथि लेल – समस्तीपुरमें कार्यसमिति क व्यवस्था नहि भय सकल- गोही- बरबेट्टा -कन्हौली- सकरी-नेहरामे प्रशिक्षण वर्ग तय भेल रद्द भेल -–कल्याणपुर- हसनपुर-रोसरा- भागलपुरमे प्रशिक्षण वर्ग तय नहि भेल – एक एहेन कार्यक्रम जाहिमे मुश्किल स २-३ आदमी क २-३ दिन भोजनक व्यवस्था करक हो लोक १०-१५ लोकके जमा २ घंटा लेल ३ दिन नहि करय चाहैत छथि आ हर गाममे ताशक चौपाडी सजल भेटत- मोन कईएक बेर क्षुब्ध भय जायत अछि जे जकरा लेल कानी ओकरा आँखी नोर नहि. अस्तु धुरियान में एक बाबा स बात करैत दरभंगा अयलहु जाते ब्रह्मपुर सकरीक युवा धीरज आबी गेलाह – सामने एक पुलिशक वर्दीमे मुसलमान जे एक मुसलमान छात्र स कॉमर्स पर बात करैत कहलक जे रासरायण कॉलेज. पंडौलमे सबस नीक पढ़ाई .. बहुत रास बात भेल –गाम? नरपतिनगर – हम अपन बहिनोई आ भागिनस आ औरो एक व्यक्ति स जे पिछला बैसारमे चीनी मिल पर छलथि नरपतिनगरक संपर्क लेल पूछने छलहु जे ओ सब नहि दय सकल छलाह – ओ पुलिश कहलक चलू आ सूरजनारायण सिंह हाल्टमे



हडबडीमे उतरी गेलहु आ धीरज कहलक जे ओ महावीर मंदिर सकरीमे बैसारक व्यवस्था लेल अगान जायत(लागैत अछि घर जा सूती गेल , वा अनठाक मोबाइल बंद केलक नहि पहुचल सांझमे?)

अस्तु, एक गोते हमरा सूरज बाबू क घर लय गेलाह जाते कहियो विनोबा, जयप्रकाश , मधु दंडवते सब अबैत छलथि ,– हुनक बेटा चन्द्रप्रकाशजी भाव बिभोर भय हुनक ह्त्या आ बादमे कर्पूरी ठाकुर समेत आन समज्वादीक हुनका प्रति उपेक्षाक कथा आ ललित बाबुक सज्जनताक अनेक कथा कहलाह – भोजन विश्राम भेल- कहलाह जे बजेला पर मिथिला बैसारमें ओताह लेकिन कोनो दायित्व नहि लेताह - हुनक बेटा युवा आब राजनीतीमें जाय चाहैत छथि- हुनका कह्यियेन्ही मिथिला लेल

राजनीति करू. ट्रेनक समयमे हाल्ट पर अयलाहू- महावीर मंदिर लग ताशक चौपाड़ी पर मिथिला राज्य लेल पर्चा बांटी संबोधन कायल..



ट्रेन में चढ़लहू एक मुस्लिम मसोमात आ यवा लडकी में मारीपीटमें कहुना ठौर थाम आ बचैत सकरी महावीर मंदिर – कल्प्कवि उमेश कर्ण पहिल स - धीरजक पता नहि -दर्शनार्थी युवा चन्दन कुमार, धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, दुर्गानंद शर्मा क संक्षिप्त प्रशिक्षणक बाद फुलपरासक रामनगर बैरियाहीमे प्रशिक्षण वर्ग तय भेल- भागीं गुड्डू सेहो छल- घरमे हमर बहिनिक पेट खरब क बात कहलक ताहि हेतु उमेशजी के अपन गाम लौटय कहलियैन्ही- कन्हौलीमें विश्राम भेल –
भोरमे हालचालमे समाचार नहि आयल- नहियें मिथिला आवाज़मे - समाचार बडका लोकक बडका काजक छपैत छैक- भोरमे भोजन करक चलते देरमे जानकी छूटी गेल- सकरी क जीर्ण चीनी मिल जरूर देखलहू-जीपस सकरी बाज़ार, सिनेमा घर, हाटगाछी, टूटल फाटल स्वास्थ्य केन्द्रक मकान सब देखैत किछु देर हाईवे आ फेर पुरना सडक स कनकेश्वर सूरज नारायण द्वार, तारसराय , मुरिया क ताली गुमटी पर सेराज अकरम क पान क याद- उगना पान भांडारक फोटो – आब मैथिलीमे बोर्ड नहि कोकाकोला चलते एक लाइन जरूर अंत में मैथिली दोसर बोर्ड पर भेटल- एकभिंडा क याद, हुन्कुम देवजीक बिजुली गाम, गौनघाट, सरामोहनपुरमे अनेक पैघ संस्थान, बेला मोर पर रीजेंसीस कठहरबाडी मिथिला आवाज़मे-
डॉ.चंद्रममणिजी, चंद्रमोहन जी , कमला कान्त जी आ फेर आ

के के नहि- मिथिलाक विकास पर बैजूजी, विधायक संजय सरावगीकक मैथिलीमे आ सरदारजी प्राचार्य कल्याणी महाविद्यालयक सेहो मैथिली में भाषण नीक लागल लेकिन एक कांग्रेसी मुस्लिम नेताक हिन्दीमे भाषण ठीक नहि लागल – बैजूजी बेर बेर हमारा कुटुंब कय आ मिथिलालेल 'पागल' कही संबोधित करैत रहलाह – लेकिन ओ सब आ विनोद चौधरी पार्षद, राजकुमार महासेठ, पुर्व मंत्री अपन कार्यक्रम चलते प्रथम सत्रक बाद नहि रहलाह जह्हिमे सत्यनारायण महतो, अध्यक्ष, मिथिला राज्य संघर्ष समिति, सुधीर्नाथ मिश्र, अध्यक्ष, मिथिला पार्टी आदि नीक सम्संबोधन भेलैन्ही आ अंतमे बुझु हमरो हजे अनेक के मिथिला राज्यक रोडमैप लागल हेतैन्ही ,, श्री आर के मिश्रा , अ डी जी पी क उदगार जे 'डी जी पी मिथिलाक बनितहूमे हुनक व्यक्तिवा छिपल छलन्हि.. चन्द्रमोहन झाजीस दोसर भेंट लेकिन लागल हुनका मोनमे हमरा लेल बहुत प्रेम .. ओ अनेक घोषणा मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय आदिक केलान्ही, मिथिला चैनलक केलान्ही आ निथिलक विकास लेल अनेलानेक प्रस्ताव जाहिमे अधिकांश हमसब पहिनहीस करैत रहलहु अछि अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद द्वारा – बादमे मिथिला आवाज़ भवन क निदर्शन भेल आ स्टेसन अयलहु- मह्तोजे एके छोडला बाद एक ३५-४० क महिलाके रांची बालजोगेश्वरक आश्रम जायब ने पता ने फोन नम्बर- कही सुनी बहुत बुझा ओकर टिकट वापस करा बाहर यात्री बीच सूती राती बीता नैहर

वा सासुर भड्वारा जाई लेल प्रेप्रेरित के सलाल्हू- रांची ट्रेन लेल प्रतीक्षित कुर्सो क एक भेतालाह जे रांची हरमू न्परवा में नहि जेबाक कारण पूछलाह- किछु कहालियेन्ही बनावल हमार्ही ओ संगठन लेकिन किछु लोकके हमर मंच परस भाषण देब ठीक नहि लागैत छनी आ एहेन सभामे कतहु श्रोता में रहब व्यक्तिगत मन अपमान स अधिक हमर विशाल संगठनक मनक प्रश्न भय जैत अछि – लेकिन १५.४ क नहि गेलहु ताहि हेतु दरभंगास रोशन मिथिला आवाज़ क खबरी राती में देखि लाख स ऊपर के फेसबुक पर वैदेही नाम आरक्षण केंद्र स नहि हतेबाक मुझीम चली सकल जे जगदम्बा करैत चाहती से नीक.

ताबत चौताक रामगढ में कार्यरत कमलाकांतजी दरभंगामे काज करैत एक परिजन स भेंट करौलाह आ फेर ट्रेनमे युवा अमित स समस्तीपुर लेल आशा बंधाल- सहयात्रीमें अधिकांश मुस्लिम बरियातीमे दह्न्बाद जैत मध्यरात्रि तक ताश खेलैत –हल्ला करैत– मना करय पडल- सिमरियामे लेकिन हुनका सबहक ‘ गंगामैया कहब’ नीक लागल .. रातमे भूक लागल चहल लेकिन फल बरौनीमे नहि भेटल सुधाक राबडी खेलहु—दिल विजय तरौनी स बात भेल – आ भोरमें फेर झारखण्डमें- मिथिला आवाज़में हमर नाम स नीक छपल अछि- से उदयजी आ शंकरानंद क फोन – रांची , जमशेदपुरमे एकर उपलब्धि करबे के आग्रह चंद्रमोहन जीस केने छी – १०२म प्रति प्रकाशन क दिन

ओतय छालाहू – ई पात्र शतायु वर्ष धरी चलय आ नीक जाका चली मिथिला निर्माण में भूमिका निभाबय एही कामनाक संग ई मिथिला यात्रा क छोटछीन वृत्त आ किछु चित्र प्रे४शोइत अछि (आ काल्हिकरब)

Soorjnarayn halt, hunk putra, aa sakree k alp maithilee kayakartaa prashikshan (anek काल्हिकरब)

हमर 164 म मिथिला जागरण यात्रा- मधेपुर, चामुंडा दर्शन (28-29.9.2013)

28.9.2013 Madhepur
28.9.2013 Pachhi
29.9.2013 Pachahi
29.9.2013 KSSDU_Yagyavalky
29.9.2013 Survey Office
29.9.2013 Mithila Awaz

हमर १४७म मिथिला जागरण यात्रा _ मिथिला राज्य निर्माण समिति (मधेपुर), चामुंडा दर्शन (पचही) मिथिला विद्यार्थी परिषद् आ मिथिला राज्य संघर्ष मोर्चा (दरभंगा)- (फोटो आ समाचार ५ वा ६ तारीखक क)

किछु दिन पूर्व एक युवा लिखने छलथि जे मिथिला राज्य लेल कयल गेल समयक घंटाक ओ लाभ नहि जतेक की आन्दोलन

के नब स्वरुप देबामे – हम बुझलहु जे ई हमरा ऊपर आक्षेप अछि जे एक विकृत मानसिकताक परिचायक अछि लेकिन हम उत्तर नहि दय विचार केलहु जे एहेन मेल नहि पढी आ अब क्रमशः फेसबुकस दूर भेनाई नीक – अपन समय अपन योजनामे लगाबी आ अनावश्यक रगडास दूर भय अप्पन काज करैत रही –

सांगठनिक बेईमानी क हद भय गेल- एकके बाद दोसर संगठन के हडपनाइ , संगठन क नाम चोरीक बाद ...एही क्रममे प्रतिकारमे मिथिला राज्य निर्माण समितिक निर्माण २५.८.२०१३ क झंझारपुरमे भेल आ तय छल मधेपुरा लेकिन मधेपुरमे २८-२९ क सम्मलेन भैये गेल- अध्यक्ष जोगी जनक के भोरस १२ तक बस नहि भेटलन्ही आ सुधीरजी १२ बजे फारबिसगंज पहुच्लाह – दूनूके एतेक बिलम्बस आबयलेल रोकी देल- कल्पकवि झंझारपुरमे भेटी गेल छलाह लेकिन आनंद समेत दर्ज़नो जिनकास बात फोन पर भेल छलमे कियो मधेपुरमे नहि ---एक ७६ के बदला ७८ क चक्कर में लालगंजक राजेशस परिचय भेल छल जे लागल छल जरूर ओतः लेकिन सब मातृनवमीक चक्करमे मातृभूमि के बिसरैत छथि से जानि निराशा छल लेकिन संयोजक महेंद्र मिश्र जे किछु मॉस पूर्व चौकक सड़क पर भेटल छलाह मनोयोगस लागल छलाह आ ख़ास के महाविद्यालयक शिक्षक सबके मिथिला प्रेम अद्वितीय ...प्राचार्य सत्यनारायण झा , अंगेजी शिक्षक भैरवेश्वर झाक तिरहुता आ

मैथिलीस लगाब .. मधेपुर मिथिलाक मर्म बुझैत अछि कारण जानकी बाबू आ डॉ लक्ष्मण झाक क्षेत्र अछि ..

७०% अंक आनयला कोनो छात्र नहि भेटल लेकिन अपन बातस सबके उत्साहित केलहु - लडकी काफी संख्यामे जे देखि नीक लागल – भारतक निर्माण एहने सामान्य महाविद्यालय स हेतैक – केवल भव्य ईमर्ट्स नहि जाब्त निनार आदि टांगल गेल बहुत विषय पर बिंदु – फेर औपचारिक गोसौनिक गीत सीमा गयलीह आ पाग दोपटाक बाद शिक्षकसबहक आ फेर हमर भाषण भेल – एक छोट सम्मलेनक रूप – गया पिंडदानक पूर्व एकाशन लेल भूखल छलहु तथापि चामुंडा स्थान लेल पैरे बिदा भेलहु- कल्प कवी थाकल लगलाह आ फेर एक टेम्पू पर महेन्द्रजी बैसौलाह – स्थान पर स्नान आ दर्शन – त्रिवेणी चौक पर अध्यक्ष कमलकांतजीक प्रतीक्षामे एक वृद्धस बातचीत- जानकी बाबू बडका नेता तहिना डॉ लक्ष्मण झा लेकिन हुनक जानकारीमे हुनक गाममे कोनो सभा नहीं भेल ने ओ हुनका सबके सुन्लाह मिथिला राज्य लेल- अन्दोलनक कमी येह छल- ताहि कारणस कियो छात्र चौक पर हुनकद्वार आ जानकी बाबुक मूर्त्तिक लेख नहि पढने छल- काजमे सातत्य चाही जे दोसर दिन अध्यक्ष कमलकांतजीक पोथी “मिथिला राज्य आ अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्” स किनकहू मालूम भय जायत ..

चौक पर किनको घरक एकादशा भोजस लोक लौटेत आ ओहिमे अन्हाक बात के सुनत – दिनमे मातृनवमी चलते लोक कॉलेज

नहीं आयल छलाह आ सुधीर बाबु आ कमलकांतजीक बिलम्बक कारण वैह छल- मिथिलामे भोज विलक्षण होइत अछि लेकिन ओ अनेक कुप्रथामे एक सेहो अछि- सांगठनिक लोकके ओहिस वा पुजापाठक पथारस अपनाके फरक राखक चाही जतेक संभव हो- ओना हम अपनहू ओहिस दूर नही ची लेकिन सांगठनिक काज लेल एक ठाम दुर्गापाठ करब कहिया ने छोड़ी चुकल छी – एहू बेर कलशस्थापनक बाद षष्ठी रातिस यात्रा टिकट कतल अछि लेकिन एक छुतका चलते आब कलशस्थापनहि नहि होयत--- त्रिवेणी चौक पर चामुंडा स्थानक कथा सुनल- औरंगजेबक समयमें तीन कन्याक शीलहरणक प्रयास मुस्लिम द्वारा आ ओ पृथ्वी मातास प्रार्थनाके सीताजी जका पृथ्वीमे समा गेलीह –

रातीमें अन्हारमे महेंद्रजीक घर जाएमे जे दिक्कत भेल हो भोजन एतेक सुस्वादु ताहि पर मखानक खीर – रातिने अन्हारमे खिड़कीक पट बंद करब मोसकिल – भोरे उठी चामुंडा स्थान जतय ओही पोथीक विमोचनक पूर्व हमर गीता पर चर्चा ...

टेम्पूस झांझरपुर – ओहू रस्तामे एक ‘रहिका’ – मधुबनी लगक रहिका नाम पर- लौफ्हा, लखनौर, बलभद्रपुर लहेरियासराय जका – एहेन सब नाम के बदलल जेबाक चाही –

बसस दरभंगा –११ क जगह १२ बजे संस्कृत विश्वविद्यालयमे याज्ञवल्क्य छात्रावासमे- धीरज आ कृपानाथ महापात्र द्वारा ढंगक

बैसार- प्रेमजी आबि गेल छलाह - मिथिला विद्यार्थी परिषद् क चिन्ह कालिदास होइथि वा याज्ञवल्क्य ई विचार पुछल – के १-२ वर्ष समय देताह – मिथिला निर्माण लेल युवाक समय चाही – देर होइत छल – प्रेमजी आ कल्प्कवि संग पैरे सर्वे ऑफिस - जाही दरभंगास किछु दिन पूर्व 'लात जुत्ता खेबाक' अशिष्ट बात सुनय लेल भेटल छल ओतहि पहिल बेर अपन नामक जयकारा आ मिथिलाक गांधीक उपमा क दोहरायल बात – अप्पन प्रशंशा सुनयबला अप्पन आयु घटबैत अछि आ हम एकर आदी नहि छी लेकिन डॉ. राममोहन झा क आमत्रण बहुत पहिने स्वीकार केने छलहु आ ओ सन्नद्ध छलाह हम कहिया दरभंगा पहुँची आ २ घंटा क मिथिला राज्य संघर्ष मोर्चा क सभा में जा ई लागल जे मनो वैह मिथिला राज्य संघर्ष समितिक काज ओ कय रहल छथि जे हमरा १९९४ स अभिप्रेत छल आ ताहि लेल हुनका अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क मान्यता देबाक घोषणा कयल . ओ अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क अनेक अंतरराष्ट्रिय मैथिली सम्मलेनमे गेल छथि आ शीघ्र हुनक अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क संगठन में आनल जायत. सभा में मद फ़िरोज़ बबज्लाह- कल्प्कवि आ प्रेमजी आ एक छोट बालक क जागरण गीत काफी नीक लागल- शिलाबाबू क आशीर्वचनक बाद हमर पुरान विचारक एक बेर प्रेषण ...

फेर अयलहु मिथिला आवाज़ – सोनू, पडवाजी आ अमलेंदुजीस बात (कोना जानकी मूर्ति पूजाक संकल्पना भेल)- राजीव

कर्णके विदा कय स्टेशन कल्पकवि आ प्रेमजी संग समस्तीपुर – किछू छात्र के कोनो एजेंट आंध्र क सरकारी कोल्लेगे में प्रवेश लेल ले जैत – कोना पाई बाहर जैत छैक ? एक छात्र अपां कलम देलक (राखी लिय फेर किछु लिखाक होयत-कतहु क्शैस गेल छल – भोरमे एक दोकान पर फेर लेलाहू) आ फेर सिमरिया पुल मरम्मती चलते झाझामे १० मिनट लेल वनांचल छुटल- स्टेशन उपप्रबंधक झंझटी के बाद किछु लिखलक जाकर आधार पर मौर्यस यात्रा कय रांची ...sms स शिकायत कयल जाकर अनेक उत्तर भोरमे आबी गेल ---

हमर 165 म मिथिला जागरण यात्रा (10-16.10.2013)- कोइलख-डोकहर-करमौली

10.10.2013 Journey_18605

11.10.2005 Jaynagar Shikshak NIWas, AMP Office Press conf-Lalanjee, Premjee, Kalpkavi

12.10.2013 Madhubani BN Jha Colony, Jagran Office

12.10.2013 Madhubani Apan Jameen

12.10.2013 Koilakh Bhagwateesthan

12.10.2013 Koilakh Bhagwateesthan Ramlakhan Ram MLA

12.10.2013 Dokhar Rajeshwarsthan Bhawna Jha, Cong(I)

12.10.2013 Dokhar Rajeshwarsthan

12.10.2013 Sinipatti Rudranath Jha, Durgasthan Dr Chandrabhushan Jha

12.10.2013 Karmauli Bhawatisthan

12.10.2013 Karmauli Bhawatisthan

12.10.2013 Kharra Driver's daughter advice

12-13.10.2013 Samaul with premji

13.10.2013 Bhitthi Shankar Thakur Charcha on Mithila Rajya

13.10.2013 Madhubani Station

Pramodji came and discussed AMP, MDB dist

13-14.10.2013 Dalsingsarai

Gyanoday Stayed with Arun Jha

16.10.2013 Bhitthi-Samaul

Satyanarayan Pujan aa Bhoj

16.10.2013 Sakri

Mithila Jagran Yatra 165_ _ दिल्लीस युवा मैथिल अधिवक्ता नीरज कहने छलथि जे यदि फुर्सत हो त मधुबनीमे बी अन झा के देखि लेबैन्ही ओ बीमार छथि आ सदैव मिथिला लेल सक्रीय रहलाह अछि – हुनकास बात भेल छल जे १२.१० क हुनका हम देख्बैन्ही- १-२ दिन पूर्व नागदहक संजय झा डोकहर राजेश्वरस्थान (कलुआही, मधुबनी जिला लग) शिलालेख (जे तिरहुताक पूर्व रूप बुझैत अछि आ एखन धरी पढ़ल नहीं जा सकल –के बात लिखने छलाह – हमरा ध्यान आयल जे २५.१०.१९९३ क अपन प्रथम पदयात्रामे ओतय होइत करमौली –पली –खजौली गेल छलहु - जहिया मिथिला राज्य संघर्ष समिति बनौने छलहु दोबारा अमरनाथ झा ‘बख्शी’ १८.२.१९९६ क मैथिल कार्यकर्त्ता प्रतिज्ञा समारोह लेल ले गेल छलाह जाहिमे नामोनाथ ‘विवेक’ चुनचुन मिश्र, मेधानन्द , उदयशंकर मिश्र छलाह. सिबिपत्ती १८.२.१९९६ क बाद २९.४.२०१२ आ २४.५.२०१३ क सेहो गेलहु कारण अमरनाथ झा ‘बख्शी’क गाम आ करमौली सेहो २५.१०.१९९३,आ प्राय: १६.१०.२०१० क गेल छी वा कोमो आन दिन आ ओतुक्का भगवतीस्थान भव्य लागल छल- मोनमे आयल जे ई सब स्थान

पर फेर जाई आ ताहि हेतु बी अन झा जीके एक मोटर साईकिलक इंतजाम करय कहने छलियैन्ही – ओ सूचना देलाह जे गाडी भय गेला अछि आ हम यैह बुझी कल्प्कविक टिकट झंझारपुर क कटा लेल जे तीन टिकट महाविकट नहि भय जाय – भोरमे सातबजी ट्रेन पकड़ी मधुबनी अयाबाईट रास्तामे कल्प्कवि जह्लाह जे ललित लक्ष्मीपुर स्टेशन लग एक प्रशिक्षण वर्ग लागी सकैत अछि – एक सहयात्रीके खैनी नहि खेबामे ५ रूपा प्रतिदिन x ३० दिन x१२ महीना =१८०० /वर्षक बचत जे x ५ वर्षमे ९००० रूपा आ हर ७.५ वर्ष दूगूना यानी ७.५ म में १३.५ हज़ार १५म में २७ हज़ार + १३.५ एहि बीचक बचत = ४० हज़ार एहि क्रमस ज्जाकर जतेक औदा ओकरा ओतेक बचत से एक युवा के कहल- ओ डीवाहिक शोभित यादवजी कहलाह जे प्रशिक्षण वर्ग हुनक गाम आ बागलक भात्तिसमारी, बसुवादा आदिमे लागी सकैत अछि (यदि कल्पकवी ललित लक्ष्मीपुर २६-२८ अक्तूबर तय करताह संपर्क करबैन्ही)- मधुबनी स्टेशन पर प्रतीक्षालय साफ़ सुथरा छल स्नान पूजा-पाठ कर्क बीच झाजीक बालक उपस्थित भय गेल छलाह- आ लागल जे हम जाहि प्रोफ. झाजी के बुझने छलहु जाहिस अलग ओ पटना में एक प्रशिक्षण संस्थान चलबयबला छथि – बाहर गेला पर देखल जे एक बोलेरो प्रतीक्षारत अछि तखन कल्पकविके पठेबा लेल दुःख भेल- झाजीक डेरा जा परिचित भेलहु- प्रसाद में तस्मै आ सजमनीक विशेष मिठाई - ओ फेसबुक पर सबके चिन्हैत आ आंदोलनी

सबके बारेमे सटीक जानकारी रखनिहार चुपचाप तमाशा देखनिहार कोलकता आ पटनामे मैथिली काज केनीहार छुपा रुस्तम निकललथि- संगमे डाक्टर पाबी (जे स्वयम अपन बीमारी लेल चिंतित छल) डोकहर लेल आ भरी दिन जाते घूमी तैयार भेलाह-

पाहिले हम जागरण कार्यालय गेलहु मूर्ति पर पोथी लिखने ककरौलक सुनील झा स भेंट करय – लगमे हमर जमीन छल से ड्राइवरके आगा बढबय कहल- ओतय एक दोकानदारके अपन परिचय देल जे हमर ई जमीन – मुस्लिम ड्राइवर कहलक ‘ हमारे मोहन काका की जमीन है’ गाम समौल – की संयोग हमर ओहि भाइक गाडी भाडा पर हमारा लेल?

विचार भेल जे पाहिले कोइलख जाई उच्चैठमे भारी भीड़ देखि (ओना मिथिला निर्माण सेनाक रथयात्राक दिन ओतय जानी जेबाक मोन छल लेकिन एहि बेर कियो फोन नहि केने छलाह यद्यपि हम खाली छलहु ओहि दिन- वस्तुत: सब नेता बनी चाहैत छथि आ स्वतंत्र चलक विचारबला... जेहेन हमर अनुमान छल किनकहू आ परिषद्के एक ठाम करक जगह एक नब धारा ओ ओहिना भय गेल जेना ओ महान व्यक्ति कोनो अपनास श्रेष्ठ क संग काज लेल तैयार नहि तहिना नब सैनिक सब तहन ई संतोष जरूर जे अखबारी खबरिस तीन यात्रा एहेन भेल मिथिला राज्य लेल – कहियो हम असगरे छलहु ?)

कोइलख हमर मातृक आ बहिनक ससुर- बहिनोईस बात भेल मुम्बै छलाह बेटाक डेरा लेकिन हुनक माताजी गाम पर – लैंड लाइन पर हुनका स बात भेल आ सूचना हुनक भाई के मुदा ओ भगवती स्थान पर नहीं भेटलाह रांची में काज करैत आशु चिन्हलक – बैनर लग बैसल- मालूम भेल सेनाक लोग आयल छलाह - भगवती दर्शन भेल – छागर बलिस दुखी भेलहु- बुधा महादेवक दर्शन - आशु रिकॉर्ड टोलश: बतौलक.. हम प्रेमजी संगे बहिनक द्ससुर गेलहु- कहने किछु भेटल (भालसारी गाछ ओहिना ...)--- मातृक गेलहु – मामा (फ़िल्मी हीरो नरेन्द्र झा क पिता शुभ नारायाण झा) आशीर्वाद देलाह – भीतरमे मिठाई एक भौजी द्वारा- बी अन झाजी क फोन जे २ बाजल – चन्द्रकांत मामा तुरंत बाहर निकली गेल छलाह - विधायक रामलखन राम भेटलाह – मिथिला राज्य क समर्थनमे बयान देलाह – १६.१०.१९९३ क हम एतहिस पदयात्रा पर असगरे निकलल छलहु –फेर २१.१०.१९९४ आ ८.१०.२००८ क गेल छलहु- किच्छु संपर्क नवीन भेल खासकय दिल्लीमे कार्यरत एक जे हलुवा प्रसाद सबके दय रहल छलाह. मधुबनी अबैत जाएत हर गाम – टोल हमरा याद छल लेकिन बदलल – सड़क नीक लेकिन मरामम्तिक प्रबन्ध नहीं स हमर डांड दर्द बढ़ैत- फेर मधुबनी आबी सीधा डोकहर लेल- जे अन कोलेज लगहक़ श्रृंगेश मिश्रक जे एक श्रद्ध्हांजलि छपल मैथिली सन्देशक नब अंकमें से हुनक बेटाके देबमे गलत रास्ता चलते पोखरी बगलमे देवार पकड़ी

जाईमे दुर्घटनास बचलहू – सीधा डोकहर जाते परिचय करावल गेल श्रीमती कांग्रेसक बेनीपट्टी विधानसभा प्रत्याशी भावना झास जे हमर भूतपूर्व ससुरक सहपाठी युगेश्वर झाक बेटी- हुनक पति अपन परिचय देलाह चेस्ट सर्जन पटनामे आ बुझबय लगलाह अपन काज- हमरा मुंहस निकली गेल जे हम ऍम डी, डी सी अच्छी – डोकहरक मंदिरक शिलालेखक फोटो लेल - एकरा लिपि विशेषज्ञस पढेबाक चाही --दुर्भाग्य जे एकर नीचा एक शिला के मुर्ख ग्रामीण सीमेंट लगा देलथि – एकर नाम दु:खहर स्थान ठीक नहिलागल- आस पास मल्लाह क बस्ती देखी – लागल जे ई डोकावाली मैयाक मूर्ति अछि – की डोकामे सुन्दरता नहीं छैक? मदुरैक मीनाक्षी आखिर माछक आँखिक नाम पर छैन्ही आ कोइलखक कोकिलाक्षी कोयलक आँखिक नाम पर...

देर होइत छल- सीबीपट्टी गेलहु – अमरनाथ झाक घर – संयोग अमेरिकाक अमरनाथक बदला दोसर अमरनाथ झाक घर जिनक पिता रुद्रनाथ झा रेलवे मजदूरक भारी नेता जार्ज फर्नांडीजक संगी- ओहो हमरा चिन्हैत लेकिन घर बदलल लागल - मखानक खीर खुवेलाह आ हनुमन मंदिर देखेलाह हुनक रेलवे पुलिसमे राखल झा बाबा झारसुगुडाक १३.५.२००० क संबलपुर मेडिकल कॉलेजस अबैत जिमखानामे गर्मीस बांचय बैसल छलहु – ‘अब १२ बजा, बंद करेंगे सर’ ‘ ले चलो हमारे झाजी के पास’ (बिना जनने एहिना कही देने छलियैक “झा बाबा के पास”- हाँ – आ

के छी कौन गाम ? – “हम सीबीपट्टीक “– “अमरनाथ हमर संगी” – ‘ओकर पिता रुद्रनाथ हमर संगी’ (आ ताहि लेल हम रुद्रनाथ झाके ताकल छल ...ओहि गर्मीमे नीक जका मैथिल भोजन करौने छलाह – जे हुनक बात याद अबैत अछि- ‘मैथिलके कियो दबेतैक ओ ओकरा ज़रा देतैक, यदि माटीस दबेतैक, माटी जरूर धिपा देतैक..” ओ झाबाबा स्वर्गीय भय गेलाह से रुद्रनाथजी कह्लाह आ आब रुद्रनाथजीक एक बात याद राखय योग्य – ‘कोनो व्यक्ति कोनो समूहस नहीं लड़ी सकैत अछि समूह बनाऊ आ दोसर समूहस ओ लड़ी लेत’ – एहि सिद्धांतस ओ मलमलीक कमुनिस्टस लड़ी कय अप्पन गामक लोकके विजयी बना दू पंचायतमे विभक्त गामके एक पंचायतमे अनलाह- ओना सीबीपत्तीमे ३ ठाम दुर्गा मूर्ति देखि आपसी कलह पर मोन क्षुब्ध भय गेल – हम कहियो ई गाम १९७५-६ मे अप्पन बहिनी लेल लड़का देखे सेहो गेल छलहु आ फेर हालमे अप्पन भतीजीक टूतैत विवाहके बचबय मुखिया आ फेर गजेंद्रजी लग २९.४.२०१२ क मुदा एहि बेर कोनो व्यक्तिगत वा पारिवारिक बात नहि उठावल - जानी कियैक अप्पन एहेन काज हमरा लग सदैव प्राथमिकतामे नहि अबैत अछि – यादहू नहि पडल जे हमर भतीजी ओतहि विवाहिता ..ओहुना गामक लोक हाथ उठा देने छलाह दिल्लीवासीक बेटाकय बुझबयमे...

रेवतीनाथ झा, पूर्व पोस्टमॉस्टर अमरनाथ झा अमेरिकाक पिता अयलाह मजदूर नेता रुद्रनाथ झा द्वारा बजाओल मीटिंगमे

दुर्गास्थानमे आ नीक सभा प्रश्नोत्तर भेल.

समाय भागी रहल छल, करमौली गेलहु – डॉ चंद्रभूषण झा भेतालाह आगा मददिगार हेताह- तूफ़ान फेलिन क सूचना बी एन झा जी क बेटा देल्कैन्ही 'तुरान्त लौटू'- तथापित भगवती दर्शन कायल- सबस बेशी भीड़ – प्रसाद क बुंदिया खायल आ मधुबनीमे झाजीके छोडैत- चूँकि गाडी हमर पितियौतक हम निर्णय लेल गाम समौलमे रातिमे जा रही यद्यपि हमर घर बंद छल- ड्राइवरक साल भरिक बेटीके ठाढ़ होयमे दिक्कत देखय लेल मुस्लिम बस्ती खजरी होइत खर्रा – हम बच्चामे धन कुटबे गाडी स ओहि बस्तीमे कईएक बेर गेल छलहु लेकिन आब सब बदलल छल – गामक रास्ता सेहो बदलल- रातिमे प्रेमजीकें वाचस्पति डीह देखावल- भाईके ओत रहलहु- १०२ साल क कक्का स बाशीर्वाद भेटल

दोसर दिन भोरस फेलिन प्रभावस बूंदाबांदी – बर्मोत्तरा, पंडौल क महादेव मिहिरक गाडी नहि आयल जागरण भ्रमण लेल नहिये तकादा देल –अपराहनमे भिठ्ठी जा मधुबनी - जिला महासचिव अधिवक्ता प्रमोद झा अयलाह-विविध सांगठनिक चर्चा बाद गंगासागर एक्सप्रेस स दल्सोंग्सर्रय- पानी जोत भेल – हाईवे तक कोहुना फेर सुनीलक मिठाई दोकानमे दू घंटा भरी- प्रेमजीक गामस मोटर साइकिल नहीं आयल फेर भीजैत ज्ञानोदय विद्यालय अरूणजी क गायत्री यज्ञवेदी लग संग सूताल्हू विकराल

समयमे- कह्लियेन्ही गया पिंडदानक पूर्व एकाशन करब आ दोसर दिन सेहो चारी रसगुल्ला मात्र आ दूध – दुपहरमे पानि किछु घटल स्टेशन जा इंटरसिटीस पटना – अनुजक प्रतीक्षा भोर तक फेर गया – परिषद् अध्यक्ष डॉ गोपाल कृष्ण झा लग पंडा बच्चन बाबु पाठक लय गेलाह- फेर भरी दिनमे ओ आ पंडित संतोष झा (ओहो मलमली गामक) क संग सीताकुंड फल्गु तट- श्रापवश सुखल फल्गुमे तेज जलप्रवाह – एक कुक्कुर हेली गेल विष्णुपद दिशी – रेतक पिंड बनबैत जगदंबा माता सीताक विपन्नता पर नोर आयल – प्रेतशिला- फेर विष्णुपद- अक्षयवट – एक फल छोड़ू- नाशपाती छोडी देल – मुक्ति मांगल...

"हमरा सामन्यत: व्यंग्य किनकहू काज पर करक आदत नहि अछि लेकिन एकाध महामना ठेका लय लेने छथि जे हम किछुओ लिखी ओ वक्रोक्ति लिखबे करताह - एहेन बुद्धिजीवी सबस दूर रहयमे फायदा ताहि लेल एहेन लोकके अपन मित्रसूचीस हटा लेबाक सलाह एक मैथिल पहिनहि देने छलाह - यौजी हमरा घुमलास अहाक मानसिक शांति कियैक नष्ट होइत अछि? स्वयम त अप्पन गाम- नगरक सीमास दूर किछु सोचि नहीं पयलहू आ दोसर यदि सोचलक ओ पिकनिक मनौलक? एहेन हमर सब आलोचक मिथिलाक पर्यटनस्थली कमस कम घुमल करथि सपरिवार। जय हो एहेन विद्वेषी कलुषित मानसिकताक मैथिलके !"- फेसबुक पर लिखी गेल छलहु एहि जागरण यात्रा पर – एक पत्रकारक दुखद कमेंट पर जे हम आलू- बैगन

खरीदक अप्पन व्यक्तिगत यात्राके मिथिला जागरण यात्रामे जोड़ी देत छी –आब ओ स्वयम(जे कहियो हमर समर्थक छलाह) निर्णय लेती जे एहि यात्रामे मिथिला लेल किछु भेल वा सब हमर व्यक्तिगत पारिवारिक काज छल ??

koilkh - dokhark shilalekh

हमर 167 म मिथिला जागरण यात्रा (25-27.10.2013)- Barbetta क उपसंहार29.10.2013 क लिखित

25.10.2013 Journey_15028

26.10.2013 Samastipur Junction 750 maithili Sandesh 34 & 35 distributed

26.10.2013 Samastipur Madwadee Thakurwaree Meeting

26-27.10.2013 Barbetta Mandir 43_MWTC

_ समस्तीपुर जिलामे तमाखूक खेती लेल सरैसाक ई क्षेत्र विश्वप्रसिद्ध अछि से एक गुजराती तमाखू व्यापारी हमरा कहियो यात्रामे बतौने छल आब तमाखुक जगह ओल ले लेने अछि यानी एतुक्का जमीनमे कोनो ने कोनो खास विशेषता छैकक जेना

उत्तर मिथिला(मधुबनी, सुपौल , अररिया) मे मखान लेल ई हमर मान्यता रहल अछि- तहिना एतुक्का मिरचाईक खेती प्रसिद्द अछि आ फलमे लीची ...ढैचा सेहो देखलहू बडका- बडका ... पशुधनक अनुमान नहि लागि सकल लेकिन समस्तीपुर क मसीना बीया बच्चा स सुनैत रहलहु अछि - बाढ़ीस ट्रस्ट करेह आ बूढीगंडक क इलाका अछि ई –एकर सघन अध्ययन लेल आउर प्रवास ओतय करय पड़त. समस्तीपुर जिलाकक गरीब वर्गक लोकक प्रवासमे मुंबई, रांची सन शहरमे तरकारीक व्यापार पर अधिकार छनि- लोक उद्यमी छथि एही जिलाक आ मैथिली बजैत छथि आ अपनाके मिथिलावासी बुझईत छथि लेकिन संगठनक सक्रियता कम रहल अछि जकरा अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् पूरा करय लेल कटिबद्ध अछि, वैशाली आ बेगुसरायक ई द्वार अछि आ मिथिलाक रक्षकक भूमिका एकर छैक.

हमर 170 म मिथिला जागरण यात्रा(14-16.12.2013)- चकिया (बेगुसराय),खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा- पूर्णिया- कटिहार

14.12.2013 Chakia Nehru shiksha sansthan

14.12.2013 Chakia Nehru shiksha sansthan

14.12.2013 Khagaria Dharmendra & SD School
15.12.2013 Madhepura Hans Ashram, Madhepura College
15.12.2013 Purnea Praveen's house
16.12.2013 Purnea Ugna Mahadev Mandir
16.12.2013 Katihar Nr. Manihari Mor_ Marriage Hall

हमर मिथिला जागरण यात्रा- चकिया (बेगुसराय),खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा- पूर्णिया-कटिहार
भनहि संक्षिप्त आ कष्टकर रहल हो उपयोगी रहल.
१३.१२क प्रारंभ केलहु त बिन मंगने एकके बदला २ टिकट खगड़ियाक दय देलक जाहि पर आपत्ति केला पर टिकट वापस केलक (ओ किरानी अप्पन एक मित्रसं बात करैत छल आ वाया धनबादकें दू बुझी गेल आ २७० रूपा जखन ५००क नोटसं कटलक हम मोकामाक टिकट पूछल १२० कहलक – ताहि पर हम कहलियैक खगड़िया ओतेक दूर नहि जाहि पर ओ कहलक १५ रूपा बेशी लेलहूँ २ टिकट अछि)..
अस्तु, सूतल जसीडीह आबि ट्रेन बदललहूँ आ हैदराबाद –दरभंगा

ट्रेन लेल. ओहिमे सातनपुर, समस्तीपुरक एक प्रशिक्षण शिविर कहियो करेबाक बात कहलाह – गिरिडीहमे कार्यरत पूसा वैनी लगहक़ कहलक भोरे १०-११ अध्याय गीता पढ़क छल ट्रेन पकड़ चलते नहि केने छलहूँ से अहाँ बिना कहने पूरा गीताक सार सूना देलहूँ (हम समय बेकार जोइत देखि संक्षिप्त प्रवचन देने छलहूँ उपस्थित किछु लोककें)

प्रदोष व्रत छल तैयो केरा १० रूपाक एक दर्ज़न लेल आ खा लेल – राजेंद्र पूल स्टेशन लग गाडी रूकल आ उतरि गेलहूँ – एक युवा झारसुगुडामे पढ़ैत एक सामान लेलक आ अपन अटैची संगे रास्ता पर गुडका देलक. किछु देर बाद एक गाडी चकिया मस्जिद चौक पर छोडलक – बगलमे नेहरु शिक्षा संस्थानमे डॉ सुनील मोहन ठाकुर प्रतीक्षारत – शीघ्रहि महानारायण झा अयलाह ई दूनूक पता हमरा ९.५.२०१०क अरविन्द महिला कॉलेज पटनामे उपस्थित मैथिली परीक्षकक बीच भेल हमर भाषणमे लिखल पताक सूचीसं भेटल छल आ १५.११.२०१३क सिमरियाघाटमे भेल गोष्ठीक समय फेर भेंट छल आ हिनका सब पर आधारित भय हम दहियासं सिमरिया तक सघन कार्यक योजना बनने छी जे कोना ई मिथिलाक हृदयस्थली जागत.

एतेक छोट बच्चाक बीच पहिल बेर कार्यक्रम – बुझु मिथिला बाल परिषद्क शुरूवात भय गेल –

जय जय भैरवीकें गायन भेल

फेर के नहाक आयल? के मुंह धोलक? आदिसं प्रारंभ – ब्रश कोना ४५ डिग्री कोण बना मसूढ आ दांतक उजरा पर करी- दांत नहि घीसी- पैखाना गेला बाद साबुनसं तीन बेर हाथ धोई – हप्तामे एक दिन नह कटबाबी – टॉफी, लमनचुस नहि खाई. लताम खाई अन्कुडी खाई – देखयमे- सूनयमे दिक्कत हो शिक्षककें बताबी – आदि स्वास्थ्य चर्चा सब शिक्षक आ शिक्षिका नूतन,ज्योति सब बैसल –

फेर पूछल की बनब? एक लडकी कहलक डाक्टर बनब – कहलियैक कम्पीट करब हमरा दिशीसं ५०० रूपा महीना वा बाबूजी नहि पढ़ा सकता त पूरा खर्च देब- पैघ बनक सोची –

तहन लागल संस्कारक बात करी -

भोर उठी भगवानक स्मरण लेल – श्लोक दोहरवेलहूँ –

कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती

करमूले तु गोविंद: प्रभाते करदर्शनम..

समुद्र वसने देवी पर्वतस्तन मंडले

विष्णुपत्नीं नमस्तुभ्यम

पादस्पर्शं क्षमस्वमे...

फेर हुनका सबके सीखाओल

बालोहम जगदानन्द: न मे बाला सरस्वती

अपूर्णे पंचमे वर्षे वर्णयामि जगत्रयम ..

किछु खिस्सा सुनायल बालक शंकर , प्रहलाद आदि क आ

मिथिलाक महिमा बतायल .

लगैत अछि एहि स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कारक त्रिवेणी पर मिथिला बाल परिषद् चलत –

अंतमे भगवान हमर मिथिला सुख शांति केर घर हो –क सामूहिक गायन भेल.

फेर कार्यालयमे मिथिला आन्दोलन लेल जमा कार्यकर्त्ता दिनेशानंद सिंह समेत रत्नेश कुमार, कमलजीत कुमार, सुनील कुमार, अर्जुन प्रसाद यादव, शोभाकांत झा आदि निर्णय लेलाह जे १२-१३-१४ क अप्रैल पैघ कार्यक्रम आ तीन प्रशिक्षणन शिविर बीहट, मल्हीचक आ चकियामे होयत – अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक अनुमंडल कार्यालय खोलल गेल. नब बहीमे सभक दस्तखत भेल- निशाकर अपन पोथी "गंग नहौन" भेंट केलाह .

ओतयसं चान्दनी चौक दिनेशानंदजी एक मिनी बसमे बैसेलाह – धीरे-धीरे चलैत बेगूसराय स्टेशन – राज्यरानी एक्सप्रेस जे सब दिन लेट जैत अछि से ठीक टाइम पर निकली गेल छल – सांझ भय गेल छल – ने स्नान ने पूजा, भेल भोरसं, ने प्रदोष व्रतक पूजा- सुधाक राबडी १७ रूपामे खरीद खेलहु जे व्रतमे फल आ दूध चली सकैत अछि – वैह भोरक केरा आ राबडी ठीक रखलक .

इन्टरसिटीमे प्रचंड भीड़ पसिंजर नहि गेल छलैक ताहि कारण- कोहुना घुसी ठाढ़ खगडिया – प्रभाकर झाकें कहल लेकिन पहिने

अपन अनुजवत डॉ. विवेकानंद यादवक क्लिनिक – जे बंद छल लेकिन ओकर अनुज धर्मेन्द्र तुरंत आयल – आब ओ 'आप' पार्टीमे अछि (पहिले मिथिला पार्टीक महासचिव छल जे दू मधुबनी जिलाक प्रवासी कार्यकर्त्तामे एकक आलस्य आ दोसरक धोखेबाजी चलते दोसर दिशी चल गेल) चकियाक फोटो मिथिला आवाज़कें पठबेलक आ फेर प्रभाकर जी डेरा बोलेरोसं लय गेल – ओकर आग्रह पुरान छैक जे हम सेवानिवृत्ति बाद ओकर मेडीकल संस्थान (अखन बी अस सी नरसिंग लेल मान्यता प्राप्त)मे सेवा दी- हम कहलियैक चुकती गुमटी- धमाराघाट – बदलाघाट जतय १९८४क कोशी बाढ़ीमे हम सेवालेल गेल छलहूँ जाहि पर 'कालामिटी मेडिसिन अलग हो' सम्पादकीय लिखने छलहूँ (जे आब डिजास्टर मेडिसिन कहाएत अछि) फेर घुमय चाहैत छी – कहलक ओहि समयक प्रेरणा चलते ओ जनसेवा कार्यमे अछि.. नीक लागल जे कियो त हमरा चिन्ह्लक ..कहियो ओकर भाई विवेकानंद प्रभाकरजीक पुरना स्कूलमे कहने छल – जहिया मेडिकलमे १९८०९-८५ बीच जातिवादक बोलवाला छल ओ हमरासं प्रेरणा लय ओहि समय अलग रहल – हम ओहि स्कूलक मीटिंगमे पहिल बेर कहने छलहु जे जे आब क्षेत्रवादक बात के विकासक बात करैत अछि वैह सबसं पैघ राष्ट्रवादी अछि.

बात चीत बाद स्नान – पूजामे तकनीकी दिक्कत भेल जे संध्या

रातिमे कोना करी - सूर्यक उपस्थापन आ गायत्री दिनक वस्तु- पछिम मुंह तथापि कयल आ तर्पण -फेर गणपत्यादि नम: सं पंचदेवता पूजा -फेर पाठ आ प्रदोष पूजा रात्रिमे – खगड़ियामे मई वा चुनाव बाद सम्मेलन करब से तय भेल – ईहो मालूम भेल जे ओतय एक कार्यकर्त्ता क्रान्तिरथ लय इम्हर गेल छलाह जे मीटिंगमे कोनो अशोभनीय व्यक्तित्व के आमंत्रित केने छलाह – कह्लियैन्ही एहेन व्यक्ति जे हमरा छोडलथी जरूर किछु भान्गठ रहल हेतैन्ही ?

भोरमे जल्दी उठी स्नान पूजा – ट्रेन मधेपुराक भेटल – रास्तामे पेडा खेलहूँ सस्त बेचक चलते गुणवत्ता खराब – मथुरामे २४० रूपा किलो ओ एतय १२० कोना ? चीनी आ लाल मकई आटा मिला.

भीम नामक एक युवकसं बात भेल ओ नवहट्टा प्रखंडक लालपुर गामक – मिथिला विद्यार्थी परिषद लेल काज करक उत्साह बादमे ओ फोन दोसरसं करा पूछलक एहिसं की लाभ? कहलियेन्ही समाज काज केलासं सीखब – पैघ लोकसं बात करब – संस्कार आयत – बुद्धि बढ़त- आ आत्मतुष्टि होयत. ओ काज करताह. कोहराक कारण कात्यायनी स्थान नहि देखि पयलहूँ – हलमे ओतय राज्यरानी एक्सप्रेसक दुर्घटना भेल छलैक..

सहरसा स्टेशन पर वयोवृद्ध डॉ. एल एन झा प्रतीक्षामे – भीड़क

कारण टिकट नहि कटा सकलाह- टी टी ई कहलकेन्ही बना त नहि सकैत छथि लेकिन ओ चलती- कोपरियाक एक युवा ट्रेनकें खुजैत काल खलक जे ओकरा लग २ टिकट छैक मधेपुरामे पार करा देत लेकिन कहलियैक मिठाईमे टिकट ले आबय – ओ दौड़क गेल आ सहरसामे टिकट आनि निश्चिंत केलक..
बहुत साल बाद मिठाई स्टेशन देखल जाते मिठाई सन एक भौजी(डॉ स्वत्रन्त्र कुमार सिंहक पत्नी)क नैहर हम कहियो गेल छलहूँ.
मधेपुरा स्टेशन दौरममधेपुरा कहाइत अछि- योगी जनक हाज़िर – हुनक हंसयोग आश्रम गेलहूँ- मकान बनी रहल छैक – ओ अपन गामसं चुडा – दही अनने- प्रेमसं खेलहु- हम चीनी वा नून नहि खाएत छी संगमे
फेर मिथिला राज्य निर्माण समितिक पहिल जिला सम्मेलन मधेपुरा कालेजमे संपन्न भेल । याद आयल २०१२क दिसम्बर २२-२३क भेल ५ डिग्रीमे भेल सम्मेलन. एहि बीच मिथिला राज्य निर्माण समितिक गठनसं उत्साह बदहाल छल सबकें- अध्यक्षता महाविद्यालयक प्राचार्य डा. अशोक कुमार यादव केलाह आ ओ बजलाह जे अपन देशमे कतहु ६ लेनक सडक आ कतहु एकहूँ नहि से नहि चालत – मिथिला राज्य निर्माण समितिक अध्यक्ष जोगी जनक कुशवाहा कहलाह कि मिथिला राज्यक निर्माण स्थानीय लोगक उम्मीदक जकां २०१६मे होयत. इतिहाससं

मालूम होयत कि मर्यादापुरुषोत्तम श्रीरामक पिता राजा दशरथ, राजा जनक द्वारा आवभगतसं एतेक प्रफुल्लित भेलाह कि मिथिलाकें दुनियाक सर्वश्रेष्ठ अतिथि सत्कारक केन्द्र बतेलाह । आइ मिथिला क्षेत्र राजनीतिक कुचक्रक कारण हाशियापर अछि । हम अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक राष्ट्रिय अध्यक्ष नाते कहलहूँ कि राजनीतिक साजिशक तहत कोसी आ मिथिलाकें बांटल गेल अछि ताकि मिथिलाक लोग एकजुट भय आंदोलनक बिगुल नहि फूंकथि – हम अपन कोशी आ फारबिसगंजक यादमे भाव बिभोर भय गेलहुँ । पहिनहूँ हम मधेपुरा जाएत छलहूँ(१८.५.१९९४, ६-७.१२.२००९, ५.१२.२०११ मुदा जखन योगी जनक भेटलाह आ ओ अशोकजीकें अनलाह -एनाई सफल भेल आ लगैत अछि जे काज दरभंगा – मधुबनी नहि केलक से मधेपुरा राज्य बना देत. हम इहो कहल जे दरभंगा –मधुबनी बलाकें अहाँसब धन्यवाद दी जे ओ अहाँक भाषा बचाक रखलाह- साहित्य सृजन केलाह आ साहित्य अकादेमीमे पहूँचेलाह आ अहाँक सुपौलकें डॉ गुरुमाता जे वाजपेयी लग सुदर्शनजीकें ल जा आठम अनूसूचीमे सम्मानित करेलालाह आब उठू अहाँसब राज्य बना दिय) डा.ओमप्रकाश, अरविन्द कुमार, प्रो.अजीत कुमार यादव,चंदेश्वरी प्रसाद, मणिभूषण वर्मा, डा.जगदीश नारायण, प्रो.प्रभुनारायण दत्त, अजय किशोर, डा.अरुण कुमार, विनय कुमार विश्वकर्मा, शिवनारायण साह, प्रोफ ओमप्रकाश वर्मा, प्रभुदत्त ब्रह्मचारी, डॉ एल एन झा सब

बजलाह जे मिथिला राज्य बनबाक चाही . प्रभुदत्त ब्रह्मचारी जे गायत्री परिवारक छथि भावावेशमे आबी गुरुनिंदा कय बैसलाह – जोगी जनक संग कुशवाहा कियैक? हमरा बाजय पडल- “श्रीरामक संग शर्मा जुटलासं हुनक आचार्यत्व कम नहि भेल तहिना कुशवाहा जोडलासं योगी जनकक जनकत्व नहि - ई हमर जोडल अछि हुनक नहि ओ त विरागी छथि – (डॉ अशोक सेहो केवल कुमार लिखईत छथि आ जनकपुर क राजेश्वर केवल नेपाली हम हुनक साह जोड़ने छी जे ओ छथि अ एहिमे कोनो लाज नहि- जाति आ जातियताक फर्क हम बुझावल आ जाति वर्णक सनातन हिन्दू व्यवस्था जे जातिवादी नहि अछि आ एकर बडाइ केवल आनंद कुमारस्वामी केने छथि नहि त हम सब मुसलमान मल्येसिया जकां बनि गेल रहितहूँ (हमर सांगठनिक आवश्यकता अछि ई बादमे प्रभुदत्तकें बतावल - डॉ अशोक कहल्खिंह ओ प्रभुदत्तक गुरू छथि लेकिन ओ एखन जे ताकि रहल छथि से एखन नहि भेटलैन्ही अछि, हमरा लागैत अछि ओ हमरासं सामाजिक समाधान एकर पाबि सकैत छथि तथापि निकलैत काल बतावल- “सत्यम ब्रूयात, प्रियं ब्रूयात, न ब्रुयात सत्यम अप्रियं ..) .. पंकज कुमार झा, अभिनन्दन साह, संत कुमार, नरेन्द्र कुमार, अनमोल मेहता, कुमार शम्भुशरण सिंह, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, बिखिलेश कुमार सिंह, अमल किशोर यादव, आदि उपस्थित छलाह आ ई एक संतुलित, सर्वस्पर्शी

मैथिल समाजक निदर्शन छल । ८-९ फरबरी २०१४क एक विशाल स्सामेलन होयत जाहि लेल अशोकजी अध्यक्ष, अरविन्द जी महासचिव आ शिवनारायण साह कोषाध्यक्ष बनलाह ..

फेर बससं पूर्णियाक पुरान रास्ता. वैह मुरलीगंज जातय कोशी २००८मे ..त्रासदी भेल छल – आब टिनहा मकान पूर्णियाक पहचान – बनमनखी लग नृसिंहावतार भेल जे खम्भा हम कहियो जा देखने छी (पोरबंदरक भारतमाता मंदिरमे पढ़ी) .. दुःख भेल लोग आब कृत्यानंद नगर नहि के.नगर बजैत अछि – पूर्णिया थाना चौकसं प्रवीणक भागीन डेरा अनलाह- मिथिला आवाज़कें फोटो मेल भेल मधेपुराक – रातिमे पूर्णियाक विशेषता बतावल – नागकेशरक बाग़ ओतहि, पीपरि उपजैत छल.. जुट .. अबोहबा.. बांकी बिहारसं अलग केरल जकां ..

१६.१२क भोरमे बैसार भेल- उगना महादेव (पंडौलक रिप्लिका ओना एक टोल मधुबनी सेहो प्रसिद्द अछि) – अवकाश प्राप्त राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष अमरेन्द्र ठाकुरक अध्यक्षतामे – मानवाधिकार संस्थान अध्यक्ष एन एन मिश्र, व्युवा राजनीतिज्ञ विवेकनद उर्फ़ बबलू पार्षद, पवन कुमार तिवारी, प्रदीप मिश्र, अधिवक्ता अजित कुमार सिंह, नित्यानंद मिश्र, लक्ष्मी नन्दन झा, आर के मिश्र, आर एल राय आदि . बबलु संयोजक बनलाह ९.२.२०१४क विशाल सम्मेलनक – हम मिथिला- कोशीमे बांटक फेर आलोचना कायल जाहि पर एक जे डी यु नेता बजलाह जे मुख्यमंत्री आब संशोधन केलाह जे बाँटल मिथिलाकें बलुआहा

पूल जोडक – जरूर येह काज वाजपेयी बलुवा पूलसं केलाह – पूर्णियामे आए आए एम कियैक नहि बनल जे सार्क देशमे नाम करैत, हवाई अड्डा, हाईकोर्टक बेंच आदि बात उठावल . देर होइत छल लेकिन आकाशवाणी बरगदक छाँव लेल सेहो साक्षात्कार लेलक- मिथिलाक संस्कृतिमे वृद्धक योगदान पर – आ डेरापर श्रीनगर ड्योढीक बच्चाकें याद छलैक जे हम ओतय गेल छलहूँ,ओहो बाईट लेलक.

देर होइत छल – बस नीक 'माँ दुर्गा' भेटल आ रानीपतरा आदि देखैत १२.३० बजे कटिहारक मनिहारी मोड़ पर रणधीर जी - प्रेम मैरिज हालमे माननीय गुरुमैता सेहो प्रतीक्षा करैत -
हम बजलहूँ – "कटिहार चंपारणसं किशनगंज आ देवघर तकहक मिथिलामाताक कटिक हार अछि आ एकर महत्व मिथिलाक आन्दोलन आ औद्योगिक पुनर्निमाणमे अग्रणी रहतैक," अगला चुनावमे जे मिथिला राज्य मानत ओकरहि मैथिलक वोट आ जे एकर विरोध करय ओकर विरोधमे मैथिलक वोट अंतरराष्ट्रिय मैंथिली परिषदक जिला परिषद्क एहि बैसारमे संरक्षक डॉ भुबनेश्वर प्रसाद गुरुमैताक गरिमामय उपस्थिति रहल जे विस्तारमे बतौलन्ही जे मिथिलाक अपन विशिष्ट सांस्कृतिक परिवेश छैक आ मिथिला राज्य बनबाक चाही. ई निर्णय लेल गेल जे १६ फरबरीक एक पैघ सम्मेलन होयत जाहि लेल एक

समितिक गठन भेल जाहिमे श्री नारायण झा, श्री नवीन कुमार झा, श्री गजेन्द्रनाथ पाठक , डा. आशुतोष कुमार झा, संरक्षक, श्री रणधीर कुमार मिश्र अध्यक्ष, प्रोफ. प्रभुनारायण दास उपाध्यक्ष, श्री रबिन्द्र शेखर मिश्र उर्फ़ गुड्डूजी महासचिव, श्री बबन झा, सचिव, श्री संजीब झा, कोषाध्यक्ष निर्वाचित भेलाह. अन्य वक्तामे छलाह अभिमन्यु कुमार, गजेन्द्र नारायण झा , राजीव कुमार झा, रबीन्द्रनाथ पाठक, बैद्यनाथ झा, लोकेश नाथ झा , प्रणव पंकज आदि .

स्टेशन डा. आशुतोष कुमार झा छोडह – टिकट लय रांची स्पेसल ट्रेन पकडलहूँ जाहि लेल काफी लिखा पढी केने छलहूँ- कुर्सेलामे कोशी पार भेलहूँ - बिहपुरमे सुबोध पासवानक घरक याद आयल, फेर भ्रमरपुरक याद -   नारायणपुरमे अपन मौसी गाम – भप्पा खरीद खेलाहूँ फेर पेडा – लाइ- लिट्टी – बरौनीमे गाडी लेट भेल - जसीडीहमे अनुज अयलाह – मौर्य पकड़ी लेलहूँ – ओहो घंटा भरी लेट - रांचीसं हटिया लेल- बीचमे राजेश बरौनी फ्लैगक भेटल रांचीमे कार्यरत – कटहरकोचा रूकल – डेरा अयलहूँ त डॉ मार्तंड मिश्र जमालपुरक फोन जे पूर्णियामे पोस्टेड छी खबरि छपल अछि – प्रवीणजीसं भेंट करय कहलियैन्ही – यैह छैक एक संगठनक फायदा, कतहु रही काज, कय सकैत छी.

foto 1, chakiya(Begusari me Mithila Bal Parishad),2,chkiyame AMP_3.

madhepurame Mithila rajy Nirman samitik sammelan_4. Purnea Me AMP_ 5. katihar meAMP_ dr. Gurumaitajee k sang

हमर 173म मिथिला जागरण यात्रा-(22-26.1.2014,2.2.2014)

छिन्नमस्तास छिन्नमस्ता धरी

22.1.2014 Madhubani

22.1.2014 Samaul

22.1.2014 Nahar Bhagwatipur

23.1.2014 Bharam

23.1.2014 Sakhara Bhagawati

23.1.2014 Rajbiraj

24.1.2014 Rajbiraj

24.1.2014 Biratnagar

25.1.2014 Bhatabari

25.1.2014 Forbesganj

25.1.2014 Forbesganj

25.1.2014 Khopa

25.1.2014 Madhubani

25.1.2014 Journey_Dhuriyan
26.1.2014 Bhagalpur
Journey_18603 Journey
Rajrappa Religious
Ramgarh Marar, Vidyapati land AMP

छिन्नमस्तास छिन्नमस्ता धरी हमर १५५ म मिथिला जागरण यात्रा मुख्यत: नेपाल क पहिला मैथिली कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण शिविर लेल छल जे राजबिराज मे २२-२५ जनवरी मध्य छल आ एहिमे एक दिन रहय लेल ३ आकस्मिक छुट्टीक आवश्यकता भेल -मधुबनी- भगवातीपुर- भराम के विद्यालयमे मीटिंग (फोटो ओकर अछी)- सखडा भगवती दर्शन- राजबिराज कैंप (35 प्रशिक्षित) - नेपालक 14 मैथिली जिलाक पहिल बेर नक्सा AMP द्वारा प्रस्तुत फोटो अछि0_ बिरत्नागर - संस्कृतिक संध्या प्रवीन चौधरी द्वारा - फारबीसगंज- खोपा- मधुबनी - भागलपुर

२१ क ट्रेन पर चदलाहूँ - असगारे ८ क बीच - संदेह भेल जे एक हीज़ड़ा किछू पुडिया फेकलक नूनक - वा जहर- साबून स टीन बेर हाथ धो खेलहूँ - डेरा फोन - बहीं कहलक नून वा किछछू नही देनी च्छी - हम नून वा चीनी ऊपर स नहि खाइत छी - फेर बगल मे हूंका ल्ले गेल्हूं जिनका ९ नंबर बर्थ बतायल च्हाल रांची मे - गाम ? नाहर- भगवतीपुर .. ह्महुँ जाईत छी भतिज क विवाह मे -

ओ हमर भतीजी संग।..

मधबनीमे उमेश मंडल अयलाह मिथिला विदर्ती परिषद क - संग बी एन कॉलोनी मे बी एन झा लग - गोकुलवाली आश्रम - उदय जायसवाल, भोलानान्द झा आ पत्रकार आबि गेलाह मिथिला राज्य समर्थक के मत दी फेर उमेश संग अपन गाम समऔल - रास्ता मे श्म्भूआड़ क अंकुरित भगवती देख्ल - गाम गेलहूँ - abaet काल गुहेश्वरी मदिर क वृद्ध स बहुत रास बात - फेर डेरा स बरियाती मे नाहर भगवतीपुर- गाम मे शहरी इंतजाम - डू दिन क एहि सांझ मे भोजन क मधुबनीमे उमेश मंडल अयलाह मिथिला विद्यार्थी परिषदक - संग बी एन कॉलोनीमे बी एन झा लग - गोकुलवाली आश्रम - उदय जायसवाल, भोलानन्द झा आ पत्रकारसब आबि गेलाह "मिथिला राज्य समर्थक के मत दी या nota दबाबी", फेर उमेश संग अपन गाम समौल - रास्तामे शम्भूआड़क अंकुरित भगवती देखल गाम गेलहूँ - अबाइत काल गुह्येश्वरी मन्दिरक कोरियाही गामक वृद्ध पूजारीस बहुत रास बात - फेर डेरास बरियातीमे नाहर भगवतीपुर- गाममे शहरी इंतजाम - दूदिनक एकहि सांझमे भोजनक व्यवस्था -

 खाईबला लेल रहुक मुड़ा २ -२ किलोक - हम शाकाहारी कहुना ठंढामे खा आगि घूरमे तापी रातिमे मधुबनी वापिस सूतय लेल -

—

काफी ठंढ छल - भोर मेबीड़ा भेलहुँ जे स्नाना puja राजबिराज मेkarb- मधुबनी स फेर रामपट्टी होइत रतिबला रास्ता स भगवतीपुर बाज़ार होइत आगाँ badhlahun- रास्ता मे भराम मेमोहन झा जी शिक्षक क घर जिनका स 11.9.२०१० क राति कलायन स्टेशन पर अकस्मात परिचय भेल छल - जखन हैम मैथिली मेपूछने छलहुँ जे 'हटिया ट्रैन क कहलाक achhi,'ओ विस्मित होइत पुछलाह कोना बुझलहुँ जे हैम मैथिल छी - के एमैथिलक ख़ास आकृति होइत chhik- हैम हुनक चेहरा khan देखने छलयैन्हि - पछास मात्र देख पूछने छलहुँ - हैम कहलियैन्हि - 'जरूर आब ओतेक नही बुझायत लोक बहुत यात्रा करैत छाहती लेकिन एकाध दशक पूर्व यदि प्लेटफार्म टिकट लय नइ दिल्ली स्टेशन पर ठाढ़ भेल रहितहुँ - अ पी एक्सप्रेस मेतेलुगु chehraa, तमिलनाडु एक्सप्रेस मेतमिल chehraa, उत्कल मेउरिया आ एहिना ओहि समयमे जयंती जनता मेमैथिल चेहरा अलग हमरा देखल छल - ओ बहुत प्रसन्न भेलाह आ नाम सुनला पर कहलाह जे हुनक उच्च विद्यालय मेमेधावी छात्र के रांची अपन डेरा राखी तैयारी कार्य के प्रपत्र गेल chhlanhi- संयोिगवश ओहि योजना क एक छत्र उमेश मंडल हमरा संग challah मोटर साइकिल चलबैत जे jankee- राम क pratham दर्शन स्थली फुलहर क niwasee छठी - मोहन बाबू स फेर भनत हम 13.10.२०१० क कार्य गेल छलहुँ टी ओ अचम्भित भय गेल chhlaah-

एतय तक आबि गेलहुँ? अस्तु 23.1.२०१४ क ओ नहि भेटलाह • हुनक भाई छलथि -आग्रह केलियैन्हि जे सामनेक मध्य विद्यालय मे चलthi - हुनक दरबाज़ज़ा स फूल तोडल आ विद्यालय मेशिक्ष्क सब के अपन मंतव्य बताओल - तुरंत छत्र सब जमा bhelaahh- महाकवि विदायपति क एक फोटो जे संग रहैत अच्छी ओ राखी आँल फूल चढ़ावल गेल - एक शिक्षिका जय जय भैरवी गो लीह - बच्चा सब के स्वास्थ्य लेल पैखाना बाद तीन बेर साबून स हाथ धोब - पुचाल बतायल कोना munh धो ee, सप्ताह मेएक बेर नाह काटी , , चना खाए , गाजर khaae, लताम khaae, उंच बनक सोची आ फेर पुछल बालोहं किनको yaad- एक बच्चा सुनलक - okra २० टका ईनाम देल जे हैम दरभनगा महराज नही जे आभूष कंठहार dee- आ खिस्सा चमैनिया पोखरी क सुनावल - फेर आगा badhlahun- कानी दूर बाद राउड मेबहुत शिक्ष्क के एक दोसर विद्यालय मेबैसल देखल - वापस घूम अपन परिचय देल एक व्यक्ति हमर नाम सुनने chhalaah- आ एक होम kahlaah(एक दोसर अभ्यानी स) अपन व्यथा बताओल आ देर तक मिथिला अर्जी पर बात bhel- काशीनाथ झा 'kiran'mehth, सज्जन कुमार nirala, harnhanga,(दरभंगा नही) deep- नारायण झा gajharaak, नवनीत कुमार madhubaneek, श्याम

नारायण Prasad raiyamk, शिव कुमा rjhaa, रांटी क , काशी पासवान क रैयाम k, पंकज कुमार बांका गांधी चौक k, आभा कनक परसा राजनगर k, किशन देव मिश्रा पट्टी टोल क छलथि आ डेढ़ घंटा बजैत रहलहुँ सुधी श्रोता देखि (देर होइत छल से जहोइत छल से जनितहुँ) फेर वर्ग मेबालिका सबके बीच संभाष jayantee- जय जय भव्वव सामूहिक गायन - बालिका आगा बढ़ती - प्रियंका ननौर क नाम लेल , लीलावती स bhamatee, gargee, मैत्रेयी क charchaa, गणित क वर्ग छल बिंदु क परिभाषा क रूप मेअप्प्न छोट बहिनी क याद भेल जकर फोन आयल कतय कोना छी - नेताजी सुभाष जयन्ती pr याद कायल -

• फेर बढ़लहुँ - रोड पर एक नेता क सैकड़ों बोलेरोक काफिला जाइत मधुबनी दिशि - कोना चुनाव में अपव्यय होइत छिक - एक चौक पर रोकलक दू लड़का - सरस्वती puja क चन्दा लेल - १० taka में खुश - कानी दूर रोड total - फेर नीक सड़क - आगा बढ़ी - दहना पूतरि - jhanjharpur- लंगड़ा चौक पर कोनो मीटिंग nahi- आनंद क डेरा स्नान -puja- खिचड़ी khaa(रातिक बरियाती क chalet पेट बाहरी में आ उमेश के माच क मुड़ा चलते उल्टी भेल छल) - बूचरूजे एके फोन फेर ओमप्रकाश जी क - aau- लंगड़ा चौक पर झंझारपुर के जिला अबनबय ले लगैत अच्छी लोक के बहुत पसंद भेल हमर घंटा भरी क भाषासँ अनेक स्थानीय दल(congress, ज

डी yu, राजद) अध्यक्ष सुनैत - लंगड़ा चौक के मिथिला चौक नब नाम राखी से सलाह - देर होइत छल –

• आब सांझ जल्दी होयत - नारायणजी के घोघरडीहा फोन - समय nhee छल - shkhraa भगवती जाई - जल्दी बढ़ी फुलपरास पर karait वामा हाई वय स ootarlhu- सीमा पर प्रहरी poochalk- नेपाल में घुसैत रोड खरब आ माकन फूस क गरीबी देखबैत - भन्सार नही भेटत ताहि लेल कुनौली जाऊ - कियो कहने छल ६ बजे तक मात्र bant- तैयो darshn लेल - mataa chhinnmastaa - छिन्न मस्त वस्तुत: भंजित प्रतिमा छनि मुगल आक्रांता द्वारा उच्चैठ आदि सन - करूणा अजे एक फोन लेकिन बिना अब्सर कोना आबी - जल्दी में vapas- रोड खराब कुनौली १५ किलो meetar- उमेश कहलक आब भगवती जे करती - कुनौली चचरी पूल पार करीने ५ टका lelk- भन्सार कटी गेल १५० टका में २ दिन क - फेर अंतिम बेर भारत में किछु देर अनके बात आगन तपवार फेल - रास्ता राजबिराज क kharb- सूनसान - लक्छु साल में banat- माटी khasaol- राजबिराज घिसलहुँ - करूणा झा एके सब चिन्हित - एक दवाई दोकान पर प्रतीक्षा - २०००० आबादी में केवल ८ डाक्टर आ २ एम् dee- भारत जका छोट जगह में कम daktr- करूणा अजी क पारा मेडिकल संसथान क क पैघ संस्थान - कमलकांत झा आ उमेश जी लालन पहुँचल

- भोजन - विश्राम - दोसा रदीन भोर में साधना अजहा अयलीह आ भोजन बाद अपन वर्ग आ नीपल में मिथिला राज्य क नब आ पहिल नक्शा १४ जिलाक - परघण्टा भरी बातचीत record- आ फेर ओतहि स बात kahthmandu रामरीझांजी स भेल छल - जे बिराटनगर में साढ़े चारि बजे स मीटिंंग रखबा देने छलाह डॉ अस अन झा द्वारा -- भर्दफः जाइत काल हनुमाननगर जेल याद भेल जयप्रकाश जेल में लोहिया जी ओठी जिनक सूरज बाबू छोडने छलखिन्ह - आ वापस २ किलोमीटर देखे lel - लेकिन जेल कहन ओतय झोपड़ पट्टी भेल - फेर भारदह दिशि -

बढ़लहू आगाँ सड़क पर एक भव्य मदिर छल कंकालिनी मदिर - पुजारी कहलन्हि ओतय भगवतीक केहुनी खसल अछि - बगलमे छल भीमनगर baraaj- बहुत साल बाद आयल छलहुँ - नेपाली प्रहरी madadigaar- दुभी होइत बिराटनगरक छोट रास्ता bataulk- इटहरी होइत २० किोमीटर लंबा छलआगाँ सड़क पर एक भव्य मदिर छल कंकालिनी मदिर - पुजारी कहलन्हि ओतय भगवतीक केहुनी खसल अछि - बगलमे छल भीमनगर बराज - बहुत साल बाद आयल छलहुँ - नेपाली प्रहरी मदद्गार - दुभी होइत बिराटनगरक छोट रास्ता बतौलक - इटाहार होइत २० किोमीटर लंबा छल - दुहबी पार कार्यके पाहिले सामने स झोड़ा उजमेश राखी देने छलाह - ओ० लघुशंका लेल रूकलाह टी देखल जे पैंट में ग्रीज लागि गेल chhal- अखबारस पोछल आ

पैंट बदली लेल - जे भोरे बदलने छलहुँ - बिराटनगर प्रवेश काय अस्पाट चौक गलहुँ - डॉ अस अन झा के बदले अस के झा पुचाल - आ दू ओहि नामक डाक्टर kbord- कियो कहलक भीतर क्वार्टर में jaau- gelhun- एक मकान क बाहर - पाने एक पाइप देखि - हाथ स ग्रीज साबून लगा दूनू गोते चोडायल - एक महिला एलीह जे ओहि डेरा में घंटी bajaauleeh- फेर आगाँ दोसर दिशि जा हैम एक घर में पुचाल - ओ लड़की ओहि पाि‍पवाला मकान दिशि जाई kahalak- ओतय जा घंटी bjaawal- जे निकललीह से तुरंत आयल महिला दिशि कहलीह - ओहो अस के झा स भ्रमित- कहियैन्हि जे मैथिली परिषद् क अध्यक्ष - हुनक पति अस अन झा कहलीह आ चली जाउ मुस्कान क्लिनिक - ओतय तकैत गेलहुँ झाजी प्रतीक्षा में chhalaah- मिथिला स्व समितिक कार्यालय पर बैसार आयोजित chhal- एक प्रश्न क उत्तरमे कहिलियैन्हि मिथिला अर्जी क नाम पर जतेक डाइट अच्छी से लय ली आ गान फेर कोशी क माथक हिस्सा जोड़क प्रयत्न संशोधन स - प्रवीण चौधरी युवा लेल कार्यक्रम क सूचना देने छलखिन मुड़ा बिझो वा कार्ड क पता नही - जेन्ह हुनक आढ़ती chhani- किछु के मत जे एहेन में नही jaai- हैम कहिल्याइन्हि ई अनुचित hoyat- हमरा संग किछु मिनट लेल चलू युवा के बधाई डे आबि jaayb- लेकिन पहिम्ने गेलहुँ हैम अपन मित्र डॉ कमलेश्वरी देब क पत्नी

क घर टिंटोलिया जाए २००० में बिराटनगर में अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन में मंच पर परिचय लिखी पथनी छलीह - कहियो हैम दूनू झोड़ा लय दबाई गरीब लेल जमा करी घरे -घर - दरभनगा में अपन शिक्षक स 'बिक्षुकाउ गाछठ:'kahee- ओतय भेटला अगरज तुल्य रुद्रनारायण देब क बेटी जमाय - जिद्द रूकी ओहि राति लेकिन भन्सार १२ बजे तक के बाइक क छल

पूड़ी तरकारी खा - महेंद्र मोरंग कैंपस सब gote- परवीन चौधरी क सतरंगी कार्यक्रम - डांस गान सब भोजपुरीक भौजीक कान कटैत - हमर सबके स्वागत केलन्हि - जाइत देखि माइके स फेर बजा lelnhi- ओ शुद्ध भांगपीएबा छठी - रूकी पैदल - एक लड़की .. महवा छाई (जेना लड़की में sale क , तरकरीमे aaluk.. लंबा लिस्ट में country में इंडिआ बजलीह के हररबिर्रो भय गेल -- मधेशी छत्र भारतविरोधी छठी से मालूम भेल जकर कारण चीन क कुप्रचार जरूर होयत आ हारल माओवादी क prachaar- कार्यक्रम क खत्म भेला पर प्रवीण क दुराग्रह के नही मानैत रुद्रनारायण देबजी क बाती अरुणा लग अयलहुँ - रति में दूनू प्राणी बहुत सेवा केलन्हि आतिथ्य में - भोर में स्नान पूजा काय - जलखै छुड़ा दही काय - निकललहुँ - जोगबनी भ्नसर रोकलक लेकिन डाक्टर सूनी जय delk- बथनाहा लग मिथिला अपुब्लिक स्कूल - कहियो हामर भाषण भेल छल - प्राचार्या पुतुलक डेरा पर - ओ अपन पतिक अस्वस्थतास दुखी लगलीह - तिरंत बीड़ा लेल आ सीधा नहर

होइत भट्टाबारी - पहिमे रुद्रनारायण देबजी क ghar- बच्चा सबके अंगरेजी पढ़बैत chhalaah- अपन गीता देल आ फेर फारबिसगंज रास्ता बिसरी गेलहुँ अपन शहरमे आ घुमैत सुभाष चउक होइत अपन ghar- अपन जमजमनभूमि पर टूटल माकन क बीच एक बेर fer- फेर गेलहुँ सुल्तानी pokharee- पुजारी जे अच्छी ओकर पिटा के बाबूजी रेखाउने छलथि - ओ ब्रह्मणा कन्या क शर्त्त मुस्लिम सुलतान के विवाह प्रस्ताव पर ४ राखल sunaawal- एक रातिमे पोखरी खुनाय - यज्ञ हुवे एक नौका सैर लेल - सब भेल आ ओ पोखरी एम् डूबी मरलीह नौका स फनी वा उयज्ञ में जरी - - हुनका महिंदु रीति स दाह संस्कार भेल आ मजार बन्याल गेल जे उत्तत दक्षिण अच्छी आ आब मनौती करू बेटा hoyat- हिन्दू मुस्लिम एकता क अप्पूर्व स्थान भय गेल अच्छी - किछु फोटो खिचलहुँ - फेर महारपर तेजु मास्टर क घहर नहि छल - जमुना ray(पितुझिया पूसा रोड स हुनक पिटा फारबिसगंज आयल) जमुनी जी सन्घ क एकनिष्ठ स्वयंसेवक - कहलाह आब मिथिला अर्जी चर्चामे अच्छी लागल rahu- सुधीरनाथ मिश्रक deraa- हुनक संग रुद्रानन्द झा क डेरा - ओ कुछु पोथी delnhi- फेर अनुमंडल अध्यक्षा - सुधीरनाथ मिश्रा क deraa- ओ अपन प तनी एक वियोग ६१ गीत लिखी किताब चापलाह अच्छी से देलाह - फेर केंद्रीय उपाध्यक्ष डॉ नित्यानन्द लाल दस क घर - भेंट काय दरभनगा

हाईवे पकड़लहुँ - खोपा ३ बजे समय देने छलहुँ

खोपा क रस्तामे वाजपेयी महास्तु कोची पर पार केलहुँ - नीक लागल जे एही महास्तु द्वारा मिथिला के दू भाग जे १९३४ क भूकम्प में भेल छल से वाजपेयी जी जोड़ी देलाह यदयपि एकरहु नाम में लोक के जातिवादी आ व्यक्तिवादी नज़रिया देखायल - लोक जे एकरा नाम दी हैम एकरा वाजपेयी महासेतु कहैत ची आ कहैत rahb- बगल क रेल पुल सेहो तैयार अच्छी आ दूनू दिशि बड़ी लाइन बना जल्द आवागमन प्रारम्भ ho- ओना ओहि फोर वय लें पर हमरा लागल गाड़ी क आवागमन कंही छैक जकर अर्थ भेल जे मिथिलामे आर्थिक उत्पादन कम छैक - लगमे छल निर्मली भुतहा स २ किलोमीटर - निर्मली क विदेह संस्था एक कार्यकर्त्ता उमेश मंडल के फोन केने छलियैक टी ओ अनाप शनाप बात कार्य लगलाह जे साहित्य अकादमी में जातिवादी ब्राह्मणवादी भर छाहती - हैम कहलियैन्हि हैम साहित्य अकादमीक संयोजक नही ची लेकिन अहाँक पिताजी एक नाम टैगोर पुस्कार में जुड़यबयबला सेहो कियो अंतरा राष्ट्रिय मैथिली परिषद् क कार्यकर्त्ता छल –

ओ कहलक नही से प्रेमशंकर सिंह दियाउलाह - हैम कहलियैन्हि से सम्भव जे ओ जूरी होइतहि लेकिन प्राथमिक स्टेट पर ओहि किताब के लिस्ट में जे अनलॉक से हमर karykarttaa- नही ओ डॉ रबीन्द्र chaoudhry.. सम्भव लेकिन ओ हमर या

अन्हाक जिनका हैम 14.12.१९९४ स जनैत ची आ जे आइयो अंतर राष्ट्रीय मैथिली परिषद् क Jharkhand क महासचिव छथी - ओना हमरा कोनो जातिवाद स लेना देना मिथिला अकाज में नही अच्छी आ ने केवल रवींद्र चाौधरी हमरा संग २० वर्ष स छठी हमरा संग घुमाय बाला सेहो एक दोसर उमेश मंडलही छथी - baau, अपन दिमाग स वंपंथक मार्क्सवाद जनित जातिवादी भूत निकालू आ एही लेल मात्र ब्राह्मण के गारी देनाइ बंद karoo-'हमर बाउ खला पर ओ किछु टांकलाह कारण आब एक साहित्य्कार ओ छठी से जनल छल लेकिन हैम कहलियैन्हि यदि हमर विवाह समय पर भेल रहैत आ बच्चा भेल रहित अन्हा एतेक टा बेटा जरूर रहैत (हैम १९५५ के छी) - खीर जेहेन हमर आदत अच्छी एहेन बात के बढौला क बदला हैम हैम चुप भय अपन मोबाइल स एहेन व्यक्तिक नुम्बर डिलीट काय डाट छी (जेना भूतकाल में 1,2, 3, 4, , के केने छी (kripanand, चक्रधर jha, जगदीश sharma, प्रोफ उदयशंकर मिश्रा) आ ई पचाम भेलाह - ओना एही श्रेणी में प्रवीण chaoudharee, रत्नेश्वर झा यदयपि एहिमे चारिम नाम वा छद्म नाम स टकरा जाइत छठी आ पचाम कतहु स कोनो बात पर फोन काय डाइट छी कहियो काल छैक कयलहुँ

एहिमे प्रवीण क नेपाली कम्पुटर स भारत क मिथिला राजिक प्रचार स हमरा सिध्हंतिक आपत्ति अच्छी ओना औ वा हुनक

छद्मनाम स mail अबाबैत रहैत अच्छी आ हुनक सोच गलत थाम अर्पित छानी जकर अनुमान स्वयं कहियो भय जेतैन्हि - तहिना रत्नेश्वर के हैम उच्चित क करिया कहैत छी जे जाहि ठाढ़ी पर बैसल ओकरे काटी रहलाह अच्छी लेकिन हम ककरो कहयबला एके? भगवती हिनका समेत ओहि सब के सद्बुद्धि देती जे मिथिला आंदोलन के एक बेर फेर ककरो बहकावा में वा अपन अदूरदर्शितामे भषयी आंदोलन क अंधकूप में लय जा रहल छठी आ किछु लोक के केवल एक अगेंडा जे धनाकर ठाकुर क नाम भय जेतैन्हि टाइन ई जे करती टकर उपेक्षा करी ओना अहूँक हर काज क रचनात्मक जबाब हमरा लग रहीअत अच्छी –
हाल मेंखोपा में किछु युवा मिथिला राज्य लेल चक्का जैम केने छलाह लेकिन हुनका एसबीएस हमरा सम्पर्क नही अच्छी नहिये हैम अशांतिपूर्ण आंदोलन चाहित ची - हमर रास्ता शांतिपूर्ण जागरण क द्वारा अपन संवैधानिक अधिकार प्राप्त कर्क अच्छी -
खोपा में समय देबाक कारण छल जे फुलपरास अनुमंडल में किछु काज अनतर मैथिली परिषद् क ho- अबैत काल घोघरडीहा क कवी नारायणजी के कहने छलियैन्हि आ मों छल जे 25.१ क हुनकहि घर दोपहर क भोजन करी - लेकिन 24.1. बिराटनगर में रात्रि विश्राम चलते बिलम्ब भय गेल आ से सम्भव नही छल आ नेपाल में मोबाइल बंद छाल ताहि लेल हुनका कहनहूँ नही छलियैन्हि

डोढ क मकई जीवकान्तजी आब स्वर्गीय भेलाह जिनका ओतय दू बेर गेल छलहुँ आ मों छल जे एक बेर तय कार्यकर्त्ता परिष्कषण वर्ग लगाबी जे नही भय sakl- एही अनुमण्डलक अनेक स्थान पर गेल छी लेकिन लौकही नही गेल ची आ कुल मिला ओतय काजक सम्भावना छैक टकर खोज में छलहुँ आ हल में सूनल जे खोपा में किछु युवक मिथिला राज्य लेल चक्का जैम केने chhalaah- गराडोल , सिझुलिया हैम गेल छी - लेकिन ब्रह्मपुर सड़क पर छैक ओतय एक बैसार जल्दी में हो ताहि लेल मधुबनी एक वरीय अधिवक्ता सोहन जे एके फोन केने छलहुँ जबाब भेटल खोपा चौक पर औ मदनेश्वरस्थान में छी - ब्रह्मपुर अबी नही खोपा .. खोपा में छलाह प्रतीक्षा रत श्याम saaurbh- जे जलखई लेल दोकान में लय गेलाह - फेर पूछलिऐन्हि - सोहनजी - ? नही हमराही स बात भेल chhal- ओ हमरा मिथिला अमहोत्सव लहेरियासरायमे २ वर्ष पहिने देखने छलाह आ हुनक नंबर पर सेव होई में सोहन जी लिखा गेल छल - की sanyog.. कहलिऐन्हियाडी अन्हाक नाम रहैत टी अन्हे एके करितहुँ हमरा एखन सोहनजी स नहि ful[अरास क आस पास रता परहक कोनो कार्यकर्त्ता क काज छल - जे अन्हा chee- ओ २१ किलोमीटर दूर मिथिला विद्यापीठ लय gelaah- आवासीय परिसर में दोसर दिन क ध्वजारोहण क रिहर्सल चली रहल छल - बंगाली प्राचार्य कहलक जे हैम

निदेशक स बात काय कोनो दोसर दिन अबी विद्यार्थी के बीच सन्देश deb... सामने सड़क अन्धराठाष्डी जाइत चाल मोn भेल रुद्रपुर क प्रियंकास भेंट काय ली लेकिन ओकर फोन नही लागल आ उमेश मंडल छोट ख़राब रास्ता क बदला लंबा highway पसंद केलक आ फेर खोपा अबी पच्छिम भेलहुँ आ कनिये देर में समैया चउक लग दहन्न्ा धरी गेलहुँ आ फेर पूर्णा रास्ता total कानी दूर - आ फेर भराम - मोहन झा फेर नहि भेटलाह (एम्हर फोन पर बात भेल आगाँ अप्रैल स ओ काज में लगताह) - भगवतीपुर होइतरांटी आ मधुबनी station- टिकट लेलहुँ आ प्रियंका क फोन पर गिलेशन बाज़ार लग फोटो लाइट गलीक बीच होइत ओकर रूम जाती दूनू बहिनी ओहि दिन अयलीह अछि रह्या आ क्लास्स कार्य लेल - गरीब घ रक बच्चा लेल जिला केंद्र चली जाई सैह bahut- जे प्रियंका सोचैत छल आए अ as, डाक्टर बनी ओ के ेबनतीह ... के जनैत अच्छी के इ एक योजना भगवती क लग हुनका लेल छनि ?

समय भेल मधुबनी स्टेशन आबि धुरियां भागलपुर लेल जे खाली छल - मधुबनी एक प्रमोदजी क एक Aलगके दू कहलाह जे आबि हुनका लग मीटिंग करौताह - मोबाइल डिस्चार्ज भय गेल छल - भोर ६ के बदला साढ़े १२ में Bhagalpur स्टेशन आबि सीधे आदमपुर सुमन जी क डेरा पर –



BGP_26.1.14

मैथिल क बीच घंटा bhरी भाषण मिथिला राज्य पर भेल - अनेक वक्ता क भाषण भेल सब मिथिला राज्य लेल samrpit- फेर १९३४ क भ्रमरपुरमें लिखित मैथिली व्याकरण क प्रतिलेखक क पौत्र द्वारा देखोल gel- २६ जनवरी क कहियो vinay तरुण जीवित छल भागलपुर में छलहुँ आ फेर २६ जनवरीक आबि गेलहुँ
स्नान पूजा क बाद भोजन भरी पोख - आ १६५५ क रांची ऍक्स्प्रेस्स में चाढ़ देल गेल – एक बेर फेर रांची - डेरा - अस्पताल आ कुछुवे देर बाद के बेर फेर स्थानातरण स्थानीय हेल्थ सेंटर पर··· पनिशमेंट पोस्टिंग खिसियायक मैनेजमेंट द्वारा

जत एमडीक नहि एमबीबीएस के पोस्ट छैक

2.2.2014 रविक छुट्टी छल आ रायपुर एस खडानानाद जी आ उग्रेश जी के अग्रह जे विद्यापती पर्व मे जरूर आबी- स्वीकार केलाक बाद देखल जे हिंक कार्यक्रम ७ बजे सांझ एस हमर लौतक ट्रैन ६३० मे - अमेरीनाथ झा आमर', अध्यक्ष, झर्लहनद, अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिशद जा रहल छथी - एहन मे एक स्थन पर दू अधिकारी गेनाई सेहो संगठनिक दृष्टी एस गल्ट(एहन मे वरीय के नाम छपाइत छिक आ दोसर के परिचय हरा जैत छैक) - सोचलुन पतरातु भय आबी वा टाटीसिलवे वा

स्थानीय रातु नही त डेरा पर रही कागजात सरियायब --बात एही मे कोनो नही बनल आ रामगढ़ फॉन केला पर कमलकांत चौधरी के स्वीकार - औ बैसाब।. संघ के पूर्व सम्भाग प्रचारक ज्ञानब्रह्म पाठक के फॉन जे अयब - भाउज इला पाथक के भोजन ब्नायब(१९९० मे ओटय प्रक्टीस कराइत काल कै दिन खुवैत छलीह) - पूछलियन्ही अब रजरप्पा कटेक देर? ४५ मिनट ? छोट बहीन बिन्दु कहलक भागिनी नेहा , प्रिया न्ही गेल अछि(इन्दु के बेटी दूनू बी कॉम, एम कॉम मे पधाइत रांची मे) ..द्र आ के झा खलाह हमरा संगे लौताब .. भोर मे स्नान पूजा काय रतु रोड फर रामगढ़ - रास्ता चौदा भेल ४- लेन - बहुत साल बाद ठीक एस देखल बदलाल शहर - रजरप्पा - मदिर मे लेकिन भीड़ मे २.५ घंटा बाद दर्शन एही मन्दिर के विशेषता- भैरवी आ दामोदर नदी के संगम पर - पुरुष प्रतीक दमाओदर ऊपर

प्रत्यालीढ मूर्त्ती तंत्रिक संधना के उपरती मैथुन मुद्रा ... एही पर इंद्रनरायन झा के किताब कफी लोकप्रिय छनी ... लोक अपन मनोकमाना लय अबाइत छथी माइया के दरबार मे मां छिन्नमस्ता रजरप्पा के दर्शन भेल - श्खडा मे सेहो छिन्नमस्ता के दर्शन भेल छल २३.१।२०१४ के .. २३।१। हमर छिन्न भेल विवाह के तारीख छल आ २ फरबरी के रजरप्पा छिन्नमस्ता भगवाती के दर्शन जत्य हम पहिल बेर अपन माय के संग गेल छलहुन आ दोसर बेर पत्नी के संग १९८९ मे vivah k turant baad je teen mas me kewal 32 din हमर sang रहलीह आ तही लेल हम एही टेसर यात्रा मे किछू न्ही मांगल ---एक छिन्नमस्ता एस दोसर छिन्मस्ता के यात्रा मनो एक कडी अछि-

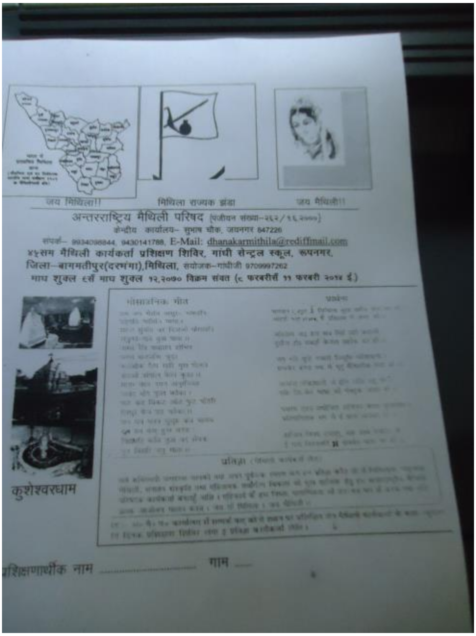
जलदी मे रामगढ़- उतराइत उतराइत सिमरी राजनगरके अविनाश सिंहस परिचय(नेहा कहलक मैथिल छथी) मैथिली संदेश देल - आई बात भेल काज करताह - महानगर महामंत्री सुरेश मल्लिक्के हुनके नम्बर देल
ज्ञान मन्दिर मे भोजन- मनींद्रजी आयलाह - रांची रोड , नैसरी(रामगर्ध) अल्ग अरविंद फ्लर मिल शिवमंदिर मे बैसर- चहुता के क्मलनाथ चौधरी, रसियारीक नगेंद्र झा, दमोदरपुर के जयकृष्न झा, हवी बहुअर के उपेन्द्रा झा, कैना(समस्तीपुर) के मनींद्रा नरायन झा, तरौनी के राजीव थाकुर, खरौ के शकर

ठाकुर आ बढ़ोइया के मोहन कुमार झा(तय भेल जे १६।२ के बर हिया हमर पहिल मीतिंग करौताह)
रमगढ के अजसु के विधयक चंद्रप्रकाश चौधरी के अपन मैथिली विरोधी रवैया (जे ओ विधान सभा मे चन्दन कियारी के विध्यक उमकांत राजक के संग देने छलाह मैथिली के द्वितीय राजभाषाक विरोध मे) अन्यथा मैथिल हुनका हरबय्य मेस्कश्म काकरो वोट देत - ई प्रेस वक्तव्य डेल जे दोसर दिन सब थाम छपाल (आ अब लगतर ओही दूनू क्षेत्र मे जेबाक योजना achhi) - फर विद्यापती चेतना समिति के खरीडल ५ दिस्मिस्ल जमीन देख्य ४- वे लेन - फर वापस ज्ञान मन्दिर - आ ज्ञांजी के संग राजस्थान कलेवालय के मिथाई –dr. a के झा, jarail के संग वापसी।..

हमर 174 म मिथिला जागरण यात्रा (9.2.2014)- रूपनगर
8-9.2.2014 Rupnagar
9.2.2014   Sakri

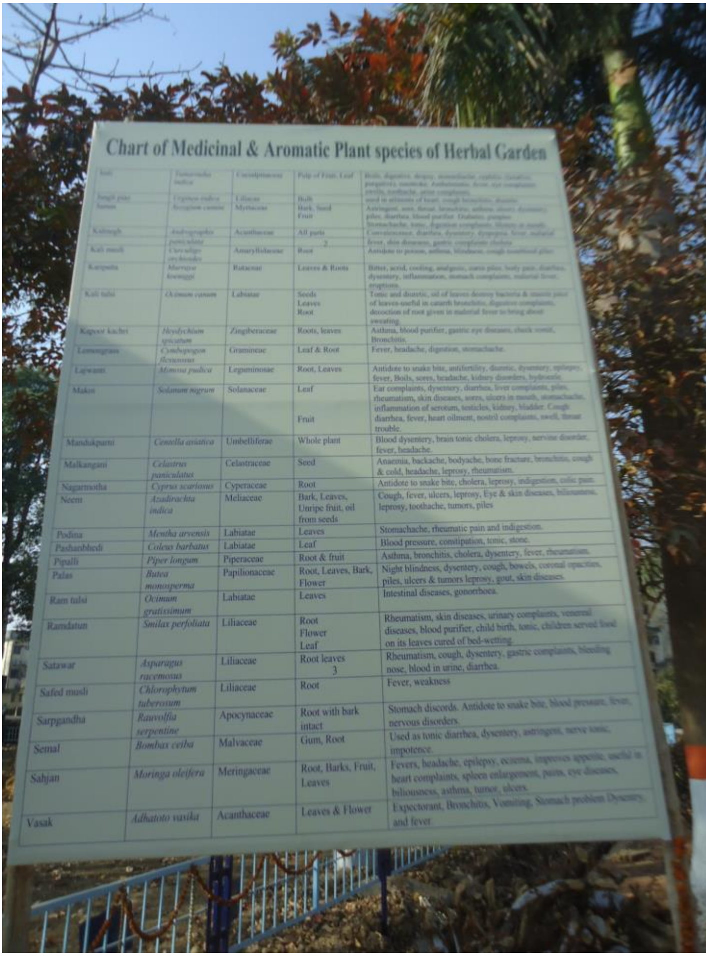
हमर मिथिला जागरण यात्रा 45 म मैथिलि कर्य्कर्त्ता प्रशिक्शन शिविर लेल रूपनगर(बिरौल प्रखन्द) दरभंगा लेल छल जे शिविर

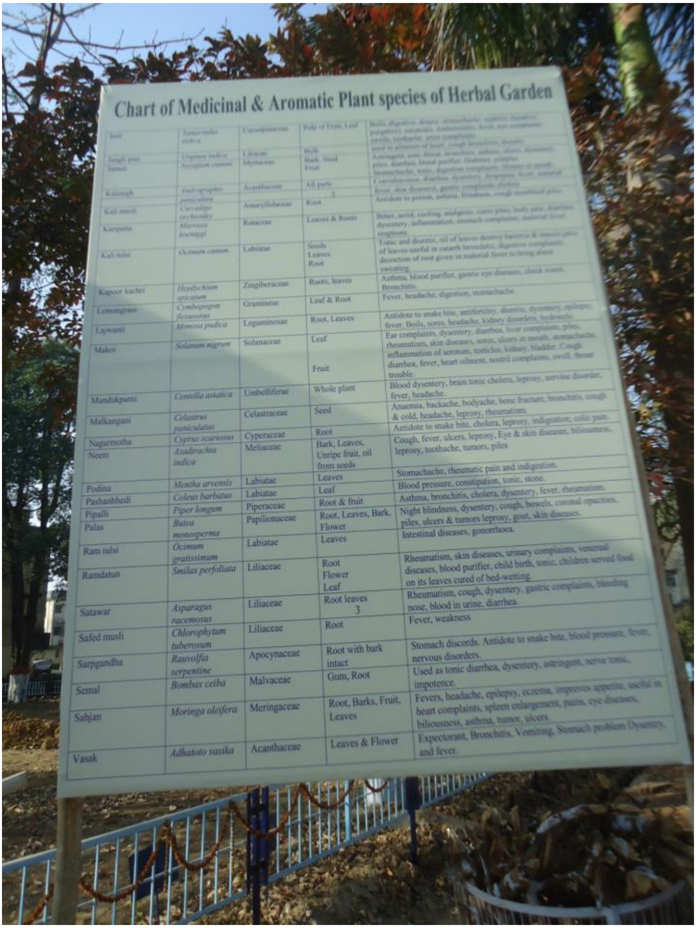
8.2.2014 क प्राम्र्भ भेल आ 11.2.2014 तक चलत हम 8-9 क रहलहुन कल्प्कवि 9-11 तलक आ अध्यक्ष डा-कमलकंत झा 10-11 क .. आइ प्रत ओ प्न्हुचलाह –अंतर रश्त्रिय मैथिली परिशद क बव्य्व्स्था मे कम स कम 3 दिन आ तीन प्रशिक्शक क शिविर मान्य होइत छैक. आ प्रशिक्शक ओ जे स्वय्म 3 दिन रहि प्रशिक्षन लेने हो जहि लेल हम सब प्ररम्भ मे स्वय्म 3 दिन रहि 2001 मे प्रशिक्शन लेल्ल्हुन आप्स मे सत्र के रखाइत –




HEALTH CENTRE




Chart of Medicinal & Aromatic Plant species of Herbal Garden
Kapoor kachri
Zingiberaceae
Roots, leaves
Bronchitis.
Lemongrass
Gramineae
Leaf & Root
Fever, headache, digestion, stomachache.
Mimosa pudica
Leguminosae
Root, Leaves
Antidote to snake bite, antifertility
fever, Boils, sores, headache, kidney disorders
Makoi
Solanum nigrum
Solanaceae
Leaf
Fruit
Ear complaints, dysentery, diarrhea, liver complaints, piles,
rheumatism, skin diseases, sores, ulcers in mouth, stomachache,
inflammation of serotum, testicles, kidney, bladder. Cough
diarrhea, fever, heart oilment, nostril complaints, swell, throat
trouble.
Mandukparni
Cenella asiatica
Umbelliferae
Whole plant
Blood dysentery, brain tonic cholera, leprosy, nervine disorder,
fever, headache.
Malkangani
Celastrus paniculatus
Celastraceae
Seed
Anaemia, backache, bodyache, bone fracture, bronchitis, cough
& cold, headache, leprosy, rheumatism.
Nagarmotha
Cyprus scariosus
Cyperaceae
Root
Antidote to snake bite, cholera, leprosy, indigestion, colic pain
Neem
Azadirachta indica
Meliaceae
Bark, Leaves, Unripe fruit, oil from seeds
Cough, fever, ulcers, leprosy, Eye & skin diseases,
leprosy, toothache, tumors, piles
Podina
Mentha arvensis
Labiatae
Leaves
Stomachache, rheumatic pain and indigestion.
Pashanbhedi
Coleus barbatus
Labiatae
Leaf
Blood pressure, constipation, tonic, stone.
Pipalli
Piper longum
Piperaceae
Root & fruit
Asthma, bronchitis, cholera, dysentery, fever, rheumatism.
Palas
Butea monosperma
Papilionaceae
Root, Leaves, Bark, Flower
Night blindness, dysentery, cough, bowels,
piles, ulcers & tumors leprosy, gout, skin diseases.
Ram tulsi
Ocimum gratissimum
Labiatae
Leaves
Intestinal diseases, gonorrhoea.
Ramdatun
Smilax perfoliata
Liliaceae
Root
Flower
Leaf
Rheumatism, skin diseases, urinary complaints, venereal
diseases, blood purifier, child birth, tonic, children served food
on its leaves cured of bed-wetting.
Satawar
Asparagus racemosus
Liliaceae
Root leaves
3
Rheumatism, cough, dysentery, gastric complaints, bleeding
nose, blood in urine, diarrhea.
Safed musli
Chlorophytum tuberosum
Liliaceae
Root
Fever, weakness
Sarpgandha
Rauvolfia serpentine
Apocynaceae
Root with bark intact
Stomach discords. Antidote to snake bite, blood pressure, fever,
nervous disorders.
Semal
Bombax ceiba
Malvaceae
Gum, Root
Used as tonic diarrhea, dysentery, astringent, nerve tonic,
impotence.
Sahjan
Moringa oleifera
Meringaceae
Root, Barks, Fruit, Leaves
Fevers, headache, epilepsy, eczema, improves appetite, useful in
heart complaints, spleen enlargement, pains, eye diseases,
biliousness, asthma, tumor, ulcers.
Vasak
Adhatoto vasika
Acanthaceae
Leaves & Flower
Expectorant, Bronchitis, Vomiting, Stomach problem Dysentry
and fever


Chart of Medicinal & Aromatic Plant species of Herbal Garden
Kapoor kachri
Zingiberaceae
Roots, leaves
Lemongrass
Gramineae
Leaf & Root
Fever, headache, digestion, stomachache.
Lajwanti
Mimosa pudica
Leguminosae
Root, Leaves
Makoi
Solanum nigrum
Solanaceae
Leaf
Fruit
Ear complaints, dysentery, diarrhea, liver complaints, piles.
inflammation of serotum, testicles, kidney, bladder. Cough
trouble.
Mandukparni
Centella asiatica
Umbelliferae
Whole plant
Blood dysentery, brain tonic cholera, leprosy, nervine disorder,
fever, headache.
Malkangani
Celastrus paniculatus
Celastraceae
Seed
Anaemia, backache, bodyache, bone fracture, bronchitis, cough
& cold, headache, leprosy, rheumatism.
Nagarmotha
Cyprus scariosus
Cyperaceae
Root
Antidote to snake bite, cholera, leprosy, indigestion, colic pain.
Neem
Azadirachta indica
Meliaceae
Bark, Leaves, Unripe fruit, oil from seeds
Cough, fever, ulcers, leprosy, Eye & skin diseases,
leprosy, toothache, tumors, piles
Podina
Mentha arvensis
Labiatae
Leaves
Stomachache, rheumatic pain and indigestion.
Pashanbhedi
Coleus barbatus
Labiatae
Leaf
Blood pressure, constipation, tonic, stone.
Pipalli
Piper longum
Piperaceae
Root & fruit
Asthma, bronchitis, cholera, dysentery, fever, rheumatism.
Palas
Butea monosperma
Papilionaceae
Root, Leaves, Bark, Flower
Night blindness, dysentery, cough, bowels,
piles, ulcers & tumors leprosy, gout, skin diseases.
Intestinal diseases, gonorrhoea.
Ram tulsi
Ocimum gratissimum
Labiatae
Leaves
Ramdatun
Smilax perfoliata
Liliaceae
Root
Flower
Leaf
Rheumatism, skin diseases, urinary complaints, venereal
diseases, blood purifier, child birth, tonic, children served food
on its leaves cured of bed-wetting.
Rheumatism, cough, dysentery, gastric complaints, bleeding
nose, blood in urine, diarrhea.
Satawar
Asparagus racemosus
Liliaceae
Root leaves
3
Fever, weakness
Safed musli
Chlorophytum tuberosum
Liliaceae
Root
Stomach discords. Antidote to snake bite, blood pressure, fever,
nervous disorders.
Sarpgandha
Rauvolfia serpentine
Apocynaceae
Root with bark intact
Used as tonic diarrhea, dysentery, astringent, nerve tonic,
impotence.
Semal
Bombax ceiba
Malvaceae
Gum, Root
Fevers, headache, epilepsy, eczema, improves appetite, useful in
heart complaints, spleen enlargement, pains, eye diseases,
biliousness, asthma, tumor, ulcers.
Sahjan
Moringa oleifera
Meringaceae
Root, Barks, Fruit, Leaves
Expectorant, Bronchitis, Vomiting, Stomach problem Dysentry,
and fever.
Vasak
Adhatoto vasika
Acanthaceae
Leaves & Flower














जय मिथिला!
जय जय मिथिला!!
जय मैथिली!
अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली परिषद


जय जय मिथिला!!
अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली परिषद









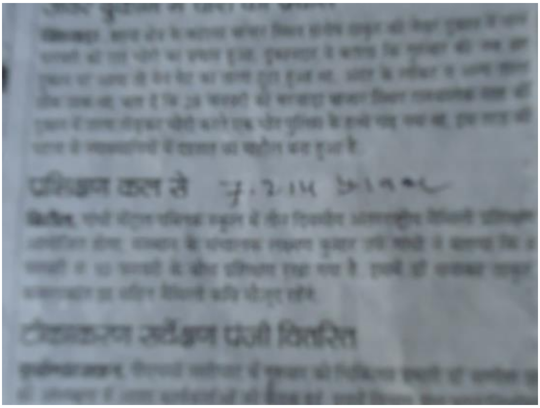






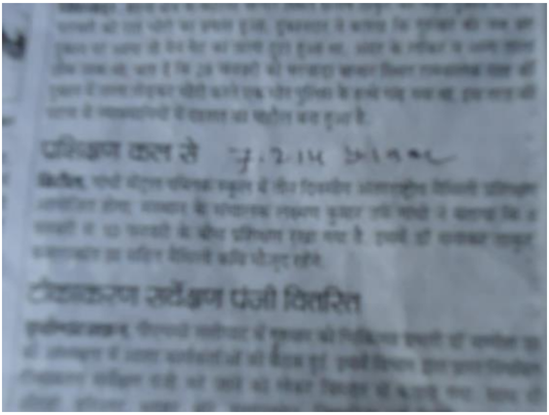



जय जय मिथिला!!
जय मैथिली!



प्रशिक्षण कल से

टीकाकरण सर्वेक्षण पंजी वितरित



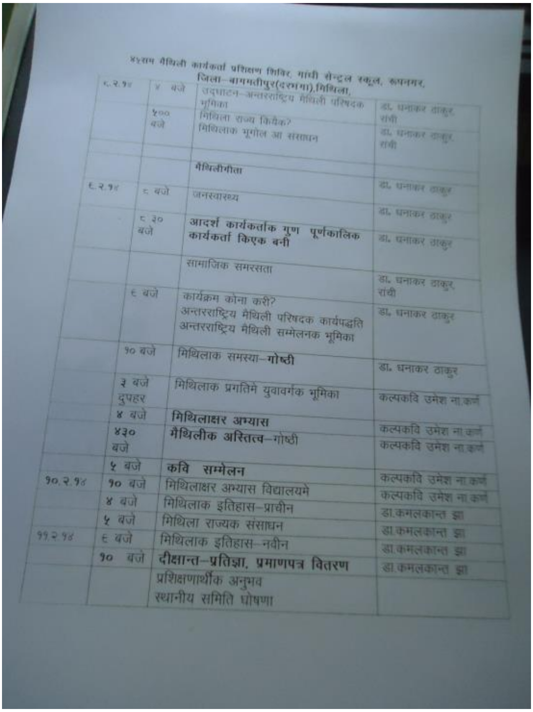
प्रशिक्षण कल से

टीकाकरण सर्वेक्षण पंजी वितरित









४५सम मैथिली कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, गांधी सेन्ट्रल स्कूल, रूपनगर, जिला–बागमतीपुर(दरभंगा),मिथिला,

८.२.१४	४ बजे	उद्घाटन–अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक भूमिका	डा. धनाकर ठाकुर, रांची
	५०० बजे	मिथिला राज्य किऐक? मिथिलाक भूगोल आ संसाधन	डा. धनाकर ठाकुर, रांची
		मैथिलीगीता	
९.२.१४	८ बजे	जनस्वास्थ्य	डा. धनाकर ठाकुर
	८ ३० बजे	**आदर्श कार्यकर्ताक गुण पूर्णकालिक कार्यकर्ता किएक बनी**	डा. धनाकर ठाकुर डा. धनाकर ठाकुर
		सामाजिक समरसता	डा. धनाकर ठाकुर, रांची
	९ बजे	कार्यक्रम कोना करी? अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक कार्यपद्धति अन्तरराष्ट्रिय मैथिली सम्मेलनक भूमिका	डा. धनाकर ठाकुर
	१० बजे	मिथिलाक समस्या–**गोष्ठी**	डा. धनाकर ठाकुर
	३ बजे दुपहर	मिथिलाक प्रगतिमे युवावर्गक भूमिका	कल्पकवि उमेश ना.कर्ण
	४ बजे	**मिथिलाक्षर अभ्यास**	कल्पकवि उमेश ना.कर्ण
	४३० बजे	**मैथिलीक अस्तित्व**–गोष्ठी	कल्पकवि उमेश ना.कर्ण
	५ बजे	**कवि सम्मेलन**	कल्पकवि उमेश ना.कर्ण
१०.२.१४	१० बजे	मिथिलाक्षर अभ्यास विद्यालयमे	कल्पकवि उमेश ना.कर्ण
	४ बजे	मिथिलाक इतिहास–प्राचीन	डा.कमलकान्त झा
	५ बजे	मिथिला राज्यक संसाधन	डा.कमलकान्त झा
११.२.१४	९ बजे	मिथिलाक इतिहास–नवीन	डा.कमलकान्त झा
	१० बजे	**दीक्षान्त–प्रतिज्ञा, प्रमाणपत्र वितरण**	डा.कमलकान्त झा
		प्रशिक्षणार्थीक अनुभव स्थानीय समिति घोषणा	

45 म शिविर आ 1010 क्रमांक स प्ररबम्भ होयत प्रशिक्षनार्थी क अंक तहि लेल ई कोनो नब बात न्हि – आब हम सब अभ्य्स्त भेलहुन ओना बहुत के ए एपिक्क निक लगाइत छ् नि - मैथिली शिक्शक मे अनेक के ई हाल जे आइ एक थाम किछु समग्री सर्कार लग पंजीकर्न हेतु पथेबाक छल – एक स्थन क एक मैथिली शिक्षक कह्लाह ह्मर पता पर दिय ओहि मे मिथिला राज्य निर्नमन समिति क कग्जातई स्वय्म ब्रह्मन छिथ आ स्मग्री एक याद्व लग जेबाक छलाइक – एहेन मे डा- कम्लकंत जी वा हमर सब हक काज 20 वर्श पहिने कतेक क ठि न रह्ल होयत एकर सह्ज अनुमान लगा सकाइत छी

आ एहो जे विद्याप्ति पर्व केनाइ नेताक अगान पाचा मल्यार्पन स रज्य निर्मान क विधा कत ठि न छिक –

हम्र हुन दिल्ली क स्यउमंजी 9.2 क विद्याप्तइ पर्व क लेल कह्ने छलाह लेकिन हम ई निर्नय लय चुकल छी जे यदि मुख्य अतिथि क रूप मे नहि बजायल जाय (खस कय नेता स्ब के उपस्थिति मे जिंका मे किनक हु   स हम्र सामाजिक अवदान कम नहि अछि)   त उम्हर न्हि जाई आ मिथिला मे चहे एक हि दू पांच दस भेतथि ओ कर्नाइ आ पन बाइसार केनाइ अधिक सार्थक – एहि क्रम मे एक शिविर ठा हर (खजाउकी) मे उक्त तिथि क तय छल लेकिन 6 तरीख क सूच्ना भेल जे ओहि गाम मे एक एक उप्नयन चल्ते लोक ब्झल आगा (मर्च 28-31) होयत-

फोतो गूगल स ताकि प्रपत्र बनाय्ल

बिदा होइ मे बिलम्ब भेल – नारद भक्ति सूत्रक कशा कर्य्मे 8 बाजल – देरा जा भोजन कय- हतिया स्ततिओन आ फेर पत्लिपुत्र एक्ष्प्रेस्स स जसीदीह – बद्ली कय ह्य्देरबाद दर्भ्गा स दर्भ्नगाक बीच पली मोहन क छत्र जे रौर्केला मे आर आए ती मे पधैत स परिच्य- गाम दिश कोल्लेगे मे पधाई न्हि- नाम नम के लिखा दर भंगा मे कोचिंग पत्ना मे कय कोम्पेत केलक –

दर्भंगा क पहिले दोनर मे गदी स्लोव्व बहुत भेल- ऊतरि – प्रतीक्शा प्रवीन मिथिलंचल विकस मोर्चा क अय्लाह – देल्ली मे सिओरेमे कौर्त मे प्रक्तिस- देर होइत छल – माजिक अशापुर- मजहुदा – बेनीपुर होइत शिव्गर घाट – बाइक स अगा बध्लहुन की गन्धीजी लेब लेल्ल- ग्रमीन उप्नय्न मे व्य्स्त ओथु- आबि कय घुमल छलाह बहुत लोक- प्रवीन जी बहुत लोक के न्हि देखि ह हतित्सहित – काल्हि आय्ब – अस्तु – सांझ तक उप्न्य्न क गीत क बद्ला फिल्मी ध्मका सुनल – खराब लागल- फेर प्ररम्भ भेल वर्ग- धीरे –धीरे 25 क हस्ताक्षर – 8 बजे तक विविध विश्य मिथिल अरक्य कियैक अ अकोनाक ? अंत मे संक्षेप मे ग़ीता जे गन्धी जे क एभाए के कफी नीक लग्लाइन्हि - फेर भोजन लेल हुंक घर- हुंक पिताजी कह्लाह- अम बी बी अस दाक्तर हमर ईल्लआका मे हमर सभक अहोभाग्य? मोन मे अव्साद भेल कियैक बहुत पधल जे अप्न लोक के काज न्हि दोस र्क चक्री मे ? पाइ त ओहथु भेति जाअयत.. कोना व्यव्सथा मे परिवर्त्तन देश

लेल हेताइक ...

कल्पकवि कोनो मैथिले एकर्य्क्रम मे मधुबनी स दर भंगा- जखन की एतय हुंका भोइर मे पहुंचल्क छल – प्रथ्मिक्ता क अग्यान संग्थन न्हि बध दाइत छिक – मद्य्रात्रि मे न्वयोरी ऊतर्लाह – गम्न्धी जी सूति गेल छलाह- फोन न्हि उथाउलाह – हुंक भाइ बिन अह्म्रा कह्ले 2 किलो मीतर चलि गेलाह – हम कल्प कवि के कह्लियाइन्हि आ ब ओतहि रति बिताउ – लोक के दोसर केसुविधा क ध्यान राखक चही- पन्दित भोलनथ झा पत्ना संघ कर्यालय 11 बजे क बाद स्ततिओन पर्रहि जाइथि आ 10 बजे क बाद त्रैन त स्ततिओन चलि जाइथि – ह्मर सेहो याइह स्वाभाव – अनेक स्त्तिओन एश क हम राति मे कक्रो न्हि कह्ल – अंल्क्र्क प्रांत मे –

ताब्त ओ हुंक अलय फुंच्लाह तखन नीद भेल

भोर मे देर स उथल्हुन – स्नान पूजा फेर चन्दन अह्मेदबाद क आ अन किछु संग वर्ग प्ररम्भ – नियत विश्य लेल – फेर स्चूल क बच्चा सब के कह्ली सुमावल प्रह्लाद, आदि के हुंक नाम पर मिथिलक चौहदी बतयल रतायल – भर्त क चुहद्दी सेहो – फेर एक फोन ह्म्रा अयल आ कल्पकवि मिथिलक्शर सीखेनाइ प्रर्म्भ फोन एक कर्य्कर्त्ता क 1980 मे ह्म्रा संगे काज कर्य – पैरवी भजपा नेता लग तिकत लेल – हम ची अरज्नैतिक से कह्ल आ ह्म्रा 10 वर्श स संघ स कोनो स्म्भ्न्ध न्है – अन्हा क्श्त्र मे आबी लोक स भ्नेत करी से अग्रह – देखल सम्य 11.58 तरिन

छोतत-

गन्धीजी क भाए सस्तंग बिना खेने ? हन बिना खेने- त्रैन लेब – ग्नधी जी जोर स चलेलाह – त्रैन खुजल – द्रैवर देखि रोक्लक च्ध्लहुन बिना तिकत – तबत फोन प्रव्ल्न ज ई क गिप्स्य आयत? 10 बजे क सम्य छल – आब त्रैन मे छीए? बहिनोइ कन्हौली फोन सक्री स रंची तिकत लय रह्थि – बेनिपुर मे सक्री तक के तिकत लेल –

एक मौल्वी अज्मेर क गना फ गबाइत – मैथिली गौ – एक गेलक ख्ला पर.. सकरी मे भिनोइ – बहिन खेनाइ नहि दय सकर्ल – दर्भंगा मे दोसर बहिन लग कियो पथ्बय्ब्ला नहि- रजीव क पत्नी के रोती भुजिया बना पथ्बय(ओ त्रैंछुल्तला बद फोन केल्क लेकिन हम दर्भंगा मिथिला अवाज़ जा फोतो समचर दय - स्ततिओन जै गुरुदेव क होतल मे 30 साल बाद खेल्हुन) – दर्भंगा अबित म्रित्युंजय भिरव बलिअ के मैथिली सन्देश सी अम साइंके क प्रचर्य क दाक देब आ न मिथिला विद्यर्थि अप्रिश्गद मे काज कर्य प्रेम जी स बात कवआव्ल – कर्त्त-

तरिन स इझा फेर पत्ली हतिअ क पूर्व कथर कोचा – रस्ता एम अंगुर- पव्रोती चिन्या बदाम – ई छैक पिक्नोइक – ह्म्रा परति विरोध राख्व्बला लेल -- .. अस्तु .. क्म्ल कांत जी भोरे पन्हुच्लाह आ एख्न क वर्ग मे दज़्नों हुंक मिथिलक ईतिहास सुनित हेताह ... एना हेतैक मिथिला निर्मान – हाल क भश्न स

न्हि...

हमर 183 म मिथिला जागरण यात्रा (25- 27.4.2014)- Darbhanga

25.4.2014 Journey_18622
26.4.2014 Giridih- Madhuban_Barakar Madhuban Barakar
26.4.2014 Giridih Shram ayukt aprsar
26.4.2014 Journey_ Gangasagar_ Jasidih- 186005
27.4.2014 Darbhanga Laxmisagar, Tulasundari mahadev
27.4.2014 Journey- DBG Kol BJU 15028
एहि यात्रामे गिरिडीहक रास्तामे एक राजकिशोर नामक युवक खैनी नहि खैबक प्रतिज्ञा लेलक से आइ फोन पर 48 घंटा बाद कहलक जे ओ एखन धरि नहि खेलक अछि फेर खैनी- मिथिलाके नशामुक्त करब परमावश्यक - गिरिडीहमे पहिने मधुबन- बराकर दर्शन फेर विद्यापति पर्व- ट्रेन मध्यरात्रि मधपुर आबी गंगासागर जसीडीहमे भीड चल ओते उतरी रांची- जयनगर- नारायणपुर- नेहरा के लोकक परिचय- समस्तीपुरमे

प्रेमजी- डॉ. परमानंद लाभ संग डॉ. उपेन्द्र यादव, रोसरा आदि- अनेक बात तय- एमवीपी का सम्मेलन 12-13 जुलाईक , प्रशिक्षण वर्ग तभकामे मई 11-14, बछवाड़ा लग भरौलमे 8-11 जून, रहुआ(मादेपुर) 26-29 जून, दलसिंगसरायमे जानकी नवमी 8 मई क आदि ...गर्मीमे बेहाल लेकिन कहुना यात्रा पुरा भेल ..अनिल झा ट्रेनमे दलसिंगसरायमे चढ़लाह- आब कियो कियो मिथिलाक एहि भागमे हमरा चिन्ह लगलाह अछि..एक दुरूह कार्य अछि-- बहुत लोकके लागक चाही लेकिन दरभंगा-मधुबनीक युवा अप्पन नेतागिरी चक्रमे कूपमंडूकवत भय रहल छथि जाहिस मिथिला नहि बनत भन्हि ओ छोट नेता वा कोनो पैघ नेता चमच बनी जाइथि...उक्ति कटू लागत लेकिन सत्य यइह अछि..

2014 मे भेल मिथिला जागरण यात्रा संक्षिप्त छल जकर विवरण फेसबुक स्वयं अनलक अछि आ लगातार होमबला छठम एहि यात्रा २० दिन मे जाहिमे १२ राति हम ट्रेनमे अपन अस्वास्थ्य क रहितहु बिताऔने छलहुँ –

आ तेसर लगातार राति पटौरी स आबि फेर रातिमे गेनाइ- लौटत काल आरक्षण कन्फर्म नहि भेल आ स्लीपर टिकट लय जनरल मे समस्तीपुर आरामस यलहु - हमर गाड़ी बिलंब छल आ बरौनी

स्टेशन क पूर्व सहयात्री सुपौल क एक मेडिको गौतम स परिचय भेल जे नॅशनल मेडिकोस ओर्गेनाईजेसन स परिचित छल - एकर संस्थापक हम छी से बुझी हुनका अचरज भेलन्ही ---ट्रेन मे दैनिक पूजा भेल - २ घंटा बिलंब - केवटी मे तय बैसार नहि होयत - से भोरे मालूम भय गेल छल - सहकारी आनन्द स्टीशन पर आबि गेल छलाह आ लक्ष्मीसागर गेलहुँ तुलासुंदरी मंदिर - राजीव किछू देर बाद स्टेशन स हमरा ताकि आयलाह- जखन समय ११ के देल ह्मरा लेब कियैक गेलाह? हम नहि बैसार क समय महत्त्व एक किडनी बीमार क पुत्र आयल छलाह सलाह देल लेकिन ओ दूनू मिथिला काज लेल इच्छुक नहि - एक युवा अयलाह आ बहुत रास बात मोहल्ला क लोक क दोष पर बजलाह आ निराश जका

-------------------------देव दर्शन लेल आयल धनबाद मे रेलवे गार्ड रहल आ गौहाटी मे हमरा देखने राधा भूषन झाजी बहुत खुश भय आ इकाइ अध्यक्ष बनलाह- मंदिर क संस्थापकक पुत्री रामरेखा देवी ८ मई क जानकी नवमी क संयोजिका भेलीह - शंकर आनंद मिथिलाक हर गाम क फ्री वेबसाइट बनेताह - मिथिला मंथन क विजय कृष्ण chaudharee बछवाडा लग के कार्यक्रम बतौलाह आ प्रोफ प्रेम मिथिला विद्यार्थी परिषदक गतिविधि - अध्यक्ष भोजन लेल आमंत्रण देलाह गेल्हूं सोचने

च्चलहुन स्टेशन पर जै गुरुदेव होटेल मे खा लेब - - मिथिला मंथन क विजय कृष्ण चौधरी बछवाडा- k project parलग के कार्यक्रम बाटऔलाह आ प्रोफ प्रेम मिथिला विद्याथि परिषदक गतिविधि ---

- अध्यक्ष भोज्न् लेल आमन्त्रण देलाह गेलहु सोचने छलहुँ स्टेशन पर जय गुरुदेव होटेल मे खा लेब - स्टेशन जाईत काल लागल फेर छपकी गाम स जाईत छी जतयत्हम १९७७-८० बीच हर रवि हरिजन बीच दवाई आबि बंटी- रौद कदा चाल - प्रेमजी टिकट बराऔनी के ख्रीदने ह्मरा लेल दरभंगा कोलकाता मे एक मैथिल युवा Benipattee k आवाdee गम क shraab मे matt बेर - बेर लताध फेकय कईएक बेर बाद हम ओकर पाइर पर झापड़ माई डेल तांस मे - आब ओकेर भक्क टूटल आ बहौत बाजल - ओ आए टी आए केने बेरोजगार आ काली क भ्क्त - ओकरा कहुना शांत काय भगवती क मैथिली मे प्रार्थना del - समस्तीपुर मे traion बदली लेल प्रेमजी दलसिंग सराई ऊतरलाह हमा रांची घ्ण्ता भरी बिलंब स अयलाहु------- एखन झखन सब चुनावी काज मे हम रचनातम्क काजमे

हमर 186 म मिथिला जागरण यात्रा 1.6.2014-

बरौनी मिथिला क केंद्रस्थली

१।६।२०१४ क भेल ओतय पहिल बैसार मे हम कहल्यैक जे हमरा १८।१०।१९९२क रांची एक्सप्रेस मे लेखक शीर्ष क च्हाल जकर आधार १।१०।१९९३ क बरौनी JUNCTION मे बाटलगेल पर्चा आ पहिल मिथिला जागरण यात्रा च्हाल - ओही दिन ह्मरा लागी गेलच्छलजे मिथिलाक राजधानी हों लायक़ केन्द्रीय शहर बरौनी अच्छी जाटक्ष्य स जहा जाहि कों क मिथिला चाही सुविधा स आबी सकात जकर लाभ हम २००१ आ २०११ मे फरबरी मास मे जनगणना मे मैथिली लिखऔ क २०-२० हज़ार पर्चा जेया २-२ दिन मे बांटने छल्हू- ३००० पोस्टर ट्रेन मे सतूने च्चलनहु- आब एटेक दिन क पृश्राम क बाद सप्तर्षि सं ७ कार्यकर्ता भेटला: ट हम घोषणा कय देल जे मिथिला क राजधानी दलसिंगसरै स बेगुसरै बीच बनत जात्यृ जगह हो- ओना ई हमर व्यक्तिगत मत छि - अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद वा सम्बध कोनो संस्था क नही।.

बरौनी क यात्रा लेल निकलालाहु ट सहयात्री मे अनेक परिचित क सम्बंधी निकाली गेलाह - अमरेन्द्र् नारायण झा बंगलोरे मे ठाढ़ी वासी जे अपन मकान क नाम मिथिला भवन रखने छथी के बहीं आ भ्गीनी वकील जे भोर मे मिथिला राज्य क विरोध मे बहस केलक - हमर सीट पर बैसल चलत्ती मुरी(दामोदरपुर) क अनिल जी क जमाय जिंक विवाह मे हम गेल च्छलहु -ओ कहला: जे आई भारट क सब सब मुख्य कार्पोरेट मे मैथिल

भेटताह - बरौनी मे मंतू जी असबी गेल च्चाला: अपन भगिनी के लेब जे हमरा संगे लागी गेलच्हाल ओ कहला: जे भारौउल्लग कांणाजी के अपन काज स जोड़लजाय - मिथिला मंथन स ओ जुड़ल छितये-



राजनीत जी बाहर प्रतीक्षा मे - हम एक मांस व्रधही क बीमार क फोटो खीछाल आ फेर संस्कृत महाविद्यालय जे १९१९ मे बनाल आ १९५५ मे मान्यता प्राप्त केलक - स्नान पूजा बाद बैसार-पिछलाहपता बेगूसराय मे अचानक तय भेल बैसार के रणजीत जी स्थाज्ञ चहैट च्छलाह लेकिन हम जिद्द कायलजे हीब कार्य(मिथिला मंथन लेल बचचवाडा भरूल्लेल्लेल टिकट ११-५ क च्हाल - वापसी सेहो कॉन फर्म भ्य गेल ० - बिसार मे तय भेल

१००० सभा ओही ईलाका मे हो - यानी आब कार्यकर्त्ता क हेंज़ तैयार होयट- रंजीतजी क घर वृद्धा माय क हाथ स भोजन ह्म्रा आ dr. अशोकपाठक के - कीर्तिनरयण् मिश्रा साहित्यकरक घर गेल्हूं २००१ आ २०११ मे गेलच्चलहुन - ओटय अशोक जी कहला: जे जयकांत बाबू हूंका पाग पहिरा कहने च्छलखिन्ह जे हमेश पहिरी जे ओ पहिरे ची

कीर्तिनारायणजीस बहुत देर साहित्य चर्चा भेल - ओ मिथिला राज्य k पक्ष मे नहि लागलाह फेर ट्रेन आ ओही मे भेटला: मिथिलेश जी सबौर क रांची मे बसीगेल - गर्मी चलते खेबाक़ इच्छा नई तया हंक डू रोटी आ फेर खरीदल बरौनी क भुजा २-३ घंटा बाद यथावत रांची डेरा आबि ड्यूटी पर गेल्हूं

My 194th Mithila jagran Yatra_ Simariaghat- Adi Kumbh sthali (1.11.2014)
31.10.2014Journey_18622
1.11.2014 Simariaghat

Yesterday on Nov 2,2014, I was at a Gangaghat(the shrine of Adi kumbhsthali) Simariyaghat where in a meeting I was called to judge superiority between Sitaram and Radheshyam party of

Bhakts(rather Bhaktins almost as that is a place of month long Kalpwas since the days of the death of Lord Krishna, It was a grand argument in my uttering comparing Sita vs. radha and Ram vs. Shyam and I balanced the merits of Ram and so-called demerits of Shyam(incidentally just concluded cheer haran episodes of Gopies by 7 year old Krishna) and obviously spotless character of Seeta of Mithila (who in next age of Dwapar became Radha because the kewat had asked Sita while Ram was leaving the Earth and that was granted to him in next age Dwapar with a condition of Her husband would be impotent - as based on a fairytale of a co-passenger kewat in a jam packed train to Mumbai from Allahabad while I coulkd sit with him on the upper space for luggage)_
It was long narration of different awatars (matsya, Kurm ,Varah, Nrising in Mithila-

Nrising reference Porbandar Bhartmata Mandir and I could visit near Banmankhi in Purnea district on the guide of a poor old lady - in fact such ladies have made Hindu dharm vibrant not the leaders who spoke grandiose but still abode of Ramlala and Shyamlala(also of Vishwanath) is under shackles on which account too Ram and Krishana both are under slavish detention since age - finally I wanted to remove the case file from my court as my name from the judge as it would have been a bias since my late mother's friend Bhalo of Koilakh had nick named me SHYAM on the nick name of great docotr of those days hailing from that village Koilkah, the abode of KOKILAKSHI BHAGWATI whose eyes are like that of a cuckoo- yes, it is Mithila whare parallel of Meenakshi one can find not in the grandeur of temples but in the devotion and scriptural knowledge_ Cuckoo famous

for sound but here comparison with eyes astounding! And there was a great clappings as happens there everyday in such a comparison the un-ended result.

This journey was to promote Purnkumbh there in 2017(in 2011 already AMP i.e. Antarrashtriy Maithili Parishad had resolved and had there under the leadership of Swami Chidatman jee- my brief 175th visit there on 16.10.2014 for a speech on “Science of Vedas and its utility as well as contribution of Mithila in that” demanded I must revisit there and hence the core workers were called there on Nov1-2 who want to paint Mithila on a new map of India.

My journey was this time purposely unreserved as will get this time company of Pramod Jha(of facebook from Dhanbad) who is interested in establishing an

Ashram of old design in Mithila but he did not come this time.

Among the workers assembled there was one youngman Deepnarayan Thakur who claimed that in his village of Chainpur, near saharsa of 22,000 population, he regularly cleans with brooms with his many friends daily since Oct.2 and his village would be one amongst the cleanest in Bhartvarsh (and let me add may not be under the camera of ‘India.’

Mother Ganga was únclean’like previous occasion which cannot be till effluents are allowed from factories.

Return journey was tedious. I took leave early and around 2 pm could enter in a passenger train for Asansol(anticipating Chhat festival return rush). I Had to chide a subedar of CRP who with his many young sepoys had locked the door despite one travelling one station on footboard

was not opened and he was angry why a small spill of water on their luggage packed comfortably near the basin(and he was angry as ti why I did not washed my hands and mouth after food from a co-traveller who incidentally was brother in law of retd, Justice Madam Gyansudha Mishra of Supreme Court (she was his sarhaj , wife of cousin of his sala i.e. brother of his wife). It was he who could purchase a ticket for me in rush at Hathida. NM ministry needs immediate care of the people of BIMARU states who have in fact enthroned him with lot of hopes. Mere increase in some trains would not help- If I would have been in NM's place would have taken drastic decisions to allocate at least 50 per cent money to rural sectors to mitigate the poverty and in-migration rather exodus of the rural population to urban centres which have

mesmerized the policy makers to make many marts and develop cities which would end in a fiasco.

The day to day effecting corruption too can be ended in 24 hours under my scheme- if I being a superior officer would have been given power to suspend immediately that subedar on production of my I-card.. like that every officer of ‘proven integrity, ‘beyond doubt (amazingly why anyone is promoted today if has doubt/s) should be empowered to suspend any junior of any Govt. Department. The country will shake in 24 hours.Every employee should have a mandatory many digit number specific for him/her and that will do work not the JANLOKPAL which may be effective for top echelons only.

At Sitarampur we changed the train and took fresh tickets for Coalfields Express and reached Dhanbad by 22.15 .

Gorakshak Gautam came to take a receipt for 9th Nov Ranchi rally(in my 175th yatra he had a chance introduction with me for waiting 5 hour late Patliputra express at Hathida and later with him on 17th Oct. I had attended the meeting of Gopalmani Maharaj for the first time who made me the chief advisor for the rally.(I had worked for cow protection in 1966 as a child and was my life's second recorded work, after Vivekananad Rock Memorials'stamp selling of 10 paise in 1963).

I showed Gautam the dirty platform where sometime back a young-man while running to catch the Maurya express had food packet in hands which slipped- he rightly without caring for that could catch the running train. I was thinking seeing the torn packet if dogs could come they may have a fest. One came but did ate only

rice and left eggs. I start6ed thinking whether digs dare also selective non-vegetarians rather non-eggatarians but after sometime the other dog came and ate out that solving my puzzle. So the dogs are natural scavengers not the NM's FB brigade and photophilic ministers and officers with beautiful and handsome faces with brooms in their hands! Again if I had been in place of NM I would not have pre advertised it rather suddenly would have taken brooms in my hand and that too not on Oct.2 but on pre-Sunday of Diwali as almost all of Hindus do.

I gave Gautam the day's newspaper of Yuwashakti daily I took up from the seat some passenger had left in the Coalfields express and showed him the controversy on Uttarakhand HE Md. Kurish's statement of to seize the citizenship of cow-slaughterers and suggested Gautam to have a habit of reading the papers even

from scraps. I also talked with two young passengers one of Chadrapura seeking a job. From Friday to Monday train is choked with such students' examinations. The education and recruitment system needs overhauling. I would have changed almost all existing colleges to vocational centres leaving only some standard colleges for graduation and post-graduation. Why a BA is needed for teaching a primary student which can be done better by a SSC?

We do not need universalisation of graduation but universalization of skills.

Dumka- Ranchi train had a great rush which my fellow co-passenger was initially desiring to catch under an impression that DUmka- Goddaa people do not observe Chhathi in large number. I went to other platform to catch Patliputra express which too had a great rush and I thought to wait

for Bhagalpur-ranchi’s two train oe even for Maurya or Intercity of morning but after getting seeing many coaches I found some rarefaction in one and could sit though other young person was trying for that and he got down for next train. The child sleeping on the seat got down at Katrasgarh after one hour and next lady at Chadrapura and I came almost sleeping Ranchi.

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.१४. अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद्क मिथिला जागरण यात्रा 201-286

207 म मिथिला चुनाव जागरण यात्रा (22.10-2.11.2015)
212 म मिथिला जागरण यात्रा(26-30.3.2016)-Bhagalpur- Singheshwarsthan
214 म मिथिला जागरण यात्रा (28.4.-1.5. 2016)- 215-216 Mithila Jagran Yatra (16-17.7.2016, 18.8-20.8.2016- Masmela-Simaria
223 म मिथिला जागरण यात्रा (24-26.4.2017)-Majhaura
239 म मिथिला जागरण यात्रा(9-18.10.2018)-Manikantji s 25 varshk
samprk par pahil bhent
240 म मिथिला जागरण यात्रा (19-25.11.2018)-Jaimangalagarh-KATHMANDU
243 म मिथिला जागरण यात्रा(22-26.1.2019)-Deoghar Pustak Mela-
-'Sanskritik Rashtravad"
246 म मिथिला जागरण यात्रा(12-17.7.2019)-Simariaghat

Seminar on Vedas

251 म मिथिला जागरण यात्रा(20-30.12.2019)- Bisfi Vidyapati Smarak-XXXII AMS

254 म मिथिला जागरण यात्रा(25-29.2.2020)- Darbhanga,AMP.CEC

255म मिथिला जागरण यात्रा(3-10.3.2020)- होलीपूर्व संपर्क -पूर्वी चंपारण सुगौली सन्धिक्षेत्रे

256 म मिथिला जागरण यात्रा(20-29.3.2021)- DEC - Dr Achintya_

PPt presentation Mithila Sustainable development

257-58म मिथिला जागरण यात्रा (31.10.-1.11.2021, 23-25.4.2022)- Simaria_Saharsa, Mahis -33 AMS

263 म मिथिला जागरण यात्रा(16.10.2022)- Simariaghat

264 म मिथिला जागरण यात्रा (15-22..11.2023)-DSS-Jaynagar_ Kaluahi-Kudhni-(15-24.11.2022)-CEC,MWTCs, Chunav

265म मिथिला जागरण यात्रा (15-31.12.2023)-MRSS Darbhanga

266म मिथिला जागरण यात्रा(15-31.1.2023)- Ladari-

Chankyadeeh Gangaputra Nigmanadk gharme- Jhajha-Godda-Deoghar darshan

267th Mithila jagran Yatra(16.2-1.3.2023)- Deoghar nahi darshan – Taralahi-Flue gripped (H1N1?)

272 म मिथिला जागरण यात्रा (16-31.7.2023)- भागलपुर-दलसिंहसराय

273 म मिथिला जागरण यात्रा (16-31.8.2023 पूर्णेया - XIII विनय तरुण पुरस्कार-

280म मिथिला जागरण यात्रा (19-20अप्रिल 2024)- मुजफ्फरपुर-मधुबनी

281 म मिथिला जागरण यात्रा (25-30.4.2024)- चुनावक्षेत्रे-बलिराजगढ़ देवेन्द्र यादव

हमर 286म मिथिला जागरण यात्रा (25.7.2024- 31.7.2024)- गृहविहीन नियति

हमर 207 म मिथिला चुनाव जागरण यात्रा (22.10- 2.11.2015)

22.10.2015 Journey_18605

23.10.2015 Samastipur

23.10.2015 Bachwada station

23.10.2015 Mahnar Rd_Thanpur

23.10.2015 Jagdishpur Brahmsthan
23.10.2015 Jandaha
24.10.2015 Thanpur Brahmsthan
25.10.2015 Bus_Musarigharri
25.10.2015 Samastipur_train
25.10.2015 Darbhanga Laxmisagar
25.10.2015 Train_garibrath_sakari
25.10.2015 Benipur
25.10.2015 Dherukh
25.10.2015 Antor Mahadev
25.10.2015 Ramauli
25.10.2015 Makarampur
25.10.2015 Nabada
25.10.2015 Darbhanga Donar Industrial
26.10.2015 Majhaura
26.10.2015 Mokrampur Muslim mohalla
26.10.2015 Mokrampur
26.10.2015 Sajhuwad
26.10.2015 Darbhanga Donar Industrial
27.10.2015 Bengra chowk

27.10.2015 Dhanauja
27.10.2015 Uchhith
27.10.2015 Sonai
27.10.2015 Bamrathha
27.10.2015 ....
27.10.2015 Hisar chowk
27.10.2015 Hisar Durgasthan
27.10.2015 Darbhanga Donar Industrial
28.10.2015 Ashapur camp
28.10.2015 Haripur
28.10.2015 Mahinam Kali Mandir
28.10.2015 Mahinam Kali Mandir
28.10.2015 Mahinam
28.10.2015 Mahinam Hanuman Manir
28.10.2015 Dakhram
28.10.2015 Dharaura chpwk
28.10.2015 Benipur chowk
28.10.2015 Darbhanga Donar Industrial
29.10.2015 Tarauni Dusadhtol, Brahman

Tol, Bhagwab Ghar

29.10.2015 Kanthudeeh Dusadhtol

29.10.2015 Majhauda chowk

30.10.2015 Habibhowad Lakshminarayan Mandir

30.10.2015 Baheda bazaar

30.10.2015 Dherukh

30.10.2015 Darbhanga Donar Industrial

31.10.2015 Ashapur camp

31.10.2015 Balha

31.10.2015 Belaun chowk

31.10.2015 Belaun Siddheshwar

31.10.2015 Belaun Gam

31.10.2015 Belaun Dusadhtoli

31.10.2015 Ramauli chowk

31.10.2015 Nabada chowk

31.10.2015 Darbhanga Donar Industrial

1.11..2015 Saharghat Netaji chowk

1.11..2015 Balha

1.11..2015 Basuki More

1.11..2015 Bihari Bazar
1.11..2015 Bihari Bazar Durga Mandir
1.11..2015 Madhwapur Hat
1.11..2015 Madhwapur Bazar
1.11..2015 Madhwapur Gam
1.11..2015 Gangaur Bazar
1.11..2015 Gangaur Hat
1.11..2015 Phulhar
1.11..2015 Phulhar
1.11..2015 Pipraun -1
1.11..2015 Pipraun -2
1.11..2015 Durgapatti Durgmandir samne
1.11..2015 Umgaon Ambedkar Chowk
1.11..2015 Umgaon bus stand
1.11..2015 Kalna Mandir chowk
1.11..2015 Journey_ via Loha
1.11..2015 Darbhanga Donar Industrial
2.11..2015 Ashapur camp
2.11..2015 Benipur chowk

2.11..2015 Darbhanga Donar Industrial

3.11.2015 Journey_17008

3.11.2015 Ranchi







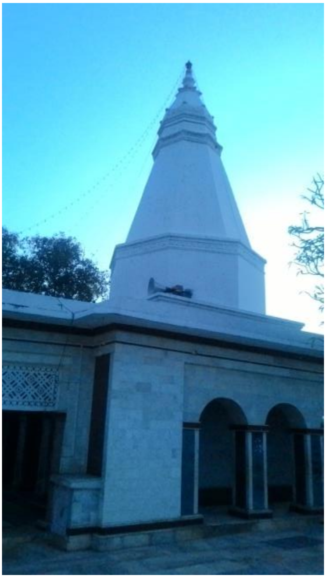





इंजीनियर प्रियरंजन कुशवाहा
नारियल छाप




जहँ जहँ चरण पड़े रघुवर के
भारत - श्रीराम के यात्रा स्थल
नेपाल
भूटान
बंगाल की खाड़ी
अरब सागर
श्री युगल पदाम्बुज




वस्त्रालय






BR 32G 9452








माँ जेनरल स्टोर श्रृंगार पैलेस
BR-32G-9452






राकेश बिजली घर














































ऑटो



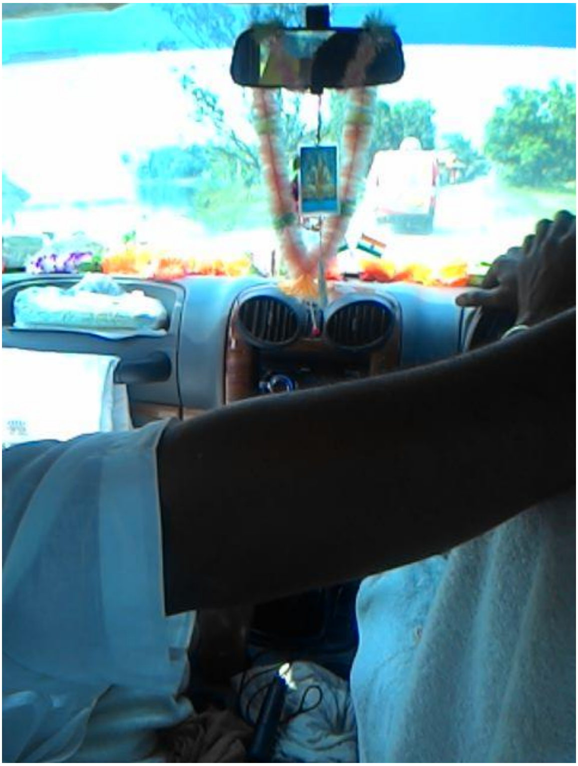







गोनू झा






आदर्श मिथिला पार्टी
(भारत चुनाव आयोग पत्रांक 56/2014/PPS-II दि. 26.03-2014 सँ निबन्धित)
भारतमे
प्रस्तावित मिथिला
प्रान्त
(पौराणिक एवं सर ग्रियर्सनक
भारतीय भाषा सर्वेक्षण १९०२ (1902)
क मैथिलीभाषी क्षेत्र)
अगिला बेर मिथिला सरकार











बीच बहस में-2

युवा बन रहे पार्टियों के लिए 'गेम चेंजर' मोहरा










सूर्यनारायण निवास



















हमर 212 म मिथिला जागरण यात्रा(26-30.3.2016)

26.3.2016	Journey_Awadh Assam	
27.3.2016	Naugachhiya_Tempo	
27.3.2016	Bhagalpur	AMP
28.3.2016	Journey_Bus	
28.3.2016	Purnea	AMP
28.3.2016	Journey_bus	
28.3.2016	Forbesganj	AMP
29.3.2016	Forbesganj	Familial
29.3.2016	Journey_Bus	
29.3.2016	Singheshwarsthan	AMP
30.3.2016	Singheshwarsthan	Personal
30.3.2016	Journey_Bus	

30.3.2016 Kakraul AMP

30.3.2016 Darbhanga Religious

30.3.2016 Darbhanga Maithili

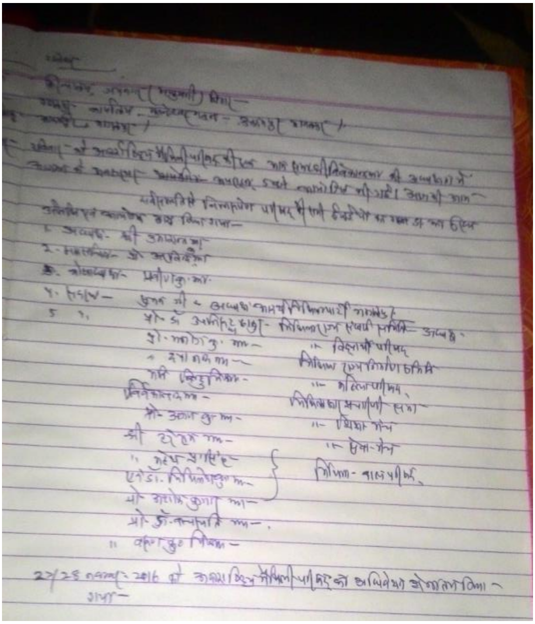
30.3.2016 Journey_18606

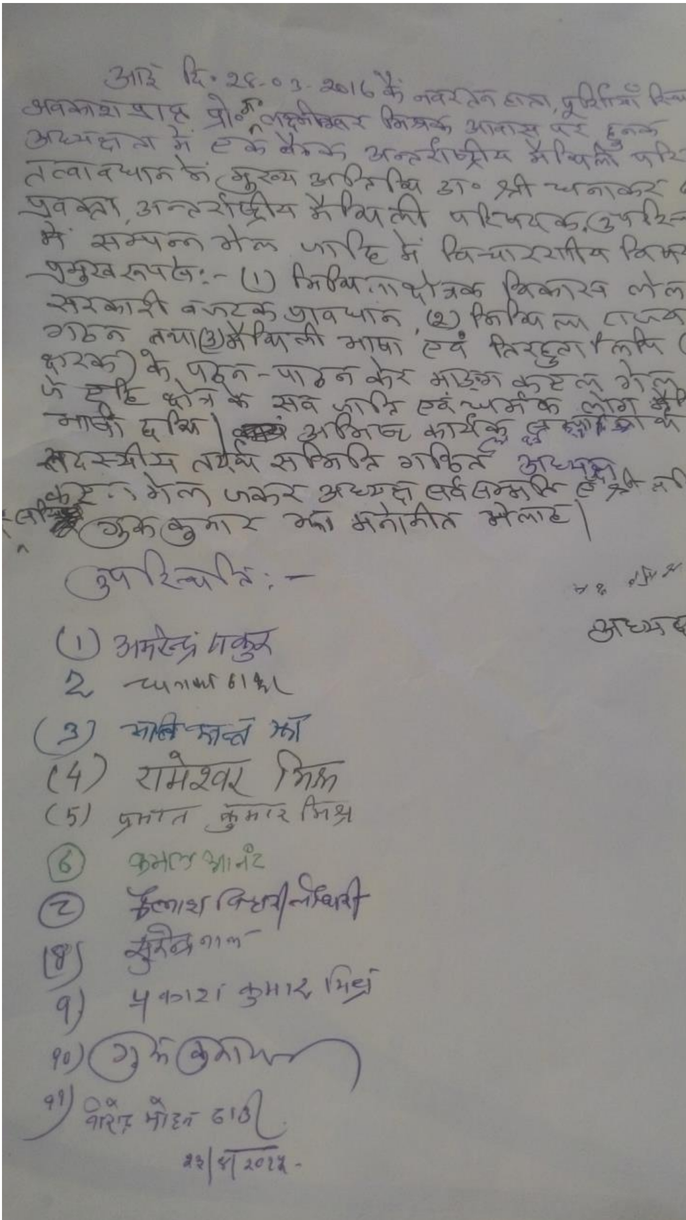




Bhagalpur







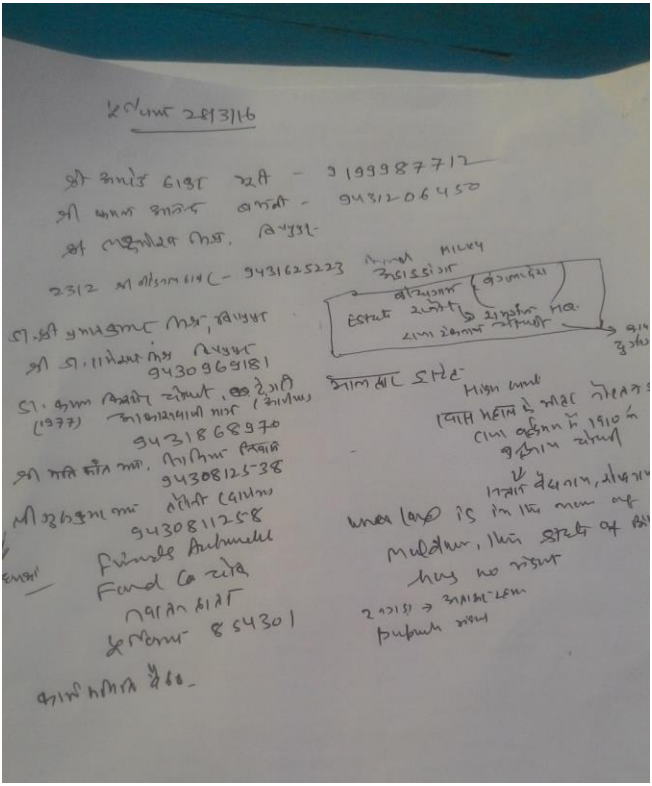
आइ दि॰ 28-03-2016 कें नवरतन हाता, पुर्णियाँ स्थि[illegible]
अवकाश प्राप्त प्रो॰ लक्ष्मीश्वर मिश्रक आवास पर हुनके
अध्यक्षता मे एक बैसक अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परि[illegible]
तत्वावधान मे, मुख्य अतिथि डा॰ श्री धनाकर ठ[illegible]
प्रवक्ता, अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक उपस्थि[illegible]
मे सम्पन्न भेल जाहि मे विचारणीय विषय[illegible]
प्रमुख रूपें :- (1) मिथिलाक्षेत्रक बिकास लेल
सरकारी बजटक प्रावधान, (2) मिथिला राज्य[illegible]
गठन तथा (3) मैथिली भाषा एवं तिरहुता लिपि [illegible]
[illegible]) के पठन-पाठन केर माङ्ग कएल गेल।
ऐ ठाम क्षेत्र के सब जाति एवं धर्मक लोग मैथि[illegible]
भाषी छथि। अभियान कार्यक [illegible]
सदस्यीय तदर्थ समिति गठित [illegible] अध्यक्ष
कएल गेल जकर अध्यक्ष सर्वसम्मति सँ श्री [illegible]
गुरु कुमार झा मनोनीत भेलाह।

अध्यक्ष

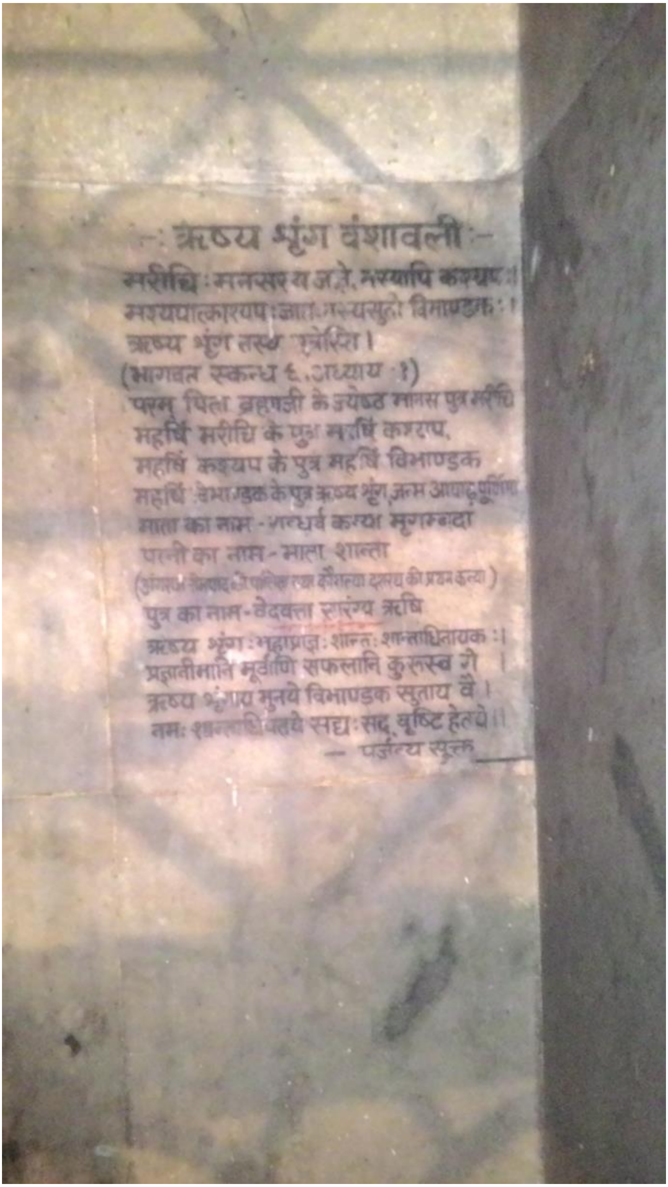
उपस्थिति :-

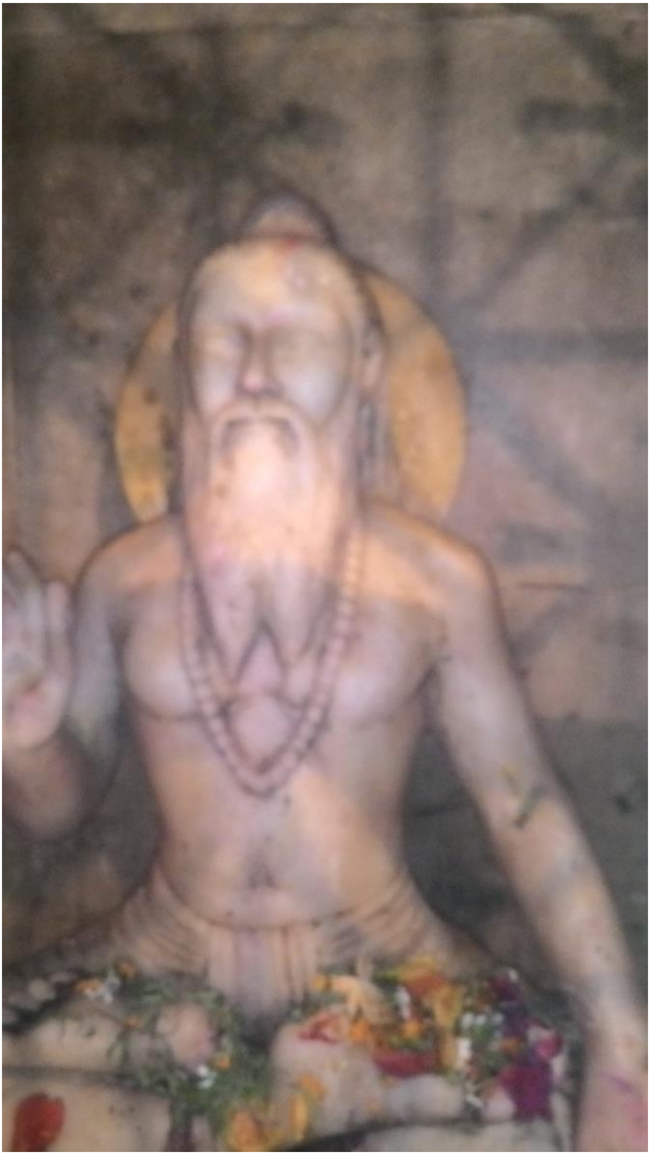
(1) अमरेन्द्र ठाकुर
2 धनाकर ठाकुर
(3) शशिकान्त झा
(4) रामेश्वर मिश्र
(5) प्रशान्त कुमार मिश्र
(6) कमल आनंद
(7) कैलाश [illegible]
(8) सुरेन्द्र [illegible]
9) प्रकाश कुमार मिश्र
10) गुरु कुमार
11) विरेन्द्र मोहन ठाकुर

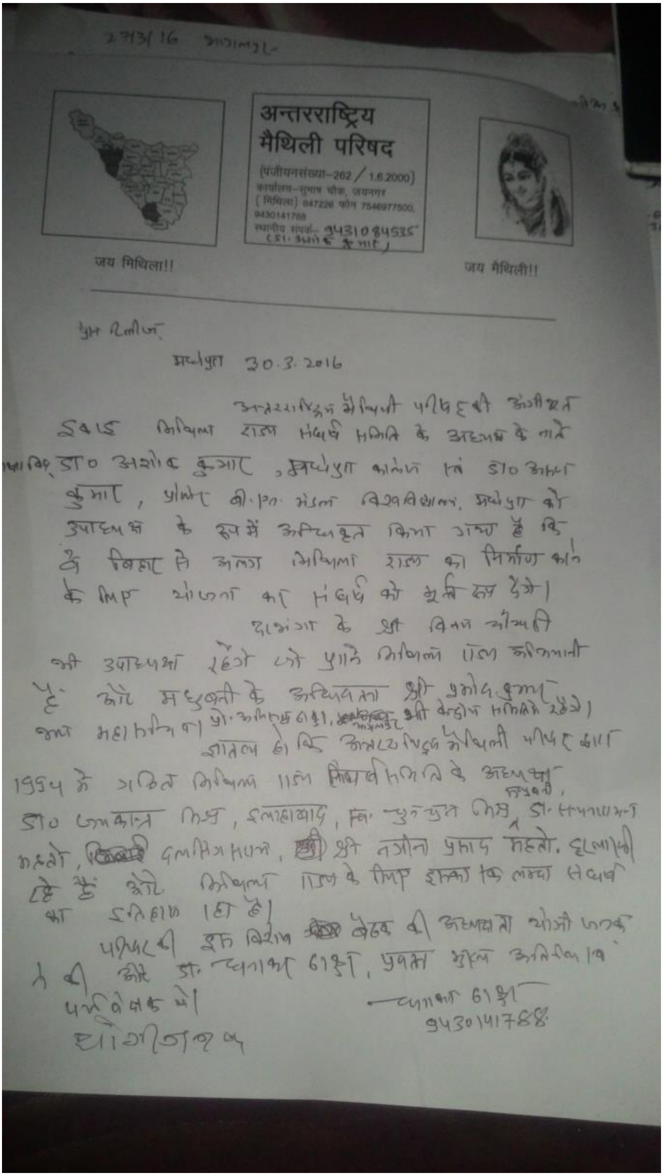
28/3/2016



Singheshwarsthan


:- ऋष्य शृंग वंशावली :-
ऋष्य शृंग तस्य
(भागवत स्कन्ध ६, अध्याय १)
महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप,
महर्षि कश्यप के पुत्र महर्षि विभाण्डक
पत्नी का नाम - माता शान्ता
पुत्र का नाम - वेदवत्ता सारंग्य ऋषि
प्रज्ञातीभानि मूर्धानि सफलानि कुरुस्व वै
ऋष्य शृंगाय मुनये विभाण्डक सुताय वै।
— पर्जन्य सूक्त





अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद

(पंजीयनसंख्या–262 / 1.6.2000)
कार्यालय–सुभाष चौक, जयनगर
(मिथिला) 847226 फोन 7546977500, 9430141788
स्थानीय संपर्क– 9431084535 (डॉ. अशोक कुमार)

जय मिथिला!! जय मैथिली!!

प्रेस रिलीज

मधेपुरा 30.3.2016

अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद की अंगीभूत इकाई मिथिला राज्य संघर्ष समिति के अध्यक्ष के नाते [illegible] डा० अशोक कुमार, मधेपुरा कॉलेज एवं डा० [illegible] कुमार, प्रोफेसर बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा को उपाध्यक्ष के रूप में अधिकृत किया जाता है कि वे बिहार से अलग मिथिला राज्य का निर्माण करने के लिए योजना का संघर्ष को मूर्त रूप देंगे।

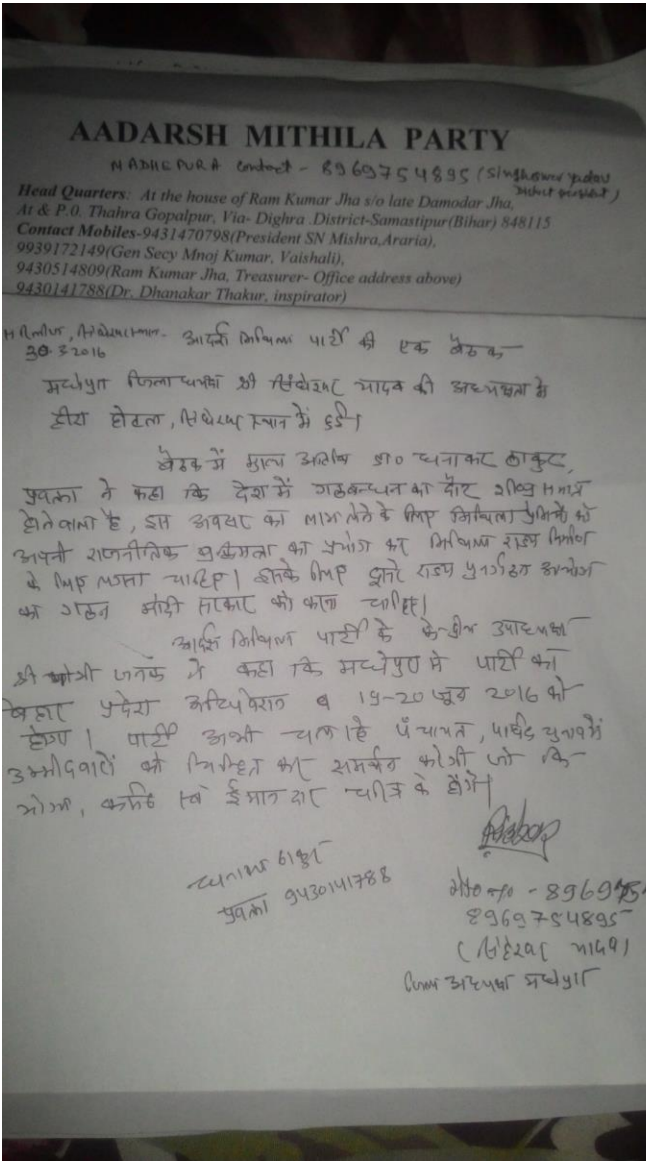
दरभंगा के श्री विनय चौधरी भी उपाध्यक्ष रहेंगे जो पुराने मिथिला राज्य कार्यकर्ता हैं और मधुबनी के अधिवक्ता श्री प्रमोद कुमार [illegible] श्री केन्द्रीय समिति के रहेंगे। तथा महासचिव प्रो. अमरनाथ ठाकुर, आजमनगर [illegible]

ज्ञातव्य हो कि अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद द्वारा 1994 में गठित मिथिला राज्य संघर्ष समिति के अध्यक्ष डा० जयकान्त मिश्र, इलाहाबाद, [illegible] मिश्र, [illegible], डा. सत्यनारायण महतो, [illegible] दलसिंहसराय, श्री नवीन प्रसाद महतो, [illegible] रहे हैं और मिथिला राज्य के लिए इनका एक लम्बा संघर्ष का इतिहास रहा है।

परिषद की इस विशेष बैठक की अध्यक्षता योगी जनक ने की और डा. धनाकर ठाकुर, प्रवक्ता [illegible] पर्यवेक्षक थे।

हरि ओम तत्सत्

— धनाकर ठाकुर
9430141788



AADARSH MITHILA PARTY

MADHEPURA Contact - 8969754895 (Singheswar Yadav District President)

Head Quarters: At the house of Ram Kumar Jha s/o late Damodar Jha, At & P.O. Thahra Gopalpur, Via- Dighra .District-Samastipur(Bihar) 848115
Contact Mobiles-9431470798(President SN Mishra,Araria),
9939172149(Gen Secy Mnoj Kumar, Vaishali),
9430514809(Ram Kumar Jha, Treasurer- Office address above)
9430141788(Dr. Dhanakar Thakur, inspirator)

मधेपुरा, सिंहेश्वरस्थान- 30.3.2016

आदर्श मिथिला पार्टी की एक बैठक मधेपुरा जिलाध्यक्ष श्री सिंहेश्वर यादव की अध्यक्षता में हीरा होटल, सिंहेश्वर स्थान में हुई।

बैठक में मुख्य अतिथि डा० धनाकर ठाकुर, प्रवक्ता ने कहा कि देश में गठबन्धन का दौर शीघ्र समाप्त होने वाला है, इस अवसर का लाभ लेने के लिए मिथिला प्रेमियों को अपनी राजनीतिक [illegible] का प्रयोग कर मिथिला राज्य निर्माण के लिए लगना चाहिए। इसके लिए दूसरे राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन मोदी सरकार को करना चाहिए।

आदर्श मिथिला पार्टी के केन्द्रीय उपाध्यक्ष श्री जनक ने कहा कि मधेपुरा में पार्टी का बिहार प्रदेश अधिवेशन 19-20 जून 2016 को होगा। पार्टी अभी चल रहे पँचायत, पार्षद चुनाव में उम्मीदवारों को चिन्हित कर समर्थन करेगी जो कि योग्य, कर्मठ एवं ईमानदार चरित्र के होंगे।

[signature]

धनाकर ठाकुर
प्रवक्ता 9430141788

मो० नं० - 8969754895
8969754895
(सिंहेश्वर यादव)
जिला अध्यक्ष मधेपुरा





हमर 214 म मिथिला जागरण यात्रा Shambhuad
(28 अप्रैल स 1 मई 2016)
28.4.2016-1.5.2016 Shambhuad
69 MWTC
Ankurit Bhagwati sthan me

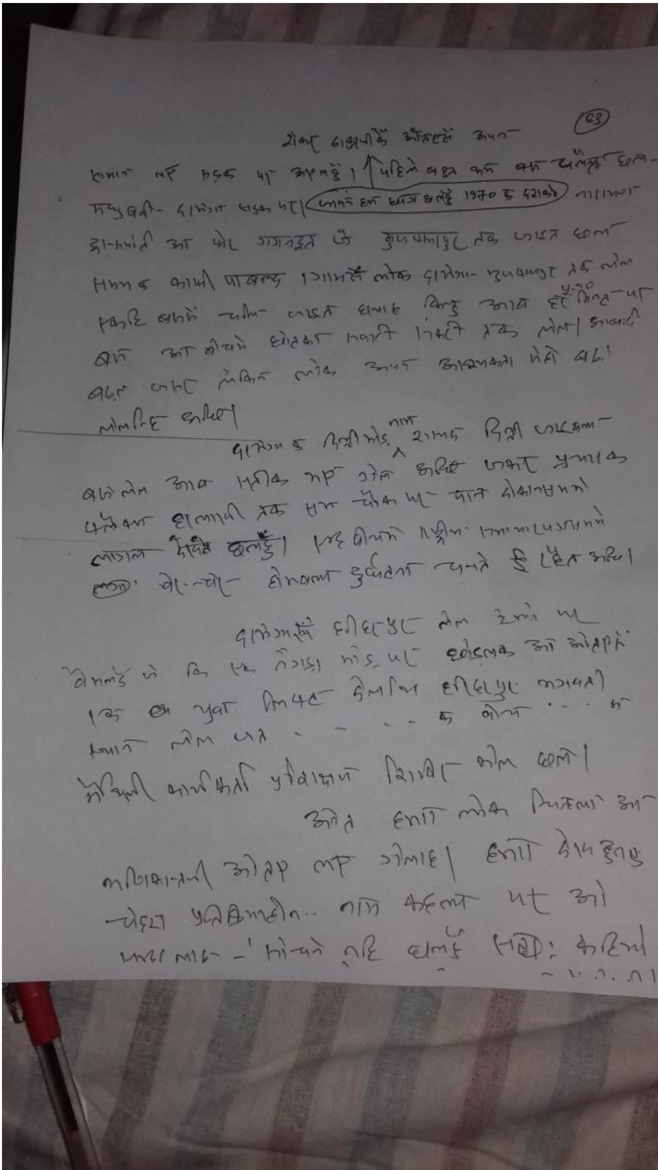
हमर 28 अप्रैल स 1 मई 2026 तक 214 म मिथिला जागरण यात्रा ई 69 शिविर एक मैथिल कार्यकर्ता हमर पितियौत भाइ

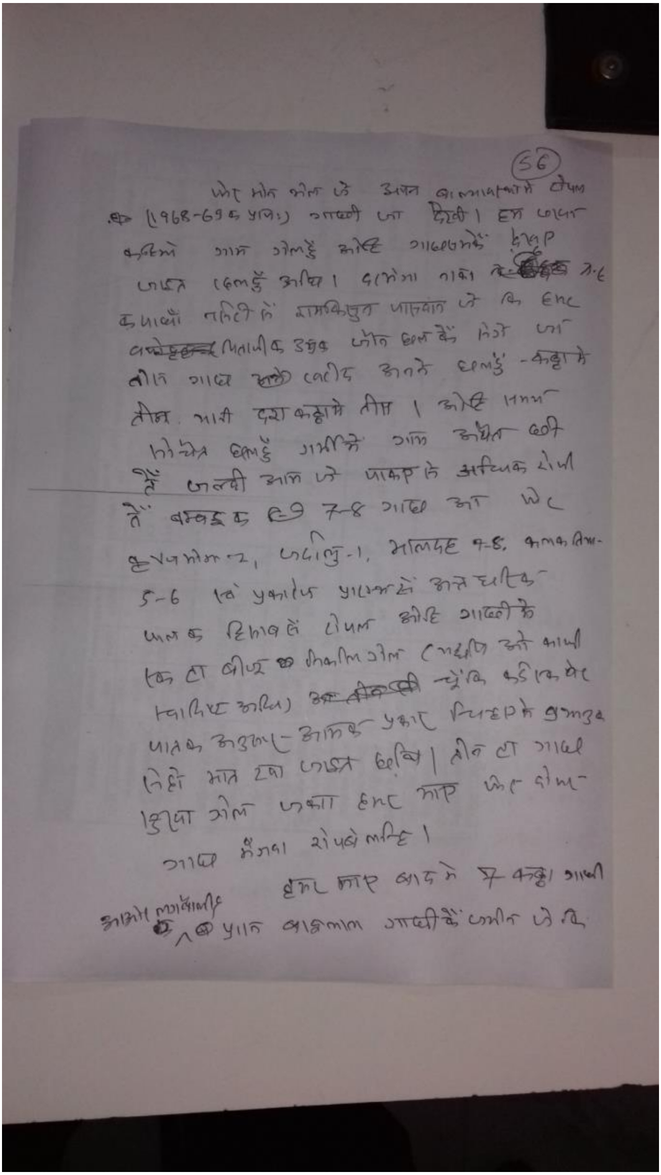
डॉ उमेश ठाकुरक बेटीक विवाहक समय भेल छल |

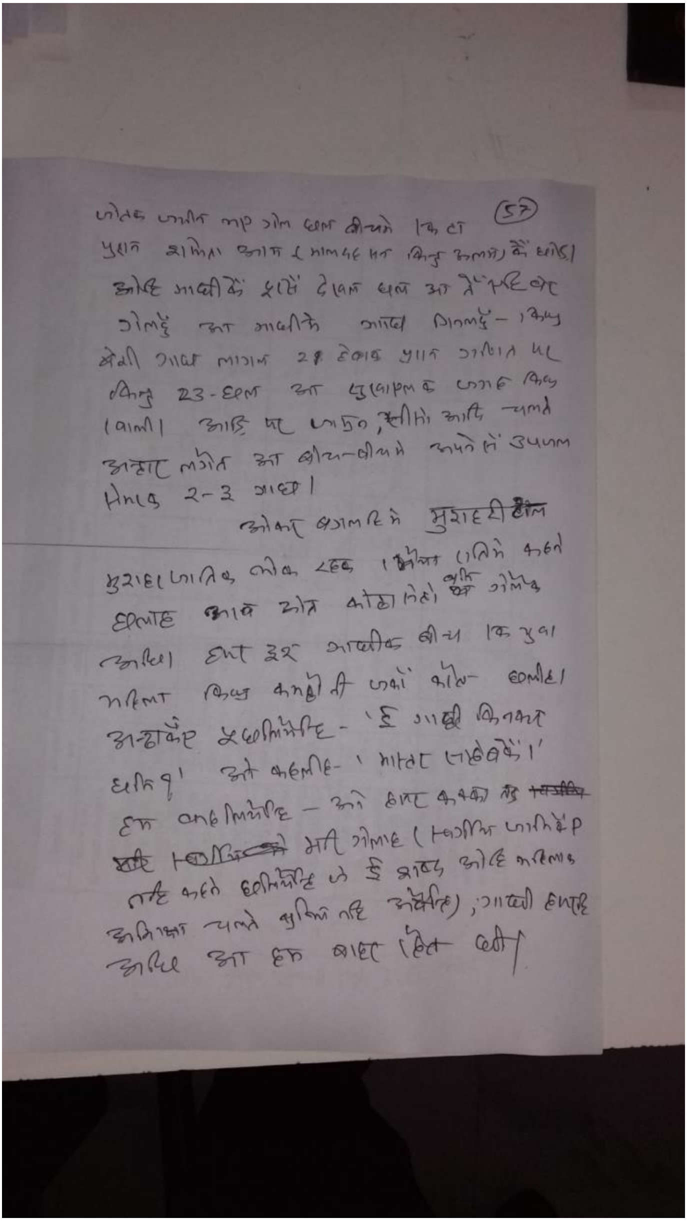
आ ताहि लेल हम अपन गाम स आबि-जा रहल छलहुँ एक मैथिल कार्यकर्ता बम्बक हमरा बरियातीमे सेहो भेटल छलाह | शिविर में युवा छात्र सबके उपस्थिति छल आ हम अपन पास के ग्रामीण सब स किछु संपर्क क स क लहुं.

संयुआइ- हिन्दी उतरि पहिले अंकुरित महिला (51)
दर्शन भेल गेलहुँ। जाहि बच्चा छलहुँ ई एक छोट
१९५६ाक मकानमे निचाँ छल - आठ तेँ डेढ़ बारहो
मन्दिर बनाइ प्रारम्भ भेल। प्रभामे मेलाक आत्मा
छल। जाहि गाड़ी पर अपनहुँ तहिमे एक महिला आवा
छल। ई छोटका लड़का- लड़कीसभ केँ बोला छला चाहल।
छल कहिकै जे पाइ बढ़ि आदि अंकुरित गाछी
तक लोक चलि आ टेम्पो गाड़ीवला हलाकहुनकैं
ओतहि उताले छल। ग्रामीण मेलाक दृश्य छल।
अप्रिल 28- मई।, 2016 क बीच ओतहु 69म मैथिली
कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर केने छलहुँ जाहिमे 11 कें
प्रमाणपत्र देल गेल छलनि। पुजारीजीकें नाम
शिवलिंगजी तँ दिखाइ आ फलाहारी जाहि
एक ~~हत्या~~ हत्या केर (प्रमादमे भइल) देलाह। समाज
आबि मारि भए गेल छल। लड़काक एक युवाकें
अहिलेक तँ आ शंकर ठाकुरजीकें देख एक
छोड़ देलक। युवा हम जेना मोनमा क लड़का
निकलल।

शंकर ठाकुर हम पवित्रक पत्नी
अपेक्षित - सिहोंतिं हमर गाम मन्दिर जाइमे
अनिवार्य छल। जाइते- आबैत किछु भेटत
हमरा ओतए लगैत छी। आ हमरा
ज्योतिकुलिमे देखाइ त अन्न-मन्न हम
अपन बाबूजी जकाँ लगैत छी किन्तु

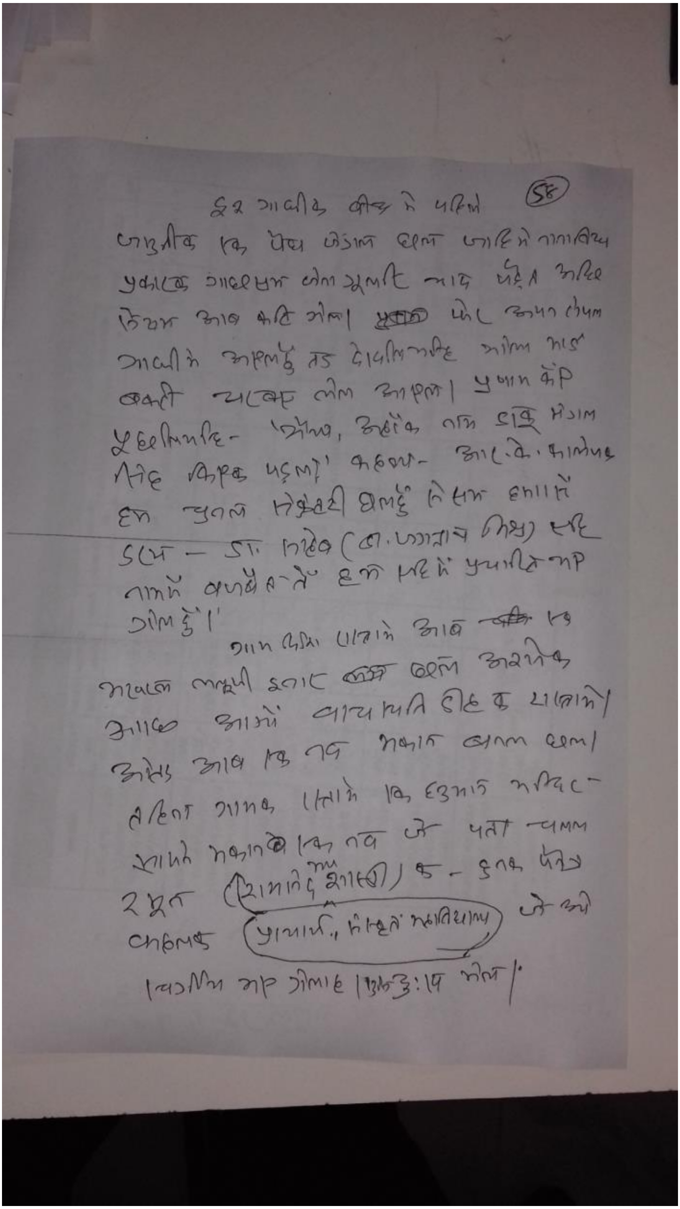


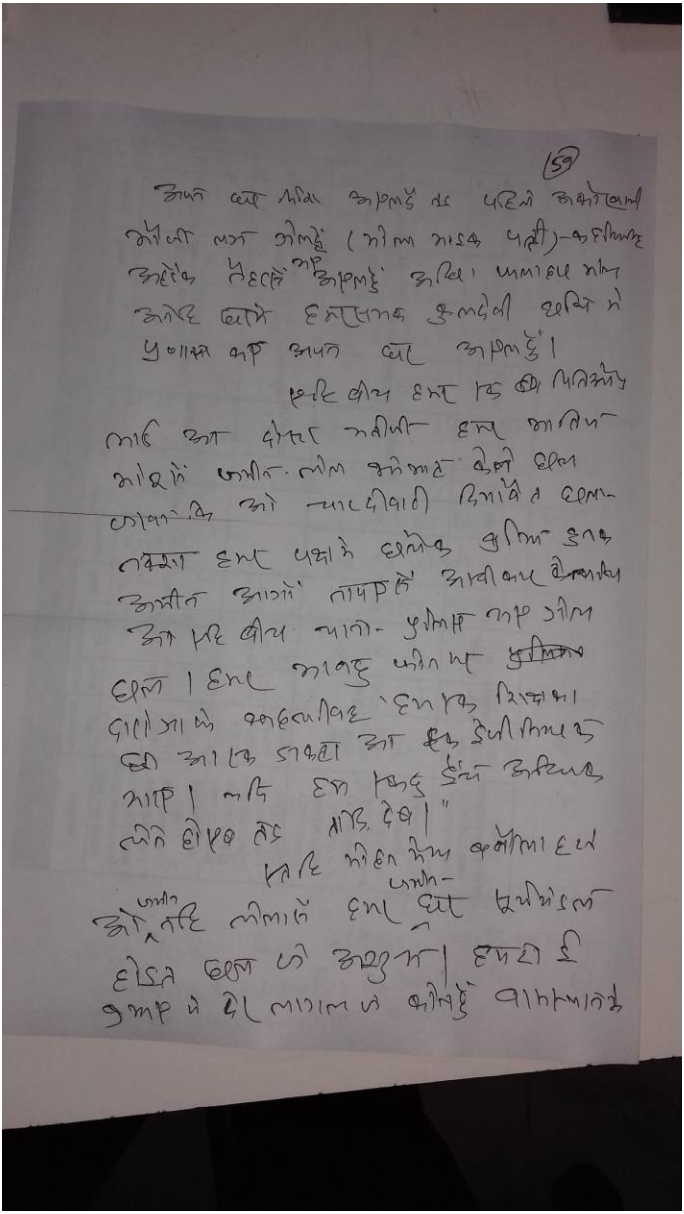

(56)

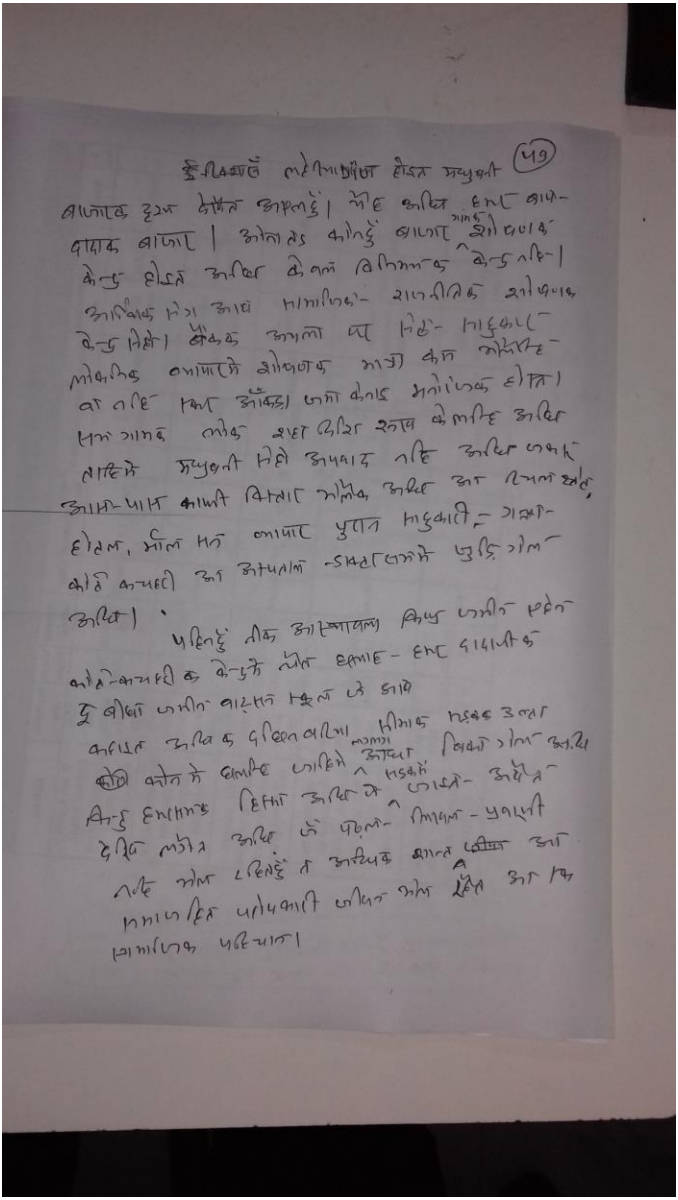


(57)

[illegible]

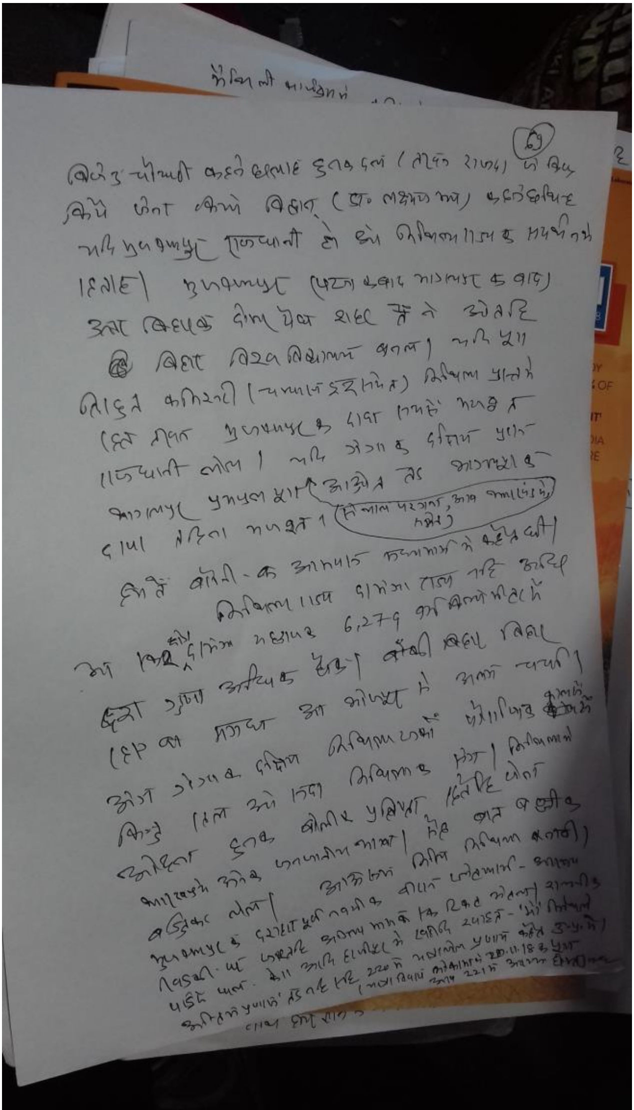






(५४)

मधुबनी शहरमे आब ई-रिक्शा
बहुते चलए लागल अछि। हमर स्वर्गीय अनुज
सुमन ज्यापन आइ. आइ. टी., दिल्लीके 1980 क दशकमे
पढ़ैत छला ओकर सहपाठी श्याम जइ पाठक (जे कि
भारतीय भाषासभमे आइ. आइ. टी. आदिके प्रश्न-पत्र लेबाक
निर्णयक बाद कौलक आ [illegible] के दीने
कार्यवाहीक अनुमति लेल निर्णय केलक) के कहने छलथिन्ह
जे साइकिल रिक्शामे मोटर फिट कए नव रिक्शा बनाउ ताकि
लोककेँ ओकरा खींचए नहि पड़ए किन्तु ओ ओहि समय
ध्यान नहि देलक आ बादमे देखलहुँ पैडल रिक्शावाला
महानगरसँ शुरू भए गाम-गाम तक आबि गेल।
प्रश्न केलक ई अछि जे मशीनकेँ ताँगा
चलैबाक छलथि हुनका साइकिल-रिक्शा नहि
गेलथिन्ह आओर थोड़ा तक बेरोजगार भए गेल आ
साइकल रिक्शावलाकेँ ई-रिक्शा सेहो नहि, टेम्पोवलाकेँ
[illegible] चलबए लेल नहि भेटल आ क्रमशः निचला
पायदानक लोक गरीब होइत गेलाह बेरोजगारीकेँ ओसारि।
पैडल वैज्ञानिक विकास श्रम केन्द्रित नहि पूँजी केन्द्रित
अछि आओर ई मानवीय गरीबीकेँ बढ़बैत अछि।
ओना श्रोता तइ गरीब लोक अपनाँ कए [illegible] गरीबकेँ
कए संकेत अछि। जेना ई-रिक्शाक पूर्व मनमानी [illegible]
रिक्शावलाक छलैक। (टेम्पो सेहो)



215-216 Mithila Jagran Yatra 16-

17.7.2016,18.8-20.8.2016- Masmela-Simaria

215 16.7.16-17.7.2016 3
Saharsa_Bus_FBJ
16.7.16 Ramai
Sudhirjeek patnee k dwadasha
17.7.16 Train_Purnea

17.7.16 Bus_begusarai

17.7.16 Simariaghat
AMP_Ec meeting, Seminar on Kumbh and Nirmal Ganga
216 18.8.2016 3 Jpurney_Bagh Express
19.8.2016 Ujirapur_Akha
JMD College, MRJanta college, JMD+2 school
20.8.2016 Simariaghat
with Sschoudhary
from

hathidah with Naginaji, kalpkavi to Bokaro

Masmela-Simaria
Ganga is mother of all but only mothers do feel to pay reverence to her is a
It was my second day in Mas Mela and had Gangasanan and Sandhya tarpan I the holy Ganga.One month back also on October 10th I was there and had gone to see the huts where devotees spend one month on the holy bank of Mother Ganga.

If there is a meeting of select some and for some or other reasons, even some persons are absentee, the result is drastic and an atmosphere of diaappointment percolate.
Though it was so yet we could resolve something and had ashirvad from Swami Saddchtamanji who said while dealing with the history of Mithila that in Vaidik

days Seetamarhi was the place where Brahma was born on Lotus on the navel of Vishnu.

Mithila was the area of Shakti.

He said Mithila had five boundries-

1. when earth was a ball of agni then whole was Mithila.

Kardan Rishi's son Devahuti's son Kapil, enunciated sankhyashastra

Agastya, Vashishtha and Vishwamitra were in Mithila.

Vashishtha was ayonij like Agastya (at Mitavarun's ght by fall siing Urvashi)

Yana by Vashishtha but he went to Indra and later came and cursed NImi for he had in the meantime Yajna by Gautam.

Both gave curse to each other,

Nimesh only to men, birds and animals

Shari was stitrred Mithi was born on whom Mithila was named which was from Gomukh to Gangasagar

2.When world was divided in two hemispheres- southern hemisphere with Yama as dikpal and eastern's Indra had meaning to be guessed!

3. Sirdhwaj jank whose daughter was Sita had western part of Mithila and his brother Kushdhwaj had eastern part including Kaling, bang)(where later King Virat during Mahbharat period was-where Pandavas took shelter and there was a war with Kauravas also for cow protection, after which Pandavas worshipped Bhagwati at Purnia(who does 'all kamna Purn)..

Mithila followed Shukla Yajurveda.

Maithili developed before Vidyapati and was spoken in eastern and western both parts.

4. then it was divided in 14 janpadas

5. Grierson gave a linguistic boundary of Mithila.

Ang of Purnea and Varah khetras meet in Mithila and

Mithila has 12 names.
Mahatmaji said that Mithila is bound to come up and the Sarvamangala Peeth is all set for helping Mithila cause.
He was very happy to see me and Sharda babu of Muzaffarpur was highly impressed to him and asked his time. Punj Prakashji asked permission to have a write up on him.
In the meantime Rammohan Jha had left.
It was my second day in Mas Mela and had Gangasanan and Sandhya tarpan I the holy Ganga.

हमर 223म मिथिला जागरण यात्रा (24-26.4.2017)-

Majhaura

24.4.2017 Journey 15027_Maurya

25.4.2017 Samstipur platform

25.4.2017 Darbhanga platform with premji Distributed Maithili Sandesh, pamplet for AAMP

25.4.2017 Sakriplatform with Premji Distributed Maithili Sande, pamplet for AAMP

26.4.2017 Majhaura Ma Janki mahayagya Distributed Maithili Sandesh, pamplet for AAMP

26.4.2017 Darbhanga Distributed Maithili Sandesh, pamplet for AAMP

दू दिन लेल दू दिन गर्मी मे यात्रा बेनीपुर क जानकी महायज्ञ समस्तीपुर दरभंगा सकरी स्टेशनमे दू दिन 4000, मैथिली संदेश 3000 आदर्श मिथिला पार्टी क पर्चा लोकक हाथमे पटोरी क एक नव कार्यकर्ता अनेक पुरान भेटलाह। दरभंगा सकरी स्टेशन बगल में दू बहिन फेर नहि जा सकलहुँ

हमर 239 म मिथिला जागरण यात्रा (9-18.10..2018)- Manikantji s 25 varshk samprk par pahil bhent

9.10.2018 Journey_Awadh Assam
10.10.2018 Muzaffarpur_bus
10.10.2018 Madhubani
10.10.2018 Koilakh
10.10.2018
10.10.2018 Bhadrakali Natya Parishad 83rd anniversary
11.10.2018 Koilkh
11.10.2018 Arer
12.10.2018 Akaur- Manpaur- Kesuli-Akaur
13.10.2018 Arer-Nagdah-Balain-Bishnupur-Arer
14.10.2018 Umgaon-Bisaul
15.10.2018 Kalna-Potgah-Harlakhi-Bisaul
15.10.2018 Harlakhi- Dhakjari-atrauli-Navkarhi-

Bhudhgan-Karhi-Nagwas-Atrauli

16.10.2018 Madhubani Malangiyajis bhent

16.10.2018 Bhitthi

16.10.2018 Samaul

17.10.2018 Hariharpur Manikantji s 25 varshk samprk par pahil bhent

18.10.2018 Pindaruchh

18.10.2018 Muzaffarpur Suresh Raik ghar

18.10.2018 Journey-Awadh Assam

240 म मिथिला जागरण यात्रा (19-25.11.2018)-Jaimangalagarh-KATHMANDU

19.11.2018 Journey_12392

20.11.2018 Journey_BKP-Hathida

20.11.20118 Simariaghat gangasnan

20.11.20118 Simariaghat Seminar_Kumbh etc, AAMP,AMP

meetings

21.11.20118 Simariaghat

Jaikant Mishra Jayanti_buddhinath Mishrak adhykshata me

21.11.2018 Begusari_ Inspector saahbe k gam

21.11.2018 Jaimangalagarh

21.11.2018 Trin_BGD_KiR Bablujee snag

22,11,2018 Train_KIR_FBJ

22.11.2018 Forbesganj

22.11.2018 Forbesganj Home after a lonhgtime, met Raju Jain in the way

22.11.2018 Bus_Jogbani

22.11.2018 Bus_nepal

22.11.2018 Biratnagar

22.11.2018 BUS_

23-24.11.2018 Kathmandu Role of translation in the development of world literature

23-24.11.2018 Kathmandu

Rajeshwar Nepaliji,Dr Ramchandra Rai, Poonam, Anshu Jha,

24.11.2018 Kathmandu

24.11.2018 Kathmandu Amresh n jha, Gopal J

24.11.2018 Bukathmandu s

25.11.2018 Birganj Sammelan k sambhavana

243 म मिथिला जागरण यात्रा(22-26.1.2019)-Deoghar Pustak Mela-
-'Sanskritik Rashtravad"

22.1.2019 Journey_Intercity Darbhanga_Tempo

22.1.2019 Singhwada MWTC_77

23.1.2019 Singhwada talk on health, career & Mithila

24.1.2019 Singhwada talk on health, career & Mithila

24.1.2019 Singhwada MWTC_77

concluded _6 prashikshit

24.1.2019 Darbhanga_Tempo

25.1.2019 Journey_13044

25.1.2019 Deoghar

25.1.2019 Deoghar

25.1.2019 Deoghar Lecture on'Sanskritik Rashtravad"

25.1.2019 Deoghar

26.1.2019 Deoghar

26.1.2019 Deoghar

हमर 246 म मिथिला जागरण यात्रा(12-17.7.2019)-Simariaghat

Seminar on Vedas

12.7.2019 Journey_18622

13-15.7.2019 Simariaghat Ved seminar

15.7.2019 Jounney_Kol_Sitamadhi-Kamal

16.7.2019 Madhubani without

ticket sleeping advanced from Darbhanga

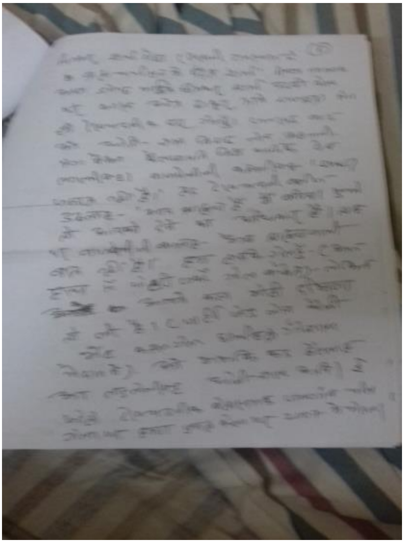
16.7.2019 Kanhauli

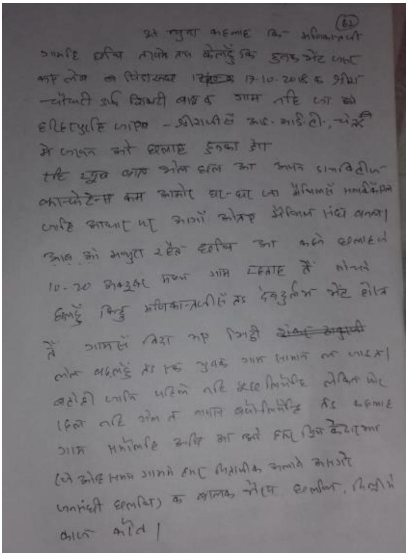
16.7.2019 Darbhanga

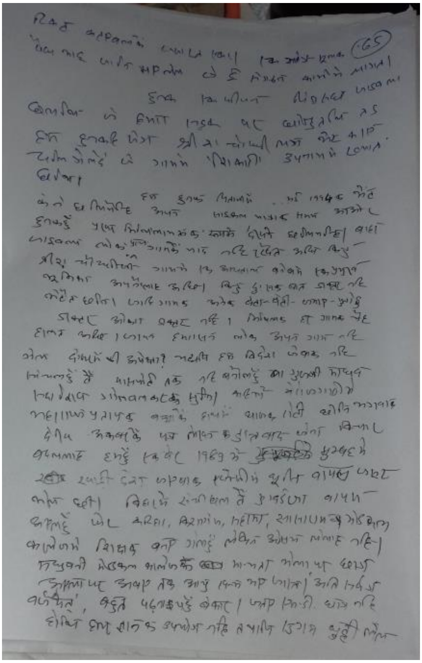
17.7.2019 Muzaffarpur Dec me rajneta sammelan, Suresh Rai AAMP ayalah

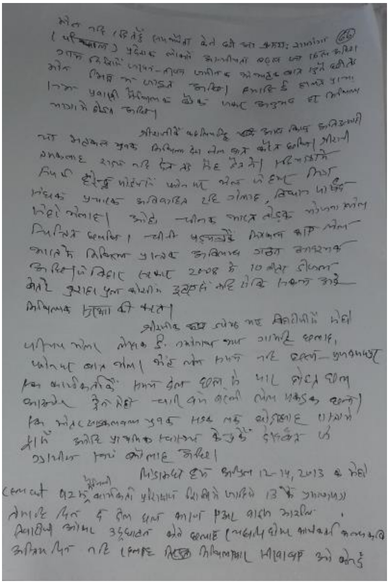
16.7.2019 रहिमन वह विपदा भली

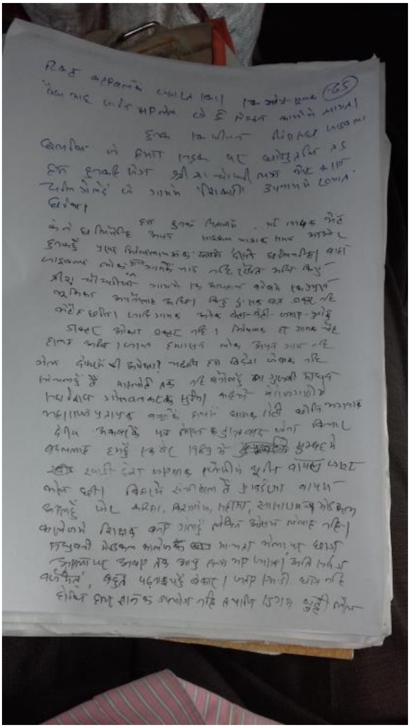
जखन काल्हि एक तनावग्रस्त कार्यकर्त्ता अनटोटल बजलन्हि हमहुं खिसियाक सिमरियाधामसं निकलि बरौनी एलहुं।हमर तय ट्रेन ८३०क समय पर निकलिए गेल छल जिनका लेल वाहनक व्यवस्था आश्रमक दिशिसं ओ ८३५मे पहुंचलाह ८३० क बदला जे देर भेला चलते पौलाह। हम त कहियो किनकहुंसं अपेक्षा राखल नहि। घरक मूरगी दालि बरोबरि। पूर्णिमा गंगा स्नान नहि भेल त मधुबनीमे मैथिलीमे प्रसारण सुनल जाहि लेल कहियो रेलवे के लिखने छलहुं आओर ट्रेन नहिं लौटैत काल उगना महादेव दर्शन। कमला फास्ट पैसेंजरमे नींद लगने सकरी आगां खूजल। दरभंगहि तक टिकट छल। मधुबनीमे प्लेटफार्म पर टहलैत एक अतिवृद्ध 'ने कहियो फिजूलखर्ची ने ऋण कर्ज
लेल। जे पेंशन ताहिमे खुश।

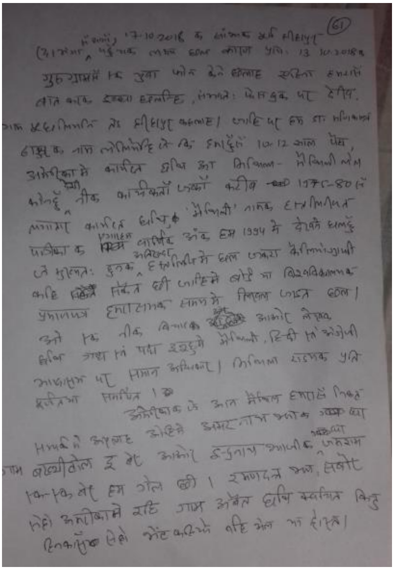


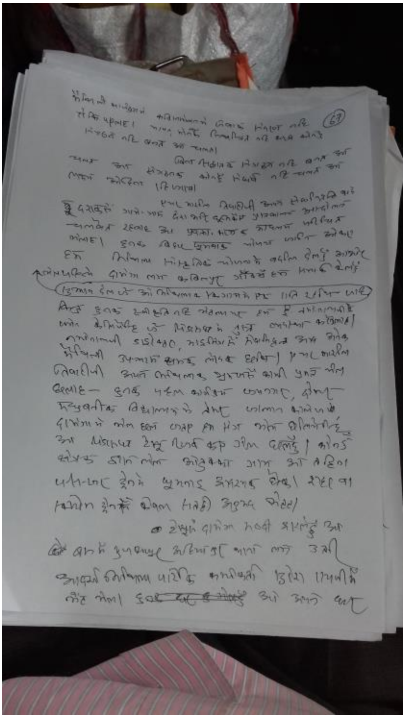


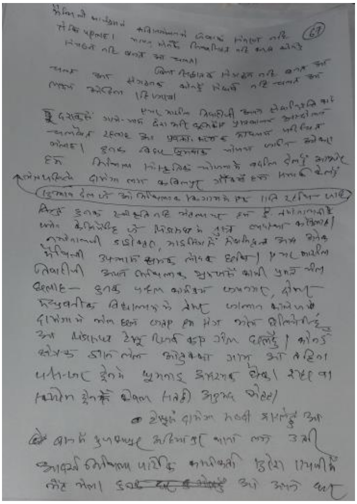


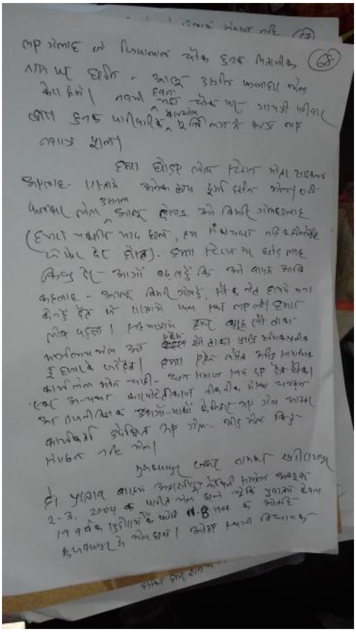


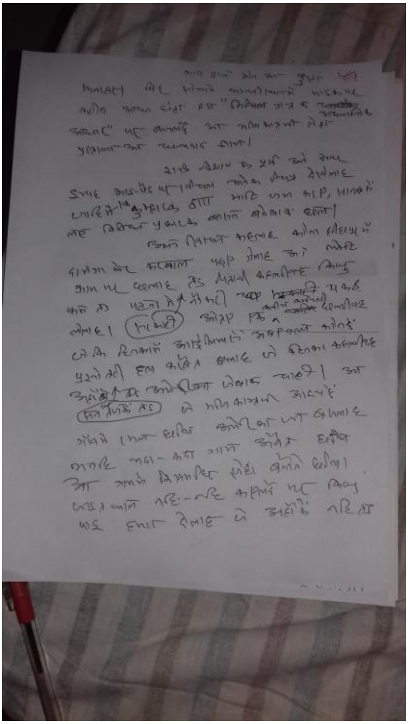


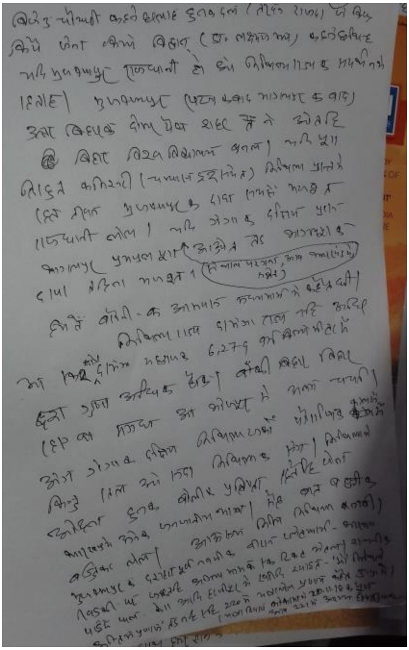


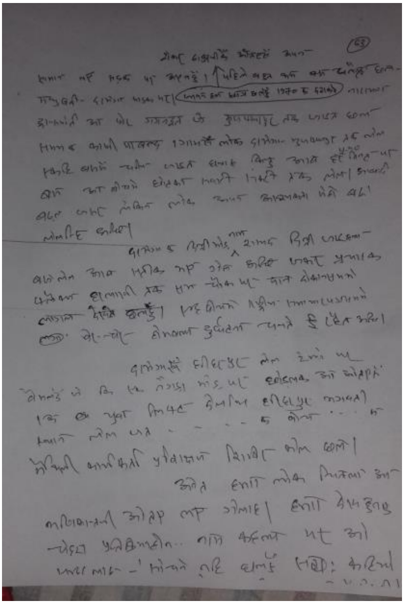


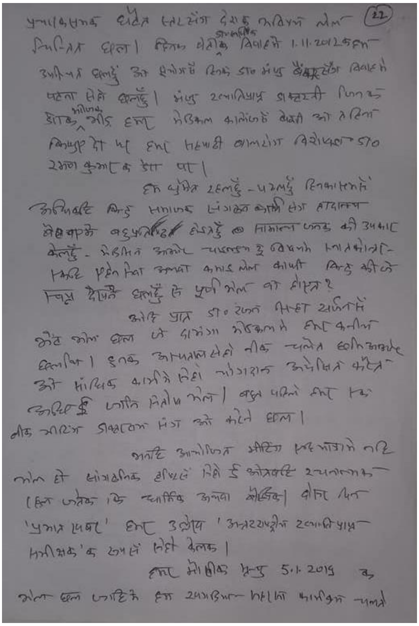


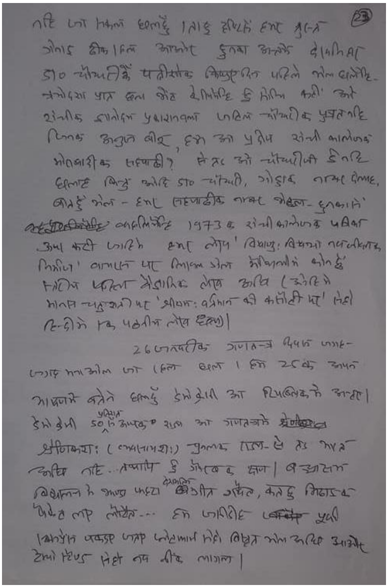


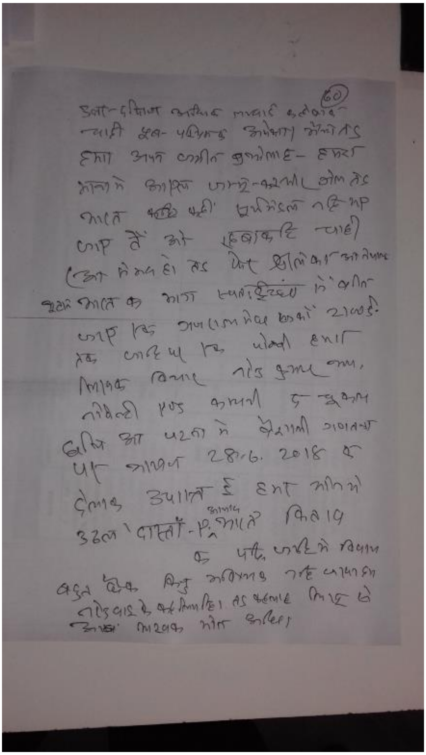


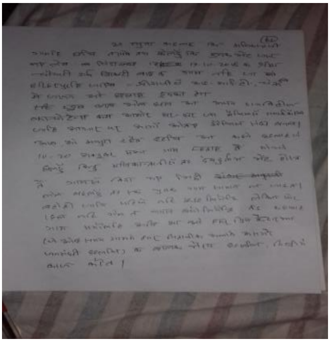
















रातिमे दरभंगामे राजीव सकरी में भागिन गुड्डु आबय तैयार नहि जे आब भोरमे एलाह। जेठ बहिनसं भेंट भेल। फेर ९ बजे दरभंगामे छोट बहिनसं भेंट। राजीव नहि आबि सकलाह। कौशल अयलाह। दिनभरि बिना बिजली गर्मीमे कुहरैत।

251 म मिथिला जागरण यात्रा(20-30.12.2019)- Bisfi Vidyapati Smarak-XXXII AMS

20.12.2019 Katihar_Pass

20.12.2019 Forbesganj Mother's XIV Varshee, night stay Sudheerjee's house

21.12.2019 Forbesganj Mangalchandji, Nikmalji

22.12.2019 Dholbajja meeting

23.12.2019 Forbesganj mer Rajkumar Jain also

23.12.2019 Bus_Sakari

23.12.2019 Kanhauli

24.12.2019 Train_Gangasagar

24.12.2019 Darbhanga Rajeev Karn came to meet

25.12.2019 Tempo_Bisfi

25.12.2019 Bisfi XXXII AMS_ Udghatan Bachaulji dwara

26.12.2019 Bhairba

26.12.2019 Bisfi XXXII AMS_

26.12.2019 Temp_MDB

26.12.2019 Chakdah Pramodji

mataka ekadasha _ Premji, Kishnmurari sang

27.12.2019 Rajnagar Madhubani Literature Festival

27.12.2019 Chakdah Pramodji mataka dwadasha _ Premji, Kishnmurari sang

28.12.2019 Train_pass

28.12.2019 Samastipur I Karyakarta Prashikhan Shivir

28.12.2019 Train

28.12.2019 Rosera Night stay, Dr. Gopal came to receive

29.12.2019 Rosera addressed students and seniors_PREMJI, kmj

29.12.2019 Bus-_DSS Night stay, Dr. Gopal came to receive

30.12.2019 Dalsingsarai Puraskar vitaran_MSM

8.

26.12.2019- रातिमे नींद दूइयो घंटा नहि भेल छल किन्तु

सबक संग निकटस्थ भैरवाक उगना महादेव महादेव मंदिर दर्शन लाभ भेल। कहल जाइत अछि जे गंगा माई तीन चारि दिन लेल सालमे कहियो अभि जाइत छथिन्ह आओर लोक गंगाजल घर ले जाइत छथि। से ठीक किन्तु तखन पंडौल लगक उगना महादेव?

बिस्फीमे सम्मेलन क दोसर दिन। संगठन चर्चा की बाद बिस्फी दर्पणक लोकार्पण कयल फेर कवि सम्मेलन मे कविता पाठ।

भोरसं भुखलहि रहलहुं से नीकहि भेल भगवती स्थान जतय महाकवि विद्यापति जय जय भैरवी गबैत हेताह के दर्शन।

टेम्पूसं मधुबनी भाया रैयाम जातक चीनी मिलक बम्मा हम अपने गांव समौलसं शरदक भोरमे देखैत छलहुं आब नहि देखाइत अति वायुमंडल प्रदूषण चलते आओर सकरी,लोहट थकान मिलहिं बन्दर तो बम्माक धुआं कहां।

मधुबनी थाना चौकसं प्रेमजी आओर डा कृष्णमुरारीक संग चक्कर लगा चकदहक ब्राह्मण टोल प्रमोद कुमार झा अधिवक्ता के माताजी के द्वादशा मे भोज खेलहुं आ रात्रि विश्राम। कहियो प्रमोदजी हमर वकील छलथि किन्तु अब मिथिला राज्य संघर्ष समिति क महासचिव।

9.

27.12.2019-तीनू गोटे तैयार भय सुलभतासं टेम्पूसं मधुबनी बस स्टैण्ड लग टेम्पू बदलैत राजनगर के भग्न उपेक्षित राजमहल

में मधुबनी लिटरेचर फेस्टिवल में पहूंचलहूं। मिथिला वा मैथिली आन्दोलन के विमर्श मुख्य स्टेज पर नहि छल किन्तु मचानहि पर छल से को न कम। मचान पर संग छलाह मलयनाथ मंडन, सोफ्टवेयर में आइ आइ टी, खड़गपुर सं 2003मे पीएचडी करैत प्रभंजन हमर संपर्कमे आयल बाद मे बंगलुरू में सेबों आब दुबइमे आओर मिथिलेश आइ आइ टी गुवाहाटी मे शिक्षक। श्रोतामे वरिष्ठ कवि उदयचंद्र झा बिनोद सेहो जिनक मैथिली कविता के परिदृश्य पर तुरंत बाद मुख्य स्टेज पर प्रो ईशनाथ झा की संग वार्ता युवा पंकजा संचालन मे सुनलहुं।

आयोजिका सविता झा खं भोजन लेल कहलन्हि से हम-सब कर प्रभंजनक कार सं मधुबनी नवारंभ प्रकाशनमे जे अजित मिश्र आजाद कर परिश्रमसं पुरान आओर प्रतिष्ठित भय चुकंदर अछि। तीनू चकदहक लेल पैरे। शिव मंदिर, मिथिला वाटिका, फेर वामा कांत गोशाला रोड पर स्थित शिव मंदिर दर्शन लाभ करैत।

चकदहमे दरवाजा भोजक अंतमें खाजा,मूंगवा लड्डू,बालुशाही 4 लालमोहन के बाद 14रसगुल्ला आ दही। रात्रि विश्राम।

10.

28.12.2019-क समस्तीपुरमे काफी पहिलेसं तय आदर्श मिथिला पार्टीक एकदिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर लेल जयबाक हेतु अतिप्रात: घोरशीतकालमे पकड़नाइ कठिनाह छल। शहीद एक्सप्रेस कोहरा चलते रद्द। पहिले जाड आओर गरमीक समय सारिणी अलग होइत छल कचहरीक समय देखि। 8 29

के पैसेंजर मीनू पकड़ि पयलहुं। सर्वाधिक पूजा भेल नहि छल,केरा रामदाना खाइत गंडकी पार स्टेशन पूर्व सिग्नल पर गाड़ी रूकलहुं त उतरि कचहरी गेलहूं जतय आनन-फाननमे संयोजक प्रेमजीत झाक सहयोगी विशेषत: युवा जमा भेलाह आओर संक्षेपमे किन्तु अपेक्षित बिन्दुसभ पर चर्चा भेल। सदस्यता ग्रहण आओर प्रतिज्ञा लेलाह।

स्टेशन पर प्रतीक्षालयमे स्नान-पूजा करैत पांच बाजल।

ट्रेन सं रोसरा पहुंचलहूं। डा गोपाल प्रसाद देरसं पहुंचलाह आओर होटल क प्रस्ताव अस्वीकार कर प्रभात तारा ईंग्लिस स्कूल जा रात्रि विश्राम केलहुं।

All reactions:

Share

हमर 254 म मिथिला जागरण यात्रा(25-29.2.2020)-Darbhanga,AMP.CEC

25.2.2020 Darbhanga met Kiti, Ajay jha, tarun palit etc.

25.2.2020 Train_Sakri
26.2.2020 train_DBG
26.2.2020 Darbhnga Executive committee, Mithileshji dera
26.2.2020 Darbhanga
27.2.2020 Train_DSS
27.2.2020 Ajanaul Prashikshan Varg
28.2.2020 Train_pass
28.2.2020 Samastipur Ratneshwar, Bhartiji, Sudhirjee
29.2.2020 Train_Gondia Train_Gondia

मिथिला जागरण यात्रा भनहि 23फरबरी 2020क हमर दरभंगामे रहब नहि हो हम भाजपा विरोध मे मुसलमानी विरोध मौलागंजमे भारतबंदक समर्थन में देखलहुं।हमर मुस्लिम रिक्शावाला कहुना कोन कोन मुस्लिम मुहल्ला देखबैत नाका 6पहुंचा दूलक कारण ओकरा 20किलो प्रोडक्शन सब दिन गूदडी बजाय पहूंचेबाक रहैत छलैक, हमरासं तो बीस टांका ऊपरी जे भेलैक से भेलैक। प्रोफेसर कालोनी स्थित मिर्जापुर तक एक साठि मांगने छल डीएमसीएच के। पैदल बढ़ने माता म्लेच्छमर्दिनीक दर्शन सेहो भेल छल। नाका 6स पैदल कालेज तक। वैह रिक्शाबला बच्चावार्ड लग भेंटल लाइट हाउस दिस

बन्दर देखि।

हमर 255म मिथिला जागरण यात्रा(3-10.3.2020)-होलीपूर्व संपर्क -पूर्वी चंपारण सुगौली सन्धिक्षेत्रे

3.3.2020 Train_Katihar
4.3.2020 Pass_FBG
4.3.2020 Forbesganj met Yamunaji, Teju
4.3.2020 Bus_Rajie
4.3.2020 Hanumannagar darshan
4.3.2020 Raje Banlujik pitajik dwadasha
5.3.2020 Jhnjharpur Kathakumbh-11; Maliksabhk driver kath padhal
6.3,2020 Madhubani Proof
6.3.2020 Train_Jaynagar
6.3.2020 Jaynagar IB interrogation
7.3.2020 Jaynagar IB interrogation for Mithila Rajya
7.3.2020 Bishaul Pjankpur parikrama darshan
7.3.2020 Bishaul Ghutanu babu sang

charcha

7.3.2020 Jaynagar charcha

8.3.2020 Jaynagar Narayan Yadav ji sang charcha

8.3.2020 Train_Kolkata_DBG

8.3.2020 Train_Jannatayk

9.3.2010 Sagauli

9.3.2020 Sugano Pahil Champaran sampark

10.3.2020 Train_Satyagrah_BE

5.3.2013

आजुक वृत्तमे पिछला अनेक वृत्त समेटब- सर्दीक- कफलयक गेल छलहु महाकुम्भ प्रयागराज २२-२३ फरबरीक जे लगैत अछि आईस तेसर एंटीबायोटिक बदलाला पर आब ठीक भय रहल अछि-परसू रातिमे साय्नुसाइटीस जका लागल छल – बीचमे एओसिनोफिल्या मानि(सुइक नोकक डरे बिना टेस्ट करेने दव्वाई खाइत ओना आई एक ड्यूटी लेडी डॉक्टर के आए सी यु में अपं ब्लड सुगर करबैत नब मिनिमल तकनीकस हमहू हिम्मत केलहु आ पोस्ट प्रन्दियल १४९ यानी सामान्य निकलला आ २ गोटी खेत रक्तचाप सेहो सामान्य , जखन अपन आइ एस सी क घटना कहल जे नसस सुई लेबाक डरस हम मेडिकल कॉलेजमे

खसि गेल छलहु, युवा नर्स बहुत हंसल- ओकर भाई आइ आइ टी, खडगपुर स ऍम टेक कय डी आर डी ओ में वैज्ञानिक – कहलियैक तुन नर्स कियैक? 'हमर बीमार पिताजी अस्पतालमे छलथि तखने निर्णय लेल जे घरमें कियो सेवा करयला बनक चाही.'

ओ डाकटरनी कियैक नही बनल से हम सोचैत छलहु लेकिन कहलियैक बी अस सी नर्सिंग कियैक नहि केलक? दोसर सुन्दरी पूर्व नर्स क हस्तलिपि एतेक नीक छलैक आ बात करक तरीका जकर हम बेर –बेर प्रशंशा करैत छी आ कायल आ लागैत अछि ओकर कथानक जे छोट मध्हीम रंगक बहिनिक विवाह जकरास भेलैक ओकर अविवाहित जेठ भाई के ई गौरवर्णा पसिन्न पड़ी गेलिक – लागित अछि शर्मिष्ठाक नामवाली हमरा नव कच देवयानीक रुपमे एखन तुरंत हमरा घनश्यामपुर कथा गोष्ठी लेल प्रारूप देलक – कोनो कथाकार वा कवी के एहिना पात्र भेटत छैक आ ओही पर ओ अपन रचना महल तैयार करैत अछि आ हमर सब कथामे कियो ने कियो जीवित पात्र रहित अछि यद्यपि हम एहेन २-३ पात्रक जीवनके एकमे मिला नब पात्र संश्लेषित करैत छि) –

एखन त यैह बुझु जे एहेन सुन्दर नाम बंगाली रखैत अछि, डॉ. गार्गी हमर हाउस फिजिशियन छल करीब १० वर्ष पूर्व- आई जाही लेडी दक्तर्क बात केलहु से शिप्रा छथि (जकर किनार

उज्जैनमे अगिला कुम्भ हेतैक - तमिल केहेन नीक नाम रखैत अछि मीनाक्षी, कामाक्षी आदि आताहिना केरल आ कर्णाटकमे- मैथिल छोड़ी देलक अपन सनसकार आ बात करत जे हमरे गाम मिथिलाक आत्मा-

ताहि बीचमे भेल अनेक नौकरी विषयक आर टी आई लेल भेल काज . संभवतः लोकके बुझल नहि छनी जे हमर ६ वर्ष पूर्व प्रोन्नति जरूर भय जेब्बक छल प्रबंधन क किछु लोक जानी बुझी के नहि केलक यद्यपि काल्हि एक विज्ञापन देखल मेडीकल कॉलेज लेल जकर अनुसार डेढ़ लाखक नौकरी हमरा कखनो कतहु भेटी सकैत अछि आ ओहिमे स्वतंत्रता सेहो रहत – एखन त एक तिहाई छूटटी दिन हमरा रहने अनिवार्य होइत अछि आ एही कारण आई रवि १७ क लेल पटना पुस्तक मेला जेबाक टिकट रद्द करबय पडल दोसर कनीय विशेषज्ञ बाहर स ओहि दिन नहि लौट पओताह. आब २३ क पटना पुस्तक मेला में जा २४ क किछु देर लेल दिल्ली युवा राजीव एकांतके धरना लेल जायब जाही लेल टिकट २७ प्रतीक्षा सूचीक भेटल.

ओना कवि एकांतके अपन भावना पर नियंत्रण रखैत अपन उद्देश्य मिथिला राज्य लेल अपन काज करक चाही. बिभाजित मैथिलक बारेमे अनावश्क टिप्पणीस बचक चाही- जे स्वयं कोनो संगठनमे नहि अछि, सांगठनिक व्यक्ति नही अछि ओ की आन्दोलन के एकाकार करवाक इच्छा करत. मैथिलके एक मंच पर अनानाई बेंग तौलनाइ अछि लेकिन इमानदार लोकक सुदृढ़

संगठन अनुशाशनक आधारपर बिना बनौने कल्याण सेहो नही अछि.
अंतरराष्ट्रिय मैथिलि परिषद्क व्याप एहीस लागायल जा सकैत अछि जे यदि मुज़फ्फरपुरक पूर्व अध्यक्ष गंगाराम अस्पात्मे बाईपास काल्हि –परसु करौताह त उम्हर अररियाक सुधीरनाथ मिश्र अध्यक्ष मिथिला पार्टी अपन आखीक ओपेरेसन वा बिराटनगरक लहान असपतालक शखामे.
बिराटनगरक बात उठल त ओतयस प्रवीणजी के पटना सभामे बजेबाक कियो युवक सलाह देलाह – महादेव हैरान छलाह एक भस्मासुर स एतय त ओकर कतार लंबा अछि- के कखन ककरा ऊपर कोन आरोप लगा देत एकर अनुभव पिछला धरनामे भेल छल ओहि युवा द्वारा जे काल्हि तक हमर बहुत करीबी छलथि.
आई बात भेल महनार आ मधेपुरा – हमरा लेल ओ जातिभेद कहाँ अबैत अछि एक यादव आ एक कुशवाहा ‘जे कही जेना कही’ मुदा मैथिलीपुत्र ई बात बुझथि तखन ने जे २० सालमे अखंड साधना स मिथिलामंत्र जे तथकथित मैथिलीभक्त नुका लेने छलथि से कहुना कय ऊपर निकाललहू. नब लोक नब संगठन बनबथि तकर कहाँ विरोध लेकिन ठीक वैह अंतर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेअलन १२ कालक बाद कियो चोरी के लिया वा कहियो मिथिला राज्य संघर्ष सनिती में नहि रहल ‘अखिल भारतीय’ जोड़ी काज कार्य लागथि टी ओही पर समाज के पंचैती

कय हुनका बदले कहाक चाहियेन्ही की उलटे हमरे सबके एकता क सन्देश देताह. एहेन मानसिकता क लोक बहुत दिन आन्दोलन बहुत दूर धरी नही ले जेताह – लियो गेलाह टी कोड़ा जाका अनेक बनी हनी करताह जिनका स समाज के सावधान रहक चाही .

हमरा लेल अपन व्याप विज्ञान क काफी अछि आ एम्हर २००० आयल मेडिकल मेल में बहुत पढ़ी गेलहु आ संगहि मैथिलि क ३७००० में १२००० डिलीट के देलहु जकर मध्य बंगलौरस २००७ स नहि पढ़ी सकल अनेक मेल में अपन हिन्दी कविता संग्रह ‘ हिन्दी तुम बोलते हो तुम मुसलमान हो’ (एक मुस्लिम बच्चाक हमर हिन्दी पर सच टिप्पणी) क बड़ाई देखल.

ईहो देखल जे उमेश मंडल विदेह में हमर लघुकथा ‘एक बोयोडाटा चाही’ और गमक जिनगी पर समीक्षा दू किताब में छपने छथि(अशोक अविचाल्क कथा पारस क हमर कथा’ एक वोट क लेल‘ क एक प्रसंग एक मगही इंजीनियर सुभाष (झंझारपुरक पूर्व सासद देवेन्द्र यादवक मित्र)के बहुत नीक लगलीन्ही जाहिमें हम मेकोन कार्यपालक संघक अध्यक्ष पदक चुनावक बदले मुनिकाडीह नामक एक कोलियरीमे यूनियन चुनाव लडयबला नेता फार्मासिस्ट जगन्नाथ छि)

उमेश मंडलक सूचना फेसबुक पर भेटल कमलेश ‘सगर राती कथा गोष्ठी आयोजित करैत छथि शनिक घनश्यामपुरमे-डाटाशीटमे ताकल बात भय गेल गोरखपुरमे कहियो हमर

बैसारमे सहरसा बेननिया (मायानन्द मिश्रक गाम) पद्मनाभक घर आयल आशोक मिश्रक जे दानी चौक पर अपन घरमे हमरा लेल कहथिंह- हुनका सबके जमशेदपुरमे मारच ३०-३१क होमबला अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक अंतर्राष्ट्रीय मिथिला महोतसवक आमनतरन देल
हम सोचने नही छलहु लेकिन घनश्यामपुरमें सेहो समपरक निकली गेल- दोसर तकैत छलहु पटनामे कहियो घनश्यामपुर आमंत्रण देनिहारक लेकिन ओ नम्बर शीट में नही- एक नंबर पुतई के महेंद्र मुखियाक मुदा उम्हरस कन्नडामे ‘ नम्बर बदलिगेल – तेसर घनश्यामपुरक नाम पर मुज़फ्फरपुरक प्रोफेसर शैलेन्द्र चौधरीक मुदा ओ ९ अंकक लिखल नंबर सेहो गलत- रत्नकृष्णजीस बात कय नम्बर लेल- शैलेंद्रजी दरभंगा नहि औराई मुजफ्फरपुरक घनश्यामपुरक छथि.
अगल- बगलमे बिरौल आ बेनीपुरमे प्रशिक्षण वर्ग भय जाय ताहि ३ दिनस अनेक मैथिलस बात केलहुं लगैत अछि काल्हि बेनिपुरक तय भय जेबाक चाही लेकिन काज कतेक कठिन छैक तकर अनुमान फेसबुकस नही लगायल जा सकैत अछि- एक वर्ग जाहिमे खर्चक नाम पर ३ प्रशिक्षक क ३ दिन भोजन आ आवास करक व्यवस्था मात्र.लेकिन एहेन मे अनेक वर्ग रद्द होइत तथापि ४१ भय चुकल अछि.
सप्ताह भरी नरेन्द्र मोदीक फैनक रहल. हमरा सन सांगठनिक

वृत्तिक व्यक्ति कोनो सी ऍम के पी ऍम बनब गलत बुझैत अछि . पिछला रविक तय बैसार मार्च लूटक चक्करमे नहि भेल आ किछु दिनक अखबारक न्यूज़ कटिंग, हेअक्थ फॉर आल आ उपनिषद गंगा दूरदर्शन पर देखेत वकील जाती मूल, गोत्र, मंदिर विशेषज्ञ तद्दीहा, मधेपुर क वोकील चन्द्र प्रकाशस बात करेत, अपन भख्राइन क छोटकी भगिनी रोहिणी स खेलैत समय बीताल आ दुपहर में जखन हम अपन पितियौत बहिनिक बेटी आशाक घर हरमू जमायके पैर टूटल देखय सहजानंद चौक पहुन्चल्हू छोट भगिनी उषा विद्यापति स्मारक समितिक (करीब-करीब) स्थाई अध्यक्ष लेखानंदजीक लेल प्रतीक्षामे छल – आशाक द्वारा जानकी नवमीक तैयारी लेल बैसार छलैक- नीक लागल मात्रिक क प्रकाश झा स भेंट के – २महिला में एक सरस्वती मविदय मंदिर स्धुरवा क छात्रा अफिल बैच को-एड के अपन संस्मरण सुनौलीह

१९९२ में जहिया हम जानकी नवमी मनेबाक प्रस्ताव देने छलहु लेखाननद जी ओही बैसारमे छलथि आ हुनका नीक लग्लैन्ही.

अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक २०.६.१९९३ क स्थापना क पहिलहीस हम एही पुरान संस्था विद्यापति स्मारक समितिकके पुर्जीवित करय लेल लागल रहलहु आ से भइयो गेल (पढ़ू तिथिशः_ वृत्त- (कहियो झारखण्ड मैथिलि मंच कोना हमरा द्वारा बनल ओकर कथा यद्यपि ओहो सब एहिना कखनो बहुत सम्मान त कखनो अपमान स बाज नहि अबैत छथि)-

ओना अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदके लेखानंदजी अनेक बेर झिटकी देलथि आ द्वितीय राजभाषा लेल संघर्ष एही ब्कें‌द्रिय बैनर में करक प्रेमचंदजी (मैथिली मंचक महासचिव) क प्रस्ताव क विरोढ केलहिन चूँकि हमर अध्यक्षता में बिसार छल- हम स्वयम सर्वसम्मति लेल द्वितीय राज भाषा संघर्ष समिति क गठन कायल(ओना ओहू में ओ संग नही देलाह) येह स्थिति एकांत समेत अनेकानेक के छैक मुदा बिना एक संगठन के संघर्ष कमजोर होइत छैक – रविक सुधीरजी एक बात कहलाह जे ओ रत्नेश्वर्जीके अपन चिंता बतेल्क्खिंह जे नब पार्टी बनेनाई कठिन नही छिक मुदा तखन ओ दोसर मात्र नही होइत अपन मनमर्जी में फेर तेसर, चारिम बनैत रहत आ मिथिला राज्यक ??

31.3.1996

Mithila Party banak chahee

1.4.1996

12 vidhansabha 3 loksabhaksambhavit ummidvar

(Jhanjharpur-DR.Jaykant Mishra, Madhubani-Dr.Dhanakar Thakur, Darbhanga-Udayshankar)

Abhas Chatterji(SSC Bihar 1957 aa IAS India 1966-7 batchk topper) k vichar neek

laglainhi je bahut purva pratyashik ghoshna ho

Bhartiya Mithila Janta Congrss/Dal/Party/Parishad-BMJParishad neek raha

आए रिकॉर्ड देखेत छि –

त ई सब याद अबैत अछि जे बिसरी गेल छलहु- ओही समय हमरा लेले नब नौकरी

छोड़ी राजनीती आ प्रैक्टिस आसान छल

फेर शुरू भय गेल पत्नी द्वारा मोकद्माबजी क लंबा दौर आ तथापि कोहुना अविचल रही काज करैत

रहलहु

अनेक बेर युवक सबके उल जलूल टिप्पणी पर तामश अबैत अछि आकी हम अख्नाहू परिवार आ अपन

विज्ञान में लौटि जाई- रातिक सेरिब्रल

हेमारागे क महिला बची गेल – जे रेनल फैलिउरे के कुम्भ पाहिले सोचने छलहूँ लौटला पर नही देखब

ओ बंगाली संगीतज्ञ जे कहियो

रबिन्द्रनाथक भानुसिंघेर पदावली   लिखेने छल ओकर शिक्षिका बेटी बाप के घर ल जेबा लेल जिद्द के

गेल अछि?

नीक गुरूक पढ़ल छि आ आधार मजबूत अछि कठु दुनियाक कोनो भाग में अपन व्यव्साय्मे
खपि जायब यदि नब मिथिला सेवी गुरुघंटालक पाला
एहिना किछु बेर पडल – तुलय मानापमा नयो: कहिया तक राखी पायब..

8-9-10मार्च,2020_ होलीपूर्व संपर्क पूर्वी चंपारण सुगौली सन्धिक्षेत्रे।

एहि 21 दिनी छूट्टीमे 1992क करीब 240मिथिला जागरण यात्राक छूटल चम्पारणमे हमर चरणबद्ध कार्यक्रम लेल कियो कहताह पड़ि गेल किन्तु हम कहब रूकि गेल कारण पटना वीरगंज बीच, मुजफ्फरपुरसं सप्तक्रांति सुपरफास्टमे किछु बेर आओर दू बर्ष पूर्व काठमांडसं लौटैत सत्याग्रह एक्सप्रेस रक्सौलसं एकबेर पकड़यमे जे काल्हि फेर पकड़लहूं 10.3क सगौलीसं,हम गुजरलहुं जरूर सोचैत कहियो यायावरीमे ठहरब जरूर,से ठहरिए गेलहुं 8.3क स्टेशन आओर 9.3क सुगांवमे।

'मिथिलाक गांधी' हमर दरभंगा मेडिकल कॉलेजक हमरा समयक किरानी श्रीवास्तवजी 1994 मइमे जागरण यात्रा क अंतमे श्यामा मन्दिरमे कहने छलाह, दू वर्ष पूर्व पिंडारूछक शिकारी बाबू यानी श्रीश चौधरी कहलाह के जनैत छल धोतीबला आजादी दियौत से मिथिला राज्य क रूप मे हमरा संगे आशा केलाह जखनकि हम कहां गांधी, एक यायावर चिकित्सक

आओर आब एक शिक्षक सेहो। गांधी के भारतमे आंदोलन चंपारण सन 1917मे शुरू भेल (भनहि जाहि चलते मिथिलामे निवेश बंद भय उद्योग चौपट भेल)हम संयोगवश मिथिलाक सभ जिला बाद चंपारणमे दू रात्रि छी 8.3.2020क त सगौलीक रेलवे वेटिंग रूममे जननायक एक्सप्रेस सं देरसं उतरि आओर 9.3क सुगांवमे ।

सुगांवक पं बालमुकुंद झा 2019क अर्द्धकुंभ मे हमर मिथिला चर्चा सूनने छलाह ओ आओर आमंत्रण देने छलाह । हम एक बेर कार्यक्रम लेल फोन केलियैन्हि किन्तु ओ व्यस्त।

हम सब दिन 100 नि: शुल्क sms कोनहुं विषय पर करैत छी।प्राय: 16/17फरबरीक सुगांव, चंपारणसं पूछगीछ भेल त प्रयागराजक याद दियाबैत कहलियनि कही त 8-9मार्च खाली अछि, आबी,ओना 10क होली छै। पहिले मुजफ्फरपुर नहि तैयार भेल छल रवि आठ रहितहुं। कहलाह,आऊ।

बीच में संपर्क नहि भेल त मधुबनीमे महिला दिवस पर अजीत आजाद की कवि गोष्ठी सूचना देखि बिशौलक बस पर जागते संभवतः ननदि भाऊज देखि कोरोनावायरस पर कविता सेहो होलियाइन भावावस्था क कविता सेहो रचि लेलहूं सातक दूपहरमे बिशौलमे।

सुगांवसं संपर्क अन्तत: 7क रात्रि में भेल जखन हम जयनगर डा कमलकांतझा जीके डेरा पर वापस लौटलहुं। 8क प्रात: मिथिला बाल परिषद् के नारायण यादव अयलाह जे स्टेशन पर मध्यान्हमे

छोड़लाह।

जयनगर-कोलकातासं दरभंगा जतय राजीव कुमार कर्ण भेंट केलाह आओर फेर पौने पांच बजे जननायक एक्सप्रेसमे रोटी भूजिया अंगूर लय एलाह जे समस्तीपुरमे पुलिसकर्मी नौकरी के लेल भीड़ को उतरला पर का लेलहूं जे सुगांवमे रातिमे भोजन हेबे करत किन्तु ट्रेन लेट होता गेल आओर एक बजे सगौली में कियो नहिए एक घंटी पर काल उठल। हमर आलत अति देर रात्रि एक दूसरे घंटी में बात नहि भेल त सूतल जानि कांटिनेंटल दैत छी। चारि बजे तक फेसबुक पर किछु लिखैत रहलहुं आओर एक परिवार के अमला पर दू घंटा सूतलहूं।

भोरमे स्नान-पूजा बाद फोन केलियनि तो पंडित जीके बालक बाइक लय अयलाह।

चारि किलोमीटर दूर सुगांव ब्राह्मण को बस्ती। पंडितजीक पौत्रक उपनयनक रातिम छल। भगवती की पातरिसं अपन कुलदेवी दक्षिण काली याद एलीह।

संस्कार मिथिला के बचौने किन्तु बोली भोजपुरी जाहि लेल हिनकासभकें मैथिलीभाषी लड़की आनक चाही। पंडित जीक कथन सिलेबसमे मैथिली हो ठीक।

एकांत सन फेसबुकियाकें मिथिला सीमांत में समय देबाक चाही जे हमरा संगे माथापच्ची फेसबुक पर करैत सिद्ध करैत छथि जे

हमरा सन मिथिला राज्य केवलं बला लोक मैथिलीक दूश्मन।
एक युवक पप्पू अयलाह।11बजे मीटिंग कुटी पर।आधा घंटामे कोना सूचना?तीन बजे करूं। हमरहूं सूतलहूं।भोजन भेल। एक गोटे तकैत अयलाह। 29जूनसं प्रशिक्षण हो, 30क सम्मेलन मे प्रमुख गामसं 1-2अबथि।
पांच बजे दोसर मैथिल ब्राह्मण अयलाह। जानि प्रसन्न बेराह जे अंर्तराष्ट्रीय मैथिली परिषद् सार्वजातिक।
अपन घर भोजन लेल लय गेलाह,ओतहि सूतलहूं, मच्छडदानी अछैत मच्छडक डरसं पंडित जी के दरवाजा पर ।
10क भोर पंडित जी के घर स्नानपूजा, चूड़ा दही। बिदाइक लाल धोती नहि लेल, जनेऊ लेल, गठियबाक जे हम नहि कर पबैत छी।
हूनक बालक सगौली छोडलाह बाइकसं। स्टेशन सगौली अति बजाय सुगौली जतय 1816मे भारत-नेपाल संधि में मिथिला बंटल। सुगौली सन काठमांडू 175 किलोमीटर आओर पटना 200 किलोमीटर। मोतिहारी 30किलोमीपर आओर बेतिया 25 किलोमीटर यानी चंपारण के केन्द्र अछि ई।
चंपारण जिला मे भोजपुरी मैथिल रहैत छथि जिनका जीवनाधार मिथिला पंचांग आ कर्म मिथिला के संस्कृताधारित, मैथिली पुरुषाक बोली लेकिन बाजि नहि सकैत छथि।
अंतरर‌राष्ट्रिय मैथिली परिषद् क संपर्क भेल, संगठन होयत।
स्टेशन लग सुगौली चीनी मिल णलैत अछि किन्तु सकरी,रोहट,

रैयाम बंद कियेक?

ट्रेनमे नींद लागल।चंपारण खूजल तो बगहा लग

जंगल आओर पनियहवा क सदानीरा देखल।

बिन रंग, मिठाइक होली ओहूना पूर्व उपाध्यक्ष दयानाथ झाक 9.3.2020क मृत्यु मेला पर हेबाकहि छल।

(सत्याग्रह एक्सप्रेसमे होली 10.3.2020,850राति)

हमर 256 म मिथिला जागरण यात्रा(20-29.3.2021)- DEC - Dr Achintya_

PPt presentation Mithila Sustainable development

20.3.2021 Train

21.3.2021 Muzaffarpur Sudhirjee seho,Ajayji

22.3.2021 Muzaffarpur Dr P labh adhyaksh, Bhati Bihar Adhyksh, Yogi Jank naraj

22.3.2021 D_Pindaruch MWTC-80 prarambh

23.3.2021 Pindaruch MWTC-80

24.3.2021 Darbhanga DEC _Dr Achintya_ PPt presentation Mithila Sustainable development

24.3.2021 D-Pindaruch

25.3.2021 Pindaruch MWTC-80 concluded

25.3.2021 Bus

25.3.2021 D_Kasraur MWTC-81 prarambh

25.3.2021 D_Kasraur

26.3.2021 D_Kasraur MWTC 81

27.3.2021 D_Kasraur MWTC 81

27.3.2021 Korthu Undue anger by son of Madhupji

28.3.2021 D_kasraur concluded 41 children = 3 adults

28.3.2021 Tempo Bahin ghar

29.3.2021 Train _Shahid

30.3.2021 BE

होलीमे लोक घर जाइत छथि हम बाहर जा रहल छी।पिछला बेर छूट्टी बचबय,एहिबेर कोरोनावायरसक दोसर
तोड़ स बंचय अछैत टिकट छ: दिन बादक। तथापि एहि मिथिला जागरण यात्राक संग १९९२सं एखन
धरि १००८ दिन हमर मिथिलावास पूररि गेल आओर ८०म ८१ म मैथिली कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर पिंडारूछ
आओर कसरौडमे संगहि दरभंगा इंजीनियरिंग कॉलेजमे विकास के स्थायित्व पर ऐतिहासिक व्याख्यान।

अचानक कसरौडमे रामकुमारजी टीभी खोलि देलाह। कोरोना केस बाबन हजार एक दिनमे यानी ब्राजील
जकां अनर्थकारी दोसर तोड़ आबि रहल अछि त अपन कार्यक्षेत्र पहुंच जाइ। होली दिन सेहो वेटिंग लिस्ट।
नरकहूंमे ठेलाठेली। सीनियर सिटीजन लेल १९ बर्थ बांचल मुम्बईमे रहैत भातिज बतऔलक।
पहले टिकट काट कहलिएक।
सोचने छलहूं ं ई भीड़ किएक। ट्रेनक कमी,प्रवर्जन मिथिला स, मुस्लिम के हिन्दू पर्वमे यात्रा तथापि सुविधा रहल मच्छर भमोरलक गंदगी चलते। मिथिलाक मजदूर की गाड़ी के कोन

पूछ।
पछिला साल सेहो सुगौली यानी चम्पारणमे पहिल संपर्क
सुगांवमे कय होली भोरमे ट्रेन पकड़ने छलहूं ।आठ मार्चक महिला दिवस कार्यक्रम पर अजीत आजादक
आयोजित गोष्ठी मधुबनीमे छोड़ि सीधा सुगौली सन्धि स्थान जा रात्रि प्लेटफार्म पर बीतौने छलहूं।
भोरे ओ आदमी पठा सुगांव ल गेल छलाह जिनकासं प्रयागराजमे कहियो भेंट भेल छल जाहि चलते बेटाक विवाहअछैत कहलाह आबि मीटिंग हैत।

मीटिंग त नहि भेल भोजपुरीमे बदलाव देखने छलहूं अपन ओहि मिथिलामे जकर चौहद्दी पश्चिममे गंडक
बच्चासभके बतबैत आब भोजपूरी कह लगलहूं अछि।
संस्कार वैह किन्तु भाषा परिवर्तन।
मिथिलाक उत्तरमे हिमालय दक्षिणमे गंगा नदी,पूबमे कोशीक बदला महानन्दा,पश्चिममे गंडक पढबैत
८१म कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर भ गेल कसरौडमे।

आब त हम बतबैत छी मैथिलीक उत्तरमे नेपाली, दक्षिणमे मगही,पूबमे बंगला पश्चिममे भोजपुरी।

बहूत मैथिलीभक्त हो-होक छूटैत छथि बिनू भाषा राज्य निर्माण

नहि चाही। के कहैत अछि रहूने बिहारमे
आओर दू पीढ़ी, गंडकसं आओर ओहिना पूब अधवारा घुसकि जैत जेना कोशी २०० सालमे १२०किलोमीटर पश्चिम।

हिन्दी राजभाषी द्वितीय उर्दूराजभाषी बिहारमे रहब या प्रथम हिंदी राजभाषी द्वितीय मैथिली राजभाषी
मिथिला राज्यमे एकर निर्णय कय लिय?

प्रजातंत्रमे आंकड़ा चाही जाहि लेल १९९३सं हम प्रयत्नशील छी किन्तु पैघ पागधारी कोनहूं मैथिली संगठन संग नहि देलक। विरोध हमर जेना जीभ बतीसी बीच। से हम बहूत कटौलहूं किन्तु सूनबैत रहलहुं।

मुजफ्फरपुरसं गाड़ी हाजीपुर लेल ससरल।
एहिना २१.३ के एत पहूंचर छलहूंं दिन रात्रि बरोबरिक २१ मार्च।
मैथिली कार्यकर्ता कतहू भोजमे।
भोज -त्योहार छोड़िए यात्रा करयके हमर आदत अछि।आइ रामदेव बाबूक द्वादशा छूटल।
१-२ अप्रैलक बहिनोइ डा अमरक छूटत।
मुजफ्फरपुर २१.३ रात्रि नेतरहाटक विद्यार्थी रहल अशोक झाक बड मोनसं बनाओल चलते एहि चलते रहलहुंकारण अन्तरराष्ट्रीय

मैथिली परिषदक कार्यकर्ता कोनहूं गाम भोजमे गेल छलाह।

आदर्श मिथिला पार्टीक अध्यक्ष सुधीरनाथ मिश्र अररियासं चलि पहिनहि आबि गेल छलाह।हमरा पहूंचला पर अजय सिंह आबि गेलाह आओर देर तक १९७०-८० क दशक जेपी आन्दोलन,संघ कार्य आदि पर चर्चा।

हमरा बिना बात अलग कय देलाह निवर्तमान सरकार्यवाह भैयाजी जोशी किछु चूगलखोरक बात सूनि हमरा ४७ वर्षक अवस्थामे छोड़लाह जाहि अवस्थामे लोकके जोडयलेल प्रचारक प्रयत्नशील रहैत छथि। ओना एहिसं किवा नवविवाहिता पत्नीक बिना बातक हमरा छोड़ि देलासं हमरा पर्याप्त समय भेटि गेल जे मुख्यत: मिथिला कार्यमे लागि गेल।

नूतन सरकार्यवाह होसबोलेजी हमर समवयस्क छथि आओर संयोगवश राजमूंद्रीमे १४.२.१९९३क दूपहरिया संग बीतल अछि जखन हम हूनका प्रवास संयोजन, भाषण कला पर बहुत किछू बतौने छलिएन्ह आओर बादमे हूनका मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूटक पुस्तकालयस भाषणकलाक एक पोथीक जेरोक्स सेहो पठौने छलियैन्हि।

गोरौल जा रहल अछि जतुक्का एक वृद्ध ब्राह्मण बोकारोसं सेवानिवृत्त अबैतकाल सहयात्री छलाह।

जखन गाममे प्रशिक्षण लेल समय मंगलिएन्हि त कहलाह एत अपभ्रंश चलैत अछि, मैथिली के सूनताह?

अपने ओ अधिकांशत: बेटा लग सागर(मध्य प्रदेश) रहैत छथि।प्रवासी मैथिलक बाल-बच्चा नीक पढि लेलक
किन्तू अनेक में संस्कारजन्य कमी सेहो आबि गेलै जेना हम अपनहि घरमे देखैत छी।
दोसर दिन अहियापुर चौकसं आगां जियालाल चौक लग बैसारमे सुधीर जी ७०क बाद पद नहि नानाजी देशमुख क नाम लैत छोड़िए देलाह किन्तु दोसर वृद्ध क मोन छलैन्हि जे एहि पर वाक आउट क गेलाह तथापि
चयन ६० बर्षीयक भेल।

पिंडारूछ जाइत सरकारी बसक कंडक्टरक बिना टिकट देने पाई लेब , निरीक्षकक सेहो घालमेल एहिमे देखल।

पिंडारूछ संभ्रान्त गाम चन्दा झाक। शिविर उद्घाटन व्यवस्थित भेल।सरपंच नीक सार्वजनिक भूमि बचौने जे
दोसरहूं दिन आयल छलाह्। प्रशिक्षणमे बच्चासभ आओर हूनक शिक्षक रहलाह। गाममे आब लोक बहुत व्यस्त भय गेल छथि संवादहूं देला पर नहि अओताह।

भोर सांझ प्रशिक्षण चलैत रहल।

बीचमे निकटस्थ दरभंगा इंजीनियरिंग कॉलेजमे मिथिलाक विकासक स्थायित्व पर ९० स्लाईड संग भाषण देलहूं।

प्राध्यापिका डा रत्नाक्षी राय हमर परिचय फेसबुकसं निकालि लेने छलीह आओर ओहिसन प्रभावित लगलीह।

प्राध्यापक डा रमण कुमार झा संयोगवश हमर गामहिक पोस्ट आफिस वीरसायरक जे हमर सभ सुविधाप्राध्यापिका डा रत्नाक्षी ray हमर परिचय फेसबुक सं निकालि लेने छलीह आओर ओहिसन प्रभावित रिलीस।

प्राध्यापक डा रमण कुमार झा संयोगवश हमर गामहिक पोस्ट आफिस वीरसायरक जे हमर सभ सुविधाक
व्यवस्था दू दिनसं पूछिए रहल छलाह। मखनाहीक श्री श्याम मिश्र संस्थानक गाड़ी लय पिंडारूछ लेइ लेल
आयल छलाह।

तरौनीक प्रो अनिल कुमारचौधरीक रूचि मिथिला क विकास में लाइव। युवा प्राध्यापक निखिल गौरव
हमर परिचित प्रो शशिशेखर बाबूक नामसं संचालित एनजीओ में बाजय आमंत्रित केलाह।

पत्नीक बीमारी अछैत प्राचार्य डा अचिंत्य सिन्हा पटनासं आबि भाग लेलाह।अनेक शिक्षक छात्र
बीच हमर संबोधन दिनेश मिश्र, ब्रजकिशोर झाक कार्य क उद्धरण दैत पृथ्वी,जल,वायु, उर्जा का संरक्षण पर छल
जे हमरा लेल नूतन अनुभव, देश लेल मिथिला मोडेलक प्रस्तूति।
वनस्पतिशास्त्री डा विद्यानाथ झा मखान पर अपन विशद शोध संक्षेप मे बतौलन्हि ।
हमरा हूनक १९९५ मे दरभंगा म्युजियममे भेंट याद छल किन्तु ओ पाल साहेबक इंजीनियर प्रेसक १९८३ के याद
दियौलन्हि जंतर हम आयुर्विज्ञान प्रगतिक छपाई लेल जाइत छलहूंं।ओ अपन पोथी 'पर्यावरण, विज्ञान आ समाज'
भेंट देलन्हि एकरा पढि समीक्षा लिखक आग्रह छल से एहि रेलयात्रामे पूरा भेल।

१२_१४,२०१३ के सेहो ४२म कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर पिंडारूछ में भेल छल जाहिमे एयर वाइस मार्शल
विश्वमोहन तिवारी उपस्थित छलाह।ओ बिहार घूमर चाहैत छलाह त कहलियनि मिथिला के एक गाम जरूर देखी। जयनगर, मधुबनी, दरभंगा के विद्यार्थी सभकबीच कार्यक्रम के बाद पिंडारूछ ल गेल छलियनि। काफी प्रसन्न भेल छलाह।

ओहि समय केवल वरिष्ठ नागरिक आओर एहि बेर केवल किशोर एवं युवा यद्यपि समापनमे अनेक वरिष्ठ लोक छलाह। अध्यक्षक कथन जे एहि नर्सरीक सिंचनसं मिथिलाक्षर बांचत।

२५क समापन बाद दरभंगा बस स्टैंडसं बेनीपुर होइत शिवनगरघाट।
फेर टेम्पूसं कसरौड चौक। राम कुमार झा आबि
अपन घर लय गेलाह। सांझ होइत मच्छड़ पिंडारूछ आओर मुजफ्फरपुरहिक समान जे सभ ठाम गंदगी चलते अछि।

शिविर प्रारंभ भेल। रात्रिमे ज्वालामुखी माता आओर अनेक जनश्रुतिसं विख्यात केवल जलाहारी शंभू बाबाक दर्शन ।

किछु साल पहिले भेल दर्शनसं कृशकाय।

 भोर में एक कोचिंग सेंटर दूपहरमे दोसर चारि बजेसं तेसरमे मिथिला विषयक प्रतिपादन।
बीएसएन एतहु नहि काज करैत। मिथिलाक्षर परीक्षा क उत्तर डा ममता झाक मोबाइलसं पठाओल।

बेरोजगारी चरम पर गाममे अछि। स्वरोजगार थकान ई कोचिंग

सब।

मधुपजीक गाम कोर्थु २७क सांझमे। हुनक बालककें मुख्य अतिथि नाते बजबय। ओ दू दिन बाद अष्टयामक संगोर चलते अस्वीकार केलाह। विद्यापतिक अवसान दिवस पर हमर विचार भिन्नताकें सूनयसं अस्वीकारकय हमर परिवारकें जिद्दी हेबाक बात कहैत तमसाकंय चलि गेलाहजे हमरा पूर्वाग्रही लागल।

समापन समारोह शमे माध्यमिक विद्यालयक प्रधानाध्यापक ज्ञानी राम बहूत नीक बजलाह मैथिलीक विकास लेल।

आओर हूनकासं समस्त अब्राह्ज्ञण छात्र छात्रासभक प्रमाणपत्र पबैत हमरा बहुत नीक लागल।

फेर बेनीपुर,धरौडा होइत दहौड़ा सकरी स्टेशन ध्वस्त चीनी मिल होइता बहिनक घर कन्हौली।
होलीक दिन प्रात: आशीर्वाद लय ट्रेन।
हमर 257-58म मिथिला जागरण यात्रा (31.10.-1.11.2021, 23-25.4.2022)- Simaria_Saharsa, Mahis -33 AMS

1.11..2021 Mahisi_Bangaon Maithili Sammelaan
23-25.4.2022 Saharsa-Mahisi 33 AMS

कोरोनाक अबैत बेजोड दोसर वेवमे मार्च २०२१मे ममता-रबीन्द्रजीक डेरामे टीभी पर ६०००० केस सूनि आनन-फानन में होलीक दिनक आरक्षण लय २९.३.२०२१क सकरीसं शहीद एक्सप्रेससं बरेली लौटि गेल छलहूं जे २३७म मिथिला जागरण यात्रा छल मुजफ्फरपुर,पिंडारूछ,दरभंगा,कसरौर,कन्हौली १०दिनक छूट्टी लागल।
फेर २३८म संक्षिप्त यात्रा मे सिमरिया घाट ३१.१०.२०२१ ओ १.११.२०२१ क महिषी-वनगांव। ओहि दिन तय भेल छल जे महिषीमे ३३म अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन हो जे २३-२४ -२५ अप्रैल २०२२क भय गेल जाहि निमित्त ई यात्रा।

बहुत नियारिकंय, छूट्टी मासकबीच,अंतमे कालेज में इन्सपेक्सन चलते लय १४ अप्रैलक किशनगंजक टिकट लेलहूं जे मिथिला यात्रा पूब छोड़सं शूरु करब १७ क मिथिला संस्कृत परिषद ओ उद्योग मिथिलाक स्थापना दिवस मनायब जे २०१७मे हमरा द्वारा बनि गेल छल, जकर मूलमे राजीव कुमार छलथि। संगहि ओहि रातिमे भगिनीक विवाहमे भाग लेब।फेर पटना गया करैत

समस्तीपुरमे आदर्श मिथिला पार्टीक बैसार कय ३३म अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे उग्रतारा महिषी मण्डनधाम जा बरेली लौटब।
किन्तु १२ अप्रैलसं सिएटिका उठल ओ १३ क टिकट रद्द कय २०प्रातक गयाकें लेल जे बस यात्रा नहि हो।

गयामे दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय हमर पेपर भारतक स्वाधीनता संग्राममे डाक्टरसभक योगदान पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम क नव पहलू पर राष्ट्रीय सेमिनार लेल स्वीकृत भेल छल। दू साल पहिले सेहो हम एक पेपर भारतमे विज्ञानक इतिहास पर ओतहि पढने छलहूं आओर नव नालन्दा महाविहारमे दक्षिण पूर्व एशियाक संदर्भमे एक अन्तरराष्ट्रिय सम्मेलनमे पावापुरीमे। संभवतः हम एकमात्र डाक्टर होएब इतिहासकारसभक बीच इतिहासलेखनक नव धारा लेल सुझाव देबवला। से ओसभ हमरा सूनलैन्हि आओर साधुवाद, सम्मान सेहो देलन्हि।
बरेलीसं केवल भोरहडवाक दून एक्सप्रेसहिमे बर्थ खाली छल तें १९क रातिएमे बरेली जंक्शन पहुंचि प्रतीक्षालयमे पौने चारिक प्रतीक्षा करैत जागल रहलहुं १०-५ मिनटक बेसलमे अंखिमुन्नीकें छोड़ि। गाड़ी डेढ़ घंटा लेट भय गेल। ट्रेन मे भोर होइत देखि सूर्योदयक फोटो लेल।

गाड़ी लेट होइत गेल। सुतैत-उठैत ट्रेनहिमे स्नान-दैनिक संध्या-तर्पण-पंचदेवतापूजनादिकंय फोनसं मुम्बई सपर्क-अनुजक एकोद्दिष्ट कर्म भेलापर रातिमे मेससं आनल पूड़ी तिलकुट संग खेलहूं।

एहि बीच लखनऊ बाद दूपहरमे अयोध्या दर्शनक फोटो लेलहूं। संस्कृतमे अयोध्या पर एक कविता लिखलहूं।

ट्रेन देर होइत-होइत सांझमे बनारस पहुंचल।ओतहू बहुत देर रूकि गंगा पार केलक। बिजलीसं चकमकाइत घाटक फोटो लय विदुषी सहपाठिनीकें पठाओल जे अयोध्याक फोटो देखि भावविभोर छलीह। हिनक वैधव्य पर एक कविता मैथिलीमे लिखलहूं जाहिमे एक नव बातक अन्वेषण संदर्भित जे विधवा ओ महिला जिनक सात जन्मक फेर पूरा नहि कि पति पहिले जा नव जन्म लय विवाह हेतु पुरान पत्नीक प्रतीक्षा करथि। सधवा मरनिहार मोक्ष या पुनर्जन्मक बाद नव पति प्राप्त करतीह।

गाड़ी पौने नौक जगह सवा दूमे गया जंक्शन पहूंचि सकल। एक मैथिल ओ एक मगही कार्यकर्ताकें बताओल छल तें एस.एम.एस कंय व्हाट्सएपसं देरक सूचना देने छलिएन्हि जे बहुत देर भेला पर स्टेशनहि पर भोर करब ओ सैह भेल।

प्लेटफार्म नंबर दू पर ठंढ हवा किन्तु मच्छरक प्रकोप।

चारि बजला पर ब्राह्म मुहूर्तमे मोन भेल ओतहि स्नानकंय पूजा करी से करैत एक नव तथ्य उद्घाटित भेल जे स्नानसं देहक दुर्गन्ध हंटलासं मच्छर देह पर लुधकनाइ बंद?

करीब छः बाजल त मोन भेल जे इतिहास सम्मेलनक परिवहन प्रभारीकें पूछिएक जं कोनहूं व्यवस्था हो। पहिल फोनहि नहि उठौलक त दोसर कहलक छः नम्बर क दिशि निकलि आऊ आओर हड़बड़ीमे सुखाइत गमछा बिसरि किछु आगां बढलहूं कि याद पड़ल त वापस जा लय फेर पुल चढ़ि बाहर प्रताप स्कारपियो लय ठाढ़।ओ सम्मेलन उद्धाटन लेल पुष्प- कलशादि संग सम्मेलन लेल दू कार्यकतृ छात्राकें लेबय शहर आयल छल। ओकरा इतिहासकें नीक ज्ञान छलै से बुझा गेल । ओ झारखंडक जंगल पर शोध करैत छल जहि पर हम बिहारमे कम क्षेत्रमे एहेन जंगल लगेबापर काज करय कहलियन्हि जे अपेक्षाकृत अधिक जलरोधी हो। दू छात्रामे एक रेल पर ओ दोसर वस्त्र पर शोध करैत।

छात्राकें बताओल कि रेलवे भारतमे पहिल मुम्बई -ठाणे १६. ४.१८५३ क चलल आओर एकैसे साल बाद १७.४. १८७४ मे नरगौना, दरभंगा राजसं जे बाजितपुर सकरी धरि गेल ,फेर बादमे आम आदमीक परिवहन लेल दरभंगा जे हराही ओहि समय कहाइत छलसं समस्तीपुर तक।ओ छात्रा कोनहू महराज त कहने छलीह दरभंगा हम बतबैत आइ प्रति दश लाख व्यक्ति पर रेल किलोमीटर क कमी बताओल।

दोसरकें भागलपुरक मलमलि संग ताराचंद ओ भगवान दास क पुस्तकसं संदर्भ बताओल कहियो भारतसं कपासक गांठ बहुत

रास निर्यात होईत छल। कोना बुनकरक अंगूठा काटल गेल आदि।

चूंकि डेल्हा मोहल्लामे रास्तामे नाली पर किछु मरम्मति चलैत छल देरक उपयोग चर्चामे भेल।

विश्वविद्यालयक विवेकानंद सभागारमे छात्र मे सतलखाक ब्रजेश झा भेटलाह,सांझमे मैथिल बैसार लेल बात भेल। दूपहरमे हमर पूर्व सासुर हिसार, मधुबनी जिलाकक विघ्नेश भेंट करय अयलाह किन्तु सेमिनार खत्म होइत छः बाजि गेल, बैसार नहि भेल। समाजशास्त्र विभागक प्रो सिंह झा कहलाह केवल चनौरामे ई पदवी भेटत।

हमर परिपत्र प्रभावी रहल साइमन कमीशन गो बैक पटना मेडिकल कॉलेज क छात्रक एप्रौनमे जुलुस,ढाका मेडिकल कॉलेज क छात्र बिनय दिनेशक चन्द्रशेखर आजाद, खुदीराम बोस बलिदान सन कृत्य,डा केशव हेडगेवार की काकोरी कांडक केशव चक्रवर्ती?डा पट्टाभि सीतारमैय्या,डा सुशीला नैयर, मुस्लिम लीगक १९१८-२० ओ कांग्रेसक १९२७क, दूनूक अध्यक्ष भेल एकमात्र डाक्टर मुख्तार अहमद अंसारी,आदि। लौटैत काल हमर आलेखसं प्रभावित प्रताप ठीकहि जोडलन्हि कांग्रेस संस्थापक ए ओ ह्यूम सेहो इंडियन सिविल सर्विसमे अयलाक पूर्व डाक्टरी पढन एक छत लथि।

प्रपत्र मे ब्रिटेन जा इंजीनियरिंग पढल उल्लासकर दत्तक उल्लेख केलहूं जे भारत लौटि अनुशीलन समिति लेल बम बनबय लगला,

आजीवन कारावास पओलाह।
मैथिलक फोन त नहि आएल मगही कौशलेंद्र , स्वाभिमान पार्टीक कार्यकर्ता, पत्रकार रवि भूषण पाठकक घर भेटलाह जतय परिचित भेल उज्जवलक पिता रणधीरजी भेंट करय अयलाह। भोजनोपरान्त दू दिनक नींद लेल।
भोर उठि तैयार भय गया जंक्शन। भीडक आशंका छल सेनहि भेल ओ पटना जंक्शन। महावीर मंदिर दर्शन। गांधी मैदान कारगिल चौक पर भामाशाह समिति द्वारा एखनहूं पन्द्रह रूपामे भोजन,अंडा देखि नहि खेलहूं किन्तु गरीब लेल ई पैघ कार्य।बीस टाकामे एक गिलास कुसियार रस पीलहूं जे बरेलीमे दश रूपामे। ई-रिक्शा पर बैसलहूं त अंजुमन मस्जिद पर मित्र सुशील कुमार मोदीक नाम इफ्तार क बैनरमे पढि क्रोध आएल।
नोवेल्टी बुक्समे रोमिला क आरम्भिक इतिहास क कयल मैथिली अनुवादक अति बृहद (४००+पृष्ठ) अनुक्रमणिकाक संक्षेपीकरण (१००+पृष्ठ)करैत अपन गठित आदर्श मगध परिषदक संयोजक गणित शोध छात्र मनीषसं बात करैत रहलहूं जै कोना मगध राज्य वा केन्द्र शासित प्रदेश बनय। भातिज दीपू आएल त पीएमसीएच डेरा तीनू गोटे भोजनार्थ। दिनकर कुलदीपक चि. दृशानकें देखि लागल पितामह भ गेलहूं। बिहार सरकार में रहितहूं त एहि मास सेवानिवृत्त होइतहूं जतय हमर जूनियर शिक्षक लग पैरवी करयमे माहिर एखन अस्पतालक अधीक्षक दीपूक पत्नीक मातृत्व

अवकाश लेल आवेदन अग्रसारित तक नहि केलक जे एक सामान्य प्रक्रिया छै, जे अन्तत: अग्रिम प्रतिवेदन पर आइएएस सचिव कय देलकैक। एहेन डाक्टर पर तामश चढल, प्राचार्य कें फोन केलहूं त ओहो हूनक व्यवहार पर दुखी।

हमर नामक उपयोग हयर भातिज नहि केने छल,संभव डरैत हो कारण हम ओकर एम.एस. डाक्टरनीसं विवाहकें एक करोड़ खर्च वा दहेजतुल्य बुझि बरियातीनहि गेल छलहूं नहिए ओकर छोट बीटेक,आई,आईएम भाइक बीई इंजीनियर कन्यासं विवाहमे जखनकि दूनू हमरहि लग रहि रांचीमे डीएवी,हेहलमे प्लस टू मे पढ़लक।ओतहू हम डीएवी,मेकन लेल पैरवी नहि केलहुं यद्यपि हम अपन संतानजकां लेल अधिकृतसम छलहूं।

कोनहू एहेन सशर्त कमासुत कन्या तकनाइ तिलक दहेज़सं अधिक खराब हम बुझैत छी आओर तें हम आब कोनहूं बरियाति नहि जाइत छी कारण प्राय:सभ विवाह एहनहि होइत छै।

फेर नोवेल्टी बुक्समे काज करैत आठ। बंद भेल त कुर्सी लय बाहर अशोक राजपथक नजारा देखैत सुपौलक वासी डेन्टिस्ट राजेशक प्रतीक्षा।अयला पर ओकरा नव संगठन नेशनलिस्ट डेंटल आर्गेनाइजेशनमे सम्मिलित होब ओ महिषीक ३३म अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे आबय प्रोत्साहन देल (यद्यपि ओ नहि पहुंचल) आओर दीपूसंग तीनू ओकर डेरा भोजन लेल।

भोरमे दीपू राजेंद्रनगर स्टेशन एक्टिवासं छोडलक।

सहरसा इंटरसिटी एकहि नम्बर पर ठाढ़ छल।

किछूए घंटामे गंगा पार करैत मिथिला प्रवेश। गर्मी त बहुत छल किन्तु मिथिलाक रेलक डेग-डेग परिचित। बरौनीमे नींद लागि गेल बैसल- बैसल सपना सेहो देखलहूं। मानसीमे प्रिय पेड़ा खरीद खेलहूं। बदलाघाटमे सेहो जे बेशी नीक। ओतहि दश-दश रूपामे एक छोट बच्चासं पांच बडका-बडका ककडी जे पानिक बदला खाइत रहब सोचलहूं। ई दश रूपाक खीरासं सस्त छल जे नून संगे खेने छलहूंं।ओना त नून कथू संगे नहि खाइ किंतु एहेन गर्मीमे विशेषतः पसीना-पसीना भेलापर शरीरसं नून निकलैत छै तखन खीरा-ककड़ी संग नून खेनाइ स्वास्थ्यकर।

सहरसा उतरलहूं।सुधीरजीकें फोन आएल छल हुनक प्रतीक्षा करी से ओतहि एक नंबर प्लेटफार्म पर बैसल गर्मी घटक प्रतीक्षा।

किसलय कृष्ण कहलक ओकर डेरा लक्ष्मीनाथ नगर, सत्संग चौक लगहि रिफ्यूजी चौकसं महिषी टेम्पू जाइत छै से आबी त करीब छः बजे गेलहूं।रस्तामे चांदनी चौकलग डंटीबला पान लेल जे दैनिक पूजामे इदम् ताम्बूलम् लेल दश रूपामे आठ टा देलक जे बरेलीमे दू-तीन भेटैत अछि।

होइत-होइत सुधीरजी आठ बजे एलाह।ओ फारबिसगंजसं दू बजे निकलबे कैल छलाह आओर सीधा बस सुपौल- सिंघेश्वर-सहरसा अधिक समय लैत छै भपटियाही -परसरमा वनगांवक

अपेक्षा जाहिसं ओ काल्हि चारि घंटामे लौटलाह।

किसलय कृष्णक जीवनमे महान परिवर्तन अएलैक अछि। मैथिली कार्यकर्ता त ओ पहिनहिसं छल हमरा लग रांचीमे संपर्क मुरीमे रहैत एक डाइभरटेड भाषाई जीनियस रहल जे भटकैत-भटकैत, करीब पचास सम्मान मैथिली मंच पर अरजैत, मैथिली क सब विधामे किछु किछु करैत आब अन्ततः मिथिला पुनर्जागरण प्रकाश क पत्रकार नाते किनार लागल अछि जाहिमे ओकर सुशीला पत्नीक बहूत पैघ हाथ हेतैक जिनका हम आशीर्वाद क अतिरिक्त किछु देबाक स्थितिमे नही छलहूं (बरेली डेरा लौटला पर एटीएम अछैत, मात्र १६५ रूपा छल जखन कि पेट खराब चलते महिषीक दही- चूड़ा बाद सिवाए तीसक पेडा किछु नहि लेलहूं नहिए टेम्पू भाडा लौटतीमे महिषीसं लागल छल)।आब अपन मकान छै, एक लडका एक लडकी दूनू नीक हमर सामान्य गणितक प्रश्नकें पहिले गल्तीकंय बोडमास तुरन्त याद पड़लै से नीक लागल। भगवती प्रसन्न राखथि हुनका यद्यपि कहियोक ओ महिषी नहि आबि सकलाह रंगकर्मी यात्रा चलते। कहलाह हमला संग रहि हमरा पर मोनोग्राफ लिखताह। कहियो हमरा पर पीएचडी करक बात कहने छलाह।ओना त वैह नहि अशोक अविचल,अजीत आजाद, रवीन्द्र कुमार चौधरी,प्रवीण कुमार चौधरी, रत्नेश्वर झा, उदयशंकर मिश्र,चकधर झा, कृपानंद झा समेत शताधिक आजुक मैथिली कार्यकर्ता जिनका मोनमे मिथिला राज्य निर्माण प्रथम समस्याक समाधान छनि

कतहू ने कतहू हमर मेन लाईनसं जुड़ल आजीवन रहताह मनहि हमर कटू आलोचना तक करथि। संभव जे ओ डा भुवनेश्वर प्रसाद गुरूमैता, डा कमलकान्त झा, प्रेमकांत झा, डा गुणेश्वर झा जकां हमरा समर्पित नहि बूझथि।

डा सुभद्र झाक संदेश अपन भातिज महारूद्र झा द्वारा ,'बहुतक गुरू रहलहुं डा धनाकर ठाकुर क चेला बनय चाहैत छी'ओ भेंटला पर प्रणाम केला पर,,' सोचैत छलहूं अहां वयसगर होयब, लेकिन कोनो बात नहि जे कहलहूं ताहि पर स्टैंड करैत छी'; डा लक्ष्मण झाक रसियारीमे २८.१० १९९५ क भेटला पर अश्रुपात जेना हम हूनक स्वप्न पूरा करयबला हूनक पठाओल पोस्टकार्ड मे'पचास सालमे कोनो मैथिलकें हम नागरमे लिखैत छी,दूधारू गैक लथार सह्य'(अशोक अविचल ओ अजीत आजाद ओहि राति मोइनमे डुबैत नावकें चप्पू मारि हमरा प्राणदान देने छलथि); डा जयकांत मिश्रक २०.११.१९९४क प्रयागराज क अपन तीरभुक्ति डेरामे प्रभास चौधरी समेत पचीसों मैथिल समक्ष कहनाइ-'हमरा जे बात बूझयमे पचास साल लागि गेल,से डाक्टर साहब (धनाकर ठाकुर) आन्दोलनमे अबितहि बूझि गेलाह(कि मिथिला राज्य नहि भेटत त मैथिली नहि बंचत); बाबू साहेब चौधरी क स्नेह क कोन कथा(दू खेप मैथिल महासंघमे जे भेल ओहिसं बहुत ऊंच काज रांचीक पहिले अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे भेल); पं. ताराकान्त झाक पत्र ३.८.२०००क'अहांक

कहला पर हम मिथिला राज्य क घोषणा क देलहूं:(गेल त छलहूंं हूनका लग हम अपन तलाक रोकबाबय हाईकोर्ट सं) केवल आशीर्वाद क रूप मानल जाए राम एकबाल सिंह 'विनीत ', रांची,श्रृंगेश मिश्र,कानपूर, सुबोध चौधरी,रांची, मायानंद मिश्र,सहरसा सन अनेक विभूतिक संग।
हम २५.४.२२ क दूपहर , सहरसासं गरीब रथसं १४.३२क चलल २६.४.२२ क दू घंटा देरसं ११.३० मे बरेली उतरि चूकल छी; एकादशी लेल दू बजे बाद मेसमे बिना पियाऊज तरकारी बना देत। उतरक पूर्व कमलकान्त झाजीक मोबाइल क लीलाक आदि-अंत पढि समीक्षा लिखल जाहिमे अंतमे किसलय नामी साहित्यकार क जीवन व्यथा चित्रित अछि।

डेरा जाइक पूर्व ई लेखन स्टेशनहि परि पूरा करी।
किसलयक घर पूजा समाप्त केनहि छलहूंं कि आदर्श मिथिला पार्टीक उमेशचंद्र भारती जिनका चलते मुकेश सहनी चुनाव हारि गेल रिफ्यूजी चौक पर। किसलय ओतय छोडलथि आओर शीघ्रहि महिषी माता उग्रतारा शक्तिपीठमे हम तीनू। साप्ताहिक आनलाईन १२५म मीटिंगमे सभकें माता उग्रताराक दर्शन कराओल।
सम्मेलनमे महिला ओ युवा सत्रक केवल परिचय देल बांकी सभ भेल। बहूतलोक कहिक नहि अएलाह लेकिन सम्मेलन सफल रहल। आतिथ्य नीक। समाचार नीक छपल। सभ घोषित प्रपत्र

क विषय स्वयं रखलहूं।

मिथिला पहिल सांस्कृतिक राज्य निर्माण हैत।

मायानन्द मिश्रजीक आठम अनूसूची लेल हमर पोस्टकार्ड पर दिल्ली जा काज केनाई बताओल।

शिलालेखमे मिथिलाक इतिहास अछि संदर्भ देल सोदरा, नरकटियागंज, पश्चिम चम्पारण क ९५० ईस्वी सनक ,मंदार हिल क राजेंद्र लाल मित्र कें भेटल तें मिथिला सीमा गोड्डा तक जे भूकम्पक अनुसार हमर खोज सेहो।

मिथिला क मूर्तिकला उत्तरी भारतक नागर शैलीक तिरहुत प्रभेद डा स्पूनरक अनुसार चम्पारण, मुजफ्फरपुर क मंदिर मे तें ओ मिथिला।

रेणु मैथिलीक आंचलिकताकें हिन्दीक आंचलिकता गलतरूपे हिन्दी उपन्यासमे प्रस्थापित केलाह, समाजवादी भेला चलते काली टोपीवाले , बुद्धू क्लासवाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ क टोपी ओ बौद्धिक वर्ग पर आक्षेप त छलै संगहि जमींदारक रक्षक संघक लोककें बनेनाइ लेखिनीक दलीय मानसिकता जखनकि हूनक बेटा भाजपाक विधायक हमर गृहनगर फारबिसगंजक बनल।

मैथिली मे विदेशी शब्द क समायोजन स्वाभाविक रूप सं हो। कालिदास मैथिल छलथि प्रमाण देल।हूनक जयन्ती दीपावली क प्रात मनाबी।

मिथिला राज्य निर्माण लेल प्रतिबद्धता हेतु योजनाबद्ध। अटल बिहारी कोशी महासैतु नामकरण हो जे गैराजनीतिक हमर प्रस्ताव किएक बूझल छाए।

रातिमे प्रेमजी द्वारा रश्मि, रागिनी क भजन प्रस्तुति। कवि सम्मेलन त महासचिव नारायण यादव कहियोक बिजली कटल चलते नहि कय पओोलाह त हम अंतमे कमलकान्त झा जीक अस्सी वर्ष पूरला पर ई कविता पढ़िए देलहूं-

अपनेक वय के अस्सी साल
सहस्रचन्द्रदर्शनम् जे अछि
देखल पूर्णिमा एक हजार
जाहिमे सक्रियहि रहलहुं
करैत करबैत राष्ट्र कार्य
गुरू सुरेन्द्र सुमनक हाथ
माथ पर रहल हर क्षण
हूनकहिं जकां जनसंघी
फेर मूल संघी भ गेलहूं

संघचालक हूनकहि सम
अनवरत अहां रहि गेलहूं
राजनीति आब व्यापार तें
कमल सद्य: होइतहूं अहां
कमलहूं लग कहां गेलहूं?
कमलाक कछेरहिंमे जन्म
कमलागीत गुणैत रहलहुं
गढ़ैत नाटक,सूनबैत गीत
बहूत देरहिंसं भनहि कि
साहित्य अकादमी शीर्ष
पर गुरू सुमन लग गेलहूं
निर्विवाद, निर्कलुष अहां
अजातशत्रु सन मान्य छी
श्रेष्ठ जनसं सम्मानित अहां
मैथिली सेवा छी कय रहल
मिथिला राज्य निर्माण लेल
हर श्वांस अहां छी ल रहल ।
अस्सी सालक राणा सांगा
अस्सी सालक कुंअर सिंह
सन साहित्य सेवा क रहल
एखन कहां अहां वृद्ध छी

जखन कोरोनापछाड गुरुमैता
शतकधारी पण्डित गोविन्दहूं
छथिए सक्रिय सरस्वती संग
रही अहूं कलम पकड़नहि
शतकीय पारी अबाध यैह
करी प्रार्थना गोसाउनिसं।
(२९.३.२०२२:१०.५२ दिनक लिखल)
मोन छल एक हल्लुक स्वर्णिम किरणक खिसियानी पोस्टक देल जबाब सेहो पढि दी किन्तु देर होइत छल तें नहि पढलहूं-

तूं त पिंगलिश बजलैं पंजाबी जकां
हरियाणावीक हिंग्लिश बजबैं त बरू
बाजि लै सरकारी हिंदीवला हिचकौलै
हिंग्लिश सून किरणिया तोहर खैर नहि।
सोनारिन सन तोहर बोल बदललौ
ठठ्ठा खूब लगौले हैं
अपन नामके पतो नहि छौ मूरखिया
सोनारिन लग तूं गेलै हैं
भोरक सूरजक तू किरणिया
जट्टा जटृटिन खेलेलैं हैं
राफ-साफ पूछबौ तोरासं
नेता तूं बनि गेलैं हैं

मानल मुखिया तूं बनि जेबें
तें बाभन कात लगेलैं हैं।
बज्जर खसौ हे नेताइन
मैथिली कें तू भरमेले हैं
कहसी की तूं से सब बूझल
घर-बाहर फज।झति मैथिलक़े
कमला कोशी बाढिक मारल
पेट लेल पंजाब गेल
किछ त मिक्सिंग हेबे करतै
जेना कोट ब्लाउज हिंदी में
पिरेशान तूं किएक होइइछैं
आब भेटतो रूबल रुपयामे।
भाषा पंडित ज्ञानीकें कहि दे
बना मिथिला मिंग्लिशो बाजी
नहि त दिल्ली दूनिया करती
दिल पल हाथ धय कहतीह
स्वर्णिम हंसती हिंग्लिशहिमे।
(२०-२१.४ २०२२ दिन राति ट्रेनमे
जगैत लखनऊ-गया मार्ग)

दोसर दिन प्रेमकांत जीक वर्षी पर कार्यक्रम आयोजित भेल।

पहिल दिन गुरूमैताजीक ९२म जन्मदिन पर हूनका पर पोथी लोकार्पित भेल।

भारतमे मिथिला राज्य निर्माण लेल प्रस्ताव संग बिहार क दोसर राजभाषा मैथिली, समस्त संघीय परीक्षामे मैथिली विषय, अटल बिहारी कोशी महासैतु नामकरण, कोशी मिथिलांचल एक्सप्रेससं सीमांचल एक्सप्रेस क भ्रामक नामक बदली, तहिना नेपाली प्रांतक नाम मधेशसं मिथिला बदललल जाय, काठमांडू तक रेल हो आदि पारित भेल।

एक संक्षिप्त किन्तु उपयोगी तीन दिनक संग १०३४ दिन-राति एहि २३९ यात्रा मे १९९२ सं आइ धरि हमर।

कोरोना नहि आएल रहैत त२२ आओर यात्रा मे २२० दिन आओर भेल रहैत जाहिमे १२४ईबैसार जरूर भेल आओर हजारों पृष्ठ लेखन। आशा युवा वर्ग पर किन्तु ओ अधिकांशतः मृगमायामे उलझल।तथापि मिथिला राज्य निर्माण हैत, डा हेडगेवार क शब्दमे याचि देहे, याचि डोले, एहि देहमे पूर्ण होइत देखी।

हमर 263 म मिथिला जागरण यात्रा(16.10.2022)

15.10.2022 Train_12488
16.10.2022 Barauni Mithila
1610.2022 Simariaghat Mithila
16.10.2022 Hathida_RJPB

17.10.2022 Patna Bihar

18.10.2022 Kota Exp

18.10.2022 Jaunpur U.P._Kashi Riverview Hotel

18.10.2022 Train_ANVT

यद्यपि ई संक्षिप्तम नहि छल जेना कहियो नरार गाम में मैथिलीमे शपथग्रहण करयबला विधायक लेल भयंकरकुहेसक दिन में जाहि शिवज्योति सबसं मधूबनी दश एगारह बजे पहुंचलहुं वैह अढ़ाई बजे पकड़म लेल बूझू न्याय गेलहूं आओर लेट लतीफ़ विधायकसभक पूर्व लौटि गेल छलहूं।

रात्रि नौ बजे रेलवेक सूचना जे १५क गोंदिया एक्सप्रेस ३००मश मिनट लेट रिशिड्यूल्ड। आब त १०३०क बदले १५३० बरौनी यानी सिमरिया घाट के मीटिंग सेहो गेल। भातिजकें कहलिएक पं दीनदयाल उपाध्याय जंक्शनसं ट्रेन देकर।

सीमांचल एक्सप्रेसमे एकमेव बांचल एसीतीनक बर्थ मेटल। १८-१९क गोंदिया एक्सप्रेस को आरक्षण रद्द करा जे आब पटनासं जौनपुर जा हिमाचल प्रदेश निकलिए जायब। जखन ओहि ट्रेनक प्रतीक्षा में नव दिल्ली को प्लेटफार्म पर बैसल छी। रैना कोटा एक्सप्रेस में बेहोश अन्तिम बर्थ ईएसीक मेटल छल।

जानिबूझिकंय देरथातिक ट्रेन लेने छलहूं जे दिल्लीमे सम्यक उपयोग हो किन्तु सब कियो अपनामे मस्त आ व्यस्त। ओना नीकहिं भेल कारण कार्मिक पटनामे भोर में डांडमे दर्द जे उठल से घसीटा मारि स्टेशन धन्य कृष्णा यादव भेजाक जे ट्रेन प्रणय सामान चढौलाह।

१५क रात्रि देर दूं घंटा सीमांचल एक्सप्रेसमे एक झपकी बाद चारि बजे भोर बरौनी जंक्शन प्लेटफार्म दूं पर रूककर देखि हड़बड़ीमे उतरलहूं।भोला प्रतीक्षा बेंच पर।फेर टेम्पूसं सिमरिया घाट स्वामी चिदात्मनजीक सर्वमंगला काली स्थान। गंगा स्नान।संध्या तर्पणादि बाद यज्ञमे भागकर बाद कार्तिक महात्म्य ओ भागवत टथामृतपानक बाद पंचैरी इहलौकिक सुख वा पारलौकिक लाते किछु विचार लांगल एंकर श्रोतामे अधिकांशतः मिथिलाक दरभंगा-मधुबनी जिलाक मातागण ताहूमे विधवा मातागणक अधिकता लांगल।

प्रसाद बाद आदर्श मिथिला पार्टी क महासचिव उमेशचंद्र भारती, मिथिला शिक्षा मंचक महासचिव पीके झा 'प्रेम', मिथिला ललित मंचक संयोजक सुरेश कुमार पासवान संग योजना बाद संध्यामे गंगापार हाथीदांत शिवमन्दिर लग योनि मन्दिर का दर्शन ओ फेर देर टाटा दानापुर सुपरसं राजेन्द्र नगर उतरिए भातिजक डेरा।

दोसर दिन १७क नोभे्ल्टीमे रोमिला थापर के आरम्भिक इतिहासक मैथिली अनुवाद क पेज सेटिंग ।फूल डेरा डा राकेश

संग जा भोजनकंय ओकर मुसल्लहपुर हाट कन्नरामे भूजाक कृष्णा यादव बन्धुओं संग किछु मिथिला राज्य निर्माण लेल चर्चा मात्र एसिड संक्षिप्त यात्रा में।
जौनपुरक रिसेप्शन कय रात्रि मऊ आनंदविहार सुपरफास्ट सं आबि हरि दिन प्लेटफार्म पर विश्राम ओ लेखन।
(१९.१०.२०२२:२२४२,नव दिल्ली प्लेटफार्म १४सं)

हमर 264 म मिथिला जागरण यात्रा(15-24.11.2022)-)-DSS-Jaynagar_ Kaluahi-Kudhni-(15-24.11.2022)-CEC,MWTCs, Chunav
15.11.2022 Gondia exp_SPJ
16.11.2022 Dalsingsarai addressed students
16.11.2022 Dalsingsarai Rastriya patrakarita Divas
16.11.2022 Kamla_Ganga Exp
17.11.2022 Jaynagar Dr Dayakant Jeebeshwar Prartihast
17.11.2022 Jaynagar
17.11.2022 Bus_Kaluahi

17.11.2022 Kaluahi

18.11.2022 Kaluahi

19.11.2022 Kaluahi

19.11.2022 Madhubani

19.11.2022 Kaluahi addressed students

20.11.2022 Kaluahi samapan 19 certificates KKJ, Narayn Yadav

20.11.2022 Bus_Kudhani

20.11.2022 Bakarpur

21.11.2022 Bakarpur

21.11.2022 Bakarpur interview chhanels

22.11.2022 Kudhani interview chhanels

22.11.2022 Bakarpur

22.11.2022 Turki addressed medicos

22.11.2022 Turki prepared slides for MRSS_jaykantbabau

23.11.2022 Bakarpur

24.11.2022 Bakarpur samapan 9 certificates

24.11.2022 Bakarpur interview chhanels

24.11.2022 Bus_Patna

१५.११.२०२२ क वाराणसी जं पहूंचलहूं सात बजे संध्या। मालूम चल जे गोंदिया महाराष्ट्रसं साढ़े तीन घंटा बिलम्बसं खूजली गाड़ी बिलम्बहि रहत।

सोचने छलहूं जे स्टेशन पर भारतीय दर्शन केर अनूवादक दूं दिन पहिले भेटल प्रूफ पढब वा रोमिला थापरक अनुवादमे किछू संशोधन जे पोथी हमरा संगे एतेक घूमल अछि आठ वर्षमे जे कोनहूं पोथीक लेल रिकार्ड जरूर भय गेल होयत। किन्तु से नहि कय अपनहि बालकनीमे अंडा देल कबूतरी पर हिन्दीमे दीर्घ कविता लिखि विश्व हिन्दी संस्थान,कनाडा और यूकेमे रहनिहार अपन सहपाठिनीकें पठाओल।

करीब मध्यरात्रिमे खूजल ट्रेन भोरमे गंडक पार करक पूर्व शौच गेलहूं जे मिथिलाक पवित्र भूमिकें कमसंकम अपवित्र करी।

सोनपूरक मेला उजड़ि चूकल छल एहेन सहयात्री कहलन्हि। हाजीपुरमे प्रसिद्ध कूरा खरीदलहूं।

प्रेमजीक फोन जे बारह बजे तक दलसिंहसरायमे छात्र भेटताह शिक्षा विहारमे। ट्रेनक शौचालयमे स्नानकय बर्थ पर संध्या तर्पणादि जे समय बर्बाद नहि हो।

गोंदिया एक्सप्रेस दलसिंहसराय रूकैत नहि छै तथापि समस्तीपुर नहि उतरलहूं जे कहीं रूकि जाय नहि त बरौनीसं लौटब।

एक डेली पेसेन्जरसं पूछल तो कहला अवध आसाम पाछांसं ओहि प्लेटफार्म पर आबिद रहल अछि त उतरलहूं सामने ठाढ

स्पेशल ट्रेन भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन क बतबैत इतिहास क फोटो खींचलहूं।

ट्रेन में भयंकर भीड। स्लीपर कोच के गेट पर चूट्टीक जगह नहि लाइव छूटते किन्तु कहुंगा चढि दलसिंहसराय। कोरोना बाद आयल छलहूं जे स्टेशन हमरा मिथिलामे सभसं नीक लगैत अछि। एसिड बीच नल प्रतीक्षालय बनल ओ आरक्षण टिकट सेहो अब आठ बजे रात्रि धरि। शिक्षा विहारक शिक्षक वीरेंद्र कुमार वेब आयल छलाह।

जे छात्र छल नौकरी कर तैयारी लेल पढैत भूनकर घंटा भरिसं ऊपर क्लास दूर विविध परीक्षोपयोगी विषय पर । भोजन बाद राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर कार्यक्रम।

प्रेस रिलीज़:16.11.2022 दलसिंहसराय(समस्तीपुर जिलामे)राष्ट्रीय प्रेस दिवसक अवसर पर शिक्षा विहार, भटगामाक प्रांगणमे मिथिला पत्रकार मंचक तत्वावधानमे आयोजित बदलैत परिवेशमे बदलैत पत्रकारिता बिषय पर संगोष्ठीमे मुख्य वक्ताक रूपमे मैथिली संदेश एवं आयुर्विज्ञान प्रगतिक संपादक डा धनाकर ठाकुर, वाराणसी कहलाता कि पहिले साहित्य समाजक दर्पण होइत छल परन्तु आजुक बदलैत परिवेशमे पत्रकार समाजक निर्माता बनि रहल अछि ।समाजक सभ पेघ-छोट खबरिकें निर्भीकतासं प्रकाशितकय सुसभ्य समाजक निर्माता बनि गेल अछि। हालांकि हुनक परिवारकें एंकर खामियाजा भुगतय पड़ैत अछि तथापि पत्रकार धर्म

निभाबयबला युवा आओर साहसी पत्रकार अपन कर्तव्य पथसं डिगैत नहि छथि। संगोष्ठीकें संबोधित करैत बिहार संदेश दिल्लीक संपादक प्रो पी के झा 'प्रेम' कहलन्हि कि आब समय बदलि रहल अछि, पत्र पत्रिकासभ आओर पत्रकारसभक भूमिका सेहो बदलि गेल अछि, समयक संग नहि चलयबला मिडियाके लोक नजर अंदाज सेहो कय रहल छथि। संगोष्ठीमे बिषय प्रवेश करैत युवा पत्रकार मिंटू झा कहलाह कि आइ बदलैत समयमे पत्रकारकें सेहोउचित पारिश्रमिक तथा सामाजिक सुरक्षाक गारंटी हेबाक चाही ताकि ओ निर्भीकतासं खबरिकें समाजक सामने आनि सकथि। धन्यवाद ज्ञापन करैत शिक्षा विहार बुलेटिनक संपादक सुशांत चन्द्र मिश्र कहलाह कि आजुक पत्रकारकें समाचार संकलन, प्रकाशनक संगंसंग समाजकें दिशा देबामे सैहो महती भूमिका निभेबाक होयत,आशा अछि ओ एसिड भूमिकाक लेलअपनाकें तैयार करताह।

एहि अवसर पर शिक्षा विहार बुलेटिनक सह संपादक वीरेंद्र कुमार तथा मनीष कुमार आओर प्रबंध संपादक प्रीति प्रियदर्शिनी आदि सेहोअपने विचार व्यक्त कयलन्हि।

एकर पूर्व युवा मिथिलाक शिक्षा विहारमे एक कार्यक्रममे नौकरीक लेल प्रतियोगिता परीक्षासभक तैयारीमे लागल छात्रसभकें मोटिवेशनल स्पीचमे प्रोफेसर मेडिसिन वाराणसी डा

धनाकर ठाकुर कहलाह कि हर निराशाक बाद आशाक किरण निकलैत अछि । कखनहुं आत्महत्याक बात नहि सोची।मूल पुस्तकसभ पढ़क चाही आओर बारंबार ओकरहि पढ़िकंय ज्ञान प्राप्त कय सकैत छी ।

पढ़निहार आओर पढ़ाबयवला बिहारक आओर संस्थान कोटामे ई स्थिति बदलक चाही।

स्वस्थ रहक अछि त एसिड लेल भोजन आओर व्यायाम दूनू पर ध्यान देबाक चाही। सात घंटा सूतक चाही। चबाकंय खायबला भूजा आदि खाई।एक लतामक गाछ जरूर लगाबी। एक खेतमे तरकारी उपजाबी।

कार्यक्रममे महाकवि विद्यापतिक जय जय भैरवी आओर जनकवि यात्री नागार्जुनक भगवान हमर मिथिला सुख शान्तिक घर हो दोहराओल गेल।

रात्रि में कमला गंगा एक्सप्रेस संघ जयनगर चारि बजे। ठाणे शहीद एक्सप्रेस में घंटा हरि किन्तु मच्छर के डयसं निकलि एक नमृबर पर। प्रतीक्षालय ओहिना गंदा तथापि शौचस्नानादिकय संध्यादि।

दूं संभ्रांत व्यक्ति प्रतीक्षालय में शौचादि अयलाह त परिचय पूछल। एक छतौनीक जीवेश्वर प्रतिहस्त जिनका घर २०१० में चुनाव प्रचारमे गेल छलहूं छोटी महिनाथपुरसं लौटैत सड़क वामा खपड़ाक ओना चिन्हलाह नहि संभव ओहि समय ओ घर में नहि रहल होथि।

दोसर गजहाडाक डा दयाकांत झा जे कोलकातामे संस्कृतक प्राध्यापक आओर ओहो डा जयकांत मिश्र पर गोष्ठीमे आमंत्रित छलथि जकर एक सत्रमे हमरहूं अध्यक्षता २७.११.२०२२ क करक अछि। हमर मोनमे छल जे जयकांत मिश्रक गाम गजहाडामे एक गोष्ठी हूनक जनशताब्दी पर आयोजित हो।लागल भगवती किनकहूं पठाओल अछि।२०क समय देल। (किन्तु १९क खबरि देलाह ग्रामीण एखन तैयार नहि। प्रेम जी हमरहूं नारायण यादव जीके घर जाती लेल कहलाह। शौचालय टूटल ओ स्नानघर गंदा जेना प्रतीक्षालय किन्तु हम अपना लेल आनसं अधिक सुविधाजनक स्थिति नहि चाहैत छी। बिना कमोडकें कष्ट त होइत अछि किन्तु जाहि विधि राखथि राम ताहि विधि रहिए। कहूना शौच-स्नान केलहूं।साफ करयवालीसभ अएलीह जरूर किन्तु तावत हम पूजा कय लेने छलहूं ।

पूछलिए त कहलीह सभ दिन साफ करैत छी किन्तु लोक खूजली रहल चलते गंदा कर दैत अछि। एक आदमी हमर नहेला बाद ओतहि तमाकू खेने थूकिए आयल।

मिथिलाक गंदगीक मुख्य कारण पान ओ तमाकू।

प्रेम जी नारायण यादव जीके घरसं जलखईकंय हमरा लेल रोटी भूजिया लय दूनू गोटे अएलाह।गजहाडाबलाक सामान ओगरनिहार हम , तें दूनूकें आर्य कुमार पुस्तकालय दिशि बढ़य कहलियन्हि ।हमर सामान जे रोमिला थापर के अर्ली इण्डिया

और हिरण्णय्याक इण्डियन फिलोसॉफी आओर ओकर प्रूफ चलते भारी भय गेल छल। रोमिला थापरक ई किताब हमरा संगे जतेक नौसालसं घूमि रहल अछि शायदहिं कोनहू किताब भारत घूमल होयत । साइकल पर लदलाह हमर सामान नारायणजी। हम पाछांसं टहलैत । नेपाली बोर्डर चुनाव चलते सील तें उम्र जेबाक बातहिं नहि । मोबाइल दोकान पर देखकर गेलहूं तो कहलाह फाईलक लाऊं तो फेर साफ्टवेयर लोड करताह। ओकरा लगलइ ओ मिथिलामे बहुत ठाम लोककें लगैत अछि जो हम ओतहि रहैत छी।

आर्य कुमार पुस्तकालयमे कार्यकारिणी बैसारक बाद राजीव हमरा कलुआही बस पर बैसेलाह जे ओतय जा ८८म मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ क यल। एक आकर्षक युवती शिक्षिकाक सबमें छूटल हरायल मोबाइल भेटि गेल छलन्हि ।हूनका इनाम बस कर्मचारीकें दैत ओ नीक बोली सूनि बजा अपन बगल में बैसाओल जे बांटनी पढ़ने छलीह किन्तु शिशु शिक्षिका। बेनीपट्टी में देखल पितृहीन कन्या लेल वर देखबय कहलियन्हि ओ फोन केला पर दूं मास बाद लड़की चिन्ह गेलीह। कलुआही बस स्टैंड पर मुखिया अवध किशोर झा स्वयं आबि गेलाह ओ यथासमय प्रशिक्षण शिविर दीप जला प्रारम्भ भेल। भोर में हूनक कक्का हमर खर्राटाक चर्चा केलाह।

१८ क गंगा काली स्थान पर प्रशिक्षण भेल।दूर चलते मधुबनी नहि गेलहूं। १९.११क गेलहूं ओ प्रूफ नवारम्भसं लय लेखक

दिलीप कुमार झाक डेरा आदर्श नगरमे साहित्य चर्चा।

चभच्चा चौंकसं ईरिक्शासं कलुआही।

एक शिक्षक एवं पुरोहित ठाकुर टोल छोड़लाह । डिफेंस कोचिंग सेंटर देखि घंटाभरि सभ विषयक किछु किछु पढ़ा लौकिक प्रशिक्षण मुखियाजी डेरा।

२०.११.२०२२ प्रातः डा कमलकांत झा एवं नारायण यादव अएलाह आ वर्ग समापन भेल।

फेर कलुआहीसं बस द्वारा मुजफ्फरपुर आगां लदौरा उतरलहूं। उपचुनावमे उम्मीदवार संजय ठाकुर अएलाह आओर हूनक घर सामने एक कोचिंग सेंटरमे ८९म मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ भेल जे २१.११.२०२२ के भोर सांझ प्रशिक्षण चलल यद्यपि कलुआही सन नहि।एहि इलाका ओ वर्ग में जड़िसं काज करयक आवश्यकता तें कोचिंग सेंटरक बच्चा सभ बीच प्रार्थमिकता छल किन्तु फेर बिलम्ब भय गेल। राजनीतिक कार्यक्रम नाम पर अनेक चैनल आदर्श मिथिला पार्टी लेल बयान लेलक जे सूनि हमर दरभंगा मेडिकल कॉलेज के सहपाठी डा अरूण कुमार पूर्व प्राचार्य दूमका मेडिकल कॉलेज २२.११.२०२२ भोर फोन केलाह आओर डा राघवेन्द्र संग अएलाह आओर निकटस्थ तुर्की लग नव खूजल आरजेजेएम मेडिकल कॉलेज लय गेलाह।ओतय प्राचार्य डा उदय कुमार हमर नाम नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन चलते 1978-79सं सूनने छलाह

जखन ओ एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में पढैत छलाह ।

एनाटॉमी हालमे त रांची कालेजक 1973क बांटनी आनर्सक सहपाठी डा नवीन भेटलाह। छात्रसभकें घंटाभरि मेडिकल आओर अन्य जानकारी देल।ओतहि अरुण राघवेन्द्र संग भोजन।फेर लाइब्रेरी में करीब चारि बजे तक डा जयकांत मिश्र पर स्लाइड बढाओल। अंग्रेजी सं मैथिली अपन फ्लाइटें कय।

ड्राइवर रास्तामे तुर्कीक शिक्षक प्रशिक्षण शिविर देखौलक जे १९५०मे स्थापित लिखल अछि ।अमरजीक मैथिली पत्रकारिताक इतिहास में जानकी नवमी अपन जातीय पर्व ई संदर्भ एतुक्कहि सिंह जीक छल १९३२-३४क से हमरा लगैत छल।

देर चलते कोचिंग सेंटरस छात्रसभ जा चूकल छल। प्रत्याशीकें अंगरक्षक आबि गेल छल तें सूतय लेल सामने कोचिंग सेंटरक संतोष लग गेलहूं। ओ उद्यमी नीक छथि, शिक्षक नीक छथि,आशा अछि कार्यकर्ता नीक संन्यास।

२३.११ क भोर-सांझ प्रशिक्षण देल।प्रूफ किछु पढलहूं,किछु चैनलकें भोरमें संदेश देल।

२४.११ के सेहो ओहिना आओर२५.११.२०२२क भोर में नौ कें प्रमाणपत्र दर प्रशिक्षण समाप्ति।

स्नानकंय पूजा करैत काल फूल चैनल पर प्रसारित हैमर संदेश।

भोजनकंय बस लेल प्रतीक्षारत मिथिलाकसब कोन मोतिहारी,जयनगर, किशनगंज जाइत बस देखलहूं।पटना हमेशा

भेटैत छैक जयनगर संघ अबैत गणना कूदने छलहूं ३०० भाड़ा १५०बस भरमे ५० यात्री साल में ८१ करोड़ पटना चलिए जाति अछिट
ट्रेनहूंमे बहुत तें एक अरब मधुबनी जिलासं केवल।तूं राज्य बनलासं करीब बीस अरब तक यैह हर वर्ष बचत। हाजीपुरमे। कूदा खरीदलहूं आओर गंगा पार मगधमे।
गायघाटसं मुसल्लहपुर हाट होता भातिज के भूरा लंगरटोलीमे।सामान राखि नोवेल्टी। नरेन्द्र कुमार झा क लग छात्र नेता मनीष अंशुमान।
रात्रि राजेन्द्रनगरसं हावड़ा एक्सप्रेस सं २६.११ वर्धमान उतरिए ६३०ट्रेनसं प्रांतिक स्टेशन। अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक महासचिव नारायण यादव नेपाली प्रतिनिधि संगे किन्तु हम ओतहि रहि कहूनाकंय स्नान कंयपूजा केलहूं।फेर गेट नंबर एकस्टेट बैंक लग। संयोजक डा रामचन्द्र रायकें फोन।एहि बेर कार्यक्रम पोस्टआफिस लग समयाव मवनमे। उद्घाटन सत्र प्रारंभ भेल।डा सुभाष चट्टोपाध्याय नीक बजलाह।
ओहि बीच दुर्गापुरसं फोन अभि गेल आओर भोजनोपरान्त परिपत्र वाचनक बाद गाड़ी। अग्नि कालीकट महान दैखैत दूर्गापुर। गाडी वापस वर्धमान छोडलक।
मध्यरात्रिमे प्रताप एक्सप्रेससं चलिए २६.११.२०२२क दूपहर प्रयागराज। कंपनीबाग लग म्युजियममे सभागारमे साहित्य

अकादमी द्वारा डा जयकांत मिश्र शतवार्षिकी समारोहक उद्घाटन सत्र भय चूकल छल। भीमनाथ झा संग भोजनोपरान्त म्यूजियमक मूर्ति आदि देखल।

फेर कार्यक्रम उपरान्त विश्राम लेल हूनक व्यवस्थामे।

रवि २८.११.२०२३क फेर कार्यक्रममे

प्रयागराजमे साहित्य अकादमी द्वारा चलि रहल डा जयकांत मिश्र शतवार्षिकी समारोहक अनेक वक्तासभ द्वारा सहभागिताक संग भेल जाहिमे डा भीमनाथ झा, दरभंगा,डा रवीन्द्र कुमार चौधरी, घाटशिला, डा अशोक अविचल, जमशेदपुर,श्री रबीन्द्रनाथ मिश्र,नोएडा,डा दयाकांत झा,गजहाडा, मधुबनी,डा दिलीप कुमार झा, मधुबनी,डा धनाकर ठाकुर,वाराणसी आदि डा जयकांत मिश्रकें मैथिली भाषा आओर मिथिला राज्यक लेल एक अमर सेनानी बताऔलाह।

गुगल माध्यमसं शैलेन्द्र झा, मुम्बई, प्रमोद कुमार झा, जमशेदपुर,विधुकान्त मिश्र प्रयागराज, सनत कुमार झा, रांची आदि जुड़लाह। राजीव कुमार कर्ण, दरभंगा संचालन केलाह।

समापन सत्रक अध्यक्षतामे मिथिला राज्य, अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन आ डा जयकांत मिश्र पर स्लाइड शोक संग परिपत्र वाचनक बाद भोजन। नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन के डा आशुतोष शुक्लक संग चन्द्र शेखर आजाद क बलिदान स्थल पर श्रद्धांजलि दैत भारद्वाज पार्क आओरतखन दारागंज, प्रयागराज। विश्राम भोजनोपरान्त एगारह रातिक ग़रीब रथसं

रांची २८.११.२०२२ दूपहर जयंत छोट बहिन को नव फ्लैट प्रवेश पूजा में अनेक मैथिल जयन्त झा हमर संघक संगी शिवशंकर प्रसाद संग।डा अर्चना ओ डा ओमप्रकाश सेहो। डा अशोक झा अब सेवानिवृत्त भय अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक कार्य प्रयास।उदयसंतोषजी सेहो।

बहुत रसगुल्ला आदि खेला चलते २९.११.२०२२क अजीर्ण।भरि दिन परिवार बीच विश्राम। आइ ३०.११.२०२३क श्यामली रांची बैंकमे पेंशनक लेल अंगूठा दय ओहि बैंक,आओर फेर मंदिरमे देर तक जतय हम १९९२मे मिथिला कार्यकर्ता बनलहूं,२०१५तक रहलहूं।आब रातुक ट्रेनसं भोरमे वाराणसी।

(३०.११.२०२२:१२५५,शिवदुर्गाहनुमान मंदिर,श्यामली, रांची)

हमर 265 म मिथिला जागरण यात्रा (15-31.12.2023)- -
MRSS Darbhanga

15.12.2022 DDU_Seemachal

16.12.2022 Forbesganj

16-19.12.2022 Sijhua 90 MWTC

17.12.2022 Sijhua Father's varshee

19.12.2022 Forbesganj

19.12.2022 Bus_Bhaptiahi

19.12.2022 car_Saharsa

19.12.2022 Saharsa
20.12.2022 Saharsa Narayan Medical College
20.12.2022 Saharsa Met Dr Swatantraji
21.12.2022 Bus_Supaul Via Baluaha first time
21.12.2022 Darbhanga
22.12.2022 Darbhanga Vi MRSS sammelan
22.12.2022 Scorpio_Chkdah
22.12.2022 Chakdah
23.12.2022 Chakdah Talked with children
23.12.2022 Tempo_Loha
23.12.2022 Loha_Narhi 91 MWTC
23-26.12.2022 Narhi 91 MWTC
26.12.2022 Madhubani proofs
26.12.2022 Madhubani Maithili Punarjagran Prakahsh
26.12.2022 Gangasagar EXP_DSS
27-30.12.2022 Dalsinghsarai 92 MWTC
30.12.2022 Dalsinghsarai Vimochan, ULAHNE

31.12.2022 Dalsinghsarai Mithila Arthik Manch founded
31.12.2022 Dalsinghsarai Condolence for Arun K Jha
31.12.2022 Dalsinghsarai Kannauj Utkarsh Parishad IV Foundation day
31.12.2022 Samastipur Jila samiti formed
31.12.2022 Train_Swatantrata Senani exp
1.1.2023 Varanasi

मिथिलामे काज करब कतेक कठिन अति एकर अनुमान कोनहूं मिथिला यात्रासं भेटत।अहां लग टिकट हो तथापि भीड़।आठके कूपामे पन्द्रह- बीस गोटे, सभ भारी सामान राखि।चारि घंटा लेट सीमांचल एक्सप्रेस दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर १५.१२.२०२२ रात्रि चढ़ला पर भोजन कहुना केलहूं ,पानि नहि पीलहूं जे शौचालय नहि जाय पड़य। जखन भोरमे नौगछिया पूर्व किछु खाली भेत जनदबावसं आओर सरकारी उदासीनतासं मोदीजीक साफसफाई अभियान कागजी भेलक अनुभव तथापि लगहीकंय वापस। कटिहारमे रूकला पर दूं बोगी आगां जा जनदबावसं बांचल कमोडवला शौचालयमे पेट खाली केलहूं।

एखनधरि अधिक जनसंख्यावला किछु मुस्लिम जे संभव कहियो बंगलादेशसं आयल होथिकें उतरलासं गाड़ी किछु हल्लुक भेल छल।

कटिहार फारबिसगंजक मार्ग देखैत सिमराहीक एक वाणिज्यिक छात्र युवकसं परिचय भेल। हुनका मिथिला वाणिज्य छात्र परिषदक व्हाट्सएप समूह बना एडमिन बनाऔल जे ई काज बढ़ाबी।ओ पहिलहि बेर फारबिसगंजक स्टेशन आयल छलाह।हुनकाशर संग फोटो खींचायल।

ई-रिकशासं ओ सुभाष चौक गेलाह ओ हम माएक वर्षी लेल चूड़ा -दही पैकेट खरीद कोठी हाट। बच्चासं जानल चिन्हल बाजारसं होइत जाइत १८.१२क होमबला नगरपरिषद चुनाव प्रचारमे गुंजायमान छल जाहिमे केवल एक अलखबाबूक प्रपौत्रीक चिन्ह पयलहुं।

डा अलख निरंजन एमबीबीएस आओर हमर पिताजी हूनकासं किछु छोट आयुमे एक आयुर्वेदाचार्य।

दूनू बाहरसं एत आयल किन्तु हमसब फेर परदेशी भय गेलहूं।

वैद्यनाथ आयुर्वेद भवनक वैद्य वृद्धिचंद शर्माजीक बेटासं रिक्शासं हाथ उठा नमस्कार आदान-प्रदान भेल।जामक चलते धीरे जाइत रिक्शा अपन पुरान पोस्ट आफिस चौक,सूल्तानी पोखरि होइत कोठी हाट पहुंचल।

लाकडाऊन बाद पहिले बेर हजामसं केश छिला फोन केलियैन्हि सिझुआ त कहलाह अहां हमर फोन नहि काल्हि उठौलहूं

मुखियाजी कहलाह अछि एखन नहि बादमें आबी नीक जकां करब। हम कहलियन्हि हम नेता नहि छी जे भीड़ देखि प्रसन्न होयब। कहां कतेक सोचने छी। एक सौ। हम त दशमे प्रसन्न छी आओर आबि गेल छी।

१३.१२क एहिना तय जयनगर गांव १४.१२ क रद्द भय गेल छल जै लोक कहैत अछि पूष अछि जाहि पर हम एहि अब्राहमण गाम ठेकियौने छलहूं।

सामाजिक कार्यमे जहन स्थगन प्रस्ताव ओ बहुत घातक। बरेलीसं कहियो ट्रेनमे दशरथपुर, मूंगेर लेल चलल स्थगन भेल छल त पटसा, समस्तीपुर चलि गेल छलहूं । किन्तु एहि तरहक स्थगन छोटमोट बात पर करयबला ई नहि बूझैत छथि कतेक झंझटसं हमसब छूट्टी निकालि पबैत छी।

एक दिशि लोक कहताह कोन जरूरत जे नौकरी करैत छी आओर दोसर दिशि जै समय तकरहूं उपयोग नहि करब।

अस्तु अब लौटबाक प्रश्न नहि। कपरफोडाक पहिले पगडेरा चौक पर एक मिथिला मोबाइल रिपेयरिंग सेन्टर देखि लागल कियो त मिथिला जगौने अछि भनहि अशुद्ध मिथिला लिखने।

शंकरपूर चौक पर उतरलहूं त प्राथमिक विद्यालय छूट्टी होइत।शिशुसभकें स्वस्थ रहक, पढ़क बात बताऔल मिथिला शिशु परिषद् क एक नीक कार्यक्रम भय गेल। शिक्षकसभ सेहो

सूनलाह।

स्कूटी लय दिनेशजीक बालक आएल और सिझआ अयलहूं। स्नान भोजनोपरान्त सांझमे घरहिमे ९०म प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ भेल जे बादमें तीन दिन लक्ष्मी मन्दिरमे भेल।

एतय अबैत एक लक्ष्मी मन्दिर रास्तामे देखि चौंकल छलहूं। याद पबल छल दिल्लीसं रांची जाइत वैश्य समाजक एक मैथिल बतौने छलथि जे ओसभ गुमलामे लक्ष्मी मन्दिर बनौने छथि जाहिमे कोजाग्रा पूजा आसिन पूर्णिमाक होइत अछि जे सिझुआमे सेहो होइत अछि ।

वस्तुत: ई भाग कोशी मिथिलांचल अछि अररिया सीमांचल नहि ।

१७.१२.२०२२ क

प्रशिक्षण शिविरमे मिथिलाक भूगोल पर चर्चा आओर एक मैथिली कथा 'कबाउछ'क पाठ भेल।

एत मखान मधुबनी जकां । मधुबनी पेंटिंगकें 1934मे तकनिहार आर्चरक नाम पर फारबिसगंजमे लीएकेडमी हाई स्कूलक होस्टल अछि। एत पीपरि, नागकेसर होइत अछि जे व्यापारिक खेती संभव।

मिथिला राज्य निर्माणक लेल चर्चामे पूर्णिया, कोशी, दरभंगा तिरहुत, मूंगैर ,भागलपुर प्रमंडलक संगहि झारखंडसं संथाल परगना प्रमंडलक मांग कयल गेल।

मिथिला राज्य संसाधनसं भरल अछि जत कृषि आओर एहि पर

आधारित उद्योगसभक अपरिमित संभावना अछि। धार्मिक पर्यटन सेहो काफी भ सकैत अछि कारण एतहि नृसिंह अवतार पूर्णियामे सीकलीगढ, बनमनखी लग भेल जे पूर्णिया गजेटियरमे देल अछि।हम ओहि पर 1995सं लिखि रहल छी।
आदिकुम्मस्थली सिमरिया घाट,बाबा बैद्यनाथ धाम,गजग्राह स्थली सोनपुर, पुनौराधाम सीतामढ़ी, बाल्मीकि आश्रमकें नेपालक जनकपुरसं जोड़यवला मिथिला सर्किट तमिलनाडुक समानहि महत्वपूर्ण अछि।
संध्याक सत्रमे समाजिक समरसता पर चर्चा भेल। मिथिलाक सभ त्योहारमे समाजक हर वर्गक सहभागिता होइत अछि। मुस्लिम दाहा पर हिन्दू जिलेबी चढ़बैत अछि आओर
दूर्गा भसान मेलामे मुस्लिम सेहो भाग लैत अछि।
फारबिसगंजक सुल्तानी माता त हिन्दू लड़की यज्ञकुंडमे कूदि मरलीह क बाद सुल्तान हूनका माताक दर्जा देलक आओर मजार बनौलक जिनकासं ओ विवाह कर चाहैत छल परन्तु ओहि लड़कीक कहला पर पोखरि खुनौलक आओर यज्ञ सेहो करौने छल। भारतमे एहेन हिन्दू मुस्लिम एकताक कोनहूं दोसर दिन उदाहरण नहि अछि।
स्वस्थ रहक लेल जीवन शैलीमे परिवर्तन करक लेल व्यायाम, संतुलित भोजन, साफसफाई पर ध्यान देब कहलहूं।
अध्यात्ममे गीता पर सेहो चर्चा भेल।

मिथिलाक इतिहासमे निमि-मिथि प्रसंग,57 जनकक बाद पहिल गणतंत्रक भूमि मिथिलामे फेर PSKOK राजवंश यानी पालवंश,सेनवंश, कर्णाट वंश, ओइनवार वंश,खंडवला वंशक बारेमे बताओल गेल ।

वर्गमे नियमित एक पंडित जी द्वारा १७ १२क माएक एकोदिष्ट कर्म भेल जिनक गयाश्राद्ध २०१४मे केने छी। द्रोण पुष्प जे जुल्फी एत कहाइत अछि पहिले बेर चिन्हलहूं।भोज रांची डेरा पर भेल।
मेंबर दिन बताओल कि 1774 ईस्वीमे ईस्ट इंडिया कंपनी सरकार तिरहुत यानी मिथिलाकें बोर्ड आफ रेवेन्यू, पटनाक अधीन कय देलक आओर तहियासं मिथिला बिहारमे अति जखनकि पौराणिकसं मुस्लिम काल तक एकर अपन पहचान रहल अछि जे मगधसं अलग अछि।अलग मिथिला राज्य निर्माण एंकर विकास लेल आवश्यक अछि।
प्रातः सत्रमे हाइब्रिड मोडमे 163म गुगल मीटिंगक द्वारा मुम्बईसं शैलेन्द्र झा, रांचीसं सनत कुमार झा आओर दरभंगासं राजीव कुमार जुटलाह।
गामक स्वच्छ हवामे तीन दिन बीतल। एक दिन मुखियाजी सेहो अयलाह।जे २०-२५ उपस्थितिमे कियो भोर कियो सांझ अएलाह ओहिमे नियमित पांचकें १९.१२.२०२२ क प्रमाणपत्र देल।
 अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद क 90म चतुर्दिवसीय मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरकक छ: सत्रमे चलल प्रशिक्षण

शिविरमे मिथिलाक भूगोल,इतिहास,संसाधनसं विकास, आत्मनिर्भर मिथिला राज्य, सामाजिक समरसता, कार्यकर्ताक गुण, परिषदक कार्यपद्धतिक अलावा स्वस्थ जीवन शैली एवं भगवद्गीता पर हमर संबौधन भेल।

शिविर संयोजक दिनेश लाल देव कहलाह कि एहि प्रकारक शिविर जिलाक दूरस्थ क्षेत्रसभमे लगाओल जाएत ताकि मिथिला राज्य निर्माण भय सकय।

मुखियाजी दुर्गानंद मिश्र कहलाह कि आग आओर पैघ कार्यक्रमसभ आयोजित कयल जाएत।

नियमित उपस्थितिबला प्रतिभागीसभकें प्रमाणपत्र मिथिला एवं भारतक विकासक लेल नि: स्वार्थ आजीवन कार्य करय लेल प्रतिज्ञा संग दिआओल गेल ।हरेक सत्र महाकवि जम जय भैरवीसं प्रारंभ एवं समापन जनकवि नागार्जुन यात्रीक भगवान हमर मिथिला सुख शांति के घर हो सं कयल गेल ।

चूड़ा दही खा कुर्साकांटा हत्ता चौकसं टेम्पू द्वारा टूटल रास्तासं फारबिसगंज अपन टूटल घरकें देखैत सुल्तानी माताक दर्शन। सीताधार देखैत बससं भपटियाही सहरसा लेल। भपटियाहीसं मलाड गाम होता परसरमा बाबा लक्ष्मीनाथक जन्मस्थली।

सुपौल देखैत २००८क कुशहा बांध टूटला पर अपन जिन्दलक टीमसं कईएकलाखक दवाई बांटक दिन याद आयल।



सुपौल

सहरसाक बाहर मिथिला मैथेमेटिक्स क्लासक बोर्ड नीक लागल। सहरसा अस्ताचलगामी सूर्य देखैत गंगाजला चौक मिथिला मैथिलीक अप्रतिम कार्यकर्ता स्व.डा एल एन झाक डेरा पर हुनक स्वर्गवासक पांच वर्ष बाद।



सहरसाक अस्ताचलगामी सूर्य

स्वर्गीय डा एल,एन झा सन मिथिला कार्यकर्ता विरला

छलथि।ओब जगन्नाथ मिश्रा सहपाठी छलाह आओरललित बाबूसं तर्क वितर्ककंय सहरसा डाक प्रमंडल बनौने छलाह। मीटिंग २०.४.२२क रमणजी नया बाजारमे अपन चिकित्सा केन्द्र पर रखने छलाह जकर सूचना हमरहूं करीब २५ लोककें देने छलहूं किन्तु कियो नहि अयलाह जाहिसं मिथिला कार्यमे अभिरुचि के बारेमे अन्दाज लागि सकैत अछि किन्तु हमर समय बर्बाद नहि भेल प्रथम: नारायण मेडिकल कॉलेज देखलहूं,एंकर स्वामी, स्वामिनीसं भेंट भेल आ स्वागत। छात्र छूट्टी में छलाह तें हमर व्याख्यान नहि भेल।दोसर डा स्वतंत्र कुमार सिंहसं अनेक वर्ष बाद ओ मिठाईवाली भाऊजसं दशकों बाद भेट।

स्वतंत्रजी संघ हमर परिचय दूनूक अनुज चलते जे नेतरहाट विद्यालयमे पढ़ैत छलथि। स्वतंत्रजी चारि भाइमे तीन नेतरहाट विद्यालयमे पढ़ैत छलथि जे सहोदर भाईक रिकार्ड हो कूलर शैलेन्द्र सिंह नहि जा सकल। अनन्त कुमार सिंह जे आइ ए एस अफसर भय भारत सरकारक सचिव बनल अपन इमानदारी लेल आभास कुमार चटर्जी जकां जानल जाति रहत आओर तें हमर अत्यंत प्रिय अछि।हमर स्वर्गीय अनुज सुमन ओकरासं चारि वर्ष कनीय छल ओ अनन्तक अनुज अरूण बीएचयू में भूगोलक प्राध्यापक अछि। स्वतंत्रजीक चलते हम पं रामनन्दन मिश्रा संपर्कमे अयलहूं जे जयप्रकाश नारायण को समकक्ष समाजवादी नेता जे अध्यात्मिक विभूति भय गेलाह।

सहरसा ओहिना अविकसित अछि,६५साल भय गेल एक ओवरब्रिज निर्माण रेल गुमटी पर नहि भेल।

अनेक दोकानक नाम मिथिला पर देखि नीक लागल।

२१.१२.२०२२क भोजनोपरान्त थाना चौकसं दरभंगाक बस १२२६मे खूजल कि रत्नेश जी घर पर छूटल टोपी आओर दस्ताना लय अयलाह।

हम पहिले बेर बलुआहा पूल होइत दरभंगा अयलहूं जे अढ़ाई घंटाक रास्ता भय गेल। वनगांव त कइएक बेर गेल छी,बाबा कुटीकें प्रणाम बसहिंसं पहिले बेर कयल।आगां कुशेश्वर कान गेलाह ध्यान नहि गेल किन्तु सुपौल बिरौल होइत शिवनगर घाटसं जानल चिन्ह् रास्ता । बेनीपूरक अनेक ध्यान किन्तु मिथिला राज्य लेल उत्साही नेता सुनील ठाकुरक फोन नहि लागल जिनके गाड़ीसं ई इलाका धांगल छल यद्यपि पहिल परिचय सुरेन्द्र झा 'सुमन'क चुनाव १९७७मे भेल छल फेर ट्रेन में मेटल रूपनगरक गांधीजी नाम विख्यात शिक्षकसंग।

दरभंगाक दोनार नाका नम्बर पांच होइत बालाजी मंदिर लग बस उतारलक ओ बहिनक घर प्रोफेसर कालोनीमे। विश्रामक पूर्व अनुजा सार डा विनय चौधरीक भेंट लेल ।

२२.१२.२०२२ के मिथिला राज्य संघर्ष समितिक छठम सम्मेलनमे भाग लेल अखिल भारतीय मैथिली साहित्य समितिक दिग्घीक भवनमे दूपहरमे जे डा बूचरु पासवानक अध्यक्षतामे भेल।

मिथिला राज्यक विभिन्न आयाम पर भुगोल विशेषज्ञ डा टूनटून

झा, वनस्पति विज्ञान विशेषज्ञ डा विद्यानाथ झा, साहित्यकार चन्देश, डा फूलचंद्र रमण, दिलीप कुमार झा, आदर्श मिथिला पार्टीक विमला दास,राजीव कुमार कर्ण, नारायण जी,शिव कुमार सहनी, विचार देलन्हि।

मुख्य अतिथि डा भीमनाथ झा कहलाह कि एक दिन मिथिला राज्य बंनिकय ◌ारहत।

मिथिला राज्य संघर्ष समितिक

निम्नलिखित पदाधिकारी क घोषणा संस्थापक अध्यक्ष डा धनाकर ठाकुर केलन्हि।

अध्यक्ष डा अशोक कुमार यादव, मधेपुरा,

कार्यकारी अध्यक्ष श्री राममोहन झा, दरभंगा

उपाध्यक्ष -आशीष कुमार मिश्र, मधुबनी

डा अरुण कुमार यादव, मधेपुरा

महासचिव प्रमोद कुमार झा, मधुबनी।

21 मार्च क हर जिलामे धरना मिथिला राज्य निर्माण क लेल देल जायत।

कार्यक्रम उपरान्त आशीष मिश्रक गाड़ीसं प्रमोद कुमार झा क घर चकदह, मधुबनी पहुंचि रात्रि विश्राम कारण बेलौंजाक रविकांतजीक बालक फोन नहिए लागल जिनकासं एकहि दिन पूर्व बात भेल छल कि ओतहू एक शिविर नरहीक संग भय जाय जे एक कठिन निर्णय कुहेस देखैत छल।

२३.१२.२०२२ के भोर चकदह के प्राथमिक विद्यालयमे साहित्यकार दिलीपजीसं भेंट कथा कुंभ लेल जे विद्यालयमे स्वागत मैथिलीमे लिखने छथि। मिथिला शिशु परिषद शक लेल बच्चासभसं बात कयल, दांत कोना धोइसं स्वास्थ्य चर्चा। दू डाक्टर बनतीह ओ एक शिक्षिका जे हिन्दीमे गीत सूनौलीह।

अधिवक्ता प्रमोद कुमार झा अब वकालत झूठा व्यवहार जानि छोड़ने छथि किन्तु वकालतखाना लोकसं भेंटकरय काली कोटमे अयलाह जे ओहि चकदह प्राथमिक विद्यालयक खूलक समयक पहिल छात्र रौल नम्बर एक छलाह जखन हूनक बाबूजीसभ एक्टा चारदंय विद्यालय प्रारंभ केने छलाह।एहिना कोनहूं सामाजिक संस्था शुरू होइत छैक।

ओ शिशु सबके कहलखिन्ह जे ओ हूनकासभक गुरुभाई छथि चूंकि ओहि विद्यालयक पूर्वछात्र।

विद्यालयमे भोजन त बच्चासभकें भेटैत छैक मिडडेमील किन्तु शौचालय सफाई व्यवस्था नहि जे स्वास्थ्य लेल खराब।

प्रमोदजीक संग बारह नंबर गुमटी यानी मधुबनी स्टेशनक दछिनबरिया छोर पर साइकिल मोटर साइकिल लेल ओवरब्रिज देखल समस्तीपुर जकां। दूरगामी योजनाक अभाव जे पैघ ओवरब्रिज बनितैक।

ईरिक्शासं तिलक चौक जा लोहा लेल टेम्पू पर किछु देर बैसलहूं। पूजा लेल डंटीबला पान शंकर चौंक पर भेटत पानबला कहलक जकर सिगरेट धुंआक अनुभव दुरहिसं लागल जिनका बादमें

बुझायल जे अहांक व्यापार दोसर लेल अछि अपन जीवन ओ धन रक्षा लेल सिगरेट नहि पीबी।

कनी देर टेम्पू पर बैसलहूं। बाहर सड़क पर एक रिक्शा लोहा कहलक तो ओहि पर चढलहूं किन्तु किंछु आगां एक एजेंटक रंगदार आबि ड्राइवरकें लात- जूता केलक किएक हमरा बैसाओल।हम उतरि गेलहूं किन्तु पुरना टेम्पू पर नहि जेबाक मोन बना ओतहिसं एक रहिका लेल जाइत टेम्पूसं रहिका। ओतहु लोहा लेल नहि बैसबैत किन्तु किछु बढ़ला पर कलुआही जाइत टेम्पूसं एगच्छा चौक जाहि पर विचार करैत रहलहूं जे नामक की अर्थ? बादमें पत्रकार कपिलजी कहलाह एक गच्छा। हमरा लागल जे वैयाकरणी संधि नियमसं क कें ग भय गेल सामान्य जन द्वारा तें ने मैथिलक विशेषता । जे ओ एक गाछ कटल छल तकर किछु लकड़ी देखल, विकासक नाम पर विनाश, लकड़ी बूझू कोनहूं मनुष्यक अर्थी। हमरा अपन वीरसायर चौकक जामुन गाछ याद आयल जे ६० सालसं देखैत एखनहुं अछि किन्तु तेहेन झमटगर नहि जे कहियो छल।

चौक पर नरही दिशि मोड़ पर मुर्गीक अनेक दोकान देखि उल्टा रस्ता पर एक दवाई दोकान देखि उम्हरहि प्रतीक्षा लेल गेलहूं त भेटलाह एक पूर्व शिक्षक दिनेश्वर प्रसाद मंडल जे हमर वाराणसीक परिचय जानि कहलाह ओतहि पढ़ि एत लोहा स्कूलमे शिक्षक बनि अएलाह जकर प्राचार्य रामकृष्ण बाबू लेल

नीक बात कहलाह त कहलियन्हि हूनका पर लेख चाही जे हमर किताब आधुनिक मिथिलाक निर्माता सौ एहनहि महाविद्यालयभक शिक्षक पर रहत।

ओतहि कपिल झा पत्रकार पहूंचलाह आओर कहलाह ठीक जगह पर छी। किछु आओर प्रमुख लोक अयलाह आओर बैनर लगा 'जय जय भैरवी'क संग ९१म मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक प्रारंभ भय गेल। किछु मिथिला चर्चा क बाद कपिलजी क गाम नरही हूनक मोटरसाइकिलसं।

कपिलजीक घर सामान राखि डाकबाबूक दूरापर गेल हूं आओर तसलामे जरैत घूर तर ओतहू एक सत्र भेल आओर तीन सांझ ओतहि दिनमे तीन दिन दूर्गा मन्दिर में।

२४क सांझ गाछी दिशि गेल हूं त महिलाकें सूनबैत गारिशास्त्रक नव प्रयोग 'यदि ककरहूं (अपन बंसबट्टीमे करती आदि कटैत) देखि लेलहूं तो हूनका नौ मास बाद हास्पीटल जेबाक जरूरत '!

ब्लाइंड सीमा पर कमलाकर तीन धार मिलैत जतय कोन हूं पुण्यकार्यमे ग्रामीण स्नान करैत छथि।

मंडल टोल पर भैंसि किछु युवासं बात जे कोलकातासं कोनहूं विवाहमे आयल छलाह।हूनका अपन भाषा मैथिली अति से त बूझल छलन्हि किन्तु आपसी बातें व्यवहार हिन्दीक।

दोसर दिन गामक महादेव मंदिर झोंझी जाइबला सड़क दिशि आओर कमलाकर तीन भागते टूटैत धार देखलहूं।

25.12.2022

ओतहिसं

अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक 164म गूगल मीटिंग हाइब्रिड मोडमे अटल बिहारी दिवस पर शैलेंद्र झा, मुम्बईक अध्यक्षतामे भेल ।

एहि प्रशिक्षण शिविरमे पत्रकार कपिल झा

मिथिला राज्य किएक पर बजैत कहलाह कि हमरासभकें जागरूक भय अपन स्थानसं पलायन रोकबाक लेल प्रतिनिधि चूनक चाही राज्य या देशक नेतासभक नाम पर ।सन्नत कुमार झा , रांची मिथिलाक औद्योगिक विकासक लेल कहलाह।राजीव कुमार, दरभंगा कार्यक्रमक संचालन केलाह।

जाहि एनजीओ चलबयबला मैथिलक लम्बा बात पर नरही गेनाइ सोचने छलहूं हूनका देखौलहूं पर जे दुर्गा मंदिरमे धनाकर ठाकुर बैसल छथि नहि भेंट केलाह। कपिलजी अपन बाहरी नीट नौकरी छोड़ि दरभंगामे एक नौकरी करैत छलाह जतमसं मैथिलीसेवा लेल अखबारक नौकरी केलाह किन्तु एक अमैथिलक साक्षात्कार पर आपसी बकतूति पर स्वाभिमान लेल छोड़ि गाममे कहा चाही अभावक बीच अपन जीवन बीतबैत हमर बहुत स्वागत केलाह। भोजनमे त मिथिलाम,तरूआ तिलकोरक समेत। कठिनाइ एकहि छल संकीर्ण शौचालयक किन्तु मिथिलामे त बैरा-परसा,ननौर,अकहा (समस्तीपुर) मे बाहर जाए पड़ल छल,कमोड चालीस साल बाद सभ लेल अनिवार्य छैक ई

स्वास्थ्य चर्चामे सभ ठाम हम रखैत छी से पिंडारूच, सिझुआसन अनेक ठाम सेहो भेटल।

लोहा विद्यालयक अपन संपादित स्मारिका ओ एक स्थानीय पौराणिक तीर्थ स्थल पर पुस्तिका देलाह।

कपसियाक पूर्व परिचित संघक कार्यकर्ता राजीव कुमार विविध चैनल लेल पत्रकार छथि से दूपहरमे तान बूझलहूं जखन ओ पाठक जी संग आबि भेंटवार्ता लेलाह जकर समापन हम वाजपेयीजीक कथनसं कयल कि किछु लोककें किछु दिन लेल बहुतकें बहुत दिन लेल फिर जा स्कैम अति किन्तु सभकें सभ दिन लेल नहि।

गाम में लोक ताश खेलाया किन्तु मिथिला चर्चा लेल नहि आयत।

तथापि शिविर भेद ओ नीक भेल।ओतुक्का दुर्गा मंदिरमे लोक शपथ लैत अछि सचझूठक आओर गलत बलाकें किंतू भय जाइत अछि तें मिथिलाक लेल तनमनधनसंमे यथासंभव हम जोड़ि देल कारण पूरा त हमरहूंसं पार नहि लगैत अछि।

26.12.2022 क

अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक चतुर्दिवसीय 91म मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक समापन दूर्गा मन्दिर,नरही,लोहा, मधुबनी जिलामे भेल । महासचिव नारायण यादव, जयनगरसं भोले चलि कलुआहीसं फोन केलाह साढ़े छः:में तो हमरहूं स्नान पूजा रजाइसं निकलिए केलहूं जे सोचने छलहूं शिविर

समापनकंय आबि करब यद्यपि मोनमे छल दुर्गा लग बिना स्नान कोना जायब। प्रशिक्षण शिविरमे नियमित रहल कार्यकर्तासभकें प्रमाणपत्र देल गेल। हम प्रतिज्ञा दियौलाह कि मिथिलाक सर्वांगीण विकासक लेल ओसभ आजीवन निष्ठासं कार्य करैत रहताह।

वक्तासभ मिथिला राज्य निर्माण आन्दोलनकें तेज करक निर्णय लेल गेल।

शिविरमे मिथिलाक भूगोल, इतिहास, संसाधन, सामाजिक समरसता, जनस्वास्थ्यकं संगहिसंग गीता,पुराणआदि पर चर्चा भेल।

श्री दिनेश्वर मंडल प्रखंड संयोजक बनाओल गेलाह आओर सुधीर झा एवं सुशील कुमार झाकें सहसंयोजक।श्री कपिल झाकें मिथिला पत्रकार मंचक संयोजक बनाओल गेल।

दिनेश्वरजीक ओतयसं पपीता आएल। मोटरसाइकिलसं

लोहा हमरा दूनूकें पहूंचाया गेल।

टेम्पूसं हम चभच्चा चौक फेर पैरे नवारम्भ प्रकाशन चारि बजे तक प्रूफ देखैत रहलहूं।अखिला शिविर दलसिंहसराय लेल गंगासागर एक्सप्रेस १६२६क पकड़क लेल ईरिक्शा पर कि रांची गुमटी लग मिथिला पुनर्जागरण प्रकाशकें वर्षपूर्तिक कार्यक्रमक आवाज ओ बैनर देखि रिक्शा। छोड़ि बधाईक शुभकामना देब कार्यक्रममे उद्घोषक किसलय कृष्ण संघ माइक लय एक मिनटसं कममे

कहल पं अजय शास्त्रीक अभियानसं मिथिलामे पुनर्जागरणक विश्वास प्रकट केलाह कारण पंडितजी मिथिलाक्षरक पुनर्उत्थानकंय चूकल छथि।देखलहूं मंच पर डा भीमनाथ झा, उदयचंद्र झा 'विनोद',डा अशोक 'अविचल' जमशेदपुर,सामने डा दिलीप कुमार झा, आशीष मिश्र,चकदह।अति संक्षिप्त नमस्कार आदान-प्रदान करैत भगैत छलहूं किन्तु पं अजय शास्त्रीक लोक रोकिए लेकर ओ बिना पाग-शालकें सम्मानित केनाइसं नहि ज्ञानलाभ जखन कि एकर अधिकारी ओ स्वयं छलथि हम या आन कियो नहि।

तीन मिनट एहिसभमे लागल सोयत।हम १०.१.२००९ के मधुबनी के विद्यापति पर्व में अनामन्त्रित एहिना गेल छलहूं जतय सांसद हुकुमदेव नारायण यादवजी क अयलामे बिलम्ब भेल किन्तु हमरा पं धनाकर झा कहि पागचद्दरिसं सम्मानित कयल गैल छल त हम स्वयं १८०सेकेन्ड बाजब कहि ट्रेन दुरियां प्रमोद जी, धनबाद संग पकड़ने छलहूं। से १६१९मे मधुबनी स्टेशन पहूंचलहूं आओर दलसिंहसरायक टिकटलय बैसलहूं । रात्रि आठ बजे उतरलहूं जतय पी के झा 'प्रेम' प्रतीक्षारत छलथि जिनका गाम पगड़ा स्कूटीसं पहूंचलहूं।

27.12 सं 30.12.20220तक दलसिंहसरायमे 92म शिविर लेल।

दलसिंहसरायमे डा सत्यनारायण महतो भिलाई में हमर संपर्कमे आबि अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद अनने छलाह जकर द्वारा ई

मैथिली काजक ओहि सम्यक विरोधी स्वर सूनैत आई मिथिला राज्य ओ मैथिलीक केन्द्र बनि गेल अछि। महतोजी पहिले हमरा लेल बैसार केलाह फेर प्रशिक्षण वर्ग अपन गाम अजनौलमे 4-6.5.2002ओ तखन एगारहम अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन 22-23.11.2003क।

महावीर स्थानमे हुनका द्वारा आयोजित भेल मिथिला राज्य निर्माण लेल धरना में दिल्लीमे सेहो मैथिली गतिविधिमे सक्रिय रहल प्रवीण कुमार झा'प्रेम' संघ पहिले भेंट 27.11.2011कभेल ओ तकर बादसं सक्रिय कार्यकर्ता छथि जिनका गाम पगड़ा दोसर बेर जेबाक ओ पांच रात्रि रहक अवसर मेटल यद्यपि हमरा पहिले लांगल छल जे एहि बेर अनुमंडलीय अध्यक्ष पशु चिकित्सक डा उमेशकान्त चौधरीक ओतय रहब जिनक हिन्दी आत्मकथात्मक उपन्यास किताब 'कशमकश' के समीक्षा हूनका नीक लागल छलन्हि ओ तीस दिसम्बरक दोसर पुस्तक'उलाहने'क विमोचन समारोहमे रहैत चारि दिन भरि हूनकहि ओतहि रहि सेवानिवृत्त व्यक्तिसभक बीच मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर भेल।

27.12.2022क

दलसिंहसरायक भी आई पी कालोनी स्थित यू के. कैम्पसमे 92म मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक शुभारंभ अनुमंडल संरक्षक नागेंद्रनाथ चौधरी पूर्व एडीजे द्वारा भेल। संयो स्वयं डा

उमेशकान्त चौधरी, संचालन पी .के. झा 'प्रेम' केलाह। संयोगवश मिथिला वाणिज्य मंचक संयोजक डॉ. कृष्ण मुरारी झा जमशेदपुरसं आबिद गेल छलाह।

स्वागत भाषण डा गगनदेव चौधरी देलाह।

उद्घाटन भाषण दैत कहलियन्हि बिहार सरकारसं मैथिली भाषाकें द्वितीय राजभाषाक रुपमे मान्यता देबाक मांग दिए । हमर विचारसं विद्यापतिकें बिस्फी दानमे भेटल छलन्हि। ओ कमला पर नहि गंगा पर गीत लिखलाह अछि अतः संभवतः हूनक जन्म इम्हरहिक हो।

डा अरुण कुमार झा कहलाह कि ओ फैजाबादमे अन्य भाषाभाषीकें अपन क्षेत्रीय भाषामे गीत सूनबैत ओ मैथिलीमंभ विद्यापतिक गीत गओलाह।

नन्द किशोर सिंह, ई कामेश्वर झा, रामाधार सिंह , वीरेंद्र कुमार चौधरी,भैरव झा, डा रामसेवक प्रसाद,अजीत कुमार झा,वैभव चौधरी, आदर्श काश्यप, अंकिता अंशु आदि सेहो अपन विचार व्यक्त केलाह।

परिषदक पूर्व महासचिव डा सत्यनारायण महतो अपन प्रारम्भिक विरोध करें बतबैत प्रसन्ना व्यक्त केलाह कि ई क्षेत्र आब मिथिला-मैथिलीक केन्द्र बनि गेल अछि।

डा उमेशकांत चौधरी कहलाह कि कोनहूं भाषाक लेल भावक महत्व अछि । जनगणनामे मेथिली मातृभाषाक अलावे संस्कृत आओरर हिन्दी लिखाबी।

अध्यक्षता करैत सेवानिवृत्त न्यायिक पदाधिकारी नागेन्द्र नाथ चौधरी कहलाह कि मैथिली एहि क्षेत्रक भाषा अछि।

28.12.22 क

मिथिलाक इतिहास आओर भूगोलकें देखैत राज्यक स्तर देल जाय से हम कहलहूं। मिथिलाक भूगोल समृद्ध अति आओर बहुत उपजाऊ आओर आर्थिक रूपसं सम्पन्न अछि। जलक असीमित भंडार अति। ओना मिथिला एक विशिष्ट भूतात्विक क्षेत्र अति ताहि लेल एतुका लोककें बहुमंजिला मकान नहि बनेबाक चाही तथा मकान बनेबाक समय भूकम्परोधी निर्माण पर जोर देबाक चाहिए।

मिथिलाक इतिहास त आओरहूं गौरवशाली परम्पराक वाहक रहल अछि। राजा निमिकें श्रापसं मृत्यु भेला पर ऋषिसभ द्वारा शरीरकें मथलासं बालक मिथिक जन्म भेल आओर आगां चलिकंय एहि नामसं एहि क्षेत्रकें मिथिला कहल जाय लागल जकर उत्तरमे नेपाली दक्षिणमे मगही पूर्वमे बंगाली तथा पश्चिममे भोजपुरी भाषा बाजल जाइत अछि।भारतक मिथिला तीन राज्यमे बिहार, बंगाल तथा झारखंडमे बंटल अति जकरा एककंय मिथिला राज्यक स्तर देल जाय त एहि क्षेत्रक सर्वांगीण विकास भय सकैत अछि हैं जकर मांग आब सभ मिथिलासेवी करय लगलाह अछि।

सभ दिन सभ सत्रक शुभारंभ विद्यापतिक जय जय भैरवीसं तथा समापन यात्रीजीक प्रार्थना- भगवान हमर मिथिला सुख शांति केर घर हो सं सम्पन्न भेल।

एहि अवसर पर प्रशिक्षण शिविरमे दर्जनों बुद्धिजीवी पूर्ण तन्मयतासं दूनू सत्रमे भाग लेलाह जाहिमे प्रमुख छलथि डा अरुण कुमार झा, डा रामसेवक प्रसाद,

ई.कामेश्वर झा,दिवाकर झा, सत्यनारायण राय, रामाधार सिंह,ई. मनोहर सिंह,राम नरेश चौधरी,अखलेश चौधरी,वैभव चौधरी, आदर्श कश्यप, आदि।

शिविरमे मिथिलाक इतिहास, भूगोलक अलावा संस्कृति तथा धार्मिक स्थलसभक बारेमे तथा मैथिली भाषाक बारेमे विभिन्न विषयसभ राखल।

29.12.2022 क

मिथिलाक जीवनधारा भावाद्वैत पर आधारित अछि से पं मधूसुदन सरस्वती को बात दोहरौलहूं जिनक बनाओल एक अतिरिक्त श्लोक गीताक बारहम ओ तेरहम अध्याय बीच संहति लेल दक्षिण भारतमे मान्य अछि।

तेसर दिनक प्रथम एवं द्वितीय सत्रमे मिथिलाक धार्मिक, आध्यात्मिक एवं परिषद् सांगठनिक ढांचा पर विस्तारसं चर्चा कयलहुं ऩगहि मिथिलामे स्वास्थ्य आओर शिक्षा पर सेहो। मिथिलाक जीवनधारा भावाद्वैत पर आधारित अछि, जे शुक्ल

यजुर्वेदकें ईशावास्य और बृहद आरण्यक एवं सामवेदक छान्दोग्य उपनिषद पर आधारित अछि, जतय वंशवृद्धिकें सेहो आवश्यक मानल गेल अछि ।

गीता कर्म,भक्ति आओर ज्ञानक त्रिवेणी अछि, जकर अध्ययन युवा अवस्थासं केनाई आवश्यक अछि।

परिषदक मूल संस्थाक निर्देशनमे कुल 39 अनुषांगिक ईकाई विभिन्न हिस्सामे कार्यरत अछि जाहिमे प्रमुख अछि -राजनीतिक क्षेत्रमे आदर्श मिथिला पार्टी, मिथिला राज्य निर्माण समिति, मिथिला राज्य संघर्ष समिति,मिथिलाक्षर प्रचारिणी सभा, मिथिला शिक्षा मंच, मिथिला मंथन, मिथिला पत्रकार मंच, मिथिला दलित मंच, मिथिला मुस्लिम मंच, मिथिला महिला परिषद्, मिथिला बाल परिषद, मिथिला विधार्थी परिषद, मिथिला कला मंच आदि। अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक केन्द्रीय कार्यालयक अन्तर्गत सम्पूर्ण देशमे बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा महाराष्ट्र आदि राज्यसभमे प्रादेशिक इकाइक अलावा पड़ोसी देश नेपालमे सेहो परिषदक इकाइ कार्यरत अछि। परिषद् क विभिन्न इकाइ अपन मूल मांग मिथिला राज्यक संग_संग मिथिलाक विकास एवं सांस्कृतिक विरासतकें संरक्षणकें संकलितकंय कार्य करैत अछि । दोसर सत्रमे मिथिलाक समृद्ध प्राकृतिक संसाधनकें प्रमुखतासं रेखांकित करैत कहलहूं कि मिथिला अपन प्राकृतिक संसाधनहिसं बढियां

स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चितकंय सकैत अछि। एतुका लोग अन्य जगहसं अधिक स्वस्थ आओर दीर्घायु होइत छथि।

संयोजक डॉ उमेशकांत चौधरीक अलावा डा अरुण कुमार झा,ई कामेश्वर झा, नन्द किशोर सिंह, रामाधार सिंह, डा रामसेवक प्रसाद, दिवाकर झा, मिथलेश झा, सत्यनारायण राय, रामनरेश चौधरी,ज्ञान चन्द्र पोद्दार ,नुतन चौधरी, अंकिता अंशु तथा आदर्श काश्यप आदि उपस्थित छलाह।

30.12.2022 क

सभ मिथिला आओर भारत राष्ट्रक लेल आजीवन कार्य करक शपथ लेलाह।

मुख्य अतिथि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालयक

सीनेटर डा विजय कुमार चौधरी कहलाह कि मिथिला राज्य निर्माणक साधना जरूर पूरा हैत।

संयोजक डा उमेशकान्त चौधरी पुनः जनगणनामे मैथिली, संस्कृत आओर हिन्दी लिखेबाक आग्रह केलाह।

विशिष्ट अतिथि डा कृष्णमुरारी झा, जमशेदपुर महत्व बतौलाह।

वयोवृद्ध डा सत्यनारायण महतो संतोष प्रकट केलाह कि ओ दोसर प्रशिक्षण वर्गक आयोजन 2002 में केने छलाह आओर आइ 92म वर्ग भेल अछि। 2003मे 11म अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन दलसिंहसरायमे आयोजित केलहूं आओर ओहि साल मैथिलीकें संविधानमे स्थान भेटल।

परिषदक दलसिंहसराय अनुमंडल शाखाक लेल आगामी सत्र

2022-2025 क लेल पदाधिकारीक घोषणा भेल जाहिमे संरक्षक डॉ सत्यनारायण महतो तथा नागेन्द्र नाथ चौधरी, अध्यक्ष डॉ उमेशकांत चौधरी, उपाध्यक्ष रामाधार सिंह, कोषाध्यक्ष डा. के एन सिंह,सचिव डॉ. रामसेवक प्रसाद तथा दलसिंहसराय नगर इकाइक संरक्षक नन्द किशोर सिंह, अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार झा, उपाध्यक्ष ई, कामेश्वर झा तथा अन्य पदसभ पर योग्य व्यक्तिक मनोनयनक लेल अध्यक्षकें अधिकृत कयल गेल। एहि चारि दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरमे नियमित रहल कुल दस मिथिलासेवीकें प्रमाणपत्र मुख्य अतिथि डॉ विजय कुमार झाक करकमलसं प्रदान कयल गेल, डा उमेशकान्त चौधरी, डॉ अरुण कुमार झा, नन्दकिशोर सिंह,दिवाकर झा, रामाधार सिंह, सत्य नारायण राय,ई कामेश्वर झा, डा रामसेवक प्रसाद, रामनरेश चौधरी,मिथिलेश झा।अंतमे घर- घर मैथिलीक प्रचार- प्रसार एवं आगामी जनगणनामे मातृभाषा मैथिलीक उल्लेखक संकल्पक संग समाप्त भेल। एहि अवसर पर काफी संख्यामे मिथिलासेवी बुद्धजीवी उपस्थित छलाह, जाहिमे प्रमुख छलथि पूर्व विधायक दुर्गा बाबू जिनकर मिथिला राज्य बनवा पर ख़र्च बढत एवं संसाधन कम समीचीन उत्तर देल।

डा. महेंद्र झा, नागेंद्रनाथ चौधरी, दिलीप कुमार चौधरी, डॉ गगन देव चौधरी,रामसागर महतो,भोला नाथ 'मधुकर', प्रो कृष्णनन्दन

सिंह, वीरेंद्र कुमार चौधरी, आदर्श काश्यप, जितेंद्र कुमार,रामलोचन चौधरी,तेजनारायण चौधरी आदि उपस्थित छलाह।

विशिष्ट अतिथि डा कृष्णमुरारी झा, जमशेदपुर प्रशिक्षणक अनिवार्यता पर जोर देलाह्।
एंकर बाद डा उमाकांत चौधरी रचित हिन्दी पुस्तक 'उलाहने'क विमोचन भेल जाहि मे पटना कालेजक पूर्व प्राचार्य डा नवल किशोर चौधरी पुस्तकालय बनबय लेल आग्रह केलखिन्ह।
व्यस्ततावश ओ एवं दुर्गा बाबू निकलिए गेलाह किन्तु हम अन्तमे हिन्दीक कार्यक्रम अछैत अधिकांशत: मैथिलीमे बजैत पूर्व वक्तासभ द्वारा प्रशंसित फणीश्वरनाथ 'रेणु 'क आलोचना करैत हूनक हिन्दीक आंचलिकताकें मैथिलीक आंचलिकता बतौलहूं जे हिन्दीक क्षेत्र बढ़ा -चढ़ा दूखेबाक षड़यंत्र मानक चाही संगहि बिना नाम लेने 'काली टोपीवाले','बुद्धूक्लासवाले' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघक बौद्धिक वर्गकें उपहास करैत जमीन्दारक रक्षकरूपसं 'मैलाआंचल'मे वर्णन अनावश्यक ओ पुर्वाग्राही बताओल आओर दुखद कि भारतीय जनता पार्टी हूनक पुत्रकें बिना सामाजिक ओ साहित्यिक अवदानक वंशवादी जातीय समीकरण पर विधायक बना देलक जखनकि स्वयं रेणुजीक हमरहुं ओहि गृहनगर फारबिसगंजमे जमानत तक नहि बांचल छलन्हि।

दलसिंहसराय सेहोमैथिली क्षेत्र अछि आओर डा उमेशकान्त चौधरीक विमोचित पुस्तकमे दुरगंजनसन मैथिलीक ठेठ शब्द।
कार्यक्रम उपरान्त प्रेमजी अपन पीसाक एकोद्दिष्टसं यात्रा लौटथि लकड़ीक खूरचनक घूर तपैत ,दोबारा कौनक सुस्वादु खीर 2023 अन्तरराष्ट्रीय मिलेट वर्षक ख्याति पर दिल्लीसं मंगाओल कौनक खाइत ,प्रूफ पढ़ैत रहलहूं आओर प्रेमजीक लौटना पर पगड़ा पहुंचि देर राति पूरा केलहूं जे 31.12.2022 के बारह बजे दलसिंहसरायक पोस्ट आफिससं स्पीड पोस्ट मधुबनी पठाओल।

फेर प्रेमजी संग गेलहूं
दलसिंहसराय लोकनाथपुर गंज स्थित ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालयक पूर्व वित्त सचिव ओ अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ रामभरत ठाकुरक आवास पर जिनका अधीन 22 पीएचडी प्राप्त केने। सादा जीवन को प्रतिरूप विद्वान मिथिला के अर्थशास्त्र पर कार्यकं रहल छथि जे सीमा आदि पर अनेक प्रश्न हमरा लेल रखने छलाह जकर उत्तर दैत हम हूनका एहिपर पुस्तक लिखकर आग्रह केलियन्हि ओ हूनक नेतृत्वमे मिथिला आर्थिक मंचक गठन
मिथिलाक सम्पूर्ण आर्थिक विकास एवं आर्थिक अध्ययन तथा भविष्यक कार्ययोजना हेतु कयल जकर विधिवत् विस्तृत कमिटी तथा प्रथम सम्मेलन आयोजित करक लेल आगामी फरवरी

महीनामे डॉ रामभरत ठाकुर जीकेऔ अधिकृत कयल गेला।

डा राम भरत ठाकुर अपन लिखित 'भिखारिन' तथा 'कैकेई' पोथी भेंट केलन्हि।

जखन गेलहूं प्रेमजीक संग ढेपुरा गाम अरुण चौधरीक आकस्मिक निधन पर सुनकर परिजनकें लग संवेदना व्यक्त करय। मैथिली आन्दोलनक लेल मर्माहत करयवाला अछि सुनकर निधन जिनका विद्यालय पर अनेक बूथ गेलहूं रहलहूं।

ठंढमे दलसिंहसरायक स्टेशन पर गाड़ी बिलम्बहि रहल किन्तु कन्नौज उत्कर्ष समितिक चारिम स्थापना दिवस गुगल मीटिंगसं कर लूलहूं जै 2018मे कन्नौज जा स्थापना खेने छलहूं 1018 ई में पाल-प्रतिहार-राष्ट्रकूटक 250 साल चलल त्रिपक्षीय युद्धक लाभ लैत कोनहूं आबिकंय राज्यकरयबला मुस्लिमक पहिले बेर जीत जे हमर आधा जमीन ओ लोक छीनि लेलक।

गाड़ीसं समस्तीपुर।

बाला पात्र भगिनीक डेरा पितियौत जेठ बहिन गिन्नीसं बहुत साल बाद भेंट।जमात मुन्नूजी मीटिंग सेहोआहूत खेने छलाह जाहि मे कामाख्या कुमार कर्णकें समस्तीपुर जिलाध्क्षक्ष और प्रदीप कुमार झाकें महासचिव घोषणा।

मून्नूजी स्टेशन छोड़लाह जतय अआब आग स्केलेटरसं सुविधाजनक प्लेटफार्म एक पर गेनाइ। गाड़ी स्वतन्त्रता सेनानी समयसं पहिने आबिद ठाढ़ छल।रात्रिमे कखन मिथिला गेल पता नहि। भोजपुरी छपरा,बलियामे भीड़ ओकरा बनारस पैसेंजरक

जनरल डिब्बा बना देलक। ग्रियर्सन ठीकहि लिखलाह सौ साल पूर्व ई ने कोन हूं नियम मानताह आओर महिना हिना बोली। भोरमे २०२३ भय गेल छल ,बनारस उतरलहूं आओर अपन कालेज आबि गेल हूं,ई हमर नववर्ष नहि अछि।
(5.1.2023:1441)

हमर 266 म मिथिला जागरण यात्रा(15-31.1.2023)-)- Ladari-Chankyadeeh Gangaputra Nigmanadk gharme- Jhajha-Godda-Deoghar darshan

15.1.2023 Journey_Valsad MFP
16.1.2023 Journey_Bus_MFP_DBG_Bhitthi

16.1.2023 Sembhuad 95 MWTC slept in office
16.1.2023 Sembhuad addressed teachers and students
16.1.2023 Kaitola
16.1.2023 Samaul Slept Mohan Bhaiya's home

17.1.2023 Samaul

18.1.2023 Sembhuad

18.1.2023 Kaitola Lecture to 2019 batch CNS slept Shankar Thakur's home

19.1.2023 Sembhuad 95 MWTC concluded_4 cerificates

19.1.2023 Bus_Dilli More

19.1.2023 Tempo_ladari 96 MWTC started Shardchandra jah f/o late Swami Aseemanand's home

20.1.2023 Ladari Ekoddisht Babujeek

21.1.2023 ladari addressed students

21.1.2023 ladari MWTC

22.1.2023 Ladari 96 MWTC concluded _9 certificates

22.1.2023 Train_Jyg_Kol

22.1.2023 Jhajha MWTC started

23.1.2023 Jhajha addressed students

24.1.2023 Train_Jasidhih

24.1.2023 Tempo_Deoghar

24.1.2023 Bus_Godda 97 MWTC started

25.1.2023 Godda addressed students
25.1.2023 Godda 97 MWTC
26.1.2023 Godda Republic Day
26.1.2023 Godda
26.1.2023 Godda Priest rol for 2 Dom's sarswati Pujan
26.1.2023 Godda 97 MWTC Concluded_4 certificates
26.1.2023 Godda Harshit Ananad s/o Chennai's Pradeep Jha's janeu then Bhoj
26.1.2023 Godda Mela_Gantantra Diwas sapatah
27.1.2023 Godda Priest rol for 2 Dom's sarswati Pujan Visarjan
27.1.2023 Bus_Devghar
27.1.2023 Devghar Darshan exit route Pappu Panda only Rs 50 gave tight pocket
27.1.2023 Devghar Met students of Bihar & Jharkhand_2022 batch_Dr.Anoop Physio
27.1.2023 Train_Jasi_Jhajha
27.1.2023 Jhajha No session of MWTC

28.1.2023 Jhajha 98 MWTC concluded_11 certificates
28.1.2023 Train_Hathidah
28-31.1.2023 Tempo_BarauniShishir Navratra
28-31.1.2023 Barauni 99 MWTC_nameshake_ 1 certificate only
30.1..2023 Alapur addressed students
30.1.2023 Alapur Met Sanjay Shastriji
31.1.2023 Train_Samastipur
31.1.2023 Train_Swatantrata Senani exp

जोड़ने छलहूं अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद,वाराणसीक एके मिश्रक माताजीक द्वादशा भोज अनामन्त्रितहुं 15.1का करैत रात्रिमे साढ़े दशक गुजरातक बलसाड़सं मुजफ्फरपुरक साप्ताहिक ट्रेन पकडि लेब किन्तु दू दिन पहिले फोन केलहूं त कहलाह भोज गाम भोजपंडोलमे अछि।तखन सरडीहा,सहरसाक डा स्वतंत्र सिंह-चि.अनन्त आइएएस,चि.शेलेन्द्रक अनुज चि अरूणसं भेंट कर ली जे पांच महीनामे नहि भय सकल किन्तु ओहौ कतहु जा रहल छल।अगत्या टेम्पूसं मोहनसराय फेर इलेक्ट्रिक बससं मोहनसराय अबैत रविकर १०-१२दिन भेल

साप्ताहिक गुगल मीटिंग कर रिलीज़ तैयार करैत बनारसी बजार दिशि नजर नहि फिरा सकलहूं और करीब छः बजे बनारस कैन्ट सामने उतरि पहिले तीन लिट्टी चोखा खाकंय स्टेशन पर बहुत देर बैसल रहलहूं। किछु देर पहिले तक ठीक समयक ट्रेन भोर होते छः घंटा लेट छपरा पहूंचलहूं आओर बाथरूम काफी गंदा देखि बिना स्नान, मंत्रस्नानकंय दैनिक संलध्या तर्पणादि करेत गण्डक पार।पुजा बीच सोनपुरमे केरा खरीदलहूं जे बादमे खेलहूं।
ट्रेन भगवानपुर लग छल तखन पूजाक बाद मोबाइलमे देखल विपिनजी,कालिकापुर आओर गुलाब ठाकुर, पण्डितजी पण्डौलक मिसृड काल। पहिले विपिनजीकैं जिनकासं भोर में बात भेल छल आओर हूनक विद्यालय छलन्हि तीन बजे तक ताबत त हम मुजफ्फरपुरहि पहुंचब। तथापि फोन खोलैत देरी जठनहि कहलहूं कक्का यौन तखनहि बूझलहूं हांसू हेराओल जकां अनुभूति कि सम्बन्धमे कियो दादी स्वर्गीय भेलीह । कहलियन्हि नहि करब।राम नाम सत्य है कि आवाज़ आयल राम नाम सत्य अछि सम्भवतः नहि। हमरा लेल एहन स्थगन पहिले नहि।सोचितहि छलहूं कत अब कि दोहरहि मिस्ड कॉल पर पण्डौलक सोचि जे ओतहि की पण्डितजी कहलाह आउ।लोक रहताह?एत अबैत-जाइत लोक रहितहि अति। तीन रात्रि रहक व्यवस्था? भ जैत। अंकुरित भगवती लग सेम्भुआड़मे। ठीक। फेर माथ ठनकल ई त पण्डौलक? अनठाकंय पूछलहूं गणेश

चौक की आगां? आगां।

ओ त हमर गामक चौक जतय अनेक वर्ष पहिले एक प्रशिक्षण शिविर केने छलहूं।ओतय तो हमर भातिज विनोदक बहिनोई छलथि?

अस्तु। मुजफ्फरपुरमे टेम्पूमे पंचोभक एक युवा सिलवासामे केमिस्ट, नम्बर देलियैन्हि जे कृष्णकान्तजीक पठा देब जे संघ में छलाह जे ओ आइ धरि नहि पठौलाह। हमर भौतिक पिताजी मदन चौधरीसं ओ परिचित नहि छलाह आ कक्का कांग्रेसी नेता नरसिंह चौधरीक नाम किछू देर बाद याद आयल जिनकर नाम ओ सूनने छलाह। दरभंगा दिल्ली मोड़ं दोसर बस सांझ मे दुर्गा स्थानमे।जे किछु युवा छलथि उद्घाटन भेल।

दूनू पण्डितजी ओतहि छलाह।चिन्हलियन्हि नहि के के छथि।

स्वागत दूनू केलाह।

दूनू बूझलाह हम गाम जायब।

विनोद आब दिल्लीसं गाम लौटिकंय रहैत अछि।

ओ ककरहूं अपन मोटरसाइकिल देने। गट्टू उठेलक नहि।मोहन भाई कहलखिन्ह भिट्ठीक नवीन तिवारीकें किन्तु ओ पुछने छलाह तखन ध्यान नहि आयल जे गाम नहि जा पाया आओर ओ रातिमे बिना कमराक ताला खोलने एक अपन गाम चलि गेलाह। दोसर पण्डौलवला पण्डितजी अपनहि घरसं रोटी तरकारी अधिक देने छलाह। ठंढ छल तें मन्दिर कार्यालय में सेवक कहूना व्यवस्था केलक।भोर में जल्दी उठय पड़ल। तैयार भय सांकेतिक

प्रार्थना कय किछू दूर पर महंत युगल नारायण उच्च विद्यालय गेल हूं।परिचय देना पर स्वागत भेल पहिले शिक्षकसभक नाम पर किछू बतबैत विविध विषय पर बूझलहूं फेर छात्रसभकें स्वास्थ्य कैरियर पर बतबैत भगवान हमर मिथिला गीत आदि।

कैटोलाक दिनेश बाबू वृद्ध मैथिलीसेवीसं भेंट,शर्बत पीबैत मधुबनी मेडिकल कॉलेज।

प्राचार्यादि लंचमे छलाह, कालेज घूमलहूं, वैज्ञानिकसभक फोटो खींचलहूं। परिचय देनहूं फार्माकोलॉजी विभागवला कोनहूं शिक्षक अशिष्टजकां रोकलक।

अस्पतालमे मेडिसिन ओपीडीमे कियो नहि भेटलाह। कैन्टीनमे छात्रा एक गोलमे केवल मुस्लिम छात्र जे स्वाभाविक मुस्लिम मालिक चलते। मैदानमे लड़का- लड़कीक जोड़ा रौंदते आन मेडिकल कॉलेज सन।

दोबारा गेलहूं त एक डाइरेक्टर भेटलाह जे फजरक

नमाज पढैत छलाह। हिन्दूकें ठीक राखी,तिलक लगबय, मन्दिर जाइमे, मृत्यु पर केश कटबय, धोती पहिरयमे लाज लड़ैत छन्हि। ब्राह्मण तक संध्या बंधन नहि करताह, गायत्री मंत्र नहि जपताज्ञ। डाइरेक्टथ बूझलाह हम नौकरी लेल आयल छी। हम कहलियन्हि जे पहिले एक क्लास हमरा लेब दिय जे ओ दोसर दिन दूपहर तय केलाह।

हम मन्दिर लौटिकंय किंछू युवासंग सांकेतिक प्रशिक्षणकंय गाम

लेल विदा भेलहूं। रास्तामे शंकर ठाकुरजीक घर जलखै भेल।गामक १२ मिनटक रास्ता धीरे धीरे।गाम आब बदलि गेल अछि पक्का मकानसं। मोहन भैया कहलाह बनैया सूअर ककरहूं मारि देवकी तें लोक आब रात्रि में नहि अबैत अति यानी हम अनजानमे दुस्साहस केलहूं। भोजन- शयन महाभारत क एक दृश्य देखें जतय धृतराष्ट्रक अमानवीयरुप देखेनाइ हमरा अतिरंजित लागल।

भोर उठिए अपन पचपन वर्ष पूर्व १९६८मे रोपल आमगछूली देखल। शिवमन्दिर घाट पर स्नान पूजा करैत कोनहूं शुभकार्य लेल ढोलपिपही संग जनीजाति।बादमें कियो कहलक हमरहि भोला भाईक पौत्रक एक फरबरीक यज्ञोपवीत संस्कार लेल बंसकट्टी भेल अछि। भोला बाबाके जल देल जे महाराज लक्ष्मेश्वर सिंह अपन सासुर समौलमे बनौलथि ओना हमर गाम अति जन्मस्थली वाचस्पति मिश्रक जे ठाढ़ी राजदरबारक पण्डित भेलाह।

गाम में हमरहि पूर्वक गाछीमे सभा लगैत छल जे गामक जमात धारे झा खिसियाहटमे सौराठ लय गेलाह।

हमर बचपनक पण्डाजीक पौत्रकें एक चक्कू जे रात्रि में सूअरों रक्षा लेल अनने छलहूं वा फल काटय से देल आओर पूजा करैत ऊनी शाल।ओहूना जाड़क घटैत पहिल दिन छल।

किछु ग्रामीण चिन्हलाह।गांव ओ शहर में यैह अन्तर छै। बिचारा गाम पर भातिज विनोद भेटलाह।भोला बाइक घर कुलदेवी

दक्षिण कालीकट दर्शन। झोड़ालय निकललहूं कि एक बाइकसवार युवक प्रशिक्षणस्थल पर समय पर पहूंचा देलक।ओ हमर समतुरिया मोतिया मोचीक भातिज छल। जे हेलमेट पहिरबाक सलाह पर गर्वोक्ति केलक जे ओ कहियो नहि पहिरैत अति जे एक ग़लत आदत।

सांकेतिक प्रशिक्षण बाद मधुबनी मेडिकल कॉलेजमे मेडिसिनक एक क्लासमेट हम जटिल सीएन,एसके परीक्षण स्थल ओ मजेदार बना पढ़ा देलियैक जकर प्रशंसा बाद में एक छात्रा ओ दूं छात्र खूलक जाहि मे एक मुस्लिम सेहो छल।

एकादशी चलतें फलाहार संग छ: रसगुल्लाक पुष्ट व्यवस्था छल किन्तु चक्कू अपन नहि छल तें सेव हंटाकय चपरासीकें देल आ अंगूर,केला,संतरा, मिठाई संग उथरस्थ।

कालेजों परामर्शदाता त्रिलोकीनाथ मिश्रजीक कथन आबि रिसर्च करबाबी।

डाइरेक्टर मालिक सांसद मु फैयाज लग लय गेलाह त कहलियन्हि संसद में प्राइवेट बिल आनथि तो हम हूनका शर्त कालेज चला देब। राजनीतिक चर्चा सार्वजनिक करी उचित नहि किन्तु स्थानीय अनेक कर्मचारी आओर परिचितक मोन छन्हि।देखा चाही ।

फेर सांकेतिक प्रशिक्षण बाद शंकर ठाकुरजीक घर भोजन शयन।

१९.१.२०२३ पूर्वाह्न जे नियमित छलाहकें प्रमाणपत्र वितरितकंय बससं दरभंगा दिल्ली मोड़ फेर लदारी गाममे प्रतीक्षारत सेवानिवृत्त इंजीनियर प्रकाशचन्द्र झा लग जे एन,आइ टी, जमशेदपुरसं पढ़ल। कहलाह जे गंगा रक्षणार्थ अनशनकारी प्राण देबबला स्वामी निगमानंद सुनकर पुत्र थे हमर ध्यानसं हंटि गेल तेसर दिन तक जखन हम विकीपीडिया पर विस्तारसं पढ़ि दुखी भेलहूं हूनक मातापिताकें देखि जे सर्वसुविधायुक्त किन्तु दुखी एक दियादी छूतका चलते हमर खेनाई एक नोकरनीसं बनबौलाह यद्यपि ई सांकेतिकहि छल आखिर अन्न त हूनकहि किन्तु नहिए हम रेहेन पोंगापन्थी छी नहिए सब कर्मक परित्यागी।
एहेन स्थितिमे कहियो हमरा जोंकी महिनाथपुरमे दोसर घरमे शिफ्ट कर देल गेल छल।एतहु दोसर दिन प्रशिक्षण शिविर में कियो अपना ओतय भोजनक आग्रह केलाह त मानलियैन्हि किन्तु बादमे मालूम भेल जे ओहोसब अशौचमे।
वस्तुत: अशौचमे ब्राह्मण भोजन लेल आमंत्रित केनाई वर्जित एक नीक बात अछि किन्तु अशौच के औपचारिकता के किछु कम करके आवश्यकता अछि जे तीन पीढ़ीसं ऊपरक लेल मरणाशौच तीन दिन पर्याप्त मानक चाही।जननाशौच मात्र ओहि परिवार लेल जतय अछि ओहि परिवार लेल मात्र पूजापाठ निमंत्रण वर्जना केवल (क्षौरकर्म अनावश्यक) छठियारी यानी छ: दिनक आन दियाद लेल किछु नहि।
१९.१.२३क सेम्हुआड़सं दरभंगा बस अबैत चन्दन कुमार झा

नामक एक छात्र भेटलाह जिनका पैघ ठीक देखि आकर्षित भेल हूं और परिचय मेला पर दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र खोढ़ि गामक जतय हम १९९३क पदयात्रामे मीटिंग केने छलहूं। हुंकार मिथिला संस्कृत परिषद को काज करय कहियैन्ह जे ओ स्वीकार केलन्हि। हूनका कहने छलियैन्हि जे २२क आबि हमरा बाबूजीक एकोद्दिष्ट कर्ममे सहयोग करथि यद्यपि वर्षकृत्य के पन्नाक जेरोक्स संग छल तथापि यावत् ओकर विधिविधानक मैथिली नहि भय जाति अछि लोककें कठिनाह छनि।ई काज किया हम स्वयं कय पायब पता नहि।
२०क भोर ओ आबि गेलाह आओर भोर-सांझक सत्रमे प्रशिक्षण लेलाह आओर दूपहरमे लदारीक पोखरि पर अपन विद्वान पिताजी(जे फतुहामे संस्कृत महाविद्यालयमे शिक्षक)कें मोबाइल पर उपलब्ध करा कर्म नीकजकां करवा देलन्हि।हमर माएं २००५मे ओ पिताजी २००८मे स्वर्गीय भेलाह; भैया मायकेऔ तो ,गया श्राद्ध २०१३मेकय चूकल छी तथापि गीता प्रेसक गया श्राद्धमे पढ़ने छलहूं जे ई विशेष एंकर अर्थ नहि जे कर्म बन्द हो तें हर वर्ष जतय रहैत छी ओतहिसं करैत छी आओर एगारह ब्राह्मण भोजन रांची में बहिन बिन्दु करा दैत अछि एहि यात्राक अन्तमे निर्णय सिन्धुमे पढ़रहूं जे समर्थ रहित हूं एहिमे विस्तार नहि करक चाही आओर जहां तक याद पड़ैत अति केवल सात श्राद्ध कर्म लेल कहल अछि त एकोद्दिष्ट कर्ममे सेहत

मानक चाही तथापि २०.१क रांचीक एककें नहि पहूंचला पर किछु बिगड़िए कहने छलियैन्हि जे जं संख्या सीमित हो त आमंत्रित करयबलाकें स्थिति बुझी। ओहि पुस्तकमे ब्राह्मणक अधिकारीमे एतेक वर्जना छैक जे सातहूं पुरेनाइ कठिन हैं(जेना समान गोत्र प्रवरक नहि जकर अर्थ हमरा विचारसं तीन या पांच नहि ओहि श्रृषिकें ली जाहि लेल अपन प्रवरक नाम जननाइ आवश्यक तीन पांच जारी मौहकक तो सासुओ पुछिए लैत छथि यानी महिला बचौने छथि संस्कारकें।

वाराणसीमे कहियो मानेक एकोद्दिष्टमे करबला विद्वान कहने छलथि जे एक ठाम पवित्रहूं वस्तु अपवित्र यथा बनारसी गंगाजल बाहर गोबर (एंकर अर्थ हम लगबैत छी जे जखन काशी भोलाबाबाक सर्वोच्च त बूझी एतय चढ़य से आन काम नहि), श्राद्ध कर्मक कुश जे ओतहि जरा देर जाइत अछि आओर श्राद्ध कर्मक भोजन करयबला ब्राह्मण सेहो तें आवश्यक त अछि किन्तु कमसंकमकें नियन्त्रण दी। चिकित्सक, समदाया, बलिप्रदानी सन अनेक ब्राह्मण ओहि गिनतीमे वर्जित छथि यानी वेदपाठी ब्राह्मण भोजन करथि।

२१.१क दू विद्यालयमे गेलहूं पहिले बिकास भारती जकर मालिकसं फोन पर बात भेल। ओ स्वयं मैथिली कार्यकर्ता। सब बच्चा जमा भेल। छोट-छोट बच्चासभकें गोनू झाक किस्सा संग स्वास्थ्य चर्चा। केओटीक बालाजी आबि गेलाह आओर दोसर कोना सरकारी मध्य विद्यालयमे अपनाकें घसीटैत ल गेलहूं पता

नहि किएक चलयमे किछु कठिनाह लगैत छल तथापि सृकुल बन्द हेबाक समयसं पहिले पहूंची किन्तु देर भइए गेल । किछु घर जागता छात्रा रोकल गूलीह ओ किछु देर स्वास्थ्य, कैरियर पर चर्चा भेल, भगवान हमर मिथिला गीत गायन।

२२.१ २०२३क प्रमाणपत्र वितरित कर टेम्पूसं दरभंगासं बाघ मोड़ जे चन्दन कुमार झाक छात्रावासमे बैसार हो ।आब गेट बन्द रहैत छैक घूमिकंय गेलहूं। राजीव अबिगेल छलाह, चन्दन अयलाह बादमें।कहुनाक़य किंतू छात्रसभसं बात भेल आओर किंतू निर्णय जेना वाचस्पति जयन्ती माघी पूर्णिमाक, याज्ञवल्क्य जयन्ती वैशाख अमावस्या, संस्कृत दिवस श्रावण पूर्णिमा, कालिदास जयन्ती कार्तिक अमावस्यायाम् आओर प्रत्येक एकादशीक गुगल एकादशी, संयोगवश चैत्र कृष्ण एकादशीक स्थापना दिवस सेहोमिथिला संस्कृत परिषद मनाओत।
बगलक ऊंच टूटल देवाल साइकल पर चढ़ि फानि टेम्पूसं दरभंगा स्टेशनसं झाझा लेल ट्रेन।
असीमानंद स्वामीक माताजी बहूत पूड़ी भूजिया देने छलथि से बहुत देर तक खाती रहलहूं।
झाझा स्टेशन के बाहर एक कार ठाढ़ देखि अगर कि ओ हमरहि लेल हो से सैह भेल। हमर विभागक दोसर यूनिटक इन्टर्न डा अंजलीक पिताजी राजेन्द्र कुमार स्वयं आयल छलथि,अपन

झाझा पब्लिक स्कूल लय गेलाह तय प्रशिक्षण प्रारंभ भेल।
२३ जनवरीक नेताजी जयन्ती नीक जकां मनाओल गेल। छात्र ओ अभिभावक छलथि। छात्रसभ नींक नींक प्रश्न केलन्हि। के स्थानीय डाक्टर सेहो छलाह तथापि रात्रिमे राजेन्द्र जी कहलाई जेज्ञई कार्ड अछि की,एक मैथिल ब्राह्मणकें सन्देह छलनि जे म एम डी छी?
ठीकहि ने एम डी एना घूमय गामेगाम।
२४.१.२३क झाझा स्टेशन पर बहुत देर धरि पहाड़ देखैत रहलहूं। रक्सौल हैदराबादसं जसीडीह,टेम्पूसं देवघर ओ बससं गोड्डा।
एडवोकेट सर्वजीत झा आबि गेल छलाह। पूहलाह कोनहूं होटलमे ठीक करैत छी त कहलियन्हि हम कार्यकर्ता ओतय ठहरैत छी होटलमे नहि। याद पड़ैत अछि दरभंगामे डा चन्द्रकान्त मिश्र मिथिला विकास पार्टीक अध्यक्ष धनबादक प्रमोद कुमार झाकें कहने छलखिन्ह कहियो होटलमू नहि ठहरब।
विद्यापति स्मारक परिसरमे कार्यालयमे ठहरता दल चौकी लगा देल गेल भोजन सुनकर घर जा प्रशिक्षण आरंभकय।
यद्यपि भोर सत्र लेल तैयार नहि भेलाह तें तीनू सांझ जे रहवास वैह चारि प्रमाणपत्र पओलाह।
जखन भवन स्नेत छल तखनहूं हम आयल रही। अब एत खूब जनेऊ, विवाहादि होइत अछि।
25क वगलक एक सरकारी मध्य विद्यालय पूछैत गेलहुं।एक शिक्षिका डाक्टरक रशपत्नी। छात्र के जमा केलीह। स्वास्थ्य,

केरियर पर बछलहुं। नीक प्रश्न सब पूछलक जो ना दूध उज्जर कियै, सूर्यास्त के सूर्य लाल किए,नह कियै बढैत आ शरिया नहि, फ्रैक्चर के बहुत साल बाद दर्द किएक होइत अछि।

मिडडू मील खेलहूं।

एहि बेर २६ जनवरी आओर सरस्वती पूजा एकहि दिन छल। २५क सर्वजीत झा के संग जाति विद्यापतिक पांचवां सबक पर मूर्ति देखि पूछिए पुजा कतेक बजे। एगारह बजे। पंडितजी एथुन्ह पता नहि कहलीह एक महिला। कहलियन्हि नहि एथुन्ह तो मकरबा देंब।

रत्नेश्वर महादेव मंदिर दर्शन बाद फिल्में झंडोत्तोलनमे। पचीसक रात्रि भाजपाक एक नैया कहने छलथि हमरहिंसं नव भवन उद्धाटन करौताह किन्तु विधायक आबि गेलखिन्ह त हुनकहिसं भेल।

झंडाक बाद मूर्ति लग जा पूछल तो ओ महिला बजलीह चारि बजेक नाम पंडितजी कहलखिन्ह से बच्चासब कतेक देर भूखल रहत।हम कहलहूं अबैत छी आओर फूल स्नानकय धोती पहिर जा वर्षकृत्यक अनुसार पूजा कराओल ।ओ गरीब दक्षिणा में पचासा नोट दैत कहलिए से पंडितजीकें द देब।तावतव बगलसं आओर एक मूर्ति लेल।ओतहू करावल।

फेर चेन्नईक बरूआ हर्षितक जनेऊ देखलहू।सबसंकम भीख

मात्र दश टाआ देबबदा हमहि रहल होम्स। प्रचारकक मितव्ययिता, एटीएम छल तथापि गनल रूपया बनारस लौटय लेल।

रात्रिमे ओतहि भोज में आमन्त्रित,बहूत रसगुल्ला मधूर खेलहूं।

सांझ मे ओतुक्का गणतंत्र दिवस पर सप्ताह हरि लेल लांगल मेला देखलहूं। देशभक्ति राजधानीसं दूर अधिक रहैत छैक से अनुभव हमर पुरान अछि।

27भोरे प्रमाणपत्र दय बससं देवघर घूमलहूं। बेबाक दर्शन बिना खेने आगां ताई। डीएवी मेकनट शिक्षक ठाकुरजीक साथ पप्पू पंडाकूं फैन।पुबारि गेट पर बाढ़।सामान पृसथवरा रख राखि ।बीआईटी प्रवेशट 250क टिकट।पइ तो छल नहि।निआससं घूस देवास घंटहुंकूं के पन्द।रस मिनट में।कूवल पणस दज्ञिणा पचासा पेड़ा नहा लड्डू।

। मैंने छल शिशिर दूर्गा से दर्शन सर्राफ विद्यालय के बगल में विद्यपतिक। चौक पर कन मूर्ति सृथापित। दुर्गा क

शआयल किन्तु पुजित नहिं।

एम्स देवघर ऊकन नव कैम्पस में जा रहल अछि किन्तु जसीडीह यासृतामे पीटीआई कैमृपसमे प्यीक्लिनिटल।

राजश्री मेडिकल कॉलेज, बरेली के सहकर्मी डा अनुप सिहरी छात्रसभकें बजौलाह।नीक नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद आदि को सं पढ़ाई लिखाई पर चर्चा।

जसीडीह संघ झाझा।28भोर प्रमाणपत्र द ट्रैनसं हाथीदह आओर टेमृपूसं बरौनी अन्तिमपबव।

श्रिधामप्रेमजी पहूंचल छलाह।स्वामी णिदात्मनजी देखा प्रसन्न।संध्यामे सम्मानित कूलाह।महारासभकें अधिक दूकि गार्गी याज्ञवल्क्यक परीक्षाक कथा सूनावल।

सांकेतिक प्रार्थना कय प्रशिक्षण आरम्भ से सब दिन सेस उकसा प्रमाणपत्र वितरित ९९क फेरी ९९नम्बरक शिविर।

तीस जनवरी को आलापुरस

विद्यालय दूकि कि है हांक उद्बोधनमे एक नर्स सेहो सम्मिलित।

ठाकुरवाड़ीमे महाराजजी लकवसं उभरूत। जानकी नवमीक एक दिन पूर्व आदर्श मिथिला पार्टीक सम्मेलन तय।

बरौनी में श्रीधाममे तीन दिन अध्यात्मिक शिविर में यज्ञ करैत।

रकतिमे निर्णय सिन्धु मोट पुस्तक उल्टा अनेक महत्वपूर्ण जानकारी ।

एटतीसक प्रेमजी फेर अयलाह।

ट्रैनसौ समस्तीपुर और स्वतन्त्रता सेनानी समयसं पहिले।

बनारस यथासमय भोरमे।

बससं मोहनसराय फूर टेज्ञम्पूसं हूरिटेज भदवर।

जे पाई छल ओहिमे लौकिक अयलहूं।

(१५.२.२०२३:२३२८ पटलीपुत्र जंक्शनसं पुरा २४८ मिथिला जागरण यात्रा प्रारम्भ सीमांचल एक्सप्रेसमे)

267th Mithila jagran Yatra(16.2-1.3.2023)- Deoghar nahi darshan – taralahi-Flue gripped (H1N1?)

16.2.2023 14 Forbesganj Home-Adhar correction

16.2.2023 Bus_Kanhauli Saraswat Coaching

17.2.2023 BUS_Tempo Kaluahi_kalikapur

18.2.2023 Madhubani_Train

18.2.2023 Hasnpur rd_Patsa Mahashivratri Sarveshwardham

19.2.2023 Jaynagar_Kalikapur by Janki Exp

20.2.2023 Kalikapur MWTC 100 concluded

20.2.2023 Kauahi_Basopatti

20.2.2023 Basopatti Basopatti-addressed students_

HM disrespectful

20.2.2023 Kalna Religious

20.2.2023 Bisaul addressed schools_
teachesrs happy

20.2.2023 Bisaul

21.2.2023 Bisaul Katha kumbh 13

21.2.2023 Car_JYG_SS EXP

21.2.2023 Darbhanga

22.2.2023 BUS_Madhubani

22.2.2023 Madhubani

Visited land , met Vivek (Reena's nephew)

madhubani Medical College taken class

22.2.2023 Bus_Darbhanga

23.2.2023 Darbhanga

CFD,NMO

24.2.2023 Tarin_Hyd exp

24.2.2023 Jasidih_Deoghar Rush _No darshan

24.2.2023 Deoghar Hindi Vidyapeeth_Bed school-
NO Principal_VP was manipulated
y clerks ,no class was given

24.2.2023 Deoghar Hindi Vidyapeeth-talked
clerks Incidenatally KK Thakur
met as Registrar

24.2.2023 Deoghar Takshshila School- addressed
students, incidentally met
Pathkji's nephe from Bharhara

24.2.2023 Deoghar Middle school-addressed students

24.2.2023 Deoghar Hariali complex-attanded marriage
of the granddaughet of
Mithilesh Mishra,RNC,Survey of India

25.2.2023 Maurya Exp

25.2.2023 Samastipur

waiting room-Premji met

25.2.2023 Dhurian_LSI_tempo

25.2.2023 Tarlahi Ganesh Chy dera

25.2.2023 Tarlahi High School-addressed Class IX, boys and girls separately
HM cooperative

25.2.2023 Ojhoul Bahin's sasur-Dwadasha riverside, Gabbu etc.

25.2.2023 Tarlahi Chitagupta Bhavan
-101 MWTC started

26.2.2023 Tarlahi Chitagupta Bhavan-101 MWTC
Many came in moring_
stay shifted to Rappukar rai's residence

27.2.2023 Tarlahi Chitagupta Bhavan-101 MWTC_

Cool response no effort by
Ganesh Chy,nor he came,
poor response,gripped flue
28.2.2023 Tarlahi Chitagupta Bhavan-101 MWTC
concuded formally
28.2.2023 Tarlahi Middle school-addressed
one class-teachers coperative
28.2.2023 Tempo_SPJ Flue gripped
28.2.2023 BJU_ADI
1.3.2023
DDU_Tengra_bhadwar HIMS returned

सीमांचल एक्सप्रेस पं दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर सीमांचल एक्सप्रेस पकड़लहुं।स्लीपरक हाल जनरलसं बदतर। बाथरूम सेहो गंदा।
फारबिसगंज उतरि प्लेटफार्म पर पूजा करैत छलहूं। मकान बनेबाक लेल तैयार भेल छल त हमर भतीजी रोकबा देलक जे जमीन हूनक पांच वर्षक पिताजीक नाम खरीद दादाजी खेने

छलखिन्ह तें हूनकर केवल जनि जखन कि हमर जनमहूं नहि भेल छल। ओना १९७८मे सर्वे में खतियान मायक नाम पर। मकान भतीजीक कथित पति(कथित एहि लेल एंकर कोनहूं सूचना भैया द्वारा हम बांटी आठ भाईबहिनसभमे ककरहूं नहि) द्वारा भूमाफिया सबक सहयोगसं जेसीबी मशीनससं तोड़ि देल गेल जाहि पर ओतय धारा 107 लागल अछि ।हम स्वप्नहुंमे नहि सोचने छलहूं जे एक कथित विद्वान भाईक धार्तराष्ट्रिय प्रवृत्ति चलते इसभ ओहि परिवारमे भेल जकरा स्वप्नहुंमे हमर पिताजी नहि सोचने हेताह।

हम अपन जन्मस्थान पर ध्वंसित मकान देखय गेलहूं जतयय सुधीर नाथ मिश्र सेहोआबिद गेल छलाह।

बस स्टैंड जा झंझारपुर लेल बस लेलहूं और फारबिसगंजमे खरीदल चूड़ा -दही-केरा बस्ते खेलहुं आओर अटल बिहारी कोशी महासेतु पार करैत फुलपरास पारकंय झंझारपुरक कन्हौली गाम उतरलटखंअट

हूं जतय मैथिली साहित्यकार सारस्वत स्वागत लेल ठाढ छलाह जिनकासं आनन्दक डेरा पर भेल कथा कुम्भमे भेंट छल।

ओ बहुत देरधरि हमर जीवनवृत्त सुनैत रहलाह आओर अन्तमे कहलाई जं हम एकहि काज करैत रहितहुं तो मूर्धन्य,जोपयोगी डाक्टर,नेता वा साहित्यकार भेल रहितहुं।

ओ असगरे रहैत छथि डान बास्को स्कूलमे शिक्षक छथि आओर

सुनकर पत्नी बेटी संग पटनामे। छोट बेटी बहुत देर र तक हुनकासं अपन विद्यालयक पढ़ाइ,शिक्षिकादि बारे मे देर तक बात करैत रहल।

एहन लागल डेरापर कोचिंग बुझू सारस्वत एकेडमी जतय १७.२.२०२३भोर छात्रसभकें किछु बताओल।

सारस्वत अपन दू पोथी चौरठ ओ उर्विजा देलाह।

बादमे चौरठ पर

काव्यात्मक समीक्षा लिखलहूं

ल के घूमैत रहलहूं चौरठ

पांच दिन पांच रात्रि भरि

327 पेज में 176कविता

मैथिलीक कीर्तिमान सन।

शब्द भंडार ग्रामीण ठठ्ठा

तीसीक खैंकसं त्राण लेल

कियो बान्हय कौड़ी किन्तु

नहि देखी अवैज्ञानिकता।

कौशिक चोंच देखी वा

शून्य संहारक निरमान

अरघा पूजित पूजित करी

लोकतंत्र उतरता ध्यान।

ब्राह्मणकें खियेलासं की

भूमि पवित्र होइ छै

रङे हेराय गेलै

सुन्दर समाजसं

गन्धे गन्धक बांट कटैये

कुम्हरौरी तकर अछि

एक फांक रौंद

लाश नहि ल्हास कान्हा पर

एक कर अन्न जे ने करराब ।

जे खूब चमकै छी

पात्र कहबै छथि

सन अनेक भेटत

ठेठ मैथिलीक ठाठ

जे सारस्वत चौरठ

बंटैत छठि भात नहि

सारस्वत ब्राह्मण भऽ

पिछड़ल लेल लिखलनि

हुनक दुर्दशा पर

व्यंग्यबाणसं भरल

ई पोथी हर पेज पर।

क्रमबद्धता वा कालबद्धता

अपेक्षित छल मुदा तैयो

गरीबी रेखाक नीचा

जे छथि हूनकहि भाषामे

सारस्वती चौरठ अछि

जकर ई काव्य समीक्षा

हुनकहि लेल प्रस्तुत अछि।

(21.2.2023:2351,दरभंगासं)

कारज कैम्प लेल जाइ लेल निकललहूं कि संयोजक असमर्थता व्यक्त कर देलाह।

राजीव कुमार दरभंगाकें विकल्प लेल कहलियन्हि आओर स्वयं बात केलहूं।बिना खर्चक कैम्पक ई हाल त खर्चक सम्मेलन के कराओत?

आओर स्थगनक वा रद्दीकरणक वैध कारण नहि।

कालिकापुरक विपिन ओ नमोनाथ तैयार भेलाह।

बससं सकरी, टेम्पोसं मधुबनी फेर कलुआहीक चिरपरिचित चौक।

विपिनजी अएलाह बाईकसं कालिकापुर।सांझमे काली मन्दिरमे कैम्प प्रारंभ भेल। विपिनजी आसनसोलमे 2014 के पिकनिकसं परिचित ओ नवोनाथ सुच्चा मैथिल कार्यकर्ता जे हस्तलिखित जीबछ मैथिली पत्रिका निकालैत छलाह।

काली मंदिर जंगलमे रात्रिमे कियो नहि रहैत।कइएक बेर मैयाक आभूषण चोरी भेल अछि।

कलुआही टेम्पोसं उतरैत सेहो पटसा सर्वेश्वरधामसं सेहोफोन आयल छल जे हम किछुओ दूर लेल आबी जखन अध्यक्ष डा

कमलकांत झा दोसर दिन अयबाक लेल कहलखिन्ह तखन हम सोचलहू जे पटसा भी इसी।

भोला सत्र लय विपिनजी रहिका छोडलाह टेम्पो संघ मधुबनी स्टेशन, इन्टरसिटीसं समस्तीपुर फेर पैसिंजरसं हसनपुर रोड।

प्रेमजी गाड़ी लय भारद्वाज कालेज लग जय जाकौयपटसा। भीड़भाड़ के माहौल सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजितक नाम पर। रामसेवक ठाकुर बहुत साल बाद भेटलाह।

एसडीओ ब्रजेश कुमार नीक व्यक्तित्वकें मालिक।हमर भाषण सटीक छल तें हमर नम्बर ले लाभ। हम थोड़ा दुस्थिति पर बात उठाओल।

रात्रि हरि जिले सन। भोर चारि बजे गाड़ीसं हसनपुर रोड स्टेशन। जानकी एक्सप्रेससं जयनगर। स्टेशनहि स्नान पूजन। विपिन जी मायके आसनसोल लेल छोड़ि हमरा संग लय कालिकापुर अयलाह। कमलकांतजी ओहि दिन नहि आएल छलाह तें एकत्रित लोक सुन्दरकाण्ड पाठ केलन्हि।19क अपराह्नमे ओ अरवाह तो गया चौबटिया पर नीक बैसार भेल। विपिनजीक मोन छलन्हि जे ओतय अन्तमे सांघिक प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले हो किन्तु हम कहलियन्हि अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक कोनहूं सांगठनिक सम्बन्ध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघसौ नहि अछि तें उचित नहि।ई ओहुना शार्ट कट भेल।कहां जं ओतय शाखा लगबैत रहिश्रतहूं त सूचना देल जा सकैत छल,विविध क्षेत्रक

मामलामे जा ना होती छैक आओर अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद से नहि अति तथापि विपिनजीक मोन राज्य कार्यक्रमक अन्तमे हम कहलियन्हि जे इसभ प्रतिदिन प्रार्थना करैत छथिसे करताहै जिनका मोन हो संग दियैन्हि से हस्तहृदय मुद्रामे बहुत लोक संग लेलखिन्ह।भोर में कमलकांतजी बेराह ओ कोरोनाकालसं घरमे असगरहि प्रार्थना नियमित करैत छथि। कहियो हमर भैयाकें डा सुब्रमण्यम स्वामी कहने छलखिनह मैं इस गोल्डन माउन्ट ध्वजकें सम्मुख नमस्ते सदा वत्सले करता हूं जे हमरा पाखण्ड लागल छल। संघक प्रार्थना बहुवचन में अछि कमसंकम छीनकर,असगरे अशुद्ध।

आबहूं संघ बन्दे मातरम् पूरा किया नहि करैत अति जकर पांचवां बलिदानी इतिहास छै अथवा वैदिक दुर्वाक्षत मंत्र जकरा आर्य समाज राष्ट्रीय प्रार्थना मानैत अछि।

हम कहलियन्हि से एतहु डेरामे तहिना क लेल जाए।हूनका सांझ जकां नींक लगलन्हि किन्तु हम कहलियन्हि अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक द्वारा नहि होयत कारण सभ ठाम अहां नहि रहैत छी आओर नहिए सब दिन अहीं अध्यक्ष रहब। आओर डेरा पर हम विपिनजीक संग देल यद्यपि 2007 में हम संघ छोड़ि चूकल छी जकर कारण संघक सर्वोच्च पदाधिकारी सरकार्यवाहक असांघिक व्यवहार स्वयं।

प्रशिक्षण शिविर समापन बाद नवोनाथ झा के घर चूड़ा -दही-मिठाई फोन रख कलुआही तक विपिन जी छोडलाह।

बिसौल जाई लेल वासोपट्टीक टेम्पो चालक कहलक मलिमलि बूझू पाकिस्तान। मुस्लिम लेल एहि भावनाक कारण की?
वासोपट्टी एक नीक कस्बा अछि।
एक माध्यमिक विद्यालय देखि गेलहुं।कवियों शिक्षक एक कक्षा देलन्हि,कनी देर बाद प्रभारी अयलाह, आग्रह किया था पर नहि बैसलाह। कनी देर बाद आबि कहलाह स्टाप कीजिए तीन घंटी हो गया।अस्तु,एहि दुनियामे भांति भांतिक लोक।
लगले कलना जाइत टेम्पो पर बैसलहुं कि दर्शनकर बिसौल विश्वामित्र आश्रम चलिए जायब।
दर्शन लेल जूता खोलि बैग टंगने परिसरमे प्रवेश पर जाप करैत एक पंडितजी डंटलाह भगवानके घर में मौजा पहन आए हैं।हूनक ध्यान जाप पर कम मौजा पर अधिक। घूमिकंय दोसर रास्ते गेल हूं सामान गेटहि पर छोड़ि मौजा खोलि सफाई लेल अनावृत शिवलिंग भारतक किछु विशेष शिवलिंग हम यथा केदारनाथ,नंजुडेश्वर कर्नाटक को विशाल शिवलिंगक छोट रूप किन्तु प्राकृतिक पाषाण।
फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदासं जनकपुरी परिक्रमा एतहिसं प्रारंभ होयबला छल दोसर दिनसं जाहि लेल अनेक ठामक तीर्थयात्री आयल छलाह। ग्वालियरक एक व्यक्तिकें जनेऊ नहि देखि एक कार्यकत्री कहि रहल छलीह जे बाल्टीकें गोबरसं पोछि शुद्ध करतीह।हम बिसौलक टेम्पो लेल प्रतीक्षारत तमाशबीन छलहूं।

पूछलियैन्हि तो कहलीह ओ राजपूत अति लेकिन देहपर ताग नहि छलै। किछु दिन पहिले हमरा एक गोटे जे धार्मिक कार्यमे लीन रहैत छथि कहने छलाह डोमक पुरोहित बनि ओकरासं मंत्र पढबेलियै। भोजन नहि केलियै ठीक लेकिन प्रसादक फल तो लेलियै? बहुत साल पहिले एक कायस्थ डाक्टर हमरा कहने छल जे जाहि मेसमे हम खाता छी ओभनहि राजपूतक हो काजकरयबलासभ अनुसूचित जातिक ,तागक तो रक्षा करके अछि?

हमरा बुझने एहने मानसिकतासं भारतमे पाकिस्तान बनिए गेल।

ताबति पंगत यानी भोजन या प्रसादक बीझो हमरहूं भेल त सडकसं परिसरक भीतर जा किछु खेलहूं।एक भी दाना नीचे नहि छूटे पात उठा फेकयमे।

1993मे से हो एहिना हिन्दी ओतय चलय। परिवर्तन भी ले जरूर अछि पोस्टर देखलहूं पटनासं डाक्टर डाक्टरनी साप्ताहिक हरलाखी अयबाक।

बिसौली टेम्पो नहिए आएल तो पैदल बढ़लहूं।करीब दू किलोमीटर बाद एक बाइकवला लिफ्ट दत आश्रम पहुंचा देलक। सामान राखि पोखरि पार मध्य विद्यालयमे छात्रसभकें स्वास्थ्य कैरियर पर बतबैत अनतमे भगवान हमर मिथिला सुख शान्ति गीत कराओल जे वासोपट्टीमे छूटि गेल छल।

हर आश्रममे कियो वृद्ध भेटताह जे प्रायः परिवारसं

परित्यक्त।सांझ मे देर तक एक एहनहिसं बात होइत रहल।हुंकार बनारस एबाट मोन से कहलियन्हि हम टिकट पड़ा देब किन्तु बादमे शर्त लगा देल यदि कियो संग हूनक खबर कारण वृद्ध व्यक्तिक जिम्मेदारी के उठाओत हमरा त अपनहि लेल समय नहि रहैत अछि।

जिनकासं बातकंय गेल छलहूं ओ पटनासं आबि नहि सकलाह नहिए दोसर दिन अएलाह तें प्रशिक्षण वर्ग रद्द भय गेल किन्तु २१मार्चक कथा कुम्भ अन्तरराष्ट्रिय मातृभाषा दिवस पर भय गेल। डा कमलकांतजी कहलन्हि जं रवि रहियै तो इन अनेक कथा पढ़ल जाइत। कमलकांतजीक लव जिहाद पर कथा छलन्हि जे अध्यक्षता करैत महंथजीक अनुसार प्रायः सत्यकथा। हमर कथा साईबर क्राईम पर छल वृद्ध महिलाक प्रेमोन्माद पर आर्थिक शोषण विदेशी द्वारा ।

कथा समाप्त मेला पर कारक पिछला सीट पर चारिणी जयनगर तक केलहूं, दौड़ि टिकट यह स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेससं दरभंगा;कल्पकवि सकरी उतरि गेलाह।

22क नेशनलिस्ट एग्रिको आर्गेनाइजेशनक स्थापना दिवस तो नहि मनाओल जा सकल 25मार्चक तिथिक प्रस्ताव संदीप विश्वविद्यालयकें देल।

दरभंगा बहिनक डेरापर गेलहूं।फेर मधुबनी जमीनी झंझट।

भोरे विदा होयबाक पूर्व मेडिकल कॉलेजमे मेडिसिनक एक

क्लास मांगल जे पढ़ाओल किन्तु तकर पूर्व जमीन पर गेलहूं।घरक शान्तिकें भैया द्वारा संचालित षड़यंत्रमे बर्बाद कर देल गेल आओर मुनाफामे ब्रोकर द्वारा ओ दिमाग जे बाबूजीकेऔ सदैव तंग केलन्हि।रात्रिमे कन्हौली,गाम वा भिट्ठीमे सूतक व्यवस्था नहि भी ले तें पुनः दरभंगा बहिन लग।

23फरबरीक हमर दरभंगा मेडिकल कॉलेज के 98म स्थापना दिवस छल। एम्स निर्माण लेल अरबोंक सम्पत्ति तोड़ि देल गेल केवल ओल्ड ब्लाक बांचल जे संरक्षित कयल जाय मुख्यमंत्री बिहारकें भेल केलहूं। किछु देर बजलहुं।संगीमे केवल डा शशिबाला छलीह।

किछु मिनट ओहि हालमे बजलहुं जतय कहियो रज्जू भैयाक कार्यक्रम कांग्रेसी ओ साम्यवादी विचारधाराक छात्रक कठिन विरोधमे अपन फाइनल एमबीबीएस परीक्षाक मेडिसिनक दूं पेपर बीच करौने छलहूं।

कालेजक शतवार्षिकी 2025 मे सोयत जाहि लेल हमर ओ जिसी जार्ज केरल का नाम समिति लेल घोषणा डा रमण प्रसाद वर्मा केलन्हि जिनका विवाह हमरहि क्लासक सरोजसं भेल छन्हि। छात्रसभ सांझमे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत केलन्हि आओर करीब आठ बजे हम निकलि डेरा जा मध्यरात्रिक ट्रेन पकड़ि भोर में जसीडीह। स्नानादिकौय भाषाक दर्शन करी किन्तु विवाह मुंडन संस्कार मुहूर्त चलते भारी भीड़। सामान राखि आबि विचार भेल।

रास्ताक एक दोकानमे किछु खरीद पांच सौक खुदरा कराओल। यद्यपि कहि देने छलियन्हि जे तुलसीपात चाही ओ मोबाइलमग्ना भड़कि गई लीह, बिना नहाए तुलसी तोड़ै छी, कहलियन्हि नहेने छी त जूता पहिरने छी,ई कपड़ाक अछि। अस्तु सुनकर तुलसीक प्रति सम्मान नीक लांगल।

किछु दूर पर एक बाइक लिफ्ट देलन्हि हरियाली परिसर लेल।जय छोड़लाह ओ हिन्दी विद्यापीठ देवघरक परिसर।

मोन भेल जे छात्रसभकें सम्बोधित करी।हूनक दैनिक प्रार्थना,समाचार वाचन आदि नीक लागल। बीएडक छात्रसभ केवल छलाह। प्राचार्या नहि छलीह, उपप्राचार्यकिं हमर बात नीक लगलन्हि किन्तु किरानी सभ भड़का देलन्हि आओर क्लास नहि भेल। चेयरमैन केएन झाक नम्बर नहि देलाह नहिए बगलक विद्यापीठ कार्यालय में। किछु स्वास्थ्य चर्चा अनौपचारिक बातचीतमे कारानीसभसं भेल।

कुलसचिव अरवा पर भेटलाह तो विस्मित भेल हूं और कटिहार के पूर्वपरिचित कौशल किशोर ठाकुर जिनका अग्रज इंजीनियर रांचीमे हमर छतक फ्लैटमे रहैत। सहसा स्मरण भेल कहियो अपनहि स्कूल बहक ठोकरसं मृत भेल काशोर बच्चाकें लय हमरा लग अस्पतालमे अनने छलाह।

अनेक पुरान बातें चर्चा।हूनक एक कर्मचारी संघ तक्षशिला विद्यालय गेल हूं।ओतहू प्रभारी शिक्षक जहिना धरहाडा गाम

कोईलख नाम रतन पाठक कि ओ हमर बहिनोइक भातिज।क्लास भेल।भोजन सामूहिक मेसमें। पूजा लेल एक गेना तोड़लहूं।

देखलहूं एक सरकारी मिडिल स्कूल।काशी देर ओतहू चर्चा।

सामानलय ई-रिक्सासं हरियाली परिसर। मंदिर तक नहि गूलहूं शिक्षामन्दिर जरूर।

मिथिलेशजीक दौहित्रीक वैवाहिक कार्यक्रममे।पता नहि हम असगरूआ एहिसभम अनफिट छी।

भोजनोपरान्त विश्राम नहि जसीडीह जा एक बजे मौर्य एक्सप्रेस पकड़लहुं।

भोर में समस्तीपुर उतरिए लहेरियासरायक टिकटलय प्रतीक्षालयमे स्नान पूजा करैत छलहूं कि प्रेमजी पटनासं पहुंचलाह।

दूनू अपन ट्रेन लेलहूं। धुरियानसं लहेरियासराय टेम्पोसं लोहिया चौक जाहि पर हजमा चौराहा अखनहूं सेसर। एटीएम तकैत दूर,लगक दोस्त बैंकक पाई देवकी नहि,अपन बैंकक खराब।

एक बाइकसवार लोहिया चौक छोड़लक।

तारालाही ब्रह्मस्थान लग चौधरीजी डेरा। पांच बजेसं वर्ग लेल कहल छल। सुरम्य पोखरि कात बगलक +2 विद्यालयमे नवमी कक्षाओं छात्र ओ छात्राओं अलग कक्षा में बताओल। छात्रा बीच जय जय भैरवी सेहो भेल।

गर्मी छल।चौक पर टेम्पोसौ ओझौल पितियौत बहिनक द्वादशामे।

भागिन अमरीकासं आबि कर्म करैत। दूर्वाक्षत होता छः। राजीव तारालाही नहि पहूंचलाह। साढ़े छः हमरा पहुंचैत भेल। अनेक घूमि गेल छलाह किन्तु अगिला तीन दिन एकाधहि अयलाह।
जिनका घर छलहूं सुतलहूं जरूर, नीक भेद जे भोजन अस्वीकारकंय देल।
हूनक पुत्रक भंगिमासं लांगल आपका नहि।
दोसर दिन रामपुकार लायक घर जे बहुत स्वागत पूरा परिवार केलाह।ब्लू भय गेल छल कहुना भोर सांझ वर्ग।
अन्तिम दिन प्रमाणपत्र लय लेल समय हो तीन नहि अयलाह। ओहि गामक हमर मिथिलाक्षर परीक्षिका सेहो नहि अयलीह।
मैथिली फ़िल्ममे भाग लेने मणि चौधरी जरूर गपशप करैत रहवास कोना मैथिलीक प्रचार हो।
वर्ग समापन बाद 28.2क किछु मोन ठीक लांगल तो फेर पोखरि लग मन्दिर दर्शनकंय एक कक्षा सातमक लेल।
चारि बजे तक विश्राम कयल।
रामजी सड़क पर छोडय अयलाह। भामाशाह के मूर्तिक फोटो लेल। जातीय समाज महान लोककें याद रखैत अति से नीक।
टेम्पो समस्तीपुरक। अनेक निजी विद्यालय पैच पैच बनिए रहल अछि।
जटमलपुरमे अपन बच्चा में फारबिसगंजमे ओतुक्का एक साधुओं याद आयल।

हायाघाटसं एक रोड़ मिलैत।

कल्याणपुरक की रांची जाति बसक याद। अनेक दुर्गा मन्दिर रोड पर।

समस्तीपुर गंडक के पहिलेसं सपना में सुमनजीक बल्लीपुर गाम जेबाक रास्ता ठीक छल।

समस्तीपुरमे सुधाकर दही महंग ओ पुरान लागल।

प्लेटफार्म सात जा खेलहूं आओर बरौनी अहमदाबाद ट्रेनमे आरक्षणमे भोर पांचक पुर्व पं दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन फेर टेम्पोसं टेंगरा मोड़ बदलिए अपन कालेज फ्रूट बीमारी संग अनैत।

(7.3.2023:1640 वाराणसी)

हमर 272 म मिथिला जागरण यात्रा (16-31.7.2023)-भागलपुर-दलसिंहसराय

16.7.2023 Navgachhia Rudrabhishek, was alte due to Premji's late comimng train

16.7.2023 Bhagalpur meeting, met Dr Kiran 1973 batch

17-29.7.2023 Forbesganj

30.7.2021 Dalsingsarai Katha Kumbh XVI, meeting VIP, Pagda rest
31.7.2023 Ujiarpur SSC,Amarnath Thakur,Premji
31.7.2023 Samastipur Waiting room

यद्यपि प्रवासी जं मिथिलामे अछि तो ओ जागरणहि अन्य रहल अछि भनहि ओ अपन गाम वा कुटूमैती पारिवारिक कार्य लेल हो आओर यदि ओ कनियो सआकआंक्ष अछि त बहुत काजकंय संकेत अछि।
हमर ई यात्रा छल त व्यक्तिगतहि किन्तु आदि ओ अन्तमे सांगठनिक कार्य भेल जाहिमे पीके प्रेम संग रहलाह।
आदि नवगछियामे वेदविभाजन डा सत्यवान शास्त्रीजीक ओत रुद्राभिषेकमे समय पर स्टेशन पर सीमांचल एक्सप्रेससं पहुंचियोक प्रेमजीक लेट गाड़ीक प्रतीक्षा करैत पहूंचला पर यज्ञहइक समापन भय चूकल छल।
तथापि सम्मानित केलाह ओ पुराण पर एक पुस्तक देलाह जकर समीक्षा आइ 31.7क संशोधन पूरा केलहूं यद्यपि दू तीन दिन पूर्वहि लिखा काल्हि हूनका सूना देने छलहूं।
16.7क नवगछिया स्टेशन पर रगड़ा गामक एक ब्राह्मण गरीब गाममे दोकान्दारी करैत महिलाक व्यथा सूनने छलहूं जकर बेटाकें

पटनामे लाज मालिक दूना भाड़ा ओसूल करैत छल।

नवगछिया बाजार मिथिलामे कोनहूं अनुमंडलक जकां छोट-छीन व्यस्त लागल जेना रोसड़ा, दलसिंगसराय या बेनीपट्टी के। एत आसपास केराक खेती बहूत होइत छै।

हरियापट्टीक एहि ठाकुरवाड़ीमे सरस्वती मन्दिर समूहों छैक यद्यपि ओ महाकाली महालक्ष्मी संग छैक किन्तु कहाइत अछि सरस्वती मन्दिर।

भागलपुरकें यात्रा विक्रमशिला सेतु बना बाद आसान छैक कहियो 1995मे हाई लएबउलसं स्टईमरसं डा जयकांत मिश्र संग पार केने छलहूं।

तुलसीनगर कालोनीमे स्वर्गीय साधना झाक पति अरविन्द जी प्रतीक्षारत छलथि। आनन्द विवाह उद्यानमे बैसार नीक भेल ओना पुर्वी मिथिलामे संगठन पूर्णतः ब्राह्मण जातीय छैक एकरा सर्वजातीय केनाइ कठिनाई किन्तु आवश्यक छैक।

अपन सहपाठिनी डा किरण सिंहसं सेहो भेंट कयल आ दोसर दिन फारबिसगंजमे। अबैत जाइत ट्रेनमे अनुभव जे इम्हरका मुस्लिम सेहो मैथिलीमे आपसी बात करें अछि हिन्दूक कोन कथा परन्तु लेखन ओ भाषणके भाषा हिन्दी भ गूलऐक अछि।

अन्तमे तीसक दलसिंगसरायमे सोलहम मैथिली कथा कुम्भ छल जाहि लेल कटिहारसं जानकी एक्सप्रेससं रोसड़ा उतरी बस स्टैंड जा बससं दलसिंगसरायक महावीर चौक अयलहूं।

सिंगियाट या नरहन उतरी एनआइए सुविधाजनक रहितै किन्तु

रोसड़ा बाजार एक बेर फेर लेखक छल से निकाह भेल।

महावीर चौक पर दलसिंगसरायक ऊपर एक मैथिली कविता लिखलहूं कारण एहि स्थानक मैथिलीक लेल भूमिका प्रभावी छैक जे अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् चलते मात्र।

प्रेमजीक संग भटगामा सुशान्तक घर ओ शिक्षा विहार एक बेर फेर।

स्नान पूछा।भयंकर गर्मी जे नवगछियासं प्रारम्भ से बढ़ितहि गेल ,ओ उत्कर्ष पर तथापि छात्रसभकें नीक सम्बोधन सामान्य ज्ञानक एक पुस्तकक लोकार्पण समारोहमे।

बादमे बर्षा भेल जेना एखन समस्तीपुरमे भय रहल अछि किन्तु उमस गर्मी चलते स्थानीय श्रोता एकहि दू अयलाह, कथापाठ करय जयनगरसं नारायण यादव ईश्वरचंद्र विद्यासागरजी (जे हरलाखी मधुबनीक वासी) संग अयलाह, सुरेश पासवान बरौनीसं। कल्पकवि बहुत देर चलते समस्तीपुरसं वापस भेलाह। हमरहूं व्रत छल प्रदोष त्रयोदशीक

भोजन भनहि दश-बीसक बेकार हो कार्यक्रमक स्तर ठीक रहल।

सांझमे वीआइपी कालोनीमे सेवानिवृत्त मैथिलसभसंग बैसार सेहो ।

महावीर चौक पर फलाहार लेल आम एक किलोग्राम लेलहूं जकर पाई पचास रूपा अनिलजी नहि देब देलाह। बैसारक पूर्व ओ शुकुल बीजू आम खेलहूं। फेर प्रेमजीक गांव पगड़ा अबैत ओ

एक मेगामार्टमे किछू सामान खरीद केलाह।छओटहूं शहरके छोट महानगरीय जीवन भेल जा रहल छैक।

रात्रि विश्रामक पूर्व समस्तीपुरमे बैसार ३१.७ लेल अनेक फोन परन्तु अधिकांशतः फोन उठलनहि नहिए कार्बेट पूर्णियाक 29.7 बांधक लेल जकां। लोक सामाजिक कार्यसं भागि रहल छथि राजनीतिक कारपोरेटीकरण चलते।

एक छात्र चिन्हलक किन्तु ओहो उजियारपुर स्टेशन नहि आयल। हम गर्मीमे किछू लिखैत रहलहूं यावत् प्रेमजी अपन कालेजों नहि अयलाह। अंग्रेजी सूरखई छत स्टेशन ठंढा छल बाहरक गर्म माहौलसं।

अकहआक शिवशंकरजी संग प्रेमजी आओर मनोविज्ञान शिक्षक अमरनाथ ठाकुर, भागीरथपुर, सरायरंजनक अयलाह।



गप्प डा उपेन्द्र यादवस़ सेहो जे मधेपुरामे छथि विश्वविद्यालयमे जिनका मैथिली शिक्षक संघक सम्मेलन बजबय कहल। कहियो हिनक गाइड हिनका बहुत तंग केने छलन्हि जे सांपक मेलाक गीत जमा करैत छल आब मगधमए छिछिया रहल छथि। फेर ट्रेन समस्तीपुरक। उमेशचंद्र भारतीक पोस्ट प्रेमजी देखौलाह योगी

जनक कुशवाहा मधेपुरामे भेन्टीलेटर पर आओर किछु देर बाद सूचना स्वर्गीय।एक मिथिला सेनानीक महाप्रयाण। नौकरी चलते जाइयो नहि सकैत छी।

लगातार वेटिंग रूममे डा सत्यवान शास्त्रीजीक पोथी पर समीक्षा बीच श्रद्धांजलिक प्रेस रिलीज़ आओर आब ई यात्रा विवरणिका।हमर ट्रेन सेहो दरभंगा छोड़लक साढ़े आठ तक खेत आओर काल्हि भोरसं वाराणसीक मेडिकल प्रोफेसरी। बहिन भगिनी बहिनोइ रांचीसं निकलि गेल हेतीह।भोर हमर बाद डेरा पहुंचतीह।

मिथिला कार्य कठिन किन्तु आवश्यक। तारानंद वियोगी बलचनमा लेल किछु लिखलाह जकर कोलकातासं सटीक उत्तर मैथिली पुनर्जागरण प्रकाशमे पढ़लहूं किन्तु ओहि बौद्धिक संपदा चर्चासं त बालचन्द बिज्जावहि भाषा नहि बचत पुरस्कार भेटत बलचनमा बनैत रहते, के बनाएं मिथिला योगी जनक गेलाह!



हमरहूं ट्रेन आबि रहल छी बनारसी वा योगी जी लग, कहिया मिथिला बनत,युवक जागथि। नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशनक युवा कहलक सर्वोच्च न्यायालयमे मुख्य न्यायाधीश चन्द्रचूड लग हमर बनाओल संगठन चर्चामे आयल से मिथिलामे सेहो होइत अछि चाही समर्पित युवक।
(३१.७.२०२३:२०१७, समस्तीपुर प्रतीक्षालयहं)
हमर 273 म मिथिला जागरण यात्रा (16-31.8.2023)-पूर्णेया -XIII विनय तरुण पुरस्कार-

16-22.8.2023 Forbesganj
20.8.2023 Purnea XIII Vinay Tarun Puraskar-Shreenayak Hotel
22.8.2023 Journey_15283 Purnea Jn
23.8.2023 Darbhanga She with rajkumar,tarini and Bhawani didi went Forbesganj under conspiracy
sold motheland to brokers;severed all relations with them-Indu dera last time in life
23.8.2023 Keotiaddressed students, with Rajiv High school

23.-26.8.2023 Bisfi 104_MWTC at Bhagwatisthan- Shivshankar babau dera

24-26.8.2020 Bisfi Shivshankar babu dera

26.8.2023 Bisfi addressed students with Rituraj-Vidyapatii+2 school

27.8.2023 Journey tempo Aunsi zeromilw ,Bus

27.8.2023 Madhubani Kathakumbh-17- Dhanakar's room

27.8.2023 Journey JYG-HWH_SPJ,GWL BJU

27.8.2023 Dalsingsarai Somvari karmaria rush-Parshuramnagar

28-31.8.2023 Dalsingsarai 105 MWTC_5 cerificates-Parshuramnagar

28.8.2023 Kamaraon Pratibha samman-Ucch Vidyalaya

30.8.2023 Dalsingsarai Inauguration-Shantiniketan Digital library

31.8.2023 Journey_12561

सामान्यतः ई यात्रा हमर पारिवारिक अव्यवस्थामे भैया ओ चारि बहिनक द्वारा एक षड़यंत्रमे फारबिसगंजमे हमर जन्मभूमि बेचा देबाक चलते मानसिक यंत्रणामे रहल अछि तथापि कटिहार,अररिया जिला में किछु काज एवं पुर्णियामे विनय तरुण पुरस्कार, दरभंगाक केआओटीमे विद्यालयमे संबोधन, मधुबनीक बिस्फीमे १०४म मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, विद्यालयमे छात्रसभकें स्वास्थ्य शिक्षा कैरियर पर संबोधन, शिशुसभकें किछु शिक्षण, मधुबनीमे सांकेतिक कथा कुम्भ 17, दलसिंगसरायक झमटिया बछवाड़ासं गंगाजलकामर लय समस्तीपुरक थानेश्वरस्थानक 35 किलोमीटर यात्रामे स्वागतक उमड़ल भीड़क भाग फेर 28-31तक 105म मिथिलाम
 कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर द्वारा मिथिला-मैथिली द्वारा जागरण भेल।

अररिया ई चौर चांचर

अररियाक ई चौर चांचर
कोशी मैयाक वक्षस्थल
दूध पानि पिआ बढ़ल
ई शरीर अहींक माते।
नहि जानि कण-कण
घूमैत रहलहूं हमहुं जे
छी त अहींक बहिनक

कमला मैयाक नाती।

कोशी कमला गंडकी

बनबैत गंगाजल नदी

जे सूखा जाइत कृश

उत्तर प्रदेशमे शोषित।

नहि प्रदूषण मिथिलामे

कारण अहांक छी माते

भनहि दहा दैत छी अहां

जखन तखन जहां तहां।

धन्य कौशिकी जे बनल

पूर्व मिथिलामे कोनहूं

संस्कृति जे करैत पूरा

मिथिला जेना सीताराम।

धन्य भारतभूमि जे एतय

उद्भूत वेदोपनिषदसभ

मिथिला भारतक हृदय

ओ कोशी वाम निलय।

(१७.८.२०२३:८२८ अररिया जिला)

प्रेस विज्ञप्ति

पूर्णिया २०.८.२०२३

आकाश कुमार सिंहकें 13म विनय तरुण पुरस्कार

मिथिला पत्रकार मंच (अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक एक इकाइ) द्वारा स्थानीय श्रीनायक होटल परिसरमे दैनिक भास्करक डिजिटल रिपोर्टर आकाश कुमार सिंहकें तेरहम विनय तरुण पुरस्कार प्रदान कयल गेल | कार्यक्रमक अध्यक्षता ऑल इंडिया रेडियोक सत्येन्द्र कुमार सिन्हा केलनि। एबीपी न्यूजक पंकज नायक मुख्य अतिथि छलाह जे प्रमाणपत्रस सम्मानित केलखिन्ह। अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक संस्थापक वाराणसीक मेडिसिन प्रोफेसर डॉ. धनाकर ठाकुर मिथिलाक पाग पहिरा आकाश कुमार सिंहकें सम्मानित करैत कहलाह कि आशा अछि जे आकाश सेहो विनय तरुण जकां जुझारू पत्रकार बनताह आओर समाज सेवा सेहो करताह।

ई सुखद संयोग छै कि पूर्णिया केरऽ विनय तरुण सेहो छलै जे कुशहा कोशी ट्रेजेडी 2008 आ भुज चक्रवात 2001मं सेहो सेवा देने छलाह। अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद हर साल 35 साल सं कम उम्रक एक युवा पत्रकारकें प्रतीकात्मक तरीकासं सम्मानित करैत अछि।

मुख्य अतिथि पंकज नायक सही चयनक लेल अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषदकें धन्यवाद देलखिन्ह। संयोजक कुमार प्रवीण सब गोटेके धन्यवाद देलखिन।

महाकवि विद्यापतिक 'जय जय भैरवी' स शुरू भ नागार्जुन यात्रीक ' भगवान हमर मिथिला सुख शांतिकेर घर हो' स

कार्यक्रमक समाप्ति भेल।

कार्यक्रममे अंकित झा, न्यूज फोर, नागेश्वर कर्ण, देनिक भास्कर, जयप्रकाश मिश्र, डीडी वन, मनोहर कुमार दैनिक भास्कर आदिक गरिमामय उपस्थिति रहल।

पारिवारिक अव्यवस्थामे हमरा अचानक 22.8.2023क जानकी एक्सप्रेस पूर्णियामे पकड़ि डोरे दरभंगा आबय पड़ल आओर राजीव कुमार कर्ण को संग केओटी अयलहूं। सीधा उच्च विद्यालयमे प्राचार्य तारीख अकबर आइ कार्ड मंगलाभ जे मिथिलामे पहिल बेर भेल किन्तु सहयोगी भेलाह तथापि हाजिरी एप पर अपन परिचय देखाओल।

छात्रसभकें स्वास्थ्य शिक्षा कैरियर पर संबोधन देल।

ताबत बालाजी आबि गेलाह। हूनक घर जा चूड़ा दही तरकारी खाक बिस्फी पूर्व प्राचार्य शिवशंकर रायजी घर जतय एक बेर पहिनहूं ठहरल छलहूं।

स्वागत केलाह आओर 104म कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ भेल।

प्रेस रिलीज़ बिस्फी 23.8.2023

104म मिथिला प्रशिक्षण शिविर बिस्फीमे प्रारंभ

आइ भगवती स्थान बिस्फीमे महाकवि विद्यापतिक कुलदेवी मन्दिरमे जय जय भैरवीक गायनक संग अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद क 104मम मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक

उद्घाटन श्री शिवशंकर राय, पूर्व प्रधानाचार्य जे एम उच्च विद्यालय,कमतौल, दरभंगाक द्वारा भेल।

संस्थापक डा धनाकर ठाकुर प्रोफेसर मेडिसिन वाराणसी कहलाह जे अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद समन्वयकारी संगठन अछिज्ञजे मिथिला,मैथिल-मैथिलीक सर्वांगीण विकास लेल 20.6.1993सं कार्यरत अछि।

भारत ओ नेपालमे अलग-अलग मिथिला राज्यक निर्माणक लेल भारत-नेपालमे 33 अन्तरराष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन एवं 103 कार्यकर्ता प्रशिक्षण चतुर्दिवसीय शिविर लगा चूकल अछि जाहिमे सात रांची-दिल्ली छोड़ि मिथिलाक गाममे लगौलक।

मैथिलीकें आठम अनूसूचीमे , झारखंडमे दोसर भाषा अधिकांशतः अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक प्रयाससं भेल, रांची जयनगर ट्रेन चलल।

रांचीमें विद्यापति स्मारक समितिक पुनर्जीवन,झारखंड मैथिली मंच निर्माण एकर प्रयाससं भेल।

तीन दर्जन अनुषंगी संगठन संग सेवारत रांचीमे गठित आई सर्वत्र मैथिलीभाषीक बीच अछि।

एहि प्रशिक्षण शिविरमे मिथिलाक भूगोल, इतिहास, संसाधन,मिथिला राज्य निर्माण किएक , सामाजिक समरसता आदि पर चर्चा हैत।

हर सत्र का प्रारंभ जय जय भैरवी सं आ समाप्ति यात्रीजीक भगवान हमर मिथिला सुख शांतिक घर हो संघ हैत आओर

26.3.2023क प्रशिक्षितकें प्रमाण पत्र देल जायत।

आइ दिनमे डा धनाकर ठाकुर केओटीक रआमजउलूम उच्च विद्यालयमे छात्रसभकें स्वास्थ्य,शिक्षा, कैरियर संग मिथिला मैथिली संस्कृतक महत्वज्ञपर कक्षा लेलन्हि जाहि लेल प्राचार्य अकबर महोदयकें संयोजक राजीव कुमार कर्ण दरभंगा धन्यवाद ज्ञापित केलाह।

श्री बालाजी केओटी कहलाह कि मिथिला क हर क्षेत्र ओ विधायक अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् सक्रिय हिस्सेदारी रखैत अछि।

प्रेस रिलीज़ 24.8.2023

गंडकी,कमला, कोशी मिथिलाक भौगोलिक संबल-प्रो डा धनाकर ठाकुर

बिस्फीमे विद्यापति कुलदेवी मन्दिरमे चलि रहल अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक 104म मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक दोसर दिन मिथिलाक भूगोल पर बजैत डा धनाकर ठाकुर प्रोफेसर मेडिसिन वाराणसी बजलाह कि जेना कोनहूं मनुष्यक शारीरिक ढांचा हड्डी बनबैत अछि देवीस्वरूपा मिथिलाक ढांचा गंडकी,कमला ओ कोशी बनबैत अछि जकरा सत,रज,तम तीन गुणक पर्याय सेहो बूझक चाही।

गंडकीक पाथर शालिग्राम पूजित सतोगुण विष्णुक प्रतीक, रजोगुणी ब्रह्माक रूप कमला मिथिलाक वंशवृद्धि विद्वत्ताकें

बतबैत मिथिलाक हृदयस्थलअछि त बाढिप्रलय अनयवाली कोशी तमोगुणस्वरूपा बूझक चाही।

हिमालय गंगा गंडक कौशीक बीच जलोढ़ माटिवाली मिथिला भारतक लघुरूप अछि जतय सब धन-धान्य , फल जलोत्पाद, वनौषधिक प्रचूरता अछि।

बांध बना टूटला पर अबयबला बाढि ताण्डवरूप अनैत अछि। जे बाढि पहिले बिल्लीजकां मेमियैत अबैत छल से आब बाघजकां गुर्राइत अबैत अछि।

भूकम्प प्रधान मिथिला एक विशिष्ट भूभौतिक क्षेत्र अछि। जखन एतय भूकम्प तखन उत्तराखंड या पुर्वोत्तर भारतमे नहि। मिथिलामे बहुमंजिला इमारत नहि बनक चाही।

आइ छोट बच्चासभकैं उगनाक ओ कृष्ण भगवानक बालकथा ओ स्वास्थ्य लाभ लेल दांत सफाई,हाथ साबूनसं साफ करक, लेमन चूस नहि खा लतामसन फल खेनाइ बताओल गेल।

तेसर दिन भोरमे वर्षा होइत देख नहि गेलहूं किन्तु सांझमे मालूम भेल किछु लोक छत्ता ल आयल छलाह तो दु:ख भेल।

ओना सांंझसं शिशुसभकें गोनूक झा,उगनाक किस्सा बालोहम जगदानन्द:श्लोक रटा देल चमैनिया डाबर कर संग जे तीन दिन सांझमे चलैत रहल।

प्रेस रिलीज़ 25.8.2023

प्रजातंत्रक जननी मिथिला-

डा धनाकर ठाकुर

बिस्फीमे चला रहल अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क 104म कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरमे मिथिलाक इतिहास पर बजैत डा धनाकर ठाकुर प्रोफेसर मेडिसिन वाराणसी कहलाह कि 57म कराल जनकक बाद मिथिलामे विश्वक सर्वप्रथम प्रजातंत्रक उद्भव विदेह यानी उत्तरी मिथिलामे भेल बहूत बादमे लिच्छवी आओर वैशालीमे सेहो जे मिथिलामे अछि।

पहिले जनक निमि ओ दोसर तिथि छलाह जिनका जन्म निमिकें शापित मृत शरीरकें मथिकंय भेल तें मिथि नाम पड़ल जाहि पर मिथिला नाम पड़ल।

सीताजी 27म जनकक हर चलेलासं पुनौराधाममे उद्भूत भेलीह,हरक फारकें सीत् संस्कृतमे कहल जाइत छैक तें सीता नामकरण और जनक सिराऊरक चलते सीरध्वज।

हिनक भाई कुशध्वज जिनक राज्य कोशीसं जगन्नाथपुरी तक। रथयात्राक समय मौसीवाडी जनकपुरी कहाइत अछि।देवघरसं पुरी तक रास्तामे मैथिलक अनेक गाम अछि चन्दनकियायी, बहरागोड़ा आदि ।

विदेह राजवंश क बाद किछु काल अपन नाती अजातशत्रुक चलते मगधक पराधीनतामे मिथिला रहल किन्तु शीघ्र अपन स्वातंत्र्य पाबि लेलक। एहि पर राज्य कएलक-PSKOK सूत्र यादकरय लेल

P-पालवंश -बौद्ध

S-सेनवंश-सनातन सूर्यपूजक

K-कर्नाटवंश- करनाली यानी घाघरा नदी क नेपाली नामक किनारसं आएल (हमर मतसं कर्णआटक नहि कारण कन्नड़ भाषाक अंशक नहि)-मिथिलाक स्वर्ण काल जखन पंजी लिखल गेल अन्हरा ठाढ़ी राजधानी

O-ओइनवार वंश -वैनी समस्तीपुर पूसा लग, तुगलकक अधीनता -महाकवि विद्यापतिक काल

K-खडवला कुल-मुगलक अधीनता

1774स अंग्रेजक अधीनता पटना रेवेन्यू बोर्ड यानी बिहारमे जाहिसं अलग अलग मिथिला राज्यक मांग हमरसभक अछि ।

1816मे सुगौली सन्धिमे मिथिला भारत नेपालमे विभाजन ।

भारतीय मिथिला भारतक ओ नेपाली मिथिला राज्य नेपालमे बनय ई अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क मांग अछि।

शिशु सबके गोनूक झाक किस्सा आ स्वस्थ रहक बात बताओल।

26.8.2023क भोरमे भगवती स्थल पहुंचलहुं त बून्दआ बून्दी में आइ कियो नहि। एक लड़की वर्षासं बांचक आयल कहलक उच्च विद्यालय लगहइमए।एक दोसर पूर्व छात्र ऋतुराज लय गूद आओर ओतय कक्षा नौ आओर दशकें नीक जकां पढाओल।

सांझमे प्रशिक्षण शिविरक समापन भेल।

प्रेस रिलीज़ 26.8.2026 विस्फीविद्यापतिधामक विकास हों-प्रो धनाकर ठाकुर

विस्फीविद्यापतिधाममे अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक चतुर्दिवसीय 104म मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक आइ समापन भय गेल। महेन्द्र महतोजी क अध्यक्षतामे समापन समारोह मे

मुख्य अतिथि डा जयनारायण गिरि छलाह। ओ कहलाह कि मैथिलीभाषी लोकसभकें जागरूक होब कहलाह। प्रतिभागीकें प्रमाणपत्र वितरण कयल गेलन्हि जाहिमे मेहीलाल महतो, रामचंद्र महतो, विश्वनाथ यादव, रामवृक्ष यादव, अरविन्द महतो, धीरेन्द्र यादव,पांचू यादव, हरिश्चन्द्र यादव,डोमू सिंह, रामसेवक यादव,रामप्रीत मंडल, हीरालाल महतो,नरेश पासवान, रामेश्वर यादव, रामबाबू यादव, धर्मेन्द्र शर्मा सम्मिलित छथि जे एंकर प्रमाण कि मैथिली सभक भाषा।

शिविरमे मिथिलाक भूगोल इतिहास संसाधन मिथिला राज्य निर्माण कोना, सामाजिक समरसता, स्वास्थ्य, धर्म आधारित ज्ञान आदि विषय

डा धनाकर ठाकुर प्रोफेसर मेडिसिन वाराणसी संस्थापक नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद रखलाह। ओ कहलाह कि बिस्फीविद्यापतिधामक समुचित विकास आवश्यक अछि।

आइ ओ स्थानीय विद्यापति उच्च विद्यालयमे स्वास्थ्य कैरियर आदि विभिन्न विषयसभपर छात्रसभक मार्गदर्शन केलाह ओ

विज्ञानक संग मातृभाषा मैथिली पढ़य सभकें कहलाह।
संयोजक पूर्व प्रधानाचार्य शिवशंकर राय धन्यवाद ज्ञापित केलाह ।
27.8.2023क भोर तैयार भेलहूं। एकादशी छल, रोटी भूजियाक पैक लय चौक पर। टेम्पोसं औंसई जीरो माइल आओर ओतसं जीपसं मधुबनीक जीर्ण खादी भंडार दंग उतरी अपन जमीन पर।
सैकड़ एसएमएस किन्तु एकहू कथाकार नहि टघरलाह। डा दिलीप झा दू दिन फ़ोन केशू छलाह ओहो फोन नहीं उठौलाह।
किन्तु उपस्थित किछू लोक बीच अपन कथा अपन पारिवारिक विघटन पर पढ़लहूं। जल्दीमे मधुबनी स्टेशन।31.8क टिकटक बोर्डिंग समस्तीपुरक कराल।किरानी एक दिशक छपल काटल पर दोसर दिस पर आवेदन नहि लेलक तखन अपन लेटर पैड पर छलआहआ फडवा पाछां पर अन्ततः लय काज केलक हमर मैथिलीक जबाब अंग्रेजीमे दैत।
दलसिंगसरायक जेनरल टिकट लय बोतल में पानी भरलहूं आओर मथसुन्नीमे दोसर आदमीको बेंच पर लागल झोडामे घूसा देल। देखैत छी एक मुस्लिम उज्र टोपी माला चार्जरलागल ककरहूं टिकट काउंटर पर हमरे आबि गेल जाकंय कहीं कि मुस्लिम उम्हर बाजल क्या करते हैं और सारी कहि आगां अयलहूं। बोतल छूकर वापस गेलहूं नहि छल। पूछताछ पर गलत कहि देलक जयनगर कोलकाता दलसिंगसरायमे रूकत।

आरामसं जगह भेटल।एक सहयात्रीसं जल व पीलहूं हूनका पान पराग सन किछू निकाला पर बूझाकरय फेकबेलहूं। फेर अपन मैथिलक ओ संस्कृतमे लिखल दूनू कथा सूना टिप्पणी लेलहूं। पहिले सौ बैसल सौराठमे मिथिलाक कला केन्द्रक कोर्स करैत लड़की को सेहो उत्साहवर्धन केलहूं।

समस्तीपुरमे बदला ग्वालियर बरौनीसं दलसिंगसराय उतरलहूं।

प्रेस रिलीज़। मधुबनी 27.8.2023

अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक कथाकुम्भय -17 मधुबनीमे सम्पन्न

अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक कथा कुम्भ -17 मधुबनी वाटसन स्कूल रेडक्रास सोसायटी रोड मोड़ पर डा धनाकर ठाकुर प्रोफेसर मेडिसिन वाराणसीक नवनिर्मित मकानमे भेल। गोष्ठीक अध्यक्षता सत्यनारायण शर्मा केलन्हि। ओ बजलाह जे गाम-गामक सामाजिक परिदृश्य बदलि रहल अछि।लोक बेइमानीसं धन अर्जित करय चाहैत छथि।

मुहम्मद अजहर अली कहानी पर प्रतिक्रिया दैत बजलाह कि घर-घरक एकहि कहानी अछि सभ ठाम भाई-भाई लड़ि रहल अछि जे बात डा धनाकर ठाकुर अपन कथा 'मिथिला जन्मभूमि,भारत मातृभूमि' में उठौलाह। परिहारा बेगुसरायक राधिकेश मुकुन्द कहलाह कि कथा मार्मिक अछि। सौराठ

कलआकएन्द्रक बर्षाकें पंजीकार संस्कृतमे कथा नीक लगलन्हि केशव कुमार संचालन केलन्हि ओ माधव कुमार धन्यवाद ज्ञापित केलाह। अगिला कथा कुम्भ 24 सितम्बरक परिहारा गांव बेगुसराय जिला (समस्तीपुर -खगडिया बीच सलोना स्टेशनसं सात किलोमीटर)में होयत राधिकेश मुकुन्द के संयोजनमे।

दलसिंगसरायक प्लेटफार्म 2क सामने लओकनआथपउर हनुमान मंदिरमे विश्राम केलहूं। प्रेमजी,अनिलजी अयलाह त टहलैत सोमवारी पर झमटियासं गंगाजल लय समस्तीपुरक थानेश्वरस्थानक जआइवलआ कमरियाक भीड़ देखैत रहलहूं। मोन भूल जे सोरियैसिस लेल दवइ खरीद ली।जाहि दोकानमे गेलहूं ओ पशुको दवाइक दोकान किन्तु संयोगवश प्रो हीरानन्द झाक चल।

लागल दलसिंगसरायमे पशु दवाई दोकान अधिक आओर हूनक घर में सांझमे लागल भारतक पशूवन 2.2प्रति व।यकत्रृतइसं अधिक

सांझ भोर 105म पर।रशिक्षण वर्ग चंद्र।

बीचमे एक दिन कमरांव गांव क उच्च्य विद्यालय में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि रहलहूं जे बहुत नीक लागल।

प्रेस रिलीज़ 28.8.2023

105म मिथिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर दलसिंगसरायमे प्रारंभ

समस्तीपुर जिलाक दलसिंहसराय प्रखंड अंतर्गत परशुराम नगर,चकशेखू स्थित बालेश्वर झाक निवास स्थान पर अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् दलसिंहसराय नगर मंडलक तत्वावधानमे एक सौ पांचम,चारि दिवसीय मैथिली कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक शुभारंभ मुरली मनोहर झा जीक अध्यक्षतामे तथा परिषद् क संस्थापक अध्यक्ष डॉ धनाकर ठाकुर द्वारा भेल। शिविरक शुभारंभ जय जय भैरवीक समवेत गायनसं कयल गेल। अपन उद्बोधनमे डॉ धनाकर ठाकुर कहलाह कि मिथिलासेवीसभकें संगठनक गहन प्रशिक्षणक आवश्यकता अछि आओर ई एक सौ पांचम प्रशिक्षण शिविर मीलक पाथर सिद्ध हैत।

एहि अवसर पर डॉ धनाकर ठाकुर स्थानीय गांव चकशेखूक नव नामकरण "परशुराम नगर"करैत कहलाह किआइसं ई गांव/नगर भगवान परशुरामकें अपन आदर्श मानिकंय चकशेखूसं परशुरामनगर कहलाओल जाए।

शिविरक संयोजक प्रो हीरा झा बतोलाह कि ई शिविर आइसं भोर- सांझ दू सत्रमे एकतीस अगस्त तक चलत, जाहिमे मिथिलाक इतिहास, भूगोल, संस्कृति एवं भाषा पर विशेषज्ञ अपने विचारसं अवगत करौताह।एहि अवसर पर मिथिला शिक्षा मंच सम्बद्ध अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क संयोजक प्रो पी के झा प्रेम अपन उद्बोधनमे मैथिली भाषाकें अधिकस अधिक

व्यवहारमे अशफाक अपील करैत कहलाह कि आगामी जनगणनामे अपन मातृभाषाक रूपमे मैथिली भाषाक उल्लेख करथि। एहि द्घाटन समारोहमे मिथिलासेवी तथा शिक्षाविद् प्रो प्रमोद कुमार चौधरी,ई मनोहर सिंह, प्रो दिपक भगत, शिक्षाविद् अजय शशंकर मिश्र,अभयशंकर मिश्र , गणेश झा, गोवर्धन झा, प्रियांशु झा आदि उपस्थित छलाह।

आइ दूपहरमे गांव कमरांवक उच्च विद्यालयमे प्रतिभा सम्मानमे डा धनाकर ठाकुर प्रोफेसर मेडिसिन वाराणसी मुख्य अतिथिक नाते बजलाह कि मैथिलीक्षो संस्कृतक ज्ञान परमावश्यक अछि। ओ छात्रसभकें शिक्षा, स्वास्थ्य ओ केरियर के टिप्स देलाह ।शिक्षकसभकें सलाह देलाह-

अष्ट दोषा:हातव्या::शिक्षा: भूतिमिच्छिता:

कोशी, सिगरेट, मद्यपान:

जातीयता,घूस पैरवी

कक्षायाम् सदा बिलम्बे च

मोबाइल वार्ता क्षणै:जक्षणै:!

प्रेस रिलीज़ 29.8.2023

मिथिलाक इतिहास चर्चा ओ

राजेश्वर सिंह "नेपाली मैथिल" क लेल मैथिली प्रशिक्षण शिविरमे शोक

दलसिंहसराय प्रखंड अंतर्गत परशुराम नगर चकशेखूमे अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क तत्वावधानमे आयोजित चारि

दिवसीय 105म मैथिली कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक दोसर दिनक प्रधान प्रशिक्षक डॉ धनाकर ठाकुर उपस्थित प्रशिक्षणार्थीसभकें मिथिलाक इतिहास बतबैत कहलाह कि ई अति प्राचीन आ गौरवशाली परंपराक वाहक रहल जकरा बनेने राखक लेल मिथिलाकें जानक होएत।

मिथिलाक वैदिक इतिहासमे विश्वामित्रक गायत्री, वामदेवादिक ऋग्वेदक प्रथम, द्वितीय, तृतीय मंडल शताननक सामवेदक भाग अछि।

याज्ञवल्क्यक शुक्लयजुर्वेद, ईशावास्योपनिषद, मैत्रेयी संवाद, गार्गी, अष्टावक्र गीता, कपिलक सांख्य,गौतमक न्याय, जैमिनीक मीमांसा,कणादक वैशेषिक दर्शन मिथिलाक अछि। शबर भाष्य लिखलन्हि।

मिथिलाक बेगुसरायक चक साम्होक चार्वाकक भौतिकवादी दर्शन , वैशालीक महावीर, मातृक लुम्बिनीमे जन्मल परन्तु वृज्जि वैशालीक गौतम बुद्ध वेद नहि मानयबला नास्तिक दर्शनकें जन्म देलन्हि।

पौराणिक कालमे विदेह राजवंश क 57 जनकमे प्रथम निमि जिनक मृत शरीरकें मथिकंय द्वितीय जनकज्ञ मिथि भेलाह जिनक नाम पर मिथिला भेल। 27म सीरध्वज जनकक पोसपुत्री भुमिजा सीता छथि।

57म कराल जनकक बाद मिथिलामे विश्वक पहिल जनतंत्र आयल।

छठमसं नवम शताब्दी तक बौद्ध पालवंशक समयक गान ओ दोहासं मैथिली बनल जाहिसं बंगला ,असमी, उड़िया, मगही विकसित भेल।

कुमारिलक वार्तिक ओ टीका, प्रभाकर ओ मुरारीक मीमांसा,मंडन- भारती एहि युगमे भेलाह।

नवमीसं एगारहवीं सदी तक सनातनी सेनवंशक समय मिथिलामे सूर्य पूजा प्रमुख भेल।

1097-1325 तक करनाली नदी नेपाली घाघरालगसं आएल नान्यवंश आओर कर्णाट वंश मिथिलाक स्वर्ण काल अछि जाहिमे समौलमे जन्मल वाचस्पति राजधानी ठाढ़ीमे भामतीक रचना केलन्हि। समस्तीपुरक रोसड़क निकट करियनक उदयनाचार्यक किरणावली बौद्ध दर्शनक नींव हिला देलक।

हरिसिंह देवक समय पंजी लिखल गेल।

ज्योतिरीश्वर 1324 मे मैथिलीमे वर्ण रत्नाकर लिखलाह जे उत्तर भारतमे पहिल गद्य ग्रंथ एक विश्वकोश अछि।

1353-1527 तक मिथिलामे समस्तीपुरक पूसाक पास वैनी गांवसं ओइनवार वंश राज्य केलक जे जौनपुरी फिरोजशाह तुगलकक पट्टा पर । महाकवि विद्यापति(1380-1460) क यैह काल अछि जिनक पद पूर्व भारतीय भाषा सभमे जान फूंकि देलक।

1557सं मिथिला पर खंडवला कुलक महेश ठाकुर नामक मैथिली ब्राह्मणकें अकबरसं पट्टा भेटल जे दरभंगा राज कहाइत अछि ।

एहि समय द्वितीय वाचस्पतिक आचार चिन्तामणि आदि 41ग्रन्थ,गंगेश, पक्षधर, अयाची, शंकर, वर्द्धमान,लक्ष्मीधर, हलायुध,श्रीदत्त, चंडेश्वर नव्य न्याय स्थापित केलाह जिनक प्रशंसक स्वामी विवेकानंद छलाह।

1799-1947 तक ब्रिटिश शासनमे सेहो उमापतिक पारिजात हरण, गोविन्द दासक संगीत, चन्दा झाक मिथिला भाषा रामायणसं भारतक पहिचान बनल।

प्रशिक्षण शिविरमे काफी संख्यामे में स्थानीय बुद्धिजीवीसभक आगमन भेल,जे मिथिलाक इतिहास जानिकंय काफी प्रभावित भेलाह।

सत्र समापन पर अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क केन्द्रीय उपाध्यक्ष तथा नेपाल क जनकपुरक मैथिलीक वरिष्ठ साहित्यकार राजेश्वर साह नेपाली "मैथिल" क आकस्मिक निधन पर उपस्थितसभ दू मिनटक मौन राखि शोक व्यक्त केलाह।एहि अवसर पर मिथिला शिक्षा मंच सम्बद्ध अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद् क संयोजक प्रो पी के झा प्रेम श्रद्धांजलि अर्पित करैत कहलाह कि मिथिला एक विशिष्ट पहिचानवला समर्पित मिथिलासेवीकें क्षति उठौलक अछि ।भारतसं नेपाल तकक

मैथिलीभाषी हुनक निधनसं मर्माहत छथि।एहि अवसर पर शोक व्यक्त करयबलामे प्रमुख - प्रो प्रमोद कुमार चौधरी, प्रो हीरा झा,मनोज कुमार गुप्ता,अरुण कुमार वर्णवाल, गणेश कुमार झा, प्रो दीपक प्रसाद, मदनमोहन प्रसाद, अरुण कुमार लाल, प्रमोद जा, बैद्यनाथ झा, गणेश झा, मुरलीमनोहल झा,आदि उपस्थित छलाह।

और 30.8क दलसिंगसरायमे डिजिटल लाइब्रेरी क उद्घगारक।ल

प्रेस रिलीज़ 30.8.2023

सीता सर्किट और मिथिला सर्किटक स्थापनासं मिथिला पर्यटनक शीर्ष पर-डा धनाकर ठाकुर

दलसिंगसरायक परशुराम नगर (चक शेखू) मे चलि रहल अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क चतुर्दिवसीय 105म कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक तेसर दिन डा धनाकर ठाकुर बिहार ओ भारत सरकारक पर्यटन विभागसं सीता सर्किट ओ मिथिला सर्किटक स्थापनाकंय मिथिलाकें धार्मिक पर्यटनक शीर्ष पर पहुंचाब कहलाह।

सीता सर्किटमे दरभंगा हवाई अड्डासं सीतामढ़ी जाए फिर 5 किलोमीटर हलेश्वर 7 किलोमीटर पर जानकी मंदिर , 2 किलोमीटर पर पुनौरा धाम जतय सीता माता को अवतरण भेलेन्हि- 5 किलोमीटर पुंडरीकस्थानसं अन्हारीक अद्भुतनाथ 14 किलोमीटर पर देवकुली धर्र्रमपुर-17 किलोमीटर पर रीगा-30

किलोमीटर पर सीतामढ़ी - 5 किलोमीटथ पर पंचपाकड-10किलोमीटर पर सिंगरहिया -30किलोमीटर पर जलेश्वर -12 किलोमीटर पर जनकपुर धाम-15 किलोमीटर पर गिरिजास्थान फुलहर जतय राम सीताक पहिल भेट भेल- बगल में प्रसिद्ध तीर्थ स्थल 7 किलोमीटर पर कल्याणेश्वर स्थान- 2 किलोमीटर बगल में बिसौली विश्वामित्र जतय ठहरलाह जू राजा जनकक अतिथि गृह छल- 20किलोमीटर कालिदासक उच्चैठ - 15किलोमीटर कपिलेश्वरस्थान -12 किलोमीटर अहिल्यास्थान - 5किलोमीटर गौतमकुंड-25 किलोमीटर दरभंगाक करीब 300 किलोमीटर के बीच एक जगह बना एक दिनमे या दू दिनमे या तीन दिनमे लोक अपन सुविधा अनुसार सीता सर्किटमे घूमतआह। बुद्ध सर्किट या राजगीरसं अधिक धार्मिक पर्यटन ई बढ़ाओत।

मिथिला सर्किट -

अनेक तरह सं बनायल जा सकैत अछि और यदि एक बृहद बिंदुसं सीता सर्किटमे जोड़ि देल जाए त तमिलनाडुसं पैघ धार्मिक पर्यटन केंद्र विश्वक सनातनी हिंदू मिथिलामे अओतह।
दरभंगाक राज परिसर आओर ओतसं 55 किलोमीटर कुशेश्वरस्थान या बेनीपट्टी सं अंकुरित भगवती अकौड-देपुरा-जरैल- दामोदरपुर पाठशालामे जतय कालिदास आवास छलाह-

जगति-लोमश ऋषिक बलाटपुर उत्तरा ,गांडवेश्वरस्थान, बाणगंगा जतय राजा विराटक गाय हरण भेलेन्हि- याज्ञवल्क्यक जगवन-विद्यापतिक बिस्फी - शारदापुरी (मोहम्मदपुर) जतय मूर्ति शारदादेवीक निकलल अछि -जयनगर लग शिलानाथ- जोकी महिनाथपूरक परमहंस लक्ष्मीनाथक साधनास्थली फेर मधुबनीसं सौराठक सोमनाथ, राजनगरक महल, राजेश्वरस्थान (डोकहर)क अर्धनारीश्वर प्रतिमा आओर लिखल शिलालेख मिथिलाक्षरक आदिस्वरूप जे एखन धरि पढ़ल नहि गेल-

कोइलखक कोकिलाक्षी भगवती- मधुबनीक लग भौडाक राज परिसर क काली मैयाक पार्श्वमे गुह्येश्वरी जे बागमती नदी किनार काठमांडूक अलावा एकमात्र मूर्ति अछि- 5 किलोमीटर पर सेम्भुआडमे अंकुरित भगवती 2 किलोमीटर पर समौलमे वाचस्पतिक डीह (जे मधुबनी थाना में पांच सात किलोमीटर)

समौलमे वाचस्पतिक जन्म और ठाढ़ीमे कर्णाटक राजधानीमे काज केलन्हि (आयुर्विज्ञान वाचस्पति डिग्री कानपुर विश्वविद्यालय एम डीक दैत अछि)-

बलीराजगढ़मे पालवंशक अवशेष- उगना में उग्रनाथ महादेव विद्यापति जतय बूझलाह उगना महादेव छथि -अयाचीक सरिसव- बिदेश्वर स्थान -उजानक छिन्नमस्तिका- भैरवस्थानक योनि लिंग जे खजुराहोसं अधिक महत्वक अधिकारी।

हैंठीवालीक गौरीशंकर -इसरआइन चोर पक्षी अभयारण्य जतय साइबेरियासं पक्षी अबैत अछि -भीठभगवानपुरक प्रसिद्ध

मंदिर- ठाढीमे में वाचस्पतिक कर्म स्थान आओर परमेश्वरी स्थान -कमलादान कर्णाटक राजधानी- चण्डेश्वरस्थानक सती परीक्षा ओ पंजी प्रारंभ -निर्मली कुनौलीसं डगमरा निचोड़क सकरा या शक्रेश्वरी भगवती नेपालमे भारदहमे सतीक वामस्कन्द खसलन्हि।

 सीतामढ़ीसं बाल्मीकिनगर जतय परित्यक्ता सीता रहलीह आ वाल्मीकि रामायण लिखायल- लौरियानन्दनगढक अशोकक स्तूप- खुदीरामपुर मुजफ्फरपुर (खुदीराम बोस क फांसीस्थली) -

हरिहरनाथ हाजीपुर सोनपुर -वैशाली -

समस्तीपुरसं उदयनाचार्यक करियन-ओइनवार राजवंशक वैनी राजधानी -विद्यापतिधाम -

सिमरियाघाट आदिकुम्भस्थली- जयमंगलागढ़ -

खगड़ियासं कात्यायनीस्थान-

सहरसासं महइषईक उग्रतारा, सिंहेश्वरस्थान,आ बनमनखीसं सिकलीगढ़ धरहरा गांवमे नृसिंह अवतारक स्थली,

पूर्णियासं पूरनदेवी,

फारबिसगंजमे सुल्तानी माता प्रसिद्ध मंदिर (एक सुल्तान एक ब्राह्मण कन्याक पोखरि खोदक शर्त जकर यज्ञकुंडमे कूदि मरलीह) -

जोगबनीसं विराटनगर -वाराह अवतारक क्षेत्र -

किशनगंजसं कीचक वधक स्थान भद्रपुर झापा जिला नेपालमे

आ बंगालक उत्तर दिनाजपुरक असुरपुर आ बैरहट्टा जतय पांडव शमीवृक्ष पर राखी अज्ञातवास केलाह।

भागलपुरमे गंगाक दक्षिण बासुकीनाथ आ मुंगेरक चंडीस्थान जतय सतीक आंखि खसल ।

मिथिला सर्किट और मिथिला मे चारि पीठ चार धाम उत्तराखंडक जकां विकसित कयल जाए।

जनकपुर धाम आ बैद्यनाथ धाम असंग हरिहर क्षेत्रमे एक धाम पश्चिममे, पूब पूर्णियामे एक धाम नरसिंह अवतारक एक धाम बना देल जाए ।

बाल्मीकिनगरमे लव कुश धाम या वाल्मीकि धाम सिमरियामे कुम्भस्थली धाम होत मिथिला धार्मिक पर्यटनक मामलामे उत्तराखंडसं आगां हैत।

पूर्णिया हवाई अड्डा खुलि जाए आ दरभंगाक हवाई अड्डा दूनू मिला पर्यटनकें काफी बढ़ायल जा सकैत अछि किंतु करत के?

अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद भारत सरकार ओ बिहार सरकार सं आग्रह करैत अछि।

सुबोधकांत सहाय जखन केन्द्रीय पर्यटन मंत्री छलाह सीता सर्किट लेल उत्साहित छलथि,रांची जयनगर ट्रेन जरूर चलवा देनाह नियमित करवा देलाह किन्तु सीता सर्किट नहि भेल।

आइए दलसिंहसरायमे शांतिनिकेतन डिजिटल लाइब्रेरी उद्घाटन

समारोहमे उद्घाटन भाषण दैत मेडिकल कॉलेज वाराणसीक मेडिसिन प्रोफेसर डॉ धनाकर ठाकुर कहलाह मिथिला क्षेत्रमे डिजिटल लाइब्रेरी बहुत आगांक सोच अछि जतय दुर्लभ पांडुलिपिसभक संरक्षण सेहो कयल जाए।

मुख्य अतिथि शिक्षाविद् प्रो गणेश प्रसाद सिंह कहलाह डिजिटल लाइब्रेरी एक मीलक पाथर हैत।

विशिष्ट अतिथि विनय कुमार झा, शम्भु चौधरी, सुशांत चन्द्र मिश्र, प्रो प्रमोद कुमार चौधरी, डॉ राजकुमार, नंद जी पुरषोतम, कृष्णकुमार आदि सेहो संबोधित केलाह। अभिनेता अमिय कश्यप , इंजीनियर मनोहर सिंह आबि शुभकामना देलाह।

प्रेस रिलीज़ 31.8.2023

संस्कृत आओर मैथिली बिहारक दोसर राजभाषा घोषित हो - डॉ धनाकर ठाकुर

दलसिंगसराय प्रखंडक परशुराम नगर (चकसेखू)मे अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क नगर मंडल द्वारा आयोजित एक सौ पांचम मैथिली कार्यकर्ता प्रशिक्षणक समापन सह प्रमाण पत्र वितरण समारोहमे संस्कृत दिवसहुं मनाओल गेल। मांग कयल गेल कि बिहारक दोसर राजभाषा संस्कृत आओर मैथिली बनाओल जाए।

भारतक राष्ट्रभाषा संस्कृत घोषित कयल जाए जे इसरायलक हिब्रूक जकां शीघ्र सर्वमान्य होएत।

मुख्य अतिथि शिक्षाविद् तथा परिषद् क अनुमंडल सचिव सुशांतचन्द्र मिश्र प्रशिक्षण प्राप्त कार्यकर्तांकें संबोधित करैत कहलाह कि अहीं हमर एसेट्स छी। अहींक द्वारा अपन दलसिंहसराय नगर मंडलमे मिथिला आओर मैथिलीक सर्वांगीण विकासक लेल कार्य करैत भारत अपन परम वैभव प्राप्त करत। आई ई चारि दिवसीय मैथिली कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरक संयोजक प्रो पी के झा प्रेम क संचालनमे सम्पन्न भेल ।

मुख्य प्रशिक्षक डॉ धनाकर ठाकुर बतौलाह कि परिषद् क ई प्रशिक्षण कार्यक्रम अपन कार्यकर्तांकें मिथिलाक विभिन्न आयामसभसं परिचित करबैत अगामी कार्यक्रम संपादित करक लेल तैयार कयल गेल अछि।आशा अछि मिथिलाक ई क्षेत्र अपन उद्देश्यमे सफल सिद्ध होयत। समारोहमे दर्जनहूं प्रशिक्षणार्थीसभकें प्रमाण पत्रसं सम्मानित कयल गेल तथा हूनका निस्वार्थ भावसं भारतीय संविधानमे आस्था रखैत मिथिलाक सर्वांगीण विकासक लेल समर्पित भावसं कार्य करक दूध प्रतिज्ञित कयल गेल । एहि अवसर पर स्थानीय बुद्धिजीवी सभमे प्रमुख विनय कुमार झा, इंजीनियर मनोहर सिंह, प्रो दीपक भगत,अरुण कुमार लाल,अजय शंकर मिश्र आदि उपस्थित भय प्रशिक्षित कार्यकर्तांकें उत्साहित करैत रहलाह।एहि अवसर पर परिषद् क संस्थापक डॉ धनाकर ठाकुरक सहमतिसं आगामी सत्रक लेल दलसिंहसराय नगर

मंडल इकाइक गठन कयल गेल जाहिमे अनुमंडल सचिवक रूपमे सुशांतचन्द्र मिश्र तथा नगर मंडलक अध्यक्षक रूपमे प्रो प्रमोद कुमार चौधरीकें मनोनीत कयल गेल तथा एहि दूनू मनोनीत पदाधिकारी कें नगर मंडलमे अन्य पदसभक मनोनयन लेल अधिकृत कयल गेल।

आइ समापन समारोहमे शिविर संयोजक प्रो पी के झा प्रेम मुख्य प्रशिक्षक डॉ धनाकर ठाकुरकें आश्वस्त कयलाह कि मिथिलाक ई मध्य भाग, जतय एकसं एक विद्वानक प्रादुर्भाव भेल हुनक बताओल मार्ग पर निश्चितरूपसं चलिकय मिथिला परम वैभव पर पहुंचक मार्ग प्रशस्त करत।

दू दिन बिजली नहि छल, माणिक उपद्रव असह्य दिनमे मशहरी लग रहलसु घर।बीते।

बीचमे बाद ककरहूं बतौने जन्मतिथि बीती गेल सांझमे तो अवसर बच्चा शिवधर।शं।

संयुक्त परिवार को अंनीभव पहिल आओर संभवत: अन्तिम हो अपन चरक 1955क स्थिति।

दलसिंगसरायक प्लेटफार्म पर अवध आसाम लंबे नहि चढ़ा सकरसउं पसइनजरसऔ समस्तीपुरक बाद स्वतंत्र।था सेनानी एक्सप्रेससे वाराणसी लेल।

(३१ ३ २०२३;२१५० मुजफ्फरपुर)

हमर 280 म मिथिला जागरण यात्रा (19-20अप्रिल 2024)-मुजफ्फरपुर-मधुबनी

18.4.2024 J_13020

18.4.2024 Muzaffarpur Juranchhapra

19.4.2024 Bus_Madhubani Chakdah-Pramodji's grandson's janeu_Sunil Thakur, Vimal Das etc.

20.4.2024 Bus_FBG Thana Clinic

20.4.2024 J_12487_Kanpur

हमर मिथिला जागरण यात्रा एक संक्षिप्त दूदिना 19-20अप्रिल 2024क रहल जाहि लेल 18एवं 21 यात्रामे बर्बाद भेल।

अखिला एगारह मास एहिना बीतत शिक्षकीय नौकरीक जाहि लेल समय बचबय मासिक एकही यात्रा अपेक्षित किन्तु कार्यक्रमक ओ आब घरेलू विवशता सेहो जखन अपन दहेजयुक्त 1960सं1989 तक भेल विवाहक एतेक सालक बाद लड़का लड़की समान अधिकार को ग़लत निर्णयक सहारा लय पिता दादाक सम्पत्ति गुप्तरूपसं भूमिदलालक हाथ कौड़ी अभाव बेचि देलक,अपन छोट जीवित ओभृत भाईक जमीन लोभमे बेचा देलक। कन्हौली सकरी, कोइलख-बोकारो, प्रेमनगर सीतामढ़ी

अहमदाबादक ओ सिंगिया दरभंगा क अपन चारू बहिन संग जेठ भाई ग्वालियरक पूर्व प्राचार्य संसंबंधक तिलांजलिदय अब हमर व्यक्तिगत परिवार बहुत छोट रहि गेल।

हमरा नीक लगितै यदि हमर बहिन अपन ननदिसभकें आ भाई अपन बेटीसभकें एहिना हिस्सा बांटि देने रहितथि।

एक बहिन जकर विवाह बिना तिलकक भूल ओकरा चारि बहिन षड़यंत्रक पता नहि चल देलकै।

किन्तु जखन बेनीपुरक सूनील ठाकुर अलीनगरक विमला दास मधुबनी लग ओकईल प्रमोद कुमार झा क पौत्रक जनेऊमे सम्मिलित भेलाह तो लड़ल हमर एक अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क परिवार आहों अछि।

हमहूं संयोगवश ओहि यज्ञमे ब्रह्मभिक्षा पौलहूं। ओना ई टिकट छल वाणेश्वरीधाम मिथिला आध्यात्मिक परिषदक कार्यक्रम जे मिथिला संस्कृत परिषदक स्थापना दिवस पर विशेष कार्यक्रम लेल छल जे दू-तीन दिन पहिलू रद्द कर देल गेल छल जाहि चलते हमरा दू बेर यात्रा क्रय पड़ल फेर चारि दिन नौकरीकंय जायब यानी गर्मीमे यात्रा।

एहि बेर श्रमजीवी एक्सप्रेसमे जगह नहि भेटल। मुजफ्फरपुर लेल से हो सद्भावना एक्सप्रेसमे नहि।तखन बाघ एक्सप्रेसक भेटल छल जे तीन बजे भोर शाहजहांपुरसं छूटल जाहि लेल प्रतीक्षालयमे नौ बजेसं करीब छ: घंटा बैसलहूं।

दोसर दिन ट्रेन लेटभेल।पवन एक्सप्रेस मुजफ्फरपुरसं नहि भेटत । मैथिली वैकायरण विजयेन्द्रजीकें फोन जरूर केलियन्हि किन्तु ठहरकर बात नहि।

अपन एक सहपाठी डा भानु श्रीवास्तवकें फोन केलहूं आओर ओकर डेरा जूरनछपरा रात्रिविश्राम आओर दोसर दिन बससं मधुबनी चकदह सीधा ।

अनेक लोकसं परिचय पुरानसं भेंट।

रातिक डेढ़ सुतयमे भेल।

बीसक भोर ४४९ नींद खूजली।५२९क मधुबनी स्टेशनसं बस। अपन जमीन पर अवैध मकान निर्माण देखि मोन दुखी भेल छी: घंटामे फारबिसगंजमे सेहो देखलहूं।

आब ने सम्भव रहल नहिए न्याय।

पंडौल लेल अति प्रात चढ़ल स्कूल जाइत एक बच्ची लग खुदरा नहि तो हमहिं दश देल किन्तु कंडक्टर रखवाली दरभंगा लग हमरा लौटा धूरक।मानवता सबमें बच्ची खूश।

ट्रेनमे एक महिलाकें दू बेटी एक बेटा नीक लागल।

हम दो हमारे चार

तभी बचे हिन्दू आचार।

मुजफ्फरपुर-ओ झंझारकारिणी देवीको एक नाम हजार में र झंझारपुर आदर्श मिथिला पार्टीक उम्मीदवारसं भेंट नहि भेल किन्तु मिथिलासं सात रहताह जाहिभू तीन नामांकन वैध हूं

२०कसांझभे मालूम भेल। सीमांचल एक्सप्रेस पकड़ि कानपुर ओतहू सांझक मीटिंग नहि भेल तें झकरकड्टी जा हरदोई सबमें छी जतसं दू घंआमू अपन मरा जा प्रदोष व
तर्क पूजा करब।
(उन्नाव 21.4.2024:1544)
हमर 281 म मिथिला जागरण यात्रा (25-30.4.2024)-चुनावक्षेत्रे-बलिराजगढ़ देवेन्द्र यादव

25.4.2024 J_13020
26.4.2024 HJP_Intercity
26.4.2024 Jaynagar
27.4.2024 Piparatol
27.4.2024 PADMA-Jaynagar-Dulleepattee-barhi-Bbaira Parsa-Pipra tol
28.4.2024 Kamlabadee-Mirjapur chowk-Satghrada-Devhar-Mukteshwarnath-Gonauli-Islampur-Bhupayyee-Rameepattee- balirajgarh-Phulpara-Piprataol
29.4.2024 Tenuahi-Ladania-Kampattee-Gajhara-Khutauna-Seebipattee-Kahajauli-

_Piptatol

30.4.2024 J_Intercity_SPJ

30.4.2024 Samastipur

30.4.2024 J_15203



हमर 286 म मिथिला जागरण यात्रा (25.7.2024-31.7.2024)- गृहविहीन नियति

यात्रा भेल जरूर मिथिलामे किन्तु मीटिंग नहि। जं मिथिलामे रहनाइ हमरासन प्रवासी लेल यात्रा अछि त जरूर ई यात्रा भेल। फुलवारी शरीफमे उतरिकंय स्नानादिकंय पूजा केलहूं आओर बरौनीवाली पैसेंजर ट्रेनमे बैसल जनहित एक्सप्रेस ठाढ़

पाटलिपुत्रमे नहि पकड़ि गल्ती केलहूं चूंकि तैयार नहि छलहूं।

हमर गाड़ी सुस्त गतिक होइत गेल।

सोनपूर गंडकी पार हरिहर क्षेत्रसं मिथिलामे, केराकत हाजीपुर। आदर्श मिथिला पार्टीक मनोजजीक महनार रोड पार कय शाहपुर पटोरी क आचार्य नरेन्द्र देव कालेज।

विद्यापति नगर हमरसभक प्रस्तावसं विद्यापति धाम भय गेल अछि जतय महाकविक अवसान भेलन्हि।

पाछांसं अबयवाली लोहित एक्सप्रेस आगां निकलि गेल।

बरौनी उतरनिहार एक युवक करनाल, हरियाणामे अपन आलू व्यवसायमे भेल क्रमिक सफलता सुनौलक कोना ओकर गामक एक बहिनोइ कनिएटाक जगह दियौलकैक जतय आलू पिआऊज बेचि ओ अरबपति मालिक एजेन्टकें होकर भोर दैत छलैक आओर क्रमशः विश्वास जीतिए श। ओ कहलक ओतय डाक्टर गिरहकट अछि तें ओ बेगुसराय अपन इलाज लेल आएल अछि।

बरौनी तीन नंबर प्लेटफार्म पर बहुत देर बैसलहूं।

अपन झोड़ाकें बिना ककरहूं कहने बाहर जाक टिकट फारबिसगंजक लेलहूं।हमर झोड़ामे अछिए की जे ल जैत किन्तु ओहिमे मेहनतिसं पढ़ल प्रेस छल ओ किछु कागजात ओ ऊ क सेहो।फेर वापिस आबि 4:30 बजे पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेसक एक जनरल डिब्बामे ठाढ़े -ठाढ़ क करीब 4 घंटाक

यात्रा केलहूं मिथिलाक । केरा, आम आओर लीचीक बगानक लेल प्रसिद्ध अछि ई क्षेत्र। कइएक फोटो खींचलहूं। कटिहार आयद प्लेटफार्म नंबर एक पर जतय स्नानकंय शिवजीकें प्रणाम केलहूं जतय हम एक बंजाराक तरह बहुत दिन रहल छी।महादेवक एक बेताल भक्त छल ओतए जकरा ₹100 देलहूं त ओ बहुत प्रसन्न भेल। हम कहलियन्हि कि अहीं शिवजीक असली पुजारी छी ।म

हम देखने छलहुं कि ओ मंदिरक चारू कोन पर प्रायः फूल अक्षत चढ़ौने छल।

एखनहूं बच्चा वल्केनाइजिंग सुलेशन पीबैत भेटला यानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमारक पठाओल आवेदन पर मात्र खानापूरी भेल।

प्लेटफार्म तीन पर बहुत देर पर सिलीगुड़ी जोगबनी इंटरसिटी आएल जाहिमे एक महिला सामने बैसल छलीह जिनका कैंसर स्तन छल आओर ओ पटनासं इलाज करा लौटि रहल छलीह।

फारबिसगंजमे हमर सबसं छोट बहिन अपन छोटकी भौजीक (हमर सबसं छोट भाईक विधवा) क संग पहिले पहूंचि अंचलाधिकारी कार्यालयमे आवेदन जमीनी विवादक लेल दय अपन सहपाठिनीक घर पर छलीह। दुःखद जे अपन भाई -भातिजक जमीन हमर चारि बहिन गुंडा तत्वक हाथ पाइक लोभ में जमीन बेचि देलीह। एक कानूनक दुरूपयोग। रात्रि में सीमांचल एक्सप्रेससं दूनू वापिस भेलीह।

28.7.2023 क हम भरि दिन एतहि बैसल सोचि रहल छी आब सेवानिवृत्तिक दश मास अछि कतय जाएब। पाई रहैत एक खानाबदोश। एक बैठक दिनमे भेल गूगल पर मैथिली संगठन लेल आओर दोसर रातिमे भेल मेडिकल संगठनक।

29.7.2024 क सोमवारी साधना व्रत राखि लेलहूं। ब्लाक जा बहुत देर बैसलहूं सीओ साहेबसं भेंट भेल।ओहो सरकारी नौकरीसं व्यग्र। नम्बर लेल जे अपन किताब पठायब कि बिहार सरकारक नौकरी किएक छोड़लहूं।

दश आना कचहरीक किरानी लेल कागज सेहो ओतय दय वापसी। मंगलक सेहो कतहुं नहि गेलहूं। सांझमे सात बजे करीब निकललहूं।लागल एटीएम जाए पड़त कि अगिला मासक टिकट आओर बस भाड़ा जोड़ि ओतबहि जे पहूंचि जीरो बैलेंस। एतेक धरि जे बख्तियारपुरक जगह राजेन्द्रनगरक टिकट सेहो नहि लेल जे पटनाक बररोबरि टिकट छल। अहुना हम फुलवारीशरीफ छोड़ि आब पाटलिपुत्रसं जनहित पकडब हमर खर्च 20+830+30+300+30+30

=1240 छल । लागल किछु जरूर घटैत छल किन्तु निकलैत काल एक बीमार आबि 200 द देलक तखन त सामने मंदिरमे। दश टांका चढ़ा स्टेशन पर आधा किलो चूड़ा तीसक लेलहूं आओर कानपुरसं रास्तामे पानीपूरी बिना पियाऊज दश टाकाक सेहो।

कमरा में लौटना पर लागल ई उपरिखर्च नहि करितहूं त कहुना पहूंचि जयतहूं 177 टाका बांकी बचल छल।

एकर कारण आहों जे सहयात्री झांसीक कोलीजी बीएचईएल के सेवानिवृत्त अपन गुरुजी लग रानीगंजसं लौकिक रहल छलाह जिनके पूड़ी तरकारी लिट्टी खाइ लेल प्रेमपूर्वक भेटल।

सीमा़चल लेल प्रतीक्षारत अनुजक संगी इंद्रकांत झा स्टेशन पर भेटलाह

जिनका ओत साल भरि पहिले निर्णय जे एतय रहब आओर एहि बेर निर्णय जे निर्माण करायब। असह्य गर्मी पर

पानि भोलानाथक आशीर्वादसं भेल।

कानपुर उतरि जे करकट्टी बस स्टैंडसं बस भेटला ओना ओहि दिन 205क गाड़ी 254पर छूटल छल शाहजहांपुर ओहिसन किछु जल्दी ओ कम पाइमे पहूंचि गेल रहितहूं।

मेसमे भोजन बिना पियाऊज तरकारी पतकोभीक बना देलक।

1420 दिन-राति 1992सं एहि 286 यात्रामे 31.7.2024तक यानी 37म वर्षसं अपन 68 वर्ष पूर्ण करय तक यानी करीब करीब तीस वर्षमे 572 रातिक यात्रा भेल,एक यात्रामे औसत पांच दिन मिथिलामे ओ रांची वा बाहर नौकरीसं अबैत जाइत केवल 1500 किलोमीटर राखल जाए त चारि लाख किलोमीटर केवल मिथिलामे जा जागरण यात्रामे आइ तकक जाहि बीचक बाहरके मैथिलीक बीच 392 यात्राक 965 दिन ओ एकर दूरी जोड़ि दी त जरूर हम दश लाख

किलोमीटरसं अधिकक यात्रा अपन नौकरी करैत अपन छूट्टी ओ अपन खर्चसं केलहूं अछि जकर फल भगवतीक हाथमे छनि। (5.8.2024:1604)

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.१५. अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद् द्वारा मिथिलाक विद्यालयमे जागरण

Mithila Bal Parishad/Mithila Shishu Parishad(units of Antarrashtriy Maithili parishad)

Date/s PlaceSchool What

1 31.8.2009 Nanaur MWTC,addressed High School_Priyanka IPS

2 6.9.2009 Madhupur-Bamangam Schoolme baisar

3 12.3.2011 Deoghar RL Sarraf School -Health talk

4 11.11.2011 Forbesganj Mihtila Public Schoolme swasthya charcha

5 9.6.2012 Rosera Prabhat Tara, Prabhuthakur mohalla school me address

6 8.9.2012 Dalsingsarai सरस्वती

शिक्षक सदन,दलसिगसरायमे ८.९.१२ क समस्त छात्र छात्रा आ शिक्षकके स्वास्थ्य पर

7 12.1.2013 Dalsingsarai Gyanoday Vidyalaya 150th Swami Vivekanand Jayanti

8 12.1.2013 Darbhanga Durga Public School, naka 8150th Swami Vivekanand Jayanti

9 14.12.2013 Chakia Nehru shiksha sansthan Mithila Shishu Parishad

10 24.12.2013 Badiya School

11 23.1.2014 Bharam School

12 14,17-18.4.2014 Patori Azad Coaching centre MWTC XXXXVII

13 22.6.2014 Dalsingsarai Gyanoday School Sthapana Divas

14 29.6.2014 Lohna Rd Remuji darwaza Vidyarthi ke Achytji schoolme batawalMithila etc

15 30.9.2015 Forbesganj Home bachha ke mantra , prarthana adi at

school of home

16 17.4.2016 Muzaffarpur St Michels darbhanga Zero Mile With children

17 19.8.2016 Ujirapur_Akha JMD College, MRJanta college, JMD+2 school

18 17.9.2016 Patsa Middle school 70 MWTC

19 19.10.2016 Benipur_Nandapatti Chowk National School Arranged by Sanjay Rikht

20 22.10.2016 Benipatti School me Mithila Bal parishad_ fer Mithilak vedant(Mohanji dwaRA AYOJIT)

21 18.11.2016 Jale_Basant Bhaijee school address to class IX students

22 22-23.3.2017 Mabbi Shivshankar Kanr dera(Munsheejee0 Mithila Bal Parishad bhor sanjh(MWTC aborted)

23 23.6.2017 Chahuta-Kamtaul-Chahuta HIGH SCHOOL BAND, National Awasiy parichay 75th MWTC

24 24.6.2017 Chahuta-Kamtaul-Ahiyari-Chahuta HIGH SCHOOL , National Awasiy 75th MWTC, lectures and Mithilkshar in both schools(with Kalpkavi),Narendra Thakur, Dr Kavishwar s bhent Ahiyari, Umesh Mand came

25 26.7.2017 Muzaffarpur St Michel's school. Ramesh T dera Baisar seho

26 29.8.2018 Sundarpur Paradise School Addressed students' on career, nationalism, etc.

27 23.1.2019 Singhwada Ramkrishna & KL +2 schools talk on health, career & Mithila

28 24.1.2019 Singhwada Ideal Public School talk on health, career & Mithila

29 31.8.2019 Raniganj Saraswati Shishu Mandir addressed in school on health and education

30 5.9.2019 Dalsingsarai Bhatgama

Vidyalay Shikshak Divas me atithi
31 5.9.2019 Bhagwanpur Sanskrit Vidyalay Muktapur s aga Mithila Shiksha Manch k sang_ sanskrit me Shikshk divas par bhashan
32 26.11.2019
33 29.12.2019 Rosera Prabhat Tara English School addressed students and seniors_PREMJI, kmj
34 26-28.3.2021 Kasraur(Darbhanga) Coaching centres MWTC 81
35 20.9.2022 Adaidanga9madaWBMIthila) High School
36 19.11.2022 Kaluahi Defence coaching addressed students
37 20-23.11.2022 Bakarpur Santosh coaching
38 16.12.2022 Sijhua More Primary school addressed children
39 23.12.2022 Chakdah Primary school Talked with children

40 16.1.2023 Sembhuad Mahanth Jugal Kishor school addressed teachers and students
41 21.1.2023 ladari Bikas Vidyalay addressed students
42 21.1.2023 ladari Middle school addressed students
43 23.1.2023 Jhajha JPS school addressed students
44 25.1.2023 Godda Shivganga Nr Middle school addressed students
45 30.1.2023 Alapur Middle school addressed students
46 17.2.2023 Kanhauli_JJP Saraswat coaching
47 20.2.2023 Basopatti Basopatti addressed students_HM disrespectful
48 20.2.2023 Bisaul Middle school addressed schools_teachesrs happy
49 24.2.2023 Deoghar Hindi Vidyapeeth_Bed school NO Principal_VP

was manipulated by clerks ,no class was given despite my wait for long

50 24.2.2023 Deoghar Hindi Vidyapeeth talked clerks Incidenatally KK Thakur met as Registrar

51 24.2.2023 Deoghar Takshshila School adressed students, incidentally met Pathkji's nephew from Bharhara

52 24.2.2023 Deoghar Govt. Middle school addressed students

53 25.2.2023 Tarlahi High School addressed Class IX,boys and girls separately HM cooperative

54 28.2.2023 Tarlahi Middle school addressed one class-teachers coperative

55 25.3.2023 Sijhaul Sandeep University lecture on ,"Agriculture & devp of Mithila"

56 31.3.2023 Sarisopahi Laxmishwar academy Health talk with teachers

57 23.8.2023 Keoti High School

addressed students, with Rajiv

58 26.8.2023 Bisfi Vidayapati+2 school addressed students with Rituraj

59 28.8.2023 KamaraonUchh Vidyalaya Pratibha samman

60 30.8.2023 Dalsingsarai Shantiniketan Digital Libraray Inauguration

61 2.10.2023 Araria Residential school Addressed students

Addressed students on career,health, MITHILA, Mithililkshar, starts with Jai jai Bhairawi and ends with Bhagwan harmar mithila Sukhshantik ghar ho nationaliosm, etc.

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.१६. मैथिली परिषद् द्वारा मिथिलाक बाहर कएल गेल जागरण

मिथिलाक बाहर मिथिलाक लेल कयल गेल यात्रा
- 392 (1992 सं 31.7.2024 तक 965 दिन)- मुख्यतः मिथिलाक जागरण लेल यात्रा
(267 मिथिला जागरण यात्रा अलावा(जकरा हमरास असंतुष्ट एक व्यक्ति पिकनिक कहैत छथि) जाहिमे 1279 दिन-रातिक यात्रा भेल(1992 सं 31.7.2024 तक)

Yatra days Dates/s PlaceRemarks

1 3 1992 Kolkata Met Babu saheb Choudhary
2 3 21.8.1992 Bokaro
22.8.1992 Bokaro With Tula Babu discussed at Sect.XII school
23.8.1992 Bokaro meeting in Parishad Parisar
3 3 18.10.1992 Bokaro Babu Saheb Choudhry's meeting at MSP, AK Jha residence

19.10.1992 Dhanbad Babu Saheb Choud.

20.10.1992 Bokaro

4 11 8-11.1992 DelhiVijay Jha Pharmacy College first time stay

9.11.1992 Delhiat Vijay Jha' stay

10.11.1992 DelhiPhone talk Biju,"Bursh(Babu saheb Choudhary) ke dukh hetainhi yadi anha aa Vijay Jha jhagarab; night stay Timarpur

11.10.1992 Delhinight stay Vijay's

14-15/11/1992 Jaipur 15th Tripolia- farewell to BN Jha(GSI); Maithil Hitsadhan fer nikalu

18.11.1992 Bokaro

Amrendraji

5 1 12.12.1992 Goa Bom Jesus Church gate par ASI palque takal

6 1 27.12.1992 Bokaro meeting on

27thy at MSP

7 1 21.1.1993 DelhiVijay Jha's

8 3 26.3.1993 Bokaro

27.3.1993 Sindri

28.3.1993 Dhanbad B Jha BIT

9 3 9-10.4.1993 Patna

10 6 5.5.1993 Bhilai

6.5.1993 Raipur

Shobhakant Jhak dera par baisar

7.5.1993 Bilaspur

8.5.1993 Jamshedpur

9.5.1993 Jamshedpur

Suresh Jha sange

11 2 5.6.1993 Bokaro Rani Jha sange

6.6.1993 Bokaro

12 2 5.7.1993 Patna Amiya Jha did not respond

13 5 8.8.1993 Bhilai Shiv Mandirme baiasar Satyanarayan mahtok prayas

9.8.1993 Raipur Baisar-

Saryukantji,Thakurji

11.8.1993 Kolkata Girish park

14 1 15.8.1993 Sindri, Dhanbad

15 7 4.12.1993 Kanpur

5.12.1993 Kanpur

6.12.1993 DelhiVijayjha ot rati

8.12.1993 DelhiVijayjha ot rati

10.12.1993 Nagpur

Mrs.Krishna Jha aa hunak pati san vivah me bhent

14.2.1994 Mumbai-Seetarambabudera

17.2.1994 Jamnagar B/o Tarakant Jha

18.2.1994 Ahmedabad

Baisar nahi bhay sakal

1.3.1994 Kanpur Ramesh Jha dera

15 4 26.3.1994 Bokaro MSP

27.3.1994 Chas-Bokaro

Ganeshjji ot baisar

27.3.1994 Sindri Sharpura

29.3.1994 Dhanbad Dilip jha gave 2500 Rs for Maithili

16 9 3.4.1994 Allahabad-train

Jaykantbabu s bhent

4.4.1994 Satna Birlanagar

7.4.1994 Ajmer

Bihariganjme baisar Brajasth Maithil beech

8.4.1994 Jaipur Arknathji dera fer college

11.4.1994 Kota Kalikant Thakur, stayed at Maujelal Jha

12.4.1994 Kota Kali Mandir,Col.Jha dera, Jyotishiji dera

16.4.1994 Sindri Vidyapati Parva me guest

17.4.1994 Dhanbad Vidyapati Parva me bajvak avasar nahi

17 2 7.5.1994 Muri Baliak Jhaji, Pathakji ot charcha

8.5.1994 Muri Jhaji dera baisar, Anil Mishra san Parichay

18 2 11.6.1994 Muri Anilji s bhent

12.6.1994 Bokaro Gamijis bhet

19 6 9.8.1994 Thanjavur At Saraswati Mahal seen Vachaspati's Bhamatitika and Tattwachintamani in original

12.8.1994 Ernakulam_Allapey Seen Mithila Motal on NH 47's Alleppey-Ernakulam route

13.8.1994 Trissure Took breakfaST IN Mithila Hotel near Vadakkanathan temple

19.8.1994 Hyderabad Baisarme 16 upasthit

20.8.1994 Nagpur

21.8.1994 Rourkela Baisar

20 9 6.11.1994 Bokaro Parishadme ghoshit baisarme kiyo

nahi ayalah

7.11.1994 Raipur Suchna abhave baisar nahi bhel;keval Rajendrababu s bhnt

8.11.1994 Satna Mithila manchk karyakarta s bhent

10.11.1994 Bhopal kichhu Maithils bhet,purvanischit baisar nahi bhel

13.11.1994 DelhiPurvanischit baisar nahi bhel Patparganjme

16.11.1994 DelhiGurudwara rakabganjme Vijayji dwara baisar-'Mithila rajya monme achhi muda mangayme dar lagait achhi' kahlah

17.11.1994 Kanpur Satanjak karykram sthagir-DR.Ramesh Jha dera vishram

19.11.1994 Kanpur

Vishnukantji (va Premkantji) k vyatha'; sangathan kena ho'

20.11.1994 Allahabad

Jaykantbabu dera prabhas Choudhary kathakar ayalah-baisar

21 2 8.1.1995 Patna Mithila Rajya sangharsh Samiti founded with Jaikant babu as its president(though could not bedeclared by me when Vivekand GSEcy Chetana samiti had hot words with me when he asked all to go work for Yugeshwar Jha, candidate from benipatti.

22 5 15.1.1995 Rourkela

18-21/1.1995 Chennai

8.4.1995 Kanpur

Shringeshji,Premkantji on station

23 2 17.4.1995 Kanpur

Shringeshji, on station

17.4.1995 Allahabad

Jaykantbabus sankshipt bhent

20.4.1995 Allahabad

Jaykantbabus detailed bat

24 1 9.7.1995 Bokaro

Amrendraji dera

25 2 15-16/7/1995 Muri

25 2 3.10.1995 Chennai CK Thakur came station-Madra Maithil Sangam he will organise

6.10.1995 Madurai Yaduvir Choudhari of Darhar said that in 1960-61 at Bundi Jha School of LSI PP Guruji Golwalkar had said,"Yadi Jharkhand prant banega to Mithila kyon nahee?"

27 2 19.11.1995 Kolkata met Babu saheb Choudhary-Dayanath Jha came in train

28 4 8.12.1995 Bhubaneshwar

10.12.1995 Hyderabad

Satishji etc.

11-12/12/1995 Kolkata

stayed at Babu Sabeh's room

29 2 23-24/12/1995 Jamshedpur

30 1 27.12.1995 Patna News release for II IMC

31 7 19.1.1996 Rourkela Trainme Rourkelame Thakurji,Prabhasji

21.1.1996 Chennai Hotel Annapurna Egmore lag baisar

25-26/1/1996 Bangalore

Mandal sab yad rakhneMithilake,Jha sab bisaral 'Bihar Bhavanme'; HC Jha samarthan kelah; 'Chennai jakan swatah Siddhartha sanskritik samiti chhortah' bhavishyavani

27-28/1/1996 Hyderabad

presided Vidyapati Parva on 28th at rabindra Bhavan, Chjief Justice PS Mishra chief guest

29.1.1996 Raipur

Shobhakant Jhas bhent

32 2 10.3.1996 Patna-bus Talked for Maithili column with Hindustan; In Aryavart editor Hiranand Shastri declined asking to contact Dubeyji,CMD;Markandey Pravasi-Bhojpurivala kahay lagait achhi tain mon rahito stambha nahi nikali payab; Gokulanad Jha ex-Editor Mithila

Mihir-Jaykantbabuk bad hamre nam Maithili lel-hamar uttar-"Atishayokti achhi..

33 1 3.11.1996 Patratu

3.11.1996 Barkakana

34 3 30.11.1996 Kolkata

1.12.1996 Kolkata VidyapaTI Vidya mandirme kiyo baisar lel nahi

35 2 14.12.1996 Hyderabad

Satish Jha came for meeting

15.12.1996 Hyderabad

Firanji at station

36 1 29.12.1996 Jamshedpur Koshi flood expert Dinesh K Mishra s pahil bhent

37 3 17.9.1997 Allahabad

Jaykantbabus vimarsh

19.9.1997 Patna

Markandeya Pravasi, Gokulananad ji

38 2 7.10.1997 Rajkot Girnar towerme 2 Maithil Araria jilak

9.10.1997 Ahmedabad

Devkant Jhas bhent

39 1 22.11.1997 Rourkela Chandrakantbabu sange

40 7 3.12.1997 Rourkela Thakurji etc.

7.12.1997 Hyderabad Firanji, Munindraji wtc. At Jagdish Mandir, tank Bundh

11-14/12/1997 Chennai

14.12.1997 Chennai Maithil Sangh Bihar Associationme 21/12 karykramk rehearsel

16.12.1997 Kolkata RGKarme Ugramnath, ganganath Jha bhent kelanhi

41 2 27-28/12/1997 Rourkela IV IMC

42 1 25.1.1998 Chennai CK Thakurs Maithilime bat suni Tamil Subrahmaniyamk Mithila yatrak vichar

43 3 13-15/2/1998 Rourkela Jaynarayanji dera

15.2.1998 Jamshedpur

44 1 15.3.1998 Manikpur TT Rajendra Jha

45 1 30/3/1998 Hyderabad Satish Jha station par ayalah

46 1 15.8.1998 Ghatshila Founded Dalbhum Maithili Parishad

47 2 11.10.1998 Kanpur Vidyapati Parva

15.10.1998 Delhiat DU Vhuvan Paswan and Samir Jha met

48 3 24/11/1998 Patna Asked tara babu for regional Mithila party

25.11.1998 Patna Amresh Pathak's views

29.11.1998 Kanpur Premkantji;Ramesh Jha

49 1 13.12.1998 Jamshedpur Arun Jha dera baisar; Mrs.LP Thakurs phone par bat,Govindpur's Bhopal boy

50 5 26-28/12/1998 Chennai

28.12.1998 Chennai

51 2 13-14/3/1999 Jamshedpur
Vidyapati Parva-chief guest on 14th
52 1 7.4.1999 Korba
53 2 24-25/4/1999 Jamshedpur
54 7 15-16/5/1999 Jamshedpur
55 1 5.6.1999 Chaibasa Vidyapati parva
56 4 31.7-1.8/1999 Jamshedpur
57 3 3.9.1999 Durgapur
4.9.1999 Sindri
Chotanagpur Maithil Sangh gathan
5.9.1999 Jamshedpur
Swarnrekha Bhavanme press conference VII IMC?, ratrime Nirmal K Mishra dera baisar
58 3 12.9.1999 DelhiNagloime Ashwini Jha
14.9.1999 Jaipur Rajasthan Maithili Sangh upadhyaksh s bat
21.9.1999 Varanasi Bhogendra Jha kichhu bat

58 4 14.11.1999 Raipur SN Pathak met

17.11.1999 Mumbai Nerul JP Jha's house

22.11.1999 Jamshedpur meeting Kamani centre

23.11.1999 Bokaro BIADA Kiran Jha's house

59 2 4.12.1999 Jamshedpur

5.12.1999 Jamshedpur Meeting

5.12.1999 Bokaro Kali mandir me Amrendraji sange

60 6 12.12.1999 Kanpur Premkantji dera-Shringeshji, Babusaheb choudharyk jamai

13.12.1999 Kanpur Elgin Millme baithak

14.12.1999 Aligarh Jwalapurime baisar-Totaram Jha, banmali Pathak etc.

15.12.1999 DelhiPushpvihar

Vijayji dera

61 3 25.12.1999 Kolkata Dayanath Jha dera Uttarpada

26.12.1999 Kolkata Kokil manch natakme 3 minute- Trodashi vrat rakhi manthan kari- Lottery nikali netritwa ek karee adi

62 3 7.1.2000 Chaibasa Rajya Pustkalayame kiyo nahi

8-9/1/2000 Jamshedpur IMC

63 2 11.1.2000 Bokaro Parishadme Kavya Goshthi

64 1 19.2.2000 Jamshedpur Arunji dera

65 1 28.2.2000 Allahabad Sanjivanand ,Patna returning from Unchahar after Vidyapati parva

66 1 18.3.2000 Allahabad Dasji of Mithila sanskritik Sangathan Jaykantbabuk samman lel

67 3 5.4.2000 Allahabad P Jha,JSR came

6.4.2000 Allahabad Koilakh'k Maithili karyakarta

5-7.4.2000 Allahabad

Jaikamtbabus Mithila movement par vichar vimarsh

68 11 10-20/4/2000 Delhifor meeting Vajpayee

17.4.2000 DelhiKirti Azad came out after 90 mts. but signed immediately;Huykummdev Yadav met gracefully; Devendra refuted (ekhan manhgaik samay, bhashk bat kiyak adi)

19.4.2000 DelhiVajpayee ill

20.4.2000 Delhimet Kamalkantji, Gurumaitaji at Keshav Kunj

69 3 11.5.2000 Jharsuguda

Sibipatti Jhaji Mokshadham mandir

12-13/5/2000 Raipur

70 2 3-4/6/2000 Muri

71 1 8.7.2000 Jamshedpur

Sammealnme banchal rashi AMPke nahi deba par kshobh vyakt

72 1 16.7.2000 Mumbai

Betaunhavasi Jogeshwarinivasi Shashinath Mishra dera maithils bhent

73 1 21.7.2000 Patna

Requestyed Tarababu to work for Mithila

74 1 26.7.2000 Muri

75 3 11.8.2000 Patna Tarababuk kathan,'Ham anhak shishya banlanhu Mithila rajya lel'

13.8.2000 Patna Fixedwith ARUNJHA JSR Tarababuk meeting 19/8,Ranchi 20/8

76 1 29.9.2000 Vishakhapatnam

Bikunth a Mandalji bhent kayalah

77 1 7.10.2000 Raipur Pathalji came station

78 2 16-17/12/2000 Sindri

79 1 28.12.2000 Kolkata-Naihati

Naihati Vidyapati Parva chief guest

80 1 13.1.2001 DelhiAjya,Goak dera RK Puram

81 1 26.1.2001 Kolkata CA students Rajendra chhatravas-Antarrshtriya Maithil Vanijya manch gathit

82 1 28.1.2001 Patna Indrakant Jhak Gurumaitajik prati shraddhabhav

83 2 24.3.2001 Jamshedpur
25.3.2001 Jamshedpur

84 1 5.4.2001 Patna Barg Mukti Abhiyan meetingme bhashan

85 1 8.4.2001 Jamshedpur
Pashupatiji

86 2 12-13.5.2001 Chasnala
Vidyapati parva

87 1 9.9.2001 DelhiMithila sangh office Bhogendra Jha chhalah

88 4 29.9.2001 Rourkela Laxman Jha station par

89 2 1.10.2001 Bhilai meeting

sector VII
2.10.2001 Raipur meeting Ganesh mandir
90 3 26.10.2001 Kolkata Konnagar vaidehi parishad Mandirme baisar
27.10.2001 Kolkata Rabindra sarani Ashokji-MVP baisar
28.10.2001 Jamshedpur
91 3 15.11.2001 Faridabad Kalipuja-Jaynarayan Nishat,MP,Dwarka, Shubhchandraji dera
16.11.2001 Jaipur
18.11.2001 Jaipur Nehru bal Udyanme meeting
92 3 23.11.2001 Pune Akjha Bangaons bhent
24.11.2001 Nagpur
25.11.2001 Nagpur MIDCme meeting
93 2 8.12.2001 Muri
9.12.2001 Muri Mahtoji dera

baisar

94 1 16.12.2001 Kolkata Ashokji ot Tara channel TV, meeting

95 2 29.12.2001 Bokaro

30.12.2001 Bokaro

96 1 18.1.2002 Bangalore Hukumdeo Yadav in Bihar Bhavan

97 3 2.3.2002 Muri Pandeyji dera

3.3.2002 Dhanbad Zila school

3.3.2002 Chasnala

98 3 23.3.2002 Rourkela

24.3.2002 Bhilai

25.3.2002 Kolkata Ashokji's MVP office

99 1 28.4.2002 Kanpur

100 1 1.5.2002 Kolkata Shikhayatan Maithili drama

101 4 13.6.2002 Jamshedpur Sandip Acadmy, Pashupatiji dera

15.6.2002 Vishakhapatnam Baikunth deare

17.6.2002 Bhubaneshwar

Rammandir meeting

18.6.2002 Rourkela

102 2 13.7.2002 Jamshedpur

103 1 3.8.2002 Jammu Arun Jha

104 1 1.9.2002 Dhanbad meeting jila parishad

105 2 2.11.2002 Najafgarh Vidyapati parva-stayed Vivekanand's house

5.11.2002 Faridabad Kalipuja with Sudhansu Tripathy,Brahmpur

106 1 17.11.2002 Muri

107 1 14.12.2002 Guwahati Vidyapati parva

108 1 21.12.2002 Muri

109 1 9.1.2003 Muri

110 1 9.1.2003 Dhanbad Krishnachandraji's dera

111 1 26.1.2003 Bokaro Vaidehi Vikas manch(Sitamarhi) ki picnic me

112 2 1-2/2/2003 Dhanbad X IMC

113 2 9.2.2003 Bokaro Mithila

Academy, Mazdoor Maidan Samagra Vipra meeting-first time in caste meeting? Spoke balanced

9.2.2003 Bokaro Koilakh gramin meeting

114 1 9.3.2003 Muri

115 1 30.3.2003 Jamshedpur

Manch Sanchalan Vidyapati parvak Muthuraman chief guest

116 1 4.4.2003 Tilpat

117 1 19.4.2003 Raipur Arunjha dera meeting

118 1 10.8..2003 Bokaro with Amiriji met RN jha,Mrs JN Mishra;missed train for 3 minutes

119 1 14.9.2003 Muri

120 2 10.10.2003 DelhiMet RN Mishra in MRTP office

13.10.2003 Muri Rly Guest room me

121 1 26.11.2003 Kolkata-Hazinagar

Vidyapati parva at Hazinagar

122 4 8.12.2003 DelhiSarita Vihar meeting in Janta flats

9.12.2003 Delhilone at India gate foir long; Parimalji came after some time

11.12.2003 Mumbai

Parmanand Jha came-went Nerul Balmukundji's house

14.12.2003 Raipur SN Pathak

123 1 11.1.2004 Bokaro Amiriji ot baisar,

124 1 18.1.2004 Kharagpur

Padmnabh came at station for making website of AMP

125 1 26.1.2004 NOIDA meeting atBK Jha's dera

127 1 14.3.2004 Patna PK Choudhary's dera-Press conference at Vidyapati Bhavan-

128 1 21.3.2004 Patna Vidyapati Bhavanme neek baisar

129 2 27.3.2004 Bokaro Amirijee dera baisar

28.3.2004 Muri meeting

130 1 ? Ormanjhi Sudist Jha

131 1 4.4.2004 Bokaro Sammelan

132 2 24.4.2004 Muri Anilji etc.

25.4.2004 Jamshedpur ,Maithili meeting at Kailashji dera,with Ashokji Vijaya Heritage Kusum Thakur's dera

133 1 23.5.2004 Bhuli Vidyapati parva

134 1 13.6.2004 Jamshedpur Kailashji dera baisar;met Dinesh Mishra

135 1 4.7.2004 Jamshedpur- by bike-meeting ; Sanjay Jha's house-With Navinji on bike,

136 1 10.7.2004 Patna Mithila Rajya Abhiyan-IMA buiding

137 1 1.8.2004 Kolkata Mithila Rajya Abhiyan-Rajasthan Brahmin Bhavan

138 2 25.9.2004 Bokaro Amirijee dera baisar, Kali mandir Tulababu
26.9.2004 Muri meeting
139 5 7.11.2004 Jammu Arunji dera
10.11.2004 Jammu Rudrabhishek Pradoshme Maithilsabh sange
11.11.2004 Delhi-Sarita Vihar Sarita Vihar Maithili programm- Mayur Vihar
13.11.2004 Delhi-India gate meeting lel kiyo nahi
13.11.2004 Faridabad Ravi Shankar Pd. MP; CD Thakur's dera stayed
15.11.2004 Bilaspur Vivekanad Jha
140 2 26.11.2004 Dhanbad Sama Chakeba at Zila Parishad
27.11.2004 Bokaro Amiriji
141 4 11.12.2004 Patna Talked

Hemant at Hindustan and editor Shyam Betal for Maithili page

12.12.2004 Patna Patna Pustak melame Mithila rajya par bhashan-Mahila samajk karyakram dekhal

14.12.2004 Kolkata Dayanath Jha met at Dr.Dhar's function and came to Howrah station

19.12.2004 Guwahati Vidyapati parva

142 2 20.1.2005 Journey-Durg Mahtoji at Durg station-asked for Mithila tour in March

25.1.2005 Jaipur Chhatrasal Nagar officeme "Maithili Patrakaritak 100 varsh' par ghoshthi

143 1 6.2.2005 Jaipur meeting Vidyapati Bhavan

144 1 20.3.2005 Jamshedpur MSPk Bari Maidanme karyakram

145 1 30.4.2005 Giridih Vidyapati Parva

146 1 14.5.2005 Bokaro Amiriji ot baisar; Kali mandir Tula babu 100 Rs. Maithiloi sandesh lel

147 2 28.5.2005 Bokaro
Kalimandirme Tula Babu,Mahindar Yadav

29.5.2005 Muri Anilji station par

148 1 26.6.2005 Charoda SN Pathak cfame-asked him to go to Mithila as a full timer cetered Forbesganjt

149 8 30.10.2005 Kanpur
Premkantji- Ugna mahadevme Pradosh puja- Sriballabhji dera-Sammelan kakar auspiecesme clear nahi

31.10.2005 DelhiKerawal nagar-Ghanshyamji-Vinodji dera meeting

1.11.2005 NOIDA BK jha. SN Jha in MECON Tower

2.11.2005 DelhiYOM meeting-Anil Sah, KN Jha,Rabindra Jha etc.

2.11.2005 Faridabad Rajiv Shukla MP; was not given time to speak though honoured with shawl- sanchalak took too much time; Kolkatas's anand met; Adbhtanand suggested Sita's birth for flag of Mithila

2.11.2005 DelhiSarita Vihar meeting; 'Bihar samiti,' did not like but.. Kripanand's dera first time-much honour

3.11.2005 DelhiVijay Jha dera- "Mithila rajya nahi bhetat'

6.11.2005 Bangalore Keshav Karn came to meet; evening meeting; Sajiv's dera for Chhathi kharna

8.11.2005 Hyderabad

Kondapur to meet Sarita Jha ,Madhubani Painter

150 3 9.12.2005 Bokaro Kali mandir-Tulababu dera

10.12.2005 Bokaro Kali mandirtinh-Tulababu adi

11.12.2005 Patna Patna

Pustak mela-Matribhashame shiksha savshiksha lal aa Mithila rajyak avashyakta; Tara bau, Ratneshwar Mishra; Damodar Thakurs bhent;RSS office

151 4 17.12.2005 Raipur SN pathak came earlier and had returned

18.12.2005 Nagpur Amresh Mishra did not come despite tyalked in morning

19.12.2005 Mumbai

Dr.Manikant Mishra at Ahmedabad; Ashwini Jhas came in Thane in evening

152 2 11.2.2006 Delhimeeting at rabindra Jha's cyber

12.2.2006 Kanpur

Premkanthi trainme

153 1 3.3.2006 Muri Aniljik betik vivahme

154 1 5.3.2006 Jamshedpur

Sidhagora me prantiya sammelan

155 1 25 or 26 ?.3.2006

Jamshedpur Vidyapati Parva udghatan

-156 1 28.3.2006 Kolkata anek phone par Pradeep/Dileep station nahi ayalah

157 1 8.4.2006 Indore asked Dr.RK Jha for Vidayapti parva

158 2 1.5.2006 Jamshedpur Madhukarji dera

2.5.2006 Jamshedpur Press conference

159 6 22.9.2006 DelhiKripanand, Ghanshyam

23.9.2006 DelhiBhavesh

24.9.2006 Bhopal DIG Anuradha shankar's son'"Sutal chhathi"

25.9.2006 Hyderabad Mahamandleshwar Yatindranathgiri-Mithilake yani sabke mama hain aap

160 6 16.10.2006 Patna Vidyapati Bhavan

20.10.2006 Gorakhpur

Mohanji(f/o Padmnabh) dera baisar

21.10.2006 Delhi

22.10.2006 Faridabad Ranjita Ranjan chief guest

22.10.2006 DelhiSarita Vihar afternoon meeting and night cultural programme

24.10.2006 Hyderabad

Sanjay Jha dera; AK Jha dera Ramchandrapuram BHEL; Dr.Somnath came

6-8.1.2007 Bangalore XV IMC

161 5 14.1.2007 Delhi

163 4 17-18/2/2007 Panji

Anand.Somnath(Hyd),TN Mandal Rajbiraj(Nepal's state reorganisaTION)

164 2 18.3.2007 Kolkata AMP Kol.organised at Pradeep's centre

18.3.2007 Jamshedpur

Inaugurated Vidyapati parva-chief guest P.Balmuchu(Cong)

165 1 21.3.2007 Patna Ashish Jha jounalist residence-with him to dr.Udayan's dera-met Kamini Pathak ;none at Vidyapati Bhavan
166 2 26.3.2007 Muri
26.3.2007 Bokaro Amiriji dera baisar-Akjha dera
27.3.2007 Bokaro Tulababu Mandirme
27.3.2007 Muri Anilji,Raiji stan. Par
167 4 6.4.2007 Pune Ajit,Arjun Mandal
6.4.2007 Talegaon Arunjha's drea
7.4.2007 Mumbai PCJha met LTT; Sunil Nerul's janeu I had attended
168 1 1.5.2007 Kolkata Pradeep lag-Kishorikantjik prati8kriya-"Ek sangathan aaor'
169 3 13.5.2007 DelhiVivek ViharKripoanand, Bhim

Singh,Rabindra,Raman

170 3 13.7.2007 Hyderabad
Karnaji dera
14.7.2007 Hyderabad
Karnaji dera-Makrandak Pandit-IIP-Baisar Anil Jhak karkhaname

171 3 28.7.2007 Vasco Dilip K Jha of Pilakhwad
29.7.2007 Panji Dilip Anand sange Umesh Karn dera fer VK Jha IAS ot AMP gathan

172 5 12.8.2007 Delhi Vivek Vihar me Kripanand, Bhimsingh,Bisan singh
13.8.2007 Bokaro
Parishadme keval Amiriji

173 2 9.9.2007 Pune Deepak talking to Umesh karna in waiting room

174 3 23.9.2007 Mumbai Mithila Darpan's 3rd Anniversary-Baiju,Premshankar Singh; Mohan Mishra convener,Mumbai,AMP appointed

175 1 6.10.2007 Puttupurthi anek Maithil seva dal me

176 3 4.11.2007 Goa XVI IMC

177 2 1.12.2007 Bokaro Tulababu; Goa return cotravellor Tarakant Jha's phone no. and his father's

2.12.2007 Chandankiyari with Tulababu, Ardhnareeshwar met old Sushil Jha

178 6 19.12.2007 Patna Tarababu dera

21.12.2007 Gaya

21.12.2007 Bhuli

22.12.2007 Dhanbad

23.12.2007 Sindri Baisar ; BK jhak samadhik dera

24.12.2007 Jamshedpur Amarnathji dera baisar

25.12.2007 Jamshedpur Bagbedame hastakshar abhiyan

179 1 27.1.2008 Jamshedpur Mithila Mahotsav; father at Ranchi's

hospital

180 1 6.4.2008 Jamshedpur Mithila Sanskritik Parishadk Swarn Jayanti-Suman Mahto MP chief guest

181 1 3.5.2008 Jamshedpur Sagar ratime Saudamini katha PARAHAL

182 2 10.5.2008 Bokaro Amiriji dera

11.5.2008 Muri Anilji train par

183 8 25.5.2008 Charoda Manish came

27.5.2008 DelhiRabindra Jha,KNJ etc.

31.5.2008 Howrah Pradeep Choudhary

8.6.2008 DelhiKaryakata sammealan

11.6.2008 Hyderabad Jyoti Lingampally- Sanatnagar IIP-meeting Anilji dra

12.6.2008 Bangalore

Rabindralal dera

13.6.2008 Bangalore RT Nagar-BN jhasbhent

15.6.2008 Jamshedpur Press conference

184 2 31.8.2008 Kolkata Mithila samad releasing ceremony

185 4 28.10.2008 Kanpur Premkantji train par

29.10.2008 NOIDA Bkjha dera

29.10.2008 DelhiSarita Vihar baisar

29.10.2008 Faridabad Kalipuja-RC Khuntia MP(Cong)

30.10.2008 DelhiJNU me Gopalji

31.10.2008 Muri Anilji,Shyamanandji train par

186 1 30.11.2008 Dhanbad Dasji sange yatra- Pramodji s pahil bhent(Mithileshji dwara)

187 3 13.12.2008 Patna Patna Pustak Melame MVP gathan

14.12.2008 Patna PPMme Mithilak darshan par bhashan

14.12.2008 Danapur Vidyapati parvame sammanit-Ashwini Choubet\y bhetlah

188 4 21.12.2008 DelhiXVIII IMC

22.12.2008 DelhiDharna Jantar Mantar

189 4 29.1.2009 Varanasi Neelkanth; BHU me

31.1.2009 DelhiSarita Vihar, Binod nagar Saraswati pujame

1.2.2009 Allahabad Jaikantbabus antim bhent

190 1 16.2.2009 Goa Umesh karna's house; Vinay Jha,IAS's residence

191 1 3.4.2009 Dhanbad Pramodjis bat-asantoshjank registration papers EC ke?

192 2 4.4.2009 Jamshedpur Dinesh Mishra dera Vasundhara

Enclave

5.4.2009 Jamshedpur

Kaushlendraji dera- Madhukarjik pautrak janeu- BJP office-Satyanaranji sange Ranchi Vapas- Vidayapati parva Harmu anamantrit nahi gelnhu

193 6 11.4.2009 Kathmandu XIX IMC

12.4.2009 Kathmandu XIX IMC

197 1 3.5.2009 Bokaro Janki Navami-VIII D;stayed naginaji dera

198 1 8.8.2009 Jamshedpur

Baisae Bhagwanji dera

8.8.2009 Jamshedpur

Jaynagar train lel Maithili Manchk officeme baisar

199 3 15.8.2009 Kanpur Laxmanji station- NKJhadera-Ugna Mahadebv mandir-Laxmanji dera

16.8.2009 Lucknow

ShaniMandirme meeting-AMP

formed

200 1 12.9.2009 Khunti unit formed

201 1 28.9.2009 Bokaro Kali Mandir

202 4 17.10.2009 Kanpur Premkantji station par

18.10.2009 DelhiDwarka

18.10.2009 DelhiSarita Vihar

18.10.2009 Faridabad Kalipuja me sammanit-sthaniya netagan

18.10.2009 DelhiSarita Vihar-Anil Sah dera

203 3 28.11.2009 Kolkata Ashok Jha dera Chitpur Rd.me baisar

28.11.2009 Kolkata Regent Colony Pradeep Choudhuri dera baisar

204 2 13.12.2009 Patna Patna pustak Melame Mithila Rajya par Bhashan

205 9 20-21/12.2009 Kanpur XX IMC

22.12.2009 DelhiMayur Vihar-Jantar-Mantar Dharna-Bhavesh dera stayed

23.12.2009 DelhiMayapuri Saubhagya Mithila- Burari MWTC- Mayur Vihar

24.12.2009 DelhiBurari MWTC-Mayur Vihar

25.12.2009 DelhiBurari MWTC-Mayur Vihar

26.12.2009 DelhiBurari MWTC-Mayur Vihar

27.12.2009 Khoda-NOIDA Meeting-Hirendra's dera

206 3 5.1.2010 Delhi

6.1.2010 Ajmer

10.1.2010 Jaipur

207 1 31.1.2010 Kolkata

208 2 13.2.2010 Haridwar

14.2.2010 Allahabad

209 2 27.2.2010 Delhi-Saubhagya Mithila, mayapuri-Mayurvihar

28.2.2010 Delhi-JNU,DU, Cofee House

210 2 13.3.2010 Nirsa

14.3.2010 Nirsa-Dhanbad

211 1 21.3.2010 Patna-Saidpur Binodpur baisar

212 4 2-3.4.2010 Khoda

2-3.4.2010 Delhi

4.4.2010 Bokaro

213 1 10.4.2010 Jamshedpur MSP Vidyapati Parva

214 1 14.4.2010 Dhanbad Alokji office came D.Jha

215 1 18.4.2010 Dhanbad Union Club baisar

216 2 2.5.2010 Daltonganj

217 1 9.5.2010 Patna-Arvind College-Shekhar Prakashan

218 1 22.5.2010 Patna Dharna

219 1 6-6.2010 Delhi

220 2 20.6.2010 Kanpur

22.6.2010 Mumbai-Chembur

221 1 11.7.2010 Jamshedpur

222 1 18.7.2010 Dhanbad Binodpur baisar

223 1 22.8.2010 Dhanbad Binodpur baisar

224 3 11.9.2010 Mumbai XXII MWTC at Mulund(W)

225 2 18-19.9.2010 Jamshedpur

226 2 23-24/10.2010 Patna

227 5 5.11.2010 Allahabad

5.11.2010 Kanpur

6.11.2010 Kanpur

6.11.2010 Lucknow

7.11.2010 Lucknow

227 6 9.12.2010 Delhi-Mayurvihar

10.12.2010 Delhi_JantarMantar

11.12.2010 Patna

12.12.2010 Patna

228 3 4-5.1.2011 Rourkela

9.1.2011 Ahmedabad

10.1.2011 Raipur

229 4 30.1.2011 Mumbai-Mulund

230 2 6.2.2011 Kolkata-Risra

231 1 12.2.2011 Allahabad- Magmela

232 1 20.2.2011 Varanasi

233 2 5.3.2011 Jamshedpur

6.3.2011 Jamshedpur

234 2 12-13.3.2011 Asansol

235 1 3.4.2011 Dhanbad

3.4.2011 Dhanbad

236 1 14.4.2011 Jamshedpur

Mithila Divas

237 2 23.4.2011 Giridih

238 1 1.5.2011 Jamshedpur

239 1 22.5.2011 Patna

240 2 28.5.2011 Bokaro

29.5.2011 Jhalda

241 1 19.6.2011 Dhanbad

232 1 10.7.2011 Bokaro

233 1 23.7.2011 Patna Baisar

234 2 13.8.2011 Journey-0train

14.8.2011 Kolkata Baisar

235 2 27.8.2011 Dhanbad
28.6.2011 Chas
236 1 10.9.2011 Hazaribagh Sagar ratime Mahadukhjibi va Masukhjibi katha PARAHAL
237 1 23.10.2011 Dhanbad_Gobindpur GS Jha dera
238 2 10-11.12.2011 Patna Sagar raati Deep Jaray 75
239 5 12.1.2012 Journey
13-15.1.2012 Kolkata

15.1.2012 Gangasagar

240 3 27.1.2012 Journey-Intercity
28.1.2012 Varanasi BHU-Saraswatipuja
28-29.1.2012 Varanasi Kakarmatta- Baujik IV Varshee me anek sthaneey maithils baat
241 1 11.2.2012 Journey- Budwan

Pass

11.2.2012 Dhanbad D Jha dera

242 2 18.2.2012 Journey-18624

19.2.2012 Patna

Rukanpura-Nabendu dera, Hindustan

19.2.2012 Patna- Danapur

Takiapar- VN Thakur s bhent

243 2 17.3.2012 Journey-train

18.3.2012 Patna Patna

Pustak Melame Mithila Rajya par Bhashan

18.3.2012 Patna Sandhya

Goshthi PIT Colony

244 2 26.3.2012 Patna Patan devi

26.3.2012 Patna Shekhar

Prakashan

26.3.2012 Patna Gandhi

Maidan-Patna Pustak Melame Mithila

Rajya par Bhashan

245 1 14.4.2012 Jamshedpur Dhatkidih- Mithila Divas

246 1 22.4.2012 Patratu Russian Hostel-Baisar, committee formed, unitformed, met SiddhinathSingh,RSS

247 1 22.6.12 night Patna Rajendranagar-Yagyopavit of NK Jha's grandson

248 9 15.7.2012 DelhiSaritavihar-Palam

16.7.2012 DelhiLaxminagar-Kushalji discussed for Kripanad's

17.7.2012 Asansol Hatton Rd-Bipinji cam rto talk

20.12.2012 Banglore Kengiri-Meeting at Rahiji's residence

249 1 28.7.2012 Bokaro II Tula Babu's Interview

250 2 25-26.8.2012 Dhanbad Matkuria, Binodnagar, Govindpur- D

Mishra, GM Chowdhary

251 2 22-23.9.2012 Dhanbad
Binodpur Durgmandap me goshthi

252 5 7-11.12.2012 DelhiMRSS
dharna

253 1 14.12.2012 Dhnbad
Dhirendraji's son's reception

254 2 16.12.2012 Patna Disability
seminar_AMP unit gathan

255 3 23-24.2.2013 Allahabd
Kumbh

256 2 9-10.3.2013 Jamshedpur
Mithila Mahoitsav अंतरराष्ट्रिय मिथिला महोत्सव
Review of Mithila Mahotsav

257 2 23.3.2013 Patna Patna
Mustak mela

258 2 30-31.3.2013 Jamshedpur
Antarrashtriya Mithila Mahotsav

259 5 4-8.5.2013 Delhi

4.5.2013 Journey-Baidayanath GMO Spl

5.5.2013 Kanpur Premkant Jha met at Platform

5.5.2013 DelhiShravan Jha came ANVT -resided at Mandawali with him

5.5.2013 Dhirajnagar_FBD AMP Office inaugurated

260 5 3.7.2013 Journey-18609

4.7.2013 Journey_Kalka

4.7.2013 NOIDA Vasundhara

5.7.2013 DelhiKotla Baisar

6.7.2013 DelhiSantnagar _Mithila Rajya-Ekant dera par Neeraj, Shravan, manoj- shramshakti purv Beeraj Adv.

7.7.2013 Kanpur Staion lag

20m Varshganth AMPk

261 2 26.7.2013 Journey_18624

27.7.2013 Patna

Nagendraji_Tara Bhavan_AMP

262 4 9-12.8.2013 Journey-12812

9.8.2013 Raipur Rly station_Ugreshji aadi dwara swagat

10.8.2013 Mumbai Fusion centre, Boriwali_ Kamleshji sanyojak, Mohan Mishraji dwara adhyakshataa

11.8.2013 Mumbai Sarasswati Mandir_ Madan Jhaji adhykashtame baisar

263 2 13.9.2013 Journey_Patli

14.9.2013 Sindri VI Jharkhand AMP Sammealan; AJnanta Jha dera, Ganesh Mela, Pramod jee dera, both saved in bike skidding accident

14.9.2013 Dhanbad

264 2 1.10.2013 Journey_18624
2.10.2013 Gaya Pratham Magadh Prantiy Sammelan-189,AP Cplony

265 2 14.10.2013 Patna
15.10.2013 Gaya Pind dan
266 2 9.11.2013 Journey_18624
10.11.2013 Patna Er. Satyanarayan ji dera meeting Jagdeopath chauraha agan_Ambedkar nagar
10.11.2013 Patna Patna Pustak Mela__Mithilak sanskar aa marjan par bhashan
267 2 16.11.2013 Patna Patna Pustak Mela_Maithili Me shiksha, Mithila Rajyk aauchity
17.11.2013 Patna Patna Pustak Mela_Mithilame Gadyk vikas ,Vidyapati, Mithilame Nirdhanta, Arthik unnati_Koshi
268 4 28.11.2013 Journey_sampark Kranti

29.11.2013 Jounrney _
30.11.2013 Jouuney_Punjab Mail
30.11.2013 Mathura AMP_Zila Sammealan
30.11.2013 Journey_
1.12.2013 Allahabad Sangam snan
1.12.2013 Allahabad Baisar-Bidhuji dera
269 1 27.12.2013 Bokaro AMP
270 3 11.1.2014 Sindri
12.1.2014 Asansol
271 1 2.2..2014 Rajrappa
2.2.2014 Ramgarh
21-22.2.2014 Ludhiana

22.2.2014 Journey_JAT_HTE
272 5 23.2.2014 Chola
273 2 1.3.2014 Rourkela
2.3.2014 Rourkela
274 1 7.3.2014 Muri

275 2 30.3.2014 Kolkata

276 2 26.4.2014 Giridih-Madhuban_Barakar

277 2 6.7.2014 Patna AMP_ Novelty & Co.

278 2 6.7.2014 Patna Dr.Amresh apthak

279 1 20.7.2014 Rourkela Panposh meeting- stay Bimalkant Thakur dera

280 1 27.7.2014 Jamshedpur

281 1 10.8.2014 Bokaro

10.8.2014 Bokaro

10.8.2014 Dhanbad

282 5 14.8.2014 Journey Sampark kranti

15.8.2014 Kanpur

16.8.2014 Delhi

17.8.2014 Ballbhgarh

17-18.8.2014 Mathura

283 19.10.2014 Dhanbad Gauraksha

284 Jamshedpur Balwant_BJP
285 .11.2014 Hazaribagh Goraksha
286 2 15.11.2014 Journey_18622
16.11.2014 Patna Pustak Mela
16.11.2014 Journey_18623
287 2 22.11.2014 Bokaro CN Jha dera
23.11.2014 Bokaro AMP
23.11.2014 Sindri AMP
24.11.2014 Sindri AMP
24.11.2014 Journey_18521
288 5 23.12.2014 Journey_18624/GMO/Chambal
24.12.2014 Journey Buddha Purnima/Begampura
24.12.2014 Pitambarpur

24.12.2014 Bareilly

25.12.2014 Bisauli Maithil Brahmin Sammelan

25.12.2014 Bareilly

26.12.2014 Bareiily Maithil Brahmin meetings

26.12.2014 Journey_ Haridwar HWH

27.12.2014 Kankaha_Lucknow_Farakka exp

289 6 31.12.2014 Journey_Tapaswini/ Gitanjali from RKL

1.1.2015 Raipur Meeting

1.1.2015 Journey_BSP_ASR

1.1.2015 Nagpur

2.1.2015 Nagpur Meeting

2.1.2015 Journey_Sewagram

3.1.2015 Nasik Ajay Jha

4.1.2015 Mumbai

4.1.2015 Mumbai Goshthi & Vidyapati parva presided

290 4 23.1.2015 Journey_18616

24.1.2015 Kolkata

25.1.2015 Kolkata Mithila Kirtan Mandal

26.1.2015 Sindri

Jawaharji's daughter'smarriage

26.1.2015 Journey_vanachal

291 2 31.1.2015 Journey_Dumka

Pravin Dhanbad station came

1.2.2015 Dhanbad vidyapati parishad picknic

1.2.2015 Bokaro Sahitya Akademy Kavi Goshthee

292 5 9.2.2015 Journey_Tapswini_Shirdi Exp

10.2.2015 Mumbai

14.2.2015 Mumbai AMP

15.2.2015 Silvasa AMP

22.2.2015 Vapi AMP

22.2.2015 Tarapur AMP

293 4 2.3.2015 Journey-train

3.3.2015 Mumbai

7.3.2015 Mumbai AMP

30.4.2015 Ranchi

SUPPERANNUATED from MECON, Consultants colleagues' private farewell at Satellite and Ispat club

294 30.4.2015 Journey_13351

1.5.2015 Journey Prdosh vrat_

2.5.2015 Chennai_ bus

26.5.2015 Journey_Bus

295 4 26.5.2015 chennai AMP meeting

26.5.2015 Journey_13352

31.5.2015 Journey_BJU_LKO exp

296 4 2.6.2015 Bareilly O P Sharma came to meet

13.7.2015 Ranchi_18623

297 2 14.7.2015 Patna_Govind

14.7.2015 Rajgir Malmas mela spoke

2.9.2015 DURG Joined CM MEdical College

11.9.2015 Journey_12812 waitlisted ticket remain, journey till morning(Bhusawal) stnding anyhow_ the mostteious journey of life

12.9.2015 Bhusawal did bath and puja (chnging train 12812)

12.9.2015 Journey_ Varanasi-LTT SF

12.9.2015 Mumbai after Suman'sdeathfirst timefor 1 h

298 4 12.9.2015 Mumbai Mithila Darpan' X Anniversary_ no speech only songs and honour (to advertisement providers more than litterrateurs)_ was

honoured but for this standing jurney of 11 h?

13.9.2015 Journey_11093

299 2 25.9.2015 Jamshedpur

Baisar, fracture left 2nd, 3rd phalanges

300 2 21.10.2015 Train_18029

22.10.2015 Jamshedpur

meetings

301 5 21.11.2015 Journey_ Samta Exp

22.11.2015 Faridabad Raushan joined

22.11.2015 DelhiMeeting AMP Premchand Jha, Neeraj pathak, shailendra Mishra etc.

22.11.2015 NOIDA Devotthan ekadashi falahar, bhumi shayan

23.11.2015 DelhiDharna for Mithila Rajya by AMP_MRSS

23.11.2015 Journey_Magadh SF

24.11.2015 Rajendranagar NK Jha with proofs

24.11.2015 Journey_Patna Saheb_intercity

27.11.2015 Ranchi Satellite SBI,CBP Singh dera, UBI, RDCIS computer work, DK Thakur lag

27.11.2015 Journey_passanger

302 2 27.11.2015 Jamshedpur Dr. Mamta Jha Beti k vivah me

28.11.2015 Journey_ passemger

28.11.2015 Muri Anil Mishra came

29.11.2015 Ranchi Dhirendra Mishra dera meeting

29.11.2015 Journey_17008

11.12.2015 Journey_22843

303 4 12.12.2015 Patna Patna Pustak Mela_ long talk on Mithlla. Magadh and Bhojpur state, HN jha, NKJ, CN Jha also spoke; Ramchandra Khan later asked for Mithila centred gosthi at Darbahnga

13.12.2015 Jamshedpur

Ashok Avichal and Rabindra choudhary came . Long talk at mamataji's dera

14.12.2015 Journey_ Geetanjali

304 2 25.12.2015 Journey_12811

305 4 27.12.2015 Mumbai Presided Mithila darpan's seminar and Vidyapati parva

28.12.2015 Journey_112812

could catch late train at Kalyan(though had passed ahead while in local)

306 2 25.1.2016 Journey from Dehri_Pass

25.1.2016 Gaya XXVIII AMS on April 23-24, 2016 fixed

307 5 28.1.2016 Hyderbad

Dayababu's dera

30.1.2016 HYD Meeting for Mithila state

30.1.2016 Journey_12721

1.2.2016 Journey_11845Pune

Hatia Exp
1.2.2016 Durg
1.2.2016 Journey_15160
Sarnath Exp
2.2.2016 ALLahabad_14511
Nauchandi Exp
3.2.2016 Barelly Joined RMC, Prof RR Chaudhary of DMC here was delighted
308 3 1.4.2016 Ranchi Desil bayna sab jan Mittha_Bhimbabu, Vinidji, ..

2.4.2016 Journey_18623
3.4.2016 Patna NK Jha dera_proofs
3.4.2016 Journey_akal takht exp Panache hotel
309 6 24.4.2016 Journey_Bus 1973 batch meet
24.4.2016 DelhiYUVA MITHILA sammelan(nunuji from Anand Vihar t New

Delhi accompanied)

24.4.2016 Journey_ Jamnagar Exp

25.4.2016 Vaddara did not call SSJha as he was not inclined for meeting

25.4.2016 Ananad Er. Pashupati Jha came to station and meeting

26.4.2016 Mumbai Sumanji's first Varshee

26.4.2016 Journey_LTT Rajendranagar SFEXP

28.4.2016 Patna Sujeet Choudghary's dera

1.5.2016 Patna NK Jha came for proof , left me at Karbighiya

310 1 15.5.2016 DelhiJanki Navmi by Mithila Youth Parishad

311 3 11.6.16 Journey_Akal takhtExp

12.6.16 Patna
Maithili_Sena(MRNS)
12.6.16 Train _Patliputra
13.6.16 Train late
Leave_diarrhoea
312 3 29.7.16 Train_Delhi Pass
30.7.16 DelhiMet first Anil
Jha, Tapan Jha , Neeraj Jha
30.7.16 Train_ Lucknow Mail
31.7.16 Lucknow
decentralization of political power
and parties by small state
31.7.16 Bus
31.7.16 Kanpur IX
Pratibha samman
31.7.18 Car_LKO-Train
Gajipur_ANVT
313 3 6.8.2016 Train_Delhi Pass
7.8.2016 NOIDA Late Pula
Jha's condolenxce, SN jha came
7.8.2016 Greater NOIDA

kalhik meeting lel bat

7.8.2016 Greater NOIDA Rajesh, Kavi Ekant came for AAMP work

8.8.2016 Greater NOIDA meeting bhel

8.8.2016 Kirari meeting bhel

8.8.2016 Train_Bareilly Pass

314 1 18.8.2016 Kolkata Sanskrit Divas etc. at Rabindra sadan parisar with Anand, Amol, Anmol

1 21.8.2016 Bokaro VII Jharkahnd state conference

315 4 22.9.2016 Raipur meeting by Ugreshji, (Pankaj choudhary, Khadanand Mishra,SN pathak)

23.9.2016 Journey_12810

24.9.2016 Mumbai meeting by Kamlesh Mishra

24.9.2016 Mumbai Mithila darpan XI Annioversary_ Sanjay Nirupam,

Madanmohan J (Minister, bihar),Jayprakash K Singh

24.9.2016 Journey_Golden Temple

25.9.2016 Ghaziabad_Padmavat exp

316 2 30.10.16 NOIDA BK Jha, SN Jha

30.10.16 G NOIDA Vidyapati colony

31.10.16 G NOIDA Kalidas Jayanti

31.10.16 Delhi_ G Kailash_Kalidas Jayanti

31.10.16 DelhiDwarka_ Kalidas Jayanti

317 3 25.11.2016 Kanpur meeting could not be due to 6 h train late

25.11.2016 Journey_ Revanchal exp

26.11.2016 G.NOIDA

MWTC_LXIII started at Durga mandir

27.11.2016 G.NOIDA

MWTC_LXIII 2nd dayat Durga mandir

27.11.2016 Delhimet BK Jha ,manpaur

318 1 26.1.2017 Rourkela meeting, then Surendra Jha residence for dinner

319 3 11.2.2017 Patna Pustak mela me Mithila rajya par vyakhyan, Bachcha Thakur announced me ' mahanayak' of Mithila

12.2.2017 Patna Pustak mela me Mithila rajya par vyakhyan

320 2 17.2.2017 Journey_ Bus

17.2.2017 Moradabad

offerred 10 k more for a day less, met PG std Tiwari, gward Swaraj of SPJ

17.2.2017 G Noida Santoshji

dera

18.2.2017 G Noida

18.2.2017 G Noida MWTC 74 concluded, 9 certificates

321 4 25.2.2017 Unnao_ mridul gaon

26.2.2017 Unnao_ mridul gaon BLP founded

27.2.2017 Kanpur Central executive baisar

28.2.2017 Kanpur Ganga sanan, ISCON Mandir, Brahmavartt, Balmiki ashram, saibaba Mandir

28.2.2017 Kanpur Chatra Dumra k Maithil k ghar

322 5 15.4.2017 Mumbai XXVIII AMS gosthi

16.4.2017 Mumbai XXVIII AMS sanskritik sandhya (by Mithila Mitra Mandal)

322 3 21.4.2017 Journey AkallTkht

22.4.2017 Patna Proof readinf, CNJ helped, Birendra Yadav came but missed to inform him that I was going to NKJ dera

22.4.2017 Journey_18623 Met Md Irshad of Saharsa inRajendranagar to patna junction

323 2 16.6.2017 Journey_Akaltakht

17.6.2017 Patna NK Jha for proofs, mangoes brought

17.6.2017 Mokamen_Intercity Premji at Mokamen

324 1 9.7.2017 Fatehganj Vyas Jayanti _Geeta prawachan

325 1 19.7.2017 Muri_15027 Anil Mishra came to talk

326 2 30.7.2017 DelhiBaisar, Yashwantji also present

31.7.2017 DelhiMet Pratihastji of Chhatauni_ _ talked on Mithila given

souvenir, MS

31.7.2017 DelhiMeeting with MSU workers and Dayakantji KKM, Binod ji etc/

327 4 19.8.2017

Ballbhgarh_Palwal_kisanpur with Chandrabhanji from Ballbhgarh Post-Bhagwat gen meeting

25.8.2017 Chandigarh

Mithila Auto Union became host,puja at their Shivmandir, night stay roadways platform, strnded in Dera Ram_Rahim conviction turmoils, train reservation lapsed

27.8.2017 Delhibrief meeting

27.8.2017 Delhi

MaithilBrahman(Kashthkar) meet

328 1 11.10.2017 Lucknow

JankinagaramRC Jha fom

Dhaus_Pandaul house

329 1 25.10.2017 Delhi25.10.2017

330 1 26.11.2017 DelhiMithila

331 1 10.12.2017 Patna Seminar on Mithila state

332 2 16.12.2017 Bus-Ghaziabad REST with Sudhirnath Mishra, Bhimsingh Maihtil,(Chakradhar jha and Udayshankar mishra after many years)

17.12.2017 Ghaziabad

Seminar on Mithila state

333 3 14.1.2018 Mumbai Mithila Darpan _Vidyapati Parv

334 2 29.1.2018 Khoda baisar

30.1.2018 DELHI

Memorundum could not be given due to a lapse by Premchand Jha

335 1 14.2.2018 Khoda

Mahashivratri

336 3 20.2.2018 Journey_Flight

20.2.2018

21.2.2018 Bengaluru 21.2.2018

337 1 26.2.2018 Kanpur Baisar

26.2.2018 Lucknow
338 1 18.3.2018 Delhi_Mandawali

18.3.2018 Janpath Maithili Literature Festival attended concluding session
339 1 23.3.2018 Delhi_Brainkothi

340 2 30.5.2018 Patna Proof reading _Romila Thapar
31.5.2018 Patna Proof reading, Janardan Patil of Rashtriy Basab Samiti ,agreed for 28.6 to deliver lecture

341 1 28.6.2018 Patna Rastriy Basab Parishad spoke on Vaishali
342 1 19.7.2018 Patna Proof

reading with Chandranathji, Lal Anand jornalist-''Should have been Governor'(for me)

343 1 2.8.2018 Patna Proof reading

344 2 8-9.8.2018 NOIDA Pula jha's varshee on 9th Aug

345 1 13.8.2018 Patna lal Anand, CN Mishra

346 1 2.9.2018 Patna Proofs NK J dera

347 10 22.9.2018 Bus_Delhi SLP matter to Chandan

22.9.2018 G. Noida

23.9.2018 Bus_Mathura

23.9.2018 Train_Goa Exp

24.9.2018 Pune Rahiji came

25.9.2018 Pune Rahiji and Harshwardhan Misrha with Arjun Mandal

25.9.2018 Train_Goa Exp

26.9.2018 Vasco

26.9.2018 Vasco TB Cunnha statue garlanded by Goa Suraksha Manch

26.9.2018 Panjim

26.9.2018 Panjim Youth convention of GSM

26.9.2018 Mapusa TB Cunnah smriti by Bhart Mata Ki Jai(RSS equivalent)

26.9.2018 Mapusa

27.9.2018 Porvorim Mahila convention

27.9.2018 Madgaon

27.9.2018 Madgon_tain

Gauseva Univ. talked for Hindu Swaymsevak Sangh naming Bhart Mate Ki Jai

28.9.2018 Mumbai

29.9.2018 Mumbai Presided

AB Mithila Vyavsayee Manch sammelan

29.9.2018 Train_pass
30.9.2018 Surat Gujarat Prant Swabhiman sammelan
30.9.2018 Surat With SwP meeting
30.9.2018 Train_ Mumbai_JP SF
1.10.2018 Jaipur
1.10.2018 Jaipur Rajsthan Maithil Parishad sange meeting
1.10.2018 Train_Yoga Exp Reservation not confirmed
2.10.2018 Train_Awadh assam
2.10.2018 Bus from Rampur
348 2 29.10.2018 Journey_54077
30.10.2018 DelhiJatashankarji, Keshav J, Rajiv Ekant
30.10.2018 Bus_BE
349 4 23-24.11.2018 Kathmandu Role of translation in the development of world literature

23-24.11.2018 Kathmandu

Rajeshwar Nepaliji,Dr Ramchandra Rai, Poonam, Anshu Jha,

24.11.2018 Kathmandu

24.11.2018 Kathmandu

Amresh n jha, Gopal J

350 2 5.12.2018 TRAIN_DLI PASS

6.12.2018 Train_Amrapali

6.12.2018 Kurikshetra

Snana, Prawachan Geeta

6.12.2018 Kurikshetra Geeta Kurukshetra me kyon, Dr Ramji Singh also presnt

6.12.2018 Bus_Ambala Cantt

Train 13307 cancelled

6.12.2018 Pass_Saharanpur

Could not eter in Begmpura exp and CDG_LKO SF

6.12.2018 Train_CDG_PPTA

Halted Dhaneta, came college

351 1 9.1.2019 Patna Proof reding of Romila Thapar, Archana came for Sanskar songs research work

9.1.2019 Journey_12317

9.1.2019 Patna Kshaurkrm, Puja for Mausi's death

9.1.2019 Patna Proof reding of Romila Thapar, Archana came for Sanskar songs research work

9.1.2019 Journey_12317

352 1 20.1.2019 Journey_12392

21.1.2019 Patna Proof match with reviewer till 3 am

353 2 26.1.2019 Jouney_12303

26.1.2019 Praygraj

27.1.2019 Praygraj Bidhuji sang

27.1.2019 Praygraj Bidhuji sang

27.1.2019 Praygraj Meeting

27.1.2019 Praygraj Bidhuji , Akhileshji

27.1.2019 Journey_14511

Prayag stn _ sepoy recruitment rush could enter train with difficulty, Priyanka ,Dinesh maurya, could go in my coach at LKO

354 3 2.2.2019 Patna Romola's proofs

2.2.2019 Patna Patna Literature Festival

2.2.2019 Patna Romila's proofs & Ekbhukt

2.2.2019 Journey_18623

3.2.2019 Ranchi Babuji's Varshee

3.2.2019 Ranchi Bina Jha condolence

355 1 18.4.2019 Jamshedpur

Ashok Avichal,Rabindra Choudhgary, Pankaj J

356 2 25.5.2019 Journey_Delhi Pass

26.5.2019 DelhiClean Ganga movt meeting at MS.GauriSarin

26.5.2019 DelhiSahityik Caup[adi 38th

26.5.2019 Jorney_LKO Mail

357 2 22.6.2019Journey_54077

23.6.2019 DU Sthapana Divas organised by Ripunjay- neek goshthee

23.6.2019 Journey_12230 rest 2 h

358 2 29.6.2019 Journey_54077

30.6.2019 Dwarka No response by Dr KK Mishra suddenly then went to cousin's house

30.6.2019 Journey_12230

BE MCI workshop

6.7.2019 Journey_12354

7.7.2019 Gaya_Purushottam

Longest leave of service carreer since

1985
7.7.2019 CMO_SwarnJayanti AMP
359 1 8.7.2019 Ranchi NEC
20-21.7.2019 Pendra Road Narmada udgam
21.7.2019 Amarkantak Son Udgam
21.7.2019 Son Udgam Religious
22-24.7.2019 Raipur

23.7.2019 Raipur Only Manish Jha came to see, Ugresh Jha etc told for the meeting shown inability
360 1 24.7.2019 Journey_18029
25.7.2019 Jameshedpur manish dera
25.7.2019 Jameshedpur committess of AMP, first time by asking votes on slips

26.7.2019 Journey_18606

361 1 27.7.2019 Kolkata Viyogeejee s bhent

27.7.2019 Journey_186151

28.7.2019 Ranchi

Satyanarayn Puja

362 1 28.7.2019 Ranchi Santajee kewal

363 2 10.8.2019 Journey_54077

11.8.2019 Delhiwith Dr.

11.8.2019 DelhiCEC

11.8.2019 DelhiMaithiuli-Bhojpuri kavita path me Rambabu, Sanjeev adi Manish sang gelanhu

11.8.2019 Journey_12230

364 2 17.8.2019 Journey_54077 Due to Dr.Akshat could catch the train ,he dropped to Jn via a diverted route.

18.8.2019 Delhiwith Dr.

18.8.2019 DelhiRabindra Mishra organised

18.8.2019 Delhipresided

Delhi_NCR Mathil organisations' meeting for higher enrollment of students in Maithili

365 3 22.8.2019 Jurney_12392

23.8.2019 Patna

Romilla_book setting

24.8.2019 Patna

Romilla_book setting

366 5 5.9.2019 Car_SPI_ Gangasagar

6.9.2019 Durgapur_bus

6-7.9.2019 Shantiniketan Third Hindi Sahitya antarrashtriy Sabha _ by Ramchandra Raiji stayed at a hotel,

8.9.2019 Ranchi

8.9.2019 Train_18624

9.9.2019 Patna

Romilla_book indexing

9.9.2019 Train_Patliputra

367 3 11.10.2019 Train_patna

11.10.2019 Patna Romilla

12.10.2019 Journey

368 2 20.10.2019 Sunil Jha , Mahtha ser

369 1 12.11.2019 Agra Laxman J bhent kary ayalah

370 3 16.11.2019 J_12392

17.11.2019 Patna Mithila Rajy par goshthee,Dr KK jhak adhykshata, Chandranathji k sanchalan madhvendr J k ahwabNK J thanks,

17.11.2011 J_Akal Takht

18.11.2019 BE

371 3 19.11.2019 Train_12392

20.11.2019 Patna

21.11.2019 Ranchi

21.11.2019 Train_15027

22.11.2019 Barauni

AAMP_AMP

22.11.2019 Gwalior Mail

22.11.2019 Samstipur Rajeev_ Bisfi dates 25-26 Dec

22.11.2019 LKO Exp

23.11.2019 Lucknow reception of Adwait, met Swatantra bhai, Dr. R.K.Jha, stpping of Ananat as first ashsish giver was surprising

372 3 18.12.2019 Journey_12392

19.12.2019 Patna correction of Romila, Dr, Gopal Prasad, ekbhukt NKJ's residence

30.12.2019 Train night stay at D.Rita Chakore house

373 2 4.1.2020 Journey_Padmavat

5.1.2020 DelhiDharna me upwas Dilli me Maithili Shiksha lel, Machan me Lalit jha dwar interview Mithila Rajya par

5.1.2020 Journey_LKO Mail

374 4 20.1.2020 Journey_12392

21.1.2020 Patna Romila indexing, NK jha dera

28.1.2020 Bus_Patna

28.1.2020 Train_Sampoorn Kranti Exp

2.2.2020 Train_Prayagraj

3.2.2020 Prayagraj Ganga snan_Couldnot contol urination_was upset for ikt

3.2.2020 Prayagraj Jaikantbabuk Varshee

3.2.2020 Train_Nauchandi

375 4 19.2.2010 Journey_12392

20.2.2020 Patna Raj Anand, Anshuman, Manish, NK Jha for Bihar assembly elcetions

20.2.2020 Patna With Sk Jha, Tarique Khan of CIIL, indexing

20.2.2010 Patna Trayodashi paran

21.2.2020 Patna indexing Romila

24.2-2020 Gaya Prof Jha etc.

Bus-KIR

376 2 25.2.2021 Patna
Social_Students_Anshuman,Manish

25.2.2121 Patna RSS
25.2.2121 Patna NMO_RSS

25-26.2.2121 Patna
Maithili
377 2 18.9.21 Train
18-19.9.2021 Delhi
Gurumaitaji,KKJ, Premchand J,
Lalmani
378 6 25.10.2021 Train_Gurumukhi SF
26.10.2021 Dhanbad
26.10.2021 Bus_Bokaro
Pathkjik Ekadasha
27.10.2021 Bokaro Pathakjik
dwadasha
28.10.2021 Bokaro_train

29.10.2021 Patna Maithili

30.10.2021 Patna
379 7 17.5.2022 Himgiri
18.5 Patna Resigned from the RMCH,BE
19.5.2022 Patna Akhil Bhartiy Vyavastha pariwartan Yuva ekta manch founded
20-23.5.2022 Patna

31.5.2022 Journey_Janhit
31.5.2022 Patna
31.5.2022 Journey_Shramjeevi
380 2 21.6.2022 JOURNEy_14267
22.6.2022 HARIDWAR fAMILIAL
22.6.2022 Jou_13010
381 5 23.6.2022 BAREILLY
24.6.2022 G Noida PERSONAL

24.6.2022 Delhi
25.6.2022 Delhi

26.6.2022 Delhi

27.6.2022 Delhifrom 10-5 contnuous sitting 26 paged proof

27.6.2022 Bus midnight

382 2 27.7.2022 12487

Patna

28.7.2022 12369

383 9 19.9.2022 13484

20.9.2022 MaldaTown(MLDT)

20.9.2022 Bus

21.9.2022 15658

26.9.2022 Ranchi Koshi Mitramandal

26.9.2022 Ranchi

26.9.2022 Ranchi

27.9.2022 Ranchi

Lahri_Vishwambhar Foundation

28.9.2022 18624

29.9.2022 Patna

30.9.2022 Patna

30.9.2022 Patna Sushil Modi couldnot met,Krishnmohan Agrrawal,Shambhavi Pharma, Raj Anand house

384 1 16.10.2022 Hathida_RJPB

17.10.2022 Patna severe lumbago

385 7 24.11.2022 Bus_Patna

24.11.2022 Patna Romila Thapar proof

24.11.2022 Howrah exp

25.11.2022 Bwn_Shantiniketan

25.11.2022 Shantiniketan

25.11.2022 By car_DGP

25.11.2022 Durgapur Interview

25.11.2022 By Car_BWN saw from road

25.11.2022 BWN_Pratap Exp

26.11.2022 Prayagraj Sahitya Academi_DR JKM 100th Yr
27.11.2022 Prayagraj Sahitya Academi_DR JKM 100th Yr
27.11.2022 Prayagraj Dr. Ashutosh shukla's residence
27.11.2022 LTT_RNC Exp
28.11.2022 Ranchi Bindu's Grihpravesh
29.11.2022 Ranchi rest
30.11.2022 Ranchi BOI,Mandir, Capt RCJ, Aradhana

30.11.2022 Rnc_LTT Exp
386 2 28.9.2023 J_12392
29.9.2023 Patna Novelty

387 1 4.12.2023 Patna Kathakumbh-19
388 2 27.12.2023 Patna BJP Office , Ravishankar Pd. housewith Raj Ananad

27.12.2023 Patna Dr Rita Chakore house dinner

28.12.2023 Patna PMC

28.12.2023 Patna Sunil's resturant with Ajit Pradhan_Hindu Mahasabha

389 2 30-31.12.2023 Indore Maithils did not arranged meeting

390 2 7.2.2024 Ranchi AMP Jharkahnd office meeting

8.2.2024 Ranchi varshee Babujeek

8.2.2024 Ranchi AMP state executive eeting

391 1 24.2.2024 Tilhar VACHASPATI Jayanti /Goshti-1 "Hindu jeewan paddhati ki vaigyanikta"

1.3.2024 BIHAT_Patna Raj

Anand came

0 14.3.2024 Tilhar Meen sankranti, PANINI Jayanti celebrated as International Sanskrit Divas,Gosain Mandir

392 2 29.5.2024 Ballia_Haripur AmiP supported Dr Prakash Pandey

29-30.5.2024 Ballia_Haripur Lumbago from Ballia stn,incapicitated ,rested

0 15.6.2024 Tilhar GARGI JAYANTI celebrated first time

965

एहिमे किछू पर नोट्स

149-(30.10-8.11.2005):Maithils on Wheels-I-IV

22nd July 2007- Maithils on the road

मिथिलामयविकलांगतासेमिनार - पटना,16 दिसंबर 2012

काल्हि 17.12.2012-धनबाद

256 अंतरराष्ट्रिय मिथिला महोत्सव क जमशेदपुर 31.3.2013

हमर बोकारोयात्रा_२८.१२.१३

270_11-12.1.2014- विद्यापति परिषद, सिन्दरी, धनबाद आ आसनसोल

271_ 2.2.2014 Rajrappa

289_1.1.2015_छत्तीसगढ़ अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद् पुनर्गठित, अध्यक्ष श्री कार्तिकेश झा महासचिव श्री उग्रेश झा

289_ 4.1.2015, मुंबईमे हमर अध्यक्षतामे भेल मिथिला दर्पण संगोष्ठी

353- प्रयागराज अर्धकुंभ मेला (15 जनवरी स 4 मार्च 2019) मे 26-27.1.2019

373_5.1.2020_ दिल्ली मे मैथिली शिक्षा लेल धरनामे उपवास

149-(30.10-8.11.2005):Maithils on Wheels-I

149 8 30.10.2005 Kanpur Premkantji- Ugna mahadevme Pradosh puja- Sriballabhji dera-Sammelan kakar auspiecesme clear nahi

31.10.2005 DelhiKerawal nagar-Ghanshyamji-Vinodji dera meeting

1.11.2005 NOIDA BK jha. SN Jha in MECON Tower

2.11.2005 DelhiYOM meeting-Anil Sah, KN Jha,Rabindra Jha etc.

2.11.2005 Faridabad Rajiv Shukla MP; was not given time to speak though honoured with shawl- sanchalak

took too much time; Kolkatas's anand met; Adbhtanand suggested Sita's birth for flag of Mithila

2.11.2005 DelhiSarita Vihar meeting; 'Bihar samiti,' did not like but.. Kripanand's dera first time-much honour

3.11.2005 DelhiVijay Jha dera- "Mithila rajya nahi bhetat'

6.11.2005 Bangalore Keshav Karn came to meet; evening meeting; Sajiv's dera for Chhathi kharna

8.11.2005 Hyderabad Kondapur to meet Sarita Jha ,Madhubani Painter

I've returned today from a multi-purpose tour(29th Oct. night to 9th Nov.'05) covering
Kanpur-Delhi-Faridabad-Bangalore-Hyderabad on rails.I intentionally usually travel in ordinary (II) Class

unreserved all over to get more experiences from thecommon men and a glimpse of this series of articles
will put light on it.
Though I have choosen the title as 'Maithils onWheels' probably 'Indians on Wheels' may be a title
for it when mixed with the variegated experiences forwhich I will wait readers' opinion.
Maithils on Wheels's these articles will roughlycover-
30.10.05-Maithils of Kanpur- my Pradosh 13 puja at
maithil Ugna temple and discussion with maithis there
including Premkant Jha(Jt.Secy,AMP) and Sri
Shriballabh Jha
31.10. 05- A day with YOM workers notably Ghanshyam

Jha
1.11.05- Deepawali with my neice Gungun (whose father
is no more and she expects every Deepawali a surpise
coming of me-it was sixth year such
2.11.05- but it was also that I wish to attend meeting
of thousands of Maithils at Kali Puja function of
Faridabad where several Maithils could recognise me
and though they honoured me with shawl on the
dais(Rajiv Shukla,MP,Congress was the Chief Guest this
year) I was more touched by a side-pass comment of a
Maithil," 'Sachetak of Mithila Rajya'abi gelah.."
and it was second year of such function organised by

enthusiatic Ramanji at sarita Vihar the same day where
I appealed to change the Maithili-haiter Govt. of
Bihar and had a more importantly a group meeting of
YOM
3.11.05- a day with Kripanand ,president YOM
4.11- Journey in Sampark Kranti,, the story at Dhone
of guavas..I could not though paid for
5.11-Bangalore
6.11- meeting enthusiastic young software engineeners
there and a meeting to initiate AMP & YOM
also kharna of Chhath in unknown (Sanir)'s house who
hail from Janta(muzaffarpur)
7.11- At Hyderabad finding Chhath Ghat and arghya at

Shameerpeth and again a guest for night in an unknown
person(S.K. Sawariya from Muzaffarpur working in
CISF,Ameerpeth);reading passages of Ramayan printed in
1926 and English dictionay printed in 1905;asking for
his time after his retirement in 1923
8.11- Parana at his(rather hgis wife's)house who is
from near tarapur.Munger), visiting Nizam's Institute
of Medical Sciences,talk to a Maithil girl of 19
,meeting her at Kundapur(she was married at 5 only to
an adult of 23 who is insane know,mother of a son aged
3, she wants to rise in the field of Madhubani
Paintings,wants to go abroad for name and

fame and
money;she learnt English too(for her work there where
she has an expenditure of Rs. 30000 per month in the
hi-tch city centre),talked with kme well like a mature
adult
Visiting Indian Institute of the History of Medicine
and catching the train just to leave
9.11.05- account of the labourers from Orissa&
Jharkhand working in Rajasthan,AP,Karnataka not
different from maithils in Punjab or so
-at Tatanagar accidental rtevealtion of one leg and
four finger chopped while saving a Keralite daughter
of an Army man- but still he is not cursing

God.

Maithils on Wheels-II

Though the description is of a travelogue of me, an unknown Maithil on Indian Rails, it in other way also accounts for the migration of Maithils to different parts of the country, mostly on rails (and rarely by road or air). I as a doctor am famous for visiting the highest number of medical institutions (138 by Nov.2005) of India and Nepal as an UNKNOWN MEDCO that too on rails and the description will overlap with the help from the memory bank of my past tracks in this narration.

Maithils counting to around 50 million in India and Nepal are known for their scholarship in medieval and modern days and it has been the cause for their migration to other parts of the holy Bharatvarsh to which the earliest trace can be made by the fact that the first Maithili newspaper, Maithil Hitsadhan was out from the Pink-city ,Jaipur exactly one hundred year back in 1905. Maybe some have gone then by meter/narrow gauge trains there from Mithila. Mostly Maithils used to go to pilgrimage centre like Varanasi and Prayagraj (Allahabad) and many even settled there. The journey to Jagannathpuri (from Baidyanath Deoghar in Mithila's cultural domain) was taken on foot those days and Maithils have settled en-route (e.g. Chandankiari of Dhanbad and Bahragora of East Singhbhum).

In Muslim days, due to the tyranny of them Maithils have migrated to Braj area (in and around Mathura) and are still in a large number. And so in the region of Chhattisgarh and Mahakoshal (Jabalpur) but those were pre-rail days.

In the pre-independence –era ,the migration was eastwards to Kolkata and Assam but as economy of India gravitated to the west(Mumbai and then Surat and other such parts) and then gradually northward to Punjab ,mostly the labourers who brought Green revolution there ,being even doped by opium and duped as well by the Cooley's and TTEs and so on by all.

The last migration is to the software city Bangalore (which I prefer to call INDICON

VALLEY where 1.5 million Indians work for the software industry while the SILICON VALLEY in US has only 1.2 million such workers. Indicon Bangalore is now more populated than aft-quoted metro Chennai (where too Maithils have permeated for a pretty long time).

It is true that now Maithils (and even Maithilanis do fly to US even alone) and per cent wise of the world population, probably Maithils may not be proportionate there but that not in the intellectual capacity. Wherever we are, we are honoured.

Though dishonoured in our homeland by political rulers and all parameters of development are low which force us to

take a train to anywhere.. will you believe you can get a ;printed ticket for Sarhind and Khanna like ill-known places from Jainagar or Nirmali from where around d a lakh rupees per day is earned by the railways by booking(with hardly any amenities in the Railway platform or slow moving trains with packed animal like trains, one can see anywhere in the Mithila to which I am witnessing as a child born in its north-eastern point Forbesganj to travel to Pandaul/Sakri/Madhubani, the stations roughly equidistant to my ancestral village, Samaul, of the great ,legendary Vachaspati's name on which the highest degree is awarded(e.g. my M.D. is officially called by the Kanpur University as Aayurvigyan Vachaspati and so D. Litt. As Vidya Vachaspati,

To me travel on rail to my first memory is to pilgrimage to Baba Baidyanath when I was hardly few years old and still I recall those small red flowered plants on both sides of the railway from Jasidih to Baidyanathdham station. Of course still they are there but less in number due to population explosion resulting in denuded plants everywhere.

But my forest journey out of Mithila (and the –then Bihar was from Ranchi (to Jamshedpur by car) and then by train to Puri in 1973 when I competed for the medical college.

And then the other out state such journey was in 1977 to the most ancient city of the world- VARANASI which is said to be on

the Trishul of Lord Shankar. There I could assemble the medicos to found the National Medicos Organisation (NMO) and after few days I took train first time for the south to go to Vijaywada to help Andhra cyclone victims..

And then onwards, I have been on trains all over the country not for job but for organizational work.

As said, I prefer a simple II Class not because I can not afford higher but first to know people from near and second to have minimal pride that I spent so much money for the organization. I feel traveling in a passenger train gives one more intimate introduction of the locality and I

used to such in some sectors (like a night passenger train from Madurai to Thiruvanathapuram, reaching early morning there and seeing the women making garlands in way will amuse you—for Mithila floriculture may be developed but that needs a faster transport –super-super fast train to Metros or regular air cargo service.

Gandhi used to travel in II Class. The British Govt. had provided him one such coach which used to have many of his disciples with him but for me, I am an unknown passenger, alone to travel and have no way other to have acquaintances in the way with the fellow-beings.

In Mithila Padyatra/Cycle yatra is better and I am famous for undertaking those to meet villagers for Mithila- Maithili work but for meeting medicos(and now mostly Maithils) I have to take trains monthly or even more I am on long or short tours.

This narration of tour (29th Oct. 2005 to 9.11.2005) will representatively touch some of the aspects I experience in some or all such tours.

Every journey has a planning and mine too had. I will be meeting thousands of Maithils at Faridabad and Sarita Vihar of Delhi and so I needed pamphlets. Written in hastily were proof-checked so (but

missed to mention Delhi's 7 parliamentary constituencies among 92 such where Maithils commands a result tilting influence) and this correction work was the first as soon as commenced journey in 8611 Ranchi-Varanasi intercity express.

I would need several papers and press statements and while xeroxing them Sri Dilip Thakur of Munger offered me to leave station also. I can not leave my duty/patient too early as duty OPD is up to 1830 and hence, it was a great help.

There was pre-Deepawali rush in that train which usually has few passengers and so the night journey was difficult, yet I could sleep on half-bench for four till I awoke in Bhojpur somewhere in the

morning when people were discussing election politics.

I asked someone where to stop for Ramgarh-Budhma (in 2007) to check whether the doctor son of Sri Jagdanand Singh(a Minister in Lalu-Rabri Cabinets) is practicing there in the village as he had told me on 15.8.1997 when I was incidentally put in his room in the MGM Medical College, Jamshedpur in connection with the NMO’s work. His father and grandfather have been winning there for near a dozen elections and have all infrastructures but no doctor. I had promised him that if he would be in village to serve would spend a week every year despite being anti-RJD person.

At Mugalsarai, the North-East express had

just left and I could get Howrah-Mumbai till Allahabad and corrected pamphlets sitting comfortably. There changed to Howrah –Jodhpur express for Kanpur standing some time and then again started correction of pamphlets sitting on the bundle of those in the bag.

A young man from army I could guess is from Saharsa and he was in fact from nearby Khagaria's Parbatta who not only corrected pamphlets till I got down at Kanpur .he took some to give it to his Maithil friends at Jodhpur cantonment and also asked me to contact his father Narendra Kumar a teacher for Mithila-Maithili work

From Allahabad already I had rang

Premkantji, though Shringeshji my fellow in the first Padyatra of Mithila in 1993 could not come Premkantji himself was present at the Sarvodaya Book Stall on platform no.1. That was a Pradosh trayodashee fast for me and we took a rickshaw straight for Ugna Mahadev Mandir of Shastrinagar where a meeting was also planned from 4 PM.

Maithils on Wheels- III

Kanpur though is an industrial city its history is quite old; even Mahakavi Vidyapati had mentioned it in his Bhu-Parikrama, informed Premkantji to the gathering assembled at Ugna Mahadev Mandir,

Whenever I think for Kanpur for Maithili work I recall a betel-shopkeeper of Jarail Chowk of Madhubani district who has

remarked on 23.5.1994 evening while I was on a cycle march that the maximum number of Maithils after Kolkata was at Kanpur. Incidentally he was Sringesh Mishra from Kanpur who had accompanied me in my historic Padyatra (16.10.1993-27.10.1993) and has remained always with me despite my very commanding habit on the accounts' aspect. He was the main worker behind organising 2nd International Maithili Conference at Madhubani (Jan.7-8, 1996) and he used to come to railway station if he is at Kanpur and my coach no. in passing train is known to him.

He once took me to Dr.Ramesh Jha's residence in Kakadev where a street is named on Dr. Jha's father and next time too I was a guest there. Probably he took me there so that I may live comfortably

but once I made a point to visit and stay Mishrajee's dilapidated house. I had been in his a home at Madhubani near J.N. College.

I do not know why any visiting worker big or small is kept at some big one's house? If such a worker is out of his house any worker's house is his house, at least I feel so. And at Kanpur hence I had been several times at Premkantji's house apart from once Shriballabhji's where this time again I was a guest as his house is near a point from where once can get vehicle easily for the station which I took next day morning.
Kanpur being in the mail line (Delhi-Howrah) I cannot easily count how many dozen times I had broke my journey there either for medical or Maithili meeting or few times for familial matrimonial work.
Kanpur is a city, which in Dinman (a Hindi

magazine of yesteryears) was reported to have highest number of TB patients. It must be because of industrial pollution but surprisingly in past few decades the industries of Kanpur had been mostly closed, notably cotton mills, in one of such I had once a Maithili meeting. But so what there are still many industries and once I had addressed a Maithili function in the Chamber of Commerce Hall and the other time at Sen Balika Vidyalaya where many Brajasth Maithils (who migrated from Mithila I pre-rail era due to Muslim terror. However the attendance was very much less there as compared to a Bangla programme in the dame premises though Maithils number must be many times than Bengales in the city.

My first Maithili meeting there was in Railbazar Saraswati Shishu Mandir where Premkantji teaches.

Kanpur is derived from Cownpore on a British Cawn had many years back a British who used to speak chaste Hindi as he became settled there. Once I listened to his Hindi on BBC.

The city is also related to several freedom fighters notably Ganesh Shankar Vidyarthi on whose name local medical college named and when at Khagaria once I recalled his name to one senior Mithila protagonist Rajkumar Vidyarthi, he surpassingly replied that his Vidyarthi tittle was in fact on the same Ganesh Shankar Vidyarthi. Once Premkantji had shown me the Companybag where Indian freedom fighters were hanged on tree after the unsuccessful Fist war of Indian Independence in 1857.

Now the left and right are equally strong there and so are the cast-politics heroes. The Bhatiya Jan Sangh had its first

conference there and so Bhartiya Majdoor Sangh had. Here in the famous DAV College, Vajapayee too was a student.

Thus time though again a Ramadan days. I did not find as many food shops as I had seen in a night many year back maybe I myself was on a fast for Trayodashee.

When we reached Ugna Mahadv Mandir already President and other some workers were there. I had been once there and they were very cordial and receptive to my address. It was decided that a unit of AMP would be soon there.

I took bath there and the priest whole-heartedly helped me performing Puja in a typical Maithil tradition.

In the meantime Dr. Malay Chaturvedi came there to meet me. Because of Dhanteras he could not arrange doctors' meeting. I told him it is the worship for the Amrit of Kalash and not merely of Kalash

which people practice by purchasing a utensil. He asked me to send an article on it. In 1989, I had written one such in Ranchi Express which I am yet to send him.

Shreeballabhji had brought very big –sized sweet for PRASAD, 4-piece of which he gave me to think it will take few more hours that rice etc. Would be ready in his house but I could not eat so much sweets and I had to give to the children of the Priest,

After the meeting I came with Shreeballabhji to his house where his wife had done all arrangements for my Paran. Since at Aligarh no meeting was planned the next day instead of Sharmashakti express in night I preferred to sleep there to catch early morning Rewa-Delhi Expresss.

Shreebalabhji has an earnest desire for calling Methyl scholars from al over the country proposed him for an International Maithili Conference by the 2006-rnd.

In my childhood I used to listen to Chanjorbhuja seller... Kanpur Kankaaaiyabali...us par chale Gadi bhari.the Ganga bridge I could not see the next morning while travelling through the late running Magash exoress to Delhi (Rewa Express was late). Once on a Hindu New Year, Varsh Pratipada I had been t the Ghat- whether in way to Lucknow I do not recall. Maybe the river would be polluted too much now de to population and industrial pressure.

Maithils on Wheels-IV

On 31st October 2005, at Kanpur, the late

Magath Express to N. Delhi was almost vacant as Biharis go eastwards during the festive season of Chhath, the greatest and the most arduous festival of Bihar. In the way there was Aligarh but this time I did not halt there as no medical meeting was arranged. Long back there I had also a meeting with the Brajasth Maithils- notably Pt. Banmali Pathak and Pt. Totaram Jha. They claim themselves Maithils but as they do not know Maithili there claim is weakened and particularly the other Brahmins of the locality tell them blacksmiths/carpenters. Brajasth Maithils say they came from Mithila during 114th century due to tyranny of the Muslims and had taken up the lower jobs for livelihood. Whatever their claim may be, I have no problem as I do not organize Maithils on caste lines-anyone who considers himself/herself as a Maithil is most welcome in my organisation. I have

attended the meeting of such non-Maithili speakers Maithils at Ajmer too in the past where they have a Shiva Temple and they had a school too in the past. Once there was such a Maithil also an MP. At Aligarh too which I prefer to call Harigarh, there such Maithils have a Dharmshala but I could not go there.

W hen I reached New Delhi station, I saw Jansadharan Express to Mithila region was over-packed. This time after many years, I was not going to Dr. Lal Chandra's house to stay as he had matrimonial discord. Though Ghanshyam of the Youth of Mithila (YOM) had mailed me that he can receive me, I always think if there is no time-pressing for the meeting or odd time, one should not waist other's time in reception or see off and Delhi was not new to me.

I had gone Delhi first in an ABVP (Akhil Bhartiya Vidyarthi Parishad) programme of Shaikshik Jagaran Jyoti (Educational awareness Lamp) which was lighted by none other than Jay Prakash Narayan himself. The-then post-National Emergency Janata Govt. too fared like the previous one and so successive Governments and hence, still the largest number of illiterates is in India despite such many programmes. But such programmes have one distinct advantage that one tours the cities. And despite my innumerable Delhi visits, I could not visit tourist spots as much in that the first visit- from Rajghat to Parliament's proceedings courtesy late Prof. Surendra Jha 'Suman', the then MP from Darbhanga for whom I too had worked in the election (which in fact was like a revolution in 1977) from Ashapur Chatti to Majhaura, Motipur,

Baigni, Nawada, Bahera, etc. While I was asleep, Karpuri Thakur, the great son of the soil had visited that Ashapur's election camp and had told not to awake Doctor Sahib (me) who must be tired of. Next time I could see him as my patient in my wards at the DMCH and he had told us referral to Delhi or not was ours choice." If my father or uncle will be ill, they will be treated here only", he had said and few months back while I had been to the DMCH, I saw his statue on the College Chowk; whoever might have installed there for any reason, he deserved that if it could not be given to any eminent doctor of the place is my view.

Still people go to Delhi for treatment from Mithila in good number. Had Mithila a State an AIIMS like institute would have been allotted but again it was

undeservedly Patina’s share which had already a few upgraded medical institutions.

Then more people go Delhi for jobs-menial or scholistically-stidents, officers or labourers, they go their in greatest number from Bihar and eastern UP than from any other part of the country is pointed out by the greatest rush in east-bound trains. Not long back there was stampede on the New Delhi Station and many Biharis had died.

When I took a bus for Kerawal Nagar, I asked a standing young child did he belong to Saharsa.”No but from Khagaria”, he said. “Do bande ko gadi me chadha aya, pulis 30-30 rupaya liya ghusane ko.Seet tha par bogy me tala band kar diya tha, rupaya milne par hi dhukne diya”, how innocently he narrated the police

extortion. Further he said that he did not bring the rickshaw he pulled as recently his rickshaw was stolen from the Gokulpuri. The rickshaw was from the nearby Babarpur garage of Tikki Sardar and he had to pay Rs. 6700 with interest though a new rickshaw costs Rs. 5000 only. I told to the person sitting on window side that it must have been act of the rickshaw owner. Now Mahesh Sharma, a carpenter by caste started tape-like,"Kitti Sardar has around 600 rickshaws. Only new rickshaw pollers 'rickshaws are stolen. There is a Bengali in the garage who is stealing rickshaws; he is drunk in daytime and awake in night (and does this stealing business); Kitti Sardar aged 50-60 always talks in abusive language with us. He moves on a motorcycle. He had a son and a daughter, both are fat. He gives us Rs. 20 per day as wage out of Rs. 50-60 he could

earn.” Bipin, brother of Rajesh Sharma of Mansitol Gohari, near Maheshkhunt had come Delhi only two months back. When he went to garage he saw his stolen rickshaw’s number 054 was removed but he had put red paint below the seat which was there and he could recognize his rickshaw but he was asked who is your witness he was asked when he had gone to Sardar with three-four ‘Pollers’? For the return ticket, etc. if he could save Rs. 300-400 then he would return home.
I asked him what ‘Polar’ is. He replied,” Rickshaw-puller.”

By that time the Red Fort was in front and I thought what was the meaning of Independence for Bipin like majority of the Indians. Of course, it is pride for Prime Ministers to unfurl the National Flag there and someone among them had also expressed,” My this desire of life has been

fulfilled."

I am not a La Parrie that I can construe a ,"The City of Joy" but not only that City of Joy every city to my opinion has joys over the tears of such Bipins and how this can be solved no one bothers. (I could hardly mention it in the next day's public meeting at Sarita Vihar where around 2000 persons from Bihar were restive to listen to the orchestra and my inaugural speech was like a hindrance to that amusement.)
I told Bipin at least in my any story I would make Kitti Sardar's daughter lifted away by someone(like the Jodhpur-bound army boy of Parbatta of the same Khagaria district had told me the previous day of the story of the abduction of an army man's wife by a rickshaw-puller of Mathura who could be recovered by the jawans when one of them had visited her in a brothel

after some months and she innocently told that she too was the wife of such an army man; that army man asked her to wait and without indulging in the bad act went to the cantonment and returned with jawans to rescue her.

(.....to be continued)

22nd July 2007- Maithils on the road

I was returning to Yadava Smriti around 1030 PM by walking from the Kepegowda Bus Terminus(Majestic popularly called on an old chowk named Majestic, though there is a Majestic Theater still I do not know which modern circle was previous this named chowk).

I almost return daily by walk for around a month and the roads and shops have familiar to me. N the left side I was also watchng the Bhuja shop where sometimes I purchase Murhi for Rs.5 which I take

some times in lieu of brekfstor evening snacks. N fact 22nd July being a Sunday in the morning I have taken that only and a tablespoonful of Halwa as a prasad to Gurudakshina utsav at Sheshadripuram for which I had postponed going to Hassan for a medicos meet to Aug.5,2007.In the afternoon Rajeevranjanlal, a young Maithil came for software engineers' meeting there and we could have foundation meeting of the National Software Engneers' Orgnisation(NSWEO) which I had thought to found when I was trtasferred to bangalore as Bangalore has around 15 lakh software engineers while USA's Silicon Valley had only12 lakhs and hence I used the term "Indicon Valley." For this city which has been called 'the Garden City.'

मिथिलामयविकलांगतासेमिनार - पटना,16 दिसंबर 2012

जखन 5 दिसम्बरकसमस्तीपुरकप्रोफ़ेसरपरमानंदलाभ 16 कपटनाविकलांगतासेमिनारमेआबयलेलकहलाहस्वीकारकयलेल कारनईतिथिधनबादमेप्रांतीयसम्मलेनलेलरखलछलजेओतुक्कअ ध्यक्षकबेटाकविवाहकव्यस्तताचलतेनहीभेल।परमानंदबाबुसकोनो पुरानजानपहचाननहिअछिजून 10, 2012 कपहिलबेरभेंटभेलछल-रोसडाककार्यक्रमछलआमैथिलीप्रोफेसरशंकरझा (जिनकासअरविन्दमहाविद्यालयपटनामे 9.5.2010 कमुज़फ्फरपुरकप्रोफेसरमदनबाबूद्वाराबताओलगेलछलहूँ, हमरभाषणभेलछलप्रांतभरिकमैथिलशिक्षकजतयजमाछलाहको पीजंचाईक्रममे) हुनकाहमरासससमस्तीपुरभेंटकरायकहनेछलखिंह।जून 10, 2012 कओएकस्मारिकाविकलांगतापरदयएकलेखलिखयकहलाहआबा दमेतकादाकेलाहजेहमहुनकालिखिकयफोनपरसूनादेनेछलियन्हि आ 13.10.2012 कहमरमीटिंगमेअयलाह - हुनकादेलियैन्हिआहुनकाअंतरराष्ट्रियमैथिलीपरिषदकअनुमंडलक अध्यक्षबनावल।

दिल्लीस 13.9 कलौटलापरटिकटलेलहुंजेप्रतीक्षासूचीसआरअसीभयरहीगेल।भी ड़छल - खूंटीकस्कूलीबच्चापटनाघूमयजाइतआताहिहेतुकाफीबर्थहुनक-

दोसरसहयात्रीजेअपनपितियौतछोटभाईकश्राद्धलेलपटनाजारहलछलाहसेहुनकशिक्षककेकहलजेदूबच्चाएकसंगसूतीएकबर्थखालीकयदेतीहमरालेलमुदासेओनहीतैयारभेलीह।टीटीईहमरादेखिचिन्हलेलकआपचासटकाओहियात्रीसलयहमराएकखालीभेलबर्थदयदेलक।धनबादस 14 करातिजागलसनआयलछलहूँ , हमरासूतबजरूरीछलसेभयगेल।भोरमेपटनास्टेशनपरस्नानपूजाठंढामेकयआरएँमअसमे ":आयुर्विज्ञानप्रगति"कझोराखालीकयहल्लुकभेलहूँआमहावीरमंदिरलगगाछमेतर्पणकजलखसामंदिरमेजापाछांबैसलरहलहुंजाबतदलसिंगसरायकप्रेमजीनहिबाहरअयलथि - भगवानकध्यानकमलोककेफोनेसाँझकमैथिलीमीटिंगलेलअधिककरैतरहलहुं - आसिमरियाघाटआश्रमकनागेन्द्रजीसाँझमेहमराअपनडेराभूतनाथलगलीजाईलेलपुनाइचकमैथिलीबैसारकस्थानवकीलपुरुषोत्तमबाबुकडेराअयबाकबातकेलाह।मोनमेछलजेओतयभूतनाथलगहुनकछोटमंदिरमेगीतापरछोटप्रवचनदेब।प्रेमजीकेसेहोपरमानंदबाबुसजानपहचानहमारासंगेगेलापर 13.10.2012 कप्राय:भेलछलन्हि। प्रेमजीवित्तरहितउजियारपुरकालेजमेप्राध्यापकछथिआपतानहीएहेनबिनावेतनबलाप्रोफेसरीकोनाआकहियाख़त्महेतैक।हुनकाविकलांगतासेमिनारमेशैक्षिकविकलांगतामेएहिप्रकारकविकलांगतापरसेहोबातउठल।प्रेमजीकहमारासअचानकजानपहिचान

27.11.2011

कदलसिंगसरायकमिथिलाधरनामेभेलैन्हीजहियाहमकनिदेरलेल ओतयपटनासजाय, समस्तीपुरप्रबुद्धनागरिककबीचसांप्रदायिकहिंसाप्रतिरोधीविधेयक कखिलाफबाजयचलीगेलछलहूँ।प्रेमजीकअनुसारओदिल्लीमेमिथि लासंघककाजमेसक्रियरहलथिआहमरनामसुननेछलथि।

9.6.2012

कहमराकहनेछलाहजेदलसिंगसरायमेओकार्यसमितिबैसारकरबादे ताहसेओ 8-9 सितम्बरकसरस्वतीशिक्षासदनमेकरबादेलाहआ

13-14.10.2012

कहमरासंगेरोसड़ाआसमस्तीपुरप्रवासकेलाहआफेरदिल्लीधरनामे छलाहआओतहुएकसमितिबनौलाह। एतेककमदिनमेओनिकटआबिअयलाहआहुनकेजोरपरहमकाल्हि रातिभरिजागिकयमैथिलीसन्देशतैयारकेलहुं - भरीदिननेसअलगरहीजेमधेपुरासम्मलेनमेसबकेभेटिजायत।जखन ओबुझलथीजेहमहूँअबैतछीहुनकानीकलगलैन्हि। महावीरमंदिरकबारेमेआईबिहारकमुख्यमंत्रीककथनपढलहूँजेओउ त्तरभारतमेनंबर 2 कदानपाबयबलामंदिरअछितविचित्रलागलकारणबिहारभारतकस बसगरीबप्रान्तअछिमुदाकीओकरगरीबीकसमुद्रमेअमीरीकटापूपट नानहिअछिजातयसबसपैघघोटालेबाजसबरहैतछथि।संभवजेओस बअपनअवैधकमाइकपरसेंटबजरंगबलीकेदैतहोथि।तिरुपतिकलड्डू

बिकाइतदेखिहमरमोनजरीजाइतअछिजेईहोबिहारीनहिआदावाबिहारीअस्मिताक।किशोरकुणालजहियाससिमरियाघाटकुम्भकविरोधकेलाहहमरानहिठीकलागैतछथिभनहिविश्वकसबसपैघहिन्दूमंदिर अंकोरवटकविष्णुमंदिरसपैघराममंदिरओबनालेथुहमहुनकाअज्ञानी आखलनायकआसंगहिमिथिलाविरोधीबुझैतछियेन्ही-जेमिथिलाविरोधीओकहेंरामवाहनुमानभक्तताहिकारणसअज्ञानी लिखल?

कुम्भमेबाधादेबाककारणखलनायकजेएकसरकारीपदपररहैतहुनकानहिकरकछल।

मंदिरमेमहगप्रसादनहीचढ़ेलहूँआनहियेमंहगलड्डूबुझीककरोसमंगल हूँ ,

पुजरीससेहोतुलसीपातजेओदेलथि।एहेननहिजेहमबहुतगरीबछिलेकिनजीवनसस्ताजीबाकआदतिपालनेछि।

प्रेमजीकसंगेफुलवारीशरीफकबससओतयजायलग्लाहूँकीखबरिभेटलहमराद्वारा 1993 सप्रथमआयोजितअंतरराष्ट्रियमैथिलीसम्मलेनजेलगातारजारीअछिकनामचोरीकेनिहारदूठामसअसफलभयतेसरठामकजोगाड़मेछथि-

जखनहमअपनएककार्यकर्ताकेसाँझकबैसारकबारेमेबतबैतछलियैन।हुनकविचारजेहमकेशमोकदमाकरीमुदाहमईनहिचाहलजेमैथिली एहीप्रकारेबदनामहो।" काठकीहांडीचढ़ेनादूजीबार .."

आजेकियोहमरसभहक़नामकचोरीकरैतअछिओहमरहीप्रचारबिना हमरकाजकेनेकरैतअछिकारणकाजकजेव्यापअंतरराष्ट्रियमैथिली परिषदकछैकसेआईधरीकोनोमैथिलीसंगठनकेनहीभेलैक।

अस्तु,

बसकबादटेम्पूसकिछुदूरजाबीएँमपीकआगाँआईसीएआरकपरिसर मेसेमिनारभवनमेपहुंचलहूँ।(क्रमशः)19.12.2012

20.12.2012- पटनाकवृत्त

अगिलाकिछुमिनटमेमधेपुरायात्रानिकलयकेपूर्वपटनाकवृत्तपूराके ली-

विकलांगताराष्ट्रियसेमीनारमेमैथिलभरलछलथि - आयोजकपरमानदबाबुआअध्यक्षस्वयमविकलांगजीकेकर्ण(ओ ह्य्देराबद्कमैथिलकार्यकर्ताबीकेकर्णकेनहिजनैतछलथि), पटनाविश्वविद्यालयकप्रोफेसरकंठआअनेकव्यक्तिजेमैथिलदरभंगा दिशिससआयलछलथि।मुख्यअतिथिदुर्गाबाबुविदायकराजदसम स्तीपुरअस्ताव्काराकइदहर्णदेलथिजेहमसोचनेछलहूँ . बादमेहुनकाहममिथिलाकमुख्यमंत्रीबनकनिमंत्रणदेलियैन्हिहुनक भाषणकाफीनीकछलन्हिआएहीविश्वासकसंगजेओजखनमामला विधयिकामेअपनसमर्थनएहेनकोनोप्रस्तावकेदेताहजाहिसविकलां गकेलाभहोइन्हि।

वक्तामेअनेकदिल्लीविश्वविद्यालयजेअनयुआदिसयुवा ,युवतीएकनेत्रहीनकपिलअलगविद्यालयकविरोधकेलकजकरबात एकपुर्व्राक्ताउठौनेछलाह-

हमकपिलकसमर्थनकेलहुंआअनेकएहेनमहँविभूतिकयाददियावल जिनकचर्चाभेलापरओविकलांगछलाहककरोध्याननहीअबैतछैकय था 'मैयामोरीमैंनहीमाखनखायो' गबैतसूरदासवामहँवैज्ञानिकस्टीवनहाक ..आदि एकलडकीआएकप्रोफ।श्रीमतीबागचीमहिलाकबिक्लान्गतापरवि शेषदृष्टिपातकरयकहलीह। अध्यक्षकर्णबेरबेरबाधामुक्तपरिसरआभवननिर्माणकबातउठौलाह ।स्टीलऑथोरिटीमेउपमहाप्रबंधकडॉमिश्राअपनशोधविकलांगतापर केलन्हिअछि।अध्यक्षडॉकर्णलगएतेक सूचनाछलैन्हिजेओहरबातपरटिप्पणीकरैतछलाहजाहिमेसमयबहुत होइतछल।हुनकप्रयाससजेअनयुमेआबएकविभागविकलांगतापर भयगेलअछिआएकविषयकरूपमेईआओतसबठामधीरेधीरेसेहमरा लागल। मानवअधिकारकमुद्दाउठलआअनेकबातक।प्रेमजीशिक्षिकविकलां गताकबातउठौलाह। हमरभाषणअंतमेभेलमनोहमहीसबसज्येष्ठहोई।डॉशकरबाबुमैथि लिशिक्षकनेताजे 18 पूराणकमूलवाक्यपरोपकारकबातकह्लन्हीओकराबढबैतहमअपन मांगलेलएकजुटहोमजरूरआह्वानकयललेकिनऐहोकहलजेविकलां गकेआवाज़उठबेपरीईहमसकलांगकलेललज्जाकबातअछि।हमर लेखछपीगेलछलजेविकलांगकेअसतबुझीलायाबिलटीनहिजकराब

ढबैतकहलजे 10
प्रतिशतआबादीकेनकारीदेशकउत्थानसंभवनहीताहिहेतुहुनकआन
मेधाकउपयोगकरू।चिकित्साकधरनाएहीविषयमेसुल्झायल।
बादमेभागलपुरकएकगुप्ताजीसबातभेलआअनेकमैथिलबंधुस।भो
जनकबादअपनासामानमेदेलपुष्पगुच्छ,
चदारिकसंगयात्राव्ययसेहोदेलगेल -
चारीसौकदेखावलटिकतादिखर्चकजगहपञ्चशतकनोटरांचीमेदेख
ल (जेहमरांचीलौटलाअपनभातिजआरआईटीछात्रकेदयदेल_
हमराकोनोकार्यक्रममेलिफ़ाफ़लेबकआदतीनहीअछि).
एकनवअनुभवलैतवापसभेलहूँ -
गेटपरसम्स्तीपुर्कएकशिक्षिकासप्रेमजीपरिचयकरौलाह।लाभ्जीक
चलतेमिथिलाएहीकार्यक्रममेलाभमेछल।प्रेंजीबजलाहहमनीकबजै
तछीसरस्वतीककृपामात्र।
मफेरजगदेबपथपरटेम्पूबदलैतप्रेम्जीकसंगपुनाइचकमोहल्लाअयल
हू।पुरुषोत्तमबाबुकडेरापरउमानाथबाबूअनेकयुवामैथिलआमार्गदर्श
कडॉरघुवीरमोची।कहकचाहीपटनामेपहिलबिसारठीकसअंतरराष्ट्रि
यमैथिलीपरिषद्लेलभेल।विस्तारसमिथिलाराज्यकबातराकह्लओस
बएहीपरएकपुस्तिकाप्रकाशनकबातकहाल्न्हीजेस्वीकारकेलहुं-
मित्घिलाकहाईवेपरबिठौलीलगएकजमीनआकार्यालयआन्दोलन
लेल।कह्लियेन्हीसम्मलेनकेस्मारिकानिकलीपाईजमाकरीओहिलेल
।फेरगीतापरछोटप्रवचनदेल,
पुरुषोत्तमबाबुकपत्नीकेकिछुमेडिकलसलाहदेल।स्टेशनतकछो

द्लाहअपनकारस।प्रेमजीसंगेभुजाखरीदालाहूँपुराणपरिचितदूकानस - मुंबईसइन्द्रजीतकफोनपाकिटकतिगेल- दिल्लिकएकयुवकमोनुकेहुनकाटिकटलेलपाईदेबकहलियैन्हि। प्रेमजीकेविदाकायल।

गीताप्रेसकदोकानमेगीता 2डायरी 013 कखरीदलआछोटगीताकमांग 2 रूपाबलाएकयुवकठाढ़ - केवलहिन्दीमेगीताचाही- जेनहीछल- हमकहलकेवलमैथिलीचाही - एकप्रतिहमरालगबांचलछल- देखिकहल 80% बुझैतछल(ओमगहीभाषीबंकुराबंगालमेबैंकमेकाजकरैतजेहमराविचारेमैथिली कबोलीअछि) . दयदेलियैकमुदाओपाईदेबकजिद्दकेलक 10 टकालेदोकानबलाकेडी 2- किताबवेदकसूक्तआगयाश्राद्धकलेल।स्टेशनपरगाडीमेबैसल्हूनज म्शेद्पुर्सलक्षणझाअध्यक्षलंबाफोन- मिथिलामहोत्सवलेल।अध्यक्जेविचारसैहकेन्द्रक। सूताल्हूनआरांचीमेउठाय्केबीचकेवलगोमोमेनींदखुजलछल - डेराआबिफेरअपनड्यूटीपर। रकोहुनाअधनींदाकरैतरांचीभोरमे।

काल्हि 17.12.2012 कभरीदिनमैथिलीसन्देशक 34मअंकपरकाजकेरति 230 बजेप्रेसकेछपय्लेलसामग्रीपाठवलमुदाएखनमालूमभेलजेएहीफॉ

ण्टकेजाहीपरईमेलफेसबुकमेचलैतअछिप्रेसकप्रिंटरस्वीकारनहिक रैतअछि- आदोसरदिहीक्रूतिदेवफॉण्टनेटस्वीकारनहिकरैतअछि। समस्तीपुरलगउजियारपुरकालेजकप्राध्यापकप्रेमजीकहलाहजेकहु नाकयमैथिलीसन्देशनिकलीजेबाकचाहीमधेपुरामेशनिरवि 22-23 दिसंबरकसम्मलेनमे-

यदिआईतीनपृष्ठफेरटाइपआसंशोधननहीभेलहमरकल्हुकारतिज ग्गाबेकारभयजायत।मोनअछितैयोपटनामेजेभेलसेलिखीकेपहिले धनबादकचर्चा।

13कदिल्लीसरांचीलौटलछलहूँआधनबादअंतरराष्ट्रियमैथिलीपरि षदकअध्यक्षधीरेन्द्रबाबुकबेटाकविवाहकप्रीतिभोज लेल 14 करातिमे।जाइतकालट्रेनमेकाफीभीड़छल।झारखण्डकमुरीकबादब न्गालकपुरुलियाजिलाछैक।

कियोकहलकजेबिहारपहिलेबंगालमेछलजाहीपरहमटोकलसेअशो ककसमयबंगालसेहोमगधकअधीनछलैक।प्रश्नओकरपाहिलेकेहो विदेहकराज्यओड़िसातकछलैककुशध्वजक।आनेकेवलपुरुलियाबं गालकेदेलगेलैकपूर्णियाजिलाककिछुभागबंगालकेदार्जीलिंगआकू चबिहारकेजोडयलेलदेलगेलछैक।नीकहोइतजेओहिसबकेमिलाके वृहत्तरमिथिलाककल्पनाहोइतजाकरराजधानीपूर्णियाहोइत।लेकि नईकेकरतजखनमिथिलाकहृदयमेरहयबलालोकमिथिलाराज्यविरो धीछथिआमिथिलानामधारीअनेकसंगठनकेमिथिलाभुगोलमेआबहूँ ताहिसकोनोमतलबनहिछन्हि।

अस्तुफोनकायलमिथिलेशजीमधुबनीभाजपाकजिलाचुनवमेगेलले

किनप्रमोदझापटनासपहुन्चबयलाजेस्टेशनपरअयलाहआदूनूगोटे ओतयगेलहुं।वरकनियाकेअशीर्वाद्दलेललिफ़ाफ़प्रमोदजीलगनहीछ लन्हीनेहमरालगलेकिनहममिथिलाकपीयरपरचालेलजेसीताजीक फोटोसंगपीयरलिफाफमेशुभहोयत।प्रमोदजीबादमेबजलाहजेपुतो हूकान्यकुब्जइंजीनियरछथिन्हताहिहेतुमिथिलाकपर्चादिबऔरोनीक भेल।

ओधोतीमेछलथिआहमराआलतेघुप्चुपखेलाहलेकिनरोसगुल्लामात्र (मात्राजुनीपूछूजेएकमैथिलपंडितकअनुरूपहमहूँकरीब 20 करिकार्डबनालेनेहोयब - छलमुलायमआबेशपैघ!). परसबलापंडितजीसआशीर्वादलेलकजेगोरकनियासवियाहहेतैक आफेरओमोनसप्लेटभरीदेबयलागल- संगमेहमरो ! संगठनमंत्रीप्रवीणजीरसगारीखेलाहलेकिनहमरासेपसंदनहीकारन तखनओरोसगुल्लानहीभयसिट्ठीगुल्लाभयजायत।पेटभरीगेलछल जिलेबीनहिखेलहूँआकोहुनाकनीबदामकहलुआ।

धीरेन्द्रजीकबहिनोईबीनाबभनगामासहरसाकसुनीलकुमारठाकुरसु प्रीमकोर्टमेवकालतकरैतछथि,

वाजीरावादमेरहैतछथिमैथिलीकप्रेमीआओतयकाजकरताह।

प्रमोदजीराजनीतिकरूपसमानसिकस्तरपरसक्रियछथिआहमराअ गिलाचुनावलेलएकनीकउमीदवारकसूचीबनाभाजपाकेअधिकारी केदेबकहलाह।हमकह्लियेन्हीसेठीकलेकिनआबहमराओतयकीहमर पूरणमित्रसबकिछुमोजरदेत।कहतचुनावलाह्लेलहमनौकरीछोडीदे

बजाहीमे 10-15 लेखकघाटाहमराजरूरभयजायत?
प्रमोदजीपिछलाबेरकहनेछलाहजेमिथिलामेएकआश्रमबनावेदकअध्ययनलेलछात्रतककउत्सुकछलाह -
प्रसिद्दनैयायिकबच्चाझाकगामनवानीकेछथिताहिहेतुईविचारअबैतछन्हिसेकोनोआश्चर्यनहि।
हुनकडेराजाहुनकबीमारमाता -
पिताकेकिछुसलाहदेलआहमरास्टेशनछोड़ीगेलाह।कानीदेरबादगाडीभेटलआफे

256 अंतरराष्ट्रिय मिथिला महोत्सव क जमशेदपुर 31.3.2013

हमरा लेल ई 256म मिथिलाक बाहर कयल गेल यात्रा छल

हमरा लेल ई 256म मिथिलाक बाहर कायल गेल यात्रा छल जाहिमे (286 मिथिला जागरण यात्रा अलावा) जकरा हमरास असंतुष्ट एक व्यक्ति पिकनिक कहैत छथि) जाही मे 1420 रातिक यात्रा भेल कहक चाही सचमे एक पिकनिक छल- अंतरराष्ट्रिय मिथिला महोत्सव क जमशेदपुर क सब्स प्रसिद्धा गोपाल मैदानमे आयोजित।

छरू काट मेला जंका मैथिलनी क स्टॉल सजल, बछक बलून स नभ पाटल, गरिमामय मंच , राष्ट्रीय गोष्ठी मिथिला राज्य, महिला सशक्तिकरण , झारखंडमे मैथिली क स्थान पर, युवा आई पी

आस द्वारा प्रदर्शनी क उदघाटन त 31.3 क राजकीय कोशागार स सांझमे आबी घंटा भारी उपयुक्ता हिमानी पाण्डेयक द्वारा भोजन प्रदर्शनीक उदघाटन (दोसर दिन अखबार मे ‘ देर रात तक डटी रही उपयुक्ता कोशागार मे ताकि मार्च लूट नही हो)।
महोत्सव्क उदघाटन भेल मैथिली के आठम अनूसूचीमे रखबय संघ प्रमुख सुदर्शनजी के वाजपेयी लग लय जायबला डॉ भूबनेश्वर प्रसाद गुरुमाइता आ अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद क अध्यक्ष डॉ कमलकान्त झा द्वारा ।मुख्य अतिथि स्थानीय संसद डॉ अजय कुमार काफी विनीत भाव प्रगत करैत हमरा प्रति गेलाह (ई जनला पर जे हुनक सगी माधवी क भाई डॉ रवीन्द्र सुरंगे। इंग्लैंड मे संप्रति हमर निकटतम कार्यकर्ता रहला छि ज्कहन ओ पांडिचेर्री मे छत्र छल)।
सांसद डॉ बालमुचू हमर कथन मैथिल प्रभावित 68 लोकसभाके विधानसभा बुझलथी (ओना एतय सब 81 म मैथिल प्रभावित अछि) – हम बातचीतमे कहलियाईंही यदि काँग्रेस मिथिला राज्यके मनी लाइट अछि त ओकर 15 सीट लेल संजीवनीक काज करताईक (ओना ई बात भाजपा पर सेहो लागू)- यद्यपि हम काँग्रेस क एक बैनर पर आपत्ति केने छल आ हटवा देने छलियाइक ई कही जे 10,000 टाका ओहि कार्यकर्ता के वापस कय दी आ भाजपाक सेहो बैनर नहीं टंगत चाहे कतबों पाई दियाय। अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद कोनो दल क आखाडा

नही छाईक लेकिन जे काज करत ओ सम्मान फायट आ मंच स हम अर्जुन मुंडा क तिथिश: आलोचना कायल जे ओ द्वीतीय राजभाषा, लोकसेवा आयोगमे मैथिली सबमे ठगलाह आ लगाइट अछि एही सार्वजनिक भाषणक सूचना चलते ओ फोन केलखिनह बादमे (‘आवे,’ त हमर कार्यकर्ता बिना हमरास पूछने कहलखिनह- ‘सांस्कृतिक कार्यक्रम चल रहा है, जैसा सोचें)।
मंच अंतरराष्ट्रिय छल- कनाडा, अमरीका आ नेपालस प्रतिनिधि छलाह आ सब कार्यक्रम चुस्त दुरुस्त। दोसर तेसर दिन अखबार मिथिला राज्यआ आन खबरी स भरल छल।
हमार कथन जे अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद मे पूर्व अध्यक्ष सेहो अध्यक्षजका प्रमाणित भेल पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण झाक सक्रियतास , पूर्व अध्यक्ष गोपी रमन चौधरी सेहो सक्रिय। दूनू ज़िला क अध्यक्षा (गंगा शर्मा, सी अन झा सक्रिय) आ युवा महासचिव प्रमोद आ राजीवक अलावे डॉ रवीन्द्र चौधरी, डॉ अशोक अबिचल नीक कार्यकर्ता जका सब किछू क संचालन करैत आ एक एक विभाग लेल अनेक कार्यकर्त्ताक टोली। प्रांत उपाध्यक्ष एंनजीयर महेश्वर शाह, रांची स सपरिवार।
भोजन क नीक व्यवस्था(अधिक खेलक चलते लौटला पर हमार पेट खराब) – प्रांतस आ न आन प्रांत स गरिमामय उपस्थिती- कवि सम्मेलन उछ कोटिक बुद्धिनाथ जे एक दहाड़- एहिस कम किछू ने चाही (मिथिला राजी स)- श्यामल सुमन, सरसजीक सरस गीत ।

मिथिलास कल्पकवि उमेश कर्ण , डॉ खुशीलालल झा आदि। मिथिला पेंटिंग क स्टालल कोइल्ल्ख्क आशा झा क ।छत्तीसगढ़ क सुरेन्द्र पाठक, मनीष आ अशोक चौधरी। कोडरमास पंचानन मिश्रा क आ हुनक पत्नी रेवती मिश्रा, डॉ बूचरू पासवान, डॉ शिव प्रसाद यादव। अररिया स मिथिला पार्टी क अध्यक्ष सुधीरनाथ मिश्रा कोलकटास महासचिव रतनेश्वर झा (हम पाग नहि पहिरब जबत मिथिला राज्य नहि) भागलपुर, डॉ शंकरदेव झा, दरभंगाक आलेख पाठ। युवा कॉंग्रेस नेता विजय खान भव्बिभोर।आदि ।

महिला सशक्तिकरण गोष्ठीमे संयोजिका डॉ ममता झाक अदम्य उत्साह, अरुणा झा , अंतर राष्ट्रीय मुक्केबाज अरुणिमा मिश्राक भाषण, अध्यक्षता प्राचार्या डॉ उषा शुक्लाक - उपस्थितमे डॉ रीना झा (जिनका देखी हुनक डेरा असमक गोलाघाट आ गाम सुखसेनामे पिताजी डॉ गोबरधन झाक याद आयल)। बबीता मिश्रा, सरोज झा आदिक गरिमामय उपस्थिती छल ।

सांझमे प्रश्नोत्तरीमे कियो पूछल्लह – 'हम बांकाके ,सूचना नहि छल। ' कहलियाईंही ' आब जुड़ी जाऊ आ ओतुक्का अध्यक्ष श्याम बिहारी मिश्राक नाम काहल ' कलाकार रामसेवक ठाकुरक कथन जे हर ज़िलास कियइक नही? ' लोक हर ज़िला मे अछिउ जतय चाही अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद कार्यक्रम करा सकाइत अछि लेकिन सब थाम सब आबठी एहेन निर्देश नहि

देल जाइत अछि
दोसार दिन उदघाटनमे पी फ आयक्त जय कुमार झा क कथन पेपर वर्क पूरा काय अद्वोकेसी करी- सीनेयतर राजेश शुक्ला जे- मैथिली पी जी मे कोलहन मे शीघ्र आयत।
एही महोत्सवक याद बहुत दिन तक रहत – एकर पूर्ण संयोजनमे युवाक भागीदारी छल।

हमरबोकारोयात्रा_२८.१२.१३

बोकारोस्टीलसिटीनेजानिकतेकबेरगेकहोयब-
पारिवारिककाजसँकारणओतयहमरजेठ
बहिनआएकमसियाउटबहिनआमामासेहोरहैतअछिलेकिनसांगठनिककाजसँसेहोई३६मयात्राछल
२१.८.१९९२कश्रीतुलानन्दमिश्रसँबातभेलछलजाहिसमयओबहुतसक्रीयछलाहआ२८.८.२०१२कमात्रहुनकसाक्षात्कारभयसकलछल
आकहकचाही
२८.७.२०११कबैसारकबादई२८.१२.१३कबैसारछललेकिनएहीबेर
व्यवस्थितछलनगीनाप्रसादमहतो,
अध्यक्षमिथिलाराज्यनिर्माणसमितिकद्वाराआनबकार्यसमितिकअ

नेकयुवाकचलते –
गाडी पसेंजेरचुनकचलतेरांची- बोकारोख़ासकंयटाटीसिलवे – सिल्लीकबीचकमनोरमदृश्यअबैत-
जैतजरूरदेखलहुंबहुतदिनबादठीकसँलेकिनपन्हुचयमेबिलम्बभेल आपांचेकगोटेचलिगेलछलाहतथापिदर्ज़नभरीछलाहजेवर्षांतकछुट्टी कअछईतकमनहि.
पत्रकारसेहोछलथिआफोटोसंगद्वितीयराजभाषाकबातअबैतकालप्र भातखबरआजागरणमेछपलभेटल .
सालकईअंतिमदिनहमपटनामेहोमबलाविकलांगतापरएकसेमिनार लेलरखनेछलहूँमुदा२६.१२रातिमेओकरआयोजकसँबातभेलआ२८. १२कदूघंटाकउद्घाटनसत्रलेलकोनोख़ासआग्रहनहिकेलन्हि.
ओहुनाहमईतयकयलेनेछीजेआबबहुतठामनहिजायब – कतहुजाईत१५-
२०मिनटकसमयभेटतवानहिकारणआईकाल्हिपूछनेताकेछैककार्य कर्त्तावाविद्वानक
नहिआताहिहेतुईसुनिश्चितकयलयमेलाजनहिजेव्यक्तित्वआसंगठ नकदृष्टिसँसभामेस्थानभेटयजाहिमेहमरकोनोअहंकारनहिअछिवर नसमयकसदुपयोगअछि – यदिमेडीकलवा
मैथिलीकअपनसंगठनद्वयककाजमेगेलहूँकिछुकाजहोयतआअख़ बारमेसमाचारसेहोछपतजाहिमेअपननामसँबेशीसंगठनकनामआमु द्राएनाईआवश्यक.

शुक्रकरातिमेकेकॉलड्यटीकरत ?(हमरमंगल, शुक्रआपहिलआपंचमरविहोइतअछि)
सेहोझंझटीछलआपाचमरविरांचीरहककछलयानीशनिकएकमात्रउपयोगकोनोलगकजगहमेसंभवछल – पतरातूपूछल – एनकेझाकहलाहपूछिकदोसरदिनकहब – जमशेदपुरतैयारनहिभेल – तखन बोकारो – अमीरीजीदेररातिचलतेफोननहिउठौलाहलेकिननगीनाजीतैयारभी गेलाह – समय११बजेराखल – लेकिनभोरमेठंढमे६बजेस्टेशनगेनाईकठिनलागलआ७.५५कपसिंजेरचुनलहूँआपहुचलहूँ – टिकटलैतकाल५००मेवापसकबदलापांचसौकखुदरादयदेलकआ हमरनोटसेहोवापसकेलकजेट्रेनमेदेखल – वापसकरयलेलकिछुवेमिनटमात्रछल – एकसहयात्रीकहलककियेकवापसकरब , कोनोगरीबकेंदयदेबैक ..हमकहलियैकहमाराअपेक्षाओकिरानीगरीबअछिआसामानदेखक हीबढ़ीलेडीगार्डआड्राईवरकेबतावलजेगाडीरोकनेरहयआफेरप्लेट फार्मफानिगेलहुंआवापसरुपयादयट्रेनमे – खालीट्रेनमेनैसर्गिकवातावरणदेखैत – डेरामेदेलरोटीतरकारीआखरीदलपपीताखेल्हून – मोनछलअन्कुदीसेहोकेलीलेकिनएकादशीचलतेपियौजमिलीनेजाय
...३स्टेशनबादट्रेनरोकीअल्लेप्पीएक्सप्रेसकेपारकरौलकलागलगल

तीभेलवैहपकडकछल – किछुमासपूर्व बोकारोमेपारकेनेछलआहमछोड़ीधनबादलेलबैस्लाहूआओतहुकनि केआगाँ – पाछाँआयलछललेकिनएहीबेरकाफीअंतरभयगेल. मुरीकबादपुरुलियाजिलाबंगालक छैकआपोखरीमेरक्तकमलएक –दूमेछलैकसेनहि भेटल –बिभूतिआनंदकमिथिलादर्शनमेछपल 'बाबाकएकटागामरहनि' पढयलगलहूँ . नीकलिखलाहअछि – बोकारोस्टीलसिटीस्टेशन (बोकारोथर्मलअलगस्टेशनगोमो – बरकाकानामार्गपरछैक) बहुतदिनबादउतरलछलहूँ – ट्रेकरस्टैंडकपुरानस्थानगेलापरमालूमभेलओआबवामाचलिगेलअछि –१२मोड़ (ओनाबोकारोमेलोकअंगरेजीमेसेक्टरलेलजनवृत्तनहिबाजतलेकिनएहीबेसारमेएककमुंहसँजनवृत्त सुनलहूँ) – ओनासेक्टरफोर, नाइन, सिक्सएतचलईतछैकलेकिनबारहलेलटवेलवनहि... बाजकआदती लेलध्वनिगम्यशब्दकेंभेनाएआवश्यक ईबारहमोड़खुदीरामबोसेकनामपरचौकअछि – अखनधरीप्रतिमाहुनकनहिछनि – बैसारस्थल- मिथिलाकप्रतीकमैथिलकालीमंदिरएतयअछिआनीकपरिसरजेगर्मीमेकोनोसम्मेलनकरकलेलनीकजगह – ओहिसम्मलेनमेदुर्गासप्तशतीकमिथिलास्वरूपपरगोष्ठीहोसेविचारदेल (द्वितीयम 'ब्रह्मवादिनी' हेबाकचाही 'ब्रह्मचारिणी' नहिसेमूलपाठकछायाप्रतिदेखावल ..

बैसारबादनगीनाप्रसादमहतोजीकडेरा – फेरमिठाई आपूरीतरकारी – सामनेलागलपानकलत्तीसँकिछुजडीलेल . बिनाकथआचूनकेंएकपातप्रतिदिनखेबाकविचारभेल – जरूरएंटीओक्सिडेंटभेटत अकेझाजेप्रथमअंतर्राष्ट्रीयमैथिलीसम्मलेनमेसक्रियछलाहकेडेराबं दभेटल – मसियौतबहिनरेखाकडेरामे Vअ/३०२४ गेलहुँ – किछुपानकजडीलगावल – जानीदेरबादबहिनोईप्रकाशअयलाहजिनकादुर्घटनासँदूनूपैरलोथ लेकिनजीवटीलोक- ऑफिसकरैतछथि- स्वयमकारचला VI/ब४०५६तकअयलाहजतयपाठकजी, तारिणीबहिनआबैंकमनेजरभागिनपवनठाढ़छलाह – अरविंदकेजरीवालकताजपोशीकखबरीचलैतरहल – दोसरदिनरविभोरमेनयामोड़परदर्जनोंबोलेरोनरेन्द्र मोदीकसभालेलरांचीजाएत – लेकिनलिफ्टलेनाएठीकनहिलागलजखनओहीसभामेनहिजेबाक निर्णयलयचुकलछलहूँ – प्रभातखबरआजागरणकिनलहूँजाहिमे 'मैथिलीद्वितीयराजभाषाझारखंडकमांग' छपलछल२८.१२कसमाचारफोटोसंग. फेरवैहट्रेन - कोटशिलामेएकवामनचढलाह – भूजलचनाबेचैत – हुनकफोटोलेलआफेरआग्रहपर 'जयजयराधे' कभजनतीनरिकॉर्डकरेलाह उत्साहसँ- आनभइए – सबलंबाकहानीआतीनसंतानसेहो –

हमप्राकृतिकदृश्यदेखयआफोटोखीचयमे – एकपोखरीमेरक्तकमलदेखल – फोटोनहिलयसकलहूँ - बिभूतिआनंदक ‘बाबाकएकटागामरहनि’ पूराकेलहूँ – हुनकसासूकफोननहिलागलजेनमबरलेबधाईदियैन्हीनीकलिखलले ल - उम्हर जयजयराधेसामानबेचयछोड़ीजापकरयमेरांचीतक – भक्तकतहुपूजाकय लईतअछि – १०रूपा एहुंकजेबीमेएहिनाघुसादेल – रांचीउतरिमिथिलाहनुमानमंदिर (जेमोटियासबबनौने छथि) दर्शनकेबध्लाहूँ – आराकएकयुवकलिफ्टदेलक आकनियेदेरमेडेरामेछलहूँ ... आनलपानकजडीलगवावल - १६मॉसबादक्वार्टरछोड़यपडत- पाठकजीपूछनेछलाहआभुनकिछुसोचुकतयरहब ? जेरहटसेपानभवनकेचढायतनगीनामहतोजीजकां ..



फोटो- बोकारोबैसार



२. वामनभगवन



३. मिथिलाहनुमानमंदिर (रांचीस्टेशनकदक्षिणहटियादिशीबढलापरट्रेनसबामादिखायतपहिलमंदिर , जेमिथिलाकमोतियाद्वाराबनाओलअछिआपराया: केवलमोतियाद्वाराबनायलअसगरमनदिरहोयतई)

हमरा लेल ई 256म मिथिलाक बाहर कयल गेल यात्रा छल

हमरा लेल ई 256म मिथिलाक बाहर कायल गेल यात्रा छल जाहिमे (267 मिथिला जागरण यात्रा अलावा) जकरा हमरास असंतुष्ट एक व्यक्ति पिकनिक कहैत छथि) जाही मे 1279 रातिक यात्रा भेल कहक चाही सचमे एक पिकनिक छल- अंतरराष्ट्रिय मिथिला महोत्सव क जमशेदपुर क सब्स प्रसिद्धा गोपाल मैदानमे आयोजित।

छरू काट मेला जंका मैथिलनी क स्टॉल सजल, बछक बलून स

नभ पाटल, गरिमामय मंच , राष्ट्रीय गोष्ठी मिथिला राज्य, महिला सशक्तिकरण , झारखंडमे मैथिली क स्थान पर, युवा आई पी आस द्वारा प्रदर्शनी क उदघाटन त 31.3 क राजकीय कोशागार स सांझमे आबी घंटा भारी उपयुक्ता हिमानी पाण्डेयक द्वारा भोजन प्रदर्शनीक उदघाटन (दोसर दिन अखबार मे ‘ देर रात तक डटी रही उपयुक्ता कोशागार मे ताकि मार्च लूट नही हो)।

महोत्सव्क उदघाटन भेल मैथिली के आठम अनूसूचीमे रखबय संघ प्रमुख सुदर्शनजी के वाजपेयी लग लय जायबला डॉ भूबनेश्वर प्रसाद गुरुमाइता आ अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद क अध्यक्ष डॉ कमलकान्त झा द्वारा ।मुख्य अतिथि स्थानीय संसद डॉ अजय कुमार काफी विनीत भाव प्रगत करैत हमरा प्रति गेलाह (ई जनला पर जे हुनक सगी माधवी क भाई डॉ रवीन्द्र सुरंगे। इंग्लैंड मे संप्रति हमर निकटतम कार्यकर्ता रहला छि ज्कहन ओ पांडिचेर्री मे छत्र छल)।

सांसद डॉ बालमुचू हमर कथन मैथिल प्रभावित 68 लोकसभाके विधानसभा बुझलथी (ओना एतय सब 81 म मैथिल प्रभावित अछि) – हम बातचीतमे कहलियाईंही यदि कॉंग्रेस मिथिला राज्यके मनी लाइट अछि त ओकर 15 सीट लेल संजीवनीक काज करताईक (ओना ई बात भाजपा पर सेहो लागू)- यद्यपि हम कॉंग्रेस क एक बैनर पर आपत्ति केने छल आ हटवा देने छलियाइक ई कही जे 10,000 टाका ओहि कार्यकर्ता के वापस कय दी आ भाजपाक सेहो बैनर नहीं टंगत चाहे कतबों

पाई दियाय। अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद कोनो दल क आखाडा नही छाईक लेकिन जे काज करत ओ सम्मान फायट आ मंच स हम अर्जुन मुंडा क तिथिश: आलोचना कायल जे ओ द्वीतीय राजभाषा, लोकसेवा आयोगमे मैथिली सबमे ठगलाह आ लगाइट अछि एही सार्वजनिक भाषणक सूचना चलते ओ फोन केलखिनह बादमे (‘आवे,’ त हमर कार्यकर्ता बिना हमरास पूछने कहलखिनह- ‘सांस्कृतिक कार्यक्रम चल रहा है, जैसा सोचें)।
मंच अंतरराष्ट्रिय छल- कनाडा, अमरीका आ नेपालस प्रतिनिधि छलाह आ सब कार्यक्रम चुस्त दुरुस्त। दोसर तेसर दिन अखबार मिथिला राज्यआ आन खबरी स भरल छल।
हमार कथन जे अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद मे पूर्व अध्यक्ष सेहो अध्यक्षजका प्रमाणित भेल पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण झाक सक्रियतास , पूर्व अध्यक्ष गोपी रमन चौधरी सेहो सक्रिय। दूनू ज़िला क अध्यक्षा (गंगा शर्मा, सी अन झा सक्रिय) आ युवा महासचिव प्रमोद आ राजीवक अलावे डॉ रवीन्द्र चौधरी, डॉ अशोक अबिचल नीक कार्यकर्ता जका सब किछू क संचालन करैत आ एक एक विभाग लेल अनेक कार्यकर्त्ताक टोली। प्रांत उपाध्यक्ष एंनजीयर महेश्वर शाह, रांची स सपरिवार।
भोजन क नीक व्यवस्था(अधिक खेलक चलते लौटला पर हमार पेट खराब) – प्रांतस आ न आन प्रांत स गरिमामय उपस्थिती- कवि सम्मेलन उछ कोटिक बुद्धिनाथ जे एक दहाड़- एहिस कम

किछू ने चाही (मिथिला राजी स)- श्यामल सुमन, सरसजीक सरस गीत ।

मिथिलास कल्पकवि उमेश कर्ण , डॉ खुशीलालल झा आदि। मिथिला पेंटिंग क स्टालल कोइल्ल्ख्क आशा झा क ।छत्तीसगढ़ क सुरेन्द्र पाठक, मनीष आ अशोक चौधरी। कोडरमास पंचानन मिश्रा क आ हुनक पत्नी रेवती मिश्रा, डॉ बूचरू पासवान, डॉ शिव प्रसाद यादव। अररिया स मिथिला पार्टी क अध्यक्ष सुधीरनाथ मिश्रा कोलकटास महासचिव रतनेश्वर झा (हम पाग नहि पहिरब जबत मिथिला राज्य नहि) भागलपुर, डॉ शंकरदेव झा, दरभंगाक आलेख पाठ। युवा कॉँग्रेस नेता विजय खान भव्बिभोर।आदि ।

महिला सशक्तिकरण गोष्ठीमे संयोजिका डॉ ममता झाक अदम्य उत्साह, अरुणा झा , अंतर राष्ट्रीय मुक्केबाज अरुणिमा मिश्राक भाषण, अध्यक्षता प्राचार्या डॉ उषा शुक्लाक - उपस्थितमे डॉ रीना झा   (जिनका देखी हुनक डेरा असमक गोलाघाट आ गाम सुखसेनामे पिताजी डॉ गोबरधन झाक याद आयल)। बबीता मिश्रा, सरोज झा आदिक गरिमामय उपस्थिती छल ।

सांझमे प्रश्नोत्तरीमे कियो पूछल्लह – 'हम बांकाके ,सूचना नहि छल। ' कहलियाईंही ' आब जुड़ी जाऊ आ ओतुक्का अध्यक्ष श्याम बिहारी मिश्राक नाम काहल ' कलाकार रामसेवक ठाकुरक कथन जे हर ज़िलास कियइक नही? ' लोक हर ज़िला मे अछिउ जतय चाही अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद कार्यक्रम करा

सकाइत अछि लेकिन सब थाम सब आबठी एहेन निर्देश नहि देल जाइत अछि

दोसार दिन उदघाटनमे पी फ आयक्त जय कुमार झा क कथन पेपर वर्क पूरा काय अद्वोकेसी करी- सीनेयतर राजेश शुक्ला जे- मैथिली पी जी मे कोलहन मे शीघ्र आयत।

एही महोत्सवक याद बहुत दिन तक रहत – एकर पूर्ण संयोजनमे युवाक भागीदारी छल।

271   2.2.2014 Rajrappa

271   1   2.2..2014   Rajrappa
2.2.2014   Ramgarh

फेर स्थानातरण स्थानीय हेल्थ सेंटर पर… पनिशमेट पोस्टिंग खिसियायक मैनेजमेट द्वारा जत एमडीक नहि एमबीबीएस के पोस्ट छैक

2.2.2014 रविक छुट्टी छल आ रायपुर एस खडानानाद जी आ उग्रेश जी के अग्रह जे विद्यापती पर्व मे जरूर आबी- स्वीकार केलाक बाद देखल जे हिंक कार्यक्रम ७ बजे सांझ एस हमर

लौतक ट्रैन ६३० मे - अमेरीनाथ झा आमर', अध्यक्ष, झर्लहनद, अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिशद जा रहल छथी - एहन मे एक स्थन पर दू अधिकारी गेनाई सेहो संगठनिक दृष्टी एस गल्ट(एहन मे वरीय के नाम छपाइत छिक आ दोसर के परिचय हरा जैत छैक) - सोचलुन पतरातु भय आबी वा टाटीसिलवे वा
स्थानीय रातु नही त डेरा पर रही कागजात सरियायब --बात एही मे कोनो नही बनल आ रामगढ़ फॉन केला पर कमलकांत चौधरी के स्वीकार - औ बैसाब।. संघ के पूर्व सम्भाग प्रचारक ज्ञानब्रह्म पाठक के फॉन जे अयब - भाउज इला पाथक के भोजन ब्नायब(१९९० मे ओटय प्रक्टीस कराइत काल कै दिन खुवैत छलीह) - पूछलियन्ही अब रजरप्पा कटेक देर? ४५ मिनट ? छोट बहीन बिन्दु कहलक भागिनी नेहा , प्रिया न्ही गेल अछि(इन्दु के बेटी दूनू बी कॉम, एम कॉम मे पधाइत रांची मे) ..द्र आ के झा खलाह हमरा संगे लौताब .. भोर मे स्नान पूजा काय रतु रोड फर रामगढ़ - रास्ता चौदा भेल ४- लेन - बहुत साल बाद ठीक एस देखल बदलाल शहर - रजरप्पा - मदिर मे लेकिन भीड़ मे २.५ घंटा बाद दर्शन एही मन्दिर के विशेषता- भैरवी आ दामोदर नदी के संगम पर - पुरुष प्रतीक दमाओदर ऊपर प्रत्यालीढ मूर्त्ती तंत्रिक संधना के उपरती मैथुन मुद्रा ... एही पर इंद्रनरायन झा के किताब कफी लोकप्रिय छनी ... लोक अपन मनोकमाना लय अबाइत छथी माइया के दरबार मे मां छिन्नमस्ता रजरप्पा के दर्शन भेल - श्खडा मे सेहो छिन्नमस्ता के

दर्शन भेल छल २३.१।२०१४ के .. २३।१। हमर छिन्न भेल विवाह के तारीख छल आ २ फरबरी के रजरप्पा छिन्नमस्ता भगवाती के दर्शन जत्य हम पहिल बेर अपन माय के संग गेल छलहुन आ दोसर बेर पत्नी के संग १९८९ मे vivah k turant baad je teen mas me kewal 32 din हमर sang रहलीह आ तही लेल हम एही टेसर यात्रा मे किछू न्ही मांगल ---एक छिन्नमस्ता एस दोसर छिन्मस्ता के यात्रा मनो एक कडी अछि-

जलदी मे रामगढ़- उतराइत उतराइत सिमरी राजनगरके अविनाश सिंहस परिचय(नेहा कहलक मैथिल छथी) मैथिली संदेश देल - आई बात भेल काज करताह - महानगर महामंत्री सुरेश मल्लिक्के हुनके नम्बर देल

ज्ञान मन्दिर मे भोजन- मनींद्रजी आयलाह - रांची रोड , नैसरी(रामगर्ध) अल्ग अरविंद फ्लर मिल शिवमंदिर मे बैसर- चहुता के क्मलनाथ चौधरी, रसियारीक नगेंद्र झा, दमोदरपुर के जयकृष्न झा, हवी बहुअर के उपेन्द्रा झा, कैना(समस्तीपुर) के मनींद्रा नरायन झा, तरौनी के राजीव थाकुर, खरौ के शकर ठाकुर आ बढ़ोइया के मोहन कुमार झा(तय भेल जे १६।२ के बर हिया हमर पहिल मीतिंग करौताह)

रमगढ के अजसु के विधयक चंद्रप्रकाश चौधरी के अपन मैथिली विरोधी रवैया (जे ओ विधान सभा मे चन्दन कियारी के विध्यक

उमकांत राजक के संग देने छलाह मैथिली के द्वितीय राजभाषाक विरोध मे) अन्यथा मैथिल हुनका हरबय्य मेस्कश्म काकरो वोट देत - ई प्रेस वक्तव्य डेल जे दोसर दिन सब थाम छपाल (आ अब लगतर ओही दूनू क्षेत्र मे जेबाक योजना achhi) - फर विद्यापती चेतना समिति के खरीडल ५ दिस्मिस्ल जमीन देख्य ४-वे लेन - फर वापस ज्ञान मन्दिर - आ ज्ञांजी के संग राजस्थान कलेवालय के मिथाई –dr. a के झा, jarail के संग वापसी।..

270_11-12.1.2014- सिन्दरी, धनबाद आ आसनसोल

11.1.2014 विद्यापति परिषद, सिन्दरी, धनबाद

12.1.2014 विद्यापति परिषद, आसनसोल

जय मिथिला......... जय मैथिली
११-१२ जनवरी २०१४क नियारने छलहूँ जे बहेड़ा (दरभंगा)मे मैथिली कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण वर्ग होयत लेकिन ओतय वा आनहु कतहु मिथिलामे ई संभव नहि भय पायल ठिठुरैत जाडक चलते – एहि बीच पूरा दक्षिणी भारतमे पिकनिकक मौसम रहैत अछि से सिंदरीमे ११.१क हेबाक सूचना देखने छलहूँ फेर जीवकांतजीसँ बात भेल – कहलाह एहिमे रत्नेश्वरजी आ राजीव झा (कवि

एकांत) सेहो अयताह – एक कार्यकर्त्ताक नाते हिनका दूनूक प्रति हमरा सदैव स्नेहभाव रहल अछि ई जनैत जे हमर कहियोकेंकोनो संगठनसँ सम्बन्धके चलते ई सब संगमे आबिकें सेहो प्रतिगामी भय गेलाह - राजीव झा अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् ने कहियो नहि रहलाह लेकिन हुनक अपना मोने कयल अनशनकें हम समर्थन नहि केने छलियैन्ही कारण - अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क मत छैक जे मुद्दाकें भावनात्मक नहि बनेबाक चाही जाहिसँ व्यक्तिवाद पनपैत छैक - सम्माजिक जागरणक ई बहुत नीक माध्यम नहि अछि तहुमे कोनो अल्पज्ञात वा अज्ञात व्यक्तिक द्वारा जाहिमे ओकर किछु नाम भनही भय जाओ उद्देश्यक सफलता सामाजिक मुद्दाक लेल समाज बीच जागरणसँ होइत छैक –ताहिमे ओ फेर ४ दिनक बाद आमरणक घोषणा केने छथि –

रत्नेश्वरजीकें हम उच्चैठक करिया कहित छियन्ही जे जाहि डारी पर बैसल तकरे काटय छथि- तखन भगवतीक अनुकम्पा मात्र हुनका वा किन्कहूँ कालिदास बना सकैत छनि- हुनक मोनमे सुप्त मिथिला अग्नि हमर भेंटसँ कहियो जाग्रत भेल छनी लेकिन ओ ज्वाला तखने होयत जखन बसात बहत संगठनक, ई बिना बुझने ओ पन सम्बन्ध अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्सँ विच्छेद करक आत्मघाती आ अनुशाशनहीनताक काज सेहो केलथि, लेकिन ओ वा कियो एहन जे किछु करैत छथि से मिथिलाक नाम

पर ताहि लेल कोनो बात नहि – जे मोन होइन्ही करथि प्रचार मिथिलाक जोइत छैक अंततः.

एक बेर विचार भेल जे २ दिनक छुट्टी अछि –४ मास पूर्व सिंदरी गेल छलहु कियक नहि राउरकेला – रायपुर भय आबि- राउरकेला लक्ष्मण झाकें फोन केलियैन्ही - ओ सब बहुत प्रसन्न भेलाह जे हम आयब आ शनि नहि रवि १२क ओतुक्का पिकनिकमे आबि से कहलाह ..रायपुर उग्रेशजीसँ बात आ भिलाई रमेशजीसँ सेहो बात भेल. बैसार तय भेला पर देखल जे आसनसोलमे सेहो १२क वनभोजक सूचना अछि जाही लेल पिछला साल विपिनक बहुत आग्रह छल - आ टिकट लेल देखल त रायपुर जाई लेल लंबा प्रतीक्षा सूची – तखन राउरकेला आ रायपुर भिलाईसँ क्षमा मांगल- ओना रांचीमे सेहो १२क एक कैलेंडर विमोचन लेल जयंत झा कहने छलाह लेकिन जाहि तरहे ओ सब दरभंगासँ आयल एक महामनाकें चोरावल बैनरक संग देने छलथि ताहि लेल शुक्र १०क एक समूहक आ १२क दोसर संस्थाक कैलेंडर विमोचनमे जेबाक मोन नहि भेल (जखन कि ई संस्था हमर बनायल अछि) – हमरा लगैत अछि मिथिलाक संस्थामे व्यक्तित्वक ओझराहौट अधिक अछि आ क्वचित स्वार्थी आ क्वचित महत्वाकांक्षी लोकक उपस्थिति आ अंतत: हमरा सन सिद्धांतवादी व्यक्ति एहू महालकें छोडिक निकली जाय एहिमे आश्चर्य नहि.

आब ओना हम प्राय: निर्णय लय लेने छी अंतरराष्ट्रिय मैथिली

परिषद्क कार्यक्रमक अलावे अन्य ठाम कम जाई, जाबत जेबाक उपयोगिता स्पष्ट नहि हो आ घोंघाउज बलामे कथमपि नहि – तथापि जीवकान्तजीक आग्रह पर सिंदरी- आ बगलक आसनसोलक कार्यक्रम बनौलहूँ – जे कहक चाही दूनू सफल रहल.

१०क राति हटिया स्टेशन पर टिकट लेबाक समय लागल जे एक धोती झोडासँ खासि गेल – लेकिन ओ टेम्पू स्टैंड लग कियो ऊपर राखि देने छल - ट्रेनमे बैसल छलहूँ कि डेरासँ फोन – भगिनी रोहिणी ढाई सालक ओकरा हमरा निकलैत काल कनिए उल्टी भेल छलैक से फेर ३-४ बेर भेलैक – एक बेर मोन भेल ट्रेनसँ रांचीमे उतरि जाई, ठीक रहला पर अल्लेप्पीसँ भोरे चलि जायब- लेकिन फेर पैघ भगिनी कहलक जाऊ आ बहिन अस्पताल सीरप लेब गेल – ड्यूटी डाक्टरनीके बता देल.

धनबाद साढ़े तीन बजे ७ नंबर प्लेटफार्म पर उतरलहूँ, ठंढ छल, ५ नम्बर पर गेलहुँ – प्रवीणजीकें बजेनाई ठीक नहि लागल- २ घंटा बाद फेर ७ पर अयलहूँ लेकिन पसेंजर लागल ५ पर – सिंदरी टाउन स्टेशन पर दोसर बेर – फेर उजडल शहर (खाद कारखानाक बंद भेला पर)क क्वार्टरक छत पर पैघ-पैघ भेल घास देखैत शहरपुरा- बगलमे विशाल मिथिला भवनक परिसरमे एक बेर फेर- हर बेर ओतय जाइत छी त जवाहरजीक आ जीवकांतजीक व्यथा ध्यान अबैत अछि जे ओगरि रहल छी एहि

मिथिला लेल संपत्तिकें अप्पन घर-डेरा बिसरि.

की नहि अछि ओतय (स्नान पूजाक बाद) आगत प्रतिनिधिकें संग देखलहुं- अति पैघ परिसरमे दू दिशिसँ द्वार अछि, फुलवाडीमे झंडाक स्थान अछि, विद्यापतिक पैघ मूर्ति- जाहिमे लाल रंगमे माछक निशान संग मिथिलाक आध्यत्मिक झंडा फहरायल जाएत अछि. मिथिला भवनमे एक कार्यालयीन कक्ष आधुनिक कम्पूटर- इन्टरनेटसँ सज्जित अछि आ मुख्य भारती-मंडन सभागारक संग कक्ष तिरहुत कर्मकांड कक्ष आ उगना निवास, लखिमा सभागार अछि ; मुक्ताकाशमे विद्यापति मंच आ ओहि पर स्थित अछि वाचस्पति पुस्तकालय, तपोवन आध्यात्मिक कक्ष, आचार्य उदयन सभागार, विभांड योगशाला, अयाची सांस्कृतिक कक्ष आ गोसाईं कीर्तानागार.

हम अनेक बेर सिंदरी गेल छी २७.३.१९९३, २८-२९.३.१९९४, १४-१५.८.१९९३, १६.४.१९९४(विद्यापति पर्वमे अतिथि), ४.९.१९९९क छोटानागपुर मैथिल संघक संविधान पढने रही, १६-१७.१२.२०१२, २३.१२.२००७, १८.४.२०१०, १४.९.२०१३क अंतर राष्ट्रिय मैथिली परिषद्क छठम प्रांतीय सम्मलेनमे -

हमरा याद अछि जे जहिया हम पहिल बेर सिंदरी गेल छलहूँ मिथिलासँ न्यूनतम दूरी पर अवस्थित भेलाक चलते हमरा माथमे आयल छल जे ओतय हर जिलासँ प्रतिनिधि बजा प्रशिक्षण वर्गक आयोजन हो (जेना नागपुरमे संघ हर साल अपन तृतीय

वर्ष लगबैत अछि)- ओ योजना हमर पूरा नहि भय सकल यद्यपि प्रशिक्षण वर्ग अनवरत चलि रहल अछि आ ४३ भय चुकल अछि आ आब मिथिलामे सेहो एहेन केन्द्रीय स्थल चिदात्मानजीक कुटीर, कालीस्थान, सिमरियाघाट एहेन काज लेल सदैव उपलब्ध अछि आ बछवाड़ा लग एक दोसर आश्रमक तैयारी- श्री सुधीर शास्त्री द्वारा शीघ्रहि बनी जायत. लेकिन सिंदरीक एहि विशाल परिसरक उपयोग मिथिला-मैथिली काज लेल हमेशा होइत रहय एहि लेल प्रबंधक जवाहरजी आ जीवकांतजीक आग्रह कतेक स्नेहिल अछि एकर प्रमाण दिनक गोष्ठीक बाद भेल बैसारमे तुरत फेर भेटल जे धनबाद जिलाक सब गतिविधिक केंद्र ई बनय .

यद्यपि दूरीक कारण हर कोनसँ हर कार्यक्रम लेल सबकें बजेनाई उपयुक्त नहि (जाबत धनबादक लॉ कॉलेज लग मिथिला कॉलोनी नहि बसी जाएत अछि भाडा लय / तम्बू कनातमे हजारों खर्चक बजाय) विद्यापति पर्व एतहि सामूहिक हो से विचार हम देलियेन्ही – ओना अब नगरनिगम एक अछि आ एतुक्का लोकप्रिय निगम पार्षद श्रीमती अजन्ता झा (जे चंदनकियारीक साठघड़ा मैथिल परिवारमे गेल बंगलाभाषी वधु छथि लेकिन शीघ्रहि मैथिली बाजय लगतीह से लोकक आग्रह पर ओ बजलीह) हर कार्यक्रममे उपस्थित रहैत छथि .

वस्तुत: गंगाक दक्षिण मिथिलाभाषी एतेक छथि जे यदि सब ठाम अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क सक्रिय इकाइ बनी जाओ

निश्चितरूपेण एहेन सर्वसुविधासम्पन्न मिथिला भवनमे अनेकानेक कार्यक्रम होयत आ झारखण्ड क मध्य अवस्थित ई स्थान पूर्णकालिक कार्यकर्त्ताक निवास लेल केंद्र बना संगठन करय प्रवास लेल ई समुचित जगह होयत. सालमे ३-४ एहेन कार्यक्रममे कार्यकर्त्ता आबि एकर बनबयबला नीवक पाथरसँ प्रेरणा लय सकैत छथि . ११.१.१९९४क सांझमे अंगुल(ओरिसा)सँ एक इंजीनियर ब्रजकिशोर झाक फोन आयल त ओ कहलाह कोना अपन छात्र जीवनमे ओ सब एहि परिसर लेल खटल छथि - दोसर दिन १२.१.२०१४क दोसर दिन साहित्यकार कृष्णकान्त जी ओहि समयक संस्थाक अद्यक्ष बी पी सिन्हा साहेबकें बारेमे बतौलाह जे हुनक सदाशयतासँ कोना परिसर प्राप्त भेल

एहेन प्रेरणास्पद स्थान पर मिथिला राज्य पर गोष्ठी भेल. जीवकांत मिश्र सबहक स्वागत करैत अपन शुभकामना देलैन्ही आ राजीव झा (कवि एकांत) कें संचालन लेल आग्रह केलन्ही – फेर हमर नामक प्रस्ताव अध्यक्षता लेल भेल - रत्नेश्वरजीक पहिल दीर्घ भाषणमे मिथिला राज्यक औचित्य पर समीचीन प्रस्तुति छल आ ओ अपन मिथिला परिक्रमाक विवरण रखलन्हीआ राजीव झा २०१३मे मिथिला राज्यक लेल अपन कयल ४ दिनक धरना -अनशन आ फेर २१.२.२०१४सँ मिथिला विश्वविदयालयक दूरस्थ पाठ्यक्रममे मैथिलीक समावेश लेल आमरण अनशनक बात रखलन्ही- ओ पारदर्शिता पर जोर देलाह

.

राजीव झाक सञ्चालनमे अनेक वक्ता अपन बिंदु रखलन्ही –– धनबादक प्रोफ. जी. सी. झा आ कई एक वक्ता राज्य आन्दोलनकें मिथिलाक भूमि पर एहेन चर्चाक बात रखलाह - बोकारोसँ पैघ समूह्क संग आयल आयल अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क प्रांतीय अध्यक्ष श्री अमीरीनाथ झा 'अमर' संचालक पर बिगड़ी गेलाह जे ओ सब वक्ता पर लंबा टिप्पणी कियैक दैत छथि त अध्यक्ष की बजताह आ अंत धरि नहि किच्छु बजलाह. अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क, बोकारो, उपाध्यक्ष श्री सुशील कुमार झा आ श्री गंगेश पाठक एहि लेल अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद्क संग देबाक बात केलाह – बोकारोक श्री सुनील मोहन ठाकुर संक्षेपमे अप्पन बात रखलाह जे संगठित होई – ओ मिथिला राज्य निर्माण सेना द्वारा कयल जा रह्ल काजक सराहना केलैन्ही - श्री शीतल मिश्र मिथिला राज्यक मांग लेल एक सशक्त संगठन बनबय लेल सब मैथिली संगठनक बैसार बजेबाक लेल आह्वान केलन्हि . अतिवृद्ध पत्रकार बनखंडी झा अपन आशीर्वाद देलन्हि . प्रमोद कुमार झा बंगलादेशी घुसपैठसँ मिथिलाक बदलैत जनसंख्या समीकरण पर ध्यान खीचलैन्ही आ ओ रत्नेश्वरजीक पारिवारिक दलक विरोध केलन्हि. कलकतासँ आयल युवा इंजीनियर अरविन्द आपसी खींच-तानक विरोध केलन्ही -

अध्यक्षक नाते हमरा छूटल बात पर किछु बाजक छल से हम झारखण्ड –बिहारमे मैथिली द्वीतीय राजभाषा पर जोर देलहूँ आ मिथिला राज्यक प्रबल संभावना रखैत सब मैथिली संगठनसँ एकर संग देबाक आग्रह केलियैन्ही.

विद्यापति समिति सिंदरीक अध्यक्ष श्री अजीत कुमार मिश्र धन्यवाद ज्ञापन केलन्ही.

आइ दिनांक ११.०१.२०१४ कें विद्यापति परिषदक त्तवावधान मे मिथिला राज्य आन्दोलन,मिथिला राज्य, विहार तथा झारखण्ड मे मैथिली भाषा कें द्वितिय राज्य भाषाक दर्जा पर परिचर्चा एवं महाभोजक आयोजन भेल । परिचर्चा मे सिन्दरीक अलावा धनबाद, चासनाला, भुली, बोकारो, कलकत्ता, दिल्ली, राँची, मधुबनी वेनीपट्टी सँ प्रतिनिधि लोकनि अपन..अपन विचार रखलन्हि ।

सभाक कार्यक्रम प़ारम्भ मिथिलाक अध्यातमिक जीतक प़तिक लाल रंग पर माँछक छाप रूपी मिथिलाक झंडा फहरायल गेल, जे अर्न्तराष्ट्रिय मैथिली परिषदक अध्यक्ष श्री धनाकर ठाकुर कएलन्हि संगहिं महाकवि विद्यापतिक प़तिमा पर माल्यार्पण विद्यापति परिषद सिन्दरीक अध्यक्ष श्री अजित कुमार मिश्र, महसचिव श्री जीवकान्त मिश्र, जवाहर लाल चौधरी, मदन मोहन झा, विद्यापति समितिक अध्यक्ष श्री शिवकान्त जिश्र, महासचिव श्री शीतल कुमार मिश्र, कोषाध्यक्ष श्रि कर्ण जी, प़ो. जी.सी.झा,डा. ठाकुर, श्री ए.एन.झा. श्री ए. एन.झा महासचिव,

भूली, श्री अमीरी झा, बोकारो, श्री रत्नेश्वर झा, अखिल भारतिय मिथिला पार्टीक महासचिव, एवं कवि एकान्त राजीव झा तथा अन्य...... ।

सर्व सम्मति सँ निर्णय भेल जे समस्त मिथिलाक मैथिल संस्था एक अछि, संयुक्त रूप सँ एक होउ, मिथिलाक माँटि पर उतरल जाय, जे राजनितिक पार्टी मिथिला राज्य के समर्थन मे आगा नहि अयता हुनक चुनाव घोषना मे मिथिला राज्यक माँग नहि रहत तँ हुनका वोट नहिं भेटत.. ।

ध्वनि मत सँ इहो निर्णय भेल जे विहार तथा झारखण्ड मे मैथिली भाषा कें द्वितिय राज्य भाषा के रूप मे सम्मिलित हो । इस परिपेक्ष मे राइज फोर मिथिला सँ श्री राजीव झा "कवि एकान्त" जी २१,०२.२०१४ सँ एल.एन.यू. मे मैथिली के सम्मलित कएल जाय के माँग लय कय अनिश्चित कालीन अनशन करबाक घोषणा कएल गेल तदोपरान्त धन्यवाद ज्ञापण भेल तथा जय मिथिला जय मैथिलीक नारा सँ गोष्ठीक समापण भेल ।

जीव कान्त मिश्र

महासचिव

विद्यापति परिषद, सिन्दरी



चूँकि हमरा एकादशी छल – हम चूडा –दही खेल्हून - संग देलैन्ही बोकारोसँ आयल अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक अमीरीजी. दोसर दिन श्री शिवकांत मिश्रसँ आसनसोलमे सूनलहूँ जे खिचडीमे एतेक घी छल जे लागैत छल जे बादमे की होयत स्वास्थ्यकेजे जीभकेंएतेक नीक लागल – हम तरकारीक नाम पर हरियर मटर सोह्बा आ पापड़ संग खेल्हून .

यद्यपि हमरासँ रत्नेश्वरजीक विरोधक मुख्य कारण हुनक वामपंथक प्रति निष्ठा छहि हमरा ओहिसँ कोनो अंतर ताबत नहि पडैत अछि जाबत ओ धोती पहिरैत छथि आ माता जानकीक पूजा करैत छथि. एहेन व्यक्तिकें हम वामपंथी नहि मानि सकैत छी यद्यपि हुनक द्वारा अनेक अनुशाशनसँ हटल काज कयल गेल आ एहिसँ आन्दोलनकें हानि भेलैक अछि ओना ओ वा कियो मिथिला लेल जे किछु करैत छथि से सब नीक ई हमर मत अछि जाहि पर जीवकांतजी सेहो सहमत छथि.

ओना हम सबसँ पुरजोर आग्रह केलियैन्ही जे १९५६सँ गडल मिथिला राज्यक मांगकें हम ऊपर अनलहूँ ई एक ऐतिहासिक

सत्य अछि. हम एहि माँगक पुरोधा डॉ लक्ष्मण झा वा जानकी नन्दन सिंहक बनाओल कार्यकर्त्ता नहि छी से यदि कोनो जीवंत चलैत संगठनक रहितहूँ त नीक लागैत (वल्कि कहक चाही हमर १९९२मे एहिमे प्रवेशक पुर्वहि तखन राज्य बनि गेल रहैत) लेकिन एहि लेल कियो आगाँ बढ़ी काज कार्य करताह हमारा प्रसन्नता होयत .. आइ अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक जे कार्यकर्त्ता अलग भेलाह अछि ओ अपन समस्या वा भावनासँ, एहिमे हमर दोष नहि अछि आ राजीव एकांत सन जे अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक कार्यकर्त्ता नहि रहलाह, क लेल सेहो हमर सन्देश अछि जे अपन निर्णय स्वयम नहि ली – एक समूह बनाबी आ ओकरा संगठनक रूप दी.

ई बात आयल जे कियो किन्कहूँसँ १० लाख टाका आन्दोलन लेल लेने छथि ताहि पर हम कहने छलियैन्ही जे हम किन्कहूँसँ पाई नहि लेने छी आ जे किछु एकाध प्रतिशत एकरा धंधा बनेने छथि ओकरा समाजकें जानक चाही (आ जे हमरा कतहु किछु भेटल ओकर रिकॉर्ड अछि जेना आसनसोलमे मैथिली सन्देश लेल भेटल पैंतीश रूपया- ई बात अलग जे हमरा सन 'आम आदमी'कें संपन्न लोक चन्दा सेहो नहि देताह लेकिन हम स्वाभिमानी किनकहूँ एहि लेल 'मिथिला रत्न' नहि बना देब जे हुनकासँ किछु प्राप्त हो – जरूर कहैत छी जे जे जमा करैत छी

ताहिमे ७५% खर्च करू आ शेषकें बचा अपन संगठनकें दी जाहिमे अगऊं जकाँ एक सूप हर सिल्लीसँ अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदकें – लेकिन ई नहि भेटल आ ताहि लेल अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक इकाई सब ठाम खोलल गेल ओना एहि स्थानीय मानसिकतासँ जमशेदपुर हटिया, बंगलोरक मैथिल ऊपर नहि उठि सकलाह जकर बिना कोनो महासंघ नहि चलत भनहि ओ कोनो एक पैघ व्यक्ति वा संगठनक द्वारा चलायल गेल हो आ ताहि लेल सिंदरीमे बनल १९६७ आ १९८४क मिथिला महासंघ वा बादमे १९९९क छोटानागपुर मैथिल महासंघ नहि चलल – एहिसँ ऊपर उठिक सबके सहभागितासँ अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक निरंतरता अछि पिछला २ दशकसँ – एकरा सबकें मजबूत करक चाही – सब दिन नब संगठन समन्वय लेल ठाढ़ केलासँ की लाभ?

११.१.२०१४क सांझमे शिवकांत मिश्रजी अपन गाडीसँ हमरा प्रमोद जीक घर लग धनबाद क हरिमंदिर लग हीरापुरमेछोडलाह आ उतरईत काल याद करौलाह जे ओ के छथि ? वस्तुत: हम हुनका बहुत साल बाद देखल आ चिन्ह नहि पायल छलियेन्ही. – हुनक ज्येष्ठ भाई संघचालक छलथि दरभंगामे जहिया हम मेडिकल छात्र छलहूँ – ओ सिंदरीमे गोष्ठीक बाद भेल एक बैसारमे राजीव झा एकांतक एहि बात पर बिगड़ी गेल छलखिन जे मैथिल भाजपाक विरोध करय – वस्तुत: हमरा सबके ने ककरो विरोध वा समर्थन करैत अपन बात राखक आदत हेबाक

चाही –

धनबाद पहुँचैत -पहुँचैत वर्षा होमए लागल आ ठंढ बढ़ी गेल - रात्रिमे प्रमोद झाके डेरा पर नीक भोजन आ फेर विश्राम – हमर भगिनी आब ठीक भय रहल छल -

१२.१.१४ भोरमे उठी तैयार, भेलहुँ लागल सुस्वादु जलखिईक चक्करमे साढ़े आठक आसनसोल पसिंजर छूटल, लेकिन प्रमोदजी बाएकसँ छोडलाह – हुनक बीचमे पूछल प्रश्न की समाज एहिना पहिन्हू छलैककें उत्तर हम देल हँ – तखन ने कौरवक संग पांडवसँ अधिक लोक .. सामाजिक मान्यता धीरे-धीरे बदलैत छैक – ओहिमे क्रांतिकारी परिवर्तनक अपेक्षा नहि करक चाही ..

टिकट लेलहूँ, गाडी किछु बिलंबसँ आयल आ भेटल – समाचार पत्र खरीदल जाहिमे सिन्दरीक खबरि फोटोसंग छपल छल –

सिंदरी _ आसनसोलक मिथिला पिकनिक

१२ जनवरी २०१४क

आसनसोल स्टेशनक बाहर ‘तिलोत्त्मा’ नमक पुरान छोटी लाइनक इंजिन राखल छैक – रौदमे ठाढ़ भय प्रभात खबरमे स्वामी विवेकान्दक जीवन पर छपल विशेष सामग्री जे ट्रेनमे पूरा

नहि पढि सकल छलहूँ पढईत रहलहूँ- कालिकापुर जयनगरक विपिन शांडिल्य अयलाह आ सीधे नगरक बाहर घाघरबूढी काली मंदिर लग वनभोज स्थली- पहिले दर्शन कयल – शंखक बहुत पैघ मूर्ति देखि अचरज भेल आ व्यवस्थित पूजा (चढ़बय लेल प्रासादादिक पाकेट पर भक्तक नाम लिखल आ पढ़ी पूजा करबैत) देखि नीक लागल.



एतय जलखाईक तरकारी आ भोजन बिना पियौज लह्सूनक जे हमरा नीक लागल. ध्वनि विस्तारक यन्त्रसँ अनेक चंडी स्तुति जाहिमे किछु हम रिकॉर्ड केलहूँ विडियो कैमरामे –
स्वामी विवेकानंद क जन्मतिथि छल आ हुनक पैघ चित्र राखल ककर बगलमे हमरा संग रहयबला महाकवि विद्यापतिक चित्र आ बैनर से लगायल



सब कियो पुष्पांजलि देल – जय जय भैरवीक सामूहिक गायन – महिला सबहक पांति पुरुषसँ पाछाँ लेकिन स्वतंत्र रीतिसँ बादमे पूरा भेल – पुरूष आ स्त्रीकें एक गाडी जकाँ संग चलय पड़तैक आ मैथिल संगठनमे हुनक सहभागिता हेबाक चाही केवल भोजन बनेबामे नहि – पुरूष बैसलाह बैसार केलाह लेकिन महिला अलगहि अपन गप्प करैत रहलीह – जरूर ओहिमे कियो हमर संबंधी सेहो हेतीह लेकिन पता नहि चलल – पुरुष पातक परिचय भेल- अधिकांशक गाम हम गेल छलहूँ-

धनबादक वृद्ध साहित्यकार कृष्णकांतजी अपन पुस्तक 'त्रिधारा' भेंट केलन्हि – बहुत साल बाद भेंट भेल छल – ओ अनेक संस्मरण सुनैलन्ही जे रिकॉर्ड केलहूँ -

अध्यक्ष श्री नारायण झा, महाप्रबंधकम, कोल इंडिया, एक सुलझल व्यक्तित्व – बेनीपट्टी लगकें– सांस्कृतिक कार्यक्रम लेल

अंतत: २००४सँ छूटल, से ९.२.२०१४क होयत राजमहलसँ आयल सुनील ठाकुरक जोरदार अपील पर तय भय गेल – मोनमे आयल कहियो राजमहल जायब- कहियो हथिदह स्टेशन पर एक मैथिल भेटल छलाह, नंबर सेहो देने छलाह, नहि जा सकलहूँ –

फेर मिथिला चेतना परिषद्क आजीवन सदस्यता १७ गोटे तत्काल लेलन्ही- आसपासक बर्नपुर- रानीगंज आदिक प्रतिनिधिकें भार देल गेलैन्ही सांस्कृतिक कार्यक्रमक प्रचार आ संग्रह लेल.

अंतमे हमर भाषण भेल – ओही समय लोड शेग – शुरू केलहुं लेकिन किछु मिनट बाद लाइन आबि गेल – हम अपन अयबाक प्रयोजन आ मिथिला राज्यक भूमिका राखल. बादमे अध्यक्ष नारायण झा अपन संगठनक पूर्ण सहयोगक अनुमोदन केलन्हि- कईएक मैथिल भेतालाह- भट्टसिम्मरी गामक एक युवा कहलाह जे हम हुनका ट्रेनमे कहियो अपन 'मैथिलीगीता' देने छलियैन्ही- भोजक आयोजन फेर ओहिना लेकिन एतय खिचडी नहि भात दाली तरकारी सब बिना पियौजकें सिवाय मांस (जे हम शाकाहारी खाएत नहि छी - तीन शाकाहारी अलग टेबुल पर खेलहूँ)- शिवकांतजी आइयो छलाह – ओ एहि संस्थाक संस्थापक छथि आ एतहि रहैत छथि – एखनहि सेवानिवृत्त भेलाह अछि –मोनसँ दोसर टेबल पर स्वयम रसगुल्ला परोसैत छलाह – हमर टेबुल पर नहि अयलाह नहि त अओर खाय पडैत

–

अलग-अलग ठाम एक समान मैथिल रहि जीवित अछि- ओहिमे अधिकाँशसँ हमरा भेंट करक सुअवसर भेटल अछि- एक युवा बैएकसँ स्टेशन छोड्लाह- रांचीक ट्रेन छूटी गेल छल – बोकरोक पसेंजर लेल - कोटशिलामे मुरीक पसिंजरक बदला बोकारो जा लौटक विचार भेल – ओतय कम ठंढा हेतैक- लेकिन ट्रेनमे मुश्किलसँ दू-चारि लोक- एक सरकार पदवीबला बंगाली राधागाँव उतरल – मालूम भेल अनेक बंगलाभाषी गाँव झारखण्डमे छैक यद्यपि ओ सब हाट बाज़ार लेल झालदा-पुरूलिया जाएत छथि – एहेन विभाजनकें ठीक करक चाही – हुनका कहलियैन्ही कहियो हम आयब – यदि कहियो हमरासँ संभव भेल एहेन विसंगतिकें स्थानीय जनाकांक्षाक अनुसार ठीक करबायब- सम्पूर्ण भारत एक अछि –

बोकारोक प्रतीक्षालय जानल-गमल – फेर एक रातिक किछु घंटा बीतल – आ पाटलिपुत्र एक्सप्रेस अयला पर जाकय सूतलहूँ - रांची बाद नीन खुजल लेकिन कठहरकोचामे नहि रूकल – हटिया स्टेशन जा टेम्पूसँ बिरसा मोड़ आ फेर दिबडीह – डेरा अय लहूँ - भगिनी आब ठीक अछि ..भगवतीकें धन्यवाद.. नेट पर देखलहुं जीवकांतजी सब समाचार आ फोटो देने छथि, ताहि लेल अलसा गेलहुं आ तुरंत नहि लिखल –

हम आसनसोलमे डॉ गुणेश्वर झाक कथन ६०-६५ आ ६५-७०

आयुक बीचक अंतर कहने छलहूँ– ६०-६५ बला जवाहर्जी, शिवकांतजी हुनक सहपाठी हिटलरजी (चन्द्रमोहन ठाकुर), जीवकांतजी सन अनेक व्यक्ति यदि ६५ तक लागी जेताह त ने केवल राज्य भेटत, ई जल्दी भेटत आ बनखंडी बाबू, कृष्णकान्त झा सन वृद्ध मिथिला प्रांत देखि शांतिसँ स्वर्ग सीधा जेताह (मिथिलामे मरयबलाकें भगवान रामक वरदान) ..फोटो आसनसोल घघर बूढी में शंखक मूर्ति , मैथिल thaadh जय जय भैरवी में

289_1.1.2015_छत्तीसगढ़ अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषद् पुनर्गठित, अध्यक्ष श्री कार्तिकेश झा महासचिव श्री उग्रेश झा





289- 4.1.2015, मुंबईमे हमर अध्यक्षतामे भेल मिथिला दर्पण संगोष्ठी

मिथिलाकआर्थिकविकासडॉमहादेवझाअहमदाबाद।मिथिलाविकासगुजरातमॉडलविवेकानंदझा .

सूरत।विजयचंद्रझाअखिलभारतीयमिथिलासंघमिथिलाकसांस्कृतिकविकासआसमन्वयडॉसुनीलझाआईआईटीखड़गपुरमिथिलामे सहकारिता]













4.1.2015_जखन मिथिला गौरव क सम्मान प्रदान करए हमर नाम अचानक पुकार भेल आ गीत नादक माहौल मे एक पंक्ति बाजक अनुरोध आयोजत संजय कएलन्हि हम - उपस्थित मैथिलीभाषी एवं मैथिलीप्रेमी समुदाय, जाबत भारत आ नेपालक राजनीतिक भौगोलिक मानचित्र पर मिथिला नहि आबि जाइत अछि एहि गौरवक खास अर्थ नहि ओना माननीय मोहन भागवत

लग इ बात पहुँचा चुकल छी, ओ पन्तप्रधानकेँ कहि इ करबवथि से हमर प्रयास रहत.



मिथिला दर्पण क विद्यापति पर्व कान्दिवली मुम्बई मे जनसमूह

353- प्रयागराज अर्धकुंभ मेला (15 जनवरी स 4 मार्च 2019) मे 26-27.1.2019

26.1.2019 Jouney_12303

26.1.2019 Praygraj

27.1.2019 Praygraj Bidhuji sang

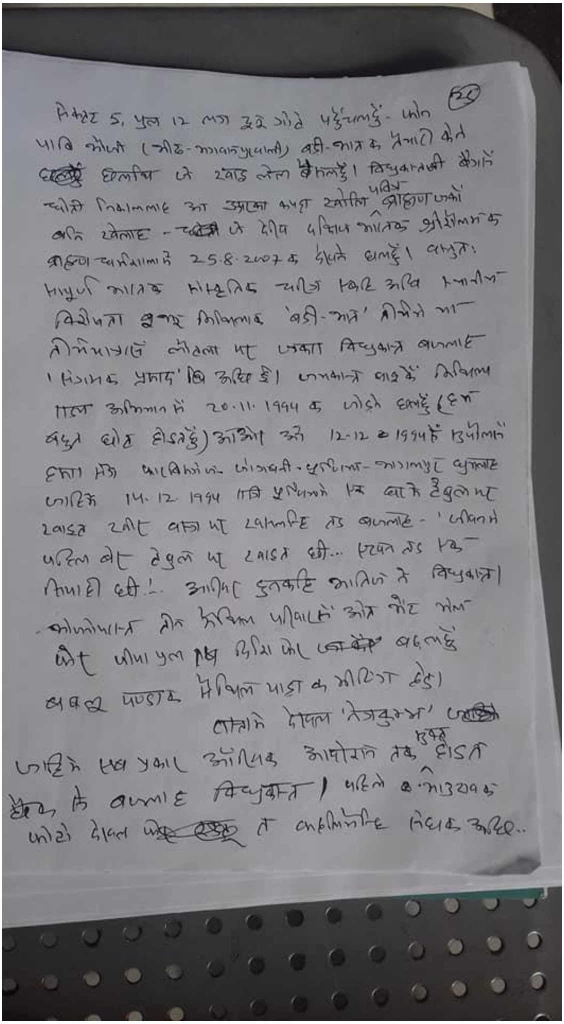
27.1.2019 Praygraj Bidhuji sang

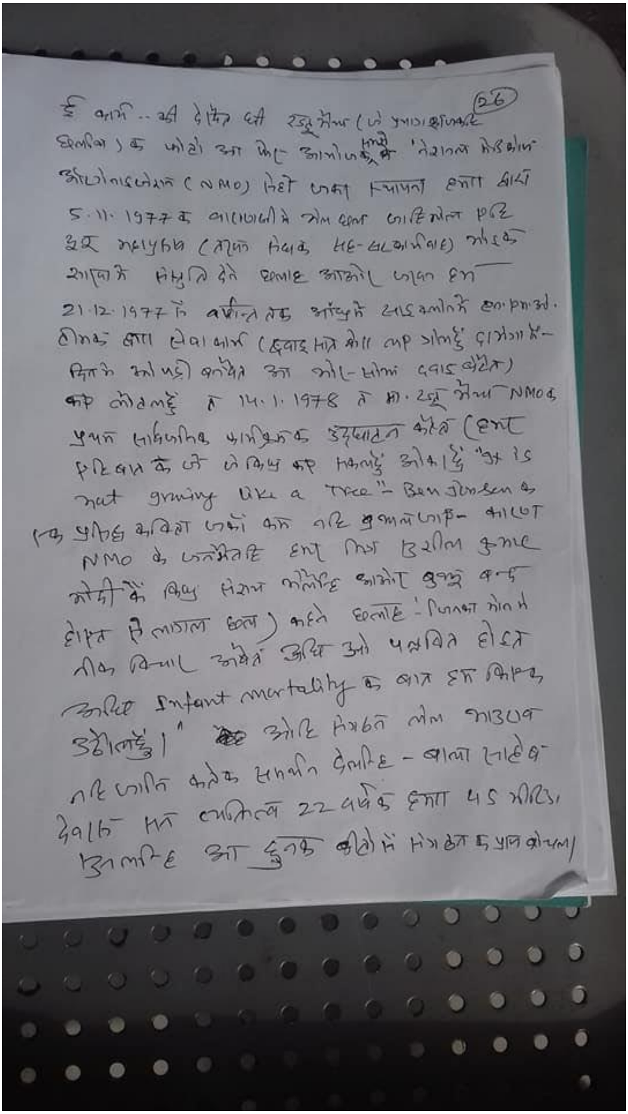
27.1.2019 Praygraj Meeting

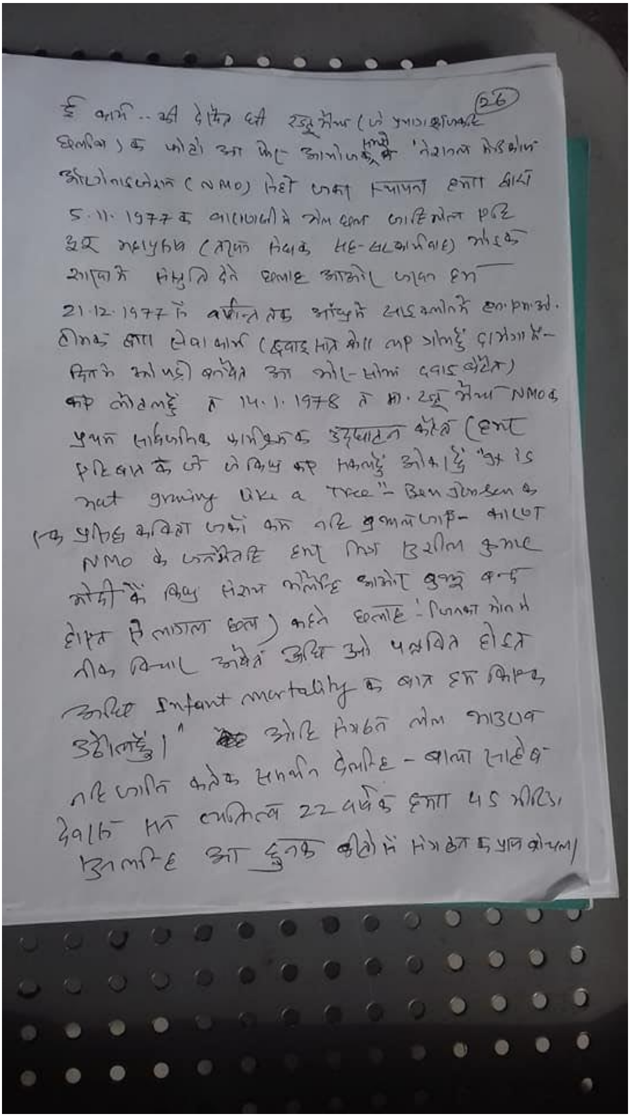
27.1.2019 Praygraj Bidhuji , Akhileshji

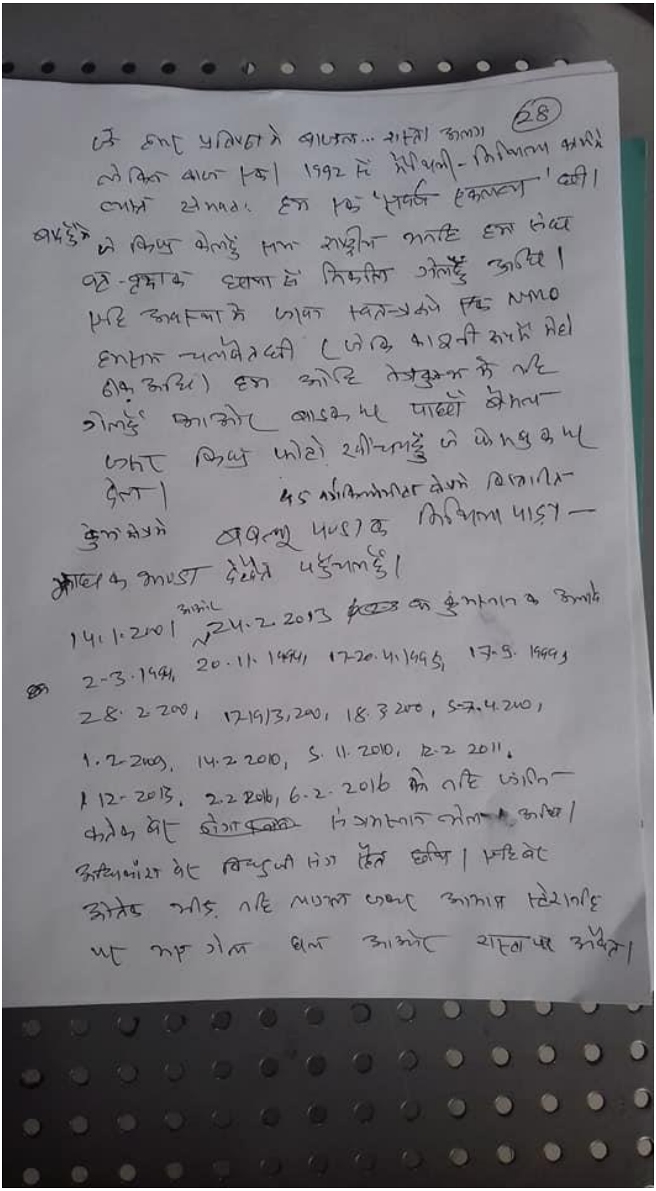
27.1.2019 Journey_14511 Prayag stn _ sepoy recruitment rush could enter train with difficulty, Priyanka ,Dinesh maurya,

could go in my coach at LKO




(26)
ई कार्य ... [illegible] ... (NMO) [illegible] ... 5.11.1977 [illegible] ... 21.12.1977 [illegible] ... 14.1.1978 [illegible] NMO [illegible] ... "It is not growing like a Tree" - Ben Jonson [illegible] ... NMO [illegible] ... Infant mortality [illegible] ... 22 वर्ष [illegible] 45 [illegible]




28

1992 मे मैथिली-मिथिला

14.1.2001

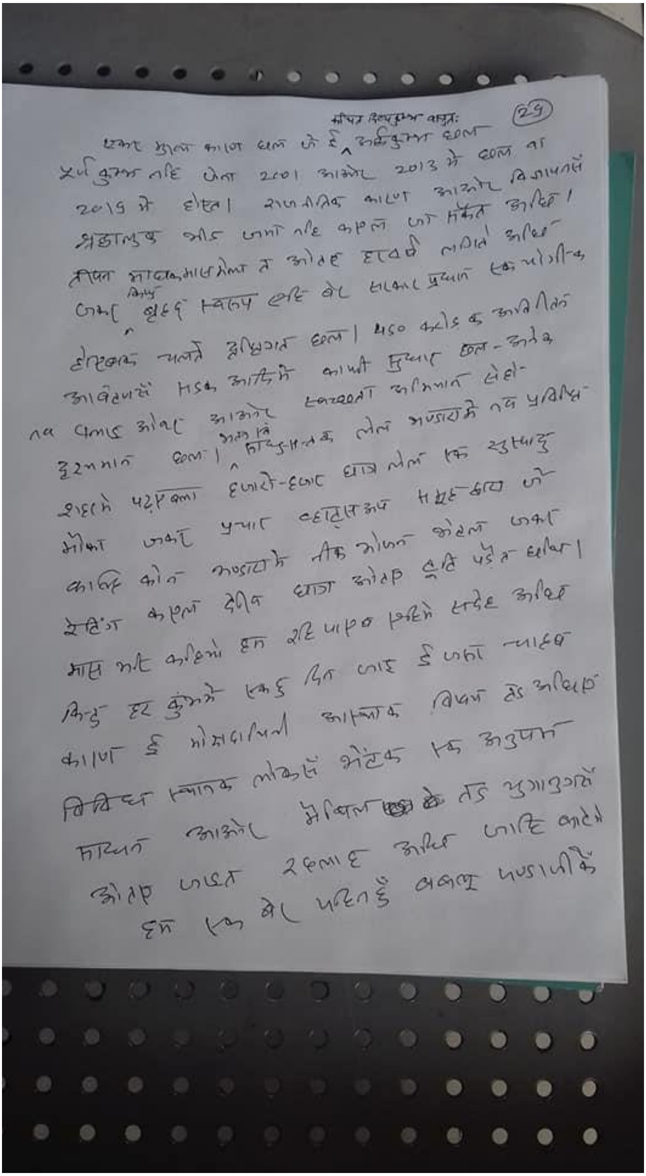
24.2.2013

2-3.1994, 20.11.1994, 17-20.4.1995, 17.9.1999,

28.2.2000, 17-19/3/2000, 18.3.2000, 5-7.4.2000,

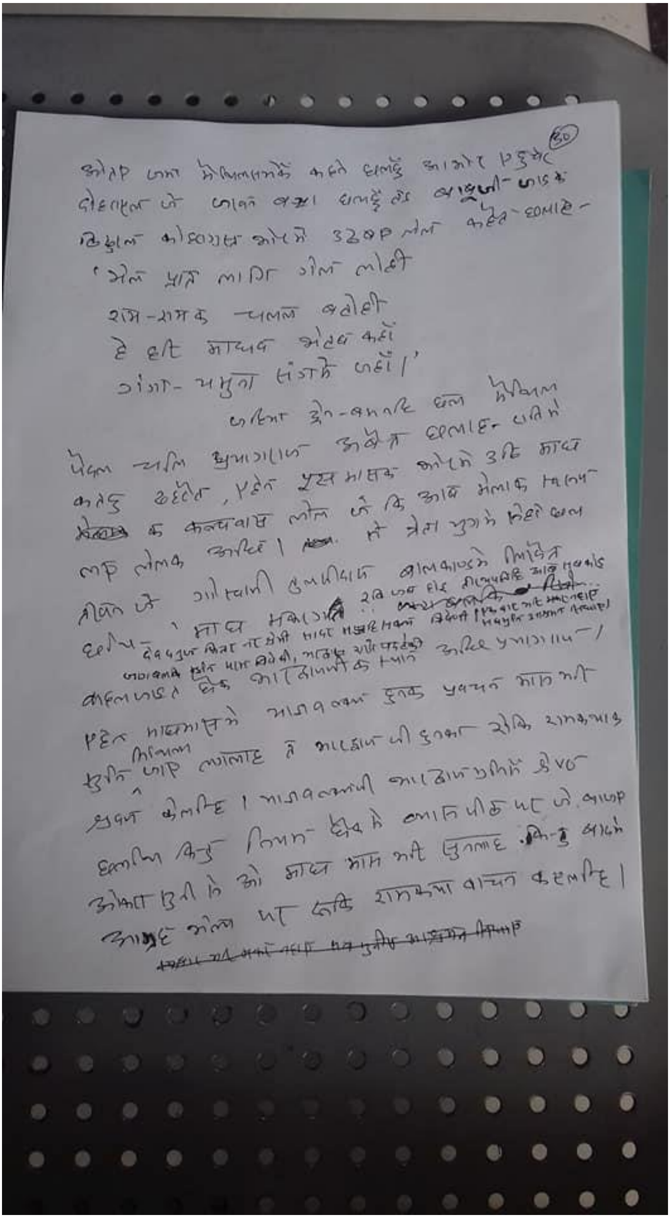
1.2.2009, 14.2.2010, 5.11.2010, 12.2.2011,

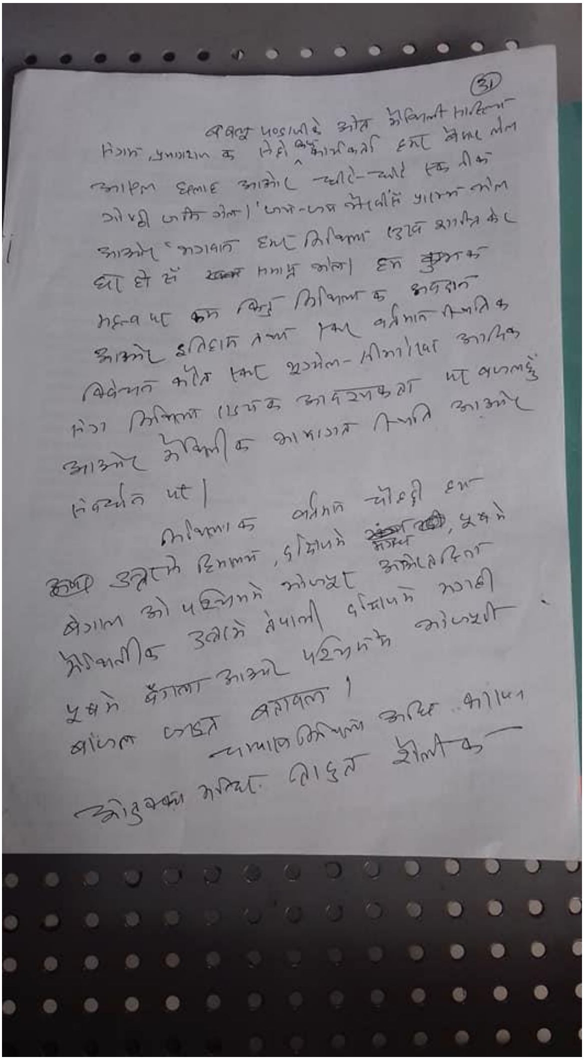
1.12.2013, 2.2.2016, 6.2.2016

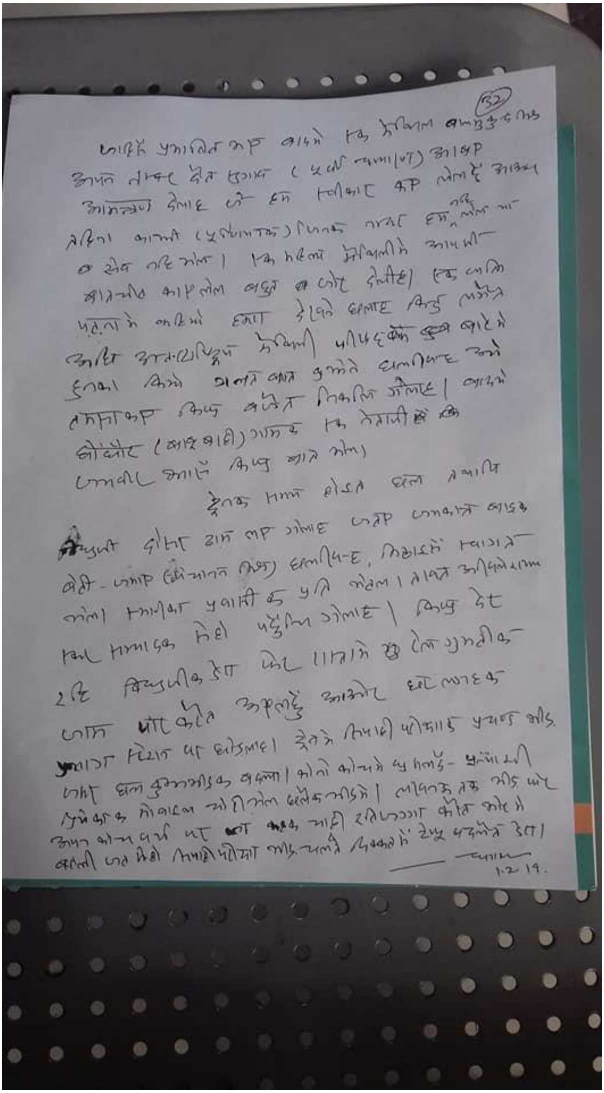


(२९)

एकर मूल कारण छल जे ई अर्धकुम्भ छल पूर्ण कुम्भ नहि जेना 2001 आओर 2013 मे छल वा 2019 मे होएत। राजनीतिक कारण आओर विज्ञापनसँ श्रद्धालुक भीड़ जमा नहि कएल जा सकैत अछि। तथापि [illegible] ते ओतए हाथी लागल अछि [illegible] जकर [illegible] नहि बेर सरकार प्रयास [illegible] होएबाक चलते [illegible] छल। 4150 करोड़ क आवंटित [illegible] छल - अनेक आवेदनसँ MSK आदि मे काफी सुधार [illegible] नव [illegible] आओर [illegible] इन्तजाम छल। [illegible] छात्र लोकनि [illegible] शहर मे पहुँचला हजारो-हजार छात्र [illegible] मौका जकरा प्रचार [illegible] आओर [illegible] जकरा [illegible] पड़ैत छैक। [illegible] रेटिंग कएल [illegible] सन्देह अछि [illegible] चाही [illegible] हर कुम्भ के [illegible] अछि [illegible] कारण ई [illegible] अनुपम [illegible] लोकसँ भेटक [illegible] आओर [illegible] अछि [illegible] रहलाह अछि [illegible] ओतए [illegible] एक बेर पहिनहुँ [illegible]







373_5.1.2020_ दिल्ली मे मैथिली शिक्षा लेल धरनामे उपवास

दिल्ली मे मैथिली शिक्षा लेल धरनामे उपवास; विश्व पुस्तक मेला मचानमे ललित झा द्वार साक्षात्कार मिथिला राज्य पर



दिल्ली 5.1.2020क टिकट लेने छलहुं सांगठनिक बैसार लेल शोध छात्र रिपुंजय ठाकुरसं बात कय किन्तु ओ विश्व पुस्तक मेलामे मैथिलीक मचानमे व्यस्त जकर सूचना दू दिन पूर्व पूछलापर कहलाह से आइ परिचयक दिन रहि गेल – राजीव झाक, मैथिली शिक्षा दिल्लीके नोटिफिकेशन हेतु भरि दिन

धरनामे रहलहुं उपवासपर, रात्रिमे फलाहार।।

राजीव हमरासं विचारधारायीय अंतर रखैत छथि किन्तु आदर करैत छथि। केजरीवाल सरकार अपन घोषणाक नोटिफिकेशन नहि निकाललक तऽ आब की करी ऐपर आपसी चर्चा चलैत चारि बाजल तऽ हम प्रगति मैदान चलिए अयलहुं। नीक प्रयासक तेसर वर्ष।

पुस्तकके उपलब्धता नीक। संविमर्शक नीक अवसर। पत्रकार ललित झा जीक मिथिलाके नक्शा, लोकक भीड़ नहि , आपसी सामंजस्यक अभाव सन अनेक सोचनीय प्रश्न।

अनलकांतजीसं अंतिका सरकारमे पहिले परिचय आ बहुत बात भेल।

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.१७. राँचीमे धनाकर ठाकुर द्वारा कएल गेल काजक विवरण

30.1.1973 Vishanu: Vish va Navjivank Nirman for Ranchi College Magazine
12.7.1992 HK Jhak dera,Namkom
Maithili Vikash parishad meeting-'Yadi hamar vktritwashakti aa tarkiktak
jarurat tan(Dilli) jayab apan kartitwa bujhi(PM,HM san samay lela par
Vinitji aadi phone kartah
26.7.1992 Vinitji etc.'s report on Dilli yatra for VIII Schedule
2.8.1992 Dhurva,SecII,Hanuman Mandir
Pitambarji's thought all Maithili organisations conference at Ranchi in November
20.8.1992 On leaving Maihtili but including Nepali,Konkani,Manipuri in Constitution Vinitji said that now for Maithili political activities are
required more than literary; demand for

Mithila state be made;Mithila Mukti Morcha like political outfit be made

2.9.1992 Mother remarked-"aab kebal Vinitjeesan bat hoit chhau"

24.9.1992 Jila school meeting

27.9.1992 K-164 Vineetji,Surendra Pathak, Lekhanad,Bideshwar came –

case on Census dept.planned; AK Jha Bokaro ready for

Rastriya maithili sammelan; Navratra started today

-Surendra pathak informed of census data on phone;

Balvijay's shubhakamna for PADYATRA in Mithila during

Ramnavami to Jankinavami';

11.10.1992 Gandhinagar -Pitambar's house;

meeting Rajya Pustakalaya meeting did not go

. Mumbai Suman's kojagra, for babu saheb Choudhary's meeting on 18th Oct.

17.10.1992 Shyamali own residence,-Khadi bhandar, Gandhinagar Babusaheb Chou

18.10.1992 HEC Bishwambharji dera ; Balkrishna School meeting,Dr UC Jha presided Babusaheb Chou

22.11.1992 Ghrit Bhandar

29.11.1992 Pustakalya- VSS s bat karay ek samiti -Vikas Parishad maithili hetu karya karay aa VSS Sanskritik karya;Rajkumarji' 1001 ,donation but acecepted only Rs.101.; Vineet,Bindeshwar,Khanduri- on state reorganisation 37 states with Mithila(Barauni capital) noted in dairy; Rajya

20.12.1992 Rajya Pustakalaya meeting

3.1.1993 Rajya Pustakalaya draft constitution of Mathili's Apex body reading Mahasangh's constitution;

3.1.1993 Morabadi met CS Jha-Mithila's knowledge anhd honesty stressed- Mithila amir bhay jay va sanskriti bachabay ? Puchhalh o.

28.2.1993 Rajya Pustakalaya

7.3.1993 Sumanjidera Shyamali Holimilan me Antarrashtriya sammelank bat sweekrit

14.3.1993 Gamijidera Bharati baisarVinitji, Sumanji,Bindeshwarji, ratime HEC Bishwambharji s neek bat

21.3.1993 Suresh Jha 'Ajit' dera- Vinitji,IN Jha,Shankar Jha,Madan,Pitambar Thakur,Murlidhrji,P Pathak ,Suman,Girishji,Bindeshwarji

4.4.1993 Ispat Pustalay baisar IN Jha,BK Jha,Sumanji

24.4.1993 Rajendra Bhavan,HEC Vidyapati parva Gamiji,Suman,Bindeshwar sang

16.5.1993 RIADA, lag Vidyapati Smarak meeting

20.5.1993 Baisarme Vinit,Surendra Pathak,Pitambar Pathak,Shankar Jha, Lekhanand Jha,Madan

22.5.1993 Ashoknagar-Nirmala Jha

23.5.1993 Gamijidera Bharati baisar-CCL me Dr.Jagannath Mishras bhent; Arogya Bhavanme Jagdananad Jhas bhent;Ashoknagar

27.5.1993 ? ? Vinit,IN Jha,Laxman Routji,,Pitambar Thakur, P Pathak, Suman,Kamalnarayan

30.5.1993 Namkom HKJha dera Vinitji

2.6.1993 Harmu Surendra pathakdera-KN Jha, Mahakant Mishra, Lekhanand,

3.6.1993 Vinit, Remu, Kamlu, MD Jha, Ppathak,Jhaji(Security)

10.6.1993 Baisarme Ppathak,Remu,Girishji,Bindeshwar,B Jha,PN Jha a bahars keval IN Jha

11.6.1993 Circuit house Gamiji sange Ramchandra Purbe,Minister s bhent,

12.6.1993 CCL,CMPDIL CCL(SK Chudhary nahi bhetalah), Subansh babau,CMPDI me Mahanad Babu

13.6.1993 Nirmalji dera Sadhna, Mahila baisar-IN Jha ,Chaudhary ravindra rai, Bishwambhrji sapatneek-Argora etc.

19-20.6.1993 I IMC, AMP formed

24.6.1993 Sameeksha baisar -I IMC k Vinit,IN Jha,BK Jha etc.

1.8.1993 Ghrit Bhandar Chandrakant Jha,IN Jha etc.-Ganga Pd.Yadav san parichay

29.8.1993 Kanke-Vidyapatinagar-Jawaharnagar

5.9.1993 Ghrit Bhandar

19.9.1993 Kanke BAU Krishi goshthi-50-60 persaons,P Mishra,RevatiR Jha, RN Jha(Journalist);

Balbhadrajha dera bhojan

3.10.1993 baisarme Mayak 104 bukhar chalte nahi ja sakalanhu

7.11.1993 Subhash Chowk Camp

25.12.1993 Girishji dera Bharti baisarme pahil ber

26.12.1993 Jawaharnagar,Videh dwara Vidyapati Parva-UC Jha- Videh IN Jha

31.12.1993 217 Postcards for reviving Vidyapati Smarak Samaiti

3.1.1994 INJha kahlah hall nahee bheta; kahalyainhi-'Apne gharme kay liya

8.1.1994 Nageshwarji dera Bharati baisar

16.1.1994 Jawaharnagarme IN Jhak dera Vidyapati Smarak Samiti baisar Dr.SC Jhak virodh kakro gharme meeting lel ;Parmamandbabuk adhykshatame Subanshbabu adyaksh chunaln gelah

22.1.1994 ? Ghrit Bhandar INJha sang-Subanshbabudera,o nahi chhalah

6.2.1994 Ghrit Bhandar Maithili

sandesh 2-monthly 16 pagek nikali

6.3.1994 Khadi Bhandar Vidyapati smarak meeting Khadi Bhandarme

18.3.1994 Murlidharji dera Bharati baisar

1.4.1994 apan dera baisar

30.4.1994 Dayanath Jha aylah bhent lel

1.5.1994 Subansh Babu dera Vidyapati Smarak Samiti baisar

8.5.1994 Subansh Babu dera

15.5.1994 Subansh Babu dera Vidyapati SS baisar

19.5.1994 Jawaharnagar, Videh/ ? Vidyapati SS_Jankinavami

22.6.1994 Pitambar Thakur,HEC came for Dr.Arun's consultation, could not

8.7.1994 RSS, Bihar in 3 states by RSS-hoped in one decade Sangh and society will accept Mithila

17.7.1994 Ghrit Bhandar

31.7.1994 Ghrit Bhandar

Vinit,Bindeshwar, Kokar's, Rajkumar,IN Jha

1.9.1994 DN Jha house first time,srimati Jhak amantran par; E-12 Shyamali

1.9.1994 MK Mishra k pratham visit betik ankhi dekhbay shringeshjik nam lait ayalah aspatalme

3.9.1994 Maithili sandeshk praveshank samagri tay Rajkumarji sang

4.9.1994 Vinit,Chandrakant babu, Bindeshwar Ghrit Bhandar

18.9.1994 Rangnath Mishras samay lel' premchand Thakur, Bhalpatti ayalah naukri takait

20.9.1994 Raj Bhavan Argued for Maithili in VIII Schedule Rangnath Mishra,NHRC,

25.9.1994 Argora KK Jha adv. Lag 20 - 30000 k kharch for filing case for VIII Schedule

30.9.1994 Vinitji's son's cycle theft from Ispat Library,given him mine

2.10.1994 Chandraprakashji,Adhivakta manch

9.10.1994 Amrendra Jha ,Bokaro visited

13.10.1994 Maithili Sandesh First copy ayal

30.10.1994 Subhash Chowk

3.11.1994 Namkom Kali Puja

4.12.1994 Jagannath mandir lag Routji,Tarkeshwarji adi sange baisar san

18.12.1994 Harmu Panchmandir baisar-Subodh babu Ranchi Pramandal,AMPk sanyojak;

IN jha, CK Jha,Bindawarji, Rajkumar, Shardababu-

Janki navmi Harmumek nischay

21.-23.12.1994 MRSS k Niyamavali banawalChunchunji visited Ranchi residence

24.12.1994 Sumanji dera Bharati baisar;Hamar nam adhykshata lel asweekar kelanhu

29.12.12994 Surendra Jha,Rourkela visited

30.12.1994 Namonath Vivekk pahil patra Namonath Vivekk pahilpatra

May-95 Harmu Janki Navmi-Jaikamtbabu, Mrs. Nirmala Jha

16.7.1995 IN Jha suggested to take land in Maithili Samiti(later LNMishra Colny)for Vidyapati Bhavan-but Harmu preferable for
which VSS should come to Harmu

5.11.1995 Vidyapatinagar-Gandhinagar club Jatiya meeting me jivanme pahil ber muda Dadhichi-
Parshuramk beech adarsh banebak agarh

7.11.1995 Kamke Vaidehi samiti dwara Vidyapati parva-Chief guest
VC Kerketta;Suresh Jha 'Ajit, Parmanand Mishra,Sacchidananad Choudhary

11.11.1995 Kanke Satyanarayan Mahtok Bhilais pahil patra

14.11.1995

21.11.1995 Chunchun Mishra came; Pawan Thakur ,Majhaura stayed at night

4.2.1996 Harmu Pathakji ghar--Subodhbabu,IN Jha, Rajkumar

5.2.1996 Ranchi CBIme Mithila Rajya par charcha chhaik- Babujik patra Mukdamak registry kagaj? Mithila rajya lel kee?

9.2.1996 Dr. KK Sinha-"ham Neuro-Mathilolog me chali gel chee" during AISMOC Conference.

11-12/2/1996 Dr.Jaykant Mishra visited Ranchi my house,left for Jhumri Tilaiya 12th morning

13.2.1996 Bhogendraji dera F-63,Shyamali Bharti baisar

3.3.1996 MD Jha dera Bharti Holi Milan

31.3.1996 Mithila Party banak chahee

1.4.1996 12 vidhansabha 3 loksabhaksambhavit ummidvar(Jhanjharpur-DR.Jaykant

Mishra,Madhubani-Dr.Dhanakar Thakur,Darbhanga-Udayshankar)-Abhas Chatterjik vichar neek laglainhi je bahut purva pratyashik ghoshna ho

3.4.1996 Bhatiya Mithila Janta Congrss/Dal/Party/Parishad-BMJParishad neek rahat;Amresdh Jha,Nepal pata nahi kiyaik hamar virodhi bhay gelah?

9.4.1996 Satyendrababu,Meghahatuburu s ayalah-pratham bhent

28.4.1996 Lekhanandji s bhent-VSS punarjibit kena hoyat?

29.4.1996 CKJhak betik vivahbad Satishji(VHP) dera ja shayan

6.5.1996 DM,SP,Madhubanike Borihari chowk sevakendralel jaminj hetu patra

21.5.1996

13.6.1996 Dr. HKJhak RIADAme VSS lel room lel,BP jha +ve,Subansh Jha a hunak balak -ve

14.6.1996 Subansh Jha avedan lel taiyar;

VSS president a secretary lel BP Jha a IN jha upyukt; Shaktinath Jha dera par

Gulab Choudhary,Survey of India s parichay

15.6.1996 Dr.Gunrshwar Jhas bhent-RIADA room lel avedan kartah

17.6.1996 IMC Ranchi/Madhubanime(Aprilme) alternate year me kari?

22.6.1996 Guneshwarji,Surendra pathak, HK jha khinn

25.6.1996 Maithili Sandesh ke Mithila sandesh kay dee?

30.6.1996 Dr.HK Jhak udgar-"hamar kayal kaj amit rahat"

21.7.1996 Subhash chowk IN Jha,Vineetji,Surendra pathak-HECme bat karee Vidyapati parv lel

27.7.1996 Namkom DRHKjha,BP Jha

28.7.1996 HEC Bjha dera Routji sange Vidyapati parva manabathi

30.7.1996 HEC asked Pitambar Thakur in Gurudakshina for Vidyapati parva in HEC

4.8.1996 Subhas Chowk CKJha, Surendra pathak, Vinit,Binod-Vidyapati parva harmume ho-

11.8.1996 Vinit,Bindeshwar,Binod came

18.8.1996 Harmu Subodh,Sharda,Vinit,Binod,INJha(total 11);Surendra Pathak ilkl;

decided Vidyapati parva harmu Dec.21-22,Subodbabu convener-Vinitji

-Tesar fuke chani- Tesar baisarme nirnay bhel

25.8.1996 Harmu Dr.Guneshwar jha etc. 20-25k Sanyojan samiti formed

19.9.1996 Court Lekhanand, Shankar Jha Vidyapati parva in November may ho

27.10.1996 Harmu Subodh,Sharda,Surendra pathak,IN Jha etc.-26th Oct.k VSS

Karyalayak udghatank khabari bhetal

28.10.1996 MECon Community Hall

Ramvilas Paswan-State reorganisationk all India prarup 90+ patrakarke;
Vinitjik kahla par Ranchi-Darbhanga train lel prashna fer Singhjik hathe
fer diyaval-"Kimhar san," puchhla par-Via Barauni kahal..
30.10.1996 Indrananad Jha,USA ayalah-2h 45 mt bat
6.11.1996 Amrawati Colony
Indrananad Jha,USA sang baisarme CK Jha,Vinit,Bindeswark sang
17.11.1996 Diptipara met Subans Jha
24.11.1996 Station lag hotel Indranad Jha lag CKJha,Vinitji sang
25.11.1996 Station lag hotel Indranad Jha lag CKJha,Vinitji,Bindeshwarji sang
26.11.1996 Station lag hotel Indrananandji-Maithili Sandesh Mithila Nagarik parishad samposhit
sweekar muda'Rajya lel nahi kichhu

likhee' par asweekar kelanhu-

Patrakar va karyakartake apan siddhant nahi chhodak chahee

29.11.1996 Indranand Jha s bat CK Jha aa BK Jha (manpaur)chhalathi- flood control par bat

8.12.1996 Harmu Bideshwarji- Baisar sthagan soochna nahi;

8.12.1996 Jagannathmandir lag Routji sange headmaster saheb lag

21-12.1996 Harmu Vidyapati parva after many years-Mayanand Mishra,Saharsa, Parmanand Mishra,Pashupati Jha,RK Jha, INJha aa ham manch par-

Subodhjik prastav RU me Maithili aa Ranchi-DBG train; Krishanand-

Dhanakar Thakur par 'Ek Dhanakar Jhak nam sunait chee-

kahiyo darshan hebe karat..Chuchap..Hamar bhashan par chinhi gela

jait kal kahal-

Dhanraj,Dhaneshwar,Dhananad anek muda dhanakar ekhi chhathi..Maharudrajik dwara Dr.Subhadra Jhak sandesh-"Dhanakr Thakurk chela ban chahait chee"-Atishayoktime aashirvad.

12.1.1997 Kanke-RKMishra dera ratime Meeting

25.1.1997 Bharati-Picnic

16.2.1997 Kanke Chaturnana Mishra,Ministerke VIII Schedule,Census ,Mithila state lel memorundum

2.3.1997 Kanke RKMishra lag DKJha

7.3.1997 Sushil K. Modik samarthan patra

15.3.1997 Harmu Pathakji dera

16.3.1997 RIADA Bldg. VSS-baisars bahirgaman

22.3.1997 K-89 DN Jha dera Bharti-Holi Milan

27.4.1997 Guneshwarji dera

29.4.1997 Vinitji dera Bindeshwarji ,CK Jha sange

5.5.1997 Harmu Gurumaitaji sange baisar

16.5.1997 Harmu Janki Navami-

28.5.1997 Ashoknagar Dr.Subhadra Jha san bhent

28.5.1997 C-6 6 Ashok Jha dera Dr.Subhadra Jha sange baisar-Maithili swatantra bhasha jakar Hindi-Benglame anuvad sambhav nahi-'dwisarvanam pad prabhave'

Urdu Bhasha thike nahee jakar ekhu kriyapad Hindisan swatantra nahee

7.6.1997 Bhagalpursan Revtiraman Jha dwara Farichh hastlikhit patrikak ank ayal

8.6.1997 Abhash Chatterji-Mithila Hindu Democratic Party bane

16.6.1997 Bharati baisar

13.7.1997 Harmu Rajkumarji dera

18.7.1997 Ckjha dera station fer Namkum HK Jha dera BP Jha dera

29.9.1997 Kanke Bhola Mishra

20.10.1997 Gamhariak LICk Dev,officer(Sushil Jha) ayalathi

28.10.1997 PN jha dera Bharati baisar

3.11.1997 Bharati baisar

8.11.1997 Community Hall Bharti's Vidaypati parva

12.11.1997 Zila Parishadme VSS-cassette realease

19.12.1997 Mitranath Jha,Darbhanga took loan Rs.800 at Ranchi

21.12.1997 Harmu- Panchmandir jahime Maihtili Manchknaam lel purja jama bhel chhal

22.12.1997 Kanke Bhola Mishra

25.12.1997 RIADA Bldg. Pt.Sundar Jha 'shastri' ,Kamalkantji,Lallanji ayalah-Baisar VSS me;

25.12.1997 Shyamali sanjhme PN Das derame Gurumaitaji seho

-Mithila reference booklet 20 ,pagek 50,000

chhapabi

21.3.1999 Harmu Vidyapati Parva

Harmu Vidyapati Parva

5.6.2000 Krishnmurari Thakur came to meet

4.5.2001 Dayanathji came

31.5.2001 Harmu High Court colony-Tarababu

5.8.2001 Harmu Baisar

16.9.2001 Kanke Mithila me paryatan par goshthi

19.2.2003 Maithil Hanuman Chutia Motia mandir khoj

19.2.2003 Hanuman Mandir me snowfalls bachay-Maithilibhashi sab-(badme mithila Hanuman Mandir namkaran)

17.12.2004 CM Arjun Munda assurred for Maithili in JPSC

20.3.2005 Shivdurgamandir

21.4.2005 Vidyapati Pava- was not called on dais with CM Arjun Munda

29.5.2005 Hatia Baisar muday Ayojk RP Jha swayam nahi

10.11.2005 Hrishikesh choudhary's surpising attitude on phone

12.11.2005 Hrishikesh changed AMP dhurva to MP, Dhurva; organised Vidayapati parva at D-5 Shyamali on 13th itself by AMP

13.11.2005 D-5 Shyamali Vidyapati Parva of AMP successful; Ravindra Rai chief guest

28.1.2006 Nageshwar Jha Ashok Vihar- (Saharsa MM)_Premkant Jha - Prantiya sammelan karab

15.4.2006 Harmu Vidyapati parva - was not asked to speak

16.4.2006 D-5 Shyamali

15.10.2006 Shiivmandir

15.10.2006

19.3.2007 Amarnath Jha with Dharmeshwarji came

27.3.2007 Mkmishra, Mayanand Mishra at vandana's-Keadar Kanan there.Amarnathji invited for Vidyapati parva
14-15 April but agin humiliation possible if I came? Maheshwar Sah dera meeting Sanjesh,Atmeshwar,etc.and then train
12.1.2008 Bharti picnic
20.1.2008 Chutia Baisar
6.7.2008 Chandrashekhar club Jaynagar train
3.8.2008 Harmu High Court Colony-Jaynagar train
16.8.2008 Chandrashekhar club, Button Yalab Sanskrit Divas
7.9.2008 Shahdeonagar Mandir- Lalit Colony
7.9.2008 LN Mishra Colony
21.9.2008 Kadru Amarnathji dera
14.10.2008 Harmu Kayalaya udghatan
3.5.2009 Morabadi MKMishra's Janki Navmi

10.5.2009 Bariatu Housing Maithili Divas

17.5.2009 Bariatu Housing NL Dasji sange baisar

7.6..2009 Harmu baisar

5.7.2009 Harmu baisar

5.8.2009 E-35 Shyamali Sankrit Divas

4.10.2009 Kanke

16.11.2009 Guneshwarji dera Prabhat Jha MP k sang bhojan

15.1.2010 Sect II, HEC Makar Sankranti

16-17.1.2010 Kadru P met Mohan Bhardwaj

17.1.2010 Raturoad-Durgamanadir Prof.Narendra Jha dera barshi

7.2.2010 Raturoad Shivdurga, Bank colony

7.3.2010 LN Mishra Colony

8-9.3.2010 Bank Colony BNJha dera barshi

24.3.2010 Station-Hanuman Mandir

14.4.2010 LN Mishra Colony

12.5.2010 Ratu Road

16.5.2010 Ashoknagar State EC meeting

11.7.2010 E-35 Shyamali Sthapana Divas

25.7.2010 E-35 Shyamali Vinay Tarun Shraddhanjali

5.12.2010 HECII_Durgamandap

8.1.2011 LNMishra Colony Vidyapati Smarak

16.1.2011 Deepatoli Jharkhand Maithili Manch

16.1.2011 HECII, Durgkund AMP

8.2.2011 LNMishra Colony Lalit Jayanti

8.2.2011 Harmu RK Chudhuri_AMP office

23.2.2011 Diptypara 2nd Language

1.3.2011 Harmu JMM 2nd Language

10.3.2011 Diptipara Press conference for 2nd Language

11.3.2011 Birsa More Dharna for 2nd Language
17.3.2011 Lalit NMColony Holi Milan
18.3.2011 Satellite Holi Milan
25.3.2011 Sect.II,HEC Vidyapati Parva-Subodhkant Sahai announced Sita curcuit on my demand
8.4.2011 Ratneshwar Jha came
12.4.2011 Hanumesh's Translation of Mauni
14.4.2011 Birsanagar Mithila Divas
15.4.2011 Harmu Vidyapati Parva-talked Vijaybabu s/o Lalit babau, Ashwini Choubey etc
16.4.2011 Harmu Vidyapati Parva_I spoke
23.4.2011 Satellite Hanumesh k sang Mauni anuvaad
24.4.2011 Satellite Hanumesh k sang Mauni anuvaad pura
29.5.2011 Mithila Hanuman Mandir

6.6.2011 Kataribagan Binitjik patnik antyeshti

20.6.2011 Ashoknagar contacted Bjha, CK Singh, marriage of Hruishikeshji's son

22-24.6.2011 MTI Narendra Jha, Patna for Chetna Samiti

1.7.2011 Ratu Rd Shivdurgamandir Sthapana Divas

13.8.2011 E-35, Shyamali Sanskrit Divas

11.9.2011 Raj Bhavan Dharna for 2nd Language

23.9.2011 Harmu Meeting for 2nd language

2.10.2011 CP Singh dera Sr.citizen samman by Sanskritik Parishad

10.10.2011 Vasant Vihar, HarmuII Lang. Maithili

11.10.2011 Harmu Kojagra

11.10.2011 Yuvraj Palace Met Dr. Shakil Ahmed with Dr. Guneshwar Jha for Mithila statehood

15.10.2011 Diptipara Press conference for

2nd Language

16.10.2011 Albert Ekka Chowk II Lang. Maithili -Dharna_Fast

16.10.2011 Ashoknagar Chandraprakash ji's father's shraddha puchhari

17.10.2011 Ashoknagar Chandraprakash ji's father's dwadasha

18.10.2011 Harmu Dwitiy Rajbhash Sanghrsh Samiti

18.10.2011 Ashoknagar Chandraprakash ji's father's dwadasha

28.10.2011 Hinoo Chitragupt Poojame Sita cuircuit submitted to Union Tourism Minster ,Subodhkant Sahay

7.12.2011 Balkrishna School Dwitiy Raajbhasha meeting

18.12.2011 HEC III/206 Dwitiy

Raajbhasha meeting

28.12.2011 Apollo-Irba To see SK Jha, BAU

22.1.2012 Basantvihar colony Dwitiy Rajbhasha lel meeting

22.1.2012 Piska More Met Sushila Pravasini with Sarasji

25.1.2012 Namokm,Kalinagar Shripalji's grandparents mundan went with Jayant Jha

5.2.2012 Morhabadi, 56 set

25.2.2012 56 set SS Lalji's dera

8-12.3.2012 E-35, Shyamali XXV Maithili karyakarta prasikshan Shivir(9th Holi holiday)

19.3.2012 Ashoknagar Baisar

13.4.2012 Hinoo Mahavir Mandir Mihtila Divas

30.4.2012 NewCoperative Janki Nawami

29.7.2012 Majistrate Colony D Mishra, GM Chowdhary

2.8.2012 DAV Alok Sanskrit Divas

5.8.2012 E-35, Shyamali Review meeting of Sanskrit Divas

20.8.2012 E-35, Shyamali Dr. .L.N.Jha from Saharsa came; went RC jha dera Hinoo first time

16.9.2012 High court colony Shiv Mandir Condolence for Sudarshanji

20.9.12.12 Shyamali Dr. Bhubaneshwar Pd. Gurumaita, Dr.Rabindra Prasad Chaudhary

30.9.2012 Housing colony Baisar-Hemkant Jha dera Sarsji, Guneshwarji

7.10.2012 Kokar Shivshaktinagar Sanjay Indrajeet dera baisar

29.10.2012 Amarnathjik betak kojagra

5-8.11.2012 JVM, shyamali Chinmay Uttarkand

6.11.2012 Akashwani Academic Recording on

Madhumehiyon ka bhojan

18.11.2012 E-35, Shyamali AMP AMP,Ranchi meeting

19.11.2012 E-31/Sect II, HEC Personal Dr. Madan Jha dera Chhathi Pooja lel

26.11.2012 Sarvoday Vidayalay, Adarshnagar AMP Vidyapati Parva

27.11.2012 BNR Chankya Maithili Sahity Akademy Eastern languages meet

3.12.2012 BNR Chankya Social Jaynat Jha' s son's reception

6.12.2012 Satellite centre Social Pharmacist Jitendra's daugter's marriage

17.12.2012 Chamber AMP Maithili Sandesh

34_230 am bhay gel

18.12.2012 Chamber
Personal Pawan Singh, Singh Mor, Juhu Mumbais bhent karay
30.12.2012 Ranchi Jharkhand
Tatisilway AMP Sampark EEF, DurgaMandirme meeting
6.1.2013 Ranchi Jharkhand
E 35 Shyamali AMP Maithili Samman Divas.
Pawan K Thakur
Chief guest
(after Mother's
7th Anniversary)
9.2.2012 Ranchi Jharkhand
E35,Shyamali AMP AMP_Ranchi meeting
3.3.2013 Ranchi Jharkhand
Asha's house Maithili Vidyapati Smar k baisar
Janki navmi lel
19.3.2013 Ranchi Jharkhand

Bardhman Compound AMP Umacharnbabu's varshee,
Vinayjee, Goa met ;
Rajkumar Jha Pol Sc.

29.4.2013 Ranchi Jharkhand
Community Hall Maithil Ashokjik betik vivahbhoj

19.5.2013 Ranchi Jharkhand
E-35, Shyamali AMP Janki Nawami

20.5.2013 Ranchi Jharkhand
Krishi Vihar Arsande AMP Radha Babu
, Baleshwarjis Voting
awsar apr bhent

21.5.2013 Ranchi Jharkhand
Mithila Hanuman Mandir, Rly AMP Kalimata sthapana-
ashtyam

Durg Chhattisgarh

21.8.2013 Ranchi Jharkhand
E-35, Shyamali AMP Sanskrit Divas-

Saryu
Ray, NK kja
24.8.2013 Ranchi Jharkhand
DAV Alok AMP Sanskrit Saptah Samarop_CP Singh
6.10.2013 Ranchi Jharkhand
ATI(Shreekrishna Lokprashikshan sansthan) Social Sansdiy Rajniti Kosh _II vimochan
(Hamarlekh 'Kairavji' par)
6.10.2013 Ranchi Jharkhand
Harmu Maithili RK Choudhary,Manoj
4.12.2013 Ranchi Satellite centre
Social Ram prasad Sah's son's reception
11.12.2013 Ranchi Satyam Shivam
Social DN Jha's Varshee
22.12.2013 Ranchi Vidhayak Niwas, Diptypada AMP Mathili AdhikarDiwas

5.1.2014 Ranchi Ashashree garden Snpathak,HKMishra dera AMP Sampark

5.1.2014 Ranchi Mithilesh Mishra dera AMP Baisar

16.2.2014 Ranchi Tupudana _Ramjanki mandir Mithila Manthan with Acharya sanjay shastri, premji

5.5.2014 Ranchi Sect II kalimandir AMP Baisar

9.5.2014 Ranchi Vidyapatinagar AMP DKT's father's dwadasha

27.7.2014 Ranchi L-11, Argora housing Colony AMP Baisar for Sanskit divas

3.8.2014 Ranchi Chitragupta Mandir AMP Baisar

9.8.2014 Ranchi DAV Alok AMP Sanskrit Divas

22.11.2014 Ranchi Chankya_BNR Namonathji's books releasing ceremony

8.1.2015 Ranchi harmu AMP Maithili samman Divas_ Raj Paliwal did not come
9.1.2015 Ranchi harmu AMP Raj Paliwal did not come
despite time given and no reply att he end.
10.1.2015 Ranchi Tupudana Ram Jankimandir AMP Sampark
11.1.2015 Ranchi Shyamali Maithili Tuntun Jha mother's varshee bhoj
30.1.2015 Ranchi E-35, Shyamali Maithili INJhacame with Mithila anweshan book
19.7.2015 Ranchi Aradhana complex AMP meeting
29.8.2015 Ranchi Harmu_Dharmeshwarji dera Sanskrit divaschaired by Dr. Shantiprakash

3.10.2015 Ranchi Romilla's Maithili proff Prof Sarswati's house
4.10.2015 Ranchi MK Mishra nad Guneshwarji k dera
29.11.2015 Ranchi Kunwarshigh Colony AMP Dhirendra Mishra dera meeting
1.4.2016 Ranchi Jharkhand Harmu Patel Bhavan Maithili Desil bayna sab jan Mittha_Bhimbabu, Viniodji, adi

1.12.2012
21.1.2008; Shardindu Jha’s Maithili Classes

Would it be an ordinary tomorrow for ,I thought on 18th . A Saturday on account of Muharram holiday and a following Sunday. I would have gone to Khagaria nad saharsa for meetings on Mithila Rajya

which was to be addressed by Pt. Tarakant Jha and Janardan Yadav as was decided in December 2007 when I had been at those places.
Fearing consecutive holidays,I did not apply for outstation leaves as I was expected at Jamshedpur Jan.27-28 for Mithila Mahotsava organized by the AMP.
I also felt that with many senior leaders I have to compromise on my district thought on the issue concern like boundary of Mithila down south Ganga upto Deoghar which Pt. Jha does nor accept fearing it impractical.
On 18th I tried to contact some young persons to organize meetings in Dhurva area but they were engaged in someone's marriage.
I had a backache for sometime maybe due to the midnight walk of one kilometer in a chilly night when the mercury used to dip

even 2 degrees which was not only new for Ranchi was I also became unaccustomed having two winters at Bangalore where I did not need even a sweater.
On 19th I went to the RMC now renamed RIIMS just to distribute some old copies of the Aayurvigyan Pragati which are lying in large number occupying a lot of space in my small two room temporary quarter. I went to the Hostel no.1

Then I went to meet my friend Dr. Shanti,Prof. Anaeshthesis,RIIMS and with him to D5. HP Narayan's house for talking NMO's developments.

We took leave from him with one coincidental introduction of a Maithil Ganganath Jha of Umri-Balia, near Jhanjharpur about whom one of the workers for the school project said that he was very meticulous in accounts keeping. I

talked with him in Maithili and asked him to have a meeting with some Maithils near Habshi camp,Piska more, Ranchi. I am of the habit to meet a few persons also for the organizational meetings as I am aware of P.P.MS Golwalkar's saying that only such meetings make workers not the bigger conventions and had been my modus operandi so far whereevere I have been. Ganganathji had gone to Dr. Narayan to study with him some of the Vedantik text as Dr. Narayan was the president of Vedant Society as well and now is helping him in his accounts work.

I am also very poor in accounting and would like to offer Ganganathjee some account work of AMP/NMO ,if he would give time.

On 19th night I talked Satish Mishra, Ranchi Mahanaghar President to have some gathering at Chutia to which he

confirmed 20th 10 am that he has called a meeting at 2 pm.

I had backache and was in a mood not to go and would have welcomed a negative or no reply from him but getting his call I had no way out. I got rady. It was a Pradosh fast day for me and there would have been a picknic at Dhanbad where 2000 maithils were expected on their new 30 kathas plot to be purchased for the Vidyapati parishad where I was also invited when on Dec.24th by its president Shiv Kant Mishra(younger brother of Dr. Chandrakant Mishra, President AMP, Darbhanga and a long term associate of mine at Darbhanga when I was in the RSS there- he was our District Preseident/Sanghchalak). I did not ask from shivkantji again not because I later knew that it was a fast day for me and going to picnic would be futile but because I did not like to ask for outstation

permission on closed holiday which had irritated management for my transfer though I would welcome any more transfer anywhere in the country and at least I do not feel better returning to Ranchi. Incidentally on 19th night I was in the hospital and took a ward round around 10 pm and was absorbed in writing on some case –sheet that I was asked by the CMD of the MECON,"How are you doctor.."

It took me a few seconds to recognize him in informal dress with blankets and I replied ,"Well."

"Are you on duty."

"No. I came this way casually to see patients(in fact I always see patients in nights when I return from anywhere after my evening walk cum chat with anyone's house, preferably outstate/ out of my language/ out of my caste/ district though

it is not always possible and I spend my evening with Dr.Ashok.Ph.D or someone seeing TV news and gossiping. In this matter it is different from bangalore where I was working on computer and net till 10 PM. There is a computer in my house but I detaste to work in the evenings. Meeting people I like more than tied to net. Net is for convenience only . I feel organization can be made only by personal interaction and hence this night Dr.Ashok (this one suffixed 'Abicha;') from jamshedpur that Steel Minister Ram Violas Paswan is coming on 27th January there on the AMP dais and Arjun Munda, ex-CM, Jharkhand on 28th Jan)- I did not ask anyone to halt my transferrather had gone to Bangalore distributing sweets though my father around 90, a crippled one stayed here with my unmarried sister(who was married on 21st November and my brother –in law's first journey from here

to Delhi had a mishap of stealing of two attaches with a loss of Rs.35,000 on Daltonganj- Allahabad route only on 17th January morning for which my whole family was in grief. Premkant Jha, a worker of AMP, Kanpur reached immediately Kanpur station getting my phone and gave him some money in his pathetic state. One of the PS at the SAIL told me that he had once had to sell his transistor and watch for return ticket when he had the same incidence near Bhabhua in Bihar while he was returning from Delhi.

This is one advantage of being in any organization. MY sister and father could live here or me at Bangalore because of Maithils here(though adverse and sad comments by a few Maithils were not unknown of my Shyamali colny which is

otherwise now famous for cricket star Dhoni's colony whose father was a worker in my organization,MECON). It were those comments which compelled me to write for a request transfer here about which I could ask my sister only this evening and was surprised at the mental low level of those person/s.Anyway, God help them.

In 2004. when my ATM card, tickets and some money were stolen from the waiting room of Gaya, Dr. R. Kumar, retd.HOD, orthopaedics too had come on my phone with money but in haste of filing FIR etc. I could not see him and in a penniless state I travel up to Jaipur and wrote a heat couching poetry which I recited in the Kavi Sammelan there on the occasion of the Centenary Celebrations of the first Maithili magazine, the Maithil Hit Sadhan.

On 20th Jauray when I was about to start from my hospital SubhashChndra Thakur, Additional registrar,Cooperative,Jharkhand phoned me to come to his house in front of Chutia Thana. I am knowing him since 23rd November 2007 only when he had come to sama Chakeba function at Harmu,Ranchi to invite me in the Co-Operativ department's state level conference on 27.11.2007 at Ranchi where CM Madhu Koda was the chief guest. I had gone there and knew many things about the Cooperative movement which needs strengthening in every under developed area in particular.

I went on foot till road, 2 km amd then by auto and then by foot to Chutia crossing the walls of the famous Yogda Satsang. I saw Seventh day adventist's church besides Yogda Kanya Mahavidayalaya and

thought how strange would have been for the followers of the two distinct paths being side by side. Was it so that Parmhans Yoganand tried to seek similarity between Krishna and Christ/ Hinduism and Christinaity which I never liked despite deep reverence to him. To me seeking similarities with all religions would not have been wrong but seeking similary with one particular sect was not good particularly seeing the oceanic depth of sanatan (Hindu) Dharm which is far deeper and greater than any religion whatever it might be as religions fllow a prophet/Guru and a Holy Book while Hinduism is have multitudes like the heads of Sheshnag on which not only Lord Vishnu but the entre universe with Him/Her can have Ananat shayanam (>>I recall this name with one Ayangar who was a Goveror of Bihar during my childhood and today I was told that the

Governor of Karnataka, H.E. Rameshwar Thakur, a maithil Thakur like me but from distant Godda of Jharkhand, would be most likely the chief guest in the AMP function at Bangalore on Feb.24.. the function organized in my absence will be the tesitimony of the workers of Bangalore that they continued the tradition of work despite my coming from there. Maithils were there though I tried first for such a meet in my short span there(and also at Goa) which can be called my bonus for transfer which though had hardship resulted in many sweet fruits from pen ,including the MaithiliGeeta available on web completed on 11.9.2006.

The conference at Bangalore was a result of such corner meetings which was held on 13.1.2008 at Ratu raoad and on 20.1.2008 at Chutia.

(Part II of this will be tomorrow as my time for clinic has started where I would write Shardindu K. Jha's narratives how he opted for Maithili classes at Samastipur in his schooldays and how he promoted many more to join)..

1.12.12 क भोरमे पूजाकालमे भारतेंदुजीक फोन आयल जे पौने बारह बज़े कचहरी लग होटल पिनाकलमे आबी, पूर्व मुख्यमत्री बाबूलाल मरांडी मिथिला पंचांगक विमोचन करताह। स्वीकार केलियेन्ही ओना कलेंडर लेल पंचांग शब्द प्रयोग हमारा ठीक नही लगैत अछि आ मिथिलाक कलेंडर वैशाख 14 अप्रैल मेष संक्रान्ति (अश्वनी नक्षत्रमें प्रथम जखन राशिमे तखन नववर्ष

होइत अछि, जुडशीतलक एक दिन पूर्व जे नेपाल सेहो मनबैत अछि (चैत विक्रम संवत अनुसार कलेंडर प्रारंभ केने सेहो ठीक वा अप्रैलस कलेंडर करी जे अर्थिक साल प्रारंभ सेहो अछि आ मोटामोटी अपन मैथिल नववर्षक समय ल लेत।) तथापि समय पर गेलहुं कारण भारतेंदु एक नीक मैथिली कार्यकर्ता हमरा नज़रिमे रहलाह अछि आ जहिया जे मैथिली लेल कहलियेन्ही केलाह अछि।)

श्री प्रमोद कुमार झा, धमदाहा, पूर्णिया, उपनिदेशक भय रांची दूरदर्शनमे अयलाह अछि, भेटलाह आ वरीय डॉ गुणेश्वर झा, श्री सहदेव झा,आदि ।

श्री बाबूलाल मरांडी हमर प्रिय रहलाह अछि। ओ अयलाह, हुनक स्वागत भेलन्हि हमरहूँ आन किछुके विशिष्ट बुझि स्वागत कयल गेल पुष्पस, जाहिमे हमरा अपन पेशा लेल नहि अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक संस्थापकक नाते।

भारत स्तरक महिला मुक्केबाज श्रीमती अरुणिमा मिश्र जमशेदपुरस आयल छलीह - विशिष्ट अतिथिक रूपमे ओ आ हुनका पति शिशिर हमर प्रिय रहल छथि। नीक लागल हुनका देखिकय (सभा समाप्तिक बाद हम हुनका प्रेमस 'मिथिलाक मेरी कोम' कह्लियेन्ही आ कहलियेन्ही जे जाहि नारीपीडनस क्षोभित भारतक बात ओ उठौलीह सभामे ओकर जबाब अहाँक पूरूष वर्गस निवेदन नहि, अहाँक मुक्का अछि।").

भारतेन्दु (बिना कहने संकेत द्वितीय राजभाषा स्थान मैथिलीके देब मैथिलक पाग बचबय कहलाह , जकर उत्तर संकेतमे बाबूलाल देल जे करब. कलेंडरक लोकार्पण भेल। भारतेन्दुजी नीक सञ्चालन केलाह लेकिन छोट मंच पर स्वयम बैसक जगह हुनक पिता वा तेहने बैसल रहितथि त नीक।

एक बंगालिन द्वारा "जय जय भैरवी गबैत हम एक्सरे ठाढ़ भय गेलहुं," (आखिर ई परम्परा प्रायः हमरे चलावल अछि 20 वर्ष पूर्व) - यद्यपि एक कातमे हम ठाढ़ छलहूँ - प्रायः बाबुलालजी एही पर ठाढ़ भय गेलाह, आ मंचक संग सब स्वयम ठाढ़ भय गेलाह। बंगालिन नीक गेलीह मैथिली गीत लेकिन कियो मैथिलानी कियैक नहि भेटलीह एही लेल एही पर मचान (मैथिली आर्ट कल्चर हेरिटेज नोड क संक्षिप्ताक्षर) के विचार करक चाही जकर नामक अलावा सब कार्यक्रम मैथिलीमय छल। नीक भावनृत्य प्रस्तुत करयबाली भारतेन्दुक बेटी छल्खिंह से बादमे पूछला पर ओ कहलीह।

सभा समाप्तिक बाद बाबूलालजीके अपन मैथिलीगीता देल आ मैथिली सन्देश देल जाहीमे मैथिलीके झारखंडक दोसर राजभाषा नही बनौला पर क्षोभ लिखल छल जखन कि एक दर्जन भाषा जे मैथिलीस अनेक मामलामे न्यून छथि के राजनैतिक दबाब आ लोभस अर्जुन मुंडा द्वारा बनावल गेल).

फेर डॉ गुणेश्वरजीस बातचीत पिछला -अगला कार्यक्रम लेल करैत छलहूँ ताबत ब़ाबुलाल मरांडी तकैत आबि गेलाह आ

कहलाह

- "आप तो अन ऍम ओ में थे?"

कहलियेन्ही -"अभी भी उधर हूँ, 1977से और इधर मैथिली संगठनमे 1992 से)

किछु देर बात - समूहमे

- कोनो संघस बीजेपीमे गेल वर्तमान मंत्रीस हुनका नीक सम्बन्ध पर - टिप्पणी हम केलियेन्ही-

" समय बदलता है, सिद्धांत नही।"

(आई ओ संघ परिवारस अलग छथि आ हमहू एक कातमे)

मिथिला प्रान्त कियैक? संतान परगना ओहिमे कियैक, बतावल , दस्तावेज देल।

ओ स्वीकार केलन्हि 20 लोकसभा सदस्योंवाले प्रान्त हों, 80 का यू पी जैसा बडा प्रान्त दादागिरी करने लगता है- सब ऐसे लोग, देशभरके मिल बात करें।

अपन प्रारूप बतावल- 2.5- 5% के प्रान्त आबादी आ वा क्षेत्रमे) जे हमर एक पत्र छपल छल एही पर Refuting someone opposing Telangana, my letter in the TOI, Bangalore was published on 26.8.2006, “I feel like astronomical debate on Pluto, etc. “A State should be formed with sufficient mass (area as well as

population) for its self-sustenance to overcome rigid socio-economic as well as linguistic forces so that it assumes nearly a well defined cultural shape. I feel the mass of Indian states should be 2.5 to 5 per cent of area and or population- needing thereby smaller states and UTs to be merged and bigger states to be shelved for optimal political potential. Mithila, Vidarbha, Purvanchal, Bundelkhand are equally fit cases like Telangana which needs serious considerations."

श्रीगोविन्दाचार्यके हम 1989मे आग्रह केने छलियेन्ही जे ओ एक प्रारूप देश भरक नब संरचनाक देती - मुदा हुनक नही बनौला पर 26.10.1996 क हम अपन लिखल प्रपत्र जारी केलहुं वर्किंग जर्नालिस्टक राष्ट्रीय सम्मेलनमे जाहि पर मरू प्रदेश, उत्तर तमिलनाडु मांग उठी गेल , (उत्तर कर्णाटक जोर पकडलक)

अनेक बात भेल -

कहियो अन ऍम ओक अनाथालय उद्धाटनमे (28.11.1999 क (तखन ओ केन्द्रीय वनमंत्री छलाह), भेटल छलाह , कहने छलाह "आपके रहने से राँचीमे अच्छे- अच्छे काम होते हैं'-

फेर एक मैथिल आई पी असक पोस्टिंग झारखंड कैडरमे करय

भेंट 2000 मे छल तकर बाद ई भेंट भेल .

हमर आ हुनक कार्यक्षेत्र अलग लेकिन हमर जानकारी हुनका छलन्हि, जहिया हमर परिचय गुरुशरणजी करबैत छलाह- 'मैं इनको जानता हूँ।'ओ कहने छलखिन।

अस्तु, 31.12.12 क (हम कहल जे श्री प्रसन्न मिश्रा, संगठनमंत्री झारखंड ,बीजेपी

के कहने छलियैन्हि,"हटिया उपचुनावमे वोट गिराने नहीं जाउंगा (यदि मैथिली को द्वितीय भाषा न बनाया तो) "आपके विरुद्ध गिराने के तो सोच नहीं सकता पर इस का असर हो जाएगा

वह हो गया हटिया हारी, पहिले जमशेदपुर भी ..

जे नहि कह्लियेन्ही- 'वाजपेयी क नाम ढोबैत हुनक मैथिली लेल काजक विरुद्ध अर्जुन मुंडा काज केलक।

जे मैथिलके नहि कह्लियेन्हि "जे नेताक चमचाबजीमे लागल रहैत छथि आ अपन सामाजिक नेताक अपमान करैत छथी- एहेनमे समाजक कल्याण .नहि होयत। " आत्मदीपो भव।"

अंतमे भरि पेट इडली बड़ा साम्भर, पूरी तरकारी मिठाई खेलहूँ आ 55 वर्षीय डॉ उदयनक असामयिक मृत्युक संवेदना लेल कांके रोड चली गेलहुं। बांचल तीन मैथिलीगीता आ अनेक कलेंडरमे दू ओतय बॉटल - डेरा लौटला पर कलेंडर उल्टौला पर चारि पृष्ठमे स्तरीय एकरूपता नहि लागल (ई भगवान बिरसा पर हमर टिप्पणी नही अछि)।

*Proposed States and their capitals with population and areas in the percentage of our country, Bharat as well population density / sq. km.:

Proposed State Capital Area Population Density

1. Jammu-Kashmir-LaddakhSrinagar,Jammu 6.76 0.98 45

2. Punjab Chandigarh 1.53 2.46 499

3. Kendriya Pradesh Delhi 3.08 3.99 404

4. Harit Pradesh Kannauj 1.80 3.84 664

5. Uttaranchal Dehra Dun 2.59 3.58 379

6. Avadh Lucknow 2.10 4.66 694

7. Vindhya-Bundelkhand Jhansi 3.85 2.66 221

8. Purvanchal Jaunpur 1.66 4.12 776

9. Bihar Patna 1.40 3.79 847

10. Mithila Barauni 1.70 4.61 849

11. Udayachal Bongaigaon 1.57 3.20 636

12. Brahmputra Jorhat 3.55 1.39 113

13. Barak Shillong 3.21 1.44 139

14. Bang Pradesh Kharagpur 2.35 6.41 854

15. Jharkhand Jamshedpur 3.58 3.14 273

16. Utkal Bhubaneshwar 3.27 2.73 260

17. Andhra Vijaywada 3.13 2.78 277

18. Telangana- Rayalseema Hyderabad 5.54 4.30 242

19. Chhattisgarh Raipur 4.11 2.03 154

20. Vidarbh Nagpur 2.70 2.01 232

21. Mahakaushal Jabalpur 2.78 1.51 172

22. Madhya Bharat Bhopal 3.73 2.21 183

23. Rajputana Jaipur 3.33 2.66 249

24. Mewar Udaipur 2.44 1.38 176

25. Maru Pradesh Jodhpur 4.99 1.46 91

26. Saurashtra-Kachchh Rajkot 3.35 1.46 136

27. Gujarat Gandhinagar 2.63 3.50 415

28. Paschim Maharashtra Lonavala 2.94 4.74 502

29. Purva Maharashtra Aurangabad 3.88 2.94 236

30. Uttar Karnataka Hubli 3.57 2.54 222

31. Dakshin Karnataka Mysore 2.20 2.52

357

32. Kerala Kochi 1.12 3.05 849

33. Vada Tamizhgam Chidambaram 1.80 3.05 529

34. Then Tamizhgam Madurai 2.38 3.08 404

(All 34 States in India Jabalpur 98.27 100.22 312)

N.B.1. The population (2001Census) 1,02,70,15,247 and area 3,28,7,263 km2 of Bharat are in the close approximation to the total percentage shown above.

2.Density- wise Bang Pradesh, Kerala, Mithila and Bihar are on the top.

3. The Map given on third cover page is not to scale.

4. The above proposition was first released in the Maithili Sandesh on 26.10.1996 Bulletin No.8 on the occasion of the all India conference of the working journalists at Ranchi. Movement for at least three States (Maru Pradesh, Uttar

Karnataka and Vada Tamizhgam i.e. North Tamil Nadu) first proposed by me has already started which vindicates my hypothesis.

30.12.12- सालक अंतिम रवि। 28.11.12 क भोरमे (दरभंगा उदयजीक बेटीक चतुर्थीमें जाइत) रेलक सहयात्री इन्द्रकांत झा एक जमीन लेल कहने छलाह टाटीसिलवे, रांची दिशि जातय ओहो किछु जमीन लेने छथि । हमारा कहियो जमीन, मकान आदिक चिंता नही भेल। डाक्टरनी साहिबा (पत्नी) विवाहक मास भरिमे ई बुझी गेली आ हमरा समाजक काज लेल छोड़ी चल गेलीह। छोट बहिन लगैत अछि एतहि रांचीमे नौकरी करैत जीवन बितायत। ओकर सासुर खास नही। हमर सरकारी आवास 28 मास केवल। कतहु किछु लेबय पडत। इन्द्रकांतजीक कहला पर तिथि 27.12 क नियत भेल जखन हम दिल्ली, मधेपुरा आदिस लौटी जायब आ ओहो गढ़वास रांची आबि जेताह। सहकर्मी डॉ अजय झा (जरैल) सेहो कहलाह जे ओहो इच्छुक छथि। कहलियेन्ही चलू हम जमीनक मामला नहि बुझैत छि लेकिन ओ वर्षांत पिकनिक लेल चली गेलाह। कंही कियो मैथिल भेटा जाथि वा कोनो मीटिंग भय जाय सोचि दिल्लीमे हालमे किरारीमे भेटल विद्यापतिक छोट फोटो(जे आब हमर थैलामे अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषद् क बैनरक संग सदिखन

रहैत अछि), मैथिली गीता, मैथिली सन्देश आदि लय निकललहूँ।

टाटीसिलवे पहूँचलहूँ। इन्द्रकान्तजी आ दलालक संग जमीन देखलहुं- पसिन्न नही पडल। बिना किछु बजने लौटैत छलहूँ सोचैत छलहूँ जे एहि क्वार्टर सबमे किछु मैथिलस संपर्क करी कि इन्द्रकान्तजी बाजि देलाह , दुर्गा मंदिरक पंडितजी अवाडी गामक (बेनीपट्टी लग)छथि।

रजरप्पा गेल छलाह, हुनक पेट खराब भेलन्हि ओ अपन डेरा चली गेलाह। तथापि हम हुनका बिदाकय मंदिरक बगल दोकानस डेरा पूछल आ इ इ ऍफ़ (इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट फैक्ट्री जे कहियो भोपालक बाद ट्रांसफार्मर बनबयबला नामी फैक्ट्री छल लालू सरकारक कुनीतिस बंद भय गेल आ नीतीश सरकार तक ओहि पर ध्यान नहि देलक आ अरबक यन्त्र आ सामान बेकार कायल जा रहल अछि जे महान राष्ट्रिय क्षति अछि- आइयो बिहार सरकार एकर मालिक अछि आ कान में तूर दय सूतल अछि) क प्रदक्षिणा करैत हुनक डेरा गेलहुं। ओ भोजन करैत छलाह मुदा परिचय जनैत देरी भोजन लेल दुराग्रह केलाह। हम अपन डेरास भोजन कय निकल छलहूँ तथापि किछु खाय पडल खासकय ई जानि जे हुनक सासुर दामोदरपुर (जे हमरो कहियो छल, कालिदास जतय विद्यालयमे कहियो खवास वा सहायक छलथि). हुनक ससुर सेहो ओहि मोहल्लामे आ सब साढ़ू आयल छलथि जाहिमे एक ढरिया गामक जे कोलकतामेकार्यरत जिनक

गाममें हमर 24.5.1994 क बेसार भेल छल हुनक दोसर साढ़ूक पिताजी अंतरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक मुरी शाखाक अध्यक्ष जतय दू बेर वनभोज आ एक बेर विद्यापति पर्व भेल अछि आ एहिना अनावधान कहियो हम जा कय इकाई बनौ ने छलहूँ। किछु लोकके पंडितजी फोन केलन्हि आ फेर हुनक ससुरक डेरा गेलहुं। मुज़फ्फरपुरक एक श्रीवास्तवजी भेटलाह। अपराह्नमे दुर्गा मंदिरमे श्री अमरनाथ पाठक , सिबिपट्टीक अध्यक्षता बैसार भेल जे जयनगर क डॉ कमलाकांत झाक साढ़ू निकली गेलाह। विद्यापति फोटो पर फूल समर्पित कय जय जय भैरवीस प्रारंभ भेल - अनेक मिथिला-मैथिली विषय रा खय आ फेर मैथिलीगीता पर प्रवचन देबाक कारण सभक विचार नहि ले सकलहूँ। जे किछु लोक हस्ताक्षर केलाह ओहिमे मनोज कुमार ठाकुर वैशाली जिलाक बाजितपुर कस्तूरीक, विमलेश मिश्र अवारी ,बेनीपट्टी शिवानन्द पाण्डेय, महेश्वरी,जमुई, नुनु ठाकुर , राजीव कुंवर , मैलाम मधुबनीक जे महासचिव बनलाह (आ ई बात भेल ओ सूरज नारायण सिंहक संबंधी छथि जिंक मृत्यु एही टाटीसिलवेमे 1973 मे सरकारी लाठी चार्जमे के देल गेलैन्हि). अंत में डॉ उदयन पाठक जे 55 वर्षक मात्र छलथि आ सुयोग्य डाक्टर पुणे इंग्लैंड, अमेरिका स शिक्षित ,अमेरीकामे प्राध्यापक पद छोड़ी भारत आबि चिकित्सक छलथि के असामयिक मृत्यु पर मौन रखल गेल।

एक कार्यकर्ताके क्षोभ छलन्हि जे कोनो दोसर संगठन संग कियैक नही दैत अछि (हम कह्लियेन्ही अन्हा चेतना समितिके पत्र द पूछियौन्ही की समिति मिथिला राज्यक समर्थन करैत अछि? एहेन अनेक संगठन क संगठन बनेबाक सब प्रयास हम के चुकल छि (आ असफल भेल छी) - आब हम अपन समय जे बांचल अछि ओ उद्देश्य पूर्ति लेल जे सहमत होथिके बीच लगायब।

फेर एक जमीन देख गेलहुं - ओहो चौड़ा सड़क नही हेबाक कारण पसंद नही भेल।

कांटाटोली चौक पर फोन केलहुं रामकुमार झाजी के - ओ बहार छलाह- हुनक घर पर मैथिली सन्देश आ मैथिलीगीता खोंसि डेरा दिशि वापस अबैत अपन ममियौत बहिनिक डेरा अयलहूँ। बहिनोई उच्च न्यायालयमे जस्टिस छथि जे बाहर छलथि- मामास भेंट जरूर भेल- गीता देखि बहुत आशीर्वाद देलाह। भगिनी सेहो वकील अछि - पूछलियैक- हिन्दू न्याय पद्ध्तिमे मिथिलाक की विशेषता? ओकर किताबमे ई नही देल छैक जे दायभाग व्यवस्थामे द्रविड़, काशी संग मिथिलाक एक प्रकार छैक जाहिमे प्राय: निस्संतांक कर्त्ताके संपत्ति पर अधिकार भय जाइत अछि(किछु एहेने कहियो ताराबाबूक सार वीरेंद्र मोहन ठाकुर पूर्णियामे बतौने छलाह). न्यायक प्रारंभहि मिथिलाक गौतमस होइत छैक।)

जखन भारतक न्याय व्यवस्था पर बात भेल हम आधा

न्यायाधीश के भ्रष्ट बतबैत कहलियैक, संभव 10 प्रतिशत इम्हर -उम्हर हो- महाभियोग तक चलल आ त्यागपत्र पर समझौता भय गेल एही पर हमर भगिनी हमारा पर बिगड़ी गेल जे ओकर धारणा जे हम विद्वान् छि गलत छलैक। ओकर तामस हमरा नीक लागल मुदा ई हम अपन मधुबनीस दिल्ली तक हमारा पर भेल 4 झूट मोकदमाक आधार पर भोगल व्यथा पर कहैत छि जे जाही मोकदमाके प्रचार मीडियास नहि भेल ओहिमे न्याय कमे भेटैत अछि- पूर्व राष्ट्रपति कलाम तक पर वारंट गुजरातक एक कोर्ट निकालि देने छल जाकर पेपर कटिंग हम अपन किताबमे देने छी। इ जरूर जे हमर भगिनिक पिता आ दादा दूनू उच्च न्यायालयक न्यायाधीश, ईमानदारीक प्रतिमूर्ति छथि आ छलथि आ प्रपितामह दरभंगा जिला (आ अब कमिश्नरी)क ढाई शिक्षकमे एक पूरा शिक्षक सम्मानक संग मानल जाइत छलथि। एहेन पारिवारिक संस्कार आ माहौलमे ओकरा सब ईमानदार सुझैतैक आ यद्यपि ओ खिसियाक हमारा श्राप देलक, हम कामना करैत छि जे एक दिन ओहो दिल्ली तक जज बनत आ लोकक कल्याण करत। बहुत दिन बाद रांचीमे एक छुट्टीक दिन घुमैत समय बीतल।

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.१८. साप्ताहिक ई-गोष्ठीक सूची

E- MWTC-78	Date	Time	Topics
CYCLE-1	साप्ताहिक E- गोष्ठीक सूची		
1	19.7.2020	9 t0 10 AM	Jangananana
2	26.7.2020	9 t0 10	Mithilak Bhugol
3	2.8.2020	9 t0 10	Mithilak Itihas
4	9.8.2020	9 t0 10	Khnadwala kul
5	16.8.2020	9 t0 10	Heritage
6	23.8.2020	9 t0 10	Samajik samrasta
7	30.8.2020	9 t0 10	Mithilak Bhugol
8	6.9.2020	9 t0 10	Itihas
9	13.9.2020	9 t0 10	Itihas
10	20.9.2020	9 t0 10	Khnadwala
11	27.9.2020	9 t0 10	Heritage
12	4.10.2020	9 t0 10	Mithilakshar
13	11.10.2020	9 t0 10	Karykartak goon
14	18.10.2020	9 t0 10	AMP k structure
15	25.10.2020	9 t0 10	AMP k karya
15	1.11.2010	9 t0 10	Pratigyan

17 8.11.2020 9 t0 10 Pratigyan

18 15.11.2020 9 t0 10 Pratigyan

19 22.11.2020 9 t0 10 samarop pratigya

Total attandee 187

Average 9 TO 10

Trainer 5

TRAINED 1609 E-LXXVIII/1 Vidhukant Mishra

at least 50% 1610 E-LXXVIII/2 Shailendra Jha

ATTANDANCE 1611 E-LXXVIII/3 Sapna Jh

1612 E-LXXVIII/4 Pramod Kr Jha

1613 E-LXXVIII/5 Braj Kishor J

E-79 Cycle 2

20 29.11.2020 5-6 pm Mithilak Bhugol

21 6.12.2020 5-6 pm Udyog

22 13.12.2020 5-6 pm Mithilak Itihas

23 20.12.2020 5-6 pm Khnadwala kul

24 23.12.2020 5-6 pm Heritage

25 27.12.2020 5-6 pm Mithila nam,Nadi

26 3.1.2021 5-6 PM Jangananana me maithili

27 7.1.2021 315-345PM M Samman Divas JYG

28 7.1.2021 520-740PM M Samman Divas JSR

29 8.1.2021 5-6PM FOUNDATION DAY

30 10.1.2021 10-12 AM maithili Bhasha

31 17.1.2021 10-12 AM Mithilakshar

32 24.1.2021 10-11 AM Karykartak goon

33 26.1.2021 4-5 PM AMP k structure

34 28.1.2021 5-6 PM AMP k karya

35 31.1.2021 10-11 AM Samajik samrasta

36 7.2.2021 10-11 AM Pratigyan

37 7.2.2021 4-5 PM Pratigyan

38 14.2.2021 10-11 AM samarop pratigya

Total attandee 116

Average 6 to7

Trainer 6

TRAINED II Vidhukant Mishra

II Shailendra Jha

E-LXXIX/1 1614 Laxman Chy 4+2/19-7

E-LXXIX2 1615 Vinayak J 8/19+1/2=8.5/19-7

CYCLE 3/82

39 21.2.2021 10-11 AM Mithilak Bhugol

40 22.2.2021 5-6 PM NATIONALIST Agros Org Foundation day

26.2.2021 2-3 PM Bhartiy Lipi Parishad Foundation Day

41 28.2.2021 10-11 AM Mithilak Itihas

42 7.3.2021 10-11 AM Khnadwala kul

43 13.3.2021 5-6PM Mithila Vidyarthi parishad Foundation Day

44 14.3.2021 10-11 AM Heritage

45 21.3.2021 10-11 AM Samajik samrasta
46 28.3.2021 10-11 AM Janganana me maithili
47 31.3.2021 5-7PM Mithila Sahiytakar Parishad Foundation Day
48 4.4.2021 10-11 AM Mithila Rajy,Sansadhan
49 11.4.2021 10-11 AM Shraddhnjali _Pashupati J,Ramlochan Takur
50 14.4.2021 5-6 PM Mithila Dvas
51 18.4.2021 10-11 AM Mithilakshar
52 18.4.2021 5-6PM M Sanskrit P
53 25.4.2021 10-11 AM AMP k structure
54 2.5.2021 10-11 AM AMP k karya
55 9.5.2021 10-11 AM Karykartak goon
56 16.5.2021 10-11 AM Pratigyan
57 23.5.2021 10-11 AM samarop pratigya
E 82 total attendee 110

Average 05to o6

Trainer 5

Trained

III SJ 10/19-6

III VKM -8/19-6

II BKJ 10/19-6

I 82/1 1626 DR Mayank vats 8+5/2=10.5/19-6

I 82/2 1627 DrRKC 6+4/2+1/2=8.5+ Jnki navi Ayojan 1=9.5/19-6

CYCLE 4/83

58 30.5.2021 10-11 AM Mithilak Bhugol

59 6.6.2021 10-11 AM Maithili,

60 13.6.2021 10-11 AM Mithilak Itihas

61 20.6.2021 10-11 AM 28m Sthapana Divas_DBG

62 22.6.2021 3-4 PM XI Vinay Tarun,DBG_Raghav J

63 27.6.2021 10-11 AM Samajik samrasta

64 4.7.2021 10-11 AM Jangananana

me maithili

65 6,7,2021 7-9PM Rajnanadan Lal dDas smriti

66 11.7.2021 10-11 AM Mithila Rajy

67 18.7.2021 10-11 AM Mithilak sansadhan

68 25.7.2021 10-11 AM maithili Bhasha

69 1.8.2021 10-11 AM Mithilakshar

70 8.8.2021 10-11 AM Karykartak goon

71 15.8.2021 10-11 AM AMP k structure

72 22.8.2021 10-11 AM Bhugol,Maithili

73 25.8.2021 6-7 PM Jangananana me maithili

74 29.8.2021 10-11 AM MRNS Foundation Day

75 5.9.2021 10-11 AM Pratigyan

76 12.9.2021 10-11 AM samarop pratigya

E83 total attandee 165

Average 8 to 9

Trainer DT -19

RK-18
SKJ-8
KKJ-4
VKM-7
SJ-6
AKJ-1

Trained 83/1 1628 Pankaj
83/2 1629 Rajiv ADV JSR

CYCLE 5

E-84

77 19.9.2021 10-11 AM Mithilak Bhugol
78 26.9.2021 10-11AM Nadi Badhi
79 2.10.2012 5-6PM Mithilame Dalit Chetna
80 3.10.2021 10-11 AM Forestaion
81 10.10.2021 10-11 AM Mithlak Puja
82 17.10.2021 10-11 AM Mithilak Vikas
83 17.10.2021 4-6PM Mithiklame shiksha Unnayan

84 24.10.2021 10-11 AM Samajik Samrasta

85 31.10.2021 10-11AM Simariadham_Hybrid

86 7.11.2021 10-11 AM karykartak gun

87 14.11.2021 10-11AM Schools pf Mithila

88 17.11.2021 5-6 P Vidsyapatik Vividh Ayam-Hybrid_Bisfi

89 20.11.2021 1-2 PM MMM_Hybrid_UJP

90 21.11.2021 10-11AM DAR_HYBRID

91 28.1120.21 10-11AM PRATIGYA

92 5.12.2021 10-11 AM Mithila Rajya

93 12.12.2021 10-11 AM Mithila Rajya

94 13.12.2021 5-6PM Mithila Party

95 19.12.2021 10-11 AM Dharna

total attandee 123

averarge 14

Trained

84/1 1630 Dr Ratan Kumari

CYCLE 6

E-85 96 26.12.2021 10.11.AM Mithilak Bhugol

97 2.1.22 10.11.AM ANP_MWTC

98 7.1.2022 5-6PM Samman Divas

99 9.1.2022 10-11 Am Mithilak sansadhan

100 9.1.2022 5-7PM MRSS

101 16.1.2022 10-11AM Itihas

102 23.1.2022 10-111 AM Itihas

103 28.1.2022 4-5 PM SMM

104 30.1.2022 10-11 AM Samajaik samrasta

105 6.2.2022 10-11 AM Karyakatak gun

106 8.2.2022 4-5PM TirhutMM

107 13.2.2022 10-11 AM Mithila rajy

108 20.2.2021 10-11 AM AMP structure

26.2.2021 Bharti Lipi Parishad

109 27.2.2022 10-11AM Pratigya

109 1.3.2022 3-5 PM katha Kumbh

110 6.3.2022 10-111AM

111 12.3.2022 Mithila Vidyarthi

parishad

112 13.3.2022 10-11AM

113 17.3.2022

114 20.3.2022 10-11- AM

Total attandee 138

Trained 85/1 1631 PRAMOD Kumar Jha ,Ahmedabad

II Dr.Ratan Kumari

Cycle-7

E-86 115 26.3.2022 4-5PM MSM

116 26.3.2022 5-6PM AMIP

117 27.3.2022 10-111AM Mithilak Bhugol

118 31.3.2022 10-12 noon MSN

119 3.4.2022 10-11 AM Mithilak Itihas

120 10.4.2022 10-11 AM Chandranathji-shraddhanjali

121 14.4 10-11 AM Santhal pargana Mitra Mandal

122 14.4 10-11 AM Mithila Rajya

123 17.4 10-11 AM Mithil Rajy

124 17.4 4-5 AM Udyog M_Hybrid

125 17.4 5-6 PM MSP
126 24.4 10-11 AM Mahishi_Hybrid
127 1.5 10-11 AM Maithii
128 8.5 10-11 AM Maithili
129 10.5.2022 7-8PM Janki Navmi
130 15.5.2022 10-11 AM Karykatak gun
131 22.5.2022 Pratgyan
132 29.5.2022 Simarias hybrid
133 30.5.2022 Simaria_Gaura)
hybrid
Total attendee 102
Trained III Dr.Ratan Kumari
Cycle-8
E- 93- 134 5.6.2022 Mithilak bhugol
135 12.6.2022 Mithiak sansadhan
136 19.6.2022 sthapana divas
137 26.6.2022 Mithilak itihas
138 3.7.2022 Mithilak itihas
139 10.7.2022
140 17.7.2022
24.7.2022 Infructous

141 31.7.2022 in train I was

142 7.8.2022

143 14.8.2022

144 21.8.2022

145 22.8.2022 1600-1700 XI Vinay Tarun_Rahul K Gupta

146 25.8.2022 1600-1700 MRNS

147 28.8.2022

148 4.9.2022

149 11.9.2022

150 18.9.2022

151 25.9.2022

152 3.10.2022 5-6PM MDM_infructous

153 9.10.2022

154 16.10.2022

155 23.10.2022

156 30.10.2022

157 6.11.2022

158 13.11.2022

159 20.11.2022 HYBRID_Kaluahi

160 27.11.2022 HYBRID_JKM_PRYJ

161 4.12.2022

162 11.12.2022

163 18.12.2022 Hybrid_Sijhua

164 25.12.2022 Atal jayanti

165 1.1.23

Total attandee 20

Trained II PRAMOD Kumar Jha ,Ahmedabad

E- 94 166 8.1 Samman divas

167 15.1 Sankranti

Trained III Pramod Kumar Jha,Ahmedabad

E- 168 22.1 Hybrid_Mithal Sanskrit Parishad

169 29.1 Hybrid_Barauni

170 5.2 Mithilak Gam

171 8.2.2023 3-4/5-6PM TirhutMM

172 12.2.2023 10-11 AM Mithilak bhuol

173 19.2.2023 10-11 AM Mithilak Itihas

174 26.2.2023 10-11 AM Samajik

samrasta

175 26.2.2023 10-11 AM Bhartiy Lipi Parishad

176 5.3.2023 10-11 AM Mithila Rajya

177 12.3.2023 10-11 AM Mithila Rajya

178 19.3.2023 10-11 AM Karykatak gun

179 26.3.2023 10-11 AM Mithila Rajya

180 1.4.2023 3-4PM Mithila sanskrit Parishad

181 2.4.2023 10-11 AM History of Mithila

182 9.4.2023 10-11 AM 1770_History

183 14.4.2023 5-6 PM SMM/NavVarsh

184 16.4.2023 10-11 AM Mithila Rajya

185 16.4.2023 10-11 AM Mithila Sanskrit Parishad

186 16.4.2023 10-11 AM Udyog Mithila

187 23.4.2023 10-11 AM Maithili

188 30.4.2023 10-11 AM Yuva Mithila-hybrid

189 7.5.2023 10-11 AM Mithilak Gam

12.5.2023 4-5PM मिथिलाक माटिक

गुणवत्ताक लेल एग्रोफोरेस्टरी आवश्यक

190 14.5.2023 10-11 AM संस्कृतनिष्ठ मैथिली साहित्यक भाषा हो

191 21.5.2023 10-11 AM मैथिलीहितमे मिथिला राज्य निर्माण हो

25.5.2023 4-5PM NAO-मिथिलामे चीनी अनुसंधान संस्थान खोलल जाए

192 28.5.2023 10-11 AM कथा कुंभ 14 ननौर

193 4.6.2023 10-11 AM Udyog Mithila- कृषि आधारित उद्योग मिथिलाक विकासक कुंजी -उद्योग मिथिला

5.6.2023 4-5PM NEO-स्व डा अचिन्त्य एक सच्चा मिथिला रत्न-

194 11.6.2023 10-11 AM Alok Bharti_Shraddhanjali

12.6.2023 5-6PM NAO-आर्गेनिक फार्मिंग मिथिलामे

13.6.2023 5-6PM मिथिलामे सेकेन्डरी स्टील प्लां

195 19.6.2023 10-11 AM मैथिली-संस्कृत कथाकुम्भ मेहथ(झंझारपुर लग)

20.8.2023 5-6PM दूरसंचारमे मिथिलामे एखन आओर क्रान्ति बांकी

196 25.6.2023 10-11 AM पाग-दोपटा मिथिलाक वेष हो

197 2.7.2023 10-11 AM दरभंगा एम्सक बाधा दूर हो-

6.7.2023 5-6PM NAO- Biodiversity of mithila

198 9.7.2023 10-11 AM Mithia Rajya

199 16.7.2023 10-11 AM मैथिलीकें लेल बिहार सरकारक गैर जिम्मेदाराना

200 23.7.2023 10-11 AM मिथिला राज्य चुनावी मुद्दा

201 30.7.2023 10-11 AM सोलहम मैथिली कथा कुंभ -दलसिंहसराय भटगामा

202 7.8.2023 10-11 AM मिथिलाक नारी ओ युवासभक संगठनमे सक्रिय होथि

203 13.8.2023 10-11 AM मिथिलाक सर्वांगीण विकास लेल मिथिला राज्य

204 20.8.2023 5-6PM Purnea आकाश कुमार सिंहकें 13म विनय तरुण पुरस्कार

205 27.8.2023 5:00 PM विस्फीविद्यापतिधामक

विकास हों-

206 3.9.2023 5-6 pm Mithila Rajya

207 10.9.2023 5:00 PM Maithili bhashak vikas

208 17.9.2023 5-6pm Mithila Rajya

209 24.9.2023 5-6pm मिथिलामे चारि धाम, चारि पीठ, सीता सर्किट ओ मिथिला सर्किट

210 1.10.2023 5-6pm Mithila Rajya

8.10.2023 5-6PM CANCELLED

211 15.10.2023 645-745pm Mithia Rajya

212 22.10.2023 630-730pm मिथिला विशिष्ट दुर्गा पूजा पद्धति

213 27.10.2023 Hybrid 1-2 Pm सिमरियाघाट कुंभमे अन्तरराष्ट्रीय मैथिली परिषदक 19 म

214 29.10.2023 5-6pm Mithila Rajya

215 5.11.2023 1-2 PM वाराणसी हिन्दु विश्वविद्यालयमे में 5 11.2023 क

216 12.11.2023 5-6PM Deepawali

217 14.11.2023 5-6 PM कालिदास सुच्चा मैथिल

218 19.11.2023 5-6PM मिथिलाक मूंगेरमे मुद्गल

ऋषि छठि पावनि शुरू

219 26.11.2023 10=-11 AM विद्यापति महान राष्ट्रभक्त

3.12.2023 3-4 PM Kapileshwar

220 10.12.2023 सभ मांगक मूल मिथिला राज्य

221 17.12.2023 जानकी विवाह दिवस

222 24.12.2023 मैथिलीक संवैधानिक अधिकार Divas

31.12.2023 Bhopal Cancelled

223 7.1.2024 Sumanji Shraddhanjali(Goa 2.1.24) मैथिली सम्मान दिवस

224 8.1.2024 730pm mithila Rajy Sangharsh Samiti Foundation day

225 14.1.2024 11-12 PM Tilasankranti

226 21.1.2024 1130-am रामजन्मभूमि मन्दिर पर प्रसन्नता

ABM 21.1.2024 430pm आभास विचार मंच

227 26.1.2024 4-5PM मिथिला वाणिज्य परिषद अपन चारिम स्थापना दिवस

228 28.1.2024 4-5PM मैथिलीमे सभ दल ओ चुनाव आयोग प्रचार

229 4.2.2024 4-5PM मिथिलाक कर्मकांडमे

सुलभता

230 11.2.2024 4-5PM मिथिलाक नाम 10 लाख वोटक गोलबंदी,

231 18.2.2024 4-5PM राजनीतिक दल घोषणापत्रमे मिथिला राज्य

232 21.2.2024 5-6 PM अन्तरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प

233 22.2.2024 5-6PM नेशनलिस्ट एग्रिकोज संगठन छठम स्थापना दिवस

234 24.2.2024 5-6 Tilhar-Hybrid वाचस्पति जयन्ती माघी पूर्णिमा

234 26.2.2024 5-6 pm लिपि संस्कृतिद्योतक

235 3.3.234 5-6PM मिथिला सर्वाधिक लोकप्रिय आम-

236 10.3.2033 5-7PM महिला दिवस पर

237 12.3.2024 5-6 pm मिथिला विद्यार्थी परिषदक बारहम स्थापना दिवस

238 14.3.2024 5-6 hybrid_Tilhar Goasin mandir Antarrshtriy Sanskrit Divas_PANINI DIVAS-मीन संक्रान्ति बसंत ऋतुक प्रथम दिवस पर ,महामना पाणिनी जन्मदिनक 14 मार्च

17.3.2024 5-6 pm no meeting in exam at Budayun

239 24.3.24 5-6PM मिथिला राज्य समर्थककें मतदान

239 23.3.2024 5-6 PM रेलवे ट्रैफिक विभागमे इंजीनियरक कबहाली हो

240 26.3.2024 MSS_VI_6-7 मैथिली शिक्षक संघ, छठम स्थापना दिवस

241 31.3.2024 11-12noon साहित्य सामाजिक निर्माता

242 31.3.2024 MPS_4-5 मिथिलाक्षर प्रचारिणी सभाक बारहम स्थापना दिवस

243 31.3.2024 MSP_530-630 मैथिली साहित्यकार परिषद् क सातम स्थापना दिवस

244 7.4.2024 5-6PM केदारनाथ चौधरी सन लेखक दुर्लभ -

245 14.4.2024 11-1330 14 अप्रैल मिथिला दिवस,

246 14.4.2024 430-530 SMM संथाल परगना मित्र मंडलक स्थापना दिवस

247 21.4.2024 11-12 noon इं खगड़ियाक मुहम्मद आसिफ इमाम, झंझारपुर

248 28.4.2024 11-12 noon आदर्श मिथिला पार्टीक लोकसभा लेल

249 5.5.2024 530-630 pm मिथिलामे चुनाव प्रचार मैथिलीमे हो

250 14.52024 6-7pm मिथिलाक समर्थक छलाह सुशील मोदी

251 12.5.2024 5-6PM लेखानन्द ओ ताराकांत झा मिथिलाक गौरव

252 19.5.2024 5-6PM विधानसभा चुनावमे मिथिला मुद्दा

253 26.5.2024 5-6PM मिथिला एक विशिष्ट भू-भौतिक क्षेत्र

254 30.5.2024 5-6PM मैथिली साहित्य ओ भारत-नेपाल राष्ट्रियताक सेतु डा कमलकांत झा

255 2.6.2024 5-6PM डा अशोक अविचल अन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषदक अध्यक्ष

256 3.6.2024 5-6PM मैथिली सपूत भुवनेश्वर गुरुमैता

257 5.6.2024 5-6PM Dr.Achintya एक महान इंजीनियरिंग शिक्षक

258 9.6.2024 5-6PM सामरिक महत्वक

मिथिला राज्य निर्माण

259 15.6.2024 6-7Hybrid-Tilhar गार्गी जयंती मिथुन संक्रांति

260 16.6.2024 5-6 PM मिथिलाक इतिहास गौरवशाली

261 20.6.2024 5-6 PM अंन्तरराष्ट्रिय मैथिली परिषद32म स्थापना दिवस पर मिथिला राज्यक मांग

262 23.6.2024 5-6pm मिथिलाम कृषि आधारित उद्योगक विकास ही

263 30.6.2024 Hybrid-Seetamadhi मिथिला आंदोलन सर्वव्यापी हो

264 7.7.2024 5-6 pm मिथिलाक आरम्भिक इतिहास पूरा पूरबी भारतक इतिहास

265 14.7.2024 5-6 pm सौराठ सभा बसंत कालमे हो

266 21.7..2024 5-6 pm माता सीताक जन्मक गाथाक अस्पष्टता पर संधान

267 28.7.2024 5-6 PM मिथिला राज्यवादी एक मंच

268 4.8.2024 5-6 pm घरसं कार्यालय तक मैथिलीक प्रयोग

269 11.8.2024 5-6 pm समस्त मैथिली संघठन आपसी समन्वय

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

१.११. एक संस्मरण

22nd July 2007- Maithils on the road

Dhanakar Thakur

I was returning to Yadava Smriti around 1030 PM by walking from the Kepegowda Bus Terminus(Majestic popularly called on an old chowk named Majestic, though there is a Majestic Theater still I do not know which modern circle was previous this named chowk).

I almost return daily by walk for around a month and the roads and shops have familiar to me. N the left side I was also watchng the Bhuja shop where sometimes I purchase Murhi for Rs.5 which I take some times in lieu of brekfstor evening snacks. N fact 22nd July being a Sunday in the morning I have taken that only and a tablespoonful of Halwa as a prasad to Gurudakshina utsav at Sheshadripuram for which I had postponed going to

Hassan for a medicos meet to Aug.5,2007.In the afternoon Rajeevranjanlal, a young Maithil came for software engineers' meeting there and we could have foundation meeting of the National Software Engneers' Orgnisation(NSWEO) which I had thought to found when I was trtasferred to bangalore as Bangalore has around 15 lakh software engineers while USA's Silicon Valley had only12 lakhs and hence I used the term "Indicon Valley." For this city whch has been called 'the Garden City.'

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।